अज्ञानान्धविनाशाय नभोमणितुलां वहन् ।।

।। श्री गणेशाय नम ।।

''विश्वविजय पंचाख'' सदाऽस्तु विदुषा मुदे

श्री महासरस्वत्यै नमः ।

महोअर्णः सरस्वती प्रचेतयति केतुना।
धियो विश्वा विराजति।।

राजा शनि

मंत्री सूर्य

२०

सर्वतोभद्र चक्र विशेषांक

नवैः प्राच्यैर्योगिभिरखिलगिमाधीरपि तथा।
समानीतात्साराद् गणितमनवद्यं वहति यः।।

सदासेव्यः प्राज्ञैर्विबुधगणितज्ञैरपि मतः।
सुरम्यं पञ्चांगं भुवि विजयते 'विश्वविजयः'।।

अ.भा ज्योतिष-परिषद् मुख्य अध्यक्ष

श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी ज्योतिषाचार्य
सोलन (हिमाचल प्रदेश)

श्रीसनातनधर्म-प्रतिनिधिसभया सम्मानितम्
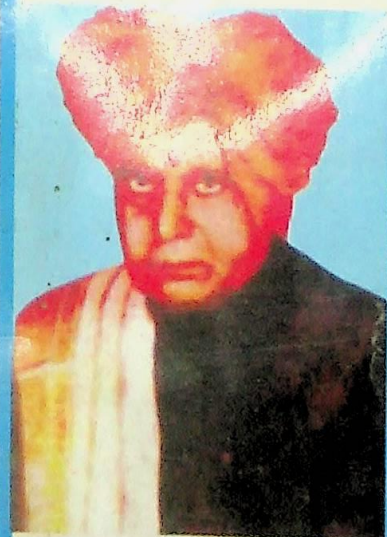
श्रीविश्वविजय-पञ्चांगम

श्री विक्रम संवत् 2076 शकः संवत् 1941 सन् 2019-2020 भारतीय गणराज्य संवत् 70-71

आद्य सम्पादक – स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी–ज्योतिषाचार्य सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी

ज्योतिष्मती निकेतन सोलन
हिमाचल प्रदेश 173212 मूल्य ₹ 164

श्री:

श्री विश्वविजय पंचांग को ब्रह्म-विष्णु-शिव स्वरूप ब्रजमण्डल के देवों का स्नेहासीर्वाद

परमपूज्य अनंत श्रीविभूषित ब्रह्मलीन श्री देवरहा बाबा
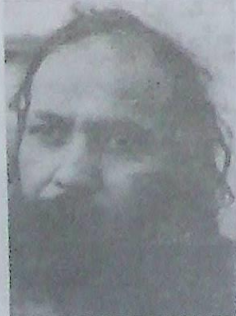
योगिराज तपःपूत श्री १०८ श्रीपादबाबा

योगिराज श्री १०८ स्वामी कार्ष्णि गुरूशरणानन्दजी महाराज

विश्व की तीन महान् दैवी विभूतियों का स्नेहशीर्वाद एक साथ प्राप्त करने का सौभाग्य 'श्रीविश्वविजय पंचांग' को 45वें वर्ष में प्राप्त हुआ। यह पंचांग प्रेमियों के लिए परम हर्ष का विषय है।

पहले हैं- विश्व विख्यात तपःपूत आध्यात्मिक जगत के अमितायुः भीष्मपितामह ब्रह्मलीन योगीराज परम संत अन्नंत श्री विभूषित श्री देवराह बाबा, जो अनेक वर्षों से गंगा-यमुना तट पर घास ,फूस काष्ट निर्मित ऊंचे मचान पर दिगम्बर रूप में निवास करते थे। कब वे मचान से उतर के गंगा स्नान करने जाते और वापस लौटते यह कोई नही देख पाया। राष्ट्रपति पद के सभी छोटे-बडे अधिकारी, मंत्रिगण आपके आपके श्रीचरणों के दर्शन को ललायित रहते है।गत गुरूपूर्णिमा दि. 29 जुलाई 1988 को अपरान्ह काल में वृन्दावनधाम यमुनापार पवित्र मचान पर आपके दर्शनार्थ पंचांग सम्पादक पंचांग प्रकाशक श्री सतीश कुमार के साथ पहुंचा। जब 'श्री विश्वविजय पंचांग' और 'ज्योतिष्मति' का नववर्षांक मचान आपकी सेवा में पहुंचा तो बाबा ने अत्यन्त प्रससन्नता व्यक्त की त्रिवेदी जी के प्रार्थना करने पर कि नेत्र-व्याधि के कारण 3 वर्ष बाद में अब दूर से श्रीचरणों के दर्शन ठीक नहीं कर पा रहा हूं, तो स्नेहर्दभाव से तत्काल दिगम्बर रूप में खडे होकर बोले- 'ले कर ले अच्छी तरह दर्शन, हम तुम्हारे कार्य से प्रसन्न है। इतना कहकर अपने कर कमलों से एक अमूल्य उपवस्त्र और पुष्पकमल-फल प्रसाद कर पंचांगकर्ता का स्नेहाशींवाद दिया।

दूसरे हैं- भारत के महन् सन्त, बृज अकादमी वृन्दावन के संस्थापक, अनंत श्रीविभूषित श्रीपाद बाबा, जिनके श्रीचरणों में रंक से राजा राष्ट्रपति तक साष्टांग दण्डवत प्रणाम करते है। 22 वर्ष पूर्व गुरूपूर्णिमा आने पर भी 'श्रीविश्वविजय पंचांगकर्ता को अपने कर कंबलों से उपवस्त्र पहना कर पूजा का विशेष श्रीफल कदली फल प्रसाद प्रदान कर उपकृत किया। आपको हस्तलिखित स्नेहशीर्वाद विगत वर्ष संवद् 2047 वि. के 'श्रीविश्वविजय पंचांग' में पृष्ठ 158 पर अंकित है।

तीसरे हैं- बृतमंडल के प्रसिद्ध संत श्री उदासीन कार्ष्णि आश्रम श्रीमणरेती महावन के अध्यक्ष कार्ष्णि स्वामी श्री गुरूशरणानन्द जी महाराज से आपका हस्तलिखित शुभाशीर्वाद संवत 2047 वि. के पंचांग पृष्ठ 158 पर प्रकाशित है। आप न्यायदर्शन वेदान्तादि के आचार्य है। 'संत हृदय नवनीत समाना' की प्रतिकृति परम दयालु पर दुःख कातर महापुरूष के साथ स्वयं कठोर तपस्वी भी है। 23 वर्ष पूर्व अपने गोवर्धन क्षेत्रस्थ-श्रीमानसी गंगा का जीर्णोद्धार महीनो तक स्वयं सैकड़ो भक्तों के साथ खड़े रहकर करवाया। विगत वर्ष गिर्राज गोवर्धन की दण्डवती परिक्रमा का कष्ट साध्य पावन यज्ञ पूर्ण किया। ऐसे तपस्वी संतो का स्नेहाशीर्वाद 'श्रीविश्वविजयपंचांग के लिए गौरव की बात है।

"श्रीविश्वविजयपंचांग" भूतपूर्व प्रधानमन्त्रियों की दृष्टि में

आपका यह प्रिय पंचांग ज्योतिर्विदज्ञानाचार्यो, धर्मचायो एवं विद्वानों का ही कृपापात्र नहीं, अपितु रंक से लेकर राजा तक के हृदय में अपना स्थान बना चुका है। (भू.पू. राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसादजी, भू.पू. प्रधानमंत्री, श्री लाल बहादुरशास्त्रीजी, श्रीमति इंदिरा गांधी, श्री चौ. चरण सिंह व अनेक प्रान्तों के राज्यपालों तथा मुख्यमंत्रीयों के उद्गार यथासमय पंचांग व पत्रिका व पत्रिका में प्रकाशित होते रहे है। पं. जवाहरलाल नेहरूजी को पंचांग से विशेष प्रेम था और वे अपने पण्डित कहलाने में गर्व अनुभव करते थे। इसका प्रमाण 52 वर्ष पूर्व सोलन की घटी एक घटना प्रत्यक्षदर्शियों को अब भी स्मरण है। 16 जुलाई 1959 को श्री पण्डित नेहरूजी शिमला से लौटते समय कुछ देर नागरिकों का अभिनंन्दन स्वीकार के लिए सोलन रूके थे। श्री त्रिवेदीजी ने पुष्पमाला के साथ संवत् 2016 वि. का 'विश्वविजयपंचांग' भेंट किया, तो बोले -'धन्यावाद, इस वर्ष अभी तक आपका पंचांग नहीं खरीदा था।' इस पर त्रिवेदीजी ने पूछा-'क्या आप भी पंचांग खरीदते है?' तत्काल उत्तर मिला-'क्या आप मुझे पण्डित नहीं मानते?' उस समय श्री नेहरूजी के साथ श्रीमति इन्दिरा गांधी और तत्कालीन उपराज्यपाल राजा बजरंग बहादुर सिंह भी वहीं थे। 42 वर्ष पूर्व श्रीमति गांधी ने अपने जन्मदिवस पर 19 नवम्बर 1939 को प्रधानमंत्री निवास में श्री त्रिवेदीजी से संवत् 2026 वि. का 'श्रीविश्वविजयपंचांग' अभिवादनपूर्वक सस्नेह ग्रहण किया, उस समय एक स्मृतिचित्र यहां प्रस्तुत है।

ग्रहों के दैनिक गति के अनुसार सर्वतोभद्र चक्र वेद दिशा	गायत्री उपासना का आगमिक अनुष्ठान	प्राचीन शास्त्र औ[illegible] आधुनिक विज्ञान
कवच-पाठ महिमा की आवश्यकता	वि. संवत् 2077 के देवशयन तक के विवाह मुहूर्त्त	ग्रहण-विवेचन

संवत् 2076 में पृथ्वी पर होने वाले संभावित भूकम्पों की तारीखें

अज्ञानान्धविनाशाय नभोमणितुलां वहन् ।।

।। श्री गणेशाय नमः ।।

''विश्वविजय पंचाङ्ग'' सदाऽस्तु विदुषां मुदे

राजा शनि

मंत्री सूर्य
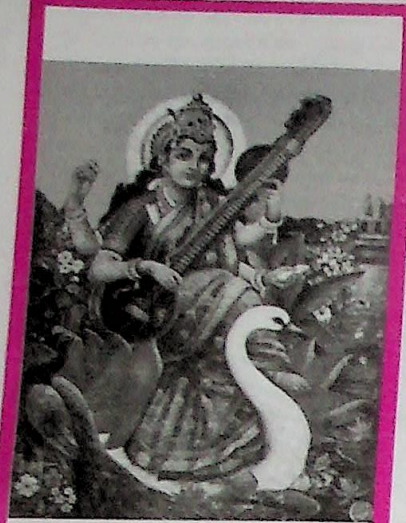
महोअर्णः सरस्वती प्रचेतयति केतुना।
धियो विश्वा विराजति।।

नवैः प्राच्यैर्मनीषिभिर्निगमाद्यैरपि तथा।
संमानितात्सारात् गणितमनवद्यं वहित यः।।

इदं-प्रत्यक्षदृश्यं केतकीचित्रापक्षीयं सर्वदेशिकं धर्मशास्त्रसम्मतम्

श्रीविश्वविजय पञ्चांगम्

सदासेव्यः प्राग्रैर्विधगणितज्ञैरपि मतः।
सुरम्यं पंचांगं भुवि विजयते 'विश्वविजयः।।

श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी ज्योतिषाचार्य
सोलन (हिमाचल प्रदेश)

श्रीसनातनधर्म-प्रतिनिधिसभया सम्मानितम्

श्रीविश्वविजय-पञ्चांगम

श्री विक्रम संवत् 2076 शकः संवत् 1941 सन् 2019-2020 भारतीय गणराज्य संवत् 70-71

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य सम्पादक - श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी, ज्योतिष्मती निकेतन, सोलन (हि.प्र.)

सह सम्पादक - रोहिताश्व त्रिवेदी फोन /फैक्स 01792-220596, email : rohitashw@gmail.com

मुद्रक एवं वितरक : ज्योतिष्मती निकेतन प्रकाशन सेक्टर 41 गुडगांव
दूरभाष- 9871956320

प्रमुख विक्रेता : ज्योतिष्मती निकेतन प्रकाशन
सेक्टर 41 गुडगांव दूरभाष- 9871956320

।।श्री।।

प्रकाशीय प्राक्कथन

जगत् जननी मां भगवती की प्रेरणा से एवं पं. हरदेव शर्मा जी के शुभाशीर्वाद से मैंनें आपके समक्ष 'श्रीविश्वविजय पंचांग' प्रस्तुत किया है। आप सब ने मुझको भरपूर प्रोत्साहन दिया जिसके कारण आगामी 'श्रीविश्वविजय पंचांग' सवत् 2076वि. आपके सामने प्रस्तुत करने में मुझे हार्दिक हर्ष हो रहा है। आगे भी आप सब लोग मुझे इस प्रकार का सहयोग और सुझाव देते रहें जिससे पंचांग अपनी गरिमा को बनाएं रखें।

श्री प्रवीण कुमार जी जैन (बडोदरा गुजरात) ने मुहूर्त्त निर्णय में और मातृ तुल्य श्रीमति मंजू जी जैन (वकील, दिल्ली) ने मुद्रण में सहयोग दिया हैं। श्री मति मंजू जैन जी मातृ तुल्य है अत: हम इनका आभार व्यक्त नहीं कर सकते केवल इनके श्री चरणों में प्रणाम ही कर सकते है। मां की कृपा रही तो आगामी नववर्ष संवत् 2077 का भी पंचांग संवत् 2076 के शरद नवरात्रो तक प्रकाशित हो सकेगा। आगे जैसी मां की इच्छा होगी वही होगा।

मातृचरणचंचरीक

सुधाकर शर्मा त्रिवेदी, रोहिताश्व त्रिवेदी

विषय सूची संवत् 2076 विक्रमी

आरम्भिका

या विद्या शिक्केशवादि जननी या वै जगन्मोहिनी
या पञ्चप्रणवद्विरेफनलिनी या चित्कलामालिनी।
या ब्रह्मादि पिपीलिकान्ततनुषुप्रोता जगत्साक्षिणी
सा पायात्परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी॥

ज्योतिषशास्त्र प्रत्यक्ष फलदायक है। इसमें सन्देह नहीं, किन्तु इस शास्त्र पर सूक्ष्म अध्ययन और अनुशीलन की आवश्यकता है। इस शास्त्र का सृष्टि के आदिकाल में भारतीय महर्षियों ने ही आविष्कार किया। भारतीय लोगों की असावधानता और उपेक्षा वृत्ति से यह विज्ञान विदेशियों के हाथ लगा, उन्होंने इसको अपनाकर अद्भुत नाम एवं यश प्राप्त किया। अनेकों मुसलमान और अंग्रेजों ने ज्योतिष सम्बन्धी ग्रन्थ लिखे और आज का समस्त पश्चिमी संसार इस विद्या के प्रभाव से लोगों को आश्चर्यचकित कर रहा है। ग्रीनविच की संसार प्रसिद्ध वेधशाला को कौन नहीं जानता? वहां की जनता एवं सरकार अब भी प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये व्यय कर इस शास्त्र के अनुसन्धान में लगी हुई है, पर इसी शास्त्र के उद्गम स्थान भारत की दशा बड़ी शोचनीय है। यहां इस विज्ञान को कोई किसी प्रकार की सहायता तो पहुंचाता नहीं, पर आपेक्ष या कुठाराघात करने पर सब प्रस्तुत हो जाते हैं। इन सब कारणों से व्यथित होकर यथाशक्ति इस वैज्ञानिक शास्त्र के द्वारा भारतीय संस्कृति समुत्थान की शुभकामना से ही हम गत अनेक वर्षों से 'श्रीविश्वविजय पंचांग'' के माध्यम से जनता जनार्दन की सेवा कर रहे हैं।

केतकी चित्रापक्षीय पंचांगों की सब ओर से सम्पुष्टि

उत्तर भारत में चित्रापक्षीय पंचांग का जो कार्य हमने प्रारम्भ किया था, उसके प्रचार में उत्तरोत्तर वृद्धि होती जा रही है। प्रायः सभी प्राचीन पंचांगकारों ने सूर्यसिद्धान्त, ग्रहलाघव, मकरन्द और ब्रह्मपक्षीय ग्रहों के स्थान में चित्रापक्षीय (ज्योतिर्गणित केतकी आदि से) शुद्ध दृक्तुल्य ग्रह ग्रहणोदयास्तादि लगाने प्रारम्भ कर दिये हैं। विद्वान् सहयोगियों ने अनुभव किया है कि इस समय जब सूर्य परम मन्दफल और चन्द्रमा के संस्कार फलों में कई कलाओं का अन्तर प्रत्यक्ष सिद्ध है, तब सूर्य चन्द्रमा से निष्पन्न तिथिमान में भी 10-15 घटी का अन्तर स्वाभाविक है। केतकी गणित के आधार पर दिये हुए 'श्रीविश्वविजय-पंचांग' के तिथ्यादि धर्मशास्त्रीय निर्णय व्रतोपवासादि के लिए उपयोगी है, इसमें अब किसी प्रकार की शंका नहीं है।

भारत सरकार के 'राष्ट्रीय पंचांग' और 'केलेण्डर' रिफार्म कमेटी की रिपोर्ट में भी यही तिथि स्वीकार की गयी और इसके आधार पर राष्ट्रीय पंचांगों और राजकीय केलेण्डरों में पर्व, त्यौहार एवं छुट्टियां लगायी जाती हैं। विगत संवत् 2019 के चैत्र मास में कुम्भ महापर्व पर भगवती भागीरथी के तट पर हरिद्वार में श्रीसनातनधर्म प्रतिनिधि सभा, पंजाब के आमन्त्रण पर उत्तर-भारतीय ज्योतिर्विदों का सम्मेलन हुआ था, उसमें सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि अगले वर्ष सं० 2020 वि० से उत्तर भारत के सभी पंचांगकार अपने-अपने पंचांगों में तिथि नक्षत्र योग के घट्यादि का मान भी नवीन दृक्पक्ष (केतकी ज्योतिर्गणित वैजयन्ती आदि) से ही लगायेंगे। तदनुसार पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध पंचांगों में विगत वर्ष सं० 2020 वि० से तिथ्यादि भी नवीन सूक्ष्म गणित से लगानी प्रारम्भ कर दी, यह उत्तर भारत में पंचांग एकीकरण के लिए परम हर्ष का विषय है।

इससे कुछ वर्ष पहले वैष्णव सम्प्रदाय के धर्माचार्य श्री 108 गो० गोकुलनाथजी महाराज, जगद्गुरु शंकराचार्य श्री 108 स्वामी योगेश्वरानन्दजी तीर्थ महाराज पुरीमठ, श्री 108 जगद्गुरु शंकराचार्य सेकेश्वर करवीर मठ, जगद्गुरु श्री 108 अनन्ताचार्यमहाराज कांची कामकोटि मठ आदि के शंकराचार्यचरणों ने भी सूक्ष्म तिथि से ही धर्मनिर्णय करने के आज्ञा पत्र निकाले हैं। वल्लभ-सम्प्रदाय की प्रधानपीठ श्रीनाथद्वारा के तिलकायत गोस्वामी श्री 108 गोविन्दलालजी महाराज की आज्ञानुसार विगत कई वर्षों से 'श्रीनाथपंचांग' का भी केतकी चित्रापक्ष से ही निर्माण हो रहा है और नवलगढ़ के 'सरस्वती पंचांग' में भी अब तिथ्यादि मान, सूक्ष्म केतकी गणित से ही छपने लगा है। जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्य और जैन-धर्म के आचार्यों के धर्म कृत्य भी सूक्ष्म गणित प्रत्यक्ष पंचांग दृग्गणितानुसार प्रकाशित होने लगे हैं।

कुछ सज्जन तिथिमान को अदृश्य या अप्रत्यक्ष कहकर उसे आधुनिक काल के लिए अप्रत्यक्ष स्थूल गणित मकरन्द ग्रहलाघव सूर्यसिद्धान्त ब्रह्मपक्षीय से बनाने का आग्रह करते हैं। यह वर्तमानकाल के लिए उपयुक्त नहीं। इस विषय में तैत्तिरीय संहिता, सिद्धान्त कामधेनु, विष्णु-धर्मोत्तरपुराण, नारदीय-पुराण आदि प्राचीन आर्ष ग्रन्थों के अनेक प्रमाण गत वर्षों के पंचांग की आरम्भिका में हम प्रकाशित कर चुके हैं। स्थानाभाव के कारण यहां केवल दो आप्तवचन दे रहे हैं—

यस्मिन पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यम्।
दृष्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादि निर्णयम्॥(वशिष्ठः)
तेभ्यः स्याद् ग्रहणादि दृक्समयिं प्रोक्ता मया सा तिथिः।
ग्राह्या मंगल धर्मनिर्णयविधावेषा यतो दृक्समा॥(ति०चि०)

भारत सरकार के मौसम-विभाग और अखिल भारतीय ज्योतिषपरिषद् के संयुक्त तत्वावधान में दि० 19-20 नवम्बर 68 को विज्ञानभवन, नई दिल्ली में विशाल पंचांग गोष्ठी का आयोजन किया गया। उसमें समस्त भारत के नवीन प्राचीन पद्धति के शताधिक प्रसिद्ध विद्वान् पंचांगकार सम्मिलित हुए थे। दो दिन के विचार-विमर्श के अनन्तर भारी बहुमत से दृक्पक्षीय (चित्रापक्षीय अयनांश) पंचांग गणना को ही शास्त्रसम्मत प्रमाणित किया गया।

विगत कई वर्षों से इस पंचांग ने दैनिक चन्द्र का उदय-अस्त भारतीय स्टैण्डर्ड टाइम घण्टा-मिनटों में एवं साम्पातिक काल (दिल्ली, मुम्बई, चैन्नई, कोलकता) के दिये गये हैं। इस वर्ष पंचांग में अन्य कई उपयोगी विषय बढ़ाये गये हैं।

ज्योतिष्मती निकेतन
सोलन (हि०प्र०)

विदुषामनुचरः
सुधाकर शर्मा त्रिवेदी

पंचांग देखने की विधि

1. इस पंचांग (श्रीविश्वविजय) का सभी गणित दिल्ली के अक्षांश 28 ।38 रेखांश 77 ।17 पर किया गया है। तिथि नक्षत्र के घटी पल दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय से समाप्ति काल के हैं। तिथि नक्षत्र योग करण के घण्टा मिनट भा.स्टै.टा. से समाप्ति काल के हैं, जो भारत में सर्वत्र उसी टाइम से होंगे।

2. सूर्योदय सूर्यास्त भारतीय समयानुसार दिल्ली के हैं। सूर्योदय सूर्यास्त किरण वक्री भवन संस्कार रहित हे। प्रत्यक्ष देखने के लिए सूर्योदय में दो मिनट घटावें और सूर्यास्त में दो मिनट बढ़ावें।

3. इस पंचांग में करण सूर्योदय कालीन दिये गये हैं। अग्रिम करण उससे आगे वर्तमान तिथि के अर्धभाग तक जानें।

4. सूर्य चन्द्रादि ग्रहों का राश्यादि संचार एवं भद्रा पंचक, ग्रहों के उदय अस्त वक्रमार्ग आदि भा.स्टै.टा. में हैं, जो भारत में सर्वत्र उसी टाइम में होंगे। यह इस पंचांग की विशेषता है।

5. महीनों में अष्टमी, पूर्णिमा एवं अमावस्या के ग्रह स्पष्टों के राश्यादि स्टै.टा. प्रातः घं.5 मि. 30 के हैं। नीचे उस दिन की गति और वक्री मार्गी उदय-अस्त व ग्रहों के नक्षत्रचरण दिये हैं। ग्रह स्पष्टों के साथ कुण्डली भी उपरोक्त समय की है।

6. तिथ्यादि तथा चन्द्रमा भद्रा ग्रहाचार आदि में 24-25-26 आदि अंक लिखे हैं, उनका अर्थ यह है कि 24 को रात्रि के बारह बजे, 25 को रात्रि के 1 बजे, 26 को रात्रि के 2 बजे समझें। इसी प्रकार आगे के अंकों में भी 24 घटाकर अर्द्धरात्रि बाद के अगली तारीख में समझेंगे।

7. इस पंचांग का गणित आचार्यों, ऋषियों द्वारा ग्राह्य और भारत सरकार द्वारा स्वीकृत सूक्ष्म दृश्य पद्धति से किया है। जहां सायन गणना की गयी है, वहां अयनांश चित्रा पक्षीय शुद्ध मानकर ग्रहण किये गये हैं। यहां निरयन पद्धति सर्वत्र मान्य की है।

8. दैनिक लग्न सारिणी में समय का उल्लेख स्टैण्डर्ड टाइम के अनुसार दिल्ली का है और लग्न का समाप्ति काल लिखा गया है।

9. लस्टर में ABC... आदि चिह्न दिये हैं। उनका मतलब यह है कि मैटर उस लाइन में नहीं आ सका। जो चिह्न जहां लगाया, वैसा ही चिह्न कहीं दूसरी लाइन में लगाकर शेष मैटर लिखा है। नीचे लिखी संकेतावली को पंचांग देखने में काम लेने से सम्पूर्ण विषय समझ में आ जायेंगे।

पंचांग में लिखे शब्दों की संकेतावली (अकारादि क्रम से)

अ. = अश्विनी (नक्षत्र), अतिगण्ड (योग) अग्नि (पंचक), अक्टूबर, अगस्त, अप्रैल (मास)
अनु. = अनुराधा (नक्षत्र)
आ. = आर्द्रा न., आयुष्मान यो., आषा. आश्विन
उ.षा. = उत्तराषाढ़ (नक्षत्र)
उ.भा. = उत्तरा भाद्रपद (नक्षत्र)
अं. = अंश, अंग्रेजी (मास तारीख)
उ.फा. = उत्तर फाल्गुनी (नक्षत्र)
ब्र. = ब्रह्म (योग)
वृ. = वृद्धि (योग)
बु. = बुध (वार), बुध ग्रह
भ. = भरणी (नक्षत्र) भद्रा
ऐं. = ऐन्द्र (योगे)
क. = कर्क, कन्या (राशि) कला
का. = कार्तिक (मास)
क्रां. सा. = क्रान्ति साम्य (महापात)
कृ. = कृत्तिका (नक्षत्र) कृष्ण पक्ष
कु. = कुम्भ (राशि)
गु. = गुरु (वार) गुरु ग्रह
गु.दा. = गुरु दान से
गो. = गोधूलि (लग्न)
गं. = गण्ड (योग)
घ. = घटी
घं. = घण्टा
चि. = चित्रा (नक्षत्र)
चै. = चैत्र (पंचक)
चौ. = चौर (पंचक)
चं. = चन्द्र (सोमवार) चन्द्र ग्रह
ज. = जयन्ती, जनवरी (मास)
जू. = जून (मास)
जु. = जुलाई (मास)
ज्ये. = ज्येष्ठ (मास), ज्येष्ठा (नक्षत्र)
ता. = तारीख
तु. = तुला (राशि)
दि.ल. = दिन में लग्न
ध. = धनु (राशि), धनिष्ठा (नक्षत्र)
धूलिमु. = धुलिमुख (अन्यगोधूलि) लग्न
ध्रु. = ध्रुव (योग)
धृ. = धृति (योग)
निं. = निंबार्क (सम्प्रदाय)
नृ. = नृप (पंचक)
प. = परिघ (योग) पल
प्र. = प्रवेश
प्रा. = प्रारम्भ
प्री. = प्रीति (योग)
पु. = पुष्य (नक्षत्र)
पुन. = पुनर्वसु (नक्षत्र)
पू.फा. = पूर्वाफाल्गुनी (नक्षत्र)
पू.षा. = पूर्वाषाढ़ा (नक्षत्र)
भाद्र. = भाद्रपद (मास)
म. = मघा (नक्षत्र), मकर (राशि), मई मास
पू.भा. = पूर्वाभाद्रपद (नक्षत्र)
फाल्गु. = फाल्गुन
मा. = मार्गशीर्ष, माघ, मार्च (मास)
मि. = मिनट, मिथुन राशि (लग्न) मिति
मी. = मीन (राशि)
मु. = मुहूर्त
मू. = मूल (नक्षत्र)
मे. = मेष (राशि) लग्न
मृ. = मृगशिर (नक्षत्र), मृत्यु (पंचक)
र. = रवि (वार), रवि (ग्रह)
रा. = राहु (ग्रह), राष्ट्रीय, राशि
रे. = रेवती (नक्षत्र)
रो. = रोहिणी (नक्षत्र), रोग (पंचक)
ल. = लग्न
व. = वज्र, वरियान, यो. वणिज क. वक्र गति
व्र. = व्रत
व्य. = व्यतिपात (योग)
वृ. = वृद्धि (योग) वृष, वृश्चिक (राशि)
व्या. = व्याघात (योग)
वि. = विशाखा (नक्षत्र), विष्कंभ (योग), विकला
वि.मु. = विवाह मुहूर्त
वै. = वैष्णव संप्र., वैधृति यो., वैशाख मास
श. = शनिवार, शनिग्रह, शतभिषा नक्षत्र
शि. = शिव योग
शु. = शुक्रवार, शुक्रग्रह, शुभ, शुक्ल, (योग), शुक्ल (पक्ष)
श्रा. = श्रावण (मास)
सा. = साध्य (योग)
स्वा. = स्वाती (नक्षत्र)
स्मा. = स्मार्त (सम्प्रदाय)
सि. = सिद्धि (योग), सितम्बर (मास)
सिं. = सिंह (राशि)
सु. = सुकर्मा (योग)
सौ. = सौभाग्य(योग)
ह. = हस्त (नक्षत्र), हर्षण (योग)
हि. = हिन्दी (मास-तारीख)

अवकाश दिन (छुट्टियां तातीलें)

विक्रम संवत् 2076 सन् 2019--20 ई. में
भारत सरकार द्वारा मान्य अवकाश दिन
(6 अप्रैल 2019 से ई. से 24 मार्च 2020 ई. तक)

क्र.	अवकाश	तिथि
1.	राम नवमी	13 अप्रैल सन् 2019 शनिवार
2.	बैशाखी (पंजाब), अम्बेडकर जयन्ती	14 अप्रैल सन् 2019 रविवार
3.	महावीर जयन्ती	17 अप्रैल सन् 2019 बुधवार
4.	बुध पूर्णिमा	18 मई सन् 2019 शनिवार
5.	मई दिवस	01 मई सन् 2019 बुधवार
6.	शहादत श्री हजरत अली*	27 मई सन् 2019 सोमवार
7.	ईदुल-फितर गंगा दशहरा	05 जून सन् 2019 बुधवार
8.	गंगा दशहरा	12 जून सन् 2019 बुधवार
9.	गुरू पूर्णिमा	16 जुलाई सन् 2019 मंगलवार
10.	अन्नंत चतुर्दशी	10 अगस्त सन् 2019 गुरूवार
11.	स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त सन् 2019 गुरूवार
12.	रक्षाबन्धन	15 अगस्त सन् 2019 गुरूवार
13.	श्री कृष्ण जन्माष्टमी	23 अगस्त सन् 2019 शुक्रवार
14.	मुहर्रम (ताजिया)	10 सितम्बर सन् 2019 मंगलवार
15.	गणेश चतुर्थी व्रत	17 सितम्बर सन् 2019 मंगलवार
16.	अग्रसेन जयन्ती	29 सितम्बर सन् 2019 रविवार
17.	गांधी जयन्ती	02 अक्टूबर सन् 2019 बुधवार
18.	विजयादशमी	08 अक्टूबर सन् 2019 मंगलवार
19.	श्री बाल्मीकी जयन्ती	16 अक्टूबर सन् 2019 रविवार
20.	दीपावली, श्री महावीर निर्वाण दिवस	27 अक्टूबर सन् 2019 रविवार
21.	भाई दूज, श्री विश्वकर्मा पूजन दिवस	29 अक्टूबर सन् 2019 मंगलवार
22.	ईद-ए-मिलाद	10 नवम्बर सन् 2019 रविवार
23.	श्री गुरूनानक जयन्ती	12 नवम्बर सन् 2019 मंगलवार
24.	गुरूतेग बहादुर बलिदान दिवस (प्राचीन मत)	01 दिसम्बर सन् 2019 रविवार
25.	क्रिसमस डे	25 दिसम्बर सन् 2019 बुधवार
26.	श्री गुरूगोविन्द सिंह जी जयन्ती	02 जनवरी सन् 2020 गुरूवार
27.	लोहड़ी	13 जनवरी सन् 2020 गुरूवार
28.	मकर संक्रान्ति	15 जनवरी सन् 2020 गुरूवार
29.	गणतन्त्र दिवस	26 जनवरी सन् 2020 रविवार
30.	वसन्त पंचमी	29 जनवारी सन् 2020 बुधवार
31.	श्री गुरू रविदास जयन्ती	09 फरवरी सन् 2020 शुक्रवार
32.	श्री महाशिवरात्रि	21 फरवरी सन् 2020 शुक्रवार
33.	होली, धुलैंडी	10 मार्च सन् 2020 मंगलवार

नोट-1. मुस्लिम त्योहार की छुट्टियो में कभी कहीं स्थानीय चन्द्रदर्शन के अनुसार जिलाधीश फिर से निर्धारित कर एक दिन का अन्तर डाल सकते है।

2. उपर्युक्त छुट्टियो को सरकारी गजट से मिला लेना आवश्यक है। किसी भूल या फेंदबदल का दायित्व सम्पादक अथवा प्रकाशक पर नहीं है।

3. (वै.) शब्द जहां लिखा है, उन्हें वैकल्पिक छुट्टियां समझें।

भारतीय अन्य विशेष पर्व त्योहार आदि

क्र.	पर्व	तिथि
1.	नववर्षारम्भ	06 अप्रैल सन् 2019 ई. शनिवार
2	गणगौरी पूजा	08 अप्रैल सन् 2019 ई. सोमवार
3.	नवरात्र समाप्त	14 अप्रैल सन् 2019 ई. रविवार
4.	वैशाख स्नानारम्भ	19 अप्रैल सन् 2019 ई. शुक्रवार
5.	श्री वल्लभाचार्य जयन्ती	30 अप्रैल सन् 2019 ई. मंगलवार
6.	टैगोर जयन्ती	07 मई सन् 2019 ई. मंगलवार
7.	श्री परशुराम जयन्ती	07 मई सन् 2019 ई. मंगलवार
8.	श्री नृसिंह जयन्ती	17 मई सन् 2019 ई. शुक्रवार
9.	वैशाख स्नान समाप्त	18 मई सन् 2019 ई. शनिवार
10.	वट् सावित्री व्रत	01 जून सन् 2019 ई. शनिवार
11.	गंगा दशहरा	12 जून सन् 2019 ई. बुधवार
12.	निर्जला एकादशी	13 जून सन् 2019 ई. गुरूवार
13.	कबीर जयन्ती	17 जून सन् 2019 ई. सोमवार
14.	श्री गुरूहरगोविन्द सिंह ज.	18 जून सन् 2019 ई. मंगलवार
15.	श्री जगदीश रथ यात्रा	04 जुलाई सन् 2019 ई. गुरूवार
16.	देवशयनी एकादशी व्रत	12 जुलाई सन् 2019 ई. शुक्रवार
17.	गुरू पूर्णिमा	16 जुलाई सन् 2019 ई. मंगलवार
18.	मधुश्रुवा तीज	03 अगस्त सन् 2019 ई. शनिवार
19.	नाग पंचमी	05 अगस्त सन् 2019 ई. सोमवार
20.	कज्जली तृतीया	18 अगस्त सन् 2019 ई. रविवार
21.	श्री गणेश चतुर्थी व्रत	19 अगस्त सन् 2019 ई. सोमवार
22.	गुग्गा नवमी	25 अगस्त सन् 2019 ई. रविवार
23.	हरितालिका तीज	01 सितम्बर सन् 2019 ई. रविवार
24.	ऋषि पंचमी	03 सितम्बर सन् 2019 ई. मंगलवार
25.	जलझूलनी मेला	09 सितम्बर सन् 2019 ई. सोमवार
26.	वामन जयन्ती	10 सितम्बर सन् 2019 ई. मंगलवार
27.	श्राद्धारम्भ	15 सितम्बर सन् 2019 ई. शनिवार
28.	शारदीय नवरात्र प्रारम्भ	29 सितम्बर सन् 2019 ई. रविवार
29.	अग्रसेन जयन्ती	29 सितम्बर सन् 2019 ई. रविवार
30.	करवा चौथ	17 अक्टूबर सन् 2019 ई. गुरूवार
31.	अहोई अष्टमी	21 अक्टूबर सन् 2019 ई. सोमवार
32.	गोत्सव द्वादशी	25 अक्टूबर सन् 2019 ई. शुक्रवार
33.	गोपाष्टमी	04 नवम्बर सन् 2019 ई. सोमवार
34.	प्रबोधिनी एकादशी व्रत	08 नवम्बर सन् 2019 ई. शुक्रवार
35.	कार्तिक स्नान मेला	12 नवम्बर सन् 2019 ई. मंगलवार
36.	मोक्षदा एकादशी व्रत	08 दिसम्बर सन् 2019 ई. रविवार
37.	अन्नपूर्णा जयन्ती	12 दिसम्बर सन् 2019 ई. गुरूवार
38.	शाकम्भरी जयन्ती	10 जनवरी सन् 2020 ई. शुक्रवार
40.	लाला लाजपतराय जयन्ती	28 जनवरी सन् 2020 ई. मंलवार
41.	मेला जैसलमेर 3 दिन का	07 फरवरी सन् 2020 ई. शुकवार
42.	मेजा खाटू श्याम जी 2 दिन	06 मार्च सन् 2020 ई. शुक्रवार
43.	शीतला अष्टमी	16 मार्च सन् 2020 ई. सोमवार

वर्गीकृत व्रत पर्व (सम्वत् 2076 वि.)

मास	एकादशी		प्रदोष व्रत		अमावस	पूर्णिमा	कालाष्टमी	संक्रान्ति	सत्यव्रत	गणेश चतुर्थी	विनायक चतुर्थी	मास शिवरात्रि
	कृष्ण	शुक्ल	कृष्ण	शुक्ल	- - -	- - -	- - -	- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
चैत्र	---	15 अप्रैल	- - -	17 अप्रैल	- - -	19 अप्रैल	- - -	- - -	18 अप्रैल	---	09 अप्रैल	- - -
वैशाख	30 अप्रैल	15 मई	02 मई	16 मई	04 अप्रैल	18 मई	26 अप्रैल	15 मई (वृष)	18 मई	22 अप्रैल	08 मई	03 मई
ज्येष्ठ	30 मई	13 जून	31 मई	14 जून	03 मई	16 जून	26 मई	15 जून (मिथुन)	16 जून	22 मई	06 जून	01 जून
आषाढ़	29 जून	12 जुलाई	30 जून	14 जुलाई	02 जुलाई	16 जुलाई	25 जून	17 जुलाई (कर्क)	16 जुलाई	20 जून	06 जुलाई	01 जुलाई
श्रावण	28 जुलाई	11 अगस्त	29 जलाई	12 अगस्त	01 अगस्त	15 अगस्त	25 जुलाई	17 अगस्त (सिंह)	14 अगस्त	20 जुलाई	04 अगस्त	30 जुलाई
भाद्रपद	26 अगस्त	09 सितम्बर	28 अगस्त	11 सितम्बर	30 अगस्त	14 सितम्बर	23 अगस्त	17. सितम्बर (कन्या)	13 सितम्बर	19 अगस्त	02 सितम्बर	28 अगस्त
आश्विन	25 सितम्बर	09 अक्टूबर	26 सितम्बर	11 अक्टूबर	28 सितम्बर	13 सितम्बर	22 सितम्बर	18 अक्टूबर (तुला)	13 अक्टूबर	17 सितम्बर	01 अक्टूबर	27 सितम्बर
कार्तिक	24 अक्टूबर	08 नवम्बर	26 अक्टूबर	09 नवम्बर	28 अक्टूबर	12 अक्टूबर	21 अक्टूबर	17 नवम्बर (वृश्.)	12 नवम्बर	17 अक्टूबर	31 अक्टूबर	26 अक्टूबर
मार्गशीर्ष	22 नवम्बर	08 दिसम्बर	24 नवम्बर	09 दिसम्बर	26 नवम्बर	12 नवम्बर	19 नवम्बर	16 दिसम्बर (धनु)	11 दिसम्बर	16 नवम्बर	30 नवम्बर	24 नवम्बर
पौष	22 दिसम्बर	06 जनवरी	23 दिसम्बर	08 जनवरी	26 दिसम्बर	10 दिसम्बर	19 दिसम्बर	15 जनवरी (मकर)	10 जनवरी	15 दिसम्बर	29 दिसम्बर	24 दिसम्बर
माघ	20 जनवरी	05 फरवरी	22 जनवरी	07 जनवरी	24 जनवरी	09 जनवरी	17 जनवरी	13 फरवरी (कुंभ)	08 फरवरी	13 जनवरी	28 जनवरी	23 जनवरी
फाल्गुन	19 फरवरी	06 मार्च	20 फरवरी	07 फरवरी	23 फरवरी	09 मार्च	15 फरवरी	14 मार्च (मीन)	09 मार्च	12 फरवरी	27 फरवरी	21 फरवरी
चैत्र कृष्ण	19 मार्च	- - -	21 मार्च	- - -	24 मार्च	- - -	16 मार्च		- - -	12 मार्च	- - -	22 मार्च

दशावतार जयन्तियां		दश महाविद्या जयंती		पितृ पक्ष के श्राद्ध (आश्विन कृष्ण)				नवरात्र		
श्री मत्स्य जयन्ती	08 अप्रैल	श्री महातारा जयन्ती	13 अप्रैल	पूर्णिमा	13 सितम्बर	सौभाग्यवती स्त्री	23 सितम्बर	तिथि	वसंत	शरद्
श्री राम नवमी	13 अप्रैल	श्री मातंगी जयन्ती	07 मई	प्रतिपदा	14 सितम्बर	दशमीं	24 सितम्बर	प्रतिपदा	06 अप्रैल	29 सितम्बर
श्री परशुराम जयन्ती	07 मई	श्री बगलामुखी जयन्ती	12 मई	द्वितीया	15 सितम्बर	एकादशी	25 सितम्बर	द्वितीया	07 अप्रैल	30 सितम्बर
श्री नृसिंह जयन्ती	17 मई	श्री छिन्नामस्तिका जयन्ती	18 मई	तृतीया	17 सितम्बर	द्वादशी	25 सितम्बर	तृतीया	08 अप्रैल	01 अक्टूबर
श्री कूर्म जयन्ती	18 मई	श्री धूमावती जयन्ती	10 जून	चतुर्थी	18 सितम्बर	सन्यासियों का	25 सितम्बर	चतुर्थी	09 अप्रैल	02 अक्टूबर
श्री बुद्ध जयन्ती	18 मई	श्री महाकाली जयन्ती	23 अगस्त	पंचमी	19 सितम्बर	त्रयोदशी	26 सितम्बर	पंचमी	10 अप्रैल	03 अक्टूबर
श्री कल्कि जयन्ती	05 अगस्त	श्री भुवनेश्वरी जयन्ती	11 सितम्बर	षष्ठी	20 सितम्बर	शस्त्र-विष-जल	27 सितम्बर	षष्ठी	11 अप्रैल	04 अक्टूबर
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	23 अगस्त	श्री कमला जयन्ती	27 अक्टूबर	सप्तमी	21 सितम्बर	चतुर्दशी	28 सितम्बर	सप्तमी	12 अप्रैल	05 अक्टूबर
श्री वराह जयन्ती	01 सितम्बर	श्री षोडशी जयन्ती	12 दिसम्बर	अष्टमी	22 सितम्बर	अज्ञात मृत्यु	28 सितम्बर	अष्टमी	13 अप्रैल	06 अक्टूबर
श्री वामन जयन्ती	10 सितम्बर	श्री ललिता जयन्ती	09 फरवरी	नवमी	23 सितम्बर	सर्वपितृ	28 सितम्बर	नवमी	14 अप्रैल	07 अक्टूबर

सिक्खों के पर्वोत्सव 2019—2020 ई.

नाम श्री गुरू साहिब	प्रकाशोत्सव (जयन्ती)		गुरू पद प्रतिष्ठा		ज्योति ज्योत समाए (पुण्य तिथि)	
	प्राचीन परंपरा	नानकशाही मत	प्राचीन परंपरा	नानकशाही मत	प्राचीन परंपरा	नानकशाही मत
श्री गुरू तेगबहादुर जी	24 अप्रैल	18 अप्रैल	18 अप्रैल	16 अप्रैल	01 दिसम्बर	24 नवम्बर
श्री गुरू अर्जुन देव जी	26 अप्रैल	02 मई	01 सितम्बर	16 सितम्बर	07 जून	16 जून
श्री गुरू अंगददेव जी	05 अप्रैल	18 अप्रैल	19 सितम्बर	18 सितम्बर	09 अप्रैल	16 अप्रैल
श्री गुरू अमर दास जी	17 मई	23 मई	06 अप्रैल	16 अप्रैल	14 सितम्बर	16 सितम्बर
श्री गुरू हरगोविन्द जी	18 जून	05 जुलाई	27 मई	11 जून	10 अप्रैल	19 मार्च
श्री गुरू हरकिशन जी	26 जुलाई	23 जुलाई	22 अक्टूबर	20 अक्टूबर	18 अप्रैल	16 अप्रैल
श्री गुरू ग्रथ साहिबजी का प्रथम प्रकाश	31 अगस्त	01 सितम्बर	29 अक्टूबर	29 अक्टूबर	-----	-----
श्री गुरू ग्रंथ साहिब की गुरूता गद्दी दिवस	-----	-----	29 अक्टूबर	01 सितम्बर	-----	-----
श्री गुरू रामदास जी	15 अक्टूबर	09 अक्टूबर	11 सितम्बार	16 सितम्बर	01 सितम्बर	22 सितम्बार
श्री सत गुरू नानकदेव जी	12 नवम्बर	12 नवम्बर	12 नवम्बर	12 नवम्बर	24 सितम्बर	16 सितम्बर
श्री गुरू गोविन्द सिंह जी	2 जनवरी 2020	02 जनवरी 2020	29 नवम्बार	24 नवम्बर	01 नवम्बर	21 अक्टूबर
श्री गुरू हर राय जी	07 फरवरी	31 जनवरी	22 मार्च 2020	14 मार्च 2020	22 अक्टूबर	20 अक्टूबर

जैन व्रतोत्सव 2019—2020 ई.

ओली प्रारम्भ	11 अप्रैल	आचार्य निर्वाण दिवस	16 जुलाई	आष्टान्हिक व्रत समाप्त	12 नवम्बर
आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण	14 अप्रैल	पर्युषण पर्व प्रारम्भ	26 अगस्त	सिद्धाचल यात्रा	12 नवम्बर
श्री महावीर जयन्ती	17 अप्रैल	संवत्सरी	02 सितम्बर	श्री महावीर दीक्षा दिन	22 नवम्बर
ओली समाप्त	19 अप्रैल	श्री कालू निर्वाण दिवस	04 सितम्बर	श्री पार्श्वनाथ जयन्ती	21 दिसम्बर
श्री महावीर केवल ज्ञान दिवस	14 मई	आचार्य भिक्षु निर्वाण दिवस	11 सितम्बर	मेरू त्रयोदशी	22 जनवरी 2020 ई.
श्री महावीर च्यवन दिवस	08 जुलाई	श्री महावीर निर्वाण दिवस	27 अक्टूबर	मर्यादा महोत्सव	01 फरवरी
अष्टान्हिक व्रतारम्भ	09 जुलाई	ज्ञान पंचमी	01 नवम्बर	आष्टान्हिक व्रतारम्भ	02 मार्च
तेरा पन्थ स्थापना दिवस	16 जुलाई	आष्टान्हिक व्रतारम्भ	05 नवम्बर	आष्टान्हिक व्रत समाप्त	09 मार्च

गडमूल

दिनांक	दिन	घं.मि	दिनांक	दिन	घं.मि.
14 अप्रै	रवि	07:40	15 अप्रै	सोम	28:01
22 अप्रै	सोम	16:45	24 अप्रै	बुध	18:35
02 मई	गुरु	13:02	04 मई	शनि	15:47
11 मई	शनि	13:13	13 मई	सोम	10:27
19 मई	रवि	26:07	21 मई	मंगल	27:31
29 मई	बुध	21:18	31 मई	शुक्र	24:12
07 जून	शुक्र	18:56	09 जून	रवि	15:49
16 जून	रवि	10:07	18 जून	मंगल	11:50
25 जून	मंगल	29:37	28 जून	शुक्र	09:11
04 जुला	गुरु	26:30	06 जुला	शनि	22:10
13 जुला	शनि	16:27	15 जुला	सोम	18:51
23 जुला	मंगल	13:14	25 जुला	गुरु	17:39
01 अग	गुरु	12:11	03 अग	शनि	06:44
09 अग	शुक्र	21:58	11 अग	रवि	24:45
19 अग	सोम	19:48	21 अग	बुध	24:47
28 अग	बुध	22:55	30 अग	शुक्र	17:11
05 सित	गुरु	28:09	08 सित	रवि	06:29
15 सित	रवि	25:44	18 सित	बुध	06:44
25 सित	बुध	08:53	26 सित	गुरु	28:01
03 अक्तू	गुरु	12:10	05 अक्तू	शनि	13:18
13 अक्तू	रवि	07:53	15 अक्तू	मंगल	12:30
22 अक्तू	मंगल	16:38	24 अक्तू	गुरु	13:18
30 अक्तू	बुध	21:59	01 नव	शुक्र	21:52
09 नव	शनि	14:55	11 नव	सोम	19:17
18 नव	सोम	22:21	20 नव	बुध	20:04
27 नव	बुध	08:12	29 नव	शुक्र	07:33
06 दिस	शुक्र	22:57	08 दिस	रवि	27:30
15 दिस	रवि	28:00	17 दिस	मंगल	25:26
24 दिस	मंगल	16:59	26 दिस	गुरु	16:50

सन् 2020 ई.

02 जन	गुरु	31:20	05 जन	रवि	12:27
12 जन	रवि	11:49	14 जन	मंगल	07:55
20 जन	सोम	23:30	22 जन	बुध	24:20
30 जन	गुरु	15:12	01 फर	शनि	20:53
08 फर	शनि	22:05	10 फर	सोम	17:06
16 फर	रवि	28:53	18 फर	मंगल	30:06
26 फर	बुध	22:08	28 फर	शुक्र	28:03
07 मार्च	शनि	09:05	08 मार्च	रवि	28:10
15 मार्च	रवि	11:23	17 मार्च	मंगल	11:46
24 मार्च	मंगल	28:19	27 मार्च	शुक्र	10:09

पंचक

दिनांक	दिन	घं.मि	दिनांक	दिन	घंटा.मि
28 अप्रै	रवि	15:45	03 मई	शुक्र	14:40
25 मई	शनि	23:43	30 मई	गुरु	23:03
22 जून	शनि	07:39	27 जून	गुरु	07:43
19 जुला	शुक्र	14:58	24 जुला	बुध	15:42
15 अग	गुरु	21:28	20 अग	मंगल	22:28
11 सित	बुध	27:28	16 सित	सोम	28:22
09 अक्तू	बुध	09:41	14 अक्तू	सोम	10:20
05 नव	मंगल	16:47	10 नव	रवि	17:18
02 दिस	सोम	24:56	07 दिस	शनि	25:27
30 दिस	सोम	09:34			
सन् 2020 ई.					
			04 जन	शनि	10:05
26 जन	रवि	17:39	31 जन	शुक्र	18:10
22 फर	शनि	24:29	27 फर	गुरु	25:08
20 मार्च	शुक्र	30:20	26 मार्च	गुरु	07:16
17 अप्रै	शुक्र	12:18	22 अप्रै	बुध	13:18

कुछ अशुभ योग

थ्व. संवत् 2076 में चैत्र शु. पक्ष में वृषभस्थ मंगल का धनुस्थ 'शनि+गुरू+केतु' से षडाष्टक योग। वैशाख कृ. पक्ष में 'वक्री शनि' का मंगल के साथ षडाष्टक तथा गुरू का मंगल से प्रतियोग। वैशाख शु. पक्ष तथा ज्येष्ठ कृ. पक्ष में धनुस्थ 'शनि+केतु' का मिथुनस्थ 'मंगल+राहु' से प्रतियोग तथा वक्री शनि का सूर्य से षडाष्टक योग। आषाढ़ कृ. पक्ष में 'शनि+केतु' का 'मंगल+बुध' से षडाष्टक योग। श्रावण मास में चतुग्रही योग तथा इस योग से 'शनि+केतु' का षडाष्टक है। भाद्रपद मास में पंचग्रह तथा चतुग्रह योग है। अश्विन कृ. पक्ष में कन्या राशिस्थ चर्तुग्रह मं+सू+बु+शु पर शनि की दृष्टि है। मार्गशीर्ष मास में चतुर्ग्रही योग है। पौष कृ. पक्ष में षडग्रही (गोल) योग बनेगा तथा पौष कृ. पक्ष में पंचग्रही योग निमित्त होगा।

कुछ अन्य अशुभ योग-

आषाढ़ कृ. अमावस्था , 2/3 जुलाई को खग्रास सूर्य ग्रहण (भारत में दिखाई नहीं देगा) होगा। आषाढ़ 11 नवम्बर 2019 ई. को बुध-सूर्य वेध युति होगी परन्तु यह भारत में दिखाई नहीं देगी। इसका मेदिनीय प्रभाव विश्व पर पडेगा। शु. पूर्णिमा 16/17 जु. को खण्डग्रास चन्द्रग्रहण होगा। पौष अमावस्या, 26 दिसम्बर को कंकण सूर्य ग्रहण होगा।

भद्रा काल वि.सम्वत् 2076

शुरू दिनांक	दिन	घंटे मि.	समाप्त दिनांक	दिन	घंटे मि.
सन् 2019 ई.					
08 अप्रै	सोम	28:14	09 अप्रै	मंगल	16:07
12 अप्रै	शुक्र	13:24	12 अप्रै	शुक्र	24:36
15 अप्रै	सोम	17:48	15 अप्रै	सोम	28:23
18 अप्रै	गुरु	19:26	18 अप्रै	गुरु	30:02
21 अप्रै	रवि	23:53	22 अप्रै	सोम	11:25
25 अप्रै	गुरु	12:47	25 अप्रै	गुरु	25:39
29 अप्रै	सोम	08:51	29 अप्रै	सोम	22:04
02 मई	गुरु	27:21	03 मई	शुक्र	15:47
08 मई	बुध	13:40	08 मई	बुध	24:59
11 मई	शनि	19:45	12 मई	रवि	06:42
14 मई	मंगल	23:47	15 मई	बुध	10:36
17 मई	शुक्र	28:11	18 मई	शनि	15:23
21 मई	मंगल	13:26	21 मई	मंगल	25:41
25 मई	शनि	06:25	25 मई	शनि	19:36
28 मई	मंगल	26:30	29 मई	बुध	15:21
01 जून	शनि	17:17	01 जून	शनि	29:03
06 जून	गुरु	20:47	07 जून	शुक्र	07:38
09 जून	रवि	24:36	10 जून	सोम	11:29
12 जून	बुध	29:36	13 जून	गुरु	16:49
16 जून	रवि	14:02	16 जून	रवि	25:57
19 जून	बुध	28:18	20 जून	गुरु	17:08
23 जून	रवि	23:53	24 जून	सोम	13:04
27 जून	गुरु	18:15	28 जून	शुक्र	06:36
30 जून	रवि	28:56	01 जुला	सोम	16:05
05 जुला	शुक्र	26:39	06 जुला	शनि	13:10
08 जुला	सोम	29:25	09 जुला	मंगल	16:25
12 जुला	शुक्र	12:43	12 जुला	शुक्र	24:31
15 जुला	सोम	25:48	16 जुला	मंगल	14:25
19 जुला	शुक्र	20:03	20 जुला	शनि	09:14
23 जुला	मंगल	16:16	23 जुला	मंगल	29:14
27 जुला	शनि	07:57	27 जुला	शनि	19:46
30 जुला	मंगल	14:49	30 जुला	मंगल	25:27
04 अग	रवि	08:25	04 अग	रवि	18:49
07 अग	बुध	11:41	07 अग	बुध	23:01
10 अग	शनि	22:26	11 अग	रवि	10:52
14 अग	बुध	15:46	14 अग	बुध	28:51
18 अग	रवि	12:02	18 अग	रवि	25:14
22 अग	गुरु	07:06	22 अग	गुरु	19:42
25 अग	रवि	19:42	26 अग	सोम	07:03
28 अग	बुध	23:29	29 अग	गुरु	09:45
02 सित	सोम	15:21	02 सित	सोम	25:54
05 सित	गुरु	20:50	06 सित	शुक्र	08:40
09 सित	सोम	11:33	09 सित	सोम	24:31
13 सित	शुक्र	07:35	13 सित	शुक्र	20:49
16 सित	सोम	27:36	17 सित	मंगल	16:33
20 सित	शुक्र	20:11	21 सित	शनि	08:21
23 सित	सोम	29:45	24 सित	मंगल	16:42
27 सित	शुक्र	07:32	27 सित	शुक्र	17:40
01 अक्तू	मंगल	24:42	02 अक्तू	बुध	11:40
05 अक्तू	शनि	09:51	05 अक्तू	शनि	22:17
08 अक्तू	मंगल	28:03	09 अक्तू	बुध	17:19
12 अक्तू	शनि	24:37	13 अक्तू	रवि	13:39
16 अक्तू	बुध	18:19	17 अक्तू	गुरु	06:48
20 अक्तू	रवि	07:30	20 अक्तू	रवि	19:11
23 अक्तू	बुध	14:25	23 अक्तू	बुध	25:09
26 अक्तू	शनि	15:46	26 अक्तू	शनि	26:04
31 अक्तू	गुरु	13:25	31 अक्तू	गुरु	25:01
03 नव	रवि	26:56	04 नव	सोम	15:53
07 नव	गुरु	23:11	08 नव	शुक्र	12:24
11 नव	सोम	1802	11 नव	सोम	30:36
15 नव	शुक्र	0753	15 नव	शुक्र	19:46
18 नव	सोम	1710	18 नव	सोम	28:25
21 नव	गुरु	22:17	22 नव	शुक्र	09:01
24 नव	रवि	25:06	25 नव	सोम	11:51
29 नव	शुक्र	29:47	30 नव	शनि	18:05
03 दिस	मंगल	23:14	04 दिस	बुध	12:28
07 दिस	शनि	19:35	08 दिस	रवि	08:29
11 दिस	बुध	10:59	11 दिस	बुध	22:54
14 दिस	शनि	20:05	15 दिस	रवि	07:18
17 दिस	मंगल	25:37	18 दिस	बुध	12:34
20 दिस	शुक्र	30:15	21 दिस	शनि	17:15
24 दिस	मंगल	12:19	24 दिस	मंगल	23:45
29 दिस	रवि	25:01	30 दिस	सोम	13:55
सन् 2020 ई.					
02 जन	गुरु	21:00	03 जन	शुक्र	10:15
06 जन	सोम	15:40	06 जन	सोम	28:02
09 जन	गुरु	26:35	10 जन	शुक्र	13:47
12 जन	रवि	30:53	13 जन	सोम	17:32
16 जन	गुरु	09:42	16 जन	गुरु	20:33
19 जन	रवि	15:23	19 जन	रवि	26:51
22 जन	बुध	25:49	23 जन	गुरु	14:00
28 जन	मंगल	21:32	29 जन	बुध	10:46
01 फर	शनि	18:11	01 फर	शनि	31:12
05 फर	बुध	09:47	05 फर	बुध	21:31
08 फर	शनि	16:02	08 फर	शनि	26:36
11 फर	मंगल	16:35	11 फर	मंगल	26:53
14 फर	शुक्र	18:21	14 फर	शुक्र	29:21
17 फर	सोम	26:30	18 फर	मंगल	14:33
21 फर	शुक्र	17:21	21 फर	शुक्र	30:10
27 फर	गुरु	17:29	27 फर	गुरु	30:45
02 मार्च	सोम	12:53	02 मार्च	सोम	25:27
05 मार्च	गुरु	24:39	06 मार्च	शुक्र	11:47
08 मार्च	रवि	27:04	09 मार्च	सोम	13:12
11 मार्च	बुध	25:44	12 मार्च	गुरु	11:59
14 मार्च	शनि	28:26	15 मार्च	रवि	15:47
18 मार्च	बुध	15:51	18 मार्च	बुध	28:26
22 मार्च	रवि	10:08	22 मार्च	रवि	2318

ग्रहण विवरण वि.संवत् 2076

विक्रम संवत् 2076 में (6 अप्रैल 2019 से 24 मार्च 2020 ई. तक) भूमंण्डल पर सूर्य और चन्द्रमा के तीन ग्रहण होंगे। इनमें दो ग्रहण सूर्य के तथा एक खण्डग्रास चन्द्रग्रहण होगा। उक्त ग्रहणों में से केवल दो ग्रहण-खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण तथा कङ्कण सूर्यग्रहण भारत में दिखाई देगा, प्रथम खग्रास सूर्य ग्रहण भारत में दृष्य नहीं होगा।

(1)खग्रास सूर्य ग्रहण- आषाढ़ कृ. 30, मंगलवार दिनांक 2/3 जुलाई 2019 ई. को होगा। यह भारत में कही पर भी दिखाई नहीं देगा। अत: इसका यहां पर धार्मिक महात्म्य नहीं होगा। यह ग्रहण दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप, पनामा जलडमरू, मध्य तथा दक्षिणी प्रशान्त महासागर में दिखाई देगा। भा. स्टै. टा. में पृथ्वी पर ग्रहण स्पर्श 22/25, ग्रहण मध्य 24/52 तथा ग्रहण मोक्ष 27/21 पर होगा। ग्रहण का परम ग्रास 1.04 रहेगा। भारत में उपरोक्त समय पर रात्रिकाल होने के कारण कहीं पर भी यह दिखाई नहीं देगा। इस खग्रास सूर्य ग्रहण का भारत में धार्मिक माहात्म्य नहीं होगा तथा सूतक आदि भी नहीं होंगे।

(2)खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण- आषाढ शु. 15 मंगलवार दिनांक 16/17 जुलाई 2019 ई. को होगा। यह चन्द्र ग्रहण सर्वत्र भारत में दिखाई देगा। यह ग्रहण दक्षिणी न्यूजीलैण्ड, आस्ट्रेलिया, दक्षिणी जापान, पूवी साइबेरिया के अतिरिक्त, एशिया महाद्वीप, अफ्रीका महाद्वीप, यूरोप, हिन्द महासागर, अन्ध महासागर, उत्तर पश्चिमी भाग के अतिरिक्त शेष दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में दृष्य होगा। इस ग्रहण का सूतक 16 जुलाई को 15 घ. 42 मि. से आरम्भ होगा तथा ग्रहण मोक्ष तक वेध रहेगा। भारतीय स्टै. टा. में उक्त ग्रहण के स्पर्श-मोक्षादि काल अग्रानुसार हैं।

दिनांक 17 जुलाई ग्रहण स्पर्श	1 घ. 31 मि.
दिनांक 17 जुलाई ग्रहण मध्य	3 घ. 01 मि.
दिनांक 17 जुलाई ग्रहण मोक्ष	4 घ. 30 मि.
दिनांक 17 जुलाई ग्रहण पर्व काल	2 घ. 59 मि.

कंकण सूर्य ग्रहण 26 दिसम्बर 2019
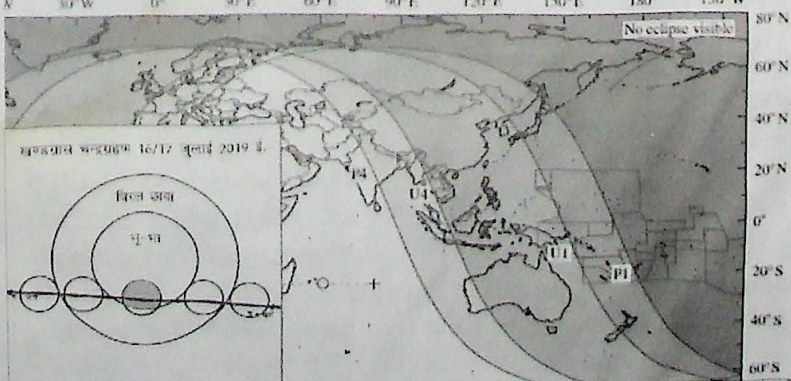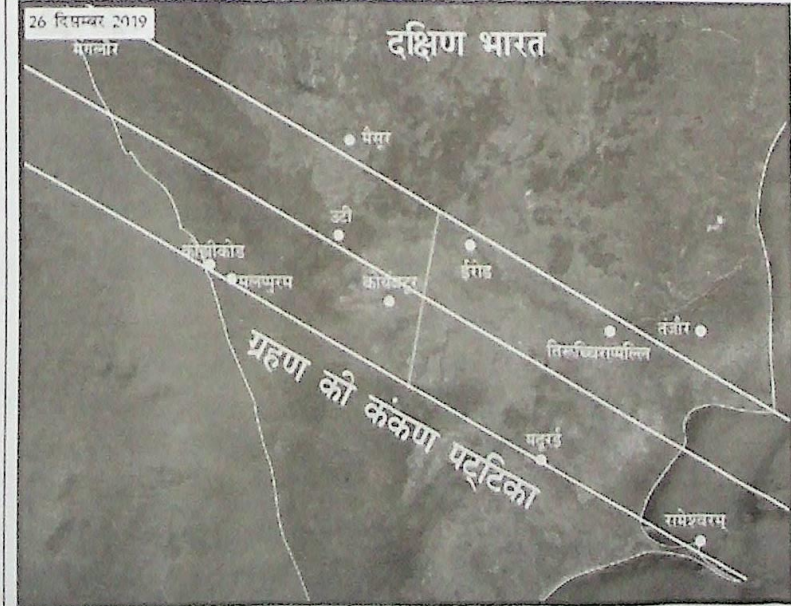
परमग्रास 0.656 (चन्द्र बिम्ब =1)

उक्त खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण उ.षा. नक्षत्र तथा धनु व मकर राशि में होगा। अतः इस नक्षत्र राशि के जातकों को अशुभ फल देगा।

धनु राशिगत खण्डग्रास चन्द्रग्रहण का द्वादश राशिफल

राशि	मेष	वृष	मिथनु	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृशि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
फल	चिंता	सुख	पति/स्त्री कष्ट	रोग देह कष्ट	अपयश	सफलता	लाभ	हानि	पीड़ा घात	व्यय	लाभ	क्षति

मकर राशिगत खण्डग्रास चन्द्रग्रहण का द्वादश राशिफल

राशि	मेष	वृष	मिथनु	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृशि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
फल	क्षति	चिंता	सुख	पति/स्त्री कष्ट	रोग देह कष्ट	अपयश	सफलता	लाभ	हानि	पीड़ा घात	व्यय	लाभ

आषाढ़ मास में दो ग्रहण होने का फल- आषाढ़ कृष्ण अमावस्या, मंगलवार को खग्रास सूर्यग्रहण (भारत में दृष्य नहीं है) के पशचात् आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को पुनः खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण होगा।शासकों में युद्ध, चोरों से उपद्रव, पाप कर्मो की वृद्धि, सज्जनों को पीड़ा और जगत में अनेक प्रकार के कलेश होवे।

स्वामी रहित ग्रहण फल- यह ग्रहण स्वामी रहित है। जगत् में अनावृष्टि, दुर्भिक्ष, महामारी आदि अशुभ फल होवे।

आषाढ़ मास के ग्रहण का फल- जलाशय, नदियों के जलप्रवाह में कमी, फल, मूल कन्धार, काश्मीर, पुलिंद, चीन आदि का नाश और वर्षा सर्वत्र एक-सी नहीं होवे।

मंगलवार को ग्रहण का फल- मालवाहक वाहनों की दुर्घटना, दुर्भिक्ष का भय, चोरों का तथा अग्नि का उपद्रव और अवन्ति (मालवा) क्षेत्र में पीड़ा व्याप्त होवे।

उत्तराषाढ़ा नक्षत्रगत ग्रहण का फल- मालवाहक वाहन, छोटे यात्री वाहन, तेजस्वी व्यक्ति, मल्ल-पहलवान, सैनिक, स्थाननवर वृक्षादि, यन्त्र निर्माता, देव भक्त, भोग परायण मनुष्यों को पीड़ा किन्तु विश्व में क्षेम, कल्याण तथा सुभिक्ष होवे। विश्व के तथा भारत के 'उत्तर-पश्चिमी' क्षेत्रों में दुर्भिक्ष, युद्ध, महामारी, हिंसा, बम-विस्फोट, अग्निकाण्ड और चोरों के उपद्रव से पीड़ा होती है।

महेन्द्र मण्डल के ग्रहण का फल- वर्षा समयानुकूल, कृषि की वृद्धि, स्त्रियों को सुख और शासक तथा जनता को आनंद होता है। यह चन्द्र ग्रहण वैधृति तथा विष्कुंभ योग में होगा।

वैधृति योग का ग्रहण फल- व्यापारी, धन, अन्न, चौपाये पशुओं को क्षति तथा सब प्रकार के खनिज तथा खानें, तेल से बिकनेवाली सब वस्तुऐं, समुद्रजल से उत्पन्न होने वाले पदार्थ और मोतियों के आभूषणों को हानि पहुंचे तथा इनमें महंगाई होवे।

विष्कुंभ योग मे ग्रहण का फल- श्रेष्ठ बुद्धिवाले मनुष्य, घोड़े, हाथी, बैल और किले में रहने वाले लोगों को भय होता है।

उक्त ग्रहण धनु व मकर राशि में होगा।

धनु राशि में ग्रहण फल- मन्त्रियों, मंहगे वाहनों, मल्ल पहलवानों, नेपाल,, उत्तरी बिहार, पंजाब आदि क्षेत्रों, व्यापारी, सैनिकों, डॉक्टर, वैद्यों को पीड़ा और औषधी की क्षति होती है।

मकर राशि में ग्रहण फल- मछलियों, मन्त्रियों, निम्नकोटि के मनुष्यों, वनौषधियों तथा मन्त्रज्ञों, स्थिर वृक्षादि, आयुध, युद्ध कुशल सैनिक और दक्षिण क्षेत्र के निवासियों को कष्ट होता है।

ईशान कोण में ग्रहण स्पर्श का फल- वायु का वेग अधिक, अति शीत, सुभिक्ष और जनता में कलेश होवे।

वाम पायु ग्रहण मोक्ष के फलस्वरूप शासन तंत्र की संचालिका स्त्री मंन्त्रियों और उच्चशासनाधिकारी स्त्रियों को कष्ट होता है।

ग्रहण पर शुक्र का दृष्टिफल- कृषि का नाश, चावल, ज्वार आदि श्वेत अनाज, चांदी, कतीर आदि सफेद धातु, मलमल, जगनाथी आदि सफेद कपडे का भाव तेज और विश्व में महान क्लेश होवे।

शनिग्रस्त फल- राजस्थान की मरूभूमि, मारवाड़, सौराष्ट्र, पुष्कर, आबू, गोमंत, और पर्वत प्रदेश वासियों को पीड़ा और सब धातुओं का भाव तेज हो जावे।

कङ्कण सूर्य ग्रहण

पौष कृष्ण अमावस्या, गुरूवार, दिनांक 26 दिसम्बर 2019 को होगा। भारत में सर्वत्र यह ग्रहण दिखाई देगा। उत्तरी आस्ट्रेलियां, इन्डोनेशिया, मलेशिया, बर्मा (म्यामार), जापान, चीन, मंगोलिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, अरब प्रायद्वीप, जिबूती, ईरान, पीत सागर, दक्षिणी चीन सागर, श्री लंका, हिन्द महासागर में दिखाई देगा। ग्रहण के परिलेख में ग्रहण की उत्तरी मर्यादा, दक्षिणि मर्यादा, कंङ्कण भू-पट्टिका, ग्रहण स्पर्श तथा मोक्ष की मर्यादा दर्शाई गयी है।

शेष पृष्ठ 16 पर देखें

कंकण सूर्य ग्रहण 26 दिसम्बर 2019

खग्रास सूर्य ग्रहण दिनांक 2 जुलाई 2019

कंकण सूर्यग्रहण (26 दिसम्बर 2019)

भारत के विभिन्न नगरों में ग्रहण का स्पर्श, मध्य एवं मोक्ष काल (भा. स्टैं.टा)

नगर	स्पर्श घ.मि	मध्य घ.मि.	मोक्ष घ.मि.	परमग्रास प्रतिशत
अगरतला	08:35	10:00	10:38	49.9
अजमेर	08:11	09:25	10:53	63.6
अमृतसर	08:18	09:29	10:50	51:6
अयोध्या	08:21	09:39	11:09	53.4
अलवर	08:14	09:29	10:56	58.5
अलीगढ़	08:17	09:31	10:59	56.0
अल्मोड़ा	08:21	09:35	11:00	50.3
अहमदाबाद	08:06	09:22	10:51	74.3
अबोहर	08:15	09:27	10:50	55.7
आगरा	08:15	09:31	11:00	57.7
आजमगढ़	08:22	09:40	11:13	53.9
आबू(राज.)	08:07	09:22	10:51	70.3
इटावा(उ.प्र)	08:16	09:33	11:02	57.4
इन्दौर	08:08	09:26	10:59	70.9
इम्फाल	08:43	10:09	11:45	45.8
ईटानगर	08:46	10:08	11:39	41.1
इलाहबाद	08:19	09:37	11:10	57.0
उज्जैन	08:09	09:26	10:58	69.9
उदयपुर(राज.)	08:08	09:23	10:53	69.2
उदद्यमपुर	08:21	09:30	10:53	69.2
कटक	08:20	09:46	11:28	63.4
कटनी(म.प्र)	08:15	09:34	11:09	62.4
कपूरथला	08:18	09:29	10:51	51.5
करनाल	08:18	09:31	10:55	53.3
कांगड़ा	08:21	09:31	10:52	49.0
कांचीपुरम	08:08	09:33	11:18	90.2
कानपुर	08:18	09:35	11:06	56.4
कुरूक्षेत्र	08:18	09:30	10:55	52.9
कुल्लू	08:22	09:32	10:53	48.3
कुर्नूल(आ.प्र)	08:07	09:30	11:10	85.0
कोटा	08:11	09:27	10:57	65.5
कोलकाता	08:27	09:52	11:32	55.0
कोहिमा	08:45	10:10	11:44	43.5

नगर	स्पर्श घ.मि	मध्य घ.मि.	मोक्ष घ.मि.	परमग्रास प्रतिशत
कोचीन	08:06	09:28	11:09	94.1
गंगटोक	08:34	09:54	11:25	45.2
गया	08:23	09:44	11:19	54.8
चण्डीगढ़	08:21	09:32	10:55	49.9
चम्बा(हि.प्र)	08:21	09:31	10:51	48.2
चित्तौड़गढ	08:09	09:25	10:55	67.2
चूरू	08:13	09:27	10:53	58.8
चेन्नई	08:08	09:34	11:19	89.2
छिन्दवाड़ा	08:11	09:31	11:07	68.4
जबलपुर(म.प्र)	08:13	09:33	11:08	64.5
जम्मू	08:20	09:29	10:49	49.3
जयपुर	08:13	09:27	10:55	61.3
जलगांव(म.)	08:07	09:25	11:00	75.4
जामनगर(गु.)		08:04	09:18	
10:47	79.2			
जालन्धर	08:20	09:30	10:51	49.4
जोरहाट	08:47	10:10	11:42	41.2
जैसलमेर	08:08	09:21	10:46	67.3
जोधपुर	08:09	09:23	10:50	66.0
झांसी	08:14	09:31	11:03	60.3
झुंझनु	08:14	09:27	10:54	58.8
टोंक	08:12	09:27	10:56	62.7
डिब्रूगढ़	08:51	10:12	11:42	39.1
त्रिवेन्द्रम्	08:07	09:30	11:11	90.1
दार्जीलिंग	08:33	09:53	11:24	46.1
दिल्ली	08:16	09:30	10:56	55.5
देहरादून	08:20	09:33	10:56	50.7
द्वारिका	08:03	09:17	10:45	80.8
धनवाद	08:24	09:47	11:25	55.2
धर्मशाला(हि.प्र)	08:21	09:31	10:52	48.5
नागपुर	08:11	09:31	11:08	70.4
नागौर(रा.)	08:11	09:24	10:51	63.1
नाहन	08:19	09:31	10:55	51.1

नगर	स्पर्श घ.मि	मध्य घ.मि.	मोक्ष घ.मि.	परमग्रास प्रतिशत
नासिक	08:5	09:23	10:56	80.4
नीमच(म.प्र)	08:09	09:25	10:55	68.0
नैनीताल	08:21	09:34	11:00	51.1
पटना	08:24	09:45	11:18	52.7
पठानकोट	08:20	09:30	10:51	49.3
पंजिम(गोआ)	08:04	09:24	11:00	90.2
पाण्डिचेरी	08:08	09:34	11:18	92.5
पालमपुर(हि.प्र)	08:21	09:31	10:52	48.6
पूना	08:04	09:23	10:57	84.0
पुरी	08:19	09:46	11:29	65.1
पोर्टब्लेअर	08:27	10:07	12:03	77.1
फिरोजपुर	08:17	09:28	10:50	53.4
बासवाड़ा	08:08	09:24	10:55	70.9
बिजनौर	08:19	09:32	10:58	52.7
बिलासपुर	08:20	09:31	10:53	50.1
बीकानेर	08:11	09:24	10:50	61.6
बुलन्दशहर	08:17	09:21	10:58	55.2
बेंगलूर	08:06	09:29	11:11	93.1
भरतपुर	08:15	09:30	10:59	58.6
भिवानी	08:15	09:29	10:54	56.4
भागलपुर(बि.)	08:27	09:49	11:24	51.4
भुज(गु.)	08:04	09:18	10:46	77.7
भुवनेश्वर	08:20	09:46	11:28	64.0
भोपाल	08:11	09:29	11:02	67.6
मथुरा	08:15	09:31	10:59	57.4
मण्डी(हि.प्र)	08:21	09:32	10:53	49.0
मदूरै	08:07	09:31	11:15	96.6
मन्दसौर	08:09	09:25	10:56	68.7
मंसूरी	08:20	09:33	10:56	50.7
मुजफरनगर	08:26	09:45	11:18	51.2
मुम्बई	08:04	09:21	10:54	84.5
मुरादाबाद	08:19	09:33	11:00	53.0

नगर	स्पर्श घ.मि	मध्य घ.मि.	मोक्ष घ.मि.	परमग्रास प्रतिशत
मेरठ	08:18	09:31	10:57	54.1
मैसूर	08:05	09:28	11:09	95.9
रतनगढ़	08:13	09:26	10:52	59.8
रतलाम	08:08	09:25	10:57	70.5
रांची	08:22	09:45	11:22	57.6
रामेश्वरम्	08:08	09:34	11:19	96.6
रायपुर(छ.)	08:14	09:36	11:15	66.9
राजामुन्द्री(आन्ध्र)	08:12	09:38	11:21	76.3
रिवाडी	08:15	09:29	10:56	57.0
रोहतक	08:16	09:30	10:55	55.5
लखनऊ	08:19	09:36	11:06	54.8
लुधियाना	08:13	09:30	10:52	52.0
वाराणसी	08:20	09:40	11:13	55.8
वड़ोदरा	08:06	09:22	10:53	75.3
विजयवाडा	08:10	09:34	11:17	79.3
विशाखापट्नम	08:13	09:40	11:24	73.3
शिमला	08:20	09:32	10:54	50.0
शिलांग(मे.)	08:39	10:03	11:37	45.7
श्रीनगर(का.)	08:23	09:30	10:48	46.4
श्रीगंगानगर	08:14	09:26	10:49	56.9
सम्बलपुर	08:18	09:41	11:21	63.5
सागर	08:12	09:31	11:05	64.5
सिलचर(असम)	08:40	10:05	11:41	46.6
सिलवासा(गु.)	08:05	09:22	10:54	80.3
सीकर	08:13	09:27	10:53	60.3
सूरतगढ़	08:14	09:26	10:50	57.9
सुन्दरनगर	08:20	09:31	10:53	49.5
सोलन	08:20	09:31	10:54	50.5
हमीरपुर(हि.प्र.)	08:20	09:31	10:52	49.6
हरिद्वार	08:20	09:33	10:57	51.2
हजारीबाग	08:23	09:45	11:21	56.0
हनुमानगढ़	08:14	09:27	10:50	56.8
हिसार	08:15	09:28	10:53	56.0
हुबली(कर्ना.)	08:04	09:25	11:03	90.1
हैदराबाद	08:08	09:30	11:10	80.3

पृष्ठ 12 से आगे

भू-मंडल पर, भा. स्टै. टा. में इस ग्रहण के स्पर्श-मोक्षादि का विवरण अग्रानुसार है।

विवरण	भा.स्टै.टा. घ. मि.	रेखांश अंश कला	अक्षांश अंश कला
पृथ्वी पर प्रथम ग्रहण स्पर्श	8:0	60° 34.9' पू.	17° 47.1' उ.
ग्रहण की दक्षिण मर्यादा प्रारम्भ	9:6	47° 56.2' पू.	25° 18' उ.
ग्रहण की उत्तर मार्यादा प्रारम्भ	9:6	48° 30.4' पू.	26° 40' उ.
ग्रहण मध्य	10:45	101° 26.5' पू.	01° 07' उ.
ग्रहण की उत्तर मर्यादा समाप्त	12:29	156° 28.1' पू.	19° 36.8 उ.
ग्रहण की दक्षिण मर्यादा समाप्त	12:30	156° 58.9' पू.	18° 11' उ.
पृथ्वी पर ग्रहण मोक्ष	13:36	144° 01' पू.	10° 37.1' उ.

इस कंकण सूर्य ग्रहण का सूतक बुधवार, ता. 25 दिस. के सूर्यास्त से आरम्भ हो जाएगा तथा ग्रहण मोक्ष तक सूतक रहेगा। यह कङ्कणाकृति सूर्य ग्रहण धनु राशि, मूल नक्षत्र में होगा अत: इस नक्षत्र, राशि के जातकों को अशुभ फल देगा।

धनु: राशिगत सूर्य ग्रहण का द्वादश राशिफल

राशि	मेष	वृष	मिथनु	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृशि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
फल	चिंता	सुख	पति/स्त्री कष्ट	रोग देह कष्ट	अपयश	सफलता	लाभ	हानि	पीड़ा घात	व्यय	लाभ	क्षति

ग्रहण के पर्व स्वामी अग्नि का फल- श्रेष्ठ वर्षा, फसलों की वृद्धि, धन की प्राप्ति, भय तथा रोगों का नाश और शासकों के कार्य सिद्ध होवे।

पौष मास में ग्रहण का फल- सदाचारी सज्जन व्यक्तियों तथा सैनिकों को पीड़ा, सिन्ध, कुकुर विदेह के क्षेत्रों में पीड़ा और जगत् में वर्षा की कमी तथा दुर्भिक्ष आदि का भय होवे।

गुरूवार के ग्रहण का फल- सत्यवादी व्यक्ति, पवित्र आचरणशील, चित्र-विचित्र वस्तु बनाने वाले तथा सिंध देश वासियों को कष्ट होता है। पीली लाल व सुगन्धित वस्तुओं तथा तेल आदि का संग्रह करने से लाभ होता है।

मूल नक्षत्रगत ग्रहण का फल- सब प्रकार के बीज, अति धनाढ्य, प्रमुख नेतागण, पुष्प, औषधी, वैद्य, डॉक्टर, सभी फल, कन्दमूल की क्षति और इन वस्तुओं से आजीविका करने वालों को पीड़ा होती है। विश्व की और भारत की पश्चिमी दिशा के क्षेत्रों में दुर्भिक्ष, युद्ध महामारी, चोर और अग्नि के उपद्रवों से पीड़ा होवे।

वारूण मण्डलगत ग्रहण का फल- वर्षा अधिक, सुभिक्ष की वृद्धि, वृक्षों के फल, फूल अधिक, गायों के दूध तथा घी की वृद्धि, जनता में आनंद और शासकों में शांति रहती है।

वृद्धि योग गत ग्रहण का फल- कुलीन-भद्र लोग, शासक कुटुंब वाले उत्कृष्ट पुरूष और कांबोज देशवासियों को पीडा होती है।

धनु: राशिगत ग्रहण का फल- मंत्रीगण, श्रेष्ठ घोडे, पहलवान, विदेह व पंजाब आदि क्षेत्रों, व्यापारी, सैनिक, वैद्य, डॉक्टर, औषधि निर्माताओं को कष्ट होता है।

वायव्य कोण से ग्रहण स्पर्श का फल- झंझावात, आंधी चले और वर्षा विषम अर्थात् कहीं तो होवे और कहीं नहीं होवे।

दक्षिण कुक्षी मोक्ष फल- क्षत्रियों, सैनिकों को पीड़ा और दक्षिण दिशा के शत्रुओं को कष्ट होता है। इस कंकण ग्रहण के समय शनि, गुरू और बुध ग्रस्त रहेंगे।

बुधग्रस्त फल- अन्तरवेदी देश, सरयू नदी के तटवर्ती क्षेत्र, नेपाल, पूर्व दिशा का समुद्र, ब्रह्मपुत्र नदी के तटवर्ती क्षेत्र, स्त्री, शासक, बालक और विद्वानों को पीड़ा होती है।

गुरू ग्रस्त फल- विद्वानों, राज्य मन्त्रियों, हाथी, घोड़ो, सिन्ध देश तथा उत्तर देश के लोगो को पीड़ा होती है।

शनि ग्रस्त फल- राजस्थान की मरूभूमि, मारवाड़, पुष्कर, आबू, सौराष्ट्र, गोमंत और पर्वतीय प्रदेश वासियों को पीड़ा और सब धातुओं का भाव तेज होता है।

'सूर्य-बुध' वेध युति

कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी, सोमवार, दिनांक 11 नवम्बर 2019 ई. को 'सूर्य-बुध' वेध युति अर्थात् 'बुध' सूर्य बिम्ब पर से संक्रमण करेगा। यह भी एक प्रकार का ग्रहण होता है। यह वेध युति भारत में सूर्यास्त होने के बाद होगी अतः भारत में कहीं पर भी दिखाई नहीं देगी। भा.स्टै.टा. के अनुसार 'बुध-सूर्य' बिम्ब पर संक्रमण 18 घ. 6 मि. पर आरम्भ करेगा तथा रात्रिकाल में 23 घ. 34 मि. पर संक्रमण समाप्त हो जाएगा। वेध युति 5 घ. 28 मि. पर्यन्त रहेगी। वेध-युति का प्रारम्भ अफ्रीका महाद्वीप, मेडागास्कर, अन्ध महासागर, दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में दृष्य होगा। वेध-युति की समाप्ति दक्षिण अमेरिका महाद्वीप, पनामा, निकारागुआ, होन्डुरास, ग्वाटेमाला, मैक्सिको, क्यूबा, संयुक्त राज्य अमेरिका में दिखाई देगी। देखे परिलेख।

ग्रहण विवेचन- 26 दिसम्बर 2019 ई. ककंण सूर्यग्रहण - सूर्य चन्द्रमा ग्रहण और राहु क्या वस्तु है? इससे हमारा क्या सम्बन्ध है? ग्रहण में दान जपादि का विशेष महात्म्य और भोजनादि निषेध क्यो है? कुरूक्षेत्र सूर्यग्रहण का विशेष महत्व क्यों माना गया? **देखें पृष्ठ 182 पर**

संवत् 2076 में प्रमुख ग्रहों का संचार

मंगल - संवत् आरंभ में मंगल वृष राशि में संचार कर रहा है। मंगल वर्ष भर मार्गी रहेगा। 7 मई 2019 ई. को 6.63 पर मंगल मिथुन में प्रवेश करेगा। 11 जुलाई को मंगल अस्त हो रहा है। 22 जून 2019 को मंगल कर्क में 23 घ0 22मि0 पर प्रवेश करेगा। 9 अगस्त 4 बजकर 47 मिनट पर मंगल सिंह राशि में प्रवेश करेगा। 25 सितम्बर 6:33 पर मंगल कन्या राशि में प्रवेश करेगा। 14 अक्टूबर 4 बजकर 19 मिनट पर मंगल उदय होगा। 10 नवम्बर 2019 को 14:24 पर तुला में प्रवेश करेगा। मंगल 25 दिसम्बर 2019 को 21:29 पर वृश्चिक संचार आरंभ करेगा। 8 फरवरी 2020 को मंगल धनु राशि में प्रवेश करेगा। 22 मार्च 2020 को मंगल मकर राशि में संचार करेगा। वर्ष अंत तक मकर में ही रहेगा।

गुरू- संवत् आरम्भ में मार्गी गुरू धनु राशि में संचार कर रहा है। 10 अप्रैल को 23:30 पर गुरू वक्री होगा। 23 अप्रैल को 1 बजकर 11 मिनट पर वक्री गुरू वृश्चिक राशि में संक्रमण करेगा। 11 अगस्त को 19बजकर 7 मिनट पर गुरू मार्गी होगा 5 नवम्बर को गुरू 5बजकर 17 मिनट पर धनु राशि में प्रवेश करेगा। 16 दिसम्बर को 5 बजकर 57 मिनट पर गुरू अस्त हो रहा है। 9 जनवरी 2020 को 6 बजकर 33 मिनट पर गुरू उदय होगा।

शनि- संवत् आरंभ में शनि मार्गी गति से धनु में संक्रमण रहा है। 30 अप्रैल 2019 को 6 बजकर 24 मिनट पर शनि वक्री होगा। और 18 सितम्बर को 14 बजकर 17 मिनट पर पुनः मार्गी हो जाएगा। 24 जनवरी 2020 को मार्गी गति से शनि मकर संक्रमण आरंभ करेगा। 31 दिसम्बर 2019 से 30 जनवरी 2020 के मध्य शनि अस्त है।

राहु केतु संवत् आरम्भ में राहु और केतु मिथुन और धनु राशि में स्थित है। संवत् अंत तक राहु और केतु अपनी उच्च राशि मिथुन और धनु में ही संक्रमण करते रहेगा।

संवत् 2076 के विवाहादि मुहूर्त्त

यहां अश्विनी, चित्रा, श्रवण, धनिष्ठा, नक्षत्रों में भी विवाह मुहर्त्त लगाए गए है। क्योंकि पारस्कर गृहसूत्र में इन नक्षत्रों को विवाह में ग्रह्य माना है। इस वर्ष विवाह मुहूर्त्त निर्णय हेतु अपयोगी वर-कन्या की त्रिबल शुद्धि सारणी भी दी गई है। इनमें १२ वां चन्द्रमा ग्राह्य माना गया है। इस सारणी में पंजाब व द्विगर्त देशों के विवाह मुहूर्त्त अलग दिये गए है। विवाह मुहूर्तों के निर्णय में लात, पात, युति, वेध, दग्धा तिथि, पाप कर्तरी आदि दोषों का परिहार मिला है वे विवाहादि मुहूर्त्त लगाये गए है। यहां महापात दोष सूक्ष्म गणित द्वारा निर्णय किया गया है।

अप्रैल : 14 से 16 अप्रैल विवाह योग्य नक्षत्र उपलब्ध नही है। 15 अप्रैल: ग्रहण नक्षत्र एवं तिथि क्षय, 16 अप्रैल व्यतिपात महापात पूर्वान्हे 11:38 से सांय 16:38 तक, 18 अप्रैल : पाद वेध, 20 अप्रैल: शुद्ध लग्न उपलब्ध नही 21 अप्रैल: विवाह नक्षत्र नही उपरान्त पात दोष, 22 अप्रैल: शुद्ध लग्न उपलब्ध नही 23- 24 अप्रैल: पंचश्लाका वेध -राहु 24 अप्रैल: मृत्युबाण 24 अप्रैल 19:52 से 25 अप्रैल 20:31 तक, 29 अप्रैल: कांति साम्य, वैधृति महापात रात्रि 01:21 से प्रातः 08:20 तक, 30 अप्रैल विवाह नक्षत्र नही।

01 मईः विवाह नक्षत्र नही पश्चात् लग्नाभाव, 02 मई विष्कुंभ योग। 3 से 5 मई : क्षीण चन्द्रमा 07 मई : पंचश्लाका वेध -केतु, 08 मईः मंगल आंकात नक्षत्र, 09 से 11 मई विवाह नक्षत्र नही। 11 मई व्यतिपात महापात रात्रि 20:17 से 12 मई रात्रि 03:49 तक, 13 -14 मई : मृत्युबाण, (13 मई 09:16 से 14 मई 10:08 तक),, 15 मई : वृष संक्राति 16 मई क्षय तिथि, व्यतिपात एवं परिघ, 17 मईः क्षय तिथि, 20 मईः विवाह नक्षत्र नही, 21 मईः पंचश्लाका वेध - राहु, 22 मईः विवाह नक्षत्र नही, 23 मई वैधृति रात्रि महापात 23:05 से 24 मई मध्यान्ह 12:28 तक, 24 मईः वृद्धि तिथी 25 मईः वृद्धि तिथी, ग्रहण नक्षत्र, मृत्युबाण (25 मई 20:26 से 26 मई 21:25 तक), 27 मईः विवाह नक्षत्र नही, 31 मईः विवाह नक्षत्र नही

जूनः 01 जून विवाह नक्षत्र नही, 2 से 04 जूनः क्षीण चन्द्रमा, मृत्युबाण (04 जून 05:35 से 05 जून 06:39 तक), 05 से 07 जूनः विवाह नक्षत्र नही, 07 जूनः क्षय तिथि, 09 जूनः लग्नाभाव पश्चात विवाह नक्षत्र नही, 10 जून विवाह नक्षत्र नही, 11 जूनः अशुभ योग से लग्नाभाव 13 जूनः मृत्युबाण 13 जून 15:22 से 14 जून 16:30 तक, 15 जूनः मिथुन संक्राति, 16 जूनः लग्नाभाव 17 जून विवाह नक्षत्र नही, 18 जूनः मंगल राहु पंचश्लाका वेध, 19 जूनः विवाह नक्षत्र नही, 20 जूनः सूर्य पंचश्लाका वेध, 21 - 22जूनः परिघ अयन परिवर्तन, 23 जूनः विवाह नक्षत्र नही, 26-27 जूनः मृत्युबाण (26 जून 05:11 से 27 जून 06:21 तक) वृद्धि तिथी 28 जून- प्रातः 09:11 तक लग्नाभाव पश्चात् विवाह नक्षत्र नही 29 -30 जूनः विवाह नक्षत्र नही 30 जूनः क्षय तिथि,जुलाई : 1 से 3 जुलाई : क्षीण चन्द्रमा 04 -05 जुलाईः विवाह नक्षत्र नही, (05 जुलाई 15:39 से 06 जुलाई 16:49 तक) 08 जुलाई क्षय तिथि, 11 जुलाईः 12 जुलाई से 07 नव. तक देवशयन विवाह में वर्जित। नवम्बरः 11 नव. : विवाह नक्षत्र दूषित होने से विवाह मुहूर्त नही दिये गये है। 12 नवः विवाह नक्षत्र उपलब्ध नही, व्यतिपात योग, 15 नव. मृत्युबाण, (15 नव. रात्रि 01:11 से 16 नव 01:01 तक), 16 नव. : शनि केतु पंचश्लाका वेध, 17 नव. : विवाह नक्षत्र उपलब्ध नही, 18 नव. मृत्युबाण रात्रि 00:28 से 20 नव. रात्रि 00:15 तक, 19 नव. वैधृति महापात रात्रि 00:47 से प्रातः 08:41 तक, 20 नव. परिघ योग लग्नाभाव, 22 नव.क्षय तिथि, 24 अशुभ तिथि योग 25 से 27 नव. क्षीण चन्द्रमा 26 नव. मृत्युबाण (26 नव 22:29 से 27 नव. 22:12 तक), 29 नव.राहु पंचश्लाका वेध, 30 नव. व्यतिपात महापात 22:31 से 01 दिस. मध्यान्ह 12:01 तक। दिसम्बर : 03 दिस. : मंगल पंचश्लाका वेध, 04 दिस. लग्नाभाव, 05 दिस. विवाह नक्षत्र नही, मृत्युबाण (05 दिस. 19:36 से 06 दिस. 19:14 तक ,07 दिस. वृद्धि तिथी, एवं परिघ योग, 09 एवं 10 दिस. विवाह नक्षत्र नही 13 दिस. : शनि केतु पंचश्लाका वेध, वैधृति महापात रात्रि 04:00 से 14 दिस. रात्रि 23:37 तक, 14 एवं 15 दिस. विवाह नक्षत्र नही मृत्युबाण (14 दिस. 16:16 से 15 दिस. 15:52 तक) 15 दिस. :क्षय तिथि, 16 दिस से 14 जनवरी 2020 तक धनार्क में विवाह मुहूर्त नही दिये गये है।

: 03 दिस. : मंगल पंचशलाका वेध, 04 दिस. लग्नाभाव, 05 दिस. विवाह नक्षत्र नही, मृत्युबाण (05 दिस. 19:36 से 06 दिस. 19:14 तक ,07 दिस. वृद्धि तिथी, एवं परिघ योग, 09 एवं 10 दिस. विवाह नक्षत्र नही 13 दिस. : शनि केतु पंचशलाका वेध, वैधृति महापात रात्रि 04:00 से 14 दिस. रात्रि 23:37 तक, 14 एवं 15 दिस. विवाह नक्षत्र नही मृत्युबाण (14 दिस. 16:16 से 15 दिस. 15:52 तक) 15 दिस. :क्षय तिथि, 16 दिस से 14 जनवरी 2020 तक धनार्क में विवाह मुहूर्त नही दिये गये है।

जनवरी 2020 : 20 जन. व्यतिपात महापात रात्रि 22:51 से प्रात: 07:46 तक 21 जन.: क्रांति साम्य 22 जन. ग्रहण नक्षत्र, 23 से 25 जन. क्षीण चन्द्रमा, मृत्युबाण (24 जन. 21:52 से 25 दजन. 21:26 तक) 27-28 वृद्धि तिथि,

फरवरी 2020 : 01 फर: विष्टि करण लग्नाभाव, 02 फर: मृत्युबाण (02 फर. 18:24 से 03 फ. 18:03 तक) 03 फर: वैधृति महापात 10:52 से सांय 17:45 तक : विवाह योग्य नक्षत्र नही है।

05: शनि पंचशलाका वेध, 06 से 08 फर: विवाह नक्षत्र नही 10 फर: सांय 17:06 के बाद विवाह नक्षत्र नही, 11 - 12 फर: मृत्युबाण (11 फर 15:36 से 12 फर 15:19 तक) 13 फर: कुंभ संक्रांति, 14 फर.: पात दोष, 15 फर. व्यतिपात महापात 07:03 से मध्यान्ह 12:20 तक 15 -16 -17 फर: विवाह नक्षत्र नही, 18 फर मंगल आंकात नक्षत्र ग्रहण नक्षत्र 19-20 फर: विवाह योग्य नक्षत्र नही है। 21 व्यतिपात योग, 22 से 24 फर. क्षीण चन्द्रमा, 23 फर मृत्युबाण (23 फर 12:52 से 24 फर 12:41 तक) 27 फर: विष्टि करण, 28 फरवरी वृद्धि तिथी वैधृति महापात 15:07 से रात्रि 20:36 तक 29 फर: विवाह योग्य नक्षत्र नही है।

मार्च 2020: 01-02 मार्च विवाह नक्षत्र नही है। 02 से 09 मार्च होलाष्टक,:10 मार्च : पात दोष.11 मार्च : व्यतिपात महापात रात्रि 20:56 से 12 मार्च रात्रि 01:06 तक, 12 मार्च मृत्युबाण (12 मार्च 11:46 से 13 मार्च 11:49 तक) 14 मार्च : मीन संक्राति , मीनार्क में विवाह वर्जित।

पक्ष-तिथि	वार	प्रतिष्ठा	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	समय शुद्ध लग्न दानादि विवरण
चैत्र. शु 12	मंगलवार	3	16 अप्रै.	उ.फा.	सिंह	मेष	वृश्चि.	25:50 से 28:25 तक मकर, कुंभ दान- सू, मं, शु
चैत्र. शु 13	बुधवार	4	17 अप्रै.	उ.फा.	कन्या	मेष	वृश्चि.	22:07 से 28:22 तक वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ दान- सू, मं, शु
चैत्र. शु 30	शुक्रवार	6	19 अप्रै.	स्वाति	तुला	मेष	वृश्चि.	25:04 से 28:14 तक मकर, कुंभ
बैशा.कृ 7	शुक्रवार	13	26 अप्रै.	श्रवण	मकर	मेष	वृश्चि.	24:36 से 29:45 तक मकर दान- चं शु श, कुंभ, मीन, मेष दान- सू,गु,
बैशा.कृ 8	शनिवार	14	27 अप्रै.	श्रवण	मकर	मेष	वृश्चि.	24:32 से 29:44 तक मकर दान- चं शु श, कुंभ, मीन मेष दान- सू,गु,
बैशा.कृ 9	रविवार	15	28 अप्रै.	धनिष्ठा	मकर	मेष	वृश्चि.	24:28 से 25:42 तक मकर, दान- शु,श
बैशा.शु 2	सोमवार	23	06 मई	रोहिणी	कुंभ	मेष	वृश्चि.	24:28 से 25:42 तक मकर, दान- शु, श,
बैशा.शु 8	रविवार	29	12 मई	मघा	वृष	मेष	वृश्चि.	12:43 से 29:32 तक सिंह दान-चं, कन्या दान-मं बु शु, वृशि. दान-मं,शु, मकर दान-चं श
बैशा.शु 13	शुक्रवार	3	17 मई	स्वाति	सिंह	वृष	वृश्चि.	23:14 से 27:07 तक मकर दान- श कुंभ दान- शु मीन दान- चं
बैशा 30	शनिवार	4	18 मई	अनुराधा	तुला	वृष	वृश्चि.	26:12 से 27:45 तक मीन पंचशलाकावेधसूर्य
ज्ये कृ 1	रविवार	5	19 मई	अनुराधा	वृश्चि.	वृष	वृश्चि.	09:30 से 26:07 तक कर्क, सिंह, कन्या दान- मं शु मकर दान- श कुंभ दान शु,

पक्ष-तिथि	वार	प्रतिष्ठा	दिनांक	नक्षत्र	चन्द्राशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	समय शुद्ध लग्न दानादि विवरण
ज्ये कृ 5	गुरूवार	9	23 मई	उ.षा.	वृश्चि.	वृष	वृश्चि.	11:35 से 23:48 तक सिंह, कन्या दान- मं शु मकर दान- चं श,
ज्ये कृ 9	मंगलवार	14	28 मई	उ.षा.	मकर	वृष	वृश्चि.	22:31 से 26:30 तक मकर दान- श कुंभ दान- शु, मीन दान- चं,
ज्ये कृ 10	बुधवार	15	29 मई	उ.भा-रेव	मीन	वृष	वृश्चि.	22:27 से 28:04 तक मकर दान- श, कुंभ दान- शु, मीन दान चं, मेष दान गु
ज्ये कृ 11	गुरूवार	16	30 मई	रेवती	मीन	वृष	वृश्चि.	08:47 से 28:33 तक कर्क, सिंह दान-च, कुंभ दान शु, मीन, मेष दान चं गु
ज्ये शु 6	शनिवार	25	08 जून	मघा	सिंह	वृष	वृश्चि.	21:47 से 26:55 तक मकर दान- चं श, कुंभ दान- चं, मीन दान- चं शु, मेष दान-गु
ज्ये शु 8	सोमवार	27	10 जून	उ.फा.	सिंह	वृष	वृश्चि.	14:21 से 22:24 तक कन्या दान- मं, तुला दान शु, मकर दान- श,
ज्ये शु 10	बुधवार	29	12 जून	हस्त	कन्या	वृष	वृश्चि.	07:56 से 27:37 तक कर्क, सिंह, कन्या दान-चं मं, तुला दान-शु, मकर दान- श कुंभ दान- चं, मीन दान- चं शु
आषा कृ 8	मंगलवार	11	25 जून	उ.भा.	मीन	मिथुन	वृश्चि.	07:05 से 26:51 कर्क दान- मं, सिंह दान- चं, तुला दान- चं,मं,शु कुंभ, मीन दान- चं, शु मेष दान- गु
आषा शु 4	शनिवार	22	06 जुल.	मघा	सिंह	मिथुन	वृश्चि.	16:49 से 17:53 तक वृश्चिक दान- शु
आषा शु 5	रविवार	23	07 जुल.	उ.फा.	सिंह	मिथुन	वृश्चि.	23:03 से 26:03 तक मीन दान- चं मेष दान- गु शु,
आषा शु 6	सोमवार	24	08 जुल.	उ.फा.	कन्या	मिथुन	वृश्चि.	06:13 से 15:26 तक कर्क दान- मं सिंह, कन्या दान- चं, तुला दान मं,
आषा शु 8	मंगलवार	25	09 जुल	चित्रा	कन्या	मिथुन	वृश्चि.	16:25 से 25:55 तक वृश्चि. दान- शु कुंभ दान- चं मेष दान- चं गु शु,
आषा शु 9	बुधवार	26	10 जुल.	स्वाति	तुला	मिथुन	वृश्चि	06:06 से 24:12 तक कर्क दान-मं, सिंह,कन्या,तुला दान-चं मं वृश्चि. दान-शु कुंभ,मीन
का. शु 11	शुक्रवार	23	08 नव.	उ.भा.	मीन	तुला	धनु	22:06 से 26:43 तक कर्क, सिंह दान- चं
का. शु 12	शनिवार	24	09 नव.	रेवती	मीन	तुला	धनु	06:39 से 09:38 तथा 22:02से30:40 तक तुला दान-सू,चं,वृश्चि.कर्क,सिं दान-चं,कन्या दान-चं,मं,शु तुलां दान-सू,चं
का. शु 13	रविवार	25	10 नव.	अश्वि.	मेष	तुला	धनु	24:14 से 28:52 तक वृष, तुला दान-सू, चं,
मार्ग कृ 1	बुधवार	28	13 नव.	रोहिणी	वृष	तुला	धनु	22:00 से 30:43 तक कर्क, सिंह, कन्या दान-शु, तुला दान-चं,सू,मं पंचशलाकावेधसूर्य
मार्ग कृ 2	गुरूवार	29	14 नव.	रोहिणी	वृष-मृग	तुला	धनु	21:42 से 25:11 तक कर्क,
मार्ग कृ 7	मंगलवार	4	19 नव.	मघा	सिंह	वृश्चिक	धनु	22:10 से 30:36 तक कर्क, सिंह दान-चं, कन्या दान शु, तुला दान-मं, क्रान्तिसाम्य
मार्ग कृ 9	गुरूवार	6	21 नव.	उ.फा.	सिंह	वृश्चिक	धनु	21:15 से 22:17 तक कर्क, दान-शु, परिघ
मार्ग कृ 10	शुक्रवार	7	22 नव.	उ.फा.	कन्या	वृश्चि.	धनु	23:31 से 30:24 तक सिंह, कन्या, तुला दान-मं शु,
मार्ग कृ 12	शनिवार	8	23 नव.	चित्रा	कन्या	वृश्चि.	धनु	21:07 से 27:43 तक कर्क दान शु, सिंह, कन्या दान-चं,
मार्ग शु 2	गुरूवार	13	28 नव.	मूल	धनु	वृश्चि.	धनु	20:47 से 29:44 तक कर्क दान-शु चं, सिंह, कन्या, तुला दान- मं शु
मार्ग शु 4	शनिवार	15	30 नव.	उ.षा.	मकर	वृश्चि.	धनु	23:00 से 23:14 तक सिंह दान-चं, पंचशलाकावेध राहु
मार्ग शु 5	रविवार	16	01 दिस.	श्रवण	मकर	वृश्चि.	धनु	22:56 से 29:49 तक, सिंह दान-चं, कन्या, तुला दान- मं, शु,
मार्ग शु 6	सोमवार	17	02 दिस.	श्र-धनि.	मकर	वृश्चि.	धनु	22:52 से 29:45 तक सिंह दान-चं, कन्या दान-चं, तुला दान-मं, शु,
मार्ग शु 14	बुधवार	26	11 दिस.	रोहिणी	वृष	वृश्चि.	धनु	22:54 से 29:06 तक सिंह, कन्या, तुला दान- च, मं, शु,

पक्ष-तिथि	वार	प्रतिष्ठा	दिनांक	नक्षत्र	चंद्रराशि	सूर्यराशि	गुरूराशि	समय शुद्ध लग्न दानादि विवरण
मार्ग शु 30	गुरूवार	27	12 दिस.	मृगशिरा	वृष	वृश्चि.	धनु	19:52 से 29:06 तक कर्क दान-शु, सिंह, कन्या, तुला दान-शु, मं
माघ कृ 5	बुधवार	2	15 जन	उ.फा.	कन्या	मकर	धनु	23:36 से 25:42 तक कन्या दान- चं शु,
माघ कृ 6	गुरूवार	3	16 जन	हस्त	कन्या	मकर	धनु	25:16 से 31:11 तक मकर दान-सू श, तुला दान-चं, वृशि. दान-मं,
माघ कृ 7	शुक्रवार	4	17 जन	चित्रा	तुला	मकर	धनु	22:08 से 29:34 तक कन्या दान-शु, तुला दान चं, वृश्चिक दान-मं,
माघ कृ 9	शनिवार	5	18 जन	स्वाति	तुला	मकर	धनु	22:04 से 24:15 तक कन्या, दान-शु,.
माघ कृ10	रविवार	6	19 जन	अनु	वृश्चि.	मकर	धनु	26:51 से 28:55 तक वृश्चिक दान-चं मं,
माघ कृ11	सोमवार	7	20 जन	अनु	वृश्चि.	मकर	धनु	21:56 से 23:16 तक कन्या, दान-शु,
मघ शु 2	रविवार	13	26 जन	धनिष्ठा	कुंभ	मकर	धनु	26:24 से 28:27 तक,वृश्चिक दान- चं मं,
मघ शु 4	बुधवार	18	29 जन	उ.भा.	मीन	मकर	धनु	23:37 से 28:15 तक तुला दान-चं, वृश्चिक दान-मं,
मघ शु 5	गुरूवार	19	30 जन	रेवती	मीन	मकर	धनु	23:33 से 29:13 तक तुला दान-चं, वृश्चिक दान-मं, बंसत पंचमी
मघ शु 6	शुक्रवार	18	31 जन	अश्व.	मेष	मकर	धनु	21:13 से 23:29 तक और 25:49 से 28:08 तक कन्या दान-चं,शु,बु, वृशि.दान चं,म,
मघ शु 9	सोमवार	21	03 फर	श्रोहणी	वृष	मकर	धनु	24:52 से 27:56 तक तुला, वृश्चिक, दान- चं, मं, शु,
माघ शु 30	रविवार	27	09 फर	मघा	सिंह	मकर	धनु	25:14 से 27:32 तक वृश्चिक,
फा. कृ 8	रविवार	4	16 फर	अनु.	वृष	कुंभ	धनु	24:46 से 27:05 तक वृश्चिक, दान- चं,
फा. शु 2	मंगलवार	13	25 फर	उ.भा.	मीन	कुंभ	धनु	24:07 से 26:29 तक और 28:33 से 30:16 तक वृश्चिक, मकर दान- श शु,
फा. शु 3	बुधवार	14	26 फर	उ.भा.	मीन	कुंभ	धनु	24:03 से 26:25 तक और 28:29 से 30:12 तक वृश्चिक, मकर दान-श शु,
फा. शु 5	शुक्रवार	15	28 फर	अश्वि.	मीन	कुंभ	धनु	23:59 से 26:17 तक वृश्चिक दान- चं,

पंजाब एवं द्विगर्त देशों के लिए विवाह मुहूर्त्त - वि. 2076

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	गुरू	समय	लग्न दान
29 सितम्बर	शु. 01	रविवार	हस्त	कन्या	कन्या	वृश्चिक	24:43 से 29:21तक	लग्न - कर्क (दान- शु, सिं)
02 अक्टूबर	शु. 04	बुधवार	विशाखा	वृश्चिक	कन्या	वृश्चिक	24:31 से 29:09तक	लग्न - कर्क (दान- शु, सिं)
08 अक्टूबर	शु. 10	मंगलवार	धनिष्ठा	मकर	कन्या	वृश्चिक	26:45 से 28:03तक	लग्न - सिंह (दान- चं, शु)
14 अक्टूबर	कृ. 01	सोमवार	रेवती	मेष	कन्या	वृश्चिक	23:44 से 28:58तक	लग्न - कर्क, सिंह(दान- शु) कन्या(सू,चं,मं)
18 अक्टूबर	कृ. 04	शुक्रवार	राहिणी	वृष	तुला	वृश्चिक	23:28 से 25:14तक	लग्न - कर्क
29 अक्टूबर	शु. 02	मंगलवार	अनुराधा	वृश्चिक	तुला	वृश्चिक	23:11 से 29:39तक	लग्न - कर्क, सिंह, कन्या (दान- मं, शु)
31 अक्टूबर	शु. 04	गुरूवार	मूल	धनु	तुला	वृश्चिक	25:01 से 29:01तक	लग्न - सिंह, कन्या (दान- मं, शु)
02 नवम्बर	शु. 06	शनिवार	उ.षा.	धनु	तुला	वृश्चिक	23:01 से 29:23तक	लग्न - कर्क(दान-चं,सिं) कन्या(दान- मं,शु)
04 नवम्बर	शु. 08	सोमवार	धनिष्ठा	मकर	तुला	वृश्चिक	27:23 से 28:57तक	लग्न - कन्या (दान- मं, शु)
05 नवम्बर	शु. 09	मंगलवार	धनष्ठिा	कुम्भ	तुला	धनु	22:18 से 24:38तक	लग्न - कर्क (दान- चं)

संवत् 2077 वि. सन् 2020 ई. के देवशयन तक के विवाह मुहूतों का संक्षिप्त विवरण

दिनांक	वार	प्रविष्टे	नक्षत्र	चन्द्र	सूर्य	समय
11 मार्च	बुधवार	फाल्गुन 28	हस्त	कन्या	कुंभ	06:35 से 19:00
16 अप्रैल	गुरूवार	वैशाख 04	धनिष्ठा	मकर	मेष	23:05 से 29:54
17 अप्रैल	शुक्रवार	वैशाख 05	धनिष्ठा	मकर	मेष	05:54 से 07:05 तथा 20:04 से 25:36
25 अप्रैल	शनिवार	वैशाख 13	रोहिणी	वृष	मेष	20:57 से 29:45
26 अप्रैल	रविवार	वैशाख 14	रोहिणी	वृष	मेष	05:45 से 22:56
01 मई	शुक्रवार	वैशाख 19	मघा	सिंह	मेष	25:53 से 29:40
02 मई	शनिवार	वैशाख 20	मघा	सिंह	मेष	05:40 से 09:03 तथा 14:05 से 23:10
04 मई	सोमवार	वैशाख 22	उ.फा. हस्त	कन्या	मेष	08:57 से 28:44
05 मई	मंगलवार	वैशाख 23	हस्त	कन्या	मेष	05:56 से 16:39
06 मई	बुधवार	वैशाख 24	चित्रा	तुला	मेष	05:36 से 13:51
06 मई	बुधवार	वैखाख 24	स्वाति	तुला	मेष	13:51 से 19:45
15 मई	शुक्रवार	ज्येष्ठ 02	धनिष्ठा	कुभ	वृष	05:30 से 08:29
17 मई	रविवार	ज्येष्ठ 04	उ.भा.	मीन	वृष	13:58 से 27:32
18 मई	सोमवार	ज्येष्ठ 05	उ.भा रेवती	मीन	वृष	05:29 से 28:29
19 मई	मंगलवार	ज्येष्ठ 06	रेवती	मीन	वृष	05:28 से 17:32
23 मई	शनिवार	ज्येष्ठ 10	रोहिणी	वृष	वृष	24:17 से 28:51
11 जून	गुरूवार	ज्येष्ठ 29	धनिष्ठा	कुंभ	वृष	11:28 से 16:35
15 जून	सोमवार	आषाढ़ 02	रेवती	मीन	मिथुन	05:23 से 16:31
17 जून	बुधवार	आषाढ़ 04	अश्वि	मेष	मिथनु	05:23 से 06:04
27 जून	शनिवार	आषाढ़ 14	उ.फा.	कन्या	मिथुन	23:07 से 26:54
29 जून	सोमवार	आषाढ़ 16	चित्रा	कन्या	मिथुन	07:14 से 29:22
30 जून	मंगलवार	आषाढ़ 17	चित्रा	तुला	मिथुन	05:27 से 05:39

अर्धकुंभ-प्रयागराज

प्रमुख शाही स्नान-माघ अमावस्या दिनांक 04 फरवरी सन् 2019

माघ अमावस्या दिनांक 04 फरवरी 2019 ई. को सूर्य-चन्द्र मकरस्थ है और गुरू वृश्चिक राशि में संक्रमण कर रहा है। अत: दिनांक 04 फरवरी 2019 ई माघ अमावस्या संवत् 2075 ई. को प्रयागराज में अर्ध-कुम्भ का आयोजन होगा।

मुख्य स्नान तिथियां

1) **मकर संक्राति** - दिनांक 14 जनवरी 2019 ई. प्रथम शाही स्नान। 2) **पुत्रदा एकादशी** - दिनांक 17 जनवरी 2019 ई. 3) **पौष पूर्णिमा** - दिनांक 21 जनवरी 2019 ई. 4) **माघ कृष्ण एकादशी** - दिनांक 31 जनवरी 2019 ई.

5) **माघ अमावस्या (मुख्य स्नान)** - दिनांक 04 फरवरी 2019 ई. महोदय योग 7 घ. 58 मि. से सूर्यास्त तक रहने से स्नान आदि माहात्म्य करोड़ो गुणा बढ़ जाता है। **स्नान दान आदि** - सारा दिन। **पितृ, तर्पण, पिण्डदान आदि** - 11:10 घ.मि. से 15:23 घ.मि. तक।

6) **वसन्त पंचमी शाही स्नान** - दिनांक 10 फरवरी 2019 ई. 7) **रथ सप्तमी दिनांक** - 12 फरवरी 2019 ई. 8) **कुम्भ संक्राति दिनांक** -13 फरवरी 2019 ई. 9) **माघ पूर्णिमा दिनांक** - दिनांक 19 फरवरी 2019 ई. अर्धकुम्भ महापर्व का अंतिम स्नान।

कुंभ महापर्व का ऐतिहासिक, समाजिक महत्व और यात्रियों के कर्तव्य

भारत विश्व की संक्षिप्त प्रतिकृति होते हुए भी सर्वथा अलौकिक है। संसार भरत के जितने भी देश है- उन सबकी सम्पूर्ण विशेषताएं भारत में एक लक्षित है जिसके कारण सारा संसार इसे आदर्श और श्रद्धा की दृष्टि से देखता है। इसके अनेक दिव्य कार्य अत्यन्त प्राचीन-इतने पुराने है कि आज का वैज्ञानिक ऐतिहासिक उनका तिथि क्रम भी निश्चित नहीं कर पाता और उन्हें प्रागैतिहासिक कहकर छोड देते है। ऐसा होते हुए भी वे नित्य नवीन है। उनका महत्व आज भी उतना ही है, जितना कि लाखों वर्ष पूर्व था। कुंभ महापर्व भी भारत के ऐसे अत्यंत उनयोगी और महत्वपूर्ण अलौकिक आयोजनों में से एक है।

शेष पृष्ठ 284 पर देखें

संवत् 2076 के विवाह मुहूर्तो हेतू त्रिबल शुद्धिकोष्टक

सुविधानुसार किसी माह में विवाह दिन ज्ञात करने के लिए विगत वर्षो से यह सूर्य, चन्द्र, गुरू शुद्धि का (त्रिबल शुद्धि) कोष्ठक देते आ रहें है, जिसमें वर के लिए सूर्य की पूजा तथा कन्याओं के लिए गुरू पूजा के दिन भी दर्शाये रहते है, अत: ज्योतषियों के त्रिबल शुद्धि का परिश्रम नहीं करना पडता, किन्तु रहां एक बात सदैव स्मरण रखनी चाहिए कि मात्र इसके आधार पर विवाह निश्चित नहीं करना चाहिए। साथ में यह भी देखना आवश्यक है कि जिस दिन विवाह निश्चित कर रहें है, उस दिन वर तथा कन्या के जन्म लग्न तथा जन्म राशि से आठवीं राशि विवाह लग्न नहीं होनी चाहिए तथा जन्म लग्न एंव जन्म राशि के शत्रु राशि का लग्न नवांश भी नहीं होना चाहिए, क्योंकि किसी विशेष दिन में विवाह लग्न अत्यन्त सीमित होते है। अत: विवाह दिन निश्चित करने से पूर्व इन सभी बातों का विचार कर लेना आवश्यक होता है। यहां 4/8वां चन्द्रमा ग्राह्य माना गया है। वर्तमान में कन्याओं का विवाह अधिक आयु में होने से 4-8-12वां, गुरू जो नष्ट होता है, पूज्य गुरू की श्रेणी में ही रखा गया है।

वर लड़का	वर के लिए पूज्य सूर्य	कन्या लड़की	कन्या के लिए पूज्य गुरू
मेष: मार्च : 3, 7, 8, 9, 10, 12 अप्रैल: 15,16,17,18,19,20, 26,27,28 मई: 6,7,12,13,16,17,23,24,25,,28,29,30,31 जून : 8, 9,10,11,12, 25,27,28, जुलाई: 6,7,8,9,10,11 सित.:12, अक.: 1,4,5,6,7,8,9,13, 14,15,18,23,24,25,31 नव.:1,2,3,4,5,8,9,10,11,13,14 (2020)जनवरी:15,16,17,18,26,29,30,31 फरवरी: 9,10,11,14,25, 26, 27,28 मार्च: 10,11	13 अप्रै से 13 जून, 16 अगस्त से 15 सित, 16 अक्टू से 14 नव	**मेष:** मार्च: 3, 7, 8, 9, 10, 12 अप्रैल: 15,16,17,18,19,20, 26, 27,28 मई: 6,7,12,13,16,17,23,24,25,,28,29,30,31 जून: 8,9, 10,11,12,25,27,28, जुलाई: 6,7,8,9,10,11 सित.: 12, अक.: 1,4,5,6,7,8,9,13,14,15,18,23, 24,25,31नव.: 1,2,3,4,5,8,9,10,11,13,14 (2020)जनवरी:15,16,17,18 ,26,29,30,31 फरवरी: 9,10,11,14,25,26,27,28 मार्च: 10,11	30 मार्च 2020 से
वृष- मार्च : 3, 7, 8, 9, 10, 12 मई: 16,17,18,19,23, जून: 10,11,12,16, 25,27,28, जुलाई: 7,8,9,10,11,12,13 सित.: 29,30,अक.: 1,2,3,,29,30 नव.:,3,4,5,8,9,10,11,13,14, दिस.:1,2,3,7,8,10,11,12 (2020)जनवरी:15,16,17,18,19,20,26,29,30,31 फरवरी:1,3, 4,14,15,16,25,26,27,28 मार्च: 10,11	14 मई से 15 जुला, 16 सित. से 16 अक्टू, 15 नव से 14 दिस, 13 फर से 11 फर	**वृष-** जनवरी: 15, 17, 18, 25, 26, 27, 29, 30 फरवरी: 5, 6, 8, 9, 10, 14, 21, 22 मार्च : 3, 7, 8, 9, 10, 12 मई: 16,17,18,19, 23,24,25,28,29, 30,31 जून:10,11,12,16,25,27,28, जुलाई: 7,8,9,10,11,12,13 सित.:29,30,अक. :1,2,3,29,30 नव.:,3,4,5,8,9,10,11,13,14, दिस.:1,2,3,7,8,10,11,12 (2020)जनवरी:15,16,17,18,19,20,26,29,30,31 फरवरी: 1,3,4,14,15,16,25,26,27,28 मार्च: 10,11	
मिथुन- मार्च : 7, 8, 9, 10, 12 अप्रैल: 15,16,17,19,20,22,28, मई: 6,7, 12,13 जून: 16,25,27,28 जुला: 6,7,10,11,12,13 सित.: 12 अक: 18, नव.:,8,9,10,11,13,14,19,20,21,2829 दिस.2,3,7,8,10,11,12 (2020) फरवरी: 14,15,16,25,26,27,28	14 जून से 15 अग, 16 अक्टू. से 14 नव, 12 फर से 13 मार्च	**मिथुन-**फरवरी: 14,19,20,21 मार्च : 7, 8, 9, 10, 12 अप्रैल: 15,16,17, 19,20,22,28, मई: 6,7,12,13 जून:16,25,27,28 जुला: 6,7,10, 11,12,13 सित.: 12 अक: 18, नव.: ,8,9,10,11,13,14,19,20,21,28,29 दिस.2,3,7,8, 10,11,12 (2020) फरवरी: 14,15,16,25,26,27,28	29 मार्च 2019 तक 23 अप्रैल से 5 नव.2019 तक
कर्क-अप्रैल:15,16,17,19,,22,26,27 मई: 6,7,12,13,16,18,19,23, 24,28,29,30,31 जून:8,9,10,11,12 सित. 29 अक.: 2,3,,5,6,7,8,13, 14,15 नव.: 19,20,21,22,23,29,30 दिस.:1,2,7,8,10,11,12 जनवरी (2020):15,16,17,19,20,29,30,31 फरवरी: 1,3,4,9,10,11	16 जुला. से 15 सित.,15 नव. से 14 दिस., 13 जन. 11 फर.	**कर्क-** अप्रैल:15,16,17,19,,22,26,27 मई: 6,7,12,13,16,18,19,23, 24,,28,29,30,31 जून: 8,9,10,11,12 सित.29 अक.:2,3,,5,6,7,8,13,14,15 नव.:19,20,21,22,23,29,30 दिस.:1,2,7,8,10,11,12 जनवरी(2020): 15,16, 17,19, 20,29,30,31 फरवरी: 1,3,4,9,10,11	29 मार्च से 23 अप्रै. 2019 तक, 5 नव. 2019 से 30 मार्च 2020 तक
सिंह- मार्च : 3, 9, 10, 12 अप्रैल: 15,16,17,18,19,20,26,27,28,मई: 6,7,12,13,16,17,23,24,25, 30,31 जून:8,9,10,11,12,27,28, जुला: 6,7,8,9,10,11 सित.:12,29, 30 अक.: 1,4,5,6,7,8,9,14,15,18,23,24 ,25,31 नव.: 1,2,3,4,5,10,11,13,14(2020) फरवरी: 1,3,4,9,10,11,14, 27,28 मार्च: 10,11	13 अप्रै. से 13 मई, 16 अग. से 16 अक्टू. 12 फर. से 13 मार्च	**सिंह-** मार्च : 3, 9, 10, 12 अप्रैल: 15,16,17,18,19,20,26,27,28, मई: 6,7,12, 13,16,17,23,24,25,30,31 जून: 8,9,10,11,12,27,28, जुला: 6,7,8,9,10,11 सित.:12,29,30 अक्टू.:1,,4,5,6,7,8,9,14,15,18,23,24,25, 31 नव.: 1,2,3,4, 5,10,11,13,14(2020) फरवरी: 1,3,4,9,10,11,14, 27,28 मार्च: 10,11	30 मार्च 2020 से

कन्या - मार्च : 3, 7, 8, 9, 12 मई: 19,23,24,25,28,29,30 जून: 8,9,10, 11,12,16,25,27 जुला: 6,7,8,9,10,11,12,13 सित: 29,30 अक.: 1,2,3,6,7,8,9,13,14,18,23,24,25,29,30 नव.: 3,4,5,8,9,10,13,14, 19,20,21,22,23,30 दिस.: 1,2,3,7,10,11,12 (2020)जनवरी: 15,16, 17,18,25,26,29,30,	14 मई से 13 जून, 16 सित. से 14 नव., 13 जन. से 11 फर.	कन्या- मार्च : 3, 7, 8, 9, 12 मई: 19,23,24,25,28,29,30 जून: 8,9,10,11,12, 16,25,27 जुला: 6,7,8,9,10,11,12,13 सित: 29,30 अक.: 1,2,3,6,7,8,9,13,14,18,23,24,25,29,30 नव.: 3,4,5,8,9,10,13,14,19,20,21,22,23,30 दिस.: 1,2,3,7,10,11,12 (2020)जनवरी: 15,16,17,18,25,26,29,30,	
तुला- मार्च: 7, 8, 9, 10 अप्रैल:15, मई: 12,13 जून: 16,25,27,28, जुला: 6,7,8,9,10,11,12,13 सित.:12 अक.: 23,24,25,29,30,31 नव.: 1,2,5,8,9,10,11,19,20 21,22,23,28,29 दिस: 2,3,7,8,12 (2020)	14 अप्रै. से 13 मई, 14 जून से 15 जुला., 16 अक्टू. से 14 दिस, 12 फर. से 13 मार्च	तुला- अप्रैल: 15, मई: 12,13 जून: 16,25,27, 28, जुला: 6,7,8,9, 10,11, 12,13 सित.:12 अक.: 23,24,25,29,30,31 नव.: 1,2,5,8,9 ,10,11,19,20 21,22,23,28,29 दिस: 2,3,7,8,12 (2020)	29 मार्च 2019 तक23 अप्रैल से 5 नव. 2019 तक
वृश्चिक- अप्रै: 15,16,17,18,1920,22,26,27,28, मई 6, सित: 29,30 अक: 1,2,3,4,5,6,7,8,13,14,15, नव: 19,20,2122,23,28,29,30 दिस: 1,2,7,8,10,11,12 (2020)जन: 15,16,17,18,19,20,29,30,31 फर: 1,3,4,9,10,11	14 मई से 13 जून, 16 जुला से 15 अग, 15 नव से 14 दिस.	वृश्चिक- अप्रै: 15,16,17,18,1920,22,26,27,28, मई 6, सित: 29,30 अक: 1,2,3,4,5,6,7,8,13,14,15, नव: 19,20,2122,23,28,29,30 दिस: 1,2 7,8,10,11,12 (2020) जन:15,16,17,18,19,20,29,30,31 फर: 1,3,4,9,10,11	29 मार्च से 23 अप्रैल 2019 तक 5 नवम्बर 2019 से 30 मार्च 2020 तक
धनु- मार्च : 3, 9, 10, 12 अप्रैल: 15,16,17,18,19,20,22,26,27,28 मई: 6,7,12,13,16,17,18,19,23,24,25,30,31 जून: 8,9,10,11,12,16,27,28 जुला: 6,7,8,9,10,11,12,13 सित. 12,19,30 अक. 1,2,3,4,5,67,8,9,14 15,18,23,24,25,29,30,31 नव.: 1,2,3,4,5,10 11,13,14 (2020)जन. 15,16,17,18,19,20,26,31 फर: 1,3,4,9,10,11,14,15,16,27,28 मार्च: 10,11	13 अप्रै. से 13 मई, 14 जून से 15 जुला. 16 अग से 15 सित, 13 जन से 11 फर	धनु- मार्च : 3, 9, 10, 12 अप्रैल: 15,16,17,18,19,20,22,26,27,28 मई: 6,7, 12,13,16,17,18,19,23,24,25,30,31 जून: 8,9,10,11,12,16,27,28 जुला: 6,7,8,9,10,11,12,13 सित.12,19,30 अक. 1,2,3,4,5,67,8,9,14 15,18,23, 24,25,29,30,31 नव.:1,2,3,4,5,10,11,13,14(2020) जन.15,16,17,18,19, 20,26,31 फर: 1,3,4,9,10,11,14,15,16,27,28 मार्च: 10,11	30 मार्च 2020 से
मकर- मार्च : 3, 7, 8, 9, 12 मई: 16,17,18,19,23,24,25,28,29,30 जून: 10, 11,12,16,25,27, जुला: 7,8,9,10,11,12,13 सित.: 29,30, अक.: 1,2,3,4,5,6,7,8,9,13,14,18,25,29,30,31 नव.1,2,3,4,5,8,9,10,13, 14,22,23,28,29,30,दिस.:1,2,3,7,10,11,12(2020)जनवरी: 15,16,17,18,19,20,26,29,30,31 फर: 3,4,14,15,16,25,26,27 मार्च 10,11	15 मई से 13 जून 16 जुला से 15 अग, 16 सित. से 15 अक्तू., 13 जन से 13 मार्च	मकर- मार्च : 3, 7, 8, 9, 12 मई: 16,17,18,19,23,24,25,28,29,30 जून:10, 11,12,16,25,27, जुला: 7,8,9,10,11,12,13 सित.: 29,30, अक.: 1,2,3,4,5,6,7,8,9,13,14,18,25,29,30,31 नव.1,2,3,4,5,8,9,10, 13,14,22,23,28,29,30, दिस.:1,2,3,7,10,11,12(2020) जनवरी:15,16,17,18,19,20,26,29,30,31 फर:3,4,14,15,16,25,26,27 मार्च 10,11	
कुंभ- मार्च : 3, 7, 8, 9, 10 अप्रैल:15,16,17,19,20,22,26,27,28 मई: 12,13 जून: 16,25,27 28 जुला: 6,7,10,11,12,13 सित.12, अक. 23,24,25,29,30,31, नव.1,2,3,4,5,8,9,10,11,19 ,20,21,28,29,30, दिस.:1,2,3,7,8,12, (2020) फर: 14,15,16, 25,26,27,28	14 जून से 15 जुला., 16 अग से 15 सित., 16 अक्टू. से 14 नव. 12 फर से 13 मार्च	कुंभ- अप्रैल:15,16,17,19,20,22,26,27,28 मई: 12,13 जून: 16,25,27,28 जुला: 6,7,10,11,12,13 सित.12, अक.23,24,25,29,30,31, नव. 1,2,3,4,5,8,9,10,11,19,20,21,28,29,30, दिस.: 1,2,3,7,8,12 (2020)फर: 14,15,16,25,26,27,28	29 मार्च 2019 तक 23 अप्रै. से 5 नव. 2019 तक
मीन- अप्रैल:15,16,17,18,19,22,26,27,28, मई: 6,7,12,13,16,18,19, 23,24,25,28,29,30,31 जून: 8,9,10,11,,12, सित.12,29 अक.: 2,3,4, 5,6,7,8,9,13,14,15 नव. 20,21,22, 23,28,29,30 दिस.: 1,2,3,7,8, 10,11,12(2020)जनवरी15,16,17,19,20,26,29,30,31 फर: 1,3,4,9,10,11	13 अप्रै. से 13 मई 16 जुला से 15 अग, 15 सित से 16 अक्टू, 15 नव से 14 दिस.	मीन-अप्रैल:15,16,17,18,19,22,26,27,28,मई:6,7,12,13,16,18,19,23,24 ,25,28,29,30,31 जून:8,9,10,11,,12, सित.12,29 अक्तू.: 2,3,4,5,6,7 ,8,9,13,14,15 नव. 20,21,22, 23,28,29,30 दिस.: 1,2,3,7,8,10,11,12(2020)15,16,17,19,20,26,29,30,31 फर: 1,3,4,9,10,11	29 मार्च से 23 अप्रैल 2019 तक 5 नवम्बर 2019 से 30 मार्च 2020 तक

संवत् 2076 के विभिन्न शुभ मुहूर्त

वाग्दान (सगाई)

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	15 सोमवार	07:23-14:39
	17 बुधवार	05:54-18:31
	19 शुक्रवार	16:42-23:00
	20 शनिवार	05:51-17:58
	28 रविवार	19:34-22:24
	30 मंगलवार	08:14-22:17
मई	06 सोमवार	50:37-23:57
	07 मंगलवार	05:36-16:27
	16 गुरूवार	05:30-11:55
	19 रविवार	05:29-23:06
	23 गुरूवार	05:27-22:50
	25 शनिवार	19:36-20:26
	28 मंगलवार	13:31-22:31
	29 बुधवार	15:21-22:27
	30 गुरूवार	05:24-22:15
	31 शुक्रवार	05:24-17:17
जून	09 रविवार	05:23-14:27
	रविवार	15:39-23:26
	12 बुधवार	06:06-23:14
	24 सोमवार	13:04-22:27
	27 गुरूवार	06:21-06:55
	गुरूवार	08:31-18:15
	28 शुक्रवार	06:36-09:11
	29 शनिवार	09:57-21:44
	30 रविवार	05:26-06:11
जुलाई	06 शनिवार	16:49-21:50
	08 सोमवार	07:42-15:26
	11 गुरूवार	05:31-15:55
	13 शनिवार	05:32-16:27
	18 गुरूवार	05:35-05:43
	21 रविवार	11:40-23:33
	22 सोमवार	05:37-07:17
	सोमवार	09:41-14:04
सितम्बर	10 मंगलवार	06:03-17:45
	मंगलवार	20:09-21:48
	11 बुधवार	06:04-21:44
	29 रविवार	20:14-22:28
	30 सोमवार	06:13-12:08
अक्टूबर	01 मंगलवार	09:43-13:55
	02 बुधवार	12:52-22:17
	03 गुरूवार	06:15-10:12
	04 शुक्रवार	13:07-21:37
	05 शनिवार	06:16-09:51
	08 मंगलवार	06:18-21:53
	09 बुधवार	17:19-21:49
	11 शुक्रवार	06:19-07:25
	14 सोमवार	06:21-09:32
	सोमवार	11:08-21:29
	15 मंगलवार	06:22-12:30
	18 शुक्रवार	07:29-21:14
	24 गुरूवार	06:27-15:29
	गुरूवार	20:00-20:50
	25 शुक्रवार	06:28-19:08
	30 बुधवार	06:32-21:59
नवम्बर	01 शुक्रवार	06:33-21:52
	03 रविवार	08:23-22:25
	08 शुक्रवार	12:24-22:06
	09 शनिवार	06:39-10:14
	शनिवार	11:26-22:02
	10 रविवार	06:40-16:30
	14 गुरूवार	06:43-21:42
	21 गुरूवार	17:26-21:15
	22 शुक्रवार	09:01-21:11
	23 शनिवार	06:50-21:07
	28 गुरूवार	08:22-16:18
	गुरूवार	18:18-20:47
	29 शुक्रवार	06:55-07:33
	30 शनिवार	18:05-20:29
दिसम्बर	01 रविवार	11:29-19:13
	03 मंगलवार	06:58-14:16
	07 शनिवार	17:03-19:35
	08 रविवार	08:29-17:15
	10 मंगलवार	07:03-10:44
	12 गुरूवार	10:42-22:12
जनवरी 2020	15 बुधवार	07:15-12:10
	17 शुक्रवार	07:15-07:28
	20 सोमवार	07:15-21:56
	29 बुधवार	10:46-21:21
	30 गुरूवार	07:11-13:20
	31 शुक्रवार	15:52-17:22
	शुक्रवार	18:58-21:13
फरवरी	01 शनिवार	07:10-18:11
	04 मंगलवार	07:08-21:50
	09 रविवार	20:31-22:54
	10 सोमवार	07:04-11:31
	सोमवार	13:55-22:50
	11 मंगलवार	07:03-15:35
	25 मंगलवार	06:51-21:51
	26 बुधवार	06:50-21:47
	28 शुक्रवार	06:48-15:24
	शुक्रवार	20:22-21:39
मार्च	01 रविवार	11:16-12:35
	11 बुधवार	06:35-19:00
अप्रैल	17 शुक्रवार	05:54-07:05
	शुक्रवार	20:04-23:05
	19 रविवार	05:52-22:57
	25 शनिवार	05:46-22:23

द्विरागमन

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	17 बुधवार	05:54-18:31
	बुधवार	22:07-22:24
	19 शुक्रवार	06:02-11:32
	शुक्रवार	12:44-25:04
	26 शुक्रवार	23:14-24:36
	29 सोमवार	08:02-08:51
	सोमवार	22:04-24:25
मई	02 गुरूवार	06:42-24:09
	06 सोमवार	16:36-23:57
	09 गुरूवार	15:17-19:00
	गुरूवार	21:00-23:45
	10 शुक्रवार	05:34-14:21
	शुक्रवार	20:05-23:41
नवम्बर	21 गुरूवार	18:29-22:17
	22 शुक्रवार	09:01-25:48
	28 गुरूवार	08:22-16:18
	गुरूवार	18:18-25:25
	29 शुक्रवार	06:55-07:33
दिसम्बर	02 सोमवार	06:57-13:37
	सोमवार	17:13-25:09
	11 बुधवार	22:24-26:50
	12 गुरूवार	07:04-25:11
फरवरी 2020	14 शुक्रवार	07:01-07:27
	शुक्रवार	13:03-14:48
	21 शुक्रवार	09:13-17:21
	24 सोमवार	12:41-16:21
	26 बुधवार	06:50-26:25
	28 शुक्रवार	06:48-15:24
	शुक्रवार	20:22-25:33
मार्च	06 शुक्रवार	11:47-25:50
	11 बुधवार	06:35-19:00
अप्रैल	16 गुरूवार	23:05-25:13
	17 शुक्रवार	05:54-07:05
	शुक्रवार	20:04-25:09
	20 सोमवार	07:23-20:30
	23 गुरूवार	07:56-16:05

गृहप्रवेश पुराना

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	19 शुक्रवार	16:42-29:51
	20 शनिवार	05:51-17:58
	25 गुरूवार	25:39-29:45
	26 शुक्रवार	05:45-23:14
	29 सोमवार	08:02-08:51
	सोमवार	22:04-29:42
मई	02 गुरूवार	06:42-27:21
	06 सोमवार	16:36-25:13
	सोमवार	27:37-29:36
	10 शुक्रवार	14:21-16:32
	शुक्रवार	18:56-29:33
	11 शनिवार	05:33-13:13

मास	दिनांक	समय
	16 गुरूवार	05:42-20:20
	18 शनिवार	26:22-26:41
	23 गुरूवार	05:27-23:48
	25 शनिवार	19:36-23:43
	29 बुधवार	15:21-28:04
	30 गुरूवार	05:24-22:15
जून	03 सोमवार	15:32-26:48
	07 शुक्रवार	07:38-18:56
	10 सोमवार	14:21-22:24
	12 बुधवार	11:51-27:37
	13 गुरूवार	16:49-28:07
	14 शुक्रवार	05:23-10:16
जुलाई	18 गुरूवार	25:34-29:35
	19 शुक्रवार	05:35-20:03
	22 सोमवार	10:24-29:37
	24 बुधवार	05:38-14:54
	27 शनिवार	19:46-28:45
	29 सोमवार	08:00-18:22
अगस्त	01 गुरूवार	08:42-12:11
	05 सोमवार	23:47-29:45
	07 बुधवार	05:46-11:41
	09 शुक्रवार	10:00-21:58
	12 सोमवार	26:51-29:49
	15 गुरूवार	08:02-17:59
अक्टूबर	14 सोमवार	06:21-09:32
	18 शुक्रवार	07:29-27:22
	19 शनिवार	14:45-17:40
	21 सोमवार	17:32-29:25
	25 शुक्रवार	11:00-30:03
	28 सोमवार	09:08-25:00
	30 बुधवार	06:32-21:59

मास	दिनांक	समय
नवम्बर	02 शनिवार	23:01-30:23
	04 सोमवार	27:23-28:57
	06 बुधवार	07:21-30:37
	07 गुरूवार	06:37-08:41
	08 शुक्रवार	12:24-30:39
	09 शनिवार	06:39-10:14
	शनिवार	11-26-30:40
	13 बुधवार	22:00-30:43
	14 गुरूवार	06:43-30:44
	15 शुक्रवार	06:44-07:53
	18 सोमवार	06:46-17:10
	21 गुरूवार	18:29-22:17
	22 शुक्रवार	09:01-16:41
	23 शनिवार	14:44-30:51
	27 बुधवार	06:53-08:12
	30 शनिवार	18:05-23:14
दिसम्बर	02 सोमवार	11:43-13:37
	सोमवार	17:13-30:58
	04 बुधवार	12:28-14:53
	बुधवार	16:05-17:09
	05 गुरूवार	28:15-31:00
	06 शुक्रवार	07:00-16:30
	07 शनिवार	17:03-19:35
जनवरी 2020	11 बुधवार	22:54-31:04
	12 गुरूवार	07:04-10:42
	11 शनिवार	15:06-31:15
	15 बुधवार	07:15-21-12
	बुधवार	23:36-28:07
	16 गुरूवार	26:30-31:15
	17 शुक्रवार	07:15-29:34
	20 सोमवार	07:15-23:16

मास	दिनांक	समय
	27 सोमवार	07:12-26:51
	29 बुधवार	12:13-31:11
	30 गुरूवार	07:11-31:10
	31 शुक्रवार	07:10-17:22
फरवरी	03 सोमवार	24:52-31:08
	14 शुक्रवार	07:01-18:21
	शुक्रवार	29:21-30:01
	15 शनिवार	29:09-30:59
	21 शुक्रवार	07:08-09:13
	24 सोमवार	06:52-16:21
	26 बुधवार	06:50-28:12
मार्च	02 सोमवार	25:27-30:44
	06 शुक्रवार	11:47-28:25
	07 शनिवार	06:59-09:05
अप्रैल	08 बुधवार	08:05-30:02
	09 गुरूवार	06:02-09:55
	गुरूवार	11:07-24:15
	15 बुधवार	05:56-16:51
	16 गुरूवार	23:05-29:54
	17 शुक्रवार	05:54-07:05
	शुक्रवार	20:04-29:53
	18 शनिवार	05:53-28:24
	20 सोमवार	07:23-20:30
	25 शनिवार	20:57-29-45

देव प्रतिष्ठा

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	17 बुधवार	05:54-13:56
	19 शुक्रवार	06:02-11:32
	शुक्रवार	12:44-16:05
	20 शनिवार	05:51-14:21
	27 शनिवार	05:45-15:34
	29 सोमवार	08:02-08:51
मई	02 गुरूवार	06:42-14:47
	10 शुक्रवार	05:34-14:21
	11 शनिवार	05:33-13:13
	16 गुरूवार	05:30-14:19
	19 रविवार	05:29-14:07

मास	दिनांक	समय
	23 गुरूवार	05:27-15:25
	26 रविवार	05:26-11:58
	30 गुरूवार	05:24-14:19
	31 शुक्रवार	05:24-15:37
जून	06 गुरूवार	05:23-09:55
	07 शुक्रवार	07:43-15:09
	12 बुधवार	06:06-14:49
जनवरी 2020	15 बुधवार	07:15-13:28
	16 गुरूवार	07:15-09:42
	17 शुक्रवार	07:15-13:20
	20 सोमवार	07:15-13:09
	25 शनिवार	07:13-14:44
	27 सोमवार	07:12-14:37
	29 बुधवार	12:13-14:29
	30 गुरूवार	07:11-13:20
	31 शुक्रवार	07:10-14:21
फरवरी	01 शनिवार	07:10-14:17
	14 शुक्रवार	07:01-07:27
	शुक्रवार	13:03-13:26
	16 रविवार	06:59-11:48
	21 शुक्रवार	09:13-15:13
	24 सोमवार	06:52-15:01
	26 बुधवार	06:50-14:53
	28 शुक्रवार	06:48-14:45
मार्च	11 बुधवार	06:35-13:58
अप्रैल	17 शुक्रवार	05:54-07:05
	18 शनिवार	05:53-13:49
	20 सोमवार	07:23-13:58
	23 गुरूवार	07:56-15:47

व्यापारारम्भ

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	17 बुधवार	05:54-18:31
	19 शुक्रवार	06:02-11:32
	शुक्रवार	12:44-19:29
	26 शुक्रवार	05:45-20:14
मई	02 गुरूवार	06:42-19:50
	06 सोमवार	16:36-19:34
	10 शुक्रवार	14:21-16:32
	शुक्रवार	18:56-19:06
	11 शनिवार	05:33-13:13
	16 गुरूवार	05:30-19:08
	19 रविवार	05:29-21:02
	23 गुरूवार	05:27-20:46
	29 बुधवार	15:21-20:23
	30 गुरूवार	05:24:20:19
	31 शुक्रवार	05:24-20:15
जून	03 सोमवार	15:32-20:03
	07 शुक्रवार	07:38-18:56
	10 सोमवार	14:21-19:35
	12 बुधवार	06:06-19:28
	19 बुधवार	13:29-19:59
	27 गुरूवार	05:44-06:55
	गुरूवार	08:31-18:15
	28 शुक्रवार	06:36-09:11
	30 रविवार	10:01-19:55
जुलाई	04 गुरूवार	05:28-20:05
	08 सोमवार	05:30-15:26
	13 शनिवार	05:32-16:27
सितम्बर	29 रविवार	06:13-18:59
	30 सोमवार	06:13-12:08
अक्टूबर	02 बुधवार	12:52-18:46

मास	दिनांक	समय
	03 गुरूवार	06:15-12:10
	07 सोमवार	12:38-17:25
	13 रविवार	13:39-18:03
	14 सोमवार	06:21-09:32
	सोमवार	11:08-17:59
	18 शुक्रवार	07:29-19:18
	19 शनिवार	14:45-17:40
	21 सोमवार	17:32-18:09
	25 शुक्रवार	11:00-18:51
	30 बुधवार	06:32-18:31
नवम्बर	03 रविवार	08:23-18:15
	08 शुक्रवार	12:24-17:56
	09 शनिवार	06:39-10:14
	शनिवार	11:26-17:52
	10 रविवार	06:40-16:30
	14 गुरूवार	06:43-17:32
	15 शुक्रवार	06:44-07:53
	18 सोमवार	06:46-17:10
	22 शुक्रवार	09:01-18:56
	23 शनिवार	06:50-18:52
	24 रविवार	06:51-12:47
	27 बुधवार	06:53-08:12
दिसम्बर	06 शुक्रवार	07:00-16:30
	07 शनिवार	17:03-17:57
	08 रविवार	08:29-17:15
	12 गुरूवार	07:04-17:37
जनवरी 2020	15 बुधवार	07:15-19:59
	16 गुरूवार	07:15-09:42
	17 शुक्रवार	07:15-18:28
	20 सोमवार	07:15-19:39
	29 बुधवार	12:13-19:04
	30 गुरूवार	07:11-19:00
	31 शुक्रवार	07:10-17:22
फरवरी	01 शनिवार	07:10-18:11
	14 शुक्रवार	07:01-07:27
	16 रविवार	06:59-11:48
	21 शुक्रवार	07:08-09:13
	26 बुधवार	06:50-19:31
	28 शुक्रवार	06:48-15:24
मार्च	11 बुधवार	06:35-18:36
अप्रैल	15 बुधवार	05:56-16:51
	20 सोमवार	07:23-20:30
	23 गुरूवार	07:56-16:05

नामकरण संस्कार

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	01 सोमवार	06:12-19:23
	05 शुक्रवार	14:20-19:17
	10 बुधवार	06:02-18:57
	11 गुरूवार	06:01-10:25
	12 शुक्रवार	09:54-13:24
	17 बुधवार	05:54-18:31
	19 शुक्रवार	16:42-19:29
	26 शुक्रवार	05:45-14:40
	29 सोमवार	05:43-08:51
मई	02 गुरूवार	06:42-19:50
	06 सोमवार	16:36-19:34
	09 गुरूवार	15:17-19:00
	10 शुक्रवार	05:34-16:32
	शुक्रवार	18:56-19:01
	15 बुधवार	10:36-21:18
	16 गुरूवार	05:30-19:08
	23 गुरूवार	05:27-20:46
	24 शुक्रवार	05:26-20:42
	29 बुधवार	15:21-20:23
	30 गुरूवार	05:24-20:19
	31 शुक्रवार	05:24-20:15
जून	03 सोमवार	15:32-20:03
	06 गुरूवार	05:23-09:55
	07 शुक्रवार	07:38-18:56
	12 बुधवार	06:06-19:28
	13 गुरूवार	16:49-19:24
	14 शुक्रवार	05:23-10:16
	19 बुधवार	13:29-19:59
	27 गुरूवार	05:44-18:15
	28 शुक्रवार	06:36-09:11
जुलाई	03 बुधवार	06:36-11:41
	बुधवार	15:17-20:09
	04 गुरूवार	05:28-20:05
	08 सोमवार	05:30-15:26
	11 गुरूवार	05:31-15:55
	18 गुरूवार	05:35-20:52
	19 शुक्रवार	05:35-20:03
	22 सोमवार	10:24-20:37
	24 बुधवार	05:38-18:05
	29 सोमवार	08:00-18:22
अगस्त	01 गुरूवार	08:42-12:11
	05 सोमवार	05:45-19:42
	07 बुधवार	05:46-11:14
	09 शुक्रवार	10:00-19:26
	15 गुरूवार	17:59-19:02
	16 शुक्रवार	05:51-12:53
	शुक्रवार	15:17-20:22
	21 बुधवार	05:53-20:06
	28 बुधवार	06:10-19:39
सितम्बर	09 सोमवार	08:36-11:33
	11 बुधवार	06:04-18:36
	16 सोमवार	06:06-19:49
	20 शुक्रवार	10:19-19:33
	25 बुधवार	06:11-08:53
	30 सोमवार	06:13-12:08
अक्टूबर	02 बुधवार	12:52-18:46
	03 गुरूवार	06:15-12:10
	07 सोमवार	12:38-18:26
	09 बुधवार	17:19-18:18
	10 गुरूवार	06:19-18:14
	14 सोमवार	06:21-17:59
	18 शुक्रवार	07:29-19:18
	21 सोमवार	06:26-06:44
	25 शुक्रवार	11:00-18:51
	28 सोमवार	09:08-18:26
	30 बुधवार	06:32-18:31
नवम्बर	06 बुधवार	07:21-18:04
	07 गुरूवार	06:37-08:41
	08 शुक्रवार	12:24-17:56
	14 गुरूवार	06:43-17:32
	15 शुक्रवार	06:44-07:53
	18 सोमवार	06:46-17:10
	22 शुक्रवार	09:01-18:56
	27 बुधवार	06:53-08:12
दिसम्बर	02 सोमवार	06:57-13:37
	सोमवार	17:13-18:17
	06 शुक्रवार	07:00-16:30
	12 गुरूवार	10:42-17:37
	27 शुक्रवार	17:30-18:53
	30 सोमवार	13:55-18:41
जनवरी 2020	02 गुरूवार	07:14-18:30
	08 बुधवार	07:15-18:06
	15 बुधवार	07:15-19:59
	16 गुरूवार	07:15-09:42
	17 शुक्रवार	07:15-07:28
	20 सोमवार	07:15-19:39
	27 सोमवार	07:12-19:12
	29 बुधवार	12:13-19:04
	30 गुरूवार	07:11-19:00
	31 शुक्रवार	07:10-18:10
फरवरी	07 शुक्रवार	07:06-18:24
	13 गुरूवार	07:02-20:02
	14 शुक्रवार	07:01-18:21
	21 शनिवार	07:08-17:21
	24 सोमवार	06:52-16:21
	26 बुधवार	06:50-19:31
	28 शुक्रवार	06:48-19:23
मार्च	05 गुरूवार	11:26-18:59
	06 शुक्रवार	11:47-18:56
	11 बुधवार	06:35-18:36
	13 शुक्रवार	08:51-13:59
	19 गुरूवार	06:26-20:21
	20 शुक्रवार	06:25-18:55
	25 बुधवार	06:19-19:57
	26 गुरूवार	06:18-16:28
	30 सोमवार	06:13-19:37
अप्रैल	03 शुक्रवार	06:09-18:40
	06 सोमवार	12:16-15:52
	08 बुधवार	08:05-19:02
	09 गुरूवार	06:02-09:55
	गुरूवार	11:07-18:58
	16 गुरूवार	18:12-20:50
	17 शुक्रवार	05:54-07:05
	20 सोमवार	07:23-20:30
	23 गुरूवार	07:56-16:05

अपनी कुण्डली बनवाए और आपके भविष्य में क्या छुपा है जानने के लिए देखें हमारी वेबसाइट - WWW. JYOTISHKART.COM

गृहारम्भ

ध्यान दे:- जिन-जिन गृह प्रवेश और गृह आरम्भ के मुहूर्त्तों में कलश एवं एवं वृष वास्तु चक्र अशुद्ध है उन मुहूर्त्तों को ग्रह प्रवेश अथवा गृह आरम्भ के चयन में द्वितीय प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रथम प्राथमिकता कलश एवं वृष वास्तु चक्र के शुद्ध होने पर बन रहें मुहूर्त्तों को ही दी जानी चाहिए।

मास	दिनांक	समय	कलश वृष चक्र विचार	खुदाई दिशा विचार
अप्रैल	19 शुक्रवार	06:02-11:32	कलश अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
	20 शनिवार	05:51-17:58	कलश अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
	29 सोमवार	08:02-08:51	वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
मई	02 गुरूवार	06:42-13:02	वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
	06 सोमवार	06:36-19:34	कलश वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
	16 गुरूवार	05:30-05:42	वृष वास्तु चक्र अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ नैऋत्य कोण से करे।
जून	10 सोमवार	14:21-19:35	वृष वास्तु अशुद्ध भूशयन दोष 14:21 से पहले	खुदाई का प्रारम्भ नैऋत्य कोण से करे।
	12 बुधवार	11:51-19:28	11:51 से पहले भूशयन दोष	खुदाई का प्रारम्भ नैऋत्य कोण से करे।
	13 गुरूवार	16:49-19:24	-	खुदाई का प्रारम्भ नैऋत्य कोण से करे
जुलाई	19 शुक्रवार	05:35-06:53	कलश अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ नैऋत्य कोण से करे।
सितम्बर	11 बुधवार	13:59-18:36	18:59 से पहले भूशयन दोष	खुदाई का प्रारम्भ आग्नेय कोण से करे।
अक्टूबर	18 शुक्रवार	07:29-16:59	कलश अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ आग्नेय कोण से करे।
	25 शुक्रवार	11:00-18:51	वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ आग्नेय कोण से करे।
	30 बुधवार	06:32-18:32	कलश, वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ आग्नेय कोण से करे।
नवम्बर	08 शुक्रवार	12:24-17:56	-	खुदाई का प्रारम्भ आग्नेय कोण से करे।
	09 शनिवार	06:39-10:14 11:39-14:45	-	खुदाई का प्रारम्भ आग्नेय कोण से करे।
	14 गुरूवार	06:43-17:32	कलश अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ आग्नेय कोण से करे।
	18 सोमवार	10:42-17:10	कलश, वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान कोण से करे।
	22 शुक्रवार	09:01-18:56	वृष वास्तु अशुभ्द्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान केण से करे।
	23 शनिवार	06:50-18:52	वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान कोण से करे।

मास	दिनांक	समय	कलश वृष चक्र विचार	खुदाई दिशा विचार
दिसम्बर	12 गुरूवार	07:04-17:38	कलश अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान कोण से करे।
जन.	16 जनवरी	07:15-09:42	कलश, वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान कोण से करे।
	20 सोमवार	07:14-19:39	वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान कोण से करे।
	27 सोमवार	07:12-19:12	कलश, वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान कोण से करे।
	30 गुरूवार	15:12-1900	कलश, वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान कोण से करे।
	31 शुक्रवार	07:10-17:22	वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ ऐशान कोण से करे।
फरवरी	14 शुक्रवार	13:03-18:21	कलश, वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
	26 बुधवार	06:50-19:31	कलश, वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
मार्च	06 शुक्रवार	11:47-18:56	-	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
	07 शनिवार	06:59-09:05	-	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
अप्रैल	17 शुक्रवार	05:54-07:05	वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।
	18 शनिवार	05:53-20:42	वृष वास्तु अशुद्ध	खुदाई का प्रारम्भ वायव्य कोण से करे।

गृहप्रवेश नवीन

ध्यान दे:- ❖ चिन्ह वाले मुहूर्त्तों में कलश चक्र अशुद्ध है।

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	❖ 19 शुक्रवार	16:42-19:29
मई	02 गुरूवार	06:42-27:21
	❖ 06 सोमवार	16:36-25:13
	सोमवार	27:37-29:36
	16 गुरूवार	05:42-20:20
	❖ 18 शनिवार	26:22-26:41
	❖ 23 गुरूवार	05:27-23:48
	29 बुधवार	15:21-28:04
	30 गुरूवार	05:24-22:15
जून	❖ 03 सोमवार	15:32-26:48
	10 सोमवार	14:21-22:24
	12 बुधवार	11:51-27:37

मास	दिनांक	समय
जनवरी 2020	❖ 15 बुधवार	07:15-21:12
	बुधवार	23:36-28:07
	❖ 16 गुरूवार	26:30-31:15
	❖ 17 शुक्रवार	07:15-25:12
	20 सोमवार	07:15-23:16
	❖ 29 बुधवार	12:13-31:11
	❖ 30 गुरूवार	07:11-31:10
	31 शुक्रवार	07:10-17:22
फरवरी	03 सोमवार	24:52-31:08
अप्रैल	20 सोमवार	07:23-20:30
	25 शनिवार	20:57-29:45

अपनी कुण्डली बनवाए और आपके भविष्य में क्या छुपा है जानने के लिए देखें हमारी वेबसाइट - WWW.JYOTISHKART.COM

मुण्डन

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	19 शुक्रवार	06:02-11:32
	शुक्रवार	12:44-16:42
	29 सोमवार	05:43-08:51
मई	02 गुरूवार	13:02-19:50
	09 गुरूवार	15:17-19:00
	10 शुक्रवार	05:34-16:32
	शुक्रवार	18:56-19:06
	16 गुरूवार	08:15-19:08
	20 सोमवार	05:28-20:58
	24 शुक्रवार	07:30-20:42
	30 गुरूवार	05:24-16:38
	31 शुक्रवार	17:17-20:15
जून	06 गुरूवार	05:23-09:55
	07 शुक्रवार	07:38-18:56
	12 बुधवार	06:06-19:28
	17 सोमवार	05:23-10:43
जनवरी 2020	16 गुरूवार	07:15-09:42
	17 शुक्रवार	07:15-07:28
	27 सोमवार	07:12-19:12
	30 गुरूवार	15:12-19:00
	31 शुक्रवार	07:10-18:10
फरवरी	07 शुक्रवार	07:06-18:24
	13 गुरूवार	07:02-20:02
	14 शुक्रवार	07:01-18:21
	17 सोमवार	14:36-20:06
	21 शुक्रवार	09:13-17:21
	28 शुक्रवार	06:48-19:23
मार्च	05 गुरूवार	11:26-18:59
	11 बुधवार	06:35-18:36
	13 शुक्रवार	08:51-13:59
अप्रैल	16 गुरूवार	18:12-20:50
	17 शुक्रवार	05:24-07:05

अन्नप्राशन

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	10 बुधवार	06:02-14:24
	12 शुक्रवार	09:54-13:24
	17 बुधवार	05:54-13:56
	19 शुक्रवार	06:02-11:32
	शुक्रवार	12:44-16:05
मई	16 गुरूवार	08:15-14:19
जून	06 गुरूवार	05:23-09:55
	07 शुक्रवार	07:38-15:09
	12 बुधवार	06:06-14:49
	17 सोमवार	10:43-14:00
जुलाई	04 गुरूवार	05:28-15:42
	08 सोमवार	07:42-15:26
	11 गुरूवार	05:31-15:15
अगस्त	05 सोमवार	05:45-15:55
	07 बुधवार	05:46-11:41
	09 शुक्रवार	10:00-15:40
	15 गुरूवार	05:50-15:16
सितम्बर	11 बुधवार	06:04-13:59
	30 सोमवार	06:13-12:08
अक्टूबर	02 बुधवार	12:52-14:11
	03 गुरूवार	06:15-10:12
	04 शुक्रवार	12:19-14:43
	07 सोमवार	12:38-13:52
	30 बुधवार	06:32-14:03
नवम्बर	01 शुक्रवार	06:33-12:50
	06 बुधवार	07:21-13:36
	07 गुरूवार	06:37-08:41
	28 गुरूवार	07:34-13:37
	29 शुक्रवार	06:55-07:33
दिसम्बर	06 शुक्रवार	07:00-13:05
	12 गुरूवार	07:04-10:42
जनवरी 2020	02 गुरूवार	07:14-12:44
	08 बुधवार	07:15-13:56
	27 सोमवार	07:12-14:37
	29 बुधवार	12:13-14:29
	30 गुरूवार	07:11-13:20
फरवरी	07 शुक्रवार	07:06-13:53
	26 बुधवार	06:50-14:53
	28 शुक्रवार	06:48-14:45
मार्च	05 गुरूवार	11:26-13:19
	26 गुरूवार	06:18-15:20
अप्रैल	03 शुक्रवार	06:09-13:57
	06 सोमवार	12:16-14:36
	08 बुधवार	06:03-08:05

विद्यारम्भ

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	14 रविवार	14:09-20:24
	24 बुधवार	05:47-20:22
	25 गुरूवार	05:46-12:47
	29 सोमवार	05:43-08:51
मई	06 सोमवार	16:36-19:34
	09 गुरूवार	05:35-19:00
	10 शुक्रवार	05:34-16:32
	शुक्रवार	18:56-19:06
	13 सोमवार	15:21-19:07
	15 बुधवार	10:36-21:18
	16 गुरूवार	05:30-08:15
	23 गुरूवार	05:27-20:46
	24 शुक्रवार	05:26-20:42
	29 बुधवार	15:21-20:23
	30 गुरूवार	05:24-20:19
	31 शुक्रवार	05:24-17:17
जून	05 बुधवार	07:22-19:55
	06 गुरूवार	05:23-09:55
	07 शुक्रवार	07:38-19:47
	12 बुधवार	06:06-19:28
	13 गुरूवार	16:49-19:24
	14 शुक्रवार	05:23-10:16
	19 बुधवार	05:23-19:59
जनवरी 2020	15 बुधवार	07:15-19:59
	16 गुरूवार	07:15-09:42
	20 सोमवार	07:15-19:39
	27 सोमवार	07:12-19:12
	29 बुधवार	10:46-19:04
	30 गुरूवार	07:11-19:00
	31 शुक्रवार	07:10-15:52
फरवरी	06 गुरूवार	07:07-18:32
	10 सोमवार	17:06-18:17
	13 गुरूवार	07:02-20:02
	14 शुक्रवार	07:01-18:21
	19 बुधवार	06:57-19:58
	20 गुरूवार	06:56-07:19
	26 बुधवार	06:50-19:31
	28 शुक्रवार	06:48-19:23
मार्च	04 बुधवार	14:00-19:03
	05 गुरूवार	06:42-18:59
	06 शुक्रवार	11:47-18:56
	11 बुधवार	06:35-18:36
	13 शुक्रवार	08:51-13:59
अप्रैल	16 गुरूवार	18:12-20:50
	17 शुक्रवार	05:54-07:05
	19 रविवार	05:52-19:34

यज्ञोपवीत

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	07 अप्रैल	06:05-08:44
	10 बुधवार	06:02-10:33
मई	16 गुरूवार	05:30-08:15
	23 गुरूवार	05:27-15:25
जून	06 गुरूवार	05:23-09:55
	07 शुक्रवार	07:43-15:09
	12 बुधवार	14:15-14:49
	14 शुक्रवार	05:23-10:16
जनवरी 2020	15 बुधवार	07:15-12:10
	27 सोमवार	07:12-14:37
	29 बुधवार	10:46-14:29
	30 गुरूवार	07:11-13:20
फरवरी	26 बुधवार	06:50-14:53
	28 शुक्रवार	06:48-14:45
मार्च	11 बुधवार	11:42-13:58
	13 शुक्रवार	08:51-13:50
	26 गुरूवार	06:18-06:28
	गुरूवार	08:04-15:20
अप्रैल	03 शुक्रवार	06:09-13:57
	09 गुरूवार	06:02-09:55
	गुरूवार	11:07-14:23

मशीनरी/वाहन क्रय मुहूर्त

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	01 सोमवार	06:12-21:52
	05 शुक्रवार	14:20-21:36
	10 बुधवार	10:33-21:17
	11 गुरूवार	06:01-10:25
	12 शुक्रवार	09:54-13:24
	13 शनिवार	05:59-11:42
	19 शुक्रवार	06:02-11:32
	शुक्रवार	12:44-23:00
	20 शनिवार	05:51-17:58
	27 शनिवार	05:45-17:01
	29 सोमवार	05:43-08:51
मई	02 गुरूवार	13:02-22:09
	09 गुरूवार	15:17-19:00
	गुरूवार	21:00-21:41

मास	दिनांक	समय
	10 शुक्रवार	05:34-16:32
	शुक्रवार	18:56-21:37
	11 शनिवार	05:33-13:33
	15 बुधवार	10:36-21:18
	16 गुरूवार	05:30-20:20
	24 शुक्रवार	07:30-22:46
	25 शनिवार	05:26-06:25
	शनिवार	19:36-22:42
	30 गुरूवार	05:24-22:23
	31 शुक्रवार	05:24-22:19
जून	06 गुरूवार	05:23-09:55
	07 शुक्रवार	07:23-09:55
	12 बुधवार	06:06-21:32
	13 गुरूवार	16:49-21:28
	14 शुक्रवार	05:23-10:16
	15 शनिवार	09:59-14:33
	21 शुक्रवार	21:09-22:39
	22 शनिवार	05:24-21:27
	27 गुरूवार	05:44-18:15
	28 शुक्रवार	06:36-09:11
जुलाई	03 बुधवार	06:36-11:41
	बुधवार	15:17-21:51
	04 गुरूवार	05:28-21:47
	11 गुरूवार	05:31-15:55
	13 शनिवार	05:32-16:27
	18 गुरूवार	05:35-22:20
	19 शुक्रवार	05:35-20:03
सितम्बर	11 बुधवार	06:04-21:44
	30 सोमवार	06:13-12:08
अक्टूबर	02 बुधवार	12:52-20:21
	03 गुरूवार	06:15-12:10
	07 सोमवार	17:25-20:01
	09 बुधवार	17:19-21:49
	10 गुरूवार	06:19-21:45
	14 सोमवार	06:21-21:29
	18 शुक्रवार	16:59-21:14
	19 शनिवार	14:45-17:40
	21 सोमवार	06:26-21:02
	28 सोमवार	09:08-20:34

मास	दिनांक	समय
	30 बुधवार	06:32-20:27
नवम्बर	04 सोमवार	15:53-20:07
	06 बुधवार	07:21-19:59
	07 गुरूवार	06:37-08:41
	09 शनिवार	14:55-19:47
	15 शुक्रवार	06:44-07:53
	18 सोमवार	06:46-17:10
	22 शुक्रवार	16:41-19:44
	23 शनिवार	06:50-21:07
	27 बुधवार	06:53-08:12
दिसम्बर	02 सोमवार	06:57-13:37
	सोमवार	17:13-20:31
	04 बुधवार	12:28-14:53
	बुधवार	16:05-14:53
	07 शनिवार	17:03-19:35
	12 गुरूवार	07:04-19:52
	14 शनिवार	07:06-19:44
जनवरी 2020	10 शुक्रवार	14:48-16:46
	11 शनिवार	15:06-20:14
	16 गुरूवार	07:15-09:42
	17 शुक्रवार	07:15-19:51
	20 सोमवार	07:15-21:56
	25 शनिवार	07:13-21:37
	27 सोमवार	07:12-21:29
	30 गुरूवार	15:12-21:17
	31 शुक्रवार	07:10-21:23
फरवरी	01 शनिवार	07:10-18:11
	07 शुक्रवार	07:06-18:32
	13 गुरूवार	07:02-20:02
	14 शुक्रवार	07:01-18:21
	21 शुक्रवार	09:13-17:21
	24 सोमवार	06:52-16:21
	28 शुक्रवार	06:48-21:39
मार्च	11 बुधवार	06:35-20:52
	13 शुक्रवार	08:51-13:59
	14 शनिवार	12:20-17:37
	शनिवार	18:49-20:40
	19 गुरूवार	14:49-22:40
	20 शुक्रवार	06:25-22:36

मास	दिनांक	समय
	21 शनिवार	06:24-21:01
	25 बुधवार	06:19-22:17
	26 गुरूवार	06:18-16:28
	30 सोमवार	17:17-21:57
अप्रैल	01 बुधवार	19:29-21:49
	03 शुक्रवार	06:09-18:40
	08 बुधवार	06:03-21:22
	09 गुरूवार	06:02-09:55
	गुरूवार	11:07-21:18
	16 गुरूवार	18:12-20:50
	17 शुक्रवार	05:54-07:05
	शुक्रवार	20:04-21:43
	18 शनिवार	05:53-22:18
	23 गुरूवार	07:56-16:05

कर्णवेध संस्कार महूर्त्त

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	17 बुधवार	05:54-09:21
		11:36-20:49
मई	06 सोमवार	05:37-17:15
	09 गुरूवार	05:35-19:23
	16 गुरूवार	05:30-07:27
		09:42-19:08
जून	06 गुरूवार	05:23-09:55
	12 बुधवार	05:23-05:41
		07:56-18:27
	14 शुक्रवार	05:23-07-48
		10:08-21:24
जुलाई	04 गुरूवार	05:28-18:01
	08 सोमवार	06:13-19:49
	11 गुरूवार	05:31-06:02
		08:22-19:38
नवम्बर	28 गुरूवार	06:54-16:37

कुंआ पूजन महूर्त्त

मास	दिनांक	समय
अप्रैल	24 बुधवार	05:57-06:58
		08:54-15:46
जून	06 गुरूवार	05:23-08:19
	12 बुधवार	05:23-05:41
		07:56-10:49
जुलाई	04 गुरूवार	05:28-08:49
		11:07-18:01
	18 गुरूवार	05:35-12:28
		14:47-20:53
सितम्बर	11 बुधवार	06:04-08:52
		11:11-13:59
अक्टू.	03 गुरूवार	06:15-10:12
	30 बुधवार	06:32-10:17
		12:21-16:56
नवम्बर	27 बुधवार	06:53-08:12
जन.2020	20 सोमवार	07:14-11:34
		13:09-19:39
फरवरी	05 बुधवार	07:08-07:38
		09:06-09:47
	13 गुरूवार	07:02-07:07
		08:34-09:25
मार्च	11 बुधवार	06:48-11:14
		13:58-18:38
अप्रैल	08 बुधवार	06:03-06:07

संवत् 2076 में पृथ्वी पर होने वाले संभावित भूकम्पों की तारीखें

गत अनेक वर्षो से श्री विश्व विजयपंचांग पृथ्वी पर होने वाले भूकंपों का ज्योतिषीय विश्लेशण कर रहा है। गत 2 3 वर्षो के अंको में पंचांग ने अनेको भूकंपों की तिथि, स्थान, की सटीक भविश्यवाणीयां की है। इसी श्रृखला में यह स्तभ प्रस्तुत है। यहा दी गई तारीखों पर भूकंप की प्रबल संभावना है।

दक्षिण पूर्वी एशिया- 4 मई, 13 नवम्बर, 3,4,19 दिसम्बर, 6,11 जनवरी 2020, 4 फरवरी

मध्य एशिया -(ईरान, इराक, अफगानिस्तान) 18 मई, 13 अक्टूबर, 11,19 दिसम्बर, 4 फरवरी,

हिमालय पर्वत श्रृंखला- (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत, नेपाल) 4,12,13,15,19,25, नवम्बर, 3,4,11, 19 दिसम्बर, 10 जनवरी 2020, 4 फरवरी 2020

जापान, प्रशान्त महासागर- 27 मई, 3 जून, 6 अक्टूबर, दिसम्बर मास, 13 नवम्बर,

यूरोप- (ईटली ग्रीस आदि) 17 मई, 4 दिसम्बर, 6 और 11 जनवरी 2020,

अमेरिका- 5 मई, 6, 25, 29 अक्टूबर, 15 जनवरी 2020

ग्रहों के निरयन राशि-नक्षत्र-चार संवत् 2076 वि. (सन् 2019—2020)

सूर्यचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
01	अप्रैल	रेवती	1	00:53
04	अप्रैल	रेवती	2	09:58
07	अप्रैल	रेवती	3	19:11
11	अप्रैल	रेवती	4	04:35
14	अप्रैल	अश्वि.	1 मेष	14:09
17	अप्रैल	अश्वि.	2	23:54
21	अप्रैल	अश्वि.	3	09:49
24	अप्रैल	अश्वि.	4	19:52
28	अप्रैल	भरणी	1	06:03
01	मई	भरणी	2	16:22
05	मई	भरणी	3	02:49
08	मई	भरणी	4	13:24
12	मई	कृत्ति.	1	00:08
15	मई	कृत्ति.	2 वृष	11:01
18	मई	कृत्ति.	3	22:03
22	मई	कृत्ति.	4	09:11
25	मई	रोहि.	1	20:26
29	मई	रोहि.	2	07:46
01	जून	रोहि.	3	19:10
05	जून	रोहि.	4	06:39
08	जून	मृग.	1	18:13
12	जून	मृग.	2	05:53
15	जून	मृग.	3 मिथुन	17:38
19	जून	मृग.	4	05:27
22	जून	आर्द्रा	1	17:18
26	जून	आर्द्रा	2	05:11
29	जून	आर्द्रा	3	17:03
03	जुला.	आर्द्रा	4	04:56
06	जुला.	पुन.	1	16:49

सूर्यचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
10	जुला.	पुन.	2	04:44
13	जुला.	पुन.	3	16:39
17	जुला.	पुन.	4 कर्क	04:33
20	जुला.	पुष्य	1	16:26
24	जुला.	पुष्य	2	04:16
27	जुला.	पुष्य	3	16:01
31	जुला.	पुष्य	4	03:42
03	अग.	आश्ले.	1	15:18
07	अग.	आश्ले.	2	02:50
10	अग.	आश्ले.	3	14:19
14	अग.	आश्ले.	4	01:43
17	अग.	मघा	1 सिंह	13:02
21	अग.	मघा	2	00:14
24	अग.	मघा	3	11:18
27	अग.	मघा	4	22:13
31	अग.	पू.फा.	1	09:00
03	सित.	पू.फा.	2	19:39
07	सित.	पू.फा.	3	06:12
10	सित.	पू.फा.	4	16:37
14	सित.	उ.फा.	1	02:54
17	सित.	उ.फा.	2 कन्या	13:02
20	सित.	उ.फा.	3	23:01
24	सित.	उ.फा.	4	04:49
27	सित.	हस्त	1	18:26
01	अक्टू.	हस्त	2	03:54
04	अक्टू.	हस्त	3	13:13
07	अक्टू.	हस्त	4	22:23
11	अक्टू.	चित्रा	1	07:25
14	अक्टू.	चित्रा	2	16:19

सूर्यचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
18	अक्टू.	चित्रा	3 तुला	01:03
21	अक्टू.	चित्रा	4	09:36
24	अक्टू.	स्वाति	1	18:00
28	अक्टू.	स्वाति	2	02:13
31	अक्टू.	स्वाति	3	10:17
03	नव.	स्वाति	4	18:14
07	नव.	विशा.	1	02:04
10	नव.	विशा.	2	09:47
13	नव.	विशा.	3	17:23
17	नव.	विशा.	4 वृश्चि.	00:51
20	नव.	अनु.	1	08:11
23	नव.	अनु.	2	15:24
26	नव.	अनु.	3	22:29
30	नव.	अनु.	4	05:29
03	दिस.	ज्येष्ठा	1	12:24
06	दिस.	ज्येष्ठा	2	19:15
10	दिस.	ज्येष्ठा	3	02:03
13	दिस.	ज्येष्ठा	4	08:47
16	दिस.	मूल	1 धनु	15:28
19	दिस.	मूल	2	22:04
23	दिस.	मूल	3	04:37
26	दिस.	मूल	4	11:07
29	दिस.	पू.षा.	1	17:36
		2020 ई.		
02	जन.	पू.षा.	2	00:04
05	जन.	पू.षा.	3	06:33
08	जन.	पू.षा.	4	13:04
11	जन.	उ.षा.	1	19:35
15	जन.	उ.षा.	2 मकर	02:08

सूर्यचार-मंगलचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
18	जन.	उ.षा.	3	08:41
21	जन.	उ.षा.	4	15:15
24	जन.	श्रवण	1	21:51
28	जन.	श्रवण	2	04:30
31	जन.	श्रवण	3	11:14
03	फर.	श्रवण	4	18:03
07	फर.	धनि.	1	00:57
10	फर.	धनि.	2	07:58
13	फर.	धनि.	3 कुम्भ	15:03
16	फर.	धनि.	4	22:14
20	फर.	शत.	1	05:30
23	फर.	शत.	2	12:51
26	फर.	शत.	3	20:20
01	मार्च	शत.	4	03:57
04	मार्च	पू.भा.	1	11:42
07	मार्च	पू.भा.	2	19:37
11	मार्च	पू.भा.	3	03:41
14	मार्च	पू.भा.	4 मीन	11:54
17	मार्च	उ.भा.	1	20:13
21	मार्च	उ.भा.	2	04:41
24	मार्च	उ.भा.	3	13:17
27	मार्च	उ.भा.	4	22:02
31	मार्च	रेवती	1	06:58
	मंगलचार	वर्षारम्भ को वृष में		
06	अप्रैल	रोहि.	1	17:20
11	अप्रैल	रोहि.	2	18:43
16	अप्रैल	रोहि.	3	20:27
21	अप्रैल	रोहि.	4	22:34

मंगलचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
27	अप्रैल	मृग.	1	01:02
02	मई	मृग.	2	03:49
07	मई	मृग.	3 मिथुन	06:53
12	मई	मृग.	4	10:16
17	मई	आर्द्रा	1	13:59
22	मई	आर्द्रा	2	18:01
27	मई	आर्द्रा	3	22:20
02	जून	आर्द्रा	4	02:53
07	जून	पुन.	1	07:39
12	जून	पुन.	2	12:40
17	जून	पुन.	3	17:55
22	जून	पुन.	4 कर्क	23:22
28	जून	पुष्य	1	04:58
03	जुला.	पुष्य	2	10:41
08	जुला.	पुष्य	3	16:31
13	जुला.	पुष्य	4	22:27
19	जुला.	आश्ले.	1	04:30
24	जुला.	आश्ले.	2	10:35
29	जुला.	आश्ले.	3	16:41
03	अग.	आश्ले.	4	22:44
09	अग.	मघा	1 सिंह	04:47
14	अग.	मघा	2	10:49
19	अग.	मघा	3	16:47
24	अग.	मघा	4	22:38
30	अग.	पू.फा.	1	04:21
04	सित.	पू.फा.	2	09:55
09	सित.	पू.फा.	3	15:21
14	सित.	पू.फा.	4	20:38
20	सित.	उ.फा.	1	01:42

ग्रहों के निरयन राशि-नक्षत्र-चार संवत् 2076 वि. (सन् 2019—2020)

मंगलचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
25	सित.	उ.फा.	2 कन्या	06:33
30	सित.	उ.फा.	3	11:08
05	अक्टू.	हस्त	4	15:30
10	अक्टू.	हस्त	1	19:38
15	अक्टू.	हस्त	2	23:30
21	अक्टू.	हस्त	3	03:05
26	अक्टू.	हस्त	4	06:21
31	अक्टू.	चित्रा	1	09:19
05	नव.	चित्रा	2	12:00
10	नव.	चित्रा	3 तुला	14:24
15	नव.	चित्रा	4	16:29
20	नव.	स्वाति	1	18:13
25	नव.	स्वाति	2	19:37
30	नव.	स्वाति	3	20:43
05	दिस.	स्वाति	4	21:30
10	दिस.	विशा.	1	22:00
15	दिस.	विशा.	2	22:10
20	दिस.	विशा.	3	21:59
25	दिस.	विशा.	4	21:29
30	दिस.	अनु.	1	20:40
2020 ई.				
04	जन.	अनु.	2	19:35
09	जन.	अनु.	3	18:13
14	जन.	अनु.	4 वृश्चि	16:32
19	जन.	ज्येष्ठा	1	14:32
24	जन.	ज्येष्ठा	2	12:14
29	जन.	ज्येष्ठा	3	09:41
03	फर.	ज्येष्ठा	4	06:54
08	फर.	मूल	1 धनु	03:52
13	फर.	मूल	2	00:33

मंगलचार-बुधचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
17	फर.	मूल	3	20:59
22	फर.	मूल	4	17:10
27	फर.	पू.षा.	1	13:10
03	मार्च	पू.षा.	2	09:00
08	मार्च	पू.षा.	3	04:41
13	मार्च	पू.षा.	4	00:10
17	मार्च	उ.षा.	1	19:29
22	मार्च	उ.षा.	2 मकर	4:40
27	मार्च	उ.षा.	3	09:47

बुधचार — वर्षारम्भ को कुंभ में

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
03	अप्रैल	पू.भा.	2	08:13
08	अप्रैल	पू.भा.	3	11:53
12	अप्रैल	पू.भा.	4 मीन	04:24
15	अप्रैल	उ.भा.	1	07:31
18	अप्रैल	उ.भा.	2	02:55
20	अप्रैल	उ.भा.	3	17:06
23	अप्रैल	उ.भा.	4	03:23
25	अप्रैल	रेवती	1	10:35
27	अप्रैल	रेवती	2	15:14
29	अप्रैल	रेवती	3	17:41
01	मई	रेवती	4	14:19
03	मई	अश्वि.	1 मेष	17:03
05	मई	अश्वि.	2	18:13
07	मई	अश्वि.	3	17:03
09	मई	अश्वि.	4	04:45
10	मई	भरणी	1	22:09
12	मई	भरणी	2	14:30
14	मई	भरणी	3	05:53
15	मई	भरणी	4	20:27

बुधचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
17	मई	कृत्ति.	1	10:18
18	मई	कृत्ति.	2 वृष	23:35
20	मई	कृत्ति.	3	12:26
22	मई	कृत्ति.	4	01:01
23	मई	रोहि.	1	13:29
25	मई	रोहि.	2	02:01
26	मई	रोहि.	3	14:48
28	मई	रोहि.	4	04:01
29	मई	मृग.	1	17:52
31	मई	मृग.	2	08:33
02	जून	मृग.	3 मिथुन	00:17
03	जून	मृग.	4	17:17
05	जून	आर्द्रा	1	11:48
07	जून	आर्द्रा	2	08:07
09	जून	आर्द्रा	3	06:32
11	जून	आर्द्रा	4	07:27
13	जून	पुन.	1	11:23
15	जून	पुन.	2	19:01
18	जून	पुन.	3	07:27
21	जून	पुन.	4 कर्क	02:27
24	जून	पुष्य	1	07:28
28	जून	पुष्य	2	05:58
05	जुला.	पुष्य	3	03:28
11	जुला.	पुष्य व	2	03:28
18	जुला.	पुष्य व	1	07:49
23	जुला.	पुन. व	4	06:29
30	जुला.	पुन. व	3	12:01
03	अग.	पुन.	4	06:00
09	अग.	पुष्य	1	12:15
12	अग.	पुष्य	2	17:40

बुधचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
15	अग.	पुष्य	3	06:43
17	अग.	पुष्य	4	11:37
19	अग.	आश्ले.	1	11:42
21	अग.	आश्ले.	2	08:40
23	अग.	आश्ले.	3	03:37
24	अग.	आश्ले.	4	21:16
26	अग.	मघा	1 सिंह	17:07
28	अग.	मघा	2	06:34
29	अग.	मघा	3	22:54
31	अग.	मघा	4	15:22
02	सित.	पू.फा.	1	08:09
04	सित.	पू.फा.	2	01:23
05	सित.	पू.फा.	3	19:11
07	सित.	पू.फा.	4	13:41
09	सित.	उ.फा.	1	08:55
11	सित.	उ.फा.	2 कन्या	04:59
13	सित.	उ.फा.	3	01:54
14	सित.	उ.फा.	4	23:45
16	सित.	हस्त	1	22:32
18	सित.	हस्त	2	22:18
20	सित.	हस्त	3	23:04
23	सित.	हस्त	4	00:52
25	सित.	चित्रा	1	03:45
27	सित.	चित्रा	2	07:45
29	सित.	चित्रा	3 तुल	12:55
01	अक्टू.	चित्रा	4	19:21
04	अक्टू.	स्वाति	1	03:11
06	अक्टू.	स्वाति	2	12:35
08	अक्टू.	स्वाति	3	23:49
11	अक्टू.	स्वाति	4	13:20

बुधचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
14	अक्टू.	विशा.	1	05:50
17	अक्टू.	विशा.	2	02:34
20	अक्टू.	विशा.	3	06:05
23	अक्टू.	विशा.	4 वृश्चि.	23:12
30	अक्टू.	अनु.	1	06:11
02	नव.	विशा.	4 व	10:45
07	नव.	विशा.	3 व	15:56
10	नव.	विशा.	2 व	11:06
12	नव.	विशा.	1 व	23:35
15	नव.	स्वाति	4 व	20:49
26	नव.	विशा.	1	16:22
30	नव.	विशा.	2	02:11
02	दिस.	विशा.	3	21:25
05	दिस.	विशा.	4	10:34
07	दिस.	अनु.	1	20:29
10	दिस.	अनु.	2	04:27
12	दिस.	अनु.	3	11:10
14	दिस.	अनु.	4	17:03
16	दिस.	ज्येष्ठा	1	22:21
19	दिस.	ज्येष्ठा	2	03:11
21	दिस.	ज्येष्ठा	3	07:41
23	दिस.	ज्येष्ठा	4	11:52
25	दिस.	मूल	1 धनु	15:45
27	दिस.	मूल	2	19:22
29	दिस.	मूल	3	22:40
2020 ई.				
01	जन.	मूल	4	01:40
03	जन.	पू.षा.	1	04:19
05	जन.	पू.षा.	2	06:36
07	जन.	पू.षा.	3	08:29
09	जन.	पू.षा.	4	09:57

ग्रहों के निरयन राशि-नक्षत्र-चार संवत् 2076 वि. (सन् 2019—2020)

बुधचार-गुरूचार

ता.	मास	नक्षत्र पाद		घ.मि.
11	जन.	उ.षा. 1		10:49
13	जन.	उ.षा.2	मकर	11:35
15	जन.	उ.षा. 3		11:43
17	जन.	उ.षा. 4		11:24
19	जन.	श्रवण 1		10:41
21	जन.	श्रवण 2		09:36
23	जन.	श्रवण 3		08:13
25	जन.	श्रवण 4		06:39
27	जन.	धनि. 1		05:04
29	जन.	धनि. 2		03:41
31	जन.	धनि.3	कुम्भ	02:53
02	फर.	धनि. 4		03:10
04	फर.	शत. 1		05:26
06	फर.	शत. 2		11:15
09	फर.	शत. 3		00:02
12	फर.	शत.4		06:43
22	फर.	शत. 3	व	06:56
25	फर.	शत. 2	व	18:58
28	फर.	शत. 1	व	21:23
03	मार्च	धनि. 4	व	13:00
17	मार्च	शत. 1		21:28
22	मार्च	शत. 2		04:43
25	मार्च	शत.3		14:34
31	मार्च	पू.भा.1		07:58

गुरूचार — वर्षारम्भ को धनु में

ता.	मास	नक्षत्र पाद		घ.मि.
23	अप्रैल	ज्येष्ठा 4	व वृश्चि.	01:11
31	मई	ज्येष्ठा 3	व	11:06
27	जून	ज्येष्ठा 2	व	14:39
25	सित.	ज्येष्ठा 3		18:01
18	अक्टू.	ज्येष्ठा 2		03:17
05	नव.	मूल 1	धनु	05:17
21	नव.	मूल 2		09:30

गुरूचार-शुक्रचार

ता.	मास	नक्षत्र पाद		घ.मि.
06	दिस.	मूल 3		13:22
21	दिस.	मूल 4		04:59
		2020 ई.		
04	जन.	पू.षा. 1		16:21
19	जन.	पू.षा. 2		07:02
03	फर.	पू.षा. 3		08:56
19	फर.	पू.षा. 4		09:46
08	मार्च	उ.षा. 1		06:11
30	मार्च	उ.षा. 2	मकर	03:54

शुक्रचार — वर्षारम्भ को कुंभ में

ता.	मास	नक्षत्र पाद		घ.मि.
02	अप्रैल	शत. 3		05:49
05	अप्रैल	शत. 4		00:09
07	अप्रैल	पू.भा. 1		18:27
10	अप्रैल	पू.भा. 2		12:41
13	अप्रैल	पू.भा. 3		06:54
16	अप्रैल	पू.भा. 4	मीन	01:04
18	अप्रैल	उ.भा. 1		19:12
21	अप्रैल	उ.भा. 2		13:18
24	अप्रैल	उ.भा. 3		07:22
27	अप्रैल	उ.भा. 4		01:23
29	अप्रैल	रेवती 1		18:23
02	मई	रेवती 2		13:20
05	मई	रेवती 3		07:16
08	मई	रेवती 4		01:11
10	मई	अश्वि. 1	मेष	19:06
13	मई	अश्वि.2		12:59
16	मई	अश्वि.3		06:52
19	मई	अश्वि.4		00:43
21	मई	भरणी 1		18:33
24	मई	भरणी 2		12:22
27	मई	भरणी 3		06:09
29	मई	भरणी 4		23:54

शुक्रचार

ता.	मास	नक्षत्र पाद		घ.मि.
01	जून	कृत्ति. 1		17:38
04	जून	कृत्ति. 2	वृष	11:20
07	जून	कृत्ति. 3		05:01
09	जून	कृत्ति. 4		22:41
12	जून	रोहि. 1		16:20
15	जून	रोहि. 2		09:57
18	जून	रोहि. 3		03:33
20	जून	रोहि. 4		21:07
23	जून	मृग. 1		14:38
26	जून	मृग. 2		08:07
29	जून	मृग. 3	मिथुन	01:33
01	जुला.	मृग. 4		18:58
04	जुला.	आर्द्रा 1		12:19
07	जुला.	आर्द्रा 2		05:39
09	जुला.	आर्द्रा 3		22:56
12	जुला.	आर्द्रा 4		16:12
15	जुला.	पुन. 1		09:25
18	जुला.	पुन. 2		02:36
20	जुला.	पुन. 3		19:44
23	जुला.	पुन. 4	कर्क	12:49
26	जुला.	पुष्य 1		05:51
28	जुला.	पुष्य 2		22:51
31	जुला.	पुष्य 3		15:47
03	अग.	पुष्य 4		08:41
06	अग.	आश्ले. 1		01:33
08	अग.	आश्ले. 2		18:23
11	अग.	आश्ले. 3		11:10
14	अग.	आश्ले. 4		03:58
16	अग.	मघा 1	सिंह	20:39
19	अग.	मघा 2		13:21
22	अग.	मघा 3		06:00
24	अग.	मघा 4		22:36
27	अग.	पू.फा. 1		15:11

शुक्रचार

ता.	मास	नक्षत्र पाद		घ.मि.
30	अग.	पू.फा. 2		07:44
02	सित.	पू.फा. 3		00:15
04	सित.	पू.फा. 4		16:44
07	सित.	उ.फा. 1		09:13
10	सित.	उ.फा. 2	कन्या	01:41
12	सित.	उ.फा. 3		18:08
15	सित.	उ.फा. 4		10:34
18	सित.	हस्त 1		03:00
20	सित.	हस्त 2		19:24
23	सित.	हस्त 3		11:47
26	सित.	हस्त 4		04:10
28	सित.	चित्रा 1		20:32
01	अक्टू.	चित्रा 2		12:53
04	अक्टू.	चित्रा 3	तुला	05:14
06	अक्टू.	चित्रा 4		21:35
09	अक्टू.	स्वाति 1		13:57
12	अक्टू.	स्वाति 2		06:19
14	अक्टू.	स्वाति 3		22:41
17	अक्टू.	स्वाति 4		15:03
20	अक्टू.	विशा. 1		07:25
22	अक्टू.	विशा. 2		23:48
25	अक्टू.	विशा. 3		16:10
28	अक्टू.	विशा. 4	वृश्चि.	08:32
31	अक्टू.	अनु. 1		00:54
02	नव.	अनु. 2		17:17
05	नव.	अनु. 3		09:40
08	नव.	अनु. 4		02:05
10	नव.	ज्येष्ठा 1		18:31
13	नव.	ज्येष्ठा 2		10:57
16	नव.	ज्येष्ठा 3		03:25
18	नव.	ज्येष्ठा 4		19:53
21	नव.	मूल 1	धनु	12:23
24	नव.	मूल 2		04:53

शुक्रचार

ता.	मास	नक्षत्र पाद		घ.मि.
26	नव.	मूल 3		21:23
29	नव.	मूल 4		13:56
02	दिस.	पू.षा. 1		06:30
04	दिस.	पू.षा. 2		23:06
07	दिस.	पू.षा. 3		15:44
10	दिस.	पू.षा. 4		08:26
13	दिस.	उ.षा. 1		01:11
15	दिस.	उ.षा. 2	मकर	17:58
18	दिस.	उ.षा. 3		10:49
21	दिस.	उ.षा. 4		03:44
23	दिस.	श्रवण 1		20:42
26	दिस.	श्रवण 2		13:44
29	दिस.	श्रवण 3		06:51
		2020 ई.		
01	जन.	श्रवण 4		00:04
03	जन.	धनि. 1		17:23
06	जन.	धनि. 2		10:49
09	जन.	धनि. 3	कुम्भ	04:23
11	जन.	धनि. 4		22:05
14	जन.	शत. 1		15:57
17	जन.	शत. 2		09:59
20	जन.	शत. 3		04:10
22	जन.	शत. 4		22:33
25	जन.	पू.भा. 1		17:07
28	जन.	पू.भा. 2		11:55
31	जन.	पू.भा. 3		06:58
03	फर.	पू.भा. 4	मीन	02:18
05	फर.	उ.भा. 1		21:55
08	फर.	उ.भा. 2		17:53
11	फर.	उ.भा. 3		14:13
14	फर.	उ.भा. 4		10:55
17	फर.	रेवती 1		08:03
20	फर.	रेवती 2		05:38
23	फर.	रेवती 3		03:42

ग्रहों के निरयन राशि-नक्षत्र-चार

शुक्रचार-शनिचार-राहुचार

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
26	फर.	रेवती	4	02:19
29	फर.	अश्वि.	1 मेष	01:33
03	मार्च	अश्वि.	2	01:28
06	मार्च	अश्वि.	3	02:10
09	मार्च	अश्वि.	4	03:44
12	मार्च	भरणी	1	06:18
15	मार्च	भरणी	2	09:58
18	मार्च	भरणी	3	14:56
21	मार्च	भरणी	4	21:21
25	मार्च	कृत्ति.	1	05:28
28	मार्च	कृत्ति.	2 वृष	15:38

शनिचार (वर्षारम्भ को धनु में)

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
06	जुला.	पू.षा.	3	15:35
02	सित.	पू.षा.	2	03:25
04	अक्टू.	पू.षा.	3	21:31
25	नव.	पू.षा.	4	22:08
27	दिस.	उ.षा.	1	20:21
		2020 ई.		
24	जन.	उ.षा.	2 मकर	09:56
23	फर.	उ.षा.	3	06:35

राहुचार (वर्षारम्भ को मिथुन में)

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
09	मई	आर्द्रा	3	05:25
11	जुला.	आर्द्रा	2	03:05
12	सित.	आर्द्रा	1	00:44
13	नव.	मृग.	4	22:24
		2020 ई.		
15	जन.	मृग.	3	20:04
18	मार्च	मृग.	2 वृष	17:44

प्लूटोचार-हर्षलचार-नेपच्यूनचार

प्लूटोचार (वर्षारम्भ को धनु में)

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
07	सित.	पू.षा.	1	13:33
29	अक्टू.	उ.षा.	1	03:19
		2020 ई.		
25	फर.	उ.षा.	2 मकर	09:43

हर्षलचार (वर्षारम्भ को मेष में)

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
21	मई	अश्वि.	4	16:50
09	नव.	अश्वि.	3	08:37
		2020 ई.		
11	मार्च	भरणी	1	16:06

नेपच्यून चार (वर्षारम्भ को कुंभ में)

ता.	मास	नक्षत्र	पाद	घ.मि.
11	अप्रैल	पू.भा.	2	23:29
05	सित.	पू.भा.	1	01:59
		2020 ई.		
12	फर.	पू.भा.	2	17:00

ग्रहों के मार्गी वक्री उदय/अस्त

मार्गी वक्री/उदय अस्त

बुध

मार्गी वक्री

28 मार्च 19:29 मार्गी

08 जुला 04:44 वक्री

01 अग 09:28 मार्गी

31 अक्तू 21:11 वक्री

21 नव 00:42 मार्गी

सन् 2020

17 फर 06:24 वक्री

10 मार्च 09:18 मार्गी

उदय अस्त

09 मार्च 01:02 अस्त व

22 मार्च 19:45 उदय व

07 मई 02:48 अस्त

30 मई 04:27 उदय

10 जुला 13:38 अस्त व

30 जुला 06:26 उदय व

25 अग 09:22 अस्त

22 सित 18:13 उदय

03 नव 23:19 अस्त व

16 नव 23:12 उदय व

22 दिस 12:31 अस्त

सन् 2020

26 जन 05:31 उदय

20 फर 11:36 अस्त व

03 मार्च 13:47 उदय व

18 अप्रै 11:21 अस्त

मंगल

वर्ष भर मागी

उदय अस्त

11 जुला 11:57 अस्त

14 अक्तू 04:19 उदय

शुक्र

वर्ष भर मार्गी

उदय अस्त

23 जुला 14:54 अस्त

10 सित 04:40 उदय

गुरु

मार्गी वक्री

10 अप्रै 22:30 वक्री

11 अग 19:07 मार्गी

उदय अस्त

16 दिस 05:57 अस्त

सन् 2020

09 जन 06:33 उदय

शनि

मार्गी वक्री

30 अप्रै 06:24 वक्री

18 सित 14:17 मार्गी

उदय अस्त

31 दिस 00:16 अस्त

सन् 2020

30 जन 05:52 उदय

हर्षल

07 जन 2019 01: 56 मागी

12 अग 07: 57 वक्री

11 जन 2020 07:18 मागी

नेपच्यून

21 जून 20: 06 वक्री

27 नव 18: 02 मार्गी

23 जून 2020 10:02 वक्री

प्लूटो

25 अप्रै 00: 17 वक्री

03 अक्तू 12: 09 मार्गी

26 अप्रै 2020 00: 24 वक्री

अगस्तय लोप – 27 अप्रैल 2019

अगस्तय दर्शन – 29 अग 19

सम्वत् 2076 वि. के सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि, अमृत योग तथा रविपुष्य योग, गुरूपुष्य योग, द्विपुष्कर, त्रिपुष्कर योग और रवि योग

तरीखों पर से स्टै. टाइम के अनुसार लिखे हैं। इस समय में शुभ कार्यारम्भ करना सिद्धिदायक होता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता.मास	घ.मि. से	ता.मास	घ.मि. तक
सन् 2019 ई.			
07 अप्रै	06:05 से	07 अप्रै	08:44 तक
09 अप्रै	06:03 से	09 अप्रै	10:19 तक
10 अप्रै	06:02 से	10 अप्रै	30:01 तक
12 अप्रै	09:54 से	12 अप्रै	29:59 तक
14 अप्रै	05:58 से	14 अप्रै	07:40 तक
17 अप्रै	23:35 से	17 अप्रै	29:53 तक
20 अप्रै	05:51 से	20 अप्रै	17:58 तक
22 अप्रै	05:49 से	22 अप्रै	16:45 तक
26 अप्रै	23:14 से	26 अप्रै	29:45 तक
27 अप्रै	05:45 से	27 अप्रै	26:12 तक
02 मई	13:02 से	02 मई	29:39 तक
03 मई	05:39 से	03 मई	29:39 तक
06 मई	16:36 से	06 मई	29:36 तक
08 मई	05:35 से	08 मई	15:59 तक
09 मई	15:17 से	09 मई	29:34 तक
10 मई	05:34 से	10 मई	14:21 तक
15 मई	07:16 से	15 मई	29:30 तक
24 मई	07:30 से	24 मई	29:26 तक
25 मई	05:26 से	25 मई	10:15 तक
28 मई	18:58 से	28 मई	29:25 तक
30 मई	05:24 से	30 मई	29:24 तक
31 मई	05:24 से	31 मई	24:12 तक
03 जून	05:23 से	03 जून	29:23 तक
06 जून	05:23 से	06 जून	29:23 तक
12 जून	05:23 से	12 जून	11:51 तक
21 जून	05:24 से	21 जून	18:14 तक
25 जून	05:25 से	25 जून	29:25 तक
27 जून	05:25 से	27 जून	29:26 तक
28 जून	05:26 से	28 जून	09:11 तक
01 जुला	05:27 से	01 जुला	29:27 तक
04 जुला	05:28 से	04 जुला	26:30 तक
07 जुला	20:13 से	07 जुला	29:30 तक
12 जुला	15:57 से	12 जुला	29:32 तक
14 जुला	17:26 से	14 जुला	29:33 तक
23 जुला	05:37 से	23 जुला	13:14 तक
27 जुला	19:30 से	27 जुला	29:40 तक
29 जुला	05:41 से	29 जुला	18:22 तक
01 अग	05:42 से	01 अग	12:11 तक
04 अग	05:44 से	04 अग	29:45 तक
08 अग	21:27 से	08 अग	29:47 तक
09 अग	05:47 से	09 अग	21:58 तक
11 अग	05:48 से	11 अग	24:45 तक
18 अग	16:55 से	18 अग	29:52 तक
20 अग	22:28 से	20 अग	29:53 तक
24 अग	05:55 से	24 अग	28:16 तक
01 सित	05:59 से	01 सित	29: 59 तक
04 सित	28:07 से	05 सित	सूर्योदय तक
08 सित	06:02 से	08 सित	06:29 तक
15 सित	06:06 से	15 सित	25:44 तक
17 सित	06:07 से	18 सित	सूर्योदय तक
21 सित	06:09 से	21 सित	11:22 तक
29 सित	06:13 से	29 सित	19:06 तक
02 अक्तू	12:52 से	03 अक्तू	सूर्योदय तक
06 अक्तू	15:03 से	07 अक्तू	सूर्योदय तक
13 अक्तू	06:21 से	13 अक्तू	07:53 तक
15 अक्तू	06:22 से	15 अक्तू	12:30 तक
16 अक्तू	14:21 से	17 अक्तू	सूर्योदय तक
21 अक्तू	17:32 से	22 अक्तू	सूर्योदय तक
22 अक्तू	16:38 से	23 अक्तू	सूर्योदय तक
30 अक्तू	06:32 से	30 अक्तू	21:59 तक
03 नव	06:34 से	03 नव	24:55 तक
04 नव	06:35 से	04 नव	27:23 तक
10 नव	17:18 से	11 नव	सूर्योदय तक
12 नव	20:51 से	13 नव	सूर्योदय तक
13 नव	06:42 से	14 नव	सूर्योदय तक
17 नव	22:59 से	18 नव	सूर्योदय तक
18 नव	06:46 से	18 नव	22:21 तक
19 नव	06:47 से	19 नव	21:22 तक
27 नव	06:53 से	27 नव	08:12 तक
01 दिस	06:56 से	01 दिस	09:40 तक
02 दिस	06:57 से	02 दिस	11:43 तक
06 दिस	22:57 से	07 दिस	सूर्योदय तक
08 दिस	07:02 से	08 दिस	27:30 तक
10 दिस	07:03 से	10 दिस	29:57 तक
11 दिस	07:04 से	12 दिस	सूर्योदय तक
13 दिस	29:50 से	14 दिस	सूर्योदय तक
15 दिस	07:06 से	15 दिस	28:00 तक
21 दिस	19:49 से	22 दिस	सूर्योदय तक
23 दिस	17:39 से	23 दिस	31:11 तक
28 दिस	18:43 से	29 दिस	सूर्योदय तक
सन् 2020 ई.			
03 जन	07:20 से	03 जन	31:15 तक
05 जन	07:15 से	05 जन	12:27 तक
07 जन	07:15 से	07 जन	15:24 तक
08 जन	07:15 से	09 जन	सूर्योदय तक
10 जन	14:48 से	11 जन	सूर्योदय तक
12 जन	07:16 से	12 जन	11:49 तक
15 जन	28:07 से	16 जन	सूर्योदय तक
18 जन	07:15 से	18 जन	24:15 तक
20 जन	07:15 से	20 जन	23:30 तक
24 जन	26:46 से	25 जन	सूर्योदय तक
25 जन	07:13 से	25 जन	28:35 तक
30 जन	15:12 से	01 फर	31:10 तक
03 फर	24:52 से	04 फर	सूर्योदय तक
05 फर	07:08 से	05 फर	25:58 तक
06 फर	25:21 से	07 फर	सूर्योदय तक
07 फर	07:06 से	07 फर	24:01 तक
12 फर	11:46 से	13 फर	सूर्योदय तक
21 फर	09:13 से	22 फर	11:19 तक
25फर	19:10 से	28 फर	28:03 तक
02 मार्च	08:55 से	04 मार्च	11:23 तक
05 मार्च	11:26 से	05 मार्च	30:41 तक
06 मार्च	06:41 से	06 मार्च	10:38 तक
11 मार्च	06:35 सें	11 मार्च	19:00 तक
20 मार्च	06:25 से	20 मार्च	17:05 तक
24 मार्च	06:20 से	24 मार्च	28:19 तक

अमृत सिद्धि योग

ता.मास	घ.मि. से	ता.मास	घ.मि. तक
सन् 2019 ई.			
05 अप्रै	06:07 से	06 अप्रै	सूर्योदय तक
03 मई	05:39 से	03 मई	14:40 तक
03 जून	24:05 से	03 जून	29:23 तक
06 जून	20:28 से	06 जून	29:23 तक
01 जुला	09:25 से	01 जुला	29:27 तक
04 जुला	05:28 से	04 जुला	26:30 तक
27 जुला	19:30 से	27 जुला	29:40 तक
29 जुला	05:41 से	29 जुला	18:22 तक
01 अग	05:42 से	01 अग	12:11 तक
04 अग	25:44 से	04 अग	29:45 तक
20 अग	22:28 से	20 अग	29:53 तक
24 अग	05:55 से	24 अग	28:16 तक
01 सित	11:10 से	01 सित	29:59 तक
04 सित	28:07 से	04 सित	30:01 तक
17 सित	06:07 से	17 सित	30:07 तक
21 सित	06:09 से	21 सित	11:22 तक
29 सित	06:13 से	29 सित	19:06 तक
02 अक्तू	12:52 से	02 अक्तू	30:15 तक
15 अक्तू	06:22 से	15 अक्त	12:30 तक
30 अक्तू	06:32 से	30 अक्तू	21:59 तक
27 नव	06:53 से	27 नव	08:12 तक
सन् 2020 ई.			
06 दिस	22:57 से	06 दिस	31:01 तक
03 जन	07:20 से	03 जन	31:15 तक
31 जन	07:10 से	31 जन	18:10 तक

अमृत योग

ता.मास	घ. मि.से ता.मास	घ.मि. तक
सन् 2019 ई.		
10 अप्रै	15:36 से 10 अप्रै	30:01 तक
14 अप्रै	09:36 से 14 अप्रै	29:56 तक
15 अप्रै	05:56 से 15 अप्रै	07:08 तक
16 अप्रै	05:55 से 16 अप्रै	25:26 तक
20 अप्रै	05:51से 20 अप्रै	14:21 तक
24 अप्रै	11:32 से 24 अप्रै	29:46 तक
28 अप्रै	19:34 से 28 अप्रै	29:43 तक
29 अप्रै	05:43 से 29 अप्रै	22:04 तक
30 अप्रै	24:18 से 30 अप्रै	29:41 तक
02 मई	05:40 से 02 मई	27:21 तक
03 मई	05:39 से 03 मई	28:04 तक
04 मई	28:15 से 04 मई	29:38 तक
13 मई	15:21 से 13 मई	29:31 तक
15 मई	05:31 से 15 मई	10:36 तक
16 मई	08:15 से 16 मई	29:30 तक
17 मई	06:05 से 17 मई	28:11 तक
18 मई	26:41 से 18 मई	29:29 तक
25 मई	05:26 से 25 मई	06:25 तक
29 मई	15:21 से 29 मई	29:24 तक
02 जून	16:40 से 02 जून	29:23 तक
03 जून	05:23 से 03 जून	15:32 तक
04 जून	13:58 से 04 जून	29:23 तक
06 जून	05:23 से 06 जून	09:55 तक
07 जून	05:23 से 07 जून	07:38 तक
08 जून	05:23 से 08 जून	26:55 तक
12 जून	18:27 से 12 जून	29:23 तक
16 जून	14:02 से 16 जून	29:23 तक
17 जून	05:23 से 17 जून	14:00 तक
18 जून	14:31 से 18 जून	29:23 तक
20 जून	05:24 से 20 जून	17:08 तक
21 जून	05:24 से 21 जून	19:09 तक
22 जून	21:27 से 22 जून	29:24 तक
29 जून	05:26 से 29 जून	06:46 तक
01 जुला	27:06 से 01 जुला	29:27 तक
03 जुला	05:27 से 03 जुला	22:05 तक
04 जुला	19:10 से 04 जुला	29:28 तक
05 जुला	16:09 से 05 जुला	29:29 तक
07 जुला	05:29 से 07 जुला	10:19 तक
15 जुला	25:48 से 15 जुला	29:33 तक
17 जुला	05:34 से 17 जुला	28:52 तक
21 जुला	11:40 से 21 जुला	29:37 तक
22 जुला	05:37 से 22 जुला	14:04 तक
23 जुला	16:16 से 23 जुला	29:38 तक
25 जुला	05:38 से 25 जुला	19:21 तक
26 जुला	05:39 से 26 जुला	19:56 तक
27 जुला	19:46 से 27 जुला	29:40 तक
04 अग	18:49 से 04 अग	29:45 तक
05 अग	05:45 से 05 अग	15:55 तक
06 अग	13:30 से 06 अग	29:46 तक
08 अग	05:46 से 08 अग	10:31 तक
09 अग	05:47 से 09 अग	10:00 तक
10 अग	10:09 से 10 अग	29:48 तक
19 अग	27:30 से 19 अग	29:53 तक
21 अग	05:53 से 21 अग	29:54 तक
25 अग	08:11 से 25 अग	29:56 तक
26 अग	05:56 से 26 अग	07:03 तक
27 अग	05:56 से 27 अग	26:36 तक
31 अग	05:58 से 31 अग	12:14 तक
02 सित	25:54 से 02 सित	30:00 तक
04 सित	06:00 से 04 सित	21:45 तक
05 सित	20:50 से 05 सित	30:01 तक
06 सित	20:43 से 06 सित	30:02 तक
08 सित	06:02 से 08 सित	22:41 तक
10 सित	06:03 से 10 सित	26:43 तक
13 सित	06:05 से 13 सित	07:35 तक
14 सित	10:03 से 14 सित	30:06 तक
23 सित	18:37 से 23 सित	30:10 तक
25 सित	06:11 से 25 सित	14:09 तक
26 सित	11:03 से 26 सित	30:12 तक
27 सित	07:32 से 27 सित	27:46 तक
28 सित	23:56 से 28 सित	30:13 तक
07 अक्तू	12:38 से 07 अक्तू	30:18 तक
09 अक्तू	06:18 से 09 अक्त	17:19 तक
10 अक्तू	19:52 से 10 अक्तू	30:19 तक
11 अक्तू	22:20 से 11 अक्तू	30:20 तक
13 अक्तू	06:21 से 13 अक्तू	26:38 तक
15 अक्तू	06:22 से 15 अक्तू	29:45 तक
17 अक्तू	06:23 से 17 अक्तू	06:48 तक
18 अक्तू	06:24 से 18 अक्तू	07:29 तक
19 अक्तू	07:44 से 19 अक्तू	30:25 तक
23 अक्तू	25:09 से 23 अक्तू	30:28 तक
27 अक्तू	12:23 से 27 अक्तू	30:30 तक
28 अक्तू	06:30 से 28 अक्तू	09:08 तक
29 अक्तू	06:31 से 29 अक्तू	27:48 तक
02 नव	06:34 से 02 नव	25:31 तक
11 नव	18:02 से 11 नव	30:41 तक
13 नव	06:42 से 13 नव	19:42 तक
14 नव	19:55 से 14 नव	30:44 तक
15 नव	19:46 से 15 नव	30:44 तक
17 नव	06:45 से 17 नव	18:23 तक
19 नव	06:47 से 19 नव	15:36 तक
25 नव	22:40 से 25 नव	30:52 तक
27 नव	06:53 से 27 नव	18:59 तक
28 नव	17:59 से 28 नव	30:55 तक
29 नव	17:40 से 29 नव	30:56 तक
01 दिस	06:56 से 01 दिस	19:13 तक
03 दिस	06:58 से 03 दिस	23:14 तक
07 दिस	07:01 से 07 दिस	31:02 तक
15 दिस	29:34 से 15 दिस	31:07 तक
16 दिस	07:07 से 16 दिस	27:40 तक
17 दिस	25:37 से 17 दिस	31:08 तक
19 दिस	07:09 से 19 दिस	21:23 तक
20 दिस	07:09 से 20 दिस	19:17 तक
21 दिस	17:15 से 21 दिस	31:10 तक
30 दिस	13:55 से 30 दिस	31:14 तक
सन् 2020 ई.		
01 जन	07:14 से 01 जन	18:28 तक
02 जन	21:00 से 02 जन	31:15 तक
03 जन	23:27 से 03 जन	31:15 तक
05 जन	07:15 से 05 जन	27:07 तक
07 जन	07:15 से 07 जन	28:15 तक
11 जन	07:16 से 11 जन	22:41 तक
15 जना	12:10 से 15 जन	31:15 तक
17 जन	29:34 से 17 जन	31:15 तक
19 जन	07:15 से 19 जन	26:51 तक
21 जन	07:14 से 21 जन	25:45 तक
25 जन	07:13 से 25 जन	28:31 तक
03 फर	21:20 से 03 फर	31:08 तक
05 फर	07:08 से 05 फर	21:31 तक
06 फर	20:24 से 06 फर	31:06 तक
07 फर	18:32 से 07 फर	31:06 तक
09 फर	07:05 से 09 फर	13:03 तक
17 फर	14:36 से 17 फर	30:58 तक
19 फर	06:57 से 19 फर	15:02 तक
20 फर	16:00 से 20 फर	30:55 तक
21 फर	17:21 से 21 फर	30:54 तक
23 फर	06:53 से 23 फर	10:23 तक
25 फर	06:51 से 25 फर	25:40 तक
29 फर	09:15 से 29 फर	30:46 तक
08 मार्च	27:04 से 08 मार्च	30:38 तक
09 मार्च	06:38 से 09 मार्च	23:18 तक
10 मार्च	19:24 से 10 मार्च	30:35 तक
12 मार्च	06:34 से 12 मार्च	11:59 तक
13 मार्च	06:33 से 13 मार्च	08:51 तक
14 मार्च	06:32 से 14 मार्च	28:26 तक
18 मार्च	28:26 से 18 मार्च	30:26 तक
23 मार्च	12:31 से 23 मार्च	30:20 तक
25 मार्च	06:19 से 25 माच	17:27 तक
26 मार्च	19:54 से 26 मार्च	30:17 तक
27 मार्च	22:13 से 27 मार्च	30:16 तक
29 मार्च	06:15 से 29 मार्च	26:02 तक
31 मार्च	06:12 से 31 मार्च	27:50 तक

रविपुष्य योग

सन् 2019 ई.

ता.मास	घ. मि. से	ता.मास	घ.मि. तक
17 मार्च	06:29 से	17 मार्च	24:11 तक
14 अप्रै	05:58 से	14 अप्रै	07:40 तक
17 नव	22:59 से	17 नव	30:46 तक
15 दिस	07:06 से	15 दिस	28:00 तक
सन् 2020 ई.			
12 जन	07:16 से	12 जन	11:49 तक

गुरूपुष्य योग

सन् 2019 ई.

ता.मास	घ. मि. से	ता.मास	घ.मि. तक
06 जून	20:28 से	06 जून	29:23 तक
04 जुला	05:28 से	04 जुला	26:30 तक
01 अग	05:42 से	01 अग	12:11 तक
सन् 2020 ई.			
02 अप्रै	19:28 से	02 अप्रै	30:09 तक
30 अप्रै	05:41 से	30 अप्रै	25:52 तक

द्विपुष्कर योग

सन् 2019 ई.

ता.मास	घ. मि. से	ता.मास	घ.मि. तक
25 मई	10:15 से	25 मई	29:26 तक
26 मई	05:26 से	26 मई	08:49 तक
04 जून	13:58 से	04 जून	23:08 तक
28 जुला	19:18 से	28 जुला	29:41 तक
06 अग	13:30 से	06 अग	22:23 तक
21 सित	11:22 से	21 सित	20:21 तक
29 सित	20:14 से	30 सित	सूर्योदय तक
23 नव	14:44 से	23 नव	27:43 तक
03 दिस	06:58 से	03 दिस	14:16 तक
सन् 2020 ई.			
25 जन	28:35 से	25 जन	31:13 तक
26 जन	07:13 से	26 जन	सूर्योदय तक
21 मार्च	06:24 से	21 मार्च	07:56 तक

त्रिपुष्कर योग

सन् 2019 ई.

ता.मास	घ. मि. से	ता.मास	घ.मि. तक
20 अप्रै	17:58 से	20 अप्रै	29:50 तक
12 अप्रै	05:50 से	21 अप्रै	12:33 तक
30 अप्रै	24:18 से	30 अप्रै	29:41 तक
05 मई	27:59 से	05 मई	29:37 तक
23 जून	24:07 से	23 जून	29:25 तक
29 जून	09:57 से	29 जून	29:26 तक
30 जून	05:26 से	30 जून	06:11 तक
17 अग	13:55 से	17 अग	22:49 तक
27 अग	05:56 से	27 अग	25:13 तक
31 अग	14:07 से	31 अग	29:59 तक
01 सित	17:52 से	20 अक्तू	30:26 तक
29 अक्तू	06:31 से	29 अक्तू	23:11 तक
02 नव	25:31 से	02 नव	30:34 तक
03 नव	05:59 से	01 सित	08:27 तक
10 सित	06:03 से	10 सित	11:09 तक
20 अक्तू	06:34 से	03 नव	24:55 तक
14 दिस	07:06 से	14 दिस	08:47 तक
22 दिस	18:38 से	22 दिस	31:11 तक
28 दिस	07:13 से	28 दिस	11:10 तक
सन् 2020 ई.			
07 जन	07:15 से	07 जन	15:24 तक
15 फर	07:00 से	15 फर	16:29 तक
25 फर	06:51 से	25 फर	19:10 तक
01 मार्च	11:16 से	01 मार्च	30:45 तक
10 मार्च	19:24 से	10 मार्च	22:01 तक

रवियोग योग

सन् 2019 ई.

ता.मास	घ. मि. से	ता.मास	घ.मि. तक
08 अप्रै	09:43 से	09 अप्रै	11:19 तक
10 अप्रै	10:33 से	11 अप्रै	10:25 तक
13 अप्रै	08:59 से	16 अप्रै	04:01 तक
17 अप्रै	23:36 से	18 अप्रै	21:25 तक
24 अप्रै	18:35 से	25 अप्रै	20:37 तक
07 मई	16:27 से	08 मई	16:00 तक
09 मई	15:17 से	10 मई	14:21 तक
13 मई	10:27 से	15 मई	07:16 तक
17 मई	04:16 से	18 मई	03:07 तक
24 मई	07:31 से	25 मई	10:15 तक
25 मई	20:25 से	26 मई	13:14 तक
05 जून	21:54 से	06 जून	20:29 तक
07 जून	18:56 से	08 जून	17:22 तक
08 जून	18:12 से	09 जून	15:49 तक
11 जून	13:01 से	13 जून	10:55 तक
15 जून	09:59 से	16 जून	10:17 तक
23 जून	24:08 से	25 जून	03:02 तक
05 जुला	02:30 से	05 जुला	24:18 तक
07 जुला	20:14 से	08 जुला	18:34 तक
10 जुला	16:22 से	12 जुला	15:57 तक
14 जुला	17:26 से	15 जुला	18:52 तक
23 जुला	13:14 से	24 जुला	15:42 तक
03 अग	03:44 से	03 अग	15:17 तक
04 अग	04:06 से	05 अग	01:44 तक
05 अग	23:48 से	06 अग	22:23 तक
08 अग	21:28 से	10 अग	23:06 तक
13 अग	02:51 से	14 अग	05:19 तक
21 अग	24:47 से	23 अग	02:36 तक
02 सित	08:33 से	03 सित	06:24 तक
04 सित	04:53 से	05 सित	06:24 तक
07 सित	04:58 से	09 सित	08:36 तक
11 सित	13:59 से	12 सित	16:58 तक
20 सित	10:20 से	21 सित	11:22 तक
01 अक्तू	14:21 से	02 अक्तू	12:52 तक
03 अक्तू	12:10 से	04 अक्तू	12:19 तक
06 अक्तू	15:04 से	08 अक्तू	20:12 तक
11 अक्तू	02:14 से	11 अक्तू	07:25 तक
12 अक्तू	05:10 से	13 अक्तू	07:53 तक
19 अक्तू	17:40 से	20 अक्तू	17:52 तक
30 अक्तू	21:59 से	31 अक्तू	21:31 तक
01 नव	21:52 से	02 नव	23:01 तक
05 नव	03:23 से	08 नव	12:12 तक
10 नव	17:19 से	11 नव	19:17 तक
17 नव	22:29 से	18 नव	22:21 तक
29 नव	07:34 से	30 नव	08:16 तक
01 दिस	09:40 से	02 दिस	11:43 तक
03 दिस	12:22 से	03 दिस	14:17 तक
05 दिस	20:07 से	07 दिस	25:28 तक
10 दिस	05:01 से	11 दिस	05:57 तक
17 दिस	25:26 से	18 दिस	24:01 तक
28 दिस	18:43 से	29 दिस	17:35 तक
29 दिस	20:30 से	30 दिस	22:47 तक
सन् 2020 ई.			
01 जन	01:28 से	02 जन	04:23 तक
04 जन	10:05 से	06 जन	14:15 तक
08 जन	15:51 से	09 जन	15:38 तक
16 जन	04:17 से	17 जन	02:31 तक
28 जन	09:23 से	29 जन	12:13 तक
30 जन	15:12 से	31 जन	18:10 तक
02 फर	23:11 से	04 फर	25:49 तक
07 फर	24:01 से	08 फर	22:05 तक
14 फर	07:28 से	15 फर	06:01 तक
26 फर	22:08 से	27 फर	25:08 तक
29 फर	04:03 से	01 मार्च	06:42 तक
03 मार्च	10:32 से	06 मार्च	10:38 तक
08 मार्च	06:52 से	09 मार्च	04:10 तक
14 मार्च	12:20 से	15 मार्च	11:23 तक

सम्वत् के कुछ अशुभ योग

यम घट योग

शुरू दिनांक	घटे मि.	समाप्त दिनांक	घटे मि.
2019 ई.			
14 अप्रै	29:59	14 अप्रै	30:15
24 अप्रै	06:07	24 अप्रै	18:35
12 मई	11:55	12 मई	29:53
04 जून	23:08	04 जून	29:45
09 जून	05:44	09 जून	15:49
02 जुला	08:14	02 जुला	29:49
30 जुला	06:02	30 जुला	16:47
22 अग	26:36	22 अग	30:13
23 अग	27:47	23 अग	30:14
19 सित	08:45	19 सित	30:25
20 सित	10:19	20 सित	30:25
28 सित	22:02	28 सित	30:29
17अक्तू	06:38	17अक्तू	15:51
18अक्तू	06:38	18अक्त	16:59
26अक्तू	08:27	26अक्तू	29:49
28अक्तू	25:00	28अक्तू	30:45
23 नव	07:02	23 नव	14:44
25 नव	10:57	25 नव	31:04
23 दिस	07:22	23 दिस	17:39
25 दिस	16:41	25 दिस	31:23
सन् 2020 ई.			
22 जन	07:26	22 जन	24:20
09 फर	19:43	09 फर	31:17
08 मार्च	06:54	08 मार्च	28:10
31 मार्च	18:44	31 मार्च	30:29
05 अप्रै	06:24	05 अप्रै	14:57
28 अप्रै	06:02	28 अप्रै	25:33

दग्धा योग

शुरू दिनांक	घटे मि.	दिनांक	समाप्त घटे मि.
सन् 2019 ई.			
09 अप्रै	16:07	09 अप्रै	30:20
11 अप्रै	06:19	11 अप्रै	14:42
12 अप्रै	13:24	12 अप्रै	30:17
13 अप्रै	11:42	13 अप्रै	30:16
15 अप्रै	07:08	15 अप्रै	28:23
23 अप्रै	11:04	23 अप्रै	30:07
25 अप्रै	06:06	25 अप्रै	12:47
26 अप्रै	14:40	26 अप्रै	30:04
27 अप्रै	17:01	27 अप्रै	30:03
29 अप्रै	22:04	29 अप्रै	30:01
09 मई	23:27	09 मई	29:54
23 मई	28:19	23 मई	29:47
05 जून	12:03	05 जून	29:45
19 जून	15:34	19 जून	29:45
30 जून	05:48	30 जून	06:11
28 जुला	18:50	28 जुला	30:01
11 अग	10:52	11 अग	30:08
20 अग	06:12	20 अग	29:30
22 अग	06:13	22 अग	07:06
23 अग	08:09	23 अग	30:14
24 अग	08:32	24 अग	30:14
26 अग	07:03	26 अग	29:10
03 सित	06:18	03 सित	23:28
06 सित	06:19	06 सित	20:43
07 सित	06:20	07 सित	21:22
09 सित	06:20	09 सित	24:31
19 सित	19:27	19 सित	30:25
03 अक्तू	10:12	03 अक्तू	30:31
16 अक्तू	06:37	16 अक्तू	30:38
30 अक्तू	06:45	30 अक्तू	26:01
08 दिस	08:29	08 दिस	31:14
22 दिस	15:22	22 दिस	31:22
31 दिस	07:25	31 दिस	16:02
सन् 2020 ई.			
03 जन	07:26	03 जन	23:27
04 जन	07:26	04 जन	25:33
06 जन	07:26	06 जन	28:02
14 जन	14:49	14 जन	31:27
16 जन	07:27	16 जन	09:42
17 जन	07:28	17 जन	29:34
18 जन	07:27	18 जन	28:01
20 जन	07:26	20 जन	26:06
30 जन	13:20	30 जन	31:23
13 फर	20:47	13 फर	31:15
26 फर	07:05	26 फर	28:12
11 मार्च	15:34	11 मार्च	30:50

हुताशना योग

शुरू दिनांक	घटे मि.	दिनांक	समाप्त घटे मि.
सन् 2019 ई.			
28 जून	05:47	28 जून	06:36
29 जून	05:48	29 जून	06:46
30 जून	05:48	30 जून	06:11
08 जुला	05:51	08 जुला	07:42
22 जुला	14:04	22 जुला	29:58
23 जुला	16:16	23 जुला	29:59
24 जुला	18:05	24 जुला	29:59
25 जुला	19:21	25 जुला	30:00
26 जुला	19:56	26 जुला	30:00
27 जुला	19:46	27 जुला	30:01
28 जुला	18:50	28 जुला	30:01
05 अग	15:55	05 अग	30:05
06 अग	13:30	06 अग	30:06
07 अग	11:41	07 अग	30:06
08 अग	10:31	08 अग	30:07
09 अग	10:00	09 अग	30:08
11 अग	10:52	11 अग	30:08
18 नव	06:58	18 नव	17:10
19 नव	06:59	19 नव	15:36
20 नव	07:00	20 नव	13:41
21 नव	07:01	21 नव	11:29
22 नव	07:01	22 नव	09:01
02 दिस	07:09	02 दिस	20:59
03 दिस	07:09	03 दिस	23:14
04 दिस	07:10	04 दिस	25:44
05 दिस	07:11	05 दिस	28:15
06 दिस	07:12	06 दिस	30:34
07 दिस	07:12	07 दिस	31:13
08 दिस	08:29	08 दिस	31:14
16 दिस	27:40	16 दिस	31:19
17 दिस	25:37	17 दिस	31:19
18 दिस	23:31	18 दिस	31:20
19 दिस	21:23	19 दिस	31:20
20 दिस	19:17	20 दिस	31:21
21 दिस	17:15	21 दिस	31:21
22 दिस	15:22	22 दिस	31:22
सन् 2020 ई.			
30 मार्च	06:31	30 माच	27:15
31 मार्च	06:30	31 मार्च	27:50
01 अप्रै	06:29	01 अप्रै	27:40
02 अप्रै	06:27	02 अप्रै	26:43
03 अप्रै	06:26	03 अप्रै	24:59
04 अप्रै	06:25	04 अप्रै	22:30
05 अप्रै	06:24	05 अप्रै	19:25
13 अप्रै	06:16	13 अप्रै	16:19
14 अप्रै	06:15	14 अप्रै	16:12
15 अप्रै	06:14	15 अप्रै	16:51
16 अप्रै	06:13	16 अप्रै	18:12
17 अप्रै	06:12	17 अप्रै	20:04
18 अप्रै	06:11	18 अप्रै	22:18
19 अप्रै	06:10	19 अप्रै	24:43

श्री गणेशाम्बागुरूभ्यो नमः।

अचिन्त्याव्यक्तरूपाय निर्गुणाय गुणात्मने।
समस्त जगदाधार मूर्त्तये ब्रह्मणे नमः।।१।।
विचार्य सम्यग्गणितं सुनिश्चितं नवैः प्रकारैश्च पुरातनैः,
विद्वद्वरः श्रीहरदेव शर्मा सुधाकरश्चैव तथा विपश्चित्।
पंचागरत्न प्रसन्नमयूखं श्रीकेतकी दृगणितेन युक्तम्,
लेकोपकाराय कृतप्रयत्न प्रचकृतु मोहविनाशदक्षम्।।२।।
प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहं कुर्याद् ध्वजारोपणम्,
स्नांनं मंगलमाचरेद् द्विववरैः सार्थ सुपुजोत्सवम्।
देवानां गुरूयोषितां च शिशवोऽलकांरवस्त्रादिभिः।
सम्पूज्यो गणकः फलं च श्रृणुयरात्तस्माच्च लाभप्रदम्।।३।।
तैलाभ्यंगं, स्नानमादौ च कृत्वा पीयूषोत्थं पारिभद्रस्य पत्रम्,
भक्षेत्सौख्यं मानवो व्याधिनांश विद्यायुः श्री लभ्यते वर्षमूले।।४।।
परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः,
सपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः।।५।।
मरीचिहिंगुलवणमजमोदा सशर्करैः।
तितिड़ी जी रकत्तैव भक्षयेद्रोगशान्तये।।६।।

चैत्र शुक्ल 1 को नूतन संवत्सर प्रारम्भ होता है। इस दिन प्रत्येक घर पर ध्वज (अपने-अपने सम्प्रदायानुसार जो ध्वज हो वह) लगायें तोरणादि से ग्रह सुशोभित करें। मंगल स्नानकर देवता, ब्राह्मण, गुरू की पूजा करके, स्त्रियां शिशु आदि वस्त्र आभूषण आदि परिधान कर उत्सव मनायें। ज्योतिपी जी का सत्कार कर उनसे नूतन संवत्सर का फल श्रवण करें। प्रातः काल में कटुनिम्ब के कोमल पत्र और पुष्प लावें, उनमें काली मिर्च, हींग, नमक (सेंधा), अजवायन, जीरा और खांड मिलाकर, चूर्ण बनावें, कुछ इमली भी मिलावे और वह भक्षण करें। इस प्रयोग से वर्ष भर में विकार नहीं होता और अनेक रोगो की शान्ति होती है।

पंचांगस्थं गणेशं द्विजगणकयुतं पूजयित्वार्थिवृन्दनम्,
सतोष्यानकदानें: परमसुखयतो भोजजियत्वान्नमिष्ठम्।।
श्रण्वन् गीतानि वाद्यानि च विविध कथास्तद्दिन सक्रमेच्च,
क्रीड़न् स्त्रीभिश्र सार्थ निशि रहसि नरो यावदब्द सुखी स्यात्।।७।।

पंचागस्य गणेशं ब्राह्मण और ज्योतिषी जी की पूजा कर याचकों को यथाशक्ति दानादि से प्रसन्न करें। मिष्ठान आदि भोजन करावें। गीत (गायन) वाद्य कथा श्रवण आदि कर यह सम्पूर्ण दिन आनंद से व्यतीत करें। गृहस्तयों को विलासयुक्त आनंदपूर्ण वर्षारम्भ दिन व्यतीत करने से सम्पूर्ण वर्ष आनंदमय जाता है।

अथ युगांना व्यवस्था- चतुर्यगसहस्त्राणि ब्राह्मणों दिनमुच्यते, तेषु चतुर्दश मनवो भवन्ति। तत्रमानि 1 स्वायम्भुवः, 2 स्वारोचिषः, 3 औत्तमः, 4 तामसः, 5 रैवतः, 6 चाक्षुवः, 7 वैवस्वतः, 8 सावर्णिः, 9 दक्षसावर्णिः, 11 धर्मसावर्णिः, 12 रूद्रसावर्णिः 13 देवसर्णिः, 14 इन्द्रसावर्णिः। तत्रैकैकस्य मनोरेकसप्ततिमहायुगानि भवन्ति।

महायुगप्रमाणं- विंशतिसहस्त्राधिक त्रिचत्वारिशिल्लक्षमिताब्दा, एवं चाक्षुषपर्यन्तषणमनवों गताः वर्तमान वैवस्वतमनुः सप्ततः। तत्र सप्तविशंतिमहायुगानि गतानि वर्तमानमष्टाविशंतितमं महायुगम्।

चार युग एक हजार बाल निकल जाने पर ब्रह्मजी का एक दिन होता है इन्हीं दिनों के मान से ब्रह्म की आयु 100 वर्ष की होती है। इस समय ब्रह्म की आयु के 50 वर्ष व्यतीत होकर 51 वर्ष के प्रथम दिन का उदय होकर 13 घटी 42 पल 3 विपल 43 प्रतिपल व्यतीत हो चुके है। ब्रह्मजी के एक में उपर्युक्त 14 मनु होते है और 1 मनु में 71 महायुग होते है। एक महायुग के सौर मानुष वर्ष 43 लक्ष 20 हजार है, इस प्रकार चाक्षुष पर्यन्त 6 मनु निकल चुके और 7वां मनु वैवस्वत मन्वन्तर चालू है। इस मनु में 27 महायुग निकलकर 28वां महायुग चल रहा है।

कृतयुगप्रमाणम् 1728000, त्रेतायुगप्रमाणम् 1296000, द्वापरयुगप्रमाणम् 864000, कलियुगप्रमाणम् 432000, तत्मध्ये गतकिलः 5114 शेषकलिः 426886 कलियुगमध्ये षट् शककर्तारः। आदौ इन्द्रप्रस्थे युधिष्ठर शकः 30441 द्वितीयोज्जनियनां विक्रमस्तस्यः शकः 135। तृतीय प्रतिष्ठान नगरे शालिवाहनस्य शकः 18000। चतुर्थो वैतरिण्वां विजयाभिनन्दस्तस्य शकः 10000। पंचमों गौडदेशे धारातीर्थे नागार्जुनस्तस्यः शकः 40000 चतुर्लक्षवर्षाणिं। पृष्ठः करवीपत्तने कर्णाटके कलक्यतारस्तरस्य शकः 821 वर्षाणि।

अब सत्ययुगादीनां व्यवस्था - सत्ययुग - कार्तिक शुक्ल नवमी बुधवार को प्रथम प्रहर श्रवण नक्षत्र वृद्धियोग में सत्ययुग का आरम्भ हुआ। इसकी आयु 1728000 वर्ष की थी इसमें श्री विष्णु के मत्स्य, कच्छप, वराह और नृसिंह ये 4 अवतार हुए। श्रीमत्स्यावतार ने वेदों के चोर शंखासुर को मारकर ब्रह्म को वेद लाकर दिये थे। भगवान कच्छप ने पृथ्वी की रक्षार्थ मदराचल को पीठ पर धारण कर एवं-दत्यों द्वारा समुद्र मंथन करा कर चौदह रत्न प्राप्त किये थे। श्रीवराहावतार ने हिरण्याक्ष का वध करके रसताल हो गई पृथ्वी का उद्धार किया। श्री नृसिंहावतार ने हिरण्यकशिपु का वध करके भक्त प्रहलाद की रक्षा की।इस युग में धर्म अपने चारों पाद पर स्थिर था। गौए कामधेनु के समान होती थी। प्रायः स्वर्ण के पात्र और सिक्कों के स्थान पर रत्नों का परस्पर व्यवहार रहता था, इच्छित वर्षा होती थी। पृथ्वी सम्पूर्ण सस्य और रत्नों से परिपूर्ण थी, ब्राह्ममण चारों वेदों के ज्ञाता तथा सत्यभाषी, परद्रव्य, परस्त्री परडमुख और त्यागी होते थे शाप देने और वर देने में भी समर्थ थे। स्त्रियां पदमिनी और पतिव्रता होती थी। शासक वर्ग

(राज्यवंश) न्यायपरायण थे और प्रजा को औरस पुत्रवत समझते थे। वैश्य लोग सत्यवक्ता, धर्मात्मा व्यापारी और शूद्र लोग सेवा धर्म में निरत रहते थे। इस युग मे पुष्कर प्रधान तीर्थ था, प्रहलाद आदि दैत्यवंशिय राजाओं की तीनों लोको में पहुंच थी।

त्रेतायुग- वैशाक शुक्ल तृतीया चन्द्रवास के द्वितीय प्रहर रोहिणी नक्षत्र शोभन योग में त्रेतायुग आरम्भ हुआ। इसकी आयु 1296000 वर्ष थी, इसमें भगवान श्री वामन, श्री परशुराम और श्रीरामचन्द्र जी के तीन अवतार हुए। श्री वामन ने राजा बलि से तीन पैर पृथ्वी दान लेकर समग्र पृथ्वी को तीन पैर में नाप बलि को पाताल का राज्य दिया। श्री परशुराम जी ने कर्तव्य विमुख एवं अत्याचारी दुष्ट राजाओं का नाश करके 21 बार रामराज्य स्थापित कर सम्पूर्ण पृथ्वी का दान कर दिया। रामचन्द्र जी ने महाभिमानी रावण का वध करके देवताओं और ऋषियों को निर्भय किया। इस युग में धर्म तीन पाद ही रह गया था। गौए त्रिकाल दुग्ध देने वाली होती थी। प्राय: चांदी के पात्र एवं सोने के सिक्कों का व्यवहार होता था। वर्षा समय पर होती थी। सम्पूर्ण पृथ्वी सस्य और स्वर्ण से भरपूर थी। ब्राह्मण तीन वेदों के वक्ता और किंचिन्नयून, तपोनिष्ठ, परस्त्री, परद्रव्य से परड मुख होते थे, वे श्राप देने में समर्थ थे, स्त्रियां पवित्र एवं चरित्रिणी होती थी। इस युग में हरिश्चन्द्र इच्छवाकू आदि सूर्यवंशी धर्मत्मा क्षत्रियों राजाओं का राज्य था। विचित्र विमानों द्वारा इन्द्र लोक पर्यन्त भी जाते थे। वैश्य लोग सत्यवादी और सत्य की तुला में तौलते थे। शूद्र स्वधर्मानुसार सेवा में तत्पर रहते थे। इस युग में तीर्थ नैमिषारण्य प्रधान था।

द्वापर युग- माघ कृष्णा 30 शुक्रवार तृतीया प्रहर धनिष्ठता, नक्षत्र वरियान योग में द्वापर युग का प्रारम्भ हुआ इसकी आयु 864000 वर्ष थी। इसमें भगवान् श्रीकृष्ण और श्री बलराम जी के दो अवतार हुए श्रीकृष्ण जी ने दैत्यराज कंस आदि दुष्टों का वध किया तथा संसारार्णवमग्न जीवों के उद्धार अर्जुन का लक्ष्य करके गीता ज्ञान का उपदेश दिया। श्री बलराम जी ने दुष्टों का नाश करके धर्म का उद्धार किया। इस युग में धर्म द्विपाद का ही रह गया था। गौए दो समय घट-पूर्ण दुग्ध देती थी। प्राय: ताम्र पीतल के पात्र और स्वर्ण तथा रौप्यमयी मुद्राओं का व्यवहार होने लगा। वर्षा समय पर हो जाती थी। पृथ्वी सस्य और रौप्यमयी मुद्राओं थी। ब्राह्मण लोग दो वेदों के परारंगत और विशेषतया सत्य वक्ता तथा तप यज्ञ देव पूजन आदि करने वाले किंचित् लोभयुक्त वाक्य सिद्धि वाले अर्थात् वर और श्राप देने में समर्थ थे। स्त्रियां शंखिनी जाति सुशिला धर्मयुक्ता होती थी। इस युग में पाण्डू युधिष्ठर धर्मपरायण चन्द्र वंशी राजा हुए जिनका सुमेरू पर्यन्त दमन था। प्राय: चारों ओर अपने वर्णाश्रम धर्म पर स्थित थे परस्त्री, परद्रव्य से लोग डरते थे इस युग में तीर्थ कुरूक्षेत्र था।

कलियुग- भाद्रपद कृष्ण 13 रविवार को समय आश्लेषा नक्षत्र व्यतिपात योग में कलियुग का प्रारम्भ हुआ इसकी आयु 432000 वर्ष की है। इसमें भगवान् के अवतार श्री बुद्ध, श्री कल्कि (निष्कलंक) इसमें अहिंसा धर्म के उद्धारक श्री बुद्ध का अवतार तो हो चुका है, और कल्कि अवतार अब कलियुग के 821 वर्ष शेष रहेंगे तब सम्भल ग्राम में विष्णु यश ब्राह्मण के घर होगा। इस अवतार द्वारा दुष्टों का नाश होकर पृथ्वी पर लुप्त धर्म की स्थापना के साथ-साथ न्यायपरायण क्षत्रिय राज्य भी स्थापित होगा। इस युग में एक पाद ही धर्म रह जाएगा। गौए दूध कम देगी। मृणमय तथा ताम्रमय मुद्रा चलेगी। अतिवृष्टि तथा अनावृष्टि से देशों में भय का संचार होगा। ब्राह्मण लोग वेद ज्ञान से रहित तथा स्नान सध्यां तपचर्या से भी हीन होंगे। क्षत्रिय लोग अपने धर्म कर्म को तिलांजलि दे देंगे। वैश्य लोग व्यपार में असत्य व्यवहार विशेष रूप से उपयोग में लाने लगेंगे। शूद्र लोग पाखण्डी होकर बहुदा उच्च वर्ण वालों के उपदेशता होंगे। प्रजा में वर्णसंकरत्व बढ़ जायेगा। धूतों की पूजा होगी, अनेक कुकर्मो की वृद्धि होगी। स्त्रियां अधिकतर हस्तनी होगी। व्यभिचारिणी स्त्री अपने को सती कहेंगी। पतिव्रता कवचित देखने में आवेगी, पुरूष स्त्रियों के वश मे चलेगे। स्त्रियों के छोटी आयु में गर्भ होने लगेगा, पिता-कन्या विक्रय करेगे। गौ-ब्राह्मण की हत्या से भय नहीं करेगे। पुत्र का माता-पिता के साथ द्रव्य के कारण प्रेम रहेगा। राज्य व्यवस्था में धर्म का स्थान शून्य के बराबर होगा। धर्म-कर्म और तीर्थ पर लोगों की श्रद्धा कम होगी। इस युग में प्रधान तीर्थ गंगा होगी।

अथ कलिरूपं चोक्तं चिरन्तनैः- पिशाचवदनः क्रूरः कलिश्च कलहप्रियः। धृत्वा वामकरे शिश्नं दक्षे जिव्हां च नृत्यति।

अथ कलिमहात्म्यं:- धर्मः प्रवजितस्तपः प्रचलिंत सत्यं च दूरगतं, पृथ्वी मंद फला नराह कपटन्श्रित च शाठ्योर्जितम्। राजानोऽर्थपरा हारक्षणापराः पुत्राः पितुद्वैषिणः। साधु सीदति दुर्जन प्रभावति प्राप्ते कलौ दुर्यगे।। निर्बीजा पृथ्वी निरोमधिसरा नीचा महत्वं गता, भूपाला निज धर्म कर्म रहता विप्रः कुमारगेगताः। भार्याभर्तु विरोधनि पररता पुत्रापितुद्वैषिणः, हा। कष्टमखलू वृतते कलियुगे। धन्या मृता ये नराः।। न देवे देवत्वं कपटपटवस्तापसजनाः, जनो मिथ्यावादी बिरलतरबृष्टिर्जलधरः। प्रसन्न नीचा अवनिपतयो दुष्टमत्यो, जनः शिष्टा नष्टाअहह। कलिकालो विलसति।

कलौ गवांयं स्थिति- पृथ्वि गंगया हीना भविष्यपत्यन्तिमे कलौ, तदैव विष्णुस्त्यजति मेदिनी नरपुंगव। भगीरथ प्रति गंगावाक्यं च- यावद्धरण्यं तुलसीप्रपूज्यते गुरूर्नभस्थो दिवि कल्पपादवः। यावत्समुद्रे बड़वान्लश्च वसामि तावत्तव चक्रखाते। इति। कलौ दशसहस्त्राणीतिवाक्यमन्तिमकलौ ज्ञेयम्।

अथ संवत्सर वर्ष राजादि फलम्

अथ श्रीमन्नृपति चक्र चूड़ामणि श्री विक्रमादित्यां राज्य सिंहासनदतीताब्दानि तत् संवतत्सरामिद्य: 2076 तथा च श्री मन्नृपतिमुकुटमणि शकजाति यवन निर्बीजक शलिवाहन राज्याद्गत-हनानि तच्छाकामिद्य:1941 ईसवीय सन् 2019–20 भारतीय गणराज्य संवत्सर 70–71, श्रीकृष्ण संवत् 5255, हिजरी सन् 1440–41, श्रीमहावीर निवार्ण जैन संवत्सर 2545–46 वर्षारम्भ प्रभवादि षष्ठ्यब्दानां मध्ये रूद्र विशंतिकायां नाम परिधावी संवत्सर:।

अथस्मिन वर्षे सृष्टितो सौरगताब्दा: 1955885120, कल्पगताब्दा: 1975949120, गत कलि: 5120, भोग्यकलि: 4268,82 कलौगङ्गैव तीर्थ बौद्धावतार:। ध्वत्राचालनयुक्त केतकीवेधसिद्ध चित्रापक्षीय अयनांशा: 24 / 7 / 20 तत्र षष्ठ्यब्दानां मध्ये रूद्रविंशतिकायां परिधावी नाम संवत्सर:।। ततो अग्रे प्रमादी नाम संवत्सर:।। अथास्मिन् वर्षे अधिकारिण:। राजा शनि।। मंत्री सूर्य:।। सस्येश मंगल।। धान्येश चन्द्र।। मेघेश शनि।। रसेश गुरू।। नीरसेश मंगल।। फलेश शनि।। धनेश मंगल।। दुर्गेश शनि।।

वर्षराजादि फल 2076

द्वादश युगों में दशम युग का आगमन दशम युग के स्वामी इन्द्राग्नी देवता का फल-

दशम युग के प्रथम वर्ष में मध्य पूर्व एशिया में युद्ध भय एवं राज-तंत्र परिवर्तन होता है। अग्निकाण्ड एवं अन्य मानवकृत त्रासदियों से जन-साधारण त्रस्त होते है। इस युग का प्रथम वर्ष 'परिधावी' है।

'परिधावी' नामक संवत्सर का फल

धनधान्यसमृद्धि: स्याद भयं भूरि प्रजायते।
अन्यथा क्षेममारोग्यं परिधावीति संज्ञिते।।।

इस संवत् में शासको में युद्धमय वातावरण एवं परस्पर तनाव के कारण अच्छी फसलों के बाद भी जनता में भय व आशंकाओं से भरा वातावरण रहता है। अनेक रोगो एवं युद्ध भय के कारण सभी प्राणि कष्ट प्राप्त करते है।

राजा 'शनि' का फल

दुर्भिक्षकरकं रोगान् करोति पवनं तथा।
श्नैश्चराब्दो दोषांश्च विग्रहंश्चैव भूभुजाम्।।

शनि के संवत् में वर्षा कम होती है और अनेक प्रकार के रोगो से जनता पीड़ा प्राप्त करती है। उपद्रव हिंसा युद्ध आदि से व्यापक भय का वातावरण बनता है। अनेक राष्ट्रों में युद्ध अग्नि भड़कती है एवं राजनेताओं में परस्पर विरोध बढ़ते है। दुर्भिक्ष से जनता पीड़ित होती है। अकाल एवं पेयजल से सम्बन्धित समस्याओं के कारण पलायन की स्थिति उत्पन्न होती है।

मंत्री 'सूर्य' का फल

नृप भयं गदतोऽपिहि तस्करात् प्रचुरधान्यधनादिमहितले।
रसचयं हि समर्धतमं तदा रविमात्यपदं लभते यदा।।

सूर्य के मंत्री होने से शासकों में परस्पर विरोध एवं वैमनस्य बढ़ता है। अपराधियों एवं तस्करों की गतिविधियों में वृद्धि होती है। धन-धान्य से समृद्धि व्याप्त रहती है। गुड, शक्कर, रसादि पदार्थो में कम उपज के कारण तेजी आती है।

सस्येश 'मंगल' का फल

अथ च सस्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि।
भवति रोगहतिश्च धना जल ददति नैव तुषान्नविनाशनम्।

मंगल के सस्येश होने से ग्रीष्म ऋतु के धान्य जैसे कि जौ, गेहू, आदि की उपज कम होती है।अतिवृष्टि एवं अनावृष्टि से खडी फसलों को नुकसान होता है। दुग्ध उत्पादन में मवेशियों के रोगो के कारण कमी होती है। यातायात के साधनों में अग्निकाण्ड एवं दुर्घटनाओं के कारण जन-धन का नाश होता है।

धान्येश 'चन्द्र' का फल

चन्द्रे धान्यधिपे जाते तोयपूर्णा वसुन्धरा।
वर्धन्ते सर्वसस्यानि राजते विविधोत्सवै:।।

चन्द्र के धान्येश होने से शीत ऋतु के धान्य जैसे मूंग, मोठ, बाजरा, सरसों आदि में अच्छी उपज होती है। धरती पर वर्षा अच्छी होती है। और जनता में उत्साह रहता है।

मेघेश 'शनि' का फल

रविसुते जलदाधिपतौ भवेद् विरलवृष्टिवती वसुधा तदा।
मनसि तापकरो नृपति: सदा विविधरोगयुता जनता तदा।

शनि के मेधेश होने पर खण्डवृष्टि होती है। सरकार की नीतियों के कारण एवं रोग भय के कारण जनता के मन में क्षोभ पैदा होता है।

रसेश 'गुरू' का फल

यध्द गुरौ रसपे सुखिनो जनाः समधिकेन फलादियुता द्रुमाः।

जनपदा जन नायक सैनिकाहवध्या युधवाह विगाहिताः।।

जनता में सुख समृद्धि रहें एवं कमल, तृणदि रसकस की फसले अच्छी रहें। जनपदों में बुद्धिमान वर्ग एवं समाज को यश प्राप्त हो। शासक वर्ग यातायात एवं पशुधन में निवेश कर जनप्रिय योजनाओं का गठन करते है।

नीरसेश 'मंगल' का फल

नीरसेशो यदा भौमः प्रवाला रक्तवाससः।

रक्तचन्दनताम्रदेरर्घवृद्धिर्दिने दिने।।

मंगल के नीरसेश होन पर सोना, पीतल, तांबा, लाल चन्दन, मूंगा आदि रत्न, लाल रंग की वस्तुएं महंगी होती है।

फलेश 'शनि' का फल

अथ शनौ फलपे कलहो भवेत् वनजपादपपुष्पगणो घनः।

अपि च दुष्टजनादिकृतं भयं जनपदा जनराशिसमाकुलाः।।

शनि के फलेश होने से फल देने वाले वृक्षों की हानि होती है। फलदार वृक्षों के पुष्प अंकुरित होने के बाद नष्ट हो जाते है। हिमपात के कारण फसलों की हानि से जनता परेशान होती है।

धनेश 'मंगल' का फल

धरणिजे धननायकतां गते शरदि ताम्रकरास्तुषधान्यहा।

सकल देश्यजनाश्चलितास्तदा नरपतिर्नरशोकविधायकः।।

मंगल के धनेश होने से भूसे से पैदा होने वालो अनाजों में कम पैदावार होने के कारण तेजी आती है। वर्षा में कमी एवं तेज धूप के कारण जनता त्रस्त होती है। व्यापार में अस्थिरता एवं शासन के जन विरोधी निर्णय अस्थिरता का वातावरण बनाते है।

दुर्गेश 'शनि' का फल

रविसुतो यदि दुर्गपतिर्भवेत् सकलदेशजनाश्चलितास्तदा।

विविधवैरविशेषितनागराः कृषिधनं लभते न जनः क्वचित।।

शनि के दुर्गेश होन पर युद्धादि भय से अशान्त वातावरण बनता है। जनता को युद्ध के कारण पलायन करना पड़ता है। टिड्डी, चूहों अदि से फसालों की हानि होती है।

नवमेधो मे 'पुष्कर' मेध का फल-नाना प्रकार के रोगो से जनता परेशान हो और वर्षा की कमी से दुर्भिक्ष होवे।

चतुर्मेधो मे 'द्रोण' मेघ का फल- जनता धन-धान्य से परिपूर्ण रहें। पर्याप्त वर्षा होवे।

द्वादशनागो में वज्रदंष्ट्र का फल- अनाज, धान्यों में तेजी रहें और फसलों को क्षति हो। वर्षा की कमी रहे।

अष्टनागों में अनंत नाग का फल- कुछ क्षेत्रों में सुवृष्टि, कहीं बाढ़ से हानि हो। जलबहुल चावल आदि की उपज पर्याप्त होवे।

वायु सप्तक में संवह वायु का फल- वर्षा उचित मात्रा में हों। कृषि उपज पर्याप्त हो, जनता उल्लासित रहे।

रोहिणी का वास 'तट' पर और समय का वास रजक के घर पर-वर्षा उत्तम मात्रा में होने से चावल, चना, गेंहू, गन्ना, फल, फूलों आदि की पैदावार अच्छी होती है। जलाशयों मे जल का स्तर प्रचुर मात्रा में रहता है।

समय का वाहन महिष- ऋतु से प्रतिकूल वर्षा एवं भूस्खलन के कारण फसलों का नाश होता है। तेल, पेट्रोल, डीजल आदि के भाव में तेजी रहती है। राजनीतिज्ञों के लिए यह वर्ष विशेष कष्टप्रद एवं राजनैतिक अस्थिरता वाला है।

वर्षादि के विश्वामान

वर्षा 17, धान्य 8, तृण 13, शीत 7, तेज 17, वायु 13, वृद्धि 15, क्षय 15, विग्रह 11, क्षुधा 5, तृषा 13, निद्रा 13, आलस्य 7, उद्यम 13, शांति 15, क्रोध 13, दम्भ 5, लोभ 3, मैथुन 15, रस 9, फल 13, फलनिष्पति 13, उत्साह 3, उग्रता 7, ताप 7, पुण्य 13, व्याधि 13, व्याधिनाश 11, आचार 11, अनाचार 17, मृत्यु 15, जन्म 7, देशोपद्रव 13, देशस्वास्थ्य 1, चोरभय 7, चोरनाश 17, अग्नि 15, अग्निशांत 1, उद्भिज 9, जरायुज 3, अण्डज 11, स्वैदज 5, टिड्डी 15, तोता 15, मूषक 9, सोना 9, ताम्र 11, स्वचक्र 13, परचक्र 19, वृष्टि 7, वृष्टिनाश 15, संवत् विश्वा 13,

वर्ष स्तम्भ चतुष्टय विचार

जल स्तम्भ - चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र का योग 67.98 प्रतिशत होने जल स्तम्भ बलवान है। मध्यम एवं सुसमय वर्षा से कृषि एवं पेयजल आपूर्ति की स्थिति सामान्य रहें।

तृण स्तम्भ - वैशाख शुक्ल प्रतिपदा को भरणी नक्षत्र का योग 51.21 प्रतिशत होने से तृण स्तम्भ सामान्य बना रहेगा। साधनों एवं पशुचारे की स्थिति सामान्य बनी रहेगी। गेहूं, चावल अदि भूसे से उत्पन्न होने वाले अनाजों के भाव गत संवत् के जैसे ही बने रहेंगे।

वायु स्तम्भ - ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा को मृगशिर नक्षत्र का योग 61.85 प्रतिशत होने से वायु स्तम्भ भी मध्यमाधिक बली है। मानसून की वर्षा के सामान्य रहने के योग है।

अन्न स्तम्भ - आषाढ शुक्ल की प्रतिपदा को पुर्नवसु नक्षत्र का योग 72.63 प्रतिशत होने से अन्न स्तम्भ बलवान है। सकल घरेलु उत्पादन एवं कृषि उत्पादन में स्थिति आंशिक सुधार के साथ प्रगति करती दिखाई देगी।

आर्षमान चतुष्टय विचार

राष्ट्र रक्षा के चार स्तम्भ-

प्रथम आर्ष - वैशाख शुक्ल तृतीया को रोहिणी नक्षत्र का योग 68.58 प्रतिशत होने से प्रथम आर्ष मध्यमाधिक बली है। इस वर्ष 'शासक वर्ग' प्राकृतिक प्रकोप जैसे भूकम्प, बाढ, आदि से जन-धन को नुकसान से बचाने के लिए तत्पर दिखाई देगें। नव नीतियों के निर्माण से 'NDRF' जैसे संस्थानों का आधुनिकरण होगा।

द्वितीय आर्ष- गत सम्वत् की पौष अमावस्या को मूल नक्षत्र का मान 31.34 प्रतिशत है। यह आर्ष इस वर्ष दुर्बल है। भारत की सीमाओं पर और संस्थानों परं आतंक -वादियों के आक्रमण की आशंका रहेगी।

तृतीय आर्ष- श्रावण पूर्णिमा को श्रावण नक्षत्र का मान 62.04 प्रतिशत है। गत वर्ष इस आर्ष के अभाव के कारण 'सैन्य सशक्तिकरण' के वह प्रयास जो रूक गये थे इस संवत् में गति पकड़ना आरम्भ कर देंगे।सैन्य बलों के लिए नवीन अस्त्र-शस्त्र उपलब्ध करवाए जा सकते है।

चतुर्थ आर्ष - कार्तिक पूर्णिमा को कृत्तिका नक्षत्र का मान शून्य होने से इस आर्ष का निर्माण इस संवत् में नहीं हो रहा है। इस वर्ष आतंकवादी गतिविधियों एवं आतंक का समर्थन देने वाले शत्रु राष्ट्रों का उत्पात अत्याधिक बढ़ सकता है। खतरा अत्यन्त गंभीर प्रतीत हो रहा है।

गुरूचार

गुरू का वृश्चिक राशि में संक्रमण फल-

सम्बत् आरम्भ से 23 अप्रैल 2019 ई. तक गुरू मार्गी/वक्री गति से धनु में रहेगा 23 अप्रैल 2019 ई. को 1 घ. 11 मि.पर वक्री गुरू वृश्चि. राशि में प्रवेश करेगा। गुरू के वृश्चिक राशि में संक्रमण के काल में दुर्भिक्ष एवं अल्वृष्टि होती है। सोना, चांदी आदि धातुओं में मंहगाई आती है। तेल, गुड, शक्कर, रसकस आदि में भी मंहगाई आती है।

मेष- जातक को धन-नाश होता है। खर्चे बढ़ने से तनाव होता है।

वृष- जातक को कार्य-स्थल एंव समाज में यश एवं मान सम्मान प्राप्त हो।

मिथनु-जातक को शारीरिक पीडा से तनाव एवं चिंता मिले।

कर्क- जातक को परिवार एवं समाज में यश से आनंद प्राप्त हो।

सिंह- जातक को आय साधनों में तनाव एवं धन नाश से तनाव हो।

कन्या- जातक को रोग एवं स्वास्थ्य संकट की पीडा हो।

तुला-जातक को धन लाभ एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हो।

वृश्चिक- जातक को भय एवं तनाव से मानसीक पीड़ा मिले।

धनु- जातक को धन हानि एवं अपशय से तनाव हो।

मकर- जातक को आय साधनों में सुधार एवं धन की प्राप्ति हो।

कुम्भ- जातक को धन की हानि हो।शासन भय एवं व्यापार में चिंता हो।

मीन- प्रतिष्ठा की वृद्धि, सुख क्रय-विक्रय में संतुष्टि आदि प्राप्त हो।

धनु राशि में गुरू संक्रमण का द्वादश राशि फल-

5 नवम्बर 2019 ई. को 5घ. 17 मि. पर मार्गी गुरू पुनः धनु राशि में प्रवेश करेगा और वर्षान्त तक वहीं रहेगा।

मेष- प्रतिष्ठा में वृद्धि, सुख प्राप्त हो एंव धैर्य की वृद्धि होती है।

वृष - धन का अपव्यय एंव परिवार में कलह से मन में तनाव उत्पन्न हो।

मिथुन - सन्तान सुख, धन-विद्या एव वाहन सुख प्राप्त हो।

कर्क- रोग से पीड़ा प्राप्त हो सकती है। छाती एवं उदर भाग को कष्ट हो।

सिंह - मित्रों एवं परिवार से यश एवं सुख प्राप्त हो।

कन्या- जातक को अपव्यय के कारण धन की हानि होती है, विवाहीक जीवन में तनाव आता है।

तुला - शरीर में दुर्बलता एवं शक्ति विहीनता बढ सकती है।

वृश्चिक - मित्रों एवं सरकार से धन लाभ होने की सम्भावना।

धनु - राज्य पक्ष एवं निकट सम्बन्धियों से धन नाश एवं भय प्राप्त होता है।

मकर - जातक के व्यापार में सावधानी दिखानी होगी। धननाश के कारण तनाव उत्पन्न हो सकता है।

कुम्भ - जातक को सरकार एवं कार्य क्षेत्र में उच्चपदाधिकारियों से सम्मान एवं यश प्राप्त होता है।

मीन - जातक को सोच समझ कर ही निवेश करना चाहिए धन नाश एवं अपशय की संभावना है।

शनिचार

शनि का धनु राशि में संक्रमण फल-

संवत् आरम्भ से 24 जनवरी 2020 ई. तक **शनि** धनु राशि में संक्रमण करेगा।

सप्तद्वीपाः समुद्राः सकलमुनिवनं वायुपूर्णा धरित्री।
विप्रावेदांलीना जगति जनसुखं सर्वतो याति सम्यम्॥
धान्यं चारूप्रभूतं रसकसवहुलं याति धान्यं प्रसारं।
स्वेंषां वा जनानां प्रहेसति वदनं सूर्यपुत्रे धनस्थे॥

धनु राशि में शनि के संक्रमण का द्वादश राशिफल-

मेष- शनि रजत पाद में है। है। जातक को धन संकट और बुद्धिनाश का अनुभव होता है। जातक की मति दुष्ट तथा सरकार से भय होता है।

वृष- शनि लौह पाद में है। जातकों पर शनि की ढैया का प्रभाव रहेगा। जातक को रोग पीड़ा, महाव्याधि तथा द्रव्य की हानि संभव है।

मिथुन- शनि ताम्र पाद में है। जातक को यात्रा एवं शत्रु से भय एवं जातक के पति/पत्नी का कष्ट होता है।

कर्क- शनि स्वर्ण पाद में है। जातकों को यश तथा मान हानि की प्राप्ति होती है। सरकार एवं प्रतिष्ठित मनुष्यों से सम्मान मिलता है। पराक्रम की वृद्धि होती है।

सिंह- शनि रजत पाद में है। जातकों के निकट सम्बन्धियों एवं मित्रों को पीड़ा होती है, तथा धन का नाश होता है।

कन्या- शनि लौह पाद में है। जातकों पर शनि की ढैया का प्रभाव रहेगा। जातकों को यात्रा एवं पिता के धन का नाश होता है। स्त्री एवं माता पक्ष से पीड़ा होती है।

तुला- शनि ताम्र पाद में है। जातकों को मन में व्याकुलता अनुभव होती है। धन लाभ एवं कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बनते है।

वृश्चिक- शनि रजत पाद में है। वृश्चिक राशि वाले जातक शनि की साढ़े साती पैरों से प्रभाव में रहते है। जातकों को मुख एवं नेत्रों में रोग व पीड़ा व परिवारजनों की चिंता से व्याकुलता रहती है।

धनु- शनि स्वर्ण पाद में है। धनु राशि के जातकों पर शनि की साढ़े साती का प्रभाव हृदय में रहेगा। जातकों को वात-पित्त-कफ से पीड़ा होती है। मित्रों में कलह चिंता का कारण होती है।

मकर- शनि लौह पाद में है। मकर राशि वाले जातकों पर चड़ती साढे साती का प्रभाव रहेगा। नेत्र, छाती एवं पैरों में पीडा का अनुभव तथा धन के नाश की संभावना है।

कुंभ- शनि स्वर्ण पाद में है। जातकों को नाना प्रकार से सुख प्राप्त होते है। शौर्य एवं धैर्य बढ़ता है। कीर्ति एवं यश में भी बढ़ौतरी होती है।

मीन- शनि ताम्र पाद में है। जातकों को व्यापार में सावधानी दिखानी चाहिए। धन नाश के योग बनते है। उच्चाधिकारियों से चिंता एवं भय होता है।

शनि का स्वराशि मकर में भ्रमण

दिनांक 24 जनवरी सन् 2020 ई. को प्रात: 09:26 घ.मि. पर मकरस्थ चन्द्रमा के समय शनि अपना मकर संक्रमण आरम्भ कर देगा। शनि का मकर एवं कुंभ संक्रमण मेदीनीय ज्योतिष की एक बडी घटना समझा जाता है। शनि लगभग 30 वर्ष में राशि चक्र का एक भ्रमण पुरा करता है। इससे पहले शनि ने दिनांक 15 दिसम्बर 1990 को अपना मकर संक्रमण आरम्भ किया था।

ध्यान दें- की मकर शनि की स्वराशि है। और गुरू की नीच राशि एवं मंगल की उच्च राशि है। मकर राशि के शनि में सोना, चांदी, तांबा, यातायात के साधन, सूत, कपास आदि में भारी तेजी आती है। फसलों का उत्पादन न्यून रहता है। अनाजों में तेजी

आती है। रोग एवं युद्ध के कारण प्रजा का विनाश होता है तथा जनता में 'भयानक युद्ध भय' रहता है। समुचा विश्व अस्थिरता एवं अशान्ति को प्राप्त करता है।

मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बुन्देलखण्ड के जन-जातीय लोगों को पीड़ा होती है।

रूस, चीन, सीरिया एवं मध्य पूर्व एशिया के कुछ राष्ट्रों में किसी अति विशेष घटनाक्रम के कारण राजनैतिक परिवर्तन प्रत्यक्ष होते है। जिसके परिणामस्वरूप आने वाले कुछ दशकों तक विश्व राजनीति, अर्थव्यवस्था एवं कूटनीति अपनी दिशा बदल कर अपनी नवीन अर्न्तराष्ट्रीय समीकरणों जन्म देती है। युद्ध भय व्याप्त रहता है। एवं अभूतपूर्व रक्तपात की संभावना दृष्टिगोचर होती है। विश्व राजनीति अराजकता, अस्थिरता, छल एवं षड्यन्त्र के मायाजाल में डूब जाती है। प्रभाव दो से तीन वर्षो तक विद्यमान रहते है।

शनि का मकर राशि में द्वादश राशिफल

मेष- शनि ताम्र पाद में है। आय-व्यय में तालमेल बनाना कठिन रहेगा।

वृष- शनि रजत पाद में है। व्यापार में हानि के योग बनते है।

मिथुन- शनि लौह पाद में है। रोग, पीड़ा, मानसिक तनाव से दिशा भ्रम होता है।

कर्क- शनि ताम्र पाद में है। वैवाहिक जीवन में तनाव एवं क्रोध के कारण मन अशांत रहता है।

सिंह- शनि स्वर्ण पाद में है। शत्रु पक्ष एवं शरीरिक पीड़ा से मन व्याकुल होता है।

कन्या- शनि रजत पाद में है। पारिवारिक तनाव एवं चिंता से विपरीत परिस्थि--तियां प्रत्यक्ष होती है।

तुला- शनि लौह पाद में है। व्यय में एकाएक बढ़ौतरी से तनाव होता है।

व्यवसाय होती है।

में हानि होती है।

वृश्चिक- शनि ताम्र पाद में है। अचल संपत्ति में निवेश से शुभ फला प्राप्त होते है।

धनु- शनि रजत पाद में है। भूमि एवं वाहन सुख प्राप्त होता है। रोग पीड़ा से मुक्ति मिलती है।

मकर- शनि स्वर्ण पाद में है। स्वास्थ्य पीड़ा से तनाव होता है। मन में अशांति एवं तनाव रहता है। मानसिक अकेलापन अनुभव होता है।

कुम्भ- शनि लौह पाद में है। रोग पीड़ा से व्यय में बढ़ौतरी होती है।

मीन- शनि स्वर्ण पाद में है। धन लाभ एवं पदोन्नति के योग बनते है।

शनि की साढ़ेसाती दशा विचार

धनु- पांव पर उतरती हुई अर्थात् अन्त होती हुई।

मकर- हृदय पर अर्थात् मध्य अवस्था की।

कुम्भ - सिर पर चढ़ती हुई अर्थात् प्रारम्भ होती हुई।

शनि की ढैय्या दशा विचार

मेष व सिंह राशि को मकररस्थ शनि की ढैय्या का अशुभ प्रभाव है।

विशेष ध्यान दे:- आज के युग में 'शनि' की साढ़ेसाती एवं ढैय्या के विषय में अनेक भ्रम प्रकट हुए है। जनसाधारण अपनी चन्द्र राशि के अनुसार शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या से सम्पूर्ण शुभ-अशुभ फल समझ लेते है। यह एक भ्रम है और जातक एवं मेदिनी ज्योतिष के सिद्धातों के विरूद्ध है।

शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या के विचार के लिए किसी भी जातक की कुण्डली का सम्पूर्ण विश्लेषण करना आवश्यक होता है। शनि का शुभ-अशुभ प्रभाव जातक की कुण्डली के लग्न के साथ भिन्न-भिन्न होता है। उदाहरण- यदि किसी जातक की कुण्डली में शनि नवम् और दशम अधिपति होकर स्व अथवा मित्र क्षेत्र अथवा अपनी उच्चराशि में स्थित हो तब किसी भी गोचर (राशिचार)की परिस्थिति में शनि उक्त जातक को ढैय्या अथवा साढ़ेसाती के अशुभ फल नहीं दे सकता। केवल शुभ फलों का प्रभाव अल्पकाल के लिए कुछ कम हो जाता है परन्तु रहता शुभ ही है।

कृपया साढ़ेसाती एवं ढैय्या एवं शनि के राशि संचार का द्वादश राशिफल पढ़ कर भयभीत न हो। पूर्ण जन्मपत्री का विशलेषण किसी 'ज्योतिष' के विद्वान दैवज्ञ से करवाए।

पंचांग के इस स्तम्भ में दिया गया द्वादश राशिफल एवं साढ़ेसाती और ढैय्या जातक के जीवन को उक्त काल-अवधि में मात्र 10 से15 प्रतिशत ही प्रभावित करता है। ८० से ८५ प्रतिशत प्रभाव हर परिस्थिति में लग्न एवं नवांश कुण्डली के अन्य योगा योग और दशा-अन्तर्दशा के अनुसार ही प्राप्त होता है। यही नियम 'गुरूचार', 'राहुचाार' और 'केतुचार' में भी लागू होता है।

साढ़ेसाती में शनि का अनिष्ट फल प्रत्येक राशि के लिए इस प्रकार है:-

मेष राशि के व्यक्तियों को मध्य के अढाई वर्ष अशुभ, वृष को प्रथम अढाई वर्ष, मिथुन को अन्त के अढ़ाई वर्ष, कर्क को मध्य के अढाई वर्ष अशुभ है। सिंह को पहले पांच वर्ष, उसमें भी मध्य के अढाई वर्ष विशेष अशुभ है। कन्या के प्रथम पांच वर्ष, उसमें भी बीच के अढाई वर्ष विशेष अशुभ और तुला को अन्त के अढाई वर्ष विशेष अनिष्टकारक है। वृश्चिक को अन्तिम पांच वर्ष अशुभ उसमें भी बीच के अढाई विशेष अनिष्ट है।धनु को आरम्भ के अढाई वर्ष, मकर को प्रथम पांच वर्ष, उसमें भी पहले के अढाई वर्ष विशेष अशुभ है। कुम्भ को आरम्भ और अन्त के पांच वर्ष, उस कालावधि के अन्त में अढाई वर्ष अधिक अनिष्ट है। मीन को पूरे साढ़े सात वर्ष, उसमें भी अंतिम अढाई वर्ष विशेष अशुभ फलदायक होते है।

जिनकी कुण्डली में शनि शुभ फलप्रद हो तथा दशान्तर्दशा भी शुभ चल रही हो, उनके लिए शनि का अशुभ फल कम होगा। जन्मकुण्डली में चन्द्र शनि अशुभ ग्रहों से युक्त अशुभ स्थानों में हो, तो साढ़ेसाती और ढैय्या चिंता, पीडा, धन-हानि, कार्य में विघ्न, रोजगार में कमी, कलह, पशु पीडा, धन खर्चा एवं हानि आदि अनिष्ट फलप्रद होती है।

शनि के अनिष्ट फल निवारणार्थ तैल-छायापत्र का दान, शनि मंत्र का जप, दशांश हवन व श्रीहनुमानजी की पूजा, अभिषेक, तैलयुक्त सिन्दूर समर्पण कर भक्तिपूर्वक शनिवार का व्रत, सप्तधान्य दान, प्रात: शनिवार को पीपल का पूजन करने से शनि का अनिष्ट फल निवृत्त होता है। साढेसाती, ढैय्या का विचार जन्मकालीन स्पष्ट चन्द्रमा के अंशों से करना चाहिए। केवल राशि की साढ़ेसाती का विचार स्थूल है।

महर्षि पिप्पलाद के बतलाये हुए शनि के दशनाम स्तोत्र का स्नानादि के बाद नित्य प्रात: काल पाठ करने से शनि का साढ़ेसाती और ढैय्या की पीड़ा नष्ट हो जाती है। अनुभूत है शनि पीड़ा निवारण का अत्यन्त सरल अचूक उपाय है। पिप्पलाद उवाच-

नमस्ते कोणसंस्थाय पिंगलाय नमोऽस्तुते। नमस्ते बभ्रुरूपाय कृष्णाय नमोऽस्तु ते।।
नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चांतकाय च। नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो।।
नमस्ते मन्दसंज्ञाय शनैश्चर नमोऽतुते। प्रसादं कुरू देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।।

शनि की दृष्टि- मकर राशि में शनि के प्रवेश एवं संचार काल में इसकी दृष्टि उत्तर दिशा पर रहेगी।वृश्चिकगत शनि की दृष्टि पश्चिम दिशा पर रहेगी।

राहुचार

दिनांक 7 मार्च 2019 ई. से संवत् अंत तक राहु मिथुन राशि में संक्रमण करेगा। ध्यान दे की यह राहु का अपनी उच्च राशि में संचार काल है। दिसम्बर 2019 ई. के तीसरे सप्ताह में राहु अपने परम उच्च अंश प्राप्त करेगा। दिनांक 12 सितम्बर 2019 ई. को 00:44 पर राहु आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करेगा और संवत् के अन्त तक आर्द्रा में ही संक्रमण करता रहेगा।

राहु का मिथुन राशि में संक्रमण का द्वादश राशिफल

मेष- यात्रा एवं मित्र गणों के सहयोग से धन लाभ
वृष- रोग पीडा एवं व्यय के कारण तनाव।
मिथुन- व्यय एवं पारिवारिक जीवन में कलह से चिंता।
कर्क- मानसिक चिंता एवं तनाव और अपयश।
सिंह- व्यवसाय एवं निवेश से धन लाभ और वाहन सुख।
कन्या- राजभय और शत्रु पक्ष के कारण चिंता।
तुला- पारिवारिक कलह किन्तु कार्यक्षेत्र में धन लाभ।
वृश्चिक- शत्रु पक्ष के कारण अपयश एवं धन प्राप्ति।
धनु- आय-व्यय का संतुलन बिगड़ने से पारिवारिक जीवन में तनाव।
मकर- राजभय एवं शत्रु पक्ष से हानि।
कुम्भ- धनलाभ एवं परिवार और मित्रगणों से सहयोग।
मीन- निवेश एवं व्यापार के कारण धननाश।

केतुचार

दिनांक 7 मार्च 2019 को केतु 7:15 घ.मि. पर केतु अपनी उच्च राशि धनु में संचार आरंभ करेगा।

धनु राशि में केतु के संचार का द्वादश राशिफल

मेष- दुर्घटना अथवा चोट से शरीर में पीडा।
वृष- परिवार एवं भाई-बहनों के साथ कलह से तनाव।
मिथुन- शत्रु पक्ष से चिंता एवं तनाव।
कर्क- पदोन्नति एवं यश प्राप्त हो।
सिंह- व्यय अधिक एवं तनाव
कन्या- पारिवारिक कलह एवं तनाव।
तुला- धन लाभ एवं सम्मान प्राप्त होता है।
वृश्चिक- व्यय पर नियन्त्रण पाना कठिन ज्ञात होता है।
धनु- रोग पीडा से कार्यक्षेत्र में हानि।
मकर- शत्रु पक्ष एवं राजतंत्र (सरकार) से भय एवं तनाव।
कुम्भ- भूमि और वाहनक्रय से सुख प्राप्त हो।
मीन- मानसिक स्थिति में शुभ परिवर्तन एवं मन में शान्ति का अनुभव हो।

राहुकाल

भारत के दक्षिणी प्रदेशों में इस काल की विशेष मान्यता है। यहां के लोग इस काल में कोई भी शुभ कार्य नहीं करते है। विशेषकर नवीन कार्यारम्भ के समय इस काल को टाल देना उचित मानते है। तथा राहु काल का विशेष विचार करते है। यह काल प्रत्येक स्थान के स्थानीय समयानुसार प्रत्येक वार के लिए क्रमशः निम्नलिखित है।

वार तथा समयादि	घ.मि.	से	घ.मि. तक
सोमवार को स्थानीय समयानुसार	7:30	से	9:00 तक
मंगलवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न	15:00	से	16:30 तक
बुधवार को स्थानीय समयानुसार मध्याह्न	12:00	से	13:30 तक
गुरूवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न	13:30	से	15:00 तक
शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार प्रातः	10:30	से	12:00 तक
शनिवार को स्थानीय समयानुसार प्रातः	9:00	से	10:30 तक
रविवार को स्थानीय समयानुसार सांय	16:30	से	18:30 तक

जगत लग्न

दिनांक 14 अप्रैल 2019 ई. को 14:09 घ. मि. चैत्र शुक्ल नवमी को श्रवण नक्षत्र के समय 'सूर्य' अपनी उच्च राशि मेष में संक्रमण करेगा। लग्न सिंह राशि में उदित है। उच्च सूर्य ही लग्नेश होकर नवम भाव में स्थित है। सूर्य का मेष संक्रमण आरम्भ होने के बाद राजनेताओं का परस्पर वैमनस्य एवं टकराव कम होता प्रतीत होगा। नवीन राजनैतिक समीकरण सामने आएगे। द्वितीयेश-एकादशेश बुध नीच राशिगत अष्टम भाव में स्थित है। व्यापारिक ग्रह का नीच राशिगत होकर किसी भी पद का संवत् में प्राप्त न करना 'अंन्तर्राष्ट्रीय व्यापार' के लिए अशुभ संकेत दे रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में गिरावट एवं परस्पर वैमनस्य के कारण अल्पकालीन मंदी से विश्व अर्थव्यवस्था त्रस्त होती प्रतीत हो रहीं है। भारत के दक्षिण पश्चिम के गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि में 'पाचन-तंत्र' एवं दूषित जल से सम्बन्धित महामारी से जन-धन की हानि होगी।
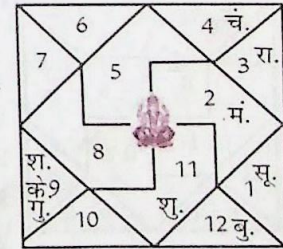
तृतीयेश 'शुक्र' का कुंभ राशि में होकर लग्न पर दृष्टिपात करना संकेत देता है कि केन्द्र राजनीति में महिलाओं का विशेष स्थान रहेगा। महिला राजनेता सत्ता को परोक्ष रूप से नियन्त्रित करेगी।

भारत सरकार इस वर्ष 'नारी कल्याण' एवं 'महिला सुरक्षा' के लिए विशेष कदम उठाएगी।

चतुर्थ एवं नवम अधिपति मंगल सप्तमेश शनि के साथ षड़ाष्टक योग का निर्माण कर रहा है।

इस वर्ष 'ग्रीष्म ऋतु' में भूसे से उत्पन्न होने वाले धान्य जैसे- गेंहू, जौं, चावल आदि की उपज में भारी गिरावट आ सकती है।

भारत की सीमा पर चले आ रहें तनाव एवं 'अघोषित युद्ध' की स्थिति में कोई शान्तिवर्धक बदलाव नहीं आएगा। स्थिति का और अशांत हो जाना ग्रह चाल

इंगित कर रही है। 22 जून 2019 से 09 अगस्त 2019 तक सीमाओं पर अत्यंत तनाव रहेगा। भारत की आंतरिक राजनीति में भी गर्मा-गर्मी बनी रहेगी।

इस अवधि में फसलों को विशेष हानि हो सकती है। गुरू का पंचम भाव में स्थित होकर नवम भाव में दृष्टिपात करना संकेत देता है कि इस वर्ष यातायात के आधुनिकरण के लिए विशेष नीतियां बनाई जाएगी। यातायात एवं परिवहन के क्षेत्र में भारत अभूतपूर्व विकास करता प्रतीत हो रहा है।

धार्मिक एवं आध्यात्मिक जगत के नेताओं एवं तथाकथित गुरूओं की 2019 ई. में लोकसभा चुनाव में रूचि, समाज में एक बड़े 'वोट-बैंक' को एक पार्टी विशेष के प्रति आक्रोशित करेगी। इन तथाकथित स्वयं द्वारा प्रमाणित धर्म गुरूओं की राजनीति में रूचि चकित कर देने वाली रहेगी।

मंगल और गुरू की लग्न पर दृष्टि इंगित करती है कि 'भाजपा' एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को सरकार पुनः स्थापित करने के लिए नवीन समीकरण बनाने होंगे। NDA को नुक्सान होना स्वाभावकि लग रहा है किन्तु भाजपा अपना वर्चस्व बना पाएगी। मोदी सरकार को NDA से अलग राजनेताओ का समर्थन ही सरकार बनाने में सहायता कर सकता है।

सप्तम भाव अधिपति शनि षष्ठेश भी है। शनि की राहु पर दृष्टि प्रकट करती है कि इस वर्ष भारत में 'युद्ध-भय' व्याप्त रहेगा। उत्तर एवं उत्तर-पश्चिम सीमाओं पर युद्ध-अग्नि के कारण जन-पलायन हो सकता है। केन्द्र सरकार एवं न्याय -पालिका का टकराव भारत में संवैधानिक संकट उत्पन्न कर सकता है। धर्म से सम्बन्धित किसी भी विषय पर सरकार एवं न्यायपालिका का टकराव संभव है।

चन्द्रमा का द्वादश भाव में अधिपति होकर स्थित होना किसी महामारी के प्रकोप का संकेत कर रहा है। पेयजल के संक्रमण से सम्बन्धित किसी व्यापक रोग से जनता को गंभीर पीड़ा हो सकती है।

आर्द्रा प्रवेश लग्न

दिनांक 22 जून 2019 ई को 17:18 घं. मि. पर सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। सूर्य के आर्द्रा नक्षत्र में संक्रमण के समय वृश्चिक लग्न उदित है। मंगल लग्नेश होकर नीच राशिगत है। लग्न के पंचम भाव के अधिपति गुरू पर सप्तमेश शुक्र की दृष्टि पड़ रहीं है। शनि मंगल षडाष्टक योग का निर्माण कर रहें है। लग्न एवं लग्नेश दोनों ही जलीय (जल तत्व) राशि में है। जुलाई एवं अगस्त 2019 ई. में मंगल और सूर्य की परस्पर स्थिति के कारण वर्षा में देरी एवं अभाव के संकेत मिल रहें है। सन् 2019 की मानसून (वर्षा ऋतु) में सितम्बर 2019 ई. में अधिक वर्षा का योग बनेगा। जुलाई एवं अगस्त में अतिवृष्टि एवं खण्डवृष्टि के कारण मानसून की वर्षा जनता को त्रस्त करेगी। इस वर्ष मानसून के उत्तर भारत में पहुंच कर पूर्ण भारत में छा जाने में 8-10 दिन देरी का अनुमान है।25-26 जुलाई तक ही मानसून उत्तर-पश्चिम राजस्थान, जम्मू एवं पंजाब तक पहुंच जायेगी।गुजरात एवं राजस्थान में सामान्य से कम वर्षा के योग है। महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल में अतिवर्षा से जलप्लावन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। असाम एवं बिहार में 15 जुलाई से 10 अगस्त के मध्य बाढ़ की प्रबल आशंका है। उत्तर-भारत के हिमाचल, उत्तराखण्ड एवं काश्मीर में अपर्याप्त वर्षा का योग है।

शारदीय सस्य

दिनांक 15 मई 2019 ई. को सूर्य वृष राशि में 11:01 घ.मि. पर प्रवेश करेगा। सूर्य को लग्न मानकर बनाई गई तात्कालिक कुण्डली यहां दी गई है। सूर्य पर गुरू की दृष्टि संकेत देती है सूर्य से कोई भी पाप ग्रह केन्द्र में नहीं स्थित है। सूर्य से बारहवें बुध, शुक्र से युक्त है। यह श्रेष्ठ अन्न निष्पति का द्योतक है। सूर्य से आठवे में स्थान में क्रूर ग्रह शनि और केतु स्थित है। उक्त स्थिति के कारण बाजरा, ज्वार, चावल, मोंठ, मूंग, तिल आदि शारदीय अन्नों में अच्छे उत्पादन के बाद भी भाव तेजी के रहेंगे।
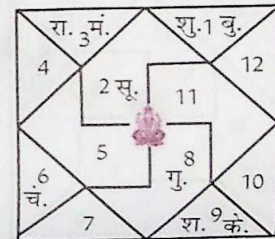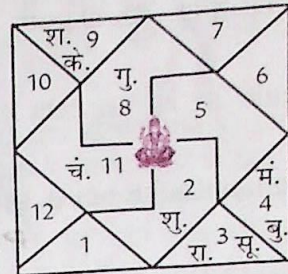
ग्रीष्मसस्य

दिनांक 17 नवम्बर 2019 ई. को मिथुन चंद्र के समय 'सूर्य' वृश्चिक राशि में 00:51 घ.मि. पर प्रवेश करेगा। सूर्य को लग्न मानकर बनाई गई तत्कालिक कुण्डली यहां दी गई है। सूर्य से दूसरे और बारहवें में शुभ और अशुभ दोनों ही प्रकार के ग्रह स्थित है। सूर्य से अष्टम भाव में राहु के साथ चन्द्रमां स्थित है। राहु और चन्द्र, शनि से दृष्ट है संकेत मिल रहें है कि ग्रीष्मसस्य की खड़ी फसलों का खेतो में नाश हो जाएगा। प्रथम उत्पन्न हुए अन्नों की पैदावार अच्छी रहेगी परन्तु पीछे अथवा देर से बोये हुए अन्नों का नाश हो सकता है। ग्रीष्मसस्यों का उत्पादन साधारण से बहुत कम रहेगा।
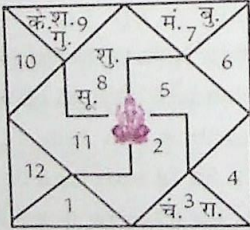
सरकार को अन्न भण्डार खोलने पर अथवा अन्नों का भारी मात्रा में आयात करने पर विवंश होना पड़ सकता है। शरद् ऋतु के अन्नों में भारी तेजी बनी रहेगी।

आय-व्यय को दखने की विधि

आय-व्यय के दोनों अंको को जोड़कर एक घटावें और आठ का भाग देकर यदि 1,2,6,7 शेष रहें, तो उस वर्ष में अच्छा लाभ होगा। और यदि 3,4,5,0 शेष रहे तो लाभ कम खर्च अधिक रहेगा तथा अनेक प्रकार की चिंताएं उपस्थित होगी।

अष्टोत्तरी मत से आय-व्यय चक्र

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
आय	14	8	11	5	8	11	8	14	2	5	5	2
व्यय	14	8	5	5	14	5	8	14	8	2	2	8

विशोत्तरी मत से आय-व्यय चक्र

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन
आय	8	2	8	2	5	8	2	8	5	14	14	5
व्यय	5	14	11	8	5	11	14	5	11	11	11	11

हिजरी सन् 1440 की मुस्लिम राष्ट्रों की कुण्डली

हिजरी सन् 1440 का आरम्भ भाद्रपद शुक्ल द्वितीया दिनांक 11 सितम्बर 2018 ई. को हो रहा है, लग्नेश शनि आय भाव में स्थित है। अत: लग्न पर दृष्टिपात कर रहा है। व्ययभाव में आर्य जाति सूचक युद्ध प्रिय ग्रह मंगल स्थित है जो राहु के साथ समसप्तक योग बना रहा है। चन्द्रमा अष्टमभाव में गोचर कर रहा है। शनि कन्या राशि एवं मिथुन राशि पर दृष्टिपात कर रहा है।
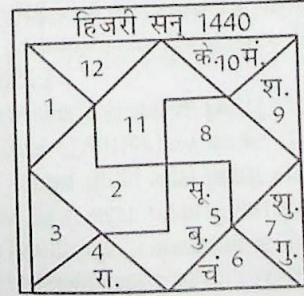
कन्या-मिथुन अधिपति सिंहस्थ होकर अस्त है एवं युद्धप्रिय ग्रह मंगल से दृष्ट है। नवमेश शुक्र आय भाव के स्वामी के साथ नवम भाव में है अत: मुस्लिम जगत में महिला कल्याण के लिए नवीन युग का आगमन होगा। मध्य पूर्व जैसे कट्टर क्षेत्र भी महिलाओं को सम्मान एवं अधिकार देने के लिए तत्पर दिखाई देगें। भारत में नवीन नीतियां एवं न्याय संशोधन मुस्लिम महिला कल्याण के लिए किए जाएगें। इस वर्ष शनि-मंगल की स्थिति एवं अन्य ज्योतिषीय योगायोग संकेत देते है कि रूस एवं भारत का रूख किसी मुस्लिम राष्ट्र के प्रति, अति आक्रामक हो जाएगा। युद्ध के आवाहन के संकेत देखे जा सकते है। रूस की सेना सीरिया, ईरान और यूरोप में मुस्लिम कट्टरवाद वाले क्षेत्रों में संचालन एवं अस्त्र गर्जना करती दिखेगी। भारतीय सैन्यबल पाक अधिकृत कश्मीर में सैन्य कार्यवाही करते दिखेंगे। ईटली कदाचित अपने द्वार मध्य पूर्व एशिया से पलायन कर रहें शरणार्थीयों के लिए बंद कर दें। मुस्लिम राष्ट्रों के लिए यह वर्ष 'मारकेश-दशा' सा प्रतीत हो रहा है। अति भयानक रक्तपात हो सकता है। व्यापक जनसंहारक अस्त्रों (जैविक, भयानक परमाणु ,रसायनिक) का प्रयोग मानवता को त्रस्त कर देगा। इस विक्रम संवत् में कदाचित विश्व को हिरोशिमा-नागाशाकी जैसी भयानक रक्तपात का शोक देखना पड़े। पराम्बा मां भगवती कृपा करें।

हिजरी सन् 1441 की मुस्लिम राष्ट्रों की कुण्डली

भाद्रपद शुक्ल द्वितीया रविवार दिनांक 01 सितम्बर 2019 ई. को हिजरी सन् 1441 आरम्भ होगा। हिजरी सन् 1441 का आरम्भ कुंभ लग्न में हो रहा है। लग्नेश शनि लग्न पर दृष्टिपात कर रहा है। शनि केतु से युक्त और राहु से दृष्ट है। सप्तम भाव की सिंह राशि में पंचग्रही योग बन रहा है। दशम अधिपति मंगल और सप्तम अधिपति सूर्य का लग्न पर बुध, गुरू, चन्द्रमां के साथ दृष्टिपात करना संकेत देता है कि इस वर्ष अनेक मुस्लिम राष्ट्रों में व्यापक युद्ध भय व्याप्त रहेगा। मुस्लिम राष्ट्र (ईरान, सीरिया, मिस्त्र, सउदी अरब, पाकिस्तान आदि) अप्रत्याशित गठजोड़ करके नवीन मुस्लिम गुटों को जन्म देंगे। मुस्लिम जगत आपस के ही दो-तीन खेमों अथवा दलों में विभाजित हो जाएगा। गुरू का शनि पर दृष्टिपात संकेत देता है कि इस वर्ष भी व्यापक रूसी सैनिक कार्यवाही के कारण मुस्लिम कट्टरवादी संघटनों एवं राष्ट्रों पर व्यापक प्रहार होगा। आतंकवाद के विरूद्ध चल रहे अंतर्राष्ट्रीय युद्ध इस वर्ष निर्णायक परिस्थिति में पहुंच सकता है। नाटो रूस एवं कुछ अन्य राष्ट्रों की सेनाओं का संचालन मध्य पूर्व के अनेक राष्ट्रों में हो सकता है।
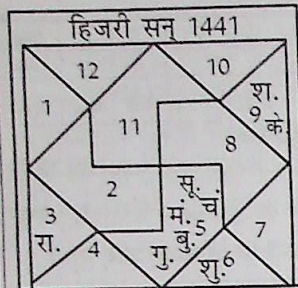
मध्य पूर्व के किसी आतंकी संघटन के षड्यन्त्र के कारण इस वर्ष भी किसी जैविक रासायनिक अथवा परमाणु अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग संभव है। यह वर्ष गत वर्ष से भी अधिक रक्तपात कारक हो सकता है। भारत-पाक के सम्बन्ध 1971 जैसे होना संभव है। विश्व राजनेताओं को विवेक का प्रयोग करते हुए मानव कल्याण के लिए उचित निर्णय लेने पडेंगे। कदाचित यह निर्णय अत्यंत कठोर भी हो सकते हैं।

मध्य पूर्व के खाड़ी राष्ट्रों में अप्रत्याशित तख्ता-पलट एवं सैन्य हस्तक्षेप से सत्ता परिवर्तन के योग बन रहें है।

सूर्य का गुर्राफल

हिजरी सन् 1441 का आरम्भ रविवार को होने से हिजरी वर्ष का राजा अथवा गुर्रा सूर्य होगा। सूर्य का एकादश अधिपति, छठे भाव के स्वामी चन्द्रमां और अष्टम भाव के स्वामी बुध से युक्त होना संकेत देता है कि इस वर्ष मुस्लिम राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों के लिए समय तनावपूर्ण रहेगा। सत्ता परिवर्तन के योग एकाएक प्रत्यक्ष होंगे। भारत में भी मुस्लिम राजनैतिक दलों में जो मुस्लिम संम्प्रदाय को मोहरा बनाकर अपनी राजनैतिक रोटियां सेकते है, एकाएक नेतृत्व परिवर्तन के योग बनेंगे।

गत वर्ष में श्रीविश्वविजय पंचांग एवं पंचाग के संपादकों द्वारा की गई शत-प्रतिशत सटीक भविष्यवाणियां:-

नोटबंदी- श्री विश्वविजय पंचांग भारत का एकमात्र ऐसा पंचांग अथवा भविष्य फल कथन का माध्यम है, जिस के द्वारा 2016 ई में भारत सरकार द्वारा अचानक एवं अप्रत्याशित नोटबंदी के निर्णय का आंकलन कई माह पूर्व ही कर लिया था।

भूकम्प- श्री विश्वविजय पंचांग अनेक वर्षो से भूकम्प आदि की सटीक भविष्यवाणी करता आ रहा है। उदाहरण के लिए दिनांक 02 अप्रैल 2018 के बोलिविया में आए 6.8 रिक्टर पैमाने के भूकम्प का पूर्वानुमान श्री विश्वविजय पंचांग के पहले ही कर लिया था। पंचांगकार ने ट्विटर (Twitter) और फेरबुक (Facebook) पर दिनांक 02 अप्रैल 2018 को ही बड़े भूकम्प की चेतावनी दी थी। यही चेतावनी 'विश्वविजय पंचांग' में भी प्रकाशित हो चुकी है।

दिनांक 08 अगस्त 2017 को चीन में आए भूकम्प के बारे में भी 16 जुलाई को ही विश्वविजय पंचांग ने ट्विटर (Twitter)पर इसकी जानकारी दे दी थी।

1)स्वर्गीय श्रीमति जयललिता के दुखद निधन के बारे में भी श्रीविश्वविजय पंचांग में एक वर्ष पूर्व ही सटीक (देहांत के मास के साथ) पूर्वानुमान किया था।

2)स्वर्गीय श्रीमान् अटल बिहारी वाजपेयी के दुखद निधन की आशंका पंचांगकार ने अपने ट्विटर (Twitter) एवं फेरबुक (Facebook) पर मार्च 2018 ई. में ही व्यक्त कर दी थी। स्पष्ट कहा गया था कि मई 2018 ई. के बाद अटल जी के लिए अति गंभीर स्वास्थ्य संकट है।

3) स्वर्गीय श्री मति श्रीदेवी जी के दुखद निधन हृदयघात का समाचार देश को दिनांक 24 फरवरी 2018 को टेलिविजन के माध्यम से सुबह प्राप्त हुआ। 24 फरवरी को 2018 ई. को ही श्री विश्वविजय पंचांग ने ट्विटर पर लगभग 2:00 सायं का स्पष्ट लिखा था कि यह निधन हृदयघात से संभव नहीं है। यह निधन दुर्घटना से होता प्रतीत हो रहा है। 2 दिन पश्चात् दुबई पुलिस की छानबीन से यह तथ्य सामने आया कि श्रीमति श्रीदेवी जी का निधन हृदयघात से नही अपितु डूबने से हुआ है।

दैवज्ञ की दृष्टि में संसार चक्र

संवत् 2076 वि. (सन् 2019-20)
की ग्रह परिषद् का विचार,
संसार की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति का दिग्दर्शन

दिग्दर्शक- सुधाकर शर्मा त्रिवेदी, सोलन (हि.प्र.) रोहिताश्व त्रिवेदी, नई दिल्ली

- जुलाई 2019 से जुलाई 2020 तक की ग्रह स्थिति संकेत देती है, कि विश्व की राजनीति एवं अर्थव्यवस्था विस्थापन अनुभव करती हुई नवीन प्रतिमान तथा नवव्यवस्था की दिशा में जाएगी।
- विश्व अर्थव्यवस्था नवीन प्रक्रिया एवं प्रणाली के रंग में विलयन करेगी।
- साम्यवाद एवं कट्टरवाद का सूचक ग्रह शनि, अध्यात्म एवं विज्ञान का सूचक ग्रह गुरू, और आर्य जाति का सूचक ग्रह मंगल, विश्व परिदृश्य के प्रमुख राष्ट्रों को तीन अलग-अलग गुटों में बांट देंगे।
- आतंकवाद पर चले आ रहे तथाकथित अंतर्राष्ट्रीय युद्ध में पहली बार 'मुस्लिम कट्टरवादी' संघटनों एवं राष्ट्रों का पलड़ा भारी होता दिखाई दे सकता है।
- यूरोप, अमेरिका ,भारत आदि राष्ट्रों में 'राहु' कृत षड़यन्त्र के कारण बुद्धिजीवियों में मुस्लिम कट्टरवाद के लिए समर्थन के स्वर जोर पकड़ेगे।
- मध्य पूर्व में युद्ध अग्नि और भयावह हो सकती है। इस युद्ध ताप को भारत, यूरोप, अमेरिका भी अनुभव कर सकते है।
- कदाचित् इसी समय को पाश्चात्य जगत् में प्रचलित 'ऐन्टी क्राइस्ट' के आगमन को समझना चाहिए।
- यूरोप के निवासी अपनी तर्कशक्ति एवं विवेक को खो कर एकाएक धार्मिक कट्टरवाद के प्रति आकर्षित होंगे।
- संवत् 2076 के अंत तक विश्व राजनीति कुटिल एवं राक्षसीय प्रवृत्ति से दूषित होकर जनता को तनाव ग्रस्त कर सकती है।
- अमेरिका के सम्बन्ध रूस, चीन, ईरान आदि से तनावग्रस्त होकर सैन्य टकराव की स्थिति उत्पन्न करवा सकते है।
- भारत और अमेरिका के सम्बन्ध अर्थव्यवस्था एवं व्यापार के दृष्टिकोण से भ्रम एवं अनिश्चितता पूर्ण होंगे।
- लोकसभा के 2019 ई. के चुनाव में भाजपा सरकार बनाने के लिए अप्रत्याषित सहयोग एवं गठबन्धन के कारण विजय प्राप्त कर सकती है।

• मार्च 2019 ई. से श्रीमान मोदी की कुण्डली में शुभ ग्रहों के गोचर एवं दशा शुभ प्रभाव देना आरम्भ कर देंगे। अत: श्रीमान मोदी ही भारत के प्रधानमंत्री के रूप में जन–लोक प्रिय चेहरा बन कर सामने आएगें।

• संवत् 2076 के प्रथम चरण में और अंत में भारत–पाक का सैन्य संघर्ष एक बड़ी सम्भावना प्रतीत होता है।

• चीन, रूस, भारत आदि देश अमेरिकी डॉलर का त्याग कर किसी नवीन मुद्रा के परिचालन एवं प्रयोग कि दिशा में कदम उठा सकते है।

• टाटा समूह के वरिष्ठ एवं भारत के जाने–माने उद्योगपति के स्वास्थ्य को सितम्बर 2019 ई. में प्रबल संकट है। इन्हें सतर्कता दिखा कर औषधि प्रयोग समय रहते ही कर लेना चाहिए। किसी अप्रिय समाचार के कारण सेन्सेक्स को झटका भी लग सकता है। कर्तुम...अकर्तुम...अन्यथा कर्तुम. .... पराम्बा जो भी करेगी उचित ही होगा।

• NDA नवीन गठबन्धन एवं सहयोग प्राप्त करके केन्द्र में सरकार बना पाने में सफलता प्राप्त करेगा।

• जून–जुलाई 2019 ई. का समय राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा एवं भारत कीअंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा की दृष्टि से अशुभ प्रतीत हो रहा है। राष्ट्र अध्यक्षों एवं सेना नायको को सतर्कता बनाई रखनी होगी।

• संवत् 2075 के अंतिम चरण में जैविक, परमाणु या रासायनिक अस्त्र–शस्त्रों का किसी कट्टरवादी संघटन के हाथ लगने की प्रबल संभावना है। इन अस्त्रों का भयानक प्रयोग संवत् 2076 में हो सकता है। सुरक्षा तंत्र को विशेष ध्यान देना चाहिए।

• अमेरिका चीन और रूस 'बुध' एवं 'राहु' द्वारा प्रेरित औद्योगिक एवं व्यावसायिक गठबन्धनों के वश में हो कर एक बड़े सैन्य संर्घष के आगमन का भय व्याप्त कर सकते है।

• मध्यपूर्व के सउदी प्रायद्वीप, मिस्त्र आदि राष्ट्रों में सत्ता परिवर्तन का योग बन सकता है।

• यह वर्ष विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अनिश्चितता एवं असमंजस से परिपूर्ण रहेगा।

• काश्मीर समस्या 'राहु' कृत षड़यन्त्र अर्थात् लम्बे समय से चले आ रहे षड़यन्त्र जिसमें भारत के विद्यार्थी एवं बुद्धिजीवी वर्ग के विवेक को कट्टरवाद एवं विघटन की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है, फलिभूत होता प्रतीत होगा।

• विद्यार्थी वर्ग काश्मीर आतंकवादियों के स्वर से स्वर मिला कर भारत की अखण्डता पर प्रश्न चिन्ह लगा सकते है। स्थिति अति गंभीर प्रतीत हो रही है।

• काश्मीर समस्या एवं आतंकवाद अपना उग्रतम रूप धारण कर सकता है। पाक अधिकृत काश्मीर में भारतीय सेनाओं का संचालन सम्भावित है। चीन भी पाक अधिकृत काश्मीर में अपनी सेना तैनात कर सकता है।

ज्योतिष एक विज्ञान है।

विगत कई वर्षो से इस पंचांग में यह स्तभ लिखा जा रहा है। ज्योतिष शास्त्र का अध्ययन अनुशीलन करके देश-विदेश के सम्बन्ध में जो भी भविष्यवाणीयां की गई है, वे अधिकांश सत्य सिद्ध हुई है। इसके साक्षी "श्रीविश्वविजय-पंचांग के विज्ञ पाठकवृंद रहें है। दैवज्ञ ने कभी यह अभिमान नहीं किया कि जो कुछ भविष्यवाणीयां वह करता है, वह शत-प्रतिशत सही होती है। जहां राज्याश्रय प्राप्त एलोपैथी डॉक्टर और आर्युवेद-विज्ञान अभी तक शत-प्रतिशत सफलता की गांरटी नहीं दे पाए है, वहां निराश्रित ज्योतिष-विज्ञान के गणित-विज्ञान ने शत-प्रतिशत सत्यता सिद्ध कर दिखाई है। ज्योतिष गणित के द्वारा वर्षो पूर्व सूर्य-चन्द्र ग्रहणों का स्पर्श मोक्ष जो समय निश्चित कर दिया जाता है, उसमें एक मिनट का भी अन्तर नहीं आत है। यद्यपि ज्योतिष शास्त्र के फलित विभाग में अभी इतनी सूक्ष्मता नहीं बन पायी है। फलित ज्योतिष को 'दैव-विद्या' कहा गया है इसलिए राष्ट्र, समाज और व्यक्ति के सम्बन्ध में भविष्यवाणी करने वाले को 'दैवज्ञ' कहा जाता है। यह 'दैव-विद्या' तपस्या, साधना एवं अनुभव गम्य है। आधुनिक वातावरण का एक साधनहीन दैवज्ञ भी मनुष्य है, सर्वज्ञ निंभ्रान्त नहीं, अत: उसकी बुद्धि भी भ्रान्त हो सकती है। ग्रहगति रूप दैवी संकेतों को समझने में भूल हो सकती है।उसका ईश्वरीय ज्ञान के समान सत्य ही हो यह नहीं कहा जा सकता। मेरा विश्वास है कि भारतीय ज्योतष विज्ञान का भविष्य कथन शास्त्र देश का अत्यन्त पुरातन विज्ञान है। इसका निरीक्षण-परीक्षण अवश्य होना चाहिए। आज तक बिना किसी रिसर्च या शासकीय आश्रय के यह शास्त्र देश के कुछ चोटी के विद्वानों के पास सुरक्षित चला आ रहा है और अब तक चमत्कारी विज्ञान की मान्यता पाने लगा है। आज के विज्ञाने ने चाहे प्रगति क्यों न की हो, पर भविष्य जानने का उसके पास कोई साधन नहीं है। अत: इस भारतीय विज्ञान की ओर शासन का ध्यान अवश्य जाना चाहिए। अनेक उच्च राज्याधिकारी फलित ज्योतिष पर पूर्ण विश्वास रखते है। श्री नेहरूजी और स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी एकाधिक बार दैवज्ञों से परामर्श लिया, जिसके प्रमाण मौजूद है किन्तु जो मंत्री निजी तौर पर दैवज्ञों के सामने नतमस्तक होते है, वे सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि 'हम ज्योतिष पर आस्था नहीं रखते। इस पर सर्वसाधारण जनता को इनके दोहरे चरित्र पर आश्चर्य और खेद नहीं होगा, अस्तु।

मेदिनी अथवा राष्ट्रीय भविष्य

राष्ट्रीय भविष्य अनेक प्रकार से देखा जाता है। इस विज्ञान की अनेक शाखाएं है, जिसके लिए जो मार्ग प्रशस्त हो, जिसको गुरू से जैसा ज्ञान मिलता हो-निर्णय करे, यही उचित है। हमारे सामने सर्वप्रथम वराह-मिहिराचार्य कृत 'वराही-संहिता' प्रमुख ग्रन्थ है इसके अनुसार ग्रहों के परस्पर युद्ध, उदयास्त वक्रमार्ग, ग्रहों के विशेष योग और विश्व में कहां पर शांन्ति और कहां अशान्ति रहेगी, इसके निर्णयार्थ सर्वतोभद्र चक्र, कर्पूरचक्र, कूर्मचक्र और नरपतिजयचर्या का संघट्ट चक्र भी है। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, झंझावातादि के लिए सप्तनाड़ी चक्र उपयोगी है। इन्हीं का आधार मान कर जो कुछ इस पंचांग मे लिखा जा रहा है, वह भी 80 प्रतिशत से अधिक सत्य सिद्ध हुआ है। यदि इस विज्ञान को राज्याश्रय प्राप्त हो और सभी शाखाओं के विशेषज्ञ अनुभवी विद्वान एकत्र होकर सामूहिक निर्णय दे, तो इसमें शत-प्रतिशत सफलता निश्चित है। नए वर्ष का फल जानने के लिए ग्रहों की राश्यंशात्मक सूक्ष्म स्थिति का पर्यवेक्षण आवश्यक है अत: यहां प्रमुख ग्रहों की स्थिति का वर्षारम्भ और वर्षांत का उल्लेख किया जाता है।

नववर्ष सम्वत् 2076 विक्रमी में स्पष्ट ग्रह स्थिति

नव सम्वत् 2076 (6 अप्रैल से 2019 से 24 मार्च 2020) में प्रमुख ग्रहों की स्थिति चित्रा पक्षीय निरयणमान में इस प्रकार है:-

	चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 6 अप्रैल 2019 ई.						चैत्र कृष्ण अमावस्या 24 मार्च 2020 ई.					
ग्रह	राशि	अंश	कला	मार्गी/वक्री	उदय/अस्त	नक्षत्र	राशि	अंश	कला	मार्गी/वक्री	उदय/अस्त	नक्षत्र
शनि	धनु	25°	55'	मार्गी	उदय	पू.षा 4	मकर	06°	00'	मार्गी	उदय	उ.षा 3
गुरू	धनु	00°	14'	मार्गी	उदय	मूल 1	धनु	29°	16'	मार्गी	उदय	उ.षा 1
मंगल	वृष	09°	51'	मार्गी	उदय	कृत्ति. 4	मकर	01°	21'	मार्गी	उदय	उ.षा 2
हर्षल	मेष	07°	33'	मार्गी	उदय	अश्वि. 3	मेष	10°	43'	मार्गी	उदय	अश्वि. 4
नेप	कुंभ	23°	06'	मार्गी	उदय	पू.षा. 1	कुंभ	24°	48'	मार्गी	उदय	पू.भा. 2
वैव	धनु	28°	47'	मार्गी	उदय	उ.षा	मकर	00°	26'	मार्गी	उदय	उ.षा 2
राहु	मिथु	28°	23'	वक्री	उदय	पुन. 3	मिथुन	09°	41'	वक्री	उदय	आर्द्रा 1
केतु	धनु	28°	23'	वक्री	उदय	उ.षा. 3	धनु	09°	41'	वक्री	उदय	मूल 3

नववर्ष प्रवेश

05 अप्रैल 2019 को 14 घ. 20 मि. पर कर्क लग्न में संवत् 2076 का आरम्भ होगा। लग्नेश नवम भाव में और पंचमेश छठे भाव में स्थित है। लग्नेश का पराक्रम भाव पर दृष्टिपात संकेत देता है कि इस वर्ष भारत में महिला कल्याण की नीतियां एवं भारत के पराक्रम सैन्य आधुनिकरण की नीतियां ही सन् 2019 ई. के लोकसभा चुनाव का प्रमुख विषय होगा। किसी महिला राजनेता का केन्द्र सत्ता अथवा केन्द्र सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। तृतीय भाव अधिपति का अष्टम भावस्थ होना अप्रत्याशित राजनैतिक समीकरण एवं उथल-पुथल को इंगित कर रहा है। भारत की सीमाओं पर अस्त्र गर्जना एवं युद्ध जैसी बनी आ रही स्थिति में केवल उग्रता बढ़ेगी। शांति की निकट भविष्य में सम्भावना न्यून है। चतुर्थेश शुक्र ही एकादश अधिपति होकर अष्टम भाव में स्थित है। किसी खान-पान अथवा रोगाणु जनित महामारी का प्रकोप जन- साधारण को त्रस्त कर सकता है।
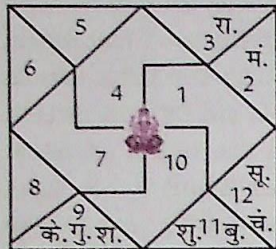
पंचमेश-दशमेश मंगल का एकादश भाव में स्थित होना संकेत दे रहा है कि संवत् 2076 के आगमन से तुरन्त पहले भारत अपने शत्रु राष्ट्रों एवं संगठनों पर अति आक्रामक रूख दिखाएगा। छ्इे भाव का अधिपति गुरू स्वराशिगत होकर सप्तमेश शनि के साथ छठे भाव में युति कर रहा है।

आतंकवाद पर वर्षो से चली आ रही लड़ाई में विजय के शुभ संकेत दिखने लगेंगे। सप्तमेश-अष्टमेश शनि पर राहु की दृष्टि संकेत दे रहीं है कि पड़ौसी राष्ट्रों द्वारा जारी परोक्ष आतंकी युद्ध का प्रत्योन्तर देकर भारत इस वर्ष विजय के आगमन के संकेत देखेगा। पाकिस्तान स्थित आतंकी संस्थानों पर निर्णायक वार का समय इसी संवत् में आता दिख रहा है। इन आतंकी सस्थानों पर भारत सैनिक, राजनैतिक एवं आर्थिक युद्ध कर विजय के पथ पर अग्रसर होगा। यहां हमारा तात्पर्य काश्मीर समस्या से नहीं है। यह पड़ौसी राष्ट्रों द्वारा पोषण दिये जा रहे आतंकी संस्थानों के संदर्भ में लिखा गया है।

स्वतंत्रता का 73वां वर्ष

भारत की स्वतंन्त्रता की कुण्ड़ली में वृषभ लग्न उदित है। लग्नेश शुक्र, बुध, चन्द्र, सूर्य और शनि के साथ तृतीय भाव की कर्क राशि में पंचग्रही योग का निर्माण करते है। अष्टमेश गुरू तुला राशि में स्थित है।

स्वतंन्त्रता की कुण्डली में अभी तृतीयेश चन्द्रमा की महादशा चल रही है। नवमेश शनि एवं लग्नेश शुक्र दोनों ही अस्त है। अगस्त 2018 ई. से दिसम्बर 2019 ई. तक भारत की स्वतंन्त्रता की कुण्डली में गुरू की अंर्तदशा रहेगी।

अगस्त 2018 से दिसम्बर 2018 तक का समय भारत की आंतरिक राजनीति के लिए उथल- पुथल वाला समय है। दिन-प्रतिदिन नवीन राजनैतिक समीकरण बनेंगे और टूटेंगे।

जनवरी 2021 में बुध की प्रत्यन्तर दशा का आगमन धर्म-जातिवाद की राजनीति का तुच्छ एवं विद्रोहक रूप भारत की जनता के सामने प्रस्तुत करेगा।

यह काल अवधि भारत की सेनाओं की शक्ति प्रदर्शन का भी रहेगा। आतंकवाद एवं आतंकवाद का पोषण करने वाले राष्ट्रों पर भारत धावा बोल सकता है, ऐसा न करना ज्योतिषीय दृष्टि में एक बडी चूक साबित होगी एवं यह राष्ट्र हित में नहीं होगी। समय - 'विजयश्री' का अवसर बार-बार प्रदान नहीं करता। ज्योतिष वह दैवज्ञ विद्या है जिससे 'विजयश्री' प्राप्त करने के अवसर का ज्ञान होता है। कर्म तो स्वयं ही करना पड़ता है। इस कर्म कर्तव्य से तो इष्ट भी नहीं बच पाए।

मार्च के प्रथम सप्ताह से केतु भारत की स्वतंत्रता की कुण्डली को प्रभावित करना शुरू कर देगा। ध्यान दें कि 2014 ई. के लोकसभा चुनाव में भी केतु भारत की इसी कुण्डली को प्रभावित कर रहा था। भारत के तत्कालिन प्रधानमंत्री एक और राजनैतिक पारी के लिए अग्रसर होते प्रतीत हो रहें है। केतु का गोचर में भ्रमण 'केन्द्र सरकार' के राजनैतिक गठबन्धन में अशुभ फल तो देगा ही,परन्तु भाजपा से सत्ता छिन्न जाना कठिन प्रतीत हो रहा है।
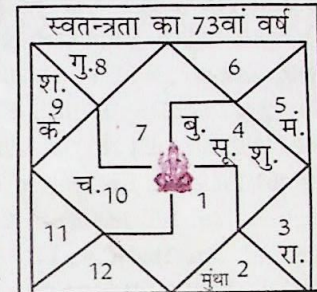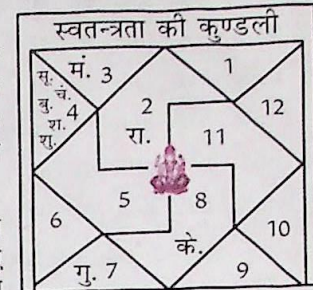
लोकसभा के चुनाव की अवधि में शुक्र का प्रभाव संकेत देता है कि भारत की जनता का महिला वर्ग ही इस चुनाव के परिणामों को निर्धारित करेंगा। महिला कल्याण की नीतियां एवं महिला कल्याण के लिए किए गए चुनावी संकल्प ही लोकसभा के गठन और नवरूप को नियुक्त करेंगे।

स्वतंन्त्र भारत के 73 वें वर्ष की कुण्डली में तुला लग्न उदित है। मुंथा का वृष राशि में होना एवं लग्न पर राहू का दृष्टिपात होना स्वतंत्रत भारत की इस कुण्डली में अशुभ योग का निर्माण कर रहें है। सन् 2019 ई. की ग्रीष्म ऋतु से सन् 2020 ई. के मध्य तक का समय भारत के लिए गंभीर चुनौतियां लेकर आएगा। ध्यान दें- कि इस अवधि में राष्ट्र क्षेम चिंतनीय है किन्तु अर्थव्यवस्था अप्रत्याशित रूप से उन्नति करती प्रतीत हो रही है।

गणतंत्र का 70वां वर्ष

श्री विश्वविजय पंचाग हर वर्ष पंचाग के इन स्तम्भों से भारत एवं विश्व राजनीति, अर्थव्यवस्था, कृषि उत्पादन, एवं प्राकृतिक प्रकोपों का शास्त्रीय विचार प्रस्तुत करता आया है। यह विचार 76 वर्षो से निर्भीक एवं पक्षपात रहित रहें है और प्रत्यक्ष घटित होकर मेदिनीय ज्योतिष की सटीकता एवं वैज्ञानिकता की गाथा स्वयं व्यक्त करते हैं।

गणतंत्र का 70वां वर्ष

गणतंत्र भारत की कुण्डली में मीन लग्न उदित है और लग्नेश गुरू अस्त होकर नीच राशि में बैठा है। भारत की गणतंत्र प्रणाली एवं संविधान की महत्ता को स्वतंत्र एवं सर्वशक्ति -शाली बनाए रखने के लिए क्षीण एवं पीड़ित लग्नेश गुरू को बलवान बनाना अत्यन्त आवश्यक है। मेदिनी ज्योतिष में ग्रहों को बलवान उनके सूचक स्वभाव पर आधारित नीतियां अपना कर किया जा सकता है। 'स्वच्छ भारत', 'बेटी बचाओ' एवं 2017-18 में किए गए महिला कल्याण के प्रयास जैसे कि मुस्लिम महिलाओं लिए तीन तलाक जैसी तालिबानी प्रावधान को हटाने का प्रयास निश्चित ही लग्न को बलवान कर रहें है।

गत वर्ष के पंचाग में स्पष्ट कहा गया था कि गणतंत्र की कुण्डली की दशा चाल भारत के प्रमुख राजनेताओं के लिए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संकट प्रकट कर रही है। संवत् 2075 में भारत के प्रमुख राजनेताओं ने स्वास्थ्य संकट अनुभव किया श्रीमान जेटली, श्रीमान पारिकर एवं श्रीमति स्वराज ने अत्यंत पीडा को अनुभव किया। श्रीमति गांधी एवं केजरीवाल का स्वास्थ्य भी नरम-गरम चल रहा है। श्री करूणानिधि एवं श्री सोमनाथ जी के निधन के कारण राष्ट्रशोक भी हो गया।
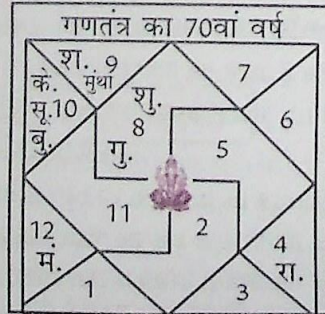
भारत के एक साथ तीन-तीन कैबिनेट मंत्रियों को गंभीर स्वास्थ्य संकट आना चकित कर देने वाला ग्रह प्रभाव है जिसका पूर्व अनुमान 'श्री विश्वविजय पंचांग' ने लगा लिया था। श्रीमान मोदी जी के सुरक्षा पर भी अनेको बार गुप्तचर विभाग ने चिंता जताई। जुलाई 2018 ई. में भारत के गुप्तचर विभाग एवं सेना बलों ने किसी गंभीर षड़यन्त्र को भंग कर प्रधानमंत्री कार्यालय की सुरक्षा को बचाए रखा। इन परिस्थितियों की स्पष्ट चेतावनी गत वर्ष के विश्वविजय पंचांग के पृष्ट 57 पर दी गई थी। ध्यान दे- यह संकट सन् 2019 ई. (पूर्ण संवत् 2076 वि.) तक बना रहेगा।
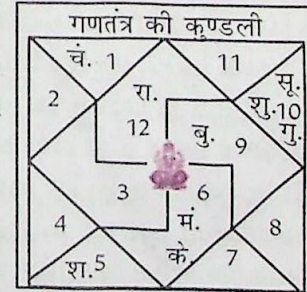
संवत् आरंभ से संवत् 2076 वि. के अंत तक भारत के गणतंत्र की कुण्डली में गुरू की महादशा के अन्दर केतु की अन्तर दशा का प्रभाव रहेगा। केतु वर्ष कुण्डली के तृतीय भाव की मकर राशि में स्थित है। गुरू लग्न में बैठ कर लग्नेश मंगल पर दृष्टिपात कर रहा है। यह संकेत कम-से-कम भाजपा के लिए तो शुभ ही प्रतीत हो रहें है। मुंथा द्वितीय भाव में स्थित है। कर्क राशि वाले नवम भाव में स्थित राहु की दृष्टि लग्न के साथ-साथ दशमेश सूर्य एवं नवम अधिपति सूर्य पर पड़ रही है।

स्पष्ट संकेत है कि केन्द्र राजनीति में नवीन एवं चकित कर देने वाले समीकरण प्रत्यक्ष होंगे। लग्नेश का अष्टम भाव पर दृष्टिपात संकेत देता है कि भारतीय सेनाओं का रूख शत्रुओं पर अति आक्रामक रहेगा। सैन्य आधुनिकरण में नवीन नीतियों का शुभारंभ होगा भारत एक विश्व सैन्य शक्ति के रूप में 'विश्व परिदृश्य' एवं अन्तर्राष्ट्रीय सैन्य समीकरणों में सक्रिय एवं अभूतपूर्व योगदान देना आरम्भ करेगा। लग्नेश की कन्या एवं तुला राशि पर दृष्टि से उद्यौगों एवं कल-कारखानों में प्रगति के संकेत दिख रहें है। उर्जा उत्पादन, बिजली उत्पादन से सम्बन्धित उद्यौगो में निवेश एवं सरकारी सहायता के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पर शुभ प्रभाव पड़ेगा।

लग्न एवं तृतीया भाव पर बन रही ग्रह स्थिति भारत सरकार एवं भारतीय सेना के आतंकवाद के प्रति अति आक्रामक रूख का संकेत दे रही है। इस वर्ष स्टाक बाजार भी निरन्तर प्रगति के सूचकांको को स्पर्श करता प्रतीत हो रहा है।

श्री नरेन्द्र मोदी

भारत के प्रधानमंत्री श्रीमान् नरेन्द्र मोदी जी का जन्म वृश्चिक लग्न में हुआ है। लग्नेश मंगल नवम अधिपति चन्द्र के साथ स्थित होकर लग्न में ही उत्तम योग का निर्माण कर रहा है। वर्तमान में मोदी जी नवमेश चन्द्र की महादशा का काल भोग रहे है।

सितम्बर 2017 ई. से फरवरी 2019 ई. तक बुध के अंतर में श्रीमान नरेन्द्र मोदी ने कुछ तनाव एवं संकट अनुभव किया। ध्यान दें- इसी काल अवधि में 'महा-गठबन्धन' आदि ने स्वर और जोर पकड़ा। विशेष रूप से जनवरी 2018 ई. से अप्रैल 2018 ई. तक श्रीमान मोदी की जन लोकप्रियता में गिरावट आई, जुलाई से सितम्बर 2018 ई. में राहु के प्रत्यन्तर के कारण भी श्री मोदी जी को राजनैतिक तनाव एवं विरोध का कटु अनुभव होता रहा।

फरवरी 2019 के उपरान्त परिस्थिति में गंभीर परिवर्तन दिखाई देगा। सितम्बर 2017 से फरवरी 2019 तक मोदी जी ने जिस लोकप्रियता को खोया है वह उन्हें पुनः प्राप्त होगी। फरवरी 2019 ई. से भारत पुनः 'मोदी लहर' को अनुभव करेगा। मध्य अप्रैल से उच्च राशिगत सूर्य अपने दशम भाव अधिपति होने से पूर्ण फल मोदी जी को देगा। **22 जून से सितम्बर 2019 ई. तक का समय भारत के प्रधानमंत्री के लिए अशुभ है।** राजनैतिक छल एवं षडयन्त्र से लोकप्रियता की हानि संभव है। सरकार भी अस्थिर हो सकती है। यह अवधि सुरक्षा संकट की भी पुष्टि कर रही है। सुरक्षा तंत्र को विशेष सावधानी दिखानी होगी।

श्री राहुल गांधी

उपलब्ध जानकारी के अनुसार श्री राहुल गांधी जी का जन्म 19 जून 1970 को 14:28 घ.मि. पर हुआ है। श्री गांधी जी की जन्म कुण्डली में तुला लग्न उदित है। लग्नेश शुक्र कर्क राशिगत है। नवम अधिपति बुध अष्टम भाव में स्थित है। पंचमेश शनि अपनी नीच राशि सप्तम भाव में स्थित है। केतु भी पंचम भाव पर दृष्टिपात कर रहा है। शत्रु राशिगत गुरू वक्र गति से लग्न में बैठा है। दाम्पत्य एवं संतान सुख की प्राप्ति 'गुरू-शनि' को शान्त किए बिना दुष्कर लगती है। श्री गांधी अपनी मंगल की महादशा को भोग रहें हैं। इस मंगल की महादशा में शुक्र के अंतर ने ही श्रीमान गांधी को मार्च 2017 से जून 2018 के मध्य जनलोकप्रियता अनुभव करवायी। इसी अवधि में श्री गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष भी बनें। यह शुक्र योग मई 2018 ई. को समाप्त हो गया। उसके पश्चात् 'महागठबन्धन' ने राहुल गांधी के नेत्तृव पर प्रश्न लगाना आरंभ कर दिया। सितम्बर 2018 से अप्रैल 2019 ई. तक श्रीमान गांधी चन्द्रमा की अन्तर दशा में रहेंगे। इस अवधि में श्री गांधी को तनाव एवं मानसिक बेचैनी अनुभव होगी। चुनाव के परिणाम आशा से कम ही रहेंगे। इन का सरकार में पद प्राप्त करना असंभव ही प्रतीत हो रहा है।

श्री अखिलेश यादव

उपलब्ध जानकारी के अनुसार श्री अखिलेश यादव जी का जन्म 1 जुलाई 1970 को सैफई में हुआ था। जन्म के समय कन्या लग्न उदित था और चन्द्र मिथुन राशिगत था। वर्तमान में श्री यादव केतु की महादशा को भोग रहें है। यह महादशा मार्च 2017 ई. में प्रारम्भ होकर मार्च 2024 तक रहेगी। बुध की महादशा के मार्च 2017 में अंत ने ही यादव की सत्ता छीन ली। फरवरी 2019 ई. से श्री यादव चन्द्र अन्तर दशा में प्रवेश करेंगे। एकादशेश चन्द्रमा सितम्बर 2019 ई. तक श्री अखिलेश जी को अत्यंत परेशानी एवं तनाव देगा। जन लोकप्रियता को अत्यंत धक्का लग सकता है। चुनाव के नतीजे निराशाजनक रहेंगे। सितम्बर 2019 से फरवरी 2020 ई. तक का समय विशेष कठिनाईयों वाला है। न्यायालय एंव कानूनी मुक्दमेबाजी में श्री अखिलेश यादव अपने आप को फंसा पाएंगे। यह 'महागठबन्धन' के प्रधानमंत्री दावेदार के लिए उचित नहीं लगते। ध्यान दें- यह ज्योतिषीय विचार है, राजनैतिक नहीं।

श्री आदित्यनाथ योगी

श्री योगी आदित्यनाथ जी का जन्म सिंह लग्न में दिनांक 12 जून 1972 ई. को गढ़वाल में हुआ। लग्नेश सूर्य दशम भाव में स्थित है। नवमेश मंगल दशम अधिपति शुक्र के साथ मिथुन राशि में राजयोग का निर्माण कर रहा है। श्री योगी जी फरवरी 2017 ई. तक एकादश अधिपति बुध की महादशा भोग रहें है। इस अशुभ महादशा के समाप्त होने पर श्री योगी जी को राजसत्ता प्राप्त हो गई। जनवरी 2019 ई. से श्री योगी जी चन्द्रमा की अन्तर दशा का भोग काल आरंभ करेंगे। राहु एवं पंचमेश गुरू के प्रत्यंतर में श्री योगी जी लोकसभा के चुनाव प्रचार को देखेंगे। लग्नेश सूर्य गोचर में अपनी उच्च राशि में होगा। अत: सफलता अवश्य मिलेगी परन्तु आश से कुछ न्यून। अगस्त 2019 ई. से जनवरी 2019 ई. तक का समय श्री योगी जी के लिए शुभ है।

सुश्री ममता बनर्जी

सुश्री ममता बनर्जी का जन्म मकर लग्न के अंतर्गत दिनांक 5 फरवरी 1955 ई. को कोलकत्ता में हुआ। चन्द्र पंचम भाव में स्थित है और लग्नेश शनि अपनी उच्च राशि तुला में स्थित है। सुश्री ममता बनर्जी शनि की महादशा को भोग रही है। इस महादशा के आगमन के साथ ही इन्हें पश्चिम बंगाल की सत्ता प्राप्त हुई। दिसम्बर 2018 से दिसम्बर 2019 ई. तक की कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य का अन्तर रहेगा। सूर्य अष्टम भाव का अधिपति होकर मित्र क्षैत्री है। फरवरी 2019 से अप्रैल 2019 ई. तक सुश्री बनर्जी राहु की अन्तरदशा में रहेगी। यह काल अवधि इनके लिए अत्यन्त शुभ रहेगी। इनके पद एवं वर्चस्व में बढ़ौतरी होगी। सुश्री बनर्जी ही महागठबन्धन का सबसे बड़ा चेहरा बन कर सामने आ सकती है। इनका केन्द्र सरकार के गठन एवं कार्यकाल में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। पश्चिम बंगाल में यह अपनी पकड़ बनाए रखेगी। केन्द्र सरकार में भारत के सत्ता प्रतिष्ठान में शीर्ष पद तक पहुंचाना लग्नेश शनि की बची हुई महादशा में संभव नहीं दिखता। मधुमेह एवं लिवर (जिगर) के रोगों द्वारा इनका राजनैतिक जीवन थम सकता है। ईश्वर इन्हें आरोग्य दें।

श्री अमित शाह

श्री अमित शाह जी का जन्म दिनांक 22 अक्टूबर 1964 ई. को मुम्बई में हुआ।उपलब्ध जानकारी के अनुसार श्री शाह के जन्म के समय धनु लग्न उदित था। अष्टमेश चन्द्रमा मेष राशिगत है। श्रीमान अमित शाह की कुण्डली अत्यन्त रोचक है। इस कुण्डली में मंगल एवं सूर्य नीच राशिगत होने के बाद भी 'नीच-भंग' योग का निर्माण करते है।

वर्तमान युग के प्रमुख राजनेताओं में से केवल एक अमित शाह ही है जिनकी कुण्डली में विपरीत राजयोग का निमार्ण हो रहा है। द्वादशेश मंगल एवं अष्टम अधिपति चन्द्र स्थान परिवर्तन योग कर के अत्यन्त प्रभावशाली 'विपरीत राज योग' का निमार्ण करते है। श्री शाह वर्तमान समय में गुरू की महादशा को भोग रहें है। इस महादशा में ही श्री शाह भाजपा के अध्यक्ष बने और भाजपा ने केन्द्र सत्ता प्राप्त की । दिसम्बर 2018 ई. से मई 2019 ई. तक श्री शाह एकादशेश शुक्र के प्रत्यंतर में होंगे। इस कारण से लोकसभा चुनावो में इन्हें कुछ 'मधुमेह' से सम्बन्धित रोग पीड़ा का अनुभव हो सकता है। मई 2019 ई. के बाद का समय शाह को पुन: सत्ता सुख दिला सकता है। इनके नेतृव में भाजपा सफलता को कुछ हानि के बाद प्राप्त कर ही लेगी।

श्रीमान् डोनल्ड् ट्रम्प

श्रीमान डोनल्ड ट्रम्प का जन्म सिंह लग्न में हुआ है। लग्नेश सूर्य वृष राशि में स्थित है। नवम् अधिपति मंगल लग्न में स्थित है। इस समय श्रीमान् ट्रम्प पंचम अधिपति गुरू की महादशा भोग रहें है। जनवरी 2019 तक गुरू में गुरू की ही अंतरदशा रहेगी। जनवरी 2019 से जून 2019 तक श्री

ट्रम्प शनि की अंतरदशा में शनि एवं बुध के प्रत्यंन्तर को देखेगें। यह समय श्री ट्रम्प की लोकप्रियता में गंभीर गिरावट का संकेत दे रहा है। इस अवधि में श्रीमान् डोनल्ड ट्रम्प को गंभीर स्वास्थ्य संकट भी हो सकते हैं। राष्ट्रीय शोक से अमेरिका को बचाने के लिए श्रीमान् ट्रम्प को उचित क्रियाकलापों द्वारा अपने स्वास्थ्य का निदान, संरक्षण करवाना चाहिए। मार्च अप्रैल 2019 ई. में श्री ट्रम्प के सम्बन्ध रूस एवं चीन से अत्यन्त तनाव पूर्ण हो -- सकते है। इस अवधि में श्रीमान ट्रम्प अत्यन्त आक्रामक मानसिक स्थिति को अनुभव करेंगे। नवम्बर 2019 तक का समय विशेष अशुभ है। श्रीमान् ट्रम्प का दोबारा अमेरिका का राष्ट्रपति बनना अत्यन्त कठिन प्रतीत हो रहा है। कदाचित संवत् 2075 के अंत के साथ ही श्रीमान् ट्रम्प के जीवन में राजयोग का सूर्य भी अस्त हो सकता है। ईश्वर इन्हें आरोग्य दे- यह हमारी प्रार्थना है।

नाटो सैन्य गठबन्धन

नाटो सैन्य गठबन्धन की स्थापना की कुण्डली में तुला लग्न उदित है। लग्नेश एवं नवमेश कन्या राशि में युत है। एकादश अधिपति सूर्य, पंचम अधिपति शनि और दशम भाव अधिपति चन्द्र सिंह राशि में स्थित है। नाटो गठबन्धन इस समय गुरू की महादशा भोग रहा है। फरवरी 2019 से नवम्बर 2019 तक सूर्य का अंतर रहेगा। यह समय अवधि नाटो गठबन्धन के लिए विघटनकारी है। गठबन्धन के सहयोगी राष्ट्रों में आपसी विचार, मतभेदों के कारण यह गठबन्धन अपने कार्यकाल के सामरिक दृष्टि से न्यूतम स्तर पर आ जायेगा।

इस अवधि में मध्य पूर्व एवं पूर्वी यूरोप में शक्ति प्रदर्शन अथवा अस्त्र गर्जना भी संभव है। फरवरी 2020 ई के बाद इस संगठन को पुनः शक्तिशाली बनाने के प्रयास किए जाएगे। इस प्रयासों में किसी महिला राजनेता का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

विश्व परिदृश्य

पाकिस्तान- पाकिस्तान की प्रभाव राशि कन्या में ही नववर्ष प्रवेश हो रहा है। पाकिस्तान की स्थापना की कुण्डली में मेष लग्न उदित है, और एकादश भाव में अधिपति शनि कर्क राशि में है। राहु और बुध छठे भाव का स्वामी होकर वृष और कर्क में स्थित है। दिसम्बर 2021 ई. तक पाकिस्तान नवम् अधिपति गुरू की अंतर दशा को भोगेगा। दिसम्बर 2019 ई. से शनि की अंतरदशा इस राष्ट्र के अस्तित्व पर प्रश्न लगाना आरम्भ कर देगी। जनवरी 2020 ई. से पाकिस्तान अपनी 'राष्ट्र-व्यवस्था' की मारक दशा में प्रविष्ट हो जाएगा। पाकिस्तान के सम्बन्ध भारत अमेरिका एवं ईरान से अत्यधिक तनाव ग्रस्त हो सकते है। पाक-अफगानिस्तान सम्बन्ध भी सैन्य-संघर्ष तक जा सकते है। इस राष्ट्र में 2019 के मध्य से अप्रत्याशित रूप से 'साम्यवादी' अर्थात् कम्युनिस्ट (COMMUNIST) विचारधारा अपनी जड़े जमाना आरम्भ कर देगी। मुस्लिम कट्टरवाद और समाजवाद एक अति भयानक समीकरण बन कर सामने आएगा। इमरान खान सरकार सेना की कठपूतली तुल्य ही रह जाएगा। सन् 2019 और 2020 ई. की शरद् ऋतु में सत्ता परिवर्तन के योग दृष्टिगोचर हो सकते है। अप्रैल 2019 ई. से जून 2019 ई. के मध्य इस राष्ट्र को भारत अथवा नाटो का प्रहार झेलना पड़ सकता है।

सऊदी अरब- विगत दो वर्षो के पंचांगो में स्पष्ट लिखा गया था कि सऊदी अरब का राजतंत्र आपसी कलह के कारण विश्व में उपहास का कारण बनेगा और सऊदी अरब के सम्बन्ध अमेरिका एवं यूरोपीय राष्ट्रों से तनावग्रस्त होते जाएगे। यह परिस्थिति सन् 2017 और सन् 2018 ई. में विश्व राजनीति में एकाएक प्रकट हुई। सऊदी अरब की स्थापना की कुण्डली में कुभ लग्न उदित है। लग्नेश शनि मकरस्थ है। गुरू सिंहस्थ होकर धनु, कुंभ एवं मेष पर दृष्टिपात कर रहा है। सऊदी अरब इस समय शुक्र की महादशा में मंगल के अंतर को भोग रहा है। दशम अधिपति मंगल कर्क राशि में स्थित है और सऊदी अरब को अगस्त 2019 ई. तक अपनी अंतरदशा से प्रभावित करेगा। इसके बाद सऊदी अरब अष्टम अधिपति राहु के नियन्त्रण में होगा। अगस्त 2019 से फरवरी 2020 ई. तक के समय में सऊदी अरब अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक षड्यन्त्रों के कारण अपने राजतंत्र को समाप्त होता हुआ देखेगा। शाह सऊद कदाचित इस कट्टरवादी राष्ट्र पर अपनी पकड़ न खो दे। फरवरी 2020 ई. के उपरांत साउदी अरब विघटन एवं आंतरिक गृह युद्ध के कारण अत्यन्त तनावग्रस्त होता प्रतीत हो रहा है। इस तेल उत्पादक राष्ट्र की आर्थिक परिस्थिति शोचनीय हो सकती है जिसके परिणाम विश्व अर्थव्यवस्था पर दृष्टिगोचर हो सकते है।

अमेरिका- भारतीय पद्धति के अनुसार अमेरिका का नववर्ष प्रवेश कुंभ लग्न में

होगा। लग्न में नवम् अधिपति शुक्र और पंचम अधिपति बुध स्थित है। मंगल वृष राशि में स्थित है और एकादश भाव में बैठे गुरू, शनि और केतु को देख रहा है। राहु भी लग्न भाव पर दृष्टिपात कर रहा है।

यह वर्ष अमेरिका की आंतरिक राजनीति के लिए उथल-पुथल वाला रहेगा। सत्तारूढ़ पार्टी में अनेक राजनेता अमेरिकी राष्ट्रपति के विरूद्ध स्वर तेज करेंगे। इस वर्ष अमेरिका केवल अपनी आर्थिक स्थिति को शक्तिशाली बनाने के एकमात्र उद्देश्य से नई नीतियां बनाएगा। अमेरिका के सम्बन्ध रूस, चीन, भारत आदि से तनावग्रस्त हो सकते है। इस वर्ष अमेरिका विश्व परिदृश्य में अपने आप को अलग-थलग एवं अकेला पड़ा पाएगा। विश्व राजनीति रोचक एवं नवीन अध्यायों को देखेगी। अमेरिका की स्थापना की कुण्डली में एकादश भाव का अधिपति राहु कर्कस्थ होकर लग्न, तृतीय एवं पंचम भाव पर दृष्टिपात कर रहा है। द्वादशेश शुक्र और षष्ठेश मंगल का अष्टम भाव में स्थित होना और अष्टमेश बुध का वक्र गति से मिथुन और कर्क की सन्धि में होने से अमेरिका की कुण्डली में अत्यंत प्रभावशाली विपरीत राजयोग का निर्माण हो रहा है। इस अति प्रभावशाली विपरीत राजयोग ने ही अमेरिका को एक विश्वशक्ति के रूप में विकसित किया। सन् 2018 ई. से 2021 ई. तक के समय में यह राजयोग अपना प्रभाव कुछ कम कर देगा और अमेरिका का विश्व परिदृश्य पर वर्चस्व कम हो जाएगा। अमेरिका का नेतृत्व दिशाहीन एवं विवेकहीन निर्णय लेकर जगत् में उपहास का पात्र बनेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति को स्वास्थ्य और सुरक्षा संकट भी इस संवत् में प्रकट हो सकते है।

रूस- भारतीय पद्धति के अनुसार सूर्य के उच्च राशि संक्रमण के समय रूस में कर्क लग्न उदित होगा। यह वर्ष रूस की विदेश नीति एंव विदेश सम्बन्ध के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण होगा। इस वर्ष रूस के सम्बन्ध विदेशी राष्ट्रों के साथ हर सप्ताह बदलते प्रतीत होंगे। सम्वत् आरम्भ से दिनांक 5 नवम्बर 2019 ई. तक रूस का दबदबा विश्व परिदृश्य पर दिनों-दिन बढ़ता प्रतीत होगा। मध्य नवम्बर 2019 ई. से रूस की विदेश नीति रूसी सेनाओं को अस्त्र-गर्जना का अवसर देगी। सन् 2019-20 की शीत ऋतु रूस के लिए अग्निपरीक्षा को बतलाती है।

इस समय अवधि में रूस का सैन्य--- आर्थिक टकराव पश्चिम यूरोप एवं अमेरिका से सम्भव है। अस्त्र-गर्जना मध्य एशिया एवं पूर्वी यूरोप में संभव है। रूसी अर्थ -व्यवस्था इस काल अवधि में संकटग्रस्त हो सकती है। यह संवत् अर्थव्यवस्था के लिए अशुभ है।

चीन- चीन में जगत् लग्नोदय कन्या राशि में हो रहा है। कन्या और वृष दोनों ही राशियां इस राष्ट्र को प्रभावित करती है। नववर्ष प्रवेश सिंह लग्न में हो रहा है। नववर्ष प्रवेश कुण्डली में लग्न अधिपति अष्टम भावस्थ है और एकादशेश बुध लग्न पर दृष्टिपात कर रहा है। चीन की स्थापना की कुण्डली में सितम्बर 2019 ई. में नवम अधिपति बुध की महादशा प्रारम्भ होने वाली है। संवत् 2076 के प्रथम भाग के उपरांत चीन 'युगान्तकारी' बदलाव देखेगा। चीन के अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध पश्चिम जगत् एवं भारत से अति तनावपूर्ण हो सकते है। चीन में चले आ रहे 'कम्युनिस्ट' साम्राज्य अपने अंतिम पड़ाव को स्पर्श करेगा। चीन की अर्थव्यवस्था अराजकता एवं असंतुलन के कारण अनेक उतार-चढ़ाव देखेगी। अक्टूबर 2019 ई. से भारत और चीन के सम्बन्ध सन् 1962 ई. जैसी परिस्थिति में पहुंच सकते है। राष्ट्रनायकों को अति सर्तक रहने की आवश्यकता है। मार्च 2019 से मई 2019 ई. तक का समय चीन के लिए कूटनैतिक तनाव का है। मई 2019 से सितम्बर 2019 तक चीन अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति एवं आर्थिक प्रतिबन्धों के कारण अपने आप को अकेला व पीड़ित समझेगा। इस परिस्थिति से बाहर आने के लिए अक्टूबर 2019 ई. तक चीन आक्रामक हो सकता है। अभूतपूर्व सैन्य प्रदर्शन एवं अस्त्र-शस्त्रों के उत्पादन एवं संग्रह करने से विश्व शांति पर संकट के बादल मंडराएगे।

कोरिया- कोरिया इस वर्ष कन्या लग्न के प्रभाव में रहेगा। लग्नेश बुध लग्न पर पूर्ण दृष्टिपात करता रहेगा। गुरू अशुभ होकर अष्टम भाव को प्रभावित कर रहा है। मार्च-अप्रैल 2019 ई. तक कोरिया अपने आप को अलग-थलग पड़ा महसूस

करेगा। जनता में राजनायक के प्रति क्रोध दिखाई दे सकता है। इस अवधि में कोरिया का विदेशी शक्तियों द्वारा दमन भी संभव है। इस काल अवधि में कोरिया अमेरिका की रणनीति एवं कूटनीति के समक्ष नतमस्तक हो सकता है।

अक्टूबर 2019 ई. से कोरिया के लिए अत्यन्त अशुभ समय है। अमेरिका से चल रही शांति वार्ता एकाएक डावांडोल हो सकती है। यह राष्ट्र चीन एवं रूस के साथ मिलकर अमेरिका को आंखें दिखाएगा। कोरिया के साथ अमेरिकी शांति वार्ता विफल होना, सउदी अरब का अस्थिरता की ओर जाना, भारत-पाक सम्बन्ध सैन्य तनाव की ओर अग्रसर होन, रूस-अमेरिका की शीत युद्ध जैसी परिस्थितति में होना और अमेरिका चीन का आर्थिक युद्ध 'तृतीय विश्व युद्ध' के भय को सितम्बर 2019 ई. में जन्म देगा।

प्रान्तीय राज्य संघ

उत्तर प्रदेश- उत्तर प्रदेश की प्रभाव राशि धनु है। राशि का अधिपति गुरू वर्ष भर वृश्चिक एवं धनु में ही संक्रमण करेगा। शनि भी धनु में ही संक्रमण कर रहा है। राहु की दृष्टि भी धनु राशि पर है। यह वर्ष उत्तर प्रदेश की राजनीति धर्म, न्यायपालिका, एवं राजनेताओं के आपसी वैचारिक मतभेदों द्वारा जनित संघर्ष में ही व्यतीत हो जाएगा। उत्तर प्रदेश में महागठबन्धन पैर पकड़ता नहीं दिख रहा है। राष्ट्रीय राजनैतिक दल एकजुट होकर राष्ट्र में सफलता नहीं प्राप्त कर पाएगें। लोकसभा के चुनावों के परिणाम भाजपा के पक्ष में ही रहेंगे। यातायात एवं शिक्षा के क्षेत्र में यह राज्य अभूतपूर्व प्रगति करेगा। इस वर्ष राज्य के लिए कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा एक बड़ा संकट है। ग्रह चाल किसी बड़े आतंकी आक्रमण अथवा सम्प्रदायिक तनाव की सम्भावना दिखा रहें है। 70 प्रतिशत सीटें भाजपा को मिलने की सम्भावना है।

राजस्थान- तुला राशि से प्रभावित इस राज्य की जगत कुण्डली में नवम् भाव में द्वादश अधिपति राहु बैठ कर लग्न को प्रभावित कर रहा है। लग्नेश (प्रभाव राशि अधिपति) भी राहु से दृष्ट है। श्री राहुल गांधी इस वर्ष राजस्थान में कांग्रेस को मजबूत कर पाएगें। सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के लिए राजस्थान विधान- सभा में प्रदर्शन शोचनीय रहेगा किन्तु 2019 लोकसभा में राजस्थान भाजपा को ही अपना बहुमूल्य मत प्रदान करता प्रतीत होता है। प्रगति इस राज्य मे अल्पकाल के लिए रूक जाएगी।

मध्य प्रदेश- मध्य प्रदेश की प्रभाव राशि वृष है। जगत लग्न में वृष में मंगल स्थित है। गुरू, शनि, केतु वृष, के मंगल साथ षडाष्टक योग का निर्माण करते है। शुक्र --शनि से दृष्ट है। इस राज्य में शिक्षा एवं नारी कल्याण के लिए विशेष प्रयास किए जाऐगे। इस वर्ष मध्य प्रदेश में कल-कारखानों एवं उद्यौगों में अभूतपूर्व निवेश से एक नवीन युग का आरम्भ होगा। नागरिको के लिए रोजगार के नए आयाम उपलब्ध होंगे। इस वर्ष कृषि उत्पादन भी अच्छा प्रतीत होता है। चना एवं मूंगफली का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होने से मध्य प्रदेश की मंडीयों में इनके भाव में मंदी रहेगी। लोकसभा के चुनाव में 60 से 65 प्रतिशत सीटें भाजपा गठबन्धन को मिलती प्रतीत हो रही है

गुजरात-सिंह राशि से प्रभावित इस राज्य की राशि में ही जगत लग्न उदित है इस राज्य की अर्थव्यवस्था अच्छी रहेगी और यातायात के साधनों में नवीनीकरण होगा। यह राज्य इस वर्ष जातीय हिंसा और तनाव से भी त्रस्त रह सकता है। कृषि उत्पादन सामान्य ही रहेगा। वर्ष के अन्त में इस राज्य में किसी प्राकृतिक आपदा से जन-पलायन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कम-से-कम 80 प्रतिशत लोकसभा सीटें भाजपा को प्राप्त हो सकती है।

दिल्ली- वृष राशि से प्रभावित इस राज्य को मकर राशि भी प्रभावित करती है। दिल्ली के लिए संवत् 2076 अप्रत्याशित राजनैतिक उथल-पुथल वाला होगा। सत्तारूढ़ 'आम आदमी पार्टी' के लिए 2019 ई. की शरद् ऋतु कठिन समस्याओं को लेकर आएगी। इस राज्य में जनता प्रदूषण, जल-वायु एवं बढ़ती जनसंख्या से पीड़ित रहेगी। लोकसभा के चुनावों में भाजपा 3-4 सीटों पर कड़े संघर्ष से विजय प्राप्त कर पाएगी। इस वर्ष दिल्ली की राज्य सरकार की चाबी - 'न्यायपालिका'

किसी अभूतपूर्व स्थिति के कारण अपने हाथों में ले सकती है। संवत् के अन्त में अर्थात् सन् 2020 ई. में इस राज्य पर अति गंभीर सुरक्षा संकट प्रतीत हो रहें है।

काश्मीर- काश्मीर की प्रभाव राशि तुला है। इस वर्ष काश्मीर की राजनैतिक स्थिति तनावग्रस्त रहेगी। काश्मीर इस वर्ष प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से केन्द्र सरकार द्वारा संचालित होता रहेगा। राज्य के बड़े राजनेताओं पर आतंकी हमलों का संकट दृष्य हो रहा है। संवत् के आरंभ से ही इस राज्य में वातावरण अशांत और विस्फोटक हो जाएगा। भारत को विघटित करवाने वाले 'आतंकी राग' जोर पकड़ेंगे और सैन्य बल 'शक्ति-प्रदर्शन' के लिए बाध्य हो जाएगें। भारत की अखंडता बनाए रखने और शांति स्थापित करने के लिए इस राज्य में इस वर्ष अभूतपूर्व सैन्य कार्यवाही संभव है।

पंजाब- पंजाब की प्रभाव राशि मीन है। जगत लग्न में मीन अष्टम भाव में स्थित है। गुरू भी शनि और केतु से युक्त है। पंजाब की राज्य सरकार का केन्द्र सरकार के साथ तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेगा। न्यायपालिका का हस्तक्षेप अनिवार्य हो जाएगा। इस राज्य की सरकार जनता पर नवीन करों को लागू करेगी एवं कुछ धर्म से सम्बन्धित विषयों पर नवीन नीतियों का गठन करेगी। जिसके कारण जनता में तनाव एवं रोष व्याप्त रहेगा। यह राज्य कुछ वर्षो से किसी बड़े अंतर्राष्ट्रीय षड्यन्त्र की रणभूमि बना हुआ है, इस भयानक सच को सुरक्षा तंत्र, सरकार एवं जनता इस वर्ष समझ पाएगी। लोकसभा के चुनावों में 30-40 प्रतिशत सीटें कांग्रेस गठबन्धन को प्राप्त होगी।

खाद्यान्न समस्या

अन्नं प्राणोवलं चान्नमन्नं सर्वार्थ साधकम्। देवासुरमनुष्याश्च सर्वे धान्योपजीविनः।

गेंहू आदि खाद्य पदार्थो की मंहगाई निरन्तर बढ़ते जाने की भविष्यवाणी गत कई वर्षो से इस पंचांग में करते आ रहें है, स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद शनैः-शनैः महंगाई बढ़ती गई और विगत अनेक वर्षो से तो सुरसा के मुख की भांति विकराल रूप से बढ़ती जा रही है। 10--11 वर्ष पूर्व गेंहू, चावल, चना, चांदी, सोना आदि का जो भाव होता है।, वह दुगुने-तिगुने से भी अधिक हो जाता है। मंहगाई रोकने और गरीबी दूर करने की राजनेताओं की चुनावी घोषणाएं निरर्थक सिद्ध हुई है। भारत के प्राचीन महर्षियों ने अन्न की महिमा में कहा है कि राजा या राष्ट्रनायक को अपने राजकीय अन्न भण्डार में तीन वर्ष तक राष्ट्र के पोषण योग्य संग्रह रखना चाहिए। सोना, चांदी, माणिक्य आदि रत्नों की ओर न भाग कर जैसे और जिस विधि से भी हो, अधिक अन्न उपजाकर अपना तथा राष्ट्र का हित करना चाहिए।

वायु परीक्षा

यहां वर्षा दुर्भिक्ष उत्पातादि का विचार ग्रहयोगानुसार लिखा गया है। आषाढ़ी पूर्णिमा की वायु परीक्षा और अन्य दिव्य अन्तरिक्ष-लक्षण जहां शुभ शकुन का संकेत देंगे, वहां अवर्षण उत्पात दुर्भिक्ष न होकर सामयिक सुवृष्टि एवं सुभिक्ष होगा। जहां आषाढ़ी पूर्णिमा को सूर्यास्त के समय दक्षिण पश्चिम नैऋत्य कोण में वायु चलेगी, वहां दुर्भिक्ष उत्पात, रोग, भय अधिक होंगे। विद्वान दैवज्ञों को वर्ष भर के गर्भ लक्षण शकुन विचार नोट करने चाहिए। वर्ष-भर के न हो सकें, तो कम-से-कम इस वर्ष आषाढ़ी पूर्णिमा 16 जुलाई, मंगलवार को सायं तक खुले स्थान में जाकर ध्वजा पूजनपूर्वक विधिवत वायु-परीक्षा करके अपने राष्ट्र के शुभाशुभ फल का निर्णय करें।

वाणिज्य व्यवसाय

इस वर्ष व्यापारीयों के प्रतिनिधि ग्रह बुध को दशाधिकारीयों में कोई पद प्राप्त नहीं है। व्यापारियों को व्यवसायिक चिंता तथा मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। बाजारों में पूंजी की तरलता तथा धन के प्रवाह में कमी का अनुभव होने की संभावना रहेगी। लाल रंग के फल-फूल, गुड़, मद्य, तीक्ष्ण पदार्थ, लाल मिर्च, पारा, मनशिल, मसरी, लाल रंग की धातु और वस्त्र, तांबा, शस्त्र, मूंगा, बकरा, बकरी, अलसी, एरंडा, तिल, सुगन्धित द्रव्य, इत्र आदि के महंगे होने की संभावना रहेगी। चना, मटर, कांगुनी, कोदों, उड़द, काला नमक, काले रंग की वस्तुओं के भाव में कुछ कमी आ सकती है।

वायुमंडल वर्षारोगोत्पादि

इस वर्ष की ग्रह स्थिति के आधार पर प्राचीन ग्रन्थों में सार्वत्रिक वर्षादि का सामूकि विचार यहां लिख रहां हूं। भौमान्तरिक्ष दिव्य निमित्तानुसार वर्षा वायु भिन्न प्रान्तों में विभिन्न रूपों में होती है। भारतीय वायुशास्त्र में प्रत्येक नगर या मंण्डल में प्रतिदिन की वायु गर्जना बादल विद्युतादि की परीक्षा द्वारा व वृष्टि गर्भ लक्षण का उल्लेख है। जैसे आषाढ़ी पूर्णिमा की वायु परीक्षा द्वारा तत्रद्देशीय दुर्भिक्ष-सुभिक्ष का ज्ञान होता है, वैसे ही प्रत्येक मास की प्रमुख तिथियों की वायु वर्षा मेघ-गर्जन आदि अंतरिक्ष निमित्त से भावी वर्षा का ज्ञान होता है। इस कार्य के लिए प्रत्येक प्रान्त व मंण्डल में एक वायु वृष्टि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हो, जिसमें प्रतिदिन की वायु-वर्षा का रिकॉर्ड रखा जाये, उस अंतरिक्ष दिव्य निमित्त और ग्रह योगों का मिलान करके वर्षादि की जो भविष्यवाणी की जायेगी, वह उस स्थान के लिए सत्य सिद्ध होगी। भौमान्तरिक्ष दिव्य निमित्तों के बिना केवल ग्रहयोगो से की गई भविष्यवाणी सर्वत्र शत-प्रतिशत सही हो यह निश्चित नही। यह बात विगत वर्षो से इस पंचांग से निरन्तर लिखी जा रही है, परन्तु केन्द्रीय शासन ने राष्ट्र के लिए परमोपयोगी इस विषय पर ध्यान नहीं दिया। प्रतिवर्ष बाढ़ और सूखा से यत्र-तत्र भयंकर विनाश हो रहा है

भारत में वर्षा के दिन

टाषाढ़ कृ. पंचमी, शनिवार, 22 जून को सूर्य 17 घ. 18 मि. पर आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। वर्षा काल की अवधि 22 जून से 23 अगस्त तक है। आषाढ़ कृष्ण पक्ष में वायु वेग के साथ हल्की वर्षा की संभावना रहेगी। आषाढ़ शुक्ल पक्ष में 'सूर्य, मंगल, बुध' सजल नाडियों में स्थित है, गुरू पवन नाड़ी में है, शुक्र, शनि, केतु सौम्य नाड़ी में स्थित है। इस काल खण्ड में सामान्य वर्षा तथा बादल चाल के योग बने है। श्रावण कृ. पक्ष, 17 जुलाई से 1 अगस्त तक गुरू के अतिरिक्त शेष अन्य ग्रह सजल नाड़ियों में संचारित होंगे। इस पक्ष में पर्याप्त वर्षा के योग है। श्रावण शु. पक्ष, 2 से15 अगस्त के कालखण्ड में गुरू के अतिरिक्त अन्य ग्रह सजल और सौम्य नाड़ियों में रहेंगे। उक्त समय बिजली की गड़गड़ाहट के साथ अच्छी वर्षा की संभावना रहेगी। भाद्रपद कृ. पक्ष में 16 से 30 अगस्त की समयावधि में सूर्य और शुक्र अमृत नाड़ी में, मंगल व बुध अमृत तथा जल नाड़ियों में रहेंगे। इस पक्ष में वायु वेग के साथ तेज वर्षा की संभावना रहेगी। भाद्रपद शु. पक्ष, 31 अगस्त से 14 सितम्बर तक की समयावधि में मध्यम वर्षा के योग है। आश्विन कृ. पक्ष, ता. 15 से 28 सितम्बर तक हल्की वर्षा की संभावना रहेगी। पौष शु. पक्ष, ता. 27 दिसम्बर से 10 जनवरी 2020 ई. के कालखण्ड में तीव्र शीतलहर के साथ हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में बादल चाल के साथ कहीं-कहीं छिटपुट वर्षा के योग है। माघ कृ. पक्ष, 11 से 24 जनवरी की समयावधि में उत्तरी भारत में तीव्र शीत लहर और हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में ओलावृष्टि तथा ऊंचे पर्वत शिखरों पर हिमपात की संभावना रहेगी। माघ शु. पक्ष से फाल्गुन कृ. पक्ष तक ता. 25 जनवरी से 23 फरवरी तक हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में सामान्य वर्षा, हिमपात के योग है। फाल्गुन शु. पक्ष, में ता. 24 फरवरी से , मार्च तक उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की खण्डवृष्टि की संभावना रहेगी।

स्वस्ति प्रजाभ्य: परिपालयन्तां न्याय्येनमार्गेण महीं महीपा:।
गोब्राहाणेभ्य: शुभमस्तु नित्यं लोकास्मस्ता: सुखिनो भवन्तु।।

आश्विन शु. विजयादशमी
रविवार, संवत् 2075 वि.
दिनांक-13—9—2019 ई.

मंगलाकांक्षी
पं. सुधाकर शर्मा त्रिवेदी, रोहिताश्व त्रिवेदी
ज्योतिष्पती निकेतन, सोलन (हि.प्र.)
फोन० 9871956320

श्री संवत् 2076 शक: 1941

चैत्र शुक्ल पक्ष: 1

ता. 6 से 19 अप्रैल 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 16 से 29 चैत्र, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

रा.मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घड़ी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घड़ी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	उदय मिनट	अस्त घंटे	अस्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	तारीखें हि चैत्र	मु रज्जब	अं.ता अप्रैल	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	
16	श.	1	15	23	23	12	रे.	07	22	03	09	वै.	21	46	ब.	15	23	06	06	18	41	12	35	24	29	6	में 07	22	वसन्त नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन, प्रपा दान, कल्पादि गुडी पड़वा, हर्षल अस्त 20/54, यागादि, A
17	र.	2	16	01	24	49	अ.	08	44	06	37	वि.	21	07	कौ.	16	01	06	05	18	42	12	37	25	1शा.	7			श्रृंगार, सिंधारा (राज०) पू० भा० में शुक्र 18/22, गंडमूल समाप्त 8/44, शाबान (मु.8)
18	सो.	3	16	16	25	30	भ.	09	43	09	07	प्री.	20	10	ग.	16	16	06	04	18	43	12	39	26	2	8	वृ.15	54	भद्रा 28/14 से, मत्स्य जयन्ती, मन्वादि, गणगौरी तृतीया, आन्दोलन तृतीया, B
19	मं.	4	16	07	25	10	कृ.	10	19	10	40	आ.	18	55	वि.	16	07	06	03	18	44	12	40	27	3	9			भद्रा 16/7 तक, विनायक चतुर्थी, श्री (लक्ष्मी पंचमी), हय व्रत,
20	बु.	5	15	36	23	55	रो.	10	33	11	18	सौ.	17	23	बा.	15	36	06	02	18	44	12	42	28	4	10	मि22	32	नाग पंचमी, स्कन्द षष्ठी, कल्पादि, गुरू वक्री 22/30,
21	गु.	6	14	42	21	43	मृ.	10	25	11	01	शो.	15	32	तै.	14	42	06	01	18	44	12	44	29	5	11			बुध मीन में 28/24, कालरात्रि सप्तमी, ओली प्रारम्भ जैन,
22	शु.	7	13	24	18	31	आ.	09	54	09	46	अं.	13	22	व.	13	24	06	00	18	45	12	45	30	6	12	र्क27	14	भद्रा 13/24 से 24/36 तक, नागणेची माता महोत्सव (नागाणा,राज.),
23	श.	8	11	42	14	18	पुन.	08	58	07	28	सु.	10	53	ब.	11	42	05	59	18	45	12	47	31	7	13			अशोकाष्टमी, श्री दुर्गाष्टमी, श्री रामनवमी, श्री भवानी प्राकट्योत्सव, श्री तारा ज. C
24	र.	9	09	36	09	06	पु.	07	40	04	16	धृ./शू.	08/28	05/59	कौ.	09	36	05	58	18	46	12	48	1	8	14			सूर्य अश्वि. मेष में 14/9 मु. 15 सं. पुण्य 8/9 से, वैशाखी (पं.) नवरात्र समाप्त, श्री अम्बेडकर ज., D
25	सो.	10	07	08	02	59	आ.	05	59	00	06	ग.	25	38	ग.	07	08	05	56	18	47	12	50	2	9	15	सिं05	59	नवरात्र पारणा, कामदा एकादशी स्मार्त, दोलोत्सव, भद्रा 17/48 से 28/23 तक, E
0	सो.	11	28	23	56	09	म.	28	01	55	14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0 0	0	एकादशी का क्षय,
26	मं.	12	25	26	48	46	पू.फा.	25	50	49	46	वृ.	22	07	ब.	14	56	05	55	18	47	12	52	3	10	16			कामदा एकादशी वैष्णव, श्री विष्णु दमनोत्सव, व्य० महापात 11/53 से 16/25 तक, F
27	बु.	13	22	24	41	14	उ.फा.	23	35	44	12	ध्रु.	18	31	कौ.	11	55	05	54	18	48	12	53	4	11	17	क07	17	अनङ्ग त्रयोदशी, अशोक त्रयोदशी, प्रदोष व्रत, श्री महावीर जयन्ती (जैन),
28	गु.	14	19	26	33	52	ह.	21	25	38	49	व्या.	14	56	ग.	08	54	05	53	18	48	12	55	5	12	18			श्री शिव दमनोत्सव, श्री सत्य नारायण व्रत, भद्रा 19/26 से, श्री नृहसिंह दोलोत्सव, G
29	शु.	15	16	42	27	04	चि.	19	29	34	02	ह.	11	32	वि.	06	02	05	52	18	49	12	57	6	13	19	तु.08	25	चैत्री पूर्णिमा व्रत, वैशाख स्नानारम्भ, मन्वादि, चित्रा नक्षत्र युता पूर्णिमा, गुड फ्राइ डे, वस्त्र दान, H

A श्री गौतम जयन्ती, संवत्सरारम्भ, चन्द्र दर्शन मु० 30, उ० श्रृं 8°, चैती चांद चन्द्रव्रत, मंगल रोहिणी में 17/20, पंचक समाप्त 07/22, सरहुल (बिहार), B सौभाग्य शयन व्रत, C मेला बाहुफोर्ट (काश्मीर),

D आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण (जैन), चडक पूजा (बं.), चिरोबा (मणिपुर), भोलावनी मेला (जोधपुर) पाम सन् डे (क्रिशि.), E हिमाचल दिवस, शुक्र मीन में 25/4, गंडमूल समाप्त 28/1, बुध उ.भा. में 7/31,

F बाबू केयुर सिंह दिवस (बिहार) G कामोत्सव 14, शुक्र उ.भा. में 19/12, H ओली समाप्त (जैन) श्री हनुमान जयन्ती, (द.भा.) श्री एकलिंग जी महोत्सव कैलासपुरी (राज.) भद्रा 6/2 तक, व्रतोपवास

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

चैत्र शुक्ल पक्ष 8 शनिवार स्टै. टा. प्रात: 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
11	3	1	11	8	10	8	2	8
28	1	14	1	0	26	26	28	28
40	18	17	3	13	35	9	2	2
0	44	12	58	13	47	36	56	56
58	836	39	62	0	72	1	3	3
50	58	27	35	26	31	39	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
रेवती	पुनर्वसु	रोहिणी	पू.भा.	मूल	पू.भा.	पू.षा.	पुनर्वसु	उ.षा.
4	4	2	4	1	2	4	3	1

1, बु., 11 शु., म. 2, 12 सू., 10, 9 के., रा. 3, श. गु., 4 चं., 6, 8, 5, 7

प्रतिपदा, शनिवार को उत्तर श्रृंगोन्नत चन्द्रदर्शन होगा। चांदी, सोना, रूई, सरसों वस्त्र, अलसी में तेजी तथा अनाज में मंदी कारक है। दक्षिण में उपद्रव हो। पंचमी बुधवार को धनु राशि में गुरू वक्री होगा गेहूं, चना, गुड़, लवण आदि सब अन्न सस्ते होवें। षष्ठी, गुरूवार को बुध मीन में प्रवेश करेगा। जनता तथा शासन में परस्पर विरोध, मतभेद में वृद्धि यात्री व मालवाहक 'वाहनो' में दुर्घटना की बढ़ौतरी करता है। नवमी रविवार को सूर्य 'अश्वि. मेष' में प्रविष्ट होगा। **'नैऋत्ये च यदा दृष्टि भयतंत्र च दारूणम्। नृपाणां च भवेन्नाशो दुर्भिक्षं च फलं लभेत ।।'** पश्चिम तथा उत्तर के देशों में दुर्भिक्ष आदि भय होता है। पूर्व के देशों में युद्धादि से भय व अशान्ति का वातावरण बनता है तथा दक्षिण के देशों में सुख व शान्ति होती है। दशमी सोमवार को शुक्र 'मीन' राशि में प्रवेश करेगा। **'मीन राशिगते शुक्रे सुभिक्षं प्रचुरं भवेत। मेदिनी सुख संयुक्ता भविष्यति न संशय: ।।'** जब मीन राशि में शुक्र हो तब अत्यन्त सुभिक्ष होवे और पृथ्वी सुख से नि:संदेह संयुक्त हो जाए।

चैत्र शुक्ल पक्ष 15 शुक्रवार स्टै. टा. प्रात: 5:30

मं. 2, बु. शु. 12, रा 3, सू., 11, 1, 10, 4, 7, के. 9 श. गु., 5, चं. 6, 8

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
0	5	1	11	8	11	8	2	8
4	28	18	8	0	3	26	27	27
32	14	13	3	7	51	17	43	43
19	21	30	46	15	8	49	52	52
58	871	39	76	1	72	1	3	3
37	56	19	49	33	36	5	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
अश्विनी	चित्रा	रोहिणी	उ.भा.	मूल	पू.भा.	पू.षा.	पुनर्वसु	उ.षा.
2	2	3	2	1	1	4	3	1

श्री संवत् 2076 शकः 1941

वैशाख कृष्ण पक्षः 2

ता. 20 अप्रैल से 4 मई 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 30 चैत्र से 14 वैशाख तक, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

ता.मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदय घंटे	सूर्योदय मिनट	सूर्यास्त घंटे	सूर्यास्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	वैशाख	शाबान	अप्रैल	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	
30	श.	1	14	21	21	14	स्वा.	17	58	30	17	व./सि	08/29	24/42	कौ.	14	21	05	51	18	49	12	58	7	14	20			सूर्य सायन वृषभ में 14/25, ग्रीष्म ऋतु प्रारम्भ,
1	र.	2	12	33	16	47	वि.	17	01	27	57	व्य.	27	30	ग.	12	33	05	50	18	50	13	00	8	15	21	वृ 11	11	भद्रा 23/53 से, राष्ट्रीय वैशाख प्रारम्भ, दातण हेला (उदयपुर राज.), A
2	सो.	3	11	25	13	59	अ.	16	45	27	19	व.	25	55	वि.	11	25	05	49	18	51	13	01	9	16	22			श्री गणेश चतुर्थी व्रत, भद्रा 11/25 तक, गुरु वृश्चिक में 25/11, B
3	मं.	4	11	04	13	12	ज्ये.	17	16	28	42	प.	24	58	बा.	11	04	05	48	18	51	13	03	10	17	23	ध.17	16	
4	बु.	5	11	32	14	22	मू.	18	35	31	59	शि.	24	39	तै.	11	32	05	47	18	52	13	04	11	18	24			गंडमूल 18/35 तक, प्लूटो वक्री 24/15,
5	गु.	6	12	47	17	31	पू.षा.	20	37	37	06	सि.	24	53	व.	12	47	05	46	18	52	13	06	12	19	25	म.27	13	भद्रा 12/47 से 25/39 तक, बुध रेवती में 10/35,
6	शु.	7	14	40	22	16	उ.षा.	23	14	43	41	सा.	25	33	ब.	14	40	05	45	18	53	13	08	13	20	26			मासिक कालाष्टमी, मंगल मृगशिरा में 25/2,
7	श.	8	17	01	28	11	श्र.	26	12	51	09	शु.	26	30	कौ.	17	01	05	45	18	54	13	09	14	21	27			
8	र.	9	19	34	34	36	ध.	29	17	58	53	शु.	27	31	तै.	06	17	05	44	18	54	13	11	15	22	28	कु.15	45	पंचक 15/45 से, सूर्य भरणी में 6/3, वै० महापात 25/42 से, लो सन् डे (क्रिश्चि.),
9	सो.	10	22	04	40	53	श.	—	—	60	00	ब्र.	28	27	व.	08	51	05	43	18	55	13	12	16	23	29			भद्रा 8/51 से 22/4 तक, शुक्र रेवती में 19/23, वै० महापात 8/2 तक,
10	मं.	11	24	18	46	30	श.	08	14	06	20	ऐ.	29	09	ब.	11	14	05	42	18	55	13	13	17	24	30	मी28	15	वरूथिनी एकादशी व्रत सर्वेषाम्, श्री वल्लभाचार्य जयन्ती, शनि वक्री 6/24,
11	बु.	12	26	05	51	00	पू.भा.	10	52	12	57	वै.	29	30	कौ.	13	15	05	41	18	56	13	15	18	25	1 मई			श्रमिक दिवस, महाराष्ट्र, गुजरात दिवस, मई दिवस, हरिवासर 6/44 तक,
12	गु.	13	27	21	54	12	उ.भा.	13	02	18	24	वि.	29	26	ग.	14	47	05	40	18	57	13	16	19	26	2			प्रदोष व्रत, भद्रा 27/21 से, गंडमूल 13/2 से,
13	शु.	14	28	04	56	02	रे.	14	40	22	32	प्री.	28	57	वि.	15	47	05	39	18	57	13	18	20	27	3	मे.14	40	भद्रा 15/47 तक, पंचक 14/40 तक, मासिक शिवरात्रि व्रत, बुध मेष में 17/3,
14	श.	30	28	15	56	31	अ.	15	47	25	21	आ.	28	03	च.	16	13	05	39	18	58	13	19	21	28	4			शनैश्चरी अमावस्या, गंडमूल 15/47 तक, ब्रतोपवास,

A शब ए बारात (मु.), ईस्टर सन् डे (क्रिश्चि.) B धींगा गणगौर (उदयपुर राज.) चन्द्रोदय 22/00 गंडमूल 16/45 से,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

वैशाख कृष्ण 8 शनिवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
0	9	1	11	7	11	8	2	8
12	13	23	19	29	13	26	27	27
20	6	27	22	49	32	23	18	18
17	40	16	23	2	27	20	26	26
58	713	39	92	3	72	0	3	3
23	27	8	28	0	43	18	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
अश्विनी	श्रवण	मृगशिरा	रेवती	ज्येष्ठा	उ.भा.	पू.षा.	पुनर्वसु	उ.षा.
4	1	1	1	4	4	4	3	1

'**वैशाखे कृष्ण प्रतिपत्तिथिहीने समेधिके। नक्षत्रेऽल्पजलं भूमौ सुख वहु जलं क्रमात्।**' वैशाख कृष्ण प्रतिपदा की घटिकायें, उस दिन के नक्षत्र स्वाती से कम है। अल्प वर्षा का योग है। इस मास में पांच शनिवार है। '**शनैश्च पंचकं दृष्टवा पाताले कंपते फणी। ईशानदेश भंगश्च वहृनिदाहो महर्घता।।**' ईशान 'पूर्वोत्तर' देश का भंग, अन्न के भाव तेज और अग्निभय हो। सप्तमी शनिवार को मंगल 'मृगशिरा' नक्षत्र में प्रवेश करेगा। '**कार्पासनाशः प्रवल सुभिक्षं मृगे कुजे भूर्जलपूरितैव**' के अनुसार कपास की उपज का नाश, पृथ्वी जल से पूर्ण हो और और सुभिक्ष होवे। नवमी रविवार को सूर्य भरणी में प्रविष्ट होगा। हैजा आदि भयंकर रोगो से जनता को कष्ट हो। सोना, चांदी, तांबा, पीतल, आदि धातु चावल गेहूं, जौ, चना, मोठ, अलसी, सरसों, खांड, घृतादि में तेजी आती है तथा रूई में मंदी कारक है। चतुर्दशी, शुक्रवार को बुध 'अश्वि-मेष' में प्रविष्ट होगा। '**यदा सौम्यः स्थितो मेषे महर्घं च चतुष्पदाम्। सुवर्ण समता याति नात्र कार्या विचारणा।।**' पशु महंगे होवे और सोने का समान भाव रहे। वक्री शनि का 'मंगल' से षडाष्टक है। अग्निकांड, रक्तपात, बम विस्फोट, उपद्रव से जन-धन हानि की आशंका रहेगी।

वैशाख कृष्ण 30 शनिवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
0	0	1	0	7	11	8	2	8
19	7	28	0	29	22	26	26	26
8	50	0	54	23	1	23	56	56
20	40	48	23	47	49	01	11	11
58	765	39	105	4	72	0	3	3
12	58	1	15	12	48	23	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
भरणी	अश्विनी	मृगशिरा	अश्विनी	ज्येष्ठा	रेवती	पू.षा.	पुनर्वसु	उ.षा.
2	3	2	1	4	2	4	3	1

श्री संवत् 2076 शकः 1941
वैशाख शुक्ल पक्षः 3

ता. 5 से 18 मई 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 15 से 28 वैशाख, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घड़ी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घड़ी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदय घंटे	सूर्योदय मिनट	सूर्यास्त घंटे	सूर्यास्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	तारीखें हि (वैशाख)	मु (रमजान)	अं ता (मई)	चन्द्र संचार राशि	घंटे	मिनट	
15 वैशा.	र.	1	27	59	55	53	भ.	16	24	26	56	सौ	26	48	किं	16	10	05	38	18	58	13	21	22	29	5	वृ	22	30	देव दामोदर तिथि (आसाम), यागादि,
16	सो.	2	27	18	54	13	कृ.	16	36	27	28	शो	25	13	बा.	15	41	05	37	18	59	13	22	23	30	6				श्री शिवाजी जयन्ती, बुध अस्त 26/48, चन्द्र दर्शन 45 मुहूर्ती, उ.श्रृंग 8,
17	मं.	3	26	17	51	42	रो.	16	27	27	07	अ.	23	22	तै.	14	50	05	36	19	00	13	23	24	1 रम.	7	मि	28	15	श्री परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया, मंगल मिथुन में 6/53, श्री मातङ्गी जयन्ती, रमजान प्रा.(मु.) A
18	बु.	4	24	59	48	29	मृ.	15	59	25	59	सु.	21	17	व.	13	40	05	35	19	00	13	25	25	2	8				विनायक चतुर्थी, भद्रा 13/40 से 24/59 तक,
19	गु.	5	23	27	44	41	आ.	15	17	24	16	धृ.	19	00	ब.	12	15	05	35	19	01	13	26	26	3	9				आद्य जगद् गुरू श्री शंकराचार्य जयन्ती,
20	शु.	6	21	42	40	20	पुन.	14	21	21	57	शू.	16	32	कौ.	10	36	05	34	19	01	13	27	27	4	10	क	08	36	शुक्र अश्वि. मेष में 19/6, श्री रामानुजाचार्य जयन्ती (उ.भा.) बुध भरणी में 22/9,
21	श.	7	19	45	35	29	पु.	13	13	19	09	ग.	13	55	ग.	08	44	05	33	19	02	13	29	28	5	11				श्री गंगा जयन्ती, भद्रा 19/45 से, गंडमूल 13/13 से, सूर्य कृतिका में 24/8, B
22	र.	8	17	37	30	11	आ.	11	55	15	56	वृ.	11	09	वि.	06	42	05	33	19	03	13	30	29	6	12	सिं	11	55	मासिक दुर्गाष्टमी, भद्रा 6/42 तक, श्री बगलामुखी जयन्ती, भतृहरि मेला अलवर,
23	सो.	9	15	21	24	32	मं.	10	27	12	17	ध्रु. / व्या.	08 / 29	16 / 17	कौ.	15	21	05	32	19	03	13	31	30	7	13				श्री जानकी जयन्ती, श्री सीता नवमी, गंडमूल 10/27 तक,
24	मं.	10	12	59	18	39	पू.फा.	08	53	08	24	ह.	26	16	ग.	12	59	05	31	19	04	13	32	31	8	14	क	14	29	भद्रा 23/47 से, श्री एकलिंगजी में ध्वजारोहण (उदयपुर राज.), श्री महावीर केवल ज्ञान दिवस (जैन),
25	बु.	11	10	36	12	43	उ.फा.	07	16	04	23	व.	23	15	वि.	10	36	05	31	19	05	13	34	1 ज्येष्ठ	9	15				मोहिनी एकादशी, (सर्वेषाम्) सं. सूर्य वृषभ में 11/1 मु. 30, संक्राति पुण्य, C
26	गु.	12	08	15	06	52	ह. / चि.	05 / 28	42 / 16	00 / 56	29 / 56	सि.	20	20	बा.	08	15	05	30	19	05	13	35	2	10	16	तु	16	57	प्रदोष व्रत, हर्षल उदय 14/29
27	शु.	13	06	05	01	28	स्वा.	27	07	54	03	व्य.	17	36	तै.	06	05	05	30	19	06	13	36	3	11	17				श्री नृसिंह जयन्ती, भद्रा 28/11 से, मंगल आर्द्रा में 13/59, बुध कृतिका में 10/18,
0	शु.	14	28	11	56	45	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	चतुर्दशी का क्षय,
28	श.	15	26	41	53	00	वि.	26	22	52	12	व.	15	10	वि.	15	23	05	29	19	06	13	37	4	12	18	वृ	20	30	श्री कूर्म जयन्ती, श्री बुद्ध जयन्ती, श्री सत्यनारायण व्रत, वैशाख स्नान समाप्त, छिन्नमस्ता ज. D

A त्रेता युगादि, कल्पादि, श्री टैगोर जं., B व्य० महापात 20/41 से 27/31 तक, हर्षल भरणी में 23/10, C सूर्योदय से सूर्यास्त तक, भद्रा 10/36 तक, D भद्रा 15/23 तक, यम प्रीत्यर्थ जलघट दान, बुध वृषभ में 23/35,

वैशाख शुक्ल रविवार 8 स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
0	3	2	0	7	0	8	2	8
26	26	3	15	28	1	26	26	26
52	13	12	54	45	44	16	30	30
58	28	17	59	13	26	49	44	44
57	847	38	119	5	72	1	3	3
57	32	51	49	25	51	9	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
कृत्तिका	आश्लेषा	मृगशिरा	भरणी	ज्येष्ठा	अश्विनी	पू. षा.	पुनर्वसु	पू. षा.
1	3	3	1	4	1	4	2	4

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

वैशाख शुक्ल 15 शनिवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
1	6	2	0	7	0	8	2	8
2	21	7	28	28	9	26	26	26
40	22	5	22	10	1	8	11	11
10	48	3	41	24	37	13	40	40
57	832	38	128	6	72	1	3	3
47	24	44	48	11	53	42	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
कृत्तिका	विशाखा	आर्द्रा	कृत्तिका	ज्येष्ठा	अश्विनी	पू. षा.	पुनर्वसु	पू. षा.
2	1	1	1	4	3	4	2	4

द्वितीया, सोमवार को वृषभ राशि में उत्तर श्रृंगोन्नत चन्द्र दर्शन होगा। उरद, मूंग, मोंठ, तिल में तेजी कारक है। महामारी आदि रोगों का उपद्रव बढ़ता है। इसी दिन 'बुध' पूर्व में अस्त हो जाएगा, सुभिक्ष कारक है। तृतीया मंगलवार को 'मंगल' मिथुन में प्रवेश करेगा।'**मिथुने च यदा भौमः मेघश्च प्रबलो भवेत्। आरक्तं सर्वद्रव्याणि महर्घाणि भवन्ति ते।।**' मेघ प्रबल होवें और सब लाल रंग की वस्तुएं तेज होवें। गुड़, खांड, अलसी, रूई में तेजी लाता है। षष्ठी शुक्रवार को 'शुक्र' मेष में प्रविष्ट होगा। 'यदा दैत्यगुरूर्मेषे सर्वधान्य महर्घता। महिषी पशु पीड़ा च मेघ वर्षा भविष्यति।।' सब अन्न मंहगे होवे तथा भैंस आदि पशुओं को पीडा हो और बादल वर्षा करे। एकादशी बुधवार को 'सूर्य' वृषभ राशि में प्रविष्ट होगा। वृषराशिगत सूर्य के काल में सर्वसुखदायी सुभिक्ष हो और दूध, दही, घृत, मंहगे होवे तथा अन्न प्रचुर उत्पन्न होवे। '**वायव्ये च यदा दृष्टिः सर्वसौख्य समन्विता। सुभिक्षं च विजानियात् नृपाणां च कलिर्भवेत्।।**' पश्चिम तथा दक्षिण के देशों में पीड़ा, उत्तर के देशों में युद्ध आदि का भय और पूर्व के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख होता है। पूर्णिमा शनिवार को बुध 'वृषभ' में प्रवेश करेगा। '**सोमपुत्रो वृषे स्थित्वा एवं कुर्याच्च लक्षणम्। मेदिनी नवखण्डेषु कलहश्च महद् भयम्।।**' समस्त पृथ्वी पर कलह होवे और अत्यंत भय व्याप्त हो।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः 4

ता. 19 मई से 3 जून 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 29 वैशाख से 13 ज्येष्ठ तक, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु।

रा.मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि ज्येष्ठ	मु रमजान	अं ता मई	चन्द संचार राशि	घंटे	मिनट	इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।
29 वैशा	र.	1	25	43	50	36	अ.	26	07	51	36	प.	13	06	बा.	14	08	05	29	19	07	13	38	5	13	19				श्री नारद जयन्ती, गंडमूल 26/7 से,
30	सो	2	25	21	49	43	ज्ये.	26	29	52	33	शि.	11	29	तै.	13	27	05	28	19	07	13	39	6	14	20	ध.	26	29	
31	मं.	3	25	41	50	33	मू.	27	31	55	08	सि.	10	23	व.	13	26	05	28	19	08	13	40	7	15	21				भद्रा 13/26 से 25/41 तक, गंडमूल 27/31 तक, श्री माँ आनंदमयी जयन्ती, A
1 ज्येष्ठ	बु.	4	26	41	53	04	पू.षा	29	13	59	24	सा	09	50	ब.	14	06	05	27	19	09	13	41	8	16	22				श्री गणेश चतुर्थी, चन्द्रोदय 22/35, राष्ट्रीय ज्येष्ठ प्रारम्भ,
2	गु.	5	28	19	57	11	उ.षा	—	—	60	00	शु.	09	48	कौ.	15	25	05	27	19	09	13	42	9	17	23	म.	11	29	बुध रोहिणी में 13/29, श्री भुवनेश्वरी महोत्सव (गोंडल, सौराष्ट्र), B
3	शु.	6	—	—	60	00	उ.षा	07	30	05	09	शु.	10	14	ग.	17	19	05	26	19	10	13	43	10	18	24				षष्ठी की वृद्धि, वै० महापात 11/56 तक,
4	श.	6	06	25	02	28	श्र.	10	15	12	03	ब्र.	11	00	व.	06	25	05	26	19	10	13	44	11	19	25	कु	23	44	भद्रा 6/25 से 19/36 तक, पंचक 23/44 से, C
5	र.	7	08	49	08	28	ध.	13	13	19	28	ऐ.	11	58	ब.	08	49	05	26	19	11	13	45	12	20	26				मासिक कालाष्टमी, रोगेशन सन् डे, (क्रिश्चि.)
6	सो	8	11	16	14	38	श.	16	13	27	00	वै.	12	56	कौ.	11	16	05	25	19	11	13	46	13	21	27				शहादत-ए-हजरत अली, (मु.)
7	मं.	9	13	31	20	15	पू.भा	18	58	33	53	वि.	13	45	ग.	13	31	05	25	19	12	13	47	14	22	28	मी	12	43	भद्रा 26/30 से, वीर सावरकर जयन्ती,
8	बु.	10	15	21	24	51	उ.भा	21	18	39	43	प्री.	14	15	वि.	15	21	05	25	19	13	13	48	15	23	29				भद्रा 15/21 तक, बुध उदय 28/27, गंडमूल 21/18 से, D
9	गु.	11	16	38	28	04	रे.	23	03	44	07	आ.	14	19	बा.	16	38	05	24	19	13	13	49	16	24	30	मे	23	03	अपरा एकादशी (सर्वेषाम्), पंचक 23/3 तक, एसेन्सन डे - होली थर्स्डे (क्रिश्चि.)
10	शु.	12	17	17	29	42	अ.	24	12	47	00	सौ.	13	54	तै.	17	17	05	24	19	14	13	50	17	25	31				प्रदोष व्रत, गंडमूल 24/12 तक, जमातुल विदा (मु.),
11	श.	13	17	17	29	43	भ.	24	42	48	15	शो.	12	59	व.	17	17	05	24	19	14	13	50	18	26	1 जून				मासिक शिवरात्री, त्रिदिवसीय वट सावित्री व्रत प्रारम्भ, E
12	र.	14	16	40	28	11	कृ.	24	38	48	06	अ.	11	34	श.	16	40	05	24	19	15	13	51	19	27	2	वृ.	06	44	शब-ए-कद्र (मु.),
13	सो	30	15	32	25	21	रो.	24	05	46	44	सु.	09	43	ना.	15	32	05	23	19	15	13	52	20	28	3				सोमवती अमावस्या, वट सावित्री व्रत समाप्त (अमा पक्ष) भावुका अमावस्या, F

A शुक्र भरणी में 18/33, सूर्य सायन मिथुन में 13/29, B वै० महापात 23/48 से, C सूर्य रोहिणी में 20/26, धनिष्ठा नवकारम्भ 10/15 से, D बुध मृगशिरा में 17/52, E (अमा पक्ष) भद्रा 17/17 से 29/3 तक, बुध मिथुन में 24/17, शुक कृतिका में 17/38, F शनैश्चर जयन्ती, धनिष्ठा नवक समाप्त 24/5, व्रतोपवास,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

ज्येष्ठ कृष्ण 8 सोमवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
1	10	2	1	7	0	8	2	8
11	14	12	17	27	19	25	25	25
19	42	52	59	10	58	49	43	43
23	5	56	22	33	2	22	2	2
57	711	38	129	7	72	2	3	3
37	33	35	11	4	59	28	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
रोहिणी	शतभिषा	आर्द्रा	रोहिणी	ज्येष्ठा	भरणी	पू. षा.	पुनर्वसु	पू. षा.
1	3	2	3	4	2	4	2	4

तृतीया, मंगलवार को 'शुक्र' भरणी नक्षत्र में प्रविष्ट होगा। अधर्मियों को पीड़ा होती है। चांदी, सोना में मन्दी। चना, मूंग, मोठ, ज्वार में घटा-बढ़ी। रूई में तेजी व सरसों, तिल, तेल आदि में मंदी का प्रभाव रहता है। षष्ठी, शनिवार को 'सूर्य' रोहिणी में प्रवेश करेगा। गेहूं, जौ, चना, खांड, ज्वार, बाजरा, तेल, तिल, अलसी, सूत, सन में तेजी कारक है। सेठ, बैंक, कृषक, यन्त्र चालक, पशुओं और जलजीवों को कष्ट होता है। दशमी, बुधवार को बुध वृषभ राशि-मृगशिरा नक्षत्र में उदय होगा। अति वृष्टिकारक है। पन्द्रह दिन में रूई, वस्त्र व अनाज में मंदी कारक है। त्रयोदशी, शनिवार को 'बुध' मिथुन में और 'शुक्र' कृत्तिका में प्रविष्ट होंगे। '**बुध मिथुन राशिस्थो महर्घं च चतुष्पदाम्। तदा वायुर्विजानीयान्मेघश्च प्रचुरो भवेत॥**' पशु महंगे होवें और 'वायु वेग' से बादल बहुत होवें, किन्तु क्रूर ग्रहों से युत होने के कारण वर्षा कम करता है। कृत्तिका नक्षत्रगत 'शुक्र' चांदी, सोना, रूई, वस्त्र, हींग, तिल, तेल में मंदी कारक होता है।

ज्येष्ठ कृष्ण 30 सोमवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
1	1	2	2	7	0	8	2	8
18	12	17	7	26	28	25	25	25
2	44	22	23	19	29	30	20	20
17	35	41	14	27	10	7	47	47
57	814	38	106	7	73	3	3	3
30	24	29	13	30	3	1	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
रोहिणी	रोहिणी	आर्द्रा	मृगशिरा	ज्येष्ठा	कृत्तिका	पू. षा.	पुनर्वसु	पू. षा.
3	1	4	3	3	1	4	2	4

श्री संवत् 2076 शक: 1941
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष: 5

ता. 4 से 17 जून 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 14 से 27 ज्येष्ठ तक, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

ता.मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदय: उदय घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त: अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें: हि ज्येष्ठ	मु रमजान	अं ता जून	चन्द्र संचार: राशि घंटे	मिनट	
14	मं.	1	13	58	21	27	मृ.	23	08	44	22	वृ. / शू.	07 / 28	29 / 58	ब.	13	58	05	23	19	16	13	52	21	29	4	मि.11	39	चन्द्र दर्शन मु० 30 उ० श्रृंगोन्नत 8°, श्री गंगादशाश्वमेघ स्नान प्रारम्भ यागादि A
15	बु.	2	12	03	16	40	आ.	21	54	41	17	ग.	26	14	कौ.	12	03	05	23	19	16	13	53	22	1श.	5			रम्भा तृतीया, बुध आर्द्रा में 11/48, शव्वाल प्रारम्भ (मु० 10), इदुल फितर (मु.),
16	गु.	3	09	55	11	20	पुन.	20	28	37	42	वृ.	23	21	ग.	09	55	05	23	19	17	13	53	23	2	6	क.14	50	श्री महाराणा प्रताप जयन्ती, विनायक चतुर्थी, भद्रा 20/47 से, B
17	शु.	4	07	38	05	38	पु.	18	56	33	53	ध्रु.	20	24	वि.	07	38	05	23	19	17	13	54	24	3	7			भद्रा 7/38 तक, गंडमूल 18/56 से, मंगल पुर्नवसु में 7/39, उमावतार, श्री पार्वती ज.C
0	शु.	5	29	17	59	45	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0 0	0	पंचमी का क्षय,
18	श.	6	26	55	53	50	आ.	17	22	29	58	व्या.	17	25	कौ.	16	06	05	23	19	17	13	55	25	4	8	सिं.17	22	अरण्य षष्ठी, सूर्य मृगशिरा में 18/13, जैमिनी षष्ठी, श्री विंध्यवासिनी पूजा,
19	र.	7	24	36	48	03	म.	15	49	26	05	ह.	14	27	ग.	13	45	05	23	19	18	13	55	26	5	9			भद्रा 24/36 से, गंडमूल 15/49 तक, बीट सन् डे (क्रिश्चि.),
20	सो.	8	22	24	42	33	पू.फा.	14	21	22	25	व.	11	33	वि.	11	29	05	23	19	18	13	55	27	6	10	क.20	00	मासिक दुर्गाष्टमी, भद्रा 11/29 तक, श्री धूमावती जयन्ती, मेला क्षीर भवानी (काश्मीर) D
21	मं.	9	20	20	37	23	उ.फा.	13	00	19	03	सि.	08	46	बा.	09	20	05	23	19	19	13	56	28	7	11			
22	बु.	10	18	27	32	40	ह.	11	51	16	10	व्य. / व.	06 / 27	06 / 37	तै.	07	22	05	23	19	19	13	56	29	8	12	तु.23	21	श्री गंगा दशहरा, शुक्र रोहिणी में 16/20,
23	गु.	11	16	49	28	35	चि.	10	55	13	50	प.	25	22	व.	05	36	05	23	19	19	13	57	30	9	13			निर्जला एकादशी व्रत, भद्रा 5/36 से 16/49 तक, बुध पुर्नवसु में 11/23, E
24	शु.	12	15	30	25	18	स्वा.	10	16	12	13	शि.	23	22	बा.	15	30	05	23	19	20	13	57	31	10	14	वृ.28	01	प्रदोष व्रत, चम्पक द्वादशी,
25	श.	13	14	33	22	55	वि.	09	59	11	30	सि.	21	42	तै.	14	33	05	23	19	20	13	57	1	11	15			वट सावित्री व्रत प्रारम्भ (पूर्णिमा मत) सं. सूर्य मिथुन में 17/38 मु. 30 संकाति पुण्य F
26	र.	14	14	02	21	37	अ.	10	07	11	50	सा.	20	23	व.	14	02	05	23	19	20	13	57	2	12	16			श्री सत्य नारायण व्रत, भद्रा 14/2 से 25/57 तक, गंडमूल 10/7 से, चम्पक चतुर्दशी, ट्रिनिटी सन् डे (क्रिश्चि.)
27	सो.	15	14	00	21	32	ज्ये.	10	43	13	19	शु.	19	29	ब.	14	00	05	23	19	21	13	58	3	13	17	ध.10	43	पूर्णिमा, ज्येष्ठा योग 10/43 तक, वट सावित्री व्रत समाप्त, मन्वादि, सन्त कबीर जं.

A शुक्र वृषभ में 11/20, करवीर व्रत, B मेला हल्दी घाटी (राज.), C श्री गुरू अर्जुनदेव बलिदान दिवस, D शुक्ला देवी व्रत, E श्री गायत्री जयन्ती, F मध्यान्ह से सूर्यास्त तक, राजस संक्रान्ति (उड़ीसा),

ज्येष्ठ शुक्ल 8 सोमवार स्टै. टा. प्रात: 5:30 (दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
1	4	2	2	7	1	8	2	2
24	21	21	14	25	7	25	24	24
44	26	51	55	26	0	7	58	58
22	26	47	16	14	45	21	31	31
57	851	38	98	7	73	3	3	3
23	43	24	18	39	7	29	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
मृगशिरा	पू.फा.	पुनर्वसु	आर्द्रा	ज्येष्ठा	कृत्तिका	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
1	3	1	3	3	4	4	2	4

ज्येष्ठ शुक्ल 15 सोमवार स्टै. टा. प्रात: 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
2	7	2	2	7	1	8	2	8
1	27	26	25	24	15	24	24	24
25	11	20	16	32	32	41	36	36
35	53	11	21	52	45	38	16	16
57	775	38	78	7	73	3	3	3
16	47	18	56	33	11	51	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
मृगशिरा	ज्येष्ठा	पुनर्वसु	पुनर्वसु	ज्येष्ठा	रोहिणी	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
3	4	2	2	3	2	4	2	4

प्रतिपदा, मंगलवार को 'मिथुन' में उत्तर श्रृंगोन्नत चन्द्रदर्शन होगा। पूर्वीय क्षेत्रों में राज-विग्रह (सत्ता संघर्ष) तथा धान्य आदि में मंदी का प्रभाव डालता है। गेहूं, जौ, चना में तेजी कारक है। इसी दिन 'शुक्र' वृषभ में प्रवेश करेगा। '**भृगुपुत्रो वृषे स्थित्वा सुभिक्षं पृथिवीतले। प्रजानां सुखमुत्पन्नं किंचिद्विग्रहकारणम्।।**' रूई में अच्छी मंदी, अनाजों में तेजी। जनता में विग्रह की संभावना रहती है। चतुर्थी, शुक्रवार को 'मंगल' पुर्नवसु में प्रविष्ट होगा। रूई, चांदी, नमक, खांड, तिल, तेल में तेजी कारक तथा पशुओं में रोगादि की वृद्धि करता है। त्रयोदशी, शनिवार को 'सूर्य' मिथुन राशि में प्रवेश करेगा। '**मिथुने भास्करे याते कार्पास: कन्दमूलकम्। तिलाश्च सर्वधान्यानि महर्घाणि स्यूरेव हि।।**' कपास, रूई, कन्दमूल, तिल, तेल और सब अन्न महंगे होवें। '**ईशान्ये यत्र दृष्टि स्यात् नृपमन्येन ग्रासितम्। देशभगं विजानीयात् शिशुनां च विनाशनम्।।**' पूर्व तथा उत्तर के देशों में कष्ट तथा बालकों को पीड़ा होती है। दक्षिण के देशों में युद्धादि का भय और पशिचम के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख और शान्ति होती है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

आषाढ़ कृष्ण पक्षः 6

ता.18 जून से 2 जुलाई 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 28 ज्येष्ठ से 11 आषाढ़, उत्तर/दक्षिण-अयन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि आषाढ़	मु शव्वाल	अंग्रे. जून	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	
28	मं.	1	14	31	22	49	मू.	11	50	16	07	शु.	19	00	कौ.	14	31	05	23	19	21	13	58	4	14	18			गंडमूल समाप्त 11/50, श्री गुरूहरगोविन्द जयन्ती, यागादि,
29	बु.	2	15	34	25	26	पू.षा.	13	29	20	14	ब्र.	18	56	ग.	15	34	05	23	19	21	13	58	5	15	19	म.19	59	भद्रा 28/18 से,
30	गु.	3	17	08	29	21	उ.षा.	15	39	25	38	ऐ.	19	17	वि.	17	08	05	24	19	21	13	58	6	16	20			श्री गणेश चतुर्थी, चन्द्रोदय 21/59, बुध कर्क में 26/27, भद्रा 17/8 तक, अयन शूल,
31	शु.	4	19	09	34	23	श्र.	18	14	32	05	वै.	19	57	ब.	06	06	05	24	19	22	13	58	7	17	21			विश्व योग दिवस, सूर्य सायन कर्क में 21/24, दक्षिणायन प्रारम्भ, अयन शूल, A
1	श.	5	21	27	40	07	ध.	21	07	39	17	वि.	20	50	कौ.	08	16	05	24	19	22	13	58	8	18	22	कु.07	39	पंचक 7/39 से, सूर्य आर्द्रा में 17/18, मंगल कर्क में 23/22, अयन शूल, B
2	र.	6	23	53	46	12	श.	24	07	46	47	प्री.	21	50	ग.	10	40	05	24	19	22	13	58	9	19	23			शूलिनी महोत्सव समाप्त, भद्रा 23/53 से, शुक्र मृगशिरा में 14/38,
3	सो.	7	26	13	52	01	पू.भा.	27	02	54	04	आ.	22	45	वि.	13	04	05	25	19	22	13	58	10	20	24	मी 20	19	भद्रा 13/4 तक, बुध पुष्य में 7/28,
4	मं.	8	28	14	57	03	उ.भा.	—	—	60	00	सौ.	23	28	बा.	15	16	05	25	19	22	13	58	11	21	25			मासिक कालाष्टमी,
5	बु.	9	—	—	60	00	उ.भा.	05	37	00	30	शो.	23	49	तै.	17	03	05	25	19	23	13	57	12	22	26			गंडमूल प्रारम्भ 5/37 से, नवमी की वृद्धि,
6	गु.	9	05	44	00	46	रे.	07	43	05	44	अ.	23	41	ग.	05	44	05	25	19	23	13	57	13	23	27	मे.02	43.	भद्रा 18/15 से, पंचक समाप्त 7/43, मंगल पुष्य में 28/58,
7	शु.	10	06	36	02	56	अ.	09	11	09	23	सु.	23	00	वि.	06	36	05	26	19	23	13	57	14	24	28			भद्रा 6/36 तक, गंडमूल समाप्त 9/11, शुक्र मिथुन में 25/33,
8	श.	11	06	46	03	20	भ.	09	57	11	17	धृ.	21	44	बा.	06	46	05	26	19	23	13	57	15	25	29	वृ.16	02	योगिनी एकादशी, केर पूजा (त्रिपुरा),
9	र.	12	06	11	01	52	कृ.	10	01	11	27	शू.	19	55	तै.	06	11	05	26	19	23	13	56	16	26	30			प्रदोष व्रत, भद्रा 28/57 से,
9	र.	13	28	56	58	50	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	00	0	0	त्रयोदशी का क्षय,
10	सो.	14	27	06	54	08	रो.	09	25	09	56	ग.	17	35	वि.	16	05	05	27	19	23	13	56	17	27	01 जुलाई	मि 20	53	भद्रा 16/5 तक, मासिक शिवरात्रि व्रत,
11	मं.	30	24	46	48	17	मृ.	08	14	06	57	वृ.	14	49	च.	13	59	05	27	19	23	13	56	18	28	2			आषाढ़ी अमावस्या, खग्रास सूर्य ग्रहण (भारत में दृष्य नहीं), व्रतोपवास,

A शूलिनी महोत्सव प्रारम्भ, श्री शूलिनी शोभायात्रा (सोलन हि.प्र.), वर्षा ऋतु प्रारम्भ, B राष्ट्रीय आषाढ़ प्रारम्भ,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

आषाढ़ कृष्ण 8 मंगलवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
2	11	3	3	7	1	8	2	8
9	4	1	4	23	25	24	24	24
3	34	26	10	33	18	9	10	10
32	0	13	59	53	41	23	49	49
57	717	38	53	7	73	4	3	3
14	38	13	58	8	18	11	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
आर्द्रा	पू. भा.	पुनर्वसु	पुष्य	ज्येष्ठा	मृगशिरा	पू. षा.	पुनर्वसु	पू. षा.
1	1	4	1	3	1	4	2	4

4 मं बु, सू रा, 2 शु, 5, 1, 3, 12 चं, 6, 9 के, 7, 11, गु 8, श, 10

आषाढ़ कृष्ण 30 मंगलवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
2	2	3	3	7	2	8	2	8
15	5	5	8	22	3	23	23	23
44	3	53	58	45	52	39	48	48
7	18	35	4	57	15	25	34	34
57	848	38	27	6	73	4	3	3
14	25	10	6	31	25	22	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
आर्द्रा	मृगशिरा	पुष्य	पुष्य	ज्येष्ठा	मृगशिरा	पू. षा.	पुनर्वसु	पू. षा.
3	4	1	2	2	4	4	2	4

4 मं बु, शु चं सू रा 3, 2, 5, 1, 12, 6, 9 के, 7, 11, गु 8, श, 10
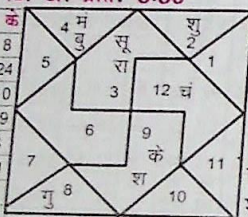
इस महीने में पांच मंगलवार है तथा अमावस्या को दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप तथा प्रशान्त महासागर में खग्रास सूर्य ग्रहण होगा, किन्तु भारत में दिखाई नहीं देगा। **'यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पंच वासराः। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्रभंगस्तदा भवेत्।।'** पृथ्वी रक्त से रंग जाए तथा छत्रभंग होवे । तृतीया बुधवार को बुध 'कर्क' में प्रवेश करेगा। **'निशापतेश्च तनयः कर्कराशौ यदा भवेत्। ततोऽति दुःखं भवति सुभिक्षं स्वल्पकारम्।।'** जनता को अत्यन्त दुःख होवे, सुभिक्ष थोड़ा होता है, वर्षा कहीं-कहीं होती है। पंचमी, शनिवार को सूर्य 'आर्द्रा' में तथा मंगल 'कर्क' में प्रविष्ट होगा। कर्क राशिगत मंगल समस्त धान्यों, अनाजों, खांड, शक्कर, रूई, घृत, तेल, अलसी, अरण्डी में तेजी का कारक होता है। आर्द्रा नक्षत्रगत सूर्य-खल, चावल, मणि मोती, चना, कपूर, चांदी में तेजी कारक होता है। नवमी, गुरूवार को मंगल 'पुष्य' में प्रविष्ट होगा **'पुष्ये कुजे चोरभंय विरोधाच्छुभं न किंचिन्नृपतेर्बलत्वम्।।'** चोर आदि का भय व नये-नये उपद्रव हों। परस्पर द्वेष की भावना बढ़े। सोने में अति तेजी, चांदी व रूई में घट-बढ़ चले। दशमी, शनिवार को शुक्र 'मिथुन' में प्रवेश करेगा। यव (जौं), गेंहू, चना, चावल में तेजी कारक है। इस पक्ष में वक्री शनि का सूर्य से प्रतियोग तथा मंगल से षडाष्टक है। दुर्घटनाओं, अग्निकांड तथा राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा रक्तपात, बम-विस्फोट से भय का वातावरण निर्मित हो सकता है।
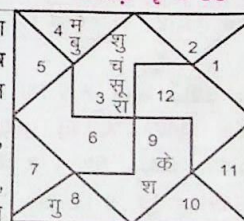
श्री संवत् 2076 शकः 1941

आषाढ़ शुक्ल पक्षः 7

ता. 3 से 16 जुलाई 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 12 से 25 आषाढ़ तक, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु।

स. ति	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	उदय मिनट	अस्त घंटे	अस्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	तारीखें हि (आषाढ़)	मु (शव्वाल)	अं ता (जुलाई)	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।
12	बु.	1	22	05	41	34	आ / पुन.	06 / 28	36 / 39	02 / 57	51 / 58	धृ.	11	42	कि	11	28	05	27	19	23	13	55	19	29	03	कं. 23	09	गुप्त नवरात्र प्रारम्भ, यागादि,
13	गु.	2	19	10	34	15	पु.	26	30	52	35	व्या / ह	08 / 28	20 / 50	बा	08	39	05	28	19	23	13	55	20	30	4			श्री जगदीश रथोत्सव (पुरी, उड़ीसा) गंडमूल 26/30 से, पुष्य 26/30 तक, A
14	शु.	3	16	09	26	42	आ.	24	18	47	04	व.	25	18	तै.	05	40	05	28	19	23	13	54	21	1 जि	5	सिं. 24	18	भद्रा 26/39 से, जिल्काद प्रारम्भ (मु. 11)
15	श.	4	13	10	19	13	म.	22	10	41	43	सि	21	50	वि	13	10	05	29	19	23	13	54	22	2	6			श्री विनायक चतुर्थी व्रत, भद्रा 13/10 तक, सूर्य पुन. में 16/49, B
16	र.	5	10	19	12	05	पू.फा	20	13	36	50	व्य.	18	31	बा	10	19	05	29	19	23	13	53	23	3	7	क. 25	47	कुमार (स्कन्द-कार्तिकेय) षष्ठी, बुध वक्री 28/44, श्री द्वारकाधीश महोत्सव,
17	सो.	6	07	42	05	31	उ.फा	18	33	32	38	व	15	26	तै.	07	42	05	30	19	22	13	53	24	4	8			भद्रा 29/25 से, विवस्वत् सप्तमी, श्री महावीर च्यवन दिवस, (जैन),
0	सो.	7	29	25	59	47	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0 0	0	सप्तमी का क्षय,
18	मं.	8	27	31	55	02	ह.	17	15	29	22	प	12	38	वि	16	25	05	30	19	22	13	52	25	5	9	तु. 28	45	मासिक दुर्गाष्टमी व्रत, भद्रा 16/25 तक, आष्टान्हिक व्रतारंभ (जैन), खरसी पूजा (त्रिपुरा),
19	बु.	9	26	03	51	20	चि.	16	22	27	07	शि	10	10	बा	14	43	05	31	19	22	13	52	26	6	10			वक्री बुध पश्चिम में अस्त 13/38, मेला भवानी शरीफ (काश्मीर), भड्डली नवमी,
20	गु	10	25	02	48	47	स्वा.	15	55	26	00	सि	08	04	तै.	13	29	05	31	19	22	13	51	27	7	11			मंगल अस्त 11/57, गुप्त नवरात्रों का पारणा, आशा दशमी, मन्वादि,
21	शु.	11	24	31	47	29	वि.	15	57	26	04	सा / शु	06 / 28	20 / 59	व.	12	43	05	31	19	22	13	50	28	8	12	वृ. 09	54	श्री हरिशयनी एकादशी, भद्रा 12/43 से 24/31 तक, श्री विष्णु शयनोत्सव व्रत, C
22	श.	12	24	29	47	23	अ.	16	27	27	18	शु	28	02	ब.	12	26	05	32	19	21	13	49	29	9	13			गंडमूल 16/27 से, श्री विष्णु शयनोत्सव व्रत का पारणा, वामन पूजा द्वादशी
23	र.	13	24	55	48	26	ज्ये.	17	26	29	44	ब्र.	27	27	कौ	12	38	05	32	19	21	13	49	30	10	14	ध. 17	26	प्रदोष व्रत, जया पार्वती व्रतारम्भ, वै० महापात 16/58 से, ईदुल जुहा (बकरीद),
24	सो.	14	25	48	50	38	मू.	18	51	33	15	ऐ.	27	14	ग.	13	18	05	33	19	21	13	48	31	11	15			भद्रा 25/48 से, गंडमूल समाप्त 18/51, मेला ज्वालामुखी (काश्मीर), D
25	मं.	15	27	08	53	56	पू.षा	20	43	37	54	वै	27	20	वि	14	25	05	33	19	20	13	47	1 श्रा	12	16	म. 27	15	गुरू पूर्णिमा, श्री सत्यनारायण व्रत, श्री शिव शयनोत्सव, सं. सूर्य कर्क में 28/33 मु. E

A चन्द्र दर्शन मु. 30 उ. श्रृगोन्नत 14°, शुक्र आर्द्रा में 12/9, B गंडमूल 22/10 तक, C चातुर्मास्य व्रत नियमादि प्रारम्भ, (एकादशी मत) पंढरपुर यात्रा, पुनर्यात्रा (पुरी, उड़ीसा), D वै० महापात 10/50 तक, शुक्र पुन में 9/25,

E 45 संक्रान्ति पुण्य अगले दिन, भद्रा 14/25 तक, व्यास पूजा, वायु परीक्षा, श्री शिव शयनोत्सव, मन्वादि, अष्टान्हिक व्रत समाप्त (जैन), कोकिला व्रतारम्भ, जया व्रत, मनसा पूजारम्भ (बं.) खण्डग्रास चन्द्रग्रहण, तेरा पन्थ स्थापना दिवस,

आषाढ़ शुक्ल 8 मंगलवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
2	5	3	3	7	2	8	2	8
22	16	10	10	22	12	23	23	23
24	27	20	17	3	26	8	26	26
38	29	38	52	9	34	33	18	18
57	846	38	4	5	73	4	3	3
12	23	8	52	41	31	26	11	11
मा	मा	मा	व	व	मा	व	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	अ	अ
पुनर्वसु	हस्त	पुष्य	पुष्य	ज्येष्ठा	आर्द्रा	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
1	2	3	3	2	2	3	2	4

4 बु मं, 2, 5, शु सू रा 3, 1, 12, चं 6, 9, 7, श, 11, गु 8, के, 10

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

आषाढ़ शुक्ल 15 मंगलवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

4 मं बु, शु, 2, 5, रा, 1, 3 सू, 12, 6, चं 9 के श, 7, 11, गु 8, 10

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
2	8	3	3	7	2	8	2	8
29	18	14	7	21	21	22	23	23
5	50	47	56	26	1	37	4	4
2	51	21	14	50	36	43	2	2
57	743	38	33	4	73	4	3	3
12	26	5	37	40	38	23	11	11
मा	मा	मा	व	व	मा	व	व	व
उ	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	अ
पुनर्वसु	पू.षा.	पुष्य	पुष्य	ज्येष्ठा	पुनर्वसु	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
3	2	4	2	2	1	3	1	3

द्वितीया, गुरूवार को उत्तर श्रृगोन्नत चन्द्र दर्शन 'पुष्य नक्षत्र, कर्क राशि' में होगा। रूई, वस्त्रों, घृत, तेल, आदि में तेजी धान्य आदि में मंदी कारक है। वर्षा में अवरोध होता है। इसी दिन शुक्र 'आर्द्रा' में प्रविष्ट होगा। अनाजों में मंदी आती है, वायु वेग के साथ वर्षा होती है। चतुर्थी, शनिवार को सूर्य 'पुर्नवसु' में प्रवेश करेगा। सेवक, सेविकाओं को दुःख और कहीं पर अच्छी वर्षा हो। सुगन्धित पदार्थों में तेजी आती है। पंचमी, रविवार को बुध 'कर्क' में वक्री होगा। समस्त व्यापारिक वस्तुओं में मन्दीकारक है। नवमी, बुधवार को वक्री बुध पश्चिमास्त होगा। चोरों का उपद्रव बढ़ता है। अनावृष्टि व जन-हानि होती है। दशमी, मंगलवार को 'मंगल' कर्क में अस्त होगा। धान्य नाशक है। पूर्णिमा मंगलवार को सूर्य 'कर्क' में प्रवेश करेगा। ''वायव्ये च यदा दृष्टिः सर्वसौख्य समन्विता। सुभिक्षं च विजानियात् नृपाणां च कलिर्भवेत्।।' पश्चिम तथा दक्षिण के देशों में पीड़ा, उत्तर के देशों में युद्ध आदि का भय और पूर्व के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख होता है। यह संक्रान्ति महेन्द्रमंडल में है तथा इसकी गमन दिशा पूर्व है। भूमि पर अनेक प्रंकार के रोगो से जनता त्रस्त रहती है। और जल से तथा भूमि से उत्पन्न होने वाले अनेक रत्न और धातुवाना तथा गल्ला, तिल, तेल में तेजी आती है। पूर्व दिशा की ओर के शासकों बंगाल, उड़ीसा, मगध आदि को कलेश, जनता को कष्ट, पूर्वोत्तरी क्षेत्रों में कुछ भय की आशंका होती है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

श्रावण कृष्ण पक्षः 8

त. 17 जुलाई से 1 अगस्त 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 26 आषाढ़ से 10 श्रावण तक, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

ता. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	उदय मिनट	अस्त घंटे	अस्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	तारीखें हि श्रावण	मु जिलकाद	अं.ता जुलाई	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	
26	बु.	1	28	52	58	15	उ.षा.	22	58	43	30	वि.	27	45	बा.	15	57	05	34	19	20	13	46	2	13	17			श्री शिव पूजनारम्भ, संक्रान्ति पुण्य सूर्योदय से सूर्यास्त तक,यागादि,
27	गु.	2	—	—	60	00	श्र.	25	34	49	57	प्री.	28	26	तै.	17	51	05	35	19	20	13	45	3	14	18			हिण्डोला आरम्भ, अशून्य शयन व्रत, चन्द्रोदय 20/36, द्वितीया की वृद्धि, A
28	शु.	2	06	55	03	20	ध.	28	25	57	05	आ.	29	19	ग.	06	55	05	35	19	19	13	44	4	15	19	कु.14	58	भद्रा 20/3 से, पंचक 14/58 से,
29	श.	3	09	14	09	06	श.	—	—	60	00	सौ.	-	-	वि.	09	14	05	36	19	19	13	43	5	16	20			श्री गणेश चतुर्थी व्रत, भद्रा 9/14 तक, सूर्य पुष्य में 16/26, जया पार्वती व्रत समाप्त, शुक्र वार्धक्य प्रारम्भ 14/54
30	र.	4	11	40	15	10	श.	07	25	04	32	सौ.	06	18	बा.	11	40	05	36	19	18	13	42	6	17	21	मी27	40	
31	सो.	5	14	04	21	08	पू.भा.	10	24	11	58	शो.	07	17	तै.	14	04	05	37	19	18	13	41	7	18	22			नाग पंचमी (राज. बंगाल),
1	मं.	6	16	16	26	37	उ.भा.	13	14	19	02	अ.	08	09	व.	16	16	05	37	19	18	13	40	8	19	23			भद्रा 16/16 से 29/14 तक, गंडमूल 13/14 से, शुक्र कर्क में 12/49, श्री बाल गंगाधर तिलक ज.B
2	बु.	7	18	05	31	08	रे.	15	42	25	11	सु.	08	46	व.	18	05	05	38	19	17	13	39	9	20	24	मे.15	42	पंचक समाप्त 15/42,
3	गु	8	19	21	34	17	अ.	17	39	30	02	धृ.	09	00	बा.	06	48	05	38	19	16	13	38	10	21	25			मासिक कालाष्टमी व्रत, गंडमूल समाप्त 17/39
4	शु.	9	19	56	35	43	भ.	18	56	33	13	शू.	08	44	तै.	07	44	05	39	19	16	13	37	11	22	26	वृ 25	09	शुक्र पुष्य में 5/51,
5	श.	10	19	46	35	16	कृ.	19	30	34	36	ग.	07	55	व.	07	57	05	39	19	15	13	36	12	23	27			भद्रा 7/57 से 19/46 तक, व्य० महापात 28/45 से,
6	र.	11	18	50	32	55	रो.	19	18	34	05	वृ. / ध्रु.	06 / 28	28 / 24	व.	07	24	05	40	19	15	13	35	13	24	28			कामिका एकादशी (सर्वेषाम्), व्य० महापात 12/42,
7	सो.	12	17	09	28	41	मृ.	18	22	31	44	व्या.	25	46	कौ.	06	05	05	41	19	14	13	34	14	25	29	मि.06	55	प्रदोष व्रत,
8	मं.	13	14	49	22	50	आ.	16	47	27	45	ह.	22	38	व.	14	49	05	41	19	14	13	32	15	26	30			मासिक शिवरात्री व्रत, भद्रा 14/49 से 25/27 तक, बुध मिथुन में 12/1, वक्री बुध पूर्व में उदय 6/26
9	बु.	14	11	58	16	18	पुन.	14	41	23	06	व.	19	05	श.	11	58	05	42	19	13	13	31	16	27	31	क.09	15	
10	गु.	30	08	42	07	29	पु.	12	11	16	12	सि.	15	16	ना.	08	42	05	42	19	12	13	30	17	28	01 अगस्त			हरियाली अमावस्या, बुध मार्गी 9/28, गंडमूल 12/11 से, नक्त व्रतारम्भ,C

A मंगल आश्लेषा में 28/30. B शुक्रास्त 14/54, वक्री बुध पुन. 4 में 6/29, सूर्य सायन सिंह में 8/20, राष्ट्रीय श्रावण प्रा.,केर पूजा (त्रिपुरा) C मेला छिन्नमस्तिका (चिन्तपूर्णी हि. प्र.) आरम्भ, करकट पूजा (केरल), नवोदकी तर्पण,

श्रावण कृष्ण 8 गुरूवार स्टै. टा. प्रातः 5:30 (दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
3	0	3	3	7	3	8	2	8
7	7	20	2	20	2	21	22	22
40	3	29	7	51	5	59	35	35
15	19	59	2	15	5	6	26	26
57	740	38	34	3	73	4	3	3
18	14	4	43	12	49	10	11	11
मा	मा	मा	व	व	मा	व	व	व
उ	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	अ
पुष्य	अश्विनी	आश्लेषा	पुनर्वसु	ज्येष्ठा	पुनर्वसु	पू. षा.	पुनर्वसु	पू. षा.
2	3	2	4	2	4	3	1	3

श्रावण कृष्ण 30 गुरूवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
3	3	3	2	7	3	8	2	8
14	12	24	29	20	10	21	22	22
21	30	56	49	38	42	30	13	13
43	6	30	21	7	15	50	10	10
57	895	38	1	1	73	3	3	3
24	2	5	1	58	57	53	11	11
मा	मा	मा	व	व	मा	व	व	व
उ	उ	अ	उ	उ	अ	उ	अ	अ
पुष्य	पुष्य	आश्लेषा	पुनर्वसु	ज्येष्ठा	पुष्य	पू. षा.	पुनर्वसु	पू. षा.
4	3	3	3	2	3	3	1	3

द्वितीया मंगलवार को 'मंगल' आश्लेषा में प्रवेश करेगा। **'सार्पेऽल्पवृष्टिर्बहुधान्य -नाशो दुर्भिक्षमेवोरगदंशभीतिः।'** चांदी, रूई में मंदी। समस्त अन्नों में तेजी, अनावृष्टि, सर्पभय, टिड्डी आदि से कृषि की हानि होवे। तृतीया, शनिवार को 'सूर्य' पुष्य में प्रविष्ट होगा। साधु-सन्त और नाविकों को दुःख हो। सोना, चांदी रूई, तिल, तेल, मद्य, खांड, ज्वार, बाजरा, सुपारी, नारियल, सोंठ, गुग्गल, में तेजी कारक है।षष्ठी, मंगलवार को 'शुक्र' कर्क में प्रवेश करेगा तथा इसी दिन पूर्व में अस्त होगा। **'यदा दैत्यगुरूः कर्के रसाना वे महर्घता। सर्वधान्यसमर्घत्व मेघाश्च प्रबला भुवि।।'** रसादि पदार्थ, खांड, चीनी, घृत, तेल में तेजी, चांदी में मंदी। यदि वर्षा ठीक हो तो अन्न सस्ते और पृथ्वी पर मेघ प्रबल हों। पूर्वोक्त शुक्रारास्त 'द्वितीय मंडल व मेघ द्वार' में होगा। जनता को आन्दित करने वाला तथा अन्न में मंदीकारक है। त्रयोदशी, मंगलवार को बुध 'मिथुन' में प्रवेश करेगा, तथा वक्री बुध का पूर्वोदय होगा। **'बुधो मिथुनराशिस्थो महर्घ च चतुष्पदाम्। तदा वायुर्विजानीयान्मेघश्च प्रचुरो भवेत्।।'** पशु महंगे होवे और वायुवेग से बादल बहुत हो। इस पक्ष में चतुग्रही योग (सू.+शु.+बु.+मं) और अमावस्या को पुनः यही योग (सू.+चं.+शु.+मं.) निर्मित होगा। उक्त चतुग्रहों का वक्री शनि और केतु से षडाष्टक रहेगा, किन्तु कर्कस्थ चतुर्ग्रहों पर गुरू की दृष्टि रहेगी। शासक और समाज के अग्रणी भद्र लोगो में लम्पटता कदाचार की वृद्धि होवे तथा समुद्री क्षेत्रो में सामरिक प्रतिद्वंद्विता चरम सीमपर पहुंचे। सतोगणी सज्जन स्वभाव के लोग उक्त प्रवृत्ति पर लगाम लगाने का प्रयास भी करेगे। पूर्वोक्त बुधोदय अनावृष्टि-कारक, पीड़ा-कारक व तेजी-कारक है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

श्रावण शुक्ल पक्षः 9

ता. 2 से 15 अगस्त 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 11 से 24 श्रावण तक, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

ता.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	उदय मिनट	अस्त घंटे	अस्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	तारीखें हि श्रावण	मु	अंग्रेजी अगस्त	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	
10	गु.	0	29	11	58	39	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0 0	0	प्रतिपदा का क्षय,
11	शु.	2	25	36	49	42	अ.	09	29	09	24	व्य.	11	16	बा	15	24	05	43	19	11	13	29	18	29	2	सिं.09	29	जीवंती का पूजन, श्री महालक्ष्मी स्थापना और पूजन, चन्द्र दर्शन मु. 30, A
12	श.	3	22	06	40	57	म. / पू.फा	06 / 28	44 / 05	02 / 55	32 / 53	व / प	07 / 27	14 / 19	तै.	11	50	05	43	19	11	13	27	19	1 (जिल्ह)	3			हरियाली तीज, गंडमूल समाप्त 6/44, मधुश्रवा तृतीया, सुकृत तृतीया, B
13	र.	4	18	49	32	43	उ.फा	25	44	50	00	शि	23	37	व.	08	25	05	44	19	10	13	26	20	2	4	क.09	28	दूर्वा विनायक चतुर्थी व्रत, भद्रा 8/25 से 18/49 तक,
14	सो.	5	15	55	25	26	ह.	23	47	45	06	सि	20	16	बा.	15	55	05	45	19	09	13	25	21	3	5			नाग पंचमी, श्री कल्कि जयन्ती, शुक्र आश्लेषा में 25/33,
15	मं.	6	13	30	19	22	चि.	22	23	41	35	सा	17	20	तै.	13	30	05	45	19	08	13	23	22	4	6	तु.11	01	
16	बु.	7	11	41	14	48	स्वा.	21	35	39	33	शु	14	53	व.	11	41	05	46	19	08	13	22	23	5	7			भद्रा 11/41 से 23/1 तक, गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती, शीतला सप्तमी,
17	गु.	8	10	31	11	52	वि.	21	27	39	12	शु	12	58	ब.	10	31	05	46	19	07	13	21	24	6	8	वृ.15	26	मासिक दुर्गाष्टमी व्रत, मंगल मघा सिंह में 28/47, मेला चिन्तपूर्णी समाप्त, C
18	शु.	9	10	00	10	33	अ.	21	58	40	28	ब्र	11	36	कौ	10	00	05	47	19	06	13	19	25	7	9			गंडमूल 21/58 से, जीवंती का पूजन, वरद लक्ष्मी व्रत, बुध पुष्य में 12/15,
19	श.	10	10	09	10	54	ज्ये.	23	05	43	14	ऐ.	10	44	ग.	10	09	05	47	19	05	13	18	26	8	10	ध.23	05	भद्रा 22/26 से, झूलन यात्रा प्रारम्भ,
20	र.	11	10	52	12	40	मू.	24	45	47	23	वै	10	19	वि.	10	52	05	48	19	04	13	17	27	9	11			पवित्रा एकादशी व्रत (सर्वेषाम्), भद्रा 10/52 तक, गुरू मार्गी 19/7, गडमूल समाप्त 24/45,
21	सो.	12	12	07	15	46	पू.षा.	26	51	52	36	वि.	10	19	बा.	12	07	05	48	19	03	13	15	28	10	12			प्रदोष व्रत, दधि व्रत प्रारम्भ, श्री विष्णु पवित्रारोपण,
22	मं.	13	13	46	19	53	उ.षा.	29	19	58	45	प्री.	10	38	तै.	13	46	05	49	19	03	13	14	29	11	13	म.09	26	श्री शिव पवित्रारोपण,
23	बु.	14	15	46	24	51	श्र.	—	—	60	00	आ	11	13	व.	15	46	05	49	19	02	13	12	30	12	14			श्री सत्यनारायण व्रत, भद्रा 15/46 से 28/51 तक, ऋग्वेदियों का उपाकर्म, महापूजा,
24	गु.	15	17	59	30	22	श्र.	08	02	05	30	सौ.	11	59	ब.	17	59	05	50	19	01	13	11	31	13	15	कु.21	28	श्रावण पूर्णिमा, शुक्ल-कृष्ण-यजु-उपाकर्म, स्वतन्त्रता दिवस, रक्षाबन्धन, D

A उ. श्रृगोन्नत 12, B सूर्य आश्लेषा में 15/18, बुध पुन. 4- कर्क में 6/0, जिल्हेज प्रा. (मु.12), C मेला श्री चामुण्डा देवी, मेला श्री नयना देवी (हि.प्र.), वै० महापात 20/53 से 27/4 तक,

D श्री कल्याणजी महोत्सव (डिग्गी राज.) कल्याण जी यात्रा, अमरनाथ यात्रा, ऋषि तर्पण, कोकिला व्रत समाप्त, हयग्रीव ज., श्री गायत्री ज., संस्कृत दिवस, झूलन यात्रा समाप्त, अवनी अवंति, नारियेली पूर्णिमा (द.भा.) पंचक 21/28 से,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

श्रावण शुक्ल 8 गुरूवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
3	6	3	3	7	3	8	2	8
21	24	29	2	20	19	21	21	21
3	27	23	18	23	20	4	50	50
52	40	3	26	54	16	54	55	55
57	808	38	43	0	74	3	3	3
29	17	5	58	40	3	30	11	11
मा	मा	मा	मा	व	मा	व	व	व
उ	उ	अ	उ	उ	अ	उ	अ	अ
आश्लेषा	विशाखा	आश्लेषा	पुनर्वसु	ज्येष्ठा	आश्लेषा	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
2	2	4	4	2	1	3	1	3

श्रावण शुक्ल 15 गुरूवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
3	9	4	3	7	3	8	2	8
27	22	3	9	20	27	20	21	21
46	4	49	55	23	59	41	28	28
40	36	39	42	47	0	56	39	39
57	716	38	85	0	74	3	3	3
36	18	6	8	38	9	3	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ	उ	अ	उ	उ	अ	उ	अ	अ
आश्लेषा	श्रवण	मघा	पुष्य	ज्येष्ठा	आश्लेषा	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
4	4	2	2	2	4	3	1	3

इस मास में पांच बुधवार और गुरूवार है। 'बुधस्य पंच वाराश्चेज्जायन्ते च निरन्तरम्। प्रजानां सुख मत्यंतं सुभिक्षं च प्रजायते।।' पांच बुधवार हो तो जनता को सुख और सुभिक्ष होता है। 'यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च बृहस्पतेः। विग्रह पश्चिमे देशे खंड्गभयुद्धञ्च जायते।।' पांच गुरूवार हो तो पश्चिम के देश में विग्रह तथा संघर्ष होता है। द्वितीया, शुक्रवार को उत्तर श्रृंगोन्नत चन्द्र दर्शन होगा। सोना, रूई, कपास, अनाज में मंदी का संकेत दे रहा है। तृतीया, शनिवार को सूर्य 'आश्लेषा' में तथा बुध 'कर्क' में प्रवेश करेंगे। ईशान (पूर्वोत्तर) कोण के क्षेत्रों में उपद्रव उठे। 'निशापतेश्च तनयः कर्कराशौ यदा भवेत। ततोऽतिदुःखं भवति सुभिक्षं स्वल्पकारम्।।' रसादि पदार्थ, धान, शक्कर, दूध, दही, तेल, मूगफली, सोना में तेजी आती है, किन्तु वह तेजी अस्थिर रहती है। सुभिक्ष थोड़ा होता है, वर्षा कहीं-कहीं होती है। पंचमी, सोमवार को शुक्र 'आश्लेषा' में प्रविष्ट होगा। वर्षा में अवरोध कारक है। चावल, मोंठ, चना, तृण, धान्य आदि में मंदी और सर्प-भय-कारक है। अष्टमी, गुरूवार को 'मंगल' मघा-सिंह में प्रवेश करेगा। सोना, चांदी आदि समस्त धातु लाल रंग की वस्तुएं, गुड़, शक्कर, लाल मिर्च, रूई, अलसी, लाल वस्त्र, शस्त्र व लोहे में तेजी लाता है। एकादशी, गुरूवार को 'गुरू' मार्गी होगा। रस-कसादि पदार्थों के लिए मंदीकारक है। इस पक्ष में भी कर्क राशि में चतुर्ग्रही योग (बु.+शु.+सू.+मं) है, जिसका धनु राशिस्थ 'वक्री शनि व केतु' से षडाष्टक है।

श्री संवत् 2076 शक: 1941

भाद्रपद कृष्ण पक्ष:10

ता.16 से 30 अगस्त 2019 ई., राष्ट्रीय मिति,

25 श्रावण से 8 भाद्र. तक, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा/शरद ऋतु।

ता.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि. श्रावण	मु. ज़िलहिज्ज	अं.ता. अगस्त	चन्द संचार राशि घंटे	मिनट	इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।
25	शु.	1	20	22	36	18	ध.	10	56	12	43	शो.	12	53	बा.	07	10	05	51	19	00	13	09	32	14	16			शुक्र मघा सिह में 20/39, जीवंती का पूजन, यागादि,
26	श.	2	22	49	42	25	श.	13	55	20	10	अ.	13	51	तै.	09	35	05	51	18	59	13	08	1भा.	15	17			सं. सूर्य मघा-सिंह में 13/2 मु.15 संक्रान्ति पुण्य प्रात: काल से, अशुन्य शयन व्रत,A
27	र.	3	25	14	48	26	पू.भा.	16	55	27	38	सु.	14	49	व.	12	02	05	52	18	58	13	06	2	16	18	मी. 10	10	भद्रा 12/2 से 25/14 तक, वृहद गौरी व्रत, कज्जली तृतीया, सातुड़ी तृतीया,
28	सो.	4	27	30	54	04	उ.भा.	19	48	34	49	धृ.	15	43	ब.	14	23	05	52	18	57	13	05	3	17	19			संकट (गणेश) चतुर्थी, चन्द्रोदय 21/22, बहुला चतुर्थी, गंडमूल 19/48 से, B
29	मं.	5	29	30	59	03	रे.	22	28	41	28	शू.	16	27	कौ.	16	33	05	53	18	56	13	03	4	18	20	मे. 22	28	बीजाङ्कुरा पंचमी, पंचक समाप्त 22/48, श्री माधवदेव तिथि (आसाम),
30	बु.	6	—	—	60	00	अ.	24	47	47	14	गं.	16	56	ग.	18	22	05	53	18	55	13	02	5	19	21			चन्दन षष्ठी, चन्द्रोदय 22/25, गंडमूल समाप्त 24/47,
31	गु.	6	07	06	03	00	भ.	26	36	51	45	वृ.	17	02	व.	07	06	05	54	18	54	13	00	6	20	22			भद्रा 7/6 से 19/42, हल षष्ठी, व्य० माहापात 11/48 से 17/14 तक,
1भा	शु.	7	08	09	05	37	कृ.	27	47	54	42	ध्रु.	16	41	ब.	08	09	05	54	18	53	12	59	7	21	23	वृ. 08	57	श्री कृष्ण जन्माष्टमी (स्मार्त), मासिक कालाष्टमी व्रत, श्री आद्याकाली जयन्ती,C
2	श.	8	08	32	06	33	रो.	28	16	55	53	व्या.	15	47	कौ.	08	32	05	55	18	52	12	57	8	22	24	मि. 16	13	श्री कृष्ण जयन्ती (वैष्णव), श्री गोकुलाष्टमी (नन्दोत्सव), श्री रामानुज जयन्ती,
3	र.	9	08	11	05	39	मृ.	27	59	55	09	ह.	14	17	ग.	08	11	05	55	18	51	12	55	9	23	25			भद्रा 19/42 से, श्री गुग्गा नवमी, बुध अस्त 9/22,
4	सो.	10	07	03	02	48	आ.	26	56	52	30	व.	12	10	वि.	07	03	05	56	18	50	12	54	10	24	26			भद्रा 7/3 तक, अजा एकादशी व्रत, (स्मार्त), बुध मघा 1- सिंह में 14/7, D
0	सो.	11	29	10	58	04	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0 0	0	एकादशी का क्षय,
5	मं.	12	26	36	51	39	पुन.	25	13	48	11	सि.	09	26	कौ.	15	58	05	56	18	49	12	52	11	25	27	क. 19	42	अजा एकादशी व्रत (वैष्णव),धेनु पूजा, (बच्छ बारस), यवान्न भोजन (राज.),E
6	बु.	13	23	29	43	50	पु.	22	55	42	25	व्य. / व.	06 / 26	10 / 27	ग.	13	06	05	57	18	47	12	51	12	26	28			भद्रा 23/29 से, प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत, गंडमूल 22/55 से पवित्रा पूजा, F
7	गु.	14	19	56	34	56	आ.	20	11	35	34	प.	22	23	वि.	09	45	05	57	18	46	12	49	13	27	29	सिं. 20	11	भद्रा 9/45 तक, अघोरा डाकिनी-14, मंगल पू.फा. में 28/21, पवित्रा धारण, कैलाश यात्रा,
8	शु.	30	16	07	25	23	म. / पू.फा.	17 / 29	11 / 41	28 / 59	03 / 04	शि.	18	08	च.	06	03	05	58	18	45	12	47	14	28	30			पिठोरी अमावस्या, कुशोत्पाटिनी अमावस्या, जीवंती का पूजन, व्रतोपवास G

A चन्द्रोदय 20/20, हिंडोला समाप्त, मनसा पूजा समाप्त B बुध आश्लेषा में 11/42, C चन्द्रोदय 23/36, श्री योगमाया प्राकट्योत्सव, जीवंती का पूजन, दूर्वाष्टमी व्रत, सूर्य सायन कन्या में 15/32, राष्टीय भाद्रपद प्रा., शरद् ऋतु प्रा.

D पर्युषण पर्व प्रारम्भ (जैन. चतुर्थी मत),E शुक पू.फा. में 15/11, पर्युषण पर्व प्रारम्भ (पंचमी मत) F कैलाश यात्रा (दो दिन) G लोहार्गल यात्रा, रानी सती मेला (झुंझनु, राज.) गंडमूल समाप्त 17/11,

भाद्रपद कृष्ण 8 शनिवार स्टै. टा. प्रात: 5:30 — (दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।) — **भाद्रपद कृष्ण 30 शुक्रवार स्टै. टा. प्रात: 5:30**

भाद्रपद कृष्ण 8 शनिवार:

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
4	1	4	3	7	4	8	2	8
6	10	9	25	20	9	20	21	21
26	55	32	23	36	7	17	0	0
2	16	45	43	53	2	34	3	3
57	774	38	115	2	74	2	3	3
50	22	9	39	16	18	21	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	अ
मघा	रोहिणी	मघा	आश्लेषा	ज्येष्ठा	मघा	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
2	1	3	3	2	3	3	1	3

6 सू बु 4
7 3 रा
5 शु मं 2 चं
गु 8 11
श 9 के 1
10 12

इस पक्ष में त्रिग्रह (सू+शु+मं) और पंचग्रह योग (सू+चं+बु+मं+शु) सिंह राशि में बन रहें है तथा महीने में पांच शुक्रवार और शनिवार है। **'एकाराशौ यदा यांति चत्वार: पंच खेचरा:। प्लावयंति महीं सर्वा रूधिरेण जलेन वा।।'** एक राशि पर चार या पांच ग्रह स्थित हो तब पृथ्वी को जल से अथवा रूधिर से डुबो देवें। एक राशि पर पांच ग्रह पशुओं के नाश-कारक होते है। महीने में 'पांच शुक्रवार' हो तब जनता का विकास, सुभिक्ष और सुख होता है, किन्तु 'पांच शनिवार' ईशान देश का भंग, अन्न तेज और अग्निभय करते है। प्रतिपदा, शुक्रवार को 'शुक्र' मघा-सिंह में प्रवेश करेगा। सोना, चांदी, तांबा, गेहूं, जौं, चना, लाल मिर्च व लाल चन्दन, लाल वस्तु और रसादि पदार्थ तथा पशुओं में तेजी लाता है। वर्षा का अभाव होता है।द्वितीया, शनिवार को 'सूर्य' मघा सिंह में प्रवेश करेगा। **'सिह राशिगते भानौ इक्ष्वादि मिष्ट शर्करा:। रक्तानि सर्वभाण्डानि तिल तैल महर्घता।।'** खांड, शक्कर, रूई, लाल रंग के सब पदार्थ, सरसों, तिल, तेल, रत्न तेज व अनाज में कुछ मंदा आवे। सोना, चांदी, शेअर्स में अच्छी तेजी आती है। **'ईशान्ये यत्र दृष्टि: स्यात् नृपमन्येन ग्रासितम्। देशभंग विजानीयात् शिशुनां च विनाशनम्।।'** पूर्व तथा उत्तर के देशों में कष्ट तथा बालकों को पीड़ा होती है। दक्षिण के देशों में युद्धादि का भय और पश्चिम के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख और शान्ति होती है। यह संक्रान्ति 'महोदरी' संज्ञक और वायव्य मुखी है। उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में शासको के विग्रह, जनता में उपद्रव, उत्तरी क्षेत्रों में भय और दक्षिण दिशा में सुख हो। दशमी, सोमवार को 'बुध' मघा सिंह में प्रविष्ट होगा। गेहूं, जौं, चना, रूई आदि में तेजी आती है। कृषि उपज कम हो। वर्षा में कमी रहे। इस पक्ष के ग्रहयोगों से संकेत मिल रहा है कि शासक और उच्च वर्ग विषयासक्त, मिथ्यावाची और अपव्ययी रहेगा।

6 चं 4
7 बु 5 सू शु मं 3 रा
2
गु 8 11
श 9 के 1
10 12

भाद्रपद कृष्ण 30 शुक्रवार:

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
4	4	4	4	7	4	8	2	8
12	5	13	7	20	16	20	20	20
13	54	21	12	53	33	4	40	40
31	14	50	40	45	6	58	58	58
58	913	38	118	3	74	1	3	3
0	55	12	50	21	23	50	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	अ
मघा	मघा	पू.फा.	मघा	ज्येष्ठा	पू.फा.	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
4	2	1	3	2	1	3	1	3

श्री संवत् 2076 शकः 1941

भाद्रपद शुक्ल पक्षः 11

ता. 31 अगस्त से 14 सितम्बर 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 9 से 23 भाद्रपद तक, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद् ऋतु।

प्र. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदय उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि भाद्रपद	मु	अं ता	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।
9	श.	1	12	14	15	39	पू.फा.	14	07	20	21	सि.	13	49	व.	12	14	05	58	18	44	12	46	15	29	31	क.19	22	सूर्य पू.फा. में 9/0, चन्द्र दर्शन मु. 45, उ. श्रृगोन्नत 9°, महासत्यां पूजा, यागादि,
10	र.	2	08	27	06	10	उ.फा.	11	10	12	58	सा.	09	36	कौ.	08	27	05	59	18	43	12	44	16	1 मु.	01 सितम्बर			श्री वराह जयन्ती, हरितालिका तृतीया व्रत, साम उपाकर्म, अशून्य शयन व्रत, A
0	र.	3	28	56	57	21	0	0	0	0	0	शु.	29	38	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	०0	0	तृतीया का क्षय,
11	सो.	4	25	54	49	46	ह.	08	33	06	24	शु.	26	03	व.	15	21	05	59	18	42	12	42	17	2	2	तु.19	24	श्री सिद्धि विनायक (कलंक) चतुर्थी व्रत, श्री गणेश जन्मोत्सव, चन्द्रास्त 21/5, भद्रा 15/21 से 25/54, B
12	मं.	5	23	28	43	40	चि. स्वा.	06 28	24 53	01 57	00 11	ब्र.	22	58	ब.	12	36	05	00	18	41	12	41	18	3	3			ऋषि (बड़ी) पंचमी, संवत्सरी (जैन, पंचमी मत), मेला पट्ट प्रारम्भ (काश्मीर) वै० महापात 6/50 से 11/9 तक,
13	बु.	6	21	45	39	21	वि.	28	07	55	16	ऐ.	20	29	कौ.	10	30	06	00	18	40	12	39	19	4	4	वृ22	14	सूर्यषष्ठी व्रत, श्री कालू निर्वाण दिवस (जैन),
14	गु.	7	20	50	37	03	अ.	28	09	55	20	वै.	18	38	ग.	09	11	06	01	18	38	12	38	20	5	5			गंडमूल 28/9 से, भद्रा 20/50 से, मेला पट्ट समाप्त, मुक्ता भरण सप्तमी,
15	शु.	8	20	43	36	44	ज्ये.	28	57	57	19	वि.	17	25	वि.	08	40	06	01	18	37	12	36	21	6	6	ध28	57	श्री राधाष्टमी व्रत, श्री महालक्ष्मी व्रत प्रारम्भ, भद्रा 8/40 तक, बाणमाताजी की पूजा (उदयपुर राज.), मासिक दुर्गाष्टमी,
16	श.	9	21	22	38	20	मू.	-	-	60	00	प्री.	16	49	बा.	08	57	06	02	18	36	12	34	22	7	7			शुक उ.फा. में 9/13, अदुःख नवमी, श्री चन्द नवमी, ऋषि दधिची जयन्ती, नन्दा पूजा (उतराखण्ड),
17	र.	10	22	41	41	36	मू.	06	29	01	06	आ.	16	44	तै.	09	57	06	02	18	35	12	33	23	8	8			गंड़मूल समाप्त 6/29, दशावतार दशमी, श्री रामदेव जी जयन्ती, मेला रामदेवरा जैसलमेर (राज.)
18	सो.	11	24	31	46	10	पू.षा.	08	36	06	23	सौ.	17	05	व.	11	33	06	03	18	34	12	31	24	9	9	म.15	12	पद्मा एकादशी व्रत, भद्रा 11/33 से 24/31 तक, शुक्र कन्या में 25/41, C
19	मं.	12	26	43	51	39	उ.षा.	11	09	12	44	शो.	17	45	ब.	13	35	06	03	18	33	12	29	25	10	10			श्री वामन द्वादशी, श्रवण द्वादशी, बुध कन्या में 28/59, ओनम प्रारम्भ (द.भा), मुहर्रम (ताजिया, मु.),
20	बु.	13	29	07	57	38	श्र.	13	59	19	48	अ.	18	36	कौ.	15	53	06	04	18	31	12	27	26	11	11	कु27	28	प्रदोष व्रत, पंचक 27/28 से, गो त्रिरात्र व्रत, श्री भुवनेश्वरी जयन्ती, थिरू ओनम (द.भा.), आचार्य भिक्षु निवार्ण दिन,
21	गु.	14	—	—	60	00	ध.	16	58	27	14	सु.	19	32	ग.	18	21	06	04	18	30	12	26	27	12	12			श्री अनन्त चतुर्दशी, मेला सोढल (पं.), शुक्र बाल्य समाप्त 28/10,
22	शु.	14	07	35	03	45	शत.	19	58	34	43	धृ.	20	30	व.	07	35	06	05	18	29	12	24	28	13	13			श्री सत्यनारायण व्रत, प्रोष्ठपदी श्राद्ध, पूर्णिमा का श्राद्ध, D
23	श.	15	10	03	09	54	पू.भा.	22	55	42	04	शू.	21	24	ब.	10	03	06	05	18	28	12	22	29	14	14	मी.16	12	भाद्रपद पूर्णिमा, महालयारम्भ, प्रतिपदा का श्राद्ध, गोत्रिरात्र व्रत समाप्त,

A मन्वादि, मुहर्रम 1, मु. हिजरी सन् 1441 प्रारम्भ, रामदेवजी का मेला (मसूरिया, जोधपुर) श्री मीराबाई जयन्ती, श्री शंकर देव की तिथि (आसाम), B तक, बुध पू.फा. में 8/9, सरस्वती पूजा (बं. उड़ीसा), संवत्सरी (जैन चतुर्थी मत)

C शुक्र उदय 28/40, बुध उ.फा. में 8/55, फूलडोल महोत्सव, जलझूलनी मेला, श्री चारभुजानाथ (मेवाड, राज.), D सूर्य उ.फा. में 26/54, भद्रा 7/35 से 20/49 तक, ओनम समाप्त (द.भा.)

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

भाद्रपद शुक्ल 8 शुक्रवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
4	7	4	4	7	4	8	2	8
19	17	17	20	21	25	19	20	20
0	24	49	48	21	14	54	18	18
8	24	28	51	24	1	21	43	43
58	784	38	113	4	74	1	3	3
10	38	16	28	33	27	12	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	अ
पू.फा.	ज्येष्ठा	पू.फा.	पू.फा.	ज्येष्ठा	पू.फा.	पू.षा.	पुनर्वसु	पू.षा.
2	1	2	3	2	4	2	1	3

6 मं 4
7 5 सू शु बु 3 रा
2
चं गु 8
11
श के 9
1
10 12

पक्षारम्भ में 'सिंह राशि' में चतुर्ग्रह (मं+सू+बु+शु) का योग बना हुआ है। सत्ताधीशों के लिए सत्यवादी, संयमी, सदाचारी रहते हुए निष्ठापूर्वक राष्ट्र सेवा करना हितावह होगा। अमर्यादित, उच्छृंखल आचरण स्वयं के लिए और देशहित के संदर्भ में प्रतिकूल परिणाम देगा। प्रतिपदा, शनिवार को 'सूर्य' पू.फा. में प्रवेश करेगा और 'उत्तरश्रृंगी' चन्द्र दर्शन होगा। सोने में अधिक तेजी तथा चांदी, रूई, चावल, गेहूं, खांड, तिल, तेल, ज्वार, घृत, ऊनी वस्त्रों में तेजी रहेगी। सोना, रूई, कपास, चांदी में भारी तेजी के ग्रहयोग है। नवमी शनिवार को 'शुक्र' उ.फा. में प्रविष्ट होगा। धान्य व रूई में तेजी आती है। कृषि को क्षति पहुंचे, उपद्रव हो और जनता दुःखी होवे। एकादशी, सोमवार को 'शुक्र' कन्या में प्रविष्ट होगा और शुक्रोदय भी होगा। '**कन्याराशिगते शुक्रे सर्वसस्यं विनश्यति। तत्र धान्य महर्घाणि शालिश्चैव विशेषतः॥**' सब अनाज, चावल, गुड़, खांड, ऊनी वस्त्रों में तेजी आती है। चांदी में घटा-बढ़ी, कृषि को क्षति व वर्षा का अभाव रहता है। पशुओं के भाव में भी तेजी आती है। शासकों में विग्रह, वैमनस्य तथा संघर्ष की स्थिति बनती है। द्वादशी, मंगलवार को 'बुध' कन्या में प्रविष्ट होगा। सोना, चांदी आदि धातु, खांड, शक्कर, हल्दी, गेहूं, जौं, चना, आदि में तेजी करता है। वायु वेग बढ़ता है। चतुर्दशी, शुक्रवार को 'सूर्य' उ.फा. में जाएगा। सोना, चांदी, लोहा, तिल, तेल, सरसों, घृत, चावल, उरद, नारियल, सुपारी, मूंज, बांस, नील में तेजी करता है। पशुओं में रोग फैले।

श्रावण शुक्ल 15 शनिवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

बु 6 शु 4
7 5 सू मं 3 रा
2
गु 8
11
श के 9 चं
1
10 12

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
4	10	4	5	7	5	8	2	8
26	24	22	5	22	5	19	19	19
46	42	55	20	2	9	47	53	53
19	34	50	53	57	46	51	17	17
58	712	38	104	5	74	0	3	3
23	5	20	30	50	30	26	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व	व
उ	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	अ
उ.फा.	पू.भा.	पू.फा.	उ.फा.	ज्येष्ठा	उ.फा.	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
1	2	3	3	2	3	2	4	2

श्री संवत् 2076 शकः 1941

आश्विन कृष्ण पक्षः 12

ता.15 से 28 सितम्बर 2019 ई., राष्ट्रीय मिति,

24 भाद्रपद से 6 आश्विन तक, दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद् ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

ता. ई.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि भाद्रपद	मु मोहर्रम	अं सितम्बर	चन्द्र संचार राशि	घंटे	मिनट	
24भा.	र.	1	12	24	15	45	उ.भा	25	44	49	05	ग.	22	13	कौ.	12	24	06	06	18	27	12	21	30	15	15				द्वितीया का श्राद्ध, अशून्य शयन व्रत, गंडमूल 25/44 से,
25	सो.	2	14	35	21	12	रे.	28	22	55	39	वृ.	22	53	ग.	14	35	06	06	18	25	12	19	31	16	16	मे.	28	22	भद्रा 27/36 से, पंचक समाप्त 28/22, व्य०महापात 14/58 से 19/48 तक, बुध हस्त में 22/32,
26	मं.	3	16	33	26	05	अ.	–	–	60	00	ध्रु.	23	20	वि.	16	33	06	07	18	24	12	17	1 आ.	17	17				तृतीया का श्राद्ध, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, सं. सूर्य कन्या में 13/2 मु. 30, A
27	बु.	4	18	12	30	12	अ.	06	44	01	32	व्या.	23	33	बा.	18	12	06	07	18	23	12	16	2	18	18				चतुर्थी का श्राद्ध, भरणी श्राद्ध, गंडमूल समाप्त 6/44, शनि मार्गी 14/17, बुध कन्या में 28/14,
28	गु.	5	19	27	33	18	भ.	08	45	06	33	ह.	23	26	कौ.	06	52	06	08	18	22	12	14	3	19	19	वृ.	15	11	पंचमी का श्राद्ध, चन्द्र षष्ठी, मंगल उ.फा. में 25/42,
29	शु.	6	20	11	35	07	कृ.	10	19	10	27	व.	22	55	ग.	07	53	06	08	18	21	12	12	4	20	20				षष्ठी का श्राद्ध, भद्रा 20/11 से,
30	श.	7	20	21	35	30	रो.	11	22	13	03	सि.	21	56	वि.	08	21	06	09	18	19	12	11	5	21	21	मि	23	39	सप्तमी का श्राद्ध, श्री माहलक्ष्मी व्रत समाप्त भद्रा 8/21 तक, नारायण गुरू, समाधि दिवस,
31	र.	8	19	50	34	12	मृ.	11	46	14	02	व्य.	20	25	बा.	08	11	06	09	18	18	12	09	6	22	22				अष्टमी का श्राद्ध, मासिक कालाष्टमी, जीवित पुत्रिका अष्टमी व्रत (बिहार), B
1आ.	सो.	9	18	37	31	08	आ.	11	29	13	18	व.	18	20	तै.	07	19	06	10	18	17	12	07	7	23	23	कर्क	28	49	नवमी का श्राद्ध, सौभाग्यवती श्राद्ध, जीवित पुत्रिका व्रत पारणा, C
2	मं.	10	16	42	26	19	पुन.	10	31	10	52	प.	15	41	वि.	16	42	06	10	18	16	12	05	8	24	24				दशमी का श्राद्ध, भद्रा 16/42 तक, बुध चित्रा में 27/45,
3	बु.	11	14	09	19	55	पु.	08	53	06	45	शि.	12	31	बा.	14	09	06	11	18	15	12	04	9	25	25				इंदिरा एकादशी व्रत, एकादशी का श्राद्ध, द्वादशी तथा सन्यासियों का श्राद्ध, D
4	गु.	12	11	03	12	09	आ. म.	06 28	40 01	01 54	12 33	सि. सा.	08 28	53 53	तै.	11	03	06	11	18	13	12	02	10	26	26	सिं.	06	40	मघा श्राद्ध, त्रयोदशी का श्राद्ध, प्रदोष व्रत, गंडमूल समाप्त 28/1,
5	शु.	13	07	32	03	20	पू.फा.	25	04	47	10	शु.	24	40	व.	07	32	06	12	18	12	12	00	11	27	27				मासिक शिवरात्रि व्रत, जल, विष, अग्नि, शस्त्रादि, अपघात से मृतको का श्राद्ध, E
0	0	14	27	46	53	54	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	०	0	0	चतुर्दशी का क्षय,
6	श.	30	23	56	44	19	उ.फा.	22	02	39	34	शु.	20	22	च.	13	51	06	12	18	11	11	59	12	28	28	क.	06	19	सर्व पितृ अमावस्या, चतुर्दशी अमावस्या, अज्ञात मृत्यु तिथि, पूर्णिमा का श्राद्ध, F

A संक्रान्ति पुण्य मध्याह्न से सूर्यास्त तक, भद्रा 16/33 तक, शुक्र हस्त में 27/0, B बुध उदय 18/13, C भद्रा 29/45 से, सूर्य सायन तुला और दक्षिण गोल में 7/24, राष्ट्रीय आश्विन प्रा.,

D मंगल कन्या में 6/33, गंडमूल 8/53 से, E सूर्य हस्त में 18/26, F वै० महापात 23/12 से 27/3 तक, शुक्र चित्रा में 20/32, व्रतोपवास,

आश्विन कृष्ण 8 रविवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
5	2	4	5	7	5	8	2	8
4	3	28	18	22	15	19	19	19
34	12	2	42	54	5	47	27	27
29	32	55	43	24	55	34	51	51
58	791	38	96	7	74	0	3	3
40	48	27	9	1	33	21	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
उ.फा.	मृगशिरा	उ.फा.	हस्त	ज्येष्ठा	हस्त	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
3	3	1	3	2	2	2	4	2

7 मं 5
गु 8 सू शु बु 6 3 रा चं 4
श के 9 12
10 11 1 2

इस मास में पांच रविवार है। **'यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच सततम्। दुर्भिक्षं छत्रभंगः स्यात्तदास्ते च महद्भयम्।।'** वर्षा का अभाव, जनता एवं शासन में आपसी मतभेद, कृषि-उपज में कमी, रोग, अशान्ति, भय से जनता दुःखी होती है।पक्षान्त में 'शानि' से वीक्षित कन्या राशि में चतुर्ग्रह (मं+सू+शु+बु) योग है। राजनेताओं और समाज के अग्रणी भद्र लोगों में विलासिता, दुराग्रह, धनलोलुपता की प्रवृत्ति बढ़ेगी। कुछ राजनेताओं का असंयमित आचरण और वाणी की उद्ंडता उनके शीर्ष नेतृत्व की शिरोवेदना बन सकती है। तृतीया, मंगलवार को सूर्य-कन्या में प्रविष्ट होगा। रूई, कपड़ा, अलसी, उरद, मूंग, मसूर, तांबा, लोहा, पीतल, किराने की वस्तुओं में तेजी। नारियल, सुपारी, जायफल, आदि में मंदी।

आश्विन कृष्ण 30 शनिवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

7 चं 5
गु 8 सू मं शु बु 6 3 रा 4
श के 9 12
10 11 1 2

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
5	4	5	5	7	5	8	2	8
10	29	1	28	23	22	19	19	19
27	28	53	2	39	33	51	8	8
8	58	51	23	3	18	29	47	47
58	915	38	90	7	74	0	3	3
53	46	32	28	51	35	57	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	अ	उ	उ	अ	उ	अ	अ
हस्त	उ.फा.	उ.फा.	चित्रा	ज्येष्ठा	हस्त	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
1	1	2	2	3	4	2	4	2

'वायव्ये च यदा दृष्टिः सर्वसौख्य समन्विता। सुभिक्षं च विजानीयात् नृपाणां च कलिर्भवेत्।।' पूर्व तथा दक्षिण के देशों में पीड़ा, पश्चिम के देशों में युद्ध आदि का भय और उत्तर के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख होता है। इस ध्वांक्षी संज्ञक संक्रान्ति की गमन दिशा उत्तर है। उत्तरी क्षेत्रों के शासकों को कष्टकारी, दक्षिणी क्षेत्र के निवासियों को रोग, शोक, भयप्रद होती है। धान्यादि पदार्थो का भाव मंदा और जगत में आनंद रहे। चतुर्थी, बुधवार को 'शनि' मार्गी होगा। धान्य का नाश होता है और उत्तरी देशों, चीन, आदि में भूकम्प की आशंका रहती है। एकादशी, बुधवार को 'मंगल' कन्या में प्रविष्ट होगा। सोना, चांदी आदि धातु, समस्त लाल रंग के पदार्थ, रूई, चन्दन, पाट, बारदाना, हैशियन, लाल वस्त्र, अलसी, लाल मिर्च, ऊनी, सूती, रेशमी, वस्त्रों में तेजी आती है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941
आश्विन शुक्ल पक्षः 13

29 सितम्बर से 13 अक्टूबर 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 7 से 21 आश्विन तक, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद् ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	उदय मिनट	अस्त घंटे	अस्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	तारीखें हि (आश्विन)	मु (मोहर्रम)	अं.ता (सितम्बर)	चन्द्र संचार राशि	घंटे	मिनट	विवरण
7	र.	1	20	14	35	03	ह.	19	06	32	13	ब्र.	16	08	कि.	10	03	06	13	18	10	11	57	13	29	29	तु.	29	45	शारदीय नवरात्रारम्भ, घट स्थापन, मातामह/मातामही का श्राद्ध, बुध तुला में 12/55, A
8	सो.	2	16	49	27	05	चि.	16	29	26	15	ऐ.	12	08	बा.	06	28	06	13	18	09	11	55	14	30	30				चन्द दर्शन मु. 15 उत्तर श्रृगोन्नति 17°,
9	मं.	3	13	55	19	13	स्वा.	14	21	20	18	वै./वि.	08/29	31/23	ग.	13	55	06	14	18	08	11	54	15	1 स.	01 अक्टूबर				श्री विनायक चतुर्थी व्रत, भद्रा 24/42 से, सफर प्रारम्भ (मु.2)
10	बु.	4	11	40	13	34	वि.	12	52	16	34	प्री.	26	53	वि.	11	40	06	14	18	06	11	52	16	2	2	वृ.	07	10	श्री उपाङ्ग ललिता व्रत, महात्मा गांधी जयन्ती, भद्रा 11/40 तक,
11	गु.	5	10	12	09	52	अ.	12	10	14	47	आ.	25	02	बा.	10	12	06	15	18	05	11	50	17	3	3				गंडमूल 12/10 से, शुक्र तुला में 29/14, बुध स्वाति में 27/11, प्लूटो मार्गी 12/07,
12	शु.	6	09	35	08	19	ज्ये.	12	19	15	09	सौ.	23	53	तै.	09	35	06	16	18	04	11	48	18	4	4	ध.	12	19	श्री सरस्वती आवाहन 12/19 के बाद, कालरात्रि सप्तमी,
13	श.	7	09	51	08	57	मू.	13	18	17	35	शो.	23	23	व.	09	51	06	16	18	03	11	47	19	5	5				श्री सरस्वती पूजन 13/18 के बाद, भद्रा 9/51 से 22/17 तक, गंडमूल समाप्त 13/18, B
14	र.	8	10	54	11	33	पू.षा	15	03	21	56	अ.	23	27	ब.	10	54	06	17	18	02	11	45	20	6	6	म.	21	36	श्री सरस्वती प्रीत्यर्थ बलिदान 15/3 के बाद, श्री दुर्गाष्टमी-महाष्टमी, महानवमी पूजा, C
15	सो.	9	12	38	15	52	उ.षा	17	25	27	49	सु.	23	57	कौ.	12	38	06	17	18	01	11	43	21	7	7				श्री सरस्वती-विसर्जन, 17/25 के बाद, महानवमी बलिदान हेतू, मन्वादि, नवरात्र समाप्त,
16	मं.	10	14	50	21	21	श्र.	20	12	34	46	धृ.	24	45	ग.	14	50	06	18	17	59	11	42	22	8	8				नवरात्र पारणा, विजयादशमी-दशहरा, अपराजिता पूजा, शस्त्रादि पूजा, भद्रा 28/3 से, शमी पूजा,
17	बु.	11	17	19	27	32	ध.	23	12	42	14	शू.	25	41	वि.	17	19	06	18	17	58	11	40	23	9	9	कु.	09	41	पाशांकुशा एकादशी व्रत, भद्रा 17/19 तक, पंचक 9/41 से शुक्र स्वाती में 13/57,
18	गु.	12	19	52	33	53	श.	26	14	49	48	ग.	26	38	ब.	06	35	06	19	17	57	11	38	24	10	10				पयोव्रत समाप्त, मंगल हस्त में 19/38,
19	शु.	13	22	20	40	01	पू.भा	29	09	57	04	वृ.	27	29	कौ.	09	07	06	19	17	56	11	37	25	11	11	मी	22	26	प्रदोष व्रत, सूर्य चित्रा में 7/25, व्य० महापात 17/52 से 22/54 तक,
20	श.	14	24	37	45	42	उ.भा	00	00	60	00	ध्रु.	28	12	ग.	11	30	06	20	17	55	11	35	26	12	12				भद्रा 24/37 से,
21	र.	15	26	38	50	43	उ.भा	07	53	03	51	व्या.	28	42	वि.	13	39	06	21	17	54	11	33	27	13	13				शरद् पूर्णिमा, कोजागर व्रत, श्री वाल्मीकि जन्यती, श्री सत्यनारायण व्रत, कार्तिक स्नान प्रारम्भ, D

A अग्रसेन जयन्ती, B आयंबिल ओली प्रारम्भ (जैन), C गजाश्व 9 भगवती भद्रकाली प्राकट्योत्सव, D भद्रा 13/39 तक, गंडमूल 7/53 से, ओली समाप्त (जैन), बुध विशाखा में 29/50, डाकोर जी का मेला (गुज.), मंगल उदय 28/19, लक्ष्मी पूजा, कुमार पूर्णिमा,

आश्विन शुक्ल 8 रविवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

आश्विन शुक्ल 15 रविवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
5	8	5	6	7	6	8	2	8
18	21	7	9	24	2	20	18	18
19	45	2	35	46	30	2	43	43
13	42	32	39	6	0	13	21	21
59	742	38	82	8	74	1	3	3
8	49	38	42	53	35	44	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
हस्त	पू.षा.	उ.फा.	स्वाति	ज्येष्ठा	चित्रा	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
3	3	4	1	3	3	3	4	2

बु शु 7
8
5
मं
सू
4
गु
6
3 रा
के
श
चं
9
12
10
2
11
1

प्रतिपदा, रविवार को 'बुध' तुला में प्रवेश करेगा। 'यदा तुलाराशिगतो निशाकरसुतस्तदा। मेघश्च जायते तत्र मेदिनी कलहान्विता॥' गुड़, खांड, सोना, रूई, में तेजी। चांदी, अलसी, सरसों, बिनौला, मूंगफली में मंदी आती है। पृथ्वी पर कलह, कलेश तथा जनता ज्वरादि रोगों से दुखित रहे। वर्षा हवा के साथ अच्छी बरसे। द्वितीया, सोमवार को उत्तर श्रृंगोन्नत चन्द्र दर्शन तुला राशि में होगा। चांदी, सोना, रूई, तिल, तेल, सरसों में तेजी। गेहूं, जौं, चना, में मंदी होती है। पंचमी, गुरूवार को 'शुक्र' तुला में प्रवेश करेगा। सोना, गुड़, खांड, में असाधारण तेजी। चांदी में घट-बढ़। रूई में पहले तेजी बाद में मंदी तथा अन्न भाव मंदे रहते है। सुभिक्ष होता है। द्वादशी, गुरूवार को 'मंगल' हस्त में प्रवेश करेगा 'हस्त कुजेऽल्पांबु च तुच्छ धान्यं घृतं गुरौ वा लवणं महर्घम।' घृत, गुड़, खांड, धान्य, नमक, अनाजों में तेजी आती है। वर्षा में कमी आती है। त्रयोदशी, शुक्रवार को 'सूर्य' चित्रा में प्रविष्ट होगा। गेहूं, चना, रूई, सोना, चांदी, खांड, अरहर, लाख, चमड़ा, केसर, कपूर में तेजी रहे और जनता ज्वरादि रोगों से ग्रसित रहे। पूर्णिमा, मंगलवार को 'मंगल' उदय होगा। धान्यों की उत्पत्ति अच्छी होती है एवं शासन करने वाले तथा विलासी व्यक्तियों को पीड़ा पहुंचाता है। इस पक्ष में 'मंगल-शनि' परस्पर वीक्षित है तथा सूर्य पर शनि की दृष्टि है। शासन की शिरोवेदना बढ़ेगी, अग्निकांड, हिंसा, उपद्रव का समय-पूर्व यथोचित शमन करना हितावह होगा। सत्ता-संचालकों का मर्यादित रह कर सदाचारी होना अत्यावश्यक है।

बु शु 7
8
5
मं
सू
4
गु
6
3 रा
के
श
9
12
चं
10
2
11
1

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
5	11	5	6	7	6	8	2	8
25	15	11	18	25	11	20	18	18
13	28	33	45	51	12	16	21	21
53	38	22	49	9	3	41	6	6
59	721	38	73	9	74	2	3	3
21	16	45	58	41	34	24	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
चित्रा	उ.भा.	हस्त	स्वाति	ज्येष्ठा	स्वाति	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
1	4	1	4	3	2	3	4	2

श्री संवत् 2076 शकः 1941

कार्तिक कृष्ण पक्षः 14

ता.14 से 28 अक्टूबर 2019 ई., राष्ट्रीय मिति,
22 आश्विन से 6 कार्तिक तक, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्/ हेमन्त ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

प्र.मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि (कार्तिक)	मु (सफर)	अं (अक्टूबर)	चन्द्र संचार राशि	घंटे	मिनट	
22	सो.	1	28	21	54	59	रे.	10	20	09	57	ह.	28	58	बा.	15	32	06	21	17	53	11	32	28	14	14	मे.	10	20	पंचक समाप्त 10/20, यागादि,
23	मं.	2	29	45	58	28	अ.	12	30	15	20	व.	28	59	तै.	17	05	06	22	17	52	11	30	29	15	15				गंडमूल समाप्त 12/30, अशून्य शयन व्रत, चन्द्रोदय 19/1,
24	बु.	3	—	—	60	00	भ.	14	21	19	56	सि.	28	45	व.	18	19	06	22	17	51	11	28	30	16	16	वृ.	20	46	भद्रा 18/19 से,
25	गु.	3	06	48	01	02	कृ.	15	51	23	40	व्य.	28	13	वि.	06	48	06	23	17	50	11	27	1 का	17	17				सं.सूर्य तुला में 25/3 मु. 45 संक्रान्ति पुण्य अगले दिन, करक (करवा) गणेश चतुर्थी व्रत, A
26	शु.	4	07	29	02	43	रो.	16	59	26	28	व.	27	22	बा.	07	29	06	24	17	49	11	25	2	18	18	मि.	29	23	संक्रान्ति पुण्य सूर्योदय से मध्याह्न तक,
27	श.	5	07	44	03	19	मृ.	17	40	28	09	प.	26	08	तै.	07	44	06	24	17	48	11	24	3	19	19				चेहल्लम (मु.),
28	र.	6	07	30	02	43	आ.	17	52	28	38	शि.	24	30	व.	07	30	06	25	17	47	11	22	4	20	20				भद्रा 7/30 से 19/11 तक, शुक्र विशाखा में 7/25,
29	सो.	7	06	44	00	46	पुन.	17	32	27	46	सि.	22	26	व.	06	44	06	26	17	46	11	20	5	21	21	कर्क.	11	40	अहोई अष्टमी (कालिका पूजन) मासिक कालाष्टमी, राधा जयन्ती, B
0	सो.	8	29	25	57	27	0	0	0	0	0	०	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0		०	0	0	अष्टमी का क्षय,
30	मं.	9	27	33	52	47	पु.	16	38	25	29	सा.	19	55	तै.	16	33	06	26	17	45	11	19	6	22	22				गंडमूल 16/38 से,
1	बु.	10	25	09	46	45	आ.	15	13	21	55	शु.	16	57	व.	14	25	06	27	17	44	11	17	7	23	23	सिं.	15	13	हेमन्त ऋतु प्रारम्भ, भद्रा 14/25 से 25/9 तक, बुध वृश्चिक में 23/12, C
2	गु.	11	22	19	39	39	म.	13	18	17	06	शु.	13	36	ब.	11	47	06	28	17	43	11	16	8	24	24				रमा एकादशी व्रत, गंडमूल समाप्त 13/18, सूर्य स्वाति में 18/0, वै०महापात 15/29 से 20/0 तक,
3	शु.	12	19	08	31	40	पू.फा.	11	00	11	20	ब. / ऐ.	09 56 / 30 03		कौ.	08	45	06	28	17	42	11	14	9	25	25	क.	16	23	गो वत्स-द्वादशी व्रत,
4	श.	13	15	46	23	13	उ.फा. / ह.	08 27 / 29 49		04 55 / 58 19		वै.	26	05	व.	15	46	06	29	17	41	11	12	10	26	26				धन-त्रयोदशी(धन-तेरस), प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत, यम प्रीत्यर्थ दीपदान, D
5	र.	14	12	23	14	44	चि.	27	16	51	56	वि.	22	10	श.	12	23	06	30	17	40	11	11	11	27	27	तु.	16	31	रूप-चतुर्दशी, दीपावली, श्री कमला जयन्ती, नरक हरा चतुर्दशी, चन्द्रोदय 5/16, E
6	सो.	30	09	08	06	34	स्वा.	25	00	46	14	प्री.	18	26	ना.	09	08	06	30	17	40	11	09	12	28	28				सोमवती अमावस्या, गो क्रीडा, गोवर्धन पूजा, बलिपूजा, अन्नकूट, शुक्र वृश्चिक में 8/32, F

A चन्द्रोदय 20/13, भद्रा 6/48 तक, कावेरी संक्रमण स्नान (द.भा. B राधा कुण्ड में स्नान (मथुरा) चन्द्रोदय 23/41, C राष्ट्रीय कार्तिक आरम्भ, सूर्य सायन वृश्चिक में 22/50, आखिरी चहार शम्बा, (मु.),

D श्री हनुमान जयन्ती, गौ त्रिरात्री व्रत, श्री धनवन्तरी जयन्ती, भद्रा 15/46 से 26/4 तक, E श्री काली पूजा, तैलाभ्यंग चन्द्रोदय से, श्री महावीर निर्वाण दिवस, श्री महालक्ष्मी पूजन (प्रदोष काल में),

F श्री कांडा मंजुघोष भैरव यात्रोत्सव, शहदत-ए-इमान-हसन,

कार्तिक कृष्णा 7 सोमवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
6	2	5	6	7	6	8	2	8
3	26	16	27	27	21	20	17	17
9	30	43	36	12	8	38	55	55
48	58	54	49	3	36	44	40	40
59	811	38	56	10	74	3	3	3
38	7	54	50	31	34	7	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	अ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
चित्रा	पुनर्वसु	हस्त	विशाखा	ज्येष्ठा	विशाखा	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
3	2	3	3	4	1	3	4	2

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

कार्तिक कृष्ण 30 सोमवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
6	6	5	7	7	6	8	2	8
10	8	21	2	28	29	21	17	17
8	2	16	40	28	50	2	33	33
12	39	38	5	2	36	40	25	25
59	889	39	26	11	74	3	3	3
54	18	2	15	11	34	43	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
स्वाति	स्वाति	हस्त	विशाखा	ज्येष्ठा	विशाखा	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
2	1	4	4	4	3	3	4	2

इस महीने पांच सोमवार और मंगलवार है। इस पक्ष में 'मंगल-शनि' का परस्पर दृष्टि सम्बन्ध है। पांच सोमवार होने से कृषि उत्पादन अच्छा हो। व्यापारिक वस्तुओं में घटा-बढ़ी के साथ रूख मंदी का प्रबल रहता है। मास में पांच मंगलवार लाल वस्तुओं तथा धान्य के भाव तेज करता है। जनता में विक्षोभ, आपसी कलह, अशान्ति, रक्त-विकार से हानि का सूचक होता है। तृतीया, गुरूवार को 'सूर्य' तुला में प्रविष्ट होगा। गेहूं, जौं, चना, अनाज़ के भाव तेज। रूई, चांदी में मंदी, सोने में तेजी आती है। नारियल, सुपारी, मजीठ, लाल चन्दन में भी साधारण तेजी-कारक होता है। भारी यात्री-वाहक और माल-वाहक, 'वाहन' दुर्घटना ग्रस्त होते है। **'आग्नेष्यां दृष्टि मार्गस्तु वारूणादौ यथाक्रमम्। देशभंग विजानीयात् सृष्टि** संहारकारकम्।।' पूर्व व उत्तर के देशों, स्थलों में पीड़ा तथा दक्षिण के देशों में युद्धादि का भय तथा पश्चिम के देशों में सुख होता है। उक्त संक्रान्ति 'माहेन्द्र मंडल' में मंदा संज्ञक है, गमन दिशा पूर्व की ओर है। अनेक प्रकार के रोगो से जनता परेशान रहती है। जल से तथा भूमि से उत्पन्न होने वाले रत्न और धातुवाना में तेजी कारक है,। गल्ला और तिलहन में मंदी। पूर्व के क्षेत्रों के शासकों को क्लेश, जनता को कष्ट तथा पूर्वोत्तर के क्षेत्रों में भय होवे। दशमी, बुधवार को 'बुध' वृश्चिक में प्रवेश करेगा। समस्त अनाजों, घृत, सरसों, तेल, तिल आदि में मंदी। सोना, चांदी, के भाव सम। वर्षा कहीं-कहीं पर हो। अमावस्या, सोमवार को शुक्र 'वृश्चिक' में प्रविष्ट होगा। गेहूं, जौं, चना, उरद, मूंग, मोठ, बाजरा, ज्वार, आदि में मंदी। रूई, अलसी, चांदी में तेजी आती है। सुभिक्षकारी व शुभ फल देता है। तुला राशि में ग्रह (सू+शु+बु) युत होंगे। सब अन्न तेज हों तथा वर्षा कम हो।

श्री संवत् 2076 शक: 1941

कार्तिक शुक्ल पक्ष: 15

ता. 29 अक्टूबर से 12 नवम्बर 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 7 से 21 कार्तिक तक, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदय घंटे	मिनट	सूर्यास्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि (कार्तिक)	मु (सफर)	अं.ता (अक्टूबर)	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	विवरण
0	सो.	1	30	13	59	15	०	0	0	0	0	०	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	०0	0	प्रतिपदा का क्षय,
7 कार्ति.	मं.	2	27	48	53	13	वि.	23	11	41	40	आ.	15	02	बा.	16	56	06	31	17	39	11	08	13	29	29	वृ.17	35	श्री विश्वकर्मा पूजा, यम द्वितीया, भाई दूज, यम पूजन, बुध अनु. में 30/11, A
8	बु.	3	26	01	48	43	अ.	21	59	38	38	सौ.	12	05	तै.	14	49	06	32	17	38	11	06	14	1 (१.३.८४)	30			गंडमूल 21/59 से रवि-उल-अव्वल प्रारम्भ (मु. 3), शुक्र अनु. में 24/54,
9	गु.	4	25	01	46	12	ज्ये.	21	31	37	27	शो.	09	42	व.	13	25	06	32	17	37	11	05	15	2	31	ध21	31	दूर्वा विनायक चतुर्थी व्रत, भद्रा 13/25 से, बुध वक्री 21/11 से, सरदार पटेल ज.,
10	शु.	5	24	51	45	45	मू.	21	52	38	17	अ.	07	56	ब.	12	50	06	33	17	36	11	03	16	3	01 नवम्बर			गंडमूल समाप्त 21/52, लाभ पंचमी, पांडव पंचमी, ज्ञान पंचमी,
11	श.	6	25	31	47	23	पू.षा.	23	01	41	08	सु./ध.	06/30	51/23	कौ.	13	05	06	34	17	36	11	02	17	4	2	म29	26	सूर्य षष्ठी, छठ पूजा (बिहार),
12	र.	7	26	56	50	54	उ.षा.	24	55	45	51	शू.	30	28	ग.	14	08	06	34	17	35	11	00	18	5	3			भद्रा 26/56 से, कल्पादि, सन्त जलाराम जयन्ती, भानु सप्तमी,
13	सो.	8	28	57	55	54	श्र.	27	23	51	59	ग.	–	–	वि.	15	53	06	35	17	34	10	59	19	6	4			गोपाष्टमी, त्रिवेन्द्रम आर्ट (केरल), भद्रा 15/53 तक, मासिक दुर्गाष्टमी, B
14	मं.	9	–	–	60	00	ध.	30	14	59	05	ग.	07	00	बा.	18	07	06	36	17	33	10	57	20	7	5	कु16	47	अक्षय-कूष्मांड नवमी, अपिण्ड श्राद्ध नवमी, आष्टान्हिक व्रतारम्भ (जैन), कृत युगादि, C
15	बु.	9	07	21	01	51	श.	–	–	60	00	वृ.	07	47	कौ.	07	21	06	37	17	33	10	56	21	8	6			सूर्य विशाखा में 26/4,
16	गु.	10	09	55	08	14	श.	09	15	06	34	ध्रु.	08	41	ग.	09	55	06	37	17	32	10	55	22	9	7	मी29	29	भद्रा 23/11 से, वक्री बुध तुला में 15/56,
17	शु.	11	12	24	14	24	पू.भा.	12	12	13	54	व्या.	09	33	वि.	12	24	06	38	17	31	10	53	23	10	8			हरि (देव) प्रबोधिनी एकादशी व्रत, भीष्म पंचक प्रारम्भ, पंढरपुर यात्रा, भद्रा 12/24 तक,
18	श.	12	14	39	20	00	उ.भा.	14	55	20	40	ह.	10	14	बा.	14	39	06	39	17	31	10	52	24	11	9			देव प्रबोधोत्सव, प्रदोष व्रत, तुलसी विवाह प्रारम्भ, चातुर्मास्य व्रत नियमादि समाप्त, गंडमूल 14/55 से,
19	र.	13	16	33	24	43	रे.	17	18	26	36	व.	10	40	तै.	16	33	06	40	17	30	10	50	25	12	10	मे.17	18	वैकुण्ठ चतुर्दशी, (वैष्णव सम्प्रदाय), पंचम समाप्त 17/18, मंगल तुला में 14/24, D
20	सो.	14	18	02	28	24	अ.	19	17	31	31	सि.	10	48	व.	18	02	06	41	17	30	10	49	26	13	11			वैकुण्ठ चतुर्दशी, (शैव सम्प्रदाय), भद्रा 18/2 से 30/36 तक, गंडमूल समाप्त 19/17,
21	मं.	15	19	04	30	57	भ.	20	51	35	24	व्य.	10	35	ब.	19	04	06	41	17	29	10	48	27	14	12	वृ27	11	कार्तिक पूर्णिमा, श्री गुरूनानक जयन्ती, त्रिपुरोत्सव, श्री सत्य नारायण व्रत, सिद्धाचल यात्रा, E

A चन्द्र दर्शन मु. 45, उ. श्रृगोन्नति 12°, चित्रगुप्त पूजा, **B** वक्री बुध पश्चिमास्त 23/19, गुरू मूल धनु में 29/17, **C** नवमी की वृद्धि, पंचक 16/47 से, व्य० महापात 21/4 से 27/25 तक,

D शुक्र ज्येष्ठा में 18/31, ईद-ए-मिलाद, बारा-वफात, **E** भीष्म पंचक समाप्त, कार्तिक स्नान समाप्त, मन्वादि, आष्टान्हिक समाप्त (जैन), तुलसी विवाह समाप्त, पुष्कर मेला (अजमेर राज.),

E कपालमोचन (हरि), गढ़गंगा (उ.प्र.), रेणुका तीर्थ (हि.प्र.), श्री निम्बार्काचार्य ज., रास पूर्णिमा,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

कार्तिक शुक्ल 8 सोमवार स्टै. टा. प्रात: 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
6	9	5	7	7	7	8	2	8
17	12	25	2	29	8	21	17	17
8	19	50	40	48	32	30	11	11
12	50	14	46	19	30	41	9	9
60	729	39	30	11	74	4	3	3
6	38	9	31	45	32	17	11	11
मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
स्वाति	श्रवण	चित्रा	विशाखा	ज्येष्ठा	अनुराधा	पू. षा.	आर्द्रा	पू. षा.
4	1	1	4	4	2	3	4	2

बु गु 8 शु, म 6, के 9 श, सू 7, 4, 5, चं 10, 1, 11, 3 रा, 12, 2
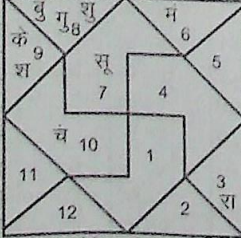
द्वितीया, मंगलवार को उत्तरश्रृंगोन्नत चन्द्र दर्शन होगा। सोना, रूई, कपास, चांदी में भारी तेजी कारक है। अलसी, सरसों, नमक में भी तेजी, अनाज में मंदी। दक्षिण क्षेत्रों में उपद्रव की आशंका रहे। चतुर्थी, गुरूवार को 'बुध' अनुराधा नक्षत्र में वक्री होगा। गुड, शक्कर, चीनी में तेजी, अलसी, सरसों में मंदीकारक प्रभाव देता है। अष्टमी, सोमवार को वक्री बुध विशाखा नक्षत्र में पश्चिम में अस्त हो जाएगा। सातों धातुओं में तेजी आती है। दस दिन के अन्दर रूई में मंदी आती है। उक्त दिन ही, 'गुरू'-मूल धनु में प्रवेश करेगा। 'वृश्चिके च गुरूर्यातो दुर्भिक्षं तत्र जायते। स्वल्पवृष्टिर्भवेत्तत्र भूर्युता नरकिल्विषै:।।' दुर्भिक्ष, अल्पवर्षा तथा अनेक प्रकार के पाप उपद्रव होते है।

कार्तिक शुक्ल 15 मंगलवार स्टै. टा. प्रात: 5:30

गु के 9 श, 8 शु, मं बु सू 7, 6, 5, 4, 10, 1 चं, 11, 3 रा, 12, 2
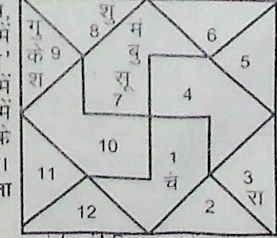
सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
6	0	6	6	8	7	8	2	8
25	18	1	24	1	18	22	16	16
9	38	4	19	24	28	7	45	45
48	8	0	20	37	36	18	44	44
60	749	39	79	12	74	4	3	3
19	49	18	36	19	29	52	11	11
मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	अ	अ	उ	अ	उ	अ	अ
विशाखा	भरणी	चित्रा	विशाखा	मूल	ज्येष्ठा	पू. षा.	आर्द्रा	पू. षा.
2	2	3	2	1	1	3	4	2

सोना, चांदी, रूई, कपास, तांबा, कांसा, घृत, तेल, सरसों, नारियल, सुपारी, में तेजी आती है। नवमी, बुधवार को 'सूर्य' विशाखा में जाएगा। चांदी, चावल, खांड, रूई, गेहूं, जौं, चना, सरसों तिल में तेजी लाता है। पूर्व और दक्षिण में उपद्रव हो। दशमी गुरूवार को 'वक्री बुध' तुला में प्रवेश करेगा। गुड़, खांड, सोना, रूई में तेजी। चांदी, अलसी, सरसों, मूंगफली, में मंदी आती है। पृथ्वी पर कलह, क्लेश, जनता ज्वरादि रोगों से दुखित रहे। त्रयोदशी रविवार को 'मंगल' तुला में प्रविष्ट होगा। रूई, सूत, उरद, मूंग, समस्त धान्य रसादि पदार्थ, सभी धातु, जूट, पाट, बारदाना, खांड, मूंगफली गेहूं में तेजी लाता है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

मोर्गशीर्ष कृष्ण पक्षः 16

ता.13 से 26 नवम्बर 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 22 कार्तिक से 5 मार्गशीर्ष तक, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु।

ता. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि कार्तिक	मु र.उ.अ.	अं ता नवम्बर	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।
22 का.	बु.	1	19	42	32	30	कृ.	22	00	38	15	व.	10	03	बा.	07	26	06	42	17	29	10	46	28	15	13			पद्मक योग, पुष्कर (राज.) में तथा अन्य तीर्थों पर स्नान-दान आदि, यागादि,
23	गु.	2	19	55	33	00	रो.	22	47	40	10	प.	09	13	तै.	07	51	06	43	17	28	10	45	29	16	14			बाल दिवस, नेहरू जयन्ती,
24	शु.	3	19	46	32	36	मृ.	23	12	41	11	शि/सि	08/30	04/38	व.	07	53	06	44	17	28	10	44	30	17	15	मि.11	02	सौभाग्य सुन्दरी तृतीया व्रत, भद्रा 7/53 से 19/46 तक, वक्री बुध स्वाती-4 में 20/49, ईद-ए-मौलाद,
25	श.	4	19	15	31	16	आ.	23	16	41	19	सा	28	55	व.	07	33	06	44	17	27	10	43	1 मार्ग.	18	16			श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20/34, सं. सूर्य वृश्चिक में 24/51 मु. 45 A
26	र.	5	18	23	29	04	पुन.	22	59	40	34	शु	26	55	कौ.	06	52	06	45	17	27	10	42	2	19	17	कर्क.17	05	संक्रान्ति पुण्य सूर्योदय से मध्याह्न तक,
27	सो	6	17	10	26	00	पु.	22	21	38	57	शु	24	39	व.	17	10	06	46	17	26	10	40	3	20	18			भद्रा 17/10 से 28/25 तक, गंडमूल 22/21 से, वै० महापात 25/13 से,
28	मं.	7	15	36	22	03	आ.	21	22	36	28	ब्र.	22	06	ब.	15	36	06	47	17	26	10	39	4	21	19	सिं 21	22	श्री काल भैरवाष्टमी व्रत, वै० महापात 8/23 तक,
29	बु.	8	13	41	17	13	म.	20	04	33	11	ऐ.	19	17	कौ.	13	41	06	48	17	26	10	38	5	22	20			सूर्य अनुराधा में 8/11, गंडमूल समाप्त 20/4, बुध मार्गी 24/42, B
30	गु.	9	11	29	11	41	पू.फा.	18	29	29	11	वै.	16	14	ग.	11	29	06	48	17	25	10	37	6	23	21	क.24	03	भद्रा 22/17 से, शुक्र मूल धनु में 12/23,
1 मार्ग.	शु.	10	09	01	05	29	उ.फा.	16	41	24	39	वि.	13	00	वि.	09	01	06	49	17	25	10	36	7	24	22			भद्रा समाप्त 9/1, उत्पत्ति एकादशी व्रत (स्मार्त), सूर्य सायन धनु में 20/29, C
0	शु.	11	30	24	58	55	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	० 0	0	एकादशी का क्षय
2	श.	12	27	43	52	12	ह.	14	44	19	45	ध्रु/आ	09/30	38/14	कौ.	17	04	06	50	17	25	10	35	8	25	23	तु.25	45	उत्पत्ति एकादशी व्रत (वैष्णव),
3	र.	13	25	06	45	38	चि.	12	47	14	50	सौ.	26	54	ग.	14	24	06	51	17	25	10	34	9	26	24			प्रदोष व्रत, भद्रा 25/6 से, मासिक शिवरात्रि व्रत,
4	सो	14	22	40	39	31	स्वा.	10	57	10	13	शो	23	44	वि.	11	51	06	52	17	24	10	33	10	27	25	वृ.27	44	भद्रा 11/51 तक, मेला पुरमण्डल, देवीका स्नान (जम्मू काश्मीर),
5	मं.	30	20	35	34	14	वि.	09	22	06	12	अ.	20	51	च.	09	35	06	53	17	24	10	31	11	28	26			अमावस्या, बुध विशाखा में 16/22, व्रतोपवास,

A संक्रान्ति पुण्य अगले दिन, वक्री बुध उदय पूर्व में 23/12, **B** मंगल स्वाति में 18/3, प्रथमाष्टमी (उड़ीसा) **C** राष्ट्रीय मार्गशीर्ष प्रारम्भ, श्री महावीर दीक्षा दिन,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

मार्गशीर्ष कृष्ण 8 बुधवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
7	4	.6	6	8	7	8	2	8
3	4	6	17	3	28	22	16	16
13	45	19	30	5	24	48	20	20
13	15	4	58	3	15	21	17	17
60	844	39	9	12	74	5	3	3
33	9	28	0	47	26	23	11	11
मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
विशाखा	मघा	चित्रा	स्वाति	मूल	ज्येष्ठा	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
4	2	4	4	1	4	3	3	1
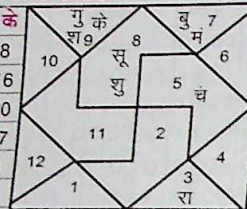
इस मास में पांच बुधवार और गुरूवार हैं। मास में पांच बुधवार हों तो कहीं वर्षा अधिक अच्छी हो और कहीं साधारण आवश्यकतानुसार। अनाज़ के भाव सम रहें। जनता में शान्ति एवं सुख की वृद्धि होती है। पांच गुरूवार होने से पाश्चात्य देशों में राज्य विग्रह एवं अशान्ति रहती है। व्यापारिक वस्तुओं में घटा-बढी के साथ रूख मंदी का ही रहता है। केवल रसादि पदार्थों में तेजी रहती है। इस मास 'धनु-राशि' में चतुर्ग्रह (गु+शु+के+श) योग बनेगा।

मार्गशीर्ष कृष्ण 30 मंगलवार स्टै. टा. प्रातः 5:30
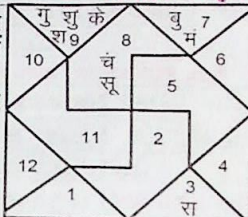
सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
7	7	6	6	8	8	8	2	8
9	1	10	19	4	5	23	16	16
17	2	16	38	22	50	21	1	1
2	44	17	17	42	44	46	13	13
60	852	39	46	13	74	5	3	3
43	3	36	27	5	24	45	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	अ	उ	अ	अ
अनुराधा	विशाखा	स्वाति	स्वाति	मूल	मूल	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
2	4	2	4	2	2	4	3	1

'एक्राशौ यदा यान्ति चत्वार : पंच खेचराः। प्लावंयति महीं सर्वो रूधिरेण जलेन वा।।' एक राशि पर चार या पांच ग्रह स्थित हों तब पृथ्वी को जल से अथवा रक्त से डुबो देवें। चतुर्थी, शनिवार को 'सूर्य' वृश्चिक में प्रवेश करेगा। अन्नादि के भाव समान रहें। सोना, चांदी, तांबा, ऊनी वस्त्र, रूई, सरसों में तेजी। लाल मिर्च, लाल चन्दन अन्य लाल रंग की वस्तुओं में मंदी आती है। **'ईशान्ये यत्र दृष्टिः स्यात् नृपमन्येन ग्रासितम्। देशभंग विजानीयात् शिशुनां च विनाशनम्।।'** पूर्व तथा उत्तर के देशों में कष्ट तथा बालकों को पीड़ा होती है। दक्षिण के देशों में युद्धादि का भय और पश्चिम के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख व शान्ति होती है। पूर्वोक्त दिन ही 'वक्री बुध' पूर्व में उदय होगा। तेजी कारक, युद्धादि व पीड़ा-कारक है। भूकम्प की संभावना रहती है। नवमी, गुरूवार को 'शुक्र' मूल-धनु में प्रविष्ट होगा। रूई, सूत, वस्त्र, गेहूं, जौं, चना, सोना, चांदी, तांबा, आदि धातुओं में तेजी आती है। कृषि उपज की क्षति होती है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः 17

ता. 27 नवम्बर से 12 दिसम्बर 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 6 से 21 मार्गशीर्ष तक, दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु।

रा. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	उदय मिनट	अस्त घंटे	अस्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	तारीखें हि (मार्गशीर्ष)	मु (रबी उल)	अं ता (नवम्बर)	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।
6 मार्ग.	बु.	1	18	59	30	14	अ.	08	12	03	17	सु.	18	20	किं.	07	43	06	53	17	24	10	31	12	29	27			गंडमूल प्रारम्भ 8/12, मार्तण्ड, भैरव षडास्त्रोत्सवांरम्भ (द.भा.), नेपच्यून मार्गी 8/2,
7	गु.	2	17	59	27	42	ज्ये.	07	34	01	40	धृ.	16	18	कौ.	17	59	06	54	17	24	10	30	13	30	28	ध.07	34	चन्द्र दर्शन मु. 30, उत्तर श्रृगोन्नति 15,
8	शु.	3	17	40	26	53	मू.	07	33	01	36	शू.	14	48	ग.	17	40	06	55	17	24	10	29	14	1 र.आ	29			रवि उल आखिर प्रारम्भ (मु. 4), भद्रा 29/47 से, गंडमूल समाप्त 7/33,
9	श.	4	18	05	27	54	पू.षा	08	15	03	19	ग.	13	52	वि.	18	05	06	56	17	24	10	28	15	2	30	म.14	33	श्री विनायक चतुर्थी व्रत, भद्रा समाप्त 18/5, व्य० महापात 23/14 से,
10	र.	5	19	13	30	42	उ.षा	09	40	06	49	वृ.	13	30	बा.	19	13	06	56	17	24	10	27	16	3	01 दिसम्बर			नाग पंचमी, (राज. बं.)शुक्र पू. षा. में 30/30, व्य०महापात 11/29 तक, फर्स्ट सन् डे, A
11	सो.	6	20	59	35	05	श्र.	11	43	11	55	ध्रु.	13	37	कौ.	08	02	06	57	17	24	10	27	17	4	2	कु.24	56	चम्पा षष्ठी, गुह (स्कन्द) षष्ठी, पंचक 24/56 से, मार्तण्ड भैरवोत्थापन (द.भा.),
12	मं.	7	23	14	40	40	ध.	14	16	18	15	व्या.	14	08	ग.	10	04	06	58	17	24	10	26	18	5	3			मित्र सप्तमी, भद्रा 23/14 से, सूर्य ज्येष्ठा में 12/24,
13	बु.	8	25	44	46	53	श.	17	09	25	26	ह.	14	53	वि.	12	28	06	59	17	24	10	25	19	6	4			मासिक दुर्गाष्टमी, भद्रा 12/28 तक,
14	गु.	9	28	15	53	09	पू.भा	20	07	32	49	व.	15	44	बा.	15	01	06	59	17	24	10	24	20	7	5	मी.13	23	कल्पादि, बुध वृश्चिक में 10/34,
15	शु.	10	30	34	58	55	उ.भा	22	57	39	52	सि.	16	30	तै.	17	27	07	00	17	24	10	24	21	8	6			गंडमूल 22/57 से,
16	श.	11	—	—	60	00	रे.	25	27	46	05	व्य.	17	03	व.	19	35	07	01	17	24	10	23	22	9	7	मे.25	27	भद्रा 19/35 से, पंचक समाप्त 25/27, बुध अनु में 20/29,
17	र.	11	08	29	03	39	अ.	27	30	51	11	व.	17	15	वि.	08	29	07	02	17	24	10	23	23	10	8			मोक्षदा एकादशी व्रत, (स्मार्त, वैष्णव) भद्रा 8/29 तक, श्री गीता जयन्ती, B
18	सो.	12	09	54	07	09	भ.	29	00	54	54	प.	17	03	बा.	09	54	07	02	17	24	10	22	24	11	9			प्रदोष व्रत, अनङ्ग त्रयोदशी, फातिहा यजदहुम, ग्याहरवीं शरीफ (मु.)
19	मं.	13	10	44	09	13	कृ.	29	57	57	15	शि.	16	24	तै.	10	44	07	03	17	25	10	22	25	12	10	वृ.11	18	पिशाच मोचनी चतुर्दशी, मंगल विशाखा में 22/0, कृत्तिका दीपदान,
20	बु.	14	10	59	09	48	रो.	30	22	58	16	सि.	15	20	व.	10	59	07	04	17	25	10	21	26	13	11			श्री दत्तात्रेय जयन्ती, श्री सत्यनारायण व्रत, भद्रा 10/59 से 22/54 तक,
21	गु.	15	10	42	09	04	मृ.	30	18	58	04	सा.	13	50	ब.	10	42	07	04	17	25	10	21	27	14	12	मि.18	23	मार्गशीर्ष पूर्णिमा, श्री षोडसी जयन्ती, अन्नपूर्णा जयन्ती, यागादि, गुरू वार्धक्य प्रारम्भ 29/57, C

A इन एडवेन्ट (क्रि.),श्री गुरू तेग बहादुर बलिदान दिसव (प्राचीन मत), B गंडमूल समाप्त 27/30, C छप्पन भोग उत्सव श्री नाथ जी (नाथद्वार, राज.) हुथरी प्रारम्भ (कुर्ग) शुक्र उ.षा. में 25/11,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

मार्गशीर्ष शुक्ल 8 बुधवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
7	10	6	6	8	8	8	2	8
17	14	15	28	6	15	24	15	15
23	14	33	23	8	45	9	35	35
23	2	42	13	43	32	23	46	46
60	713	39	78	13	74	6	3	3
52	45	45	43	24	17	9	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
ज्येष्ठा	शतभिषा	स्वाति	विशाखा	मूल	पू. षा.	पू. षा.	आर्द्रा	पू. षा.
1	3	3	3	2	1	4	3	1

मार्गशीर्ष शुक्ल 15 गुरूवार स्टै. टा. प्रातः 5:30
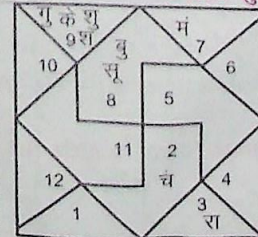
सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
7	1	6	7	8	8	8	2	8
25	22	20	9	7	25	24	15	15
30	51	52	39	56	39	59	10	10
41	29	22	8	53	14	59	20	20
60	793	39	88	13	74	6	3	3
58	57	55	20	38	8	29	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
ज्येष्ठा	रोहिणी	विशाखा	अनुराधा	मूल	पू. षा.	पू. षा.	आर्द्रा	पू. षा.
3	4	1	2	3	4	4	3	1

इस पक्ष में भी 'धनु' राशि में चतुर्ग्रह (गु+शु+श+के) योग बन रहा है। धातुओं, वस्त्रों में तेजी कारक है।प्रशासन व शासनाध्यक्ष के लिए कड़ी अग्नि परीक्षा का कठिन समय उपस्थित होगा। जनता को कष्ट व क्षति होती है। द्वितीया, गुरूवार को उत्तरश्रृंगोन्नत चन्द्र दर्शन 'धनु' राशि में होगा। गेहूं, जौं, चना, आदि के भाव सम रहते है। सोना, रूई, कपास, व चांदी में भारी मंदी के योग है। सप्तमी, मंगलवार को 'सूर्य' ज्येष्ठा में प्रवेश करेगा। गेहूं, जौं, चना, चावल, सरसों, खांड, शक्कर, अलसी, पारा, हींग, एरण्ड, गुग्गल, आदि में तेजी आती है।'बुधो वृश्चिकाराशिस्थो घृत तैल महर्घता। सुभिक्ष तत्र धान्यानां लोकानां च शुभ भवेत्।।' नवमी, गुरूवार को 'बुध' वृश्चिक में प्रवेश करेगा। समस्त अनाज़ों व घृत, तेल, तिल, सरसों आदि में मंदी। सोना, चांदी के भाव सम रहें। रूई में घट-बढ़ चले। पशुओं के भाव में तेजी आती है। वर्षा कहीं-कहीं पर होती है। एकादशी तिथि के दिन 'शनिवार' है। 'मार्ग शुक्ल एकादश्यां शनिवारो यदा भवेत्। जलशोषं प्रजानाशं छत्रभङ्गं विनिर्दिशेत्।।' अनावृष्टि, जल का अभाव, जन-धन का नाश और छत्रभंग, शासन का विफल होना घटित होता है। त्रयोदशी, मंगलवार को 'मंगल' विशाखा में प्रविष्ट होगा। कपास, रूई कपड़ा में तेजी आती है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

पौष कृष्ण पक्षः 18

ता.13 से 26 दिसम्बर 2019 ई., राष्ट्रीय मिति, 22 मार्गशीर्ष से 5 पौष तक, दक्षिण/उत्तरायन, दक्षिण गोल, हेमन्त/शिशिर ऋतु,।

ता. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	उदय मिनट	अस्त घंटे	अस्त मिनट	दिनमान घंटे	दिनमान मिनट	तारीखें हि. मार्गशीर्ष	मु. र.उ.आ.	अं.ता. दिसम्बर	चन्द्र संचार राशि	घंटे	मिनट	इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।
22 मार्ग	शु.	1	09	57	07	10	आ.	29	50	56	53	शु.	11	59	कौ.	09	57	07	05	17	25	10	20	28	15	13				
23	श.	2	08	47	04	13	पुन.	29	03	54	53	श.	09	49	ग.	08	47	07	06	17	26	10	20	29	16	14	कर्क	23	16	भद्रा 20/5 से, हुथरी समाप्त (कुर्ग),
24	र.	3	07	18	00	29	पु.	28	00	52	14	ब.	07	24	वि.	07	18	07	06	17	26	10	20	30	17	15				श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20/30, सौभाग्य सुन्दरी व्रत, भद्रा 7/18 तक, A
0	र.	4	29	34	56	08	0	0	0	0	0	ऐ.	28	47	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	०	0	0	चतुर्थी का क्षय,
25	सो.	5	27	40	51	23	आ.	26	47	49	10	वै.	26	01	कौ.	16	38	07	07	17	26	10	19	1पौ.	18	16	सिं	26	47	सं. सूर्य मूल-धनु में15/28, मु. 15 संक्रान्ति पुण्य मध्याह्न से सूर्यास्त तक, B
26	मं.	6	25	37	46	14	म.	25	26	45	46	वि.	23	09	ग.	14	39	07	07	17	27	10	19	2	19	17				भद्रा 25/37 से, गंडमूल समाप्त 25/26,
27	बु.	7	23	31	40	57	पू.फा.	24	00	42	10	प्री.	20	13	वि.	12	34	07	08	17	27	10	19	3	20	18	क.	29	39	भद्रा 12/35 तक,
28	गु.	8	21	23	35	36	उ.फा.	22	34	38	33	आ.	17	16	बा.	10	27	07	09	17	28	10	19	4	21	19				मासिक कालाष्टमी व्रत,
29	शु.	9	19	17	30	20	ह.	21	09	35	00	सौ.	14	19	तै.	08	19	07	09	17	28	10	19	5	22	20				भद्रा 30/15 से, वेणेश्वर मेला डूंगरपुर (राज.)
30	श.	10	17	15	25	13	चि.	19	49	31	38	शो.	11	26	वि.	17	15	07	10	17	29	10	19	6	23	21	तु.	08	28	भद्रा 17/15 तक, पार्श्वनाथ जयन्ती (जैन), अयन शूल,
1पौ.	र.	11	15	22	20	29	स्वा.	18	38	28	39	अ./सु.	08 / 30	39 / 00	बा.	15	22	07	10	17	29	10	19	7	24	22				सफला एकादशी व्रत, बुध अस्त 12/31, राष्ट्रीय पौष प्रारम्भ, C
2	सो.	12	13	42	16	18	वि.	17	39	26	11	धृ.	27	34	तै.	13	42	07	11	17	30	10	19	8	25	23	वृ.	11	52	प्रदोष व्रत, शुक्र श्रवण में 20/42, अयन शूल,
3	मं.	13	12	19	12	50	अ.	16	59	24	30	शू.	25	24	व.	12	19	07	11	17	30	10	19	9	26	24				भद्रा 12/19, से, मासिक शिवरात्रि व्रत,
4	बु.	14	11	17	10	13	ज्ये.	16	41	23	43	ग.	23	34	श.	11	17	07	12	17	31	10	19	10	27	25	ध.	16	41	मंगल विशाखा-4, वृश्चिक में 21/29, बुध मूल धनु में 15/45, क्रिसमस डे (क्रिश्चि.), व्रतोपवास,
5	गु.	30	10	43	08	47	मू.	16	50	24	05	वृ.	22	05	ना.	10	43	07	12	17	31	10	19	11	28	26				पौष अमावस्या, कालबा देवी यात्रा (महाराष्ट्र), पावागढ़ यात्रा (गुजरात), यागादि D

A गंडमूल 28/0 से, गुरू अस्त 29/57, शुक्र मकर में 17/58, **B** बुध ज्येष्ठा में 22/21, **C** सूर्य सायन मकर में तथा उत्तरायन प्रारम्भ 9/49, अयन दिन, **D** जोड़ मेला प्रारम्भ (पंजाब) शनि उ.षा. में 26/21,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

पौष कृष्ण 8 गुरूवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
8	4	6	7	8	9	8	2	8
2	29	25	20	9	4	25	14	14
37	54	32	8	32	17	46	48	48
50	55	21	46	46	34	15	4	4
61	851	40	91	13	73	6	3	3
5	19	5	11	45	58	43	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	अ	उ	उ	अ	अ
मूल	उ.फा.	विशाखा	ज्येष्ठा	मूल	उ.षा.	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
1	1	2	2	3	3	4	3	1

कुण्डली: 10 शु सू, 9 गु के श, 8 बु, 7 मं, 6 चं, 3 रा, 11, 12, 1, 2, 4, 5

पौष कृष्ण 30 गुरूवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

कुण्डली: 10 शु सू बु चं, 9 गु के श, 8 मं, 7, 6, 3 रा, 11, 12, 1, 2, 4, 5

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
8	8	7	8	8	9	8	2	8
9	7	0	0	11	12	26	14	14
45	6	13	53	9	54	34	25	25
41	41	27	9	21	41	0	48	48
61	794	40	92	13	73	6	3	3
9	35	14	53	50	46	54	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	अ	उ	उ	अ	अ
मूल	मूल	विशाखा	मूल	मूल	श्रवण	पू.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
3	3	4	1	4	1	4	3	1
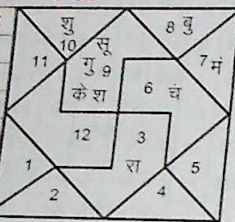
इस महीने पांच 'बुधवार और गुरूवार' हैं। पश्चिमी क्षेत्रों व देशों में अशान्ति, राज्य-विग्रह रहता है। रूई में मंदी, शेयर में तेजी, चांदी में घटा-बढ़ी रहती है। इस पक्ष में षड्ग्रह (बु+चं+सू+गु+के+श)'गोल' योग बन रहा है। **'षड्वै ग्रहा हनंति समस्त भूपान्।'** वर्षा में अवरोध उत्पन्न होता है। लोगों को सम्पति, धन की हानि होती है। शासकों की शिरोवेदना, समस्याएं बढ़ती है तथा वह कष्ट ग्रस्त होते है। तृतीया, रविवार को 'गुरू' अस्त हो जाएगा। उरद, मूंगफली की उपज कम होती है। कपास, सन, अन्न, सोना, आदि में मंदी कारक व घृत, गुड़, तेल, तिल आदि में तेजी कारक है। पंचमी, सोमवार को 'सूर्य' मूल-धनु में प्रवेश करेगा। सुभिक्ष-कारी होने से अन्नादि में मंदी आती है। सोना, चांदी, रूई,तिल, तेल, में तेजी आती है। **'ईशान्ये यत्र दृष्टिः स्यात् नृपमन्येन ग्रासितम्। देशभगं विजानीयात् शिशुनां च विनाशनम्।।'** पश्चिम तथा उत्तर के देशों में कष्ट तथा बालकों को पीड़ा होती है। पूर्व के देशों में युद्ध आदि का भय और दक्षिण के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख व शान्ति होती है। उक्त संक्रान्ति वरूण मंडल में राक्षसी संज्ञक है तथा गमन दिशा पूर्व है। धातुएं और रस पदार्थो में तेजी कृषि उपज की हानि, काली वस्तुओं का भाव तेज। पूर्वी क्षेत्रों के शासको को क्लेश होता है। एकादशी, रविवार को 'बुध' अस्त हो जाएगा। सब धातुओं में तेजी कारक है। दस दिन के अन्दर रूई में मंदी। चतुर्दशी, मंगलवार को 'मंगल' वृश्चिक में जाएगा। सब वस्तुओं में तेजी आती है। शासन की नीति दूषित होती है व जनता रोगयुक्त होती है। उक्त दिन ही 'बुध' धनु में प्रविष्ट होगा। शासन व जनता में विरोध-वैमनस्य बढ़ता है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

ता. 27 दिसम्बर 2019 से 10 जन. 2020 ई., राष्ट्रीय मिति, 6 से 20 पौष तक, उत्तरायन, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु,।

पौष शुक्ल पक्षः 19

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

रा. मि	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि पौष	मु	अंग्रे दिसम्बर	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	
6 पौ	शु	1	10	39	08	36	पू.षा	17	30	25	44	ध्रु.	21	02	ब.	10	39	07	12	17	32	10	19	12	29	27	म.23	45	चन्द्र दर्शन मु. 45, उत्तर श्रृंगोन्नति 9°,
7	श	2	11	10	09	53	उ.षा	18	43	28	45	व्या	20	26	कौ.	11	10	07	13	17	32	10	20	13	1ज.	28			जोड़ मेला समाप्त (पंजाब), जमद-उल-अव्वल प्रारम्भ, (मु. 5),
8	र.	3	12	16	12	37	श्र.	20	29	33	10	ह.	20	16	ग.	12	16	07	13	17	33	10	20	14	2	29			**श्री विनायक चतुर्थी व्रत**, भद्रा 25/1 से, सूर्य पू.षा. में 17/36,
9	सो	4	13	55	16	44	ध.	22	46	38	51	व.	20	30	वि.	13	55	07	13	17	34	10	20	15	3	30	कु.09	34	भद्रा 13/55 तक, पंचक 9/34 से गंडमूल अनुराधा में 20/40, शनि अस्त 24/16
10	मं.	5	16	02	22	44	श.	25	27	46	17	सि	21	04	बा.	16	02	07	14	17	34	10	21	16	4	31			
11	बु.	6	18	28	28	05	पू.भा	28	23	52	52	व्य	21	50	तै.	18	28	07	14	17	35	10	21	17	5	1 जनवरी 2020	मी 21	38	**आंग्ल नववर्ष** 2020 ई. तथा जनवरी मास प्रारम्भ, अनुरूपा षष्ठी (बंगाल)
12	गु.	7	21	00	34	24	उ.भा	--	--	60	00	व.	22	40	ग.	07	44	07	14	17	36	10	21	18	6	2			भद्रा 21/0 से, **श्री गुरूगोविन्द सिंह जयन्ती**, बुध पू.षा. में 28/19,
13	शु	8	23	27	40	31	उ.भा	07	20	00	14	प.	23	24	वि.	10	15	07	15	17	36	10	22	19	7	3			**अन्नपूर्णा अष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी व्रत**, गंडमूल 7/20 से, A
14	श	9	25	33	45	46	रे.	10	05	07	06	शि	23	53	बा.	12	33	07	15	17	37	10	22	20	8	4	मे.10	05	पंचक समाप्त 10/5,
15	र.	10	27	07	49	40	अ.	12	27	13	00	सि	24	00	तै.	14	24	07	15	17	38	10	23	21	9	5			गंडमूल समाप्त 12/27, शाम्ब दशमी, सूर्य पूजा (उड़ीसा),
16	सो	11	28	02	51	57	भ.	14	15	17	30	सा	23	37	व.	15	40	07	15	17	39	10	23	22	10	6	वृ.20	36	**पुत्रदा एकादशी व्रत**, भद्रा 15/40 से 28/2 तक, **वैकुण्ठ एकादशी (द.भा), एपीफानी (क्रिश.)**
17	मं.	12	28	15	52	29	कृ.	15	24	20	22	शु.	22	42	ब.	16	14	07	15	17	39	10	24	23	11	7			
18	बु.	13	27	44	51	12	रो.	15	51	21	29	शु.	21	14	कौ.	16	05	07	15	17	40	10	25	24	12	8	मि 27	49	**प्रदोष व्रत**, गुरू उदय 30/33, शुक्र कुम्भ में 28/23, वै० महापात 24/13 से,
19	गु.	14	26	35	48	19	मृ.	15	38	20	56	ब्र.	19	14	ग.	15	14	07	15	17	41	10	25	25	13	9			भद्रा 26/35 से, वै० महापात 14/25 तक
20	शु	15	24	51	43	59	आ.	14	48	18	51	ऐ.	16	46	वि.	13	47	07	15	17	42	10	26	26	14	10			**श्री सत्य नारायण व्रत, पौष पूर्णिमा**, माघ स्नान प्रारम्भ, भद्रा 13/47 तक, B

A शाकंभरी देवी नवरात्रारम्भ, भद्रा 10/15 तक, शुक्र धनिष्ठा में 17/23, B शाकंभरी पूर्णिमा,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

पौष शुक्ल 8 शुक्रवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
8	11	7	8	8	9	8	2	8
17	15	5	13	12	22	27	14	14
54	45	35	24	59	43	29	0	0
59	41	54	42	57	40	51	22	22
61	713	40	95	13	73	7	3	3
10	38	23	7	49	27	3	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	अ	उ	अ	अ	अ
पू.षा.	उ.भा.	अनुराधा	पू.षा.	मूल	श्रवण	उ.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
2	4	1	1	4	4	1	3	1

शु 10 सू बु 8 मं
11 गु 9 7
के श 6
चं 12 3
1 रा 5
2 4

पूरी पक्षावधि में धनु राशि में पंचग्रह (गु+बु+के+सू+श) योग बना रहेगा। 'एकाराशौ यदा यांति चत्वारः पंच खेचराः। प्लावयंति महीं सर्वो रूधिरेण जलेन वा।।' पृथ्वी पर कलह, रक्तपात, प्राकृतिक विपत्तियों से जन-धनकी की हानि होती है। पशुओं की क्षति होती है। प्रतिपदा, शुक्रवार को उत्तर श्रृगोन्नत चन्द्र दर्शन 'धनु' में होगा। धान्य आदि में मंदी कारक है। वाहन-पशु, सोना, चांदी, लोहा आदि धातु, मूंग, मटर, उरद, घी, किराने की वस्तुओं में मंदी होकर तेजी होती है। सोना, रूई, कपास में भारी मंदी आती है। तृतीया, रविवार को 'सूर्य' पू.षा. में प्रविष्ट होगा। तिल, तेल, सरसों, खांड, हल्दी, गूग्गल, चांदी, कपूर, ऊनी वस्त्र, सन में तेजी कारक है। चतुर्थी, सोमवार को 'मंगल' अनुराधा में जाएगा। पशुओं में रोग की वृद्धि होती है। लाल रंग के पदार्थ गेहूं, लाल मिर्च, लाल चन्दन में तेजी आती है। सुभिक्ष रहता है। पूर्वोक्त दिन ही 'शनि' अस्त हो जाएगा। रूई, पाट, बारदाना, तिलहन, अनाज में मंदी कारक है। वर्षा अच्छी हो और सुभिक्ष हो। अष्टमी, शुक्रवार को 'शुक्र' धनिष्ठा में प्रविष्ट होगा। धनिष्ठागत 'शुक्र' की समयावधि में हाथियों (वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ट्रक) को कष्ट, गेहूं में मंदी आती है। त्रयोदशी, बुधवार को 'गुरू' उदय होगा। वर्षा में कमी करता है। उरद, मूंगफली की उपज मे वृद्धि और कपास, सन, अन्न में तेजी-कारक व घृत, गुड़, तेल, तिल, में मंदी कारक होता है। पूर्वोक्त दिन ही 'शुक्र' कुम्भ राशि में प्रवेश करेगा। चांदी, रूई, गेहूं, जौं, चना, उरद, मूंग, ज्वार, बाजरा तथा श्वेत पदार्थ व रसादि पदार्थो में मंदी आती है।

पौष शुक्ल 15 शुक्रवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

शु 11 10 सू बु 8 मं
गु 9 7
के श 6
12 3
1 रा 5
2 चं 4

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
8	2	7	8	8	10	8	2	8
25	14	10	24	14	1	28	13	13
3	36	19	39	36	16	19	38	38
0	35	3	30	23	31	23	6	6
61	830	40	97	13	73	7	3	3
8	15	31	48	44	4	6	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	अ	उ	अ	अ	अ
पू.षा.	आर्द्रा	अनुराधा	पू.षा.	पू.षा.	धनिष्ठा	उ.षा.	आर्द्रा	पू.षा.
4	3	3	4	1	3	1	3	1

श्री संवत् 2076 शकः 1941
माघ कृष्ण पक्षः 20

ता. 11 से 24 जनवरी. 2020 ई., राष्ट्रीय मिति, 21 पौष से 4 माघ तक, उत्तरायन, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु,।

ता. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि. माघ	मु. ज.उलव्वल	अंग्रे. जनवरी	चन्द संचार राशि	घंटे	मिनट	इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।
21 पौष	श	1	22	41	38	34	पुन.	13	30	15	36	वै.	13	54	बा.	11	49	07	16	17	42	10	27	27	15	11	कं.	07	52	सूर्य उ.षा. में 19/35, बुध उ.षा. 10/59, गुरू बाल्य समाप्त 30/33, यागादि,
22	र.	2	20	12	32	21	पु.	11	49	11	24	वि.	10	45	तै.	09	29	07	15	17	43	10	28	28	16	12				भद्रा 30/53 से गंडमूल 11/49 से, स्वामी विवेकान्द जयन्ती,
23	सो	3	17	32	25	41	आ.	09	55	06	39	प्री. / आ.	07 / 27	24 / 58	वि.	17	32	07	15	17	44	10	29	29	17	13	सिं	09	55	लोहड़ी (पंजाब), श्री गणेश (संकट) चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20/33, भद्रा 17/32 तक, A
24	मं.	4	14	49	18	54	म. / पू.फा.	07 / 29	55 / 57	01 / 56	39 / 44	सौ.	24	32	बा.	14	49	07	15	17	45	10	29	1	18	14				सं. सूर्य मकर में 26/8, मु. 30, संक्रान्ति पुण्य अगले दिन, माघ बिहु (आसाम) भोगी (द.भा.) B
25	बु.	5	12	10	12	17	उ.फा.	28	07	52	09	शो	21	12	तै.	12	10	07	15	17	46	10	30	2	19	15	क.	11	28	मकर संक्रान्ति पुण्य सूर्योदय से सूर्यास्त तक, पोंगल (द.भा.), मकर संक्रान्ति, C
26	गु.	6	09	42	06	07	ह.	26	30	48	07	अ.	18	02	व.	09	42	07	15	17	46	10	31	3	20	16				मुत्तु पोंगल (द.भा.) भद्रा 9/42 से 20/33 तक,
27	शु.	7	07	28	00	32	चि.	25	12	44	52	सु.	15	05	ब.	07	28	07	15	17	47	10	32	4	21	17	तु.	13	49	मासिक कालाष्टमी व्रत, श्री रामानन्दाचार्य जयन्ती,
0	शु.	8	29	34	55	48	०	0	0	0	0	०	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	०	0	0	अष्टमी का क्षय,
28	श.	9	28	01	51	55	स्वा.	24	15	42	30	धृ.	12	25	तै.	16	44	07	15	17	48	10	33	5	22	18				
29	र.	10	26	51	49	01	वि.	23	41	41	06	शू.	10	02	व.	15	23	07	15	17	49	10	34	6	23	19	वृ.	17	47	भद्रा 15/23 से 26/51 तक, मंगल ज्येष्ठा में 14/32, बुध श्रवण में 10/41, महाराणा प्रताप की पुण्य तिथि,
30	सो	11	26	06	47	09	अ.	23	30	40	39	ग.	07	58	ब.	14	26	07	15	17	50	10	35	7	24	20				पटतिला एकादशी व्रत (स्मार्त-वैष्णव), गंडमूल 23/30 से, व्य०महापात 23/16 से, D
1 मा	मं.	12	25	45	45	00	ज्ये.	23	42	41	07	ध्रु.	28	46	कौ.	13	52	07	15	17	51	10	36	8	25	21	ध.	23	41	पटतिला एकादशी व्रत (निम्बार्क), व्य० महापात 7/22 तक, राष्ट्रीय माघ प्रारम्भ,
2	बु.	13	25	49	46	27	मू.	24	20	42	45	व्या.	27	40	ग.	13	43	07	14	17	52	10	38	9	26	22				गंडमूल समाप्त 24/20, प्रदोष व्रत, भद्रा 25/49 से, मेरू त्रयोदशी (जैन),
3	गु.	14	26	18	47	41	पू.षा.	25	20	45	16	ह.	26	52	वि.	14	00	07	14	17	52	10	39	10	27	23				नेता जी सुभाष चन्द बोस जयन्ती, मासिक शिवरात्रि व्रत, भद्रा 14/0 तक, तारा रात्रि चतुर्दशी,
4	शु.	30	27	12	49	56	उ.षा	26	46	48	51	व.	26	54	च.	14	42	07	13	17	53	10	40	11	28	24	म.	07	39	मौनी अमावस्या, त्रिवेणी अमावस्या (उड़ीसा) थै अमावस्या (द.भा.),व्रतोपवास E

A बुध मकर में 11/35, **B** गंडमूल समाप्त 7/55, शुक्र शतभिषा में 15/57, **C** मकरादि स्नान, तैल संक्रान्ति, **D** सूर्य सायन कुम्भ में 20/24, **E** मकर वायु (केरल), सूर्य श्रवण में 21/51, द्वापर युगादि,

माघ कृष्ण 7 शुक्रवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
9	5	7	9	8	10	8	2	8
2	25	15	6	16	9	29	13	13
10	6	3	15	12	46	9	15	15
47	9	15	8	1	27	6	50	50
61	850	40	100	13	72	7	3	3
6	19	41	59	35	37	6	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	उ	उ	अ	अ	अ
उ.षा.	चित्रा	अनुराधा	उ.षा.	पू.षा.	शतभिषा	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
2	1	4	3	1	1	1	2	4

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

कुण्डली (माघ कृष्ण 7): 1; 2; 3 रा; 4; 5; 6 चं; 7; 8 मं; 9 के श गु; 10 सू बु; 11 शु; 12

इस मास में पांच 'शनिवार और रविवार' है। महीने में पांच शनिवार हो तो जनता में अराजकता, अशान्ति, व्याप्त होती है तथा प्रजा रोग, चोरादि से भयभीत रहे। हर वस्तु में तेजी अपना प्रभाव रखे और कृषि को क्षति पहुंचे। पांच रविवार युक्त मास में जनता और शासन में आपसी मतभेद बढ़ता है। रूई, कपास, अन्न, सरसों, अरण्डी की उपज कम होती है। पक्षन्त में चतुर्ग्रह (श+चं+गु+के)योग बनेगा। सत्ता संचालकों को विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़े तथा कठिन अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ सकता है। विरोधी दल मुखर हो कर अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास करेगे। शासकों में राजकोष के धन का अपव्यय करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। प्रतिपदा के दिन 'शनिवार' है। '**माघस्य प्रतिपत्कृष्णा शनिवारेण संयुता। नीरूजा निर्भया लोका धनधान्यसमाकुला:॥**' मनुष्य निरोग तथा निर्भय, धन-धान्य से युक्त होवें। उक्त दिन 'सूर्य' उ.षा. में प्रवेश करेगा। उरद, मूंग, चावल, गेहूं, खांड, रूई, घृत, सरसों, चना आदि में तेजी होती है। तृतीया, सोमवार को 'बुध' मकर में प्रवेश करेगा। सोना, चांदी में तेजी। रूई में विशेष तेजी आती है। अनाज के भाव सम रहते है। चतुर्थी मंगलवार को 'सूर्य' मकर में प्रवेश करेगा। गुड़, खांड, घृत, तेल, रूई में तेजी तथा अन्न सस्ता होता है '**वायव्ये च यदा दृष्टिः सर्वा सौख्य समन्विता। सुभिक्षं च विजानीयात् नृपाणां च कलिर्भवेत॥**' पूर्व तथा दक्षिण के देशों में पीड़ा, पश्चिम के देशों में युद्ध आदि का भय और उत्तर के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख होता है। यह संक्रान्ति अग्निमंडल में घोरा संज्ञक है। गमन दिशा पश्चिम की ओर है। फल-दुर्भिक्ष-कारक, अनावृष्टि-कारक होता है। गेहूं, चना, जौं, मटर, अरहर, तिलहन, सोना, चांदी, धातु पदार्थों, पाट, बारदाना में तेजी होती है। शासकों में विग्रह, वैमनस्य तथा उनका जनता से मतभेद, विरोध होता है।

कुण्डली (माघ कृष्ण 30): 1; 2; 3 रा; 4; 5; 6; 7; 8 मं; 9 के चं श गु; 10 सू बु; 11 शु; 12

माघ कृष्ण 30 शुक्रवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
9	8	7	9	8	10	8	2	8
9	28	19	18	17	18	29	12	12
18	51	48	11	46	13	58	53	53
24	48	32	37	26	4	42	34	34
61	759	40	103	13	72	7	3	3
4	23	49	23	23	6	3	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	उ	अ	अ	अ	अ
उ.षा.	उ.षा.	ज्येष्ठा	श्रवण	पू.षा.	शतभिषा	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
4	1	1	3	2	4	1	2	4

श्री संवत् 2076 शकः 1941
माघ शुक्ल पक्षः 21

ता. 25 जन. से 9 फर. 2020 ई., राष्ट्रीय मिति, 5 से 20 माघ तक, उत्तरायन, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु,

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

मा. ति	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि माघ	मु ज.उ.ला.	अंता जनवरी	चन्द्र सचार राशि घंटे	मिनट	
5 मा.	श.	1	28	31	53	15	श्र.	28	35	53	25	सि.	26	14	कि	15	48	07	13	17	54	10	41	12	29	25			बुध का पश्चिमोदय 29/31, शुक्र पू.भा. में 17/7, गुप्त नवरात्र प्रारम्भ, महासत्यां पूजा,
6	र.	2	30	16	57	38	ध.	30	48	58	58	व्य.	26	24	बा.	17	21	07	13	17	55	10	42	13	30	26	कु.17	39	गणतन्त्र दिवस, चन्द्र दर्शन, मु. 30, उत्तर श्रृगोन्नति 9°, श्री यादे माता ज.,A
7	सो.	3	—	—	60	00	श.	—	—	60	00	व.	26	51	तै.	19	16	07	12	17	56	10	43	14	1	27			जमद-उल-आखिर प्रारम्भ (मु.6),
8	मं.	3	08	22	02	55	श.	09	23	05	28	प.	27	31	ग.	08	22	07	12	17	56	10	45	15	2	28	मी29	29	भद्रा 21/32 से, वरद विनायक तिल-कुन्द चतुर्थी व्रत, गौरी तृतीया व्रत, लाला लाजपतराय ज.,
9	बु.	4	10	46	08	56	पू.भा	12	13	12	34	शि.	28	21	वि.	10	46	07	11	17	57	10	46	16	3	29			भद्रा 10/46 तक, वसन्त पंचमी, श्री पंचमी, श्री सरस्वती-श्री लक्ष्मी पूजा, B
10	गु.	5	13	20	15	23	उ.भा	15	12	20	03	सि.	29	13	बा.	13	20	07	11	17	58	10	47	17	4	30			गंडमूल 15/12 से, बुध कुंभ में 26/53,
11	शु.	6	15	52	21	44	रे.	18	10	27	29	सा.	29	58	तै.	15	52	07	10	17	59	10	48	18	5	31	मे.18	10	पंचक समाप्त 18/10, शीतला षष्ठी (बंगाल),
12	श.	7	18	11	27	33	अ.	20	53	34	18	शु.	30	29	व.	18	11	07	10	18	00	10	50	19	6	1 फरवरी			भद्रा 18/11 से, गंडमूल समाप्त 20/53, रथ सप्तमी, आरोग्य सप्तमी, मर्यादा महोत्सव, C
13	र.	8	20	04	32	17	भ.	23	11	40	04	शु.	30	36	वि.	07	12	07	09	18	00	10	51	20	7	2	वृ.29	40	मासिक दुर्गाष्टमी व्रत, भीष्माष्टमी, भद्रा 7/12 तक, शुक्र मीन में 26/18,
14	सो.	9	21	20	35	28	कृ.	24	52	44	18	ब्र.	30	13	बा.	08	47	07	09	18	01	10	53	21	8	3			वै० महापात 11/12 से 17/27 तक, बुध शतभिषा में 29/26, मध्वाचार्य जयन्ती,
15	मं.	10	21	50	36	46	रो.	25	49	46	43	ऐ.	29	13	तै.	09	41	07	08	18	02	10	54	22	9	4			गुप्त नवरात्र व्रत का पारणा
16	बु.	11	21	31	35	58	मृ.	25	58	47	06	वै.	27	35	व.	09	47	07	08	18	03	10	55	23	10	5	मि.14	00	जया एकादशी व्रत (सर्वेषाम) भद्रा 9/47 से 21/31 तक, शुक्र उ.भा. में 21/55,
17	गु.	12	20	24	33	13	आ.	25	21	45	35	वि.	25	19	ब.	09	03	07	07	18	04	10	57	24	11	6			भीष्म द्वादशी, सूर्य धनिष्ठा में 24/57,
18	शु.	13	18	32	28	34	पुन.	24	01	42	17	प्री.	22	29	कौ.	07	33	07	06	18	04	10	58	25	12	7	र्क.18	24	प्रदोष व्रत, मंगल मूल-धनु में 27/52, कल्पादि, D
19	श.	14	16	02	22	21	पु.	22	05	37	28	आ.	19	10	व.	16	02	07	06	18	05	11	00	26	13	8			श्री सत्यनारायण व्रत, भद्रा 16/2 से 26/36 तक, गंडमूल 22/5 से, गामगजरा पूजा, E
20	र.	15	13	03	14	55	आ.	19	43	31	35	सौ.	15	28	ब.	13	03	07	05	18	06	11	01	27	14	9	सिं.19	43	माघ पूर्णिमा, श्री ललिता जयन्ती, श्री गुरू रविदास जयन्ती, माघ स्नान समाप्त, यागादि,

A सन्त शिरोमणि श्री मीरां बाई जयन्ती, पंचक 17/39 से, बुध धनिष्ठा में 29/4, रामदेव जी का मेला, रामदेवरा (जैसलमेर, राज.) **B** शनि पूर्वोदय 29/52, **C** अचला सप्तमी, मन्वादि, नागणेचा देवी की पूजा (राज.) **D** मरूधरा उत्सव प्रारम्भ तीन दिन का (जैसलमेर, राज.), श्री भैरव पूजा, चित्तौड़गढ (राज.) **E** मेला जयन्ती देवी (पं.)

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

माघ शुक्ल 8 रविवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
9	0	7	10	8	10	9	2	8
18	17	25	3	19	28	1	12	12
27	40	56	29	45	58	1	24	24
17	18	38	30	11	19	32	58	58
60	727	40	97	13	71	6	3	3
54	28	59	36	0	14	54	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
श्रवण	भरणी	ज्येष्ठा	धनिष्ठा	पू.षा.	पू.भा.	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
3	2	3	4	2	3	2	2	4

प्रतिपदा, शनिवार को 'बुध' पश्चिम में उदित होगा।' मृगे मही धान्यरसादिपूर्णा' उक्तिके अनुसार अन्न, रसादि पदार्थो की उत्पत्ति प्रचुर परिमाण में होती है। प्रतिपदा, के दिन शनिवार है।'सुर्यपुत्रो यदा याति कदाचि तदे वयोगतः। दुर्भिक्षं जायते घोरं न मेघा जलदाः खलु।।' जलाभाव, अनावृष्टि से जनता त्रस्त हो, घोर दुर्भिक्ष होवें। द्वितीया रविवार को चन्द्र दर्शन होगा। उरद, मूंग, मोठ, चना, अरहर, मसूर में तेजी आती है। सोना, रूई, चांदी, में भारी तेजी-कारक है। चतुर्थी, बुधवार को 'शनि' पूर्वोदित होगा। 'सौर मृगेऽभ्युदयने नृपयुद्धबुद्धिः।' उक्ति के अनुसार शासकों में विग्रह, वैमनस्य, कलह होती है। जनता में अराजकता बढ़ती है। अन्न के भाव मंदे तथा अन्य व्यापारिक वस्तुओं में तेजी आती है। व्यापारियों को चिंता होती है। चतुर्थी, बुधवार को 'बुध' कुम्भ में प्रविष्ट होगा। सोना, चांदी, आदि धातुओं के भाव सम। रूई, गुड़, खांड, घृत, तेल आदि में मंदी आती है। अष्टमी रविवार को 'शुक्र' मीन में जाएगा। सभी प्रकार के अन्न, तिलहन, तेल, सरसों, अलसी, अरण्डी, गुड़, खांड में मंदी आती है। रूई व चांदी में अच्छी तेजी आती है। जनता सुखी रहती है। द्वादशी, गुरूवार को 'सूर्य' धनिष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। सोना, चांदी, आदि धातु, अनाज, रूई अलसी, तिलहन में तेजी कारक होता है। त्रयोदशी, शुक्रवार को 'मंगल' मूल-धनु में प्रवेश करेगा। धान्य, तृण, घृत, मूलादि पदार्थ, रस, रूई, सूत,सन, सोना, चांदी,आदि धातु, अनाज तेज होते है। द्विजो और वीर पुरूषों को पीड़ा होती है।

माघ शुक्ल 15 रविवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
9	3	8	10	8	11	9	2	8
25	21	0	13	21	7	1	12	12
33	12	43	36	14	14	49	2	2
2	49	54	17	51	5	11	42	42
60	885	41	70	12	70	6	3	3
45	17	6	47	37	23	43	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
धनिष्ठा	आश्लेषा	मूल	शतभिषा	पू.षा.	उ.भा.	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
1	2	1	3	3	2	2	2	4

श्री संवत् 2076 शकः 1941

फाल्गुन कृष्ण पक्षः 22

ता. 10 से 23 फरवरी 2020 ई., राष्ट्रीय मिति, 21 माघ से 4 फाल्गुन तक, उत्तरायन, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त ऋतु,।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

रा. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि. माघ	मु. ज.उ.आ.	अं.ता. फरवरी	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	
21	सो	1	09	45	06	42	म.	17	06	25	04	शो.	11	31	कौ.	09	45	07	04	18	07	11	03	28	15	10			गंडमूल समाप्त 17/6,
0	सो	2	30	18	58	06	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0 0	0	द्वितीया का क्षय,
22	मं.	3	26	53	49	34	पू.फा.	14	23	18	19	अ./सु.	07/27	29/28	व.	16	35	07	03	18	08	11	04	29	16	11	क.19	43	भद्रा 16/35 से 26/53,
23	बु.	4	23	40	41	33	उ.फा.	11	46	11	48	धृ.	23	36	व.	13	14	07	03	18	08	11	06	30	17	12			**श्री गणेश चतुर्थी व्रत**, चन्द्रोदय 21/38,
24	गु.	5	20	47	34	23	ह.	09	25	05	58	शू.	20	02	कौ.	10	10	07	02	18	09	11	07	1 फा	18	13	तु.20	23	**सं. सूर्य कुम्भ में** 15/3 मु. 30 संक्रान्ति पुण्य प्रातः काल से,
25	शु.	6	18	21	28	20	चि./स्वा	07/30	27/01	01/57	05/32	ग.	16	50	ग.	07	30	07	01	18	10	11	09	2	19	14			भद्रा 18/21 से 29/21 तक,
26	श.	7	16	29	23	42	वि.	29	09	55	22	वृ.	14	05	ब.	16	29	07	00	18	11	11	10	3	20	15	वृ.23	18	**मासिक कालाष्टमी व्रत**, श्री नाथ जी महोत्सव (नाथद्वार, राज.), व्य० महापात 7/19 से 12/6 तक,
27	र.	8	15	14	20	36	आ.	28	53	54	44	ध्रु.	11	48	कौ.	15	14	06	59	18	11	11	12	4	21	16			गंडमूल 28/53 से, बुध वक्री 30/24, **श्री सीता जयन्ती**, अष्टका श्राद्ध,
28	सो	9	14	36	19	03	ज्ये.	29	14	55	38	व्या.	10	01	ग.	14	36	06	59	18	12	11	13	5	22	17	ध.29	14	भद्रा 26/30 से, अन्वष्टका श्राद्ध, शुक्र रेवती में 8/3,
29	मं.	10	14	33	18	58	मू.	30	06	57	51	ह.	08	42	वि.	14	33	06	58	18	13	11	15	6	23	18			भद्रा 14/53 तक, गंडमूल समाप्त 30/6, **श्री स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती**,
30	बु.	11	15	02	20	13	पू.षा.	–	–	60	00	व.	07	49	बा.	15	02	06	57	18	14	11	17	7	24	19			**विजया एकादशी व्रत, (सर्वेषाम्), वसन्त ऋतु प्रारम्भ**, सूर्य शतभिषा में 29/30, A
1 फा	गु.	12	16	00	22	40	पू.षा.	07	28	01	20	सि.	07	19	तै.	16	00	06	56	18	14	11	18	8	25	20	म.13	52	**प्रदोष व्रत**, वक्री बुध पश्चिमास्त 11/36, **राष्ट्रीय फाल्गुन प्रारम्भ**,
2	शु.	13	17	21	26	05	उ.षा.	09	13	05	45	व्य.	07	08	व.	17	21	06	55	18	15	11	20	9	26	21			भद्रा 17/21 से 30/10 तक, **श्री महाशिवरात्रि व्रत**, निशीथ 24/35 से 27/7 तक, B
3	श.	14	19	03	30	22	श्र.	11	19	11	02	व.	07	13	श.	19	03	06	54	18	16	11	21	10	27	22	कु.24	29	पंचक 24/29 से,
4	र.	30	21	02	35	22	ध.	13	43	17	04	प.	07	32	च.	08	00	06	53	18	16	11	23	11	28	23			**फाल्गुन अमावस्या**, व्रतोपवास,

A सूर्य सायन मीन में 10/27, B नेपच्यून अस्त 29/12,

फाल्गुन कृष्ण 8 रविवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
10	7	8	10	8	11	9	2	8
2	3	5	18	22	15	2	11	11
37	32	32	39	41	23	35	40	40
45	3	8	44	40	20	22	27	27
60	818	41	10	12	69	6	3	3
36	50	15	49	11	23	29	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
धनिष्ठा	अनुराधा	मूल	शतभिषा	पू.षा.	उ.भा.	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
3	1	2	4	3	4	2	2	4

शु 12, बु 10 श, 1, सू 11, 8 चं, 9 गु के मं, 2, 5, 3 रा, 7, 4, 6
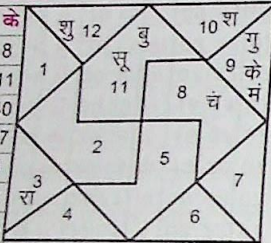
(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

इस महीने पांच सोमवार हैं। **'सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवंति हि। धनधान्यसमृद्धिः स्यातसुखं भवति सर्वदा।।'** कृषि उत्पादन अच्छा हो तथा धान्य की वृद्धि हो। व्यापारिक वस्तुओं में अच्छी घटा-बढ़ी के साथ रूख मंदी का प्रबल रहता है। पंचमी, गुरूवार को 'सूर्य' कुम्भ में प्रवेश करेगा। अन्न, रूई, पाट, बारदाना, गुड़, चीनी में मंदी तथा लवण, तेल, सरसों, मूंगफली, अलसी, राई आदि में तेजी आती है। **'आग्नेय्यां दृष्टिमार्गस्तु वारूणादौ यथा क्रमम्। देशभंग विजानीयात सृष्टिसंहार कारकम्।।'** पूर्व व उत्तर के देशों, स्थलों में पीड़ा तथा दक्षिण के देशों में युद्धादि का भय तथा पश्चिम के देशों में सुख होता है। यह संक्रान्ति वायुमंडल में है तथा मन्दाकिनी संज्ञक है। अच्छी वृष्टि का सूचक है। धातुवाना और रसादि व्यापारिक पदार्थों में तेजी कारक है। धान्यादिकों में, रसादि पदार्थों में, गुड़, चीनी, शक्कर, घृत, तेल में तेजीकारक योग बनाती है। सूत, पाट, बारदाना, रूई आदि में तेजी करती है। संक्रान्ति का मुख उत्तर दिशा की ओर तथा गमन पश्चिम की ओर है। पश्चिमी क्षेत्रों के शासकों में संग्राम की चिंता, प्रजा में उपद्रव, उत्तरी दिशा में भय होता है। षष्ठी शुक्रवार को स्वाती नक्षत्र है। 'फाल्गुने कृष्णषष्ठी **चेच्चित्रानक्षत्रसंयुता। त्रिभिर्मासैः सुभिक्षाय स्वात्यां दुर्भिक्षसाधनम्।।'** तीन महीने तक दुर्भिक्ष की सूचक है। अष्टमी, रविवार को 'बुध' कुम्भ में वक्री होगा। रसकस आदि पदार्थों में तेजी आकर मंदी होती है। नवमी, सोमवार को 'शुक्र' रेवती में जाएगा। रूई, चांदी, चावल, गुड़, चीनी में मंदी आती है। एकादशी, बुधवार को 'सूर्य' शतभिषा में प्रविष्ट होगा। रूई, चांदी, सोना, गेहूं, गुड़, चीनी, तिल, तेल, दाख, जायफल, इल्दी में तेजी कारक है। द्वादशी, गुरूवार को वक्री 'बुध' पश्चिमास्त होगा अति वायु व उत्तरी हिमालयवर्ती क्षेत्रों में हिमपात का प्रकोप होता है जिससे कृषि व वृक्षों की क्षति की आशंका रहती है। रूई में 15 दिन में मंदी आती है।

फाल्गुन कृष्ण 30 रविवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
10	10	8	10	8	11	9	2	8
9	2	10	15	24	23	3	11	11
41	32	21	52	5	25	19	18	18
29	0	15	32	7	7	43	11	11
60	726	41	53	11	68	6	3	3
27	10	21	31	39	14	11	11	11
मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
शतभिषा	धनिष्ठा	मूल	शतभिषा	पू.षा.	रेवती	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
1	3	4	3	4	3	2	2	4

श्री संवत् 2076 शकः 1941

फाल्गुन शुक्ल पक्षः 23

ता. 24 फरवरी से 9 मार्च 2020 ई., राष्ट्रीय मिति, 5 से 19 फाल्गुन तक, उत्तरायन, दक्षिण गोल, वसन्त ऋतु,।

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

ता.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट
5 फा.	सो.	1	23	15	40	57	श.	16	21	23	42	शि.	08	03	किं.	10	07
6	मं.	2	25	40	47	02	पू.भा.	19	10	30	47	सि.	08	44	बा.	12	26
7	बु.	3	28	12	53	24	उ.भा.	22	08	38	14	सा.	09	33	तै.	14	55
8	गु.	4	30	45	59	49	रे.	25	08	45	47	शु.	10	26	व.	17	29
9	शु.	5	—	—	60	00	अ.	28	03	53	07	शु.	11	19	ब.	19	59
10	श.	5	09	10	05	00	भ.	30	42	58	50	ब्र.	12	04	बा.	09	10
11	र.	6	11	16	11	14	कृ.	-	-	60	00	ऐ.	12	35	तै.	11	16
12	सो.	7	12	53	15	20	कृ.	08	55	05	25	वै.	12	44	व.	12	53
13	मं.	8	13	50	17	45	रो.	10	31	09	27	वि.	12	22	ब.	13	50
14	बु.	9	14	00	18	12	मृ.	11	23	11	40	प्री.	11	25	कौ.	14	00
15	गु.	10	13	19	16	33	आ.	11	26	11	50	आ.	09	48	ग.	13	19
16	शु.	11	11	47	12	45	पुन.	10	38	09	53	सौ./शो.	07/26	30/35	वि.	11	47
17	श.	12	09	29	07	03	पु.	09	05	06	03	अ.	25	06	बा.	09	29
0	श.	13	30	31	59	41	0	0	0	0	0	0	0	0	०	0	0
18	र.	14	27	04	51	03	आ./म.	06/28	52/10	00/53	33/51	सु.	21	11	ग.	16	51
19	सो.	30	23	18	41	41	पू.फा.	25	09	46	18	धृ.	16	57	वि.	13	12

ता.	सूर्योदय घंटे	मिनट	सूर्यास्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	फाल्गुन (हि)	जमादि-उल-आखिर (मु)	फरवरी (अं.ता)	चन्द्र संचार राशि	घंटे	मिनट	
5	06	52	18	17	11	25	12	29	24				होलिकारम्भ प्रतिपदा, यागादि,
6	06	51	18	18	11	26	13	30	25	मी.	12	27	**श्री रामकृष्ण परमहंस जयन्ती**, फूलेरा दूज, चन्द्र दर्शन मु. 30, उं श्रृंगोन्नति 8,
7	06	50	18	18	11	28	14	1र	26				गंडमूल 22/8 से, रज्जब प्रारम्भ (मु. 7),
8	06	49	18	19	11	30	15	2	27	मे.	25	08	भद्रा 17/29 से 30/45 तक, **श्री विनायक चतुर्थी व्रत**, पंचक समाप्त 25/8, **A**
9	06	48	18	20	11	31	16	3	28				पंचमी का वृद्धि, गंडमूल समाप्त 28/3, शुक्र अश्विनी-मेष में 25/33, **B**
10	06	47	18	20	11	33	17	4	29				
11	06	46	18	21	11	35	18	5	1 मार्च	वृ.	13	18	गौरूपिणी षष्ठी (बंगाल),
12	06	45	18	22	11	36	19	6	2				भद्रा 12/53 से 25/27 तक, होलाष्टक प्रारम्भ 12/53 से, आष्टान्हिक व्रतारम्भ (जैन),
13	06	44	18	22	11	38	20	7	3	मि	23	03	**मासिक दुर्गाष्टमी व्रत**, वक्री बुध पूर्वोदय 13/47, दादूदयाल जयन्ती, **C**
14	06	43	18	23	11	40	21	8	4				सूर्य पू.भा. में 11/45, **आनन्दा नवमी**, ब्रज में फागोत्सव प्रारम्भ,
15	06	42	18	24	11	42	22	9	5	कर्क	28	55	भद्रा 24/39 से, फागु दशमी (उड़ीसा),
16	06	41	18	24	11	43	23	10	6				भद्रा 11/47 तक, **आमलकी एकादशी व्रत (सर्वेषाम्)**, गोविन्द द्वादशी, **D**
17	06	40	18	25	11	45	24	11	7				प्रदोष व्रत, गंडमूल 9/5 से, मेला खाटू श्याम समाप्त,
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	त्रयोदशी का क्षय,
18	06	39	18	25	11	47	25	12	8	सिं	06	52	भद्रा 27/4 से, गंडमूल समाप्त 28/10,
19	06	38	18	26	11	48	26	13	9	क	30	22	भद्रा 13/12 तक, **श्री सत्यनारायण व्रत, हुताशनी पूर्णिमा**, होलिका दहन प्रदोष काल में. **E**

A सूर्य पू.भा. में 11/42, मंगल पू.षा. में 13/10, **B** श्री याज्ञवल्क्य जयन्ती, वै० महापात 15/24 से 20/22 तक, **C** अन्नपूर्णा अष्टमी, वक्री बुध धनिष्ठा-4 में 13/0, मेला खाटू श्यामजी प्रारम्भ पांच दिन तक, **D** मुख्य मेला खाटू श्याम दो दिन, राम स्नेहियों का फूलडोल महोत्सव (शाहपुर, राज.), रंगभरी ग्यारस, **E** श्री चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, होलाष्टक समाप्त, मन्वादि, आष्टान्हिक व्रत समाप्त (जैन), डोला यात्रा,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

फाल्गुन शुक्ल 8 मंगलवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
10	1	8	10	8	0	9	2	8
18	20	16	6	25	3	4	10	10
44	41	33	54	46	31	13	49	49
18	21	56	28	35	9	24	35	35
60	755	41	47	10	66	5	3	3
10	53	28	15	52	21	44	11	11
मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
शतभिषा	रोहिणी	पू.भा.	शतभिषा	पू.भा.	अश्विनी	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
4	4	1	1	4	2	3	2	4

फाल्गुन शुक्ल 15 सोमवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
10	4	8	10	8	0	9	2	8
24	14	20	4	26	10	4	10	10
44	10	42	8	50	4	46	30	30
40	49	57	54	2	45	44	30	30
59	910	41	7	10	64	5	3	3
57	32	33	25	17	48	23	11	11
मा	मा	मा	व	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
पू.भा.	पू.फा.	पू.षा.	धनिष्ठा	उ.षा.	अश्विनी	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
2	1	3	4	1	4	3	2	4

प्रतिपदा, सोमवार को 'शतभिषा नक्षत्र' 23 घटी 42 पल पर्यन्त है। **'फाल्गुन-स्यांतिमे पक्षे वारूणं प्रतिपद्दिने। भोगानुसारं वर्षस्य स्वरूपं च निगद्यते।।'** मध्यम कोटि का सुभिक्ष होता है। द्वितीया, मंगलवार को चन्द्र दर्शन मीन राशि में होगा। चांदी, रूई, कपास, गुड़, सरसों, तेल, घृत में तेजी। अनाजों के भाव में घट-बढ़ चलती है। चतुर्थी, गुरूवार को 'सूर्य' पू.भा. में प्रवेश करेगा। रूई, कपास, सूत, सोना, चांदी, गेहूं, चना, सरसों, तिल, तेल, गुड़, चीनी, घृत, चावल, ज्वार, बाजरा, गूग्गल, रेशम आदि में तेजी आती है। सुख और शान्तिपूर्ण जनता का समय व्यतीत होता है। पंचमी, शुक्रवार को 'शुक्र' मेष में प्रवेश करेगा। गेहूं, जौं, चना, आदि अन्न तथा घृत में तेजी। गुड़, शक्कर, पाट, बारदाना में घट-बढ़ के बाद तेजी। सोना, चांदी में अच्छी तेजी। वर्षा की कमी हो, वायु वेग रहे तथा पशुओं में रोग वृद्धि हो। सप्तमी, सोमवार को 'कृत्तिका और रोहिणी' नक्षत्र क्रमशः है। **'फाल्गुने कृत्तिकायुक्तं सप्तम्यादिपंचकम्। श्वेतपक्षे सुभिक्षाय नार्द्रा जलदवृष्टये।।'** सुभिक्ष हो, आगे आर्द्रा में वर्षा नहीं होवे। अष्टमी, को 'वक्री बुध' पूर्व में उदित होगा। वायु वेग अधिक होता है। दस दिन के अन्दर रूई में एवं 40 दिन के अन्दर अनाज में तेजी आती है। अष्टमी मंगलवार को 'रोहिणी' नक्षत्र है। अल्प वर्षा का योग है।

श्री संवत् 2076 शकः 1941

ता. 10 से 24 मार्च 2020 ई., राष्ट्रीय मिति, 20 फाल्गुन से 4 चैत्र तक, उत्तरायन, दक्षिण गोल, वसन्त ऋतु,।

चैत्र कृष्ण पक्षः 24

इस संदर्भ में सब समय भारतीय स्टै. टा. घंटा मिनटों में है।

ता. मि.	वार	तिथि	घंटे	मिनट	घटी	पल	नक्षत्र	घंटे	मिनट	घटी	पल	योग	घंटे	मिनट	करण	घंटे	मिनट	सूर्योदयास्त उदय घंटे	मिनट	अस्त घंटे	मिनट	दिनमान घंटे	मिनट	तारीखें हि चैत्र	मु रज्जब	अंता मार्च	चन्द्र संचार राशि घंटे	मिनट	
20 फा.	मं.	1	19	24	31	59	उ.फा	22	01	38	31	शू.	12	34	बा.	09	21	06	36	18	27	11	50	27	14	10			वसन्तोत्सव, होली, धुलैण्डी, होलिका धूलि धारण, आम्र कुसुम प्राशन, यागादि, A
21	बु.	2	15	34	22	27	ह.	19	00	31	02	ग. / धु.	08 / 27	11 / 58	ग.	15	34	06	35	18	27	11	52	28	15	11	तु.29	35	भद्रा 25/44 से कल्पादि, शुक भरणी में 30/18, सन्त तुकाराम जयन्ती, B
22	गु.	3	11	59	13	32	चि.	16	15	24	12	धु.	24	03	वि.	11	59	06	34	18	28	11	54	29	16	12			भद्रा 11/59 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21/32, कल्पादि,
23	शु.	4	08	51	05	45	स्वा.	13	59	18	35	व्या.	20	34	बा.	08	51	06	33	18	28	11	55	30	17	13			श्री रंग पंचमी, श्री जयन्ती, बिजय गोविंद हलदंकर (मणिपुर), मेला नवचण्डी (मेरठ),
0	शु.	5	30	17	59	23	0	0	0	0	0	0	0	0	०	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0 0	0	पंचमी का क्षय,
24	श.	6	28	26	54	45	वि.	12	20	14	30	ह.	17	37	ग.	17	16	06	32	18	29	11	57	1 वैशा.	18	14	वृ.06	41	भद्रा 28/26 से, सं. सूर्य मीन में 11/54, मु. 45 संक्रान्ति पुण्य सूर्योदय से सूर्यास्त तक, C
25	र.	7	27	20	52	03	अ.	11	23	12	10	व.	15	16	वि.	15	47	06	31	18	30	11	59	2	19	15			भद्रा 15/47 तक, गंडमूल 11/23 से,
26	सो.	8	27	00	51	16	ज्ये.	11	12	11	46	सि	13	31	बा.	15	04	06	30	18	30	12	00	3	20	16	ध.11	12	श्री शीतला अष्टमी, मासिक कालाष्टमी व्रत, ऋषभ देव के सरियाजी मेला-मेवाड़, D
27	मं.	9	27	24	52	19	मू.	11	46	13	14	व्या.	12	22	तै.	15	07	06	29	18	31	12	02	4	21	17			गंडमूल समाप्त 11/46, सूर्य उ.भा. में 20/13, मंगल उ.षा. में 19/29, बुध शत. में 21/28,
28	बु.	10	28	26	54	57	पू.षा	13	01	16	24	व.	11	46	व.	15	51	06	27	18	31	12	04	5	22	18	म.19	25	भद्रा 15/51 से 28/26 तक,
29	गु.	11	30	00	58	54	उ.षा	14	49	20	57	प.	11	38	ब.	17	10	06	26	18	32	12	06	6	23	19			पाप मोचिनी एकादशी व्रत, (स्मार्त वैष्णव),
30	शु.	12	—	—	60	00	श्र.	17	05	26	40	शि.	11	52	कौ.	18	56	06	25	18	32	12	07	7	24	20	कु.30	20	पाप मोचिनी एकादशी, (निम्बार्क), पंचक 30/20 से, E
1 चै.	श.	12	07	56	03	50	ध.	19	39	33	08	सि.	12	21	तै.	07	56	06	24	18	33	12	09	8	25	21			प्रदोष व्रत,
2	र.	13	10	08	09	23	श.	22	26	40	08	सा.	13	02	व.	10	08	06	23	18	34	12	11	9	26	22			भद्रा 10/8 से 23/18 तक, मासिक शिवरात्रि व्रत, मंगल मकर में 14/40, F
3	सो.	14	12	31	15	24	पू.भा	25	21	47	29	शु.	13	50	श.	12	31	06	22	18	34	12	13	10	27	23	मी.18	37	मेला पृथ्दक, पिहोवा,
4	मं.	30	14	58	21	34	उ.भा	28	19	54	56	शु.	14	42	ना.	14	58	06	20	18	35	12	14	11	28	24			चैत्री अमावस्या, गंडमूल 28/19 से, चान्द्र संवत्सर पूर्ण, शुक्र कृत्तिका में 29/28, G

A होला उत्सव आनंदपुर साहिब (पं.) पाँवटा साहिब (हि. प्र.), बुध मार्गी 9/18 B व्य० महापात 21/8 से 24/54 तक, C एकनाथ षष्ठी, D वर्षी तपारम्भ (जैन), कैला देवी मेला (करौली, राज.), कागा मेला जोधपुर,

E सूर्य सायन मेष में तथा उत्तर गोल में 9/19, महाविषुव दिन, F वारूणी योग सूर्योदय से 10/8 तक, मेला मंडलनाथ (जोधपुर), G महापात 18/25 से 23/6 तक, मन्वादि,

(दोनो कुण्डलियां सूर्योदय काल की है।)

चैत्र शुक्ल 8 सोमवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
11	7	8	10	8	0	9	2	8
1	26	25	5	27	17	5	10	10
43	50	34	41	59	31	22	33	33
38	47	6	35	21	2	50	41	41
59	799	41	31	9	62	4	3	3
45	24	38	27	31	39	56	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	अ	उ	उ	उ	अ	अ
पू.भा.	ज्येष्ठा	पू.षा.	धनिष्ठा	उ.षा.	भरणी	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
4	4	4	4	1	2	3	2	4

शु 1, बु 11, श 10, 2, सू 12, मं 9 गु, के, रा 3, 6, 4, 8, चं, 5, 7
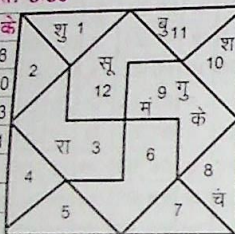
इस महीने में पांच 'मंगलवार व बुधवार' है। पांच मंगलवार हों तो जनता में विंक्षोभ, आपसी कलह तथा अशान्ति और रक्त-विकार से हानि, स्त्रियों में रक्त-विकार, प्रदर का रोग फैले। लाल वस्तुओं तथा अन्न के भाव तेज हों। मास में पांच बुधवार हों तो कहीं सुवृष्टि हो और कहीं साधारण वर्षा। अनाज़ के भाव सम रहें। जनता में शांति एवं सुख की वृद्धि होती है। प्रतिपदा, मंगलवार को 'बुध' मार्गी होगा। सोना, सुपारी, सरसों, सोंठ, लाख, चमड़ा आदि में तेजी आती है। द्वितीया, बुधवार को 'शुक्र' भरणी में जाएगा। उद्यमियों को पीड़ा होती है। सोना, चांदी में मंदी। चना, मूंग, मोठ, ज्वार में घटा- बढ़ी। रूई में तेजी व सरसों, तिल, तेल आदि में भी मंदी का वातावरण रहता है। षष्ठी, शनिवार को 'सूर्य' मीन में प्रवेश करेगा। रूई, चांदी, सोना, गुड़, चीनी, अलसी, तिल, तेल, सरसों में तेजी, तथा अन्नादि में पहिले तेजी आती है, बाद में रूख मंदी की ओर होता है। 'ईशान्ये यत्र दृष्टिः स्यात् नृपमन्येन ग्रासितम्। देशभंग विजानीयात् शिशुनां च विनाशनम्।।' उत्तर के देशों में कष्ट तथा बालकों को पीड़ा होती है। दक्षिण के देशों में युद्धादि का भय और पूर्व-पश्चिम के देशों में सुभिक्ष आदि का सुख व शान्ति होती है। उक्त संक्रान्ति, अग्निमंडल में मिश्रा संज्ञक-वायव्यमुखी व उत्तर गामिनी है। शासकों में सुख, समृद्धि बढ़ती है, अन्य वस्तुओं में मंहगाई और पशुओं में रोग बढ़ते है। पश्चिमोत्तर दिशा के शासकों को कष्ट होता है। त्रयोदशी, रविवार को 'मंगल' म[illegible] ... में तेजी आती है।
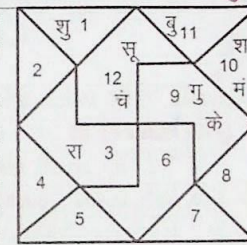
चैत्र शुक्ल 30 मंगलवार स्टै. टा. प्रातः 5:30

शु 1, बु 11, श 10, 2, सू, 12 चं, 9 गु, मं, के, रा 3, 6, 4, 8, 5, 7

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
11	11	9	10	8	0	9	2	8
9	5	1	11	29	25	6	9	9
40	23	7	55	11	40	0	42	42
42	16	27	20	39	40	2	50	50
59	712	41	59	8	59	4	3	3
31	20	42	38	32	38	21	11	11
मा	मा	मा	मा	मा	मा	मा	व	व
उ	उ	उ	उ	उ	उ	उ	अ	अ
उ.भा.	उ.भा.	उ.षा.	शतभिषा	उ.षा.	भरणी	उ.षा.	आर्द्रा	मूल
2	1	2	2	1	4	3	1	3

सर्वतोभद्र चक्र एवं ग्रहो का वर्षिक-दिशा वेध संवत् 2076 वि.

सर्वतोभद्र चक्र ज्योतिष शास्त्र मे सटीक फलादेश करने का एक बहुमल्य उपकरण है। इस चक्र का प्रयोग तेजी-मंदी, जातक ज्योतिष एवं मेदिनी ज्योतिष में किया जाता है।

विद्वान पाठक जन समझते होंगे कि सर्वतोभद्र चक्र के प्रयोग के लिए निम्न जानकारी एवं उपकरण परम आवश्यक है:-

(1) विस्तृत एवं शुद्ध चक्र जो नक्षत्र, नक्षत्र चरण, राशि, नवांश, स्वर, व्यंजन एवं दिशाओं को दर्शाता हो।

(2) गोचर ग्रहों की 'अष्ट गतियो' का शुद्ध ज्ञान।

विद्वान पाठकों के उपयोग के लिए 'श्री विश्वविजय पंचाग' अत्यन्त उपयोगी सर्वतोभद्र चक्र प्रस्तुत कर रहा है। इस चक्र की विशेषताओं में निम्न उपकरण अंकित है।

1. नक्षत्र 2.नक्षत्र चरण 3.राशि अंश कला 4.नवांश 5.नवांश संख्या 6.राशि मंडल 7. दिशा ज्ञान 8. स्वर व्यंजन 9.तीथि ज्ञान 10. वार ज्ञान।

इस वर्ष से 'विश्वविजय पंचाग' बुध, शुक्र, मंगल, शनि एवं गुरू के वर्ष गोचर में समय-समय पर ग्रह चाल से होन वाली 'अष्ट गतियां' प्रस्तुत कर रहा है। इन गतियों के आधार पर ही 'सर्वतोभद्र चक्र' में ग्रह वेध करता है। ग्रह के वेध की दिशा जानने के लिए उसकी गति का ज्ञान परम आवश्यक है।

अष्ट ग्रह गतियां निम्न है:-

(1) वक्र (2) अनुवक्र
(3)विकल (स्तम्भी) (4)मन्द
(5)मन्दतर (6)सम
(7)चर (8)अतिचर

वेध प्रकार:-

सर्वतोभद्र चक्र में तीन प्रकार के वेध होते है:-

(1) **दक्षिण वेध**- वक्र गति एवं अनुवक्र गति वाले ग्रहों का दक्षिण वेध होता है।

(2) **वाम वेध**- मार्गी ग्रहों में (चर एवं अतिर गति) वाले ग्रहों का वाम वेध होता है।

(3) **सम्मुख वेध**- मन्द, मन्दतर स्तम्भी एवं सम गति वाले ग्रहों का सम्मुख वेध होता है।

ध्यान दे :- (1)राहु और केतु सदैव वक्र गति करते हैं। अत: इनका सदैव दक्षिण वेध होता है।

(2) सूर्य और चन्द्र सदैव सम गति के होते है अत: इनका सदैव सम्मुख वेध होता है। बुध, शुक्र, मंगल, गुरू और शनि के गति वैभिन्य के कारण उनके दक्षिण वाम और सम्मुख में से किसी भी एक प्रकार का वेध, एक समय पर हो सकता है। अमुक दिनांक को इन ग्रहों को वेध ज्ञान प्राप्त करने के लिए इनकी अमुक दिनांक को गति परिभाषित करना अनिवार्य है।

(3) ग्रहों का वक्री या विकल (स्थिर) होना केवल एक प्रतीति है। सब ग्रह एक ही दिशा में अपनी कक्षाओं में भ्रमण करते है।

ग्रहों के खगोल में भ्रमण को जब पृथ्वी से मापा या देखा जाता है तो भिन्न-भिन्न कक्षाओं और इन कक्षाओं के भिन्न-भिन्न आकार के कारण 'भू-केन्द्रीय' दृष्टिकोण एवं गणित के आधार पर ग्रह कभी-कभी 'वक्र' अर्थात् पीछे जाते प्रतीत होते है।

यह घटना 'भू केद्रीय सिद्धात ज्योतिष' में जब-जब कोई ग्रह सूर्य से किसी निश्चित 'Angular Distance' (ग्रह भोगांश) पर आ जाता है तो घटित होती है।

बुध लगभग 24 दिवस, शुक्र लगभग 42 दिवस, मंगल लगभग 80 दिवस, गुरू लगभग 120 दिवस और शनि लगभग 140 दिवस के लिए वक्र गति करते है। वक्र गति केवल दृष्यमान गति 'Apparent Motion' है। जब हम पृथ्वी से आकाश एवं ग्रहों को देखते है तो यह ग्रह 'पूर्व से पश्चिम' भ्रमण करते दिखते है। यह पृथ्वी की अपनी धुरी पर परिक्रमा 'Rotation' के कारण होता है।

पृथ्वी और किसी अन्य ग्रह (जो) पृथ्वी समेत सूर्य का अपनी-अपनी कक्षा में भ्रमण कर रहें है के कारण जब पृथ्वी अपनी सापेक्षिक गति से आगे बढ़ती है तो यह आभास होता है कि दूसरा ग्रह वक्री हो गया है। उल्लेख चित्र के उदाहरण में 3,4 और 5 समय बिन्दू पर जब पृथ्वी मंगल से अधिक सापेक्षिक गति के कारण आगे निकल रही है तो ऐसा प्रतीत होगा कि मंगल वक्र अथवा पीछे हट रहा है।

यह आभास होता है कि दूसरा ग्रह वक्री हो गया है। उल्लेख चित्र के उदाहरण में 3,4 और 5 समय बिन्दू पर जब पृथ्वी मंगल से अधिक सापेक्षिक गति के कारण आगे निकल रही है तो ऐसा प्रतीत होगा कि मंगल वक्र अथवा पीछे हट रहा है।
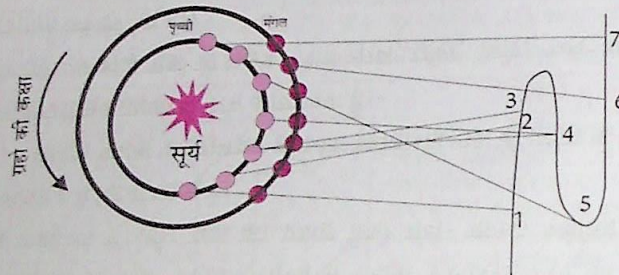
आचार्य नरपति ने ग्रहों की आठ दृष्टियों को तीन विभागों में रखा है:-

(1) वक्री, अनुवक्री ग्रहों को 'वक्री' की संज्ञा दी है। वह दाहिनी ओर के नक्षत्र राशि, वार आदि का वेध करता है।

(2) शीघ्री एवं अतिचारी ग्रहों को 'शीघ्री' संज्ञा दी है। यह वाम दृष्टि से बांयी तरफ के नक्षत्र, राशि, वार आदि को वेध करता है।

(3) स्तम्भी, सम, मंद एवं मन्दतर ग्रहों को 'सम' संज्ञा दी है। यह सम्मुख दृष्टि से समाने के नक्षत्र, वार, राशि आदि का वेध करता है।

28 नक्षत्रों पर स्थित ग्रहों के वेध की जानकारी इस प्रकार है:-

(1) अश्विनी पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि- ज्येष्ठा नक्षत्र, धनु और मीन राशि तथा च, अः और य अक्षर को वेधता है।

वाम दृष्टि- रोहिणी नक्षत्र और उ अक्षर को।

सम्मुख दृष्टि- पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र को।

(2) भरणी पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि- अनुराधा नक्षत्र, मेष और वृश्चिक राशियां तथा लऔर न अक्षरों को वेधता है।

वाम दृष्टि- कृत्तिका नक्षत्र

सम्मुख दृष्टि- मघा नक्षत्र।

(3) कृत्तिका पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि-भरणी नक्षत्र

वाम दृष्टि - विशाखा नक्षत्र, अ और त अक्षर तथा वृष एवं तुला राशि

सम्मुख दृष्टि - श्रवण नक्षत्र

(4) रोहिणी पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - अश्विनी नक्षत्र और उ अक्षर को वेधता है।

वाम दृष्टि - स्वाति नक्षत्र, व, र, अक्षरों मिथुन व कन्या राशि।

सम्मुख दृष्टि - अभिजित नक्षत्र।

(5) मृगशिरा पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - रेवती नक्षत्र और अ और ल अक्षर को वेधता है।

वाम दृष्टि - चित्रा नक्षत्र, क, प अक्षरों और कर्क तथा सिंह राशियो को।

सम्मुख दृष्टि - उत्तराषाढ़ा नक्षत्र।

(6) आर्द्रा पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - उत्तराभाद्रपद नक्षत्र, ब, लृ तथा च अक्षरों को।

वाम दृष्टि - हस्त नक्षत्र, ह, लृ, और ट अक्षरों को।

सम्मुख दृष्टि - पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र।

(7) पुनर्वसु पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र, क और द अक्षरों तथा मेष व वृष राशियों को।

वाम दृष्टि - उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र और ड़ तथा म अक्षरों को।

सम्मुख दृष्टि - मूल नक्षत्र को।

(8) पुष्य पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - शतभिषा नक्षत्र, ह, स और ओ अक्षरों तथा मिथुन व मीन राशियों को

वाम दृष्टि - पूर्वाफाल्गुनी और ऊ अक्षर।

सम्मुख दृष्टि - ज्येष्ठा नक्षत्र।

(9) आश्लेषा पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - धनिष्ठा नक्षत्र, व, ड, और ग अक्षरों तथा कर्क और कुंभ राशियों को

वाम दृष्टि - मघा नक्षत्र को।

सम्मुख दृष्टि - अनुराधा नक्षत्र।

(10) मघा पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - आश्लेषा नक्षत्र को।

वाम दृष्टि - श्रवण नक्षत्र, म तथा ख अक्षरों और सिंह व मकर राशियों को।

सम्मुख दृष्टि - भरणी नक्षत्र।

(11)पूर्वाफाल्गुनी पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - पुष्य नक्षत्र और ऊ अक्षर को वेधता है।

वाम दृष्टि - अभिजित नक्षत्र, ट, अं, और ज अक्षरों तथा कन्या व धनु राशियों को

सम्मुख दृष्टि - अश्विनी नक्षत्र।

(12) उत्तराफाल्गुनी पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - पुनर्वसु नक्षत्र तथा म और ड़ अक्षरों को।

वाम दृष्टि - उत्तराषाढ़ा नक्षत्र और प, भ, अक्षर तथा तुला, वृश्चिक राशियों को।

(13) हस्त पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - आर्द्रा नक्षत्र और ट, लृ तथा ह अक्षरों को।

वाम दृष्टि - पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, ज,र, तथा ए अक्षरों को।

सम्मुख दृष्टि -उत्तराभाद्रपद नक्षत्र को।

(14) चित्रा पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - मृगशिरा नक्षत्र और क, प अक्षरों को तथा कर्क और सिंह राशियों को

वाम दृष्टि से मूल नक्षत्र और त और न अक्षर को।

सम्मुख दृष्टि - पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र।

(15) स्वाति पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - रोहिणी नक्षत्र, र, व, ओ अक्षरों तथा मिथनु और कन्या राशियों को।

वाम दृष्टि - ज्येष्ठा नक्षत्र और ऋ अक्षर को।

सम्मुख दृष्टि - शतभिषा नक्षत्र।

(16) विशाखा पर स्थित ग्रह

दक्षिण दृष्टि - कृत्तिका नक्षत्र, अ, त, अक्षरों तथा वृष व तुला राशियों को।

वाम दृष्टि - अनुराधा नक्षत्र को।

सम्मुख दृष्टि - धनिष्ठा नक्षत्र।

(17) **अनुराधा पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - विशाखा नक्षत्र को।

वाम दृष्टि - भरणी नक्षत्र, न और ल अक्षर और मेष व वृश्चिक राशियों को।

सम्मुख दृष्टि - आश्लेषा नक्षत्र ।

(18) **ज्येष्ठा पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - स्वाति नक्षत्र और ऋ अक्षर को।

वाम दृष्टि - अश्विनी नक्षत्र, च, ज, अ: अक्षरों तथा धनु और मीन राशियों को।

सम्मुख दृष्टि - पुष्य नक्षत्र।

(19) **मूल पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - चित्रा नक्षत्र और न तथा त अक्षर को।

वाम दृष्टि - रेवती नक्षत्र, द और भ अक्षरों तथा मकर तथा कुंभ राशियों को।

स्म्मुख दृष्टि - पुनर्वसु नक्षत्र को वेधता है।

(20)**पूर्वाषाढ़ा पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - हस्त नक्षत्र और य, र तथा ए अक्षरों को।

वाम दृष्टि - उत्तराभाद्रपद नक्षत्र और स, ज तथा ऐ अक्षरों को।

स्म्मुख दृष्टि - आर्द्रा नक्षत्र को।

(21) ***उत्तराषाढ़ा पर स्थित ग्रह***

दक्षिण दृष्टि - उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, प और भ अक्षरों तथा वृश्चिक राशि को।

वाम दृष्टि - उत्तराभाद्रपद नक्षत्र और ख तथा ग अक्षरों को।

सम्मुख दृष्टि - मृगशिरा नक्षत्र को।

(22) ***अभिजित पर स्थित ग्रह***

दक्षिण दृष्टि - पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र, ट, ज, अं अक्षरों और कन्या व धनु राशियों को

वाम दृष्टि - शतभिषा नक्षत्र और ऋ अक्षर को।

सम्मुख दृष्टि - रोहिणी नक्षत्र।

(23) **श्रवण पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - मघा नक्षत्र, म और ख अक्षरों और सिंह व मकर राशियों को।

वाम दृष्टि - धनिष्ठा नक्षत्र को।

स्म्मुख दृष्टि - कृत्तिका नक्षत्र।

(24) **धनिष्ठा पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - श्रवण नक्षत्र को।

वाम दृष्टि - आश्लेषा नक्षत्र, ग, ड़, अक्षरों और कर्क व कुम्भ रशियों को।

सम्मुख दृष्टि - विशाखा नक्षत्र।

(25) **शतभिषा पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - अभिजित नक्षत्र और ऋ अक्षर को।

वाम दृष्टि - पुष्य नक्षत्र, ह, स, ओ अक्षर और मिथनु और मीन राशि को।

सम्मुख दृष्टि - स्वाति नक्षत्र को।

(26) **पूर्वा भाद्रपद पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - उत्तराषाढ़ नक्षत्र, म, ख अक्षर को।

वाम दृष्टि - पुनर्वसु नक्षत्र को, क, द अक्षर को, मेष व वृष राशि को।

सम्मुख दृष्टि - चित्रा नक्षत्र को।

(27) **उत्तरा भाद्रपद पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र और ज, स तथा ए अक्षरों को।

वाम दृष्टि - आर्द्रा नक्षत्र और व, च तथा लृ अक्षरों को।

सम्मुख दृष्टि - हस्त नक्षत्र को वेधता है।

(28) **रेवती पर स्थित ग्रह**

दक्षिण दृष्टि - मूल नक्षत्र, द, भ अक्षरों और मकर व कुंभ राशियों को।

वाम दृष्टि - मृगशिरा नक्षत्र, अ तथा ल अक्षरों को।

सम्मुख दृष्टि - उत्तरफाल्गुनी नक्षत्र को।

निम्न प्रस्तुत सारणी में वर्ष भर के लिए बुध, शुक्र, मंगल, गुरू, और शनि की वैध्य दृष्टि एवं गति दी जा रही है

ग्रहों के दैनिक गति के अनुसार सर्वतोभद्र चक्र
वेद दिशा
पृष्ठ 274 पर देखें
राशि मंडल
नवांश संख्या
नवांश पति
स्पष्ट राशि
अंश
कला
वर्ण
चरण संख्या
वृश्चिक
धनु
मकर
कुम्भ
मीन
मेष
वृष
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
अनुराधा
ज्येष्ठा
मूल
पू.षा.
उ.षा.
अभिजित
श्रवण
धनि.
शत.
पू.भा
उ.भा.
रेवती
अश्विनी
भरणी
अ.
कृत्तिका
रोहिणी
मृग.
आर्द्रा
पुन.
पुष्य
आश्ले.
मघा
पू.फा.
उ.फा.
हस्त
चित्रा
स्वाति
विशाखा
गुरू
जया
318113
शुक्र
रिक्ता
419114
217112
716111
सर्वतोभद्र चक्र

अप्रैल सन् 2019 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 17

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	12 36155	11 16:51:23	9 28:36:00	10 04:30:02	1 06:22:10	10 22:30:31	10 12:06:44	8 00:04:53	8 25:42:54	2 29:33:05	2 28:41:05	0 07:09:54	10 22:58:01	8 28:53:23	4.343561	-16.258	-2.453
2	12 40121	11 17:50:37	10 10:25:08	10 16:21:43	1 07:01:52	10 22:51:18	10 13:19:03	8 00:06:36	8 25:45:38	2 29:26:57	2 28:37:54	0 07:13:12	10 23:00:08	8 28:54:04	4.743762	-12.918	-3.303
3	12 44086	11 18:49:49	10 22:20:07	10 28:20:39	1 07:41:35	10 23:16:49	10 14:31:23	8 00:08:09	8 25:48:17	2 29:17:59	2 28:34:43	0 07:16:30	10 23:02:14	8 28:54:43	5.142458	- 9.041	-4.013
4	12 48052	11 19:49:00	11 04:23:32	11 10:28:58	1 08:21:12	10 23:46:49	10 15:43:44	8 00:09:30	8 25:50:50	2 29:06:30	2 28:31:33	0 07:19:48	10 23:04:19	8 28:55:21	5.53954	- 4.767	-4.552
5	12 52017	11 20:48:09	11 16:37:04	11 22:47:55	1 09:00:51	10 24:21:05	10 16:56:07	8 00:10:40	8 25:53:18	2 28:53:16	2 28:28:22	0 07:23:08	10 23:06:24	8 28:55:56	5.934895	- 0.249	-4.888
6	12 55583	11 21:47:15	11 29:01:34	0 05:18:02	1 09:40:28	10 24:59:23	10 18:08:31	8 00:11:39	8 25:55:40	2 28:39:23	2 28:25:12	0 07:26:29	10 23:08:28	8 28:56:30	6.328413	4.345	-5.000
7	12 59548	11 22:46:20	0 11:37:19	0 17:59:25	1 10:20:04	10 25:41:31	10 19:20:56	8 00:12:26	8 25:57:56	2 28:26:02	2 28:22:01	0 07:29:50	10 23:10:30	8 28:57:03	6.719982	8.833	-4.871
8	13 03514	11 23:45:22	0 24:24:18	1 00:52:00	1 10:59:39	10 26:27:15	10 20:33:22	8 00:13:02	8 26:00:07	2 28:14:24	2 28:18:50	0 07:33:12	10 23:12:32	8 28:57:33	7.109491	13.010	-4.497
9	13 07479	11 24:44:22	1 07:22:31	1 13:55:54	1 11:39:12	10 27:16:24	10 21:45:49	8 00:13:27	8 26:02:12	2 28:05:20	2 28:15:39	0 07:36:34	10 23:14:33	8 28:58:02	7.496829	16.648	-3.887
10	13 11445	11 25:43:20	1 20:32:13	1 27:11:35	1 12:18:44	10 28:08:49	10 22:58:17	8 00:13:40	8 26:04:12	2 27:59:15	2 28:12:29	0 07:39:57	10 23:16:33	8 28:58:29	7.881882	19.511	-3.061
11	13 15410	11 26:42:16	2 03:54:07	2 10:39:57	1 12:58:15	10 29:04:19	10 24:10:46	8 00:13:43	8 26:06:06	2 27:55:59	2 28:09:18	0 07:43:21	10 23:18:32	8 28:58:54	8.26454	21.366	-2.054
12	13 19376	11 27:41:09	2 17:29:15	2 24:22:08	1 13:37:44	11 00:02:45	10 25:23:16	8 00:13:33	8 26:07:54	2 27:54:52	2 28:06:07	0 07:46:45	10 23:20:30	8 28:59:17	8.644689	22.017	- 0.914
13	13 23342	11 28:40:00	3 01:18:44	3 08:19:07	1 14:17:12	11 01:03:58	10 26:35:47	8 00:13:13	8 26:09:36	2 27:54:46	2 28:02:56	0 07:50:09	10 23:22:27	8 28:59:39	9.022218	21.344	+ 0.299
14	13 27307	11 29:38:49	3 15:23:17	3 22:31:09	1 14:56:39	11 02:07:52	10 27:48:18	8 00:12:41	8 26:11:13	2 27:54:21	2 27:59:45	0 07:53:34	10 23:24:23	8 28:59:58	9.397018	19.331	1.516
15	13 31273	0 00:37:35	3 29:42:31	4 06:57:05	1 15:36:04	11 03:14:19	10 29:00:50	8 00:11:58	8 26:12:44	2 27:52:23	2 27:56:35	0 07:56:59	10 23:26:18	8 29:00:16	9.768981	16.083	2.658
16	13 35238	0 01:36:20	4 14:14:22	4 21:33:48	1 16:15:28	11 04:23:14	11 00:13:24	8 00:11:04	8 26:14:09	2 27:47:59	2 27:53:24	0 08:00:25	10 23:28:11	8 29:00:33	10.138005	11.811	3.644
17	13 39204	0 02:35:02	4 28:54:39	5 06:16:04	1 16:54:50	11 05:34:29	11 01:25:58	8 00:09:59	8 26:15:28	2 27:40:48	2 27:50:13	0 08:03:51	10 23:30:04	8 29:00:47	10.503991	6.805	4.399
18	13 43169	0 03:33:42	5 13:37:09	5 20:56:54	1 17:34:10	11 06:48:02	11 02:38:32	8 00:08:43	8 26:16:42	2 27:31:09	2 27:47:03	0 08:07:17	10 23:31:55	8 29:01:00	10.866844	1.400	4.864
19	13 47134	0 04:32:19	5 28:14:21	6 05:28:31	1 18:13:30	11 08:03:46	11 03:51:08	8 00:07:15	8 26:17:49	2 27:19:54	2 27:43:52	0 08:10:43	10 23:33:45	8 29:01:11	11.226472	- 4.050	5.008
20	13 51100	0 05:30:55	6 12:38:33	6 19:43:40	1 18:52:48	11 09:21:38	11 05:03:45	8 00:05:37	8 26:18:51	2 27:08:16	2 27:40:41	0 08:14:10	10 23:35:34	8 29:01:20	11.582783	- 9.203	4.829
21	13 55065	0 06:29:29	6 26:43:14	7 03:36:48	1 19:32:04	11 10:41:35	11 06:16:22	8 00:03:48	8 26:19:47	2 26:57:31	2 27:37:30	0 08:17:37	10 23:37:22	8 29:01:27	11.935686	-13.755	4.358
22	13 59031	0 07:28:01	7 10:24:03	7 17:04:52	1 20:11:19	11 12:03:33	11 07:29:01	8 00:01:47	8 26:20:37	2 26:48:42	2 27:34:20	0 08:21:05	10 23:39:08	8 29:01:33	12.285086	-17.456	3.645
23	14 02597	0 08:26:32	7 23:39:16	8 00:07:26	1 20:50:33	11 13:27:29	11 08:41:41	7 29:59:36	8 26:21:22	2 26:42:25	2 27:31:09	0 08:24:30	10 23:40:53	8 29:01:36	12.630887	-20.132	2.752
24	14 06562	0 09:25:00	8 06:29:39	8 12:46:22	1 21:29:46	11 14:53:22	11 09:54:21	7 29:57:13	8 26:22:00	2 26:38:44	2 27:27:58	0 08:27:51	10 23:42:37	8 29:01:38	12.972988	-21.691	1.743
25	14 10528	0 10:23:27	8 18:58:03	8 25:05:17	1 22:08:57	11 16:21:10	11 11:07:02	7 29:54:40	8 26:22:33	2 26:37:14	2 27:24:47	0 08:31:19	10 23:44:20	8 29:01:39	13.311292	-22.120	+ 0.675
26	14 14493	0 11:21:53	9 01:08:41	9 07:08:55	1 22:48:07	11 17:50:50	11 12:19:44	7 29:51:56	8 26:23:00	2 26:37:05	2 27:21:36	0 08:34:46	10 23:46:01	8 29:01:37	13.645696	-21.474	- 0.400
27	14 18459	0 12:20:17	9 13:06:40	9 19:02:36	1 23:27:16	11 19:22:23	11 13:32:27	7 29:49:02	8 26:23:20	2 26:37:15	2 27:18:26	0 08:38:13	10 23:47:41	8 29:01:34	13.9761	-19.854	-1.440
28	14 22425	0 13:18:39	9 24:57:24	10 00:51:45	1 24:06:24	11 20:55:45	11 14:45:11	7 29:45:56	8 26:23:35	2 26:36:39	2 27:15:15	0 08:41:40	10 23:49:19	8 29:01:29	14.302403	-17.388	-2.408
29	14 26390	0 14:17:00	10 06:46:17	10 12:41:37	1 24:45:31	11 22:30:58	11 15:57:56	7 29:42:40	8 26:23:44	2 26:34:20	2 27:12:04	0 08:45:06	10 23:50:57	8 29:01:22	14.63144	-14.210	-3.269
30	14 30356	0 15:15:19	10 18:38:19	10 24:36:54	1 25:24:37	11 24:08:00	11 17:10:41	7 29:39:14	8 26:23:48	2 26:29:42	2 27:08:53	0 08:48:32	10 23:52:32	8 29:01:14	14.624503	-10.455	-3.992

मई सन् 2019 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 20

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	14 34321	0 16:13:36	11 00:37:50	11 06:41:32	1 26:03:41	11 25:46:52	11 18:23:27	7 29:35:38	8 26:23:45	2 26:22:31	2 27:05:43	0 08:51:58	10 23:54:06	8 29:01:04	14.942299	- 6.257	-4.546
2	14 38287	0 17:11:52	11 12:48:19	11 18:58:28	1 26:42:45	11 27:27:33	11 19:36:14	7 29:31:51	8 26:23:36	2 26:13:01	2 27:02:32	0 08:55:23	10 23:55:39	8 29:00:52	15.255691	- 1.755	-4.903
3	14 42252	0 18:10:07	11 25:12:10	0 01:29:33	1 27:21:47	11 29:10:03	11 20:49:01	7 29:27:54	8 26:23:22	2 26:01:51	2 26:59:21	0 08:58:48	10 23:57:10	8 29:00:38	15.564576	2.896	-5.037
4	14 46218	0 19:08:20	0 07:50:40	0 14:15:30	1 28:00:48	0 00:54:23	11 22:01:49	7 29:23:47	8 26:23:01	2 25:50:00	2 26:56:11	0 09:02:13	10 23:58:40	8 29:00:23	15.868856	7.523	-4.929
5	14 50183	0 20:06:31	0 20:43:58	0 27:15:58	1 28:39:48	0 02:40:33	11 23:14:37	7 29:19:30	8 26:22:35	2 25:38:34	2 26:53:00	0 09:05:37	10 24:00:08	8 29:00:05	16.168429	11.917	-4.571
6	14 54149	0 21:04:40	1 03:51:19	1 10:29:51	1 29:18:47	0 04:28:32	11 24:27:26	7 29:15:04	8 26:22:03	2 25:28:36	2 26:49:49	0 09:09:01	10 24:01:35	8 28:59:47	16.463197	15.838	-3.966
7	14 58114	0 22:02:48	1 17:11:20	1 23:55:35	1 29:57:45	0 06:18:23	11 25:40:15	7 29:10:28	8 26:21:25	2 25:20:56	2 26:46:38	0 09:12:24	10 24:03:00	8 28:59:26	16.753058	19.026	-3.134
8	15 02080	0 23:00:53	2 00:42:24	2 07:31:38	2 00:36:42	0 08:10:03	11 26:53:04	7 29:05:43	8 26:20:41	2 25:15:56	2 26:43:28	0 09:15:46	10 24:04:23	8 28:59:04	17.037913	21.221	-2.114
9	15 06045	0 23:58:57	2 14:23:06	2 21:16:41	2 01:15:37	0 10:03:34	11 28:05:54	7 29:00:49	8 26:19:51	2 25:13:31	2 26:40:17	0 09:19:08	10 24:05:45	8 28:58:40	17.317662	22.205	- 0.959
10	15 10011	0 24:57:00	2 28:12:18	3 05:09:52	2 01:54:32	0 11:58:54	11 29:18:44	7 28:55:46	8 26:18:56	2 25:13:04	2 26:37:06	0 09:22:29	10 24:07:05	8 28:58:15	17.592204	21.849	+ 0.266
11	15 13577	0 25:55:00	3 12:09:18	3 19:10:31	2 02:33:25	0 13:56:03	0 00:31:35	7 28:50:34	8 26:17:55	2 25:13:39	2 26:33:55	0 09:25:50	10 24:08:24	8 28:57:47	17.861441	20.143	1.489
12	15 17542	0 26:52:58	3 26:13:28	4 03:18:01	2 03:12:17	0 15:54:59	0 01:44:26	7 28:45:13	8 26:16:49	2 25:14:07	2 26:30:44	0 09:29:10	10 24:09:41	8 28:57:19	18.125277	17.198	2.632
13	15 21508	0 27:50:55	4 10:24:00	4 17:31:13	2 03:51:08	0 17:55:39	0 02:57:17	7 28:39:45	8 26:15:37	2 25:13:26	2 26:27:33	0 09:32:29	10 24:10:56	8 28:56:48	18.383618	13.223	3.623
14	15 25473	0 28:48:49	4 24:39:22	5 01:48:06	2 04:29:57	0 19:58:02	0 04:10:08	7 28:34:08	8 26:14:19	2 25:10:50	2 26:24:23	0 09:35:47	10 24:12:09	8 28:56:16	18.636376	8.482	4.396
15	15 29439	0 29:46:42	5 08:57:00	5 16:05:33	2 05:08:45	0 22:02:01	0 05:23:00	7 28:28:23	8 26:12:55	2 25:06:00	2 26:21:12	0 09:39:04	10 24:13:21	8 28:55:43	18.883467	3.272	4.896
16	15 33404	1 00:44:33	5 23:13:12	6 00:19:22	2 05:47:32	0 24:07:32	0 06:35:52	7 28:22:31	8 26:11:27	2 24:59:11	2 26:18:01	0 09:42:21	10 24:14:31	8 28:55:07	19.12481	- 2.099	5.092
17	15 37370	1 01:42:23	6 07:23:26	6 14:24:46	2 06:26:18	0 26:14:29	0 07:48:44	7 28:16:31	8 26:09:53	2 24:51:02	2 26:14:51	0 09:45:36	10 24:15:39	8 28:54:31	19.36033	- 7.326	4.975
18	15 41335	1 02:40:10	6 21:22:48	6 28:17:00	2 07:05:03	0 28:22:41	0 09:01:37	7 28:10:24	8 26:08:13	2 24:42:31	2 26:11:40	0 09:48:51	10 24:16:46	8 28:53:53	19.589952	-12.112	4.560
19	15 45301	1 03:37:57	7 05:06:54	7 11:52:08	2 07:43:46	1 00:32:00	0 10:14:31	7 28:04:10	8 26:06:28	2 24:34:36	2 26:08:29	0 09:52:05	10 24:17:51	8 28:53:13	19.813603	-16.187	3.887
20	15 49266	1 04:35:42	7 18:32:24	7 25:07:35	2 08:22:28	1 02:42:15	0 11:27:25	7 27:57:49	8 26:04:38	2 24:28:09	2 26:05:18	0 09:55:17	10 24:18:54	8 28:52:32	20.031211	-19.327	3.009
21	15 53232	1 05:33:25	8 01:37:36	8 08:02:32	2 09:01:09	1 04:53:11	0 12:40:20	7 27:51:22	8 26:02:42	2 24:23:41	2 26:02:07	0 09:58:29	10 24:19:55	8 28:51:49	20.242701	-21.378	1.990
22	15 57198	1 06:31:08	8 14:22:31	8 20:37:51	2 09:39:50	1 07:04:38	0 13:53:15	7 27:44:48	8 26:00:42	2 24:21:19	2 25:58:56	0 10:01:39	10 24:20:55	8 28:51:05	20.448001	-22.271	+ 0.893
23	16 01163	1 07:28:49	8 26:48:51	9 02:55:57	2 10:18:29	1 09:16:15	0 15:06:11	7 27:38:08	8 25:58:36	2 24:20:50	2 25:55:46	0 10:04:48	10 24:21:53	8 28:50:19	20.647036	-22.025	- 0.222
24	16 05129	1 08:26:29	9 08:59:37	9 15:00:24	2 10:57:07	1 11:27:48	0 16:19:08	7 27:31:22	8 25:56:25	2 24:21:39	2 25:52:35	0 10:07:57	10 24:22:48	8 28:49:32	20.839734	-20.729	-1.307
25	16 09095	1 09:24:08	9 20:58:53	9 26:55:39	2 11:35:44	1 13:39:02	0 17:32:05	7 27:24:31	8 25:54:09	2 24:23:03	2 25:49:24	0 10:11:03	10 24:23:42	8 28:48:43	21.026023	-18.518	-2.318
26	16 13060	1 10:21:46	10 02:51:21	10 08:46:37	2 12:14:21	1 15:49:38	0 18:45:03	7 27:17:35	8 25:51:48	2 24:24:14	2 25:46:13	0 10:14:09	10 24:24:35	8 28:47:53	21 205833	-15.542	-3.220
27	16 17026	1 11:19:23	10 14:42:05	10 20:38:23	2 12:52:56	1 17:59:22	0 19:58:02	7 27:10:33	8 25:49:22	2 24:24:28	2 25:43:02	0 10:17:14	10 24:25:25	8 28:47:02	21.379096	-11.949	-3.982
28	16 20591	1 12:16:59	10 26:36:08	11 02:35:56	2 13:31:31	1 20:07:56	0 21:11:01	7 27:03:27	8 25:46:51	2 24:23:14	2 25:39:52	0 10:20:17	10 24:26:14	8 28:46:09	21 379096	- 7.880	-4.576
29	16 24557	1 13:14:35	11 08:38:19	11 14:43:49	2 14:10:04	1 22:15:07	0 22:24:01	7 26:56:16	8 25:44:15	2 24:20:20	2 25:36:41	0 10:23:19	10 24:27:00	8 28:45:15	21.545744	- 3.468	-4.976
30	16 28522	1 14:12:09	11 20:52:53	11 27:05:54	2 14:48:37	1 24:20:41	0 23:37:02	7 26:49:02	8 25:41:35	2 24:15:48	2 25:33:30	0 10:26:19	10 24:27:45	8 28:44:20	21.705713	1.149	-5.157
31	16 32488	1 15:09:42	0 03:23:13	0 09:45:03	2 15:27:10	1 26:24:26	0 24:50:03	7 26:41:43	8 25:38:50	2 24:10:04	2 25:30:20	0 10:29:18	10 24:28:28	8 28:43:23	21.85894	5.819	-5.100

जून सन् 2019 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 25

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	16 36453	1 16:07:15	0 16:11:34	0 22:42:51	2 16:05:41	1 28:26:13	0 26:03:05	7 26:34:21	8 25:36:00	2 24:03:43	2 25:27:09	0 10:32:15	10 24:29:09	8 28:42:25	22.005366	10.357	-4.791
2	16 40419	1 17:04:47	0 29:18:52	1 05:59:31	2 16:44:12	2 00:25:51	0 27:16:07	7 26:26:55	8 25:33:06	2 23:57:30	2 25:23:58	0 10:35:11	10 24:29:48	8 28:41:26	22.144934	14.536	-4.224
3	16 44384	1 18:02:17	1 12:44:35	1 19:33:49	2 17:22:41	2 02:23:14	0 28:29:10	7 26:19:27	8 25:30:07	2 23:52:07	2 25:20:47	0 10:38:06	10 24:30:25	8 28:40:26	22.277586	18.086	-3.413
4	16 48350	1 18:59:47	1 26:26:51	2 03:23:19	2 18:01:11	2 04:18:15	0 29:42:14	7 26:11:56	8 25:27:05	2 23:48:08	2 25:17:36	0 10:40:59	10 24:31:00	8 28:39:24	22.403271	20.715	-2.390
5	16 52316	1 19:57:15	2 10:22:46	2 17:24:45	2 18:39:39	2 06:10:50	1 00:55:18	7 26:04:23	8 25:23:57	2 23:45:50	2 25:14:25	0 10:43:50	10 24:31:33	8 28:38:21	22.521937	22.152	-1.207
6	16 56281	1 20:54:43	2 24:28:48	3 01:34:29	2 19:18:06	2 08:00:55	1 02:08:23	7 25:56:48	8 25:20:46	2 23:45:10	2 25:11:15	0 10:46:40	10 24:32:05	8 28:37:17	22.633534	22.209	+ 0.066
7	17 00247	1 21:52:10	3 08:41:21	3 15:49:00	2 19:56:33	2 09:48:26	1 03:21:28	7 25:49:11	8 25:17:31	2 23:45:48	2 25:08:04	0 10:49:28	10 24:32:34	8 28:36:12	22.738011	20.838	1.346
8	17 04213	1 22:49:35	3 22:57:01	4 00:05:05	2 20:34:58	2 11:33:21	1 04:34:33	7 25:41:33	8 25:14:11	2 23:47:08	2 25:04:53	0 10:52:14	10 24:33:01	8 28:35:05	22.835325	18.145	2.549
9	17 08178	1 23:46:59	4 07:12:52	4 14:20:04	2 21:13:23	2 13:15:38	1 05:47:39	7 25:33:54	8 25:10:48	2 23:48:30	2 25:01:42	0 10:54:58	10 24:33:27	8 28:33:58	22.92543	14.354	3.595
10	17 12144	1 24:44:22	4 21:26:26	4 28:31:42	2 21:51:47	2 14:55:16	1 07:00:45	7 25:26:14	8 25:07:21	2 23:49:15	2 24:58:31	0 10:57:41	10 24:33:50	8 28:32:49	23.008291	9.759	4.416
11	17 16109	1 25:41:44	5 05:35:38	5 12:37:58	2 22:30:10	2 16:32:13	1 08:13:52	7 25:18:37	8 25:03:51	2 23:48:56	2 24:55:21	0 11:00:22	10 24:34:12	8 28:31:40	23.083873	4.666	4.964
12	17 20075	1 26:39:05	5 19:38:30	5 26:36:57	2 23:08:32	2 18:06:28	1 09:26:59	7 25:10:57	8 25:00:17	2 23:47:24	2 24:52:10	0 11:03:01	10 24:34:31	8 28:30:29	23.15215	- 0.624	5.211
13	17 24040	1 27:36:25	6 03:33:06	6 10:26:43	2 23:46:54	2 19:38:00	1 10:40:07	7 25:03:18	8 24:56:39	2 23:44:46	2 24:48:59	0 11:05:38	10 24:34:49	8 28:29:18	23.213099	- 5.833	5.148
14	17 28006	1 28:33:44	6 17:17:31	6 24:05:18	2 24:25:14	2 21:06:47	1 11:53:16	7 24:55:40	8 24:52:59	2 23:41:25	2 24:45:48	0 11:08:13	10 24:35:04	8 28:28:05	23.266705	-10.692	4.791
15	17 31571	1 29:31:02	7 00:49:49	7 07:30:54	2 25:03:34	2 22:32:47	1 13:06:25	7 24:48:02	8 24:49:15	2 23:37:49	2 24:42:38	0 11:10:46	10 24:35:18	8 28:26:52	23.312952	-14.953	4.169
16	17 35537	2 00:28:19	7 14:08:21	7 20:42:02	2 25:41:53	2 23:55:59	1 14:19:35	7 24:40:27	8 24:45:28	2 23:34:31	2 24:39:27	0 11:13:18	10 24:35:30	8 28:25:38	23.35183	-18.391	3.330
17	17 39502	2 01:25:35	7 27:11:53	8 03:37:49	2 26:20:11	2 25:16:21	1 15:32:45	7 24:32:52	8 24:41:38	2 23:31:55	2 24:36:16	0 11:15:47	10 24:35:40	8 28:24:23	23.38333	-20.826	2.330
18	17 43468	2 02:22:51	8 09:59:52	8 16:18:07	2 26:58:28	2 26:33:51	1 16:45:57	7 24:25:20	8 24:37:45	2 23:30:18	2 24:33:05	0 11:18:14	10 24:35:48	8 28:23:07	23.407444	-22.143	1.228
19	17 47434	2 03:20:07	8 22:32:39	8 28:43:39	2 27:36:45	2 27:48:25	1 17:59:09	7 24:17:50	8 24:33:49	2 23:29:44	2 24:29:54	0 11:20:40	10 24:35:53	8 28:21:50	23.424167	-22.309	+ 0.087
20	17 51399	2 04:17:22	9 04:51:23	9 10:56:07	2 28:15:01	2 29:00:00	1 19:12:22	7 24:10:22	8 24:29:51	2 23:30:06	2 24:26:43	0 11:23:03	10 24:35:57	8 28:20:32	23.433494	-21.376	-1.038
21	17 55365	2 05:14:36	9 16:58:11	9 22:58:00	2 28:53:16	3 00:08:34	1 20:25:36	7 24:02:58	8 24:25:50	2 23:31:09	2 24:23:32	0 11:25:24	10 24:35:59	8 28:19:14	23.435424	-19.460	-2.100
22	17 59331	2 06:11:50	9 28:55:59	10 04:52:37	2 29:31:31	3 01:14:01	1 21:38:51	7 23:55:36	8 24:21:47	2 23:32:33	2 24:20:22	0 11:27:43	10 24:35:59	8 28:17:55	23.429958	-16.716	-3.057
23	18 03296	2 07:09:04	10 10:48:23	10 16:43:51	3 00:09:46	3 02:16:18	1 22:52:07	7 23:48:18	8 24:17:41	2 23:33:57	2 24:17:11	0 11:30:00	10 24:35:57	8 28:16:35	23.417099	-13.306	-3.875
24	18 07262	2 08:06:18	10 22:39:33	10 28:36:04	3 00:47:59	3 03:15:19	1 24:05:24	7 23:41:03	8 24:13:33	2 23:35:02	2 24:14:00	0 11:32:14	10 24:35:54	8 28:15:14	23.416.798	- 9.384	-4.526
25	18 11227	2 09:03:32	11 04:34:00	11 10:33:54	3 01:26:13	3 04:10:59	1 25:18:41	7 23:33:53	8 24:09:23	2 23:35:36	2 24:10:49	0 11:34:27	10 24:35:48	8 28:13:53	23.396854	- 5.095	-4.986
26	18 15193	2 10:00:46	11 16:36:23	11 22:41:59	3 02:04:26	3 05:03:13	1 26:32:00	7 23:26:47	8 24:05:11	2 23:35:33	2 24:07:39	0 11:36:37	10 24:35:40	8 28:12:31	23.369233	- 0.571	-5.234
27	18 19158	2 10:57:59	11 28:51:16	0 05:04:43	3 02:42:38	3 05:51:53	1 27:45:20	7 23:19:45	8 24:00:57	2 23:34:55	2 24:04:28	0 11:38:45	10 24:35:30	8 28:11:09	23.334248	4.050	-5.251
28	18 23124	2 11:55:13	0 11:22:48	0 17:45:54	3 03:20:50	3 06:36:55	1 28:58:41	7 23:12:49	8 23:56:42	2 23:33:49	2 24:01:17	0 11:40:50	10 24:35:19	8 28:09:46	23.291916	8.613	-5.022
29	18 27089	2 12:52:26	0 24:14:22	1 00:48:24	3 03:59:02	3 07:18:09	2 00:12:03	7 23:05:57	8 23:52:24	2 23:32:31	2 23:58:06	0 11:42:53	10 24:35:05	8 28:08:22	23.242258	12.926	-4.538
30	18 31055	2 13:49:40	1 07:28:10	1 14:13:41	3 04:37:13	3 07:55:31	2 01:25:26	7 22:59:11	8 23:48:06	2 23:31:13	2 23:54:56	0 11:44:54	10 24:34:50	8 28:06:58	23.185298	16.749	-3.803

जुलाई सन् 2019 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 30

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 530	चन्द्र सायं 1730	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	18 35021	2 14:46:54	1 21:04:52	1 28:01:31	3 05:15:24	3 08:28:51	2 02:38:50	7 22:52:31	8 23:43:46	2 23:30:09	2 23:51:45	0 11:46:53	10 24:34:33	8 28:05:34	23.121063	19.796	-2.835
2	18 38586	2 15:44:07	2 05:03:18	2 12:09:46	3 05:53:35	3 08:58:04	2 03:52:15	7 22:45:57	8 23:39:25	2 23:29:27	2 23:48:34	0 11:48:49	10 24:34:13	8 28:04:09	23.049584	21.758	-1.674
3	18 42552	2 16:41:21	2 19:20:22	2 26:34:27	3 06:31:45	3 09:23:01	2 05:05:41	7 22:39:29	8 23:35:02	2 23:29:09	2 23:45:23	0 11:50:42	10 24:33:52	8 28:02:43	22.970895	22.373	- 0.383
4	18 46518	2 17:38:34	3 03:51:19	3 11:10:11	3 07:09:55	3 09:43:37	2 06:19:07	7 22:33:08	8 23:30:39	2 23:29:13	2 23:42:12	0 11:52:33	10 24:33:29	8 28:01:17	22.885032	21.497	+ 0.953
5	18 50483	2 18:35:47	3 18:30:14	3 25:50:42	3 07:48:05	3 09:59:43	2 07:32:35	7 22:26:53	8 23:26:15	2 23:29:31	2 23:39:01	0 11:54:22	10 24:33:04	8 27:59:51	22.792032	19.163	2.240
6	18 54449	2 19:33:00	4 03:10:46	4 10:29:45	3 08:26:14	3 10:11:16	2 08:46:04	7 22:20:46	8 23:21:51	2 23:29:53	2 23:35:50	0 11:56:08	10 24:32:37	8 27:58:25	22.691933	15.580	3.381
7	18 58414	2 20:30:13	4 17:46:56	4 25:01:46	3 09:04:22	3 10:18:10	2 09:59:33	7 22:14:46	8 23:17:26	2 23:30:12	2 23:32:39	0 11:57:51	10 24:32:09	8 27:56:58	22.584777	11.064	4.296
8	19 02380	2 21:27:26	5 02:13:44	5 09:22:24	3 09:42:30	3 10:20:23	2 11:13:03	7 22:08:54	8 23:13:00	2 23:30:23	2 23:29:29	0 11:59:32	10 24:31:38	8 27:55:31	22.470609	5.971	4.928
9	19 06345	2 22:24:38	5 16:27:29	5 23:28:43	3 10:20:38	3 10:17:52	2 12:26:34	7 22:03:09	8 23:08:33	2 23:30:27	2 23:26:18	0 12:01:10	10 24:31:06	8 27:54:04	22.349477	+ 0.640	5.247
10	19 10311	2 23:21:50	6 00:25:58	6 07:19:09	3 10:58:45	3 10:10:40	2 13:40:06	7 21:57:32	8 23:04:13	2 23:30:28	2 23:23:07	0 12:02:46	10 24:30:32	8 27:52:36	22.221436	- 4.626	5.249
11	19 14276	2 24:19:02	6 14:08:13	6 20:53:12	3 11:36:52	3 09:58:49	2 14:53:39	7 21:52:04	8 22:59:46	2 23:30:29	2 23:19:57	0 12:04:19	10 24:29:56	8 27:51:08	22.086544	- 9.566	4.950
12	19 18242	2 25:16:14	6 27:34:10	7 04:11:11	3 12:14:59	3 09:42:27	2 16:07:12	7 21:46:44	8 22:55:20	2 23:30:35	2 23:16:46	0 12:05:50	10 24:29:18	8 27:49:40	21.944859	-13.947	4.384
13	19 22207	2 26:13:26	7 10:44:24	7 17:13:54	3 12:53:05	3 09:21:45	2 17:20:47	7 21:41:32	8 22:50:55	2 23:30:49	2 23:13:35	0 12:07:17	10 24:28:39	8 27:48:11	21.796446	-17.565	3.596
14	19 26173	2 27:10:38	7 23:39:50	8 00:02:21	3 13:31:11	3 08:56:55	2 18:34:22	7 21:36:29	8 22:46:30	2 23:31:09	2 23:10:24	0 12:08:42	10 24:27:58	8 27:46:40	21.641369	-20.248	2.637
15	19 30139	2 28:07:50	8 06:21:36	8 12:37:43	3 14:09:16	3 08:28:17	2 19:47:59	7 21:31:35	8 22:42:06	2 23:31:28	2 23:07:13	0 12:10:05	10 24:27:15	8 27:45:27	21.479691	-21.871	1.563
16	19 34104	2 29:05:02	8 18:50:51	8 25:01:12	3 14:47:21	3 07:56:14	2 21:01:36	7 21:26:50	8 22:37:43	2 23:31:41	2 23:04:02	0 12:11:24	10 24:26:30	8 27:43:58	21.311479	-22.373	+ 0.432
17	19 38070	3 00:02:15	9 01:08:56	9 07:14:14	3 15:25:26	3 07:21:12	2 22:15:15	7 21:22:14	8 22:33:20	2 23:31:39	2 23:00:52	0 12:12:41	10 24:25:44	8 27:42:28	21.1368	-21.769	- 0.702
18	19 42036	3 00:59:28	9 13:17:18	9 19:18:22	3 16:03:30	3 06:43:43	2 23:28:54	7 21:17:48	8 22:28:59	2 23:31:15	2 22:57:41	0 12:13:55	10 24:24:56	8 27:41:00	20.95572	-20.145	-1.789
19	19 46001	3 01:56:41	9 25:17:41	10 01:15:32	3 16:41:35	3 06:04:21	2 24:42:35	7 21:13:31	8 22:24:39	2 23:30:27	2 22:54:30	0 12:15:07	10 24:24:06	8 27:39:32	20.768308	-17.637	-2.785
20	19 49567	3 02:53:55	10 07:12:14	10 13:08:05	3 17:19:39	3 05:23:46	2 25:56:17	7 21:09:24	8 22:20:19	2 23:29:18	2 22:51:19	0 12:16:16	10 24:23:15	8 27:38:04	20.574634	-14.409	-3.650
21	19 53532	3 03:51:09	10 19:03:28	10 24:58:48	3 17:57:43	3 04:42:38	2 27:10:00	7 21:05:26	8 22:16:02	2 23:27:54	2 22:48:08	0 12:17:21	10 24:22:22	8 27:36:37	20.374767	-10.625	-4.353
22	19 57498	3 04:48:25	11 00:54:28	11 06:50:58	3 18:35:47	3 04:01:40	2 28:23:45	7 21:01:38	8 22:11:45	2 23:26:25	2 22:44:58	0 12:18:24	10 24:21:28	8 27:35:10	20.374767	- 6.443	-4.870
23	20 01463	3 05:45:40	11 12:48:45	11 18:48:21	3 19:13:51	3 03:21:36	2 29:37:30	7 20:58:00	8 22:07:31	2 23:25:07	2 22:41:47	0 12:19:25	10 24:20:32	8 27:33:43	20.168782	- 2.006	-5.180
24	20 05429	3 06:42:57	11 24:50:17	0 00:55:06	3 19:51:55	3 02:43:09	3 00:51:17	7 20:54:32	8 22:03:18	2 23:24:12	2 22:38:36	0 12:20:22	10 24:19:34	8 27:32:16	19.956752	2.547	-5.268
25	20 09394	3 07:40:15	0 07:03:19	0 13:15:31	3 20:29:59	3 02:07:02	3 02:05:05	7 20:51:15	8 21:59:06	2 23:23:51	2 22:35:26	0 12:21:17	10 24:18:35	8 27:30:50	19.738753	7.075	-5.122
26	20 13360	3 08:37:33	0 19:32:11	0 25:53:52	3 21:08:04	3 01:33:55	3 03:18:54	7 20:48:08	8 21:54:57	2 23:24:08	2 22:32:15	0 12:22:08	10 24:17:34	8 27:29:24	19.514864	11.415	-4.734
27	20 17325	3 09:34:52	1 02:21:00	1 08:53:59	3 21:46:08	3 01:04:27	3 04:32:44	7 20:45:11	8 21:50:50	2 23:24:59	2 22:29:04	0 12:22:57	10 24:16:32	8 27:27:59	19.285165	15.370	-4.103
28	20 21291	3 10:32:13	1 15:33:11	1 22:18:48	3 22:24:12	3 00:39:11	3 05:46:36	7 20:42:25	8 21:46:45	2 23:26:11	2 22:25:53	0 12:23:43	10 24:15:28	8 27:26:34	19.049741	18.693	-3.240
29	20 25257	3 11:29:34	1 29:10:58	2 06:09:41	3 23:02:16	3 00:18:37	3 07:00:29	7 20:39:49	8 21:42:43	2 23:27:26	2 22:22:42	0 12:24:26	10 24:14:23	8 27:25:09	18.808676	21.100	-2.169
30	20 29222	3 12:26:56	2 13:14:46	2 20:25:56	3 23:40:21	3 00:03:14	3 08:14:23	7 20:37:24	8 21:38:43	2 23:28:20	2 22:19:32	0 12:25:06	10 24:13:16	8 27:23:45	18.56206	22.295	- 0.936
31	20 33188	3 13:24:19	2 27:42:40	3 05:04:20	3 24:18:25	2 29:53:22	3 09:28:18	7 20:35:10	8 21:34:45	2 23:28:31	2 22:16:21	0 12:25:43	10 24:12:08	8 27:22:21	18.309984	22.049	+ 0.389

अगस्त सन् 2019 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 35

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 530	चन्द्र सायं 1730	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	20 37153	3 14:21:43	3 12:30:06	3 19:59:02	3 24:56:30	2 29:49:21	3 10:42:15	7 20:33:07	8 21:30:50	2 23:27:44	2 22:13:10	0 12:26:17	10 24:10:58	8 27:20:58	18.052539	20.275	1.716
2	20 41119	3 15:19:08	3 27:30:04	4 05:02:05	3 25:34:34	2 29:51:25	3 11:56:12	7 20:31:14	8 21:26:59	2 23:25:55	2 22:09:59	0 12:26:48	10 24:09:48	8 27:19:35	17.789818	17.078	2.942
3	20 45085	3 16:16:34	4 12:33:55	4 20:04:27	3 26:12:39	2 29:59:45	3 13:10:10	7 20:29:33	8 21:23:10	2 23:23:16	2 22:06:48	0 12:27:17	10 24:08:35	8 27:18:13	17.521912	12.738	3.968
4	20 49050	3 17:14:00	4 27:32:36	5 04:57:24	3 26:50:44	3 00:14:29	3 14:24:10	7 20:28:03	8 21:19:24	2 23:20:11	2 22:03:37	0 12:27:42	10 24:07:22	8 27:16:52	17.248912	7.635	4.716
5	20 53015	3 18:11:27	5 12:18:02	5 19:33:49	3 27:28:49	3 00:35:42	3 15:38:10	7 20:26:44	8 21:15:41	2 23:17:10	2 22:00:27	0 12:28:04	10 24:06:07	8 27:15:31	16.970911	2.168	5.138
6	20 56581	3 19:08:55	5 26:44:14	6 03:48:57	3 28:06:53	3 01:03:26	3 16:52:11	7 20:25:36	8 21:12:02	2 23:14:46	2 21:57:16	0 12:28:24	10 24:04:51	8 27:14:11	16.688005	- 3.296	5.224
7	21 00546	3 20:06:23	6 10:47:46	6 17:40:39	3 28:44:58	3 01:37:42	3 18:06:13	7 20:24:39	8 21:08:26	2 23:13:22	2 21:54:05	0 12:28:40	10 24:03:34	8 27:12:51	16.400288	- 8.452	4.991
8	21 04512	3 21:03:52	6 24:27:40	7 01:09:00	3 29:23:03	3 02:18:26	3 19:20:16	7 20:23:54	8 21:04:54	2 23:13:06	2 21:50:55	0 12:28:53	10 24:02:16	8 27:11:33	16.107859	-13.045	4.478
9	21 08478	3 22:01:22	7 07:44:55	7 14:15:45	4 00:01:08	3 03:05:36	3 20:34:20	7 20:23:19	8 21:01:26	2 23:13:53	2 21:47:44	0 12:29:04	10 24:00:56	8 27:10:15	15.810815	-16.870	3.736
10	21 12443	3 22:58:53	7 20:41:50	7 27:03:35	4 00:39:13	3 03:59:04	3 21:48:24	7 20:22:56	8 20:58:01	2 23:15:21	2 21:44:33	0 12:29:11	10 23:59:35	8 27:08:58	15.509253	-19.769	2.820
11	21 16409	3 23:56:24	8 03:21:21	8 09:35:34	4 01:17:18	3 04:58:44	3 23:02:29	7 20:22:44	8 20:54:40	2 23:16:57	2 21:41:22	0 12:29:16	10 23:58:13	8 27:07:41	15.20327	-21.626	1.785
12	21 20374	3 24:53:57	8 15:46:36	8 21:54:48	4 01:55:23	3 06:04:27	3 24:16:36	7 20:22:43	8 20:51:23	2 23:18:06	2 21:38:11	0 12:29:17	10 23:56:51	8 27:06:26	14.892961	-22.383	+ 0.685
13	21 24340	3 25:51:30	8 28:00:32	9 04:04:05	4 02:33:28	3 07:15:59	3 25:30:43	7 20:22:53	8 20:48:10	2 23:18:13	2 21:35:01	0 12:29:16	10 23:55:27	8 27:05:11	14.578421	-22.040	- 0.428
14	21 28306	3 26:49:04	9 10:05:46	9 16:05:51	4 03:11:34	3 08:33:10	3 26:44:51	7 20:23:14	8 20:45:01	2 23:16:54	2 21:31:50	0 12:29:12	10 23:54:02	8 27:03:58	14.259743	-20.664	-1.507
15	21 32271	3 27:46:40	9 22:04:36	9 28:02:14	4 03:49:39	3 09:55:42	3 27:59:00	7 20:23:47	8 20:41:56	2 23:13:56	2 21:28:39	0 12:29:04	10 23:52:36	8 27:02:45	13.93702	-18.370	-2.508
16	21 36237	3 28:44:17	10 03:58:59	10 09:55:05	4 04:27:45	3 11:23:20	3 29:13:10	7 20:24:30	8 20:38:55	2 23:09:20	2 21:25:28	0 12:28:54	10 23:51:09	8 27:01:33	13.610344	-15.308	-3.390
17	21 40202	3 29:41:55	10 15:50:45	10 21:46:14	4 05:05:51	3 12:55:43	4 00:27:21	7 20:25:25	8 20:35:59	2 23:03:23	2 21:22:18	0 12:28:41	10 23:49:41	8 27:00:23	13.279808	-11.642	-4.121
18	21 44168	4 00:39:34	10 27:41:45	11 03:37:35	4 05:43:58	3 14:32:32	4 01:41:32	7 20:26:30	8 20:33:07	2 22:56:37	2 21:19:07	0 12:28:25	10 23:48:13	8 26:59:13	12.945501	- 7.535	-4.672
19	21 48133	4 01:37:15	11 09:34:01	11 15:31:22	4 06:22:05	3 16:13:22	4 02:55:45	7 20:27:47	8 20:30:20	2 22:49:40	2 21:15:56	0 12:28:06	10 23:46:43	8 26:58:04	12.935.367	- 3.142	-5.023
20	21 52099	4 02:34:57	11 21:29:58	11 27:30:13	4 07:00:12	3 17:57:51	4 04:09:59	7 20:29:14	8 20:27:37	2 22:43:15	2 21:12:46	0 12:27:44	10 23:45:13	8 26:56:56	12.607516	1.387	-5.157
21	21 56064	4 03:32:41	0 03:32:29	0 09:37:15	4 07:38:20	3 19:45:33	4 05:24:13	7 20:30:52	8 20:24:59	2 22:38:01	2 21:09:35	0 12:27:19	10 23:43:42	8 26:55:50	12.265946	5.907	-5.066
22	22 00030	4 04:30:26	0 15:44:57	0 21:56:05	4 08:16:28	3 21:36:03	4 06:38:29	7 20:32:42	8 20:22:26	2 22:34:24	2 21:06:24	0 12:26:52	10 23:42:10	8 26:54:44	11.920883	10.264	-4.746
23	22 03595	4 05:28:13	0 28:11:11	1 04:30:44	4 08:54:36	3 23:28:54	4 07:52:45	7 20:34:42	8 20:19:57	2 22:32:35	2 21:03:14	0 12:26:21	10 23:40:38	8 26:53:40	11.57242	14.282	-4.199
24	22 07561	4 06:26:02	1 10:55:16	1 17:25:16	4 09:32:45	3 25:23:43	4 09:07:02	7 20:36:53	8 20:17:34	2 22:32:23	2 21:00:03	0 12:25:47	10 23:39:04	8 26:52:37	11.220654	17.757	-3.434
25	22 11526	4 07:23:52	1 24:01:12	2 00:43:28	4 10:10:55	3 27:20:04	4 10:21:21	7 20:39:15	8 20:15:15	2 22:33:18	2 20:56:52	0 12:25:11	10 23:37:30	8 26:51:35	10.86568	20.446	-2.470
26	22 15492	4 08:21:45	2 07:32:22	2 14:28:08	4 10:49:05	3 29:17:35	4 11:35:40	7 20:41:47	8 20:13:01	2 22:34:32	2 20:53:41	0 12:24:32	10 23:35:56	8 26:50:34	10.507598	22.084	-1.341
27	22 19458	4 09:19:39	2 21:30:50	2 28:40:23	4 11:27:15	4 01:15:54	4 12:50:00	7 20:44:31	8 20:10:53	2 22:35:13	2 20:50:30	0 12:23:50	10 23:34:21	8 26:49:34	10.146508	22.423	- 0.096
28	22 23423	4 10:17:34	3 05:56:31	3 13:18:45	4 12:05:26	4 03:14:43	4 14:04:21	7 20:47:25	8 20:08:49	2 22:34:30	2 20:47:19	0 12:23:05	10 23:32:45	8 26:48:36	9.782514	21.296	1.190
29	22 27389	4 11:15:32	3 20:46:24	3 28:18:35	4 12:43:38	4 05:13:43	4 15:18:43	7 20:50:30	8 20:06:51	2 22:31:49	2 20:44:09	0 12:22:17	10 23:31:09	8 26:47:39	9.415721	18.687	2.431
30	22 31354	4 12:13:31	4 05:54:14	4 13:32:05	4 13:21:50	4 07:12:40	4 16:33:06	7 20:53:45	8 20:04:58	2 22:26:58	2 20:40:58	0 12:21:27	10 23:29:32	8 26:46:43	9.046233	14.757	3.525
31	22 35320	4 13:11:32	4 21:10:48	4 28:49:00	4 14:00:03	4 09:11:20	4 17:47:29	7 20:57:11	8 20:03:11	2 22:20:18	2 20:37:47	0 12:20:33	10 23:27:55	8 26:45:49	8.674155	9.823	4.376

सितम्बर सन् 2019 ई प्रांतः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 39

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	22 39285	4 14:09:34	5 06:25:18	5 13:58:24	4 14:38:16	4 11:09:32	4 19:01:53	7 21:00:47	8 20:01:28	2 22:12:36	2 20:34:37	0 12:19:37	10 23:26:17	8 26:44:56	8.299592	4.290	4.913
2	22 43251	4 15:07:38	5 21:27:06	5 28:50:27	4 15:16:29	4 13:07:06	4 20:16:18	7 21:04:34	8 19:59:52	2 22:04:52	2 20:31:26	0 12:18:38	10 23:24:40	8 26:44:04	7.922647	- 1.419	5.103
3	22 47216	4 16:05:44	6 06:07:38	6 13:18:07	4 15:54:43	4 15:03:55	4 21:30:43	7 21:08:31	8 19:58:21	2 21:58:08	2 20:28:15	0 12:17:37	10 23:23:01	8 26:43:14	7.543426	- 6.918	4.950
4	22 51182	4 17:03:50	6 20:21:31	6 27:17:44	4 16:32:58	4 16:59:52	4 22:45:09	7 21:12:38	8 19:56:55	2 21:53:09	2 20:25:05	0 12:16:32	10 23:21:23	8 26:42:25	7.162035	-11.886	4.492
5	22 55147	4 18:01:58	7 04:06:48	7 10:48:54	4 17:11:13	4 18:54:52	4 23:59:35	7 21:16:56	8 19:55:35	2 21:50:16	2 20:21:54	0 12:15:26	10 23:19:44	8 26:41:38	6.778579	-16.071	3.786
6	22 59113	4 19:00:08	7 17:24:24	7 23:53:42	4 17:49:28	4 20:48:51	4 25:14:01	7 21:21:24	8 19:54:21	2 21:49:19	2 20:18:43	0 12:14:16	10 23:18:05	8 26:40:52	6.393164	-19.294	2.894
7	23 03078	4 19:58:19	8 00:17:18	8 06:35:46	4 18:27:44	4 22:41:47	4 26:28:28	7 21:26:01	8 19:53:12	2 21:49:41	2 20:15:32	0 12:13:04	10 23:16:25	8 26:40:07	6.005893	-21.439	1.881
8	23 07044	4 20:56:31	8 12:49:39	8 18:59:32	4 19:06:00	4 24:33:37	4 27:42:55	7 21:30:49	8 19:52:09	2 21:50:29	2 20:12:21	0 12:11:49	10 23:14:46	8 26:39:24	5.616869	-22.452	+ 0.802
9	23 11009	4 21:54:45	8 25:05:58	9 01:09:31	4 19:44:17	4 26:24:19	4 28:57:23	7 21:35:46	8 19:51:12	2 21:50:44	2 20:09:11	0 12:10:32	10 23:13:06	8 26:38:43	5.226192	-22.345	- 0.290
10	23 14575	4 22:53:01	9 07:10:39	9 13:09:54	4 20:22:34	4 28:13:54	5 00:11:51	7 21:40:53	8 19:50:20	2 21:49:27	2 20:06:00	0 12:09:12	10 23:11:27	8 26:38:03	4.833963	-21.183	-1.350
11	23 18541	4 23:51:18	9 19:07:39	9 25:04:20	4 21:00:52	5 00:02:21	5 01:26:19	7 21:46:10	8 19:49:34	2 21:45:56	2 20:02:49	0 12:07:50	10 23:09:53	8 26:37:24	4.44028	-19.077	-2.336
12	23 22506	4 24:49:37	10 01:00:18	10 06:55:50	4 21:39:11	5 01:49:39	5 02:40:48	7 21:51:36	8 19:48:54	2 21:39:49	2 19:59:38	0 12:06.25	10 23:08:14	8 26:36:47	4.045239	-16.167	-3.213
13	23 26472	4 25:47:57	10 12:51:14	10 18:46:45	4 22:17:30	5 03:35:50	5 03:55:17	7 21:57:12	8 19:48:20	2 21:31:07	2 19:56:28	0 12:04:58	10 23:06:34	8 26:36:12	3.648938	-12.608	-3.945
14	23 30437	4 26:46:19	10 24:42:34	11 00:38:54	4 22:55:50	5 05:20:53	5 05:09:46	7 22:02:57	8 19:47:51	2 21:20:16	2 19:53:17	0 12:03:29	10 23:04:55	8 26:35:38	3.251471	- 8.560	-4.505
15	23 34402	4 27:44:44	11 06:35:54	11 12:33:47	4 23:34:10	5 07:04:49	5 06:24:16	7 22:08:51	8 19:47:29	2 21:08:02	2 19:50:06	0 12:01:57	10 23:03.16	8 26:35:06	2.852935	- 4.180	-4.870
16	23 38368	4 28:43:10	11 18:32:41	11 24:32:48	4 24:12:31	5 08:47:40	5 07:38:46	7 22:14:55	8 19:47:12	2 20:55:26	2 19:46:56	0 12:00:23	10 23:01:37	8 26:34:35	2.453423	+ 0.375	-5.024
17	23 42333	4 29:41:37	0 00:34:20	0 06:37:30	4 24:50:53	5 10:29:26	5 08:53:16	7 22:21:07	8 19:47:01	2 20:43:32	2 19:43:45	0 11:58:47	10 22:59:58	8 26:34:06	2.453.155	4.951	-4.955
18	23 46299	5 00:40:07	0 12:42:34	0 18:49:48	4 25:29:16	5 12:10:09	5 10:07:47	7 22:27:29	8 19:46:56	2 20:33:19	2 19:40:34	0 11:57:08	10 22:58:19	8 26:33:39	2.053032	9.384	-4.663
19	23 50264	5 01:38:40	0 24:59:32	1 01:12:07	4 26:07:40	5 13:49:49	5 11:22:19	7 22:33:59	8 19:46:56	2 20:25:30	2 19:37:24	0 11:55:27	10 22:56:41	8 26:33:13	1.651857	13.501	-4.153
20	23 54230	5 02:37:14	1 07:27:58	1 13:47:28	4 26:46:04	5 15:28:27	5 12:36:50	7 22:40:39	8 19:47:03	2 20:20:24	2 19:34:13	0 11:53:44	10 22:55:04	8 26:32:49	1.249995	17.108	-3.438
21	23 58196	5 03:35:50	1 20:11:06	1 26:39:18	4 27:24:29	5 17:06:05	5 13:51:22	7 22:47:27	8 19:47:15	2 20:17:49	2 19:31:02	0 11:51:59	10 22:53:26	8 26:32:27	0.84756	19.991	-2.539
22	0 0216	5 04:34:29	2 03:12:32	2 09:51:15	4 28:02:55	5 18:42:43	5 15:05:55	7 22:54.24	8 19:47:34	2 20:17:06	2 19:27:51	0 11:50:12	10 22:51:49	8 26:32:06	0.4446	21.922	-1.487
23	0 0613	5 05:33:10	2 16:35:49	2 23:26:36	4 28:41:22	5 20:18:23	5 16:20:28	7 23:01:29	8 19:47:58	2 20:17:14	2 19:24:41	0 11:48:23	10 22:50:13	8 26:31:47	उ0.0128	22.678	- 0.326
24	0 1009	5 06:31:53	3 00:23:48	3 07:27:34	4 29:19:50	5 21:53:04	5 17:35:01	7 23:08:43	8 19:48:28	2 20:16:59	2 19:21:30	0 11:46:31	10 22:48:37	8 26:31:30	द0.362314	22.088	+ 0.888
25	0 1406	5 07:30:38	3 14:37:50	3 21:54:24	4 29:58:19	5 23:26:49	5 18:49:35	7 23:16:06	8 19:49:05	2 20:15:10	2 19:18:19	0 11:44:38	10 22:47:01	8 26:31:14	द0.766608	20.078	2.083
26	0 1802	5 08:29:26	3 29:16:48	4 06:44:26	5 00:36:49	5 24:59:36	5 20:04:09	7 23:23:37	8 19:49:47	2 20:10:56	2 19:15:08	0 11:42:43	10 22:45:26	8 26:31:00	द1.169919	16.712	3.176
27	0 2159	5 09:28:16	4 14:16:25	4 21:51:40	5 01:15:19	5 26:31:28	5 21:18:44	7 23:31:16	8 19:50:35	2 20:03:57	2 19:11:58	0 11:40:45	10 22:43:52	8 26:30:48	1.573701	12.194	4.074
28	0 2555	5 10:27:08	4 29:28:58	5 07:06:58	5 01:53:51	5 28:02:23	5 22:33:18	7 23:39:03	8 19:51:29	2 19:54:32	2 19:08:47	0 11:38:47	10 22:42:18	8 26:30:38	1.977319	6.849	4.698
29	0 2952	5 11:26:02	5 14:44:13	5 22:19:20	5 02:32:23	5 29:32:23	5 23:47:53	7 23:46:59	8 19:52:29	2 19:43:35	2 19:05:36	0 11:36:46	10 22:40:45	8 26:30:29	2.38066	1.074	4.989
30	0 3349	5 12:24:58	5 29:50:57	6 07:17:52	5 03:10:56	6 01:01:26	5 25:02:28	7 23:55:03	8 19:53:35	2 19:32:23	2 19:02:26	0 11:34:43	10 22:39:12	8 26:30:22	2.78361	- 4.714	4.928

अक्टूबर सन् 2019 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 41

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	0 3745	5 13:23:56	6 14:39:04	6 21:53:45	5 03:49:30	6 02:29:34	5 26:17:04	7 24:03:14	8 19:54:46	2 19:22:16	2 18:59:15	0 11:32:39	10 22:37:41	8 26:30:17	3.186052	-10.123	4.535
2	0 4142	5 14:22:56	6 29:01:21	7 06:01:30	5 04:28:05	6 03:56:44	5 27:31:39	7 24:11:33	8 19:56:04	2 19:14:16	2 18:56:04	0 11:30:33	10 22:36:10	8 26:30:14	3.58787	-14.817	3.862
3	0 4538	5 15:21:58	7 12:54:07	7 19:39:16	5 05:06:41	6 05:22:57	5 28:46:14	7 24:20:00	8 19:57:28	2 19:08:52	2 18:52:54	0 11:28:26	10 22:34:40	8 26:30:12	3.988947	-18.543	2.978
4	0 4935	5 16:21:01	7 26:17:11	8 02:48:15	5 05:45:17	6 06:48:12	6 00:00:50	7 24:28:35	8 19:58:57	2 19:06:01	2 18:49:43	0 11:26:17	10 22:33:11	8 26:30:13	4.389166	-21.137	1.957
5	0 5331	5 17:20:06	8 09:12:59	8 15:31:55	5 06:23:54	6 08:12:26	6 01:15:25	7 24:37:17	8 20:00:32	2 19:05:04	2 18:46:32	0 11:24:07	10 22:31:42	8 26:30:15	4.788411	-22.528	+ 0.866
6	0 5728	5 18:19:13	8 21:45:42	8 27:54:58	5 07:02:32	6 09:35:39	6 02:30:00	7 24:46:06	8 20:02:13	2 19:04:59	2 18:43:21	0 11:21:55	10 22:30:15	8 26:30:19	5.186566	-22.725	- 0.236
7	1 0124	5 19:18:22	9 04:00:22	9 10:02:33	5 07:41:11	6 10:57:49	6 03:44:35	7 24:55:03	8 20:04:00	2 19:04:35	2 18:40:10	0 11:19:42	10 22:28:49	8 26:30:24	5.58352	-21.807	-1.301
8	1 0521	5 20:17:32	9 16:02:11	9 21:59:51	5 08:19:51	6 12:18:53	6 04:59:10	7 25:04:06	8 20:05:53	2 19:02:44	2 18:36:59	0 11:17:28	10 22:27:23	8 26:30:31	5.979158	-19.897	-2.288
9	1 0918	5 21:16:45	9 27:56:06	10 03:51:30	5 08:58:31	6 13:38:48	6 06:13:45	7 25:13:17	8 20:07:51	2 18:58:34	2 18:33:49	0 11:15:12	10 22:25:59	8 26:30:41	6.37337	-17.144	-3.162
10	1 1314	5 22:15:59	10 09:46:30	10 15:41:31	5 09:37:13	6 14:57:32	6 07:28:20	7 25:22:35	8 20:09:55	2 18:51:34	2 18:30:38	0 11:12:55	10 22:24:36	8 26:30:52	6.766045	-13.702	-3.894
11	1 1711	5 23:15:15	10 21:36:58	10 27:33:09	5 10:15:55	6 16:14:59	6 08:42:54	7 25:32:00	8 20:12:05	2 18:41:44	2 18:27:27	0 11:10:37	10 22:23:13	8 26:31:04	7.157073	- 9.726	-4.456
12	1 2107	5 24:14:33	11 03:30:20	11 09:28:46	5 10:54:38	6 17:31:07	6 09:57:29	7 25:41:31	8 20:14:20	2 18:29:30	2 18:24:17	0 11:08:18	10 22:21:52	8 26:31:19	7.546345	- 5.369	-4.827
13	1 2504	5 25:13:53	11 15:28:38	11 21:30:04	5 11:33:22	6 18:45:49	6 11:12:03	7 25:51:09	8 20:16:41	2 18:15:42	2 18:21:06	0 11:05:58	10 22:20:33	8 26:31:35	7.933751	- 0.782	-4.987
14	1 2900	5 26:13:15	11 27:33:14	0 03:38:12	5 12:12:07	6 19:59:00	6 12:26:37	7 26:00:54	8 20:19:07	2 18:01:26	2 18:17:56	0 11:03:37	10 22:19:14	8 26:31:53	8.319183	3.876	-4.925
15	1 3257	5 27:12:39	0 09:45:06	0 15:53:59	5 12:50:54	6 21:10:33	6 13:41:11	7 26:10:45	8 20:21:39	2 17:47:55	2 18:14:45	0 11:01:15	10 22:17:56	8 26:32:13	8.502.532	8.440	-4.639
16	1 3653	5 28:12:05	0 22:05:00	0 28:18:14	5 13:29:41	6 22:20:20	6 14:55:46	7 26:20:43	8 20:24:16	2 17:36:13	2 18:11:34	0 10:58:53	10 22:16:40	8 26:32:35	8.702532	12.723	-4.132
17	1 4050	5 29:11:33	1 04:33:50	1 10:51:58	5 14:08:29	6 23:28:12	6 16:10:20	7 26:30:46	8 20:26:59	2 17:27:08	2 18:08:23	0 10:56:29	10 22:15:25	8 26:32:58	9.083687	16.525	-3.421
18	1 4446	6 00:11:03	1 17:12:52	1 23:36:44	5 14:47:19	6 24:33:59	6 17:24:54	7 26:40:56	8 20:29:47	2 17:21:03	2 18:05:13	0 10:54:05	10 22:14:11	8 26:33:23	9.462538	19.629	-2.531
19	1 4843	6 01:10:36	2 00:03:51	2 06:34:31	5 15:26:09	6 25:37:30	6 18:39:28	7 26:51:13	8 20:32:41	2 17:17:47	2 18:02:02	0 10:51:40	10 22:12:59	8 26:33:50	9.838972	21.812	-1.497
20	1 5240	6 02:10:11	2 13:09:02	2 19:47:45	5 16:05:01	6 26:38:32	6 19:54:02	7 27:01:35	8 20:35:40	2 17:16:42	2 17:58:51	0 10:49:15	10 22:11:48	8 26:34:19	10.212875	22.872	- 0.364
21	1 5636	6 03:09:48	2 26:30:58	3 03:18:57	5 16:43:54	6 27:36:49	6 21:08:36	7 27:12:03	8 20:38:44	2 17:16:46	2 17:55:40	0 10:46:49	10 22:10:39	8 26:34:50	10.584128	22.654	+ 0.813
22	2 0033	6 04:09:27	3 10:11:58	3 17:10:10	5 17:22:48	6 28:32:06	6 22:23:10	7 27:22:37	8 20:41:54	2 17:16:45	2 17:52:29	0 10:44:22	10 22:09:30	8 26:35:22	10.952613	21.091	1.972
23	2 0429	6 05:09:09	3 24:13:37	4 01:22:15	5 18:01:44	6 29:24:02	6 23:37:44	7 27:33:18	8 20:45:08	2 17:15:25	2 17:49:19	0 10:41:55	10 22:08:24	8 26:35:56	11.318206	18.218	3.043
24	2 0826	6 06:08:53	4 08:35:50	4 15:54:01	5 18:40:40	7 00:12:18	6 24:52:18	7 27:44:03	8 20:48:28	2 17:11:51	2 17:46:08	0 10:39:28	10 22:07:19	8 26:36:32	11.680783	14.182	3.947
25	2 1222	6 07:08:40	4 23:16:14	5 00:41:43	5 19:19:38	7 00:56:30	6 26:06:53	7 27:54:55	8 20:51:54	2 17:05:40	2 17:42:57	0 10:37:00	10 22:06:15	8 26:37:09	12.040217	9.224	4.613
26	2 1619	6 08:08:28	5 08:09:35	5 15:38:46	5 19:58:37	7 01:36:11	6 27:21:27	7 28:05:52	8 20:55:24	2 16:57:07	2 17:39:46	0 10:34:31	10 22:05:13	8 26:37:48	12.396381	3.658	4.978
27	2 2015	6 09:08:19	5 23:08:09	6 00:36:31	5 20:37:37	7 02:10:53	6 28:36:01	7 28:16:54	8 20:59:00	2 16:46:58	2 17:36:36	0 10:32:02	10 22:04:12	8 26:38:30	12.749146	- 2.149	5.006
28	2 2412	6 10:08:12	6 08:02:39	6 15:25:27	5 21:16:38	7 02:40:05	6 29:50:36	7 28:28:02	8 21:02:40	2 16:36:26	2 17:33:25	10:29:33	10 22:03:13	8 26:39:12	13.098384	- 7.815	4.694
29	2 2809	6 11:08:06	6 22:43:50	6 29:56:57	5 21:55:40	7 03:03:12	7 01:05:10	7 28:39:15	8 21:06:26	2 16:26:47	2 17:30:14	0 10:27:14	10 22:02:16	8 26:39:57	13.443963	-12.961	4.073
30	2 3205	6 12:08:03	7 07:04:05	7 14:04:43	5 22:34:43	7 03:19:38	7 02:19:44	7 28:50:33	8 21:10:16	2 16:19:02	2 17:27:0	0 10:24:44	10 22:01:20	8 26:40:43	13.785751	-17.256	3.206
31	2 3602	6 13:08:01	7 20:58:32	7 27:45:25	5 23:13:47	7 03:28:47	7 03:34:18	7 29:01:57	8 21:14:12	2 16:13:47	2 17:23:53	0 10:22:15	10 22:00:26	8 26:41:31	14.123616	-20.448	2.168

नवम्बर सन् 2019 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 45

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	2 3958	6 14:08:01	8 04:25:23	8 10:58:41	5 23:52:53	7 03:30:01	7 04:48:52	7 29:13:25	8 21:18:12	2 16:11:05	2 17:20:42	0 10:19:46	10 21:59:34	8 26:42:21	14.457424	-22.389	1.038
2	2 4355	6 15:08:03	8 17:25:37	8 23:46:39	5 24:31:59	7 03:22:46	7 06:03:25	7 29:24:58	8 21:22:17	2 16:10:26	2 17:17:31	0 10:17:19	10 21:58:43	8 26:43:12	14.787044	-23.044	- 0.111
3	2 4751	6 16:08:07	9 00:02:18	9 06:13:09	5 25:11:06	7 03:06:29	7 07:17:58	7 29:36:36	8 21:26:27	2 16:11:00	2 17:14:20	0 10:14:51	10 21:57:54	8 26:44:05	15.112344	-22.481	-1.224
4	2 5148	6 17:08:12	9 12:19:50	9 18:23:01	5 25:50:14	7 02:40:46	7 08:32:30	7 29:48:19	8 21:30:41	2 16:11:44	2 17:11:09	0 10:12:24	10 21:57:07	8 26:45:00	15.433198	-20.836	-2.252
5	2 5544	6 18:08:18	9 24:23:20	10 00:21:28	5 26:29:24	7 02:05:25	7 09:47:03	8 00:00:06	8 21:35:00	2 16:11:36	2 17:07:59	0 10:09:58	10 21:56:22	8 26:45:56	15.749476	-18.278	-3.160
6	2 5941	6 19:08:26	10 06:18:03	10 12:13:41	5 27:08:34	7 01:20:27	7 11:01:34	8 00:11:58	8 21:39:24	2 16:09:46	2 17:04:48	0 10:07:32	10 21:55:39	8 26:46:54	16.061055	-14.982	-3.919
7	3 0338	6 20:08:36	10 18:08:59	10 24:04:28	5 27:47:46	7 00:26:14	7 12:16:06	8 00:23:54	8 21:43:52	2 16:05:44	2 17:01:37	0 10:05:07	10 21:54:57	8 26:47:53	16.36781	-11.113	-4.504
8	3 0734	6 21:08:47	11 00:00:40	11 05:58:00	5 28:26:58	6 29:23:34	7 13:30:37	8 00:35:54	8 21:48:25	2 15:59:23	2 16:58:26	0 10:02:42	10 21:54:17	8 26:48:54	16.669619	- 6.821	-4.896
9	3 1131	6 22:09:00	11 11:56:53	11 17:57:40	5 29:06:12	6 28:13:40	7 14:45:07	8 00:47:59	8 21:53:02	2 15:51:01	2 16:55:16	0 10:00:18	10 21:53:39	8 26:49:57	16.966362	- 2.251	-5.078
10	3 1527	6 23:09:15	11 24:00:38	0 00:06:00	5 29:45:27	6 26:58:12	7 15:59:37	8 01:00:08	8 21:57:43	2 15:41:17	2 16:52:05	0 09:57:55	10 21:53:03	8 26:51:01	17.25792	2.451	-5.037
11	3 1924	6 24:09:31	0 06:13:58	0 12:24:39	6 00:24:43	6 25:39:18	7 17:14:07	8 01:12:20	8 22:02:28	2 15:31:05	2 16:48:54	0 09:55:32	10 21:52:29	8 26:52:07	17.544175	7.127	-4.767
12	3 2320	6 25:09:48	0 18:38:08	0 24:54:28	6 01:04:00	6 24:19:20	7 18:28:36	8 01:24:37	8 22:07:18	2 15:21:22	2 16:45:44	0 09:53:10	10 21:51:56	8 26:53:15	-17.547.784	11.595	-4.268
13	3 2717	6 26:10:08	1 01:13:41	1 07:35:45	6 01:43:19	6 23:00:57	7 19:43:05	8 01:36:58	8 22:12:12	2 15:13:03	2 16:42:33	0 09:50:50	10 21:51:26	8 26:54:24	17.825012	15.645	-3.555
14	3 3113	6 27:10:29	1 14:00:40	1 20:28:24	6 02:22:38	6 21:46:41	7 20:57:33	8 01:49:22	8 22:17:10	2 15:06:46	2 16:39:22	0 09:48:30	10 21:50:57	8 26:55:34	18.100316	19.042	-2.652
15	3 3510	6 28:10:52	1 26:58:58	2 03:32:19	6 03:01:59	6 20:38:55	7 22:12:01	8 02:01:50	8 22:22:12	2 15:02:51	2 16:36:11	0 09:46:12	10 21:50:31	8 26:56:46	18.369972	21.544	-1.596
16	3 3907	6 29:11:16	2 10:08:30	2 16:47:31	6 03:41:22	6 19:39:38	7 23:26:28	8 02:14:22	8 22:27:18	2 15:01:13	2 16:33:00	0 09:43:54	10 21:50:06	8 26:57:59	18.633866	22.928	- 0.439
17	3 4303	7 00:11:43	2 23:29:26	3 00:14:19	6 04:20:45	6 18:50:25	7 24:40:55	8 02:26:57	8 22:32:28	2 15:01:23	2 16:29:50	0 09:41:38	10 21:49:44	8 26:59:14	18.891883	23.031	+ 0.761
18	3 4660	7 01:12:11	3 07:02:13	3 13:53:14	6 05:00:10	6 18:12:17	7 25:55:22	8 02:39:35	8 22:37:42	2 15:02:35	2 16:26:39	0 09:39:23	10 21:49:23	8 27:00:31	19.143908	21.788	1.938
19	3 5056	7 02:12:41	3 20:47:24	3 27:44:44	6 05:39:36	6 17:45:46	7 27:09:48	8 02:52:18	8 22:42:59	2 15:03:53	2 16:23:28	0 09:37:09	10 21:49:04	8 27:01:48	19.389824	19.246	3.023
20	3 5453	7 03:13:13	4 04:45:15	4 11:48:52	6 06:19:04	6 17:30:58	7 28:24:15	8 03:05:03	8 22:48:21	2 15:04:22	2 16:20:17	0 09:34:56	10 21:48:47	8 27:03:08	19.629515	15.557	3.946
21	3 5849	7 04:13:47	4 18:55:24	4 26:04:39	6 06:58:33	6 17:27:37	7 29:38:40	8 03:17:52	8 22:53:46	2 15:03:22	2 16:17:06	0 09:32:45	10 21:48:33	8 27:04:28	19.862863	10.942	4.643
22	4 0246	7 05:14:22	5 03:16:15	5 10:29:45	6 07:38:03	6 17:35:09	8 00:53:06	8 03:30:44	8 22:59:15	2 15:00:34	2 16:13:56	0 09:30:36	10 21:48:20	8 27:05:50	20.089754	5.676	5.060
23	4 0642	7 06:15:00	5 17:44:38	5 25:00:14	6 08:17:35	6 17:52:51	8 02:07:31	8 03:43:39	8 23:04:47	2 14:56:04	2 16:10:45	0 09:28:27	10 21:48:09	8 27:07:13	20.310074	+ 0.059	5.161
24	4 1039	7 07:15:39	6 02:15:50	6 09:30:41	6 08:57:08	6 18:19:52	8 03:21:56	8 03:56:37	8 23:10:23	2 14:50:25	2 16:07:34	0 09:26:21	10 21:48:01	8 27:08:38	20.523712	- 5.580	4.932
25	4 1436	7 08:16:20	6 16:43:59	6 23:54:55	6 09:36:42	6 18:55:18	8 04:36:20	8 04:09:38	8 23:16:03	2 14:44:23	2 16:04:23	0 09:24:16	10 21:47:54	8 27:10:04	20.730557	-10.906	4.390
26	4 1832	7 09:17:02	7 01:02:44	7 08:06:44	6 10:16:17	6 19:38:17	8 05:50:44	8 04:22:42	8 23:21:46	2 14:38:49	2 16:01:13	0 09:22:13	10 21:47:50	8 27:11:32	20.930503	-15.581	3.577
27	4 2229	7 10:17:45	7 15:06:20	7 22:01:00	6 10:55:54	6 20:27:57	8 07:05:08	8 04:35:48	8 23:27:32	2 14:34:26	2 15:58:02	0 09:20:11	10 21:47:48	8 27:13:00	21.123441	-19.303	2.557
28	4 2625	7 11:18:30	7 28:50:22	8 05:34:12	6 11:35:32	6 21:23:28	8 08:19:31	8 04:48:57	8 23:33:21	2 14:31:39	2 15:54:51	0 09:18:12	10 21:47:47	8 27:14:30	21.309268	-21.841	1.409
29	4 3022	7 12:19:16	8 12:12:22	8 18:44:54	6 12:15:11	6 22:24:07	8 09:33:53	8 05:02:09	8 23:39:14	2 14:30:35	2 15:51:40	0 09:16:14	10 21:47:49	8 27:16:01	21.48788	-23.074	+ 0.210
30	4 3418	7 13:20:04	8 25:11:55	9 01:33:39	6 12:54:51	6 23:29:13	8 10:48:15	8 05:15:23	8 23:45:10	2 14:31:01	2 15:48:29	0 09:14:18	10 21:47:53	8 27:17:34	21.659176	-23.003	- 0.969

दिसम्बर सन् 2019 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 49

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	4 3815	7 14:20:52	9 07:50:26	9 14:02:40	6 13:34:32	6 24:38:11	8 12:02:35	8 05:28:40	8 23:51:09	2 14:32:26	2 15:45:18	0 09:12:24	10 21:47:59	8 27:19:07	21.823061	-21.736	-2.071
2	4 4211	7 15:21:41	9 20:10:51	9 26:15:30	6 14:14:14	6 25:50:28	8 13:16:55	8 05:41:59	8 23:57:11	2 14:34:15	2 15:42:07	0 09:10:33	10 21:48:07	8 27:20:42	21.979443	-19.452	-3.050
3	4 4608	7 16:22:31	10 02:17:11	10 08:16:29	6 14:53:58	6 27:05:37	8 14:31:14	8 05:55:20	8 24:03:16	2 14:35:51	2 15:38:57	0 09:08:43	10 21:48:17	8 27:22:18	22.128233	-16.349	-3.874
4	4 5005	7 17:23:23	10 14:14:02	10 20:10:27	6 15:33:42	6 28:23:13	8 15:45:32	8 06:08:43	8 24:09:23	2 14:36:41	2 15:35:46	0 09:06:55	10 21:48:29	8 27:23:55	22.26935	-12.619	-4.518
5	4 5401	7 18:24:15	10 26:06:20	11 02:02:19	6 16:13:28	6 29:42:55	8 16:59:49	8 06:22:08	8 24:15:34	2 14:36:25	2 15:32:35	0 09:05:10	10 21:48:43	8 27:25:33	22.402713	- 8.429	-4.964
6	4 5758	7 19:25:07	11 07:58:59	11 13:56:54	6 16:53:15	7 01:04:26	8 18:14:05	8 06:35:35	8 24:21:47	2 14:34:56	2 15:29:24	0 09:03:27	10 21:49:00	8 27:27:12	22.528251	- 3.929	-5.198
7	5 0154	7 20:26:01	11 19:56:35	11 25:58:32	6 17:33:03	7 02:27:29	8 19:28:19	8 06:49:04	8 24:28:03	2 14:32:21	2 15:26:14	0 09:01:46	10 21:49:18	8 27:28:52	22.645894	+ 0.744	-5.209
8	5 0551	7 21:26:55	0 02:03:11	0 08:10:57	6 18:12:53	7 03:51:52	8 20:42:33	8 07:02:35	8 24:34:21	2 14:28:59	2 15:23:03	0 09:00:07	10 21:49:39	8 27:30:33	22.755577	5.451	-4.991
9	5 0947	7 22:27:51	0 14:22:08	0 20:37:01	6 18:52:43	7 05:17:22	8 21:56:45	8 07:16:07	8 24:40:42	2 14:25:16	2 15:19:52	0 08:58:31	10 21:50:01	8 27:32:16	22.857242	10.030	-4.540
10	5 1344	7 23:28:47	0 26:55:47	1 03:18:36	6 19:32:35	7 06:43:50	8 23:10:56	8 07:29:41	8 24:47:05	2 14:21:40	2 15:16:41	0 08:56:57	10 21:50:26	8 27:33:59	-22.859.072	14.288	-3.864
11	5 1740	7 24:29:43	1 09:45:30	1 16:16:29	6 20:12:28	7 08:11:07	8 24:25:06	8 07:43:16	8 24:53:31	2 14:18:39	2 15:13:31	0 08:55:25	10 21:50:53	8 27:35:43	22.950835	17.995	-2.980
12	5 2137	7 25:30:41	1 22:51:29	1 29:30:23	6 20:52:22	7 09:39:08	8 25:39:14	8 07:56:53	8 24:59:59	2 14:16:31	2 15:10:20	0 08:53:56	10 21:51:22	8 27:37:28	23.036307	20.886	-1.922
13	5 2534	7 26:31:40	2 06:13:00	2 12:59:06	6 21:32:18	7 11:07:46	8 26:53:21	8 08:10:31	8 25:06:29	2 14:15:26	2 15:07:09	0 08:52:30	10 21:51:52	8 27:39:14	23.113611	22.698	- 0.737
14	5 2930	7 27:32:39	2 19:48:26	2 26:40:44	6 22:12:15	7 12:36:55	8 28:07:27	8 08:24:11	8 25:13:02	2 14:15:21	2 15:03:58	0 08:51:06	10 21:52:25	8 27:41:01	23.182705	23.214	+ 0.510
15	5 3327	7 28:33:39	3 03:35:40	3 10:32:58	6 22:52:13	7 14:06:33	8 29:21:31	8 08:37:51	8 25:19:37	2 14:16:01	2 15:00:47	0 08:49:44	10 21:53:00	8 27:42:49	23.24355	22.326	1.747
16	5 3723	7 29:34:40	3 17:32:17	3 24:33:22	6 23:32:13	7 15:36:35	9 00:35:34	8 08:51:33	8 25:26:13	2 14:17:09	2 14:57:36	0 08:48:25	10 21:53:37	8 27:44:37	23.296109	20.065	2.896
17	5 4120	8 00:35:42	4 01:35:53	4 08:39:34	6 24:12:15	7 17:07:00	9 01:49:35	8 09:05:16	8 25:32:52	2 14:18:20	2 14:54:25	0 08:47:09	10 21:54:16	8 27:46:27	23.340346	16.591	3.880
18	5 4516	8 01:36:46	4 15:44:09	4 22:49:21	6 24:52:17	7 18:37:44	9 03:03:35	8 09:19:00	8 25:39:33	2 14:19:14	2 14:51:14	0 08:45:55	10 21:54:57	8 27:48:17	23.376231	12.157	4.635
19	5 4913	8 02:37:50	4 29:54:55	5 07:00:35	6 25:32:21	7 20:08:46	9 04:17:34	8 09:32:46	8 25:46:15	2 14:19:39	2 14:48:04	0 08:44:45	10 21:55:40	8 27:50:08	23.403736	7.055	5.110
20	5 5310	8 03:38:55	5 14:06:04	5 21:11:06	6 26:12:27	7 21:40:05	9 05:31:31	8 09:46:31	8 25:52:59	2 14:19:29	2 14:44:53	0 08:43:36	10 21:56:25	8 27:51:59	23.422839	1.585	5.275
21	5 5706	8 04:40:00	5 28:15:24	6 05:18:39	6 26:52:33	7 23:11:40	9 06:45:27	8 10:00:18	8 25:59:45	2 14:18:50	2 14:41:42	0 08:42:31	10 21:57:12	8 27:53:52	23.433524	- 3.955	5.121
22	6 0103	8 05:41:07	6 12:20:32	6 19:20:42	6 27:32:42	7 24:43:29	9 07:59:21	8 10:14:06	8 26:06:33	2 14:17:53	2 14:38:32	0 08:41:28	10 21:58:01	8 27:55:45	23.435779	- 9.270	4.659
23	6 0459	8 06:42:15	6 26:18:51	7 03:14:36	6 28:12:51	7 26:15:33	9 09:13:14	8 10:27:54	8 26:13:23	2 14:16:51	2 14:35:21	0 08:40:29	10 21:58:52	8 27:57:39	23.4296	-14.071	3.924
24	6 0856	8 07:43:23	7 10:07:39	7 16:57:40	6 28:53:02	7 27:47:51	9 10:27:05	8 10:41:42	8 26:20:14	2 14:15:58	2 14:32:10	0 08:39:32	10 21:59:45	8 27:59:33	23.414987	-18.075	2.968
25	6 1252	8 08:44:31	7 23:44:20	8 00:27:25	6 29:33:14	7 29:20:23	9 11:40:54	8 10:55:32	8 26:27:06	2 14:15:21	2 14:28:59	0 08:38:38	10 22:00:40	8 28:01:28	23.391944	-21.034	1.855
26	6 1649	8 09:45:41	8 07:06:41	8 13:41:58	7 00:13:27	8 00:53:09	9 12:54:41	8 11:09:21	8 26:34:00	2 14:15:04	2 14:25:48	0 08:37:47	10 22:01:37	8 28:03:23	23.36048	-22.771	+ 0.658
27	6 2045	8 10:46:50	8 20:13:08	8 26:40:10	7 00:53:41	8 02:26:10	9 14:08:27	8 11:23:12	8 26:40:55	2 14:15:03	2 14:22:37	0 0[illegible]:36:59	10 22:02:36	8 28:05:19	23.320609	-23.211	- 0.550
28	6 2442	8 11:48:00	9 03:03:03	9 09:21:53	7 01:33:57	8 03:59:25	9 15:22:10	8 11:37:00	8 26:47:51	2 14:15:12	2 14:19:26	0 [illegible]8:36:13	10 22:03:37	8 28:07:16	23.272347	-22.394	-1.707
29	6 2839	8 12:49:10	9 15:36:49	9 21:48:03	7 02:14:13	8 05:32:56	9 16:35:51	8 11:50:48	8 26:54:49	2 14:15:23	2 14:16:15	[illegible] 08:35:31	10 22:04:39	8 28:09:13	23.215716	-20.461	-2.756
30	6 3235	8 13:50:20	9 27:55:52	10 04:00:37	7 02:54:31	8 07:06:42	9 17:49:30	8 12:04:39	8 27:01:47	2 14:15:30	2 14:13:05	0 08:34:52	10 22:05:44	8 28:11:10	23.150743	-17.609	-3.655
31	6 3632	8 14:51:30	10 10:02:40	10 16:02:28	7 03:34:50	8 08:40:45	9 19:03:06	8 12:18:29	8 27:08:47	2 14:15:29	2 14:09:[illegible]4	0 08:34:16	10 22:06:50	8 28:13:08	23.077462	-14.048	-4.374

जनवरी सन् 2020 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 07 55

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	6 4028	8 15:52 40	10 22:00:30	10 27:57:17	7 04:15:10	8 10:15:06	9 20:16:40	8 12:32:18	8 27:15:47	2 14:15:21	2 14:06:43	0 08:33:43	10 22:07:59	8 28:15:07	22.995909	- 9.974	-4.894
2	6 4425	8 16:53:50	11 03:53:21	11 09:49:18	7 04:55:31	8 11:49:44	9 21:30:11	8 12:46:08	8 27:22:49	2 14:15:11	2 14:03:32	0 08:33:13	10 22:09:09	8 28:17:05	22.906128	- 5.557	-5.199
3	6 4821	8 17:54:59	11 15:45:41	11 21:43:07	7 05:35:54	8 13:24:42	9 22:43:40	8 12:59:57	8 27:29:51	2 14:15:05	2 14:00:22	0 08:32:46	10 22:10:21	8 28:19:04	22.808168	- 0.942	-5.283
4	6 5218	8 18:56:09	11 27:42:12	0 03:43:31	7 06:16:17	8 14:59:59	9 23:57:05	8 13:13:45	8 27:36:54	2 14:15:09	2 13:57:11	0 08:32:22	10 22:11:35	8 28:21:04	22.702081	3.733	-5.141
5	6 5614	8 19:57 18	0 09:47:38	0 15:55:06	7 06:56:42	8 16:35:37	9 25:10:27	8 13:27:33	8 27:43:58	2 14:15:28	2 13:54:00	0 08:32:01	10 22:12:50	8 28:23:03	22.587927	8.330	-4.771
6	7 0011	8 20:58.27	0 22:06:26	0 28:22:06	7 07:37:07	8 18:11:37	9 26:23:47	8 13:41:21	8 27:51:02	2 14:16:04	2 13:50:49	0 08:31:44	10 22:14:07	8 28:25:03	22.465768	12.687	-4.178
7	7 0408	8 21:59:36	1 04:42:30	1 11:07:57	7 08:17:34	8 19:47:59	9 27:37:03	8 13:55:07	8 27:58:07	2 14:16:51	2 13:47:39	0 08:31:29	10 22:15:26	8 28:27:03	-22.462.639	16.606	-3.371
8	7 0804	8 23:00:44	1 17:38:44	1 24:14:59	7 08:58:03	8 21:24:45	9 28:50:16	8 14:08:53	8 28:05:12	2 14:17:40	2 13:44:28	0 08:31:18	10 22:16:47	8 28:29:03	22.335672	19.842	-2.374
9	7 1201	8 24:01 52	2 00:56:46	2 07:44:02	7 09:38:32	8 23:01:55	10 00:03:25	8 14:22:38	8 28:12:17	2 14:18:19	2 13:41:17	0 08:31:09	10 22:18:10	8 28:31:04	22.197711	22.122	-1.223
10	7 1557	8 25:03:00	2 14:36:35	2 21:34:10	7 10:19:03	8 24:39:30	10 01:16:31	8 14:36:23	8 28:19:23	2 14:18:34	2 13:38:06	0 08:31:04	10 22:19:34	8 28:33:05	22.051961	23.175	+ 0.027
11	7 1954	8 26:04:07	2 28:36:21	3 05:42:37	7 10:59:35	8 26:17:31	10 02:29:33	8 14:50:06	8 28:26:30	2 14:18:15	2 13:34:55	0 08:31:02	10 22:21:00	8 28:35:06	21.898499	22.807	1.305
12	7 2350	8 27:05:14	3 12:52:23	3 20:04:57	7 11:40:08	8 27:55:58	10 03:42:32	8 15:03:48	8 28:33:37	2 14:17:16	2 13:31:44	0 08:31:03	10 22:22:27	8 28:37:08	21.737404	20.962	2.525
13	7 2747	8 28:06:21	3 27:19:36	4 04:35:35	7 12:20:43	8 29:34:53	10 04:55:26	8 15:17:29	8 28:40:45	2 14:15:42	2 13:28:33	0 08:31:07	10 22:23:56	8 28:39:10	21.568756	17.754	3.600
14	7 3143	8 29:07.28	4 11:52:07	4 19:08:28	7 13:01:19	9 01:14:15	10 06:08:17	8 15:31:09	8 28:47:39	2 14:13:45	2 13:25:22	0 08:31:15	10 22:25:27	8 28:41:01	21.392637	13.441	4.448
15	7 3540	9 00:08:35	4 26:23:58	5 03:37:59	7 13:41:56	9 02:54:05	10 07:21:05	8 15:44:48	8 28:54:52	2 14:11:48	2 13:22:12	0 08:31:25	10 22 26:59	8 28:43:01	21.209129	8.355	5.010
16	7 3937	9 01 09:41	5 10:49:58	5 17:59:29	7 14:22:35	9 04:34:23	10 08:33:48	8 15:58:25	8 29:02:00	2 14:10:12	2 13:19:01	0 08:31:39	10 22:28:33	8 28:45:03	21.018317	2.848	5.251
17	7 4333	9 02:10:47	5 25:06:09	6 02:09:43	7 15:03:15	9 06:15:08	10 09:46:27	8 16:12:01	8 29:09:06	2 14:09.17	2 13:15:50	0 08:31:55	10 22:30:08	8 28:47:04	20.820294	- 2.745	5.165
18	7 4730	9 03:11:54	6 09:10:00	6 16:06:51	7 15:43:57	9 07:56:20	10 10:59:03	8 16:25:35	8 29:16:13	2 14:09:15	2 13:12:40	0 08:32:15	10 22:31:45	8 28:49:05	20.615153	- 8.123	4.769
19	7 5126	9 04:13:00	6 23:00:14	6 29:50:09	7 16:24:40	9 09:37:59	10 12:11:34	8 16:39:08	8 29:23:19	2 14:10:02	2 13:09:29	0 08:32:38	10 22:33:23	8 28:51:06	20.402997	-13.011	4.101
20	7 5523	9 05:14:05	7 06:36:37	7 13:19:42	7 17:05:24	9 11:20:02	10 13:24:01	8 16:52:39	8 29:30:24	2 14:11:26	2 13:06:18	0 08:33:05	10 22:35:03	8 28:53:07	20.183929	-17.159	3.211
21	7 5919	9 06:15:11	7 19:59.27	7 26:35:56	7 17:46:09	9 13:02:29	10 14:36.23	8 17:06:09	8 29:37:29	2 14:12:59	2 13:03:07	0 08:33:34	10 22:36:44	8 28:55:07	19.958057	-20.346	2.160
22	8 0316	9 07:16:16	8 03:09:14	8 09:39:25	7 18:26:56	9 14:45:15	10 15:48:42	8 17:19:36	8 29:44:34	2 14:14:12	2 12:59:56	0 08:34:06	10 22:38:26	8 28:57:07	19.725492	-22.397	1.011
23	8 0712	9 08:17:20	8 16:06:32	8 22:30:39	7 19:07:43	9 16:28:20	10 17:00:55	8 17:33:02	8 29:51:38	2 14:14:35	2 12:56:45	0 08:34:42	10 22:40:11	8 28:59:07	19.486347	-23.211	- 0.170
24	8 1109	9 09:18:24	8 28:51:48	9 05:10:03	7 19:48:32	9 18:11:37	10 18:13:04	8 17:46:26	8 29:58:42	2 14:13:45	2 12:53:34	0 08:35:21	10 22:41:56	8 29:01:06	19.240737	-22.783	-1.324
25	8 1506	9 10:19:27	9 11:25:27	9 17:38:05	7 20:29:22	9 19:55:03	10 19:25:08	8 17:59:47	9 00:05:44	2 14:11:29	2 12:50:24	0 08:36:03	10 22:43:43	8 29:03:05	18.988778	-21.200	-2.394
26	8 1902	9 11:20:29	9 23:48:02	9 29:55:25	7 21:10:13	9 21:38:31	10 20:37:06	8 18:13:06	9 00:12:46	2 14:07:50	2 12:47:13	0 08:36:48	10 22:45:31	8 29:05:04	18.730587	-18.625	-3.333
27	8 2259	9 12:21:31	10 06:00:23	10 12:03:07	7 21:51:05	9 23:21:53	10 21:49:00	8 18:26:23	9 00:19:47	2 14:03:04	2 12:44:02	0 08:37:36	10 22:47:20	8 29:07:02	18.466283	-15.260	-4.104
28	8 2655	9 13:22:31	10 18:03:50	10 24:02:48	7 22:31:58	9 25:05:01	10 23:00:48	8 18:39:38	9 00:26:48	2 13:57:38	2 12:40:51	0 08:38:27	10 22:49:11	8 29:09:00	18.195988	-11.308	-4.681
29	8 3052	9 14:23:31	11 00:00:20	11 05:56:47	7 23:12:52	9 26:47:44	10 24:12:30	8 18:52:50	9 00:33:47	2 13:52:08	2 12:37:41	0 08:39:21	10 22:51:02	8 29:10:58	17.919824	- 6.961	-5.048
30	8 3448	9 15:24:29	11 11:52:33	11 17:48:05	7 23:53:47	9 28:29:48	10 25:24:07	8 19:05:59	9 00:40:45	2 13:47:11	2 12:34:30	0 08:40:19	10 22:52:56	8 29:12:55	17.637914	- 2.385	-5.194
31	8 3845	9 16:25:27	11 23:43:51	11 29:40:24	7 24:34:43	10 00:11:00	10 26:35:37	8 19:19:06	9 00:47:42	2 13:43:20	2 12:31:19	0 08:41:19	10 22:54:50	8 29:14:51	17.350385	2.271	-5.119

फरवरी सन् 2020 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 08 00

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	8 4241	9 17:26:23	0 05:38:15	0 11:38:02	7 25:15:40	10 01:51:01	10 27:47:01	8 19:32:10	9 00:54:37	2 13:40:57	2 12:28:09	0 08:42:22	10 22:56:45	8 29:16:48	17.057364	6.870	-4.823
2	8 4638	9 18:27:17	0 17:40:18	0 23:45:42	7 25:56:38	10 03:29:30	10 28:58:19	8 19:45:11	9 01:01:32	2 13:40:07	2 12:24:58	0 08:43:29	10 22:58:41	8 29:18:43	16.758978	11.264	-4.314
3	8 5035	9 19:28:11	0 29:54:50	1 06:08:18	7 26:37:37	10 05:06:04	11 00:09:30	8 19:58:09	9 01:08:25	2 13:40:39	2 12:21:47	0 08:44:38	10 23:00:39	8 29:20:38	16.455357	15.289	-3.601
4	8 5431	9 20:29:03	1 12:26:40	1 18:50:31	7 27:18:37	10 06:40:16	11 01:20:34	8 20:11:04	9 01:15:16	2 13:42:06	2 12:18:36	0 08:45:51	10 23:02:38	8 29:22:33	-16.445.921	18.741	-2.701
5	8 5828	9 21:29:53	1 25:20:16	2 01:56:22	7 27:59:38	10 08:11:37	11 02:31:31	8 20:23:56	9 01:22:07	2 13:43:45	2 12:15:25	0 08:47:06	10 23:04:37	8 29:24:26	16.146631	21.382	-1.641
6	9 0224	9 22:30:43	2 08:39:05	2 15:28:35	7 28:40:40	10 09:39:31	11 03:42:21	8 20:36:44	9 01:28:55	2 13:44:50	2 12:12:15	0 08:48:24	10 23:06:38	8 29:26:20	15.832931	22.945	- 0.461
7	9 0621	9 23:31:31	2 22:24:55	2 29:27:55	7 29:21:44	10 11:03:23	11 04:53:03	8 20:49:30	9 01:35:42	2 13:44:36	2 12:09:04	0 08:49:45	10 23:08:39	8 29:28:12	15.514387	23.187	+ 0.781
8	9 1017	9 24:32:17	3 06:37:16	3 13:52:28	8 00:02:48	10 12:22:33	11 06:03:38	8 21:02:12	9 01:42:27	2 13:42:34	2 12:05:53	0 08:51:09	10 23:10:42	8 29:30:04	15.191128	21.952	2.014
9	9 1414	9 25:33:02	3 21:12:49	3 28:37:26	8 00:43:54	10 13:36:17	11 07:14:05	8 21:14:51	9 01:49:11	2 13:38:31	2 12:02:42	0 08:52:36	10 23:12:45	8 29:31:55	14.863281	19.236	3.146
10	9 1810	9 26:33:46	4 06:05:20	4 13:35:21	8 01:25:01	10 14:43:52	11 08:24:23	8 21:27:26	9 01:55:53	2 13:32:44	2 11:59:31	0 08:54:06	10 23:14:50	8 29:33:45	14.530968	15.213	4.086
11	9 2207	9 27:34:29	4 21:06:19	4 28:37:01	8 02:06:09	10 15:44:32	11 09:34:34	8 21:39:58	9 02:02:33	2 13:25:51	2 11:56:21	0 08:55:38	10 23:16:55	8 29:35:35	14.194309	10.197	4.753
12	9 2604	9 28:35:11	5 06:06:18	5 13:33:04	8 02:47:18	10 16:37:33	11 10:44:36	8 21:52:26	9 02:09:11	2 13:18:49	2 11:53:10	0 08:57:14	10 23:19:01	8 29:37:24	13.853422	4.578	5.093
13	9 3000	9 29:35:51	5 20:56:24	5 28:15:29	8 03:28:29	10 17:22:11	11 11:54:30	8 22:04:50	9 02:15:47	2 13:12:35	2 11:49:59	0 08:58:52	10 23:21:07	8 29:39:12	13.508427	- 1.240	5.087
14	9 3357	10 00:36:30	6 05:29:44	6 12:38:41	8 04:09:40	10 17:57:47	11 13:04:16	8 22:17:10	9 02:22:21	2 13:07:58	2 11:46:49	0 09:00:33	10 23:23:15	8 29:40:59	13.159442	- 6.888	4.751
15	9 3753	10 01:37:08	6 19:42:06	6 26:39:53	8 04:50:53	10 18:23:47	11 14:13:52	8 22:29:27	9 02:28:53	2 13:05:20	2 11:43:38	0 09:02:16	10 23:25:23	8 29:42:45	12.806593	-12.045	4.128
16	9 4150	10 02:37:45	7 03:32:03	7 10:18:47	8 05:32:08	10 18:39:44	11 15:23:20	8 22:41:40	9 02:35:22	2 13:04:37	2 11:40:27	0 09:04:02	10 23:27:32	8 29:44:31	12.450006	-16.443	3.277
17	9 4546	10 03:38:21	7 17:00:18	7 23:36:54	8 06:13:23	10 18:45:21	11 16:32:39	8 22:53:48	9 02:41:50	2 13:05:17	2 11:37:16	0 09:05:51	10 23:29:42	8 29:46:15	12.089811	-19.866	2.263
18	9 4943	10 04:38:56	8 00:08:57	8 06:36:47	8 06:54:39	10 18:40:31	11 17:41:48	8 23:05:52	9 02:48:15	2 13:06:25	2 11:34:05	0 09:07:43	10 23:31:52	8 29:47:59	11.726137	-22.160	1.153
19	9 5339	10 05:39:29	8 13:00:47	8 19:21:18	8 07:35:56	10 18:25:21	11 18:50:48	8 23:17:52	9 02:54:38	2 13:07:02	2 11:30:55	0 09:09:37	10 23:34:03	8 29:49:41	11.359117	-23.234	+ 0.009
20	9 5736	10 06:40:01	8 25:38:40	9 01:53:13	8 08:17:14	10 18:00:13	11 19:59:38	8 23:29:48	9 03:00:58	2 13:06:09	2 11:27:44	0 09:11:34	10 23:36:15	8 29:51:23	10.98888	-23.080	-1.112
21	10 01326	10 07:40:32	9 08:05:11	9 14:14:52	8 08:58:34	10 17:25:45	11 21:08:18	8 23:41:39	9 03:07:16	2 13:03:02	2 11:24:33	0 09:13:33	10 23:38:27	8 29:53:04	10.61556	-21.769	-2.162
22	10 05291	10 08:41:01	9 20:22:26	9 26:28:05	8 09:39:54	10 16:42:49	11 22:16:48	8 23:53:26	9 03:13:31	2 12:57:16	2 11:21:22	0 09:15:35	10 23:40:39	8 29:54:43	10.239285	-19.437	-3.094
23	10 09257	10 09:41:29	10 02:32:00	10 08:34:18	8 10:21:15	10 15:52:32	11 23:25:07	8 24:05:07	9 03:19:43	2 12:48:56	2 11:18:11	0 09:17:40	10 23:42:53	8 29:56:22	9.860187	-16.262	-3.873
24	10 13223	10 10:41:55	10 14:35:09	10 20:34:40	8 11:02:36	10 14:56:15	11 24:33:16	8 24:16:44	9 03:25:53	2 12:38:28	2 11:15:01	0 09:19:47	10 23:45:06	8 29:57:59	9.478395	-12.440	-4.469
25	10 17188	10 11:42:19	10 26:33:01	11 02:30:21	8 11:43:59	10 13:55:27	11 25:41:13	8 24:28:16	9 03:32:00	2 12:26:39	2 11:11:50	0 09:21:56	10 23:47:20	8 29:59:35	9.094038	- 8.159	-4.862
26	10 21153	10 12:42:42	11 08:26:52	11 14:22:46	8 12:25:22	10 12:51:46	11 26:48:58	8 24:39:43	9 03:38:04	2 12:14:31	2 11:08:39	0 09:24:08	10 23:49:35	9 00:01:10	8.707246	- 3.599	-5.040
27	10 25119	10 13:43:03	11 20:18:19	11 26:13:48	8 13:06:46	10 11:46:50	11 27:56:32	8 24:51:05	9 03:44:05	2 12:03:08	2 11:05:29	0 09:26:22	10 23:51:49	9 00:02:44	8.318146	1.078	-5.000
28	10 29084	10 14:43:22	0 02:09:34	0 08:05:59	8 13:48:11	10 10:42:14	11 29:03:54	8 25:02:22	9 03:50:03	2 11:53:27	2 11:02:18	0 09:28:39	10 23:54:05	9 00:04:17	7.926868	5.721	-4.744
29	10 33050	10 15:43:39	0 14:03:31	0 20:02:38	8 14:29:36	10 09:39:28	0 00:11:03	8 25:13:33	9 03:55:58	2 11:46:08	2 10:59:07	0 09:30:58	10 23:56:20	9 00:05:49	7.533539	10.179	-4.281

मार्च सन् 2020 ई प्रातः स्टैण्डर्ड टाइम घं 5 मि 30 दैनिक स्पष्ट ग्रह। अयनांश 24 08 03

ता	साम्पातिक काल	सूर्य	चन्द्र प्रातः 5:30	चन्द्र सायं 17:30	मंगल	बुध	शुक्र	गुरु	शनि	राहु स्पष्ट	राहु मध्यम	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो	क्रान्ति सूर्य	क्रान्ति चन्द्र	शर चन्द्र
1	10 37015	10 16:43:54	0 26:03:51	1 02:07:44	8 15:11:02	10 08:39:52	0 01:17:58	8 25:24:39	9 04:01:50	2 11:41:26	2 10:55:57	0 09:33:19	10 23:58:36	9 00:07:19	7.138286	14.295	-3.626
2	10 40581	10 17:44:07	1 08:14:51	1 14:25:51	8 15:52:29	10 07:44:34	0 02:24:41	8 25:35:40	9 04:07:38	2 11:39:11	2 10:52:46	0 09:35:42	10 24:00:52	9 00:08:48	6.741236	17.891	-2.796
3	10 44547	10 18:44:18	1 20:41:21	1 27:01:56	8 16:33:56	10 06:54:28	0 03:31:09	8 25:46:35	9 04:13:24	2 11:38:45	2 10:49:35	0 09:38:08	10 24:03:08	9 00:10:16	6.342516	20.766	-1.818
4	10 48512	10 19:44:27	2 03:28:15	2 10:00:49	8 17:15:25	10 06:10:16	0 04:37:24	8 25:57:24	9 04:19:06	2 11:39:09	2 10:46:24	0 09:40:35	10 24:05:24	9 00:11:43	-6.341.981	22.691	· 0.723
5	10 52478	10 20:44:34	2 16:40:09	2 23:26:37	8 17:56:54	10 05:32:28	0 05:43:23	8 26:08:07	9 04:24:44	2 11:39:14	2 10:43:14	0 09:43:05	10 24:07:41	9 00:13:08	5.942252	23.439	+ 0.443
6	10 56443	10 21:44:39	3 00:20:29	3 07:21:53	8 18:38:23	10 05:01:22	0 06:49:08	8 26:18:45	9 04:30:19	2 11:37:51	2 10:40:03	0 09:45:37	10 24:09:58	9 00:14:32	5.540567	22.821	1.624
7	11 00409	10 22:44:41	3 14:30:42	3 21:46:39	8 19:19:54	10 04:37:05	0 07:54:36	8 26:29:17	9 04:35:51	2 11:34:10	2 10:36:52	0 09:48:11	10 24:12:15	9 00:15:55	5.137583	20.747	2.746
8	11 04374	10 23:44:42	3 29:09:12	4 06:37:36	8 20:01:25	10 04:19:38	0 08:59:49	8 26:39:42	9 04:41:19	2 11:27:49	2 10:33:41	0 09:50:47	10 24:14:32	9 00:17:16	4.733419	17.270	3.725
9	11 08340	10 24:44:40	4 14:10:49	4 21:47:42	8 20:42:57	10 04:08:54	0 10:04:45	8 26:50:02	9 04:46:44	2 11:18:59	2 10:30:30	0 09:53:25	10 24:16:44	9 00:18:36	4.328188	12.595	4.472
10	11 12305	10 25:44:37	4 29:26:50	5 07:06:49	8 21:24:30	10 04:04:42	0 11:09:25	8 27:00:15	9 04:52:05	2 11:08:31	2 10:27:20	0 09:56:05	10 24:18:59	9 00:19:54	3.921998	7.059	4.913
11	11 16271	10 26:44:31	5 14:46:08	5 22:23:21	8 22:06:04	10 04:06:49	0 12:13:47	8 27:10:22	9 04:57:22	2 10:57:35	2 10:24:09	0 09:58:47	10 24:21:16	9 00:21:11	3.514954	1.073	5.005
12	11 20236	10 27:44:24	5 29:57:08	6 07:26:20	8 22:47:39	10 04:14:57	0 13:17:51	8 27:20:23	9 05:02:35	2 10:47:34	2 10:20:59	0 10:01:31	10 24:23:33	9 00:22:27	3.107157	- 4.927	4.742
13	11 24202	10 28:44:15	6 14:50:00	6 22:07:24	8 23:29:14	10 04:28:48	0 14:21:37	8 27:30:18	9 05:07:45	2 10:39:31	2 10:17:48	0 10:04:16	10 24:25:50	9 00:23:41	2.698713	-10.538	4.160
14	11 28167	10 29:44:04	6 29:18:02	7 06:21:41	8 24:10:51	10 04:48:04	0 15:25:05	8 27:40:05	9 05:12:51	2 10:34:05	2 10:14:37	0 10:07:03	10 24:28:06	9 00:24:54	2.289728	-15.409	3.323
15	11 32133	11 00:43:52	7 13:18:15	7 20:07:52	8 24:52:28	10 05:12:26	0 16:28:13	8 27:49:46	9 05:17:53	2 10:31:13	2 10:11:26	0 10:09:53	10 24:30:23	9 00:26:05	1.880314	-19.270	2.308
16	11 36098	11 01:43:38	7 26:50:47	8 03:27:24	8 25:34:06	10 05:41:35	0 17:31:02	8 27:59:21	9 05:22:50	2 10:30:18	2 10:08:16	0 10:12:43	10 24:32:39	9 00:27:15	1.470.583	-21.939	1.193
17	11 40064	11 02:43:22	8 09:58:09	8 16:23:32	8 26:15:44	10 06:15:15	0 18:33:31	8 28:08:48	9 05:27:44	2 10:30:16	2 10:05:05	0 10:15:36	10 24:34:54	9 00:28:24	₹ 1.0606	-23.325	+ 0.047
18	11 44030	11 03:43:05	8 22:44:06	8 29:00:22	8 26:57:24	10 06:53:07	0 19:35:39	8 28:18:09	9 05:32:34	2 10:29:54	2 10:01:54	0 10:18:30	10 24:37:10	9 00:29:30	₹ 0.6506	-23.433	-1.069
19	11 47595	11 04:42:45	9 05:12:52	9 11:22:07	8 27:39:03	10 07:34:56	0 20:37:26	8 28:27:22	9 05:37:19	2 10:27:59	2 09:58:43	0 10:21:26	10 24:39:25	9 00:30:36	₹ 0.24065	-22.347	-2.109
20	11 51561	11 05:42:25	9 17:28:35	9 23:32:41	8 28:20:43	10 08:20:28	0 21:38:52	8 28:36:29	9 05:42:00	2 10:23:35	2 09:55:32	0 10:24:24	10 24:41:40	9 00:31:39	₹ 0.169	-20.210	-3.030
21	11 55526	11 06:42:02	9 29:34:50	10 05:35:23	8 29:02:24	10 09:09:29	0 22:39:54	8 28:45:28	9 05:46:37	2 10:16:13	2 09:52:22	0 10:27:23	10 24:43:55	9 00:32:42	₹0.578762	-17.198	-3.800
22	11 59492	11 07:41:37	10 11:34:36	10 17:32:48	8 29:44:05	10 10:01:45	0 23:40:34	8 28:54:19	9 05:51:10	2 10:05:53	2 09:49:11	0 10:30:23	10 24:46:09	9 00:33:42	₹0.987956	-13.496	-4.392
23	12 03457	11 08:41:11	10 23:30:11	10 29:26:57	9 00:25:46	10 10:57:06	0 24:40:49	8 29:03:03	9 05:55:38	2 09:53:03	2 09:46:00	0 10:33:25	10 24:48:23	9 00:34:41	1.396656	- 9.289	-4.786
24	12 07423	11 09:40:42	11 05:23:16	11 11:19:20	9 01:07:27	10 11:55:20	0 25:40:40	8 29:11:39	9 06:00:02	2 09:38:37	2 09:42:50	0 10:36:28	10 24:50:36	9 00:35:39	1.804744	4.750	-4.970

स्मार्त्त वैष्णव विचार

पंचांग में एकादशी व्रत प्रायः स्मार्त्त वैष्णव भेद से दो दिन अलग-अलग होते हैं, स्मार्त्त व्रत पहले दिन और वैष्णवों का दूसरे दिन लिखते हैं। इनका निर्णय धर्म-शास्त्रीय व्यवस्था से पंचांगों में लिखा जाता है। यदि 54 घटी से एक पल भी दशमी अधिक हो, तो वैष्णव सम्प्रदाय का व्रत एकादशी को न होकर द्वादशी में होता है। निम्बार्क सम्प्रदाय वाले कपाल वेध मानते हैं। स्मार्त्त लोग जिस समय अर्द्धरात्रि के समय अष्टमी हो, उसी दिन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत करते हैं और वैष्णव सम्प्रदाय वाले उदय व्यापिनी अष्टमी मानते हैं।

स्मार्त्त कौन और वैष्णव कौन?—साधारण जन यह नहीं समझ पाते कि वे स्मार्त्त हैं या वैष्णव। उन्हें स्मरण रखना चाहिए कि श्रुति-स्मृति को मानने वाले सभी आस्तिक जन स्मार्त्त हैं। वैसे तो द्विज-मात्र (ब्राह्मण-क्षत्रिय-वैश्य) जो गायत्री की उपासना करते हैं और वेद, पुराण, धर्मशास्त्र, स्मृति को मानने वाले पंचदेवोपासक सभी स्मार्त्त हैं। '**श्रुतिस्तु वेदो विज्ञेयो धर्मशास्त्रं तु वै स्मृतिः।**' (मनुः) जो लोग यह समझते हैं कि मांस, मदिरा, प्याज, लहसुन से दूर रहने वाले राम-कृष्ण-विष्णु के उपासक सब वैष्णव हैं, यह उनका भ्रम है। जिन लोगों ने वैष्णव गुरु से तप्त मुद्रा द्वारा अपनी भुजा पर शंख, चक्र अंकित करवाये हैं, वे या जिन्होंने किसी वैष्णव सम्प्रदाय के धर्माचार्य से विधिपूर्वक दीक्षा लेकर कण्ठी और तुलसी की माला धारण की हुई है, वे ही वैष्णव कहला सकते हैं, उनको और विधवा स्त्रियों को दूसरे दिन वैष्णव व्रत करने का अधिकार है, अन्य को नहीं।

दैनिक-लग्नसारिणी देखने की विधि

इस पंचांग में दी हुई यह दैनिक लग्नसारिणी दिल्ली के अक्षांश रेखांश पर है। इसका समय ऊपर दिये हुए लग्न का समाप्ति काल रेलवे-स्टैण्डर्ड-टाइम में घण्टा-मिनट के रूप में लिखा गया है। जिस लग्न के नीचे समाप्ति काल है, वह आगे के लग्न का प्रारम्भ का समझें। ता. 3 अप्रैल को सारिणी में मीन लग्न के नीचे घण्टे 6 मिनट 42 लिखे हैं, अतः मीन लग्न प्रातः 6 बजकर 42 मिनट पर समाप्त हुआ। इसमें लिखे हुए घण्टा-मिनट अर्धरात्रोत्तर क्रमशः अर्धरात्रि पर्यन्त 24 घण्टे में लिखे हैं। जैसे रात्रि के 12 बजकर 15 मिनट की जगह घ. 24 मि. 15 लिखे हुए मिलेंगे। ऐसे ही मध्याह्न के पश्चात् एक बजे की जगह 13, दो की जगह 14 आदि क्रमशः समझें।

लग्नसारिणी-परिवर्तन उदाहरण

किसी को इस लग्न सारिणी से अन्य स्थान का लग्न-समाप्ति काल लाना हो, तो जिस तारीख को जो लग्न लाना हो, उस तारीख का वह लग्न-समाप्ति काल का घण्टा-मिनट लिखें, पश्चात् पंचांग परिवर्तन में जिस नगर का लग्न परिवर्तन करना हो, उस नगर के आगे या नगर के समीप के नगर के आगे लिखे हुए देशान्तर मिनट लें। वह देशान्तर मिनट ऋण (−) हो, तो ऊपर के (इस पंचांग के) लग्न-समाप्ति काल में मिलावें। देशान्तर मिनट धन (+) हो, तो ऋण करें, तो वह देशान्तर संस्कृत स्थानीय रेलवे टाइम का लग्न-समाप्ति काल होगा। फिर जिस स्थान का लग्न-समाप्ति काल लाना है, उसके अक्षांश और क्रान्ति से चरान्तर कोष्ठक से चरान्तर साधन करें। वह चरान्तर धन आया हो, तो उपर्युक्त देशान्तर संस्कृत लग्न समाप्ति काल में मिला दें, ऋण आया हो, तो घटा दें, तो वह स्थानीय रेलवे टाइम से स्पष्ट लग्न का समाप्ति काल होगा। उदाहरण ता. 3 अप्रैल को मीन लग्न समाप्ति काल 6 घण्टा 42 मिनट है, इसी लग्न का सोलन में समाप्ति काल लाना है। पंचांग परिवर्तन में अक्षांशादि सारिणी में दिल्ली से सोलन का देशान्तर मिनट 0।12 है, वहां यह मिनट ऋण होने से 6 घण्टा 42 मिनट में मिला दें, तो 6 घं. 42 मि. 12 सै. यह सोलन का देशान्तर संस्कृत मीन लग्न का समाप्ति का हुआ। इस दिन 3 अप्रैल को सूर्य की क्रान्ति+उत्तर 5 अंश 7 क. है और सोलन के अक्षांश 30।55 है। इन क्रान्ति और अक्षांश से चरान्तर लिया, तो वह 1 आया, अतः उपर्युक्त देशान्तर संस्कृत लग्न समाप्ति काल घ. 6 मि. 43 सै. 12, यही सोलन का मीन लग्न समाप्ति काल हुआ। इसी प्रकार सर्वत्र समझें। दिल्ली के समीपवर्ती नगर या ग्राम के लिए संस्कार नहीं किया जाये, तो भी कोई हानि नहीं, परन्तु दूरस्थ नगरों के लिए ऊपर दिये उदाहरण में बतायी प्रक्रिया के अनुसार लग्न समाप्ति काल लाकर उपयोग करने से वह सूक्ष्म लग्न होगा।

नवांश का प्रारम्भ और अन्त लाने का उदाहरण

ऊपर कहे अनुसार जिस लग्न में नवांश समय लाना हो, उस लग्न का प्रारम्भ तथा समाप्ति काल साधन करें, पश्चात् समाप्ति काल में से प्रारम्भ समय हीन करें, शेष घं. मि. रहेंगे, घण्टा को 60 से गुणाकर मिनट मिला दें, यह कुल लग्न मान के मिनट होंगे। उन मिनटों में 9 का भाग दें, लब्ध 1 नवांश के मिनट प्राप्त होंगे, शेष को 60 से गुणा कर फिर 9 का भाग देने पर सैकण्ड आयेंगे, यह मिनट और सैकण्ड एक नवांश का मान होने से जो नवांश लेना हो, उससे गत नवांश तक की संख्या से एक नवांश के मान को गुणा कर जो मिनट हो, वह मिनट लग्न प्रारम्भकाल में मिलाने से नवांश प्रारम्भ समय आयेगा और इस नवांश प्रारम्भ समय में एक नवांश का मान मिला देने पर नवांश समाप्ति काल आयेगा। मेष, सिंह, धनु लग्न में नवांश का प्रारम्भ मेष से होगा। वृष, कन्या, मकर लग्न में नवांश का प्रारम्भ मकर से, मिथुन, तुला, कुम्भ लग्न में नवांश का प्रारम्भ तुला से तथा कर्क, वृश्चिक, मीन लग्न में नवांश का प्रारम्भ कर्क से होगा। उदाहरणार्थ, उपर्युक्त सोलन का आया हुआ मेषारम्भ समय घं. 5 मि. 43 सै. 12 तथा अन्त घण्टा 8 मिनट 17 अन्त में प्रारम्भ घटाया, तो घण्टा 1 मि. 33, इसके मिनट किये, तो मिनट 93 हुए। इसमें 9 का भाग देने पर मिनट 10 सै. 20 यह नवांश का मान प्राप्त हुआ। हमको मेष लग्न में वृश्चिक नवांश का प्रारम्भ तथा अन्त समय लेना है, तो मेषादि से 7 नवांश मुक्त हुए, अतः एक नवांश के मान (मि. 10 से 20) को 7 से गुणा किया, तो घण्टा 1 मि. 12 सै. 20 आये। यह घण्टादि मेष लग्न के प्रारम्भ समय घण्टा 6 मि. 43 में जोड़ दिये, तो वृश्चिक नवांश का प्रारम्भ समय घं. 7 मि. 55 सै. 20 हुआ, इसी में एक नवांश का मान मि. 10 सै. 20 जोड़े, तो घण्टा 8 मि. 5 सै. 20 हुआ। वह वृश्चिक नवांश का समाप्ति काल हुआ। इसी प्रकार सर्वत्र जानें। विवाह, यज्ञोपवीत, गृह प्रवेशादि में लग्न तथा नवांश इस प्रकार से सूक्ष्म साधन करने से मुहूर्त योग्य समय में होता है और फल भी जो मिलना चाहिए, वह मिलता है। ज्योतिर्विदों को चाहिए कि नवांश सूक्ष्म-से-सूक्ष्म साधन करके विवाह आदि का समय निश्चित करें।

अप्रैल 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ
1	6:52	8:27	10:22	12:37	14:57	17:15	19:31	21:50	0:13	2:17	3:59	5:27
2	6:48	8:23	10:18	12:33	14:53	17:11	19:27	21:46	0:09	2:13	3:55	5:23
3	6:44	8:19	10:14	12:29	14:49	17:07	19:23	21:42	0:05	2:09	3:52	5:19
4	6:40	8:15	10:10	12:25	14:45	17:03	19:19	21:39	0:01	2:05	3:48	5:15
5	6:36	8:11	10:07	12:21	14:41	16:59	19:15	21:35	23:53	2:01	3:44	5:11
6	6:32	8:07	10:03	12:17	14:38	16:55	19:11	21:31	23:49	1:57	3:40	5:07
7	6:28	8:03	9:59	12:13	14:34	16:51	19:07	21:27	23:45	1:53	3:36	5:03
8	6:24	7:59	9:55	12:09	14:30	16:47	19:03	21:23	23:41	1:49	3:32	4:59
9	6:20	7:55	9:51	12:05	14:26	16:43	18:59	21:19	23:37	1:46	3:28	4:55
10	6:16	7:51	9:47	12:01	14:22	16:39	18:55	21:15	23:34	1:42	3:24	4:51
11	6:12	7:48	9:43	11:57	14:18	16:35	18:52	21:11	23:30	1:38	3:20	4:48
12	6:08	7:44	9:39	11:54	14:14	16:31	18:48	21:07	23:26	1:34	3:16	4:44
13	6:05	7:40	9:35	11:50	14:10	16:27	18:44	21:03	23:22	1:30	3:12	4:40
14	6:01	7:36	9:31	11:46	14:06	16:23	18:40	20:59	23:18	1:26	3:08	4:36
15	5:57	7:32	9:27	11:42	14:02	16:19	18:36	20:55	23:14	1:22	3:04	4:32
16	5:53	7:28	9:23	11:38	13:58	16:16	18:32	20:51	23:10	1:18	3:00	4:28
17	5:49	7:24	9:19	11:34	13:54	16:12	18:28	20:47	23:06	1:14	2:56	4:24
18	5:45	7:20	9:15	11:30	13:50	16:08	18:24	20:43	23:02	1:10	2:53	4:20
19	5:41	7:16	9:11	11:26	13:46	16:04	18:20	20:40	22:58	1:06	2:49	4:16
20	5:37	7:12	9:08	11:22	13:42	16:00	18:16	20:36	22:54	1:02	2:45	4:12
21	5:33	7:08	9:04	11:18	13:39	15:56	18:12	20:32	22:50	0:58	2:41	4:08
22	5:29	7:04	9:00	11:14	13:35	15:52	18:08	20:28	22:46	0:54	2:37	4:04
23	5:25	7:00	8:56	11:10	13:31	15:48	18:04	20:24	22:42	0:50	2:33	4:00
24	5:21	6:56	8:52	11:06	13:27	15:44	18:00	20:20	22:39	0:47	2:29	3:56
25	5:17	6:52	8:48	11:02	13:23	15:40	17:56	20:16	22:35	0:43	2:25	3:52
26	5:13	6:49	8:44	10:59	13:19	15:36	17:53	20:12	22:31	0:39	2:21	3:49
27	5:10	6:45	8:40	10:55	13:15	15:32	17:49	20:08	22:27	0:35	2:17	3:45
28	5:06	6:41	8:36	10:51	13:11	15:28	17:45	20:04	22:23	0:31	2:13	3:41
29	5:02	6:37	8:32	10:47	13:07	15:24	17:41	20:00	22:19	0:27	2:09	3:37
30	4:58	6:33	8:28	10:43	13:03	15:20	17:37	19:56	22:15	0:23	2:05	3:33
31												

मई 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
1	6:29	8:24	10:39	12:59	15:17	17:33	19:52	22:11	0:19	2:01	3:29	4:54
2	6:25	8:20	10:35	12:55	15:13	17:29	19:48	22:07	0:15	1:57	3:25	4:50
3	6:21	8:16	10:31	12:51	15:09	17:25	19:45	22:03	0:11	1:54	3:21	4:46
4	6:17	8:13	10:27	12:47	15:05	17:21	19:41	21:59	0:07	1:50	3:17	4:42
5	6:13	8:09	10:23	12:43	15:01	17:17	19:37	21:55	0:03	1:46	3:13	4:38
6	6:09	8:05	10:19	12:40	14:57	17:13	19:33	21:51	23:59	1:42	3:09	4:34
7	6:05	8:01	10:15	12:36	14:53	17:09	19:29	21:47	23:52	1:38	3:05	4:30
8	6:01	7:57	10:11	12:32	14:49	17:05	19:25	21:43	23:48	1:34	3:01	4:26
9	5:57	7:53	10:07	12:28	14:45	17:01	19:21	21:40	23:44	1:30	2:57	4:22
10	5:54	7:49	10:03	12:24	14:41	16:57	19:17	21:36	23:40	1:26	2:53	4:18
11	5:50	7:45	10:00	12:20	14:37	16:54	19:13	21:32	23:36	1:22	2:50	4:14
12	5:46	7:41	9:56	12:16	14:33	16:50	19:09	21:28	23:32	1:18	2:46	4:11
13	5:42	7:37	9:52	12:12	14:29	16:46	19:05	21:24	23:28	1:14	2:42	4:07
14	5:38	7:33	9:48	12:08	14:25	16:42	19:01	21:20	23:24	1:10	2:38	4:03
15	5:34	7:29	9:44	12:04	14:22	16:38	18:57	21:16	23:20	1:06	2:34	3:59
16	5:30	7:25	9:40	12:00	14:18	16:34	18:53	21:12	23:16	1:02	2:30	3:55
17	5:26	7:21	9:36	11:56	14:14	16:30	18:49	21:08	23:12	0:59	2:26	3:51
18	5:22	7:17	9:32	11:52	14:10	16:26	18:46	21:04	23:08	0:55	2:22	3:47
19	5:18	7:14	9:28	11:48	14:06	16:22	18:42	21:00	23:04	0:51	2:18	3:43
20	5:14	7:10	9:24	11:45	14:02	16:18	18:38	20:56	23:00	0:47	2:14	3:39
21	5:10	7:06	9:20	11:41	13:58	16:14	18:34	20:52	22:56	0:43	2:10	3:35
22	5:06	7:02	9:16	11:37	13:54	16:10	18:30	20:48	22:53	0:39	2:06	3:31
23	5:02	6:58	9:12	11:33	13:50	16:06	18:26	20:45	22:49	0:35	2:02	3:27
24	4:58	6:54	9:08	11:29	13:46	16:02	18:22	20:41	22:45	0:31	1:58	3:23
25	4:55	6:50	9:04	11:25	13:42	15:59	18:18	20:37	22:41	0:27	1:55	3:19
26	4:51	6:46	9:01	11:21	13:38	15:55	18:14	20:33	22:37	0:23	1:51	3:15
27	4:47	6:42	8:57	11:17	13:34	15:51	18:10	20:29	22:33	0:19	1:47	3:12
28	4:43	6:38	8:53	11:13	13:30	15:47	18:06	20:25	22:29	0:15	1:43	3:08
29	4:39	6:34	8:49	11:09	13:26	15:43	18:02	20:21	22:25	0:11	1:39	3:04
30	4:35	6:30	8:45	11:05	13:23	15:39	17:58	20:17	22:21	0:07	1:35	3:00
31	4:31	6:26	8:41	11:01	13:19	15:35	17:54	20:13	22:17	0:03	1:31	2:56

जून 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष
1	6:22	8:37	10:57	13:15	15:31	17:51	20:09	22:13	0:00	1:27	2:52	4:27
2	6:18	8:33	10:53	13:11	15:27	17:47	20:05	22:09	23:52	1:23	2:48	4:23
3	6:15	8:29	10:49	13:07	15:23	17:43	20:01	22:05	23:48	1:19	2:44	4:19
4	6:11	8:25	10:46	13:03	15:19	17:39	19:57	22:01	23:44	1:15	2:40	4:15
5	6:07	8:21	10:42	12:59	15:15	17:35	19:53	21:57	23:40	1:11	2:36	4:11
6	6:03	8:17	10:38	12:55	15:11	17:31	19:49	21:54	23:36	1:07	2:32	4:07
7	5:59	8:13	10:34	12:51	15:07	17:27	19:46	21:50	23:32	1:03	2:28	4:03
8	5:55	8:09	10:30	12:47	15:03	17:23	19:42	21:46	23:28	0:59	2:24	3:59
9	5:51	8:06	10:26	12:43	15:00	17:19	19:38	21:42	23:24	0:56	2:20	3:56
10	5:47	8:02	10:22	12:39	14:56	17:15	19:34	21:38	23:20	0:52	2:17	3:52
11	5:43	7:58	10:18	12:35	14:52	17:11	19:30	21:34	23:16	0:48	2:13	3:48
12	5:39	7:54	10:14	12:31	14:48	17:07	19:26	21:30	23:12	0:44	2:09	3:44
13	5:35	7:50	10:10	12:27	14:44	17:03	19:22	21:26	23:08	0:40	2:05	3:40
14	5:31	7:46	10:06	12:24	14:40	16:59	19:18	21:22	23:04	0:36	2:01	3:36
15	5:27	7:42	10:02	12:20	14:36	16:55	19:14	21:18	23:01	0:32	1:57	3:32
16	5:23	7:38	9:58	12:16	14:32	16:52	19:10	21:14	22:57	0:28	1:53	3:28
17	5:20	7:34	9:54	12:12	14:28	16:48	19:06	21:10	22:53	0:24	1:49	3:24
18	5:16	7:30	9:50	12:08	14:24	16:44	19:02	21:06	22:49	0:20	1:45	3:20
19	5:12	7:26	9:47	12:04	14:20	16:40	18:58	21:02	22:45	0:16	1:41	3:16
20	5:08	7:22	9:43	12:00	14:16	16:36	18:54	20:59	22:41	0:12	1:37	3:12
21	5:04	7:18	9:39	11:56	14:12	16:32	18:50	20:55	22:37	0:08	1:33	3:08
22	5:00	7:14	9:35	11:52	14:08	16:28	18:47	20:51	22:33	0:04	1:29	3:04
23	4:56	7:10	9:31	11:48	14:04	16:24	18:43	20:47	22:29	0:01	1:25	3:01
24	4:52	7:07	9:27	11:44	14:01	16:20	18:39	20:43	22:25	23:53	1:21	2:57
25	4:48	7:03	9:23	11:40	13:57	16:16	18:35	20:39	22:21	23:49	1:18	2:53
26	4:44	6:59	9:19	11:36	13:53	16:12	18:31	20:35	22:17	23:45	1:14	2:49
27	4:40	6:55	9:15	11:32	13:49	16:08	18:27	20:31	22:13	23:41	1:10	2:45
28	4:36	6:51	9:11	11:29	13:45	16:04	18:23	20:27	22:09	23:37	1:06	2:41
29	4:32	6:47	9:07	11:25	13:41	16:00	18:19	20:23	22:06	23:33	1:02	2:37
30	4:28	6:43	9:03	11:21	13:37	15:56	18:15	20:19	22:02	23:29	0:58	2:33
31												

जुलाई 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष
1	6:39	8:59	11:17	13:33	15:53	18:11	20:15	21:58	23:25	0:54	2:29	4:24
2	6:35	8:55	11:13	13:29	15:49	18:07	20:11	21:54	23:21	0:50	2:25	4:21
3	6:31	8:52	11:09	13:25	15:45	18:03	20:07	21:50	23:17	0:46	2:21	4:17
4	6:27	8:48	11:05	13:21	15:41	17:59	20:03	21:46	23:13	0:42	2:17	4:13
5	6:23	8:44	11:01	13:17	15:37	17:55	20:00	21:42	23:09	0:38	2:13	4:09
6	6:19	8:40	10:57	13:13	15:33	17:52	19:56	21:38	23:05	0:34	2:09	4:05
7	6:15	8:36	10:53	13:09	15:29	17:48	19:52	21:34	23:02	0:30	2:05	4:01
8	6:12	8:32	10:49	13:06	15:25	17:44	19:48	21:30	22:58	0:26	2:02	3:57
9	6:08	8:28	10:45	13:02	15:21	17:40	19:44	21:26	22:54	0:22	1:58	3:53
10	6:04	8:24	10:41	12:58	15:17	17:36	19:40	21:22	22:50	0:19	1:54	3:49
11	6:00	8:20	10:37	12:54	15:13	17:32	19:36	21:18	22:46	0:15	1:50	3:45
12	5:56	8:16	10:33	12:50	15:09	17:28	19:32	21:14	22:42	0:11	1:46	3:41
13	5:52	8:12	10:30	12:46	15:05	17:24	19:28	21:10	22:38	0:07	1:42	3:37
14	5:48	8:08	10:26	12:42	15:01	17:20	19:24	21:07	22:34	0:03	1:38	3:33
15	5:44	8:04	10:22	12:38	14:58	17:16	19:20	21:03	22:30	23:56	1:34	3:29
16	5:40	8:00	10:18	12:34	14:54	17:12	19:16	20:59	22:26	23:51	1:30	3:25
17	5:36	7:56	10:14	12:30	14:50	17:08	19:12	20:55	22:22	23:47	1:26	3:22
18	5:32	7:53	10:10	12:26	14:46	17:04	19:08	20:51	22:18	23:43	1:22	3:18
19	5:28	7:49	10:06	12:22	14:42	17:00	19:04	20:47	22:14	23:39	1:18	3:14
20	5:24	7:45	10:02	12:18	14:38	16:56	19:01	20:43	22:10	23:35	1:14	3:10
21	5:20	7:41	9:58	12:14	14:34	16:53	18:57	20:39	22:06	23:31	1:10	3:06
22	5:16	7:37	9:54	12:10	14:30	16:49	18:53	20:35	22:03	23:27	1:06	3:02
23	5:13	7:33	9:50	12:07	14:26	16:45	18:49	20:31	21:59	23:24	1:03	2:58
24	5:09	7:29	9:46	12:03	14:22	16:41	18:45	20:27	21:55	23:20	0:59	2:54
25	5:05	7:25	9:42	11:59	14:18	16:37	18:41	20:23	21:51	23:16	0:55	2:50
26	5:01	7:21	9:38	11:55	14:14	16:33	18:37	20:19	21:47	23:12	0:51	2:46
27	4:57	7:17	9:34	11:51	14:10	16:29	18:33	20:15	21:43	23:08	0:47	2:42
28	4:53	7:13	9:31	11:47	14:06	16:25	18:29	20:11	21:39	23:04	0:43	2:38
29	4:49	7:09	9:27	11:43	14:02	16:21	18:25	20:08	21:35	23:00	0:39	2:34
30	4:45	7:05	9:23	11:39	13:59	16:17	18:21	20:04	21:31	22:56	0:35	2:30
31	4:41	7:01	9:19	11:35	13:55	16:13	18:17	20:00	21:27	22:52	0:31	2:27

अगस्त 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
1	6:57	9:15	11:31	13:51	16:09	18:13	19:56	21:23	22:48	0:27	2:23	4:37
2	6:54	9:11	11:27	13:47	16:05	18:09	19:52	21:19	22:44	0:23	2:19	4:33
3	6:50	9:07	11:23	13:43	16:01	18:06	19:48	21:15	22:40	0:19	2:15	4:29
4	6:46	9:03	11:19	13:39	15:57	18:02	19:44	21:11	22:36	0:15	2:11	4:25
5	6:42	8:59	11:15	13:35	15:54	17:58	19:40	21:08	22:32	0:11	2:07	4:21
6	6:38	8:55	11:12	13:31	15:50	17:54	19:36	21:04	22:28	0:08	2:03	4:17
7	6:34	8:51	11:08	13:27	15:46	17:50	19:32	21:00	22:25	0:04	1:59	4:14
8	6:30	8:47	11:04	13:23	15:42	17:46	19:28	20:56	22:21	0:00	1:55	4:10
9	6:26	8:43	11:00	13:19	15:38	17:42	19:24	20:52	22:17	23:52	1:51	4:06
10	6:22	8:39	10:56	13:15	15:34	17:38	19:20	20:48	22:13	23:48	1:47	4:02
11	6:18	8:36	10:52	13:11	15:30	17:34	19:16	20:44	22:09	23:44	1:43	3:58
12	6:14	8:32	10:48	13:07	15:26	17:30	19:13	20:40	22:05	23:40	1:39	3:54
13	6:10	8:28	10:44	13:03	15:22	17:26	19:09	20:36	22:01	23:36	1:35	3:50
14	6:06	8:24	10:40	13:00	15:18	17:22	19:05	20:32	21:57	23:32	1:31	3:46
15	6:02	8:20	10:36	12:56	15:14	17:18	19:01	20:28	21:53	23:28	1:28	3:42
16	5:59	8:16	10:32	12:52	15:10	17:14	18:57	20:24	21:49	23:24	1:24	3:38
17	5:55	8:12	10:28	12:48	15:06	17:10	18:53	20:20	21:45	23:20	1:20	3:34
18	5:51	8:08	10:24	12:44	15:02	17:07	18:49	20:16	21:41	23:16	1:16	3:30
19	5:47	8:04	10:20	12:40	14:59	17:03	18:45	20:12	21:37	23:12	1:12	3:26
20	5:43	8:00	10:16	12:36	14:55	16:59	18:41	20:09	21:33	23:09	1:08	3:22
21	5:39	7:56	10:13	12:32	14:51	16:55	18:37	20:05	21:29	23:05	1:04	3:19
22	5:35	7:52	10:09	12:28	14:47	16:51	18:33	20:01	21:26	23:01	1:00	3:15
23	5:31	7:48	10:05	12:24	14:43	16:47	18:29	19:57	21:22	22:57	0:56	3:11
24	5:27	7:44	10:01	12:20	14:39	16:43	18:25	19:53	21:18	22:53	0:52	3:07
25	5:23	7:40	9:57	12:16	14:35	16:39	18:21	19:49	21:14	22:49	0:48	3:03
26	5:19	7:37	9:53	12:12	14:31	16:35	18:17	19:45	21:10	22:45	0:44	2:59
27	5:15	7:33	9:49	12:08	14:27	16:31	18:14	19:41	21:06	22:41	0:40	2:55
28	5:11	7:29	9:45	12:05	14:23	16:27	18:10	19:37	21:02	22:37	0:36	2:51
29	5:07	7:25	9:41	12:01	14:19	16:23	18:06	19:33	20:58	22:33	0:33	2:47
30	5:03	7:21	9:37	11:57	14:15	16:19	18:02	19:29	20:54	22:29	0:29	2:43
31	5:00	7:17	9:33	11:53	14:11	16:16	17:58	19:25	20:50	22:25	0:25	2:39

सितम्बर 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
1	7:13	9:29	11:49	14:07	16:12	17:54	19:21	20:46	22:21	0:21	2:35	4:56
2	7:09	9:25	11:45	14:03	16:08	17:50	19:17	20:42	22:17	0:17	2:31	4:52
3	7:05	9:21	11:41	14:00	16:04	17:46	19:13	20:38	22:13	0:13	2:27	4:48
4	7:01	9:17	11:37	13:56	16:00	17:42	19:10	20:34	22:10	0:09	2:23	4:44
5	6:57	9:14	11:33	13:52	15:56	17:38	19:06	20:31	22:06	0:05	2:20	4:40
6	6:53	9:10	11:29	13:48	15:52	17:34	19:02	20:27	22:02	0:01	2:16	4:36
7	6:49	9:06	11:25	13:44	15:48	17:30	18:58	20:23	21:58	23:53	2:12	4:32
8	6:45	9:02	11:21	13:40	15:44	17:26	18:54	20:19	21:54	23:49	2:08	4:28
9	6:42	8:58	11:17	13:36	15:40	17:22	18:50	20:15	21:50	23:45	2:04	4:24
10	6:38	8:54	11:13	13:32	15:36	17:19	18:46	20:11	21:46	23:41	2:00	4:20
11	6:34	8:50	11:09	13:28	15:32	17:15	18:42	20:07	21:42	23:37	1:56	4:16
12	6:30	8:46	11:06	13:24	15:28	17:11	18:38	20:03	21:38	23:34	1:52	4:12
13	6:26	8:42	11:02	13:20	15:24	17:07	18:34	19:59	21:34	23:30	1:48	4:08
14	6:22	8:38	10:58	13:16	15:20	17:03	18:30	19:55	21:30	23:26	1:44	4:05
15	6:18	8:34	10:54	13:12	15:16	16:59	18:26	19:51	21:26	23:22	1:40	4:01
16	6:14	8:30	10:50	13:08	15:13	16:55	18:22	19:47	21:22	23:18	1:36	3:57
17	6:10	8:26	10:46	13:05	15:09	16:51	18:18	19:43	21:18	23:14	1:32	3:53
18	6:06	8:22	10:42	13:01	15:05	16:47	18:15	19:39	21:15	23:10	1:28	3:49
19	6:02	8:19	10:38	12:57	15:01	16:43	18:11	19:35	21:11	23:06	1:24	3:45
20	5:58	8:15	10:34	12:53	14:57	16:39	18:07	19:32	21:07	23:02	1:21	3:41
21	5:54	8:11	10:30	12:49	14:53	16:35	18:03	19:28	21:03	22:58	1:17	3:37
22	5:50	8:07	10:26	12:45	14:49	16:31	17:59	19:24	20:59	22:54	1:13	3:33
23	5:46	8:03	10:22	12:41	14:45	16:27	17:55	19:20	20:55	22:50	1:09	3:29
24	5:43	7:59	10:18	12:37	14:41	16:23	17:51	19:16	20:51	22:46	1:05	3:25
25	5:39	7:55	10:14	12:33	14:37	16:20	17:47	19:12	20:47	22:42	1:01	3:21
26	5:35	7:51	10:10	12:29	14:33	16:16	17:43	19:08	20:43	22:38	0:57	3:17
27	5:31	7:47	10:07	12:25	14:29	16:12	17:39	19:04	20:39	22:35	0:53	3:13
28	5:27	7:43	10:03	12:21	14:25	16:08	17:35	19:00	20:35	22:31	0:49	3:09
29	5:23	7:39	9:59	12:17	14:21	16:04	17:31	18:56	20:31	22:27	0:45	3:06
30	5:19	7:35	9:55	12:13	14:17	16:00	17:27	18:52	20:27	22:23	0:41	3:02
31												

अक्टूबर 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
1	7:31	9:51	12:09	14:14	15:56	17:23	18:48	20:23	22:19	0:37	2:58	5:15
2	7:27	9:47	12:06	14:10	15:52	17:19	18:44	20:19	22:15	0:33	2:54	5:11
3	7:23	9:43	12:02	14:06	15:48	17:16	18:40	20:16	22:11	0:29	2:50	5:07
4	7:20	9:39	11:58	14:02	15:44	17:12	18:37	20:12	22:07	0:26	2:46	5:03
5	7:16	9:35	11:54	13:58	15:40	17:08	18:33	20:08	22:03	0:22	2:42	4:59
6	7:12	9:31	11:50	13:54	15:36	17:04	18:29	20:04	21:59	0:18	2:38	4:55
7	7:08	9:27	11:46	13:50	15:32	17:00	18:25	20:00	21:55	0:14	2:34	4:51
8	7:04	9:23	11:42	13:46	15:28	16:56	18:21	19:56	21:51	0:10	2:30	4:47
9	7:00	9:19	11:38	13:42	15:24	16:52	18:17	19:52	21:47	0:06	2:26	4:44
10	6:56	9:15	11:34	13:38	15:21	16:48	18:13	19:48	21:43	0:02	2:22	4:40
11	6:52	9:12	11:30	13:34	15:17	16:44	18:09	19:44	21:40	23:54	2:18	4:36
12	6:48	9:08	11:26	13:30	15:13	16:40	18:05	19:40	21:36	23:50	2:14	4:32
13	6:44	9:04	11:22	13:26	15:09	16:36	18:01	19:36	21:32	23:46	2:10	4:28
14	6:40	9:00	11:18	13:22	15:05	16:32	17:57	19:32	21:28	23:42	2:07	4:24
15	6:36	8:56	11:14	13:19	15:01	16:28	17:53	19:28	21:24	23:38	2:03	4:20
16	6:32	8:52	11:10	13:15	14:57	16:24	17:49	19:24	21:20	23:34	1:59	4:16
17	6:28	8:48	11:07	13:11	14:53	16:20	17:45	19:21	21:16	23:30	1:55	4:12
18	6:24	8:44	11:03	13:07	14:49	16:17	17:41	19:17	21:12	23:27	1:51	4:08
19	6:21	8:40	10:59	13:03	14:45	16:13	17:38	19:13	21:08	23:23	1:47	4:04
20	6:17	8:36	10:55	12:59	14:41	16:09	17:34	19:09	21:04	23:19	1:43	4:00
21	6:13	8:32	10:51	12:55	14:37	16:05	17:30	19:05	21:00	23:15	1:39	3:56
22	6:09	8:28	10:47	12:51	14:33	16:01	17:26	19:01	20:56	23:11	1:35	3:52
23	6:05	8:24	10:43	12:47	14:29	15:57	17:22	18:57	20:52	23:07	1:31	3:49
24	6:01	8:20	10:39	12:43	14:26	15:53	17:18	18:53	20:48	23:03	1:27	3:45
25	5:57	8:16	10:35	12:39	14:22	15:49	17:14	18:49	20:44	22:59	1:23	3:41
26	5:53	8:13	10:31	12:35	14:18	15:45	17:10	18:45	20:41	22:55	1:19	3:37
27	5:49	8:09	10:27	12:31	14:14	15:41	17:06	18:41	20:37	22:51	1:15	3:33
28	5:45	8:05	10:23	12:27	14:10	15:37	17:02	18:37	20:33	22:47	1:12	3:29
29	5:41	8:01	10:19	12:23	14:06	15:33	16:58	18:33	20:29	22:43	1:08	3:25
30	5:37	7:57	10:15	12:20	14:02	15:29	16:54	18:29	20:25	22:39	1:04	3:21
31	5:33	7:53	10:12	12:16	13:58	15:25	16:50	18:25	20:21	22:35	1:00	3:17

नवम्बर 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
1	7:49	10:08	12:12	13:54	15:22	16:46	18:22	20:17	22:32	0:56	3:13	5:29
2	7:45	10:04	12:08	13:50	15:18	16:42	18:18	20:13	22:28	0:52	3:09	5:26
3	7:41	10:00	12:04	13:46	15:14	16:39	18:14	20:09	22:24	0:48	3:05	5:22
4	7:37	9:56	12:00	13:42	15:10	16:35	18:10	20:05	22:20	0:44	3:01	5:18
5	7:33	9:52	11:56	13:38	15:06	16:31	18:06	20:01	22:16	0:40	2:57	5:14
6	7:29	9:48	11:52	13:34	15:02	16:27	18:02	19:57	22:12	0:36	2:53	5:10
7	7:25	9:44	11:48	13:30	14:58	16:23	17:58	19:53	22:08	0:32	2:50	5:06
8	7:21	9:40	11:44	13:27	14:54	16:19	17:54	19:49	22:04	0:28	2:46	5:02
9	7:18	9:36	11:40	13:23	14:50	16:15	17:50	19:45	22:00	0:24	2:42	4:58
10	7:14	9:32	11:36	13:19	14:46	16:11	17:46	19:42	21:56	0:20	2:38	4:54
11	7:10	9:28	11:32	13:15	14:42	16:07	17:42	19:38	21:52	0:16	2:34	4:50
12	7:06	9:24	11:28	13:11	14:38	16:03	17:38	19:34	21:48	0:13	2:30	4:46
13	7:02	9:20	11:24	13:07	14:34	15:59	17:34	19:30	21:44	0:09	2:26	4:42
14	6:58	9:16	11:21	13:03	14:30	15:55	17:30	19:26	21:40	0:05	2:22	4:38
15	6:54	9:13	11:17	12:59	14:26	15:51	17:26	19:22	21:36	0:01	2:18	4:34
16	6:50	9:09	11:13	12:55	14:23	15:47	17:23	19:18	21:33	23:53	2:14	4:30
17	6:46	9:05	11:09	12:51	14:19	15:44	17:19	19:14	21:29	23:49	2:10	4:27
18	6:42	9:01	11:05	12:47	14:15	15:40	17:15	19:10	21:25	23:45	2:06	4:23
19	6:38	8:57	11:01	12:43	14:11	15:36	17:11	19:06	21:21	23:41	2:02	4:19
20	6:34	8:53	10:57	12:39	14:07	15:32	17:07	19:02	21:17	23:37	1:58	4:15
21	6:30	8:49	10:53	12:35	14:03	15:28	17:03	18:58	21:13	23:33	1:54	4:11
22	6:26	8:45	10:49	12:31	13:59	15:24	16:59	18:54	21:09	23:29	1:51	4:07
23	6:22	8:41	10:45	12:28	13:55	15:20	16:55	18:50	21:05	23:25	1:47	4:03
24	6:19	8:37	10:41	12:24	13:51	15:16	16:51	18:47	21:01	23:21	1:43	3:59
25	6:15	8:33	10:37	12:20	13:47	15:12	16:47	18:43	20:57	23:17	1:39	3:55
26	6:11	8:29	10:33	12:16	13:43	15:08	16:43	18:39	20:53	23:14	1:35	3:51
27	6:07	8:25	10:29	12:12	13:39	15:04	16:39	18:35	20:49	23:10	1:31	3:47
28	6:03	8:21	10:26	12:08	13:35	15:00	16:35	18:31	20:45	23:06	1:27	3:43
29	5:59	8:17	10:22	12:04	13:31	14:56	16:31	18:27	20:41	23:02	1:23	3:39
30	5:55	8:14	10:18	12:00	13:27	14:52	16:28	18:23	20:37	22:58	1:19	3:35
31												

दिसम्बर 2019 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
1	5:51	8:10	10:14	11:56	13:24	14:48	16:24	18:19	20:34	22:54	1:15	3:32	5:51
2	5:47	8:06	10:10	11:52	13:20	14:45	16:20	18:15	20:30	22:50	1:11	3:28	5:47
3	5:43	8:02	10:06	11:48	13:16	14:41	16:16	18:11	20:26	22:46	1:07	3:24	5:43
4	5:39	7:58	10:02	11:44	13:12	14:37	16:12	18:07	20:22	22:42	1:03	3:20	5:39
5	5:35	7:54	9:58	11:40	13:08	14:33	16:08	18:03	20:18	22:38	0:59	3:16	5:35
6	5:31	7:50	9:54	11:36	13:04	14:29	16:04	17:59	20:14	22:34	0:56	3:12	5:31
7	5:27	7:46	9:50	11:33	13:00	14:25	16:00	17:55	20:10	22:30	0:52	3:08	5:27
8	5:23	7:42	9:46	11:29	12:56	14:21	15:56	17:51	20:06	22:26	0:48	3:04	5:23
9	5:20	7:38	9:42	11:25	12:52	14:17	15:52	17:48	20:02	22:22	0:44	3:00	5:20
10	5:16	7:34	9:38	11:21	12:48	14:13	15:48	17:44	19:58	22:19	0:40	2:56	5:16
11	5:12	7:30	9:34	11:17	12:44	14:09	15:44	17:40	19:54	22:15	0:36	2:52	5:12
12	5:08	7:26	9:30	11:13	12:40	14:05	15:40	17:36	19:50	22:11	0:32	2:48	5:08
13	5:04	7:22	9:27	11:09	12:36	14:01	15:36	17:32	19:46	22:07	0:28	2:44	5:04
14	5:00	7:19	9:23	11:05	12:32	13:57	15:32	17:28	19:42	22:03	0:24	2:40	5:00
15	4:56	7:15	9:19	11:01	12:29	13:53	15:29	17:24	19:39	21:59	0:20	2:36	4:56
16	4:52	7:11	9:15	10:57	12:25	13:49	15:25	17:20	19:35	21:55	0:16	2:33	4:52
17	4:48	7:07	9:11	10:53	12:21	13:46	15:21	17:16	19:31	21:51	0:12	2:29	4:48
18	4:44	7:03	9:07	10:49	12:17	13:42	15:17	17:12	19:27	21:47	0:08	2:25	4:44
19	4:40	6:59	9:03	10:45	12:13	13:38	15:13	17:08	19:23	21:43	0:04	2:21	4:40
20	4:36	6:55	8:59	10:41	12:09	13:34	15:09	17:04	19:19	21:39	0:00	2:17	4:36
21	4:32	6:51	8:55	10:37	12:05	13:30	15:05	17:00	19:15	21:35	23:53	2:13	4:32
22	4:28	6:47	8:51	10:34	12:01	13:26	15:01	16:56	19:11	21:31	23:49	2:09	4:28
23	4:25	6:43	8:47	10:30	11:57	13:22	14:57	16:52	19:07	21:27	23:45	2:05	4:25
24	4:21	6:39	8:43	10:26	11:53	13:18	14:53	16:49	19:03	21:23	23:41	2:01	4:21
25	4:17	6:35	8:39	10:22	11:49	13:14	14:49	16:45	18:59	21:20	23:37	1:57	4:17
26	4:13	6:31	8:35	10:18	11:45	13:10	14:45	16:41	18:55	21:16	23:33	1:53	4:13
27	4:09	6:27	8:32	10:14	11:41	13:06	14:41	16:37	18:51	21:12	23:29	1:49	4:09
28	4:05	6:23	8:28	10:10	11:37	13:02	14:37	16:33	18:47	21:08	23:25	1:45	4:05
29	4:01	6:20	8:24	10:06	11:33	12:58	14:33	16:29	18:43	21:04	23:21	1:41	4:01
30	3:57	6:16	8:20	10:02	11:30	12:54	14:30	16:25	18:40	21:00	23:17	1:37	3:57
31	3:53	6:12	8:16	9:58	11:26	12:51	14:26	16:21	18:36	20:56	23:13	1:34	3:53

जनवरी 2020 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
1	8:13	9:55	11:23	12:48	14:22	16:17	18:32	20:52	23:09	1:30	3:49	6:08
2	8:09	9:51	11:19	12:44	14:18	16:13	18:28	20:48	23:05	1:26	3:45	6:04
3	8:05	9:47	11:15	12:40	14:14	16:09	18:24	20:44	23:02	1:22	3:41	6:00
4	8:01	9:43	11:11	12:36	14:10	16:05	18:20	20:40	22:58	1:18	3:37	5:56
5	7:57	9:39	11:07	12:32	14:06	16:01	18:16	20:36	22:54	1:14	3:33	5:52
6	7:53	9:36	11:03	12:28	14:02	15:57	18:12	20:32	22:50	1:10	3:29	5:48
7	7:49	9:32	10:59	12:24	13:58	15:54	18:08	20:28	22:46	1:06	3:26	5:44
8	7:45	9:28	10:55	12:20	13:54	15:50	18:04	20:25	22:42	1:02	3:22	5:40
9	7:41	9:24	10:51	12:16	13:50	15:46	18:00	20:21	22:38	0:58	3:18	5:36
10	7:37	9:20	10:47	12:12	13:46	15:42	17:56	20:17	22:34	0:54	3:14	5:32
11	7:34	9:16	10:43	12:08	13:42	15:38	17:52	20:13	22:30	0:50	3:10	5:28
12	7:30	9:12	10:39	12:04	13:38	15:34	17:48	20:09	22:26	0:46	3:06	5:25
13	7:26	9:08	10:36	12:00	13:35	15:30	17:44	20:05	22:22	0:42	3:02	5:21
14	7:22	9:04	10:32	11:56	13:31	15:26	17:41	20:01	22:18	0:39	2:58	5:17
15	7:18	9:00	10:28	11:53	13:27	15:22	17:37	19:57	22:14	0:35	2:54	5:13
16	7:14	8:56	10:24	11:49	13:23	15:18	17:33	19:53	22:10	0:31	2:50	5:09
17	7:10	8:52	10:20	11:45	13:19	15:14	17:29	19:49	22:06	0:27	2:46	5:05
18	7:06	8:48	10:16	11:41	13:15	15:10	17:25	19:45	22:03	0:23	2:42	5:01
19	7:02	8:44	10:12	11:37	13:11	15:06	17:21	19:41	21:59	0:19	2:38	4:57
20	6:58	8:41	10:08	11:33	13:07	15:02	17:17	19:37	21:55	0:15	2:34	4:53
21	6:54	8:37	10:04	11:29	13:03	14:58	17:13	19:33	21:51	0:11	2:30	4:49
22	6:50	8:33	10:00	11:25	12:59	14:55	17:09	19:29	21:47	0:07	2:27	4:45
23	6:46	8:29	9:56	11:21	12:55	14:51	17:05	19:26	21:43	0:03	2:23	4:41
24	6:42	8:25	9:52	11:17	12:51	14:47	17:01	19:22	21:39	23:57	2:19	4:37
25	6:38	8:21	9:48	11:13	12:47	14:43	16:57	19:18	21:35	23:51	2:15	4:33
26	6:35	8:17	9:44	11:09	12:43	14:39	16:53	19:14	21:31	23:47	2:11	4:29
27	6:31	8:13	9:40	11:05	12:39	14:35	16:49	19:10	21:27	23:43	2:07	4:26
28	6:27	8:09	9:37	11:01	12:36	14:31	16:46	19:06	21:23	23:40	2:03	4:22
29	6:23	8:05	9:33	10:57	12:32	14:27	16:42	19:02	21:19	23:36	1:59	4:18
30	6:19	8:01	9:29	10:54	12:28	14:23	16:38	18:58	21:15	23:32	1:55	4:14
31	6:15	7:57	9:25	10:50	12:24	14:19	16:34	18:54	21:11	23:28	1:51	4:10

फरवरी 2020 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
1	6:10	7:52	9:20	10:45	12:20	14:15	16:30	18:50	21:07	23:24	1:47	4:06	6:10
2	6:06	7:48	9:16	10:41	12:16	14:11	16:26	18:46	21:04	23:20	1:43	4:02	6:06
3	6:02	7:44	9:12	10:37	12:12	14:07	16:22	18:42	21:00	23:16	1:39	3:58	6:02
4	5:58	7:41	9:08	10:33	12:08	14:03	16:18	18:38	20:56	23:12	1:35	3:54	5:58
5	5:54	7:37	9:04	10:29	12:04	14:00	16:14	18:34	20:52	23:08	1:32	3:50	5:54
6	5:50	7:33	9:00	10:25	12:00	13:56	16:10	18:30	20:48	23:04	1:28	3:46	5:50
7	5:46	7:29	8:56	10:21	11:56	13:52	16:06	18:27	20:44	23:00	1:24	3:42	5:46
8	5:42	7:25	8:52	10:17	11:52	13:48	16:02	18:23	20:40	22:56	1:20	3:38	5:42
9	5:39	7:21	8:48	10:13	11:48	13:44	15:58	18:19	20:36	22:52	1:16	3:34	5:39
10	5:35	7:17	8:44	10:09	11:44	13:40	15:54	18:15	20:32	22:48	1:12	3:30	5:35
11	5:31	7:13	8:40	10:05	11:40	13:36	15:50	18:11	20:28	22:44	1:08	3:27	5:31
12	5:27	7:09	8:37	10:01	11:37	13:32	15:47	18:07	20:24	22:41	1:04	3:23	5:27
13	5:23	7:05	8:33	9:58	11:33	13:28	15:43	18:03	20:20	22:37	1:00	3:19	5:23
14	5:19	7:01	8:29	9:54	11:29	13:24	15:39	17:59	20:16	22:33	0:56	3:15	5:19
15	5:15	6:57	8:25	9:50	11:25	13:20	15:35	17:55	20:12	22:29	0:52	3:11	5:15
16	5:11	6:53	8:21	9:46	11:21	13:16	15:31	17:51	20:09	22:25	0:48	3:07	5:11
17	5:07	6:49	8:17	9:42	11:17	13:12	15:27	17:47	20:05	22:21	0:44	3:03	5:07
18	5:03	6:45	8:13	9:38	11:13	13:08	15:23	17:43	20:01	22:17	0:40	2:59	5:03
19	4:59	6:42	8:09	9:34	11:09	13:04	15:19	17:39	19:57	22:13	0:36	2:55	4:59
20	4:55	6:38	8:05	9:30	11:05	13:01	15:15	17:35	19:53	22:09	0:33	2:51	4:55
21	4:51	6:34	8:01	9:26	11:01	12:57	15:11	17:32	19:49	22:05	0:29	2:47	4:51
22	4:47	6:30	7:57	9:22	10:57	12:53	15:07	17:28	19:45	22:01	0:25	2:43	4:47
23	4:43	6:26	7:53	9:18	10:53	12:49	15:03	17:24	19:41	21:57	0:21	2:39	4:43
24	4:40	6:22	7:49	9:14	10:49	12:45	14:59	17:20	19:37	21:53	0:17	2:35	4:40
25	4:36	6:18	7:45	9:10	10:45	12:41	14:55	17:16	19:33	21:49	0:13	2:32	4:36
26	4:32	6:14	7:42	9:06	10:42	12:37	14:51	17:12	19:29	21:46	0:09	2:28	4:32
27	4:28	6:10	7:38	9:02	10:38	12:33	14:48	17:08	19:25	21:42	0:05	2:24	4:28
28	4:24	6:06	7:34	8:59	10:34	12:29	14:44	17:04	19:21	21:38	0:01	2:20	4:24
29	4:20	6:02	7:30	8:55	10:30	12:25	14:40	17:00	19:17	21:34	23:53	2:16	4:20
30													
31													

मार्च 2020 ई. की दैनिक लग्न सारिणी भा. स्टै. टा. अर्धरात्रोत्तर घं. मि.

तिथि	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
1	7:26	8:51	10:26	12:21	14:36	16:56	19:13	21:30	23:49	2:12	4:16	5:58
2	7:22	8:47	10:22	12:17	14:32	16:52	19:10	21:26	23:45	2:08	4:12	5:54
3	7:18	8:43	10:18	12:13	14:28	16:48	19:06	21:22	23:41	2:04	4:08	5:50
4	7:14	8:39	10:14	12:09	14:24	16:44	19:02	21:18	23:38	2:00	4:04	5:47
5	7:10	8:35	10:10	12:05	14:20	16:40	18:58	21:14	23:34	1:56	4:00	5:43
6	7:06	8:31	10:06	12:02	14:16	16:36	18:54	21:10	23:30	1:52	3:56	5:39
7	7:02	8:27	10:02	11:58	14:12	16:33	18:50	21:06	23:26	1:48	3:52	5:35
8	6:58	8:23	9:58	11:54	14:08	16:29	18:46	21:02	23:22	1:44	3:48	5:31
9	6:54	8:19	9:54	11:50	14:04	16:25	18:42	20:58	23:18	1:40	3:44	5:27
10	6:50	8:15	9:50	11:46	14:00	16:21	18:38	20:54	23:14	1:36	3:41	5:23
11	6:46	8:11	9:46	11:42	13:56	16:17	18:34	20:50	23:10	1:33	3:37	5:19
12	6:43	8:07	9:43	11:38	13:53	16:13	18:30	20:47	23:06	1:29	3:33	5:15
13	6:39	8:03	9:39	11:34	13:49	16:09	18:26	20:43	23:02	1:25	3:29	5:11
14	6:35	8:00	9:35	11:30	13:45	16:05	18:22	20:39	22:58	1:21	3:25	5:07
15	6:31	7:56	9:31	11:26	13:41	16:01	18:18	20:35	22:54	1:17	3:21	5:03
16	6:27	7:52	9:27	11:22	13:37	15:57	18:14	20:31	22:50	1:13	3:17	4:59
17	6:23	7:48	9:23	11:18	13:33	15:53	18:11	20:27	22:46	1:09	3:13	4:55
18	6:19	7:44	9:19	11:14	13:29	15:49	18:07	20:23	22:42	1:05	3:09	4:51
19	6:15	7:40	9:15	11:10	13:25	15:45	18:03	20:19	22:39	1:01	3:05	4:48
20	6:11	7:36	9:11	11:07	13:21	15:41	17:59	20:15	22:35	0:57	3:01	4:44
21	6:07	7:32	9:07	11:03	13:17	15:37	17:55	20:11	22:31	0:53	2:57	4:40
22	6:03	7:28	9:03	10:59	13:13	15:34	17:51	20:07	22:27	0:49	2:53	4:36
23	5:59	7:24	8:59	10:55	13:09	15:31	17:47	20:03	22:22	0:44	2:48	4:32
24	5:55	7:20	8:55	10:51	13:05	15:27	17:43	19:56	22:18	0:40	2:44	4:29
25	5:51	7:17	8:51	10:47	13:01	15:23	17:39	19:52	22:14	0:36	2:40	3:25
26	5:47	7:13	8:47	10:43	12:57	15:19	17:35	19:48	22:10	0:32	2:36	4:21
27	5:43	7:09	8:43	10:39	12:53	15:15	17:31	19:44	22:06	0:28	2:33	4:17
28	5:40	7:06	8:39	10:36	12:49	15:11	17:27	19:40	22:03	0:24	2:29	4:12
29	5:37	7:01	8:35	10:31	12:45	15:07	17:23	19:36	21:59	0:20	2:25	4:18
30	5:33	6:57	8:32	10:27	12:41	15:03	17:19	19:32	21:55	0:16	2:21	4:04
31	5:26	6:54	8:28	10:23	12:37	15:00	17:15	19:28	21:51	0:12	2:17	4:00

अथ जन्म-समयादि विचार

सर्वशास्त्र शिरोमणि ज्योति:शास्त्र की महत्ता को सारा संसार जानता है; क्योंकि वह प्रत्यक्ष फलदायक है, अत: प्राचीनकाल से लेकर आज तक इसका प्रभाव चलता आ रहा है। इसके बिना और कोई शास्त्र नहीं, जो कि तीनों काल (भूत, भविष्य, वर्तमान) की वर्ता को बतला सके और वेद के छह अंगों में से यह नेत्र स्थानीय है। जिस प्रकार सम्पूर्ण अंगों के सुन्दर तथा पुष्ट होने पर भी नेत्रविहीन मनुष्य का जन्म व्यर्थ होता है, इसी प्रकार सम्पूर्ण शास्त्रों के पढ़ लेने पर भी ज्योति:शास्त्र विहीन भूत, भविष्य को बतलाने में मूक-सा रह जाता है। परन्तु खेद इस बात का है कि ऐसा होने पर भी आजकल फलादेश के पूरा न मिलने से लोगों की श्रद्धा बहुत घट गयी है। इसमें कारण तो बहुत हैं, परन्तु दो-चार यहां बतलाये जाते हैं—जब बालक का जन्म होता है, उस समय गांव वालों के पास कोई घड़ी आदि का सुप्रबन्ध न होने से वे लोग समय को निश्चित रूप से नहीं बता सकते। यदि किसी ने सब प्रकार से अपना प्रबन्ध करके समय को निश्चित रूप से नोट किया भी हो, तो वह घर में आने वाले पुरोहित या किसी ज्योति:शास्त्र के अनभिज्ञ पण्डित से कुण्डली बनवाकर रख लेते हैं और पण्डितजी रुपये के लालच में फंसकर मनमाना लग्न बनाकर यजमान को दे देते हैं, जिसका परिणाम यह होता है कि भविष्य में उसका फल ठीक नहीं मिलता, परन्तु कलंक का टीका ज्योति:शास्त्र पर मढ़ा जाता है। क्योंकि लग्न के ठीक होने पर ही फलादेश ठीक मिल सकता है, वह फलादेश इष्ट पर निर्भर है और वह इष्ट नोट किये हुए समय पर निर्भर है, अत: समय के नोट करने में सावधानी रखनी चाहिए और वह लग्न ठीक है या नहीं, इसके निश्चय के लिए निम्नलिखित योगों पर विचार कर लेना चाहिए--

तत्रादौ पितृपरोक्ष ज्ञान—बालक के जन्म के समय पिता घर में था या नहीं ? इसका विचार इस प्रकार से करना चाहिए कि जन्मकुण्डली में लग्न को यदि चन्द्रमा नहीं देखता हो, तो बालक के जन्म के समय उसका पिता घर में नहीं था, ऐसा कहना। इसमें इतना विशेष है कि यदि सूर्य जन्म लग्न से अष्टम, नवम, एकादश तथा द्वादश स्थानों में चरराशि का होकर पड़ा हो, तो पिता बालक के जन्म समय दूसरे देश में था। इन्हीं स्थानों में सूर्य स्थिर राशि का हो और चन्द्रमा लग्न को न देखे, तो पिता अपने देश में ही था, परन्तु घर में नहीं था। इसी प्रकार सूर्य के द्विस्वभाव राशि में होने पर मार्ग में कहें, परन्तु इन सब योगों में लग्न को चन्द्रमा न देखता हो, तो ऐसा कहना। यदि चन्द्रमा देखता हो, तो पिता घर में ही था, ऐसा जानना चाहिए।

जन्म समय शनि लग्न में हो अथवा सातवें स्थान पड़ा हो अथवा इसी प्रकार बुध और शुक्र में से एक, तो चन्द्रमा से द्वादश स्थान में और द्वितीय स्थान में पड़ा हो, तो भी पिता के परोक्ष में बालक का जन्म जानना, परन्तु यहां चन्द्रमा का बुध शुक्र के बीच में होना अंशों के योग से भी जान लेना, जैसा बुध के स्पष्ट पांच अंश हों, चन्द्रमा के दस अंश हों, शुक्र के पन्द्रह अंश हों और तीनों एक राशि में बैठे हों, तो भी पूर्वोक्त योग जानना चाहिए।

चिह्न ज्ञान—जिसके जन्म समय 1।5।6।9 इन स्थानों में सूर्य हो, उसकी भुजा में कोई चिह्न होगा। यदि लग्न में सूर्य तथा शनि हो, दूसरे मंगल हो और केन्द्र में चन्द्रमा हो, तो उस बालक की छह अंगुलियाँ होती हैं। चिह्न विचार करते समय इतना पहले विचार कर लेना कि योगकर्त्ता ग्रह कौन है ? उसमें यदि सूर्य हो, तो शिर में चन्द्रमा के होने से मुख में, मंगल गले में, बुध छाती में, गुरु नाभि में, शुक्र पीठ या जांघ में, शनि राहु तथा केतु इनके योग से पेट, होठ या दाँतों पर चिह्न जानना चाहिए। **विशेष विचार**—सातवें घर में गुरु या लग्न में राहु के साथ गुरु हो, आठवें घर पाप ग्रह हों या लग्न में शुक्र और आठवें पाप ग्रह के होने से बायीं भुजा पर चिह्न होता है। लग्न में शुक्र और सातवें राहु होवे, तो माथे या बायें कान में चिह्न होवे। लग्न से 3।6।11 इन स्थानों में मंगल या बारहवें घर में मंगल शुक्र एक साथ हों, तो बायें बगल की ओर तिल का चिह्न होवे। लग्न में मंगल हो, 5।6 स्थान में शनि हो, इसको शुक्र देखे, तो गुदा (मलद्वार) या लिङ्ग के समीप तिल का चिह्न होगा। लग्न से 5।6 स्थान में शनि हो, इसको 8वें बुध, गुरु लब्ध में या चौथे शनि होने से पेट पर चिह्न होता है। दूसरे घर पर शुक्र या तीसरे मंगल शनि हो, लग्न में आठवें सूर्य हो, तो कमर में चिह्न होगा। चौथे घर पर शुक्र राहु हो लग्न में मंगल या शनि हो, तो पादमुल या बायें पैर पर चिह्न होगा। बारहवें बृहस्पति दूसरे चन्द्रमा 3।6।11वें स्थान में बुध के होने से गुदा के समीप गोलाकार चिह्न या व्रणादि होते हैं। छठे घर का स्वामी पाप ग्रह के साथ लग्न या सातवें घर में हो, तो शरीर में व्रणादि चिह्न होते हैं। लग्न में मंगल, सातवें बृहस्पति या शुक्र हो, तो उसके शिर में चोट या व्रणादि के चिह्न हों। लग्न में मंगल, शुक्र चन्द्रमा के साथ होने से दूसरे या छठे वर्ष शिर में चिह्न होता है। मंगल से व्रणादि, चन्द्र शुक्र से तिल जानना।

अन्तरिक्ष जन्म ज्ञान—यहाँ पर समभूमि से जो ऊँचा स्थान हो, उसकी अन्तरिक्ष संज्ञा जाननी। जिसके जन्म समय मिथुन, कन्या, धनु और मीन—ये लग्न हों, उसका जन्म अन्तरिक्ष में जानना, शेष लग्न हों, तो समभूमि में जानना।

बालक का रोदन ज्ञान—जन्म समय यदि मेष, मिथुन, सिंह और धनु लग्न हों, तो बालक ने जन्म समय के बाद जल्दी ही रुदन किया था, ऐसा कहना। कन्या, तुला और कुम्भ—ये लग्न हों, तो थोड़ा शब्द किया हो, शेष लग्नों में बालक ने देरी से शब्द किया था, ऐसा जानना। परन्तु इसमें इतना विशेष है कि लग्न और चन्द्रमा में जिसकी राशि बलवान् हो, उससे फल कहना।

उपसूतिका का ज्ञान—लग्न अथवा लग्नेश के साथ और इसके दूसरे बारहवें स्थान में जितने ग्रह हों, उतनी उपसूतिका कहना।

दूसरा प्रकार—लग्न और चन्द्रमा के बीच जितने ग्रह हों, उतनी ही उपसूतिका जानना। लग्न से सप्तम स्थान पर्यन्त अदृश्यार्थ और सप्तम से लग्न पर्यन्त दृश्यार्थ होता है। लग्न से लेकर यदि ग्रह अदृश्यार्थ में हो, तो उपसूतिका घर के अन्दर और दृश्यार्थ में हो, तो उपसूतिका बाहर जानना। उपसूतिकाओं के वर्ण, जाति अवस्था आदि का विचार उन ग्रहों से ही कहना, परन्तु उन ग्रहों में जितने ग्रह उच्च के तथा वक्री हों, उनकी संख्या को तीन से गुणा, अपने नवांश, अपनी राशि अथवा अपने द्रेष्काण में स्थित की संख्या को दूगुना और नीच राशि में स्थित और अस्त ग्रहों की संख्या को आधा करके सूतिका के पास उपसूतिकाएँ कहनी चाहिए।

शिरः पादजात ज्ञान—शीर्षोदय राशि 3 ।5 ।6 ।7 ।8 ।11 जन्म के समय इन राशियों का नवांश लग्न में हो, तो शिर से, पृष्ठोदय राशि 1 ।2 ।4 ।9 ।10 इन राशियों का नवांश जन्म समय हो, तो पैरों से और मीन का नवांश हो, तो हाथ से जन्म जानना।

सूतिकागृह द्वार ज्ञान—केन्द्र में स्थित ग्रह की दिशा में सूतिका का गृह का द्वार जानना। यदि केन्द्र में कई ग्रह पड़े हों, तो उनमें जो अधिक बली हो, उसकी दिशा कहनी। यदि केन्द्र में कोई ग्रह न हो, तो लग्न की दिशा में कहना।

पुरुष के शरीर में सूर्यादि ग्रहों का अधिकार—पुरुष के शिर और मुख प्रदेश में सूर्य का अधिकार है, वक्षःस्थल और गले में चन्द्रमा का अधिकार है, पृष्ठ स्थल और उदर में मंगल का अधिकार है। हस्त और पादों में बुध का अधिकार है। कटि प्रदेश और जघन स्थान में गुरु का अधिकार है। गुप्तेन्द्रिय और वृष्णों में शुक्र का अधिकार, जानु और उरु प्रदेश में शनि का अधिकार है। जन्म समय, प्रश्न समय और गोचर में जब-जब सूर्यादि ग्रह अनिष्ट स्थान में जाते हैं, तब पुरुषों के उपरोक्त अंगों को पीड़ित करते हैं।

मेषादि-राशियों का अंग-विभाग—कालपुरुष के शिर में मेष राशि का स्थान है, मुख में वृष राशि का, दोनों भुजाओं में मिथुन राशि का, हृदय में कर्क राशि का, उदर में सिंह राशि का, कमर में कन्या राशि का, वस्ति (मूत्राशय) में तुला राशि का, गुप्तेन्द्रिय में वृश्चिक राशि का, उरु (दोनों जंघाओं) में धनु राशि का, दोनों जानु (घुटनों) में मकर राशि का, पिण्डलियों में कुम्भ राशि का और दोनों पादों में मीन राशि का स्थान है। कई एक आचार्य द्वादश भावों में भी इन अंगों की कल्पना करते हैं। जैसे प्रथम भाव में शिर, द्वितीय भाव में मुख, तृतीय भाव में भुजा, चतुर्थ भाव में हृदय, पंचम भाव में उदर, छठे भाव में कमर, सप्तम भाव में वस्ति, अष्टम भाव में गुप्तेन्द्रिय, नवम भाव में उरु, दशम भाव में जानु, एकादश भाव में जंघा और द्वादश भाव में पादों को जानना। उपर्युक्त मेषादि 12 राशि अथवा लग्नादि द्वादश भाव शुभग्रहों से युक्त या दृष्ट होता है, अंगों का विचार करके फलादेश कहना युक्तियुक्त होता है।

अथ प्रसूति लग्न विचार

मेष—सूतिका गृह पुराना, द्वार पूर्व में, माता का सिर पूर्व में, वस्त्र लाल रंग के। प्रसव से पहले मीठा भोजन किया हो, प्रसव में कष्ट अधिक, भूमि में जन्म, प्रसव बाद बालक अधिक रोया। उपसूतिका 1 या 3। बालक के मुख का रंग कुछ श्यामता पर हो, नेत्र भूरे, प्रकृति वात-श्लेष्म, कद छोटा, शरीर दृढ़। वाणी चंचल। कष्ट वर्ष 4 ।11 ।16 ।44 ।58। **उपाय**—गोदान, तुला दान, मृत्युंजय जप इत्यादि। उपरान्त आयु 100 वर्ष।

वृष—माता का सिर दक्षिण में, सूतिका घर नया, द्वार दक्षिण में, माता के सफेद वस्त्र, माता ने शुष्क शाकादि खाया हो, अधोमुख होकर पाद से प्रसव, बालक ऊँचे स्वर से रोया, उपसूतिका 3 या 4, दीपक उत्तर में, बालक का रंग गोरा, स्वरूप सुन्दर, प्रकृति रक्तपित्त। कष्टवर्ष 1 ।2 ।8 ।33 ।44 ।61। **उपाय**—अन्नदान, ब्राह्मण भोजन, मृत्युंजय जप। उपरान्त आयु 90 वर्ष।

मिथुन—माता का सिर पश्चिम में, मकान नया, द्वार पश्चिम में, माता के वस्त्र पीले रंग के पुराने, प्रसव से पहले भोजन नमकीन किया हो, माता के दाहिने अंग में कोई चिह्न हो, जन्म अन्तरिक्ष में (छत पर) प्रसव सिर में, रोदन शब्द दीर्घ, उपसूतिका 3 या 5, स्तनों में दूध कम उतरे, बालक के नेत्र रोगयुक्त, प्रकृति बलगमी, स्वभाव चंचल, अग्निमन्द, बुद्धि विलक्षण, माता को पहले कुछ ज्वर आदि भी हुआ हो। कष्ट वर्ष 4 ।10 ।14 ।38 ।58। **उपाय**—शिवार्चन, मृत्युंजय जप, होम। उपरान्त आयु 86 वर्ष।

कर्क—माता का सिर उत्तर में, मकान नया, द्वार उत्तर में, वस्त्र पुराने सफेद या लाल, पिता क्लेश में, प्रसव कष्ट अधिक, माता ने मधुर शीतल भोजन किया हो, भूमि में जन्म, पाद से प्रसव, रोदन शब्द दीर्घ, उपसूतिका 4 या 5, बालक के वामांग में चिह्न, बालक का सिर मोटा, आँखें चंचल, प्रकृति वात श्लेष्म, रंग गोरा, कद लम्बा, शरीर कोमल 5 ।25 ।40 ।48 ।62 वर्षों में कष्ट हो। **उपाय**—छाया पात्र, तुलादान, मृत-संजीवनी मन्त्र का जप। उपरान्त आयु 100 वर्ष।

सिंह—माता का सिर पूर्व में, मकान नया, द्वार पूर्व को, माता के वस्त्र लाल या चित्र विचित्र, भोजन के साथ शाक और खट्टा खाया हो, भूमि पर जन्म, रोदन स्वर दीर्घ, उपसूतिका 3 या 5, बालक की पीठ पर चिह्न, केश घने, नाक लम्बी, कद छोटा, शरीर कोमल, रंग गोरा, हठीला चंचल, क्रूर स्वभाव, प्रकृति कफ पित्त, कष्टकारक वर्ष 5 ।13 ।28 ।36 ।48। **उपाय**—सूर्य पूजन, आदित्य हृदय का पाठ, अपूपान्न-दान यदि कष्टकारक वर्षों से बचे, तो 83 वर्ष आयु हो।

कन्या—माता का सिर उत्तर में, प्रसव स्थान घर के दक्षिण भाग में, पिता घर से बाहर हो, माता के वस्त्र कुछ जीर्ण लाल रंग के, मिष्टान भोजन किया, छत पर या ऊँची जगह जन्म, बालक कम रोया, उपसूतिका 4 या 5, भुजा में साधारण भूषण, बालक का रंग गोरा, गले और जांघ में चिह्न, कष्टकारक वर्ष 4 ।16 ।23 ।36 ।55। **उपाय**—मुद्गान्न दान, गोदान, मृत्युंजय जप, उपरान्त आयु 100 वर्ष।

तुला—माता का सिर पश्चिम में, मकान कुछ नूतन, प्रसूतिका गृह पश्चिम भाग में, माता के वस्त्र साधारण श्वेत, प्रसव कष्ट अधिक, पिता क्लेश में, माता ने कुछ खाकर ठण्डा पानी पिया हो, घर में कुछ लड़ाई-झगड़ा हुआ हो, भूमि में जन्म, रोने की आवाज धीमी, उपसूतिका 3 या 5, वहाँ एक कन्या भी हो, दीपक हाथ में उठाया गया, बालक का रंग जर्दी पर, बदन में फोड़े, शरीर दुबला, 8 ।15 ।31 ।35 ।62 ।64—इन वर्षों में कष्ट हो। गोदान, तन्दुल दान, नवग्रह पूजन और होम से शान्ति होगी। यदि इन कष्टकारक वर्षों से बचे, तो 85 वर्ष आयु भोगे।

वृश्चिक—माता का सिर दक्षिण या उत्तर में, मकान जीर्ण, द्वार उत्तर में, वस्त्र लाल या दग्ध, कष्ट अधिक, साधारण भोजन कुछ क्रोधयुक्त, भूमि पर जन्म, रोदन की आधी आवाज, उपसूतिका 4 या 5, पिता क्लेश में, बालक के केश लम्बे और काले, पीठ पर चिह्न, गले में पीड़ा, रंग श्याम, प्रकृति रक्तपित्त, कष्टकारक वर्ष 11 ।28 ।38 ।52 ।62। **उपाय**—तुलादान, मृत्युंजय जप और मिष्टान भोजन, उपरान्त आयु 100 वर्ष।

धनु—माता का सिर पूर्व में, प्रसूति स्थान घर के दक्षिण भाग में, द्वार पूर्व में, मकान तथा माता के वस्त्र लाल या बसन्ती, पक्वान्न भोजन कर जल पिया हो। जन्म ऊँचे स्थान या छत पर, रोदन स्वर अतिदीर्घ, उपसूतिका 1 या 5, बालक का रंग गोरा, आकृति सुन्दर, नेत्र विशाल, सिर ऊँचा, हृदय पर चिह्न 2।10।18।31।34।42 वें वर्षों में महाकष्ट भोगकर बचे, तो 81 वर्ष जिये। **उपाय**—कष्टकारक वर्षारम्भ में शिवार्चन, महामृत्युंजय जप और ब्राह्मण-भोजन कराने से कल्याण हो।

मकर—माता का सिर दक्षिण में, मकान पुराना, द्वार उत्तर या दक्षिण में, प्रसूति स्थान पश्चिम भाग में, वस्त्र मैले, पुराने, शाकादि के साथ भोजन करके ठण्डा पानी पिया हो, भूमि पर जन्म, कुछ देर बाद बालक अर्द्ध स्वर से रोया, उपसूतिका 1 या 5, बालक के केश घने, नाक मोटी, मस्तक ऊँचा, रंग श्याम, कष्टकारक वर्ष 5।13।27।36।57।62।87 **उपाय**—रुद्राभिषेक, स्वर्ण दान, तैल, माषान्न दान, छायापात्र, उपरान्त आयु 95 वर्ष।

कुम्भ—माता का सिर पश्चिम में, मकान का बहुत-सा भाग जीर्ण हो, सूतिका घर दक्षिण पश्चिम में, द्वार पूर्वोत्तर में, माता के वस्त्र कुछ काले या मैले पुराने, कम्बल ओढ़ा हो, साधारण कसैला और चटपटा भोजन किया हो, पिता घर में न हो, भूमि पर जन्म होने से चिर पीछे बालक थोड़ा-सा रोया, उपसूतिका 3 या 4, बालक के होंठ मोटे, मस्तक लम्बा, प्रकृति गरम, कद नाटा, नेत्र में रोग, कष्ट 2।28।33।48।64। **उपाय**—तुलादान, महिषीदान, मृत्युंजय जप। उपरान्त आयु 90 वर्ष।

मीन—माता का सिर उत्तर में, मकान का कुछ हिस्सा पुराना, प्रसूति गृह उत्तर भाग में, द्वार दक्षिण को, माता के वस्त्र मलिन या बसन्ती, पिता घर पर, जन्म ऊँचे स्थान में, बालक जन्म के उपरान्त देर से रोया, माता ने ठण्डा जल पिया, उपसूतिका पहले 2 पीछे 3 या 5, पलंग का पाया टूटा हुआ, बालक का रंग गोरा, नाक चपटी हुई, आँखें भूरी, सिर ऊँचा, बाल कपिल, प्रकृति बलगमी, कष्टकारक वर्ष 1।8।13।36।48। इनसे बच जाये, तो 83 वर्ष की आयु भोगे। **उपाय**—मोदकान्न दान, गोदान, ग्रह शान्ति, मृत्युंजय जप कराने से कल्याण हो।

सूचना—जिस लग्न के लक्षण अधिक मिलें, वही लग्न ठीक मानना चाहिए। ऊपर लिखे लक्षण साधारण लग्न के आधार पर लिखे गये हैं, अतः सम्भव है कि किसी-किसी स्थान पर इनसे भी लग्न का निश्चय न हो सके; क्योंकि बलाबल विचार से ही लग्न का पूर्ण निश्चय हो सकता है। उसके लिए कुण्डली पर से विशेष प्रसूति लग्न का विचार पहले लिखा जा चुका है।

बालारिष्ट के योग—जन्म लग्न से 6।8।12 वें स्थान में स्थित चन्द्रमा को यदि क्रूर ग्रह देखते हों, तो वह बालक अल्पायु जानना। यदि पूर्वोक्त चन्द्रमा को शुभ ग्रह देखते हों, तो बालक की आयु 8 वर्ष की जानना। शनि अथवा शुभ ग्रह 6।8।12—इन स्थानों में हों या वक्री तथा क्रूर ग्रहों से देखे भी जाते हों, लग्न में कोई ग्रह शुभ नहीं हो, तो बालक की आयु एक मास जानना। जिसके लग्न में पांचवें स्थान में सूर्य, मंगल और शनि—यह तीनों पड़े हों, उस बालक की माता सहित मृत्यु जाननी तथा भाई को भी हानि हो। जिसके दशम स्थान में शनि, छठे चन्द्रमा और सातवें स्थान में मंगल हो, उस बालक की माता सहित मृत्यु जानना। जिसके लग्न में शनि हो, चन्द्रमा आठवें हो, बृहस्पति तीसरे हो, उस बालक की शीघ्र ही मृत्यु जानना। जन्म लग्न से बारहवें स्थान में कोई भी ग्रह शुभ फल करने वाला नहीं होता, परन्तु सूर्य, चन्द्रमा, शुक्र और राहु—ये विशेष करके कष्टकारक जानने तथा इनकी दृष्टि भी शुभ नहीं है। जिसके जन्म लग्न बारहवें तथा छठे, आठवें दूसरे ग्रह पड़े हों तथा लग्न क्रूर ग्रहों के बीच में पड़ा हो, उस बालक की शीघ्र मृत्यु जाननी।

अरिष्ट भंग योग—बुध, बृहस्पति, शुक्र—इनमें से एक भी यदि केन्द्र (1।4।7।10) में हो, बलवान् होकर यदि बृहस्पति लग्न में हो। बली होकर लग्न का स्वामी यदि केन्द्र में हो। शुक्लपक्ष में रात्रि का जन्म हो तथा लग्न शुभ ग्रहों से देखा जाता हो, इसी प्रकार कृष्णपक्ष में दिन का जन्म हो और पूर्ववत् लग्न शुभ ग्रहों से दृष्ट हो। इन पाँचों योगों में से एक भी योग पड़ जाये, तो ऊपर कहे हुए अरिष्टों को भंग करने वाला योग जानना।

माता-पिता को अरिष्ट योग—हर एक बालक के लिए सूर्य से पिता का विचार और चन्द्रमा से माता का विचार करना चाहिए। अतएव जिस बालक की जन्मकुण्डली में सूर्य के साथ पापी ग्रह बैठे हों अथवा देखते हों या सूर्य पापी ग्रहों के बीच पड़ा हो, तो उस बालक के जन्म समय पिता को कष्ट जानना चाहिए। इसी प्रकार सूर्य से 4।6।8 स्थान में क्रूर ग्रह हों, शुभ कोई भी न हो, तो भी पिता को कष्ट जानना। इसी प्रकार यदि चन्द्रमा के साथ 2।12 स्थान में और 4।6।8 स्थान में क्रूर ग्रह हों, शुभ न हों, तो माता को कष्ट जानना।

प्रसवदोष अरिष्ट का फल—चैत्र में कुतिया, वैशाख में ऊँटनी, ज्येष्ठ में बिल्ली, श्रावण में गधी व घोड़ी, भाद्रपद में गौ, कार्तिक में स्त्री, मार्गशीर्ष में हथिनी, पौष में बकरी, माघ में भैंस प्रसूत हो, तो पिता या गर्भवती की 6 मास में मृत्यु या मृत्युतुल्य कष्ट होता है। श्रावण में दिन को घोड़ी और माघ में बुधवार को भैंस प्रसूत हो, तो घर धनी को महाभय अरिष्ट होवे। शान्त्यर्थ प्रसूता गौ आदि का शीघ्र दान करें, घर में हवन शान्तिपाठ, पुण्यावाचन, श्वेतसर्षपहवन कर व्याहृति मन्त्रों से आहुति दें, जिससे शान्ति हो।

त्रिखल-जन्म-फल—तीन पुत्रों के बाद कन्या हो या तीन कन्याओं के पश्चात् पुत्र हो, तो त्रिखल नामक दोष होता है। इससे माता-पिता को अरिष्ट, महाभय धनहानि आदि होती है। शान्त्यर्थ त्रिखल शान्ति करें।

दन्तोत्पत्ति फल—बालक के जन्मते ही दाँत निकले हुए हों, तो माता-पिता को महा अरिष्ट। प्रथम ऊपर की पंक्ति में दाँत से जन्मे, तो अधिक अरिष्ट। प्रथम ऊपर की पंक्ति में दाँत निकलें, तो मातुल पक्ष को भय हो। 1 मास में दाँत निकलें, तो शरीर नष्ट, द्वितीय में छोटा भ्राता नष्ट, तृतीय में भगिनि नष्ट, चतुर्थ में भाई नष्ट, पांचवें में ज्येष्ठ बन्धु नष्ट, छठे में बहुभोग, 7वें में पितृ सुख, 8वें में पुष्टि, 9वें में धनी, 10वें में सुख, 11वें में सुख, 12वें में धनी।

एकनक्षत्र जातक फल—पिता पुत्र, माता पुत्र या कन्या, दो भ्राता—इनका एक नक्षत्र में जन्म हो, तो दोनों में से एक की मृत्यु या मृत्युतुल्य कष्ट होता है। स्वर्ण दान, शान्ति हवन आदि करने से अरिष्ट निवारण होता है।

गण्डमूल के नक्षत्र

अश्विनी	अश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती

ये 6 नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में जन्मा हुआ बालक माता-पिता, कुल या अपने शरीर को नष्ट करता है। स्वयं का शरीर नष्ट न हो, तो धन-वैभव, ऐश्वर्य, हाथी, घोड़ों का स्वामी होता है। गण्डमूल में जन्मे हुए बालक का 27 दिन तक पिता मुख न देखे। प्रसूति स्नान के पश्चात् शुभ मुहूर्त में गौ, स्वर्णदान आदि शान्ति कर पश्चात् शुभ बेला में बालक का मुख देखे।

मूलनिवास चक्र

जन्म मासानुसारेण	वै. ज्ये. मार्ग. फा.	चै. श्रा. का. पौ.	आषा. आ. माघ.भा.
जन्म लग्नानुसारेण	2 ।5 ।8 ।11	3 ।6 ।9 ।12	1 ।4 ।7 ।10
मूल निवासस्थानम्	पाताले	भूमौ	स्वर्गे
फलम्	शुभम्	कुलनाशः	शुभम्

अथ मूलाश्लेषा-पादफल

मूल पादफल		अश्लेषा पादफल		समय फल	
चरण	फल	चरण	फल	समय	फल
1	पितृ-नाश	1	शान्ति से शुभ	दिन में	पिता को भय
2	मातृ-नाश	2	धन-नाश	सन्ध्या में	स्वशरीर भय
3	धन-नाश	3	मातृ-नाश	रात्रि में	माता को भय
4	शान्ति से शुभ	4	पितृ-नाश		

मूलजनने-वृक्षविभागः

मूले	स्तम्भे	त्वचायां	शाखायां	पत्रे	पुष्पे	फले	शिखायां	विभाग
7	8	10	11	12	5	4	3	घट्यः
मूलनाश	वंश-नाशः	मातृ-क्लेशः	मातुलनाशः	मैत्री-पदम्	मन्त्री-पदम्	विपुल-लाभ	अल्पजीवी	फलम्

अथ मूलपुरुष चक्रम्

मूर्ध्नि	मुखे	स्कन्धे	बाह्वोः	हस्ते	हृदये	नाभौ	गुह्ये	जानुनि	पादे	स्थानं
5	7	4	8	3	9	2	10	6	6	घट्यः
राजा	पि.मृ.	बली	बली	दानी	मन्त्री	ज्ञानी	कामी	मतिमान्	मतिमान्	फलम्

अथ कन्याजन्मनि मूलचक्रम्

शीर्षे	मुखे	कण्ठे	हृदये	बाह्वोः	हस्ते	गुह्ये	जंघे	जानुनि	पादे	स्थानं
4	6	5	5	5	8	9	4	4	10	घट्यः
पशुनाश	धन नाश	धनलाभ	कुटिला	धनलाभ	दयावः	कामिनी	मातृना	भ्रातृना	वैधव्य	फलम्

अथ अश्लेषाचक्रम्

शिरसि	मुखे	नेत्रे	ग्रीवायां	स्कन्धे	हस्ते	हृदये	नाभौ	गुदे	पादे	स्थानं
5	7	2	4	4	8	10	6	7	7	घट्यः
पुत्रादि	पितृना	मातृना	स्त्रीलाभ	गुरुभक्त	बली	आत्महा	भ्रम	तपस्वी	धनहानि	फलम्

अथ अश्लेषापुरुषवृक्ष चक्रम्

फले	पुष्पे	दले	शाखायां	त्वचायां	लतायां	स्कन्धे
10	5	9	7	13	12	4
धनम्	धनम्	राजभयम्	हानिः	मातृहनिः	पितृहानिः	अल्पायुः

अथ अभुक्तमूलविचार—ज्येष्ठा नक्षत्र की अन्त की 4 घटी, अन्य किसी मत से 1 घटी और मूल नक्षत्र के आदि की 4 घटी, अन्य मत से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इन घटियों में बालक जन्मे, तो पिता 8 वर्ष पर्यन्त बालक का मुख न देखे, असमर्थ हो, तो 6 मास त्याग करे। शान्ति हवन अभिषेक आदि से युक्त अभुक्त मूल शान्ति, रुद्रार्चन, महामृत्युञ्जयादि विधान कर शुभ मुहूर्त में बालक के मुख का अवलोकन करे।

अश्विनी पादफल	मघा पादफल	ज्येष्ठ पादफल	रेवती पादफल
1 पिता को भय	1 माता को नेष्ट	1 बड़े भ्राता को नेष्ट	1 राज्य सम्मान
2 सुख ऐश्वर्य	2 पितृभय	2 छोटे भ्राता को नेष्ट	2 मन्त्रित्व प्राप्ति
3 मन्त्री पद	3 सुख	3 मातृ नाश	3 धन सुख की प्राप्ति
4 राज्य सम्मान	4 धन विद्या प्राप्ति	4 खुद का नाश	4 अनेक कष्ट

अथ कृष्ण चतुर्दशी विभाग फलम्

1	2	3	4	5	6	विभागः
शुभम्	पितृनाश	मातृनाश	मातुलनाश	कुलहानिः	धनहानिः	फलम्

त्रयोदशी की घटियों को 60 में से घटाकर चतुर्दशी की घटियाँ युक्त कर 6 का भाग दें। जो प्रथम भाग में होगा, उसके द्विगुणित दूसरा ऐसे ही क्रम से जाने। जिस भाग में जन्म हुआ हो, उसके अनुसर फल को कहें, अरिष्ट हो, तो शान्ति विधान करें।

सिनीवाली-कुहूजनन फल

सिनीवाली जनन फल—सिनीवाली उसे कहते हैं कि अमावस्या जन्म के अनन्तर कुछ घटी बाकी हों, अर्थात् चन्द्र की कुछ कला दृश्यमान हो। ऐसी अमावस्या में बालक का जन्म हो तथा घर में गौ, भैंस, घोड़ी आदि पशु प्रसूति हुए हों, तो धन हानि, अपयश आदि भय होते हैं।

कुहुजनन फल—कुहू कहते हैं चन्द्र की कला बिल्कुल नष्ट हो जाये, अर्थात् अमावस्या का अन्त समय हो, (यह सूक्ष्म केतकी गणना से ही ठीक-ठीक समय आयेगा, प्राचीन गणित से नहीं), उस समय से बालक का जन्म या पशु जन्म हो, तो अधिक अरिष्ट फल होता है। इसका शास्त्र में कहे अनुसार शान्ति-विधान अवश्य करना चाहिए।

अन्य अरिष्ट-दोषों में जन्म फल—व्यतिपात में जन्म हो, तो अंगहानि, वैधृति में पितृ हानि, परिध योग में मृत्यु होती है तथा मृत्युयोग, दग्धयोग, भद्रा, संक्रान्ति दिन, सूर्य-चन्द्र ग्रहण, शूल योग, व्याघात, गण्ड, वज्र, क्षयतिथि, महापात (क्रान्ति साम्य) विश्वधस्त्र पक्ष, क्षय मास आदि कुयोगों में बालक जन्मे, तो अरिष्ट-शात्यर्थ शान्ति-विधान करना चाहिए, ताकि आयु और आरोग्य प्राप्त हो।

स्त्री-दासी-गौ आदि पशु-यमल जन्मफलम्

त्रिविधा यमलोत्पत्तिर्जायते योपितासिह। सुतौ च सुतकन्ये वा कन्या एव तथा पुनः।
एकलिंगौ विनाशाय द्विलिगौं मध्यमौ स्मृतौ। पित्रौर्विघ्नकरौ ज्ञेयौ तत्र शान्तिर्विधीयते।

जन्म स्थान विचार—जन्मलग्न और चन्द्रमा जलचर राशि में हो अथवा पूर्णचन्द्र लग्न को पूर्ण दृष्टि से देखे अथवा चन्द्रमा जलचर राशि के दसवें, चौथे और लग्न में हो, तो बालक का जन्म जल के ऊपर या जल के समीप स्थान में पैदा हुआ, ऐसा कहना। पूर्ण चन्द्रमा अपनी राशि कर्क में हो, बुध लग्न में हो, बृहस्पति चतुर्थ स्थान में हो अथवा लग्न में जलचर राशि हो, चन्द्रमा सातवें हो, तो बालक का जन्म नौका में, जहाज में अथवा पुल के ऊपर या नदी के सान्निध्य में हुआ, ऐसा कहना। लग्न और चन्द्रमा से बारहवें स्थान में शनि हो, पापग्रह देखते हों, तो बालक का जन्म कारागार में वा एकान्त में हुआ, ऐसा कहना। शनि कर्क या वृश्चिक लग्न में हो और चन्द्रमा देखता हो, तो खाई वा खात में जन्म हुआ कहना। नरराशि में शनैश्चर लग्न में हो और मंगल देखता हो, तो शमशान के समीप जन्म हुआ कहना और नरलग्नगत शनि को शुक्र चन्द्र देखते हों, तो सुन्दर दर्शन योग्य रमणीक घर में बालक का जन्म कहना। बृहस्पति हो, तो राजमन्दिर वा देवालय गोशाला में वा उसके समीप का जन्म कहना। बुध देखता हो, तो शिल्पालय, चित्रकारी से बने हुए सुन्दर स्थान में जन्म कहना। बुद्धिमान् ज्योतिषी ग्रहों के बलाबल को देखकर फलादेश कहें।

अन्य शुभाशुभ योग—मंगल शनि दोनों त्रिकोण मे हों और चन्द्रमा सातवें घर में हो, तो जन्मा बालक माता से जुदा हो जाये तथा ऐसे योग में चन्द्रमा पर बृहस्पति की दृष्टि हो, तो माता से त्यागा हुआ बालक दीर्घायु और सुखी होता है। दशम स्थान में बुध गुरु हो, केन्द्र में सूर्य, तीसरे मंगल हो, ग्यारहवें पाप ग्रह हो, तो बालक को छह अंगुली है, ऐसा कहना। बारहवें स्थान में चन्द्रमा मंगल हो, तो बायां नेत्र और सूर्य राहु हो, तो दाहिना नेत्र बालक को दुःखित हो या नष्ट हो, ऐस कहें। मंगल, शनि, राहु पांचवें स्थान में हों, तो बायें कोख में लहसुन कहना। तीसरे स्थान में शुक्र हो, मेष वा सिंह बृहस्पति हो, दसवें घर में सूर्य मंगल हो, तो बालक मूक (गूंगा) होता है। कृष्णपक्ष में दिन का जन्म हो और शुक्लपक्ष में रात्रि का जन्म हो, तो छठे, आठवें में बैठा हुआ चन्द्र अरिष्ट निवारक और मातृवत् पालन करने वाला होता है। चन्द्र आठवें में, मंगल सातवें में, राहु नवम स्थान में, शनि लग्न में हो, बृहस्पति तीसरे स्थान में, सूर्य पांचवें, शुक्र छठे, बुध चौथे हो, तो बालक अल्पायुषी होता है। जिस बालक की जन्मकुण्डली में लग्न में बुध, शुक्र न हो, केन्द्र में बृहस्पति न हो, दशम स्थान में मंगल न हो, तो वह बालक जन्म लेकर क्या कर सकता है, अर्थात् उसका जन्म व्यर्थ है। यही योग जैसे केन्द्र त्रिकोण में बुध शुक्र बृहस्पति हों, दसवें स्थान में मंगल हो, तो वह बालक अपने कुल में दीपक, ज्ञानवान, दीर्घायुषी, बुद्धिमान्, चतुर (किसी से ठगा नहीं जाये) ऐसा कर्तव्यमान्, कीर्तिमान, सर्वमानी, राज में तथा जनमानस में बहुमानी, अधिकारी महान् पुरुष होता है। लग्न में शनि हो, छठे चन्द्रमा और सातवें मंगल हो, तो उसका पिता अधिक नहीं जिये। छठे बारहवें स्थान में पापग्रह हो या चन्द्र पापग्रह युक्त हो, तो माता को अरिष्ट जानना। दशम स्थान में पापग्रह हो, तो पिता को अरिष्ट जाने। दशम स्थान में पापग्रह हो और दशम में मंगल शत्रु राशि का हो, तो बालक का पिता शीघ्र ही मर जाये। लग्न में गुरु, दूसरे शनि, सूर्य भौम तथा बुध हो, तो बालक के विवाह समय में उसका पिता मरे। जन्मकुण्डली में सातवें राहु, छठे आठवें में चन्द्रमा हो, शेष ग्रहों की पापदृष्टि हो, तो बालक की आयु बहुत अल्प होती है, ऐसा आचार्यों का मत है। शनि के घर में सूर्य हो, सूर्य के घर में शनि हो या लग्न में मंगल, आठवें में गुरु हो, तो बालक की केवल 12 वर्ष की आयु होती है। जन्म समय लग्न में छठे आठवें में बुध हो और उनका लग्नेश अष्टमेश पाप ग्रह युक्त या परस्पर सम्बन्धित हो, तो बालक की चौथे वर्ष में मृत्यु होती है। मंगल के घर में बृहस्पति हो और 6।8 वें में चन्द्रमा हो, तो बालक आठवें वर्ष में मृत्यु को प्राप्त होता है। लग्न से दशम में राहु हो या अष्टमेश क्षीण चन्द्रमा राहु से युक्त हो, तो वह बालक माता-पिता तथा स्वयं का नाश करने वाला होता है। चन्द्र राहु के साथ न हो, तो वह बालक 16 वर्ष पर्यन्त जीवित रहता है। बालक की कुण्डली में तीसरे सूर्य हो, तो बड़े भाई को, शनि हो, तो पीठ पर छोटे भाई को और मंगल हो, तो पीठ पर के भाई को हानि करता है। यह फलित विचार करते समय ज्योतिषी को चाहिए कि ठीक समय लेकर जहां का जन्म हो, वहां के सूर्योदय से तथा उसी नगर की लग्न सारिणी से लग्न साधन करें। जन्म टाइम स्टैण्डर्ड हो, तो सूर्योदय स्टैण्डर्ड टाइम का लेकर इष्ट बनावें। सूर्योदय और जन्म टाइम समान जाति के लेकर इष्ट साधन करना चाहिए।

बाल कष्टावली चक्रम्

प्रत्येक मन्त्र को 21 बार पढ़कर बलि को 7 बार शिर पर फिराकर उचित स्थान पर नाम से रख आयें।

किस समय कौन पूतना ग्रहण करती है	असित लक्षण	मूर्ति निर्माणार्थ द्रव्य	पूजन द्रव्य	बलि विधान व समय	स्नान पूजा मार्जन मन्त्र	धूप
प्रथम दिन मास वर्ष में योगिनी	ज्वर, स्वेद मन्दस्वर, कम्पन, अरुचि, अंगशोष।	नदी के दोनों किनारों की मृत्तिका	श्वेत चन्दन, तिलक, श्वेत पुष्प, 5 रंग की झण्डी 5, 5 दीपक, 5 आटे के सतिये, कपुर, लोहबान।	श्वेत भात, 5 पूर्ण पोली (सुहाली) 1 पहर दिन चढ़े पूर्व दिशा में चौरास्ते पर रखना।	ॐ ब्रह्मा विष्णुश्च रुद्रश्च स्कन्दो वै वरुणस्तथा, रक्षन्तु त्वरितं बालं मुंच मुंच कुमारकम्॥	राई, खस, कमल के फूल, बिल्ली और मनुष्य के बाल, निम्बपत्र, गोघृत।
द्वितीय दिन मास वर्ष में सुनन्दना	ज्वर, हाथ-पैर अकड़ना, संकोच, दांत चबाना, नेत्र खुले, नेत्र रोग भय, कृशता।	एक सेर चावलों का आटा	10 दीपक, 10 झण्डी, पुष्प, चावलों के आटे के सतिये 10।	भात, एक सेर आटे के पूड़े, मत्स्य व बकरे का मांस, सन्ध्या समय प. दिशा में चौरास्ते पर रखना।	ॐ नमश्चामुण्डायै विच्चै हां हां ह्रीं ह्रीं हुं हुं दुष्टाग्रहा गच्छन्त्वतः स्थानादरुद्राज्ञया स्वाहा।	
तृतीय दिन मास वर्ष में पूतना	हड़फूटन, खांसी, शिर झुकाना, श्वास, नेत्रमीलन, श्यामता, अरुचि, रुदन, नेत्रपीड़ा।	एक सेर चावलों का आटा	रक्त चन्दन, रक्त पुष्प, श्वेत ध्वजा, दीपक 10, गेहूँ के आटे के सतिये 10।	एक सेर लाल भात, आध सेर पूर्ण पोली (सुहाली), पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे रखना।	सुनन्दना विधानोक्त	लहसुन, गोश्रृंग सांप की कैंचुली, नीम के पत्ते, पुरुष और बिल्ली के बाल, गोघृत।
चतुर्थ दिन मास वर्ष में मुखमण्डिका	गात्र भंग, शिर झुकाना, खांसी, श्वास, नेत्रमीलन, अरुचि, अनिद्रा, श्यामता।	तिल चूर्ण एक सेर	श्वेत पुष्प, श्वेत ध्वजा 5, दीपक, मिल सकें, तो अर्जुनवृक्ष के पुष्प।	भात, एक सेर आटे के पूड़े, आध सेर पूर्ण पोली, सायंकाल प. दिशा में वृक्ष के नीचे रखना।	सुनन्दना विधानोक्त	
पंचम दिन मास वर्ष में विडालिका	पेट में दर्द, हिचकी, श्वास, अरुचि, ज्वर, शरीर में गरमी, तेज।	एक सेर चावलों का आटा	श्वेत चन्दन, श्वेत पुष्प, दीपक 5, श्वेत ध्वजा 5, गेहूँ के आटे के सतिये।	श्वेत भात, 7 पूड़ियां सायंकाल प. दिशा में वृक्ष के नीचे रखना।	ॐ भगवती ह्रीं ह्रीं हूं हूं मुंच रक्षां कुरु कुरु बलिं ग्राह्य-2 अस्त्र ठः ठः चामुण्डे चण्डिके ठः ठः स्वाहा।	
षष्ठ दिन मास वर्ष में षट्कारिका	ज्वर, हड़फूटन, हंसना, कभी-कभी रोना, मोह, मूर्छा।	नदी के दोनों किनारों की मिट्टी	श्वेत चन्दन, श्वेत पुष्प, दीपक 5, श्वेत ध्वजा 5।	भात, 5 मिठाई, 5 सुहाली, 7 पूड़ियां 1 प्रहर दिन चढ़े पूर्व में चौरास्ते पर।	योगिनी विधानोक्त	कूठ, गुग्गुल, राई, हाथी दांत, घृत।
सप्तम दिन मास वर्ष में कालिका	खांसी, श्वास, वमन, अरुचि, शरीर कम्पन।	चावलों का आटा एक सेर	श्वेत चन्दन, श्वेत पुष्प, दीपक 5, श्वेत ध्वजा 5।	भात, 7 पूड़ियां सायंकाल पश्चिम में चौरास्ते पर मौन होकर रखना।	विडालिका विधानोक्त	
अष्टम दिन मास वर्ष में कामिनी	ज्वर, मुखशोष, अरुचि, सन्ताप।	जल के दोनों किनारों की मिट्टी	रक्त चन्दन, 5 रंग की झण्डी 5, दीपक 5।	गेहूं की रोटी, मसूर की दाल, हरा साग, छाग मांस, सन्ध्या में चौरास्ते पर रखना।	विडालिका विधानोक्त	
नवम दिन मास वर्ष में मदना	ज्वर, खांसी, श्वास, शूल, अफारा, घृणा।	एक सेर गेहूँ का आटा	चन्दन, पुष्प, 5 दीपक, 5 रंग की झण्डी 5।	भात, मत्स्यमांस, पापड़ी, सुहाली उत्तर में प्रातः चौरास्ते पर रखना।	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय कृष्णाय मंडलबलिमादाय हनहन हुं फट् स्वाहा।	गोश्रृंग, लहसुन, सांप की कैंचुली, निम्बपत्र, मनुष्य और बिल्ली के बाल, राई, गोघृत।
दशम दिन मास वर्ष में रेवती	ज्वर, हड़फूटन, शूल, अरुचि, वमन, खांसी, श्वास।	एक सेर गेहूँ का आटा	रक्त पुष्प, 25 झण्डी, 25 दीपक, 25 सतिये।	गुड़ के घी भुने चावल, गोघृत, सायं दक्षिण में चौरास्ते पर रखना।	ॐ नमो भगवते वैश्वेदेवाय हन हुं फट् स्वाहा।	
एकादश दिन मास वर्ष में सुदर्शना	ज्वर, हड़फूटन, मुखशोष, अरुचि, रोदन, कृशता।	काले उड़दों का आटा एक सेर	श्वेत पुष्प, 25 दीपक, 25 सफेद झण्डी, 25 आटे के सतिये।	श्वेत भात, 7 पूड़े, सुहाली 7, सा। व प्रातः दक्षिण में चौरास्ते पर रखना।	ॐ नमो भगवते रावणाय चन्द्र हास वज्र हस्ताय ज्वल 2 दुष्ट ग्रहादीन् ॐ ह्रीं फट् स्वाहा।	
द्वादश दिन मास वर्ष में अद्भुता	ज्वर, दांत चबाना, रोमांच, बहुरोदन, नेत्रपीड़ा, सन्ताप।	चावलों का आटा एक सेर	13 दीपक, 13 झण्डी, 13 सतिये आटे के।	सुहाली, पूड़े 7, पूड़ियां 7, मत्स्यमांस, पापड़ी, सायंकाल दक्षिण में चौरास्ते पर रखना।	ॐ नमो नारायणाय ज्वलद्धस्ताय हन हन शोषय 2 मर्दय 2 तापय 2 हुं 2 हन 2 दुष्टानां ह्रां हूं फट् स्वाहा।	

अथ नक्षत्र कष्टावली

नक्षत्र देवता	कष्ट लक्षण	कष्ट दिन	चरणगत कष्ट दिन				गन्धादि पदार्थ	दान वस्तु	बलिद्रव्य	होम द्रव्य	करे धारणम्	जप सं.	जपनीय वेदोक्त मन्त्र
			1	2	3	4							
अश्विनी दस्त्रौ	वातज्वर, गात्रपीड़ा निद्राभय, बुद्धिभ्रम	9	9	11	10	20	श्वेत चन्दन, कमल पुष्प, घृत, गुग्गुल धूप, घृत दीप, क्षीर मोदक गुड़नैवेद्य।	सुवर्ण, घृत कुम्भ	गुडौदन तिल	खण्ड यव घृत	अपमार्ग मूलम्	5 सहस्त्र	ॐअश्विनातेजसाचक्षु: प्राणेनसरस्वतीवीर्यम्। वाचेन्द्रो बलेनेन्द्राय दधुरिन्द्रियम्॥ ॐ अश्विनीकुमाराभ्यां नम:॥
भरणी (यम:)	छर्द रोग, तीव्र ज्वर, अनेक रोग, आलस्य	11	0	80	40	11	अगरगन्ध, करवीर पुष्प, घृत दीप, घृत गुग्गुल धूप, गुडोदन नैवेद्य।	गोमहिषीघृत शर्करा, छायापात्र	कृषरान्न (खिचड़ी)	घृत मधु तिलाक्षत	अगस्त मूलम्	10 सहस्त्र	ॐयमायत्वाङ्गिरस्यतैपितृमतेस्वाहा स्वाहा धर्माय स्वाहा धर्म: पित्रे॥ ॐ यमाय नम:॥
कृत्तिका (अग्नि:)	नेत्रपीड़ा, अनिद्रा, अतिदाह, उरुशूल	9	9	11	16	28	श्वेत चन्दन गन्ध, जूही पुष्प, घृतदीप, घृत गुग्गुल धूप, तिलमाषान्न, बडाधीका नैवेद्य।	स्वर्ण, गोदान	पायस घृत मोदक	तिलयव घृत	कार्पास मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ अग्निमूर्धादिव:ककुत्पति: पृथिव्या अयम्। अपाꣳरेताꣳ सिजिन्वति ॐ अग्नये नम:॥
रोहिणी (ब्रह्मा)	शिरपीड़ा, ज्वर, कुक्षिशूल, प्रलाप	7	7	9	18	30	श्वेत चन्दन गन्ध, कमल पुष्प, दशांग धूप, घृतदीप, घृत पायस, नैवेद्य।	सप्तधान्य, कृष्णगौ दान, 5 कन्याभोजन	मध्वाज्यक्षौद्र शाख्यनक्षीर	तिलाज्य घृतयव	अपामार्ग मूलम्	5 सहस्त्र	ॐ ब्रह्मजज्ञानंप्रथमम्पुरस्ताद्विसीमत: सुरूचोवेनआव:सुबे धन्याउपमाअस्य विष्टा: शतश्चयोनिमतश्चविव: ॐ ब्रह्मणे नम:॥
मृगशीर्ष (चन्द्र:)	त्रिदोष, महाकष्ट, अर्द्धगात्र पीड़ा	3	9	5	7	10	श्वेत चन्दन गन्ध, कमल पुष्प, दशांग धूप, घृतदीप, पायस अपूपमध्वादेन नैवेद्य	दधि, तण्डुल, सवत्सा, गोदान	दधि शर्करा शाल्यन्न	दधि पायस	जयन्ती मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ इमन्देवा असपत्नꣳसुवध्वं महतेक्षत्राय महतेज्यैष्ठायायमहते जानराज्या-येन्द्रस्येन्द्रियाय इममुष्यपुत्रममुष्यै पुत्रमस्यैविश एषवोऽमीराजासोमोऽस्माकं ब्राह्मणानांꣳराजा ॐ चन्द्रमसेनम:॥
आर्द्रा (शिव)	त्रिदोष, ज्वर, सर्वांग पीड़ा, अनिद्रा	मृ.तु.	0	18	0	0	श्वेत चन्दन गन्ध, सौरभ पुष्प, दशांग धूप, घृतदीप, पायसौदन नैवेद्य।	श्यामवृषभ दान श्यामवस्त्र	दध्योदन मध्वाज्य	घृत मधु	सचन्दनाश्च त्यमूलम्	10 सहस्त्र	ॐ नमस्ते रुद्रमन्यव उतो त इषवे नम:। बाहुभ्यामुतते नम:। ॐ रुद्राय नम:॥
पुनर्वसु (अदिति)	ज्वर, शिरपीड़ा, कटिपीड़ा	7	7	14	2	21	हरिद्राकुंकुम गन्ध, सेवन्तिका पुष्प अष्ट गन्ध धूप, घृत दीप घृताक्तपीतवर्णांत्र नैवेद्य	वत्र, स्वर्ण, कमल 5, 5 कन्याभोजन	साज्य पीततण्डुल	घृत तण्डुल	अर्क मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ अदितिद्यौरदितिरन्तरिक्षमदितिमाता सपिता स पुत्र:विश्वे देवा अदिति: पञ्चजनाअदितिर्जातमदितिर्जनित्वम् ॐ अदि०॥
पुष्य (गुरु)	ज्वर, शूल, महाकष्ट	7	7	7	10	21	कुंकुम गन्ध, कमल पुष्प, घृत गुग्गुल, धूप, घृतदीप, घृतपावस, शर्करा नैवेद्य।	सुवर्ण, गौ, पीत वस्त्र	समण्डक मोदक	घृत पायस	तुषार मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ बृहस्पते अतियदर्यो अर्हाद्द्युमद्विभातिक्रतु मज्जनेपु। यदीदयच्छ्त्रसऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं चेहि चित्रम्। ॐ बृहस्पतये नम:॥
आश्लेषा (सर्प)	सर्वांग पीड़ा, पाद पीड़ा, मृत्युसमकष्ट	मृ.तु.	0	0	41	0	कुंकुम अगर गन्ध, अगस्त पुष्प, घृत गग्गुल धूप, घृतदीप, घृतक्षीर नैवेद्य।	सवत्सा श्याम गौ, छायापात्र	हवि दध्योदन	शर्करा घृत	पटोल मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ नमोस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथिवीमनु: ये अन्तरिक्षे ये दिवितेभ्य: सर्पेभ्यो नम:॥ ॐ सर्पेभ्यो नम:॥
मघा (पितर:)	शिर पीड़ा, अर्द्धगात्र पीड़ा	20	15	7	17	20	श्वेत चन्दन गन्ध, चम्पक पुष्प, धृत गुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतमिष्टान्न नैवेद्य।	वस्त्र, तिल, माष दान	सतिलाज्य दुग्धान	तिल घृत तण्डुल	भृंगराज मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ पितृभ्य: स्वधायिभ्य: स्वधानम: पितामहेभ्य सवधायिभ्य: स्वधा नम:। प्रपितामहेभ्यस्वधायिभ्य: स्वधा नम: अक्षन्नपित्रोमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्तपितर: पितर: शुन्धध्वम्। ॐ पि०
पू.फा. (भग:)	गात्र व्यथा, ज्वर, शिर पीड़ा	मृ.तु.	0	15	0	30	श्वेत चन्दन गन्ध, मालती पुष्प, घृतबिल्व धूप, घृतदीप अपूपोदनमोदक नैवेद्य।	पित्तल, यवमाषान्न स्वर्ण, गौ दान	घृतौदन पायस	कङ्गनी तिलघृत	कष्टकारि मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ भगप्रणेतर्भगसत्यराधोभगेमांधियमुदवाददन्न:। भगये प्रणोजनयगोभिरश्वैर्भयप्रनृभिनृ वन:स्याय॥ ॐ भगायनम:।
उ.फा. (अर्यमा)	कुक्षिशूल, ज्वर, शिर पीड़ा, अतिकष्ट	7	7	14	7	60	कर्पूर, केसरगन्ध, अर्कपुष्प, घृत गुग्गुल, धूप, घृतदीप, घृतपायस, नैवेद्य।	सुवस्त्र, स्वर्ण, रजत, अन्न, गौदान	घृतशर्करा शाल्यन्न	तिल घृत	पटोल मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ देवावध्वर्यु श्चागतरथेनसूर्यत्वचा मध्वायर्णꣳसमंजाथे तं प्रत्नथा यं वेनश्चित्रं देवाना॥ ॐअर्यम्णे नम:॥
हस्त (सविता)	उरुशूल, अफारा, सर्वांग पीड़ा, प्रस्वेद	15	15	17	15	0	रक्त चन्दन, केसर गन्ध, कमल पुष्प, घृत गुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य।	सुवर्ण, पयस्विनी गौ दान	मिष्टान्न पायस	दधि घृत	जाति मूलम्	5 सहस्त्र	ॐविभ्राड्बृहन्पिवतु सौम्य मध्वायुर्दध ज्ञपत चविहुतमम् वातुजूतो योअभिरक्षतित्मनाप्रजा: पुपोषपुरुधा विराजति ॐसवित्रे नम:॥
चित्रा विश्वकर्मा	विचित्र रोग अतिकष्ट	11	11	9	9	16	केसर गन्ध, विचित्रवर्ण पुष्प, घृतगुग्गुल धूप, घृतदीप, विचित्रान्नमोदक नैवेद्य।	तिल, गुड़, विचित्र वृषभ, छायापात्र	विचित्रान्न घृत	तिलाज्य घृत तण्डुल	मखव मूलम्	10 सहस्त्र	ॐत्वष्टातुरीयोअद्भुतइन्द्राग्नी पुष्टिवर्द्धनम्। द्विपदाछन्दऽ इन्द्रियमुक्षागौत्रवयोदध:॥ ॐ विश्वकर्मणे नम:॥

अथ नक्षत्र कष्टावली

नक्षत्र देवता	कष्ट लक्षण	कष्ट दिन	चरणगत कष्ट दिन				गन्धादि पदार्थ	दान वस्तु	बलिद्रव्य	होम द्रव्य	करे धारणम्	जप सं.	जपनीय वेदोक्त मन्त्र
स्वाति (वायु:)	नाना कष्ट, ज्वर पीड़ा	मृ.तु.	60	17	30	0	चन्दन गन्ध (दमनक पुष्प), अगरु गुग्गुल धूप, घृतदीपक, घृतपायस नैवेद्य।	स्वर्ण, रक्तधेनु पक्वान्न	घृतपायस	तिल यव घृत	जाति मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ वायो ये ते सहस्त्रिणो रथा सस्ते त्रिरागहि नियुत्वा म सोम पीतये॥ ॐ वायवे नम:॥
विशाखा (इन्द्राग्नि)	सर्वांग पीड़ा, कुक्षिशूल	15	15	0	4	13	चन्दन केसर गन्ध, कमलपुष्प, देवदारु, घृतधूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य।	रक्तपीतवस्त्र कृष्ण वृष छायापात्रदान	सहवि चित्रान्न	आज्य पायस	गुञ्जा मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ इन्द्राग्नी आगतꣳसुतं गीर्भिर्नमो वरेण्यम्। अस्य पातं धियेषिता॥ॐ इन्द्राग्निभ्यां नम:॥
अनुराधा (मित्र:)	शिर पीड़ा, तीव्र ज्वर	स्थिर	60	12	36	30	केसरगन्ध, कमलपुष्प, चन्दन धूप, घृतदीप, घृतपायस, नैवेद्य।	स्वर्ण गौ छायापात्रदान	मध्वाज्य गुडमाषान्न	यव घृत	सुपुष्प मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ नमो मित्रस्य वरुणस्य चक्षसे महोदेवायतदृतꣳसपर्यत दूर दृशे देव जाताय केतवे दिवसपुत्राय सूर्यायशꣳसत्॥ ॐ मित्राय नम:॥
ज्येष्ठ (इन्द्र:)	पित्तरोग, कम्पन, व्याकुलता	मृ.तु.	19	9	6	4	श्वेत चन्दन गन्ध, चम्पकादि पुष्प, कपूर धूप, घृतदीप, चित्रान्न नैवेद्य।	स्वर्णतिल, नील वस्त्रदान	दध्योदन सुपुष्प	तिल, घृत तण्डुल	अपामार्ग मूलम्	5 सहस्त्र	ॐ त्रातारमिन्द्रमवितार मिन्द्रꣳहवे हवे सुहवꣳशूरमिन्द्रम् ह्यामि शुक्रं पुरुहूंतमिन्द्रꣳस्वस्तिनो मधवा धात्विन्द्र:॥ ॐ शुक्राय नम:॥
मूल (राक्षस:)	मुख तथा उदर रोग, सन्निपात	7	0	9	15	6	कृष्ण अगरगन्ध, नीलोत्पलपुष्प, घृतदीप, कृष्णागुरुधूप, माषमिश्रान्न नैवेद्य।	गौ, छायापात्र वस्त्र कुमारी पूजा	सहवि माषान्न	कन्दमूल घृत	मन्दार मूलम्	5 सहस्त्र	ॐ मातेव पुत्र पृथिवी पुरीष्यमणिꣳस्वेयोनावभारुषा। तां विश्वेदेवर्ऋतुभि: संवदान: प्रजापतिविश्वकर्मा विमुञ्चतु॥ ॐ निऋतये नम:॥
पू.षा. (जलम्)	शिर पीड़ा, कम्पन, महाकष्ट	मृ.तु.	0	15	24	10	श्वेत चन्दन गन्ध, कमलपुष्प, घृत, गुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपायसान्न नैवेद्य।	स्वर्ण वस्त्र तिल तण्डुल जल कुम्भ गौदान	घृतपायस मिष्ठन्नहवि	तिल, घृत तण्डुल	कर्पास मूलम्	5 सहस्त्र	ॐ अपाघमप किल्विषमपकृत्यामपोरप:। अपाम्मार्गत्वमस्मदप दु:स्वप्न्यꣳसुव॥ ॐ अद्भ्यो नम:॥
उ.षा. (विश्वेदेवा)	कटिपीड़ा, उरुशूल, प्रलाप	30	30	24	26	16	श्वेत चन्दन गन्ध, कमलपुष्प, घृत, गुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपायसान्न नैवेद्य।	आमान्न स्वर्णदान	सहविपायस तिलाज्य	तिलाज्य यव	कर्पास मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ विश्वेदेवा: श्रृणुतेमꣳहवं मे ये अन्तरिक्षे य उपद्यविष्ठय। अग्निजिह्वा उतवायजत्रा आसद्यास्मिन्वर्हिपि मादयध्वम्॥ ॐ विश्वेभ्यो देवेभ्यो नम:॥
श्रवण (विष्णु:)	सर्वांग पीड़ा, त्रिदोषमय, अतिसार	11	60	24	6	9	श्वेत चन्दन गन्ध, मालती पुष्प, कर्पूर, गुग्गुल धूप, घृतदीप, षड्रस शाल्यन्न नैवेद्य	स्वर्ण गौ छायापात्रदान	सहवि पायस	तिलाज्य यव	अपामार्ग मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ विष्णोरराटमसि विष्णो: श्नप्त्रेस्थो विष्णो: स्यूरसि विष्णो र्ध्रुवोऽसि वैष्णवमसि विष्णवेत्वा॥ ॐ विष्णवे नम:॥
धनिष्ठा (वसव:)	ज्वर-कम्पन, रक्तातिसार, मूत्रकृच्छ	15	15	2	27	21	श्वेत चन्दन गन्ध, कमलपुष्प, गुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य।	छत्रोपानत् अश्व, स्वर्ण गौ	पायस मोदक पूपतिलपिष्ठ	तिलाज्य पायस	भृंगराज मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ वसो: पवित्रमसि शतधारं वसो: पवित्रमसि सहस्त्रधारम्। देवस्त्वा सविता पुनातु वसो: पवित्रेण व्रतधारेण सुप्त्वा कामधुक्ष:॥ ॐ वसुभ्यो नम:॥
शतभिषा (वरुणै:)	वात ज्वर, सन्निपात कष्ट	11	0	45	3	36	केसर अगरगन्ध, कमलपुष्प, कर्पूर चन्दन धूप, घृतदीपक, घृतपालिका नैवेद्य।	स्वर्ण, तिलान्न घट, अश्व छायापात्र	घृतचित्रान्न	आज्य दध्योदन	कमल मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ वरुणस्योत्तम्भनमसि वरुणस्यस्कम्भसर्जनिस्थो वरुणस्य ऋत सदन्यसी वरुणस्य ऋतसदनमसि वरुणस्य ऋतसदनमासीद॥ ॐ वरुणाय नम:।
पू.भा. (अजैकपाद)	वमन, व्याकुलता, शरीर पीड़ा, त्रिदोष	मृ.तु.	0	12	51	17	केसर चन्दन गन्ध, श्वेतार्क पुष्प, शतोषधि मिश्रित धूप, घृतदीपक दधिपायस नैवेद्य।	स्वर्ण रजत अन्न, श्वेत वस्त्र, छायापात्रदान	दध्योदन पायस	क्षीराज्य शर्करा	भृंगराज मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ उतनोऽहिर्बुध्न्य श्रृणोत्वज एकपात्पृथिवी समुद्र:। विश्वेदेवाऽऋतावृधोहुवानास्तुता मन्त्रा: कविशस्ता अवन्तु॥ ॐ अजैकपदै नम:॥
उ.भा. (अहिर्बुध्न्य)	कामला, अतिसार, शूल वात ज्वर	7	10	20	7	15	चन्दन कर्पूरगन्ध, कमलपुष्प, बिल्व गुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य।	स्वर्ण रजत, तिल, कृष्णवस्त्र दान	तिल घृत मुद्ग माष	तिलाज्य यव	अश्वत्य मूलम्	10 सहस्त्र	ॐ शिवोनामासिस्वधितिस्ते पिता नमस्ते अस्तु मामाहि ꣳसी नवर्तयाम्यायुषेऽन्नाद्याय प्रजननाय रायस्पोषाय सुप्रजास्त्वाय सुवीर्याम॥ ॐ अहिर्बुध्न्याय नम:॥
रेवती (पूषा)	वात पित्तमय ज्वर, उरुशूल, चित्तभ्रम	स्थिर	18	10	9	20	रक्तचन्दन गन्ध, मन्दार पुष्प, घृत गुग्गुल धूप, घृतदीप, घृतपायस नैवेद्य।	रजत वस्त्र, पैत्तल पात्र वृषभ, छयापात्र	सहवि दध्यन्न	तिलाज्य तण्डुल	अश्वत्य मूलम्	5 सहस्त्र	ॐ पूषन् तवव्रते वयं नरिष्येम कदाचन स्तोतारस्त इहस्मसि॥ ॐ पूष्णे नम:॥

घाततिथिर्घातवारः घातनक्षत्रमेव च।
यात्रायां वर्जयेत्प्राज्ञैरन्यकर्मसुशोभनम्॥

अथ घातचक्र

यह घातचक्र द्यूत, प्रवास, राजदर्शन और यात्रा में वर्ज्य करें। विवाह व उपनयनादि में यह घातचक्र वर्ज्य नहीं है।

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
घातमास	कार्तिक	मार्गशीर्ष	आषाढ़	पौष	ज्येष्ठ	भाद्रपद	माघ	आश्विन	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
घाततिथि	1 ।6 ।11	5 ।10 ।15	2 ।7 ।12	2 ।7 ।12	3 ।8 ।13	5 ।10 ।15	4 ।9 ।14	1 ।6 ।11	3 ।8 ।13	4 ।9 ।14	3 ।8 ।13	5 ।10 ।15
घातवार	रविवार	शनिवार	सोमवार	बुधवार	शनिवार	शनिवार	गुरुवार	शुक्रवार	शुक्रवार	मंगलवार	गुरुवार	शुक्रवार
घातनक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाति	अनुराधा	मूल	श्रवण	शततारका	रेवती	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
घातयोग	विष्कम्भ	शुक्ल	परिघ	व्याघात	धृति	शुक्ल	शुक्ल	व्यतिपात	वज्र	वैधृति	गण्ड	वज्र
घातकरण	बव	शकुनि	कौलव	नाग	बव	कौलव	तैतिल	गर	तैतिल	शकुनि	किंस्तुघ्न	चतुष्पाद
प्रहर	1	4	3	1	1	1	4	1	1	4	3	4
पुरुषघातचन्द्रः	मेष	कन्या	कुम्भ	सिंह	मकर	मिथुन	धनुः	वृषभ	मीन	सिंह	धनुः	कुम्भ
स्त्रीघातचन्द्रः	मेष	धनुः	धनुः	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक	मीन	धनुः	कन्या	वृश्चिक	मिथुन	कुम्भ

नामाक्षरों से वैरवर्ग देखने का कोष्ठक। स्वकीय-वर्ग से पंचम वर्ग वैरी समझना

अ ई उ ए	क ख ग घ ङ	च छ ज झ ञ	ट ठ ड ढ ण	त थ द ध न	प फ ब भ म	य र ल व	श ष स ह
गरुड़	मार्जार	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेंढ़ा

अवकहडा चक्र (नक्षत्र, राशि, स्वामी, वर्ण वश्य, नाड़ी, योनि, गणबोधक चक्र)

नक्षत्र	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशीर्ष	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा
नाड़ी	आद्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	अन्त्या नाड़ी	अन्त्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	आद्या नाड़ी	आद्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	अन्त्या नाड़ी
योनि	अश्व योनि	गज योनि	मेष योनि	सर्प योनि	सर्प योनि	श्वान योनि	मार्जार योनि	मेष योनि	मार्जार योनि
गण	देव गण	मनुष्य गण	राक्षस गण	मनुष्य गण	देव गण	मनुष्य गण	देव गण	देव गण	राक्षस गण

चरणांक	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4
चरणाक्षर	चू	चे	चो	ला	ली	लु	ले	लो	अ	इ	उ	ए	ओ	वा	वी	वृ	वे	वो	क	की	कू	घ	ङ	छ	के	को	हा	ही	हू	हे	हो	डा	डी	डू	डे	डो

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
राश्यधिपति	मंगल	शुक्र	बुध	चन्द्र
वर्ण	क्षत्रिय वर्ण	वैश्य वर्ण	शूद्र वर्ण	विप्र वर्ण
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	मानव	जलचर

नक्षत्र	मघा	पूर्वाफाल्गुनी	उत्तराफाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा
नाड़ी	अन्त्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	आद्या नाड़ी	आद्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	अन्त्या नाड़ी	अन्त्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	आद्या नाड़ी
योनि	मूषक योनि	मूषक योनि	गो योनि	महिष योनि	व्याघ्र योनि	महिष योनि	व्याघ्र योनि	मृग योनि	मृग योनि
गण	राक्षस गण	मनुष्य गण	मनुष्य गण	देव गण	राक्षस गण	देव गण	राक्षस गण	देव गण	राक्षस गण

चरणांक	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4
चरणाक्षर	मा	मी	मू	मे	मो	टा	टी	टू	टे	टो	पा	पी	पू	ष	ण	ठ	पे	पो	रा	री	रू	रे	रो	ता	ती	तू	ते	तो	ना	नी	नू	ने	नो	या	यी	यू

राशि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
राश्यधिपति	सूर्य	बुध	शुक्र	मंगल
वर्ण	क्षत्रिय वर्ण	वैश्य वर्ण	शूद्र वर्ण	विप्र वर्ण
वश्य	वनचर	मानव	मानव	कीटक

नक्षत्र	मूला	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पूर्वाभाद्रपदा	उत्तराभाद्रपदा	रेवती
नाड़ी	आद्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	अन्त्या नाड़ी	अन्त्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	आद्या नाड़ी	आद्या नाड़ी	मध्या नाड़ी	अन्त्या नाड़ी
योनि	श्वान योनि	वानर योनि	नकुल योनि	वानर योनि	सिंह योनि	अश्व योनि	सिंह योनि	गो योनि	गज योनि
गण	राक्षस गण	मनुष्य गण	मनुष्य गण	देव गण	राक्षस गण	राक्षस गण	मनुष्य गण	मनुष्य गण	देव गण

चरणांक	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4	1	2	3	4
चरणाक्षर	ये	यो	भा	भी	भू	धा	फा	ढा	भे	भो	जा	जी	खी	खू	खे	खो	गा	गी	गू	गे	गो	सा	सी	सू	से	सो	दा	दी	दू	थ	झ	ञ	दे	दो	चा	ची

राशि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
राश्यधिपति	गुरु	शनि	शनि	गुरु
वर्ण	क्षत्रिय वर्ण	वैश्य वर्ण	शूद्र वर्ण	विप्र वर्ण
वश्य	मानव	जलचर	मानव	जलचर

अथ पुरुषजन्मकुण्डल्यां तन्वादिभावस्थ ग्रहफलम्

ग्रहा:	तनु: 1	धनं 2	भ्रात: 3	सुखं 4	पुत्र: 5	शत्रु: 6	स्त्री 7	मृत्यु 8	धर्म 9	कर्म 10	लाभ:11	व्यय12
सूर्य:	शूर:	धनी	सुखी	दुखी	अपुत्र:	बली	स्त्रीजित्	अल्पायु:	सुखी	शूर:	धनी	पतित:
चन्द्र:	जड़:	कुटुम्बी	क्रूर:	सुशील:	पुत्रवान्	अल्पायु:	ईर्ष्यालु:	रोगी	सुभग:	धीर:	ख्यात:	हीनांग
भौम:	व्रणी:	कुटिल:	विक्रमी	पीड़ित:	अपुत्र:	शत्रुजित्	स्त्रीपीड़ा	रोगी	पापात्मा	सुखी	धनाढ्य	पतित:
बुध:	विद्वान्	धनी	दुर्जन:	सुखी	मन्त्री	दु:शील:	धर्मज्ञ:	गुणी	पुत्रवान्	विक्रमी	धनी	जड़:
गुरु:	चिरायु:	धनी	कृपण:	सुखी	प्रतापी	कामी	प्रसिद्ध:	अल्पायु:	पुत्रवान्	सुकृति:	धनी	दरिद्र:
शुक्र:	सुखी	धनी	पापी	सुखी	धीमान्	रोगी	क्रोधी	नीच:	प्रतापी	सुमति:	धनाढ्य:	खल:
शनि:	रोगी	वक्ता	विक्रमी	दुखी	दरिद्र:	सुखी	दु:खी	नेत्ररोगी	सुखी	पराक्रमी	धनी	दुखी
राहु:	रोगी	विरोधी	विक्रमी	दुखी	दुर्भग:	बली	अशुजि:	गतायु:	दैन्यं	मानी	ख्यात:	पतित:
केतु:	अल्पायु:	धर्महा	शूर:	दुखी	अपुत्र:	बली	दारहा	क्लेशी	पापी	अधर्मी	धनी	दुर्जन:

अथ स्त्रीजन्मकुण्डल्यां तन्वादिभावस्थ ग्रहफलम्

ग्रहा:	तनु: 1	धनं 2	भ्रात: 3	सुखं 4	पुत्र: 5	शत्रु: 6	पति: 7	मृत्यु 8	धर्म 9	कर्म 10	लाभ:11	व्यय12
सूर्य:	सक्रोधा	निर्धना	सुपुत्रा	सपीड़ा	अपुत्रा	धनाढ्या	दु:खार्ता	विधवा	धर्मिष्ठा	सती	सधना	सक्रोधा
चन्द्र:	अल्पायु:	सघना	सुखिनी	दुर्भगा	सुपुत्रा	रोगिणी	पतिप्रि	दु:खार्ता	सुखिनी	धन्या	गुणिनी	हीनांगी
भौम:	दु:खार्ता	वन्ध्या	अभ्रातृ	दु:खिनी	अपुत्रा	नीरोगा	विधवा	कुलटा	दु:खिनी	कुपुत्रा	सधर्मा	दुष्टा
बुध:	सुभगा	धनाढ्या	सुखिनी	सुगृहा	सुबुद्धि:	सक्रोधा	सती	कृतघ्ना	सुधर्मा	सुधर्मा	सुलाभा	कृशांगी
गुरु:	सती	सधना	भ्रातृम०	सुखिनी	साध्वी	सापदा	सुकीर्ति	रोगिणी	पुत्राढ्या	सुभगा	सुरुपा	सद्व्यया
शुक्र:	सुखिनी	सहर्षा	धनाढ्या	सुकीर्ति	सुसुता	दरिद्रा	पतिप्रिय	प्रमत्ता	सुपुण्या	सुकर्मा	सुपुत्रा	सद्व्यया
शनि:	वन्ध्या	निर्धना	दंक्षा	हृद्रोगा	अपुत्रा	सुगुणा	विधवा	दु:खार्ता	वन्ध्या	पापा	सुलाभा	मूढ़ा
राहु:	अपुत्रा	दरिद्रा	धनाढ्या	रोगार्त्ता	अपुत्रा	धनाढ्या	दु:खार्ता	क्लेशिनी	वन्ध्या	कुकर्मा	सुभगा	खला
केतु:	दु:खार्ता	शोकार्त्ता	रोगाढ्या	मातृहीना	विपुत्रा	धनाढ्या	विधवा	सदु:खा	शोकार्त्ता	पापा	सुभगा	सरोगा

अथ सूर्योदग्रिहणां गोचरफलम्

ग्रहा:	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य:	स्थाननाश	भयं	श्री:	मानभंग	दैन्य	विजय	मार्ग:	पीड़ा	सुकृना	सिद्धि:	धनलाभ	द्रव्यनाश
चन्द्र:	धनलाभ	सन्तोष	सुखं	रोग	ज्ञानवृ.	धनलाभ	स्त्रीलाभ	रोग	धर्मलाभ	सौख्यं	धनलाभ	धन नाश
भौम:	शत्रुभी:	धननाश	धनलाभ	शत्रुभी:	पुत्रकष्ट	धनलाभ	स्त्रीकष्ट	शत्रुभी:	शत्रुपीड़ा	शोक:	धनलाभ	धन नाश
बुध:	सुख	धनलाभ	शत्रुभी:	पशुलाभ	सुखं	स्थानला	पीड़ा	धनलाभ	पीड़ा	सौख्यं	धनलाभ	धन नाश
गुरु:	भय	धनलाभ	क्लेश	धनलाभ	सुखं	शोक	राजमा	पीड़ा	सौख्यं	दैन्यं	धनलाभ	पीड़ा
शुक्र:	शत्रुनाश	धनलाभ	सौख्यं	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभी:	शोक	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दु:ख	धनलाभ	धनलाभ
शनि:	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभी:	पुत्रकष्ट	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	दौर्मन	धनलाभ	धनलाभ
राहु:	हानि	धननाश	धनलाभ	वैर	शोक	श्री	क्लह	मृत्यु	दु:खं	वैर	सुखी	शोक:
केतु:	रोग	वैर	सुखं	भयं	सुखं	धनलाभ	क्लह	रोग	पापं	शौक:	कीर्ति	शत्रुभी:

अथ वर्षकुण्डल्यांतन्वादिभावस्थ ग्रहफलम्

ग्रहा:	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य:	चिन्ता	नृपभी:	धनलाभ	हानि	कष्टम्	शत्रुनाश	पीड़ा	कष्टम्	धर्मनाश	सुखं	धनलाभ	पीड़ा
चन्द्र:	पीड़ा	धनलाभ	हर्ष:	शत्रुनाश	सुखम्	पीड़ा	कष्टम्	दु:खम्	भाग्योदय	विजय:	धनलाभ	व्यग्र:
भौम:	प्रणा:	धननाश	जय:	व्यसनं	दुर्भति	शत्रुनाश	स्त्रीकष्ट	पीड़ा	पुण्योदय	राज्यलाभ	धनलाभ	विरोध
बुध:	सौख्यम्	धनलाभ	सुखम्	द्रव्यलाभ	पुत्रलाभ	क्लेह	धनलाभ	व्यग्रता	सुखम्	मानलाभ	सुखलाभ	रोग
गुरु:	सुखम्	धनलाभ	जय:	वाहलाभ	पुत्र: प्रा.	अष्टम्	सुखम्	रोग	धर्मलाभ	राज्यलाभ	धनलाभ	शोक:
शुक्र:	मानप्रा.	धनप्राप्ति	कीर्तिलाभ	सुखलाभ	धनलाभ	शत्रुभी:	स्त्रसुख	कष्टम्	धर्मोदय	मानलाभ	क्षेमलाभ	व्यय
शनि:	वातार्ति	पीड़ा	धनलाभ	दु:खम्	पुत्रपीड़ा	जय:	स्त्रीकष्ट	रोग	भाग्याह्रा	धनहानि	धनलाभ	चिन्ता
राहु:	शिरोर्ति	राजभी:	सुखम्	दु:खम्	बुद्धिनाश	शत्रुनाश	रोगभी	कष्टम्	धर्महानि	विजय	सुलाम	व्याधि
केतु:	चिन्ता	क्लेश	आरोग्य	राजभी:	दुर्बुद्धि	सुखम्	क्लेश	पीड़ा	भाग्याना	धनलाभ	लाभ	शोक:
मुन्था:	सुखम्	यशोऽर्थ:	पुष्टि:	दु:खम्	सुखप्राप्ति	कष्टम्	व्यसनं	दु:खम्	भाग्योदय	राज्यप्राप्ति	लाभ	कष्टम्

अंगस्फुरणफलम्

पुरुषों का दायां अंग और स्त्रियों का बायां अंग फड़कना शुभ है। इन्हीं अंगों में तिल, लहसुन, मस्सा हो या खुजली उठे, तो भी चक्रोक्त फल जानना। पैर के तलुओं में खुजली उठे, तो यात्रा हो। राजाओं के हाथ में तिल या खाज उठे, तो जय होती है। साधारण व्यक्ति को लाभ होता है।

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक	पृथ्वीलाभ	स्कन्ध	भोगसमृद्धि	कपोल	शुभाप्ति	हस्त	द्रव्यलाभ	पादोपरि	स्थानलाभ	हृदय	इष्टसिद्धि	नाभि	स्त्रीनाश	भग	पति प्राप्ति	उदर	कोषलाभ
ललाट	स्थानलाभ	भ्रू मध्य	सुख प्राप्ति	नेत्र	धनप्राप्ति	नेत्रोर्द्ध्व	विजय	वक्ष:स्थल	विजय	कटि	प्रमोद	आन्त्रिक	कोषवृद्धि	कुक्षि	सुप्रीति	लिंग	स्त्रीलाभ

ग्रहः गौचराद्यैर्दशाक्रमाद्यैर्ग्रहकृतानिष्टफलशमनार्थं	प्रत्येक ग्रहाणां दानपदार्थाः												जप सं.	जपनीय मन्त्रः	समय	समिधः
सूर्य	माणिक	सुवर्ण	ताम्र	गेहूँ	गुड़	घी	रक्तवस्त्र	रक्तपुष्प	केसर	मूंगा	रक्तगौ	रक्तचन्दन	7000	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः	सू. उ.	अर्क
चन्द्र	मोती	सुवर्ण	रजत	चावल	मिसरी	दही	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	शंख	कपूर	श्वेत बैल	श्वेतचन्दन	11000	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः	सन्ध्या	पलाश
भौम	मूंगा	सुवर्ण	ताम्र	मसूर	गुड़	घी	रक्तवस्त्र	रक्तकनेर	केसर	कस्तूरी	रक्त बैल	रक्तचन्दन	10000	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः	घ. 2	खदिर
बुध	पन्ना	सुवर्ण	कांसी	मूंग	खाण्ड	घी	हरा वस्त्र	सर्वपुष्प	हाथीदांत	कपूर	शस्त्र	फल	9000	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः	घ. 5	अपामार्ग
गुरु	पुखराज	सुवर्ण	कांसी	दालचणे	खाण्ड	घी	पीतवस्त्र	पीतपुष्प	हल्दी	पुस्तक	घोड़ा	पीतफल	19000	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः	सन्ध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा	सुवर्ण	रजत	चावल	मिसरी	दूध	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	सुगन्ध	दधि	श्वेत घोड़ा	श्वेतचन्दन	16000	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः	सू. उ.	उदुम्बर
शनि	नीलम	सुवर्ण	लोहा	उड़द	कुलथी	तेल	कृष्णवस्त्र	कृष्णपुष्प	कस्तूरी	कृष्णगो	भैंस	उपानह	23000	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः	सन्ध्या	शमी
राहु	गोमेद	सुवर्ण	सीसा	तिल	सरसों	तेल	नीलवस्त्र	कृष्णपुष्प	खड्ग	कम्बल	घोड़ा	शूर्प	18000	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः	रात्रौ	दूर्वा
केतु	लसनी	सुवर्ण	लोहा	तिल	सप्तधान्य	तेल	धूम्रवस्त्र	धूम्रपुष्प	नारियल	कम्बल	कबरा	शस्त्र	17000	ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः	रात्रौ	कुशा
मुन्था	मोती	सुवर्ण	कांसी	चावल	सुवर्ण	घी	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	कर्पूर	मिसरी	श्वेत चन्दन	हाथीदांत	मुथेशवत्	मुन्थेश मन्त्र	मुन्थेश काले	

सूर्यादिग्रहपीडासु स्नानार्थमौषधानि- (यथा सिद्धौषधै रोगन्नश्येयुर्मन्त्रतो भयम्। तथा स्नानविधानेन ग्रहदोषः प्रणश्यति ॥)

सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मनशिला	पंचगव्य	बिल्वछाल	गोबर	मालती पुष्प	इलायची	काले तिल	लोबान	लोबान
इलायची	गजमद	रक्तचन्दन	अक्षत	श्वेत सरसों	मनशिला	सुरमा	तिल पत्र	तिल पत्र
देवदारू	शंख	धमनी	फल	मुलहठी	सुवृक्षमूल	लोबान	मुत्थरा	मुत्थरा
खश, केसर	सिप्पी	रक्तपुष्प	गोरोचन	मधु	केसर	धमनी	गजदन्त	गजदन्त
मुलहठी	श्वेतचन्दन	सिंगरफ	मधु	मालती		सौंफ	कस्तूरी	छागमूत्र
रक्तपुष्प	स्फटिक	मालकंगनी	मोती			मुत्थरा		
रक्तकनेर		मौलसिरी	सुवर्ण			खिल्लां		

सप्त धान्य—उड़द 1, मूंगी 2, कणक (गेहूँ) 3, छोले (चने) 4, जौ 5, धान्य (तण्डुल) 6, कंगनी 7 ॥

सर्वग्रहाणां दोषोपशान्तये सामान्यमौषधिस्नानम्

लाजवन्ती (छुईमुई) कूट, खिल्लां, कांगनी, जव सरसों, देवदारू, हल्दी, सर्वोषधि, लोध—इन सब औषधियों के जल से सतीर्थोदक स्नान करने से सब ग्रहों की पीड़ा नाश होती है तथा पूर्व ही जो दान कह चुके हैं, उनके करने से शान्ति होती है। गुरु के वचन, देवता, ब्राह्मणों की वन्दना, वेदादि श्रवण, साधुओं से बातें, मन की शुद्धता, जप, दान, होम तथा यज्ञ के करने से दुष्ट स्थानों में स्थित ग्रह पीड़ा नहीं करते (श्रीपतिः) ॥

शनि विचार—गोचरे द्वादशेनेत्रे हृदये जन्मभे शनिः। द्वितीये गुल्फयोर्मध्ये द्वाना नादौ च विलोमतः ॥ **फलं**—नेत्रस्थे शत्रुसन्तापो हृद मानसीव्यथा, चरणे भ्रमणं देशे देशः संचारयेच्छनिः ॥ **अथ लघु कल्याणी (ढैया) फलम्**—कल्याणीं प्रवदन्ति वै रविसुतो राशेश्चतुर्थाष्टपे, व्याधिं बन्धुविरोध देशगमनं क्लेशं च चिन्ताधिकम्। मृत्यु चैव करोति चापि मनुजं दुःखादि वह्निर्भयं, लोहं शस्त्र भयं, सदैवमसुखं कुर्यादसौ सर्वदा ॥1 ॥ **अथ बृहत् कल्याणी (साढ़ेसाती) फलम्**—राशौ द्वादश (12) मूर्ध्नि जन्म (1) हृदये पादौ द्वितीये (2) शनिर्नाना क्लेश करोति दुर्जनभयं पुत्रान्पशून्पीड़येत्। हानिः स्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम्। रामार्द्धादि विनाशनं प्रकुरुते तुर्याष्टमे वाथवा ॥2 ॥

अथ ग्रहाणां राशि प्रवेश समये पाद निर्णय—किसी ग्रह का राशि प्रवेश समय में पाद देखना हो, तो अपनी राशि से जिस दिन ग्रह बदलता हो, उस दिन जिस राशि में चन्द्रमा हो, उस राशि तक गिनें, वह संख्या 2।5।9 हो, तो रजतपाद, 3।7।10 में ताम्रपाद, 1।6।11 में सुवर्णपाद, 4।8।12 में लोहपाद जानना। गुरु सुवर्णपाद में शनि लोहपाद में, मंगल ताम्रपाद में, शुक्र रजतपाद में शुभ होते हैं। **शनिवाहन**—जन्म नक्षत्र से जिस दिन शनि बदले, उस दिन के नक्षत्र तक गिनकर 9 का भाग देवें, शेष क्रमशः शनि का वाहन समझें—1 गर्दभ, 2 अश्व, 3 हस्ति, 4 महिष, 5 जम्बूक, 6 सिंह, 7 छाग, 8 मयूर, 9 हंस। इसमें वाहनों के गुणानुसार फल समझें।

अथ ग्रहाणां विंशोत्तरीय महादशायामन्तर्दशाज्ञानाय चक्रमिदम्

सूर्य दशा वर्ष 6				चन्द्र दशा वर्ष 10				भौम दशा वर्ष 7			
कृ. उ.फा. उ.षा. तन्मध्येऽन्तरम्				रो. ह. श्रवण तन्मध्येऽन्तरम्				मृ. चि. ध. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
र	0	3	18	च	0	10	0	मं	0	4	27
चं	0	6	0	मं	0	7	0	रा	1	0	18
मं	0	4	6	रा	1	6	0	बृ	0	11	6
रा	0	10	24	बृ	1	4	0	श	1	1	9
बृ	0	9	18	श	1	7	0	बु	0	11	27
श	0	11	12	बु	1	5	0	के	0	4	27
बु	0	10	6	के	0	7	0	शु	1	2	0
के	0	4	6	शु	1	8	0	र	0	4	6
शु	1	0	0	र	0	6	0	चं	0	7	0

राहु दशा वर्ष 18				गुरु दशा वर्ष 16				शनि दशा वर्ष 19			
आर्द्रा स्वा. श. तन्मध्येऽन्तरम्				पुन. वि. पू.भा. तन्मध्येऽन्तरम्				पु. अनु. उ.भा. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
रा	2	8	12	बृ	2	1	18	श	3	0	3
बृ	2	4	24	श	2	6	12	बु	2	8	9
श	2	10	6	बु	2	3	6	के	1	1	9
बु	2	6	18	के	0	11	6	शु	3	2	0
के	1	0	18	शु	2	8	0	र	0	11	12
शु	3	0	0	र	0	9	18	चं	1	7	0
र	0	10	24	चं	1	4	0	मं	1	1	9
चं	1	6	0	मं	0	11	6	रा	2	10	6
मं	1	0	18	रा	2	4	24	बृ	2	6	12

बुध दशा वर्ष 17				केतु दशा वर्ष 7				शुक्र दशा वर्ष 20			
अश्ले. ज्ये. रे. तन्मध्येऽन्तरम्				म. मू. अश्वि. तन्मध्येऽन्तरम्				पू.फा. पू.षा. भ. तन्मध्येऽन्तरम्			
ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.	ग्रह	व.	मा.	दि.
बु	2	4	27	के	0	4	27	शु	3	4	0
के	0	11	27	शु	1	2	0	र	1	0	0
शु	2	10	0	र	0	4	6	चं	1	8	0
र	0	10	6	चं	0	7	0	मं	1	2	0
चं	1	5	0	मं	0	4	27	रा	3	0	0
मं	0	11	27	रा	1	0	18	बृ	2	8	0
रा	2	6	18	बृ	0	11	6	श	3	2	0
बृ	2	3	3	श	1	1	9	बु	2	10	0
श	2	8	8	बु	0	11	27	के	1	2	0

त्रिराशिपति चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.
सू.	शु.	श.	शु.	गु.	च.	बु.
गु.	चं.	बु.	म.	सू.	शु.	श.
वृ.	ध.	म.	कु.	मी.	राशयः	
मं.	श.	मं.	गु.	चं.	दि.	प.
शु.	श.	मं.	गु.	चं.	रा.	प.

दशा का भुक्त भोग्य—गत नक्षत्र की घट्यादि को 60 में से घटाकर इष्ट घटी जोड़ने से भयात होता है।60 में से घटाये हुए अंकों में प्रवेश नक्षत्र की घट्यादि जोड़ने से भभोग होता है। भयात और भभोग की घटियों को 60 से गुणाकर फल बना लें, भयात की पलों को दशा के वर्षों से गुणा कर भभोग की पलों से भाग दें, लब्ध अंक वर्ष। शेषांक को 12 से गुणें, भभोग के पलों से भाग दें, लब्ध मास, फिर शेष को 30 से गुणा कर भभोग की पलों से भाग दें, लब्ध दिन आयेंगे। यह दशा के भुक्त वर्षादि होंगे। इन्हें दशा के वर्षों में से घटाने पर भोग्य दशा होगी।

योगिनी दशाऽन्तर्दशाज्ञानाय चक्रमिदम्

मंगला 1			पिंगला 2			धान्या 3			भ्रामरी 4		
श्र. आर्द्रा. चित्रा			ध. पुनर्वसु स्वाति			श. पुष्य विशा.			अश्वि. अश. अनु. पूभा.		
मा.	12	च.	मा.	24	सू.	मा.	36	गु.	मा.	48	म.
म	0	10	पि.	1	10	धा.	3	0	भ्रा.	5	10
पिं.	0	20	धा.	2	0	भ्रा.	4	0	भ.	6	20
धा.	1	0	भ्रा.	2	20	भ.	5	0	उ.	8	0
भ्रा.	1	10	भ.	3	10	उ.	6	0	सिं.	9	10
भ.	1	20	उ.	4	0	सिं.	7	0	सं.	10	20
उ.	2	0	सिं.	4	20	सं.	8	0	मं.	1	10
सिं.	2	10	सं.	5	10	मं.	1	0	पिं.	2	20
सं.	2	20	मं.	0	20	पिं.	2	0	धा.	4	0

भद्रिका 5			उल्का 6			सिद्धा 7			संकटा 8		
भर. मघा ज्ये. उ.भा.			कृ. पूफा. मू. रे.			रो. उ.फा. पू.षा.			मृग. हस्त उ.षा.		
मा.	60	बु.	मा.	72	श.	मा.	84	शु.	मा.	96	के.
भ.	8	10	उ.	12	0	सि.	16	10	स.	21	10
उ.	10	0	सिं.	14	0	सं.	18	20	मं	2	20
सिं.	11	20	सं.	16	0	मं.	2	10	पिं.	5	10
सं.	13	10	मं.	2	0	पिं.	4	20	धा.	8	0
मं.	1	20	पिं.	4	0	धा.	7	0	भ्रा	10	20
पिं.	3	10	धा.	6	0	भ्रा.	9	10	भ.	13	10
धा.	5	0	भ्रा.	8	0	भ.	11	20	उ.	16	0
भ्रा.	6	20	भ.	10	0	उ.	14	0	सिं.	18	20

अथाङ्ग विभागे पल्ली (छिपकली कोढ़किरली) पतन फलम्

स्थानम्	फलम्	स्थानम्	फलम्	स्थानम्	फलम्
शिरसि	राज्यलाभः	भ्रू मध्ये	राज्य सम्बन्धः	वामपादे	नाशः
नासाग्रे	व्याधिः	वामकर्णे	बहुलाभः	प्रधरोष्ठे	ऐश्वर्य लाभः
वामभुजे	राज्यभयं	स्तनयोः	दौर्भाग्यम्	दक्षिणभुजे	नृपतुल्यताः
जानुद्वये	शुभागमः	हस्तयोः	वस्त्र लाभः	पृष्ठदेशे	बुद्धिनाशः
कटिभागे	अश्वलाभः	वा. मणिबन्धे	कीर्तिनाशः	नाभौ	बहुधनम्
गुल्फद्वये	बन्धनम्	दक्षिणपादे	गमनम्	मुखे	मिष्ठान्नभोजन
ललाटे	बन्धुदर्शनम्	उत्तरोष्ठे	धननाशः	पादमध्ये	स्त्रीनाशः
द.कर्णे	आयुवृद्धि	नेत्रयोः	धनाप्तिः	पादान्ते	मृत्युः
कण्ठे	शत्रुनाशः	उदरे	भूषणलाभः	केशान्ते	मरणम्
जंघयोः	शुभम्	स्कन्धयोः	विजयः	नखेषु	धान्यलाभः
द.मणिबन्धे	मनस्तोषः	हृदये	धनलाभः	दक्षांगुष्ठे	धनलाभः

पल्लीपतने (छिपकली के गिरने पर) शुभ तिथिवार नक्षत्र—यदि छिपकली 1, 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12, 13—इन तिथियों को गिरे, तो श्रेष्ठ लाभदायक है तथा चं. बु. गु. शु.—इन चारों में भी शुभ फल होता है। अश्वि. रो. मृ. पु. पुन. उफा. ह. चि. स्वा. ध. रे. अनु. श.—ये नक्षत्र शुभ फलदायक हैं। इनके अतिरिक्त तिथि नक्षत्र वारादि में छिपकली गिरे, तो अशुभ होता है। **पल्लीपातेकर्त्तव्य कर्म्म**—पल्ली (किरली) तथा सरठ (गिरगिट) स्पर्श पर वस्त्र-सहित स्नान करें। जन्म नक्षत्र, मृत्यु योग, दग्ध दिन, भद्रा आदि से दूषित दिन को पापग्रहयुक्त लग्न में तथा अष्टम चन्द्रमा में पल्ली आदि के स्पर्श होने से अरिष्ट होता है। उसकी शान्ति के लिए जप, होम, मृत्युंजय का जप व तिल स्वर्णदान पंचगव्य से स्नान तथा घृत का छायापात्र दान करना भी उचित है।

छिक्का फल—छिक्का प्रायः सब दिशाओं की नेष्ट होती है। गौ की छिक्का मरण करती है। मदिरा के योग से अथवा ''छींक सूंघनी छलकर लीन्हीं। पीनस, सर्दी, धांस फल हीनीं॥ छींक पीठ की कुशल उचारे। बांई कारज सबै संवारे॥1॥ सम्मुख छींक लड़ाई भाषै, छींक दाहिनी द्रव्य विनाशे॥2॥ ऊंची छींक कहे जयकारी, नीची छींक होये भयकारी।अपनी छींक महादुखदायी, ऐसे छींक विचारो भाई॥3॥ कन्या, विधवा, मालिन, धोबिन, रजस्वला, वेश्या, चमारी की छींक विशेष अशुभप्रद होती है। भोजनान्त में छींक होय, तो दूसरे दिन प्रिय भोजन मिले। शयन के समय और सन्ध्यावन्दन जपादि के आरम्भ में छींक अशुभ नहीं होती।

विविध मुहूर्त्ताः

अथ स्त्रीणामाद्यरजोदर्शने शुभाशुभ विचारः

शुभ मासाः—वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष, माघ, फाल्गुन मास और शुक्लपक्ष श्रेष्ठ हैं।

शुभ तिथि—1।2।5।7।10।11।13।15, कृष्णपक्ष में दशमी पर्यन्त मध्यम, उपरान्त नेष्ट। चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवार श्रेष्ठ। अश्विनी, रो. मृ. पुष्य. उत्तरा 3 ह. चि. स्वा. अनु. श्र. श. ध. रे. नक्षत्र शुभ। पुन. कृ. म. वि. मू. नक्षत्र मध्यम, अन्य अशुभ। वृ. मि. कर्क, कं. तुला ध. मी. लग्न शुभयुक्त तथा शुभ दृष्ट हों, तो प्रथम रजोदर्शन शुभ है।

अशुभ समय—अष्टमी, द्वादशी, षष्ठी, रिक्ता, अमावस, संक्रान्ति, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति ग्रहण, मार्ग में, कुदेश, उत्पात का समय—इन योगों में प्रथम रजोदर्शन होवे, तो अनिष्ट है। इसका यथाविधि जाति विधान करने पर शुभ होवे।

स्नान मुहूर्त्त—ह. स्वा. मृ. अश्विनी अनु. ध. रो. उत्तरा 3. पु. शुभ तिथि, शुभ वार में कुयोग रहित समय में, लग्नबल देख शुभनवांश में, प्रथम ऋतुमती स्नान करें।

अथ गर्भाधान मुहूर्त्त विचार—रजोदर्शन की 4 रात्रि को छोड़कर समरात्रि में, रो. मृ. ह. स्वा. अनु. श्र. ध. श. नक्षत्र तथा मेष, कर्क, सिंह, तुला ध. म. इन लग्नों में, लग्न से 3।6।11 वें में पापग्रह और र.मं.गु. लग्न को देखें तथा विषम राशि नवांश में हो, पति-पत्नि को चन्द्र शुभ हो, ऐसे समय में गर्भाधान संस्कार करें। पुन. अश्वि. पुष्य चि. नक्षत्र गर्भाधान में मध्यम माने हैं। गर्भाधान में चन्द्रबल स्त्री को विशेष होना चाहिए।

गर्भाधानान्तर दश मासों के स्वामी—प्रथम मास का स्वामी शुक्र, द्वितीय का मंगल, तृतीय का गुरु, चतुर्थ का सूर्य, पंचम का चन्द्र, षष्ठ का शनि, सप्तम का बुध, अष्टम का गर्भ लग्नपति, नवम का चन्द्र और दशम मास का स्वामी सूर्य है। अष्टम मास में श्र. रो. पुष्य. नक्षत्र शुभ तिथिवार और अष्टम स्थान शुद्ध लग्न में गर्भ रक्षार्थ विष्णु-पूजन करें।

पुंसवन सीमान्त मुहूर्त्त विचार—गर्भ के द्वितीय, तृतीय मास में पुंसवन करना चाहिए। छठे और आठवें मास में मासाधिपति बलवान् होने पर सीमन्त कर्म करे। पुंसवन सीमन्त में गुरु, शुक्र के अस्त का दोष नहीं है। रं. मं. गुरुवार, मतान्तर से सो. बु. शुक्रवार, दम्पत्ति का चन्द्रबल, तारा शुद्धि देख रो., मृग., पुष्य., पुन., हस्त., मू., मं, उत्तरा 3 जन्म नक्षत्र बिना इन नक्षत्रों में तथा 1।2।3।5।7।10।11।13 शुक्लपक्ष की तिथियों में, कृष्णपक्ष में 10 पर्यन्त शुभ, पूर्वान्ह श्रेष्ठ है। पुरुष संज्ञक लग्न तथा नवांश में लग्न से 1।4।5।8।9।10 में शुभग्रह 3।6।11 में पापग्रह, चन्द्र 1।6।8।12 वें वर्ज्यकर अन्य स्थानों में हो, ऐसे मुहूर्त्त में पुंसवन और सीमान्त संस्कार करना श्रेष्ठ है।

मेधाजनन संस्कार—नालछेदन से पहले दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली के अग्रभाग में स्वर्ण लगाकर स्वर्ण सहित अंगुली से शहद में गौघृत मिलाकर '**ॐ भूस्त्वयि दधामि**' '**ॐ भुवस्त्वयि दधामि**', **ॐ स्वस्त्वयि दधामि**', '**ॐ भूर्भुवः स्वः सव त्वयि दधामि**', इन चारों मन्त्रों से नवजात बालक को थोड़ा-थोड़ा मधु घृत चार बार चटावें। ऐसा करने से बालक बुद्धिमान् और यशस्वी होता है।

स्तनपान मुहूर्त्त—पंचम दिन अथवा भद्रा व्यतिपात वैधृति रिक्ता तिथि का त्याग कर शुभ तिथि वार में पुन पुष्य. मृ. ह. श्र. रे. नक्षत्र में स्तनपान करना शुभ है।

प्रसूति स्नान मुहूर्त्त—रिक्ता तिथि को छोड़कर शुभ तिथि र. म. गु. वार अश्विनी रो. मृ. तीनों उत्तरा, ह. स्वा. अनु. रेवती नक्षत्रों में कुयोग रहित दिन में प्रसूति स्नान शुभ है।

जल पूजन मुहूर्त्त—मास के समाप्त होने पर बु. गु. चन्द्रवार, रिक्ता अमावस रहित तिथियों में मृ. पुन. पु. ह. अनु. मू. नक्षत्रों जल पूजन श्रेष्ठ है। चैत्र, पौष, अधिक मास, गुरु, शुक्र का अस्त, मास पूरा होने पर वर्ज्य करें, अर्थात् एक मास तक इनका दोष नहीं।

जातक कर्म नामकरण संस्कार—जातक कर्म नाल छेदने के पूर्व करना योग्य है। उस समय न हो सके, तो सूतक निवृत्त होने पर ब्राह्मण 11वें, क्षत्रिय 13वें, वैश्य 16वें, शूद्र 21वें दिन नाम कर्म पूर्वकुलाचार के अनुसार करें। सूतक समाप्ति पर 11वें या 12वें दिन जातक कर्म नामकर्म संस्कार न हुआ हो, तो भद्रा व्यतिपात वैवृति संक्रान्ति रहित 1।2।3।4।5।7।10।11।12।13 इन तिथियों में शुभवार, अश्वि. रो. मृ. पुन. पु. ह. चि. स्वा. अनु. तीनों उत्तरा अभि. श्र. ध. श. रे. इन नक्षत्रों में लग्न नवांश बल की योजना कर विधि के अनुसार बालक के दक्षिण कर्ण में तीन बार राम कहें।

दोलारोहरण (बालक को झूले में झुलाना)—जन्मदिवस से 10।12।16।18।32वें दिन रिक्ता अमावस रहित तिथि शुक्रवार, अश्वि. रो. मृ. पुष्य. ह. चि. अनु. अभि. तीनों उत्तरा रे. नक्षत्रों में शुभ होता है। सूर्य नक्षत्र से आगे 5 और पीछे 7 नक्षत्र होते हैं।

अथ निष्क्रमण मुहूर्त्त—बारहवें दिन बालक का निष्क्रमण करें। सूर्य और नक्षत्र पूजन पूर्वक सूर्य और नक्षत्रों के दर्शन करावें। यह न हो तो तृतीय, चतुर्थ मास में मं. श. वर्जित चारों वारों में रिक्ता भद्रा अमावस आदि कुयोग रहित शुभ दिन में, अश्वि. रो. पुन. पुष्य. ह. अनु. स्वा. मृ. श्र. ध. नक्षत्रों में शुभ है।

भूम्युपवेशन—पांचवें मास में पृथ्वी और वराह का पूजन कर रिक्ता अमा. रहित तिथि शुभवार, अश्वि., रो. मृ. पुष्य. हस्त. अनु. ज्ये. अभि. तीनों उत्तरा नक्षत्रों में, स्थिर लग्न में बालक की कमर में सूत्र बांधकर पृथ्वी पर बिठावें। मन्त्र यह है—''**ॐ रक्षेनं वसुधे देवि! सदा सर्वगते शुभे! आयुः प्रमाणं सकलं निक्षिपस्व हरिप्रिये!॥**''

बालक को पृथ्वी पर बिठाने के समय बालक के सामने पुस्तक, कलम, दवात, सुवर्ण, चांदी, शस्त्र, वेद की पुस्तकें, धान्य, मशीनें, छोटी मोटरें, इंजन आदि वस्तुएं रखें। इनमें से जिस वस्तु को बालक पहले ग्रहण करे, उसी से उसकी जीविका होती है, इसलिए आगे वही विद्या उसे पढ़ाई जावे।

अन्नप्राशन—जन्म से 6।8।10।12वें मास में पुत्र को और 5।7।9।11वें मास में कन्या को भद्रा व्यतिपातादि दोषरहित 1।3।5।7।10।13।15 इन तिथियों में शुभ वार, अश्वि. रो. मृ. पुन. पु. ह. चि. स्वा. अनु. अभि. श्र. ध. श. तीनों उत्तरा, रे. इन नक्षत्रों में, जन्म लग्न या जन्म राशि से आठवां लग्न या नवांश तथा मीन, मेष, वृश्चिक लग्न को त्यागकर दशम स्थान में पापग्रह न हो, तो अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

कर्णवेध—चातुर्मास (आषाढ़ शु. 11 से कार्तिक शु. 11 तक) चैत्र, पौष, जन्म,

मास, तिथि, नक्षत्र, क्षयतिथि 4।9।14 और सम वर्षों को त्याग कर जन्म से 12वें या 16वें दिन अथवा 6।7।8वें मास में या विषम वर्षों में, शुभवार अश्वि. मृ. पुन. पु. ह. चि. अनु. अभि. श्र. रे. नक्षत्रों में लग्न से अष्टम स्थान शुद्ध हो, वृ. तु. ध. मीन लग्न और लग्न में गुरु हो, तो कर्णछेदन श्रेष्ठ होता है।

मुण्डन चौल (चूड़ाकर्म) संस्कार—बालक की माता को 5 मास का गर्भ हो, तो 5 वर्ष से न्यून के बालक का चौलकर्म नहीं करना। ज्येष्ठ मास में नहीं करना तथा चैत्र मास को छोड़ विषम वर्ष में उत्तरायण में 2।3।5।7।10।12।13 तिथियों में, अश्वि. मृ. पुन. पुष्य. ह. चि. स्वा. ज्ये. अभिजित्, श्र. ध. श. रे. नक्षत्रों में। अष्टम स्थान शुद्ध होने पर चौल करना श्रेष्ठ है तथा कुलाचारानुसार इष्टदेवता के आगे भी मुण्डन संस्कार और कर्णवेध कर दिया जाता है। यह 'यथा कुलधर्मत:' इस स्मृति के अनुसार ठीक ही है।

क्षौर करने के नियम तथा मुहूर्त्त—चौलकर्म की तिथि क्षौर नक्षत्र और (बाल कटाने) के लिए श्रेष्ठ है। रवि, मंगल, शनिवार, पूर्व क्षौर से 9वां दिन, 4।8।9।14।15।30 तिथि, संक्रान्ति, रात्रि, सन्ध्याकाल, बिना आसन, संग्राम में, यात्रा के दिन, स्नान करके शरीर में उबटन लगाने के अनन्तर भोजन के बाद क्षौर कराना अशुभ है, परन्तु विवाह, यज्ञ, मृतक कार्य, कारागार से छूटने पर ब्राह्मणाज्ञा, राजाज्ञा से किसी समय में क्षौर बनवा सकते हैं। राजकर्मचारी तथा रूपजीवी जैसे—नट, भाट, बहुरूपिये नाटक कम्पनी, फिल्म कम्पनियों में काम करने वाले प्रतिदिन क्षौर बनवा सकते हैं, उनके लिए मुहूर्त्त की आवश्यकता नहीं। ब्राह्मण रविवार को, क्षत्रिय मंगल को, वैश्य, शूद्र, शनिवार को भी क्षौर बनवा सकते हैं तथा ब्राह्मण को शाखेश के वार में भी क्षौर करवाने में हानि नहीं।

कन्या का नाक छेदन मुहूर्त्त—शुक्लपक्ष, शुभ तिथि, शुभ वार कुयोग रहित प्रथम प्रहर में कर्णवेधोक्त नक्षत्रों में तथा उत्तरा 3, स्वाति शत. इनमें नाकछेदन करना शुभ है।

कन्या को सीना पिरोना सिखाने का मुहूर्त्त—रिक्ता अमावस रहित तिथि, रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्रवार। अश्वि. पुन. चि. अनु. ध. इन नक्षत्रों में कुयोगादि रहित शुद्ध दिन में कन्या को चन्द्र, बल, देख, सीना, कसीदा आदि का कार्य सिखाना आरम्भ करें।

अक्षरारम्भ—उत्तरायण में जन्म से 5, 7वें वर्ष 2।3।5।6।11।12 तिथि, शुक्रवार, अश्वि, आर्द्रा., पुन., पु., ह., चि., स्वा., अनु., अभि., श्र., रे. इनमें तथा चररहित लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी तथा अपने कुल देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ करें।

विद्यारम्भ मुहूर्त्त—उत्तरायण, फाल्गुन मास छोड़कर 2।3।5।6।10।11।12 तिथि तथा रवि, गुरु, शुक्रवार और अश्वि. रो. मृ. आर्द्रा. पुन. पु. आश्ले. ह. चि. स्वा. अनु. मू. श्र. ध. श. उत्तरा तीनों और रेवती नक्षत्रों में विद्यारम्भ शुभ है। र. मं. श. वार, रिक्ता तिथि, ज्ये. अश्ले. म. तीनों पूर्वा. भ. कृ. वि. आर्द्रा. उषा. श. नक्षत्र अंग्रेजी, फारसी विद्यारम्भ के लिए शुभ है।

उपनयन संस्कार—बालक के जन्म से व गर्भ से ब्राह्मण 8वें, क्षत्रिय 11वें, वैश्य 12वें वर्ष यज्ञोपवीत धारण करें। किसी कारणवश यह काल लोप हो, तो ब्राह्मण 16वें, क्षत्रिय 22वें और वैश्य 24वें वर्ष तक संस्कार करा सकते हैं। उत्तरायण देवशयन के पूर्व र. चं. बु. गु. शु. वार, सामवेदी को मंगलवार भी विहित है, शुक्लपक्ष की 2।3।5।10।11।12 तथा कृष्णपक्ष की 2।3।5 तिथि अश्वि. रो. मृ. आर्द्रा पुष्य आश्ले. तीनों उत्तरा ह. चि. स्वा. अनु. मू. अभि. श्र. ध. शत. रे. क्रूरयुक्त तथा वेधरहित इन नक्षत्रों में उपनयन संस्कार शुभ है। बालक का गुरुबल तथा चन्द्रबल देखें। सामवेदी को भोमबल भी आवश्यक है। ज्ये. शु. 2, आषाढ़ शु. 10, पौष शु. 11, माघ शु. 12, संक्रान्ति दिवस, रोगबाण (8।17।26 रवि के गतांशा:) गुरु, शुक्र के बालवृद्धास्त को छोड़कर पूर्वाह्न में तथा अभिजित् मुहूर्त्त में यज्ञोपवीत धारण करावें। लग्नेश और च. शु. गु. 6, 8 में और च. शु. 12वें, पापग्रह 1।5।8 में अशुभ है। वृष तथा कर्क का पूर्णचन्द्र लग्न में शुभ होता है। चैत्र में मीन के सूर्य में यज्ञोपवीत संस्कार श्रेष्ठ है।

अभिजित् मुहूर्त्त—नित्य मध्याह्न सन्धिकाल की एक घटी, अर्थात् स्थानीय (लोकल) 11 बजकर 48 से 12 बजकर 12 मिनट दोपहर तक अभिजित् मुहूर्त्त में अनेक दोष निवारण की शक्ति है, अत: कोई शुभ लग्न न बनता हो, तो उपनयनादि इस अभिजित् मुहूर्त्त में करना शुभ है। यथा—"**अभिजित्सर्वदेशेषु मुख्यदोषविनाशकृत। मध्यंदिन गते भानौ मुहूर्त्तोऽभिजिदाह्वय:॥ नाशयत्यखिलान्दोषान् पिनाकी त्रिपुरं यथा।**"

अथ विवाह संस्कार

विवाह संस्कार सर्वश्रेष्ठ संस्कार है। इससे मनुष्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की सिद्धि कर सकता है। विवाह के पश्चात् ही पुरुष पुरुषत्व को प्राप्त होता है। विवाह होने पर पूर्ण पुरुष होता है और सदाचारी सन्तान उत्पन्न करके देश, धर्म, जाति, सेवा के साथ देव, ऋषि, पितृऋण से भी उन्मुक्त हो सकता है, इसलिए इस संस्कार को मुनियों ने श्रेष्ठ बताया है। यह संस्कार योग्य समय में होने पर ही दाम्पत्य सुख, ऐश्वर्य भोग और उत्तम प्रजोत्पादन करके मनुष्य अपने पितृऋण से मुक्त होता है। अत: विवाह-संस्कार का समय-निर्णय हमारे ऋषि-मुनियों ने अतिसूक्ष्मता से किया है। आज कल नास्तिक लोग सर्वकाल विवाह के लिए शुभ मान कर, चाहे जब रजिस्टर पद्धति से कोर्ट में जाकर तथा कपोल-कल्पित नियमानुसार विवाह करवा लेते हैं। यह सर्वथा अनुचित है। विवाह के लिए वेदों में भी पर्याप्त निर्णय है। जैसे-जैसे विज्ञान-विद्या का विकास होता रहा, तैसे-तैसे इस पर सूक्ष्म विचार प्राचीन आचार्यों ने किये हैं, जो कि आधुनिक नूतन विज्ञान से भी बहुत श्रेष्ठतम माना जा रहा है। जिसका यहां संक्षेप में विचार लिखते हैं—

ब्रह्मचर्य के पश्चात् मनुष्य अपने विषम वर्षों में गृहस्थाश्रम में प्रवेश करें। पुरुष 25 के पूर्व तथा कन्या 16 के पूर्व विवाह न करें। कन्या के समवर्षों में शुभ मुहूर्त्त में कन्या का पिता व पालक योग्य वर्ण का निश्चय कर पहले वाग्दान करें। कन्या का वाग्दान करने से पूर्व वर-कन्या की कुण्डली का मिलान तथा गुण-मिलान अवश्य करें, ताकि दम्पति अपना जीवन सुखमय व्यतीत कर सकें। कई नास्तिक मतवादी यह कहते हैं कि इतना घटित मिलान करने पर भी कहीं-कहीं वर-कन्या को दु:ख का सामना करना पड़ता है तथा दात्पत्य वियोग होता है, यह क्यों ? परन्तु घटित मिलान करते समय निम्नलिखित बातों का

अवश्य ध्यान रखना चाहिए-- 1. क्या वर-कन्या का जन्म टाइम ठीक-ठीक है? 2. कई वर्षों से प्राचीन गणित में अन्तर आता है, अत: ऐसे गणित से बनाया जन्म पत्र ठीक-ठीक फलदायक नहीं हो सकता, इसलिए वर-कन्या के जन्म पत्र शुद्ध सूक्ष्म एवं दृक्तुल्य केतकी गणित से ज्योतिषशास्त्र के अनुसार बने हैं या नहीं? इसकी जांच उत्तम गणितज्ञ से करावें। 3. क्या ज्योतिषीजी ने बालक का जहां का जन्म है, वहीं का सूर्योदय लेकर जन्म पत्र बनाया है? 4. क्या लग्नसारिणी एवं सूर्योदय जन्म स्थान को लेकर लग्नसाधन किया है? आदि बातों का निर्णय कर जन्म पत्र विद्वान् गणितज्ञ से बनवाकर मिलाने पर ही वह मिलान योग्य होकर फलदायक होता है।

विवाह के पहले कन्या का नाम बदलना-- यदि कन्या और वर की जन्मकुण्डली न हो और दोनों के नाम परस्पर मिलान में शुभ न हों, तो आवश्यकता में कन्या का नाम बदला जा सकता है, वर का नहीं। कन्या का नाम बदलने के लिए मेलापक सारिणी में वर के नक्षत्र के नीचे जहां दोषांक का अभाव हो या दोष थोड़ा समझकर ऋण (-) का चिह्न लिखा हो, उसी खाने में ऊपर गुणसंख्या भी 18 से अधिक मिले उसी कोष्टक में बायीं ओर जो नक्षत्र मिले, उसी के आद्यक्षरानुसार सुन्दर नाम रख लेना चाहिए।

जन्मभ जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्। व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर का प्रसिद्ध नाम तथा कन्या का जन्म नाम, कन्या का प्रसिद्ध नाम और वर का जन्म नाम ऐसा विपरीत कदापि न लें, यह वर-कन्या के लिए हानिप्रद है या दोनों का जन्म नाम ही लें और जन्म नाम न हो, तो दोनों के प्रसिद्ध नाम लें। विशेषत: दोनों के जन्म नाम ही लेना शास्त्रोक्त और आवश्यक है। यथा--

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे। जन्मराशेः प्रधानत्व जामराशि न चिन्तयेत्॥1॥
कुर्यात्षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते। सर्वाण्यन्यानि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥2॥
मन्त्रे पुनर्भूवरणे नामराशेः प्रधानता। कुर्यात्षोड्शकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते॥3॥

नाम राशि विचार

देशे ग्रामे गृहे युद्धे सेवायां व्यवहारके। नामाराशेः प्रधानत्वं जन्मराशि न चिन्तयेत्॥4॥
काकिण्यां वर्गशुद्धौ च दाने द्यूते ज्वरोदये। मन्त्रे पुनर्भूवरणे नामराशेः प्रधानता॥5॥
विवाहघटनं चैव लग्नजं ग्रहजं बलम्। नाम भात् चिन्तयेत् सर्व जन्म न ज्ञायते यदा॥6॥

इत्यादि विचारों से विवाह-मेलन में जन्म समय से प्राप्त हुए नाम राशि से ही मिलान करना चाहिए। जन्म नाम प्राप्त न हो, तो प्रसिद्ध नाम लेकर विवाह मिलायें।

तारावल विचार-कृष्णाष्टम्यूर्ध्वनो ग्राह्यं दशाहं तारकाबलम्। परतोऽब्जबल ग्राह्यं सर्वमंगलकर्मसु। तारापवादः-पर्याय प्रथमे वर्ज्यःविपत्प्रत्यरिनैधनाः। द्वितीये त्वशंका वर्ज्यास्तृतीये त्वखिलाः शुभाः। आद्याशोविपदि त्याज्यः प्रत्यरौ चरमो शुभः। वधस्त्याज्यस्तृतीयोंशः शेषा अंशास्तु शोभनाः।

अथ शुभाशुभताराज्ञानाय चक्रम्

जन्म नक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिनें, गणनानुसार जन्मादि तारा तथा शुभादि फल समझें।

1 10 19	2 11 20	3 12 21	4 13 22	5 14 23	6 15 24	7 16 25	8 17 26	9 18 27
जन्म शुभ	सम्पत शुभ	विपत् अशुभ	क्षेम शुभ	प्रत्यरि अशुभ	साधक शुभ	वध अशुभ	मित्र शुभ	परम मित्र शुभ

वर वरण मुहूर्त्त

पंचांग शुद्धि देख कुयोग रहित दिन में, शुभ तिथि, शुभ वार, कृ. रो. पू. 3 उ. 3 नक्षत्रों में, चन्द्र बल देख शुभ लग्न तथा शुभ नवांश में, अपने कुल का पुरोहित या कन्या का भ्राता वर के यहां आकर पूर्वोत्तर या पूर्वा पर दिशा में बैठ कुम्कुम व केसर से वर के तिलक करे, वस्त्र, यज्ञोपवीत आदि वर को देकर वर का सत्कार करें। कुलानुसार रुपया, मोहर (अशर्फी) और श्रीफल वर को देकर गुड़, खजूर या बताशा वर के मुंह में देकर ''मेरी बहिन अमुक नाम की (भ्राता हो, तो अन्य हो, तो यथा उचित सम्बोधन दें) आपको दी है'' ऐसा कहकर यह मन्त्र पढ़ें--

तस्मिन् कालेऽग्निसान्निध्ये स्नातः स्नाते हरोगिणे।
व्यगेऽपतितेऽक्लीवे पिता (दाता) तुभ्यं प्रदास्यति॥

कन्या वरण मुहूर्त्त

पंचांग शुद्धि देख कुयोग रहित दिन में कृ. पूर्वा. 3. स्वा. अनु. उषा. श्र. ध. वा. विवाहहोक्त नक्षत्रों में शुभ समय में वस्त्रालंकार सहित फल, पुष्पों से कन्या वरण कर कुलानुसार आचार करें।

विवाह निश्चय के कुछ नियम

वधू, वर की सगोत्र और वर की माता की सात पीढ़ी में से न हो। दो सगी बहिनों का विवाह, दो सगे भाइयों से न करें। दो सगी बहिनों का, दो सगे भाइयों का व भाई-बहिनों का एक संस्कार 6 मास में साथ ही न करें। लड़की के विवाह के पीछे लड़कों का विवाह हो सकता है। पृथक् माता (सौतेली) से हुए भाई-बहिनों का एक संस्कार द्वारा भेद, मण्डपभेद और आचार्य भेद से हो सकता है। यमल (जोड़े) भाई-बहिनों का एक ही मण्डप में विवाह करने में हानि नहीं। इसी प्रकार विवाह से पीछे मुण्डन, यज्ञोपवीत 6 मास तक न करें। विवाह, उपनयन, चूड़ा, सीमन्त, केशान्त से 6 मास तक लघु मंगलकार्य न करें। सम्वत्सर भेद से जैसे माघ, फाल्गुन में एक मंगलकार्य हो, तो आगे चैत्र के बाद दूसरा मंगलकार्य कर सकते हैं। उसमें कोई दोष नहीं। ऊपर कहा हुआ 6 मास का व्यवधान तीन पीढ़ी तक के ही पुरुषों को कहा है, अन्य पीढ़ी के पुरुषों को यह बन्धन नहीं।

मंगलकार्य के मध्य पितृकर्म (श्राद्धादि) अमंगल कार्य न करें। वाग्दान के अनन्तर वर-कन्या के तीन पीढ़ी में किसी की मृत्यु हो जाये, तो 1 मास के बाद अथवा सूतक निवृत्त होने पर शान्ति करके विवाह करने में हानि नहीं। विवाह के पूर्व नान्दीमुख श्राद्ध के बाद तथा विनायक स्थापन (बड़ा विनायक) हुए बाद तीन पीढ़ी तक की मृत्यु हो जाये, तो वह कन्या तथा वर-कन्या के माता-पिता को अशौच नहीं लगता है। निश्चित समय पर विवाह कर देना चाहिए।

सपरिहार गुण मेलापक

—ओमप्रकाश पालीवाला

विवाहित जीवन का सुख या दु:ख मुख्यतया तीन तथ्यों—वर-वधू का मेलापक, कुण्डली मिलान तथा शुद्ध बली लग्न में विवाह—पर निर्भर करता है। इस लेख में प्रथम तथ्य गुणमेलापक पर विचार किया जाता है।

मेल कराने की वस्तु का नाम मेलापक है। इससे यह जाना जाता है कि स्त्री-पुरुष की मैत्री किस प्रकार की होगी। इससे स्वामी-नौकर, व्यवसाय में साझेदारों की मैत्री का भी निर्णय करते हैं।

फलित ज्योतिष में लग्न को शरीर और चन्द्र को मन कहा है। मन का कारक भी चन्द्र ही है। प्रेम मन से होता है, शरीर से नहीं। इस कारण जन्म नक्षत्र तथा जन्म राशि-वश मेलापक देखा जाता है। इस सिद्धान्त को केशवार्क ने **विवाह वृन्दावन** में निम्न शब्दों में कहा है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनां मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।
सौहृदं हि मनसोर्न देहयोर्मेलकस्तदयमिन्दु गेहयोः॥ *(वि. वृ. 2।1)*

मेलापक के लिए वशिष्ठ संहिता में 18 कूटों का वर्णन है, परन्तु आज के भारत में कहीं भी इनका प्रचलन नहीं है। उत्तर भारत में अष्टकूटों का प्रचलन है। नारायण दैवज्ञ ने अपनी कृति 'मुहूर्त्त मार्तण्ड' (शक सम्वत् 1493) में अष्टकूट में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशीश मैत्री, गण, भकूट तथा नाड़ी लिये हैं। राम दैवज्ञ ने भी मुहूर्त्त चिन्तामणि में इन 8 कूटों को लिया है।

''वर्णो वश्यभ योनि खेचर गणाः कूटं च नाडी क्रमात्।
वर्णाद्याबलिनो यथोत्तरम्...'' *(मुहूर्त्त मार्तण्ड 4।1)*

इन ग्रन्थों पर आधारित अष्टकूट मेलापक सारणी पंचांगों में उपलब्ध है। उससे वर-कन्या के नक्षत्रानुसार प्राप्तः कुल गुण संख्या तथा दोषों का ज्ञान सरलता से हो जाता है। यदि मिलान में किसी कूट में दोष नहीं हो, तो यह गुण संख्या वास्तविक गुण संख्या होती है, परन्तु मिलान में यदि कूट दोष हैं, तो इसके परिहार देखते हैं। परिहार मिलने पर कूट दोष समाप्त हो जाता है और उस कूट के गुणों में वृद्धि हो जाती है। इन गुणों को पूर्व प्राप्त गुण संख्या में जोड़ते हैं। यह क्रम सभी कूट दोषों पर लागू होता है तथा गुणों की वृद्धि करके प्राप्त अन्तिम संख्या ही वास्तविक गुण संख्या होती है। इस प्रकार से संशोधित सारणी ही शुद्ध है तथा उसका ही प्रयोग होना चाहिए। पंचांगकारों का यह दायित्व है कि अपने पंचांगों में सपरिहार मेलापक सारणी प्रकाशित करें, जिससे जनता अधिक लाभान्वित हो सके।

यहां यह बताना आवश्यक है कि कूट दोष होने पर उस कूट के गुण कितने होते हैं और दोष नष्ट होने पर उसके कितने गुण लेने चाहिए। इसे निम्न तालिका में दिया है—

अष्टकूट	पूर्ण गुण	कूट दोष में गुण	दोष परिहार में गुण	परिहार तत्त्व
1. वर्ण	1	0	1/2	1. राशीश मैत्री, 2. राशीश एकता 3. वर के राशीश का वर्ण कन्या के राशीश के वर्ण से उत्तम हो।
2. वश्य	2	0; 1/2	1	1. राशीश मैत्री, 2. राशीश एकता 3. योनि शुद्धि
3. तारा	3	1½	3	1. राशीश मैत्री, 2. राशीश एकता
4. योनि	4	0; 1	2	1. राशीश मैत्री, 2. राशीश एकता 3. भकूट शुद्धि, 4. वश्य शुद्धि
5. राशीश मैत्री	5	0;1/2;1	3	1. एक नक्षत्र भिन्न राशियां, 2. भकूट शुद्धि, 3. नवमांशेश मैत्री, 4. नवमांशेश एकता।
6. गण	6	0; 1	5	1. राशीश मैत्री, 2. राशीश एकता 3. भकूट शुद्धि
7. भकूट	7	0	7	1. राशीश मैत्री, 2. राशीश एकता
8. नाड़ी	8	0	8	1. राशीश मैत्री, 2. राशीश एकता 3. दोनों की राशि एक और नक्षत्र भिन्न-भिन्न, 4. दोनों का नक्षत्र एक और राशियां भिन्न-भिन्न, 5. दोनों की एक राशि, एक नक्षत्र और चरण भिन्न-भिन्न

परिहार

1. राशीश मैत्री का अर्थ है कि वर-कन्या की राशियों के स्वामी परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों, यहां केवल नैसर्गिक मैत्री देखते हैं, तात्कालिक नहीं। इस सन्दर्भ में निम्न श्लोक प्रस्तुत है—

न वर्ग वर्णों न गणो न योनिः द्विद्वादशे चैव षडष्टकेवा।

तारा विरोधे नव पंचमे वा मैत्री यदास्याच्छुभदो विवाहः॥

(बृहज्जयोतिष सार)

अर्थात् यदि वर-कन्या के राशीश परस्पर मित्र हैं, तो वर्ण दोष, वर्ग दोष, तारा दोष, योनि दोष, गण दोष, द्विर्द्वादश, षडाष्टक तथा नवम-पंचम दोष को नष्ट करते हैं। इनकी मैत्री विवाह में शुभ मानी गयी है।

इससे मिलता-जुलता ही निम्न श्लोक 'ज्योतिर्निबन्ध' में नाड़ी अपवाद में दिया है—

न वर्ण वर्गो न गणो न योनिर्द्विद्वादशे चैव षडष्टके वा।

वरेऽपि दूरे नवपंचमे वा मैत्री यदि स्याच्छुभदो विवाहः॥

ग्रन्थकार का आशय यही है कि राशीश मैत्री से नाड़ी दोष भी दूर होता है। "**मैत्राः सर्वे गुणाः शुभाः**" भी इसी सन्दर्भ में कहा है।

नाड़ी दोष को नष्ट करने में राशीश मैत्री का वर्णन वसिष्ठ संहिता के निम्न श्लोक में भी है—

नाड़ी विवेद्ये यदि स्याद्विवाहः करोति वैधव्य युतां च कन्याम्।

स एव माहेन्द्र-दिनादि युक्तो राशीश-योनि सहितो न दोषः॥

कुछ विद्वान् इसे इसलिए स्वीकार नहीं करते; क्योंकि इसमें माहेन्द्र कूट का वर्णन है, जो प्रचलित अष्टकूटों में नहीं है। अष्टकूट भी वसिष्ठ के कहे हुए 18 कूटों में से ही लिये गये हैं। इनका मिलान करने पर यह बात स्पष्ट हो जाती है। आधुनिक युग में स्व० रमन ने भी अपनी कृति "मुहूर्त्त" में राशीश मैत्री और एकाधिपत्य को नाड़ी दोष का मुख्य परिहार माना है।

2. राशीश एकता—वर कन्या दोनों की राशियों का स्वामी एक ही ग्रह हो, तो उसे राशीश एकता अथवा एकाधित्य कहते हैं। जैसे वर की राशि वृष हो और कन्या की तुला। वृष और तुला राशियों का स्वामी शुक्र है। अतः राशीश एकता है, जिसे परिहारों में प्राथमिकता-क्रम में दूसरा स्थान दिया गया है। इससे भी दोष राशीश मैत्री की भांति नष्ट होते हैं। वसिष्ठ का निम्न मत है—

एकाधिपत्ये त्वथ मित्रभावे स्त्री पुंसराश्योर्न रज्जुदोषे।

षट्काष्टकादिष्वपि शर्मदं स्यादुद्वाह कर्माचरतोस्तोयोश्च॥

(वसिष्ठ संहिता 32/186)

3. नवमांशेश मैत्री—दोनों के नवमांशेश परस्पर मित्र-मित्र या मित्र-सम हों।

4. नवमांशेश एकता—दोनों का नवमांशेश एक ही हो। राशीश मैत्री अथवा एकाधिपत्य के अभाव में ही नवमांशेश मैत्री एकता देखी जाती है। इस सम्बन्ध में अत्रि ने कहा है—

राशीशयोः सुहृदभावे मित्रत्वे वांशनाथयोः।

गणादिदौष्ट्येऽप्युद्वाह पुत्र-पौत्र विवर्धनः॥

अर्थात् राशीश परस्पर मित्र हों या एक ही हो, या नवमांशेश परस्पर मित्र हों या एक ही हो, तो गणादि दुष्ट होने पर भी विवाह शुभ है और वह पुत्र-पौत्रदायक तथा वृद्धि कारक है। यहां पर **गणादि शब्द** पर ध्यान देने की आवश्यकता है। **गण से प्रारम्भ करके गण, भकूट तथा नाड़ी कूटों की गणना ही ऋषि का मन्तव्य है। इस प्रकार उपरोक्त चार परिहार सभी कूट दोषों को समाप्त करते हैं, इसीलिए राशीश मैत्री का सर्वाधिक महत्त्व मेलापक में है।**

देवल मुनि ने भी वर-कन्या के चन्द्र नवांश पतियों में मैत्री को शुभ माना है यथा—

"अभिदुरावधिपौ सृजतः शुभं शशि नवांशकयोरिति देवलः"

(विवाह वृन्दावन 3/22)

5. सद्भकूट—यदि भकूट दोष रहित है, तो सद्भकूट कहलाता है। सद्भकूट में वर-कन्या की राशियां परस्पर 3-11, 4-10, 7-7 अथवा 1-1 ही होती है। यह भी राशीश मैत्री की भांति वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रह मैत्री दोष तथा गण दोष को नष्ट करता है। गर्ग मुनि ने कहा है—

न खेट मैत्रं नो वश्यं न वर्णो न च तारकाः।

सद्भकूटे परा प्रीतिर्न सा वज्रेण भिद्यते॥

योनौ गणे चैत्त्वनुकूलता स्याच्छुभो विवाहो ह्यपि खेट वैरं॥

(ज्योतिर्निबन्ध)

एक ही राशि में होने वाला सद्भकूट नाड़ी दोष को भी नष्ट करता है। नाड़ी दोष के 3 परिहार इसी के अन्तर्गत आते हैं। जो निम्न हैं—

1. दोनों की राशि एक और नक्षत्र भिन्न-भिन्न हों,
2. दोनों का नक्षत्र एक और राशियां भिन्न-भिन्न हों, और
3. दोनों का नक्षत्र एक और चरण भिन्न-भिन्न हों।

मुहूर्त्त मार्तण्ड में इसे निम्न प्रकार कहा है—

विभैक चरणे भिन्नर्क्षं राश्यैककं भिन्नाङ्घ्र्येकभमेतयोर्गण खगौ नाड़ी नृदूरंचन"

(मुहूर्त्त मार्तण्ड 4/6)

अर्थात् एक नक्षत्र में वर-कन्या के एक ही चरण न हो, दोनों के चरण भिन्न हों। एक ही राशि हो और नक्षत्र भिन्न-भिन्न हों या एक ही नक्षत्र में भिन्न-भिन्न राशि हों, तो गण का विचार, ग्रह मैत्री, नाड़ी और नृदूर दोष देखने की आवश्यकता नहीं होती है। दूसरे शब्दों में ये दोष नष्ट होते हैं। दोनों की एक राशि और भिन्न-भिन्न नक्षत्र होने पर एक नाड़ी जन्य दोष निवृत्ति का उदाहरण केशवार्क ने कृत्तिका और रोहिणी नक्षत्रों का दिया है। दोनों नक्षत्रों की अन्त नाड़ी है और वृष राशि में पड़ते हैं। इसी नियम से स्वाति और विशाखा, उत्तराषाढ़ा और श्रवण नक्षत्र क्रमशः तुला और मकर राशि में नाड़ी दोष से मुक्त हैं। आदि नाड़ी के आर्द्रा-पुनर्वसु (मिथुन राशि), उत्तरा फाल्गुनी-हस्त (कन्या राशि) और शतभिषा-पूर्वाभाद्रपद (कुम्भ राशि) नक्षत्र भी नाड़ी दोष से मुक्त हो जाते हैं।

2. दोनों का नक्षत्र एक और राशियां भिन्न-भिन्न

नौ नक्षत्र—कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, उत्तराषाढ़, धनिष्ठा और पूर्वा भाद्रपद—दो-दो राशियों में पड़ते हैं। इन्हें भी नाड़ी दोष से मुक्ति मिलती है। साधारण नियमानुसार भी पुनर्वसु को छोड़कर शेष नक्षत्रों के राशियों की मित्रता एकाधिपत्य है।

3. दोनों का नक्षत्र एक और चरण भिन्न-भिन्न

एक राशि, एक नक्षत्र और एक चरण होने पर नाड़ी दोष पूर्ण होता है और **इसका कोई परिहार नहीं। इस परिस्थिति में ही ज्योतिषी को नाड़ी दोष कहना चाहिए।** भिन्न-भिन्न चरण होने से नाड़ी दोष नहीं होता। पराशर के मतानुसार एक राशि, एक नक्षत्र होने पर चरण भेद से परस्पर प्रीति होती है। केशवार्क ने कहा है—

''पराशरः प्राह नवांश भेदादेकर्क्ष राश्योरपि सौमनस्यम''

(विवाह वृन्दावन 3/4)

दोनों के नवांश भिन्न-भिन्न राशीशों में होने से नाड़ी दोष नहीं होता।

वसिष्ठ के अनुसार एक राशि पृथक् नक्षत्र तथा एक नक्षत्र पृथक् राशि में वर-कन्या के नक्षत्र होना शुभ है। एक राशि, एक नक्षत्र तथा एक चरण होना मृत्युप्रद कहा है।

''एक राशि पृथक्धिष्ण्येऽप्युत्तमं पाणिपीडनम्।
एकधिष्ण्ये पृथग्राशौ, सर्वैक्टोऽपि मृत्युदम्॥''

(वसिष्ठ संहिता 32/194)

इन तीनों परिहारों का विश्लेषण करने पर हम निम्न दो निष्कर्ष पर पहुंचते हैं—

1. यदि वर तथा कन्या की राशि का स्वामी एक ही ग्रह है अथवा दोनों परस्पर मित्र हैं, तो नाड़ी जन्य दोष का पूर्ण परिहार होता है। यदि दोनों के स्वामी परस्पर मित्र-सम या सम-सम हैं, तब भी परिहार मानते हैं।

2. वर-कन्या के नक्षत्र चरण भिन्न-भिन्न (दूसरे शब्दों में दोनों के चन्द्र की नवांश राशि भिन्न-भिन्न) यदि दोनों के नवांश भिन्न-भिन्न राशि में पड़ते हैं, तभी नाड़ी दोष का परिहार है। एक ही नवांश राशि होने से परिहार नहीं।

मेलापक की न्यूनतम गुण संख्या—

वर-कन्या के मेलापक में गुण योग 18 से अधिक होने पर शुभ होता है। ''अहीन्दूर्ध्व गुणैक्यं शुभं'' (मुहूर्त मार्तण्ड 4/1) किसी ने इसे भकूट पर निर्धारित किया है। सद्भकूट में 16 तथा निकृष्ट, 20 तक मध्यम, अधिक होने से उत्तम होता है। दुष्ट भकूट में 20 तक निकृष्ट, 25 तक मध्यम, 30 तक श्रेष्ठ और इससे अधिक होने पर परमोत्तम होता है।

उपरोक्त तथ्यों का समावेश करके सपरिहार वर-वधु नक्षत्र मेलापक सारणी दी जा रही है। इसमें नाड़ी दोष 'न' से दर्शाया है। यह पूरे नक्षत्र के लिए है, परन्तु नाड़ी दोष का अन्तिम निर्णय नवांश (चरण भेद) से होता है। यदि नवांश में नाड़ी दोष है, तो सारणी में दी हुई संख्या अन्तिम है। यदि नाड़ी दोष नहीं, तो इस संख्या में 8 मिलाने से वास्तविक अन्तिम संख्या प्राप्त होती है। जहां दोष **(न)** से दर्शाया है, वहां परिहार नहीं।

उदाहरण—वर का जन्म नक्षत्र मघा 3 वधू का आश्लेषा 2। प्रचलित मेलापक सारणी से प्राप्त गुण संख्या 15 या 4 दोष वर्ण, योनि, भकूट तथा नाड़ी हैं। गुण संख्या 18 से न्यून होने के कारण तथा नाड़ी दोष का परिहार न होने से मिलान नहीं है, परन्तु दोनों के राशीश सूर्य, चन्द्र परस्पर मित्र होने से दोष नष्ट हैं। अतः वर्ण (1), योनि (2), भकूट (7) के गुण सारणी के गुण में मिलाने से प्राप्त संख्या 25 हुई। यह संख्या सपरिहार सारणी में प्राप्त है तथा 'न' से नाड़ी दोष है। मघा 3 का नवांश मिथुन है तथा आश्लेषा 2 का मकर। इस प्रकार राशीश मैत्री तथा भिन्न नवांश होने से नाड़ी दोष का परिहार है, अतः कुल गुण संख्या 25+8=33 है। जातक का विवाह 23 वर्ष पूर्व हो चुका है।

आशा है कि पाठक सपरिहार सारणी अपनाकर शुद्ध मिलान करेंगे।

सम्पर्क सूत्र—**ओमप्रकाश पालीवाल**
3278, सैक्टर 15 डी, चण्डीगढ़—160015
फोन—(0172) 2540958

सारणी अगले पृष्ठ पर

सपरिहार वर-वधू नक्षत्र मेलापक सारणी (भाग-1)

(ब = वर्ण दोष; व= वश्य दोष; त= तारा दोष; य= योनि दोष; र= राशीश दोष; ग= गणदोष; भ= भकूट दोष; न= नाड़ी दोष; (न)= नाड़ी दोष का परिहार नहीं।

वर → / ↓कन्या		मेष			वृषभ			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
राशि	नक्षत्र चरण	अश्विनी 1, 2, 3, 4	भरणी 1, 2, 3, 4	कृतिका 1	कृतिका 2, 3, 4	रोहिणी 1, 2, 3, 4	मृगशिरा 1, 2	मृगशिरा 3, 4	आर्द्रा 1, 2, 3, 4	पुनर्वसु 1, 2, 3	पुनर्वसु 4	पुष्य 1, 2, 3, 4	आश्लेषा 1, 2, 3, 4	मघा 1, 2, 3, 4	पू.फा. 1, 2, 3, 4	उ.फा. 1	उ.फा. 2, 3, 4	हस्त 1, 2, 3, 4	चित्रा 1, 2
मेष	अश्विनी 1, 2, 3, 4	28 न	33	34	19 ॥ त ग भ	22 ॥ त भ	23 ॥ त भ	28 ॥ ब त	19 ॥ ब त न	21 ॥ ब त न	25 न	33	32	33	33	25 न	11 ब त र भ न	9 ब त य र भ न	13 ब त र य भ ग
	भरणी 1, 2, 3, 4	34	28 न	34	20 ग भ	23 ॥ त भ	15 ॥ त भ न	20 ॥ ब त न	28 ॥ ब त	29 ॥ ब त	33	25 न	32	33	26 न	34	21 ॥ ब र भ	20 ब त र भ	4 ब त र य ग भ न
	कृतिका 1	34	34	28 (न)	27 भ	11 ग भ न	17 ॥ त ग भ	27 ॥ ब त	27 ॥ ब त	28 ॥ ब त	32	33	25 न	26 न	33	33	15 ॥ ब ग भ र	12 ॥ ब ग र भ	18 ब त र भ य
वृषभ	कृतिका 2, 3, 4	18 ॥ त ग भ	20 ग भ	27 भ	28 न	33	33	32	32	33	29 ॥ त	30 ॥ त	22 ॥ न त	22 ॥ त न	31	30 व	33	33	33
	रोहिणी 1, 2, 3, 4	23 ॥ त भ	23 ॥ त भ	11 ग भ न	33	28 न	36	35	33	33	29 ॥ त	29 ॥ त	20 ॥ त न	19 ॥ व त न	28 ॥ व त	30 व	33	33	32
	मृगशिरा 1, 2	23 ॥ त भ	14 ॥ त भ न	18 ॥ त ग भ	33	35	28 न	35	32	33	29 ॥ त	21 ॥ त न	28 ॥ त	27 ॥ व त	19 ॥ व त न	27 ॥ व त	32	33	24 न
मिथुन	मृगशिरा 3, 4	29 ॥ त	20 ॥ त न	28 ॥ त	32	34	35	28 न	33	34	19 व त य र भ	12 व त र भ न	14 व त य र ग भ	31	23 न	31	33	34	25 न
	आर्द्रा 1, 2, 3, 4	21 ॥ त न	29 ॥ त	28 ॥ त	32	33	33	34	28 न	34	12 ॥ व य र भ न	20 व त र भ	13 व त य र ग भ	31	32	24 न	26 न	26 न	33
	पुनर्वसु 1, 2, 3	22 ॥ त न	29 ॥ त	25 ॥ त	33	32	33	34	33	28 न	24 ॥ र भ	23 ॥ र भ	18 त र ग भ	31	31	24 न	26 न	27 न	33
कर्क	पुनर्वसु 4	25 न	32	33	29 ॥ त	28 ॥ त	29 ॥ त	18 ब व त य र भ	10 ॥ ब व य र भ न	22 ॥ ब र भ	28 (न)	35	35	32	32	25 न	20 ॥ ब न त	21 ॥ ब त न	27 ब व त
	पुष्य 1, 2, 3, 4	33	24 न	33	30 ॥ त	28 ॥ त	21 ॥ त न	12 ब व त र भ न	18 ब व त र भ	22 ब भ र	35	28 न	34	33	25 न	33	29 ब त	30 ब त	19 ब व त न
	आश्लेषा 1, 2, 3, 4	32	32	25 न	22 ॥ त न	20 ॥ त न	28 ॥ त	12 ब व त य र ग भ	12 ब व त य र ग भ	15 ब व त र ग भ	35	34	28 न	25 न	32	33	28 ॥ ब त	28 ॥ ब त	28 ब व त
सिंह	मघा 1, 2, 3, 4	33	33	26 न	22 ॥ त न	19 ॥ व त न	27 ॥ व त	31	31	31	32	33	25 न	28 न	35	34	32	32	32
	पू.फा. 1, 2, 3, 4	34	26 न	33	31	28 ॥ त	20 ॥ व त न	24 न	32	32	33	26 न	32	35	28 न	35	33	33	22 ॥ न
	उ.फा. 1	26 न	34	33	31	30	28 ॥ व त	32	24 न	25 न	26 न	34	33	34	35	28 (न)	34	25 न	31
कन्या	उ.फा. 2, 3, 4	13 त र भ न	22 ॥ र भ	16 ॥ र ग भ	33	33	33	34	25 न	27 न	22 व त न	30 ॥ त	29 ॥ त	32	33	34	28 न	35	33
	हस्त 1, 2, 3, 4	12 त र भ न	20 त र भ	17 ॥ र ग भ	33	32	33	34	25 न	27 न	22 व त न	30 ॥ त	29 ॥ त	32	32	24 न	34	28 न	33
	चित्रा 1, 2	14 त र ग भ	6 त र ग भ	20 त र भ	33	32	24 न	25 न	33	33	28 व त	20 व त न	29 व त	32	23 न	31	33	33	28 न

सपरिहार वर-वधू नक्षत्र मेलापक सारणी (भाग-2)

(ब = वर्ण दोष; व= वश्य दोष; त= तारा दोष; य= योनि दोष; र= राशीश दोष; ग= गणदोष; भ= भकूट दोष; न= नाड़ी दोष; (न)= नाड़ी दोष का परिहार नहीं।

वर → / ↓कन्या		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
राशि	नक्षत्र चरण	चित्रा 3, 4	स्वाती 1, 2, 3, 4	विशाखा 1, 2, 3	विशाखा 4	अनुराधा 1, 2, 3, 4	ज्येष्ठा 1, 2, 3, 4	मूल 1, 2, 3, 4	पू.षा. 1, 2, 3, 4	उ.षा. 1	उ.षा. 2, 3, 4	श्रवण 1, 2, 3, 4	धनिष्ठा 1, 2	धनिष्ठा 3, 4	शतभिषा 1, 2, 3, 4	पू.भा. 1, 2, 3	पू.भा. 4	उ.भा. 1, 2, 3, 4	रेवती 1, 2, 3, 4
मेष	अश्विनी 1, 2, 3, 4	28 ॥ त	29 ॥ त	28 ॥ त	32	34	25 न	24 न	32	32	27 ॥ ब त	28 ॥ ब त	27 ॥ ब त	27 ॥ ब त	21 ॥ ब त न	19 ॥ ब त न	24 न	33	33
	भरणी 1, 2, 3, 4	20 ॥ त न	29 ॥ ब त	28 ॥ त	32	26 न	33	32	25 न	33	30 ब	28 ॥ ब त	19 ॥ ब त न	19 ॥ ब त न	27 ॥ ब त	28 ॥ ब त	33	26 न	35
	कृतिका 1	29 ॥ त	21 ॥ त न	21 ॥ त न	32	33	34	33	32	24 न	21 ब न	21 ब न	28 ॥ ब त	28 ॥ ब त	29 ॥ ब त	27 ॥ ब त	32	33	25 न
वृषभ	कृतिका 2, 3, 4	33	25 न	25 न	21 ॥ त न	29 ॥ त	30 ॥ त	20 त र भ	15 ॥ र ग भ	7 ॥ र ग भ न	24 न	24 न	33	33	34	32	28 ॥ त	29 ॥ त	21 ॥ त न
	रोहिणी 1, 2, 3, 4	32	25 न	24 न	20 ॥ त न	29 ॥ त	28 ॥ त	14 त र ग भ	20 त र भ	13 ॥ र भ न	25 न	25 न	32	32	31	33	29 ॥ त	29 ॥ त	21 ॥ त न
	मृगशिरा 1, 2	24 न	33	32	28 ॥ त	21 ॥ त न	28 ॥ त	15 त र ग भ	10 त य र भ न	19 त र भ	32	33	24 न	24 न	32	32	28 ॥ त	20 ॥ त न	29 ॥ त
मिथुन	मृगशिरा 3, 4	25 न	34	33	14 व र ग भ त	11 व त र भ न	14 व त र ग भ	29 ॥ त	21 ॥ त न	29 ॥ त	31	32	23 न	17 भ न	25 भ	25 भ	28 व त	20 व त न	29 व त
	आर्द्रा 1, 2, 3, 4	33	34	33	13 ॥ य र ग भ	17 व त य र भ	3 व त य र ग भ न	23 ॥ त न	30 ॥ त	30 ॥ त	32	32	31	25 भ	17 भ न	18 भ न	22 ॥ व न	29 व त	29 व त
	पुनर्वसु 1, 2, 3	33	35	33	12 ॥ व र ग भ	22 ॥ र भ	8 त र ग भ न	21 ॥ त न	29 ॥ त	29 ॥ त	31	32	31	25 भ	18 भ न	17 भ न	21 ॥ व न	31	20 ॥ त
कर्क	पुनर्वसु 4	28 व त	32	29 ॥ व	24 भ	26 भ	17 भ न	23 न	31	31	28 ॥ ब त	29 ॥ ब त	28 ॥ ब त	12 ॥ ब व त र य ग भ	8 ब व र ग भ न	10 ब व य र भ न	16 य भ न	26 भ	27 भ
	पुष्य 1, 2, 3, 4	20 व त न	30 ॥ त	29 व	24 भ	18 भ न	25 भ	31	23 न	31	28 ॥ ब त	29 ॥ ब त	20 ॥ ब त न	4 ॥ ब व त य र ग भ न	14 ॥ ब व त र ग भ	18 ब व य र भ	25 भ	18 भ न	27 भ
	आश्लेषा 1, 2, 3, 4	29 व त	21 ॥ त न	21 व त न	17 भ न	25 भ	26 भ	32	31	23 न	20 ॥ ब त न	20 ॥ ब त न	29 ॥ ब त	17 ॥ ब व त य र भ	19 ॥ ब व त र भ	11 ॥ ब व त य र ग भ	25 भ	26 भ	18 भ न
सिंह	मघा 1, 2, 3, 4	28 ॥ व त	21 ॥ त न	20 ॥ व त न	25 न	33	34	33	32	24 न	3 ॥ ब र त य ग भ न	4 ॥ ब त र ग भ न	18 ॥ ब त र भ	27 ॥ ब व त	29 ॥ ब त	26 ॥ ब व त	32	33	25 न
	पू.फा. 1, 2, 3, 4	19 ॥ व त न	30 ॥ त	27 ॥ व त	32	26 न	33	32	25 न	32	19 ब य र भ	18 ॥ ब त र भ	4 ॥ ब त र ग भ न	18 ॥ ब व त न	28 ॥ ब त	27 ॥ ब व त	33	26 न	34
	उ.फा. 1	27 ॥ व त	30 ॥ त	27 ॥ व त	32	34	25 न	24 न	33	33	20 ब र भ	20 ब र भ	11 ॥ ब त य र ग भ	26 ॥ व व त	20 ॥ ब त न	19 ॥ ब व त न	25 न	35	34
कन्या	उ.फा. 2, 3, 4	33	35	33	27 ॥ व त	30 ॥ त	21 ॥ त न	21 ॥ त न	32	32	25 भ	25 भ	24 भ	32	25 न	25 न	21 व त न	31 ॥ त	30 ॥ त
	हस्त 1, 2, 3, 4	33	36	33	27 ॥ व त	28 ॥ व त	19 ॥ व त न	21 ॥ त न	29 ॥ त	31	24 भ	25 भ	24 भ	32	24 न	24 न	20 व त न	29 ॥ त	30 ॥ त
	चित्रा 1, 2	36	33	36	30 ॥ व त	19 ॥ व त न	28 ॥ व त	30 ॥ त	21 ॥ त न	29 ॥ त	24 भ	24 भ	17 [illegible] न	25 न	33	32	28 व त	20 व त न	28 व त

सपरिहार वर-वधू नक्षत्र मेलापक सारणी (भाग-3)

(ब = वर्ण दोष; व= वश्य दोष; त= तारा दोष; य= योनि दोष; र= राशीश दोष; ग= गणदोष; भ= भकूट दोष; न= नाड़ी दोष; (न)= नाड़ी दोष का परिहार नहीं।

वर → / ↓कन्या		मेष			वृषभ			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
राशि	नक्षत्र चरण	अश्विनी 1, 2, 3, 4	भरणी 1, 2, 3, 4	कृतिका 1	कृतिका 2, 3, 4	रोहिणी 1, 2, 3, 4	मृगशिरा 1, 2	मृगशिरा 3, 4	आर्द्रा 1, 2, 3, 4	पुनर्वसु 1, 2, 3	पुनर्वसु 4	पुष्य 1, 2, 3, 4	आश्लेषा 1, 2, 3, 4	मघा 1, 2, 3, 4	पू.फा. 1, 2, 3, 4	उ.फा. 1	उ.फा. 2, 3, 4	हस्त 1, 2, 3, 4	चित्रा 1, 2
तुला	चित्रा 3, 4	28 ॥ त	20 ॥ त न	29 ॥ त	33	32	24 न	25 न	33	33	28 व त	20 व त न	29 व त	28 ॥ व त	19 ॥ व त न	27 ॥ त व	33	33	36
	स्वाती 1, 2, 3, 4	29 ॥ त	29 ॥ त	21 ॥ त न	25 न	24 न	33	34	33	35	32	30 ॥ त	21 ॥ त न	21 ॥ त न	29 ॥ त	29 ॥ त	34	36	33
	विशाखा 1, 2, 3	28 ॥ त	28 ॥ त	21 ॥ त न	25 न	24 न	32	33	33	33	29 ॥ व	29 ॥ व	21 ब त न	20 ॥ व त न	27 ॥ व त	27 ॥ व त	33	33	36
वृश्चिक	विशाखा 4	32	32	25 न	21 ॥ त न	20 ॥ त न	28 ॥ त	13 व त र ग भ	12 ॥ ब व य र ग भ	13 ॥ ब व र ग भ	24 भ	24 भ	17 भ न	25 न	32	31 ॥	26 ॥ ब व त	26 ॥ ब व त	30 ॥ ब त
	अनुराधा 1, 2, 3, 4	34	25 न	33	29 ॥ त	27 ॥ ब त	20 ॥ ब त न	10 व ब त र भ न	15 ब व त य र भ	21 ॥ ब र भ	26 भ	18 भ न	25 भ	32	24 न	33	28 ॥ ब त	29 ॥ ब त	18 ॥ ब व त न
	ज्येष्ठा 1, 2, 3, 4	25 न	33	34	29 ॥ ब त	28 ॥ त	28 ॥ त	12 ब व त र ग भ	2 ब व त य र ग भ न	5 ब व त र ग भ न	17 भ न	25 भ	26 भ	33	32	25 न	20 ॥ ब त न	20 ॥ ब त न	27 ॥ ब व त
धनु	मूल 1, 2, 3, 4	24 न	32	33	20 त र भ	14 त र ग भ	14 त र ग भ	28 ॥ ब त	22 ॥ ब त न	20 ॥ ब त न	23 न	31	32	33	32	24 न	20 ॥ ब त न	20 ॥ ब त न	29 ॥ ब त
	पू.षा. 1, 2, 3, 4	33	25 न	32	15 ॥ र ग भ	20 त र भ	12 त र भ न	21 ॥ ब त न	29 ॥ ब त	29 ॥ ब त	32	24 न	31	32	25 न	33	31 ब	29 ॥ ब त	20 ॥ ब त न
	उ.षा. 1	33	33	24 न	7 ॥ र ग भ न	13 ॥ र भ न	20 त र भ	29 ॥ ब त	29 ॥ ब त	29 ॥ ब त	32	32	23 न	24 न	33	33	31 ब	31 ब	23 ॥ ब त
मकर	उ.षा. 2, 3, 4	29 ॥ त	31	22 न	24 न	25 न	33	32	32	32	30 ॥ त	30 ॥ त	21 ॥ न त	4 ॥ त य र ग भ न	20 य र भ	21 र भ	25 भ	25 भ	24 भ
	श्रवण 1, 2, 3, 4	29 ॥ त	28 ॥ त	22 न	24 न	24 न	33	32	31	32	30 ॥ त	30 ॥ त	21 ॥ न त	6 ॥ त र ग भ न	18 ॥ त र भ	20 र भ	24 भ	25 भ	24 भ
	धनिष्ठा 1, 2	28 ॥ त	20 ॥ त न	29 ॥ त	33	32	24 न	23 न	31	31	29 ॥ त	21 ॥ त न	30 ॥ त	19 ॥ त र भ	5 ॥ त र ग भ न	12 ॥ त य र ग भ	24 भ	24 भ	17 भ न
कुम्भ	धनिष्ठा 3, 4	28 ॥ त	20 ॥ त न	29 ॥ त	33	32	24 न	17 भ न	25 भ	25 भ	13 ॥ ब त र ग भ	4 ॥ ब त य र ग भ न	19 ॥ ब त र भ	28 ॥ ब त	19 ॥ ब त न	27 ॥ ब त	32	32	25 न
	शतभिषा 1, 2, 3, 4	22 ॥ त न	28 ॥ त	30 ॥ त	34	32	32	25 भ	17 भ न	18 भ न	8 व र ग भ न	15 त र ग भ	21 त र भ	30 ॥ त	29 ॥ त	21 ॥ त न	25 न	24 न	33
	पू.भा. 1, 2, 3	21 ॥ त न	29 ॥ त	28 ॥ त	32	33	33	26 भ	18 भ न	18 भ न	13 व भ न र	20 व य र भ	13 ॥ व त र ग भ	27 ॥ व त	28 ॥ व त	20 ॥ व त न	25 न	25 न	32
मीन	पू.भा. 4	25 न	33	32	28 ॥ त	29 ॥ त	29 ॥ त	28 ब व त	21 ॥ ब व न	21 ॥ ब व न	18 भ न	26 भ	25 भ	32	33	24 न	20 ब व त न	20 ब व त न	27 ब व त
	उ.भा. 1, 2, 3, 4	34	26 न	33	29 ॥ त	28 ॥ त	21 ॥ न त	20 ब व त न	28 ब व त	31 ब	27 भ	19 भ न	26 भ	33	26 न	35	30 ॥ ब त	29 ॥ ब त	19 ब व त न
	रेवती 1, 2, 3, 4	33	34	25 न	21 ॥ न त	20 ॥ न त	29 ॥ त	28 ब व त	27 ब व त	29 ॥ ब त	27 भ	27 भ	18 भ न	25 न	33	33	28 ॥ ब त	29 ॥ ब त	27 ब व त

सपरिहार वर-वधू नक्षत्र मेलापक सारणी (भाग-4)

(ब = वर्ण दोष; व= वश्य दोष; त= तारा दोष; य= योनि दोष; र= राशीश दोष; ग= गणदोष; भ= भकूट दोष; न= नाड़ी दोष; (न)= नाड़ी दोष का परिहार नहीं।

वर → / ↓कन्या		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
राशि	नक्षत्र चरण	चित्रा 3, 4	स्वाती 1, 2, 3, 4	विशाखा 1, 2, 3	विशाखा 4	अनुराधा 1, 2, 3, 4	ज्येष्ठा 1, 2, 3, 4	मूल 1, 2, 3, 4	पू.षा. 1, 2, 3, 4	उ.षा. 1	उ.षा. 2, 3, 4	श्रवण 1, 2, 3, 4	धनिष्ठा 1, 2	धनिष्ठा 3, 4	शतभिषा 1, 2, 3, 4	पू.भा. 1, 2, 3	पू.भा. 4	उ.भा 1, 2, 3, 4	रेवती 1, 2, 3, 4
तुला	चित्रा 3, 4	28 न	33	36	24 ॥ त भ	6 ॥ व त य ग भ न	20 ॥ व त य भ	30 ॥ त	21 ॥ त न	29 ॥ त	32	32	25 न	26 न	34	33	12 ॥ व त य र ग भ	3 ॥ व त य र ग भ न	12 ॥ व त र य ग भ
	स्वाती 1, 2, 3, 4	33	28 न	33	9 व य ग भ न	21 ॥ व त भ	16 ॥ व त ग भ	24 ॥ त	29 ॥ त	21 ॥ त न	24 न	25 न	32	33	33	33	19 व य र भ	20 ॥ त र भ	13 ॥ त र भ न
	विशाखा 1, 2, 3	36	33	28 न	26 भ	16 ब य ग भ	20 ॥ ब त य भ	30 ॥ त	29 ॥ त	21 ॥ त न	24 न	24 न	33	34	34	33	14 व य र ग भ	13 व य र ग भ	4 ॥ व त य र ग भ न
वृश्चिक	विशाखा 4	24 ॥ त भ	8 व य ग भ न	29 ब	28 (न)	33	34	33	32	24 न	19 ॥ व त न	19 ॥ ब त न	28 ॥ ब त	27 ॥ ब व त	29 ब व	28 ब व	32	32	24 न
	अनुराधा 1, 2, 3, 4	7 ॥ ब त य ग भ न	23 ॥ त भ	17 य ग भ व	33	28 न	35	32	24 न	32	27 ॥ ब त	28 ॥ ब त	19 ॥ ब त न	18 ॥ ब व त न	28 ॥ ब व त	28 ब व	32	25 न	34
	ज्येष्ठा 1, 2, 3, 4	20 ॥ त व य भ	17 ॥ त ग भ	20 ॥ व य त भ	34	35	28 न	25 न	32	32	27 ॥ ब त	27 ॥ ब त	28 ॥ ब त	27 ॥ ब व त	21 ॥ ब त न	18 ॥ ब व त न	24 न	33	33
धनु	मूल 1, 2, 3, 4	29 ॥ त	29 ॥ त	30 ॥ त	33	32	25 न	28 न	33	33	15 ब व त ग भ	15 ब व त ग भ	20 ब व त य भ	29 ॥ ब त	21 ॥ ब त न	20 ॥ ब त न	24 न	32	32
	पू.षा. 1, 2, 3, 4	21 ॥ त न	32 त	29 ॥ त	32	25 न	32	33	28 न	34	22 ॥ ब व भ	23 ब व त भ	6 ब व त य ग भ न	20 ॥ ब त न	28 ॥ ब त	29 ॥ ब त	33	25 न	33
	उ.षा. 1	29 ॥ त	24 न त	21 ॥ त न	24 न	33	32	33	34	28 (न)	25 भ ब	14 ॥ ब न भ	15 ब व त ग भ	28 ॥ ब त	28 ॥ ब त	29 ॥ ब त	33	33	25 न
मकर	उ.षा. 2, 3, 4	32	25 न	24 न	20 ॥ त न	29 ॥ त	28 ॥ त	16 व त ग भ	23 ॥ व भ	25 ॥ व भ	28 न	34	33	32	32	33	30 ॥ त	30 ॥ त	22 ॥ त न
	श्रवण 1, 2, 3, 4	32	25 न	24 न	20 ॥ त न	29 ॥ त	28 ॥ त	17 व त ग भ	24 त भ	14 ॥ व भ न	33	28 न	33	32	32	32	29 ॥ त	29 ॥ त	22 ॥ त न
	धनिष्ठा 1, 2	25 न	32	33	29 ॥ त	20 ॥ त न	29 ॥ त	21 व त य भ	7 व त य ग भ न	16 व त ग भ	33	33	28 न	35	33	34	31 ॥ त	21 ॥ त न	29 ॥ त
कुम्भ	धनिष्ठा 3, 4	26 न	32	34	28 ॥ व त	19 ॥ व त न	28 ॥ व त	30 ॥ त	21 ॥ त न	29 ॥ त	32	32	35	28 न	34	35	18 ॥ त ग भ	7 व त य ग भ न	14 व त य ग भ
	शतभिषा 1, 2, 3, 4	34	33	34	30 व	29 ॥ त	22 ॥ त न	22 ॥ न त	29 ॥ त	29 ॥ त	32	32	33	34	28 न	33	8 ॥ व य ग भ न	18 त ग भ	16 व त ग भ
	पू.भा. 1, 2, 3	33	34	33	29 व	30 व	19 ॥ त न	21 ॥ त न	29 ॥ त य	30 ॥ त	33	33	34	35	33	28 न	26 भ	22 ॥ व य भ	20 व त य भ
मीन	पू.भा. 4	12 ॥ व त य र ग भ	20 र व भ य	14 व य र ग भ	32	33	24 न	24 न	33	33	29 ॥ ब त	28 ॥ ब त य	30 ॥ ब त	17 ॥ ब त ग भ	7 ॥ ब व य ग भ न	25 भ	28 (न)	34	34
	उ.भा. 1, 2, 3, 4	2 ॥ व त य र ग भ न	21 त र भ	13 य र ग व भ	32	26 न	33	32	25 न	33	29 ॥ ब त	29 ॥ ब त	20 ॥ ब त न	6 व ब त य ग भ न	16 ॥ ब त ग भ	21 ॥ ब व य भ	34	28 न	35
	रेवती 1, 2, 3, 4	13 ॥ व त य र ग भ	13 त र भ न	5 ॥ व त य र ग भ न	24 न	34	33	32	32	24 न	20 ॥ ब त न	21 ॥ ब त न	28 ॥ ब त	14 ब व त य ग भ	16 ब व त ग भ	18 ब व त य भ	33	34	28 न

विवाह काल निर्णय

प्रथम गर्भ के ज्येष्ठ वर-कन्या का विवाह ज्येष्ठ मास में नहीं होता, इसको त्रि-ज्येष्ठ कहते हैं। वर-कन्या में से एक ज्येष्ठ हो, तो ज्येष्ठ मास में विवाह करना मध्यम लिखा है। फिर भी आवश्यकता में कृत्तिका का सूर्य निकल जाने पर दानादि करके विवाह करने में हानि नहीं। ऐसे ही वृश्चिक के सूर्य में कार्तिक में भी विवाह होते हैं। इस पंचांग के प्रारम्भ में देश भेदानुसार बहुत विचारपूर्वक सभी विवाह मुहूर्त दिये गये हैं।

त्रिबल शुद्धि

श्रेष्ठ गुरु—जन्म राशि से 2।5।7।9।11वां। पूज्य गुरु 1।3।6।10वां।

नेष्ट गुरु—4।8।12वां। उच्च मित्र स्वराशि का हो, तो नेष्ट गुरु भी ग्राह्य है।

श्रेष्ठ सूर्य—3।6।10।11वां पूज्य सूर्य 1।2।5।7।9वां। नेष्ट सूर्य 4।8।12वां।

श्रेष्ठ चन्द्र—1।2।3।5।6।7।9।10।11वां। पूज्य चन्द्र 12वां। नेष्ट चन्द्र 4।8वां।

उपनयन में बालक 16 वर्ष से ऊपर हो गया हो और विवाह में कन्या 18 वर्ष से अधिक हो गयी हो, तो स्वराशि (धनु. मीन राशि) और उच्च (कर्क राशि) का गुरु जन्म या नाम राशि से चौथा 12वां हो, तो द्विगुण पूजा से और अष्टम हो, तो भी त्रिगुणित पूजा से विवाह और उपनयन संस्कार शुभदायक होता है, ऐसा ऋषियों का मत है।

विवाह में स्तम्भ स्थापन दिग्ज्ञान

मण्डप में प्रथम स्तम्भ स्थापना के लिए सूर्य 5।6।7 राशि का हो, तो ईशान कोण में, 8।9।10 राशि के सूर्य में वायव्य कोण में, 11।12।1 की संक्रान्ति में नैर्ऋत्यकोण में, 2।3।4 राशि के सूर्य में अग्निकोण में विवाह कार्य के लिए स्तम्भ स्थापित करें।

वधू-वर तथा बटु की राशि पर से तैलादि लेपन के दिन

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
7	10	5	10	5	7	7	5	5	5	5	7

वधू-वर तथा बटु की राशि से दिन तथा मौंजी दिवस के पूर्व दिन लेवें।

1. **नृदुर दोष**—वर के नक्षत्र से कन्या का नक्षत्र दूर होने से नृदूर दोष होता है।
2. **कन्या दूर**—कन्या के नक्षत्र से वर का नक्षत्र बहुत दूर होने पर 'कन्या दूर' शुभ है।
3. कन्या राक्षस गण की हो और वर मनुष्य गण का हो तथा वश्यादि 6 (वश्य, तारा, योनि, ग्रह मैत्री, कूट, नाड़ी) शुभ हो, तो विवाह कल्याणप्रद होता है।
4. वर के नक्षत्र से कन्या का नक्षत्र द्वितीय (दूसरा) होने से धन और कल्याण का देने वाला होता है।
5. कन्या के नक्षत्र से वर का नक्षत्र द्वितीय (दूसरा) हो, तो मृत्युदायक विवाह होता है।
6. वर-कन्या की एक राशि हो और भिन्न नक्षत्र, भिन्न राशि और एक नक्षत्र हो और चरण भिन्न हो, तो विवाह शुभ होता है।
7. अशुभ नवपंचम, अशुभ द्विर्द्वादश, अशुभ षडष्टक (मृत्यु षडष्टक) हो और राशि कूट मैत्री हो तथा नवांशपति मित्र हो, तो विवाह शुभ होता है।

न वर्गवर्णो न गणो न योनिर्द्विर्द्वादशे नैव षडष्टके वा।
ताराविरुद्धे नवपंचमे वा राशीशमैत्री शुभदो विवाहे॥
नाड़िदोषश्च विप्राणां वर्णदोषस्तु भूभुजाम्। गणदोषश्च वैश्येषु योनिदोषश्च पादजाम्॥
एकनक्षत्रजातानां नाडिदोषो न विद्यते। अन्यर्क्षपतिवेधेषु विवाहे वर्जितः सदा॥
रोहिण्यार्द्रा-मृगेन्द्राग्नी-पुष्य-श्रवण-पौष्णभम्। अहिर्बुध्न्यर्क्ष मेतेषां नाडिदोषो न विद्यते॥
मरणे पितृमात्रोश्च संग्राह्यो नवपंचमौ।
वरस्य पंचमे कन्या कन्याया नवमे वर। एतत्त्रिकोणकं ग्राह्य पुत्रपौत्रसुखावहम्॥

कुण्डली मिलान—वर-कन्या की कुण्डली मिलान उत्तम होना आवश्यक है; क्योंकि द्रव्य, पुत्र, पति, पत्नी सुख, ऐश्वर्य इत्यादि का विचार कर मिलान करने से दाम्पत्य में सुख होता है। जैसे मनुष्य भाग्यहीन हो और स्त्री भाग्यवती मिले, तो मनुष्य स्त्री के भाग्य से अपना जीवन सुखमय बना सकता है। वर-कन्या दोनों भाग्यवान् हों, तो वह उत्तम होता है। दोनों भाग्यहीन हों, तो नेष्ट होता है। ऐसे ही वर को द्विभार्या योग तथा कन्या को वैधव्य योगादि का विचार करें। वर-कन्या की कुण्डली में परस्पर मारक हो, तो शुभ होता है, जैसे वर की कुण्डली में द्विभार्या योग हो और कन्या की कुण्डली में पति सुख योग न्यून हो, तो मिलान उत्तम होता है तथा कन्या को वैधव्य योग हो और वर को विधुर योग हो, तो मिलान उत्तम होता है। इसी तत्त्व को ग्राह्य मानकर मंगल आदि का दोष लिखा है। विशेषतः मंगल का निर्णय भावचलित से करना चाहिए।

लग्ने तुर्ये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे। कन्या भर्तृ विनाशाय भर्ता कन्या-विनाशकृत्॥

लग्न चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और व्यय स्थान में मंगल होने से कन्या पति को नष्ट करती है और वर कन्या को नष्ट करता है, इसलिए वर-कन्या दोनों को मंगल होना आवश्यक है। मंगल लग्न कुण्डली से तथा चन्द्र कुण्डली में देखना चाहिए। एक के तो मंगल हो और दूसरे के मंगल न होकर मंगल के स्थान में पापग्रह (शनि-राहु) हो, तो मंगल का दोष नहीं होता। यथा—

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्। तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत॥

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौमदोषो न विद्यते॥
जामित्रे च यदा सौरिर्लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत॥
सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपिवाऽथवा भौमे।
वक्रिणी नीचारिगृहे वार्कस्थेपि वा न कुजदोषः॥
केन्द्रकोणे शुभाढ्ये च त्रिषडायेऽप्यद्ग्रहाः।
तदा भौमस्य दोषो न मदने मदपस्तथा॥

इत्यादि परिहार से भौम दोष नष्ट होता है। फिर भी वर-कन्या के लग्न लग्नेश, सप्तम, सप्तमेश, अष्टम-अष्टमेश इनके योगों को देखकर सूक्ष्म
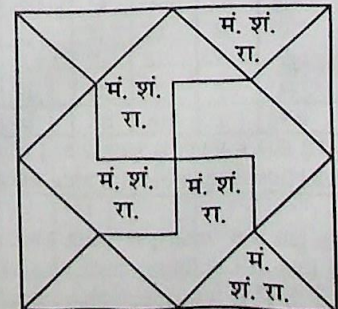
रीति से परिहार योगों को विचार कर ज्योतिषी कुण्डली का मिलान करें, परन्तु यह स्मरण रहे कि कुण्डली ठीक-ठीक बनी होनी चाहिए। कन्या के अनेक कुयोगों द्वारा वैधव्य योग जान पड़े, तो शलिग्राम से, पीपल वृक्ष से, अर्क वृक्ष से व कुम्भ से यथाविधि विवाह कर गौदान, सुवर्ण-दान, महामृत्युंज्यादि जप करके कन्या का विवाह करने से कन्या सौभाग्य पुत्र, धन से युक्त होती है। इस पंचांग में आगे दी गयी मेलापक सारिणी से गुण मिलान करें।

जन्मोत्यं च विलोक्य वालविधवायोगं विधाय व्रतम्,
सावित्र्या उत पैप्पलं हि सुतरां दद्यादिमां वा रहः।
सल्लग्नेऽच्युतमूर्तिपिप्पलघटैः कृत्वा विवाह स्फुटम्,
दद्यात्तां चिरजीविनेऽत्र न भवेद्दोषः पुनर्भूभवः॥

विवाहांग कार्यारम्भ—पंचांग शुद्धि देख विवाह दिन से पूर्व 3।6।9 दिन को छोड़कर कन्या को चन्द्र बल देखकर विवाह के नक्षत्र में जिस स्त्री को चन्द्रबल उत्तम हो, उसके हाथ से हल्दी हाथ लगाना, दलना, पीसना, कूटना, कलशादि स्थापना करना, घर लीपना, आंगन-सफाई, भूषड घड़ाना, वेदी रचना, चन्दोवा, बांधना, वस्त्र सिलाना, गणेशादि पूजन, नान्दि श्राद्ध आदि करना श्रेष्ठ है।

विवाह में दस दोषों का विचार—विवाह समय निश्चित करने के लिए ग्रन्थकारों ने 21 महादोषों के त्याग को लिखा है, परन्तु कई दोषों का परिहार होने से दस दोषों का विचार करते हैं और इन दस में से क्रूरयुति, वेध, मृत्यु-बाण, क्रान्तिसाम्य और दग्धा से पांच महादोष ही विवाह में सर्वत्र वर्ज्य है।

चैत्र, पौष मास को छोड़कर देशाचारानुसार मासों में से रो. मृ. उत्तरा 3, म. ह. स्वा. अनु. मू. रेवती—इन नक्षत्रों में लत्ता, पात, युति, वेध, जामित्र, बाण, एकार्गल, उपग्रह, क्रान्तिसाम्य (महापात) और दग्धा तिथि से दस दोष हैं। इनका विचार कर मुहूर्त करना चाहिए। हमने ये दस दोष तथा देशाचारानुसार विवाह मुहूर्त इस पंचांग में दिये हैं। दोषों के क्रम से जहां दोष हैं, वहां (ऽ) और जहां दोष नहीं हैं, वहां (।) ऐसी खड़ी लकीर दी है। विवाह मुहूर्त में वर-कन्या के जन्म मास, जन्मतिथि, जन्म नक्षत्र लग्न से तथा राशि से अष्टम लग्न वर्ज्य करें। लग्न तथा राशीश के शत्रु राशि का लग्न नवांश न लें। यह विवाह सूक्ष्म केतकी गणित से निश्चित करने से समय शुद्ध और वर-कन्या को कल्याणकारक होता है। अन्तर वाले प्राचीन स्थूल गणित से विवाह मुहूर्त देखने से फल में विपरीतता प्राप्त होती है और अशुभ होने की सम्भावना रहती है।

यात्राविवाहोत्सवाजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चरुणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या॥

लत्तादोष चक्र 1

ग्रहा.	सूर्य	पूर्णचन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु
वि.न.	12	22	3	7	6	5	8	9
दिशा	दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम
फल	धन नाश	भय	मृत्यु	भय	बन्धु नाश	कार्य हानि	कुल क्षय	मरण

उदाहरण—सूर्य अश्विनी नक्षत्र पर हो और विवाह उ.फा. का हो, तो सूर्य नक्षत्र से 12वां होने से यह सूर्य का लत्तादोष वाला विवाह नक्षत्र होगा। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का लत्तादोष भी जानें।

पातदोष चक्र 2—हर्षण, वैधृति साध्य, व्यतिपात, गण्ड और शूलयोगों का अन्त जिस नक्षत्र में हो, वह पात से दूषित होता है। इन नक्षत्रों में विवाह करने से पात दोष होता है।

रो.	मृ.	म.	उफा.	ह.	स्वा.	अनु.	मू.	उषा	उभा	रे.	वि.न.
आर्द्रा पुनः श. पूफा. चि. मू.	मृ. आ. ज्ये. ध म. ह.	अश्वि. मृ. ज्ये. पुष्य ह. रे.	कृ. आ. वि. पूफा उभा पूभा.	भ. मृ. श. पूभा. स्वा. म.	कृ. श्र. ध. पुष्य. ह. रे.	अ. आ उषा. पूभा. पूषा. पूफा.	रो. ज्ये. ध. अश्ले. मू. उभा.	भ. पुन. श. वि. अनु. उषा.	भ. श. वि. उफा. मू. पूफा.	अ. म. ध. ज्ये. पूफा. स्वा	सूर्याधिष्ठित नक्षत्र

3. युति दोष—जिस नक्षत्र का विवाह हो, तो उसी नक्षत्र में यदि कोई ग्रह हो, तो उस ग्रह का युति दोष समझा जाता है। चन्द्र उच्च मित्र व स्वक्षेत्री हो, तो युति दोष नहीं होता, अपितु श्रेष्ठ होता है। सू.मं.श.रा.के. की युति दारिद्रय, मृत्यु आदि भयप्रद मानी गयी है। शुक्र की युति विशेष करके वर्जित है।

वेध दोष चक्र 4

रो.	मृ.	म.	उफा.	ह.	स्वा.	अनु.	मू.	उषा.	उभा.	रे.	वि.न.
अभि.	उषा.	कृ.	रे.	उभा.	श.	भ.	पुन.	मृ.	ह.	उफा.	ग.न.

ऊपर के नक्षत्र का विवाह और नीचे के नक्षत्र पर कोई ग्रह हो, तो वेध दोष होता है, यह सर्वत्र विशेष रूप से त्याज्य है।

जामित्र दोष चक्र 5

रो.	मृ.	म.	उ.	ह.	स्वा.	ऽनु.	मू.	उ.	उ.	रे.	वि.
अनु.	ज्य	ध.	पू.भा.	उभा.	अश्वि	कृ.	मृ.	पुन.	उ.फा.	ह.	ग्र.न.

बाणज्ञानाय सुलभ चक्र 6

बाण नाम	गतांशाः प्रति राशिअर्कस्य	5 कर्म वर्ज्या	वार वर्ज्या	समय परत्वेन वर्ज्या
रोग	8।17।26	व्रतबन्धे	रवौ	रात्रौ त्याज्यां
वन्हि	2।11।20।29	गेहगोपे	भौमे	सदैव वर्ज्य
नृप	4।13।22	नृप सेवायां	मन्दे	दिवा त्याज्यं
चौर	6।15।24	यात्रायां	भौमे	रात्रौ वर्ज्यम्
मृत्यु	1।10।19।28	विवाहे	बुधे	संध्योः वर्ज्यम्

विवाह लग्न से 7वें ग्रह होने पर जामित्र होता है। ऊपर विवाह नक्षत्र और नीचे नक्षत्र हैं, अर्थात् 14वें नक्षत्र में पापी ग्रह का जामित्र दोष वर्ज्य है।

एकार्गल दोष 7—व्याघात, गण्ड, व्यतिपात, विष्कम्भ शूल, वैधृति, वज्र, परिध, अतिगण्ड—ये योग हों और सूर्य के नक्षत्र से विवाह का नक्षत्र अभिजित् सहित गिनने से

विषम हो, तो एकार्गल दोष होता है।

उपग्रह दोष 8—सूर्य के नक्षत्र से 5वें, 7वें, 8वें, 10वें, 14वें, 15वें, 18वें, 19वें, 21वें, 22वें, 24वें, 25वें नक्षत्र पर चन्द्र हो, तो उपग्रह दोष होता है।

क्रान्तिसाम्य दोष चक्र 9

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	कन्या	तुला
सिंह	मकर	धनु:	वृश्चि.	मीन	कुम्भ

उदाहरण—मेष के सूर्य सिंह के चन्द्रमा में व सिंह के सूर्य मेष के चन्द्रमा में स्थूल क्रान्ति साम्य दोष होता है, यह सर्वत्र वर्ज्य है। सूक्ष्म क्रान्तिसाम्य गणित से सिद्ध होता है। इस पंचांग के विवाह मुहूर्तों में गणितगत सूक्ष्म क्रान्तिसाम्य ही लिया गया है।

दग्धा तिथि दोष: 10

ध.	वृष	कर्क	कं.	सिंह	म.	सूर्य
मीन	कुम्भ	मेष	मि.	वृश्चि.	तु.	राशि
2	4	6	8	10	12	तिथि

इन उक्त संक्रान्तियों के सौर मास में ये दग्धा तिथियां विवाह में वर्जनीय हैं।

भुजंगं क्रान्तिसाम्यं च वाणवेधं तथैव च। लग्नहीनं विवाहं तु कलौ पंच विवर्जयेत्। लत्ता-दिदोषाणं परिहारवाक्यानि-लत्तामालवके (उज्जैन प्रान्त) देशे पातश्च कुरुक्षेत्र वागर जांगले (फिरोजपुर भटिण्डा प्रान्त) एकार्गल च काश्मीरे वेधं सर्वत्र वर्जयेत्। उपग्रहर्क्ष-कुरुवाल्हीकेपु (आगरा प्रान्त बलखबुखारा) कलिंगवंगेषु (जगन्नाथपुरी बंगाल अयोध्या) च पातितं भम्॥ सौराष्ट्र (काठियावाड़) शाल्वे (उज्जैन प्रान्त) च लत्तितं भम्। त्यजेतु विद्धंकिल सर्वदेशे॥ युतिदोषो भवेद् गौड़े (बंगाल) जामित्रस्य च यामुने (मथुरादि प्रान्त) मासदग्धा च तिथया मध्यदेशे विवर्जिता:॥

विशेष परिहार—चित्रां गते पातवविचित्रदेशे, मैत्रे मघा मालवके निषिद्धा:। पौष्णश्रुतिश्वोत्तरदेशजात: सर्वत्र वर्ज्यश्च भुजङ्गपात:।

युति परिहार—चित्रां गते पातवित्रिदेशे, मैत्रे मघा मालवके निषिद्धा:। पौष्णश्रु-तिश्वोत्तरदेशजात:, सर्वत्र वर्ज्यश्च भुजङ्गपात:।

युति परिहार—स्वक्षेत्रग: स्वोच्चगो वा मित्रक्षेत्रगतो विधु:। युतिदोषाय न भवेद्दम्पत्यो: श्रेयसे सदा॥ अत्यावश्यके। **वेध परिहार**—पादमेव शुभैर्विद्धमशुभैर्नैव कृत्स्नत: (नारद:)। अतोन्त्यपादमादिगो द्वितीयकस्तृतीयकम्। तृतीयगो द्वितीयक चतुर्थगस्तु चादिमम् भिनति वेधकृद्ग्रहो न चान्यपादमादरात् (वशिष्ट:) अथ पापग्रहेण भुक्तभोग्याक्रान्तनक्षत्रस्य शुभेषु त्याग:-भुक्तं भोग्यं तथाक्रान्तं विद्धं पापग्रहेण च। शुभाशुभेषु कार्येषु वर्जनीयं प्रयत्नत:। अस्यापवाद:-ऋक्षाणि क्रू रविद्धानि क्रू रभुक्तादिकानी च भुक्त्वा चन्द्रेण मुक्तानि शुभार्हाणि प्रचक्षते। जामित्रपरिहार: (व्यवहार समुच्चये)-स्वोच्चे सौम्यालये चन्द्रे स्ववर्गे मित्रवर्गगे। हत्वा जामित्रकृद्दोषं करोति विपुलं सुखम्॥ मुहूर्तचिन्तामणवपि-एकार्ग लोप-ग्रहपातलता जामित्रकर्तर्युदयास्त दोषा:। नश्यन्ति चन्द्रार्कबलोपपत्रे लग्ने यथार्काभ्युदये तु दोषा:॥

विवाहे लग्न शुद्धि चक्रम्

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	भावषु
च. पापा.	0	शुक्र	0	0	च. शु. लग्नेश	सर्वे	चं.मं. शुभा: लग्नेश	0	मं.	0	श.	त्याज्या ग्रहा:
चन्द्रक्रूर	कुलिकं क्रान्ति साम्यंच				चं.	मं.	चन्द्र भौम	विद्धभंच गौधूला त्याज्या:				

सर्वथा लग्नभंगयोगा—व्यये शनि: खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखा न शस्ता: लग्नेट् कविग्लौ च रिपौ मृतो ग्लौ: लग्नेट्शुभाराश्च मदे च सर्वे (अस्तेऽब्जगुरु समौ)॥ वर्गोत्तमं विनांत्यांशो विवाहे न शुभप्रद:। वर्गोत्तमश्चेदन्त्याशं पुत्रपौत्रादिवृद्धिद:॥ दम्पत्योरष्टमं लग्नं त्वष्टमो राशिरेव च। यदि लग्नगत्तस्मोऽपि दम्पत्योर्निधनप्रद:॥ पग्वन्धादिलग्नानां गौड़मालवयोरेव त्याग:। वादरायख—मासशून्याह्वयास्तारा राशयो वधिरादय:। गौडमालवयोस्त्याज्यास्त्वन्यदेशे न गर्हिता:॥

कर्त्तरी दोष—लग्नस्य पृष्ठाग्रयोरसाध्वो:। सा कर्त्तरी स्याध्जुवक्रगत्यो:। तावेव शीघ्रो यदि वक्रचारी न कर्त्तरी चेति पितामहोक्ति:। "इयं कर्त्तरी चन्द्रस्यापि द्रष्टव्या"। केषाचिल्लग्न-दोषाणां परिहार—पापौ कर्त्तरिकारकौ रिपुगृहे नीचास्तगौ कर्त्तरी। दोषौ नैव सितेऽरिनीचगृहगे तत्पष्ठदोषोऽपि न। भौमेऽस्ते रिपुनीचगे नहि भवेद् भौमोऽष्टमी दोषकृत्रीचे नीचनवांशके शशिनि रि:फाष्यारि दोषोऽपि न॥

दोषापवादा ज्योतिर्निबन्धे—दोषाश्च बहव: सन्ति गुणा: स्वल्पा कलौ युगे। तथापि दोषा नश्यन्ति स्वापवादगुणै: सह। अपवादन्तरम्—उक्तानुक्ताश्च ये दोषास्तान्निहन्ति बली गुरु:। केन्द्रसस्ये सितौ वापि पन्नमान्गारुडो यथा। मुहूर्तलग्नषड्वर्गकुनवाशग्रहोद्भवा: ये दोषास्तान्निहन्त्येव यत्रैकादशग: शशी॥ अब्दावनर्तुमासोत्या: पक्षतिथ्यवर्क्षसम्भवा:। ते सर्वे नाशमायान्ति केन्द्रसस्ये शुभग्रहे॥ लग्नाधिपो यदा केन्द्रे लग्नादेकादशालये। सर्व ग्रहकृतारिष्टमेकोऽपि विलय नयेद्॥ बलवान् केन्द्रग: सौम्यो हन्ति दोषशतत्रयम्। द्यूनं विहाय दैत्येज्य सहस्र लक्षमंगिरा:॥

स्मरण रहे कि पूर्वोक्त अपवाद वाक्यों में सर्वत्र सप्तमरहित केन्द्र (1।4।10) ही ग्रहण करना।

विवाहलग्ने ग्रहाणां रेखाप्रदस्थानानि

र.	चं.	म.	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	के.	ग्रहा:	मुहूर्तगणपतौ
3 6 8 1	2 3 11	3 6 11	1।2 3।4 5।6 9 10 11	2।1 3।4 6।5 9 10 11	1।2 4।5 9 10 11	3 6 8 11	3 6 8 11	3 6 8 11	स्थानानि	लग्नं शुभं विवाहे स्याद्दशविंशो पकाधिकम्।
3॥	5॥	1॥	2	3	2	1॥	1॥	1॥		विशोपाकाबलम

अथ गोधूलि लग्न विचार—लग्नशुद्धिर्यदा नास्ति कन्या यौवन शालिनी। तदा वै सर्वत्रर्णानां लग्नं गोधूलिकं शुभम्॥ लग्न यदा नास्ति विशुद्धमन्यत् गोधूलिकं साधु तदा वदन्ति। लग्ने विशुद्धेसति वीर्ययुक्ते गोधूलिकं नैव फलं विद्यते॥ गोधूलि त्रिविधां वदन्ति मुनयो नारीविवाहदिके, हेमन्तेशिशिरे प्रयाति मृदुतां पिण्डीकृते भास्करे। ग्रीष्मेऽधस्तिमिते वसन्तसमये भानौ गते दृश्यता, सूर्ये चास्तमुपागते मगवति प्रावृट्शरत्कालयोः॥

गोधूलिके त्याज्यदोषा—कुलिकंक्रान्तिसाम्यश्च लग्ने षष्ठेऽष्टमे शशी। तदा गोधूलिकस्त्याज्यः पंचदोपैस्तु दूषितः॥ अष्टमे जीवभौमौ च बुधो वा भार्गवोऽष्टमे। लग्ने षष्ठेऽष्टमे चन्द्रस्तदा गोधूलिनाशकः॥ "**अस्त याते गुरुदिवसे सौरे सार्के।**" अर्थात् बृहस्पतिवार को सूर्य अस्त होने के पीछे (क्योंकि सूर्यास्त से पहले वारवेला होगी) और शनिवार को सूर्यास्त से पहले (क्योंकि सूर्यास्त हो जाने से अधिक कुलिक मुहूर्त होगा।) गोधूलि समझना।

संकीर्णचाण्डालादि जीतानां विवाह मुहूर्त—कृष्णे पक्षे भानुभौमार्कजानां वारे योगे चापि धिरण्ये निषिद्धे। संकीर्णानां दारकर्म प्रशस्तं प्रीत्यर्थायुः प्राप्तये शौनकाद्या।

पुनर्विवाहे सूर्यभात् शुभाशुभ ज्ञानाय चक्रम्

3	3	3	3	3	3	3	3	3	नक्षत्र
मृत्यु	धन	मरण	मृत्यु	पुत्र	मृत्यु	दुर्भग	श्रीः	उन्नति	फल

अन्यच्च—सूर्यभात 4।11।18।25 संख्यकसाभिजिद्‌भेषु पुनर्विवाहे मृत्युः। अत्र तिथिमासवेध भगुगुवेस्तादिदोषोऽपि नावलोकनीयः॥

वधू प्रवेश मुहूर्त—जब विवाह होने पर वधू पति के घर पहले पहल आती है, वह वधू प्रवेश कहा जाता है। विवाह से 16 दिन के भीतर दिनों में अथवा 5, 7, 9वें दिन, इनके उपरान्त एक मास तक विषम दोनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त तीसरे, 5वें वर्ष में स्थिर लग्न में वधू प्रवेश शुभ है। 5 वर्ष के उपरान्त जब चाहे तब शुभ मुहूर्त में हो सकता है। 16 दिन के भीतर पूर्वोक्त दिन में तिथ्यादि पंचांग शुद्धि चन्द्रवल गुरु, शुक्र के मूढत्वकां भी विचार नहीं करना। "**व्यतिपाते क्षयतिथौ ग्रहणे वैधृतौ तथा। अमासंक्रान्तितिथ्यादौ प्राप्तकालेऽपि नाचरेत्।**" रे. अश्वि. रो. मृ. श्र. ध. ह. चि. स्वा. भ. म. उत्तरा 3 पुष्य. अनु.—इन नक्षत्रों और चं. बु. गु. शु.—इन चारों में 1।2।3।5।6।7।8।10।11।12।13।14 तिथियों में, 2।5।8।11 लग्नों में, चतुर्थाष्टम शुद्ध हो, तो वधू प्रवेश शुभ है।

प्रवेशस्य समयमाह—वधू प्रवेशो न दिवा प्रशस्तः राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः। दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः॥

द्विरागमन मुहूर्त—पिता के घर से दूसरी बार पति के घर जाने को द्विरागमन कहते हैं, विवाह से एक वर्ष के भीतर अथवा तीसरे व 5वें वर्ष में वृश्चिक, कुम्भ, मेष के सूर्य में जब सूर्य और बृहस्पति शुद्ध हों, तब सोम, बुध, गुरु व शुक्रवार में, 2।3।6।7 या 12वीं राशि के लग्न में, ह अश्वि. रेवती तीनों उत्तरा. रो.स्वा.पुन.पुष्य.श्र.ध.श.मृ.मू. चित्रा और अनुराधा नक्षत्रों में शुभ है।

सम्मुख दक्षिण निषेध—सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र में पितृगृह से पति के घर जाना निषेध है। सम्मुख व दक्षिण शुक्र में नव वधू जावे, तो वन्ध्या हो, बालक को लेकर जावे, तो बालक की मृत्यु हो। गर्भिणी जावे, तो गर्भ का सुख न हो, परन्तु रेवती से मृग. नक्षत्र तक चन्द्रमा रहे, तब तक जाने में दोष नहीं। यथा—**रेवत्यादि मृगान्ते च यावतिष्ठति चन्द्रमा। तावच्छुक्रो भवेदन्धः सम्मुखे दक्षिणे शुभः॥** अति आवश्यकता में शुक्र की शान्ति कर श्वेत वस्त्र, छत्र, स्वर्ण दान देकर जावे। राजविग्रह उपद्रव, दुर्भिक्ष, विवाह, देवता यात्रा आदि में जाना हो, तो सम्मुख दक्षिण शुक्र का दोष नहीं।

विवाह के पश्चात् वधू के रहने का नियम—विवाह के पश्चात् प्रथम ज्येष्ठ महीने में वधू भर्ता के घर रहे, तो पति के ज्येष्ठ भ्राता को, आषाढ़ में सास को, पौष में ससुर को, अधिक मास में अपने आपको हानि करती है। चैत्र में पिता के यहां रहे, तो पिता को हानि करती है। ज्येष्ठादि के अभाव में (न हो तो) उस मास का कोई दोष नहीं होता।

प्रथम युवति स्त्री संगम मुहूर्त—पुत्र चाहने वाले रजोदर्शनानन्तर 16 रात्रि पर्यन्त 4 रात्री के बाद समरात्रि में, रो. मृ. पुष्य. ह. चि. अनु. ध. उत्तरा तीसरे रिक्ता अमावसरहित तिथि में, शुभवार, रात्रि के प्रथम प्रहर को छोड़कर शुभ समय में चित्त को प्रसन्न कर प्रथम स्त्री प्रसंग करे।

नववधू को रसोई बनाने का मुहूर्त—पंचांग शुद्धि देखकर वधू को चन्द्रबल देख, रिक्ता और क्षयरहित तिथि, शुभवार कृ.रो.मृ. उत्तरा 3 पुष्य वि.ज्ये.श्र.ध.श. रेवती—इन नक्षत्रों में 2।5।8।11 लग्नों में, लग्न चतुर्थ अष्टम शुद्ध, सप्तम भाव बलवान् होने पर नूतन वधू से रसोई बनवाये।

पतिगृह से पितृगृह आने का मुहूर्त—गुरु, चन्द्र, शुक्रवार शुभतिथि, भ.आ. अश्ले. मघा. पूर्वा.ज्ये.मू.—इन नक्षत्रों के बिना अन्य नक्षत्रों में शुभ लग्न पंचांग शुद्धि देखकर मुहूर्त निश्चित करें।

स्त्री को वस्त्राभूषण धारण मुहूर्त—रिक्तामारहित तिथि चं. गु. शु. बु. वारा. अश्विनी ह. चि. स्वा. अनु. ध. रे.—इन नक्षत्रों में नवीन वस्त्र धारण और स्वर्ण, रजत आदि आभूषण धारण करना शुभ है।

अनुष्ठानारम्भ मुहूर्त—आश्विन, का., वै., माघ., मार्ग., फा. तथा मेष, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ के सूर्य 1।5।7।10।13।15 तिथि या जिस देवता का अनुष्ठान हो, उसकी तिथि, र.शु. गुरुवार, चन्द्रवार मध्यम, पुन, पुष्य, स्वा. उ. 3, श्र. ध. श. रे. अ. ह. अनु. रो. मृ. वि. ज्ये. व स्वस्वामी नक्षत्रों में लग्न से 3।6।11वें पापग्रह 1।4।5।7।9।10वें में शुभ ग्रह, चन्द्र ताराबल सहित, गुरु, शुक्र के उदय में, शुभ लग्न मृत्यु आदि कुयोग रहित समय में, विष्णु का स्थिर में, शिव का चर में, दुर्गा का द्विस्वभाव लग्न में, कूर्मचक्र शुद्धि सहित अनुष्ठान आरम्भ करें।

व्ययाष्टशुद्धोपचये लग्नगे शुभदृग्युते। चन्द्रे त्रिषड्दशायस्थे सर्वारम्भः प्रसिद्ध्यति॥

बावड़ी, बगीचा, तालाब, कुआं, मकान का आरम्भ और प्रतिष्ठा, व्रतारम्भ व्रतोद्यापन, दान, गोदान, प्रथम उपाकर्म, वृषोत्सर्ग, चौल (मुण्डन) देवता स्थापन, दीक्षा, यज्ञोपवीत,

विवाह अपूर्व देव तीर्थ दर्शन, संन्यास, अग्न्याधान, अभिषेक, समावर्तन, चातुर्मास्ययाग, कर्णवेध, विद्यारम्भ—ये कर्म गुरु के अस्त, बाल वृद्धत्व और मलमास में करना निषेध है।

कुयोगास्तिथिवारोत्था तिथिभोत्था भवारजाः। हूणवंगखसेष्वेव वर्ज्यास्त्रितयजास्तथा॥

कुयोग परिहार—तिथि वार में उत्पन्न हुए क्रकच (वारदग्ध) मृत्यु आदि रोग हूणदेश बंगाल और खसदेश (शिलांग) में ही वर्ज्य करने चाहिए, अन्य देशों में नहीं।

परिघार्द्ध पञ्चशूले षट् च गण्डातिगण्डयोः। व्याघाते नवनाड्यश्च वर्ज्या सर्वेषु कर्मसु॥

परिघयोग का अर्धयोग, शूल योग की 5 घटी, गण्ड और अतिगण्ड की 6 घटी, व्याघात की 9 घटी, सर्व कार्य में वर्ज्य करें तथा जन्म मास, जन्मतिथि, जन्म नक्षत्र व्यतिपात, वैधृति, भद्रा पितृदिन, श्राद्ध, तिथि का क्षय, वृद्धि काल, अधिकमास, क्षयमास, कुलिक प्रहरार्ध पात, महापात (क्रान्तिसाम्य) और विष्कम्भ योग की तीन घटी प्रारम्भ की सदा शुभ कार्य में वर्ज्य करनी चाहिए।

दुकान खोलने का मुहूर्त—रिक्ता तिथि और मंगल के अतिरिक्त अन्य वारों में ह.वि. रो.रे. तीनों उत्तरा, पुष्य, अनु., अश्वि., अभि., नक्षत्रों में कुम्भ लग्न को त्यागकर अन्य लग्नों में, 2।10।11 भावों में शुभ ग्रह हों, 3।6 में पापग्रह हों, 8।12वां स्थान पापरहित हो, चन्द्र, शुक्र लग्न हो, तो अत्युत्तम। कर्ता की दशान्तर्दशा भी शुभ होनी चाहिए।

व्यवहार (बही) पत्रारम्भ मुहूर्त—अश्वि.रो.मृ.पुन. उत्तरा 3 ह.चि.अनु.श्र.रे. नक्षत्र रिक्तामारहित तिथि, र.च.बु.गु.शु. वार, चर द्विस्वभाव शुभयुत दृष्ट लग्न, केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह हो और 8।12वें स्थान में पापग्रह नहीं होने पर शुभ होता है।

सेवाक्रम (नौकरी) मुहूर्त—अ.मृ.चि.ह.पुष्य.अनु.रे. नक्षत्र, रिक्तामारहित तिथि, र.च.बु.गु.शु. वार शुभ ग्रह लग्न में हो, 10वें या 11वें सूर्य मंगल हो, तो अत्युत्तम। स्वामी और सेवक की परस्पर राशीश मैत्री हो, तो सर्वश्रेष्ठ समझना।

अष्टम चन्द्रदोष परिहार— **नीचराशिगते चन्द्रे शत्रु क्षेत्रगतेऽपि वा।
चन्द्रेष्टमारिरिः फस्थे दोषो नास्ति न सशयः॥**

अष्टम भौमदोष परिहार— **नीचराशिगते भौमे शत्रुक्षेत्रगतेऽपि वा।
कुजाष्टमोद्भवो दोषो किञ्चिदपि न विद्यते॥**

षष्ठस्थ शुक्रदोष परिहार— **नीचराशिगते शुक्रे शत्रुक्षेत्रगतेऽपि वा।
भृगुषट्कस्थितो दोषो नास्ति तत्र न संशयः॥**

द्रव्य प्रयोग मुहूर्त—पुन.स्वा.मृ.रे.चि.अनु.वि. पुष्य श्र.ध.श. अश्वि. एषु नक्षत्रेषु, 1।4।7।10 लग्नेषु, 9।5।8 शुद्धिरहिते द्रव्यप्रयोगः शुभः। अत्रावसरे 9।5 शुभग्रहाणां तु न कोऽपि दोषः।

ऋण लेने के लिए वर्जित काल—मंगलवार, संक्रान्ति दिन, वृद्धियोग हस्त नक्षत्र युक्त रविवार को ऋण ले, तो कभी मुक्त न हो। मंगलवार को ऋण चुकाना अच्छा है। बुधवार को धन नहीं देना चाहिए। कृ.रो.आर्द्रा.अश्ले.उ. 3.वि.ज्ये.मू. नक्षत्रों में भद्रा व्यातिपात और अमावस में गया धन फिर मिलता नहीं या झगड़े आदि पर ऊतारू होना पड़ता है।

ईंट का भट्ठा में आग देने या ईंट बनाने में मंगल और शनिवार शुभ है।

श्री काशीनाथमते क्रय-विक्रय मुहूर्त—पुष्य.पू.भा.अनु.श्र.ह.म.स्वा., उत्तरा 3, आश्ले. रे.एषु.भेषु सत्तिथौ चन्द्र शुभ दिने उत्तमशकुनं विचार्य क्रय विक्रयणं कार्यम्।

वस्तु बेचने के नक्षत्र—पू.फा.पू.षा.पू.भा.वि.कृ.अश्ले.भ.—ये 7 नक्षत्र और गुरुवार चन्द्रवार श्रेष्ठ माने गये हैं। **नोट**—बेचने के नक्षत्रों में खरीदना और खरीदने के नक्षत्रों में बेचने वालों को 15 प्रतिशत हानि रहेगी, इसमें संशय नहीं। इसी कारण खरीदने बेचने के नक्षत्र दिखाये गये हैं, परन्तु सम्प्रति प्रचलित सट्टे जैसे भयानक व्यापार में तो धैर्य का काम ही नहीं, सिवा घबराहट के दिन-भर में 10 बार बेचना, 20 बार खरीदना, ऐसे व्यापारी क्या करेंगे इन नक्षत्रों को। सट्टे में भी प्रथम बार व्यापार करने वाले व्यापारी अवश्य ध्यान करें, तभी मालूम होगा कि ऋषियों के वाक्य कहां तक सत्य हैं।

नालिश अर्जी का मुहूर्त—4।9।14 तिथि हो, मं. श. वार हो। कृ.आ.पुन.अश्ले.म. ज्ये.मू.वि. पूर्वा 3 नक्षत्र हो, भद्रा होवे तो अत्युत्तम है।

गृहादि निर्माण में आय विचार—गृह स्वामी के हस्तादि लम्बाई-चौड़ाई को परस्पर गुणाकर आठ का भाग देवे, जो शेष रहे वह क्रम से ध्वजादि आय होती है। 1 ध्वज, 2 धूम्र, 3 सिंह, 4 श्वान, 5 वृषभ, 6 गन्दर्भ, 7 हस्ति, 8 (0) काक। इनमें एकादि विषम संख्या की आय शुभ और दो आदि सम संख्या को अशुभ जानना। गृह की भूमि को अन्दर से मापना चाहिए और देवस्थान की भूमि को बाहर से नापना चाहिए। 32 हाथ लम्बे-चौड़े घर में आयादि विचार की आवश्यकता नहीं है और न चार द्वार वाले घर में ही। ब्राह्मण को ध्वजाय, क्षत्रिय को सिंहाय, वैश्य को गजाय और शूद्र को वृषभाय विशेष शुभ होती है। अन्य आय नीच जाति के लिए शुभ है।

ग्रामभात् वास्तुकर्तु नक्षत्र यावद् गणना कार्या

स्थान	नक्षत्र	फल
मस्तके	7	धनलाभ
पृष्ठे	7	हानि नैःस्वम्
हृदये	7	सुख लाभः
पादे	7	पर्यटनम्

घर का नक्षत्र और व्यय ज्ञान—घर के क्षेत्रफल (हस्तादि लम्बाई-चौड़ाई के गुणन) को 8 से गुणाकर 27 का भाग दें। जो अंक शेष रहे, तदनुसार अश्विन्यादि गृह का नक्षत्र जानें। इस नक्षत्र को 8 से भाग दें। शेषांक तुल्य व्यय जाने। आय कम हो, तो शुभ है, अन्यथा अशुभ।

वास्तु भूमिका शुभाशुभ जानना—नयी बस्ती में गृहादि बनाना हो, तो भूमि पूजनपूर्वक शाम को एक हाथ चौड़ा, एक हाथ लम्बा, एक हाथ गहरा गड्ढा बनाकर उसको जल से भर देवें। प्रातःकाल उसको देखें, यदि जलयुक्त हो, तो शुभ, निर्जल मध्यम, निर्जल फटा हो, तो अशुभ है।

मकान बनाने के लिए पृथ्वी की शुभाशुभ परीक्षा—मकान की नींव को इतना गहरा खोदें कि जल दिखने लगे अथवा दूसरी मिट्टी जब तक निकले अथवा साढ़े तीन हाथ गहरी, अर्थात् मनुष्य के बराबर खोदें। खोदते समय जो पत्थर निकले, तो धन आयु की वृद्धि हो और जो गुठली निकले, तो धन नाश हो और जो हाड़, राख, बाल निकलें, तो मकान बनाने वाले को व्याधि पीड़ा हो।

गृहारम्भ मुहूर्त—वैशा.श्रा.मार्ग.फाल्गुन और मे. वृष. कर्क. सिंह. तुला, वृ, मृग, कु. सूर्य के सौर महीने गृहारम्भ में श्रेष्ठ कहे हैं, भाद्रपद और कार्तिक मास मध्यम है। 2 ।3 ।5 । 6 ।7 ।10 ।11 ।12 ।13 ।15 और कृष्णपक्ष की प्रतिपदा—इन तिथियों में, चं.,बु.,गु., शु., श. वारों में रो., मृ., चित्रा ह., स्वा., अनु. उत्तरा 3 ध. श. रे. बेध रहित नक्षत्रों में 1 ।3 ।5 ।6 । 8 ।11 ।12 लग्नों में, पंचवाण और भूमिशयन से रहित दिनों में, लग्न से केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह और 3 ।6 ।11वें स्थान में पापग्रह तथा अष्टम स्थान शुद्ध होने पर गृहारम्भ मुहूर्त शुभ होता है। केवल तृणमय गृहारम्भ में वत्सचक्र व मासादिका विचार नहीं करना।

गृहारम्भे वत्सचक्रम्

सूर्य नक्षत्र से गृहारम्भे नक्षत्र तक अभिजित् सहित गणना करें।

स्थान	नक्ष	फल
शीर्ष	3	अग्निदाह
अ.पादे	4	शून्यमसत्
पृ.पादे	4	स्थिरता
पृष्ठे	3	लक्ष्मीप्राप्ति
द:कुक्षौ	4	लाभ:शुभम्
पुच्छे	3	स्वामिनाश
वामकुक्षौ	4	निर्धनता
मुखे	3	पीड़ा असत्

विशेष—पुष्य. उ. 3 रो. म. आश्ले. पू. षा.—इनमें से जिस पर बृहस्पति हो, उस नक्षत्र में और बृहस्पतिवार को गृहारम्भ हो, तो पुत्र और सम्पत्तिदायक होता है। रो. ह. श्र. उ.फा. चि.—इनमें से जिस पर बुध हो, उस नक्षत्र में बुधवार को गृहारम्भ हो, तो सुख और पुत्र होते हैं। वि.आ.चि.ध.श.अश्ले. इनमें से जिस पर शुक्र हो, उस नक्षत्र में और शुक्रवार को गृहारम्भ हो, तो धन-धान्यदायक होता है।

भूमिप्रसुप्तज्ञानम्—''संक्रान्ति मिति दिन पाचवें, सप्तम नवमे जाय। दस इक्कीस चौबीसवें षट् दिन पृथ्वी सोय॥ तत्रात्यावश्यके क्रमात् 5 ।11 ।7 ।6 ।2 ।10 एता घटिका भूमिकर्मण्यवश्यं वर्जनीया:।'' अन्यच्च-सूर्य के नक्षत्र से 5 ।7 ।9 ।12 ।19 ।26 इतनी संख्या के नक्षत्रों में पृथ्वी शयन के कारण मकान की नीव, तड़ाग, वापी, कूपादि का खोदना उत्तम नहीं होता।

गृहमध्ये कूपविचार

मध्य	ईशान	पूर्व	आग्नेय	दक्षिण	नैऋत्य	पश्चिम	उत्तर	वायव्य
अर्थहीन	सुपुष्टि	ऐश्वर्य	पुत्रनाश	स्त्रीनाश:	गृहेशनाश:	सम्पत्	सुखम्	शत्रुभयम्

नक्षत्रवारो तिथिसंप्रयुक्तो वेदाहतं तदगणकेन कार्यम्। एकावशिष्टे च जलं हि नागे द्वाभ्यां च शेष सलिलं च स्वर्गे॥ त्रिशून्य शेषे भुवि संस्थितं च, भूसंस्थिति सुष्टु वदन्ति विज्ञा:॥

अथ चुल्लिचक्रविचार—सूर्य के नक्षत्र से 6 नक्षत्र पीठ के सुखप्रद। 4 मस्तक के मृत्यु प्रद। 8 बाहु के सुन्दर सुख भोगदायक। 5 गर्भ के नाशक। 2 भुजा के भोगदायक। 2 चरण के नाशक। यह चुल्लिकचक्र गर्गाचार्य ने कहा है, पण्डितजन विचार करें। उपरोक्त शुभ नक्षत्रों में चूल्हा बनावे तथा इन्हीं शुभ नक्षत्रों में प्रथम अग्नि जलावे।

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त—माघ-फाल्गुन-वैशाख-ज्येष्ठ मासेषु शोभन:। प्रवेशो मध्यमो ज्ञेय: सौम्य (मार्ग) कार्तिकमासयो:॥ (यहां चान्द्रमास लेना) उत्तरा 3, अनु. रो. मृ. चि. रे. इन नक्षत्रों में, रिक्तामारहित तिथियों में, चं.बु.गु.शु. इन वारों में, 2 ।5 ।8 ।11 लग्न में। अत्यावश्यके 3 ।6 ।9 ।12 लग्न में भी, लग्न से 1 ।2 ।3 ।5 ।7 ।9 ।10 इन स्थानों में शुभग्रह हों, 3 ।6 ।11 में क्रूर ग्रह हों, 1, 6, 8, 12वें चन्द्रमा न हो, चौथा 8वां स्थान शुद्ध हो, जन्म लग्न या जन्मराशि से 8वीं राशि लग्न में न हो, चन्द्र तारा शुभ हों और कुम्भ चक्र की भी शुद्धि हो, ऐसे समय में आगे गौ, कन्या, जलपूर्ण, पुष्पमाला युक्त कलश, वेद ध्वनि मंगलगान वाद्य के साथ से दम्पत्ति को गृह प्रवेश शुभ है।

गृह प्रवेश का विशेष मुहूर्त—पुराने अर्थात् जीर्ण या तृण कुटीर अग्नि वर्षा इत्यादि भय से बनवाये हुए नये घर में भी वै.श्रा.का.मार्ग.फा. मास में शत. पुष्य. स्वा. और ध. नक्षत्रों में तथा गुरु, शुक्र के अस्त में भी गृह प्रवेश हो सकता है।

सूर्यराशिवशात् खातज्ञानम्

खाते राहोर्मुखात्पृष्ठेदिग्भाग: शुभदो भवेत्

राहुमुख	ऐशान्यां	वायध्यां	नैर्ऋत्यां	आग्नेय्यां
देवालयारम्भे सूर्य	मी.मेष वृष	मि.कर्क सिंह	कन्या तुला वृश्चिक	धनु: मकर कुम्भ
गृहारम्भे सूर्य:	सिंह कं. तु.	वृश्चि.ध. मकर	कुम्भ मीन मेष	वृष मिथुन कर्क
जलाशायारम्भे सूर्य:	मं.कुं. मी.	मे. वृष मिथुन	कर्क सिंह कन्या	तुला वृश्चि. धनु:
खातदिशा	आग्नेय्यां	ऐशान्यां	वायव्याम्	नैर्ऋत्यां

द्वारशाखाचक्र सूर्यनक्षत्रात्

स्थान	नक्ष	फलानि
शिरसि	4	श्रीप्राप्ति:
कोणे	8	उद्वसनम्
शाखा	8	सौख्यम्
देहल्यां	3	गृहेशनाश:
मध्ये	4	सौख्यम्

चक्रमिदं विलोक्य सुधिया द्वारं विधेयं शुभम्

गृहप्रवेशे कुम्भचक्रम् सूर्य भात्

5	8	8	6
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

कूप, तालाब और बावड़ी खुदवाने का मुहूर्त—अनु. ह. तीनों उ. रो. ध. श. म. पूषा. रे. पुष्य. मृ, नक्षत्र हों या चन्द्रमा मकर के उत्तरार्द्ध, मीन या कर्क में हो लग्न में बुध या गुरु हो, शुक्र 10वें स्थान में हो और पापग्रह निर्बल हों, तो शुभ है। यदि 2 ।10 ।4 ।11 ।12 लग्न हों, तो अत्युत्तम है।

सूर्यनक्षत्रात्कूप वापी जलचक्रम्		
ईशान 3 क्षार जल उत्तर जल उत्तम जल वायव्य 3 मिश्रित जल	पूर्व 3 खण्डित जल मध्य 3 स्वादु तथा शीघ्रजल पश्चिम 3 जल	आग्नेय 3 सुजल दक्षिण 3 निर्जल नैर्ऋत्य 3 अमृत जल

सूर्यभात्तड़ाचक्रम्		
ईशान 2 जलनाश उत्तर 2 अमृतं जल वायव्य 2 जलनाश	पूर्व 2 शोक मध्य 5 बहुजल प. 2 बहुजल	आग्नेय 2 जलाधिक्य दक्षिण 2 जलनाश नैर्ऋत्य 2 अमृत जल

गणनाक्रम मध्य पूर्व आग्नेयदक्षिणा दिक्रमेण बोध्यम्

ईशान	पूर्व	आग्नेय
अ.भ.कृ. मध्यजल	पुन.पु.अश्ले. जलाभाव	म.पूफा.उफा. सुजलम्
उत्तर	**मध्य**	**दक्षिण**
पूभा.उभा. रे.मिष्ठजल	रो.मृ.आर्द्रा शीघ्रजलं	ह.चि.स्वा. जलाभाव:
वायव्य	**पश्चिम**	**नैर्ऋत्य**
श्र.ध.श. क्षारजल	मू.पू.उषा. अमृतजलं	वि.अनु.ज्ये. बहुजम्

अवशिष्टानि 6 नक्षत्राणि 'वारिवाह' संज्ञकानि सन्ति। तत्फलं-वारिवाहे वारिहानि:। गणनाक्रम-पूर्व आग्नेय द.नै.प.वा.उ.ई. मध्य, वारिवाह। वाहे चामृत संज्ञकम्।

जलाशयारामप्रतिष्ठा मुहूर्त

देवतारामवाप्यादि प्रतिष्ठामुत्तरायणे,
माघादिपञ्चमासेषु कृष्णेऽप्यापञ्चमीदिने।
मातृभैरववाराहनारसिंहत्रिविक्रमा:,
महिषासुरहंत्री च स्थाप्या वै दक्षिणायने॥

अश्वि.रो.मृ.पुन.पुष्य.ह.चि.स्वा.अनु.श्र. ध.श.उत्तरा. 3.रे.एषु भेषु, कुजशनिवर्जितवारेषु, 2।3।5।6।7।8।10।11।12।13।15 एतत्तिथौ शुक्ले, 1।2।3।5 तिथिषु कृष्णे, गुरुशुक्रयो: नीचनिर्बलास्तादि रहितकाले, कर्तु: सूर्य चन्द्रतारानुकूल्ये सति जन्मलग्नयोरष्टमराशिलग्नरहिते स्थिर (2।5।8।11) लग्नेषु। लग्नात् 1।4।7।10।9।5।2।11 स्थानेषु शुभे, 3।6।11 सेन्दुभि: पापै:, पूर्वान्हे देवप्रतिष्ठा कार्या।

देवताविशेषेण लग्नम्—सिंहे सूर्य: शिवो द्वन्द्वे लग्ने स्याप्य: स्त्रियां हरि:। कुम्भे वेधाश्चरे क्षुद्रा द्वयगदेव्य: स्थिरेऽखिला:॥ यस्य देवस्य यत्तिथिवारनक्षत्रादिकं तद्दिने यदि तस्य प्रतिष्ठा मुहूर्तो भवेत्तदा अत्युत्तम:॥

वास्तुशन्ति मुहूर्त—श्र. ध. मृ. मू. अनु. रे. ह. चि. स्वा. उत्तरा 3 पुन. पुष्य. रो. अश्वि. एषु भेषु शुभेऽह्नि सत्तियौ बलिदानपुरस्सरं वास्त्वर्चनं कार्यम्॥

अग्नि का वास किस लोक में है—जिस दिन हवन करना हो, उस दिन तिथि और वार की संख्या जोड़कर एक और जोड़ना, पुन: 4 का भाग देना। यदि पूरा भाग लग जाये (0 शेष रहे) अथवा तीन शेष रहे, तब अग्नि का वास पृथ्वी पर सुखकारक होता है, शेष 1 बचने पर आकाश में प्राण हानिकारक, शेष 2 बचने पर पाताल में धनहानि करता है। तिथि की गणना शुक्ल प्रतिपदा से, वार गणना रविवार से करनी। इसके बाद आहूति-चक्र जरूर देखिये।

ग्रहमुखे होमाहुतिज्ञानाय चक्रम् (सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिनना)									
सू.	बु.	शु.	श.	चं.	मं.	गु.	रा.	के.	ग्रहा:
3	3	3	3	3	3	3	3	3	नक्षत्र
नेष्ट	श्रेष्ठ	श्रेष्ठ	नेष्ट	श्रेष्ठ	नेष्ट	श्रेष्ठ	नेष्ट	नेष्ट	फलम्

विशेष—यात्राविवाहव्रतगोचरेषु चौलोपनीताद्यखिलव्रतेषु। दुर्गाविधानेषु सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिन्तनीयम्॥ महारुद्रव्रतेऽमायां ग्रस्तेन्द्वर्कस्य राहुणा। नित्येननैमित्तके कार्ये अग्निचक्रं न दर्शयेत्॥ दिग्दाहेप्यथवा घोरे ग्रहास्ते भूमिकम्पने। केतूनामुदये शान्तौ चक्रं यत्नेन चिन्तयेत्॥ लक्षकोटिहवने मखेऽखिले चातिरुद्रकरणे महाविधो। देवखातभवने सुरालयेऽग्निचक्रमवलोकयेत्सुधी:। दुर्गभङ्गे गृहे वाऽपि विवादे शत्रु विग्रहे। शान्तिक्रमे नृपक्रोधे चक्रं तत्र निरीक्षयेत्॥

पापग्रहमुखेहवनेकृते शान्ति—क्रूरग्रहमुखे चैव सञ्जाते हवनेऽशुभे। शान्ति विधाय गां दद्याद् ब्राह्मणाय कुटम्बिने। आयसीं प्रतिमां कृत्वा निक्षिपेत्तामधोमुखीम्। गोमूत्रमधुगन्धाद्यै रर्चिता प्रतिमां तत:। कुण्डे निवाय सम्पूज्य तत्र होमो विधीयते॥

अथ ऋणि-धनी विचार—स्ववर्गं द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत्। अष्टभिश्च हरेद् भागे योऽधिक: स ऋणी भवेत्॥

यथा—अपने वर्ग को दुगुना कर दूसरे वर्ग को जोड़ना। फिर 8 का भाग देना। फिर दूसरे का वर्ग दुगुना करके अपना वर्ग जोड़ना, फिर 8 का भाग देना, जिसका शेषांक अधिक बचे, वह ही कम बचत वाले का ऋणी जानना।

भूमि का लेन-देन—गुरु, शुक्रवार, 1, 5, 6, 11, 15 तिथि, मृग. पुन. अश्ले. म. पूफा. वि. अनु. मूल. पू. षा. उ. भा. नक्षत्र में घर-जमीन का सौदा करना शुभ है।

हलप्रवहण मुहूर्त—मृ. रे. चि. अनु. रो. उत्तरा 3 ह. अश्वि. पुष्य अभि. स्वा. पुन. श्र. ध. श. मू. म. वि. एषु. भेषु, रिक्तामाषष्ठ्यष्टमीरहित सत्तिथौ शुभग्रहस्य वारे, 1।5।7।10।11 लग्नेषु, भूमिशयनभद्रादीन् वर्जयित्वा हलचक्रशुद्धौ सत्यां हलप्रवहणं शुभम्।

हल चक्रम् (सूर्य भुक्त नक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिने)				
3	8	9	8	नक्षत्र
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	फलम्

बीजपवने राहु चक्रम (राहुनक्षत्रात् दिनभं यावत् गणना कार्या)								
8	3	1	3	1	3	1	3	4
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

बीजपवने मुहूर्त—ह. अश्वि. पुष्य. उत्तरा. 3. चि. अनु. मू. रे. स्वा. ध. रो. मृ. एषु भेषु सत्तिथौ भौमातिरिक्तवारेषु सुशकुने राहुवक्रशुद्धौ सत्यां शुभ:।

विशेष—रवेरौद्रा (आर्द्रा) द्यपादस्थे भूमे: संजायते रज:। तस्मादिनत्रंयतत्तु बीजवापे परित्यजेत्।

नवान्नभक्षण मुहूर्त—मू.रे.वि.अनु.ह.अश्वि.पुष्य.अभि.स्वा.पुन.श्र.ध.श.विष घटी रहित नक्षत्रों में शुभ है। नन्दा रिक्ता तिथियों और पौष, चैत्र को छोड़कर सू.बु.गु. शुक्रवार शुभ है।

गौ आदि पशु लेने का मुहूर्त—अश्वि. पुन. पु. ह. वि. ज्ये. धनि. शत. रे. नक्षत्र में गौ लेना-बेचना। अन्य पशु पुन. पूर्वा 3 ह. अनु. ज्ये. मू. धनि. रे. में लेना-बेचना शुभ है। गाय लेनी हो, तो उ. फा. से दिन नक्षत्र तक गिने, 3 तक लाभदायक, 5 तक हानि, 11 तक अर्थ लाभ, 16 तक सुख, 22 तक महालाभ, 23 तक वृद्धि, 27 तक भय होता है। वृषभ (बैल) लेना हो, तो 6 नक्षत्र लाभदायक, फिर दो-दो के क्रम से गाय के समान फल जानो। महिषी (भैंस) लेनी हो, तो भी गौ नक्षत्र गणना क्रम शुभाशुभफल सूर्य नक्षत्र तक गिने (नौमी चौदस चौथ चौपाया, मंगल हानि करे घर आया)।

सूर्य नक्षत्रात् काष्ठादि (गुहाराआदि) संस्थापनचक्रम्

6 उत्तमपाक शुभ	2 शवदहन नेष्ट	4 सर्पभय नेष्ट	4 मित्रलाभ शुभ	4 रोगभय नेष्ट	4 क्वाथकर्म नेष्ट	4 सुख शुभ	नक्षत्र संख्या

लतावृक्षाद्यारोपण मुहूर्त—मृ.रे.चि.अनु.उत्तरा. 3 रो.ह. पुष्य, अश्वि. श. मू. वि. नक्षत्रों में रिक्तामारहित शुभ तिथियों में और चं. बु. शुक्रवार हो, शुक्लपक्ष में 4।1।11।12 लग्न में शुभ है। तृणकाष्ठादि संग्रह निषेध तृण कष्ठ का संचय और पलंग बुनवाना आदि कर्म कुम्भ, मीन के चन्द्रमा में नहीं करना चाहिए।

मशीनरी चालू करने का मुहूर्त—धनि., अश्वि., हस्त, चित्रा., अनु., पुन., पुष्य. ,ज्ये. एवं रेवती नक्षत्र में मशीनरी चालू करनी चाहिए, इसके लिए वारों में बुधवार उत्तम है।

औषध मुहूर्त्त—ह. अ. पुष्य अभि. मृ. रे. चि. अनु. स्वा. पुन. श्र. ध. श. मूल. जन्म नक्षत्र को छोड़कर इन नक्षत्रों में 4।9।14 को छोड़कर शुभ तिथियों में, भौम, शनि को छोड़कर अन्य वारों में शुभ है।

यात्रा मुहूर्त विचार

ह. म. श्र. अश्वि. मृ. पुष्य. पुन. ध. अनु. रे. नक्षत्र यात्रा में अत्युत्तम। रो. उत्तरा 3 पूर्वा 3 मू. मध्यम और भ. कृ. आर्द्रा अश्ले. म. चि. स्वा. वि. ज्ये. ये नक्षत्र यात्रा में निन्द्य है। आत्यावश्यकता में भरण्यादि नक्षत्रों में आरम्भ की क्रमशः 7।21।10।14।11। 40।14।14।14 घटियां यात्रा में त्याज्य करें। कृष्णपक्ष की प्रतिपदा और शुक्लपक्ष की द्वितीया तथा दिग्द्वार लग्न में यात्रा शुभ है। जन्म लग्न और जन्म राशि से अष्टम लग्न नवांश में तथा कुम्भ लग्न या कुम्भ के नवांश में यात्रा कदापि न करें।

चन्द्रवास

मेष, सिंह, धनुः का चन्द्र पूर्व में। वृष, कन्या, मकर का चन्द्र दक्षिण में। मिथुन, तुला, कुम्भ का चन्द्र पश्चिम में। कर्क, वृश्चिक, मीन का चन्द्र उत्तर दिशा में। सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसम्पदः। पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धनक्षयः। सर्वे दोषाः लयं यान्ति पूर्णचन्द्रे हि सम्मुखे॥

अथ योगिनीवास चक्र

पूर्व 1/9	अग्नि 3/11	दक्षिण 5/13	नैऋत्य 4/12	पश्चिम 6/14	वायव्य 7/14	उत्तर 2/10	ईशान 8/30	दिशा तिथयः

दिक्शूलचक्र

पूर्व	पश्चिम	दक्षिण	उत्तर	दिशा
चन्द्र	रवि	गुरु	बुध	वार
शनि	शुक्र	0	मंगल	वार

कालराहु चक्र

पूर्व	आ.	द.	नै.	प.	वा.	उ.	दिशा
श	शु.	गु.	बुध	मं.	चं.	र.	वार

संमुखकालवासवर्ज्यम्

समय	शूल
प्रातःकाल	पूर्वदिशा
मध्याह्न	दक्षिण
सन्ध्याकाल	पश्चिम
अर्धरात्रि	उत्तर

आवश्यके दिक्शूले पदार्थाः

र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	वा.
घृत	पय	गुड़	पुष्प	दधि	घृत	तिल	भक्ष
ताम्बुल	चन्दन	मृद	तिल	दधि	यव	माषान	धारण

एकराशिस्थ चन्द्रघट्यात्मक निवासः

पूर्व	द.	प.	उ.	पूर्व	द.	प.	उ.	दि
17	32	51	69	86	101	131	135	घ

यात्रा शुद्धि—जन्म लग्नेश, राशीश, जन्मदशेश ये अस्त हों और गुरु, शुक्र अस्त सिंहस्थ, गुरु, नीचस्थ, गुरु ये सब यत्न से वर्ज्य करें।

लग्न शुद्धि—शुभग्रह 1।4।5।7।9।10वें पापग्रह 3।6।10।11वें श्रेष्ठ हैं। चन्द्रमा 1।6।8।12वें, लग्नेश 6।7।8।12वें शनि 10वें शुक्र 7वें नेष्ट है।

अथ यात्रायां दिग्दोहदचक्रम्

पूर्व	आग्नेय	दक्षिण	नेऋत्य	पश्चिम	वायव्य	उत्तर	ईशान	दिशा
घृत	तण्डुल	तिलोदक	सक्तुक	मत्स्य	गोधूम	दुग्ध	पायस	वस्तूनि

यात्रायां वारदोहम्

रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	वार
रसाल	पायस	कांजी	पक्वदुग्ध	दधि	पयोश्री	ति.अ.	वस्तुनि

अथ नक्षत्रशूलम्

पू०	द०	प०	उ०	दिशा
ज्ये.	पूभा.	रो.	उफा.	भानि

यात्रानिवृतौ प्रवेश—1।2।3।5।7।10।11।13 तिथि। चं. बु. गु. शु. श. वार। अ. रो. मृ. पुष्य. उ. 3 ह. चित्रा. अनु. स्वा. श्र. रे. ध. श. नक्षत्र। 3।5।6।8।9।11।12 लग्न, 4।8 शुद्ध हों 1।4।7।10।5।9 स्थान में शुभ ग्रह हों, 3।6।11वें में पापग्रह हो। शुभ नवांश में प्रवेश करें।

यात्रायां शुभशकुनानि—विप्र 2 अश्व, गज, मद, फल, अन्न, दुग्ध, जौ, दधि, सर्षप, कमल, निर्मल वस्त्र, वाद्य, वैश्या, मयूर, नकुल, सिंहासन, शस्त्र, मांस, दीप्ताग्नि, मत्स्य, ससुत स्त्री, गौरी कन्या, कार्यसिद्धि वाक्य, जलपूर्णघट, पश्चाद्रिक्तघट, एते प्रयाण समये दृष्टा: सत्फलदा भवन्ति। अशुभशकुनानि-वन्ध्यास्त्री, चर्म, ईन्धन, संन्यासी, मार्जारयुद्ध, कुटुम्बेकलि, विधवा, जातिभ्रष्ट, अंगहीन, रोवन, शत्रु, महिषयुद्ध, छिक्का, दुष्टवाणी एते प्रयाणसयमे दृष्टा अशुभफलदा भवन्ति।

सर्वाङ्गसिद्धि योग—शुक्लादि तिथि और नक्षत्र तथा वार की संख्या के जोड़ को तीन जगह रखकर क्रमश: 7।8।3 का भाग देना। शेष प्रथम जगह में शून्य हो, तो यात्रा में क्लेश, मध्य में शून्य हो, तो धन क्षति और अन्त में शून्य हो, तो महाकष्ट होता है। सर्वत्र अंक आने से सौख्य जय लाभ हो।

वर्णक्रमेण प्रस्थानविधानम्—यज्ञोपवीतकं शस्त्रं मधु च स्थापयेत्फलम्। विप्रादि क्रमत स्वर्णसर्वधान्याम्बरादिकम्। (सर्वे स्वप्रियवस्तु वा)। गमनदिशी नगराद् बहि: गृहान्तरे वा विपादिभि: यज्ञोपवीतादिना प्रस्थानं कार्यम्। तच्च क्षितिशो 10, माण्डलीक: 7, सामान्यजन 5 दिनाध्यन्तरे यात्रा कार्या। परतोऽन्यमुहूर्त्तस्यावश्यकतां बोध्या। प्रस्थानकर्तुर्नियमा-त्रिरात्रं वर्जयेत्क्षीरं पंचाहं क्षुरकर्म्म च। तदहश्चापरोपकारणि सप्ताहं मैथुनं त्येजत्॥1॥ कटुतैलगुडक्षार पक्व मासाशनं तथा। भुक्त्वा यो यात्ससौ मोहाद् व्याधित: स निवर्तते॥

उ (उद्वेग) च (चंचल) ला (लाभ) अ (अमृत) का (काल) शु (शुभ) रो (रोग) इस चर्तुघटिका मुहूर्त में 3।।। घटी की जगह दिनमान व रात्रिमान के अष्टामांशानुसार कुछ पल न्यूनाधिक भी हो जाते हैं।

जन्मचन्द्रप्रशंसा:—कृषि-भवन-विवाहे-न्नाशने मौञ्जिबन्धे, प्रथमयुवतिसंगारामभूभृदि कूटे। पपटविधिऽभिषेके जन्मचन्द्र: प्रशस्त इति वदति वराह: क्षौर-यात्रां विहाय॥ गर्भाधाने जन्मकालेऽभिषेके मौञ्जिबन्धेने। पाणिग्रहे प्रयाणव चन्द्रो द्वादशग: शुभ:॥

दिने चतुर्षटिका मुहूर्त								रात्रो चतुर्षटिका मुहूर्त						
सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	घटी	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	च	का	3।।।	शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु	3।।।	अ	रो	ला	शु	चं	क	उ
ला	शु	च	का	उ	अ	रो	3।।।	चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
अ	रो	ला	शु	च	का	उ	3।।।	रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	र	ला	शु	चं.	3।।।	का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला	3।।।	ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	ला	शु	चं	का	उ	अ	3।।।	उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
रो	अ	रो	ला	शु	चं	का	3।।।	शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

प्रश्न-विचार:

कार्यसिद्धिज्ञानम्—लग्नप: कार्यपश्चापि लग्नगौ कार्यगौ युतौ। मिथस्थौ स्वस्वगौ दृष्टौ स्वोच्चादौ चेत्सुसिद्दिदौ॥1॥ एक्षु योगेषु चन्द्रदृष्टौ सत्यां कार्यसिद्धिरवश्यम्भवत्यन्यथा सन्देह:।

प्रश्नतो वर्षशुभाशुभविचार—तिथिवारर्क्ष योगानां युति: संवत्सरान्विता। प्रष्टुर्नामाक्षरैर्युक्ता त्रिहता शेषके फलम्॥1॥ एकेन क्लेश, समता द्वाभ्यां, त्रितये महात्सुखम्।

पथिकागमन विचार—

प्रश्नाक्षरं द्विगुणितं त्रयोदश समन्वितम्। अष्टभिश्च हरेद्भागं शेषांके फलमादिशेत्॥
एकेन गमनं भवति द्वाभ्यां मार्ग उच्यते। तृतीये चार्धमार्गे च चतुर्थे द्वारमागत:॥
पञ्चमे पुनरावृत्ति षष्ठे व्याधि समन्वित:। सप्तमे शून्यतावृत्ति अष्टमे मरणं ध्रुवम्॥

प्रश्नाक्षरों को द्विगुणित कर 13 जोड़ दें और 8 का भाग दें। जो शेष बचे, उनका फल इस प्रकार बतायें—1. आने की सोच रहा है। 2. चल पड़ा है। 3. रास्ते में है। 4. शीघ्र आ जायेगा। 5. ठहर के आयेगा। 6. अस्वस्थ है। 7. नहीं आयेगा। 8. मृत्यु या कष्ट में है।

देशान्तर से पत्र आयेगा कि नहीं?—प्रश्न लग्न चर राशि का हो और उससे द्वितीय, तृतीय स्थान में शुभ ग्रह युक्त अथवा दृष्ट हो, तो पत्र जल्दी आयेगा, मार्ग में है। स्थिर लग्न में विलम्ब से पत्र मिले। प्रश्न लग्न में चन्द्र हो और शुभ ग्रह देखता हो, तो पत्र आयेगा, विपरीत हो, तो उत्तर नहीं मिलेगा।

पुत्र लाभ होगा कि नहीं?—तत्कालीन तिथि की संख्या को 4 से गुणाकर, 1 जोड़ना, तदनन्तर वार तथा योग की संख्या युक्त करके 2 से भाग देना, जो लब्धि आये उसको तीन से गुणा करके 4 से भाग देना, जो शेष बचे उससे फल कहें। 1 शेष बचे तो विलम्ब से पुत्र सन्तान होगा, चिरंजीविता के लिए पार्थिव शिवपूजन करना चाहिए। शेष 2 बचे तो पूर्व जन्म के पाप के कारण सन्तान सुख न होगा, गया यात्रा तथा हरिवंश पुराण का नवान्ह सुनने तथा सन्तान गोपाल के सवालक्ष जप से सम्भव है कि ईश्वर कृपा करे। 3 शेष बचे रहे, तो पुत्र लाभ होगा, किसी गरीब की कन्या को विवाह दें, या उस विवाह में गुप्तदान से मदद करें, ऐसा करने से होने वाले पुत्र का पूर्ण सुख होगा। 4।1।0 शेष बचे, तो सन्तान शीघ्र होगी।

विवाह होगा कि नहीं?—यदि लग्न से 2।3।6।7।10।11 स्थानों में चन्द्रमा को बृहस्पति देखे, तो विवाह हो जायेगा। यदि चन्द्रमा के साथ पापीग्रह हो या पापीग्रहों की दृष्टि हो, तो विवाह नहीं होगा। यदि लग्न से 3।5।6।7।11 स्थान में चन्द्रमा को सूर्य, बुध बृहस्पति इनमें से कोई देखे अथवा व्ययेश सप्तम में और सप्तमेश लग्न में हो अथवा 2।4।7 इन राशियों में से किसी एक राशि में चन्द्रमा या शुक्र हो, तो अवश्य विवाह हो जायेगा।

अंक प्रश्न तथा फल वर्णन—प्रश्नकर्त्ता से एक सौ आठ अंक के भीतर कोई एक

अंक मुख से कहलाये या लिखायें, उनमें 12 का भाग देकर पीछे यदि 1।9।7 बचे, तो देर से कार्य सिद्ध हो। यदि 8।4।10।5 बचे, तो कार्य नाश हो। 11 बचे तो सिद्धि, 2 बचने से वृद्धि, 3।6।12 (0) बचने से शीघ्र सिद्धि हो, यह फल कहे।

रोग त्रिनाड़ी चक्र

आर्द्रा	पू.फा.	उ.फा.	अनु.	ज्ये.	ध.	श.	भ.	कृ.	आदि
पुन.	मघा	ह.	वि.	मू.	श्र.	पू.भा.	अश्वि.	रो.	मध्य
पुष्य	अश्ले	चित्रा	स्वा.	पू.षा.	उ.षा.	उ.भा.	रे.	मृ.	अन्त्य

सूर्य नक्षत्र, दिन नक्षत्र और जन्म नक्षत्र या नाम नक्षत्र रोग त्रिनाड़ी चक्र में एक नाड़ी पर हों, तो रोगी की मृत्यु होती है। प्रतिदिन देखने से जिस दिन वह योग मिले, उस दिन रोगी की मृत्यु जानें। यह रोग त्रिनाड़ी चक्र यात्रा तथा युद्ध के समय भी वर्जित है।

अथ रोगोत्पत्तौ सन्तानप्रतिबन्धादौ च देवदोषज्ञानम्—तृतीय, नवम, द्वादश, षष्ठ स्थान में प्रश्न लग्न से कोई पापग्रह हो, तो विष, जल, शस्त्र से मरे हुए किसी स्वकुलोत्पन्न व्यक्ति का दोष जानना। यह योग पापग्रहों के साथ शुभ का संयोग होने पर नहीं होता। यदि बारहवें, आठवें स्थान में राहु हो, तो प्रेत दोष, बृहस्पति के होने से पितर दोष, चन्द्रमा के होने से जलदेवी का दोष कहें। सूर्य के होने से देवी दोष अथवा लग्न अष्टम द्वाद्वश में सूर्य हो, तो क्षेत्रपाल का दोष कहें। शनि के होने से अपने गोत्रकी देवी (सती) का दोष और बुध व्यय तथा अष्टम स्थान में हो, तो भूतदोष जानना। व्यय तथा अष्टम स्थान में भौम हो, तो शाकिनी दोष, शुक्र के होने से जलदेवी का दोष होता है। परंच जो मनुष्य स्वधर्म निष्ठ नहीं है अथवा जो ईश्वर से विमुख रहते हैं, पूर्वोक्त दोष उन्हीं को होते हैं। दोष सूचक ग्रह अपनी राशि तथा उच्च में हो, बलवान् हो, तो उक्त दोष साध्य, यदि चन्द्र नीच तथा निर्बल हो और दोष सूचक ग्रह भी नीच शत्रु क्षेत्र में हो, तो उक्त दोष असाध्य होते हैं। बलवान् पापग्रह केन्द्र में हो, तो पूर्वोक्त देवता असाध्य होते हैं, यदि शुभ ग्रह केन्द्र स्थानों में हो, तो पूर्वोक्त देवगण साध्य, अर्थात् मन्त्र स्तुति पूजन आदि से उनका दोष दूर हो जाता है।

मतान्तरेण दोषज्ञानम्—तिथि, वार, नक्षत्र, लग्न प्रहर—इनको जोड़ें और 8 का भाग दें। शेष 3।7 बचें, तो देवता की बाधा, 2।8 बचें, तो पितृबाधा और 6।4 बचें, तो भूत-प्रेत की बाधा जानना। "उदयादघटिका त्रिध्ना तिथिवारेण संयुता। भक्ते द्वादशभि: शेषे जीवनं मरणं वदेत् ॥1॥ राम (3), बाण (5), रसा (6), ऽष्टौ च (8), नन्द (9), रुद्राश्च (11), जीवति। एक (1), पक्ष (2), युगा (4), सप्त (7), दशा (10), ऽर्का: (12) नात्र जीवति।"

अथ गर्भिणीपुत्रादि ज्ञानम्-**तिथिवारं च नक्षत्रं नामाक्षरसमन्वितम्। सप्तभक्ते समे शेषे कन्या च विषमे सुत: ॥1॥** तिथि की गणना शुक्ल प्रतिपदा से, वार की रविवार से और नक्षत्र की अश्विनी से करना।

आयुनिर्णय:—जन्म लग्नेश अष्टमेश से और जन्मलग्न चन्द्र से आयु का निर्णय करें। दोनों में भेद हो, तो जन्म लग्न होरालग्न से प्राप्त आयु जाने। चरे चरे, स्थिरे द्विस्वभावे दीर्घायु:। द्विस्वभावे द्विस्वभावे, चरे स्थिरे, मध्यमायु:। स्थिरे स्थिरे, चरे द्विस्वभावे अल्पायु:।1।4।5।7।9।10।11 इन स्थानों में लग्नेश अष्टमेश तथा दशमेश हो, तो दीर्घायु होती है। 2।3।4।5।8।11 इन स्थानों में पापग्रह हो, तो मध्य आयु, इसके अतिरिक्त अल्पायु होती है। लग्नेश सूर्य का मित्र हो, तो दीर्घायु, सम हो, तो मध्यमायु, शत्रु हो तो अल्पायु जाने।

अथ नष्टवस्तु ज्ञानम्

तिथिवारं च नक्षत्रं प्रहरेण समन्वितम्। दिक संख्यया हतं चैव सप्तभिर्विभजेत्तथा॥ एकेन भूतले द्रव्यं द्वयं चेद् भाण्डसंस्थितम्। तृतीये जलमध्यस्थं अन्तरिक्षे चतुर्थके॥ तुषस्थं पंचमे तुस्यात्षठे गोमयमध्यगम्। सप्तमे भस्मध्यस्थमित्येतत्प्रश्नलक्षणम्॥

अथ नष्ट वस्तुज्ञानाय चक्रं सफलम्

अन्ध	मन्द	मध्य	सुलोचन	संज्ञा
रो.पुष्य.उ. फा.वि.पूषा. ध.रे.	मृ.आश्ले. ह.अनु.उषा. श.अ.	आ.म.चि. ज्ये.अभि पूभा.भ.	पुन.पू.फा. स्वा.मू.श्र. उभा.कृ.	नक्षत्राणि
पूर्वे गतम्	दक्षिणेगतं	पश्चि. गतं	उत्तरे गतं	दिशा
शीघ्र लाभ:	यत्नेन लाभ:	दूरे श्रवण	नैव प्राप्ति	फलं

पशुरन्वेषणं (सूर्यभात्)
9 भ्रमति वनेषु।
15 ग्रामसमीपस्थ:।
22 ग्रहे आगत:।
23।24 नष्टप्राप्ति:।
25।26।27 निधनमपि न श्रूयते।

जय-पराजय प्रश्न—यदि तीसरे भाव से लेकर आठवें तक शुभ ग्रह अधिक बलवान् हों, तो प्रतिवादी (मुद्दालह) जीतेगा। यदि नवम भाव से लेकर दूसरे भाव तक शुभ ग्रह अधिक बलवान् हों, तो मुदई जीतेगा और यदि पापग्रह लग्न में बैठा हो, तो प्रश्नकर्त्ता जीतेगा, परन्तु वहां पापग्रह नीच राशि में हो या अस्त हो अथवा शत्रु राशि के घर में हो, तो हार जायेगा। यदि लग्न और सप्तम स्थान में पापग्रह तुल्य बली हो अथवा लग्नेश और सप्तमेश परस्पर मित्र हों, तो सन्धि हो जायेगी। पापग्रह न्यूनाधिक बली हों, तो अधिक बली ही जीतेगा, अर्थात् लग्न स्थित पापग्रह बली हो, तो प्रश्नकर्त्ता की विजय और यदि सप्तमस्थ पापग्रह बलवान् हो, तो शत्रु की विजय होगी। यदि लग्न सप्तमातिरिक्त स्थान में दो पापग्रहों की परस्पर पूर्ण दृष्टि हो, तो वादी-प्रतिवादी दोनों शस्त्रों से घायल होते हैं। प्रश्नकाल में लग्नेश सप्तमेश परस्पर मित्र हों, तो युद्ध छिड़ेगा, अन्यथा नहीं।

पंचांग परिवर्तन पद्धति

इस पंचांग से अन्यान्य नगरों का पंचांग (सूर्योदय, सूर्यास्त, तिथि, नक्षत्र, योग, करण और दिनमान) बनाने का उदाहरण–

जिस नगर का सूर्योदय जानना हो, उस नगर के आगे की अक्षांशादि सारिणी से देशान्तर मिनट लेवें, वह मिनट+पूर्व के हो, तो इस पंचांग के सूर्योदय में हीन करें और मिनट-पश्चिम के हो, तो धन करें अर्थात् जोड़ें। अक्षांशादि सारिणी में देशान्तर मिनट से पहले धन + चिह्न हो, तो ऋण करें, ऋण–चिह्न हो, तो धन करें, यह इष्ट नगर का मध्यम सूर्योदय होगा, पश्चात् इष्ट दिन (तारीख) की रविक्रान्ति–सारिणी से रविक्रान्ति लेवें। रविक्रान्ति और इष्टनगर के अक्षांश इन दो उपकरणों से चरान्तर सारिणी से चरान्तर मिनट लें, वह धन हो, तो ऊपर से आये हुए मध्यम सूर्योदय में जोड़ें, ऋण हो तो हीन करें, तो वह इष्ट दिन का इष्ट नगर का स्टै. टा. से स्पष्ट सूर्योदय होगा। आये हुए चरान्तर मिनट को पांच से गुणा करें, तो वह पल होंगे। ऊपर के उदाहरण से चरान्तर मिनट सूर्योदय में धन किये हों, तो यह दिनमान में ही हीन करें, ऋण किये हों, तो धन करें, वह अपने इष्ट दिन का इष्ट नगर का घटी पलात्मक दिनमान होगा। इस दिनमान के घण्टा-मिनट बनाकर आये हुए सूर्योदय में मिला देने से सूर्यास्त होगा।

इस पंचांग में तिथ्यादि के घटी–पल दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय समय से है। इष्ट दिन और इष्ट नगर का लाया हुआ स्पष्ट सूर्योदय दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय से पहले हो, तो वह जितने मिनट पहले है, उसके पल बनाकर (1 मि=2॥ पल) वह इस पंचांग के तिथ्यादि में मिला दें और बाद के मिनट हों, तो उनके जितने पल हों—इस पंचांग के तिथ्यादि में से घटा दें, तो अपने–अपने इष्ट दिन के इष्ट नगर में स्पष्ट सूर्योदय तिथ्यादि पंचांग होगा।

भाद्रपद शुक्लपक्ष 8 सोमवार ता. 5 सितम्बर 2011 ई. तदनुसार राष्ट्रीय मिति 14 भाद्रपद शाके 1933 को हैदराबाद नगर का इस पंचांग से सूर्योदय, सूर्यास्त दिनमान और पंचांग बनाना है। इस पंचांग में दिल्ली का सूर्योदय स्टै. टा. घं. 6 मि. 05 है। हैदराबाद दिल्ली से 5 मि. पूर्व में (अक्षांशादि सारिणी में देखें) अतः यह 5 मि. इस पंचांग के सूर्योदय घं. 6 मि. 05 में घटा दिये, तो घं. 6 मि. 00 हुए। यह हैदराबाद का इस पंचांग के माध्यम से सूर्योदय हुआ। अब सितम्बर मास की दैनिक–ग्रह सूर्यक्रान्ति में देखें। ता. 5 सितम्बर को रविक्रान्ति उत्तरा 6/47 है। हैदराबाद के अक्षांश 17।18 हैं। (अक्षांशादि सारिणी देखो) आगे चरान्तर सारिणी से 17 अक्षांश और 6 क्रान्तयंश के कोष्ठक में 6 मिनट है और 7 क्रान्तयंश में 7 मिनट है, यहां क्रान्तयंश 6।5 होने से क्रान्तयंश 7 से चरान्तर मिनट लेना चाहिए। अतः क्रान्तयंश 7 में चरान्तर मिनट 7 प्राप्त हुए यह मिनट धन आये। ऊपर के मध्यम सूर्योदय घं. 6 मि. 00 में जोड़ दिये, तो हैदराबाद में स्टै. टा. घं. 6 मि. 7 यह स्पष्ट सूर्योदय का समय हुआ। आये हुए चरान्तर मिनट 7 को 5 से गुणों, तो 3 पल प्राप्त हुए। चरान्तर धन होने के कारण इस पंचांग के दिनमान 31।19 में 34 पल हीन करने (विपरिणयन करने) से 30।44 यह हैदराबाद का दिनमान हुआ। इसका घण्टा–मिनट किये तो घं. 12 मि. 17 हुए। यह ऊपर आये हुए हैदराबाद के स्पष्ट सूर्योदय 6।07 में जोड़ दिया, तो घं. 18 मि. 24। यह हैदराबाद का स्टै. टा. से सूर्यास्त हुआ। यहां हैदराबाद सूर्योदय दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय घं. 6 मि. 05 से 2 मिनट बाद में है, इसके घटी पल किये, तो 0 घटी 5 पल हुए। यह घटी पल दिल्ली के स्पष्ट सूर्योदय से हैदराबाद का स्पष्ट सूर्योदय बाद में होने से इस पंचांग के तिथ्यादि की घटी पलों में घटा देने से भाद्रपद शुक्ल 7 मंगलवार को तिथि घटयादि 7/23 अनु. 25/22 यह हैदराबाद के स्पष्ट सूर्योदय से तिथि नक्षत्र स्पष्ट हुए। इसी प्रकार योग करण की घटी पलों में घटाकर बना लें। इसी प्रक्रिया से संसार के किसी भी नगर का सूक्ष्म पंचांग ''श्रीविश्वविजय पंचांग'' द्वारा बन सकता है। विशेष बात यह है कि ''श्रीविश्वविजय पंचांग'' में तिथि नक्षत्र योग करण भद्रा चन्द्रमा आदि के घण्टा-मिनट दिये हैं। वह भारत में सर्वत्र समान है। यह इसकी अनुपम विशेषता है।

चरान्तर मिनट लाने का उदाहरण

जैसे–दि. 4 सितम्बर 2011 ई. का हैदराबाद का चरान्तर लाना है, तो दैनिक रविक्रान्ति सारिणी से इस दिन के रविक्रान्ति 7.38 है और हैदराबाद के अक्षांश 17/18 है। रविक्रान्ति 7 के तुल्य है। चरान्तर सारिणी में खड़ी बायें हाथ की लाइन क्रान्तयंश की है और आड़ी ऊपर की लाइन अक्षांश की है। क्रान्तयंश 7 तथा अक्षांश 17/18 में देखो, तो अनुपात से दोनों लाइनों के सम्पात में 7 मिनट प्राप्त हुए। अब यहां क्रान्ति उत्तर + धन होने से चरान्तर मिनट धन हुए।

चरान्तर सारणी

उत्तराक्षांश : चरान्तर मिनट

क्रान्त्यंश	यह मिनट क्रान्ति दक्षिण हो, तो ऋण और क्रान्ति उत्तर हो, तो धन																													क्रान्ति दक्षिण हो, तो धन उत्तर हो, तो ऋण										
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
1	2	2	2	2	2	2	2	2	2	1	1	1	1	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	1	1	1	1	1
2	4	4	4	4	4	4	3	3	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2	1	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	0	1	1	1	1	2	2	2	2	2	2
3	6	6	6	6	6	5	5	5	5	4	4	4	4	4	3	3	3	2	2	2	2	2	1	1	1	1	0	0	0	0	1	1	1	2	2	2	2	3	3	4
4	8	8	8	8	7	7	7	6	6	6	5	5	5	5	4	4	4	3	3	3	2	2	2	1	1	1	0	0	0	0	1	1	1	2	2	3	3	4	4	5
5	11	10	10	10	9	9	9	8	8	7	7	6	6	6	5	5	5	4	4	4	3	3	2	2	2	1	1	0	0	0	1	2	2	2	3	4	4	5	5	6
6	13	12	12	11	11	11	10	10	9	8	8	8	7	7	6	6	6	5	4	4	4	3	3	2	2	1	1	0	0	1	1	2	2	3	3	5	5	6	6	7
7	15	14	14	13	13	12	12	11	10	10	9	9	8	8	7	7	7	6	5	5	4	4	3	2	2	1	1	0	0	1	2	3	3	4	4	6	6	7	7	8
8	17	17	16	15	15	14	14	12	12	12	11	10	10	9	8	8	7	7	6	6	5	4	4	3	2	2	1	0	0	1	2	3	3	5	5	6	7	8	9	9
9	19	19	18	17	17	16	15	14	14	13	12	12	11	11	10	9	8	8	7	6	6	5	4	4	3	2	1	0	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
10	21	21	20	19	19	18	17	16	16	15	14	14	13	12	11	10	10	9	8	7	6	6	5	4	3	2	2	0	1	2	2	4	4	6	6	8	8	10	12	12
11	24	23	22	21	20	20	19	18	17	16	16	15	14	14	12	11	10	10	9	8	7	6	5	4	3	2	2	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	11	12	13
12	26	25	24	23	22	22	21	19	18	18	17	16	15	14	13	12	11	11	10	9	8	7	6	5	3	3	2	0	1	2	3	4	5	7	8	9	10	12	13	14
13	28	27	26	25	24	23	22	21	20	20	18	18	16	16	15	13	12	12	11	10	8	8	6	6	4	3	2	0	1	2	3	5	6	7	8	10	11	13	14	16
14	30	29	28	27	26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	14	13	12	11	10	9	8	7	6	5	3	2	0	1	2	3	5	6	8	9	11	12	14	15	17
15	33	32	30	29	28	27	26	24	24	22	21	20	19	18	17	16	14	13	12	11	10	8	7	6	5	3	2	1	1	2	4	5	7	8	10	12	13	15	17	18
16	35	34	33	31	30	29	28	26	25	24	23	22	20	19	18	17	16	14	13	12	10	9	8	6	5	4	2	1	1	2	4	6	7	9	11	13	14	16	18	20
17	37	36	35	34	32	31	30	28	27	26	24	23	22	20	19	18	17	15	14	12	11	10	8	7	5	4	2	1	1	2	4	6	8	10	12	14	15	16	19	21
18	40	38	37	36	34	33	32	30	29	27	26	25	23	22	20	19	18	16	15	13	12	10	8	7	5	4	2	1	1	2	4	6	8	10	13	14	16	18	20	22
19	42	41	39	38	36	35	34	32	30	29	28	26	25	23	22	20	19	17	16	14	12	11	10	8	6	4	3	1	1	3	5	7	9	11	14	15	17	19	21	24
20	44	43	42	40	39	37	36	34	32	30	29	27	26	24	23	21	20	18	16	15	13	12	10	8	6	4	3	1	1	3	5	7	9	11	15	16	18	20	23	25
21	47	45	44	42	41	39	38	35	34	32	31	28	27	26	24	22	21	19	17	16	14	12	10	8	6	5	3	1	1	3	5	8	10	12	15	17	19	21	24	27
22	49	48	46	45	43	41	40	38	36	34	32	30	29	27	25	23	22	20	18	16	14	12	11	9	6	5	3	1	1	3	6	8	11	13	16	18	20	23	25	28
23	52	50	49	47	45	43	42	40	38	36	34	32	30	28	27	25	23	21	19	17	15	13	12	9	7	5	3	1	1	4	6	9	11	14	16	19	21	24	27	30
24	55	53	51	49	47	46	44	42	40	38	36	34	32	30	29	27	25	23	21	19	17	14	12	10	8	6	4	1	1	4	6	9	11	14	17	20	22	25	28	31
25	57	55	53	52	50	48	46	44	42	40	38	36	34	32	30	28	26	24	22	20	18	16	13	11	9	7	4	2	1	4	6	9	11	14	17	20	23	26	30	33
26	60	58	56	54	52	50	48	46	44	42	40	38	36	34	32	30	28	25	23	21	19	16	14	12	9	7	5	2	1	4	6	9	12	15	18	21	24	28	31	35
27	63	61	59	57	54	52	50	48	46	44	42	40	38	35	33	31	29	27	24	22	20	17	15	12	10	7	5	2	1	4	7	10	13	16	19	22	26	29	33	37
28	65	63	61	59	57	55	53	50	48	46	44	42	39	37	35	32	30	28	25	23	20	18	15	13	10	7	5	2	1	4	7	10	13	17	20	23	27	31	34	38
29	68	66	64	62	59	57	55	53	50	48	46	43	41	39	36	34	31	29	27	24	21	19	16	13	11	8	5	2	1	4	7	11	14	17	21	24	28	32	36	40
30	71	69	67	64	62	60	57	55	53	50	48	45	43	40	38	35	33	30	28	25	22	20	17	14	11	8	5	2	1	4	8	11	15	18	22	26	30	34	38	41
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
अक्षांश	यह मिनट क्रान्ति तुल्य धन या ऋण करें																													क्रान्ति के विपरीत धन या ऋण करें										

विदेशों के स्टैण्डर्ड टाइम और भारतीय स्टैण्डर्ड टाइम का अन्तर ऋण धन चिह्नानुसार भारतीय स्टैण्डर्ड टाइम में संस्कार करने पर विदेशी स्टैण्डर्ड टाइम होता है।

विदेशों के नाम	अन्तर घं.मि.
न्यूजीलैण्ड (क)	+ 6 10
टस्मानिया, विक्टोरिया, न्यू वेल्स ब्रोकेन हिल छोड़कर क्वीन्सलेण्ड	+ 4 30
जापान कोरिया	+ 3 30
दक्षिण ऑस्ट्रेलिया ब्रोकेन हिल प्रान्त उत्तर टेरोटोरी (ऑस्ट्रेलिया)	+ 4 10
सायबेरिया, रेखांश 97 30 से 111 30 पूर्व तक तथा चीन हांगकांग	+ 2 30
साराबान (ख)	+ 2 00
भारत (इण्डिया)	+ 0 00
यूरोपियन (रसिया)	- 2 30
यूगेण्डा केनिया कालोनी	- 3 00
पूर्वी यूरोप फिनलैण्ड (ग) तथा यूरोप कण्ट्री पूर्वीय विभाग तथा यूरोप जोन	- 3 30
पेलेस्टाइन, सीरिया, इजिप्ट, द. अफ्रीका मध्य यूरोप, नार्वे, स्वीडन, डेनमार्क, लिथुआनिया, जर्मनी, पौलेण्ड, चेकोस्लोवाकिया, आस्ट्रीया हंगरी, स्विटजरलैण्ड, युगोस्लाविया	- 4 30
अल्वानिया, इटली, सर्वोनिया, सिसलीमाल्टा ग्रीनवीच (घ) ब्रिटीश द्वीप	
पश्चिमी यूरोप (ङ)	- 5 30
हॉलैण्ड	- 5 10
आइसलैण्ड	- 6 30
पूर्वी ब्राजील	- 8 30
युरुगुआ	- 9 00
ब्राउण्डर न्यूफाउण्डलेण्ड (च)	- 09 11
अटलांटिका केनेडा सेण्ट्रल ब्राजील	- 09 10
पूर्वीय केनेडा 68 से 89 रेखांश पूर्वीय U.S.A. स्टेट्स चील (छ) पेरु पश्चिमी ब्राजील	- 10 30
मध्य केनेडा 89 से 103 रेखांश पर मध्य U.S.A. स्टेट्स ब्रिटिश होण्डर्स (ज)	- 11 30
केनेडा (103 रेखांश से b.c.) हद तक स्टेट U.S.A.	- 12 30
(पैसेफिक) ब्रिटिश कोलम्बिया, केलिफोर्निया, नेवड़ा आरगिन, वाशिंगटन	- 13 30

टिप्पणी (क) अक्टूबर दूसरे रविवार से मार्च तीसरे रविवार तक घं. 6 मि. 30 का अन्तर रहता है।

(ख) सितम्बर ता. 14 से दिसम्बर ता. 14 तक घं. 2 मि. 20 का अन्तर रहता है।

(ग) जून 20 से सितम्बर ता. 30 तक अन्तर घं. 2 मि. 30 रहता है।

(घ) अप्रैल ता. 22 से अक्टूबर ता. 7 अन्तर घं. 4 मि. 30 रहता है।

(ङ) फ्रांस और वेल्जियम के लिए ता. 19 अप्रैल से ता. 4 अक्टूबर तक अन्तर घं. 4 मि. 30 रहता है।

(च) मई के पहले रविवार से अक्टूबर के पहले रविवार तक घं. 8 मि. 1 का अन्तर रहता है।

(छ) सितम्बर ता. 1 से 31 मार्च तक घं. 9 मि. 30 का अन्तर रहता है।

(ज) अक्टूबर ता. 1 से फरवरी ता. 14 तक घं. 11 मि. 0 का अन्तर रहता है।

इस प्रकार उपरोक्त कोष्ठक को काम में लाते समय, समय का अन्तर अवश्य ध्यान में रखकर उपयोग करें।

वेलान्तर कोष्ठक (मिनटों में)

तारीख	जन.	फर.	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अग.	सित.	अक्टू.	नव.	दिस.
1	+4	+14	+12	+3	-3	-3	+3	+6	0	-9	-16	-11
2	4	14	12	3	3	3	4	6	0	10	16	11
3	4	14	12	2	4	2	4	6	0	10	16	11
4	5	14	12	2	4	2	4	6	-1	10	16	10
5	5	14	11	2	4	2	4	6	1	11	16	10
6	6	14	11	2	4	2	4	6	1	11	16	10
7	6	14	11	1	4	2	4	6	2	11	16	9
8	7	15	10	1	4	1	4	6	2	12	16	9
9	7	15	10	1	4	1	4	5	2	12	16	8
10	8	15	10	1	4	1	5	5	3	12	16	8
11	8	15	10	+1	4	1	5	5	3	12	16	7
12	8	15	10	0	4	-1	5	5	3	13	16	6
13	9	15	9	0	4	0	5	5	4	13	16	6
14	9	14	9	0	4	0	5	4	4	13	16	6
15	10	14	9	0	4	0	5	4	4	14	16	5
16	10	14	8	0	4	0	6	4	5	14	16	5
17	10	14	8	-1	4	0	6	4	5	14	15	4
18	11	14	8	1	4	0	6	4	5	14	15	4
19	11	14	7	1	4	+1	6	4	6	14	15	3
20	11	14	7	2	4	1	6	3	6	14	15	3
21	12	14	6	2	4	1	6	3	6	14	14	2
22	12	14	6	2	4	1	6	3	6	15	14	2
23	12	14	6	2	4	1	6	3	7	15	14	1
24	12	14	5	2	4	2	6	3	7	15	14	-1
25	12	13	5	2	4	2	6	2	7	16	14	0
26	13	13	5	2	3	2	6	2	8	16	13	+1
27	13	13	4	3	3	2	6	2	8	16	13	1
28	13	12	4	3	3	2	6	2	8	16	12	2
29	13	12	4	3	3	2	6	2	8	16	12	2
30	14		4	-3	3	+3	6	1	-9	16	12	3
31	+14		+4		-3		+6	+1		-16	-12	+3

स्टैण्डर्ड स्थानिक मध्यमकाल और स्पष्ट काल—स्टैण्डर्ड (रेलवे) टाइम से स्थानीय (लोकल) मध्यम टाइम और स्थानिक स्पष्ट टाइम बनाने की विधि यह है कि अक्षांशादि सारणी में प्रत्येक नगर के स्टैण्डर्डान्तर मिनट लिखे हैं। वे मिनट ऋण हों, तो स्टैण्डर्ड टाइम में घटा देने से और धन हों, तो जोड़ देने से स्थानिक मध्यम काल (लोकल मीन टाइम) होगा। इस स्थानीय मध्यम टाइम में वेलान्तर कोष्ठक से उस तारीख का वेलान्तर लेकर ऋण हों, तो जोड़ने और धन हो, तो घटाने से स्थानिक स्पष्ट काल (लोकल टाइम) का मान होगा।

समय-भेद विवरण—आजकल प्रायः सर्वसाधारण ज्योतिषियों को 'समय-भेद' का ज्ञान न होने के कारण किसी भी स्थान के पंचांग का सूर्योदय चाहे जिस मान को लेकर इष्ट बना लेते हैं, यह ज्योतिषशास्त्र की दृष्टि से एक अपराध है। ज्योतिषियों को चाहिए कि पहले इस भेद को भली-भांति समझकर तदनन्तर जन्मपत्र आदि बनावें और एक बात का स्मरण रखना चाहिए कि जिस मान का जन्म टाइम हो, उसी मान का जहां का जन्म हुआ हो वहां का सूर्योदय लेकर ही इष्ट शोधन करना चाहिए अथवा जहां का जन्म हुआ हो वहां का दिनमान

सूर्योदय लिया हो मान का जन्म टाइम बनाकर इष्ट शोधन करना चाहिए। कई ज्योतिषी जन्म टाइम स्टैण्डर्ड लेकर दिनार्ध से या दिनमान से इष्ट बना लिया करते हैं, यह भी सर्वथा अनुचित बात है। दिनमान से इष्ट करना हो, तो जन्म टाइम भी स्थानिक दिनमान का टाइम (स्पष्ट टाइम) करना पड़ता है, तदनन्तर इष्ट बनाना आवश्यक है। सरकार ने अपने रेलवे आदि व्यवहारों की सुविधा के लिए एक स्थान के मध्यम टाइम को सर्वत्र मान लिया है, जिससे हिन्दुस्तान में चाहे जिस स्थान में सर्वत्र वही टाइम प्रचार में है और सर्वत्र एक ही समय रहा करता है। सन् 1906 के पूर्व भारतवर्ष में मद्रास के टाइम को स्टैण्डर्ड माना गया था, तदनन्तर ग्रीन्विच नगर से पूर्व की ओर 5॥ घण्टे रेखांश 82।30 पर भारत में जहां जो स्थान है वहां का स्टैण्डर्ड टाइम माना गया है, यह स्थान बनारस से कुछ पूर्व आता है, उस स्थान से कुछ प्रसिद्ध नगरों के स्थानिक मध्यम टाइम और स्टैण्डर्ड टाइम का अन्तर दिया है, उसको स्टैण्डर्डान्तर लिखा है। नगरों से आगे जो स्टैण्डर्डान्तर मिनट है, उसके ऋण का धन चिह्न है, जिसमें ऋण के चिह्न हो, वह नगर स्टैण्डर्ड स्थान के पश्चिम में समझें और धन चिह्न हो, तो पूर्व की ओर है ऐसा समझें।

''वर्षफल''—प्राचीन सौर वर्षमान 365।15।31।30 है। इसी वर्षमान के अनुसार सब वर्ष बनाये जाते हैं, परन्तु आधुनिक विज्ञानवेत्ताओं ने सूक्ष्म यन्त्रों के वेध द्वारा शुद्ध वर्षमान 365।15।22।57 निर्धारित किया है, अर्थात् नवीन वर्षमान से प्राचीन वर्षमान 8 पल अधिक है। इस प्रकार 8 वर्ष (7 गताब्द) में ही नवीन वर्षमान और प्राचीन वर्षमान से बनाये वर्ष के इष्ट में एक घटी का अन्तर पड़ जाता है और आगे अधिक गताब्द में अधिक अन्तर पड़ने से प्रायः लग्न भी बदल जाता है। पूना, मुम्बई, मद्रास आदि के ज्योतिविज्ञान वेत्ताओं का मत है कि वर्ष का फोदश इसी नवीन मान से बनाये गये वर्ष का ही ठीक मिलता है और कई स्थलों पर हमने भी देखा हे कि इसी नवीन मान से फल घटित होता है। यहां विद्वानों के लिए हम नवीन और प्राचीन मान की दोनों वर्ष प्रवेश सारिणियां दे रहे हैं—

वर्षयोगिनीमते मुद्दादशा

मं.	पि.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	स.
0	0	1	1	1	2	2	2
10	20	0	10	20	0	10	20

वेधसिद्ध नवीनवर्षनामानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी

गताब्द	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटी	15	30	46	1	16	32	47	3	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7
पल	22	45	8	31	54	17	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	53	16	39
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1
घटी	23	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15
पल	1	24	47	10	33	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	11	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5
घटी	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7	22
पल	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	53	16	39	2	25	48	11	34	57
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	32	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
वार	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2
घटी	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15	30
पल	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18	41	4	27	50	13	36
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

प्राचीन मान से वर्ष प्रवेश सारिणी

गताब्द	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटी	15	31	46	2	17	33	48	4	19	35	50	6	21	37	52	8	23	39	54	10
पल	31	3	34	6	37	9	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0

गताब्द	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1
घटी	26	41	57	12	28	43	59	14	30	45	1	16	32	47	3	18	34	49	5	21
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	0
विपल	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0

गताब्द	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	3	4	5
घटी	36	52	7	23	38	54	9	25	40	56	11	27	42	58	13	29	44	0	15	31
पल	31	3	34	6	37	9	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0

गताब्द	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
वार	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2
घटी	47	2	18	33	49	4	20	35	51	6	22	37	53	8	24	39	55	10	26	42
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	0
विपल	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0

मुद्दादशा विधि—जन्म-नक्षत्र की संख्या में गत वर्ष जोड़ के 2 घटा दें, 9 से भाग करने पर जो शेष बचे वह सूर्य से लेकर मुद्दा दशा होती है। योगिनी के लिए जन्म-नक्षत्र संख्या में गताब्द जोड़कर 3 और जोड़ें, 8 से शेष करें, तो मंगलादि योगिनी दशा होती है।

मुद्दादशाक्रम

श.	ग्रह	मा.	दि.
1	सूर्य	0	18
2	चन्द्र	1	0
3	मं.	0	21
4	राहु	1	24
5	बृह.	1	18
6	शनि	1	27
7	बुध	1	21
8	केतु	0	21
9	शुक्र	2	0

इन्द्रप्रस्थ नगरे लग्न सारणी पभा 6।32 वर्षादौ केतकी अयनांशा 23

अशा:	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
मेष	2	2	2	3	3	3	3	3	3	3	3	4	4	4	4	4	4	4	5	5	5	5	5	5	5	6	6	6	6	6
0	44	51	58	5	13	20	27	34	42	50	59	7	15	23	32	40	48	56	5	13	21	29	37	46	54	2	10	19	27	35
वृषभ	6	6	7	7	7	7	7	7	7	8	8	8	8	8	8	9	9	9	9	9	9	10	10	10	10	10	10	11	11	11
1	43	52	0	8	16	25	33	41	51	1	11	21	31	41	51	1	11	21	31	41	51	1	11	21	31	41	51	1	11	21
मिथुन	11	11	11	12	12	12	12	12	12	13	13	13	13	13	14	14	14	14	14	14	15	15	15	15	15	16	16	16	16	16
2	31	41	51	1	11	21	31	41	52	4	15	27	38	50	1	13	24	36	47	59	10	22	33	44	56	7	19	30	42	53
कर्क	17	17	17	17	17	18	18	18	18	18	19	19	19	19	19	19	20	20	20	20	20	21	21	21	21	21	22	22	22	22
3	5	16	28	39	51	2	14	25	37	48	0	12	23	35	47	59	10	22	34	45	57	9	20	32	44	56	7	19	31	42
सिंह	22	23	23	23	23	23	24	24	24	24	24	25	25	25	25	25	25	26	26	26	26	26	27	27	27	27	27	28	28	28
4	54	6	17	29	41	53	4	16	27	39	50	2	13	25	36	48	59	11	22	34	45	57	8	19	31	42	54	5	17	28
कन्या	28	28	29	29	29	29	29	30	30	30	30	30	30	31	31	31	31	31	32	32	32	32	32	33	33	33	33	33	34	34
5	40	51	3	14	26	37	49	0	11	23	34	46	57	9	20	32	43	54	6	18	29	41	52	3	15	26	38	49	1	12
तुला	34	34	34	34	35	35	35	35	35	36	36	36	36	36	37	37	37	37	37	38	38	38	38	38	39	39	39	39	39	40
6	24	35	47	58	10	32	33	44	56	7	19	31	42	53	6	18	29	41	53	4	16	28	39	51	3	15	26	38	50	1
वृश्चिक	40	40	40	40	41	41	41	41	41	41	42	42	42	42	42	43	43	43	43	43	44	44	44	44	44	45	45	45	45	45
7	13	25	36	48	0	12	23	35	46	58	9	21	32	44	55	7	18	30	41	53	4	16	27	38	50	1	13	25	36	47
धनु	45	46	46	46	46	46	47	47	47	47	47	47	48	48	48	48	48	48	49	49	49	49	49	49	50	50	50	50	50	50
8	59	10	22	33	45	56	8	19	29	39	49	59	9	19	29	39	49	59	9	19	29	39	49	59	9	19	29	39	49	59
मकर	51	51	51	51	51	51	52	52	52	52	52	52	53	53	53	53	53	53	53	53	54	54	54	54	54	54	54	55	55	55
9	9	19	29	39	49	59	9	19	27	35	44	52	0	8	17	25	33	41	50	58	6	14	22	30	39	47	55	4	12	20
कुम्भ	55	55	55	55	56	56	56	56	56	56	56	56	57	57	57	57	57	57	57	57	57	58	58	58	58	58	58	58	58	59
10	28	37	45	53	1	10	18	26	33	40	47	55	2	9	16	23	30	37	44	52	59	6	13	20	27	34	42	49	56	3
मीन	59	59	59	59	59	59	59	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2	2	2	2
11	10	17	24	31	39	46	53	0	7	14	21	29	36	43	50	57	4	11	18	26	33	40	47	54	1	8	16	23	30	37

दशमलग्न सारणीयम् (सर्वत्रोपयोगी)

अशा:	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
मेष	3	3	3	4	4	4	4	4	4	4	5	5	5	5	5	5	6	6	6	6	6	6	7	7	7	7	7	7	8	8
0	34	43	52	2	11	20	29	38	48	58	8	18	28	38	48	58	8	18	28	38	48	58	7	17	27	37	47	47	7	17
वृषभ	8	8	8	8	9	9	9	9	9	9	10	10	10	10	10	11	11	11	11	11	11	12	12	12	12	12	13	13	13	13
1	27	37	47	57	7	17	27	37	48	59	9	20	31	42	52	3	14	25	35	46	57	8	18	29	40	51	2	12	23	34
मिथुन	13	13	14	14	14	14	14	15	15	15	15	15	15	16	16	16	16	16	16	17	17	17	17	17	18	18	18	18	18	18
2	45	55	6	17	28	38	49	0	11	22	32	43	54	5	15	26	37	48	58	9	19	30	41	52	3	14	25	35	46	57
कर्क	19	19	19	19	19	20	20	20	20	20	20	21	21	21	21	21	21	22	22	22	22	22	22	23	23	23	23	23	23	24
3	8	18	29	40	51	1	12	23	33	43	53	3	13	23	33	43	53	3	13	23	33	43	52	2	12	22	32	42	52	2
सिंह	24	24	24	24	24	25	25	25	25	25	25	25	26	26	26	26	26	26	27	27	27	27	27	27	27	28	28	28	28	28
4	12	22	32	42	52	2	12	22	31	41	50	59	8	18	27	36	45	55	4	13	22	32	41	50	59	9	18	27	37	46
कन्या	28	29	29	29	29	29	29	30	30	30	30	30	30	30	31	31	31	31	31	31	32	32	32	32	32	32	32	33	33	33
5	55	4	14	23	32	41	51	0	9	19	28	37	46	56	5	14	23	33	42	51	0	10	19	28	38	47	56	5	15	24
तुला	33	33	33	34	34	34	34	34	34	34	35	35	35	35	35	35	36	36	36	36	36	36	37	37	37	37	37	37	38	38
6	33	42	52	1	10	19	29	38	48	58	8	18	28	38	48	58	8	18	28	38	48	58	7	17	27	37	47	57	7	17
वृश्चिक	38	38	38	38	39	39	39	39	39	39	40	40	40	40	40	41	41	41	41	41	41	42	42	42	42	42	43	43	43	43
7	27	37	47	57	7	17	27	37	47	58	9	20	31	42	52	3	14	25	35	46	57	8	18	29	40	51	2	12	23	34
धनु	43	43	44	44	44	44	44	45	45	45	45	45	45	46	46	46	46	46	46	47	47	47	47	47	48	48	48	48	48	48
8	45	55	6	17	28	38	49	0	11	22	32	43	54	5	15	26	37	48	58	9	20	31	41	52	3	14	25	35	46	57
मकर	49	49	49	49	49	50	50	50	50	50	50	51	51	51	51	51	51	52	52	52	52	52	52	53	53	53	53	53	53	54
9	8	18	29	40	51	1	12	23	33	43	53	3	13	23	33	43	53	3	13	23	33	43	53	2	12	22	32	42	52	2
कुम्भ	54	54	54	54	54	55	55	55	55	55	55	55	56	56	56	56	56	56	57	57	57	57	57	57	58	58	58	58	58	58
10	12	22	32	42	52	2	12	22	31	41	50	59	8	18	27	36	45	55	4	13	22	32	41	50	0	9	18	27	37	46
मीन	58	59	59	59	59	59	59	0	0	0	0	0	0	0	1	1	1	1	1	1	2	2	2	2	2	2	2	3	3	3
11	55	4	14	23	32	41	51	0	9	19	28	37	46	56	5	14	23	33	42	51	0	10	19	28	38	47	56	5	15	24

इष्ट सांपातिक काल से जन्म लग्न ज्ञात करने की सरल विधि

श्री चन्द्रभान भाटिया, एम.एस.सी.

पिछले कुछ वर्षों से आपके प्रिय "श्रीविश्वविजय पंचांग" में प्रतिदिन का सांपातिक काल (Sidereal Time) दिया जा रहा है। **अब सांपातिक काल की गणना रेखांश 0°0' (ग्रीनविचि) पर स्थानीय मध्यम समय (Local Mean Time) के 0.00 बजे मध्यरात्रि के आधार मान पर की गयी है।** इससे विश्व के किसी भी स्थान के लिए इष्ट सांपातिक काल की गणना की जा सकती है। इष्ट सांपातिक काल तथा जन्म स्थान की लग्न सारणी की सहायता से जन्म लग्न सुगमता से शुद्ध तथा सूक्ष्म रूप से ज्ञात किया जा सकता है।

इस वर्ष लेख में पूर्ण संशोधन कर सांपातिक काल की गणना एवं लग्न ज्ञात करने की प्रक्रिया को कई उदाहरण देकर समझाया गया है। आशा है इससे पाठक लाभान्वित होंगे।

सम्पादक

इष्ट सांपातिक काल की गणना

— जन्म समय अधिकार **भारतीय मानक समय (Indian Standard Time)** के अनुसार ज्ञात होता है।

— सर्वप्रथम इसे **स्थानीय मध्यम समय (Local Mean Time)** में परिवर्तित किया जाता है।

— तत्पश्चात् इष्ट दिन का सांपातिक काल पंचांग में दी गयी दैनिक स्पष्ट ग्रह सारणी से ज्ञात किया जाता है।

— यदि इष्ट दिन विगत अथवा आगामी वर्षों में से हो, तो इसे पंचांग में दिये गये कोष्ठक (अ) (संशोधित), (ब) तथा (स) की सहायता से ज्ञात किया जाता है।

— इस सांपातिक काल की गणना रेखांश 0°0' (ग्रीनविचि) पर स्थानीय मध्यम समय (**L.M.T.**) के 00-00 बजे मध्यरात्रि के अनुसार की गयी है।

— सांपातिक काल की गणना करने के लिए जन्म स्थान के रेखांश के लिए संस्कार किया जाता है। प्रति 1° रेखांश के अन्तर के लिए 0.6571 सैकण्ड (स्थूलत: 2/3 सै.) है।

— यदि जन्म स्थान के रेखांश पूर्वी हों, संस्कार धनात्मक और यदि रेखांश पश्चिमी हो, तो संस्कार ऋणात्मक होगा। इस संस्कार को कोष्ठक (य) में दर्शाया गया है।

— जन्म स्थान संस्कार के संस्कारित इस सांपातिक काल में जन्म समय के स्थानीय (L.M.T.) को जोड़ा जाता है।

— इस योग में प्रति घण्टा 10 सै. स्थूल रूप से अथवा सूक्ष्म रूप से 9.586 सै. प्रति घण्टा जोड़ा जाता है। इस संस्कार को कोष्ठक (द) में दर्शाया गया है।

— यदि यह योग 24 घण्टों से अधिक हो, तो योग में से 24 घण्टे घटा दिये जाते हैं।

— समय को सर्वदा रेलवे समयानुसार लिखना चाहिए, अर्थात् दोपहर 1 बजकर 45 मि. को, 13 बजकर 45 मि., रात्रि 11 बजकर 20 मिनट को, 23 बजकर 20 मिनट, मध्यरात्रि के पश्चात् 2 बजकर 15 मि. को 02 बजकर 15 मिनट आदि।

— दिनांक का आरम्भ मध्यरात्रि के पश्चात् 00-00 बजे से ही मानना चाहिए।

इस प्रकार विश्व के किसी भी स्थान पर इष्ट समय के सांपातिक काल की गणना सरलता से की जाती है।

स्थानीय मध्यम समय (Local Mean Time)

हर देश का अपना **मानक समय (Standard Time)** होता है। भारत में पूर्वी रेखांश 82°30' के स्थानीय समय (L.M.T.) को ही पूर्ण देश का **मानक समय (Standard Time)** माना गया है। इसी समयानुसार सब सरकारी व गैर सरकारी कार्य होते हैं।

जन्म समय भी अधिकतर इसी मानक समयानुसार ज्ञात होता है। इष्ट सांपातिक काल ज्ञात करने के लिए सर्वप्रथम भा.प्र.स. (I.S.T.) को स्था.मा.स. (L.M.T.) में परिवर्तित करते हैं।

— जिस स्थान का स्था.मा.स. (L.M.T.) ज्ञात करना हो, उस स्थान के रेखांश यदि पूर्वी रेखांश 82°30' से कम हो, तो संस्कार ऋणात्मक होगा और यदि स्थान के रेखांश पूर्वी रेखांश 82°30' से अधिक हो, तो संस्कार धनात्मक होगा।

— स्थानीय रेखांश व पूर्वी रेखांश 82°30' के अन्तर को 4 से गुणा करने पर जितना आये, वह मिनट व सैकण्ड में इस प्रकार का मान होगा।

— यह संस्कार "**स्टैण्डर्ड अन्तर**" के नाम से जाना जाता है। इसे प्रत्येक स्थान के लिए पंचांग में दी गयी "**अक्षांशादि सारणी**" में दिया गया है।

उदाहरण—दिल्ली का स्टैण्डर्ड अन्तर कितना है?

दिल्ली के रेखांश पू. 77°12' हैं। अत: (82°30')−(77°12')=5°18'। इसे 4 से गुणा करने पर: 5°18'×4=21 मि. 12 सै.। ये रेखांश पू. रेखांश 82°30' से कम होने के कारण ऋणात्मक है।

उदाहरण—दिल्ली में 17 बजकर 30 मि. भा.मा.स. (I.S.T.) का मान स्था.मा.स. (L.M.T) में कितना होगा?

दिल्ली का स्टै. अन्तर = 21 मि. 12 सै.।

	घं.	मि.	सै.	
	17	30	00	भा.मा.स.
—		21	12	स्टै. अन्तर
	17	08	48	स्था.मा.स.

उदाहरण—10 अक्टूबर 1993 को दिल्ली में 17-50 बजे भा.मा.स. (I.S.T.) का सा.का. (Sidereal Time) ज्ञात करना।

	घं.	मि.	सै.	
	17	50	0	भा.मा.स.
—		21	12	स्टै. अन्तर
	17	28	48	स्था.मा.स.

	घं.	मि.	सै.	
	1	14	27	10 अक्टूबर 1993 का ग्रह स्पष्ट सारणी से लिया ग्रीनविच का सा.का.
–	0	0	51	दिल्ली के लिए संस्कार, कोष्ठक (य) से
+	1	13	36	दिल्ली का 00-00 बजे स्था.मा.स. (L.M.T) का सा.का.
+	17	28	48	दिल्ली का 17-50 बजे भा.मा.स. (I.S.T) पर स्था.मा.स. (L.M.T.)
		2	48	17 घण्टा का संस्कार कोष्ठक (द) से
+			5	29 मि. का संस्कार कोष्ठक (द) से
	18	45	17	इष्ट समय का सा.का.

उदाहरण—4/5 जुलाई 1993 की रात्रि को कोलकता में 03-15 बजे भा.मा.स. (I.S.T.) का सा.का. ज्ञात करना।

कोलकता के पूर्वी रेखांश 88°23' के लिए स्टै. अन्तर + 23 मि. 32 सै.

	घं.	मि.	सै.	
	03	15	00	भा.मा.स. (I.S.T.)
+		23	32	स्टै. अन्तर
	03	38	32	कोलकता का स्था.मा.स. (L.M.T.)
	18	52	00	5 जुलाई 1993 का ग्रह स्पष्ट सारणी से लिया ग्रीनविच का सा.का.
–			58	पूर्वी रेखांश 88°23' के लिए संस्कार, कोष्ठक (य) से:
	18	51	02	कोलकता के लिए 00-00 बजे स्था.मा. स. का सा.का.
+	03	38	32	इष्ट समय का स्था.मा.स. (L.M.T.)
			30	3 घं. का कोष्ठक (द) से संस्कार
+			06	38 मि. का कोष्ठक (द) से संस्कार
	22	30	10	इष्ट समय का सा.का.

अन्य वर्षों के लिए गणना

उदाहरण—मुम्बई पू. रेखांश 72°50', स्टै. अन्तर-36 मि. 40 सै. के लिए 4 फरवरी 1950 को 23-50 बजे भा.मा.स. (I.S.T.) का सा.का. ज्ञात करना।

	घं.	मि.	सै.	
	23	50	00	मुम्बई में भा.मा.स.
–		38	40	मुम्बई के लिए स्टै. अन्तर
	23	11	20	मुम्बई के लिए स्था.मा.स.

पंचांग में दिये गये कोष्ठक (अ), (ब) तथा (स) से 4 फरवरी 1950 के लिए सा.का.

	घं.	मि.	सै.	
	6	40	18	कोष्ठक (अ) से 1950 का सा.का.
+	2	2	13	कोष्ठक (ब) से साधारण वर्ष के लिए फरवरी माह का सा.का.
+	0	11	50	कोष्ठक (स) से दिनांक 4 के लिए सा.का.
	8	54	21	रेखांश 0°0 का 00-00 बजे स्था.मा.स. पर 4 फरवरी 1950 का सा.का.
–			48	मुम्बई रेखांश 72°50' के लिए कोष्ठक (य) से संस्कार
	8	53	33	मुम्बई का 00-00 बजे स्था.मा.स. पर 4 फरवरी 1950 का सां.का.
+	23	11	20	इष्ट समय का स्था.मा. स. (L.M.T.)
		3	47	23 घं. के लिए कोष्ठक (द) से संस्कार
+			02	11 मि. के लिए कोष्ठक (द) से संस्कार
	32	8	42	योग 24 घं. से अधिक होने पर 24 घं. घटाये
–	24	00	00	
	8	8	42	इष्ट समय का सा.का.

विदेश में स्थित स्थान के लिए गणना

उदाहरण—4 मई 1976 को लन्दन पश्चिमी रेखांश 0°5' पर 13-30 बजे G.M.T.का सा. का. ज्ञात करना।

लन्दन पश्चिमी रेखांश 0°-5' का स्टै. अन्तर—0 मि. 20 सै. होगा।

	घं.	मि.	सै.	
	13	30	00	(G.M.T.) में समय
–	00	00	20	स्टै. अन्तर
	13	29	40	स्था.मा.स. (L.M.T.)
	06	39	09	कोष्ठक (अ) से 1976 का सा.का.
+	07	57	03	कोष्ठक (ब) से मई माह का प्लुत वर्ष के लिए
+	00	15	46	सा. का दिनांक 5 का कोष्ठक (स) से सा.का.
	14	51	58	रेखांश 0°0' पर 5 मई 1976 को 00-00 बजे स्था.मा.स. पर सा.का.
	00	00	00	पश्चिमी रेखांश 05' के लिए कोष्ठक (य) से संस्कार
	14	51	58	लन्दन का 5 मई 1972 का 00-00 बजे स्था.मा.स. से सा.का.
+	13	29	40	इष्ट समय का स्था.मा.स.
+	00	02	08	13 घं. के लिए कोष्ठक (द) से संस्कार
+	0	0	05	29 मि. के लिए कोष्ठक (द) से संस्कार
	28	23	51	
	24	00	00	24 घं. घटाने पर
	4	23	51	इष्ट समय का सा.का.

सांपातिक काल व जन्म सारणी की सहायता से जन्म लग्न ज्ञात करना

इस वर्ष आपके प्रिय ''श्रीविश्वविजय पंचांग'' में दिल्ली अक्षांश 28°38' की लग्न सारणी एवं सर्वत्रोपयोगी दशम सारणी के अतिरिक्त मुम्बई 18°58' के लिए अक्षांश 19° की, कोलकता अक्षांश 22°35' की, वाराणसी अक्षांश 25°19' के लिए अक्षांश 25°23' की लग्न सारणियां दी जा रही हैं। ये लग्न सारणियां इनके अतिरिक्त भारत के कई स्थानों के लिए भी उपयोगी होंगी।

सभी लग्न सारणियां 23°45' अयनांशीय निरयन लग्न सारणियां हैं।

जिस समय की गणना हो, उस समय यदि अयनांश 23°45' अयनांश से अधिक हो, तो जितना अधिक हो, वह सारणी से ज्ञात लग्न में से घटाना होगा और यदि यह अयनांश 23°45' अयनांश से कम हो, तो जितना कम हो, वह सारणी से ज्ञात लग्न में जोड़ना होगा। इस संस्कार को कोष्ठक (र) में दर्शाया गया है।

इन सारणियों के अतिरिक्त अक्षांश 0° से 60° तक की सायन, अर्थात् 0° अयनांशीय लग्न सारणियां (कोष्ठक 2 क व 2 ख) भी दी जा रही हैं।

उदाहरण—10 अक्टूबर 1993 को दिल्ली में 17-50 बजे भा.मा.स. के लिए जन्म लग्न ज्ञात करना।

इससे पूर्व उदाहरण में दिल्ली में 10 अक्टूबर 1993 को 17-50 बजे भा.मा.स. (I.S.T.) का सा.का. 18 घं. 45 मि. 37 सै. ज्ञात कर चुके हैं।

दिल्ली की लग्न सारणी से—

घं.	मि.	सै.		रा.	अं.	क.
18	48	00	सा.का. के लिए लग्न	11	23	15
18	44	00	सा.का. के लिए लग्न	− 11	21	51
				00	01	24

अत: 4 मि. अथवा 240 सै. के लिए लग्न में अन्तर

अत: 240 सै. के लिए लग्न में अन्तर 84' हुआ।

अब इष्ट सा.का. 18 घं. 45 मि. 37 सै. सा.का. 18-44-0 से कितना अधिक है?

18	45	37
− 18	44	00
00	01	37

अर्थात् 1 मि. 37 सै. अथवा 97 सै. अधिक है।

240 सै. के सा.का. में अन्तर के लिए—लग्न में 84' का अन्तर

तो 97 सै. के सा.का. में अन्तर — $\frac{84\times97}{240}$

=33'57'' का अन्तर होगा।

अत: 18 घं. 45 मि. 37 सै. के सा.का. के लिए लग्न—

रा.	अं.	क.	वि.
11	21	51	00
+		33	57
11	22	24	57 होगा

यह लग्न सारणी 23°45' अयनांशीय है।

इस उदाहरण में 10 अक्टूबर 1993 का अयनांश 23°46'30'' लग्न सारणी 23°45' अयनांशीय है।

अन्तर = 23°46'30''—23°45'=1'30''

रा.	अं.	का.	वि.
11	22	24	57
−		1	30 अयनांश संस्कार
11	22	23	27 स्पष्ट व शुद्ध लग्न

उदाहरण—मुम्बई पू. रेखांश 72°50, उत्तरी अक्षांश 18°58' के लिए 4 फरवरी 1950 को 23-50 बजे भा.मा.स. (I.S.T.) का जन्म लग्न ज्ञात करना।

इसके पूर्व के उदाहरण से इष्ट दिन व समय का सा.का. 8 घं. 8 मि. 42 सै. ज्ञात कर चुके हैं।

पंचांग में दी गयी मुम्बई की लग्न सारणी से—

घं.	मि.	सै.	रा.	अं.	क.
8	12	0	6	6	20
8	8	0	6	5	24
0	4	0	0	0	56

अत: 4 मि. अथवा 240 सै. के लिए लग्न में अन्तर 56'

अत: 42 सै. के लिए लग्न में अन्तर $\frac{56\times42}{240}$ =9'48''

अत: जन्म लग्न

रा.	अं.	क.	वि.
6	5	24	00
+		9	48
6	5	33	48

4 फरवरी 1950 का अयनांश 23°9'36'' है।

23°	45'	00''
− 23	09	36
0	35	24

यह 23°45' से 35'24'' कम है। अत: स्पष्ट व शुद्ध लग्न

6	5	33	48
+		35	24
6	6	09	12 होगी

इसी प्रकार दशम लग्न सारणी से दशम भाव स्पष्ट ज्ञात किया जा सकता है।

आगामी वर्ष आपके प्रिय ''श्रीविश्वविजय पंचांग'' में अन्य प्रसिद्ध नगरों की निरयन लग्न सारणियां दी जायेंगी।

इस प्रकार इष्ट सांपातिक काल ज्ञात कर विश्व के किसी भी स्थान के लिए शुद्ध निरयन लग्न सुगमतापूर्वक ज्ञात की जा सकती है।

4, तिलक नगर, मथुरा (उ.प्र.) 281001

संशोधित कोष्ठक (अ)

प्रत्येक वर्ष की 1 जनवरी को मध्यरात्रि 00-00 बजे स्था.म.स. (L.M.T.) के अनुसार रेखांश 00' पर सांपातिक काल कोष्ठक

ई. सन्	सांपातिक काल			ई. सन्	सांपातिक काल			ई. सन्	सांपातिक काल		
	घं.	मि.	सै.		घं.	मि.	सै.		घं.	मि.	सै.
1941	6	41	01	1968	6	38	53	1995	6	40	43
1942	6	40	03	1969	6	41	52	1996	6	39	45
1943	6	39	05	1970	6	40	55	1997	6	42	44
1944	6	38	08	1971	6	39	58	1998	6	41	47
1945	6	41	07	1972	6	39	01	1999	6	40	49
1946	6	40	10	1973	6	42	01	2000	6	39	51
1947	6	39	12	1974	6	41	04	2001	6	42	50
1948	6	38	15	1975	6	40	06	2002	6	41	53
1949	6	41	15	1976	6	39	09	2003	6	40	56
1950	6	40	18	1977	6	42	08	2004	6	39	58
1951	6	39	21	1978	6	41	10	2005	6	42	58
1952	6	38	24	1979	6	40	12	2006	6	42	01
1953	6	41	24	1980	6	39	15	2007	6	41	04
1954	6	40	26	1981	6	42	14	2008	6	40	07
1955	6	39	29	1982	6	41	16	2009	6	43	07
1956	6	38	32	1983	6	40	19	2010	6	42	10
1957	6	41	31	1984	6	39	22	2011	6	41	12
1958	6	40	34	1985	6	42	21	2012	6	40	15
1959	6	39	36	1986	6	41	24	2013	6	43	14
1960	6	38	38	1987	6	40	27	2014	6	42	17
1961	6	41	37	1988	6	39	30	2015	6	41	19
1962	6	40	40	1989	6	42	30	2016	6	40	21
1963	6	39	42	1990	6	41	33	2017	6	43	01
1964	6	38	45	1991	6	40	36	2018	6	42	04
1965	6	41	44	1992	6	39	38	2019	6	41	06
1966	6	40	47	1993	6	42	38	2020	6	40	09
1967	6	39	50	1994	6	41	40				

संशोधित कोष्ठक (य) सांपातिक के स्थानीय संस्कार हेतु

रेखांश	संस्कार सै.	पू. रेखांश	संस्कार सै.	पू. रेखांश	संस्कार सै.
1°31'	— 1	39°34'	— 26	77°37'	— 51
3°03'	— 2	41°05'	— 27	79°08'	— 52
4°34'	— 3	42°37'	— 28	80°39'	— 53
6°05'	— 4	44°08'	— 29	82°11'	— 54
7°37'	— 5	45°39'	— 30	83°42'	— 55
9°08'	— 6	47°11'	— 31	85°13'	— 56
10°39'	— 7	48°42'	— 32	86°45'	— 57
12°10'	— 8	50°13'	— 33	88°16'	— 58
13°42'	— 9	51°45'	— 34	89°47'	— 59
15°13'	— 10	53°16'	— 35	91°19'	— 60
16°44'	— 11	54°47'	— 36	92°50'	— 61
18°16'	— 12	56°18'	— 37	94°21'	— 62
19°47'	— 13	57°50'	— 38	95°53'	— 63
21°18'	— 14	59°21'	— 39	97°24'	— 64
22°50'	— 15	60°52'	— 40	98°55'	— 65
24°21'	— 16	62°24'	— 41	100°26'	— 66
25°52'	— 17	63°55'	— 42	101°58'	— 67
27°24'	— 18	65°26'	— 43	103°29'	— 68
28°55'	— 19	66°58'	— 44	105°00'	— 69
30°26'	— 20	68°29'	— 45	106°32'	— 70
31°58'	— 21	70°00'	— 46	108°03'	— 71
33°29'	— 22	71°32'	— 47	109°34'	— 72
35°00'	— 23	73°03'	— 48	111°06'	— 73
36°31'	— 24	74°34'	— 49	112°37'	— 74
38°03'	— 25	76°06'	— 50	114°08'	— 75

विशेष—पश्चिम रेखांश के लिए संस्कार धनात्मक होगा।

कोष्ठक (र) अयनांश संस्कार हेतु

सन्	अयनांश संस्कार	सन्	अयनांश संस्कार	सन्	अयनांश संस्कार
1926	+0°55'	1957	0°29'	1988	0°3'
1927	0°54'	1958	0°28'	1989	0°2'
1928	0°53'	1959	0°27'	1990	0°1'
1929	0°53'	1960	0°27'	1991	+0°1'
1930	0°52'	1961	+0°26'	1992	0°0'
1931	+0°51'	1962	0°25'	1993	— 0°1'
1932	0°50'	1963	0°24'	1994	— 0°1'
1933	0°49'	1964	0°23'	1995	— 0°2'
1934	0°48'	1965	0°22'	1996	— 0°3'
1935	0°48'	1966	+0°22'	1997	— 0°4'
1936	+0°47'	1967	0°21'	1998	— 0°5'
1937	0°46'	1968	0°20'	1999	— 0°6'
1938	0°45'	1969	0°19'	2000	— 0°6'
1939	0°44'	1970	0°18'	2001	— 0°7'
1940	0°43'	1971	+0°17'	2002	— 0°8'
1941	+0°43'	1972	0°17'	2003	— 0°9'
1942	0°42'	1973	0°16'	2004	— 0°10'
1943	0°41'	1974	0°15'	2005	— 0°11'
1944	0°40'	1975	0°14'	2006	— 0°11'
1945	0°39'	1976	+0°13'	2007	— 0°12'
1946	+0°38'	1977	0°12'	2008	— 0°13'
1947	0°37'	1978	0°12'	2009	— 0°14'
1948	0°37'	1979	0°11'	2010	— 0°15'
1949	0°36'	1980	0°10'	2011	— 0°16'
1950	0°35'	1981	+0°9'	2012	— 0°17'
1951	+0°34'	1982	0°8'	2013	&0° 17*
1952	0°33'	1983	0°7'	2014	&0° 18*
1953	0°32'	1984	0°6'	2015	&0° 19*
1954	0°32'	1985	0°6'	2016	&0° 20*
1955	0°31'	1986	+0°5'	2017	&0° 21*
1956	+0°30'	1987	0°4'	2018	&0° 22*
				2019	&0° 22*

कोष्ठक (ब)

प्रतिमास के आरम्भ में सांपातिक काल की वृद्धि

मास	साधारण वर्ग			प्लुत वर्ष		
	घं.	मि.	सै.	घं.	मि.	सै.
जनवरी	0	0	0	0	0	0
फरवरी	2	2	13	2	2	13
मार्च	3	52	37	3	56	33
अप्रैल	5	54	50	5	58	47
मई	7	53	7	7	57	3
जून	9	55	20	9	59	16
जुलाई	11	53	36	11	57	33
अगस्त	13	55	50	13	59	46
सितम्बर	15	58	3	16	2	0
अक्टूबर	17	56	20	18	0	16
नवम्बर	19	58	33	20	2	29
दिसम्बर	21	56	50	22	0	46

प्रत्येक तारीख को सांपातिक काल की वृद्धि

कोष्ठक (स)

ता.	साम्पा.काल			ता.	साम्पा.काल		
	घं.	मि.	सै.		घं.	मि.	सै.
1	0	0	0	16	0	59	08
2	0	3	57	17	1	3	5
3	0	7	53	18	1	7	1
4	0	11	50	19	1	10	57
5	0	15	46	20	1	14	55
6	0	19	43	21	1	18	51
7	0	23	39	22	1	22	48
8	0	27	36	23	1	26	44
9	0	31	32	24	1	30	41
10	0	35	29	25	1	34	37
11	0	39	26	26	1	38	34
12	0	43	22	27	1	42	30
13	0	47	19	28	1	46	27
14	0	51	15	29	1	50	24
15	0	55	12	30	1	54	20
				31	1	58	17

कोष्ठक (द)

प्रति घण्टे (मिनट या सैकण्ड) के लिए सांपातिक काल का संस्कार

घं. मि. सै.	मि. सै. प्रसे.	सै. प्रसे. —	प्रसे. — —	घं. मि. सै.	मि. सै. प्रसे.	सै. प्रसे. —	प्रसे. — —
1	0	9	51	31	5	5	33
2	0	19	42	32	5	15	24
3	0	29	34	33	5	25	16
4	0	39	25	34	5	35	7
5	0	49	16	35	5	44	59
6	0	59	8	36	5	54	50
7	1	9	0	37	6	4	41
8	1	18	21	38	6	14	37
9	1	28	42	39	6	24	24
10	1	38	34	40	6	34	15
11	1	48	25	41	6	44	7
12	1	58	17	42	6	53	58
13	2	8	8	43	7	3	50
14	2	18	0	44	7	13	41
15	2	27	51	45	7	23	32
16	2	37	42	46	7	33	24
17	2	47	33	47	7	43	15
18	2	57	25	48	7	53	3
19	3	7	16	49	8	2	58
20	3	17	8	50	8	12	49
21	3	26	59	51	8	22	41
22	3	36	50	52	8	32	32
23	3	46	42	53	8	42	23
24	3	56	33	54	8	52	15
25	4	6	25	55	9	2	6
26	4	16	16	56	9	11	58
27	4	26	7	57	9	21	49
28	4	35	59	58	9	31	40
29	4	45	50	59	9	41	32
30	4	55	42	60	9	51	23

अयनांश सारिणी (त)

ई.सन्	अ.	क.	वि.	ई.सन्	अ.	क.	वि.
1950	23	9	31	1986	23	39	40
1951	23	10	21	1987	23	40	30
1952	23	11	11	1988	23	41	20
1953	23	12	02	1989	23	42	11
1954	23	12	52	1990	23	43	02
1955	23	13	42	1991	23	43	52
1956	23	14	32	1992	23	44	42
1957	23	15	23	1993	23	45	50
1958	23	16	13	1994	23	46	23
1959	23	17	03	1995	23	47	14
1960	23	17	53	1996	23	48	04
1961	23	18	44	1997	23	48	51
1962	23	19	34	1998	23	49	44
1963	23	20	24	1999	23	50	34
1964	23	21	14	2000	23	51	24
1965	23	22	02	2001	23	52	14
1966	23	22	55	2002	23	53	04
1967	23	23	45	2003	23	53	54
1968	23	24	35	2004	23	54	44
1969	23	25	26	2005	23	55	35
1970	23	26	16	2006	23	56	25
1971	23	27	05	2007	23	57	15
1972	23	27	56	2008	23	58	06
1973	23	28	47	2009	23	58	56
1974	23	29	37	2010	24	00	06
1975	23	30	27	2011	24	00	56
1976	23	31	17	2012	24	01	46
1977	23	32	08				
1978	23	32	58				
1979	23	33	48				
1980	23	34	38				
1981	23	35	29				
1982	23	36	19				
1983	23	37	09				
1984	23	37	59				
1985	23	38	50				

अयनांश सारिणी (थ)
तारीख से अयनगति ज्ञान

मास	ता.	अयनगति विकला	मास	ता.	अयनगति विकला
जनवरी	1	0	जुलाई	2	25
	8	1		9	26
	15	2		17	27
	23	3		24	28
	30	4		31	29
फरवरी	6	5	अगस्त	7	30
	14	6		15	31
	21	7		22	32
	28	8		29	33
मार्च	7	9	सितम्बर	6	34
	15	10		13	35
	22	11		20	36
	29	12		27	37
अप्रैल	6	13	अक्टूबर	5	38
	13	14		12	39
	20	15		19	40
	27	16		27	41
मई	5	17	नवम्बर	3	42
	12	18		10	43
	19	19		17	44
	27	20		25	45
जून	3	21	दिसम्बर	2	46
	10	22		9	47
	17	23		17	48
	25	24		24	49
				31	50

विदेश और द्वीपान्तरों के अक्षांशादि

नगर देश नाम	अक्षांश अं. क.	ग्रीनविच से रेखांश अं. क.	दिल्ली से देशान्तर घं. मि.
अदन (एडन अरब)	उ. 13।25	पू. 45।00	– 2।09
अर्जेन्टाइना (द. अमे.)	द. 26।12	पू. 64।45	– 9।28
ऑस्ट्रेलिया दक्षि.	द. 32।00	पू. 146।17	+ 4।36
काबुल (अफगानिस्तान)	उ. 34।30	पू. 69।17	– 0।32
कांडी (सीलोन लंका)	उ. 07।11	पू. 80।32	+ 0।13
कांगो (प. अफ्रीका)	द. 06।00	पू. 15।50	– 4।06
काहिरा (मिश्र)	उ. 30।02	पू. 31।15	– 3।04
क्वेटा (बिलोचिस्तान)	उ. 30।13	पू. 67।01	– 0।41
ग्रीनविच (यूरोप)	उ. 51।20	00।00	– 5।09
जेनेवा (स्विट्जर. पू.)	उ. 46।13	पू. 06।07	– 4।45
जेरूशलम (इजरा.)	उ. 31।46	पू. 35।14	– 2।48
ट्रांसवाल (द. अफ्रीका)	द. 25।00	पू. 29।00	– 3।13
ट्रिपोली (उ. अफ्रीका)	उ. 32।45	पू. 13।15	– 4।16
टोकियो (जापान)	उ. 35।42	पू. 139।45	+ 4।10
तेहरान (ईरान)	उ. 35।41	पू. 51।25	– 1।43
न्यूयॉर्क (अमेरिका)	उ. 40।43	पू. 74।00	– 10।05
नाईरोबी (पू. अफ्रीका)	द. 01।20	पू. 36।49	– 2।42
पेरिस (फ्रांस)	उ. 48।50	पू. 02।20	– 5।00
पेचिंग (चीन)	उ. 39।55	पू. 116।24	+ 2।37
बर्लिन (जर्मनी)	उ. 52।32	पू. 13।25	– 4।15
बल्गारिया (यूरोप)	उ. 43।18	पू. 26।17	– 3।24
बगदाद (इराक)	उ. 33।18	पू. 44।27	– 2।11
मका (अरब)	उ. 21।25	पू. 40।12	– 2।28
मास्को (रूस)	उ. 55।45	पू. 37।37	– 2।39
माण्डले (ब्रह्मा)	उ. 22।00	पू. 16।08	+ 1।16
रोम (इटली)	उ. 41।55	पू. 12।28	– 4।19
लंदन (इंग्लैण्ड)	उ. 51।30	पू. 00।05	– 5।09
ल्हासा (तिब्बत)	उ. 29।40	पू. 91।05	+ 0।55
वाशिंगटन (अमेरिका)	उ. 38।55	पू. 77।04	– 10।16
सिंगापुर (मलाया)	उ. 01।16	पू. 103।45	+ 1।46
हांगकांग (चीन)	उ. 22।00	पू. 114।01	+ 2।27

देशान्तर=दिल्ली से पूर्व+पश्चिम−अन्तर

अक्षांशादि सारिणी

स्टैण्डर्ड अन्तर−स्थानीय टाइम और स्टैण्डर्ड टाइम का अन्तर

नगर नाम	उत्तर अक्षांश अं.कं.	पूर्व रेखांश अं.कं.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.सै.	देशान्तर मि. सै.	नगर नाम	उत्तर अक्षांश अं.कं.	पूर्व रेखांश अं.कं.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.सै.	देशान्तर मि. सै.	नगर नाम	उत्तर अक्षांश अं.कं.	पूर्व रेखांश अं.कं.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.सै.	देशान्तर मि. सै.	नगर नाम	उत्तर अक्षांश अं.कं.	पूर्व रेखांश अं.कं.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.सै.	देशान्तर मि. सै.
अंकलेश्वर	21।38	73।03	-37।48	16।36	आर्वी	20।59	78।13	-17।8	+04।04	एरनाकुलम	09।59	76।18	-24।48	+03।36	कालका	30।47	76।57	-22।12	-01।00
अंजार	23।07	70।01	-49।56	-28।44	आर्द्रा	23।32	86।41	+16।44	+37।56	ऐरंडोल	20।55	75।19	-28।44	-07।32	कालीकट	11।15	75।45	-27।00	-05।48
अंबरनाथ	19।12	73।10	-37।20	-16।08	ओरवा	22।28	69।05	-53।40	-32।28	ऐल्लोर	16।43	81।05	-05।40	+15।32	कालीघाट	22।31	88।21	+23।24	+44।36
अंबाजी	24।22	72।56	-38।16	-17।04	अखनूर का.	32।54	74।35	-31।40	-10।28	एलिचपुर	21।18	77।33	-19।48	+01।24	कासगंज	27।48	78।39	-15।24	+05।48
अंबाला	30।23	76।46	-22।56	-01।44	अनूपशहर	28।21	78।23	-16।28	+40।44	ओरछा	25।21	78।38	-15।28	+05।44	किशनगंज	26।07	87।58	+21।52	+43।04
अंबिकापुर	23।10	83।15	+03।00	+24।12	अलीगंज भो.	27।20	79।12	-13।12	+08।00	औरंगाबाद	19।52	75।19	-28।44	-07।40	किशनगढ़	27।52	70।34	-47।28	-26।16
अकलकोट	17।33	76।13	-25।12	-03।52	अलीगंज ह.	26।12	84।08	+06।32	+27।44	ओरंगा.वि.	24।45	84।25	+07।40	+28।52	किशनगढ़ अ.	26।35	74।51	-30।36	-09।24
अकोला	20।43	77।02	-21।52	-00।48	अमेठी	26।07	81।47	-20।52	+18।20	कांकरोली	25।02	73।54	-34।24	-13।12	किशनगढ़ ज.	27।10	75।22	-28।32	-07।20
अगरतला	23।50	91।23	+35।32	-56।36	अगरतला त्रि.	23।49	91।17	+35।08	+56।20	कांडला	23।01	70।14	-49।04	-27।52	कुंभकोणम्	10।58	79।23	-12।28	+08।44
अचलगढ़	24।38	72।48	-38।48	-17।36	अमरोहा	28।54	78।34	-15।44	+05।28	कडपा	14।28	78।49	-14।44	+06।28	कुमठा	14।25	74।24	-32।24	-11।12
अचलपुर	21।19	77।30	-20।0	+01।12	आसनमोल	23।42	87।20	+19।20	+40।32	कडी	23।18	72।20	-40।40	-19।28	करूड़वाड़ी	18।05	75।25	-28।20	-07।08
अजन्ता	20।36	75।36	-27।36	-06।24	इगतपुरी	19।42	73।35	-35।40	-14।22	कडोद	21।13	73।14	-37।04	-15।52	कुशलगढ़	23।08	74।27	-32।12	-11।00
अजमेर	26।27	74।40	-31।20	-10।08	इचलकरंजी	16।41	74।27	-32।12	-11।00	कटक	20।28	85।58	+13।36	+34।48	कूचबिहार	26।20	89।25	+27।40	+48।52
अनन्तपुर	14।40	77।35	-19।40	+01।32	इटारसी	22।37	77।46	-18।56	+02।16	कटनी	23।50	80।23	-08।28	+12।44	कृष्णा	16।25	77।19	-22।44	+00।28
अनन्तनाग	33।44	75।10	-29।20	-08।08	इटावा	26।47	79।02	-13।52	+07।20	कटोमण	23।28	72।14	-41।04	-19।52	केशरीयाजी	24।05	73।40	-35।20	-14।08
अमरेली	21।36	71।12	-45।12	-24।00	इटावा बीना	24।10	78।11	-17।16	+03।56	कोण्णूर	11।51	75।21	-28।36	-07।24	कोचीन	09।58	76।15	-25।00	-03।48
अमरावती	20।56	77।51	-18।36	+02।36	इन्द्रगढ़	25।44	76।12	-25।12	+04।00	कन्याकुमारी	08।04	77।36	-19।36	+01।36	कोटा	25।11	75।50	-26।40	-05।28
अमलनेर	21।03	75।03	-29।48	-08।36	इन्दौर	22।43	75।53	-26।28	+05।16	कन्नौज	27।02	79।58	-10।08	+10।56	कोटायम	09।05	76।32	-23।52	-02।40
अमृतसर	31।38	74।53	-30।28	-09।16	इलाहाबाद	25।28	81।52	-2।32	+12।40	कपडवंज	23।02	73।05	-37।40	-16।28	कोडाइकेनाल	10।14	77।28	-20।08	+01।04
अयोध्या	26।48	82।14	-01।04	+20।00	इलोरा	20।05	75।10	-29।20	-08।08	कपूरथला	31।22	75।22	-28।32	-07।20	कोल्हापुर	16।42	74।13	-33।08	-11।56
अलवर	27।34	76।38	-23।28	-02।16	ईडर	23।50	73।00	-38।00	-16।48	करजत	18।55	73।20	-36।40	-15।22	कोन्नूर	11।20	76।48	-22।48	-01।36
अल्लेपि	09।30	76।22	-24।32	-03।20	उज्जैन	23।11	75।43	-27।08	-05।56	करमाला	18।24	75।12	-29।12	-08।00	क्वीलोन	08।53	76।38	-23।28	-02।16
अलमोड़ा	29।37	79।40	-11।20	+09।52	उधना	21।12	72।54	-38।24	-17।12	कर्णूल	15।50	78।03	-17।48	+03।24	कच्छभुज	23।15	79।40	-51।20	-30।08
अलीबाग	18।39	72।50	-38।40	-17।36	उमरखेड	19।36	77।41	-19।16	+01।56	करनाल	29।42	77।02	-21।52	-00।40	कांगड़ा	32।09	76।18	-24।48	-03।36
अलीगढ़	27।54	78।05	-17।40	+03।28	उटकमंड	11।17	76।44	-23।04	-01।52	करमसद	22।34	72।54	-38।24	-17।12	कालाबाग पा.	32।58	71।36	-43।36	-22।24
अहमदनगर	19।05	74।44	-31।04	-09।52	उदयपुर मेवा.	24।35	73।42	-35।12	-14।00	करीमनगर	18।28	79।06	-13।36	+07।36	काबुल अफ.	24।27	69।06	-53।36	-32।24
अहमदाबाद	23।02	72।37	-39।32	-18।28	उन्नाव	26।33	80।30	-80।00	+13।04	कलकत्ता	22।35	88।23	+23।32	+44।44	काशी	25।20	83।00	+02।00	+23।12
अंबलीयासण	23।17	72।25	-40।20	-19।08	उम्बरगांव	20।12	72।44	-39।04	-17।52	कलोल	23।14	72।28	-40।08	-18।56	काडी लंका	07।20	80।45	-07।00	+14।12
आगरा	27।11	78।02	-17।52	+03।20	उमरकोट	22।47	74।50	-30।40	-09।28	कांचीपुरम्	12।50	79।43	-11।08	+10।04	कायमगंज	27।35	69।21	-12।36	+08।36
आगास	22।30	72।54	-38।24	-17।12	उमरेठ	22।42	73।08	-37।28	-16।16	काकीनाडा	16।59	82।13	-1।08	+20।04	किश्तवाड़	33।12	75।48	-26।48	-05।36
आजमगढ़	26।05	83।12	+02।48	+24।00	उल्लासनगर	19।13	73।07	-37।32	-16।20	कानपुर	26।27	80।21	-8।36	+12।36	कुरूक्षेत्र	29।58	76।48	-22।48	-01।36
आणंद	22।35	72।58	-38।08	-16।56	उस्मानाबाद	18।08	76।05	-21।40	-00।28	काठमांडू ने.	27।42	85।17	+11।08	+32।20	केम्बलपुर पा.	33।48	78।18	-40।48	-19।36
आदिलाबाद	19।40	78।31	-15।56	+05।16	ऊधमपुर	32।55	75।07	-29।32	-08।20	कानानोर	11।52	75।25	-28।20	-07।08	कोलम्बो	06।56	79।56	-10।26	+10।46
आदोनी	15।34	77।18	-20।48	+00।24	उडीपी	13।21	74।45	-31।00	-09।48	कामटी	21।10	79।12	-13।12	+08।00	खंडवा	21।50	76।20	-24।40	-03।28
आबू	24।37	72।43	-39।08	-17।36	ऊंझा	23।47	72।24	-40।24	-19।12	कारंजा	20।29	77।29	-20।04	+01।08	खंडाला	18।45	73।22	-36।32	-15।20
आमोद	22।00	72।53	-38।28	-17।16	एकलिंगजी	24।46	73।43	-35।08	-13।56	कारबार	14।48	74।08	-33।28	-12।16	खंभात	22।19	72।36	-79।36	-18।24
आरकोणम	13।06	79।41	-11।16	+09।56	एटाकासगंज	27।35	78।41	-15।16	+05।56	कालपी	26।08	79।45	-11।00	+10।12	खंभालिया	22।12	69।40	-51।20	-30।08

देशान्तर=दिल्ली से पूर्व+पश्चिम−अन्तर

अक्षांशादि सारिणी

स्टैण्डर्ड अन्तर-स्थानीय टाइम और स्टैण्डर्ड टाइम का अन्तर

नगर नाम	उत्तर अक्षांश अं.कं.	पूर्व रेखांश अं.कं.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.सै.	देशान्तर मि. सै.	नगर नाम	उत्तर अक्षांश अं.कं.	पूर्व रेखांश अं.कं.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.सै.	देशान्तर मि. सै.	नगर नाम	उत्तर अक्षांश अं.कं.	पूर्व रेखांश अं.कं.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.सै.	देशान्तर मि. सै.	नगर नाम	उत्तर अक्षांश अं.कं.	पूर्व रेखांश अं.कं.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.सै.	देशान्तर मि. सै.
खड़गपुर	22 120	87 119	+19 116	+40 128	जूनागढ़	21 131	70 136	-47 136	-26 124	पानीपत	29 127	76 158	-22 108	-00 156	मैसूर स्टेट	12 119	76 140	-23 120	-02 108
खाराघोड़ा	23 110	71 142	-43 112	-22 100	झालावाड़	24 136	74 109	-33 124	-12 112	पुरणिया	25 149	87 131	+20 14	+41 116	मुंगेर	25 123	86 130	+16 100	+37 112
खुर्जा	28 114	77 151	-18 136	+02 136	झांसी	25 126	78 134	-15 144	+05 120	पूना	18 130	73 152	-34 132	-13 120	रतलांम	23 119	75 103	-29 148	-08 136
खेडब्रह्मा	24 103	73 104	-37 144	-18 132	झालरापाटन	24 132	76 112	-25 112	-04 100	पोरबन्दर	21 138	69 136	-51 136	-30 124	रत्नागिरी	17 100	73 119	-36 144	-15 132
खेडा	22 145	72 140	-37 120	-18 108	ट्रावनकोर	09 100	77 100	-22 100	-00 148	फतेहपुर	27 106	77 140	-19 120	+01 152	रांची, रामगढ़	23 120	85 120	+11 120	+32 132
खेरालु	23 154	72 138	-37 128	-18 116	टोंक (राज.)	26 111	75 150	-26 140	-05 128	फर्रूखाबाद	27 103	79 137	-11 132	+09 140	रामपुर उ.प्र.	28 147	79 102	-13 152	+07 120
खैरपुर	27 128	68 147	-54 152	-23 140	डलहौजी	32 130	75 154	-26 124	-05 112	फरीदकोट	30 140	74 145	-31 100	-09 142	रामेश्वर	09 117	79 118	-12 148	+08 124
गया	24 148	85 101	+10 104	+31 116	डिबाई	28 112	78 115	-17 100	+04 112	फिरोजपुर	30 157	74 136	-31 136	-10 124	रायबरेली	26 114	81 113	-05 108	+16 104
ग्वालियर	26 114	78 110	-17 120	+03 152	डिब्रूगढ़	27 129	94 156	+49 144	+70 156	फैजाबाद	26 147	82 108	-01 128	+19 144	राजमहेन्द्री	17 105	81 148	-02 148	+18 124
गाजीपुर	25 136	83 135	+04 122	+25 134	डूंगरपुर (राज.)	23 150	73 143	-35 108	-13 156	बड़ौदा	22 118	73 113	-37 108	-15 156	रायपुर म.प्र.	21 115	81 138	-03 128	+17 144
गिद्धौर	24 151	86 107	+14 128	+35 140	तलागंग	32 156	72 128	-40 108	-18 156	बम्बई	18 155	72 150	-38 140	-17 128	रोहतक	28 154	76 138	-23 128	-02 116
गिलगित्त	35 154	74 122	-32 133	-11 121	त्रिवेन्द्रम	08 130	76 157	-22 112	-01 100	बरेली	28 122	79 124	-12 124	+08 142	रोपड़ पंजाब	30 157	76 130	-24 100	-02 148
गुरुदासपुर	32 103	75 127	-18 112	-07 100	त्रिचनापल्ली	10 150	78 142	-15 112	+06 100	बद्रीनाथ	30 144	79 130	-12 100	+09 112	लखनऊ	26 151	80 159	-06 120	+14 152
गोरखपुर	26 147	83 124	+03 136	+24 148	दरभंगा	26 110	85 155	+13 140	+34 152	बर्धमान	23 116	87 152	+21 128	+42 140	लुधियाना	30 156	75 152	-26 132	-05 120
गोण्डा	27 110	81 157	-02 112	+19 100	द्वारका	22 116	68 157	-54 112	-42 100	बुलन्दशहर	28 124	77 151	-18 136	+02 136	शिलांग	25 134	91 154	+37 136	+58 148
गोवा	15 125	73 147	-34 152	-13 140	दार्जिलिंग	27 103	88 116	+23 104	+44 116	बीजापुर	16 150	75 142	-27 112	-06 100	शाहजहांपुर	27 154	79 157	-10 112	+11 100
गोहाटी	26 111	91 145	+37 100	-58 112	दिल्ली	28 138	77 112	-21 112	00 100	बीकानेर	28 101	73 119	-36 144	-15 132	शिमला	31 106	77 110	-21 120	-00 108
चित्तौड़गढ़	24 154	74 142	-31 112	-10 100	देहरादून	30 119	78 104	-17 144	+03 128	बंगलौर	12 158	77 135	-19 140	+01 132	श्रीनगर का.	34 106	74 151	-30 136	-09 124
चित्रकूट	25 112	80 154	-06 124	+14 140	धर्मशाला	32 116	76 123	-24 128	-03 116	बांदा (उ.प्र.)	25 128	80 121	-08 136	+12 128	सवाईमाधोपुर	26 100	76 123	-24 128	-03 116
चेरापूंजी	25 116	91 145	+37 100	+58 112	धौलपुर	26 142	77 153	-18 128	+02 144	बांसवाड़ा	23 133	78 126	-16 116	+04 156	सिकन्दराबाद	17 127	78 133	-15 148	+05 124
चम्बा	32 125	76 110	-25 120	-04 108	धार (म.प्र.)	22 136	75 112	-29 112	-08 100	बिलासपुर (हि.)	31 119	76 150	-22 140	-09 128	सतारा	17 142	74 100	-34 100	-12 148
चण्डीगढ़	30 140	76 152	-22 132	-01 120	धूलिया	20 158	74 142	-31 112	-10 100	बिलासपुर (म.)	22 105	82 110	-01 120	+19 152	सागर म.प्र.	23 150	78 145	-15 100	+06 112
छतरपुर	24 155	79 136	-11 136	+09 136	धांगध्रा	23 100	71 128	-44 108	-22 156	भड़ौंच	21 141	73 100	-38 100	-16 148	सूरत	21 112	72 150	-38 140	-17 128
छपरा बिहार	25 147	84 141	+08 144	+29 156	नसीराबाद	26 118	74 146	-36 150	-15 138	भटिण्डा	30 111	74 157	-30 112	-09 100	सोलन	30 155	77 109	-21 124	-00 112
छिबरा मऊ	27 110	79 129	-12 104	+09 108	नाडियाद	22 141	72 152	-38 132	-17 120	भरतपुर	27 115	77 130	-20 100	-08 148	सोलापुर	17 140	75 148	-26 148	-05 126
जगन्नाथपुरी	19 148	85 150	+13 120	+34 132	नाथद्वारा	24 156	73 148	-34 148	-13 126	भुवनेश्वर	20 128	85 154	+13 136	+34 148	सोमनाथ	21 101	70 126	-48 116	-27 104
जम्बलपुर	23 110	79 158	-10 108	+11 104	नाभा	30 122	76 110	-25 120	-04 108	भोपाल	23 116	77 123	-20 128	+00 144	सिरोही	24 156	72 151	-38 136	-17 124
जयपुर	26 155	75 150	-26 140	-05 122	नागपुर	21 109	79 106	-13 136	+07 136	भूटान	27 130	90 100	+30 100	+51 112	हरिद्वार	29 158	78 113	-17 108	+04 104
जलपायी गुडी	26 132	88 146	+25 104	+46 116	नासिक	20 100	73 147	-34 152	-13 140	भुज	23 115	69 100	-51 116	-30 112	हिसार	29 114	75 144	-27 108	-05 136
जम्मू	32 144	74 154	-30 124	-09 112	नैनीताल	29 125	79 127	-12 112	+09 100	मथुरा	27 128	77 141	-19 116	+1 156	हाथरस	27 136	78 106	-17 136	+03 136
जसवन्त नगर	26 151	78 155	-14 120	+06 152	नीमच	24 128	74 151	-30 136	-00 124	मद्रास	13 105	80 117	-08 152	+12 112	हैदराबाद	17 127	78 130	-16 100	+05 112
जालन्धर	31 119	75 135	-27 140	-06 128	पटना	25 137	85 113	+10 152	+31 156	मण्डी (हि.प्र.)	31 143	76 158	-22 108	-00 156	होशियारपुर	31 132	75 155	-26 120	-05 108
जामनगर	22 127	70 105	-49 140	-28 122	पठानकोट	32 118	75 142	-27 112	-06 100	मणिपुर स्टेट	24 120	93 158	+45 152	+67 104	होशंगाबाद	22 146	77 143	-19 108	+02 104
जैसलमेर	26 155	70 157	-46 112	-25 108	पटियाला	30 122	76 125	-24 120	-03 108	मालेगांव ना.	20 131	74 130	-32 100	-10 148	हथुवा	26 112	84 105	+06 120	+27 132
जोधपुर	26 118	73 102	-37 152	-16 140	प्रयागराज	25 125	81 153	-02 128	+18 144	मुरादाबाद	28 150	78 150	-14 140	+06 132	हरदोई	27 123	80 110	+09 120	+30 132
जौनपुर	25 146	82 153	+00 152	+22 104	पाटन (गुज.)	17 122	73 153	-34 128	-13 126	मुजफ्फरपुर	26 107	85 127	+11 142	+32 154	हाजीपुर	25 135	83 111	+01 144	+22 156
जींद	29 119	76 123	-24 128	-03 116	पाण्डेचेरी	11 156	79 148	-10 148	+10 124	मेरठ	29 101	77 145	-19 100	+02 112	हाजारीबाग	24 100	85 123	+11 132	+32 144

दिल्ली अक्षांश 28°38' की 23°45' अयनांशीय निरयन लग्न सारणी उपकरण: सांपातिक काल

घं. / मि.	0			2			4			6			8			10		
	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.
0	2	18	31	3	14	14	4	9	57	5	6	15	6	2	33	6	28	16
4		19	23		15	5		10	50		7	8		3	25	6	29	7
8		20	16		15	56		11	42		8	0		4	17	6	29	58
12		21	8		16	47		12	34		8	53		5	9	7	0	49
16		22	0		17	38		13	26		9	47		6	1	7	1	40
20	2	22	52	3	18	29	4	14	19	5	10	40	6	6	53	7	2	31
24		23	44		19	20		15	11		11	32		7	44		3	22
28		24	36		20	11		16	3		12	25		8	36		4	13
32		25	28		21	2		16	55		13	18		9	28		5	4
36		26	20		21	53		17	48		14	10		10	20		5	55
40	2	27	11	2	22	44	4	18	40	5	15	3	6	11	11	7	6	46
44		28	3		23	36		19	33		15	56		12	3		7	37
48		28	54		24	27		20	25		16	49		12	55		8	29
52	2	29	46		25	19		21	18		17	42		13	46		9	20
56	3	0	37		26	10		22	11		18	34		14	37		10	11

घं. / मि.	12			14			16			18			20			22		
	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.	रा.	अ.	क.
0	7	23	59	8	21	49	9	25	20	11	6	15	0	17	10	1	20	41
4		24	52		22	50		26	36		7	41		18	25		21	40
8		25	45		23	50		27	52		9	6		19	39		22	40
12		26	38		24	51		29	8		10	32		20	52		23	39
16		27	31		25	53	10	0	25		11	58		22	5		24	38
20	7	28	24	8	26	55	10	1	42	11	13	23	0	23	18	1	25	36
24		29	17		27	57		3	0		14	49		24	30		26	34
28	8	0	11		28	59		4	19		16	13		25	41		27	32
32		1	4	9	0	2		5	38		17	38		26	51		28	30
36	8	1	58		1	6		6	58		19	3		28	2	1	29	27
40	8	2	55	9	2	10	10	8	18	11	20	27	0	29	11	2	0	24
44		3	47		3	15		9	39		21	51	1	0	21		1	20
48		4	41		4	20		11	0		23	15		1	30		2	17
52		5	36		5	25		12	21		24	38		2	38		3	13
56		6	31		6	31		13	43		26	1		3	45		4	9

घं. / मि.	1			3			5			7			9			11		
0	3	1	28	3	27	1	4	23	3	5	19	27	6	15	29	7	11	2
4		2	19		27	53		23	56		20	19		16	20		11	53
8		3	10		28	44		24	48		21	12		17	11		12	44
12		4	1		29	35		25	41		22	5		18	3		13	36
16		4	53	4	0	27		26	34		22	57		18	54		14	27
20	3	5	44	4	1	19	4	27	27	5	23	50	6	19	46	7	15	19
24		6	35		2	10		28	20		24	42		20	37		16	10
28		7	26		3	2	4	29	12		25	35		21	28		17	2
32		8	17		3	54	5	0	5		26	27		22	19		17	54
36		9	8		4	46	5	0	58		27	19		23	10		18	46
40	3	9	59	4	5	37	5	1	50	5	28	11	6	24	1	7	19	38
44		10	50		6	29		2	43	5	29	4		24	52		20	30
48		11	41		7	21		3	37	5	29	56		25	43		21	22
52		12	32		8	13		4	30	6	0	48		26	34		22	14
56	3	13	23	4	9	15	5	5	22	6	1	40	6	27	25		23	7

घं. / मि.	13			15			17			19			21			23		
0	8	7	26	9	7	38	10	15	6	11	27	24	1	4	52	2	5	4
4		8	21		8	45		16	29		28	47		5	59		5	59
8		9	17		9	52		17	52	0	0	9		6	5		6	54
12		10	13		11	0		19	15		1	30		7	10		7	49
16		11	10		12	9		20	39		2	51		9	15		8	43
20	8	12	6	9	13	19	10	22	3	0	4	12	1	10	20	2	9	38
24		13	3		14	28		23	27		5	32		11	24		10	32
28		14	0		15	39		24	52		6	52		12	30		11	26
32		14	58		16	49		26	17	0	8	11		13	30		12	19
36		15	56		18	0		27	42		9	29		14	33		13	13
40	8	16	54	9	19	12	10	29	7		10	47	1	15	35	2	14	6
44		17	52		20	25	11	0	32		12	5		16	37		14	59
48		18	51		21	38		1	58		13	22		17	39		15	42
52		19	50		22	51		3	54		14	38		18	40		16	45
56	8	20	50	9	24	5	11	4	49	0	15	54	1	19	40	2	17	38

कलकत्ता अक्षांश 22°35' की 23°45' अयनांशीय निरयन लग्न सारणी उपकरणः सांपातिक काल

(बिलासपुर 22°5', द्वारका 22°16', बड़ौदा 22°18', राजकोट 22°18', जामनगर 22°27', खड़गपुर 22°30', आनन्द 22°34', इटारसी 22°36', नड़ियाद 22°49' आदि स्थानों के लिए भी इस लग्न सारणी का प्रयोग किया जा सकता है।

मि. \ घं.	0	2	4	6	8	10	12	14	16	18	20	22
0	2 15 39	3 12 2	4 8 44	5 6 15	6 3 46	7 0 28	7 26 51	8 24 57	9 27 46	11 6 15	0 14 44	1 17 33
4	16 33	12 54	9 38	7 10	4 40	1 21	27 45	25 57	28 58	7 35	15 56	18 33
8	17 26	13 47	10 33	8 5	5 34	2 13	28 39	26 58	29 11	8 55	17 7	19 32
12	18 19	14 40	11 27	9 1	6 28	3 6	7 29 32	27 58	10 1 23	10 14	18 17	20 31
16	19 13	15 33	12 22	9 55	7 22	3 58	8 0 26	8 28 59	2 37	11 34	19 28	21 30
20	2 20 6	3 16 26	4 13 17	5 10 52	6 8 17	7 4 51	8 1 21	9 0 0	10 3 51	11 12 53	0 20 38	1 22 29
24	20 59	17 19	14 11	11 47	9 11	5 44	2 15	1 2	5 6	14 13	21 48	23 27
28	21 52	18 12	15 6	12 43	10 4	6 36	3 9	2 5	6 20	15 32	22 57	24 25
32	22 44	19 4	16 1	13 38	10 58	7 29	4 4	3 7	7 35	16 51	24 6	25 22
36	23 37	19 57	16 56	14 34	11 52	8 21	4 59	4 10	8 50	18 11	25 14	26 20
40	2 24 30	3 20 50	4 17 51	5 15 29	6 12 46	7 9 14	8 5 53	5 14	10 10 6	11 19 30	0 26 22	1 27 17
44	25 23	21 43	18 56	16 24	13 40	10 6	6 48	6 17	11 22	20 48	27 29	28 14
48	26 16	22 36	19 40	17 19	14 33	10 59	7 44	7 21	12 38	22 7	28 36	1 29 11
52	27 9	23 30	20 35	18 14	15 27	11 51	8 39	8 26	13 55	23 24	0 29 43	2 0 7
56	28 1	24 23	21 30	19 10	16 21	12 43	9 35	9 30	15 12	24 42	1 0 49	1 4

मि. \ घं.	1	3	5	7	9	11	13	15	17	19	21	23
0	2 28 54	3 25 17	4 22 25	5 20 10	6 17 13	7 13 36	8 10 30	9 10 35	10 16 30	11 26 0	1 1 55	2 2 0
4	2 29 47	26 10	23 20	21 0	18 7	14 29	11 26	11 41	17 48	27 18	3 0	2 5
8	3 0 39	27 3	24 16	21 55	19 0	15 21	12 23	12 47	19 6	28 35	4 4	3 51
12	1 31	27 57	25 11	22 50	19 54	16 14	13 19	13 54	20 23	29 52	5 9	4 46
16	2 24	28 50	26 5	23 44	20 47	17 7	14 16	15 1	21 42	0 1 8	6 13	5 42
20	3 3 17	3 29 44	4 27 1	5 24 39	6 21 40	7 18 0	8 15 13	9 16 8	10 23 0	0 2 24	1 7 16	2 6 37
24	4 9	4 0 38	27 56	25 34	22 33	18 53	16 10	17 16	24 19	3 40	8 20	7 31
28	5 1	1 32	28 52	26 29	23 26	19 46	17 8	18 24	25 39	4 55	9 23	8 26
32	5 54	2 26	4 29 47	27 24	24 18	20 38	18 5	19 33	26 58	6 10	10 25	9 21
36	6 46	3 19	5 0 43	28 19	25 11	21 31	19 3	20 42	28 17	7 24	11 27	10 15
40	3 7 39	4 4 13	5 1 38	5 29 13	6 26 3	7 22 24	8 20 1	9 21 52	10 29 37	0 8 39	1 12 29	2 11 9
44	8 32	5 8	2 33	6 0 8	26 57	23 17	21 0	23 2	11 0 56	9 53	13 31	12 3
48	9 24	6 2	3 29	1 3	27 50	24 11	22 59	24 13	2 16	11 7	14 32	12 57
52	10 17	6 56	4 25	1 57	28 43	25 4	23 58	25 23	3 35	12 19	15 32	13 51
56	3 11 9	4 7 50	5 5 20	6 2 52	6 29 36	7 25 57	8 23 57	26 34	11 4 55	0 13 32	1 16 33	2 14 45

अक्षांश 19^0 की 23^{0}45' अयनांशीय निरयन लग्न सारणी (मुम्बई अक्षांश 18^{0}58' के लिए) उपकरण: सांपातिक काल

मि. \ घं.	0			2			4			6		
0	2	14	3	3	10	46	4	8	1	5	6	15
4		14	57		11	40		8	57		7	12
8		15	51		12	34		9	53		8	9
12		16	45		13	27		10	49		9	6
16		17	39		14	23		11	45		10	3
20	2	18	32	3	15	15	4	12	41	5	10	59
24		19	26		16	9		13	37		11	56
28		20	19		17	2		14	33		12	53
32		21	13		17	56		15	29		13	50
36		22	6		18	50		16	25		14	47
40	2	23	0		19	44	4	17	21	5	15	43
44		23	53		20	39		18	17		16	40
48		24	47		21	33		19	14	2	17	37
52		25	40		22	27		20	10		18	34
56		26	33		23	21		21	7		19	30

मि. \ घं.	8			10			12			14		
0	6	4	29	7	1	44	7	28	27	8	26	38
4		5	24		2	37		29	21		27	38
8		6	20		3	31	8	0	15		28	38
12		7	15		4	24		1	9	8	29	38
16		8	10		5	17		2	4	9	0	29
20	6	9	6	7	6	11	8	2	58	9	1	40
24		10	1		7	5		3	53		2	41
28		10	56		7	57		4	48		3	43
32		11	51		8	51		5	43		4	45
36		12	46		9	44		6	38		5	57
40	6	13	41	7	10	37	8	7	33	9	6	50
44		14	36		11	31		8	58		7	53
48		15	30		12	24		9	24		8	56
52		16	25		13	17		10	11		10	0
56		17	20		14	10		11	15		11	4

मि. \ घं.	16			18			20			22		
0	9	29	0	11	6	15	0	13	30	1	15	52
4	10	0	10		7	32		14	40		16	52
8		1	21		8	49		15	50		17	51
12		2	32		10	6		16	59		18	50
16		3	44		11	22		18	8		19	49
20	10	4	56	11	12	39	0	19	17	1	20	47
24		6	8		13	56		20	25		21	45
28	10	7	30		15	12		21	33		22	43
32		8	33		16	28		22	40		23	41
36		9	46		17	45		23	47		24	39
40	10	11	0	11	19	1	0	24	54	1	25	36
44		12	14		20	17		26	0		26	33
48		13	28		21	33		27	6		27	30
52		14	42		22	48		28	12		28	26
56		15	57		24	3	0	29	10	1	29	23

मि. \ घं.	1			3			5			7		
0	2	27	26	3	24	16	4	22	3	5	20	27
4		28	20		25	10		23	0		21	23
8	2	29	13		26	5		23	56		22	20
12	3	0	6		27	0		24	53		23	16
16	3	0	59		27	54		25	50		24	13
20	3	1	53	3	28	49	4	26	47	5	25	9
24		2	46		29	44		27	43		26	5
28		3	39	4	0	39		28	40		27	1
32		4	33		1	34	4	29	37		27	57
36		5	26		2	29	5	0	34		28	53
40	3	6	19	4	3	24	5	1	31	5	29	49
44		7	13		4	20		2	27	6	0	45
48		8	6		5	15		3	24		1	41
52		8	59		6	10		4	21		2	37
56	3	9	53	4	7	6	5	5	18	6	3	33

मि. \ घं.	9			11			13			15		
0	6	18	14	7	15	4	8	12	11	9	12	8
4		19	9		15	57		13	7		13	13
8		20	3		16	50		14	4		14	18
12		20	57		17	43		15	0		15	24
16		21	51		18	37		15	57		16	30
20	6	22	46	7	19	30	8	16	54	9	17	36
24		23	40		20	24		17	51		18	43
28		24	34		21	17		18	49		19	50
32		25	28		22	11		19	47		20	57
36		26	21		23	4		20	45		22	5
40	6	27	15	7	23	58	8	21	43	9	23	13
44		28	9		24	51		22	41		24	22
48		28	3		25	45		23	40		25	31
52	6	29	55		26	39		24	39		26	40
56	7	0	50	7	27	33	8	25	38	9	27	50

मि. \ घं.	17			19			21			23		
0	10	17	11	11	25	18	1	0	22	2	0	19
4		18	27		26	33		1	26		1	15
8		19	42		27	48		2	30		2	11
12		20	57	11	29	2		3	34		3	6
16		22	13	0	0	16		4	37		4	2
20	10	23	29	0	1	30	1	5	40	2	4	57
24		24	45		2	44		6	43		5	52
28		26	2		3	57		7	45		6	47
32		27	18		5	10		8	47		7	42
36		28	34		6	22		9	49		8	37
40	10	29	51	0	7	34	1	10	50	2	9	32
44	11	1	8		8	46		11	51		10	26
48		2	24		9	58		12	52		11	22
52		3	41		11	9		13	52		12	15
56	11	4	58	0	12	20	1	14	52	2	13	9

अक्षांश 25°23' की 23°45' अयनांशीय निरयन लग्न सारणी उपकरण: सांपातिक काल

(वाराणसी 25°19', हैदराबाद (सिंध) 25°22' प्रयाग 25°25', झांसी 25°27' आदि स्थानों के लिए)

मि. \ घं.	0	2	4	6	8	10	12	14	16	18	20	22
0	2 16 57	3 13 2	4 9 18	5 6 15	6 3 12	6 29 28	7 25 33	8 23 33	9 26 43	11 6 15	0 15 47	1 18 57
4	17 50	13 54	10 11	7 9	4 5	7 0 20	26 26	24 33	27 56	7 37	17 0	19 57
8	18 43	14 46	11 5	8 4	4 58	1 12	27 20	25 34	9 29 10	9 0	18 13	20 56
12	19 36	15 38	11 58	8 58	5 52	2 5	28 13	26 35	10 0 24	10 22	19 25	21 55
16	20 29	16 30	12 51	9 52	6 45	2 55	7 29 7	27 36	1 39	11 45	20 37	22 54
20	2 21 21	3 17 22	4 13 45	5 10 46	6 7 37	7 3 47	8 0 1	8 28 38	10 2 55	11 13 7	0 21 48	1 23 53
24	22 14	18 14	14 39	11 40	8 30	4 39	0 55	8 29 40	4 11	14 28	22 59	24 51
28	23 7	19 6	15 33	12 35	9 23	5 31	1 49	9 0 42	5 27	15 45	24 9	25 49
32	23 59	19 58	16 26	13 29	10 16	6 23	2 43	1 45	6 44	17 12	25 19	26 46
36	24 51	50 50	17 20	14 23	11 9	7 15	3 37	2 48	8 1	18 33	26 28	27 44
40	2 25 43	3 21 43	4 18 13	5 15 17	6 12 2	7 8 7	8 4 22	9 3 52	10 9 19	11 19 55	0 27 37	1 28 41
44	26 36	22 35	19 7	16 11	12 55	8 58	5 26	4 56	10 37	21 16	28 45	1 29 38
48	27 28	23 27	20 1	17 5	13 48	9 50	6 21	6 1	11 55	22 36	0 29 52	2 0 34
52	28 20	24 20	20 55	17 59	14 40	10 42	7 16	7 6	13 14	23 57	1 0 59	1 31
56	2 29 13	25 12	21 49	18 53	15 33	11 34	8 12	8 11	14 33	25 17	2 6	2 27

मि. \ घं.	1	3	5	7	9	11	13	15	17	19	21	23
0	3 0 4	3 26 5	4 22 43	5 19 47	6 16 25	7 12 26	9 7	9 9 17	10 15 53	11 26 37	1 3 13	2 3 23
4	0 56	26 57	23 37	20 41	17 18	13 18	10 3	10 24	17 13	27 57	4 19	4 18
8	1 48	27 50	24 31	21 35	18 10	14 10	10 59	11 31	18 33	11 29 16	5 24	5 14
12	2 40	28 42	25 25	22 29	19 3	15 2	11 56	12 38	19 54	0 0 35	6 29	6 9
16	3 32	3 29 35	26 19	23 23	19 55	15 54	12 52	13 45	21 14	1 53	7 34	7 4
20	3 4 23	4 0 28	4 27 13	5 24 17	6 20 47	7 16 47	13 49	9 14 53	10 22 35	0 3 11	1 8 38	2 7 58
24	5 15	1 21	28 7	25 10	21 40	17 39	14 46	16 2	23 57	4 29	9 45	8 53
28	6 07	2 14	29 1	26 5	22 32	18 31	15 44	17 11	25 18	5 46	10 45	9 47
32	6 59	3 7	4 29 55	26 57	23 24	19 23	16 41	18 21	26 40	7 3	11 48	10 41
36	7 51	4 0	5 0 50	27 51	24 16	20 16	17 39	19 31	28 2	8 19	12 50	19 35
40	3 8 43	4 4 53	5 1 44	5 28 45	6 25 8	7 21 9	18 37	9 20 42	10 29 24	0 9 35	1 13 52	2 12 29
44	9 35	5 45	2 38	5 29 39	26 0	22 1	19 36	21 53	11 0 46	10 51	14 54	13 23
48	10 26	6 38	3 32	6 0 32	26 52	22 54	20 35	23 5	2 8	12 6	15 55	14 17
52	11 18	7 32	4 26	1 25	27 44	23 47	21 34	24 17	3 30	13 20	16 56	15 10
56	3 12 10	4 8 25	5 5 21	6 2 19	6 28 35	7 24 40	8 22 33	9 25 30	11 4 53	0 14 34	1 17 57	2 16 4

सर्वत्रोपयोगी 23°45' निरयन दशम सारणी उपकरण: सांपातिक काल

मि. \ घं.	0			2			4			6			8			10		
0	11	6	15	0	8	26	1	8	20	2	6	15	3	4	10	4	4	4
4		7	20		9	28		9	18		7	10		5	7		5	7
8		8	26		10	31		10	15		8	5		6	5		6	9
12		9	31		11	23		11	12		8	0		7	2		7	12
16		10	37		12	34		12	9		9	55		8	0		8	15
20	11	11	42		13	36		13	5	2	10	50	3	8	58	4	9	18
24		12	47		14	38		14	2		11	45		9	56		10	22
28		13	52		15	39		14	58		12	41		10	54		11	25
32		14	58		16	40		15	55		13	36		11	53		12	29
36		16	3		17	41		16	51		14	31		12	52		13	33
40	11	17	8		18	42	1	17	47	2	15	26	3	13	50	4	14	37
44		18	13		19	42		18	43		16	22		14	49		15	41
48		19	18		20	43		19	39		17	17		15	48		16	45
52		20	23		21	43		20	35		18	13		16	48		17	49
56		21	27		22	43		21	31		19	8		17	47		18	54

मि. \ घं.	12			14			16			18			20			22		
0	5	6	15	6	8	26	7	8	20	8	6	15	9	4	10	10	4	5
4		7	20		9	28		9	18		7	10		5	7		5	7
8		8	26		10	31		10	12		8	5		6	4		6	8
12		9	31		11	33		11	12		9	0		7	2		7	12
16		10	37		12	34		12	9		9	55		8	0		8	15
20	5	11	42	6	13	36	7	13	5	0	10	50	9	8	58	10	9	18
24		12	47		14	38		14	2		11	45		9	56		10	22
28		13	52		15	39		14	58		12	41		10	54		11	25
32		14	58		16	40		15	55		13	36		11	53		12	29
36		16	3		17	41		16	51		14	31		12	52		13	33
40	5	17	8	6	18	42	7	17	47	8	15	26	9	13	50	10	14	37
44		18	13		19	42		18	43		16	22		14	49		15	41
48		19	18		20	43		19	39		17	17		15	48		16	45
52		20	23		21	43		20	35		18	13		16	48		17	49
56		21	27	6	22	43		21	31		19	8		17	47		18	54

मि. \ घं.	1			3			5			7			9			11		
0	11	22	32	0	23	43	1	22	26	2	20	4	3	18	47	4	19	58
4		23	36		24	43		23	22		20	59		19	47		21	3
8		24	41		25	42		24	17		21	55		20	47		22	7
12		25	45		26	42		25	13		22	51		21	47		23	12
16		26	49		27	41		26	8		23	47		22	48		24	17
20	11	27	53	0	28	40		27	4	2	24	43	3	23	48	4	25	22
24	11	28	57	0	29	40		27	59		25	39		24	49		26	27
28	0	0	1	1	0	37		28	54		26	35		25	50		27	32
32		1	5		1	36	1	29	49		27	32		26	51		28	38
36		2	8		2	34	2	0	45		28	28		27	52	4	29	43
40	0	3	12		3	32	2	1	40	2	29	25	3	28	54	5	0	48
44		4	15		4	30		2	35	3	0	21	3	29	56		1	53
48		5	18		5	28		3	30		1	18	4	0	57		2	59
52		6	21		6	26		4	25		2	15		1	59		4	04
56	0	7	23	1	7	23	2	5	20	3	3	12	4	3	2	5	5	10

मि. \ घं.	13			15			17			19			21			23		
0	5	22	32	6	23	43	7	22	26	8	20	4	9	18	47	10	19	58
4		23	36		24	43		23	22		20	59		19	47		21	3
8		24	41		25	42		24	17		21	55		20	47		22	7
12		25	45		26	42		25	13		22	51		21	47		23	12
16		26	49		27	41		26	8		23	47		22	48		24	17
20	5	27	53	6	28	40	7	27	4	8	24	43	9	23	48	10	25	22
24	5	28	57	6	29	38		27	59		25	39		24	49		26	27
28	6	0	1	7	0	37		28	54		26	35		25	50		27	32
32		1	5		1	36	7	29	49		27	32		26	51		28	38
36		2	8		2	34	8	0	45		28	28		27	52	10	29	43
40	6	3	12	7	3	32	8	1	40	8	29	25		28	54	11	0	48
44		4	15		4	30		2	35	9	0	21	9	29	56		1	53
48		5	18		5	28		3	30		1	18	10	0	57		2	59
52		6	21		6	26		4	25		2	15		1	48		4	4
56	6	7	23	7	7	23	8	5	20	9	3	12	10	3	2	11	5	10

दैनिक लग्न सारिणी से लग्न ज्ञान

श्रीविश्वविजय पंचांग से भारत-भर में अक्षांश 8 से 35 तक के किसी भी नगर, ग्राम का लग्न समाप्तिकाल भा.स्टै.टा. से जानने की सरल विधि (सारणी) उदाहरण सहित मेरे परम स्नेही पंचांगकार कर्मठ विद्वान् स्व० पीताम्बरदत्तजी ज्योतिषाचार्य के सुपुत्र श्री विनोद ज्यो. एम. एस. सी. ने परिश्रमपूर्वक भेजी। वह पाठकों के लाभार्थ यहां प्रकाशित की जा रही है।

सम्पादक

श्री विश्वविजय पंचांग का दैनिक लग्न सारिणी परिवर्तन कोष्ठक

लग्न / अक्षांश	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
8	+32	+41	+36	+23	+4	-15	-32	-41	-36	-23	-4	+15
9	+30	+38	+35	+22	+4	-15	-30	-39	-35	-22	-4	+15
10	+29	+37	+33	+21	+4	-14	-29	-37	-33	-21	-4	+14
11	+28	+35	+31	+20	+4	-14	-28	-35	-31	-20	-4	+14
12	+26	+33	+30	+16	+4	-13	-26	-33	-30	-19	-4	+13
13	+25	+32	+28	+18	+3	-12	-25	-32	-28	-18	-3	+12
14	+23	+30	+27	+17	+3	-12	-23	-30	-27	-17	-3	+12
15	+22	+28	+25	+16	+3	-11	-22	-28	-25	-16	-3	+11
16	+21	+24	+23	+15	+3	-10	-21	-26	-23	-15	-3	+10
17	+19	+24	+21	+14	+3	-9	-19	-24	-21	-14	-3	+9
18	+18	+22	+20	+13	+2	-9	-18	-23	-20	-13	-2	+9
19	+16	+20	+18	+12	+2	-8	-16	-21	-18	-12	-2	+8
20	+15	+18	+16	+11	+2	-7	-15	-19	-16	-11	-2	+7
21	+13	+16	+14	+10	+2	-6	-13	-17	-14	-10	-2	+6
22	+12	+14	+12	+8	+2	-5	-12	-15	-12	-9	-2	+5
23	+10	+12	+10	+7	+1	-5	-10	-12	-10	-7	-1	+5
24	+8	+10	+8	+6	+1	-4	-8	-10	-8	-6	-1	+4
25	+7	+8	+7	+5	+1	-3	-6	-8	-6	-5	-1	+3
26	+5	+5	+5	+3	+1	-2	-5	-6	-5	-4	-1	+2
27	+3	+3	+3	+2	+1	-1	-3	-4	-3	-3	-1	+1
28	+1	+1	+1	+1	0	-1	-1	-1	-1	-1	0	+1
29	0	-1	-1	-1	0	0	0	+1	+1	0	0	0
30	-2	-3	-3	-2	0	+1	+2	+3	+3	+1	0	-1
31	-4	-6	-5	-3	0	+2	+4	+6	+5	+2	0	-2
32	-6	-8	-8	-5	0	+3	+6	+8	+8	+4	0	-3
33	-8	-11	-10	-6	-1	+3	+8	+11	+10	+5	+1	-4
34	-10	-13	-13	-8	-1	+4	+10	+13	+13	+7	+1	-5
35	-12	-16	-15	-9	-1	+5	+12	+16	+15	+8	+1	-6

इस लग्न सारणी कोष्ठक का श्रीविश्वविजय पंचांग की दैनिक लग्न सारणी में चिह्नानुसार मिनटों का संस्कार करने से तथा अक्षांशादि सारणी पृष्ठ से इष्ट स्थान की चिह्न धन ऋण के विपरीत मिनटों का देशान्तर संस्कार करने से भारत के 8 से 35 अक्षांश तक के दैनिक लग्नों का समाप्ति काल जाना जा सकता है। उदाहरण द्वारा स्पष्ट करते हैं—

(1) 1 अप्रैल 1992 को कलकत्ता में मेष लग्न का समाप्ति काल जानना है? श्रीविश्वविजय पंचांग पृष्ठ 111 में कलकत्ता के अक्षांश 22/35 व देशान्तर मिनट + 44/44 है। लग्न परिवर्तन कोष्ठक में 22 अक्षांश के लिए मेष के नीचे +12 मिनट व 23 अक्षांश के नीचे +10 मिनट है। अत: अक्षांश 22/35 के लिए अनुमान से मिनट +11 संस्कार हुआ। पंचांग में पृष्ठ 78 पर 1/4/92 को मेष लग्न का समाप्ति काल घं. 8 मिनट 23 दिया है। इसमें +11 मिनट चिह्नानुसार युक्त करने पर 8/34 हुआ। इसमें देशान्तर +44/44 मिनट (इसे 45 मिनट मान लेना चाहिए) को धन चिह्न के विपरीत ऋण किया, तो 9 बजकर 49 मिनट पर कलकत्ता में 1/4/92 को मेष लग्न का समाप्ति काल आया।

(2) 1/8/92 को जयपुर में सिंह लग्न समाप्ति काल जानना है? पृष्ठ 112 में अक्षांश 26/55 (इसे 27/0 मानना चाहिए) वे देशान्तर -5 मिनट है। लग्न परिवर्तन कोष्ठक में 27 अक्षांश के सिंह लग्न का संस्कार +1 मिनट है। इसे पृष्ठ 80 के 1/8/92 के सिंह लग्न समाप्ति काल 9/13 में युक्त किया 9/14 हुआ। देशान्तर -5 मिनट को चिह्न के विपरीत धन किया 9/19 जयपुर में सिंह लग्न का समाप्ति काल हुआ।

नोट—इस उक्त प्रकार से प्राप्त लग्नों के समाप्ति कालों में स्थिर वार्षिक संस्कार करने से तथा अयन चलन संस्कार करने से सूक्ष्म लग्न समाप्ति काल आता है। यहां अयन चलन छोड़ दिया है। वार्षिक संस्कार ज्ञात करने के लिए सन् को 4 से विभाजित करें, जितना शेष बचे उसे मिनट लग्न समाप्ति काल में जोड़ दें। उदाहरण—सन् 1986 को 4 से विभाजित किया तो 2 शेष बचा, अत: 2 मिनट युक्त करने से सूक्ष्म लग्न समाप्ति काल आयेगा।

जिस ईस्वी सन् में 4 से विभाजित करने पर शून्य शेष आये, उस वर्ष 1 जनवरी से 28 फरवरी तक के लग्न समाप्ति कालों में 4 मिनट युक्त करें। 28 फरवरी के समय को ही 29 फरवरी का मानकर अन्य लग्न परिवर्तन संस्कार करें। उदाहरणार्थ—29 फरवरी 1980 को चण्डीगढ़ में मेष लग्न का परिवर्तन संस्कार -4 मिनट देशान्तर -1 मिनट है। अत: 28 फरवरी के समय 10/29 घण्टादि 29 फरवरी 1980 को चण्डीगढ़ में मेष लग्न समाप्ति काल आया।

इस सारणी के निर्माण में पर्याप्त सूक्ष्मता ली गयी है। तथापि सैकण्डों को छोड़ देने से समान चालन के कारण 1 मिनट की स्थूलता सम्भव है। इससे भारत के प्राय: सभी नगरों का पर्याप्त सूक्ष्म लग्न समाप्ति काल जाना जा सकता है। लगभग 300 स्थलों के देशान्तर श्रीविश्वविजय पंचांग के पृष्ठ 111 व 112 में दिये हुए हैं। उससे इतर स्थलों का देशान्तर जानने के लिए रेखांश 77/17 व इष्ट स्थल के रेखांशों का अन्तर करें। 4 मिनट के एक रेखांश (15 कला का 1 मिनट) के अनुपात से देशान्तर मिनट आ जाते हैं, यदि इष्ट स्थल के रेखांश 77/17 से कम हों, तो देशान्तर ऋण, यदि 77/17 से अधिक हों, तो + धन चिह्नयुक्त समझें, तब चिह्न के विपरीत देशान्तर संस्कार उदाहरणों के समान करें।

कोष्ठक 2 (क) सायन लग्न

सा. का.	0 अं. क.	5 अं. क.	10 अं. क.	15 अं. क.	20 अं. क.	25 अं. क.	30 अं. क.	सा. का.	0 अं. क.	5 अं. क.	10 अं. क.	15 अं. क.	20 अं. क.	25 अं. क.	30 अं. क.
00 100	090 100	092 100	094 101	096 105	098 115	100 131	102 156	12 100	270 100	268 101	265 159	263 155	261 146	259 129	257 104
00 120	094 135	096 134	098 134	100 137	102 143	104 156	107 116	12 120	274 135	272 136	270 134	268 128	266 118	263 157	261 127
00 140	099 111	101 119	103 107	105 107	107 110	109 118	111 134	12 140	279 111	277 112	275 110	273 104	270 151	268 128	265 155
01 100	103 147	105 144	107 140	109 136	111 136	113 129	115 149	13 100	283 149	281 151	279 150	277 142	275 129	273 105	270 127
01 120	108 128	110 121	112 113	114 106	116 101	117 159	120 103	13 120	288 128	286 132	284 132	282 126	280 112	277 146	275 107
01 140	113 110	115 100	116 148	118 137	120 126	122 119	124 116	13 140	293 110	291 116	289 119	287 114	285 100	282 135	279 153
02 100	117 155	119 141	121 125	123 108	124 152	126 139	128 129	14 100	297 155	296 105	294 110	292 108	289 155	287 130	284 149
02 120	122 143	124 124	126 103	127 149	129 120	130 159	132 142	14 120	302 143	300 158	299 106	297 107	294 158	292 135	289 154
02 140	127 135	129 111	130 145	132 116	133 148	135 121	136 156	14 140	307 135	305 155	304 109	302 114	300 109	297 149	295 110
03 100	132 132	134 102	135 128	136 153	138 110	139 143	141 110	15 100	312 132	310 158	309 117	307 128	305 128	303 114	300 139
03 120	137 133	138 156	140 115	141 133	142 150	144 107	145 125	15 120	317 133	316 106	314 133	312 151	310 158	308 149	306 121
03 140	142 139	143 154	145 105	146 115	147 123	148 132	149 142	15 140	322 139	321 120	319 155	318 121	316 136	314 137	312 117
04 100	147 149	148 155	149 158	150 159	151 158	152 158	153 159	16 100	327 149	326 139	325 123	323 159	322 125	320 137	318 129
04 120	153 104	154 100	154 153	155 145	156 136	157 126	158 117	16 120	333 103	332 103	330 158	329 154	328 123	326 148	324 155
04 140	158 122	159 108	159 151	160 133	161 114	161 155	162 136	16 140	338 122	337 132	336 139	335 139	334 130	333 111	331 136
05 100	163 143	164 118	164 151	165 123	165 154	166 125	166 157	17 100	343 143	343 105	342 124	341 138	340 145	339 143	338 129
05 120	169 107	169 131	169 153	170 115	170 136	170 156	171 117	17 120	349 107	348 142	348 114	347 142	347 106	346 124	345 133
05 140	174 133	174 145	174 156	175 107	175 118	175 128	175 139	17 140	354 133	354 120	354 106	353 150	353 132	353 111	352 144
06 100	180 100	180 100	180 100	180 100	180 100	180 100	180 100	18 100	000 100	000 100	000 100	000 100	000 100	000 100	000 100
06 120	185 127	185 115	185 104	185 153	184 142	184 132	184 122	18 120	005 127	005 140	005 154	006 110	006 128	006 150	007 116
06 140	190 153	190 129	190 107	189 145	189 124	189 104	188 143	18 140	010 153	011 118	011 146	012 118	012 154	013 136	014 127
07 100	196 117	195 142	195 109	194 137	194 106	199 135	193 104	19 100	016 117	016 155	017 136	018 122	019 115	020 117	021 133
07 120	201 138	200 152	200 109	199 117	198 146	198 105	197 124	19 120	021 138	022 128	023 122	024 122	025 130	026 149	028 125
07 140	206 157	206 100	205 107	204 115	203 124	202 134	201 143	19 140	026 157	027 157	029 102	030 115	031 137	033 112	035 107
08 100	212 111	211 105	210 102	209 101	208 102	207 102	206 101	20 100	032 111	033 121	034 137	036 101	037 135	039 133	041 131
08 120	217 121	216 107	214 155	213 146	212 137	211 128	210 118	20 120	037 121	038 140	040 106	041 139	043 124	045 123	047 143
08 140	222 127	221 104	219 145	218 127	217 111	215 153	214 135	20 140	042 127	043 153	045 127	047 109	049 103	051 111	053 139
09 100	227 128	225 158	224 132	223 107	221 142	220 117	218 150	21 100	047 128	049 102	050 143	052 132	054 132	056 147	059 121
09 120	232 125	230 149	229 116	227 144	226 112	224 140	223 104	21 120	052 125	054 105	055 151	057 146	059 151	062 111	064 150
09 140	237 117	235 136	233 157	232 119	230 141	229 101	227 118	21 140	057 117	059 103	060 154	062 153	065 102	067 125	070 106
10 100	242 106	240 119	238 135	236 152	235 108	233 121	231 131	22 100	062 106	063 155	065 150	067 153	070 105	072 130	075 112
10 120	246 150	245 100	243 112	241 123	239 134	237 141	235 144	22 120	066 150	068 144	070 141	072 146	075 100	077 126	080 107
10 140	251 132	249 139	247 147	245 154	243 159	242 101	239 157	22 140	071 132	073 128	075 128	077 134	079 149	082 114	084 154
11 100	256 111	254 116	252 120	250 124	248 124	246 121	244 112	23 100	076 111	078 109	080 110	082 117	084 131	086 156	089 133
11 120	260 149	258 151	256 153	254 153	252 150	250 142	248 127	23 120	080 149	082 148	084 150	086 156	089 110	091 132	094 106
11 140	265 125	263 126	261 126	259 124	257 117	255 105	252 144	23 140	085 125	087 124	086 126	091 132	093 194	096 103	098 133
								24 100	090 100	092 100	094 101	096 105	098 115	100 131	102 156

उत्तर अक्षांश

कोष्ठक 2 (ख) सायन लग्न

सा. का.	35 अं. क.	40 अं. क.	45 अं. क.	50 अं. क.	55 अं. क.	60 अं. क.	सा. का.	35 अं. क.	40 अं. क.	45 अं. क.	50 अं. क.	55 अं. क.	60 अं. क.
00 100	105 134	108 128	111 142	115 122	119 137	124 135	12 100	254 126	251 132	248 118	244 138	240 123	235 125
00 120	109 148	112 134	115 138	119 105	123 103	127 140	12 120	258 143	255 142	252 118	248 124	243 153	238 133
00 140	113 159	116 136	119 130	122 145	126 128	130 145	12 140	263 106	259 157	256 123	252 116	247 127	241 143
01 100	118 107	120 136	123 120	126 123	129 150	133 149	13 100	266 133	264 118	260 134	256 114	251 105	244 156
01 120	122 114	124 135	127 108	129 159	133 111	136 152	13 120	272 109	268 146	264 153	260 119	254 151	248 113
01 140	126 119	128 132	130 115	133 134	134 132	139 155	13 140	276 152	273 134	269 121	264 133	258 144	251 136
02 100	130 125	132 128	134 141	137 108	139 152	142 158	14 100	281 143	278 112	274 101	268 158	262 147	255 106
02 120	134 130	136 124	138 127	140 141	143 111	146 101	14 120	286 149	283 113	278 154	273 138	267 103	258 145
02 140	138 135	140 120	142 112	144 115	146 131	149 105	14 140	292 106	288 128	284 103	278 134	271 136	262 136
03 100	142 141	144 116	145 158	147 148	149 151	152 109	15 100	297 148	294 100	289 132	283 152	276 129	266 143
03 120	146 147	148 112	149 143	151 122	153 111	155 113	15 120	303 125	299 151	295 122	289 134	281 149	271 112
03 140	150 154	152 109	153 129	154 155	156 131	158 118	15 140	309 130	306 103	301 139	295 148	287 143	276 112
04 100	155 101	156 106	157 115	158 130	159 151	161 123	16 100	315 154	312 139	308 125	302 138	294 120	281 153
04 120	159 110	160 104	161 102	162 104	163 112	164 128	16 120	322 136	319 139	315 144	310 112	301 154	288 136
04 140	163 119	164 103	164 149	165 139	166 133	167 134	16 140	329 137	327 104	323 137	318 136	310 140	296 148
05 100	167 128	168 101	168 136	169 114	169 155	170 140	17 100	336 155	334 153	332 104	327 151	320 151	307 116
05 120	171 139	172 101	172 124	172 149	173 116	173 147	17 120	344 128	343 103	341 102	337 159	332 137	320 158
05 140	175 149	176 103	176 112	176 125	176 138	176 153	17 140	352 111	351 127	350 125	348 147	345 150	338 148
06 100	180 100	180 100	180 100	180 100	180 100	180 100	18 100	000 100	000 100	000 100	000 100	000 100	000 100
06 120	184 111	184 100	183 148	183 136	183 122	183 107	18 120	007 141	008 133	009 135	011 113	014 110	021 112
06 140	188 121	187 159	187 136	187 111	186 144	186 113	18 140	015 132	016 157	018 158	022 102	027 123	039 102
07 100	192 132	191 159	191 124	190 146	190 105	189 120	19 100	023 105	025 107	027 156	032 109	039 110	052 144
07 120	196 141	195 158	195 111	194 121	193 127	192 126	19 120	030 123	032 157	036 123	041 125	049 121	063 112
07 140	200 151	199 156	198 158	197 156	196 148	195 132	19 140	037 124	040 121	044 116	049 148	058 106	071 124
08 100	204 159	203 154	202 145	201 131	200 109	198 137	20 100	044 106	047 121	051 135	057 122	065 140	078 107
08 120	209 107	207 151	206 131	205 105	203 129	201 143	20 120	050 130	053 157	058 121	064 112	072 117	083 148
08 140	213 113	210 148	210 117	208 138	206 150	204 147	20 140	056 135	060 109	064 138	070 126	078 111	088 148
09 100	217 120	215 144	214 103	212 112	210 109	207 151	21 100	062 122	066 100	070 128	076 109	083 131	093 117
09 120	221 125	219 140	217 148	215 145	213 129	210 155	21 120	067 154	071 132	075 157	081 126	088 124	097 124
09 140	225 130	223 136	221 133	219 119	216 149	213 159	21 140	073 111	076 147	081 106	086 122	092 157	101 116
10 100	229 135	227 132	225 119	222 152	220 108	217 102	22 100	078 115	081 148	085 159	091 102	097 113	104 154
10 120	233 141	231 128	229 105	226 126	223 128	220 105	22 120	083 108	086 136	090 139	095 127	101 116	108 124
10 140	237 146	235 125	232 152	230 101	226 149	223 108	22 140	087 152	091 114	095 107	099 142	105 109	111 147
11 100	241 153	239 124	236 140	233 137	230 110	226 111	23 100	092 127	095 142	099 126	103 147	108 155	115 104
11 120	246 102	243 124	240 130	237 115	233 132	229 115	23 120	096 155	100 103	103 137	107 144	112 133	118 117
11 140	250 112	247 126	244 122	240 155	236 158	232 120	23 140	101 117	104 118	107 142	111 136	116 107	121 127
							24 100	105 134	108 128	111 142	115 122	119 133	124 135

षट् वर्ग सारणी चक्र

राशि	वर्ग	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
मार्ग		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
अंशादि		2	3	4	5	6	7	8	10	12	12	12	13	15	16	17	17	18	20	21	22	23	25	25	26	27	30
रा. चक्र		30	20	17	0	40	30	34	0	0	30	51	20	0	40	8	30	0	0	25	30	20	0	42	40	30	0
		0	0	8॥	0	0	0	17	0	0	0	26	0	0	0	34	0	0	0	43	0	0	0	51	0	0	0
	हो.	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
0	द्रे.	1	1	1	1	1	1	1	1	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	9	9	9	9	9	9	9	9
	स.	1	1	1	2	2	2	2	3	3	3	3	4	4	4	4	5	5	5	5	6	6	6	6	7	7	7
	न.	1	1	2	2	2	3	3	4	4	4	4	4	5	5	6	6	6	6	7	7	7	8	8	8	9	9
मे.	द्वा.	1	2	2	2	3	3	4	4	5	5	6	6	6	7	7	7	8	8	9	9	10	10	11	11	11	12
	त्रि.	1	1	1	1	11	11	11	9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7
	हो.	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
1	द्रे.	2	2	2	2	2	2	2	2	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	10	10	10	10	10	10	10	10
	स.	8	8	8	9	9	9	9	10	10	10	10	11	11	11	11	12	12	12	12	1	1	1	1	2	2	2
	न.	10	10	11	11	11	12	12	12	1	1	1	1	2	2	3	3	3	3	4	4	4	5	5	5	6	6
वृ.	द्वा.	2	3	3	3	4	4	5	5	6	6	7	7	7	8	8	8	9	9	10	10	11	11	12	12	12	1
	त्रि.	2	2	2	2	6	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8
	हो.	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
2	द्रे.	3	3	3	3	3	3	3	3	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	11	11	11	11	11	11	11	11
	स.	3	3	3	4	4	4	4	5	5	5	5	6	6	6	6	7	7	7	7	8	8	8	8	9	9	9
	न.	7	7	8	8	8	9	9	9	10	10	10	10	11	11	12	12	12	12	1	1	1	2	2	2	3	3
मि.	द्वा.	3	4	4	4	5	5	6	6	7	7	8	8	8	9	9	9	10	10	11	11	12	12	1	1	1	2
	त्रि.	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7
	हो.	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
3	द्रे.	4	4	4	4	4	4	4	4	8	8	8	8	8	8	8	8	8	8	12	12	12	12	12	12	12	12
	स.	10	10	10	11	11	11	11	12	12	12	12	1	1	1	9	2	2	2	2	3	3	3	3	4	4	4
	न.	4	4	5	5	5	6	6	6	7	7	7	7	8	8	9	9	9	9	10	10	10	11	11	11	12	12
क.	द्वा.	4	5	5	5	6	6	7	7	8	8	9	9	9	10	10	10	11	11	12	12	1	1	2	2	2	3
	त्रि.	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8
	हो.	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
4	द्रे.	5	5	5	5	5	5	5	5	9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	1	1	1	1	1	1	1	1
	स.	5	5	5	6	6	6	6	7	7	7	8	8	8	8	8	9	9	9	9	10	10	10	10	11	11	11
	न.	1	1	2	2	2	3	3	3	4	4	4	4	5	5	6	6	6	6	7	7	7	8	8	8	9	9
सि.	द्वा.	5	6	6	6	7	7	8	8	9	9	10	10	10	11	11	11	12	12	1	1	2	2	3	3	3	4
	त्रि.	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9	9	9	3	3	3	3	3	3	7	7	7	7
	हो.	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
5	द्रे.	6	6	6	6	6	6	6	6	10	10	10	10	10	10	10	10	10	10	2	2	2	2	2	2	2	2
	स.	12	12	12	1	1	1	2	2	2	2	3	3	3	3	3	4	4	4	4	5	5	5	5	6	6	6
	न.	10	10	11	11	11	12	12	12	1	1	1	1	2	2	3	3	3	3	4	4	4	5	5	5	6	6
कं.	द्वा.	6	7	7	7	8	8	9	9	10	10	11	11	11	12	12	12	1	1	2	2	3	3	4	4	4	5
	त्रि.	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8

राशि	वर्ग	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
		2	3	4	5	6	7	8	10	12	12	12	13	15	16	17	17	18	20	21	22	23	25	25	26	27	30
		30	20	17	0	40	30	34	0	0	30	51	20	0	40	8	30	0	0	25	30	20	0	41	40	30	0
		0	0	8॥	0	0	0	17	0	0	0	26	0	0	0	34	0	0	0	43	0	0	0	51	0	0	0
	हो.	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
6	द्रे.	7	7	7	7	7	7	7	7	11	11	11	11	11	11	11	11	11	11	3	3	3	3	3	3	3	3
	स.	7	7	7	8	8	8	8	9	9	9	9	10	10	10	10	11	11	11	11	12	12	12	12	1	1	1
	न.	7	7	8	8	8	9	9	9	10	10	10	10	11	11	12	12	12	12	1	1	1	2	2	2	3	3
तु.	द्वा.	7	8	8	8	9	9	10	10	11	11	12	12	12	1	1	1	2	2	3	3	4	4	5	5	5	6
	त्रि.	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7
	हो.	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
7	द्रे.	8	8	8	8	8	8	8	8	12	12	12	12	12	12	12	12	12	12	4	4	4	4	4	4	4	4
	स.	2	2	2	3	3	3	3	4	4	4	4	5	5	5	5	6	6	6	6	7	7	7	7	8	8	8
	न.	4	4	5	5	5	6	6	6	7	7	7	7	8	8	9	9	9	9	10	10	10	11	11	11	12	12
वृ.	द्वा.	8	9	9	9	10	10	11	11	12	12	1	1	1	2	2	2	3	3	4	4	5	5	6	6	6	7
	त्रि.	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8
	हो.	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
8	द्रे.	9	9	9	9	9	9	9	9	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	5	5	5	5	5	5	5	5
	स.	9	9	9	10	10	10	10	11	11	11	11	12	12	12	12	1	1	1	1	2	2	2	2	3	3	3
	न.	1	1	2	2	2	3	3	3	4	4	4	4	5	5	6	6	6	6	7	7	7	8	8	8	9	9
ध.	द्वा.	9	10	10	10	11	11	12	12	1	1	2	2	2	3	3	3	4	4	5	5	6	6	7	7	7	8
	त्रि.	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	9	9	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7
	हो.	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
9	द्रे.	10	10	10	10	10	10	10	10	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	6	6	6	6	6	6	6	6
	स.	4	4	4	5	5	5	5	6	6	6	6	7	7	7	7	8	8	8	8	9	9	9	9	10	10	10
	न.	10	10	11	11	11	12	12	12	1	1	1	1	2	2	3	3	3	3	4	4	4	5	5	5	6	6
म.	द्वा.	10	11	11	11	12	12	1	1	2	2	3	3	3	4	4	4	5	5	6	6	7	7	8	8	8	9
	त्रि.	2	2	2	2	6	6	6	6	6	12	12	12	12	12	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8
	हो.	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
10	द्रे.	11	11	11	11	11	11	11	11	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	7	7	7	7	7	7	7	7
	स.	11	11	11	12	12	12	12	1	1	1	1	2	2	2	2	3	3	3	3	4	4	4	4	4	5	5
	न.	7	7	8	8	8	9	9	9	10	10	10	10	11	11	12	12	12	12	1	1	1	2	2	2	3	3
कु.	द्वा.	11	12	12	12	1	1	2	2	3	3	4	4	4	5	5	5	6	6	7	7	8	8	9	9	9	10
	त्रि.	1	1	1	1	11	11	11	11	9	9	9	9	39	9	9	9	9	3	3	3	3	3	7	7	7	7
	हो.	4	4	4	4	4	4	4	4	4	[illegible]	4	4	4	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
11	द्रे.	12	12	12	12	12	12	12	12	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	8	8	8	8	8	8	8	8
	स.	6	6	6	7	7	7	7	8	[illegible]	8	8	9	9	9	9	10	10	10	10	11	11	11	11	11	12	12
	न.	4	4	5	5	5	6	6	6	7	7	7	7	8	8	9	9	9	9	10	10	10	11	11	11	12	12
मी.	द्वा.	12	1	1	1	2	2	3	3	4	4	5	5	5	6	6	6	7	7	8	8	9	9	10	10	10	11
	त्रि.	2	2	2	2	3	6	6	6	6	12	12	12	12	12	12	12	12	12	10	10	10	10	8	8	8	8

भारतीय कतिपय प्रसिद्ध नगरों के सूर्योदयास्त (भा. स्टै. टाइम)

तारीख	वाराणसी		मुम्बई		कोलकत्ता		गोहाटी		जयपुर		नागपुर		शिमला, सोलन		मद्रास		धर्मशाला, कांगड़ा		जम्मू (काश्मीर)	
	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.
जन. 1	06 147	17 115	07 115	18 109	06 120	16 159	06 114	16 139	07 119	17 141	06 154	17 139	07 121	17 128	06 135	17 150	07 128	17 128	07 133	17 134
6	06 149	17 119	07 117	18 112	06 122	17 103	06 114	16 142	07 119	17 144	06 154	17 143	07 122	17 132	06 137	17 153	07 128	17 132	07 134	17 137
11	06 149	17 122	07 118	18 115	06 122	17 106	06 114	16 146	07 119	17 148	06 154	17 146	07 122	17 136	06 138	17 156	07 129	17 137	07 134	17 141
16	06 149	17 126	07 118	18 118	06 122	17 110	06 114	16 149	07 119	17 154	06 153	17 149	07 121	17 141	06 139	17 157	07 128	17 141	07 133	17 146
21	06 149	17 130	07 118	18 122	06 122	17 113	06 113	16 153	07 119	17 157	06 153	17 152	07 120	17 145	06 139	18 101	07 126	17 145	07 132	17 151
26	06 147	17 133	07 118	18 124	06 121	17 116	06 113	16 157	07 118	18 101	06 153	17 155	07 118	17 149	06 139	18 103	07 124	17 149	07 130	17 156
31	06 145	17 137	07 117	18 128	06 120	17 120	06 112	17 101	07 116	18 105	06 152	17 159	07 116	17 154	06 139	18 106	07 122	17 154	07 127	18 100
फर. 5	06 143	17 141	07 115	18 130	06 118	17 123	06 109	17 105	07 113	18 109	06 152	18 102	07 114	17 158	06 138	18 108	07 119	17 159	07 124	18 105
10	06 140	17 144	07 113	18 133	06 115	17 126	06 102	17 108	07 110	18 113	06 151	18 105	07 111	18 102	06 137	18 110	07 115	18 104	07 120	18 110
15	06 137	17 148	07 111	18 135	06 112	17 129	06 103	17 112	07 106	18 116	06 148	18 108	07 107	18 106	06 135	18 111	07 111	18 108	07 116	18 114
20	06 133	17 151	07 108	18 137	06 109	17 132	05 159	17 115	07 102	18 119	06 145	18 110	07 102	18 110	06 133	18 113	07 106	18 112	07 111	18 118
25	06 129	17 154	07 105	18 139	06 105	17 134	05 155	17 118	06 158	18 122	06 141	18 113	06 156	18 114	06 131	18 114	07 100	18 116	07 106	18 122
मार्च 2	06 124	17 156	07 101	18 141	06 101	17 137	05 150	17 121	06 154	18 125	06 138	18 115	06 149	18 118	06 128	18 114	06 153	18 120	07 100	18 126
7	06 120	17 159	06 158	18 143	05 157	17 139	05 145	17 124	06 149	18 128	06 133	18 116	06 143	18 121	06 125	18 115	06 147	18 124	06 154	18 129
12	06 115	18 101	06 154	18 144	05 152	17 141	05 140	17 126	06 144	18 131	06 129	18 118	06 137	18 125	06 122	18 116	06 140	18 129	06 148	18 131
17	06 110	18 104	06 150	18 145	05 148	17 143	05 135	17 129	06 138	18 133	06 125	18 120	06 130	18 128	06 119	18 116	06 134	18 133	06 142	18 136
22	06 104	18 106	06 145	18 147	05 143	17 144	05 129	17 131	06 132	18 136	06 120	18 122	06 124	18 131	06 116	18 117	06 128	18 136	06 136	18 139
27	05 159	18 108	05 141	18 148	05 138	17 146	05 124	17 134	06 126	18 138	06 115	18 123	06 118	18 134	06 112	18 117	06 121	18 139	06 129	18 142
अप्रै. 1	05 154	18 110	05 137	18 149	05 133	17 148	05 118	17 136	06 120	18 141	06 111	18 125	06 112	18 138	06 109	18 117	06 115	18 142	06 123	18 146
6	05 149	18 113	05 133	18 150	05 129	17 150	05 113	17 138	06 115	18 144	06 106	18 126	06 106	18 141	06 106	18 118	06 108	18 145	06 117	18 150
11	05 143	18 115	05 129	18 151	05 124	17 152	05 108	17 141	06 111	18 147	06 102	18 128	06 101	18 145	06 102	18 118	06 102	18 149	06 111	18 153
16	05 139	18 117	05 125	18 153	05 120	17 153	05 103	17 143	06 106	18 149	05 158	18 129	05 155	18 148	05 159	18 118	05 156	18 152	06 105	18 156
21	05 134	18 119	05 121	18 154	05 115	17 155	04 158	17 145	06 101	18 151	05 154	18 131	05 149	18 151	05 157	18 119	05 150	18 156	05 159	18 159
26	05 130	18 122	05 118	18 155	05 112	17 157	04 154	17 148	05 156	18 154	05 150	18 133	05 144	18 154	05 154	18 120	05 145	18 159	05 153	19 103
मई 1	05 126	18 124	05 115	18 157	05 108	17 159	04 150	17 150	05 152	18 157	05 147	18 135	05 139	18 158	05 152	18 121	05 140	19 102	05 148	19 106
6	05 122	18 127	05 112	18 159	05 105	18 102	04 146	17 153	05 148	18 159	05 144	18 137	05 135	19 101	05 150	18 122	05 136	19 106	05 143	19 109
11	05 119	18 129	05 110	19 100	05 102	18 104	04 143	17 156	05 145	19 102	05 141	18 139	05 131	19 104	05 148	18 123	05 132	19 109	05 139	19 113
16	05 116	18 132	05 108	19 102	05 100	18 106	04 140	17 159	05 142	19 105	05 138	18 141	05 128	19 108	05 147	18 124	05 128	19 113	05 136	19 116
21	05 114	18 135	05 106	19 104	04 158	18 108	04 138	18 101	05 139	19 108	05 137	18 143	05 125	19 111	05 146	18 125	05 125	19 116	05 133	19 119
26	05 112	18 137	05 105	19 106	04 156	18 111	04 136	18 104	05 137	19 111	05 136	18 145	05 122	19 117	05 145	18 127	05 122	19 120	05 130	19 121
31	05 111	18 139	05 104	19 108	04 155	18 113	04 135	18 106	05 135	19 113	05 135	18 147	05 120	19 117	05 145	18 128	05 120	19 123	05 128	19 126
जून 5	05 111	18 142	05 104	19 110	04 155	18 115	04 134	18 108	05 135	19 115	05 135	18 148	05 119	19 119	05 145	18 130	05 119	19 125	05 127	19 129
10	05 111	18 144	05 104	19 111	04 155	18 117	04 134	18 111	05 135	19 118	05 135	18 149	05 119	19 121	05 145	18 131	05 118	19 127	05 127	19 132
15	05 111	18 146	05 105	19 113	04 155	18 118	04 134	18 112	05 135	19 120	05 135	18 151	05 120	19 122	05 146	18 133	05 119	19 129	05 127	19 134
20	05 112	18 147	05 106	19 114	04 156	18 120	04 135	18 114	05 136	19 121	05 136	18 153	05 120	19 124	05 147	18 134	05 120	19 130	05 128	19 135
25	05 113	18 148	05 107	19 115	04 157	18 121	04 136	18 115	05 137	19 122	05 137	18 155	05 121	19 126	05 148	18 135	05 121	19 132	05 129	19 136
30	05 114	18 149	05 108	19 116	04 158	18 121	04 138	18 115	05 138	19 122	05 139	18 156	05 122	19 127	05 149	18 136	05 122	19 134	05 131	19 136

यह सूर्योदयास्त किरण वक्री भवन संस्कार रहित है, यही धर्म कृत्योपयोगी है, किरण भवन उपयोगी संस्कारयुक्त सूर्योदयास्त पाश्चात्य पंचांगों में लिखा जाता है।

भारतीय कतिपय प्रसिद्ध नगरों के सूर्योदयास्त (भा. स्टै. टाइम)

तारीख	वाराणसी		मुम्बई		कोलकत्ता		गोहाटी		जयपुर		नागपुर		शिमला, सोलन		मद्रास		धर्मशाला, कांगड़ा		जम्मू (काश्मीर)	
	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.	उदय घं.मि.	अस्त घं.मि.
जुला. 5	05 116	18 149	06 110	19 116	05 100	18 122	04 139	18 115	05 140	19 122	05 140	18 156	05 124	19 126	05 151	18 136	05 124	19 135	05 133	19 136
10	05 118	18 148	06 111	19 116	05 102	18 121	04 141	18 115	05 142	19 121	05 142	18 156	05 126	19 125	05 152	18 136	05 127	19 134	05 135	19 135
15	05 120	18 147	06 113	19 116	05 104	18 121	04 144	18 114	05 145	19 120	05 144	18 155	05 129	19 123	05 153	18 136	05 130	19 132	05 137	19 134
20	05 123	18 146	06 115	19 115	05 106	18 119	04 146	18 112	05 148	19 118	05 146	18 154	05 131	19 121	05 155	18 136	05 133	19 129	05 140	19 132
25	05 125	18 144	06 117	19 114	05 108	18 118	04 149	18 110	05 150	19 116	05 148	18 152	05 134	19 119	05 156	18 135	05 136	19 126	05 143	19 129
30	05 127	18 141	06 118	19 112	05 110	18 115	04 151	18 108	05 153	19 113	05 150	18 150	05 138	19 116	05 157	18 134	05 139	19 123	05 147	19 126
अग. 4	05 130	18 138	06 120	19 110	05 112	18 113	04 153	18 105	05 156	19 110	05 152	18 148	05 141	19 112	05 158	18 132	05 142	19 119	05 150	19 122
9	05 132	18 135	06 122	19 107	05 114	18 110	04 156	18 101	05 158	19 106	05 153	18 145	05 144	19 107	05 159	18 130	05 146	19 115	05 153	19 117
14	05 134	18 131	06 123	19 104	05 116	18 106	04 158	17 157	06 101	19 102	05 155	18 142	05 147	19 102	06 100	18 128	05 149	19 110	05 156	19 112
19	05 136	18 127	06 124	19 101	05 118	18 102	05 101	17 153	06 103	18 157	05 157	18 138	05 150	18 157	06 100	18 125	05 152	19 104	06 100	19 106
24	05 139	18 122	06 126	18 157	05 120	17 158	05 103	17 148	06 105	18 153	05 158	18 134	05 153	18 152	06 101	18 122	05 155	18 158	06 103	19 101
29	05 141	18 117	06 127	18 153	05 121	17 154	05 105	17 143	06 107	18 148	06 100	18 130	05 156	18 146	06 101	18 119	05 159	18 151	06 106	18 156
सित. 3	05 143	18 112	06 127	18 149	05 123	17 149	05 107	17 138	06 109	18 142	06 101	18 125	05 158	18 140	06 101	18 115	06 102	18 145	06 109	18 150
8	05 144	18 107	06 128	18 145	05 124	17 144	05 109	17 133	06 112	18 137	06 102	18 121	06 101	18 134	06 101	18 113	06 106	18 138	06 112	18 143
13	05 146	18 102	06 129	18 141	05 126	17 140	05 111	17 127	06 114	18 131	06 103	18 116	06 104	18 128	06 101	18 109	06 109	18 132	06 115	18 137
18	05 148	17 156	06 130	18 136	05 127	17 134	05 113	17 122	06 117	18 126	06 105	18 111	06 107	18 121	06 101	18 105	06 112	18 125	06 118	18 130
23	05 150	17 151	06 131	18 132	05 129	17 129	05 115	17 116	06 118	18 120	06 106	18 107	06 110	18 115	06 101	18 102	06 115	18 118	06 121	18 124
28	05 152	17 146	06 132	18 127	05 130	17 125	05 117	17 111	06 120	18 114	06 107	18 102	06 114	18 108	06 102	17 158	06 118	18 111	06 124	18 117
अक्टू 3	05 154	17 140	06 133	18 123	05 132	17 120	05 120	17 125	06 123	18 109	06 109	17 157	06 117	18 101	06 102	17 155	06 122	18 105	06 128	18 111
8	05 156	17 135	06 134	18 119	05 134	17 115	05 122	17 100	06 126	18 104	06 110	17 153	06 121	17 155	06 102	17 152	06 125	17 158	06 131	18 105
13	05 159	17 130	06 135	18 115	05 135	17 110	05 124	16 155	06 128	17 158	06 112	17 148	06 124	17 150	06 102	17 148	06 129	17 152	06 134	17 159
18	06 101	17 125	06 137	18 111	05 137	17 106	05 127	16 150	06 131	17 153	06 113	17 144	06 128	17 144	06 103	17 146	06 132	17 146	06 137	17 153
23	06 104	17 121	06 139	18 108	05 140	17 102	05 130	16 145	06 134	17 149	06 116	17 141	06 131	17 139	06 104	17 143	06 136	17 141	06 141	17 148
28	06 107	17 117	06 140	18 105	05 142	16 159	05 133	16 141	06 137	17 144	06 118	17 137	06 135	17 134	06 105	17 141	06 140	17 136	06 145	17 143
नव. 2	06 110	17 114	06 142	18 102	05 145	16 156	05 136	16 138	06 140	17 140	06 120	17 134	06 139	17 130	06 106	17 139	06 144	17 132	06 149	17 138
7	06 113	17 110	06 145	18 100	05 148	16 153	05 139	16 134	06 143	17 137	06 123	17 132	06 144	17 126	06 108	17 138	06 149	17 129	06 153	17 134
12	06 116	17 108	06 147	17 158	05 151	16 151	05 143	16 132	06 147	17 134	06 126	17 130	06 148	17 123	06 110	17 136	06 153	17 125	06 158	17 130
17	06 120	17 106	06 150	17 157	05 154	16 149	05 146	16 130	06 151	17 132	06 129	17 129	06 152	17 120	06 112	17 136	06 157	17 122	07 103	17 127
22	06 123	17 105	06 153	17 157	05 157	16 148	05 150	16 128	06 155	17 131	06 132	17 128	06 156	17 118	06 114	17 136	07 102	17 119	07 108	17 125
27	06 127	17 104	06 156	17 157	06 101	16 148	05 154	16 128	06 159	17 131	06 135	17 127	07 100	17 117	06 117	17 136	07 106	17 117	07 112	17 124
दिस. 2	06 131	17 104	06 159	17 157	06 104	16 148	05 157	16 127	07 102	17 131	06 138	17 128	07 103	17 116	06 119	17 137	07 110	17 116	07 116	17 124
7	06 134	17 104	07 102	17 158	06 107	16 148	06 101	16 128	07 106	17 131	06 141	17 128	07 107	17 116	06 122	17 138	07 113	17 116	07.120	17 124
12	06 137	17 105	07 105	17 159	06 110	16 150	06 104	16 129	07 109	17 132	06 145	17 130	07 111	17 117	06 125	17 140	07 116	17 117	07 123	17 125
17	06 141	17 107	07 108	17 101	06 113	16 151	06 107	16 131	07 112	17 134	06 148	17 132	07 114	17 118	06 128	17 142	07 119	17 118	07 126	17 126
22	06 143	17 109	07 111	18 103	06 116	16 154	06 110	16 132	07 115	17 136	06 150	17 134	07 117	17 120	06 130	17 144	07 122	17 120	07 129	17 128
27	06 145	17 112	07 113	18 106	06 118	16 156	06 112	16 135	07 117	17 138	06 152	17 136	07 119	17 123	06 132	17 147	07 125	17 123	07 131	17 131
31	06 147	17 114	07 114	18 108	06 120	16 158	06 114	16 138	07 119	17 140	06 153	17 138	07 121	17 127	06 134	17 150	07 127	17 127	07 133	17 134

हर्शल का संक्षिप्त फल-विचार

सूर्य की एक प्रदक्षिणा करने में इस ग्रह को लगभग 84 वर्ष लगते हैं, अर्थात् यह एक राशि में लगभग 7 वर्ष तक रहता है। यह ग्रह शनि से अत्यन्त खल बलिष्ठ तमोगुणी अशुभ ग्रह है। आकस्मिक घटना तथा रोगोत्पादक विलक्षण प्रकृति का वियोग और स्थान त्याग प्रिय है। वर्तमान समय इस जगत् में मोटर, रेलवे, तार, बिजली, टेलीफोन आदि यन्त्रों का शोध तथा नित्य प्रयोग में और वायुप्रकोप सम्बन्धी इन्फ्लूएंजा आदि रोगों से यथा सुधार प्रिय देशों में स्त्री, पति, माता, पिता, बन्धु आदि के त्याग से सिद्ध होता है कि इस ग्रह का प्रभाव जगत् के मनुष्य प्राणी पर पड़ने लगा है। इस ग्रह की कुम्भ राशि है। इसका आशय यह नहीं है कि शनि-कुम्भ का स्वामी नहीं, प्रत्युत जैसे वृषभ और तुला का स्वामी शुक्र होता है, फिर भी वृषभ राशि का राहु स्वगृही माना जाता है, इसी प्रकार कुम्भ में हर्शल हो, तो स्वगृही माना जाता है। यह वायुवेग-प्रिय गृह है। जिस पुरुष की कुण्डली में चन्द्र हर्शल से युक्त और स्त्री की कुण्डली में रवि हर्शल से युक्त हो अथवा केन्द्र तथा प्रतियोग करता हो, तो ऐसे पुरुष या स्त्री को पूर्ण दाम्पत्य सुख नहीं होता, एवम् पांचवें-सातवें स्थान में हर्शल हो, तो उस पुरुष और स्त्री की चित्त-वृत्ति को चंचल करता है।

राशि विचार—हर्शल मिथुन, तुला और कुम्भ राशि में अत्यन्त बलवान् समझा जाता है। मेष और वृश्चिक राशि में अत्यन्त घातक फल देता है।

भाव विचार—यह ग्रह 5-9-10-11वें स्थान में शुभ और अन्य स्थानों में अशुभ माना गया है। लग्न में हर्शल हो, तो मनुष्य विलक्षण स्वभाव का होगा, किन्तु मिथुन, तुला, कुम्भ राशि का हो, तो तीव्र बुद्धि और शोधक होगा। द्वितीय भाव में हो, तो कौटुम्बिक सुख के लिए प्रतिकूल और अशुभ राशि का हो, तो द्रव्य-हानि। तृतीय भाव में भ्रातृ सुख विघातक, सदा स्थानान्तर, यान्त्रिक वाहन से प्रवास योग। चतुर्थ भाव में आप्तवर्गों से शत्रुत्व, आयुष्य के अन्त समय में द्रव्य-हानि भूमि-सम्बन्धी कलह। पंचम भाव में सन्तति प्रतिबन्ध अथवा नाश, सन्तति सुख का अभाव। षष्ठ भाव में मांतुल सुख का अभाव, रोग वृद्धि। सप्तम भाव में वैवाहिक जीवन दाम्पत्य सुख का नाश, परराष्ट्र सम्बन्ध। अष्टम भाव में आकस्मिक मृत्यु। नवम भाव में धार्मिक संस्था से सम्बन्ध, शास्त्रीय शोध में रुचि। दशम भाव में अधिकारी वर्ग से सम्बन्ध। ग्यारहवें भाव में कायदे कौंसिल देसी संस्था आदि से सम्बन्ध। बारहवें भाव में द्रव्य-हानि, ऋण-योग, शत्रु के कारण कष्ट।

नेपच्यून का संक्षिप्त फल-विचार

सूर्य की प्रदक्षिणा करने में इस ग्रह को लगभग 165 वर्ष का समय लगता है, अर्थात् एक राशि में लगभग 13¾ वर्ष तक रहता है। यह जल राशि ग्रह है, अर्थात् मीन इसकी राशि है। इसका आशय यह नहीं है कि मीन राशि का स्वामी बृहस्पति नहीं है, प्रत्युत मेष और वृश्चिक का स्वामी मंगल होते हुए भी जैसे वृश्चिक का केतु स्वराशि का समझा जाता है, वैसे ही मीन का नेपच्यून स्वगृही माना जाता है। इसका अर्थ धर्म गुरु चन्द्रमा के समान शुभ है। जल में रंग मिलने से जिस प्रकार जल का रंग बदल जाता है, उसी प्रकार नेपच्यून से जो ग्रह युक्त होगा, वैसे ही वह फल देता है। इसका प्रभाव रुधिराभिसरण में अधिक होता है। यह ग्रह 1-5-9वें स्थान में सत्वप्रधान, 2-4-6-8-12वें तम प्रधान, 3-7-10-11वें स्थान में रज प्रधान समझा जाता है। किन्तु यदि अशुभ स्थान और राशि में हो, तो मनुष्य का स्वभाव पापवृत्ति की ओर होता है। इस ग्रह को 11-7-3-4-12 इस क्रम से राशि प्रियतर है। शेष राशियां अप्रिय हैं। यह ग्रह 1-3-5-9-11वें स्थान में कर्क, वृश्चिक, मीन, मिथुन, तुला राशि में स्थित हो, तो ऊंचा फल मिलना निश्चित है।

भावफल—लग्न में नेपच्यून हो, तो जल प्रवासी, गौरवपूर्ण, निद्रारोगी। दूसरे भाव में हो, तो साम्पत्तिक-हानि, कुटुम्ब-हानि। तीसरे भाव में 1-3-5-9-11वें स्थान के स्वामी शुभ योग करता हो, तो प्रवास से लाभ, मानसिक उत्कर्ष। चतुर्थ भाव में माता को कष्ट, सांपत्न मातृ योग, पापग्रह से युक्त हो, तो कारावास, कृषि में हानि। पंचम भाव में पंचमेश और गुरु से युक्त हो, तो पुत्र सन्तति, पंचमेश और शुक्र से युक्त हो, तो कन्या सन्तति, शुक्र से अशुभ योग करता हो, तो व्यभिचार वृत्ति। छठे भाव में र. चं. से युक्त या दृष्ट हो, तो मूत्राशय रोग, अतिसार, संग्रहणी, विश्वासघात। सातवें भाव में सुन्दर रूप और स्वभाव की स्त्री का लाभ, स्त्री राशि या स्त्री ग्रह से युक्त हो, तो स्त्री से लाभ, पापग्रह से पीड़ित हो, तो स्त्री कष्ट। श. मं. रा. से युक्त और दृष्ट हो, तो अत्यन्त अशुभ। अष्टम भाव में शुभ ग्रह से युक्त हो, तो आकस्मि लाभ पापग्रह से युक्त और दृष्ट हो, तो गुह्य भाग में विकार, राजदरबार में हानि। नवम् भाव में चर राशि का हो, तो प्रवासी। दशम भाव में हो, तो पिता को क़ष्ट, व्यापार में हानि। ग्यारहवें भाव में हो, तो मित्र, जामाता, बन्धु लाभ आदि विचार करें। बारहवें भाव में चन्द्र से युक्त हो, तो जहाज में नौकरी का योग, मंगल से युक्त हो, तो अस्पताल सम्बन्धी नौकरी, शनि से युक्त हो, तो गुप्त विभाग की नौकरी। यह ग्रह हर्शल से अधिक सामर्थ्यवान है। संक्षिप्त परिचय यहां दिया गया है। इस भाव की राशि, स्वामी, ग्रह-दृष्टि, ग्रह पूर्ति आदि का शुभाशुभ विचार कर फलादेश कहना चाहिए।

मंगली योग परिहार—यदि कन्या की जन्मकुण्डली में 1-4-7-8-12वें घर में मंगल हो और केन्द्र त्रिकोण 1-4-5-7-9-10वें बृहस्पति हो, तो मंगली दोष न होकर वह कन्यां सुख-सौभाग्य सम्पन्न रहती है। यथा—

''वाचस्पतौ नवमपंचमकेन्द्र-संस्थे जाताऽङ्गना भवति पूर्ण-विभूतियुक्ता।
साध्वी सुपुत्रजननी सुखिनी गुणाढ्या सप्ताष्टके यदि भवेदशुभग्रहोऽपि॥''

राशिफल 2019—20

मेष राशिफल -(चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ) इस वर्ष करी गई यात्रा आपके लिए लाभवर्द्धक होगी। यह आपको उन्नति देगा और अप्रैल तक मानसिक संतुष्टि बनी रही। इस वर्ष आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती है। व्यय में वृद्धि हो सकती है। अप्रैल में मनोरंजन के साधनों में धन निवेश कर सकते है। इस समय अपने क्रोध पर नियन्त्रण रखे और कटु शब्दों का प्रयोग न करे। विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वर्ष के मध्य में आप अपनी प्रतिभाओं को विकसित करेंगे। कार्यक्षेत्र और पारिवारिक जीवन में किसी व्यक्ति के साथ विवाद संभव है। श्रावण मास में घर में धार्मिक कार्य सम्पन्न होने से शान्ति मिलेगी। अक्टूबर में गृहस्थ जीवन में मधुरता आएगी। सम्वत् का अंतिम भाग आपके लिए बहुत कल्याणकारी रहेंगा।

वृषभ राशिफल-(ई, उ, ऐ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे,वो) वर्ष के प्रथम मास में आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। पारिवारिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। खानपान से समम्बधित रोग पीडा हो सकती है।जून जुलाई में कार्य क्षेत्र में निवेश से लाभ होगा इस अंतराल में यात्रा शुभ रहेगी। घर, पैतृक संपति को लेकर विवाद चिंता का कारण बन सकता है। सितम्बर में परिवार में वैचारिक मतभेद के कारण चिंता हो सकती है। दिसम्बर जनवरी में पारिवारिक जीवन में शान्ति स्थापित होगी। यह वर्ष वर्ष अपके लिए कार्य क्षेत्र में शुभ प्रतीत होता है।

मिथुन राशि-(की, कि, कू, ध, ड, छ, के, को, हा) वर्ष के प्रारंभ में अनुशासन ही सफलता की एकमात्र कुंजी होगी। कार्यक्षेत्र की अपनी दिनचर्या में अनुशासान प्रर्दशीत करना मई जून तक अत्याधिक आवश्यक है।व्यक्तिग जीवन एवं पारिवारिक जीवन का तालमेल मानसिक चिंता का कारण बन सकता है।वर्ष की प्रथम तीमाही में अर्थिक कठिनाईयों का समाना करना पड सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष अनूकुल है। अगस्त सितम्बर में करी गई यात्रा व्यापार में लाभ दे सकती है। सितम्बर माह में रोग-पीड़ा से आप परेशान हो सकते है। नवम्बर म पदोन्नति की संभावना है। दिसम्बर जनवरी में पारिवारिक वातावरण में सुधार के कारण मानसिक शांति प्राप्त होगी।

कर्क राशिफल- (ही, हू, हे, ड़ा, डी, डू, डे, ड़ो)वर्ष के प्रारंभ में किसी शुभ समाचार से आप प्रसन्न होगे। व्यपार में लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक जीवन में सुख एवं शांन्ति प्राप्त होगी। मई में व्यापार में सावधानी बरतना अतिआवश्यक है। जून में कार्य एवं सरकारी क्षेत्र में बनी हुई रूकावटों का समाधान मिलेगा। जुलाई में आध्यात्मिक क्षेत्र में रूचि के कारण मन में शांति का अनुभव होगा।अगस्त में आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। पारिवारिक जीवन में शांति बनेगी। अक्टूबर में व्यापार सामान्य सा ही रहेगा। रोग पीड़ा संभव है।नवम्बर में रोग पीड़ा से मुक्ति प्राप्त हो सकती है।दिसम्बर जनवरी में व्यवसाय में लाभ और नौकरी में पदोन्नति की संभावना बनेगी। उच्च अधिकारियों से यश प्राप्त होगा। मार्च 2020 में तटस्थ बनी रहेगी।

सिंह राशिफल-(मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) इस वर्ष की पहली तिमाही में सफलता प्राप्त होगी। वर्ष का प्रारंभ आपके लिए अनुकूल है, उन्नति के अनेक अवसर प्राप्त होगे। मार्च अप्रैल में व्यापार में सावधानी दिखाए आर्थिक निवेश एवं व्यय के कारण हानि हो सकती है। जून जुलाई में आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार आएगा।पारिवारिक मतभेद चिंता का कारण बन सकते है। सितम्बर में कार्यक्षेत्र में विवाद के कारण चिंता बढ़ सकती है। नवम्बर में आर्थिक स्थिति में सुधार

आएगा। पारिवारिक जीवन में चला आ रहा तनाव कुछ शान्त होगा। व्यापार के कुछ नवीन अवसर आपके सामने आएगे। दिसम्बर में पदोन्नति की संभावना है। जनवरी में रोगा-पीड़ा से कुछ कष्ट हो सकता है। फरवरी माह में स्वास्थ लाभ होगा। मार्च में यात्रा के शुभ योग बनेगे।

कन्या राशिफल- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) वर्ष के प्रारंभ में वैवाहिक जीवन अथवा परिवार में किसी के विवाह के आयोजन के कारण व्यय तनाव उत्पन्न हो सकता है। इस माह में कार्य क्षेत्र में यश प्राप्त होगा। मई में मित्रगणों में सहयोग से मन में शांति होगी । जून में रोग-पीड़ा से कुछ तनाव संभव है। जुलाई तक अचानक व्यय बढ़ सकते है अपने धन को विवेक से खर्च करे। जुलाई अगस्त में व्यवसाय में लाभ होगा एवं पदोन्नति के अवसर बढ़ेगे। सितम्बर में आत्मविश्वास बढ़ेगा एवं कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी। अक्टूबर नवम्बर में कार्यक्षेत्र में लाभ होगा परन्तु किसी मतभेद के कारण मानसिक तनाव संभव है। जनवरी फरवरी में रोग पीडा एवं मानसिक तनाव के कारण स्वास्थ्य नरम-गरम होगा। मार्च 2020 में परिवार एवं मित्रजनों के सहयोग के कारण सुख शांति का अनुभव होगा।

नरम-गरम होगा। मार्च 2020 में परिवार एवं मित्रजनों के सहयोग के कारण सुख शांति का अनुभव होगा।

तुला राशिफल - (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)इस वर्ष आप मेंहनत करने के लिए उत्साहित रहेंगे। जिसके फलस्वरूप आपको कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रशंसा प्राप्त होगी पदोन्नति एवं पुरस्कार की संभावना है। मार्च में यश की प्राप्ति होगी एवं धन लाभ के योग बनेगे। अप्रैल में पारिवारिक चिंताओं का समाधान होगा एवं मन में प्रसन्नता व्याप्त रहेगी। इस माह में धन लाभ के योग है। मई में धार्मिक अनुष्ठान एवं परिवार में अन्य आयोजनों से हर्ष की प्राप्ति हागी। जून-जुलाई का समय विद्यार्थियों के लिए अनूकूल है। जातक मनोरंजन के साधनों में अपने आपको व्यस्त पाएगें। अगस्त-सितम्बर में दिनचर्या व्यस्त रहेंगी परन्तु मन में प्रसन्नता व्याप्त रहेंगी। यात्रा के योग बन सकते है। अक्टूबर में व्यय अधिक होने से कुछ चिंता व्याप्त हो सकती है। नवम्बर में कार्य क्षेत्र मे मतभेद के कारण तनाव आ सकता है। जनवरी-फरवरी में अचल वस्तुओं में निवेश से लाभ हो सकता है। फरवरी-मार्च में अपने व्यय को नियन्त्रण में रखे। यह पूरा वर्ष आपके लिए अत्यधिक व्यस्त रहेगा। व्यापारियों को धन लाभ के सम्मुचय अवसर मिलेगे।

वृश्चिक राशिफल- (नो, ना, नी, नू, ने, नो, य, यु, यी) इस वर्ष पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। मार्च में पाचन तंत्र से सम्बन्धित रोगों से पीडा सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य से हर्ष होगा। अप्रैल-मई में आय-व्यय का तालमेल बिगडने से कुछ तनाव संभव है। आप अपने स्वभाव में क्रोध का अनुभव करेगे। मई-जून में ऐसी ही स्थिति बनी रहेंगी और आपको मिश्रित फल प्राप्त होगें। व्यय पर नियन्त्रण लगाना कठिन होगा। और आर्थिक परेशानी सामने आ सकती है। सितम्बर-अक्टूबर में मित्रगणों द्वारा सहयोग से मानसिक तनाव में कुछ कमी आएगी। नवम्बर में कार्यक्षेत्र में यश प्राप्ति के योग बनेंगे। दिसम्बर-जनवरी में यात्रा से लाभ की संभावना है। फरवरी-मार्च में व्यापार में लाभ के नवीन मार्ग आपके सामने आएगे।

धनु राशिफल- (भो, जा, जी, खी, खे, खो, गा, गी) यह वर्ष आपको आत्मचिंतन एव स्वयं का अवलोकन करने के भरपूर अवसर देगा। आध्यात्म में आपकी विशेष रूचि नवरी-फरवरी में परिवार में मतभेद के कारण तनाव संभव है। रहेगी। घर में सुख में शांति का वातावण रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ बाधाएं आ सकती है। अप्रैल-मई में कलंक एवं अपयश की प्राप्ति से चिंता एवं तनाव हो सकता है। मानहानि की संभावना बनी रहेगी। वाहन क्रय के योग बन सकते है।

जून-जुलाई में मतभेद एवं समस्याओं से मुक्ति मिलने के आसार बनेगे। व्यापार में लाभ की संभावना बनेगी। अगस्त मास विद्यार्थीयों के लिए अनुकूल है। व्यापार में धन लाभ के आसार बनेगे। अक्टूबर में आप लोकप्रियता को प्राप्त करेगे। परिवार में आनंद बना रहेगा। नवम्बर में मिश्रित फल प्राप्त होगें। दिसम्बर में व्यय पर नियन्त्रण रखना आवश्यक है। व्यर्थ के विवादों से दूर रहें। जनवरी-फरवरी में परिवार में मतभेद के कारण तनाव संभव है।

मकर राशिफल - (भो, जा, जी, खी, खू, खू, खे, गो, गी) जातको को इस वर्ष छल कपट से सर्तक रहने की अवश्यता है। व्यर्थ के झगडो में न पडे। मार्च से लेकर जून तक कार्यक्षेत्र एवं व्यवसाय में सहयोगीयों से मतभेद के कारण तनाव हो सकता है। पारिवारिक जीवन में भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते है। जून-जुलाई में शत्रुओं से पीड़ा संभव है। अगस्त में आप मानसिक शांति एवं मन शीतलता अनुभव करेगे।अगस्त माह से व्यापार में अनुकूल योग बनता देखेगे। सितम्बर-अक्टूबर से नए मित्र बनेग जिससे आपको हर्ष होगा। नवम्बर में परिवार में रोग पीड़ा से आपको तनाव हो सकता है। मानसिक तनाव एवं अशान्ति योग है। जनवरी में जीवन में एकाएक परिवर्तन के योग बनेंगे। जिससे मानसिक शांति की अनूभुति होगी। फरवरी मार्च में आर्थिक लाभ के योग बनेंगे।

कुभ राशिफल- (ग, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो दा) वर्ष के प्रारंभ में आपको नौकरी एवं व्यवसाय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। परिवार में सुख शान्ति बनी रहेगी । अप्रैल-मई में आप शत्रु पक्ष में विजय प्राप्त करेगे। जून-जुलाई में धन लाभ के योग है। आप अपनी प्रतिष्ठा में बढ़ौतरी अनुभव करेगे। जुलाई-अगस्त में आय व्यय का तालमेल बढ सकता है। व्यर्थ के झगडों में न पडे अन्यथा अपयश की प्राप्ति होगी। सितम्बर तक आर्थिक स्थिति में तनाव संभव है। अक्टूबर-नवम्बर में मित्रगणों से सहयोग प्राप्त होगा। नवम्बर तक आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। नवम्बर-दिसम्बर में स्वास्थ्य में भी सुधार होगा। शत्रु पक्ष पराजित होगा। जनवरी-फरवरी 2020 में आप आत्मविश्वास में बढौतरी का अनुभव करेगे। फरवरी-मार्च आप धन लाभ एवं प्रगति को प्राप्त करेगे।

बढौतरी का अनुभव करेगे। फरवरी-मार्च आप धन लाभ एवं प्रगति को प्राप्त करेगे।

मीन राशिफल- (दी, दू, ज्ञा, झा, था, दे, दो चा, ची) वर्ष के प्रारंभ में जातकों के जीवन में धन का आगमन रहेगा। आपकी आर्थि स्थिति में सुधाए आएगा। परिवार में आय-व्यय एवं कुछ संपत्ति के विवादों के कारण तनाव संभव है। मार्च-अप्रैल में लोकप्रियता में गिरावट आने से आप तनाव अनुभव करेगे। अप्रैल मई में मानसिक स्थिति में सुधार आएगा। यात्रा के योगा संभव है। परिवारजनों से सहयोग के कारण मनोबल में कुछ बढौतरी होगी। जून-जुलाई में रोग-पीड़ा एव स्वास्थ्य के कारण तनाव होगा। जुलाई में धन लाभ के भी योग है। अगस्त-सितम्बर में शत्रु पक्ष से सावधान रहने की अवश्यकता है, कार्य में रूकावट आने की संभावना है। अक्टूबर-नवम्बर में कानूनी कार्यवाही से आप तनाव में आ सकते है। दिसम्बर में परिणाम अनुकूल होना आरंभ होगे। जनवरी मे आय-व्यय का संतुलन पुनः ठीक होना आरंभ होगा। फरवरी में पारिवारिक जीवन में मधरता बनी रहेगी।

गायत्री उपासना का आगमिक अनुष्ठान

डा. रूद्रदेव त्रिपाठी एम.ए., पी. एच. डी., डी. लिट्

भारत में लाखों द्विज (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य) यथा शक्ति गायत्री का जप करते है किन्तु उन्हें वशिष्ठ, विश्वामित्र आदि महर्षियों की बतायी विधि ज्ञात न होने से पूर्ण सिद्धि प्राप्त नहीं हो सकती। गायत्री पर अनेक पुस्तके छप चुकी है, किन्तु आज हम 'श्रीविश्वविजय पंचांग' में गुरूगम्य, गोपनीय विधि श्रद्धालु साधकजनों के लिए दे रहे हैं, उससे पाठकों का विशेष हित होगा।

-सम्पादकीय

वेदमाता गायत्री की उपासना सम्पूर्ण आस्तिक समुदाय में समाहत है। बिना गायत्री मंत्र की उपासना किए अन्य मंत्रों के अनुष्ठान में सफलता संन्दिग्ध ही रहती है। सभी धर्मशास्त्रों, स्मृतियों, आगम ग्रन्थों, तन्त्र एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों में गायत्री मंत्र के जप एवं ध्यान का वर्णन किया गया है। भारत में गायत्री-उपासकों की सुदीर्घ परम्परा है, किन्तु कलियुग में आगम-सम्मत उपासना-पद्धति की फलवती मानी गई है।

'क्लावागम-मार्गेण बिना सिद्धिर्न जायते।'

अर्थात्- कलियुग में आगममार्ग के बिना सिद्धि नहीं होती। विभिन्न तंत्रों में गायत्री-मंत्र की साधना में अनेक प्रकार बतलाये गये। जिसका उल्लेख विश्वामित्र -रचित 'गायत्री-स्तवराज' और रूद्रयामल के 'त्रिपदा गायत्री स्तोत्र' में विद्यमान है।पूर्व महर्षियों ने अन्य देवताओ के मंत्रो की साधना के लिए भी तत्तद् देवतापरक मंत्र के गायत्री मंत्र क 'पल्लव', सम्मुट और 'सन्दर्भण' के विधान भी प्रकट किय है।

उपासना मार्ग के मंगल प्रस्थान में प्रथम सोपान गायत्री-मंत्र को ही माना गया है। विविधवत् गायत्री उपासना करने से आत्मबल मनोबल तथा लौकिक सम्पदाओं का बल स्थिर रूप से प्राप्त होता है। इसीलिये शास्त्रकारो ने कहा है-

'गयत्रीमात्र-निष्णात: सर्वा: सिद्धीरवाप्नुयात्।'

अर्थात् केवल गायत्री-मंत्र की उपासना करने वाला सभी सिद्धियों का प्राप्त कर लेता है। तंत्र और आगमों में गायत्री मंत्र की उपासना के लिए बहुत से निर्देश प्राप्त होते है। यहां इस लेख में गुरू-परम्परा से प्राप्त एक ऐसा विधान प्रस्तुत है, जिसके अनुसार जप करने से प्राप्त अच्छे परिणाम मिले है। जिन महानुभावों नेमंत्रतेता सिद्धगुरूओं द्वारा मंत्र-दीक्षा लेकर यह विधान किया है और कह रहें है, उनको इस साधना क्रम में बहुत लाभ हुआ है।

आदरणीय श्री पं. सुधाकर शर्मा त्रिवेदी जी के अनुरोध पर मानव कल्याण की दृष्टि से यह विधान प्रकाशित किया जा रहा है।

गायत्री जप विधान-

इस विधान में साधक को यज्ञोपवीत-धारण और उनके नियमों का पालन करते हुए नित्य सन्ध्या करनी चाहिए तथा विनियोग, ऋष्यादिन्यास, करन्यास, हृदयादिषडंगन्यास और ध्यान के साथ सर्वप्रथम 'गायत्री भैरव-मंत्र की एक माल जपना आवश्यक है। उसके लिए 10 मंत्र जप, गायत्री-प्रथमपाद जप (एक माला पर दस जप) मूलमंत्र जप-नियमानुसार, तरीयपादमंत्रजप, (एक माला पर 7 बार जप) और शिव पचांक्षर मंत्र जप, (एक माला पर 10 बार) ऐसे पांचो अंगों का जप करना चाहिए। जो साधक त्रिकाल-सन्ध्या करे करते हों, वे प्रात: सृष्टिक्रम से मध्याह में स्थितिक्रम से और सायंकाल में संहार-क्रम से तीनों पृथक-पृथक मंत्रों से जप करे।

वैसे तो सन्ध्या के बाद 'तृरीया संध्या' (अनाख्या काल की) और प्रात: ब्रह्ममुहूर्त में पंचमी सन्ध्या (मासकाल की) सन्ध्याएं भी जो कर सके उनके लिए भी मंत्र-जप में विशेष प्रकार का निर्वाह होता है। जो पूरा विधान नहीं कर सके तो केवल प्रात: काल के सृष्टिक्रम वाले मंत्र-विधान से जप करें। श्रद्धावान व्यक्ति किसी योग्य विद्वान से श्रद्धापूर्वक मंत्र श्रवण कर ले अथवा प्रदोष या किसी भी कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन शिवाजी का पूजोपरान्त 'शैवदीक्षा' प्राप्त करके जप करें।

(१) सृष्टि क्रमानुसारी सांग-गायत्री-मंत्र जप विधि (प्रात:)

विनियोग- अन्य श्री सांगगायत्रीमंत्रस्य मंत्राणां पदानामग्नि वायु सूर्या ऋषयों गायत्री-त्रिष्टुबू-जगत्यछन्दांसि ब्रहा-विष्णु-महेश्वरा देवता:, यं बीज, हि-शक्ति:, यात् कीलकं, श्री गायत्री सिद्धयर्थ प्रणव-व्याहतित्रयादि संयुत सांग गायत्री मंत्र जपे विनियोग:।

तदंगतयादौ गायत्री भैरव-दशांश-मंत्र प्रथम पाद दशांश-मूलमंत्र-पूर्वकमंते तुरीयपादाष्टांश शिवपंचाक्षरी-मंत्र दशांश जपे च विनियोग।

ऋष्यादिन्यास- अग्नि-वायु- सूर्यर्षिभ्यो नम: (शिरसि)। गायत्री-त्रिष्टुबू-जगजीच्छन्दोभ्यो नम: (मुखे)। ब्रह्म-विष्णु-महेश्वर देवतान्यों नम: (हृदये)। यं बीजाय नम:। (गुह्ये)। हि-शक्तये नम: (पादयो:)। यात् कीलकाय नम: (नाभौ)।विनियोगाय नम: (सर्वागे)।

कर-हृदयादिन्यासा: - (पहले करन्यास करें और दूसरी बार हृदयादिन्यास करें)

कर न्यास	हृदयादिन्यास
ॐ भू: अंगुष्ठाभ्यां नम:।	हृदयाय नम:।
ॐ भू: तर्जनीभ्यां नम:।	शिरसे स्वाहा।
ॐ स्व: मध्यमाभ्यां नम:।	शिखायै वषट।
ॐ तत्वसवितुर्वरेणियं, अनामिकाभ्यां नम:।	क्वचाय हुम्।
ॐ भर्गो देवस्य धीमहि, कनिष्ठिकाभ्यां नम:।	नेत्रत्रयाय वौषट्।
ॐ धियो यो न: प्रचोदयात् करतलकर पृष्ठाभ्या नम:।	अस्त्राय-फट्।

नेट- करन्यास के ॐ भू: आदि क्रमश: हृदयादिन्यास में भी लगने चाहिए।

ध्यानम्- ॐ ब्रह्मणी चतुराननाऽक्षवलयं कुम्भं करै: स्त्रुक-स्त्रुवौ।
विभ्राणाऽरूणकान्तिरिन्दु वदना ऋग्रूपिणी बालिका।
हंसारोहणकेलि रम्बरमणे बिम्बिाम्बाश्रिता भूषिता।
गयत्री हृदि भाविता भवतु न सम्पत् समृद्धये सदा।।

इस प्रकार ध्यान करके गायत्री देवी की मानसोपचार पूजा करें और समुख, सम्पुट, वितत, विस्तुत आदि 24 मुद्राएं दिखाए। तदन्तर गायत्री-मंत्र के अक्षरों की नाड़ियों का स्मरण करें। ये नाम मंत्र 'यतिदण्डैश्वर्य-विधान' नामक ग्रन्थ के अनुसार श्रीमद आद्यशंकराचार्य द्वारा निर्दिष्ट है। गायत्री जप से पहले और जप के बाद इसका पाठ करने से शरीरस्थ नाडियों का प्रबोधन होता है और मंत्रगत वर्ण, अर्धाक्षर तथा चतुर्थषादाक्षरों को मिला कर चालीसा 40 नामवली नाडियां मंत्रमय बन जाती है। यह स्तोरूप में 12 पद्यों में वर्णित है।

गायत्री वर्णमयी चत्वारिंशद् नाडी नामावली

सं. गायत्री अक्षर नाडीनाम

1 (त्) तत्वज्ञाये नम:
2 (त्) तत्वज्ञानप्रबोधिन्यै नम:।
3 (स) सर्वशास्त्रार्थ वादिन्यै नम:
4 (वि) विबुधार्थ स्वरूपिण्यै नम:।
5 (तु) तुर्या-मार्गप्रदर्शिन्यै नम:।
6 (र्) रमायै नम:
7 (व) वयोऽवस्थाविवर्जितायै नम:
8 (रे) रेवा तीर निवासिन्यै नम।
9 (य) निखिलागमवेदिन्यै नम:
10(य) यमुनायै नम:

सं. गायत्री अक्षर नाडीनाम

11(म्) मोक्षदायै नम:।
12(भ) भक्ताभीष्ट प्रदायिन्यै नम:
13(र्) सम्यायै नम:।
14(गो) गोवर्धनविर्वधिन्यै नम:।
15(दे) देशोपद्रवनाशिन्यै नम:।
16(व) वक्रतुण्डवरप्रदायै नम:।
17(स्) स्पन्दरूपायै नम:।
18(य) योगमम्यायै नम:।
19(धी) धीरवन्द्यायै नम:।
20(म) महावैरिविनाशिन्यै नम:।

सं. गायत्री अक्षर नाडीनाम

21 (हि) हिमकर्म फलप्रदायै नम:
22 (धि) धिषणायै नम:।
23 (यो) योधिन्यै नम:।
24 (वो) योगक्षेम विहारिण्यै नम:।
25 (न:) नवसिद्धि समाराध्यायै नम:।
26 (प्) प्रभवायै नम:।
27 (र) रोगशमन्यै नम:।
28 (च) चोरध्न्यै नम:।
29 (द) दक्षिणामूर्तिरूपिणयै नम:।
30 (या) यात्रापाप विवर्जितायै नम:।

सं. गायत्री अक्षर नाडीनाम

31 (त्) तुरीयपथ गामिन्यै नम:।
32 (प) परब्रह्मात्मिकायै नम:।
33 (रो) रोगेश्यै नम:।
34 (र) रमणी प्रियायै नम:।
35 (ज) जगत् प्रियायै नम:।
36 (से) सेव्यमानायै नम:।
37 (सा) सागराम्बरायै नम:।
38 (व) वेदाक्षर परीताऽग्यै नम:।
39 (दो) दो दोहिन्यै नम:।
40 (म्) माधव्यै नम:।

गायत्री मंत्र और उसके जप-विधान

शास्त्रों की यह आज्ञा है कि- बिना विधान का ज्ञान किये यदि जपादि किये जाते है, तो सिद्ध नहीं होते। अत: विधिज्ञान करके उसका जप करना चाहिए गायत्रीमंत्र मूलत: वेदोक्त मंत्र है। शुद्ध वैदिक मंत्र के जप का 'कृते श्रुत्युक्त आचार:' इस शब्द वचन के अनुसार कृतयुग में प्रयोग समुचित माना गया। किन्तु 'कलावागम सम्मत:' के आधार पर आगम सम्मत के आधार पर आगम सम्मत साधना ही श्रेयस्कर है। अत: वशिष्ठ, विश्वामित्रादि ने 'गायत्री कला' में गायत्री-मंत्र की सांग साधना का निर्देश दिया है।

1. **ॐ हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।**
   यज्ञेऽसावादित्ये पुरूष: सोऽसावहम्।। ॐ खं ब्रहा।।
2. इसके पश्चात् गायत्री-मंत्र के प्रथमपाद का दशांश जप करना चाहिए। यथा-
   ॐ भूर्भव: स्व: ॐ ह्रीं तत्सवितुर्वरेणियं नम:।
3. इस जप के अनन्तर मूल मंत्र (पांच प्रणव, तीन बीज और नमोऽन्त) व्याहनित्रय युत यथा निर्धारित जप करें।
   ॐ भूर्भव: स्व: ॐ ह्रीं तत्सवितुर्वरेणियं ॐ श्रीं भर्गो देवस्य धीमहि, ॐ क्लीं धियो यो न प्रचोदयात् ॐ नम:।
4. इसके पश्चात् गायत्री के तुरीयपाद का अष्टांश जप होता है। यथा-
   ॐ परो रजसेऽसावदोम्।
5. अन्त में शिव पंचाक्षर मंत्र का दशांशजप किया जाता है। यथा-
   ॐ नम: शिवाय।

इन मंत्रो के काल क्रम से स्वरूप भी परिवर्तित होते हैं।

इस प्रकार जप करने से वर्तमान युग के अनुकूल गायत्री-मंत्र-जप का सांग-विधान होता है।

कवच पाठ: महिमा की आवश्यकता

पाठकों के लाभ के लिए पूज्य श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी जी के दीक्षा गुरू श्री 1006 सर्वतन्त्र-स्वतंत्र मणिपुर वासी आचार्य श्री अमृत वाग्भाचार्यजी महाराज का अनुभूत देवी कवच का मंडल प्रयोग दे रहें है। यह प्रयोग किसी ग्रन्थ में उपलब्ध नहीं है। यह दोनों सिद्ध प्रयोग मेरे पिता जी श्री प. स्वर्गीय हरदेव शर्मा त्रिवेदी के सम्मित्र, साहित्यचार्य डा. रूद्रदेव त्रिपाठी ने लेखनरूप में प्रकाशननार्थ भेजे है।

सम्पादकीय

आधुनिक युग में बुलैटप्रूफ जैकिट का और पुराने समय मे ढाल-तलवार वाले युद्ध में जिरह बख्तर का जो महत्व था और है, उससे भी अधिक महिमा, साधना, उपासना के क्षेत्र में, मांत्रिक कवच की मानी गयी है। युद्ध-सशस्त्र संग्राम में धारण किया जाने वाले जरह बख्तर, आर्मर कवच तो केवल सिर, वक्ष, उदर,गर्दन आदि गिने चुने अंगों की रक्षा के लिए ही धारण किये जाते रहें है किन्तु मात्रिक कवच तो शरीर के भीतरी बाहरी सभी दृश्य-अदृश्य अंगों तथा उपांगों की रक्षा करने में समर्थ बताए गये है।

उपासना के पांच अंग:-उपासना के लिए प्रत्यनशील व्यक्ति को सभी आवश्यकत कृत्यों से परिचित होना तथा उनके प्रयोग द्वारा अपनी सुरक्षा का प्रबन्ध करना आवश्यक है। यह विज्ञान-सम्मत भी है कि 'यथाशक्ति जानकारी प्राप्त किये बिना किसी कार्य में प्रवृत्त होना व्यर्थ का प्रयास ही सिद्ध होता है और कभी-कभी उससे उससे निष्ट भी हो जाता है। यह बात प्राचीन महर्षियों ने निश्चितरूप से समझकर ही उपासना के पांच अंगों का निर्धारण्सा किया है। जिनमें 1. पटल 2.पद्धति 3. कवच 4. सहस्त्रनाम और 5.स्तोत्र का निर्देश है।

इन पांच अंगों का ज्ञान करके उपासना के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाला अपने लक्ष्य तक सरलता से पहुंच जाता है।

कवच पाठ की आवंश्कता:- कवच शब्द वैसे शरीर की सुरक्षा के लिये धारण किये जाने वाले एक उपकरण का बोधक है। संस्कृत व्याकरणशास्त्र के अनुसार यह शब्द ग्रहणार्थक 'कवच' धातु से बना है। परिभषा की दृष्टि से 'कवच देवता नेत्रे' कहकर यह बताया है कि यह देवता के नेत्रों का द्योतक है। अर्थात् शरीर में जो महत्व नेत्रों का है, वही महत्व उपासना में कवच का है। यह तो सभी जानते है कि नेत्रों के बिना शरीर को कोई महत्व नहीं रहता और नेत्रों को ज्ञान का प्रधान साधन मानने से भी कवच का महत्व और बढ़ जाता है।'कालीतन्त्र' की टीका में कहा गया है कि- 'बाह्य एवं आन्तरिक कामनाओं पर नियन्त्रध रखने के लिये कवच-पाठ अत्यावश्यक है।

अत: यहां हम श्री दत्तात्रेय का 'वज्रपंजर-कवच-पाठ दे रहें है।

कवच-सिद्धि के उपाय:- 'कवच' का अर्थ है- 'दैवी-भावना को स्वय से ग्रहण करना तथा पूरे शरीर में अवयवों में देवता के विभिन्न नामों द्वारा न्यास करके स्वयं को देवरूप बनाना। कुत्सित भावनाओं और अनिष्टकारी परिणामों से सुरक्षा के लिए 'कवच' से बढकर अन्य कोई सरल उपाय नहीं है।

कवच रूप स्तोत्र की रचना में बीजमंत्र, मंत्र, यन्त्र, तंत्र एवं देवता के विशिष्ट नामों के स्मरण की प्रार्थना भी रहती है। अत: उपासक का सर्वविध रक्षा के लिए जप अथवा अन्य साधन-सम्बन्धी कर्मो से पूर्व 'कवच' का पाठ करना चहिए। 'दुर्गा-सप्तदशी' में आये हुए कवच-पाठ में स्पष्ट लिखा है कि- 'कवचेनावृतो नित्य यत्र यत्राधिगच्छति। तत्र तत्रार्थ लाभश्च विजय: सार्वकामिक:।। अर्थात् कवच से आवृत्त साधक जहां-जहां पहुंचता है, वहां-वहां उसे अर्थलाभ होता है, तथा सर्वत्र उसकी विजय होती है।

तंत्रों के कवच-पाठ को सिद्ध करने के लिए बताया गया है कि-

कहीं शुद्ध एकान्त में उत्तर की ओर मुख करके लाल अथवा केसरिया दो आसन बिछाये। एक आसन खाली छोड कर दूसरे पर बैठाना चाहिए। अपने सामने एक चौकी पर चांदी की तश्तरी में कुंकुम अथवा केसरिया चन्दन से त्रिकोण बनाकर उसे पूर्वमुख खड़े रूप में रख दे। यह चौकी साधक के बायें हाथ की ओर रहे। यंत्र की (गन्ध, पुष्प, धूप, दीप, और नैवेध) पांच उपचारों से पूजा करें। चढ़ाये गये नैवेध का एक भाग यंत्र के समक्ष और एक भाग खाली आसन के सामने किसी पटिये पर अच्छे पात्र में रखे।

जप-काल में धारण करने का वस्त्र लाल रंग का हो, वह ऊनी हो तो पहले दिन धोकर पहने और सूती हो तो प्रतिदिन धोकर शुद्ध करे। उन्हें कोई अन्य स्पर्श न करें।

प्रतिदिन कवच का पाठ 21 बार, 40 दिन तक नियमित रूप से करें। शुभमुहूर्त्त देखकर पाठ आरम्भ करे तब संकल्प करे 'अद्येत्यादि 0 अमुक गोत्रोहं, अमुकनामहि मम (अमुक्) देवताप्रीत्यर्थ अद्यारभ्य चत्वारिंशद् दिनपर्यन्त प्रत्यहं एकाविशंति संख्यया अमुक (कवच का नाम) कवच पाठान् करिष्ये।' इस प्रकार पहले दिन संकल्प कर ले। पाठ के समय कवच के आरम्भ में ॐ लगाये। 21 पाठ पूर्ण होने पर पाठ समपर्ण करके यंत्र के सामने रखा नैवेद्य कन्याओं को और आसन के

सामने रखा नैवेध सौभाग्यवती स्त्री को दें।

पाठ के 40 दिनों में - ब्रह्मचर्य, भूमि पर शयन, क्षौर न करना आदि व्रत के नियमों का पालन आवश्यक है। यह पाठ चल रहा हो उन दिनों में शुभ वार के दिन एक कुमारी को पूछ कर, उसकी रूचि के अनुसार भोजन कराना।

40 दिन के पाठ पूरे होने पर विधिपूर्वक दशांश हवन करना, जिसमें बिल्व पत्र को त्रिमधु (शहद, घृत और दूध) में डुबोकर आहुति दें। बाद में दशांश मार्जन और दशांश ब्राह्मण भोजन करायें।

यह कवच के पुरश्ररण का विधान है।

इस प्रकार एक अन्य विधान यह भी मिलता है कि कवच-पाठ में जितने पद्य हों, उतने दिनों तक प्रतिदिन उतने ही पाठ करें।

कवच के विशेष प्रयोग कवच-पाठ की फलश्रुति में लिखे रहते है और वहीं उनके विधान भी बताये हुए मिलते है। उनकी सफलता के लिये उपर्युक्त विधि कर लेना आवश्यक है। कवच के प्रयोग से आत्मरक्षा होती है। कहा गया है कि-

यथा शस्त्र प्रहाराणां कवचं भवति वारणम्।
तथा दैवोपघातानां शान्तिर्भवति वारणम्।।

अर्थात् जैसे शस्त्रों के प्रहारों से योद्धा को कवच बचाता है, वैसे ही देवताओं द्वारा किये गये उपघातों से कवच-पाठ द्वारी की गई शान्ति-पाठक की रक्षा करती है।

दुर्गा सप्तशती में आये हुए कवच-पाठ द्वारा नित्यपाठ करने वाले साधक सभी प्रकार के आकस्मिक उपद्रवों की शान्ति के लिये पाठ करते है। रोगी के रोग-नाश के लिए मोरपंख, अभिमन्त्रित, भस्म अथवा पानी की छीटे देकर पाठ करके शान्ति करते है। यह कवच तत्कालीन फल देने वाला है। इसके मूल-मंत्रों के साथ सम्पुट रूप में कुछ बीजमंत्रों का संयोजन भी प्राप्त होता है।इसका प्रयोग प्रेतबाधा नाश में बहुत उपयोगी है। बाधा वाले व्यक्ति को शुद्ध गोमय (गाय के गोबर) से भूमि को लीपकर रोगी को स्नान कराकर नये वस्त्र-धुले पहना कर लिटा दे और फिर, धुप दीप करके पाठ सुनाए। अवश्य लाभ होगा। यह अलुभूत प्रयोग है।

ब्रह्म-कवच कवचीगण-प्रयोग अथ वज्रकवचम्

विनियोग:-ॐ व्रज्रकवचस्य ब्रह्म ऋषि: अनुष्टुब् छन्द:, श्री चामुण्डा-काली शैलपुत्रयादिमातरो देवता: हा सायुधा बीजं हीं अंगन्यस्तदेवव्य: शक्तय: हूं कीलक दिग्बन्ध्नदेवता-स्तत्वं सर्वागक्षार्थे जपे विनियोग:।

ऋष्यान्यिास:- ब्रह्मणे ऋषये नम: (शिरसि), अनुष्टुब्छन्दसे (मुखे) श्रीचामुण्डाकाली शैलपुत्रयादिमातृदेवताभ्यो नम: (हृदये), ह्रां साधुधाभ्यो मातृभ्यो बीजाय नम: (दक्षस्तने), ह्वीं अंगन्यस्ददेवीभ्य: शक्तिभ्यों: नम: (वामस्तने), हूं कीलकाय नम: (नाभौ), दिग्बन्धन्-देवता-तत्वायै नम: (करयो:) श्रीमच्चामुण्डा-चण्डी-काली-कात्यायनी दुर्गा ललिताम्बाप्रसादाप्तये सर्वाग संरक्षणार्थे कवचोक्तप्रतिनाममंत्रान्त-मूलमंत्र- पर-मृत्युन्जय-पंचाक्षरी विद्या-सप्त रक्षमंत्र स्पर्श-वीक्षणार्थे कवचीकरणार्थे विनियोगाय नम: (सर्वागे)।

कर- हृदयादिन्यासा:-

(1) ह्यं अगु., ह्वीं तर्ज. हूं मध्य., हैं अनौ, ह्रौं कनि., ह: करतल.।

(2)ह्यं हृद, ह्वीं शिरसे. हूं शिखायै., हैं कवचा, ह्रौं नेत्र., ह: अस्त्राय.।।

श्री मार्कण्डेय उवाच-

ॐ भूर्भुव: स्व: ॐ हीं यद् गुह्यं परम लोके सर्वरक्षाकरं नृणाम्।
यत्र कस्यचिदाख्यांत तन्मे ब्रूहि पितामह।।1।।

ब्रहोचाच-

अस्ति गुहातमं विप्र सर्वभूतोपकारम्। देव्यास्तु कवचं पुण्यं तच्छणुष्व महामुने।।2।।

प्रथमं शैलपुत्रीति द्वितीयं ब्रह्मचारिणी। तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेजि चतुर्थकम्।।3।।

पंचम् स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च। सप्तमं कलरार्हत्रिति महागौरीति चाष्टमम्।।4।

नवमं सिद्धिदा प्रोवत्तां नवदुर्गा: प्रकीर्तिता:। उक्तान्येतानि नामानि ब्रह्मणैव महाम्मना।।5।।

अग्निना दह्यमानस्तु शत्रुमध्ये गतो रणे। विषमे दुर्गमे चैव भर्यार्त्ता: शरणं गतां।।6।।

न तेषां जायते किचिदशुभं रण-संकटे। नापदं तस्य पश्यामि शोक-दुखभयं न हि।।7।।

यैस्तु भक्त्या स्मृता नूनं तेषामृद्धि: प्रजायते। प्रेतसंस्था तु चामुण्डा वाराही महिषसना।।8।।

ऐन्द्री गज समारूढा वैष्णवी गरूडासना। माहेश्वरी वृषारूढ़ा कौमारी शिखिवाहना।।9।।

ब्राही हंससमारूढ़ा सर्वाभरण-भूषिता। नाना भरण शोभाढ्या नाना

रत्नोपशोभिता।।10।।
दृश्यन्ते रथमारूढा देव्य: क्रोधसमाकुला:।शड्खं चक्रं गदां शक्ति हलं च मुसलायुधम्।।11।।
खेटकं तोमरं चैव परशुं पाशमेव च। कुन्तायुधं त्रिशूलं च शाड्र्गायुधमनुत्तमम्।।12।।
दैत्यानां देहनाशाय भक्तानामभयाय च। धारयन्त्यायुधानीत्थं देवानां च हिताय वै।।13।।
शूलेन पाहि नो देवि पाहि खड्गेन चाम्बिके।घण्टास्वनेन न: पहि चापज्यानि: स्वनेन च।।14।।
प्राच्यां रक्ष प्रतीच्यां च चण्डिके रक्ष दक्षिणे। भ्रमणेनात्मशूलस्य उत्तरस्यां तथेश्वरि।।15।।
सैम्यानि यानि रूपाणि त्रैलोक्ये विचरन्ति ते।यानि चात्यर्थ घोराणि तै रक्षास्मांस्तथा भुवम्।16।
खड्गशूल गदादीनि यानि चास्याणि तेऽम्बिके। करपल्लव संगीनि तैरस्मान् रक्ष सर्वत्:।।17।।

अथ ध्यानम्

ब्रही ब्रह्मनमस्कृता धवलिता माहेश्वरी भस्मना, कौगारी सुकुमारिकाऽतिरूचिरा चक्रायुधा वैण्णवी
वाराही घनघोर घर्घमुखी चैन्द्री सुरारक्षिता, चामुण्डा गणनाथ-रूद्रसहिता रक्षन्तु मां मातर:।।
शंड्खं चक्रमथो धनुश्चं दधत बिभ्राणतस्तर्जनी, वामे शक्तिमयान् शरान कलयती त्रिग्युक त्रिशूलाम्बुज:
सनद्धा विविधायुधै: परिवृताऽऽसन्ना कुमारी जनै:, ध्यायेदीप्सितदयिनीं त्रिनयनां सिंहाधिरूढां शिवाम्।।

इस प्रकार ध्यान करके मानसोपचार पूजा करे तथा- जाबालि-कालाग्नि-रूद्रोक्त शान्तिसूक्तगणों से अभिमन्त्रित भस्म की अनामिका एवं अंगुष्ठ पर लगाकर आगे बताये गये प्रत्येक मंत्र से, प्रत्येक अंक का स्पर्श करते हुए अंगरक्षा करें।

अथ मन्त्रा:

1- ॐ ह्रीं प्राच्या रक्षतु माहेन्द्री- ॐ नमों भगवती माहेन्द्रयै, ॐ ऐ ह्री क्लीं चामुण्डायै विच्चे नम:। हौं जूं सौ: हस्तो नम: शिवाय, ॐ ह्रीं श्री नम: शिवायै, ज्वल ज्वल, प्रज्वल प्रज्वल, असाध्यं साधय, मां प्राच्यां रक्ष रक्ष सर्वभूतेभ्यो हुंफट् स्वाहा।।।1।।

2- ॐ ह्रीं आग्नेयामग्नि देवता- ॐ नमो भगवत्याग्नेयै, ॐ ऐं ह्री क्लीं चामुण्डायै विच्चे। नम:। हों जूं सौ: हस्तो नम: शिवाय, ॐ ह्री श्री नम: शिवायै, ज्वल ज्वल, प्रज्वल प्रज्वल, असाध्यं साधय, मां प्राच्यां रक्ष रक्ष सर्वभूतेभ्यो हुंफट् स्वाहा।।।2।।

3- ॐ ह्री दक्षिणे चैव वारामही- ॐ नमो भगवतीवाराहौ ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे। नम:। हों जूं सौ: हस्तो नम: शिवाय, ॐ ह्रीं श्री नम: शिवायै, ज्वल ज्वल, प्रज्वल प्रज्वल, असाध्यं साधय, मां प्राच्यां रक्ष रक्ष सर्वभूतेभ्यो हुंफट् स्वाहा।।।3।।

4- ॐ ह्री नैर्ऋत्यां खड्गधारिणी- ॐ नमो भगवती खड्गधारिणी ॐ ऐं ह्री क्लीं चामुण्डायै विच्चे। नम:। हों जूं सौ: हस्तो नम: शिवाय, ॐ ह्रीं श्री नम: शिवायै, ज्वल ज्वल, प्रज्वल प्रज्वल, असाध्यं साधय, मां प्राच्यां रक्ष रक्ष सर्वभूतेभ्यो हुंफट् स्वाहा।।।3।।

इस प्रकार नीचे लिखे कवच के प्रत्येक चरण के पश्चात् चरण में सूचित देवी के नाम को वतुर्थी विभक्ति के एक वचन में लगाकर 'नर्वाणमंत्र' से 'साधय-साधक' तक बोले और बाद में मां-दिशा अथवा स्थान के नाम को सप्तमी विभक्ति के वचन प्रयोग करके अन्त में रक्ष-रक्ष सर्वभूतेभ्यो हूं फट् स्वाहां-मंत्र का पाठ करे। यथा-

5. ॐ ह्रीं प्रतीच्यां वारूणी रक्षेद- ॐ नमों भगवती वारूण्यै (इत्यादि)
6. ॐ ह्रीं वायव्यां मृगवाहिनी- ॐ नमों भगवती मृगवाहिन्यै (इत्यादि)
7. ॐ ह्रीं रक्षेद् उदीच्यां कौमारी- ॐ नमों भगवती कौमार्यै(इत्यादि)
8. ॐ ह्रीं ईशान्य शूलधारिणी- ॐ नमों भगवती शूलधारिण्यै(इत्यादि)
9. ॐ ह्रीं ऊर्ध्व ब्रहाणि में रक्षेद- ॐ नमों भगवती ब्रह्मण्यै (इत्यादि)
10. ॐह्रीं अधस्ताद् वैष्णवी यथा- ॐ नमों भगवती वैष्णव्यै(इत्यादि)
11. ॐ ह्रीं एवं दशदिशो रक्षेच्चामुण्डा- ॐ नमों भगवती चामुण्डायै(इत्यादि)
12. ॐ ह्रीं जया में चाग्रत: पातु- ॐ नमों भगवती जजायै(इत्यादि)
13. ॐ ह्रीं अजिता वाम पार्श्वेतु- ॐ नमों भगवती अजितायै (इत्यादि)
14. ॐ ह्रीं दक्षिणे चापराजिता- ॐ नमों भगवती अपराजितायै(इत्यादि)
15. ॐ ह्रीं शिराखामुघोतिनि रक्षेद्- ॐ नमों भगवती उद्योतिन्यै (इत्यादि)
16. ॐ ह्रीं उमा मूर्ध्नि व्यवस्थिता- ॐ नमों भगवती उमायै (इत्यादि)

17. ॐ ह्रीं मालाधरी ललाटे च- ॐ नमों भगवती मालाधर्यै (इत्यादि)
18. ॐह्रीं भ्रुवौ रक्षेद् यशस्विनी- ॐ नमों भगवती यशस्विन्यै (इत्यादि)
19. ॐह्रीं त्रिनेत्रा च भुवोर्मध्ये- ॐ नमों भगवती त्रिनेत्रायै। (इत्यादि)
20. ॐ ह्रीं यमघण्टा च नासिके- ॐ नमों भगवती यमघण्टायै(इत्यादि)
21. ॐ ह्रीं शाड्खनी चक्षुषोर्मध्ये- ॐ नमों भगवती शड्खिण्टायै(इत्यादि)
22. ॐ ह्रीं श्रोत्रयोद्वारिवासिनी- ॐ नमों भगवती द्वार वासिन्यै (इत्यादि)
23. ॐह्रीं कपोलौ कालिका रक्षेत- ॐ नमों भगवती कालिकायै (इत्यादि)
24. ॐ ह्रीं कर्णमूले तु शड्करी- ॐ नमों भगवती शड्कर्यै (इत्यादि)
25. ॐ ह्रीं नासिकायां सुगन्धा च- ॐ नमों भगवती सुगन्धायै। (इत्यादि)
26. ॐ ह्रीं उत्तरोष्ठे च चर्चिका- ॐ नमों भगवती चर्चिकायै (इत्यादि)
27. ॐ ह्री अधरे चामृतकला- ॐ नमों भगवती अमृत कलायै (इत्यादि)
28. ॐ ह्रीं जिह्वयां च सरस्वती- ॐ नमों भगवती सरस्वत्यै(इत्यादि)
29. ॐ ह्रीं दन्तान् रक्षतु कौमारी- ॐ नमों भगवती कौमार्यै (इत्यादि)
30. ॐ ह्रीं कण्डमध्ये तु चण्डिका- ॐ नमों भगवती चण्डिकायै(इत्यादि)
31. ॐ ह्रीं घण्टिका चित्रघण्टा च- ॐ नमों भगवती चित्रघण्टायै (इत्यादि)
32. ॐ ह्रीं महामाया च तालुके- ॐ नमों भगवती महामायायै (इत्यादि)
33. ॐ ह्रीं कामाक्षी चिबुकं रक्षेद्- ॐ नमों भगवती कामाक्ष्यै (इत्यादि)
34. ॐ ह्रीं वाचं में सर्वमंगला- ॐ नमों भगवती सर्वमंगलायै(इत्यादि)
35. ॐ ह्रीं ग्रीवायां भद्रकाली च- ॐ नमों भगवती भद्रकालीकायै (इत्यादि)
36. ॐ ह्रीं पृष्ठवंशे धनुर्धरी- ॐ नमों भगवती धनुर्धर्यै (इत्यादि)
37. ॐ ह्रीं नीलगृव बहि: कण्ठे- ॐ नमों भगवती नीलगृवायै (इत्यादि)
38. ॐ ह्रीं नलिकां नलकूबरी- ॐ नमों भगवती नलकूबर्यै (इत्यादि)
39. ॐ ह्रीं खड्गधारिणयुभौ स्कन्धौ- ॐ नमों भगवती खड्गधारिण्यै(इत्यादि)
40. ॐ ह्रीं बाहू में वज्रधारिणी- ॐ नमों भगवती वज्रधारिण्यै (इत्यादि)
41. ॐह्रीं हस्तयोर्दण्डिनी रक्षेद्- ॐ नमों भगवती दण्डिन्यै (इत्यादि)
42. ॐ ह्रीं अंबिका चाड्गुणीषु च- ॐ नमों भगवती अम्बिकायै (इत्यादि)
43. ॐ ह्रीं नरवाछूलेश्वरी रक्षेद्- ॐ नमों भगवती शूलेश्वयै (इत्यादि)
44. ॐ ह्रीं कुक्षौ रक्षत्रलेश्वरी - ॐ नमों भगवती नलेश्वर्यै(इत्यादि)
45. ॐ ह्रीं स्तनौ रक्षेन्महादेवी - ॐ नमों भगवती महादेव्यै(इत्यादि)
46. ॐ ह्रीं मन: शोकविनाशिनी - ॐ नमों भगवती शोकविनाशन्यै(इत्यादि)
47. ॐ ह्रीं हृदय ललिता देवी - ॐ नमों भगवती ललिता दैव्यै(इत्यादि)
48. ॐ ह्रीं उदर सिहवाहिनी - ॐ नमों भगवती सिहं वाहिन्यै(इत्यादि)
49. ॐह्रीं नाभौ कमलिनी रक्षेद् - ॐ नमों भगवती कमलिन्यै(इत्यादि)
50. ॐ ह्रीं गुह्या गुह्येश्वरी - ॐ नमों भगवती गुह्येश्वर्ये(इत्यादि)
51. ॐ ह्रीं भूतनाथ च मेढ़ में- ॐ नमों भगवती भूतनाथायै(इत्यादि)
52. ॐ ह्रीं गुदे महिषमर्दिनी - ॐ नमों भगवती महिषमर्दिन्यै(इत्यादि)
53. ॐ ह्रीं कट्यां भगवती रक्षेत्- ॐ नमों भगवती भगवत्यै (इत्यादि)
54. ॐ ह्रीं जानुनी विन्ध्यवासिनी- ॐ नमों भगवती विन्ध्यवासिन्यै(इत्यादि)
55. ॐ ह्रीं जड्घे महाबला प्रोक्ता- ॐ नमों भगवती महाबलायै(इत्यादि)
56. ॐ ह्रीं जानुमध्ये विनायकी - ॐ नमों भगवती विनायक्यै(इत्यादि)
57. ॐ ह्रीं गुल्फयोर्नारसिंही च- ॐ नमों भगवती नारसिंह्यै(इत्यादि)
58. ॐ ह्रीं पाद पृष्ठे मितौजसी- ॐ नमों भगवती अमितौजस्यै(इत्यादि)
59. ॐह्रीं पादांगुली: श्रीधरीच- ॐ नमों भगवती श्री धर्यै(इत्यादि)
60. ॐ ह्रीं पादाधस्तल वासिनी- ॐ नमों भगवती स्तलवासिन्यै(इत्यादि)
61. ॐ ह्रीं दष्ट्रा करालिनी रक्षेत्- ॐ नमों भगवती करालिन्यै(इत्यादि)
62. ॐ ह्री केशांश्चैवोर्ध्वकेशिनी- ॐ नमों भगवती ऊर्ध्व केशिन्यै(इत्यादि)
63. ॐ ह्री रोपकूपाणि कौबेरी- ॐ नमों भगवती कौबेर्यै (इत्यादि)
64. ॐ ह्रीं तत्वं वागीश्वरी तथा- ॐ नमों भगवती वागीश्वर्यै(इत्यादि)
65. ॐ ह्रीं रक्तमज्जा मासान्यस्थि मेदासि पार्वति- ॐ नमों भगवती पार्वत्यै (इत्यादि)
66. ॐ ह्रीं अस्त्राणि कालरात्रिश्च - ॐ नमों भगवती कालरात्रै(इत्यादि)
67. ॐ ह्रीं पित्त च मुकुटेश्वरी- ॐ नमों भगवती मुकुटेश्ववर्यै(इत्यादि)
68. ॐ ह्रीं पद्मावती पद्मकोशे- ॐ नमो भगवती पद्मापत्यै(इत्यादि)
69. ॐ ह्रीं कफे चूड़ामणी तथा- ॐ नमो भगवती चूड़ामण्यै(इत्यादि)
70. ॐ ह्रीं ज्वालामुखी नसाजालं- ॐ नमो भगवती ज्वालामुख्यै(इत्यादि)
71. ॐ ह्रीं अभेद्या सर्वसन्धिषु- ॐ नमो भगवती अभेद्यायै(इत्यादि)
72. ॐ ह्रीं शुक्र ब्रह्माणि में रक्षेत्- ॐ नमों भगवती ब्रह्मण्यै(इत्यादि)
73. ॐ ह्रीं छाय छत्रेश्वरी तथा- ॐ नमों भगवती छत्रेश्वर्यै(इत्यादि)
74. ॐ ह्रीं अहड्कार मनो बुद्धि- ॐ नमो भगवती धर्मचारिण्यै(इत्यादि)
75. ॐ ह्रीं धर्म में धर्मचारिणी- ॐ नमो भगवती धर्मचारिण्यै(इत्यादि)
76. ॐह्रीं प्राणपानौ तथा व्यानं समानोदान मेव च वज्रहस्ता च में रक्षेत्- ॐ नमों

भगवती वज्रहस्तायै(इत्यादि)
77. ॐ ह्रीं प्राणकल्पे च शोभना- ॐ नमो भगवती शोभनायै(इत्यादि)
78. ॐ ह्रीं रसं रूपं च गन्ध च शब्दं स्पर्श च शोभनं सत्वं रजस्तमश्रैव रक्षेत्रारायणी तथा- ॐ नमो भगवती नारायण्यै(इत्यादि)
79. ॐ ह्रीं आयुर्म रक्षतो वाराही - ॐ नमो भगवती वारायह्रो(इत्यादि)
80. ॐ ह्रीं धर्म रक्षतु वैष्णवी- ॐ नमो भगवती वैष्णव्यै(इत्यादि)
81. ॐह्रीं यश कीर्ति च लक्ष्मी स सदा रक्षन्तु मातृर:- ॐ नमो भगवती मातृभ्या (इत्यादि)
82. ॐह्रीं गोत्रमिन्द्राणी मे रक्षेत्- ॐ नमो भगवती नमो इन्द्राण्यै(इत्यादि)
83. ॐ ह्रीं पशून् मे रक्ष चण्डिके- ॐ नमो भगवती चण्डिकायै(इत्यादि)
84. ॐ ह्रीं पुत्रान् रक्षेन्महालक्ष्मी:- ॐ नमो भगवती महालक्ष्म्यै(इत्यादि)
85. ॐ ह्रीं भार्या रक्षतु भैरवी- ॐ नमो भगवती भैरव्य(इत्यादि)
86. ॐ ह्रीं धनेश्वरी धनं रक्षेत्- ॐ नमो भगवती धनेश्वर्यै(इत्यादि)
87. ॐह्रीं कौमारी कन्यकास्तथा- ॐ नमो भगवती कौमार्यै(इत्यादि)
88. ॐ ह्रीं पन्थानं सुपथा रक्षेत्- ॐ नमो भगवती सुपथार्यै(इत्यादि)
89. ॐ ह्रीं मार्ग क्षेमकारी तथा- ॐ नमो भगवती क्षेमकर्यै(इत्यादि)
90. ॐ ह्रीं राजद्वारे महालक्ष्मी:- ॐ नमो भगवती महालक्ष्म्यै:(इत्यादि)
91. ॐ ह्रीं विजया सर्वत: स्थिता- ॐ नमो भगवती विजयायै(इत्यादि)
92. ॐह्रीं रक्षाहींन तु यत्स्थानं वर्जितं कवचेन तु।तत्सर्व रक्ष मे देवी जयन्ती पापनाशिनी- ॐ नमो भगवती जयन्ती पापनाशिन्यै:(इत्यादि)

।।इति कवची-मंत्रगण: समाप्त:।।

इसके पश्चात् फलश्रुतिरूप पद्यों का पाठ करें।
पदमेकं न गच्छेद् वै यदीच्छुभमात्मन:। तस्मत् सर्व प्रयलेन कवचीभव सर्वदा।।
कवचोनावृतो नित्य यत्र तत्र ही गच्छाति। तत्र तत्रार्थ लाभश्च विजय: सर्वकामिक:।।
परमैश्वर्यमतुलं प्राप्स्यते भूतले पुमान्। निर्भयो जायते मर्त्य: सङ्ग्रामेस्वपराजित:।।
त्रैलोक्ये तु भवेत् पूज्य: कवचेनावृत: पुमानफ इदं तु देव्या: कवचं देवानामपि दुर्लभम्।।
य: पठेच्छाणुयाद् वापि त्रिसन्ध्यं श्रद्धयान्वित:।देवी कला भवेत तस्य त्रैलोक्ये चापराजित:।
जीवेद् वर्षशतं साग्रमपमृत्यु-विवर्जित:।नश्यन्ति व्याधय: सर्वे लूता-विस्फोटकादय:।।
स्थावरं जङ्गम चापि कृत्रिम चापि यद्विषम्।अभिचाराणि सर्वाणि मंत्र-यंत्राणि भूतले।।
भूचरा: खेचराश्रचैव जलजाश्रवोपदेसिका:। सहजा: कुलजा माला डाकिनी शाकिनी तथा।
अन्तरिक्षचरा घोरा डाकिन्यश्रच महाबला:। ग्रह-भूत-पिशाश्च यक्ष-गन्धर्व-राक्षसा:।।
ब्रह्म-राक्षसा-वेताला: कूष्माण्डा भैरवादय:। नश्यन्ति दर्शनात तस्य कवचे वृष्टि संस्थिते।।
मनोन्नातिर्भवेद् राज्यं तेजो वृद्धिकरं परम्।यशसा वर्द्धते सोऽपि कीर्ति-मण्डित भूतले।।
जपेत् सप्तशतीं चण्डीं कृत्वा कवचमादित:। यावद् भूमण्डलं धत्ते सशैल-वन-काननम्।।
तवत् तिष्ठति मोदिन्यां सन्तति: पुत्रपौत्रिकी। देहान्ते परमं स्तीनं यत्सुरैरपि दुर्लभम्।।
प्राप्नोति पुरूषो नित्यं महामाया-प्रसादत:।

कवच मूल का पाठान्तर

यह कवच 'वाराहपुराण' में ब्रह्म, हरि और हर द्वारा विचरित है। इसकी उपलब्धि ब्रह्म ने मार्कण्डेय को, मार्कण्डेय ने क्रौष्टुकी को, क्रौष्टुकी ने भागुरि को और पक्षिरूप से द्रोणमुनि के पुत्रों ने जैमिनि मुनि को करवाई थी। हजारों वर्षो से समस्त आस्तिक समाज में प्रचलित सप्तशती-पाठ के अंगरूप में प्रयुक्त कवच के इस मूलपाठ में श्लोक संख्या में कहीं-कहीं एक-दो श्लोक आधिक है और कहीं कम 'सप्तशती-सर्वस्व' में 50 पद्य है, जबकि 'गुरूवत्यादि सप्तटीका-युक्त, 'दुर्गासप्तशती' में 50 सार्धपंचाशत् पद्य है। प्रदीप टीका के अन्त में 'कवचेस्मिन सार्वपंचात् श्लोक संग्रह: यह भी लिखा है नित्यपाठ में उपयोगी होने से स्मृत्यनुसार पाठभेद भी बहुधा हो गये है। यह 'कवचीगण' का पाठ भी अति प्राचीन है, अत: इससे भी पाठान्तर आये है। ऐसे विषयों में शंका न करते हुए सम्प्रदाय और गुरू-परम्परा अनुसार पाठ करना ही श्रेयस्कर है।

डॉ रूद्र देव त्रिपाठी

श्राद्ध-तत्व विमर्श

लेखक- आचार्य सदानन्द त्रिपाठी

सत्य नारायण वैदिक धर्म के अनुसार 'वेद' है। जिनमें क्रमशः तीन काण्ड -कर्मकाण्ड, उपासनाकाण्ड और ज्ञानकाण्ड है। कर्मकाण्ड के अन्तर्गत वेदोक्त विविध यज्ञों की अनुष्ठान पद्धतियां है। जिनमें पितृयज्ञ का भी होना महत्वपूर्ण वर्णन किया गया है। इस 'पितृयज्ञ' का अपर नाम ही 'श्राद्ध' है। अर्थात् पितृयज्ञ (श्राद्ध) शब्द का ही 'वाच्यार्थ' है। धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों में द्विजातिमात्र द्वारा नित्यकरणीय पंचमहायज्ञों के अन्तर्गत अध्यापन को 'ब्रहायज्ञ' होम को 'देवयज्ञ' बलिवैश्वदेवकर्म को 'भूतयज्ञ' अतिथि सत्कार को 'भृ(मनुष्य) यज्ञ' तथा पितृयज्ञस्तु तर्पणम् (अर्थात् तर्पण, पिण्डदान, होम, ब्रह्मण भोजनादि द्वारा पितरो को संतृप्त करना) कहकर इस पितृयज्ञ को महनीयता प्रदान की गई है। इसी को और सुस्पष्ट शब्दों में व्याख्यायित करते हुए आगे कहा गया है-'पितृन श्राद्धेन' जिससे ध्वनित होता है कि पितरों की तृप्ति हेतू 'श्राद्ध' करने का अनिवार्यतः धर्मशास्त्रीय निर्देश किया गया है।

श्राद्ध शब्द की व्युत्पति

व्याकरण रीत्यनुसार 'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' में 'चूड़ादिभ्य- उपसंख्या -नम' 5।1।110 वार्तिक सूत्र द्वारा 'अणु' प्रत्यय लगाने से सिद्ध होता है। एवमेव द्वितीय प्रयोगानुसार-'श्रद्धा' शब्द में 'प्रजा श्रद्धाच्चवृत्तिभ्योण:' 5।2।201। सूत्र द्वारा 'ण' प्रत्यय लगाने से भी श्राद्ध शब्द सिद्ध होता है। शब्दकल्पद्रुमकार ने 'श्राद्ध' को एक सीान पर नपुसकवासी तथा द्वितीय स्थान पर तीनों लिगों में पठित माना है।

'श्राद्ध' का लक्षण

धर्मशास्त्रकारों ने श्राद्धकर्म में न केवल 'श्रद्धा' को महत्व दिया है।अपितु इस मनोभाव के साथ ही कुछ भौतिक सम्भारों को इसमें सम्पृक्त कर पूर्ण लक्षण भी निधारित किए है। जिनका संक्षिप्त निदर्शन है-

महर्षि 'पराशर' ने 'श्राद्ध' का लक्षण इस प्रकार किया है।

देशे काले च पात्रे च विविधा हविषा च यत्।
तिलैर्दर्भैश्च मन्त्रैश्च श्राद्धस्यात्छद्धयाययुतम्।।

देश काल तथा पात्र (अधिकारी ब्रह्मण) में हविष्यादि विधि द्वारा जो कर्म, तिल, जौ और दर्भ (कुश) आदि के मन्त्रों द्वारा श्रद्धापूर्वक किया जाय, उसे 'श्राद्ध' कहते है। महर्षि मारीचि के अनुसार 'श्राद्ध' का लक्षण निम्न प्रकार से है:-

प्रेतान पितृनप्युद्दिश्य भोज्यं यत् प्रियमाम्मनः।
श्रद्धया दीयते यतु तच्छ्राद्धं परिकीर्तितम्

टर्थात् मृत पितरों के निमित्त अपने को प्रिय भोजन जिसमें श्रद्धापूर्वक दिया जाए, उसे 'श्राद्ध' कहते है।

देशे काले च पात्र श्रद्धया विधिना च यत्।
पितनुद्दिश्य विप्रेभ्यो दत्तं श्राद्धमुदातम्।।

अर्थात् देश काल और पात्र में श्रद्धा द्वारा जो उपभोग पदार्थोदि पितरों के उद्देश्य से ब्राह्मणों को दिया जाय, उसे 'श्राद्ध' कहते है।

महर्षि 'पुलस्त्य' ने इस प्रकार से श्राद्ध का लाक्षणिक स्वरूप व्यक्त किया है।

संस्कृतं व्यञ्जनाद्यत्रं पयोदधि घृतान्वितम्।
श्रद्धया दीयते यस्मात् श्राद्ध तेन निगद्यते।।

अर्थात् जिस कर्म में दूध, दही, घृताक्त अधिकाधिक सुस्वाद व्यंजन श्रद्धापूर्वक पितरों के उद्देश्य से ब्रह्मणों को दिया जाय उसे 'श्राद्ध' कहते है।

श्राद्ध में द्रव्य त्याग (उदारतापूर्वक दान) को प्रमुखता प्रदान करते हुए जिन धर्मशास्त्रकारों ने सूत्ररूप में निबद्ध लक्षणों को विवेचित किया है। उनका उल्लेख अग्रलिखितानुसार है:-

'श्रीद्धनामादनीयस्य तत्स्थानीयस्य वा द्रव्यस्य प्रेतोद्दशने श्रद्धया त्यागः।

अर्थात् पितरों का उद्देश्य करके (उनके कल्याणार्थ) श्रद्धापूर्वक किसी वस्तु का या उससे सम्बन्धित किसी द्रव्य का त्याग 'श्राद्ध' है। 'श्राद्ध' कल्पतरू के अनुसार-पितरो का उद्देश्य करके वस्तु का त्याग एवं ब्राह्मणों द्वारा उनका ग्रहण प्रधान श्राद्धस्वरूप है। यथा-

'एतेन पितृनुदिदश्य द्रव्यत्यागो ब्राह्मण स्वीकरणपर्यन्तं श्राद्धस्वरूपं प्रधानम्।

श्रीदत्त कृत 'पितृभक्ति' में इस प्रकार से श्राद्ध का लक्षण वर्णित है- यथा

'पितृनुदिदश्य द्रव्यपातो ब्राह्मण स्वीकरणपर्यन्तो हि 'श्राद्ध' मिति।

श्राद्ध विवेक के अनुसार-

श्राद्धं नाम देबोधित पात्रालम्भनपूर्वक प्रमीत पित्रादि देवतोद्दश्यको द्रव्यत्याग विशेषः।

टर्थात् द्रव्यत्याग वेद के शब्दो के द्वारा विहित (वेदबोधित) है और त्यागी हुई वस्तु सुपात्र ब्राह्मणों को (पात्रालम्भनपूर्वक) दी जाती है, उसे श्राद्ध कहते है।

श्राद्ध-भेद

'श्राद्ध' शब्द का व्युत्पत्तिलभ्य अर्थ एवं उसका सविस्तार लक्षण जान लेने के पश्चात् अब हर काम भेद से सम्पाद्यमान् उसके अनेक भेदों का उल्लेख भी परमावश्यक मानते है क्योंकि धर्मशास्त्रकारों ने अपनी-अपनी दृष्टि से श्राद्ध को संख्या क्रम एवं गुणवत्ता के आधार पर अत्यन्त आवश्यक तथा अनुष्ठेय बताया है। सर्वप्रथम 'विष्णुस्मृति' कार ने श्राद्ध के दो भेद किए है यथा-

विष्णुना नित्य-कामरूपतया द्वैविध्यं वक्ष्यते। तत्र नित्यपदमावश्यकरूप। तथा पार्वणैकोदिष्ट्योरपि परिग्रहार्थम। काम्यपदमनावश्यकत्वार्थम् इति।

अर्थात् नित्य श्राद्ध और काम्य श्राद्ध ये दो ही भेद है। नित्यपद प्रयोग से आवश्यकतया पार्वण एवं एकोदिष्ट श्राद्ध यथेच्छ है।

'म्त्स्य-पुराण' में नित्य-नैमित्तिक और काम्य ये तीन भेद स्वीकृत है, यथा

नित्यं नैमित्तिकं काम्यं त्रिविधं श्राद्धमुच्येत।

'कर्मपुराण' में आचार्य बृहस्पति ने नित्य-नैमित्तिक-काम्य-वृद्धि और पार्वण इन पांच प्रकार के श्राद्धों का उल्लेख किया है।

नित्यं नैमितिकं काम्यं वृद्धिश्राद्धं तथैव च।
पर्वणञेतिमनुनाश्राद्धं पञ्चविधं स्मृतम्।

भगवान मनु ने भी नित्य-काम्य-नैमित्तिक एकोदृष्ट और पार्वण को ही स्वीकारा है।

अहन्यहनि नित्यं स्यात्काम्यं नैमित्तिं पुनः।
एकोद्दिष्टं तु विज्ञेयं वृद्धिश्राद्धं च पार्वणम्।।
एतत्पञ्चविधं श्राद्धं मनुना परिकीर्तितम्।।

'यम-स्मृति' में भी नित्य-नैमित्तिक-काम्य-वृद्धि और पार्वण ये पांच प्रकार के श्राद्ध ही ग्रहीत है-

नित्यं नैमित्तिकं काम्यं वृद्धि श्राद्धंमयापरम्।
पर्वणञेति विज्ञेयं श्राद्धं पंञविध बुधैः।।

जैसा कि हमने पूर्व में ही कहा है कि कामना-भेद से श्राद्धों की संख्या तत्तत् आचार्यो ने स्वीकार की है। अभी तक सुधी पाठकों ने पांच भेदों को ही जाना, किन्तु इनकी यही इयत्ता समाप्त नहीं होती। 'महर्षि विश्वामित्र' ने तो श्राद्ध के द्वादश भेद किए है-

नित्यं, नैमित्तिकं, काम्य, वृद्धिश्राद्ध, सपिण्डनम्।
पार्वणणेति, विज्ञेय गोष्ठयां, शुद्धध्यर्थमष्टम्।।१।।
कर्मागड नवमं प्रोक्त देविकं, दशममंस्मृतम्।
यज्ञत्राथैकादशं, प्रोक्तं पुष्टैयर्थ, द्वादशं स्मृतम्।।२।।

ऊपरलिखित द्वादश श्राद्धों का सविवरण परिचय भविष्य पुराण में उपलब्ध होता है। विस्तारभय से हम यहां उनका संक्षेपतः सार प्रस्तुत कर रहें है।

1. प्रतिदिन किए जाने वाले श्राद्ध को **नित्य श्राद्ध** कहते है।
2. एकोद्दिष्ट प्रभृति श्राद्ध को **नैमित्तिक श्राद्ध** कहते है।
3. स्वाभिलपित कार्य सिद्धयर्थ किए जाने वाले श्राद्ध को **काम्य श्राद्ध** कहते है।
4. वद्धिकाल अर्थात् पुत्रजन्म विवाह आदि के समय किए जाने वाले श्राद्ध को **वद्धि श्राद्ध** कहते है।
5. अमावस्या तिथि अथवा पर्व के समय जो श्राद्ध किया जाता है उसे **पार्वण श्राद्ध** कहते है।
6. जिस श्राद्ध में प्रेतपिण्ड का पितृपिण्डों में सम्मेलन किया जाए, उसे **सपिण्डन श्राद्ध** कहते है।
7. गोशाला में जो श्राद्ध किया जाता है उसे **गोष्ठी श्राद्ध** कहते है।
8. शुद्धि और निमित्त जिस श्राद्ध में ब्राह्मणो को भोजन कराया जाता है उसे **शुद्धयर्थ श्राद्ध** कहते है।
9. गर्भाधान में सोमरस-पान में, सीमन्तोन्नयन और पुसवन में जो श्राद्ध किया जाता है उसे **कर्मागड श्राद्ध** कहते है।
10. देवताओं के उद्देश्य से जो श्राद्ध किया जाता है उस **दैविक श्राद्ध** कहते है।
11. तीर्थयात्रा के उद्देश्य से देशान्तर जाने के समय में जो श्राद्ध घृत द्वारा किया

जाता है उसे **यात्रार्थ श्राद्ध** कहते है।

12. शारीरिक पुष्टि और आर्थिक समृद्धि के लिए जो श्राद्ध किया जाता है उसे पुष्ट्यर्थ श्राद्ध कहते है।

उपर्युक्त सभी प्रकार के श्राद्ध श्रौत और स्मार्त के भेद से दो प्रकार के होते है।पिण्डपितृयाग को 'श्रौत श्राद्ध' कहते है और एकोद्दिष्ट पार्वण तथा 'तीर्थ श्राद्ध' से लेकर मरण तक के श्राद्ध को 'स्मार्त श्राद्ध' कहते है। 'श्रौत श्राद्ध' में केवल श्रुति प्रतिपादित मंत्रों का प्रयोग होता है। और स्मार्त श्राद्ध में वैदिक, पौराणिक, तांत्रिक तथा धर्मशास्त्रादि के मंत्रों का प्रयोग होता है। यहा यह ध्यातव्य है कि श्रुत्युक्त 'पिण्डपितृयाग' को 'प्रकृतियाग' और समृत्युक्त नित्यश्राद्धादि को 'विकृतियाग' कहते है। 'पिण्डपितृयाग' का करने का अधिकार केवल अग्निहोत्री को ही होता है तथा यह श्राद्ध अमावस्या के दिन होता है।

श्राद्धकाल 'महालय'

'श्राद्ध' उक वैदिक विधान है। विधि में देश और काल का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।देश अर्थात् क्षेत्र (तीर्थ) विशेष मे श्राद्ध करने से उसके फल में सहस्त्रगुण वृद्धि हो जाती है किन्तु तत्कर्म सम्बन्धी यदि ज्योतिनिर्दिष्ट काल भी सम्प्राप्त हो जाय, तो अवश्यमेव मणिकाञ्चन योग समुपस्थित हो जाता है। कामना-भेद से यदपि श्राद्धो की विविध नाम रूपता से उनका समय भी पृथक-पृथक है किन्तु पितरों के निमित्त उनका परमप्रिय पक्ष पितृपक्ष है। इसे शास्त्रीय भाषा में महालय भी कहते है जो भाद्रपद पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर अश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तक 16 दिवसीय श्राद्धकाल होता है। इसका वैधानिक महत्व प्रतिपादन (ज्योतिष तथा धर्मशास्त्रीय प्रमाणों के आधार पर) विस्तारभय से इस लघुकाय निबन्ध में तो नहीं कर पा रहे है। निकटभविष्य में सुधी पाठकों के ज्ञानर्थ अवश्यमेव प्रस्तुत करेंगे। यहां हमारा विवेच्य केवल पितृपक्ष या महालय है।

पृथ्वी चन्द्रोदय में वृद्धमनु का कथन है:-

'आषाढ़ीमवधिं कृत्वा पंचम:पक्षमाश्रिता:।
काक्षन्ति पितर:क्लिटा अन्नघ्न्वहं जलम्।।
आदौ मध्यऽवसाने वा यत्र कन्यां व्रतेद्रवि:।
स पक्ष: सकल: श्रेष्ठ: श्राद्ध-षोडशंक प्रति।।

अर्थात् आषाढ़ी पूर्णिमा से प्रारम्भ करने पर गणना में जो पांचवा पितृपक्ष या महालय आता है। उसमें पितर लोग क्लिष्टभाव से कामना करते है कि इस पक्ष में हमें हमारी संतति द्वारा प्रतिदिन प्रदान प्रदान किया गया अन्न (श्राद्धान्न)और जल(तर्पण) प्राप्त होगा। इस पक्ष के आदि-मध्य अथवा अन्त में यदि सूर्यकन्या राशि में स्थित हो तो षोडश श्राद्ध के लिए अतिशय पुण्यदायी होता है।

हेमाद्रि के अनुसार- (नागरखण्ड)

आषाढ्या: पंचमे पक्षे कन्यासंस्थे दिवाकरे।
यो वै श्राद्धं नर: कुर्यदेकस्मिन्नपि वासरे।।
तस्य संवत्सरं यावत्संतृप्ता: पितरो ध्रुवम्।।

आषाढ़ी पूर्णिमा से पांचवे पक्ष में कन्या राशिस्थ सूर्य में जो मनुष्य केवल एक ही दिन श्राद्ध कर लेता है। उससे एक वर्ष पर्यन्त पितरगण निश्चय ही संतृप्त रहते है। जहां एक ओर महालय पूर्व में श्राद्ध करने का अनन्तगुणा फल शास्त्रों में बताया गया है वहीं दूसरी ओर यदि कृतघ्न कुटुम्बियों, पुत्र-पौत्रादि द्वारा ऐसे सुअवसर पर पितारों के निमित्त तर्पण, पिण्डदान, हवन, ब्राह्मण भोजनादि नहीं कराया जाता तो, उनसे पितरगण कुपित होकर नैराश्यपूर्ण दीर्घ नि:श्वास लेकर गृहस्थ को दारूणशाप देकर पितृलोक में वापस चले जाते है। जैसा कि मर्हिषि काष्णजिनी ने कहा है-

वृश्चिके समनुपाप्ते पितरो देवतै:सह।
नि:यवस्य प्रतिगच्छन्ति शाप दत्वा सुदारूणम्।।

आदित्व पुराण का वचन है जो गृहस्थ पितरों के निमित्त-श्राद्धादि नहीं करता, वह अवश्यमेव मूढ़चेता (मूर्ख) है और जो मनुष्य मन में यह मानकर कि कहीं कोई पितर नही है, अत: श्राद्ध नहीं करता है, तो वे लोग उसके रक्त को पीते है अर्थात् अनेकानेक विघ्न बाधाएं उत्पन्न कर देते है। यथा-

श्राद्धं पितृभ्यो न ददाति..................।
........................तमाहु मूढ़चेतसम्।
न सन्ति पितरश्चेति कृत्वा मनसि यो नर:।
श्राद्ध न कुरूते तत्रं तस्य रक्तं पिवन्ति ते।।

इस बात की पुष्टि करता हुआ अन्य प्रमाण उद्‌घृत है:-

सूर्ये कन्यागते श्राद्धं न कुर्याद गृहाश्रमी।
धनपुत्रा: कुतस्यस्य पितृनि:श्वासपीडनात्।।

अर्थात् कन्याराशि में सूर्य के स्थित होने पर जो गृहस्थ श्राद्ध कर्म नहीं करता है। पितरगणों की निराश होकर दीर्घ नि:श्वास की पीड़ा से उसके धन-पुत्रादि कहां?

वसु, रूद्र एवं आदित्य ये तीनों श्राद्ध के अधिष्ठात् देवता है तथा मनुष्य के तीन पूर्वजों क्रमश: पिता-पितामह-प्रतिनिधि है। अस्तु, महालयपक्ष में श्राद्धादि करके ऐहिक और पारलौकि सुख-समृद्धि प्राप्त करें।

यज्ञ्ज्ञपल्क्य १।२६८, अग्निपुराण २६३।४०५१, मनुस्मृति ३।२८४

श्राद्ध ग्रहण में पितरों का स्वरूप

ज्ञानसन्दर्भों में पौन: पौन्येन यह प्रमाण तो सर्वत्र प्राप्त है। कि पितरों के निमित्त श्रद्धा सहित शास्त्रीय परम्परानुसार श्राद्धकर्म सम्पादित किया जाए किन्तु भौतिक चाकचक्य से लिप्त आज का तथाकथित तर्क प्रवीण बुद्धिवादी समाज इतने कह देने मात्र से इस तथ्य को कथमपि स्वीकार नहीं करेगा। उसे तो तर्क की कसौटी पर खरा उतरने वाला प्रत्युतर चहिए। वह प्रशन करता है अपने सनातन धर्म के आचार्यो उपदेशकों तथा कर्मकाण्ड पर आस्था रखने वालों, किवां पुरोहितों से। पल्लवग्राही विद्वज्जन मौन साध लेते है और परिणाम यह होता है कि पृच्छक या तो हमारे सत्य सनातक वैदिक धर्म की हंसी उडाता है या निराश होकर सनातन-परंपरा से विच्युत हो जाता है। आज परमावश्यकता है अल्पज्ञानियों से समुचित समाधान न मिलने पर सहर्ष अधिकारी-विशेषज्ञ विद्वानों की चरण-शरण ग्रहण करने की, शास्त्रों की शरण ग्रहण करने की।यथेच्छ प्रशन का सम्यक् प्रत्युत्तर प्राप्त हो सकेगा। हमारे धर्मशास्त्रों में ऋतम्भराप्रज्ञासम्पन्न ऋषियों-मुनियों ने इन प्रश्नों का विज्ञानसम्मत समाधान प्रस्तुत किया है।

बैधायन धर्मसूत्र १।८।१४ के अनुसार

वयंसा पिण्ड दद्यात्। वयसां हि पितर: प्रतिमया चरन्तीति विज्ञायते।

अर्थात् काल पक्षियों (कौआ) के लिए पिण्ड देना चाहिए। पितर लोग काक के रूप में विचरण करते है। अतएव आज भी पितरों का स्वरूप मानकर इन्हें बिना उड़ाए-भगाए पितृपक्ष के श्राद्धान्नादि दिया जाता है।श्राद्ध की सम्पन्नता पर काकबलि देने का शास्त्रीय विधान है। इसमें किसी भी प्रकार का अन्धविश्वास अन्धानुकरण या दकियानुसीपन नहीं है। इसी तथ्य को औशनसस्मृति और देवल (श्राद्ध कल्पतरूकार) ने अभिव्यक्त किया है।

अब हम श्राद्ध के निमंन्त्रित ब्राह्मणों द्वारा भोजन-वस्त्रादि को संतृप्त होते समय पितरों के स्वरूप पर विचार करते है। *यथा वायुपुराणे ७५।१३-१५*

श्राद्धकाले तु सततं वायुभूता: पितामहा:।
आविशन्ति द्विजान् दृष्ट्वा तस्मादतद ब्रवीमिते।।१३।।
वस्त्रैरन्नै: प्रदानैस्तैर्भक्ष्य पेयैस्तथैव च।
गेभिरश्वैस्तथा ग्रामै: पूजयित्वा द्विजोत्तमान्।।१४।।
भवन्ति विपतर: प्रीता: पृजितेपु द्विजातिपु।
तस्मादन्नेन विधिवत् पूजयेद द्विजसत्तमान्।।१५।।

अर्थात् श्राद्धकाल में पितर लोग निमन्त्रित ब्राह्मणों में वायुरूप से प्रविष्ट हो जाते है और जब योग्य ब्राह्मण वस्त्रों, अन्नों, भक्ष्यों, पेयों, गायों, अश्वों, ग्रामों आदि से सम्पृजित हो जाते है, तो वे प्रसन्न हो जाते है।

इसी प्रकार दूसरा स्मार्त-प्रमाण भी दृष्टव्य है- औशनसस्मृति से

ब्रह्मणंस्ते समायान्ति पितरों ह्यन्तरिक्षगा:।
वयुभूताश्च तिष्ठन्ति भुक्तत्वा यान्ति परां गतिम्।।

अर्थात् अन्तरिक्ष में (पितरलोक में) विचरण करने वाले ये पितरगण वायु रूप में रहते है।(और श्राद्ध के समय) ब्राह्मणों के शरीर में वायुरूप में स्थित होकर श्राद्धान्न का भोजन कर परमगति को प्राप्त करते है। इन प्रमाणों के माध्यम से यह तो जान लिया कि पितृगण श्राद्ध को वायु रूप होकर ब्राह्मणों के शरीर में प्रविष्ट होकर ग्रहण करते है, किन्तु यह सहज जिज्ञासा होती है कि श्राद्धकर्म में प्रयुक्त वैदिक मंत्र का क्या कार्य करते है और उनसे अभिमंत्रित श्राद्धान्न किस प्रकार तत्तद् पितरों को पहुंचता है? इस प्रशन का अकाट्य उत्तर दृष्टान्त रूप में *मत्स्य पुराण १४१।७६* में सम्प्राद है-

यथा गोषु प्रश्नष्टासु वत्सो विन्दति मातरम्।
तथा श्राद्धेषु दृष्टान्तो (दत्तान्न) मंत्र प्रापये तु तम।।

अर्थात् जिस प्रकार गायों के मर जाने पर बछड़ा उनमें से अपनी माता को पहचान ही लेता है। ठीक उसी प्रकार बहुविध श्राद्धों में से पितरों के निमित्त प्रदान किए गए उस श्राद्धान्न को (पितरों तक) मंत्र पहुंचाता है। यह है कि भगवती श्रुति की ऋचाओं का अपौरूषेयत्व सुरगवी संस्कृत का दिव्यभाषा विज्ञान और कर्मकाण्ड का अतर्क्य स्वरूप।

श्राद्ध का पारमार्थिक लाभ

श्राद्ध एक वेद-विज्ञान सम्मत पारमार्थिक कृत्य है जिसके सविधि सम्पादन से श्राद्धकर्ता तथा पितर, दोनों को अभ्युदय एवं नि:श्रेयस् की प्राप्ति होती है। इस परकर्म, पुर्नजन्म तथा कर्मविपाक के सिद्धात को मानने वाले प्रत्येक सनातनधर्मी का अटल विश्वास है। धर्मशास्त्रकारों के वर्णचतुष्टय के लिए श्राद्ध को अनिवार्य कृत्य कहकर उनके अनंत लाभों की वर्णना सर्वत्र की है। यदि उन सबका उल्लेख किया जाए, तो यह लेख स्वतन्त्रग्रथ का स्वरूप ग्रहण कर लेगा, अत: अल्पक्षेमकर: सिद्धात से सास्संक्षेप यह है कि-श्राद्ध को द्रव्यशुद्धि किया शुद्धि और स्थानशुद्धि पूर्वक करने से मनुष्य, ब्रह्मण, इन्द्र, रूद्र, नासत्य(अश्विनी कुमार), सूर्य, अग्नि, वायु, विश्वदेव के पितृगण, मनुष्यगण, पशुगण, समस्तभूतगण तथा सर्पगण को भी संतुष्ट करता हुआ संपूर्ण जगत् को संतुष्ट करके पुत्र-पौत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य, यश, पुष्टि, श्री, बल, पशु, सौख्य, तथा अतुल धन-धन्य को प्राप्त करता है।

ग्रहण विवेचन

26 दिसम्बर 2019 ई. ककंण सूर्यग्रहण

सूर्य चन्द्रमा ग्रहण और राहु क्या वस्तु है? इससे हमारा क्या सम्बन्ध है?
ग्रहण में दान जपादि का विशेष महात्म्य और भोजनादि निषेध क्यो है?
कुरूक्षेत्र सूर्यग्रहण का विशेष महत्व क्यों माना गया?

सम्पादकीय

आकाशीय चमत्कारों में सूर्य-चन्द्रग्रहण का सर्वाधक महत्व है। इस चमत्कार को देखने के लिए सभी लोग विशेष रूप से उत्सुक रहते है। यूरोप अमेरिका आदि के कई लोग खगोल विद्वान तो प्रतिवर्ष जहां-जहां खग्रास व कंकण-सूर्यग्रहण होता है वहां उसी प्रदेश या महासागर में बडे-बडे दूरवीक्षण यन्त्र एवं वेधोपयोगी अन्यानय यन्त्र समग्री लेकर पहुचते और अन्वेषण के लिए ग्रहण का अध्ययन करते है। ऐसा ही एक बडा कंकण सूर्य ग्रहण इस संवत् में दिनांक 26 दिसम्बर 2019 को भारत में दृष्य होगा।

धर्म मंत्र एवं ज्योतिष शास्त्र में भी ग्रहण काल की अनेक विशेषताए लिखी गई है। जब प्राचीन पाश्चातय लोग ग्रहण को भगवान् का प्रकोप मानकर भय से घबरा जाते थे, उस समय भारतीय लोग ईश्वरीय संकेत से ग्रहण को महाशुभ पर्वकाल मान कर जप-तप आदि अनुष्ठानो का आयोजन करते थे।

अब हम श्री विश्वविजय पंचाग के विज्ञ पाठकों को सूर्य चन्द्र ग्रहण के सम्बन्ध में कुछ ज्ञात्वय महत्वपूर्ण बाते बतलाएगे-

सूर्य- हमारे इस सौर जगत में सबसे प्रधान पिण्ड सूर्य है। इसी सूर्य द्वारा पृथ्वी, चन्द्र एवं अन्य ग्रहो उपग्रहों जो स्वयं प्रकाशमान नहीं है, प्रकाश और उक्ष्णता मिलती है सूर्य सिद्धात में लिखा है-

तेजसां गोलक सूर्यो ग्रहक्षण्यिम्बुगोलका:।
प्रभावन्तो हि दृश्यन्ते सूर्यरश्मि प्रदीपिता:।।

सूर्य ही से सम्पूर्ण सृष्टि के अखिल व्यापार निष्पन्न होते है हमारा इस से घनिष्ट सम्बन्ध है। सूर्य प्रचंड ऊर्जा का एक जाज्ज्वल्यमान् महान् गोल है। सूर्य का आयतन भी इतना बडा है कि सब के सब ग्रहो उपग्रहों को एकत्रित करने से जो पिण्ड बनाया जाए तो सूर्य उससे भी कई सौ गुणा अधिक बडा होगा। अर्वाचीन ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को स्थिर माना है परन्तु हमें यह समझना है सूर्य की स्थिरता वास्तविक स्थिरता नहीं है, किन्तु आपेक्षिक है। हमारे सौर जगत् के अर्न्तगत जो ग्रह उपग्रह है उनकी उपेक्षा तो सूर्य अचल है किन्तु अन्यान्य सौर समुदाय की अपेक्षा- जो हमको नक्षत्रो में दिखते है, सूर्य अचल नहीं है। इसी सर्वव्यावी अनवच्छिन्न नियम के वंशीभूत हमारे सूर्यदेव अपने परिवार व ग्रह माला का अपने साथ लिए हुए अतीव सूक्ष्म गति से किसी अन्य महासूर्य (आकाश गंगा का केन्द्र)की परिक्रमा कर रहें है। यह महासूर्य भी किसी अन्य अति महासूर्य की परिक्रमा करते है। यह एक सूर्य अपने से बडे महासूर्य (आकाश गंगा एवं आकाशगंगाओं के समूह)(Galaxies, cluster of galaxies, super galactic clusters) की परिक्रमा का चक्र निरन्तर चलता है। उसका आयतन एवं तेज और उसकी अन्नंत शक्ति का पता लगाना और इस चक्र को पूर्णत समझना मनुष्य के सामर्थ से पूर्णत बाहर है। मानव बुद्धि उसके महत्व के आगे पराजित हो जाती है। आचार्य केतकर ने ज्योर्तिगणित में ठीक लिखा है:-

क्वानन्तकोट्यो ग्रहमालिकानां
क्वचैकमालागणितं मदीयम्।
छृष्ट्वा तथा तुष्यतु विश्वनाथ:

सूर्यग्रहण

चन्द्रगहण तो जब चन्द्रमा भूछाया में प्रवेश करता है तब लगता है। उस समय भूपृष्ठके किसी भी स्थान से निरीक्षण किया जाये तो स्पर्शमोक्षादि काल अथवा

ग्रासमान में भेद दिखाई नहीं देता, किन्तु सूर्यग्रहण में यह बात नहीं है। सूर्यको जो ग्रहण लगता है उसमें भूछाया कारण नहीं है। सूर्य स्वयं प्रकाशमान पिण्ड है वह छाया व अन्धकार में छिप नहीं सकता। अमावस्या को जब सूर्य, चन्द्रमा और पृथ्वी तीनों एक सूत्र में होते है (चन्द्रमा पृथ्वी और पृथ्वी और सूर्य के बीच में होता है) उस ज बिम्ब घटना पलट के सदृश्य सूर्य की किरणों का अवरोध करता है, जिसमें भूपृष्ठ पर चन्द्रमा की छाया पडता है। भूपृष्ठ के जितने भाग पर यह छाया पड़ती है उसमें जो स्थान आ जाते है वही से सूर्यग्रहण दिखाई देता है और जो स्थान उस छाया से बाहर रह जाते है वहां से ग्रहण दिखाई नहीं देता। सूर्यसिद्धान्त में लिखा है:-

समय चन्द्रमा का अपारदर्शक और निस्तेज बिम्ब घटना पलट के सदृश्य सूर्य की किरणों का अवरोध करता है, जिसमें भूपृष्ठ पर चन्द्रमा की छाया पडता है। भूपृष्ठ के जितने भाग पर यह छाया पड़ती है उसमें जो स्थान आ जाते है वही से सूर्यग्रहण दिखाई देता है और जो स्थान उस छाया से बाहर रह जाते है वहां से ग्रहण दिखाई नहीं देता। सूर्यसिद्धान्त में लिखा है:-

छादको भास्करस्येन्दुरधास्थो घनवभ्दवेत्
भूच्छाया प्राड् मुखश्चन्दो विशत्यस्य भवेदसौ।।

अर्थात् सूर्यमण्डल के नीचे भ्रमण करता हुआ चन्द्रमा बादल की भांति सूर्य बिम्बको आच्छादित करता है, जिससे सूर्यग्रहण दिखाई देता है। और पश्चिम से पूर्व को गमन करता हुआ चन्द्रमा भूछाया में प्रवेश करता है जिससे चन्द्रग्रहण दिखाई देता है।

सिद्धान्त शिरोमणि में भास्कराचार्य ने भी लिखा :-

पश्चाभ्दागाज्जलदवदधः संस्थितोभ्येत्य चन्द्रो-
भानोर्बिम्ब स्फुरदसितया छायादयत्यात्ममूर्त्या।।

क्रान्तिवृत्त और चन्द्रकक्षावृत्त की भिन्न-भिन्न परिस्थिति के अनुसार चन्द्र और सूर्य बिम्बों मे भी कुछ न्यूनाधिक्यता होती रहती है। नीच स्थान से बिम्ब बड़ा दिखता है और उच्च स्थान से छोटा अतएव चन्द्र-सूर्यग्रहण की उपयुक्त मर्यादा में ही कुछ अन्तर होता रहता है। युति काल में यदि चन्द्र चन्द्रशत, चन्द्र और सूर्य के बिम्ब मानैक्यखण्ड से न्यून हो किन्तु मानान्तर खण्ड से अधिक हो तो उस समय सूर्य का खण्डग्रास ग्रहण होता है। यदि यदि चन्द्रबिम्ब सूर्यबिम्ब के बारबर अथवा उससे कुछ अधिक हो और चन्द्रशर मानान्तरखण्ड के बराबर वा उससे कुछ न्यून हो तो उस युतिकाल में सूर्यका पूर्णग्रास (खग्रास) ग्रहण होता है। चन्द्रबिम्ब की त्रिज्या का महत्तम मान 1006 विकला है। इनका अन्तर 60 विकला सिद्ध हुआ अतएव सूर्य ग्रहण के पूर्णग्रास (खग्रास) की परमावधि दशपल सिद्ध होती है। युतिकाल में सूर्यबिम्ब से जब चन्द्रबिम्ब छोटा हो और चन्द्रदशरका मान मानान्तरखण्ड के बराबर या कुछ न्यून हो तो उस समय चन्द्रबिम्ब सूर्यबिम्बको पूर्णतः आच्छादित नहीं कर सकता। ऐसी स्थिति में सूर्यबिम्बका प्रकाशमान कुछ अंश कृष्णावर्ण वाले चन्द्रबिम्ब के चारो ओर (वृत्ताकार रूप में) दिखाई देता है। इस अकाशीय अवस्था को सूर्य का कंकण ग्रहण कहते है। यह स्थिति 15 पल से अधिक रह नहीं रह सकती। ऐसा कंकण सूर्यग्रहण विक्रम संवत् 2076 को 26 दिसम्बर भारत में दृष्य होगा।

के चारो ओर (वृत्ताकार रूप में) दिखाई देता है। इस अकाशीय अवस्था को सूर्य का कंकण ग्रहण कहते है। यह स्थिति 15 पल से अधिक रह नहीं रह सकती। ऐसा कंकण सूर्यग्रहण विक्रम संवत् 2076 को 26 दिसम्बर भारत में दृष्य होगा।

सूर्य - चन्द्रमा के ग्रहण काल में धर्म सम्मत् आचरण

ग्रहण स्पर्शकाल स्नांन मध्ये होमः श्राद्धं च मुच्यमाने दानं मुर्क्ते स्नानमिति क्रमः।

ग्रहण स्पर्श के समय स्नान, मध्य में हवन, यज्ञादि और इष्ट-देव पूजन, मोक्ष के समय में श्राद्ध और दान और मृक्त होने पर स्नान करें यह क्रम

है।

न सूतकादिदोषोऽत्र दानहोम जपादिषु। ग्रस्ते स्नायादुदक्याऽपि तीर्थायुद्धवारिणा।
(सेवा सूर्योदय) ग्रहणकाल में दान, जप, होम आदि धार्मिक कृत्यों में सूतक का दोष व्याप्त नहीं होता है। ऋतुमती स्त्री भी ग्रहण काल में तीर्थ स्थान से लाए गए जल से स्नान करें। यदि तीर्थ स्थान का जल उपलब्ध न हो तो किसी पात्र में जल भरकर उसमें तीर्थो का आवाहन् करने के उपरान्त, शिर, बाल, तथाा समस्त देह को प्रक्षालित करते हुए स्नान करे किन्तु स्नानोपरान्त बालों को निचोड़े नहीं।

अत्र श्राद्ध माह ऋष्यश्रृग्ड- चन्द सूर्यग्रहे यस्तु श्राद्ध विविवदाचरेत्। तैनैव सकला पृथ्वी दत्ता विप्रस्य वै करे।।
ऋष्यश्रृग्ड ऋषि का कथन है कि जो मनुष्य चन्द्र-सूर्य ग्रहण में श्राद्ध को करता है, उसने ब्राह्मणों को मानो सम्पूर्ण भूमि दाने में दे दी है।

विष्णु:- राहुदर्शनदत्तं हि श्राद्धचन्द्रतारकम्। ईद चामात्रेन हेम्ना वा कार्य, नत्वनेन।
विष्णु का वचन है कि ग्रहण मे दिया हुआ दान व श्राद्ध तब तक स्वर्ग में रहता है जब तक सूर्य, चन्द्र और तारे रहेंगे। यह बिना पकाये अन्न या सवर्ण से करे। पकाये हुए अन्न से नहीं करें।

आपद्यनग्नौ तीर्थे च चन्द्रसूर्यग्रहे तथा। आमश्राद्ध प्रकुर्वीत हेमश्राद्ध मथापिवा। इति शतातपोक्तेरिति हेमादिमाधवादय:।
शतातप का कथन है:- आपत्तिकाल में अग्नि के अभाव में तीर्थ एवं चन्द्र-सूर्य के ग्रहण के समय आमात्र (बिना पकाये अन्न) से या सुवर्ण से श्राद्ध करे। यह हेमाद्रि तथा माधवादि का मत है।

सूतके मृतके भुड्क्ते गृहीते शशिभास्करे। छायायां हस्तिनश्चैव न भूय: पुरूषो भवेत।।
सूतक में, मरण में, सूर्य-चन्द्र ग्रहण तथा गजच्छाया में जो भोजन करता है वह फिर पुरूष नहीं होता है।

सर्वेषामेव वर्णानां सूतकं राहु दर्शने। सचैलं तु भवेत्स्नांन शृतमंत्र विवर्जयेत। (हारीत स्मृति)
जननाशौच, मरणाशौच के समय तथा सूर्य-चन्द्र ग्रहण के काल में एवं गजच्क्छाया की वेला में जो भोजन करता है वह दुबारा पुरूष योनि को प्राप्त नहीं कर सकता। ग्रहण मोक्ष के समय सचैल (वस्त्रों सहित) स्नान करे।

चतुर्वर्गचिन्तामणौ- छेहा न पत्र तृणदारूपुष्प कार्य न केशाम्बर पीडनं च। दन्ता न शोध्या: परूष न वाच्य भोज्यं च वज्ये मदनो न सेव्य:। वाह्यं न वाजिद्विरदादि किंचिदोह्यो न गोजामहिषीसमृह: यात्रां न कुर्याच्छयनं च तद्वद्ग्रहे निशाभर्तुरहर्पतेश्र।।
चन्द्रमां एवं सूर्य के ग्रहण काल में वस्त्र न फाडे, (अर्थात् कैंची का प्रयोग न करे) तिनके
घास, लकड़ी व फूलों को भी न तोड़े। बालों व कपडों को न निचोडे, दातुन आदि न करे, कठोर शब्द न कहे, भोजन न करे, स्त्री प्रसंग न करे, घोडा, हाथी आदि की सवारी न करे, गाय, भैस, बकरी आदि का दोहन न करे तथा यात्रा व शयन न करे।

कुरूक्षेत्र सूर्यग्रहण का विशेष महात्म्य

जयसिहंकल्पपद्रम, पुरूपार्थचिन्तामणि, निर्णयसिन्धु आदि के धर्मशास्त्र निबन्धग्रन्थों अनुसार पंजाब के तीथों में सन्निहित सरस्वती और कुरूक्षेत्र में स्नान का विशेष महात्म्य है। सन्निहित थानेसर (कुरूक्षेत्र) के पास एक सर है। वामनपुराण अध्याय 83 के 35,36 वे श्लोकका यह भावार्थ है कि जो कि- कुरूक्षेत्रका सन्निहित सर ठीक उसी स्थान पर है जहां भगवान ने पहले ब्रह्माण्ड के अण्ड से सूर्यको उत्पन्न किया था। नारदपुराण उत्तरखण्ड अध्याय 68 के 13 वें श्लोक में लिखा है कि- ब्रह्माने सन्निहित सर बनाकर सृष्टि उत्पन्न करने की इच्छा से वहां तपस्या की।सृष्टि की रक्षा की कामना से विष्णु ने वहां तप किया और उसी पवित्र सरोवर में महादेव जी स्नान कर स्थाण नाम से प्रसिद्ध हुए। इन प्रमाणों से मानवसृष्टि और सूर्य की उत्पत्ति का सन्निहित सर से सम्बन्ध बतलाया गया है।

'सरस्ती' थानेसर के पास बहनेवाली एक महानदी का नाम है। ऋग्वेद 8।3।6, यजु. 34।11 में इसके महात्म्यका वर्णन है। ऋग्वेद 7।9।5।2 के

अनुसार यह समुद्र तक जाती थी। परन्तु शतपत्रब्राह्मण 1।3।3।1 से ज्ञात होता है कि ब्राह्मण काल में हिमालय में होने वाले एक आग्नेय उपद्रव से सूखकर अन्त:लिला हो गई। 'आर्यो का मूलस्थान' नामक पुस्तक में श्रीयुत पावगी ने वेदमंत्रों, पश्चिमीय विद्वानों की दी हुई युंक्तियों और विज्ञान द्वारा बडी योग्यता से सिद्ध किया है कि कुरूक्षेत्र में वहनेवाली सरस्वती नदी के तट पर ही पहले-पहल मनुष्य की उत्पत्ति हुई, इस सम्बन्ध से कुरूक्षेत्र संसार भर के लोगो की आदि मातृभूमि होने से न केवल भारतवासी हिन्दुओं की ही अपितु मनुष्य मात्र के लिए श्रद्धा पूर्वक यात्रा का सीान है।

काल में हिमालय में होने वाले एक आग्नेय उपद्रव से सूखकर अन्त:लिला हो गई। 'आर्यो का मूलस्थान' नामक पुस्तक में श्रीयुत पावगी ने वेदमंत्रों, पश्चिमीय विद्वानों की दी हुई युंक्तियों और विज्ञान द्वारा बडी योग्यता से सिद्ध किया है कि कुरूक्षेत्र में वहनेवाली सरस्वती नदी के तट पर ही पहले-पहल मनुष्य की उत्पत्ति हुई, इस सम्बन्ध से कुरूक्षेत्र संसार भर के लोगो की आदि मातृभूमि होने से न केवल भारतवासी हिन्दुओं की ही अपितु मनुष्य मात्र के लिए श्रद्धा पूर्वक यात्रा का सीान है।

'कुरूक्षे' यह एक अतिप्राचीन सरोवर है। ऋग्वेद 9।11।3।1 मंत्र में 'शर्यणवति' यह एक पद आया है और ऋग्वेद के संख्यान ब्राह्मण में लिखा हैं कि 'शार्यणववत्' यह कुरूक्षेत्र का तालाब है। श्रीयुत वसुका अनुमान है कि ऋग्वेद का 'शर्यवत्' ही थानेसर के पास का कुरूक्षेत्र नाम का सरोवर है। वामनपुराण 41।13 के अनुसार इसी सरोवर पर कुरूने तपस्या करके विष्णु भगवान् से यह वर प्राप्त किया था कि 'मैंने जहां तक भूमि जोति है, वह सारा प्रान्त पुण्यक्षेत्र बन जाये।' भगवान् उसका तप और साहस देख कर यह बात मान गए। यजुर्वेद के शतपथ ब्राह्मण 14।1।1।2 के अनुसार यह वही पवित्र भूमि है जहां देवताओं ने भी यज्ञ किये थे और सामवेद के ताण्ड्य ब्राह्मण 25।13।3 में तो इसे प्रजापति की वेदी भी लिखा है।

सूर्य के साथ सन्निहित, सरस्वती और कुरूक्षेत्र का विशेष वैज्ञानिक सम्बन्ध है।, अन्त ग्रहण के समय वहां जाने वालों की सूर्यरूप आत्मा एवं चन्द्ररूप मन पर उसे देश तथा काल का कोई विशेष प्रभाव पड़ता है। इसीलिए हमारे अतीन्द्रिय ज्ञानी त्रिकालदर्शी महर्षियों ने सूर्यग्रहण में कुरूक्षेत्र स्नान का विशेष महात्म्य बतलाया है। श्रीमभ्दागवत से ज्ञात होता है कि एक बार सूर्यग्रहण के पर्व पर भगवान् श्रीकृष्ण जी भी द्वारिका से अपने साथियों के साथ कुरूक्षेत्र में सूर्यग्रहण स्नान के महत्व का प्रस्ताव यदुवंशियों की सभा में यों किया-

बड़ो पर्व रवि-गहन, कहा कहौं तासु बढ़ाई।
चलौ सवै कुरूक्षेत्र, तहां मिलि न्हैये जाई।।

चिरविरहिनी जगज्जननी श्री राधाका अपने प्रियतम भगवान् श्रीकृष्णचन्द्र से प्रथम बार कुरूक्षेत्र में ही पुनर्मिलन हुआ था। वे अपनी प्रियसखी ललिता से निम्न हृदयोद्गार प्रकट करती है-

प्रिय: सोऽयं कृष्ण: सहचरि। कुरूक्षेत्र मिलित
स्तथाहं सा राधा तदिदमुभयो: संगमसुखम्।
तथाप्यन्त: खेलन्मधुर-मुरली-पंचमजुषे
मनो मे कालिन्दी पुलिन विपनाय स्पृहयति।।

उक्त: सभी प्रमाणों से कुरूक्षेत्र में सूर्यग्रहण स्नानका वैज्ञानिक महत्व भलीभांति सिद्ध हो रहा है।

ग्रहण से हमारा क्या सम्बन्ध है?

अब यह बात तो पाश्चात्य विज्ञान से भी सिद्ध हो चुकी है कि इस सौर जगत् में जितने ग्रह, उपग्रह, तारे आदि है उनका परस्पर आकर्षण विकर्षण का सम्बन्ध है। वे सब एक दूसरे से कुछ लेते देते रहते है। पृथ्वी में जितनी वस्तुएं हैं वे सब वे सब एक दूसरे से कुछ लेते देते रहते है। पृथ्वी में जितनी वस्तुएं हैं वे सब चन्द्रज्योति प्रधान एवं सूर्यज्योति प्रधान है। जिनमें चन्द्रगज्योति की प्रधानता है वे सब वृक्ष, वन, स्पति, लता, औषधि, पशु, पक्षी, मनुष्य, स्त्री जाति के है और जिनमें सूर्यज्योतिकी प्रधानता है, वे सब पुरूष जाति के होते है। इन सब के साथ

सूर्य और चन्द्रमा का सम्बन्ध है। मन चन्द्रमा और
बुद्धि सूर्य है। श्रृतिने भी इसका समर्थन किया है-'चन्द्रमा मनसो जात' तथा 'धियो योन: प्रचोदयात्' इसलिये सूर्य और चन्द्रमा से कोई विकार हो अथवा उनके द्वारा होने वाले आकर्षण विकर्षण में यदि कोई व्यवधान पड़ जाए तो भूमण्डल में समग्र पदार्थो और प्रणियों पर उसका प्रभाव पड़ना स्वभाविक ही है। इसी कारण अन्य पूर्णिमा अमावस्या की अपेक्षा यह (ग्रहण की पूर्णिमा अमावस्या) बहुत अनिष्ट हुआ करती है। सूर्यग्रहण में बुद्धि और सूर्य के बीच में व्यवधान आ जाने के कारण चन्द्रग्रहण मे चन्द्रमा और मन के बीच में सम्बन्ध-विच्छेद हो जाने के कारण मन एवं बुद्धि विक्षिप्त हो उठते है। उस समय यदि उन्हें किसी विशेष शक्तिका आश्रय न मिले तो वे बहुत से प्रमाद के कर्म कर सकते है। उन्हें भगवन्नाम की, मंत्र की शक्ति का आश्रय देकर अनेको प्रकार के उत्पात करने से बचा लिया जाता है। तीर्थ सेवन और स्ना से पवित्रताका भाव जागृत रक्खा जाता है। दान से संकीर्णता का भाव न आने देकर उदारता बनायी रक्खी जा सकती है। और जप ध्यान से प्रेम भाव का अनुभव किया जाना है। उस समय के जप ध्यान दानादि से भयानक प्रवृत्ति स्वयं ही निवृत्त हो जाती है। इसी कारण ग्रहण में जप ध्यान आदि का विशेष महात्म्य लिखा है।पाठकों ने देखा होगा कि प्रत्येक पूर्णमासी को समुद्र में बहुत बाढ़ आती है। इन्हीं तिथियों में रोग बढ़ जाते है। इत्यादि कई विचित्र बाते हुआ करती है। इस विवेचन से पाठकगण भलीभांति समझ गए होगे कि आकाशीय ग्रहों तथा ग्रहणों के साथ मनुष्य जीवन का कितना घनिष्ट सम्बन्ध है।

ग्रहण और ग्रहण के वेध में भोजनादि करना निषेध क्यों है?

ग्रहण के समय मन और बुद्धि कुछ चंचल रहते है, क्योंकि उन्हें शक्ति देने वाले चन्द्रमा और सूर्य उस समय ठीक-ठीक पूरी शक्ति नहीं देते। मन की अस्तव्यस्त अवस्था में अथवा विषण अवस्था में पाचनशक्ति ठीक-ठीक काम नहीं करती। साथ ही खानपान के जितने पदार्थ है उस सब पदार्थो पर भी ग्रहण का पर्याप्त प्रभाव पड़ता है। समस्त पदार्थो में दो प्रकार की शक्तियां रहती है- एक सूर्य की ओर दूसरी चन्द्रमा की और। किसी में एकाकी प्रधानता अधिक होती है तो किसी में दूसरे की। चन्द्रमा औषधियों का रस प्रदान करता है और सूर्य उनमें ज्ञान शक्ति एवं प्राण-शक्ति भरता है। रसदार फलों में चन्द्रमा की प्रधानता अधिक और सूर्य की प्रधानता कम होती है। जैसे अंगूर में जब तक चन्द्रमा का प्रधान्य होगा, तब तक वह रसदार अंगूर के रूप में रहेगा और ज्यों ही उसमें सूर्य का प्रधान्य अधिक होगा त्यों ही धीरे-धीरे वह अंगूर अपना रूप बदलकर किशमिश या मुनक्का के
रूप में आ जावेगा। उस समय रस में उसकी प्रधानता नहीं रहती ज्ञान और बल की प्रधानता रह जाती है। यदि ग्रहण के समय कोई भी पदार्थ खाया-पिया जाये तो प्रत्येक पदार्थ का चन्द्रमा और सूर्य के सम्बन्ध होने के कारण जो उनमें शक्ति आती थी वह नहीं आयेगी। और वे नाना प्रकार के विकार उत्पन्न कर देंगे, इसलिए ग्रहण और ग्रहण के वेध में भोजनादि करना निषेध किया गया है। इसके अतिरिक्त जप, तप,ध्यान पूजा, पाठ, साधन का जब समय होता है, तब पेट को हल्का रखना पड़ता है।पेट भारी हो जाने पर बहुत-सी नस-नाड़ियां खिच जाती है। रक्त की गति बढ़ जाती है और मन एकाग्रता से भजन में लगने नहीं देता। इस कारण भजन आदि की सुविधा की दृष्टि से भी ग्रहण के वेध में भोजन का निषेध है।

ग्रहण के समय घृत, दुग्ध, अन्न, फलादि पदार्थो में कुशा रक्खी जाती है। इसका कारण यह है कि कुशा में एक ऐसी अद्‌भुत विद्युच्छक्ति है कि उस पर अन्तरिक्ष सम्बन्धी कोई अनिष्ठ प्रभाव नहीं पड़ सकता। इसीलिए सब पदार्थो में पहले ही कुशा रख दी जाती है, ताकि ग्रहण के कारण उन पदार्थो मे कोई विकृति न आने पावे। कुशा में कई अद्‌भुत गुण है, इसके आसन पर बैठे हुए साधक पर बिजली का कोई प्रभाव नहीं होता, ज्ञानशक्ति बढ़ती है इसी कारण हमारे तत्वदर्शी महर्षियों ने कुशा के आशन को विशेष महत्व दिया और सन्ध्या, तर्पण, हवनादि प्रत्येक कार्य में कुशा का उपयोग किया है।

व्यापारिक भविष्य फल वर्ष 2019—20

(पौष कृष्ण एकादशी 2075 से चैत्र शुक्ल सप्तमी 2077 तक)

(प्रवीन कुमार जैन)

अप्रैल 2019

अप्रैल मास : 01 अप्रैल : चैत्र कृ द्वादशी की वृद्धि तथा शुक्ल पक्ष में एकादशी के क्षय से अन्न उत्पादन में कमी रहेगी। सूर्य रेवती में रात्रि 00:53 पर- रुई, चावल, चांदी, सरसों, अलसी, लाख, गेहूँ, जौ चना, अरहर, मूंग, उड़द, लहसुन, सज्जी, चपड़ा, मोती, रत्न अन्य अनाजो तथा पशुओं में तेजी आयेगी। जलीय वस्तुओं मोती, रत्न, फल, फूल, सुगन्धित पदार्थो, नमक की हानि होने से इन में भी तेजी चलेगी। 06 अप्रैल: चैत्र सुदि शनिवारी प्रतिपदा वर्ष में विग्रह- विवाद तथा लड़ाई झगड़े होगे। वर्षा में कमी आयेगी। धान्यों रसकस तथा भूसे आदि पशु आहारों की हानि होगी। मंगल रोहिणी में सांय 17:20 पर-रोगो का प्रकोप रहेगा। रुई, सूत, कपास, कपड़ा, शेयर मार्केट, गुड़, खांड़, शक्कर, रेशम, हींग, मिर्च, सरसों तथा तैलो में तेजी चलेगी। राई मिर्च, हीग, छुआरा, सरसों तैल, गुड़, खांड़ रेशम 21 दिनों में तेज होंगे। मुख्य रुप से कपड़ा सूत, कपास में तेजी आयेगी। वृक्षों की हानि होगी। वनो का कटान बढ़ेगा। लकड़ी की तस्करी को प्रश्रय मिलेगा। चौपायो को कष्ट होगा। 07 अप्रैल: शुक्र पू. भा. में - स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को कष्टो से राहत रहेगी। रुई में 10 से 15 टके की तेजी बनेगी। गेहूँ, जौ, चना आदि अन्नो में गिरावट रहेगी। अधिक वर्षा होगी। वर्षाकाल में उत्तम वर्षा का योग है। एक मत से सट्टेबाजो को हानि होगी। 10 अप्रैल: रोहिणी युत चैत्र सुदि पंचमी में यदि आकश में बादल छाये रहे तो मेघो का गर्भ परिपूर्ण होगा अनावृष्टि से दुर्भिक्ष होगा। और यदि वर्षा हुई तो चौमासे में विशेषकर श्रावण मास में वर्षा में कमी रहेगी। गुरु वक्री धनु राशि में मध्यान्ह 11:52 पर शेयरों में गिरावट आयेगी। मालवे की अफीम में पहले तेजी आकर बाद में मंदा आयेगा।। कुछ ही समय में सभी धान्यों में गिरावट आयेगी। गेहूँ चना, गुड़, नमक आदि में गिरावट रहेगी। चैत्र तथा बैशाख मास में इनका संग्रह करके मार्गशीर्ष मास में बेचने से लाभ मिलेगा।

12 अप्रैल: बुध मीन में रात्रि 04:24 पर- अपनी नीच राशि में बुध के गोचर में राजाध्यक्षो में परस्पर विग्रह का योग बन रहा है। सरकार से जन सामान्य का विश्वास उठता नजर आयेगा। उत्तम वर्षा होगी। पशु आहारो - घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी। वन्य प्राणियो - हिरण, हाथी आदि को पीड़ा एवं कष्ट रहेगा। रुई, कपास, बिनोला में तेजी बनेगी। सोना, चांदी तेज होकर मंदे होगे। गेहूँ, चना, गुड़, शक्कर, घी, तैल, मूंगफली अरण्ड़ा, बिनोला तथा रुई में मंदा आयेगा। राज्य सरकारो, केन्द्र सरकार की नीतियो के कारण जनता का विरोध प्रखर होगा। भारवाहक साधनो की दुर्घटनाओ के योग है।

14 अप्रैल 2019 रविवार : सूर्य मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में मध्यान्ह 14:09 पर: चैत्र मास की 15 मुहूर्ति रविवारी मेष संक्राति में सभी धातुओं- सोना, चांदी, लोहा, तांबा, सभी धान्यो - गेहूँ, चना आदि अनाजो, रसकसो, फलो, वस्त्रो, अलसी, अरण्ड़ा, तिल, तैल, मेथी, लाल चन्दन, इलायची, लौंग, सुपारी, नारियल, कपूर, हींग, हिंगुल, सूत, कपड़ा, सुपारी, नारियल, लाल चन्दन, मेथी, लौंग, इलायची, हींग, अरण्ड़ा, ईख, घी, तिल, तैल, फलो आदि सभी वस्तुओ में तेजी बनेगी। रुई, कपास में पहले मंदा आकर बाद में तेजी आयेगी। मेष का सूर्य छः मास तक गुड़, घी, दूध, रुई कपास में तेजी बनायेगा। 13 दिनो के अन्दर सोना, चांदी, अलसी, अरण्ड़ा, तिल, मेथी, अनाज, सभी प्रकार के अनाज, सोना, चांदी, रसकस, लोहा, तांबा, सूत, कपड़ा, सुपारी, नारियल, शिंगरफ, कपूर, लाल चन्दन, मेथी, लौंग, इलायची, हींग, अरण्ड़ा तथा ऊनी वस्त्रो में तेजी

बनेगी। रुई में मंदी आकर तेजी बनेगी। संक्राति सूती होने से महगांई पर नियन्त्रण के प्रयास होंगे। **'यदाभानु: स्थितोमेषेफलानितुलीभादिकम्। इक्ष्वादितिलतैलादितदाचैवमहर्घता ।।**"शकुन शास्त्र के अनुसार आज की वर्षा आगे चलकर वर्षा में कमी करेगी तथा अन्नो में तेजी लायेगी। सभी वस्तुऐं मंहगी होगी।

15 अप्रैल 2019: बुध उ.भाद्रपद में प्रात: 07:31 पर-राजाओं में परस्पर विग्रह विवाद होगे। पशु पक्षियों में रोगो का प्रकोप समाप्त होगा। राज्यो में परस्पर विग्रह बढ़ेगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। खाद्यान्नो के भावों में अधिक फेरबदल नही होने से गुड़, खांड़, रुई, धान्य एवं चावलो के भावो में समता रहेगी।

16 अप्रैल 2019: शुक्र मीन में : खाद्यान्नो की उपलब्धता में कमी होगी। मंहगाई बढ़ेगी फिर भी जनसामान्य असाधारण रुप से शांत रहेगा। सभी प्रकार के धान्यो, तैल, तिलहन, अलसी, अरण्ड़ी, गुड़, खांड़ में गिरावट आयेगी। घी, रुई एवं चादी में तेजी बनेगी। अन्य मत से सुभिक्ष रहेगा। जनसामान्य में सुख शांति रहेगी। धान्यो में मंदा रहेगा। रुई 25 दिनो में तेज होगी। धान में मंदा आयेगा।

18 अप्रैल 2019: शुक्र उ. भा.में रात्रि 19:12 पर – स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को राहत रहेगी। मूल पदार्थो में तेजी बनेगी। चांदी, मोती, ईख, गुड़, खांड़, रुई, कपास, सूत, सन, चावल, नमक, कपूर, गोला, सरसों तथा अन्य तिलहनो में मंदा आयेगा। सोना के मूल्यो में समता रहेगी। फसलों को रोग तथा कीटो से हानि के कारण गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग, फलों, अदरक, हल्दी, प्याज, लहसुन आदि कृषि उत्पादो तथा चौपायो में तेजी आयेगी। दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थो, घी में घटबढ़ चलेगी। मोती, तिल, तैल में मंदा आकर तेजी बनेगी। शाक भाजी के उत्पादको को हानि होगी।

बैशाख मास 20 अप्रैल 2019: मास पांच शनिवार युत है। पांच शनिवार से-'शनैश्च पंचकं दृष्टवा पाताले कम्पते फणी। ईशान देशं भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।' भूकम्पों तथा अग्निकांड़ो से से जन-धन की हानि होगी। जनता में अराजकता तथा अशान्ति रहेगी। रोग चौरादि का भय बनेगा। उत्तरी पूर्वी देशों में विग्रह होगे। सत्ता परिवर्तन होगा। राजनैतिक वाद विवाद तथा विग्रह होगे। कृषि को किन्ही कारणो से हानि होगी। वर्षा ऋतु के होते हुए भी वर्षा में कमी रहेगी। यदि वर्षा हुई भी तो बिल्कुल साधारण। महगांई बढ़ेगी। प्रत्येक वस्तु में तेजी बनेगी।

20 अप्रैल 2019: वैशाख कृष्ण प्रतिपदा की घटियो का मान दिन नक्षत्र से कम होने के प्रभाव से वर्षा में कमी रहेगी। 23 अप्रैल: वक्री गुरु वृश्चिक राशि ज्येष्ठा नक्षत्र में रात्रि 0:11 पर- रोगो पर नियन्त्रण होगा। जनसामान्य में सुख रहेगा। सुभिक्ष, गाय का दूध, घी आदि रस में मंदा आयेगा। 15 दिन में केशर, कपूर, रुई, तथा धातुओं में मंदा आयेगा। मादक पदार्थो अफीम आदि में तेजी बनेगी। दो मास तक वर्षा में कमी रहेगी। इसके बाद खण्ड़ वृष्टि होगी राजनैतिक वातावरण दूषित होगा। विग्रह विवाद बढ़ेंगे।

27 अप्रैल 2019: मंगल मृगशिरा में रात्रि 01:02 पर – उत्तम वर्षा होगी। वर्षा से कपास की खेती की हानि होकर रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। तिल की हानि होगी। चांदी तेजी में रहेगी। भैंसों में किसी रोग का प्रकोप होगा।

28 अप्रैल 2019: सूर्य भरणी में प्रात: 06:03 पर: कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। सोंना, तांबा, पीतल आदि धातुओ, चावल, गेहूँ, जौ, चना, मोंठ, अलसी, तूअर, सरसों, राई, गुड़, खांड़, घी, अफीम में तेजी आयेगी। चांदी, रुई में घटबढ़ चलेगी। किसी संक्रामक रोग के फैलने की आंशका है। शकुन शास्त्र के अनुसार आज की वर्षा आगे चलकर वर्षा में कमी करेगी तथा आगे चलकर सभी प्रकार से कष्ट कारी रहेगी। 15 दिनो के अन्दर मनुष्यों को कष्ट होगा।

29 अप्रैल 2019: शनि वक्री धनु राशि में सांय 18:09 पर- तीन मास में किसी रोग का उपद्रव होगा। यात्रियो को भय रहेगा। मार्ग दुर्घटनायें होंगी। मणि, मोती,

रत्न तथा सोना चांदी में मंदा आयेगा। लौंग, सुपारी, नारियल, तिल तैल आदि के भाव में घटाबढ़ी चलेगी। घोड़ा, अफीम, नील, नीला थोथा, पंतग, हल्दी, जीरा, धनिया, मेथी, द्राक्ष, खजूर, घी, धान्यों, गेहूँ, मूंग, ज्वार प्रोमेसरी नोट आदि में तेजी आयेगी। शनि वक्री होने के समय वृष राशि के मंगल से हाथी, घोड़े, गाय, भैंस आदि चौपायो तथा मनुष्यों की हानि होगी। शुक्र रेवती में रात्रि 19:23 पर- स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को राहत रहेगी। चांदी, गुड़, खांड़, शक्कर, रुई, कपास, चावल, सूत, चन्दन, सन, जवाहरात में मंदा रहेगा। रुई, चांदी, चावल, खांड़ के भावो में मंदे के झटके आयेगे। जंगली जानवरो के प्रकोप से जनधन की हानि होगी। यात्रीयों को कष्ट रहेगा।

मई 2019

03 मई 2019 : शुक्रवारी वैशाख चतुर्दशी के प्रभाव से अन्न उत्पादन उत्तम होगा। परन्तु 04 मई वैशाखी अमावस्या में अश्विनी नक्षत्र होने से मध्यम फल मिलेगा। बुध मेष राशि में सांय 17:03 पर- मध्यम वर्षा होगी। सोना, चांदी आदि धातुओ, मूंगा आदि बहुमूल्य रत्नो में, गेहूँ, जौं चना आदि में तेजी बनेगी। मोती, तिल, तैल, तिलहन तथा अलसी में मंदा आकर तेजी बनेगी। गुड़, खांड़, शक्कर, रसकस, तेल, तिल, सरसों, घी, रुई, सूत, सन, कपास में गिरावट आयेगी। पशुओ में किसी रोग का प्रकोप होगा। चौपायो के मूल्यो में घटबढ़ रहेगी।

05 मई 2019 : बुध अस्त पश्चिम दिशा में मेष राशि में मध्यान्ह 14:56 पर- बैशाख मास में अस्त बुध में विश्व में कल्याणकारी कार्य होंगे। सुभिक्ष रहेगा। रुई, चांदी में तेजी होकर मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट चलेगी। 20 दिनों में राजस्थान में वर्षा होगी। 15 दिनों में रुई में मंदा आयेगा। प्राकृता गति में अस्त बुध से देश में आरोग्य रहेगा। उत्तम वर्षा से धान्य की वृद्धि होगी।

07 मई 2019 : मंगल मिथुन में - सभी प्रकार की लाल वस्तुओं में तेजी बनेगी। आकाश में बादल छाये रहेंगे। वैशाख सुदी तृतीया के रोहिणी नक्षत्र से सुभिक्ष रहेगा। सभी प्रकार की कृषि का उत्पादन उत्तम रहेगा। मंगल कार्य अधिक सम्पन्न होंगे।

09 मई 2019 : गुरुवारी बैशाख सुदी पंचमी से सुभिक्ष योग बना है। यदि वर्षा हुई तो घास भूसा, तथा ईधन में तेजी चलेगी।

10 मई 2019 : शुक्र मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में रात्रि 19:06 पर : मेष का शुक्र छः मास तक गुड़, घी, दूध, रुई कपास में तेजी बनायेगा तथा 'मंगल घर में शुक्र हो अन्न तेज तब जान के अनुसार' अन्न पदार्थो में तेजी बनायेगा। दुधारु पशुओ विशेषकर भैंसो को पीड़ा होगी। पशुओं में तेजी बनेगी। धान्यो में तेजी आयेगी। आगे बने वर्षा का योग में वर्षा में देरी अवश्य होगी परन्तु वर्षा का प्रमाण उत्तम रहेगा। वायु वेग की अधिकता रहेगी। रुई, कपास, ऊन के भावों में गिरावट रहेगी। सोना, चांदी, गेहूँ, जौ, चना, अन्य सभी प्रकार के धान्यो तथा घी में तेजी रहेगी। गुड़, खांड़, शक्कर, पटसन, बारदाना में घटबढ़ के बाद तेजी बनेगी। रुई, कपास, सूत, तैल, तिल, सरसों, अरण्डी, अलसी मटर, उड़द, मूंग, मोठ, अरहर में घटाबढ़ी के बाद मंदे का रुख बनेगा। तेज हवाओ का प्रकोप रहेगा। अन्य मत से दूध, घी, चावल, चांदी में तेजी चलेगी। बुद्धिजीवी वर्ग में परस्पर वैमनस्य एवं तीव्र मतभेद होगा। स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को राहत रहेगी। घुड़सवारो को पीड़ा होगी। ऊन, धातु, रसकस, सोंठ, तिल, अलसी, जौ, चना, उड़द में 12 दिनो में गिरावट आयेगी।

12 मई 2019 : सूर्य कृतिका में 00:08 पर- शकुन शास्त्र के अनुसार आज की वर्षा आगे चलकर सुभिक्ष का योग करेगी। अन्न उत्पादन उत्तम रहेगा। सफेद फूल में तेजी आयेगी। 15 दिनो के अन्दर सोना, चांदी, अलसी, गेहूँ, जौ, चना, मूंग, मोंठ, चावल, गुड़, सरसों तथा राई में तेजी आयेगी। तांत्रिको, कर्मकांडी

ब्राह्मणो, पॉटरी उद्योगो, ब्यूटी पार्लर, गणितज्ञो एवं ज्योतिषीयो एवं बुद्धिजीवियो को कष्ट रहेगा।

15 मई 2019 बुधवार : सूर्य वृष में 11:01 पर बैठी संक्राति से समान व्यापारिक स्थिति रहेगी। शुक्र के क्षेत्र का सूर्य दो मास तक तेजी बनाये रखेगा। अन्न उत्पादन उत्तम रहेगा। बैशाख मास की बुधवारी वृष संक्राति अनाजों के भावो में गिरावट का योग बना रही है। तैल घी तथा गुड़ में तेजी आयेगी। प्रजा में अमन चैन रहेगा। एक मत से सर्व सुखदायी सुभिक्ष होगा तथा अन्न उत्पादन अधिक होगा। तथा अन्य मत से अनाजो में तेजी बनेगी। दूध, दही, घी एवं अन्य दुग्ध उत्पादो के भावो में तेजी रहेगी। 30 मुहूर्ति संक्राति में रसकस के भाव सम रहेंगे। अधिक फेरफार नही होगा। प्रजा में कष्ट रहेगा। किन्ही स्थानो पर वर्षा की अधिकता होगी। सोना, कपड़ा, शस्त्र तथा अफीम में तेजी रहेगी।

17 मई 2019 : मंगल आर्द्रा में मध्यान्ह 13:59 पर - तिल के उत्पादन में कमी आयेगी। 20 दिनों में जनसमुदाय में कोई भय व्याप्त होगा। भैंसो की हानि होगी।

18 मई 2019: अस्त बुध वृष में रात्रि 23:35 पर- विश्व के अनेक देशो में युद्ध जैसी परिस्थितियां बनेगी। जनसाधारण भयभीत एवं पीड़ित रहेगा। सभी व्यापारिक वस्तुओ में घटबढ़ चलेगी। तिल, तेल, कपास, चावल जौ, चना, मटर आदि धान्यो में तेजी बनेगी। चांदी, अलसी, शक्कर, तथा वस्त्रों में गिरावट आयेगी। गेहूँ, रुई, सूत में मंदा आकर तेजी बनेगी। सूर्य से युत बुध से युद्धादि की संभावना बनेगी। आतंकवाद बढ़ेगा।

ज्येष्ठ मास : मास पांच रवि तथा पांच सोमवार युत है। पांच रविवारी मास में - "यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।' युद्ध जैसी अफवाहों का बाजार गरम रहेगा। जनता तथा शासन में परस्पर मतभेद बढ़ेगे। सत्ता परिवर्तन होगा। जनता रोग अशान्ति तथा भय से पीड़ित होगी। वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। पांच सोमवार युत मास में -'सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि धन धान्य समृद्धिः स्यात् सुखम् भवति सर्वदा।।' अच्छी वर्षा होगी। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। व्यापारिक वस्तुओ में अच्छी घटाबढ़ी के साथ मंदे का रुख प्रबल रहेगा। एकाएक सभी वस्तुओं पर नियन्त्रण होगा। समय मंदी कारक रहेगा। धन धान्य की वृद्धि होगी। उद्योग बढ़ेगें। कृषि उत्पादन अच्छा होगा। प्रजा में सुख रहेगा। स्पष्ट है मास में शुभाशुभ के मिश्रित फल प्राप्त होंगें। ज्येष्ठ मास की अमावस्या में वर्षा होने से चौमासे में अनावृष्टि अथवा अल्पवृष्टि का योग बनेगा।

19 मई 2019: रविवारी ज्येष्ठ बदी प्रतिपदा से जगत में भय तथा रोग से जनहानि होगी। और यदि इस दिन आकाश घटाबदल से रहित रहा तो चौमासा खूब बरसेगा।

21 मई 2019: शुक्र भरणी में : तिलो की फसल नष्ट होगी। भूसे वाले धान्यो में तेजी आयेगी। तैल, तिल, सरसों, गेहूँ, जौ, चना, मूंग, मोठ, ज्वार, श्रीफल, सुपारी, धान्य, तूअर आदि में घटबढ़ रहेगी। रुख मंदे का बनेगा। सोना, चांदी में गिरावट आयेगी। तिलो की फसल नष्ट होगी। रुई तथा भूसे वाले धान्यो में तेजी आयेगी। दुष्ट, अधर्मी तथा निम्न वर्ग व्यक्ति पीड़ित होगे। गैरकानूनी कार्य करने वाले व्यक्तियो को समुचित दंड मिलेगा। चांदी, सोना, तांबा, लाल रंग की वस्तु तथा नारियल में 12 दिनो में मंदा आयेगा।

25 मई 2019: सूर्य रोहिणी में 20:26 पर- चना, घी, ज्वार, बाजरा, सरसों, राई, तिल, अरण्डा, गुड़, खांड़ के भावो में तेजी आयेगी। 15 दिनों में गेहूँ, जौ, चावल आदि अन्न, मूंग, सरसों, राई, गुड़, खांड़, सुपारी, सूत, सन, अलसी, द्राक्ष, तेल में तेजी आयेगी। रुई में साधारण तेजी बनेगी। चांदी में मंदा आयेगा। धनिक वर्ग, योगी, कृष्कों तथा मैकेनिको, पशुओ एवं जलचरो को कष्ट रहेगा।

30 मई 2019: बुध उदित वृष राशि पश्चिम में रात्रि 04:08 पर- बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी आयेगी। 40 दिन में धान्य तेज होगा।

रुई, कपास, कपड़ा, धान चांदी में 15 दिनो में मंदा होगा। घी, तैल, अरण्ड़ी, सरसों तथा धान्यो में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी। ज्येष्ठ मास वृष राशि में उदित बुध से प्रबल वर्षा होगी। मिश्रा गति में उदित बुध से शुभफल होगें।

जून 2019

01 जून 2019: शुक्र कृतिका में सांय 17:38 पर- किन्ही स्थानो पर उत्तम वर्षा होगी। सरसों, उड़द के उत्पादन में कमी आयेगी परन्तु अन्य धान्यो का उत्पादन सामान्य रहेगा। सोना, चांदी, हींग, जीरा, सुपारी, रुई, सूत, कपास, कपड़ा, चावल, अन्न, सरसों, तिल, तैल सरसों में गिरावट रहेगी। 11 दिनो में चांदी, रुई, सूत, कपास, रेड़ी, तिल, तैल, सरसों, हींग, खजूर, घी तेज होगे। अन्य मत से रुई, सूत, कपास, सन, सूत, बिनोला, तिल, सरसों, तेल, चांदी, सोना, तांबा, पीतल में छ: दिनो में मंदा आयेगा।

02 जून 2019: बुध मिथुन में रात्रि 00:17 पर- किसी स्थान पर अत्यन्त तेज पवन के साथ वर्षा होगी अन्यथा मंगल तथा राहु के योग से वर्षा में कमी रहेगी। तेज हवाऐं चलेगी। रुई, चांदी, सोना, सरसों में मंदा आकर घटाबढ़ी चलेगी। सरसों एवं तरे में घटबढ़ रहेगी। तैल, तिल, अरण्ड़ी में साधारण तेजी रहेगी। चना, मूंग, मोठ, भारवाहक पशुओ तथा वाहनो में गिरावट आयेगी। अन्य पशुओ के मूल्यो में वृद्धि होगी। 15 दिनो में सोना, चांदी तथा रुई में गिरावट आयेगी।

04 जून 2019: शुक्र वृष में पूर्वान्ह 11:20 पर : सोना में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख बनेगा। रुई तथा चांदी में गिरावट के बाद 15 दिनो में तेजी बनेगी। चावल, घी, शेयर्स में गिरावट आयेगी परन्तु आगे चलकर तेजी बनेगी। जौ, गेहूँ, चना, मटर आदि अनाजो में तेजी बनेगी। किन्ही स्थानो पर विग्रह तथा झग्ड़े झंझट होगे। कुछ स्थानो पर वर्षा होगी तो कुछ स्थानो पर वर्षा का अभाव रहेगा। सुभिक्ष रहेगा। नागरिको में परस्पर वाद विवाद होगे। किन्ही स्थानो पर झगड़े झंझट के बाद भी सामान्य रुप से जनजीवन में शांति रहेगी।

05 जून 2019: ज्येष्ठ सुदी द्वितीया के आर्द्रा नक्षत्र में वर्षा होने से कृाि की हानि का योग बनेगा।

07 जून 2019: मंगल पुनर्वसु में प्रात: 07:39 पर- तिल के उत्पादन में कमी आयेगी। 27 दिनों में श्वेत वस्त्र, कपास, नमक, रस तथा धान्यो में तेजी आयेगी। भैंसों की हानि होगी।

08 जून 2019: सूर्य मृगशिरा में सांय 18:13 पर- सामान्य रुप से समय श्रेष्ठ होगा। सभी प्रकार के फलो, सोना, चांदी, धान्य, कपास, सन, उड़द, मूंग, मोंठ, बाजरा, अलसी में तेजी आयेगी। पशुओ को किसी रोग से पीड़ा होगी। तेज हवाओ की अधिकता रहेगी। 14 दिनों में चना, भूसा, जलीय उत्पादो, कपूर, चन्दन, कस्तूरी नारियल आदि सुगन्धित वस्तुओं , रुई, रेशम, सूत, कपड़ा तथा धातुओं में तेजी आयेगी।

12 जून 2019: शुक्र रोहिणी में सांय 16:20 पर - गायो को पीड़ा होगी। असत् कर्मो की वृद्धि होगी। सोना तांबा, जस्ता मंदा होगा। सोना, चांदी, नारियल, द्राक्ष, सुपारी, गुड़, शक्कर, खांड़ में गिरावट रहेगी। कुछ स्थानों पर विग्रह तथा उपद्रव होगे। किन्ही स्थानो पर तथा किन्ही देशो के मध्य युद्ध जैसी परिस्थितियो के योग बन रहे है। जनजीवन अस्त व्यस्त होगा। सामान्य जन किसी रोग से पीड़ित होगा। 12 दिनो में अफीम में तेजी आयेगी तो खारी, मुनक्का तथा सुपारी में मंदा आयेगा। अन्य मत से चांदी रुई में तेजी बनेगी। द्राक्ष, छुवारे, सुपारी श्रीफल, सरसों, सूत, सन में मंदा आयेगा।

15 जून 2019: सूर्य मिथुन में 17:38 पर शनिवार : 30 मुहूर्ति बैठी संक्राति से व्यवसायिक गतिविधियों में अधिक परिवर्तन नही होगा। रसकस के भाव सम रहेंगे। समान स्थिति रहेगी। ज्येष्ठ मास की शनिवारी मिथुन संक्राति में अशुभ फल होंगे। रोगो का प्रकोप बढेगा। अग्नि कांडो से हानि होगी। 'मिथुने रवि महंगे

बिकै मूल रु कन्द कपास। तिलहन सारे धान्य में तेजी का आभास ।।" के अनुसार कपास, कंदमूल, तिल, आलू, अरवी, अदरक, सोंठ, मूंगफली, हल्दी, प्याज, अदरक, रुई, तिलहन, जूट, सरसों, अलसी, तैल तथा सभी प्रकार के अनाजो में तेजी आयेगी। प्रजा कष्ट में रहेगी। बुध की मिथुन राशि के सूर्य में भूसा, धान्य, ज्वार, बाजार, मकई, ग्वार की पैदावार में वृद्धि होगी। केन्द्र एवं राज्य सरकारो में परस्पर मतभेद बढ़ेगे।

17 जून 2019: ज्येष्ठ सुदी पूर्णिमा में मूल नक्षत्र के योग से 60 प्रतिशत सुभिक्ष का योग बना है। इस दिन की वर्षा से दुर्भिक्ष होगा परन्तु आंधी सहित वायु अथवा बिजली हुई तो शुभ फल प्राप्त होंगे।

आषाढ़ मास: 18 जून 2019: पांच मंगलवार युत मास में **"यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पंच वासरा। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्र भंगस्तदा भवेत्।।'** पश्चिमी देशों में भारी रक्तपात, आंतकवाद की घटनायें घटित होगी। छोटी छोटी छुद्र बातों पर वाद -विवाद होंगे, उत्पात होगा। भय का विस्तार होगा। जनता में विक्षोभ तथा आपसी वैमनस्य बढ़ेगा। युद्धजनक परिस्थितियां बनेगी। मंत्री मंड़ल में परिवर्तन होगा। किन्ही स्थानों पर सत्ता परिवर्तन होगा। राष्ट्रपति शासन लागू होगा। आपसी कलह, अशान्ति तथा रक्त विकार से हानि होगी। चेचक अथवा अन्य किसी अन्य छूत की बीमारी का प्रकोप बनेगा। स्त्रियों में रक्त विकार, प्रदर रोग का विकार अधिक फैलेगा। लाल रंग की वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी।

21 जून 2019: बुध कर्क में रात्रि 02:27 पर- अनाज का भाव मध्यम रहेगा। अन्न आपूर्ति सामान्य से कम होगी। बढती हुई मंहगाई के कारण जनसाधारण कष्ट में रहेगा। 53 दिनों में दुख- सुख तथा सुभिक्ष का फेरफार होता रहेगा। रुई, कपड़ा में मंदा आयेगा। रुई में 15 टके तक की गिरावट आयेगी। चांदी में 2 टके तक की घटाबढ़ी रहेगी। गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर में कुछ मंदा रहेगा। श्वेत कपड़े में मंदा रहेगा। सरसों, मूंगफली, तैल, तिल, गुड़, दही तथा रसकस तेज रहेगे। धान, गुड़, दूध, कपास, सोना में अस्थाई तेजी आयेगी। कपड़ा, चावल में गिरावट आयेगी। मादक पदार्थो, जलवाहनो यथा- नौका, मोटरबोट, जलपोत आदि में तेजी आयेगी। किन्ही स्थानो पर अल्प वर्षा होगी।

22 जून 2019: सूर्य आर्द्रा में सांय 17:18 पर- पंचमी तिथि का आर्द्रा प्रवेश शुभ है परन्तु शनिवार होने से शुभ फलों में न्यूनता रहेगी। दिन में आर्द्रा प्रवेश से सूर्य जल का शोषण करेगा, वर्षा में कमी रहेगी। सूत, अलसी, सरसों, अरण्ड़ा, चीनी, चावल, जौ, चना में तेजी आयेगी। सोने में कुछ घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। कोर्ट -कचहरी से सम्बन्धित व्यक्तियो को कुछ कष्ट होगा। बन रहे वर्षा योग में किन्ही स्थानो पर अधिक वर्षा होगी तथा किन्ही स्थानो पर कम वर्षा होगी। 14 दिनों में रुई, कपास, लाल रंग के वस्त्र, कपूर, चन्दन आदि सुगन्धित वस्तुओं , लोहा, चांदी, सीसा, मोती, रत्न, गुड़, खांड़, खल, सोंठ, घी, हल्दी, गेहूँ आदि धान्य तथा भूसा में तेजी बनेगी। मंगल कर्क में रात्रि 23:22 पर- भैंसो को पीड़ा होगी। भैंसों, ऊन, सभी प्रकार के अन्न तथा ईख में तेजी आयेगी। 15 दिन के अन्दर अफीम, रुई धान, गुड़ तथा खांड़ में तेजी बनेगी। एक अन्य मत से वर्षा होगी। कंही कंही पर धान्यों में तेजी आयेगी।

23 जून 2019: शुक्र मृगशिरा में मध्यान्ह 14:38 पर- धान्यों तथा रुई की फसल खराब होगी। चावल, गुड़, खांड़, शक्कर तथा सभी प्रकार के धान्यो तथा रसकस में तेजी आयेगी परन्तु गेहूँ, जौ, चना, मूंग, मोठ, ज्वार, घी में मंदा रहेगा। प्रजा अन्जाने भय से त्रस्त रहेगी। चना, धान, भूसा 12 दिनो में मंदा होगा। अन्य मत से जन सामान्य के लिये सुखद वातावरण बनेगा। संसार में सदभाव होगा। 28 जून 2019: मंगल पुष्य में प्रात: 04:58 पर- शुभत्व का अभाव रहेगा। आंतकवाद की घटनायें बढ़ेगी। चौरो तस्करो का भय रहेगा। शासकवर्ग-प्रशासन निर्बल सिद्ध होगा। 21 दिनों में सत्ता सुख भोग रहे व्यक्तियों

को विरोध का सामना करना पड़ेगा।

29 जून 2019: शुक्र मिथुन में रात्रि 01:33 पर : रुई, बारदाना, मूंगफली, कपास, सूत, कपड़ा, सरसों, अरण्डी, तिल, तैल में मंदा चलेगा। चांदी घटबढ़ में रहेगी। जौं, गेहूँ, चना में सामान्य तेजी आयेगी। खांड़, घी में घटाबढ़ी चलेगी। गुड़ तेज होकर मंदा होगा। अरहर, ग्वार, रुई, कपास, सूत, पटसन, बारदाना, अरण्डी, तिल, तैल, सरसों में गिरावट रहेगी। एक मत से रुई घी में मंदे का अचूक चांस है। तेज हवाये चलेगी। वर्षा होगी।

जुलाई 2019

01 जुलाई : आषाढ़ मास के रोहिणी नक्षत्र में एक पहर दिन चढ़े तक हवा चली तो श्रावण तथा भाद्रपद मास में अच्छी वर्षा होगी। और यदि दोपहर से सांय तक मेघ वर्षे अथवा दोपहर में हवा चली तो श्रावण तथा भाद्रपद मास में अच्छी वर्षा होगी। आषाढ़ मास के रोहिणी नक्षत्र में पूर्व अथवा उत्तर की हवा चली तो शुभत्व रहेगा। 03 जुलाई : आषाढ़ सुदी प्रतिपदा के पुर्नवसु नक्षत्र से 95.97 प्रतिशत वर्षा का अनुमान है।

04 जुलाई : आषाढ़ सुदी द्वितीया में पुष्य नक्षत्र से 17.45 विश्वे है। गुरुवारी द्वितीया से उत्तम वर्षा होगी अन्न सस्ता होगा। शुक्र आर्द्रा में मध्यान्ह 12:19 पर : तेज हवाओ का प्रकोप रहेगा। वायु वेग के साथ वर्षा होगी परन्तु वर्षा में न्यूनता रहेगी। समय सामान्य गति से चलेगा। चांदी रुई में मंदा आयेगा। कृषि उत्पादों में अचानक मंदा आयेगा। सामान्य जन सुखी रहेगा। वैश्विक सम्पत्ति में वृद्धि होगी। दक्षिणी प्रदेशों में जनहानि का योग है।

06 जुलाई : वक्री शनि पू. षाढ़ नक्षत्र तृतीय चरण में : सभी प्रकार से हानि होगी।

सूर्य पुर्नवसु में सांय 16:49 पर- बिनौला, तिल, ज्वार, मूंग, मोंठ, मसूर, बाजरा, उड़द, अलसी, सरसों, गुड़, खांड़, चावल, नमक, कपड़ा, तिल, कुसुंभा, अरण्डा, नील, सज्जी, मजीठ, माजूफल, केसर, देवदारु, लौंग, नारियल, सफेद वस्तुओं में तेजी आयेगी। किन्ही स्थानो पर वर्षा का योग बन रहा है। नौकरी पेशा वर्ग को कष्ट रहेगा। 14 दिनों में रुई, कपास, लाल रंग के वस्त्र, चन्दन, कपूर आदि सुगन्धित पदार्थो, चांदी, सोना, लोहा, सीसा, मोती, रत्न, खल, सोंठ, घी, हल्दी, गेहूँ तथा भूसा में तेजी आयेगी।

07 जुलाई : रविवारी आषाढ़ सुदी पंचमी से कम वर्षा का योग बना है। यदि आषाढ़ सुदी पंचमी में पछुवा हवा चली अथवा वर्षा हुई या इन्द्रधनुष दिखाई पड़ा तो अन्न तथा तृण के संग्रह से कार्तिक मास में बेचने से लाभ की सम्भावना रहेगी। आषाढ़ सुदी पंचमी के प्रवेश लग्न पर शुभ ग्रह चन्द्रमा तथा वक्री शनि की दशम दृष्टि है। चन्द्रमा बली होने से धन धान्य की वृद्धि, सुख समृद्धि का सामान्य सुख मिलेगा। 07 जुलाई : बुध वक्री सांय 16:47 पर कर्क राशि में - प्राय: सभी वस्तुओं में मंदा आयेगा। धान्य सस्ते होंगे। रुई में तेजी आकर मंदा होगा। ईख, गुड़, खाण्ड, शक्कर, घी, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी, बिनौला एवं अन्य तिलहनो तथा कपूर में तेजी बनेगी। देश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक बनेगी।

10 जुलाई : आषाढ़ सुदी नवमी के दिन सबेरे, दोपहर अथवा सांय काल में सूर्य के पास बादलो का होना शुभ नही है। बुधवारी नवमी से भावों में समता रहेगी। वक्री बुध अस्त पश्चिम दिशा में कर्क राशि में प्रात: 06:14 पर- रुई, चांदी में तेजी होकर मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट चलेगी। 20 दिनों में राजस्थान में वर्षा होगी। 15 दिनों में रुई में मंदा आयेगा। अनावृष्टि होगी। मृत्यु दर में वृद्धि होगी। चौरो तस्करो का उपद्रव बढ़ेगा। संक्षिप्ता गति से गोचर कर रहे बुध से अरिष्ट फलों में किंचित न्यूनता रहेगी।

11 जुलाई मंगल अस्त कर्क राशि पर सांय 16:30 पर: खाद्यान्नों में कमी रहेगी। मादक पदार्थो में कुछ मंदा बनेगा। लगभग साढ़े तीन मास में भूसा आदि में गिरावट आयेगी। कर्क राशि में अस्त मंगल से धान्यों की हानि होगी।

15 जुलाई : शुक्र पुर्नवसु में प्रात: 09:25 पर: रुई, सोना, चांदी, कपास, सूत, में मंदा रहेगा। गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर में तेजी बनेगी। वर्षा में कमी से कृषि उत्पादन के विषय में चिन्ता बनेगी। अन्नों की अनुपलब्धता से इनमें तेजी आयेगी। 12 दिनों में धान्यों में तेजी तथा रुई में मंदा आयेगा। अश्मक तथा विदर्भ क्षेत्रों में जनहानि होगी। किसी अज्ञात कारण से जनमानस पीड़ित होगा। वातावरण में अन्जाना भय रहेगा। 16 जुलाई : आषाढ़ी पूर्णिमा का मान चतुर्दशी से अधिक होने के प्रभाव से अन्न में सस्ता रहेगा। 11 मास तक सुख तथा सुभिक्ष रहेगा। पू. षाढ़ युत पूर्णिमा से सर्वत्र धान्य की उत्पत्ति उत्तम रहेगी तथा प्रजा में सुख शांति रहेगी। आज के चन्द्रग्रहण से इस समय किया गया अन्न संग्रह एक पक्ष के पश्चात् लाभ देगा।

17 जुलाई : आषाढ़ मास के स्वाति नक्षत्र के दिन बादल की गरज हो हो कर वर्षा हुई तो अन्न बहुत पैदा होगा। तथा चौमासा में अच्छी बरसात होगी। श्रावण मास: मास में हुए शुक्रास्त तथा बुधोदय से भाद्रपद मास में अनावृष्टि का योग बना है। 17 जुलाई 2019: मास पांच बुधवार तथा पांच गुरुवार युत है। पांच बुधवार युतमास में **'बुधस्य पंच वाराश्चेज्जायन्ते च निरन्तरम्।प्रजानां सुखमत्यन्तम सुभिक्ष च प्रजायेत।।"** किन्ही स्थानों पर अच्छी वर्षा होगी तथा किन्ही स्थानों पर साधारण वर्षा रहेगी। कृषि की उत्तम उपज से सुभिक्ष रहेगा। धान्य आदि के भावो में न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक मंदा होगा। प्रजा में सुख शांति रहेगी। समय शुभ कारक रहेगा। पांच गुरुवार होने से - "यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च बृहस्पते:। विग्रह पश्चिमी देशे खड्ग युद्धञ्च जायते।।' पश्चिमी देशो में विग्रह होगे। सशस्त्र युद्ध का योग बनेगा। व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकस की हानि से रसादि में तेजी चलेगी। 17 जुलाई 2019 बुधवार : सूर्य कर्क में 04:33 पर : 45 मुहूर्ति संक्राति में रसकस तथा अन्न में गिरावट आयेगी। बैठी संक्राति से समान व्यवसायिक स्थिति रहेगी। कर्क राशि के सूर्य में यदि आश्लेशा नक्षत्र के दिन वर्षा हुई तो सभी प्रकार के अन्न उत्पन्न होंगे साथ ही स्थानो पर धान्यो में तेजी आयेगी। जौ, गेहूँ, चना, चावल, गुड़, शक्कर, खांड़, बाजरा, ज्वार, सरसों, तिल तैल घी, नमक में तेजी आयेगी। सोना, चांदी, लोहा, पीतल आदि धातुओ में मंदा रहेगा। वायु वेग की अधिकता रहेगी। खड़ी फसल को कीटो से हानि होगी। किसी प्रकार के रोग के फैलने का योग है। पृथ्वी पर जल की अधिकता रहेगी। धान्यो के मूल्यो में गिरावट आयेगी। एन. आर. आई के हितो के लिये कुछ लाभकारी कार्य होगे। रेगिस्तान में भी खण्ड़ वृष्टि होगी। खाद्यान्नों का आयात बढ़ेगा। संक्राति समय के मकर के चन्द्रमा से अन्न का संग्रह छः मास पश्चात् लाभ देगा परन्तु सातवें मास तक रखने से हानि होगी। किन्ही स्थानों पर वर्षा होगी। मालवे की अफीम में मंदा आयेगा। एक मत से श्रावण मास की संक्राति के दिन की वर्षा से अन्न उत्पादन उत्तम रहेगा परन्तु रोगो का प्रकोप भी बनेगा।

19 जुलाई 2019: मंगल आश्लेषा में रात्रि 04:30 पर- वर्षा में कमी रहेगी। कृषि की हानि से अन्न उत्पादन के अनुमान में कमी आयेगी। विषेले कीटो तथा जन्तुओ के प्रकोप से जनधन की हानि होगी। 23 दिनों में धान्यो में तेजी आयेगी। 20 जुलाई 2019: सूर्य पुष्य मेंसांय 16:26 पर- सरसों, मद्य, गुड़, खांड़, बाजरा, नारियल, सौंठ, मोम, जूट, सोना में तेजी आयेगी। रुई में तेजी आकर मंदा बनेगा। 14 दिनों में चांदी की वस्तुओं , सीसा, ऊनी वस्त्र, हल्दी, हींग, सोंठ, सुपारी, मोम, गुग्गल, लाख, सन, ज्वार, तिल, तैल, मदिरा तथा गुड़ में तेजी आयेगी। नाविको तथा संत समाज को कष्ट रहेगा।

23 जुलाई : अस्त शुक्र कर्क में मध्यान्ह 12:49 पर : सभी प्रकार के रसकस, गुड़, खांड़, शक्कर, घी, तैल, सूत, सन, बारदाना, गोला में तेजी बनेगी। कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। रुई में मंदा आकर तेजी का योग है। जौं, गेहूँ, चना में गिरावट के बाद में तेजी आयेगी। चांदी में गिरावट रहेगी। वर्षा में कमी रहेगी।

शकुन शास्त्र के अनुसार यदि आज वर्षा हुई तो गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर में मंदा आयेगा। पशु पक्षियो की वृद्धि होगी। एक मत से चांदी, सोना, रुई, घी, सूत, में तेजी रहेगी। किन्ही स्थानो पर छुटपुट वर्षा होगी। धान्यो में तेजी आयेगी। दूसरे मत से वर्षा की अधिकता रहेगी। कृष्क वर्ग में संतोष रहेगा। कर्क का शुक्र तेजी का योग बना रहा है। देश में पाखण्ड़ियो का वर्चस्व बढ़ेगा।

23 जुलाई मध्यान्ह 12:49 से 30 जुलाई मध्यान्ह 12:01 तक बुध तथा शुक्र के कर्क राशि से गोचर में उत्तम वर्षा का योग बना है। 26 जुलाई : शुक्र पुष्य में प्रात: 05:51 पर- उत्तम वर्षा होगी। खाद्यान्नो की उपलब्धता में कमी आयेगी। गुड़, खांड़, शक्कर, कपूर, शिंगरफ, पारा, हींग, लाख, चमड़ा में मंदा रहेगा। रुई, कपास, सूत, सन, रेशम, ऊन तथा धान्यो में तेजी बनेगी। चौरो एवं तस्करो का प्रकोप बढ़ेगा। किसी नामी भ्रष्टाचारी अथवा सेलीब्रेटी की गिरतारी का योग है। अन्य मत से रुई सोना, लाख चपड़ा, गुड़ में मंदा चलेगा। 30 जुलाई : वक्री बुध उदित पूर्व दिशा मिथुन राशि में प्रात: 08:41 पर- बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी बनेगी। रुई की 25 दिनो तक तेजी चलेगी। 40 दिन में धान्यों में तेजी आयेगी। अनावृष्टि, कष्ट तथा पीड़ा का योग बनेगा। मंहगाई बढ़ेगी। चांदी में घटवढ़ी के बाद तेजी आयेगी। सोना में मंदा बनेगा। गेहूँ, जो, चना, अलसी, अरण्ड़ी, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च में तेजी आयेगी। राजस्थान में वर्षा होगी। पुर्नवसु में उदित बुध से अशुभफलों में किंचित न्यूनता रहेगी। वक्री बुध मिथुन राशि में मध्यान्ह 12:01 पर- तेज हवाऐं चलेगी। किसी स्थान पर अत्यन्त तेज पवन के साथ वर्षा होगी। रुई, चांदी, सोना, सरसों में मंदा आकर घटाबढ़ी चलेगी। सरसों एवं तरे में घटबढ़ रहेगी। तैल, तिल, अरण्ड़ी में साधारण तेजी रहेगी। चना, मूंग, मोठ, भारवाहक पशुओ तथा वाहनो में गिरावट आयेगी। अन्य पशुओ के मूल्यो में वृद्धि होगी। 15 दिनो में सोना, चांदी तथा रुई में गिरावट आयेगी। 16 दिनों में अधिक वर्षा होगी।

31 जुलाई : बुध मार्गी मिथुन राशि में रात्रि 21:31 पर- भारवाहक पशुओ में मंदा आयेगा। धान्यो में घटाबढ़ी रहेगी। रुई में घटाबढ़ी चलकर तेजी बनेगी। सन तथा लकड़ी में 15 दिनो में तेजी आयेगी। गुड़, खाण्ड़, शक्कर, तिल, तैल, सरसों, अलसी, कपूर, चन्दन में मंदा रहेगा।

अगस्त 2019

01 अगस्त : श्रावणी अमावस्या के पुष्य नक्षत्र से वर्ष मध्यम रहेगा। वर्षा अधिक नही होगी। यदि इस दिन वर्षा हुई तो विश्व में सुख रहेगा।

02 अगस्त : श्रावण प्रतिपदा के चन्द्रदर्शन से जल की कमी रहेगी। प्रजा की हानि होगी तथा किन्ही राज्यों में सत्ता परिवर्तन होगा। प्रतिपदा के क्षय से कार्तिक मास में किसी राज्य में सत्ता परिवर्तन का योग बन रहा है।

03 अगस्त : बुध कर्क में प्रात: 06:00 पर- बढती हुई मंहगाई के कारण जनसाधारण कष्ट में रहेगा। 53 दिनों में दुख- सुख तथा सुभिक्ष का फेरफार होता रहेगा। मादक पदार्थो में तेजी बनेगी। सुभिक्ष अत्यन्त अल्प रहेगा। रुई, कपड़ा, चावल में गिरावट आयेगी। गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर में कुछ मंदा रहेगा। रुई में 15 टके तक की गिरावट आयेगी। चांदी में 2 टके तक घटाबढ़ी रहेगी। सरसों, मूंगफली, तैल, तिल, गुड़, दही तथा रसकस तेज रहेगे। धान, गुड़, दूध, कपास, सोना में अस्थाई तेजी आयेगी। इनमें तेजी के बाद मंदा बनेगा। श्वेत कपड़े में मंदा रहेगा। अनाज का भाव मध्यम रहेगा। अन्न आपूर्ति सामान्य से कम होगी। किन्ही स्थानो पर अल्प वर्षा का योग है। जलवाहनो यथा- नौका, मोटरबोट, जलपोत आदि में तेजी आयेगी। सूर्य आश्लेषा में मध्यान्ह 15:18 पर- आश्लेषा नक्षत्र का सूर्य वर्षा का योग बना रहा है। किन्ही स्थानो पर वर्षा के कारण खाद्यान्नो के खराब अथवा नष्ट होने का योग है। सोना, चांदी, रुई, बिनोला, चावल, उड़द, शक्कर, ज्वार, घी, तेल, सरसों, अरण्ड़ी, तिल, तैल, द्राक्ष, मिर्च, शेयर मार्केट में तेजी आयेगी। देश के पूर्वोत्तर राज्यो में उपद्रव बढ़ेगे। 14 दिनों में तिल, गुड़, गेहूँ,

चना, अलसी, नील, अफीम आदि मादक पदार्थ, प्रोमेसरी नोट तेज होंगे। पूर्व तथा उत्तर दिशा में उपद्रवों की सम्भावना रहेगी।

06 अगस्त : शुक्र आश्लेषा में : अच्छी वर्षा के उपरान्त भी किन्ही स्थानो पर वर्षा में कमी रहेगी। कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। अन्नो में घटाबढ़ी से भावो में कुछ तेजी बनेगी। चावल, मोठ, चना, जौ, भूसा तथा धान्यो में गिरावट चलेगी। रुई, कपास में साधारण मंदा रहेगा। विषैले जीव जन्तुओ तथा रेगने वाले विषैले कीड़ो का प्रकोप बढ़ेगा। तूअर, मोठ, चावल, चना, धान, भूसा में 12 दिनो में मंदा होगा।

07 अगस्त : स्वाति नक्षत्रयुत सप्तमी में यदि वर्षा हुई तो सभी प्रकार के धान्यों का उत्पादन उत्तम होगा। मनुष्यों में सुख रहेगा।

09 अगस्त : अस्त मंगल सिंह रात्रि में रात्रि 04:47 पर वर्षा में कमी आयेगी। तिल, उड़द, मूंग की हानि होगी। धान्य नष्ट होंगे। महगांई बढ़ेगी। सोना, चांदी, तांबा तथा लाल रंग की सभी वस्तुओं में 45 दिनों में तेजी बनेगी।

11 अगस्त 2019 : गुरु मार्गी वृश्चिक में प्रात: 07:33 पर- अल्प वर्षा के कारण दुर्भिक्ष रहेगा। अनेक प्रकार के उपद्रव होंगे। जन सामान्य में भय व्याप्त होगा। किसी रोग का प्रकोप बढ़ेगा। 13 अगस्त 2019 : श्रावण मास की पूर्णिमा में श्रवण नक्षत्र के योग में यदि वर्षा हुई तो सुभिक्ष रहेगा। अन्न का उत्पादन उत्तम होगा सभी सुखी रहेंगे।

15 अगस्त 2019 : प्रात: 08:02 तक आज यदि वर्षा हुई तो सुभिक्ष रहेगा तथा अन्न उत्पादन उत्तम होगा।

भाद्रपद मास: 16 अगस्त 2019 : मास पांच शुक्र तथा पांच शनिवार युत है। पांच शुक्रवार युत मास में - 'शुक्रस्य पंचवारास्युर्यत्र मासे निरन्त्रम्। प्रजा वृद्धि सुभिक्ष च सुखं तत्र प्रक्तते।।' प्रजा में कुशल क्षेम रहेगी। मित्रता के भाव जाग्रत होंगे। सुभिक्ष तथा क्षेम रहेगा। उत्तम वर्षा होगी। व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकसो में भी मंदे का प्रभाव रहेगा। पांच शनिवार से-'शनैश्च पंचकं दृष्टवा पाताले कम्पते फणी। ईशान देशं भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।' भूकम्पों तथा अग्निकांड़ो से जन-धन की हानि होगी। जनता में अराजकता तथा अशान्ति रहेगी। रोग चौरादि का भय बनेगा। उत्तरी पूर्वी देशो में विग्रह होगे। सत्ता परिवर्तन होगा। राजनैतिक वाद विवाद तथा विग्रह होगे। कृषि की हानि होगी। वर्षा ऋतु के होते हुए भी वर्षा में कमी रहेगी। यदि वर्षा हुई भी तो बिल्कुल साधारण। महगांई बढ़ेगी। प्रत्येक वस्तु में तेजी बनेगी।

16 अगस्त 2019 : अस्त शुक्र सिंह राशि मघा नक्षत्र में रात्रि 20:39 पर- पशुओ में किसी रोग का प्रकोप होगा। सभी प्रकार के धान्यो, सोना, लाल रंग की वस्तुओ तथा चौपायो में तेजी आयेगी। सभी प्रकार के धान्यो- सोना, तांबा, पीतल, चांदी, गेहूँ, जौ, चना, मटर, बाजरा, मजीठ, लाल चन्दन, लाल मिर्च, लाल रंग के अन्य सभी पदार्थो, तैल तिल, मूंगफली, सरसों, ग्वार, केसर, कस्तूरी, रसकस, घी, रसादि पदार्थो में तेजी आयेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। वायु वेग की अधिकता रहेगी। वर्षा में कमी आयेगी। जहां वर्षा होगी वहां तेज हवाओ के साथ होगी। सामान्य जन में कष्ट में रहेगा। पाखण्ड् में वृद्धि होगी। आज हुई वर्षा से अगले 12 दिनो में अच्छी वर्षा का योग रहेगा। एक मत से कपड़ा, जौ, गेहूँ, जौ, चावल, चांदी, रुई, सूत, सन, सोना में मंदा आयेगा।

17 अगस्त 2019 शनिवार : सूर्य सिंह राशि मघा नक्षत्र में 13:02 पर -15 मुहूर्ति संक्राति में रसकस तथा अन्न में तेजी बनेगी। बैठी संक्राति से समान स्थिति रहेगी। 'ईख शर्करा मिष्ट रस गुड़ हल्दी तिल तैल । सोना तांबा तेज हो सूर्य सिंह के मेल ।।" शक्कर तथा लाल रंग के बर्तन, लाल रंग की धातुओं, ईख, गुड़, खांड़ आदि मिष्ट पदार्थो, रत्न, गुड़, हल्दी, तिल, तैल, मूंग, ज्वार, बाजरा, अरण्ड़ा, द्राक्ष, मिर्च, चांदी, रुई, कपास, सरसों, सोना, तांबा मंहगे होगे। अफीम तथा अन्य मादक पदार्थो में तेजी की सम्भावना रहेगी। एक मत से धान्य में गिरावट आयेगी।

घी में तेजी बनेगी। शनिवारी संक्राति से 15 दिनों में वर्षा का योग रहेगा। पहले अधिक वर्षा से किन्ही स्थानों पर रेलवे ट्रेक्स पानी में डूबेगे। मकानो के गिरने का भय रहेगा। बाद में वर्षा में कमी रहेगी। इस दिन की वर्षा से रोगो का प्रकोप रहेगा तथा आश्विन मास में भयजनक स्थितियां बनेगी। संक्राति समय के कुंभ के चन्द्रमा से इस समय का अन्न का संग्रह पांच मास पश्चात् लाभ देगा।

24 अगस्त : रोहिणी युत शनिवारी भाद्रपद कृष्ण अष्टमी से गेहूँ, हल्दी, जीरा, पारा, शीशा में तेजी बनेगी। कस्तूरी, तिल, तैल, गुड, हींग में तेजी आयेगी। इन वस्तुओं का संग्रह कर तीन मास पश्चात बेचने से लाभ होगा।

25 अगस्त : बुध अस्त पूर्व दिशा कर्क राशि में प्रात: 10:57 पर – मिश्रा गति में अस्त बुध से जनता के लिये कल्याणकारी कार्य होंगे। वर्षा से कृषि की वृद्धि होगी। चांदी में घटाबढ़ी चलेगी, रुई की घटबढ़ी 15 दिनों में चलेगी। इसमें रुख गिरावट का रहेगा। सोना, गेहूँ, सोना, अलसी में तेजी रहेगी। धान्यो तथा घी में 30 दिनो में मंदा आयेगा। पहले तेजी फिर मंदा तथा फिर तेजी बनेगी। शासकीय वर्ग में वैचारिक उथलपुथल होगी। प्रजा में मृत्यु भय का निराकरण होगा। चौरो तस्करो के उपद्रवों तथा अनावृष्टि जैसे अशुभ फलों में न्यूनता आयेगी।

26 अगस्त: बुधास्त सिंह राशि में मध्यान्ह 14:07 पर- तेज हवाऐं चलेगी। वर्षा में कमी आयेगी। जनसाधारण में भय का वातावरण बनेगा। कृषि की हानि होगी। फिर भी धान्यो के मूल्य नियंत्रण में रहकर भावों में समता बना रहेगी। इमली, आंवला आदि खट्टे पदार्थो, औषधीय वनस्पतियो तथा देवदारु, सोना, तांबा, पीतल, चांदी आदि धातु, खांड़, कपूर, सूत, कपड़ा, ऊनी, सूती वस्त्रो, बारादाना में तेजी आयेगी। गेहूँ, जौ, चना, गुड़, शक्कर, सरसों, कपास, ऊन में मंदा बनेगा। रुई, पटसन, शेयर्स में मंदा आकर तेजी बनेगी।

27 अगस्त : शुक्र पू फा में मध्यान्ह 15:11 पर- उत्तम वर्षा का योग है। सभी स्थानो पर वर्षा होगी। चावल, चांदी, सोना, रुई, सूत, सन, गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, गेहूँ, जौ, चना, उड़द, मूंग, घी आदि में गिरावट आयेगी। 14 दिनों में धान्य कुछ मंदा होगा। पिछड़े वर्ग की राजनीति करने वाले तथा सामान्य जन कष्ट में रहेंगे।

30 अग 2019 : मगंल पू. फा. में रात्रि 04:21 पर – किसी स्थान पर वर्षा का योग है। आगे चलकर वर्षा में कमी का योग बन रहा है। जन सामान्य में असंतोष एवं पीड़ा रहेगी। गुड़, खांड़, नमक, सरसों लाही, अलसी, मूंगफली, घी तथा तैल के मूल्यो में तेजी बनेगी। चौपायो पीड़ा में रहेंगे। गुड़, खांड़, तैल, घी, रसकस में 20 दिनो में तेजी बनेगी।

31 अग 2019 : सूर्य पू. फाल्गुनी में प्रात: 09:00 पर- सोने में अच्छी तेजी बनेगी। लोहा, जूट, सूत, गुड़, खांड़, तैल, अरण्ड़ी, सुपारी, ज्वार, ऊनी वस्त्रो में तेजी आयेगी। बादल छाये रहेगे। वर्षा योग रहेगा। कृषि कीट प्रकोप से सुरक्षित रहेगी। खाद्यान्नो की उपलब्धता सुलभ होगी। 14 दिनों में मादक पदार्थो, चावल, गेहूँ, ज्वार, तिल, सरसों, घी, जीरा, रुई, कपास, कपास, चांदी तथा चांदी की वस्तुओं में तेजी आयेगी।

सितम्बर 2019

02 सितम्बर : वक्री शनि देव पू. षाढ़ नक्षत्र द्वितीय चरण में रात्रि 03:25 पर : गुजरात, कुरुक्षेत्र-हरियाणा में अनावृष्टि तथा अन्य कारणों से जनहानि होगी।

05 सितम्बर 2019: अनुराधा नक्षत्र युत भाद्रपद शुक्ल सप्तमी में यदि वर्षा न हुई तो फिर वर्षा का अभाव रहेगा।

07 सितम्बर 2019: शुक्र उ. फा. में प्रात: 09:13 पर- सभी प्रकार के अन्नो एवं रुई में तेजी आयेगी। 12 दिनों में धान्य कुछ तेज होंगे। सोना, चांदी में घटबढ़ चलेगी। प्रजा में सुख रहेगा परन्तु मारवाड़ क्षेत्र में उपद्रव होगे। जल संकट ग्रस्त क्षेत्रो, प्रदेशों तथा देशों में कृषि की हानि होगी। सामान्य जन में कष्ट में रहेगा। आज के दिन की वर्षा से कृषि की हानि होगी। एक मत से धान्यो में गिरावट

आयेगी।

09 सितम्बर 2019: आज के दिन की वर्षा से धान्यों में मंदा रहेगा।

10 सितम्बर 2019: अस्त शुक्र कन्या में रात्रि 01:41 पर- वर्षा में कमी से कृषि की हानि होगी। अन्न तेज होगे। उत्तम क्वालिटी के चावलो -बासमती आदि में विशेष तेजी आयेगी। सभी प्रकार के अन्न -गेहूँ, चावल, सोना, गुड़, खांड़, घास तथा ऊनी वस्त्रो में तेजी आयेगी। चांदी घटाबढ़ी में आकर तेजी होगी। रुई में गिरावट आयेगी। सन तथा बारदाना के भावो में मंदा होगा। चौपायो के मूल्यो में तेजी आयेगी। एक अन्य मत से रुई, चांदी, चावल, घी में मंदा रहेगा। खड़ी फसल खराब होने से महगांई बढ़ेगी। शाल की लकड़ी में तेजी रहेगी।

11 सितम्बर 2019: अस्त बुध कन्या राशि में प्रात: 04:59 पर- अत्यन्त तेज पवन के साथ वर्षा होगी। अगले छ: मास तक सोना उत्तम क्वालिटी की गुड़, खांड़, शक्कर में तेजी आयेगी। बाद में यह पदार्थ सस्ते होगे। हल्दी, गेहूँ, जौ, चना में तेजी बनेगी। चांदी, रुई में गिरावट रहेगी।

12 सितम्बर 2019: शुक्रोदय कन्या राशि में सांय 17:04 पर- भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, जया तिथि चित्रा नक्षत्र, धूलिद्वार, पश्चिम दिशा में उदित शुक्र से अन्न में वृद्धि होगी। भूकम्प अथवा युद्ध की सम्भावना रहेगी। वर्षा योग के उपरान्त भी कम वर्षा होगी। जल की हानि से उपद्रव होगा। प्रजा में कष्ट रहेगा। किसी रोग का प्रसार होगा। राजनैतिक विरोध तथा अवरोध होंगे।

14 सितम्बर 2019 : सूर्य उ. फाल्गुनी में रात्रि 02:54 पर- तिल, चावल, उड़द, नारियल, मूंग, जौं, ज्वार, गुड़, चीनी, जूट, कपास, हल्दी, हरड़, हींग, क्षार, कत्था में तेजी आयेगी। 14 दिनों में रेशम एवं रेशमी वस्त्र तथा कपास, सोना, चांदी, लोहा, घी, तेल, सरसों, अरंड़ा, सुपारी, अफीम, मूंज, बांस, नील में तेजी आयेगी। पशुओ में किसी रोग का प्रकोप रहेगा।

आश्विन मास 15 सित. 2019 : मास पांच रविवार युत है। पांच रविवार होने से – 'यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।" वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। जनता तथा शासन में परस्पर मतभेद बढ़ेगे। सत्ता परिवर्तन होगा। युद्ध जैसी अफवाहों का बाजार गरम रहेगा। जनता रोग अशान्ति तथा भय से पीड़ित होगी।

17 सित. 2019 मंगलवार : मंगलवारी आश्विन तृतीया के योग से अग्नि कांड़ो से हानि होगी। धान्यों में तेजी आयेगी। बैठी संक्राति से समान स्थिति रहेगी। सूर्य कन्या में 13:03 पर : 'कन्यायां रवि: नारियल तिलहन आदि मंजिष्ठ । लाल द्रव्य घी तेल सब मंहगे बिके विशिष्ठ ।।' 30 मुहूर्ति संक्राति में रसकस के भाव सम रहेंगे। अधिक फेरफार नही होगा। नारियल, तिल, तैल में तेजी बनेगी। अन्य मत से रुई, सूत, कपड़ा, नारियल सुपारी, मेवा, मजीठ, लाल वस्तु, अरण्ड़ा, घी, तेल, तिल, सरसों सोना, चांदी, लोहा, तांबा, पीतल तथा शेयर्स में गिरावट आयेगी। किसी और के मत से नारियल, सरसों, अलसी, तिलहन, मंजीष्ठ आदि लाल रंग के पदार्थो में तिल, तेल घी, में विशेष तेजी चलेगी। मंगलवारी संक्राति से वर्षा में कमी रहेगा। महगांई बढ़ेगी प्रजा में भय व्याप्त होगा। कपास मजीठ में तेजी रहेगी। 18 सित. 2019 : शनि मार्गी धनु राशि में रात्रि 02:30 पर- शनि मार्गी होने पर अन्न तथा रुई में मंदा बनेगा। मादक पदार्थो में 10 दिन में मंदा आयेगा। चीन में भूकम्प का योग रहेगा। धान्यों की हानि होगी। शुक्र हस्त में रात्रि 03:00 पर : सोना में साधारण तेजी बनेगी। चावल, चांदी तथा रुई में मंदा आयेगा। अन्न, गुड़, खांड़, शक्कर में घटाबढ़ी रहेगी। किसी रोग के प्रसार से जनता पीड़ित होगी। बीमारियो का भय रहेगा। मेघ महोदय से वर्षा में कमी आयेगी। 13 दिनों में यदि धान्यों में मंदा आ गया तो उनके संग्रह करने से लाभ होगा। 20 सित. 2019 : मंगल उ. फा. में रात्रि 01:42 पर- वर्षा नही होने से वर्षा के पूर्वानुमान मिथ्या लगने लगेगे। आगे चलकर वर्षा की कमी से चौपायो को कष्ट होगा। घोड़ो के मूल्यो में वृद्धि होगी। गुड़, खांड़, शक्कर, भारी माल वाहको के मूल्यो

में तथा सवारी गाड़ियो मूल्यो में वृद्धि होगी। गुड़, खांड़ में 23 दिनों में तेजी बनेगी। प्रजा में कष्ट व्याप्त होगा।

23 सित. 2019 : शनिवारी आश्विन अमावस्या से वर्ष मध्यम रहेगा।

25 सित. 2019 : बुधवारी आश्विन कृष्ण एकादशी में गाय, भैंस आदि पशुओं में तेजी बनेगी। अस्त मंगल कन्या में प्रात: 06:33 पर - चन्दन, रेशम एवं रेशमी वस्त्र, अलसी, लाख चपड़ा, लाल रंग की वस्तुओ एवं सभी लाल रंग के वस्त्रो, ऊनी वस्त्रो, जूट, सोना, चांदी, पीतल, तांबा, सूत, कपास, गेहूँ, जौ, चना, गोला, गुड़, मिर्च, मजीठ, तैल, तिल, रुई, सूत हैशियन, बारदाना में तेजी आयेगी। 16 दिनों में रुई में तेजी आयेगी। मादक पदार्थो में मंदा आयेगा। अलसी में फेरफार होगा।

27 सितम्बर 2019 : बुधोदय पश्चिम दिशा में कन्या राशि में प्रात: 05:57 पर-आश्विन मास उदित बुध से किसी स्थान पर अधिक वर्षा होगी। कृषि लाभान्वित होगी। धान्यों की उपज उत्तम रहेगी। बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी आयेगी। 40 दिन में धान्य तेज होंगे। रुई, कपास, कपड़ा, धान चांदी में 15 दिनो में मंदा होगा। घी, तैल, अरण्ड़ी, सरसों तथा धान्यो में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी। बुध की घोरा गति के प्रभाव से कुछ अशुभफल भी होंगे। सूर्य हस्त में सांय 18:26 पर- चना, घी, सूत, जूट, कपड़ा, धनिया, घास, लकड़ी, नमक, रुई में तेजी आयेगी। 15 दिनों में गेहूँ, जौ, ज्वार, गुड़, खांड़, कथीर, हरड़, खार, हल्दी, हींग, कपास तथा सन में तेजी आयेगी। पत्रकारो तथा लेखको को कष्ट रहेगा।

28 सितम्बर 2019: शुक्र चित्रा में रात्रि 20:32 पर : सोना, चांदी तथा समस्त धान्यो के मूल्यो में समता रहेगी। प्राय: ही सभी वस्तुओ के भावो में स्थिरता रहेगी। रुई में मंदे का ध्यान रख कर कार्य करे। रोगो का प्रकोप बढ़ेगा। किन्ही स्थानो पर झगड़े, झझंट होगे। पक्षियो को पीड़ा होगी। 12 दिनों में गुजरात, काठियावाड़ मुम्बई में वर्षा होगी अन्य स्थानों पर वर्षा की कमी अनुभव होगी।

29 सितम्बर 2019: बुध तुला में 12:55 पर - किन्ही स्थानो पर वायु वेग के वर्षा होगी। विश्व के अनेक स्थानो पर कलह, क्लेश तथा युद्धादि से हानि होगी। किन्ही देशो के मध्य अप्रिय वातावारण बनेगा। विग्रहो में वृद्धि होगी। किसी रोग का प्रकोप होगा। सामान्यजन पीड़ित रहेगा। रुई, सोना, गेहूँ, जौ, चना, गुड़, शक्कर, खांड़, अफीम, बारदाना, गोला घी, शक्कर, अलसी तथा यूनानी एवं आयुर्वेदिक औषधियो में तेजी आयेगी। चांदी, सरसों, अलसी, मूंगफली, बिनौला, मिर्च में मंदा रहेगा।

अक्टूबर 2019

04 अक्तूबर 2019 : शुक्र तुला में प्रात: 05:14 पर- विश्व में क्षेम कुशल रहेगा परन्तु कुछ स्थानो पर ईर्ष्या द्वेष वश उपद्रव होगे। किन्ही स्थानो पर विग्रह विवाद के उपरान्त भी कुशलता एंव आरोग्यता बनी रहेगी। रुई में तेजी आकर गिरावट देखने में आयेगी। गुड़, शक्कर, सोना में साधारण तेजी रहेगी। चांदी में घटबढ़ चलेगी। उत्तम कृषि से अन्न घटाबढ़ी में रह कर मंदा होगा। शुभ ग्रहो से दृष्ट शुक्र से अच्छा मंदा बनेगा। एक मास में मादक पदार्थो में तेजी बनेगी। शुक्र तथा बुध की युति से गिरावट आयेगी तथा अराजकता एवं उपद्रवो पर नियन्त्रण रहेगा। प्रजा में शुभ कार्य सम्पन्न होगे। एक मत से रुई में मंदा खेले। शनि पू. षाढ़ नक्षत्र तृतीय चरण रात्रि 21:31 पर: सभी प्रकार से हानि होगी।

08 अक्तूबर 2019 : मंगलवारी आश्विन सुदी दशमी में रोगो का प्रकोप होगा।

09 अक्तूबर 2019 : शुक्र स्वाति में मध्यान्ह 13:57 पर- वर्षा की अधिकता रहेगी। गुड़, खांड़, शक्कर, सरसों, तैल, पशु आहारो एवं भूसी वाले धान्यो में तेजी बनेगी। अन्नों, अन्न पदार्थो तथा गेहूँ, जौ, चना में गिरावट आयेगी अन्य सभी अन्नो में घटाबढ़ी चलेगी। किन्ही स्थानो पर उपद्रव से शांति व्यवस्था भंग होगी। चौरो तस्करो के प्रकोप से जनता त्रस्त रहेगी। अन्य मत से सभी वस्तुओ

में तेजी बनेगी। अग्नि तथा चोरो का उपद्रव 11 दिनो में होगा।

10 अक्तूबर 2019 : मंगल हस्त में रात्रि 19:38 पर- सभी प्रकार के अन्न विशेष रुप से मोटे अनाजों, घी, गुड़, खांड़, नमक में तेजी बनेगी। सैंधा नमक तेज होगा। वर्षा में कमी रहेगी। परन्तु किसी स्थान पर अधिक वर्षा का भी योग है। धान्यो के उत्पादन में कमी रहेगी। तेजी का प्रभाव 22 दिनो में होगा।

11 अक्तूबर 2019 : सूर्य चित्रा में प्रात: 07:25 पर -सोना, चांदी, रुई, तिल, सोना, चांदी, गुड़, खांड़, केसर, कपूर में तेजी आयेगी। किसी रोग का प्रकोप रहेगा। 15 दिनों में गेहूँ, चना, अरहर तथा धान्य, लाख, चपड़ा, सूत, कपास एवं रेशम में तेजी बनेगी। कार्तिक मास : मास पांच सोमवार तथा पांच मंगलवार युत है। पांच सोमवार युत मास में -'सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि धन धान्य समृद्धि: स्यात् सुखम् भवति सर्वदा।।' अच्छी वर्षा होगी। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। व्यापारिक वस्तुओ में अच्छी घटाबढ़ी के साथ मंदे का रुख प्रवल रहेगा। एकाएक सभी वस्तुओं पर नियन्त्रण होगा। समय मंदी कारक रहेगा। धन धान्य की वृद्धि होगी। उद्योग बढ़ेगें। कृषि उत्पादन अच्छा होगा। प्रजा में सुख रहेगा। मास पांच मंगलवार युत होने से - **'यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पंच वासरा। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्र भंगस्तदा भवेत्।।"** पश्चिमी देशों में भारी रक्तपात, आंतकवाद की घटनायें घटित होगी। छोटी छोटी छुद्र बातों पर वाद -विवाद होंगे, उत्पात होगा। जनता में विक्षोभ तथा आपसी वैमनस्य बढ़ेगा। युद्धजनक परिस्थितियां बनेगी। मंत्री मंड़ल में परिवर्तन होगा। किन्ही स्थानों पर सत्ता परिवर्तन होगा। राष्ट्रपति शासन लागू होगा। आपसी कलह, अशान्ति से हानि होगी। रक्त विकार, चेचक अथवा अन्य किसी अन्य छूत की बीमारी का प्रकोप बनेगा। स्त्रियों में रक्त विकार, प्रदर रोग का विकार अधिक फैलेगा। लाल वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी।

14 अक्तूबर 2019 : मंगल उदित कन्या राशि में रात्रि 03:54 पर- राजस्थान में वर्षा होगी। धान्य उत्पादन उत्तम रहेगा। 05 दिनों में मादक पदार्थो तथा रुई में तेजी आयेगी। ब्राह्मण तथा क्षत्रिय वर्ग रोग ग्रसित होगा। राजवर्ग को पीड़ा होगी।

18 अक्तूबर 2019 : सूर्य तुला में 01:03 पर : शुक्र के क्षेत्र का सूर्य दो मास तक तेजी बनाये रखेगा। 45 मुहूर्ति बैठी संक्राति से बाजार की स्थिति समान रहेगी। कोई विशेष परिवर्तन नही होगा। रसकस तथा अन्न में गिरावट आयेगी। मादक पदार्थो में मंदा रहेगा। फसलों को कीटो से हानि होगी तथापि अन्न उत्पादन उत्तम रहने तथा शुक्रवारी तुला संक्राति से अन्न के मूल्यों में गिरावट आयेगी।

20 अक्तूबर 2019 : शुक्र विशाखा में प्रात: 07:25 पर : उत्तम वर्षा होगी। धान्यो, गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर, मूंग, सूत, कपास, चांदी, चावल, स्वर्ण, सरसों में मंदा रहेगा। पशु आहारो एवं भूसी वाले धान्यो में घटबढ़ रहेगी। व्यापार में लगातार उतार चढ़ाव होने से व्यापारी वर्ग चिन्ता में रहेगा। रुई में 15 दिनो में मंदा होगा। किसी बड़े स्केम का खुलासा होगा।

23 अक्तूबर 2019 : बुध वृश्चिक में रात्रि 23:12 पर- सोना के मूल्यो में समता रहेगी। घी, तैल, रुई में घटाबढ़ी चलेगी। चांदी, अफीम, अलसी, सरसों, अरण्ड़ा, बिनोला आदि तिलहनो तथा पशुओ के मूल्यो में तेजी आयेगी। अफीम, अलसी, सरसों, धान्यों- गेहूँ, जौ, चना, बाजरा, ग्वार में गिरावट आयेगी। सामान्यतया सुख रहेगा।

24 अक्तूबर 2019 : सूर्य स्वाति में सांय 18:00 पर- सोना, चांदी, जूट, सूत, कपड़ा, शक्कर, बिनौला, सुपारी, मिर्च, सरसों, अलसी, राई में तेजी बनेगी। 14 दिनों में गुड़, खांड़, तैल, लाख, हल्दी, हींग, कपूर, गुग्गल, रुई, सन तथा धातुओं में तेजी बनेगी। प्राकृतिक प्रकोप से जनधन की हानि का योग है।

28 अक्तूबर 2019 : सोमवारी कार्तिकी अमावसया से 100 दिनो तक वर्षा का योग है अर्थात 100 दिनों का वर्षा काल रहेगा। शुक्र वृश्चिक में प्रात: 08:32 पर : सुभिक्ष से प्राय: ही शुभ फल प्राप्त होंगे। उत्तम कृषि से सभी प्रकार के धान्यो

के मूल्यो में गिरावट आयेगी। मंहगाई कम होने से राहत होगी। सुख एवं शांति रहेगी। जनसामान्य का भय नष्ट होगा, ज्वार बाजरा, गेहूँ, जौ, चना, उड़द, मूंग, मोठ आदि में मंदा होगा। चांदी में यदि अब तक तेजी रही तो मंदा होगा अन्यथा मंदा होने पर तेजी आयेगी। अलसी, रुई, कपास तथा शेयर मार्केट में तेजी बनेगी। गुड़ में घटाबढ़ी चलेगी। मादक पदार्थो में पहले मंदा होकर बाद में तेजी बनेगी। 33 दिनों में रुई में मंदा आयेगा। वृश्चिक का शुक्र छः मास तक गुड़, घी, दूध, रुई कपास में तेजी बनायेगा तथा 'मंगल घर में शुक्र हो अन्न तेज तब जान के अनुसार' अन्न पदार्थो में तेजी बनायेगा। शुभ ग्रहो से बुध तथा गुरु के योग अच्छा मंदा बनेगा।

31 अक्तूबर 2019 : शुक्र अनुराधा में रात्रि 00:54 पर – वर्षा की कमी तथा अनावृष्टि योग है। रुई में तेजी बनेगी। गुड़, खांड़, शक्कर दूध, घी, चांदी, चावल, नमक तथा क्षारीय पदार्थो में गिरावट आयेगी। किन्ही स्थानो पर उपद्रव होगे। किसी प्रकार के रोग का प्रकोप होगा। पशुओ में भी रोगो का प्रकोप चलेगा। किन्ही भागो में भूकम्प से जन धन की हानि होगी। क्षत्रियो को पीड़ा रहेगी। चावल और खांड़ में 22 दिनों में कुछ मंदा बनेगा। अन्य मत से पशुओ की वृद्धि होगी। रुई में मंदा आयेगा। बुध वक्री वृश्चिक राशि में प्रातः 09:07 पर- रुई में तेजी आकर मंदा होगा। ईख, गुड़, खाण्ड़, शक्कर, घी, तैल, सरसों, अलसी, अरण्ड़ी, बिनौला अन्य तिलहनो तथा कपूर में तेजी बनेगी। देश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक रहेगी। खाद्यान्नो के भावो में गिरावट आयेगी। मंगल चित्रा में प्रातः 09:19 पर- गेहूँ , जौ, चना, चावल, चांदी, सोना, पीतल, तांबा में तेजी बनेगी। किसी रोग का प्रकोप बढ़ेगा। वर्षा में कमी रहेगी। 12 दिनों में गेहूँ, चावल, अन्य धान्यों तथा धातुओ में तेजी बनेगी।

नवम्बर 2019

01 नवम्बर 2019: वक्री बुध अस्त पश्चिम दिशा वृश्चिक राशि में प्रातः 11:49 पर- सभी प्रकार की धातुओ में तेजी आयेगी। रुई, चांदी में तेजी होकर 15 दिनों में मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट चलेगी। 20 दिनों में राजस्थान में वर्षा होगी। राजवर्ग में पीड़ा होगी।

05 नव. 2019: गुरु धनु राशि मूल नक्षत्र में प्रातः 05:17 पर- दो मास तक वर्षा में कमी रहेगी । इसके बाद खण्ड़ वृष्टि होगी राजनैतिक वातावरण दूषित होगा। विग्रह विवाद बढ़ेंगे। गेहूँ में तेजी बनेगी। मदिरा, मादक पदार्थो, तिल तथा गुड़ में गिरावट रहेगी। मूंग तथा कुलथी का उत्पादन अधिक होगा।

07 नवम्बर 2019: सूर्य विशाखा में रात्रि 02:04 पर- सोना, गुड़, खांड़, रुई, कपास, गेहूँ, जौ, चना, सरसों, तिल तथा शेयरो में तेजी बनेगी। 14 दिनों में देश के पूर्वी एवं दक्षिण प्रदेशो में उपद्रव होने की सम्भावना रहेगी। चांदी, रसकस, चावल, सूत, अफीम आदि मादक पदार्थ तथा विदेशी करेंसी में तेजी आयेगी। वक्री तथा अस्त बुध तुला राशि में मध्यान्ह 15:56 पर- रुई, सोना, गेहूँ, जौ, चना, गुड़, शक्कर, खांड़, अफीम, बारदाना, गोला घी, शक्कर, अलसी तथा यूनानी एवं आयुर्वेदिक औषधियो में तेजी आयेगी। चांदी, सरसों, अलसी, मूंगफली, बिनौला, मिर्च में मंदा रहेगा। किन्ही स्थानो पर वायु वेग के साथ वर्षा होगी। किसी रोग का प्रकोप होगा। सामान्यजन पीड़ित रहेगा। विश्व में अनेक स्थानो पर कलह, क्लेश तथा युद्धादि से हानि होगी। किन्ही देशो के मध्य अप्रिय वातावारण बनेगा। विग्रहो में वृद्धि होगी।

10 नवम्बर 2019: मंगल तुला में मध्यान्ह 14:24 पर: सभी प्रकार के अन्नो – गेहूँ, जौ, चना मटर, अरहर, ग्वार, ज्वार, बाजरा, गुड़, शक्कर, मूंगफली, बिनौला तथा सभी प्रकार की सफेद वस्तुओ, तांबा, पीतल, बारदाना में तेजी आयेगी। उड़द, मूंग, रुई, सूत, कपास में विशेष तेजी बनेगी। 45 दिनों में अफीम में तेजी बनेगी। शुक्र ज्येष्ठा में सांय 18:31 पर : राजद्वार का शुक्र उच्च पदस्थ व्यक्तियो के लिये कष्टकारी होगा। शिशुओ में कोई रोग फैलेगा। तथाकथित

लोकप्रिय नेताओ की छवि धूमिल होगी। राजनेताओ में परस्पर विग्रह बढ़ेगे। किसी स्थान पर झगड़े झझंट होगे। सोना, चांदी, तिल, चावल, तैल, सरसों, हींग, सूत, रुई, खांड़ में मंदा रहेगा। अन्य मत से सरसों तिल तैल में तेजी रहेगी। धान्यों में 18 दिनों में तेजी बनेगी। धान्यो में साधारण तेजी बनेगी। वर्षा का अभाव होगा।

12 नवम्बर 2019 : भरण नक्षत्र युत कार्तिकी पूर्णिमा से रोगो का प्रकोप रहेगा तथा दुर्भिक्ष होगा।

मार्गशीर्ष मास: 13 नवम्बर 2019 : मास पांच बुध तथा पांच गुरुवार युत है। पांच बुधवार होने से 'बुधस्य पंच वाराश्चेज्जायन्ते च निरन्तरम्। प्रजानां सुखमत्यन्तम सुभिक्ष च प्रजायेत।। किन्ही स्थानों पर अच्छी वर्षा होगी तथा किन्ही स्थानों पर साधारण वर्षा रहेगी। कृषि की उपज उत्तम रहेगी। सुभिक्ष रहेगा। धान्य आदि के भावो में न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक मंदा होगा। प्रजा में सुख शांति रहेगी। समय शुभ कारक रहेगा। पांच गुरुवार होने से - **'यत्र मासे पंचवारा जायन्ते च बृहस्पतेः। विग्रह पश्चिमी देशे खड्ग युद्ध□च जायते।।"** पश्चिमी देशो में विग्रह होगे। सशस्त्र युद्ध का योग बनेगा। व्यापारिक वस्तुओ में घटाबढ़ी चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकस की हानि से रसादि में तेजी चलेगी।

16 नवम्बर 2019 : वक्री बुध उदित पूर्व दिशा तुला राशि में रात्रि 23:04 पर- बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी आयेगी। 40 दिन में धान्यों में तेजी बनेगी। रुई में 25 दिनो तक तेजी चलेगी। चांदी में घटबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। सोना में मंदा बनेगा। गेहूँ, जो, चना, अलसी, अरण्ड़ी, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च में तेजी आयेगी। राजस्थान में वर्षा होगी।

17 नवम्बर 2019 रविवार: सूर्य वृश्चिक में 00:52 पर : 'वृश्चिक राशि गत सूर्य हो तो ऊन वस्त्र समभाव । लाल द्रव्य मंदे मिले तो खरीद कर लाव ।।" 45 मुहूर्ति खड़ी संक्राति से सफेद वस्तुओं, ऊन, ऊनी वस्त्रो में तेजी चलेगी, चांदी, तांबा में साधारण तेजी बनेगी। गुड़, घी, दूध, रुई कपास में छः मास तक तेजी रहेगी। अन्य वस्तुओ के मूल्यो में कुछ तेजी रहेगी। लाल रंग के पदार्थो रसकस तथा अन्न में गिरावट आयेगी। ऊन एवं ऊनी वस्त्रो में तेजी के रुख के बाद भी भावो में समता रहेगी। अन्न उत्पादन उत्तम रहेगा। ज्वार उड़द आदि का संग्रह करने से लाभ होगा। मालवे की अफीम में तेजी बनेगी। रुई तथा तैल में तेजी रहेगी। रविवारी सक्रांति से युद्ध जैसी परिस्थितीयां बनेगी, आतंकवाद बढ़ेगा।

20 नवम्बर 2019: सूर्य अनुराधा में प्रातः 08:11 पर- चांदी, चावल, सूत, मादक पदार्थ, जौ, चना, आदि अनाजो में तेजी बनेगी। सोना में गिरावट रहेगी। 'धार्मिक कार्यो' में लिप्त मनुष्यो को कष्ट रहेगा। चांदी में घटबढ़ चलेगी। 14 दिनों में गेहूँ तथा विदेशी करेंसी में तेजी आयेगी। बुध मार्गी तुला राशि में मध्यान्ह 12:57 पर-रुई में घटाबढ़ी चलकर तेजी बनेगी। रेशम, चंदन, कपूर, अफीम तथा अनाजो में तेजी चलेगी। सन, भूसा तथा लकड़ी में 15 दिनो में तेजी आयेगी। गुड़, खाण्ड़, शक्कर, तिल, तैल, सरसों, अलसी, कपूर, चन्दन में मंदा रहेगा। आयुर्वेदिक तथा यूनानी औषधियो में तेजी बनेगी। मंगल स्वाति में सांय 18:13 पर- किसी स्थान पर वर्षा का योग है परन्तु अनावृष्टि का योग बना होने से वर्षा में न्यूनता रहेगी। गेहूँ, जौ, चना, तिल, रुई, कपास, कपड़ा, तांबा, पीतल, गुड़, खांड़, शक्कर में तेजी आयेगी। चांदी में घटाबढ़ी चलेगी तथा सोना, सन, सूत में साधारण मंदा रहेगा। 24 दिनो में गेहूँ, तिल, तैल में तेजी बनेगी। रुई में अच्छी तेजी बनेगी। धान्य, मूंगफली, सरसों, राई, गेहूँ, तिल, तैल मंहगे होगे। सोना में गिरावट आयेगी।

21 नवम्बर 2019: शुक्र धनु राशि मूल नक्षत्र में मध्यान्ह 12:23 पर : वर्षा में कमी आयेगी। कृषि को अनेक कारणो से क्षति होने से सभी प्रकार के धान्यो तेजी आयेगी। कृषि नष्ट होने से गेहूँ, जौ, चना, गुड़, शक्कर, खांड़, घी, चांदी, शेयर्स, सन, सूत, कपास, वस्त्रो, अफीम, चांदी, तांबा, लोहा आदि में तेजी

रहेगी। सोना में घटाबढ़ी चलेगी। रुई तथा सभी प्रकार के अन्नो में पहले तेजी होकर बाद में मंदे में जायेगी। व्यापार में अच्छी तेजी मंदी चलने से व्यापारियो में घबराहट रहेगी। प्रजा में संघटन बढ़ेगा। चिकित्सको तथा व्यापारियो को कष्ट रहेगा। चिकित्सक आंदोलन ग्रस्त होंगे। किसी प्रकार के रोग का प्रकोप होगा। अन्य मत से चांदी, सोना, रुई कपास, गेहूँ में तेजी बनेगी। सभी प्रकार के धान्यो में तेजी आकर बाद में मंदा बनेगा।

दिसम्बर 2019

02 दिसम्बर 2019: शुक्र पूर्वाषाढ़ में प्रात: 06:30 पर- उड़द, मूंग, तिल, तैल, सरसों, गुड़, शक्कर, खांड़, नमक में मंदा आयेगा। अन्य मत से तिल, तैल, सरसों, अलसी, उड़द, नमक 13 दिनो में मंदे होगे। सोना, चांदी, रुई, में तेजी आकर मंदा होगा। जल जन्तुओ को पीड़ा होगी। जलीय उत्पादों की हानि होगी।

03 दिसम्बर 2019: सूर्य ज्येष्ठा में मध्यान्ह 12:24 पर- सभी प्रकार के शेयरो, गेहूँ, जौ, चना, रुई, सूत, गुड़, खांड़, शक्कर, अलसी, पारा, हींग, अरण्ड़ा, गूग्गल में तेजी आयेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। कफ की बीमारी का प्रकोप होगा। 15 दिनों में चावल, सरसों, धान्य, कपड़ा, मादक पदार्थ, सोना, चांदी तेज होंगे।

05 दिसम्बर 2019: बुध वृश्चिक में प्रात: 10:34 पर- अरण्ड़ा, बिनोला आदि तिलहनो तथा पशुओ के मूल्यो में तेजी आयेगी। सोना के मूल्यो में समता रहेगी। घी, तैल, रुई चांदी, अफीम, अलसी, सरसों में घटाबढ़ी चलेगी। धान्यों- गेहूँ, जौ, चना, बाजरा, ग्वार में गिरावट आयेगी। सामान्यतया सुख रहेगा।

07 दिसम्बर 2019: शनिवारी मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी से बने अनावृष्टि का योग में जनहानि होगी। सत्ता परिवर्तन होगा।

10 दिसम्बर 2019: मंगल विशाखा में रात्रि 22:00 पर- वर्षा में कमी आयेगी। खाद्यान्नो की उपलब्धता से अन्न मंहगे होगे। कपास, रुई, गेहूँ में तेजी की धारणा बनेगी तथा इनमें 24 दिनो में तेजी बनेगी। सूत, वस्त्र तथा गेहूँ, जौ, चना में तेजी बनेगी। उड़द, मूंग, तिल, तैल, सरसों, गुड़, शक्कर, खांड़, खार तथा नमक में मंदा आयेगा। सोना, चांदी में तेजी आकर मंदा होगा। रसकसो में गिरावट का रुख रहेगा। सोंठ, मिर्च, पीपल अदरक खरीदने से चौथे मास में लाभ की सम्भावना रहेगी। जलीय उत्पादो तथा जलीय प्राणियो की हानि होगी।

पौष मास: मास पांच शुक्रवार युत है। पांच शुक्रवार युत मास में - **"शुक्रस्य पंचवारास्युर्यत्र मासे निरन्त्रम्। प्रजा वृद्धि सुभिक्ष च सुखं तत्र प्रक्तते।।'** प्रजा में कुशल क्षेम रहेगी। मित्रता के भाव जाग्रत होंगे। सुभिक्ष तथा क्षेम रहेगा। उत्तम वर्षा होगी। व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ चलेगी। रुख मंदे का रहेगा। रसकसो में भी मंदे का प्रभाव रहेगा।

13 दिसम्बर 2019: शुक्र उ.षा. में रात्रि 01:11 पर- सोना, चांदी, अलसी, सरसों, अरण्ड़ी, रसकस, गुड़, शक्कर, खांड़ में मंदा आयेगा। रुई तथा अन्न में घटाबढ़ के बाद तेजी चलेगी। अन्य मत से रुई में मंदा चलेगा। किसी रोग का प्रकोप बढ़ेगा।

14 दिसम्बर 2019: गुरु अस्त धनु में सांय 18:40 पर- उड़द, तिल का उत्पादन उत्तम रहेगा। राजभय बढ़ेगा। चौरो तस्करो का उत्पात रहेगा।

15 दिसम्बर 2019: शुक्र मकर में 17:58 पर- कृषि नष्ट होने से उत्पादन में कमी रहेगी। सभी प्रकार के खाद्यान्नो, गुड़, खांड़, शक्कर, घी में तेजी आयेगी। रुई चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख रहेगा। अन्य मत से चांदी, सोना, सूत, सन में घटाबढ़ी होकर तेजी आयेगी। खांड़, गुड़, गेहूँ, घी तेल में तेजी रहेगी। खुला चांस है। ठंड़क तथा पाला अधिक पड़ेगा।

16 दिसम्बर 2019 सोमवार: सूर्य धनु में 15:29 पर : 15 मुहूर्ति खड़ी संक्राति में सोना, चांदी, चावल, तिल, तैल, सरसों, अलसी आदि तिलहनो, रसकस, रुई, सूत, कपास, कपड़ा, पाट एवं बारदाना, मादक द्रव्यों में तेजी बनेगी। सोमवारी

पौषी संक्रांति से सुभिक्ष रहेगा। धान्यों के मूल्यों में गिरावट आयेगी। तापमान में गिरावट आयेगी। वर्षा योग है। किन्ही स्थानों पर हिमपात से कृषि की हानि होगी। मध्य राजपूताना तथा मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में किन्ही स्थानो पर शांति भंग होगी। उपद्रव होगे। 15 दिनों में रुई तथा धान्यों में तेजी आयेगी।

20 दिसम्बर 2019 : बुध अस्त पूर्व दिशा वृश्चिक राशि में सांय 18:40 पर- चांदी में घटाबढ़ी चलेगी। 15 दिनों में रुई में घटबढ़ी चलेगी। पहले तेजी फिर मंदा तथा फिर तेजी बनेगी। रुख गिरावट का रहेगा। घी में 30 दिनो में मंदा आयेगा। राजवर्ग में पीड़ा होगी। ज्येष्ठा नक्षत्र में अस्त बुध से रोग, अनावृष्टि तथा अशुभ फल होंगे। धान्यों, सोना, गेहूँ, अलसी तथा अन्य वस्तुओं में तेजी आयेगी। विश्व में भय समाप्त होगा।

21 दिसम्बर 2019 : पौष बदी दशमी के विशाखा नक्षत्र से आगामी वर्ष में अधिक वर्षा होगी।

23 दिसम्बर 2019 : शुक्र श्रवण में रात्रि 20:42 पर- चांदी, सोना, गोला, गुड़, शक्कर, खांड़, उड़द, मूंग, मोठ में मंदा आयेगा। कपास, तिल, तैल, सरसों, अलसी, अरण्ड़ी में तेजी बनेगी। रुई में मंदा आकर तेजी बनेगी। चतुष्पदो को पीड़ा होगी। कान के किसी रोग का प्रकोप बनेगा। अन्य मत से रुई में मंदा रहेगा।

25 दिसम्बर 2019 : मूल नक्षत्र युत पौषी अमावस्या में यदि बिजली चमकी तथा बादलों की गर्जना हुई तो वर्षा काल के चारों मास में वर्षा होगी। अस्त बुध धनु में मध्यान्ह 15:45 पर - उत्तम वर्षा होगी। पशु आहारो - घास, भूसा आदि की उपज अच्छी रहेगी। सोना, चांदी तथा धान्यो के मूल्यो में गिरावट आयेगी। रुई में घटाबढ़ी चलेगी। कपास, सूत, वस्त्रों, ईख तथा चावल में तेजी होगी। पशु पक्षियो, वन्य प्राणियो तथा शिशुओ को पीड़ा एवं कष्ट रहेगा। जंगली जानवरो की हानि होगी। भारवाहक साधनो की दुर्घटनाओ के योग है। हाथियो में प्रजनन कम रहेगा। धनु राशि का बुध राजाध्यक्षो में परस्पर विग्रह का योग बना रहा है। राज्य सरकारो, केन्द्र सरकार की नीतियो के कारण जनता का विरोध प्रखर होगा। सरकार से जन सामान्य का विश्वास उठता नजर आयेगा। मंगल वृश्चिक में रात्रि 21:29 पर - वृश्चिक के मंगल से छः मास तक गुड़, घी, दूध, रुई कपास में तेजी चलेगी। सोना, चांदी, तांबा, रुई तथा सभी प्रकार के अन्नो में तेजी आयेगी। 15 दिन में अफीम में तेजी आयेगी। राजनेताओ के मध्य परस्पर विग्रह विरोध आरोप प्रत्यारोपो का वातावरण गरम रहेगा। राजनैतिक वातावरण गर्मायेगा। शासनाध्यक्षो के मध्य आरोपो प्रत्यारोपो का बाजार गरम रहेगा। विवाद चरमसीमा पर होंगे। आयुध तथा अस्त्रों में तेजी आयेगी। श्रावण एवं भाद्रपद मासो में मध्यम वर्षा होगी। 26 दिसम्बर मूल नक्षत्र युत पौषी अमास्या से अन्न के भावो में गिरावट आयेगी।

27 दिसम्बर रात्रि 02:21 तक शनि देव का गोचर उ.षाढ़ नक्षत्र से रहेगा। 'उत्तराषाढ़ के सौरिः सप्तमासे हि भास्करः। पानीयस्य लयं कुर्याद्वार्हीना च मही भवेत्।' धान्यों में तेजी आयेगी। उ.षाढ़ नक्षत्र के प्रथम चरण से गोचर में हिमाचल तथा मेरु तट पर दुर्भिक्ष रहेगा।शनि देव के उ.षाढ़ नक्षत्र गोचर में जल का अभाव रहेगा। सूर्य प्रकोप से अर्थात तेज गर्मी के कारण सात महीनों तक जल की हानि होगी।

29 दिसम्बर 2019 : सूर्य पू. षाढ़ में सांय 17:36 पर- सरसों, खांड़, ऊनी वस्त्रों में तेजी बनेगी। सर्दी का प्रकोप बढ़ेगा। 14 दिनों में अफीम तथा अन्य पादक पदार्थो, ऊनी वस्त्रों, चांदी, सन, चपड़ा, हल्दी, गुग्गल, कपूर, तिल, गुड़, तेल में तेजी आयेगी। शनि अस्त धनु राशि में सांय 18:59 पर- विश्व में सुख शांति आयेगी। अन्न की कमी रहेगी।

30 दिसम्बर 2019 : मंगल अनुराधा में रात्रि 20:40 पर- सुभिक्ष से विश्व में शान्ति रहेगी। किसी स्थान पर वर्षा का योग है। गेहूँ, लाल मिर्च, लाल चन्दन

तथा लाल रंग की सभी वस्तुओ में तेजी बनेगी। गेहूँ, लाल मिर्च, लाल चन्दन, डाईज तथा लाल रंग की सभी वस्तुओ में तेजी बनेगी। गेहूँ तथा लाल मिर्च की तेजी 25 दिनों में बनेगी। पशु, पक्षी किसी बीमारी से नष्ट होगे।

जनवरी 2020

03 जनवरी 2020 : शुक्र धनिष्ठा में सांय 17:23 पर- स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। गेहूँ में गिरावट आयेगी। सामान्य जन को राहत रहेगी। मूंग, मोठ, सोना, चांदी, रुई कपास, चावल, उड़द, मूंग, मोठ, अरहर, ज्वार में तेजी बनेगी। गेहूँ में घटबढ़ चलेगी। भारवाहक साधनो के अक्समातो में वृद्धि होगी। चोपायौ विशेष कर हाथियो को कष्ट रहेगा। भ्रष्टाचारियो पर नियन्त्रण के प्रयास होगे।

04 जनवरी 2020 : अस्त गुरु के पूर्वाषाढ़ नक्षत्र से गोचर में सुभिक्ष होकर प्रजा में सुख रहेगा। वर्षा काल में तीन मास तक वर्षा होगी। एक मास वर्षा में कमी रहेगी।

09 जनवरी 2020 : शुक्र कुंभ में रात्रि 04:23 पर : खाद्यान्नो की उपलब्धता में कमी होगी। मंहगाई बढ़ेगी फिर भी जनसामान्य असाधारण रुप से शांत रहेगा। चांदी, रुई, गेहूँ, जौं, चना, उड़द मूंग, ज्वार, बाजरा, आदि अन्न, सफेद वस्तुओ तथा रसकस में गिरावट आयेगी। वर्षाकाल में उत्तम वर्षा से देश में सुभिक्ष रहेगा। रोगो का प्रकोप कम होगा। एक मत से प्रत्येक वस्तु में मंदी का रुख दिखाई देगा। ठंड बढ़ेगी। किन्ही स्थानो पर वर्षा तथा ओले पड़ेगे। फल फूलो की हानि होकर इनमें तेजी बनेगी।

10 जनवरी 2020 : गुरु उदित धनु राशि में रात्रि 21:33 पर- पौष मास में उदित गुरु से सभी प्रकार के धान्यों का उत्पादन उत्तम रहेगा। वर्षा में कमी रहेगी । रोगो का प्रकोप बढ़ेगा परन्तु स्वास्थय सेवाओ में सुधार भी होगा।

माघ मास: 11 जनवरी 2020 : मास पांच शनि तथा पांच रविवार युत है। पांच शनिवार से-'शनैश्च पंचकं दृष्टवा पाताले कम्पते फणी। ईशान देशं भंगश्च वह्विदाहो महर्घता।।' भूकम्पों तथा अग्निकांडो से जन-धन की हानि होगी। वर्षा ऋतु के होते हुए भी वर्षा में कमी रहेगी। यदि वर्षा हुई भी तो बिल्कुल साधारण। कृषि की हानि से महगांई बढ़ेगी। प्रत्येक वस्तु में तेजी बनेगी। जनता में अराजकता तथा अशान्ति रहेगी। रोग चौरादि का भय बनेगा। उत्तरी पूर्वी देशो में विग्रह होगे। सत्ता परिवर्तन होगा। राजनैतिक वाद विवाद तथा विग्रह होगे। मास पांच रविवार युत होने से - 'यत्र मासे रवेर्वारा जायन्ते पंच संततम्। दुर्भिक्षं छत्र भंग स्यात्तदास्ते च महद्भयं।।" वर्षा की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा। जनता तथा शासन में परस्पर मतभेद बढ़ेगे। सत्ता परिवर्तन होगा। युद्ध जैसी अफवाहों का बाजार गरम रहेगा। जनता रोग अशान्ति तथा भय से पीड़ित होगी। दुर्भिक्ष का भय रहेगा। माघ मास की पंचमी, षष्ठी तथा सप्तमी में शुक्र, शनि तथा रविवार के अभाव से भाद्रपद मास में गेहूँ धान्य, मूंग में तेजी आयेगी। शनिवारी माघ बदी प्रतिपदा में मनुष्य रोग तथा भय मुक्त होकर धन-धान्य से युक्त होंगे। 11 जनवरी 2020 : सूर्य उ.षाढ़ में रात्रि 19:35 पर- गेहूँ, खांड, देशी शक्कर, जूट, सूत, घी, चना, सरसों, घी, तिल, तैल, चांदी, रुई तथा हल्दी में तेजी होगी। 14 दिनों में लाख, चपड़ा, पीपला मूल, मूंज, बांस, कपास, रेशम, मूंग, चावल, उड़द, सरसों, गुड़ तेज होंगे। किसी स्थान पर बर्फबारी होगी। 13 जनवरी 2020 : अस्त बुध मकर में प्रात: 11:35 पर-शुभ तथा अशुभ दोनो प्रकार के फल प्राप्त होगे। शनि के क्षेत्र का बुध अन्न के भावो में समता बनाये रखने में मदद करेगा। बाजारो में सामान्य घटबढ़ चलेगी। सोना, चांदी तथा रुई में तेजी रहेगी। गेहूँ, जौं, चना के भावो में विशेष परिवर्तन नही होगा। रुई, गुड़, खांड, घी, तैल के भावो में मंदा आयेगा। वायु वेग की अधिकता के साथ किन्ही स्थानो पर वर्षा होगी।

14 जनवरी 2020 : शुक्र शतभिषा में मध्यान्ह 15:57 पर- स्वर्ण द्वार का शुक्र

सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को राहत रहेगी। घी, तिल, तैल, गुड़, शक्कर, खांड़, सरसों, अलसी, अरण्ड़ी, रुई, कपास, चावल, सोना, चांदी तथा पशुओ में तेजी रहेगी। मादक पदार्थों के व्यापारियो तथा उपभोक्ताओं को कष्ट रहेगा।

15 जनवरी 2020 : सूर्य मकर में रात्रि 19:51 पर- प्रजा में सुख रहेगा। अन्न सस्ता होगा। तैल घी में तेजी रहेगी। बुधवारी संक्राति से प्रजा में रोगपीड़ा, युद्ध का भय रहेगा। 30 मुहूर्ति सूती संक्राति में रसकस के भाव सम रहेंगे। अधिक फेरफार नही होगा। गुड़ का उत्पादन बढ़ेगा। वायु वेग में वृद्धि होगी। मालवा क्षेत्र में वर्षा होगी। घी, तैल, रुई तथा लाल वस्त्रों में तेजी आयेगी। धान्यों में कभी तेजी तो कभी मंदा रहेगा। रुख गिरावट का रहेगा।

19 जनवरी 2020 : मंगल ज्येष्ठा में मध्यान्ह 14:32 पर- चांदी में गिरावट आयेगी। रुई में घटबढ़ चलेगी। मादक पदार्थों में 12 दिनों में तेजी का योग है। वर्षा में न्यूनता रहेगी। पेय जल में कमी होगी। अचानक ही किसी रोग के प्रकोप से जनता पीडित होगी। विषैले जन्तुओ की वृद्धि होगी। किसी स्थान पर उपद्रव. होगा।

24 जनवरी 2020 : शनि मकर राशि उ. षाढ़ नक्षत्र द्वितीय चरण में प्रात: 09:56 पर- दक्षिणी कोंकण, मुम्बई, उत्तरी बंगाल, नर्मदा तट के शहर, मालवा तथा समुद्री किनारें पर के क्षेत्रों में सुख रहेगा। अच्छी वर्षा होगी। कुछ स्थानों पर अनावृष्टि योग से अन्नहानि होगी। धान्यों की उत्तम उपज होगी। सभी धान्यों, घी, तैल, रसकस में मंदा आयेगा। किन्ही स्थानों पर खाद्यान्नों में कमी अनुभव होगी। कपास, मजीठ, द्राक्ष, चन्दन में तेजी आयेगी। लेबर कॉस्ट बढ़ेगी। कामी तथा लम्पट व्यक्ति कष्ट में रहेंगें। राजकीय तापमान बढ़ेगा। राज्यों में परसपर विग्रह-विवाद होंगे। सूर्य श्रवण नक्षत्र में रात्रि 21:51 पर-सभी प्रकार के अन्नो में विशेषकर गेहूँ में तेजी आयेगी। उड़द, मूंग, जूट, सूत, कपास, बांस, सरसों, गुड़, खांड़, चीनी, रुई, कपास, सन मंहगे होगे। शेयरो में तेजी आयेगी। तापमान में गिरावट आयेगी। 14 दिनों में सोना, चांदी आदि धातु, करेंसी, अफीम आदि मादक पदार्थ अलसी, जौ, गेहूँ, चावल में तेजी आयेगी।

25 जनवरी 2020 :शुक्र पू भा में सांय 17:07 पर- स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को कष्टो से राहत रहेगी। रुई में 10 से 15 टके की तेजी बनेगी। गेहूँ, जौ, चना आदि अन्नो में गिरावट रहेगी। अन्य मत से सट्टेबाजो को हानि होगी। शनिवारी माघ शु. प्रतिपदा तथा स्वर्णद्वार के शुक्र के योग से वर्षा की मात्रा में अनिश्चितता आयेगी परन्तु वर्षाकाल में उत्तम वर्षा का योग रहेगा। कृषि को हानि होगी। 27 जनवरी 2020 : बुध उदित पश्चिम में मकर में रात्रि 01:49 पर-धान्यो तथा रस की उत्पत्ति उत्तम रहेगी। रुई, कपास, कपड़ा, धान चांदी में 15 दिनो में मंदा होगा। घी, तैल, अरण्ड़ी, सरसों तथा धान्यो में तेजी बनेगी। अलसी घटाबढ़ी में रहेगी। बुध उदय होने पर 10 दिन में रुई में लगभग 10 से 12 की तेजी आयेगी। 40 दिन में धान्यों में तेजी बनेगी। घोरा गति के बुध से अशुभ फल होकर विश्व में भय व्याप्त होगा।

31 जनवरी 2020 : बुध कुंभ में रात्रि 02:53 पर- शनि के क्षेत्र का बुध सोना, चांदी आदि धातुओ तथा अन्न के भावो में समता बनाये रखने में मदद करेगा। शुभ तथा अशुभ दोनो प्रकार के फल प्राप्त होगे। रुई, घी, तैल, रसकस, गुड़, खांड़, शक्कर में घटाबढ़ी के बाद मंदा बनेगा। सोना, चांदी, तांबा, पीतल में मंदा आकर तेजी आयेगी। अलसी, सरसों में घटाबढ़ी चलेगी। मादक पदार्थ तेज होने के बाद गिरावट में जायेंगे।

फरवरी 2020

02 फरवरी 2020: माघ शुक्ल अष्टमी में कृतिका के अभाव से आगे श्रावण मास में अनावृष्टि होगी तथा फाल्गुन मास में जौ तथा गेहूँ की फसल को रोली से हानि होगी। शनि उदित मकर राशि में : राजकीय अस्थिरता बलेगी। परस्पर वरोध विवाद होंगे। पशुओं की हानि होगी। माघ मास में उदित शनि में पश्चिमी देशों में राजनैतिक समीकरण बिगड़ेंगे। विवाद- विग्रह होंगे। लोहा, काष्ठ तथा भूसे की हानि से इनमें तेजी बनेगी।

03 फरवरी 2020: शुक्र मीन में रात्रि 02:18 पर : खाद्यान्नो की उपलब्धता में कमी होगी। घी, रुई एवं चांदी में तेजी बनेगी। मंहगाई बढ़ेगी फिर भी जनसामान्य असाधारण रुप से शांत रहेगा। सभी प्रकार के धान्यो, तैल,

तिलहन, अलसी, अरण्डी, गुड़, खांड़ में गिरावट आयेगी। अन्य मत से सुभिक्ष रहेगा। जनसामान्य में सुख शांति रहेगी। धान्यो में मंदा रहेगा। रुई 25 दिनो में तेज होगी। धान में मंदा आयेगा।

05 फरवरी 2020: शुक्र उ. भा. में रात्रि 21:55 पर- फसलों को रोग तथा कीटो से हानि के कारण गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मोंठ, मूंग, फलों, अदरक, हल्दी, प्याज, लहसुन आदि कृषि उत्पादो तथा चौपायो में तेजी आयेगी। मूल पदार्थो में तेजी बनेगी। चांदी, मोती, ईख, गुड़, खांड़, रुई, कपास, सूत, सन, चावल, नमक, कपूर, गोला, सरसों तथा अन्य तिलहनो में मंदा आयेगा। सोना के मूल्यो में समता रहेगी। दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थो, घी में घटबढ़ चलेगी। मोती, तिल, तैल में मंदा आकर तेजी बनेगी। शाक भाजी के उत्पादको को हानि होगी। स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को राहत रहेगी।

07 फरवरी 2020: सूर्य धनिष्ठा में रात्रि 00:57 पर- सोना, चांदी, तांबा, लोहा, रुई, चावल, कपड़ा अनाज, जौ, गेहूँ, सूत, सन, गुड़, खांड़, जूट, तिलहन, अलसी में तेजी आयेगी। 14 दिनों में मूंग, मसूर, नील में तेजी आयेगी। किसी स्थान पर दंगा होगा। ठंड में गिरावट आयेगी। 08 फरवरी मंगल धनु राशि मूल नक्षत्र में रात्रि 03:52 पर: सरसों, बिनौला, मूंग का उत्पादन कम होगा। मूल द्रव्यों, भूसा, काष्ठ, अदरक, हल्दी, प्याज, आलू, भूसा एवं अन्य पशु आहारो में, सभी प्रकार के अन्नों- गेहूँ, जौ, चना, मटर, अरहर, ग्वार, मूंग, चावल, सोना, चांदी एवं अन्य धातुओ, सूत, पटसन, बारदाना, अलसी, सरसों, बिनोला आदि तिलहनो भूसा, भूसे वाले धान्यो तथा अन्य धान्यो तथा पशुओ में तेजी रहेगी। रुई में घटाबढ़ी से तेजी रहेगी। घी, कपास मंदे होकर तेज होगे। बुद्धिजीवी वर्ग कष्ट में रहेगा। सैन्य तथा अर्धसैन्य बलों, वर्णाश्रय संस्था तथा मठो में कष्ट व्याप्त होगा।

फाल्गुन मास: 10 फरवरी 2020: मास पांच सोमवार युत है। पांच सोमवार युत मास में -'सोमस्य पंच वारास्तु यत्र मासे भवति हि धन धान्य समृद्धि: स्यात् सुखम् भवति सर्वदा।।' अच्छी वर्षा होगी। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा। व्यापारिक वस्तुओ में अच्छी घटाबढ़ी के साथ मंदे का रुख प्रबल रहेगा। एकाएक सभी वस्तुओं पर नियन्त्रण होगा। समय मंदी कारक रहेगा। धन धान्य की वृद्धि होगी। उद्योग बढ़ेगें। कृषि उत्पादन अच्छा होगा। प्रजा में सुख रहेगा।

13 फरवरी 2020: सूर्य कुंभ में - "सोमवार के दिन कभी हो सूर्य संक्राति । मूंगा, मोती, धान्य सब सस्ता अरु सुख शांति ।। कुंभ सूर संक्रमण में सुख समृद्धि शुभ साज । लवण तेल महंगा बिकै मन्दा रहै अनाज ।।' 30 मुहूर्ति सोमवारी सूती संक्राति से बाजार में गिरावट आयेगी। रसकस के भाव सम रहेंगे, अधिक फेरफार नही होगा। मूंगा, मोती, अन्न, रुई, पटसन, बारदाना, गुड़, खांड़, शक्कर, गन्ना, मक्का, ज्वार बाजरा, ऊनी रेशमी वस्त्र तथा किराने की वस्तुओ में मंदा आयेगा। नमक में तेजी आयेगी। अन्य मत से वस्त्रो में तेजी बनेगी। नमक, तैल, सरसों, मूंगफली, अलसी, राई के भावों में सामान्य तेजी आयेगी। सोना, चांदी आदि धातुओ के भाव सम रहेगे। रुई, सूत, बिनोला, कपास में घटबढ़ चलेगी। तिल, तेल सरसों, लाही, अलसी में पहले तेजी आकर बाद में मंदा होगा। जौ, चना गेहूँ, में घटाबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। संक्राति अनाजो, के भावो में गिरावट का योग बना रही है। कुंभ के सूर्य का शनि से पंचम त्रिकोण स्थान का गोचर संसार में दु:ख एवं दुर्भिक्ष का योग बना हेने से उपरोक्त श्शुभ फलों में कमी रहेगी। कहा भी है 'राहु केतु भौम रवि शनि से पंचम स्थान । एकै अथवा अधिक फल दु:ख दुर्भिक्ष महान ।।" सोमवारी संक्राति से पाला पड़ने से चने की फसल को हानि होगी। तेज हिमपात होगा। गुरुवारी कुंभ संक्राति में पृथ्वी पर भय रहेगा। चौपाये पशुओं को पीड़ा होगी। लड़ाई झगड़ा होगा। गुड़ तथा लाल रंग के वस्त्रों का उत्पादन बढ़ेगा। अफीम में गिरावट रहेगी। अन्न में मंदा चलेगा। रुई नमक, तिल, तैल तथा धान्यों में तेजी आयेगी।

14 फरवरी 2020: फाल्गुन कृ षष्ठी में स्वाति के योग से दुर्भिक्ष योग बना है।

16 फरवरी 2020: बुध वक्री कुंभ राशि में सांय 18:25 पर- बाजारो में घटबढ़ चलेगी। रसकस तथा रुई में तेजी आकर मंदा होगा। ईख, गुड़, खाण्ड, शक्कर, घी, तैल, सरसों, अलसी, अरण्डी, बिनौला अन्य तिलहनो तथा कपूर में तेजी बनेगी। धान्य सस्ते होंगे। देश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक रहेगी।

17 फरवरी 2020: शुक्र रेवती में प्रात: 08:03 पर- स्वर्ण द्वार का शुक्र सुभिक्ष का योग बना रहा है। सामान्य जन को राहत रहेगी। चांदी, गुड़, खांड़, शक्कर, रुई, कपास, चावल, सूत, चन्दन, सन, जवाहरात में मंदा रहेगा। रुई, चांदी, चावल, खांड़ के भावो में मंदे के झटके आयेगे। जंगली जानवरो के प्रकोप से जनधन की हानि होगी। यात्रीगणों को कष्ट रहेगा।

20 फरवरी 2020: सूर्य शतभिषा में प्रात: 05:30 पर-सोना, गेहूँ, चना, गुड़, खांड़, रुई, सूत, कपास, जूट, घी, तिल, छुवारा, सोंठ, हल्दी तथा में तेजी आयेगी। 14 दिनों में खार, सोंठ, द्राक्ष, जायफल, हींग, नील, कपड़ा, सरसों, सन, चांदी, तैल में तेजी बनेगी। मौसम खुशगवार रहेगा। इसके बाद पश्चिम में कुंभ राशि में सांय 17:09 पर अस्त वकी बुध से तेज हवाओ का प्रकोप रहेगा। आंधियो के प्रकोप से वृक्ष गिरेगे। पर्वतीय क्षेत्रो में बर्फबारी होगी। राजवर्ग में पीड़ा होगी। चांदी में तेजी होकर मंदा आयेगा। शेयर्स, हैसियन, बारादाना में गिरावट चलेगी। 20 दिनों में राजस्थान में वर्षा होगी। 15 दिनों में रुई में मंदा आयेगा। घोरा गति के बुध से अशुभ फल होंगे।

23 फरवरी 2020 शनि उ. षाढ़ नक्षत्र तृतीय में प्रात: 06:35 पर : अनावृष्टि से कृषि की हानि होगी। राजकीय विग्रह विवदो से जनसाधारण में भय का वातावरण बनेगा। धान्यों में ती आयेगी।

24 फरवरी 2020: फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा में शतभिषा नक्षत्र के योग से 39 प्रतिशत सुभिक्ष रहेगा।

27 फरवरी 2020: मंगल पू.षाढ़ में मध्यान्ह 13:10 पर - वर्षा योग है। दुग्ध उत्पादन में गिरावट से दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थो में कमी आयेगी। अन्न उत्पादन संतोष जनक रहेगा। किसी स्थान पर अधिक वर्षा होगी। घास, चारा, धान, तिल, तैल, घी, उड़द, चावल, नमक, उड़द, बादाम, खोपरा, मूंगफली, शालि, चांदी, सोना में तेजी बनेगी। पशु पक्षी कष्ट में रहेगे। विग्रहो में वृद्धि होने से रक्षा कर्मियो तथा सुरक्षा बलो को किन्ही कठिनाईयो का सामना करना पड़ेगा।

29 फरवरी 2020: शुक्र मेष राशि अश्विनी नक्षत्र में रात्रि 01:33 पर- मेष का शुक्र छ: मास तक गुड़, घी, दूध, रुई कपास में तेजी बनायेगा तथा 'मंगल घर में शुक्र हो अन्न तेज तब जान के अनुसार' अन्न पदार्थों में तेजी बनायेगा। दुधारु पशुओ विशेषकर भैंसो को पीड़ा होगी। पशुओं तथा धान्यो में तेजी आयेगी। आगे चलकर वर्षा का योग बन रहा है। वर्षा में देरी अवश्य होगी परन्तु वर्षा का प्रमाण उत्तम रहेगा। वायु वेग की अधिकता रहेगी। जौं, तिल, उड़द का उत्पादन कम रहेगा। रुई, कपास, ऊन के भावो में गिरावट रहेगी। सोना, चांदी, गेहूँ, जौ, चना, अन्य सभी प्रकार के धान्यो तथा घी में तेजी रहेगी। सभी प्रकार के धान्यो, गुड़, शक्कर, पटसन, बारदाना में घटबढ़ के बाद तेजी बनेगी। तैल, तिल, सरसों, अरण्ड़ी, अलसी में घटाबढ़ी के बाद मंदे का रुख बनेगा। तेज हवाओ का प्रकोप रहेगा। अन्य मत से दूध, घी, चावल, चांदी में तेजी चलेगी। बुद्धिजीवी वर्ग में परस्पर वैमनस्य एवं तीव्र मतभेद होगा। स्वर्ण द्वार के शुक्र से ऊन, धातु, रसकस, सोंठ, तिल, अलसी, जौ, चना, उड़द में 12 दिनो में गिरावट आयेगी।घुड़सवारो को पीड़ा होगी। सामान्य जन को राहत रहेगी।

मार्च 2020

02 मार्च 2020: फाल्गुन शुक्ल द्वितीया में कृतिका नक्षत्र से भाद्रपद मास की अमावस्या में वर्षा का योग बना है। तथा आगे आर्द्रा में वर्षा होगी। 03 मार्च 2020: रोहिणी युत फाल्गुन शु अष्टमी से अल्प वर्षा का योग बना है। 04 मार्च 2020: सूर्य पू. भाद्रपद में मध्यान्ह 11:42 पर- चावल, ज्वार, बाजरा, पीपल, गुड़, खांड़, देशी शक्कर, सरसों, तिल, तैल, कपास, सूत में तेजी आयेगी। 14 दिनों में रुई, रेशम, सोना, चांदी, पीपला मूल, गूग्गल, घी, चना, उड़द, गेहूँ तेज होंगे। सामान्य व्यक्ति का समय शांति पूर्वक व्यतीत होगा। वक्री बुधोदय कुंभ राशि में मध्यान्ह 12:38 पर पूर्व दिशा में रुई में 25 दिनो तक तेजी चलेगी। चांदी में घटबढ़ी के बाद तेजी आयेगी। सोना में मंदा बनेगा। गेहूँ, जो, चना, अलसी, अरण्ड़ी, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च में तेजी आयेगी। राजस्थान में वर्षा होगी। वायु वेग की अधिकता रहेगी। घोरा गति का बुध अशुभफलकारक है।

08 मार्च 2020: गुरु उ.षाढ़ में प्रात: 06:11 पर : विश्व में सुख रहेगा। तीन मास तक वर्षा के बाद एक मास तक वर्षा नही होगी। गुड़ तेज होगा। 09 मार्च 2020: बुध मार्गी कुंभ राशि में रात्रि 21:22 पर- सोना, सुपारी, सरसों, सोंठ, लाख तथा चमड़ा में तेजी बनेगी।

चैत्र मास : 10 मार्च 2020: मास पांच मंगल तथा पांच बुधवार युत है। पांच मंगल युत मास में - " **यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पंच वासरा। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्र भंगस्तदा भवेत्।।'** आपसी कलह, अशान्ति तथा रक्त विकार से हानि होगी। चेचक अथवा अन्य किसी अन्य छूत की बीमारी का प्रकोप बनेगा। स्त्रियों में रक्त विकार, प्रदर रोग का विकार अधिक फैलेगा। लाल वस्तुओं तथा धान्यों में तेजी आयेगी। पश्चिमी देशों में भारी रक्तपात, आंतकवाद की घटनायें घटित होगी। छोटी छोटी छुद्र बातों पर वाद -विवाद होंगे, उत्पात होगा। किन्ही स्थानों पर सत्ता परिवर्तन होगा। राष्ट्रपति शासन लागू होगा। जनता में विक्षोभ तथा आपसी वैमनस्य बढ़ेगा। युद्धजनक परिस्थितियां बनेगी। मंत्री मंड़ल में परिवर्तन होगा। पांच बुधवार होने से 'बुधस्य पंच वाराश्चेज्जायन्ते च निरन्तरम्। प्रजानां सुखमत्यन्तम सुभिक्ष च प्रजायेत।। ' पांच मंगल जनित अशुभ फलो में न्यूनता आकर किन्ही स्थानों पर अच्छी वर्षा होगी तथा किन्ही स्थानों पर साधारण वर्षा रहेगी। कृषि की उपज उत्तम रहेगी। सुभिक्ष रहेगा। धान्य आदि के भावो में न तो

अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक मंदा होगा। प्रजा में सुख शांति रहेगी। समय शुभ कारक रहेगा।

12 मार्च 2020: शुक्र भरणी में प्रात: 06:18 पर : तिलो की फसल नष्ट होगी। भूसे वाले धान्यो में तेजी आयेगी। तैल, तिल, सरसों, गेहूँ, जौ, चना, मूंग मोठ, ज्वार, श्रीफल, सुपारी, धान्य, तूअर आदि में घटबढ़ रहेगी। रुख मंदे का बनेगा। सोना, चांदी में गिरावट आयेगी। तिलो की फसल नष्ट होगी। रुई तथा भूसे वाले धान्यो में तेजी आयेगी। दुष्ट, अधर्मी तथा निम्न वर्ग व्यक्ति पीड़ित होगे। चांदी, सोना, तांबा, लाल रंग की वस्तु तथा नारियल में 12 दिनो में मंदा आयेगा।

14 मार्च 2020: सूर्य मीन में -45 मुहूर्ति बुधवारी बैठी संक्राति में रसकस तथा अन्न में गिरावट आयेगी। नमक, तिल, तैल तथा सभी धान्यो में तेजी बनेगी। नमक तिल तेल साधारण तेजी आयेगी। रस पदार्थो में- गुड़, खांड, सरसों, अलसी, तिल, तैल, तिलहनो में मंदा आयेगा। 'बुधवार को जब कभी हो सूर्य संक्रात ।रस पदार्थ गुड़, खांड अरु तिलहन तेज नितांत ।।सर्व धान्य महंगे बिकै मीन राशि गत भानु । तेजी तिलहन नमक में साधारण अनुमानु ।।" अफीम में मंदा आयेगा। रसकस में तेजी बनेगी। किराना की वस्तुओं में तेजी आयेगी। सब प्रकार के धान्य महंगे होंगे। नमक, तिल, तैल में विशेष तेजी का योग रहेगा। शनिवारी मीन संक्राति से झगड़ा फसाद होगा।

17 मार्च 2020: मंगल उ. षाढ़ में रात्रि 19:29 पर- कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। दुग्ध उत्पादन में गिरावट दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थो में कमी आयेगी। यद्यपि वर्षा की अधिकता होगी परन्तु आज वर्षा का अभाव ही रहेगा। यदि किसी स्थान पर वर्षा हुई भी तो छिटपुट छींटे पड़ेगे। तैल तथा तैलीय पदार्थो, तिल, तैल, धान, चावल, बादाम, खोपरा, सरसों, मूंगफली, सोना चांदी, तिल, शालि, उड़द में तेजी आयेगी। रुई के भावो में अक्समात तेजी आयेगी। राई, सरसो, उड़द, मूंग साधारण तेज रहेगे।घी में घटबढ़ चलेगी। गुड़ में मंदा रहेगा। सूर्य उ. भाद्रपद में रात्रि 20:13 पर- सोना, चांदी, रुई, गुड़, खांड, शक्कर, गेहूँ , कपड़ा, अनाज, नमक में तेजी आयेगी। 14 दिन में तैल, धान्य तथा रस में तेजी आयेगी।

22 मार्च 2020: मंगल मकर में मध्यान्ह 14:40 पर - सभी प्रकार के धान्यो के मूल्यो में गिरावट आयेगी। घी, तैल, सोना, चांदी, रुई, कपास, अलसी, सरसों, तैल, तिल, ऊन, घी, गुड़, खांड, शक्कर, तांबा में तेजी आयेगी। जन सामान्य में कष्ट पूर्ण संतोष रहेगा। 03 दिन में रुई में गिरावट आयेगी।

25 मार्च 2020: शुक्र कृतिका में प्रात: 05:28 पर- किन्ही स्थानो पर उत्तम वर्षा होगी। सरसों, उड़द के उत्पादन में कमी आयेगी परन्तु अन्य धान्यो का उत्पादन सामान्य रहेगा। सोना, चांदी, हींग जीरा, सुपारी, रुई, सूत, कपास, कपड़ा, चावल, अन्न, सरसों, तिल, तैल सरसों में गिरावट रहेगी। 11 दिनो में चांदी, रुई, सूत, कपास, रेड़ी, तिल, तैल, सरसों, हींग, खजूर, घी तेज होगे। अन्य मत से रुई, सूत, कपास, सन, सूत, बिनोला, तिल, सरसों, तेल, चांदी, सोना, तांबा, पीतल में छ: दिनो में मंदा आयेगा।

28 मार्च 2020: शुक्र वृष में मध्यान्ह 15:38 पर- जौ, गेहूँ, चना, मटर आदि अनाजो तथा धान्यो में तेजी बनेगी। सोना में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख बनेगा। रुई तथा चांदी में गिरावट के बाद 15 दिनो में तेजी बनेगी। चावल, घी, शेयर्स में गिरावट आयेगी परन्तु आगे चलकर तेजी बनेगी। कुछ स्थानो पर विग्रह तथा झग्ड़े झंझट होगे। किन्ही स्थानो पर वर्षा होगी तो किन्ही स्थानो पर वर्षा का अभाव रहेगा। जनता सामान्यतया सुखी रहेगी। नागरिको में परस्पर वाद विवाद तथा झगड़े झंझट होगे।किन्ही स्थानो पर झगड़े झंझट के बाद भी सामान्य रुप से जनजीवन में शांति रहेगी। सुभिक्ष रहेगा।

30 मार्च 2020: गुरु मकर में रात्रि 03:54 पर-राजनेताओ तथा राष्ट्राध्यक्षों में विग्रह विवाद बढ़ेगे। तीन मास तक दुर्भिक्ष रहने के बाद सुभिक्ष होगा। पशुओं की हानि होगी। 31 मार्च 2020: सूर्य रेवती में प्रात: 06:58 पर- रुई, चावल, चांदी, सरसों, अलसी, लाख, गेहूँ, जौ चना, अरहर, मूंग, उड़द, लहसुन, सज्जी, चपड़ा, मोती, रत्न अन्य अनाजो तथा पशुओं में तेजी आयेगी। जलीय वस्तुओं मोती, रत्न,फल, फूल, सुगन्धित पदार्थो, नमक की हानि होगी। कमोडिटी मार्केट का उपरोक्त संभावित रुख ग्रह गोचर पर आधारित है तथा बिना किसी पूर्वाग्रह के दिया जा रहा है। बाजार स्थानीय परिस्थितियों के अतिरिक्त वैश्विक एवं स्थानिक राजनैतिक वातावरण, केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की नीतियों आदि पर निर्भर करता है। बाजार में काम करने व्यापार करने से पूर्व बाजार का आकलन कर लेना हितावह है। ज्योतिषीय आधार पर किये गये व्यापार से होने वाले लाभ अथवा हानि के लिये लेखक किसी भी रुप में जिम्मेदार नही होगें।

बाजार की वार्षिक, अर्घवार्षिक रिपोंट के लिये लेखक से सी- 82 वल्लभ नगर, उमा नगर सोसायटी के सामने, नोब्रिनो तरसाली रोड़, वडोदरा (गुजरात), पिन - 390009 मो. 0957433796 2 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रवीन कुमार जैन

शेयर बाजार -2019—20

(प्रवीन कुमार जैन मो 9574337962)

वर्ष 2019-20 के लिये प्रस्तुत शेयर बाजार का आकलन उन्ही ज्योतिषीय सिंद्वातो, मतो एवं परम्परा तथा ग्रह गोचर पर आधारित है जिन की गणना के आधार पर हमारा शेयर बाजार का आकलन पूर्व में बहुचर्चित, सर्वत्र प्रशसिंत तथा सराहनीय रहा है। विभिन्न संचार माध्यमों से दिन प्रतिदिन अनेक पाठको ने इसकी भूरि भूरि प्रशंसा की है। पूर्व की भांति इस वर्ष भी हम इस आलेख में वर्ष के प्रत्येक मंगलवार के लिये शेयर बाजार का आकलन प्रस्तुत कर रहे है तो उसका कारण जैसा कि हम पूर्व में भी कह चुके है, मात्र इतना है कि अनेक विद्वानों ने शेयर बाजार का लग्न वृश्चिक निर्धारित किया है। अपने संशोधन तथा शोध के उपरान्त हम भी इस निर्णय पर पहुंचे है कि मंगल ग्रह का शेयर बाजार पर सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। हमारा प्रयास सदैव शोधात्मक कार्य को प्रस्तुत करना रहा है ताकि वह अनेकानेक प्रकार से विद्वत जनों के लिये न केवल उपयोगी हो वरन् विचारोत्तेजक भी हो तथा विद्वान पाठको को इस दिशा में और भी अधिक परिष्कृत रुप में कार्य करने के लिये प्रेरित करे। ध्यान रहे कि बाजार के आकलन में प्रतिशत में बताई गई तेजी मंदी इन्ट्राडे है, बाजार किसी दिन तेजी में जाने के उपरान्त भी पिछले दिन की तुलना में गिरकर बंद हुआ हो सकता है।

- अप्रैल -

02 अप्रैल : आज 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में, 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा शेष 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स में तेजी रहेगी। बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़ में गिरावट रहेगी। क्लोजिंग समय पर कोई विशेष परिवर्तन नही होगा। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, एस्सार स्टील, टाटा स्टील, प्रिज्म सीमेंट , श्री सीमेंट, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स में गिरावट रहेगी। 09 अप्रैल : आज 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में, 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा शेष 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी में गिरावट आयेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स में गिरावट रहेगी। ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट के शेयर्स कमजोर रहेंगे। 16 अप्रैल : 50:00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेगे। 33.32 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, अशोका लैलेण्ड, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा. मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स, एडलैब फिल्मस, बालाजी टेली फिल्मस तथा चाय,काफी सैक्टर्स में तेजी चलेगी। इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी में गिरावट आयेगी। 23 अप्रैल : 50:00 प्रतिशत शेयर तेजी में, 25:00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25:00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगें। बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट, सीमेन्स, सोलेक्ट्रोन सैन्टम इलैक्ट्रोनिक्स में

तेजी बनेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड में घटबढ़ चलेगी। गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, चाय, टी, टोबेको, तथा फर्मास्युटिक्ल सैक्टर्स कमजोर रहेंगें। टी, टोबेको, फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी। 30 अप्रैल : 50:00 प्रतिशत शेयर तेजी में, 25:00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25:00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगें। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास तथा टोबेको, चाय काफी, फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। इल्क्ट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्वपमेन्टस एण्ड गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम. टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, टाटा स्टील, उत्तम स्टील ए सी सी सीमेंट, गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट, मद्रास सीमेंट, प्रिज्म सीमेंट में गिरावट रहेगी।

- मई -

07 मई : 50:00 प्रतिशत शेयर तेजी में, 25:00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25:00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगें। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन में सुधार होगा। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड़, जी एम डी सी, सेसा गोआ. गैमन इण्डिया, एच सी सी, आई वी आर सी एल इन्फ्रास्ट्रक्चर, में गिरावट रहेगी। 14 मई : 50:00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, मुकुन्द, सेल, सनलैगआयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील, ए सी सी सीमेंट, गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट, मद्रास सीमेंट, प्रिज्म सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न में तेजी चलेगी। कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स के शेयर्स में साधारण कामकाज होगा। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड़, जी एम डी सी, सेसा गोआ. गैमन इण्डिया, एच सी सी, आई वी आर सी एल इन्फ्रास्ट्रक्चर, यूनीटैक, मिर्जा इन्टरनेशनल, बाटा इण्ड़िया, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स में गिरावट रहेगी। 21 मई : 74.97 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25:03 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। क्लोजिंग समय पर 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में, 08.37 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। असाई इण्ड़िया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, ड़ा रैड्डीज लैब्स, एल्डर फार्मा, एफ डी सी, फुलफोर्ड इण्ड़िया, ग्लैनमार्क फार्मा, ग्यूफिक बायो साईन्सज, इंड स्विफ्ट लैब, इंड स्विफ्ट, इफ्का लैब में तेजी रहेगी। बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क,प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज में गिरावट रहेगी। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड़, यूनीटैक, मिर्जा इन्टरनेशनल, बाटा इण्ड़िया, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स में साधारण कारोबार होगा। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, बैंक आफ बरोड़ा, बैंक आफ इण्डिया, एच डी एफ सी बैंक, आई सी आई सी आई बैंक, ओरियेन्टल बेंक आफ कामर्स, पंजाब नेशनल बैंक के शेयर कमजोर रहेंगे। 28 मई : 58:31 प्रतिशत शेयर तेजी में, 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन,

वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स तथा टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्वपमेन्टस एण्ड् गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम. टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड् में गिरावट रहेगी।

- जून -

04 जून : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शेयर साधारण रहेंगे। इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड्, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड्या, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, में गिरावट रहेगी। 11 जून : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शेयर साधारण रहेंगे। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी जय श्री टी में तेजी रहेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में गिरावट रहेगी। 18 जून : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 33.32 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 16.68 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, बिरला कारपोरेशन, डालमिया सीमेंट (भारत) श्री सीमेंट, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी में तेजी रहेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सनलैगआयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील ए सी सी सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट में गिरावट रहेगी। 25 जून : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शेयर साधारण रहेंगे। आलोक इण्डस्ट्रीज, बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड् डा रैड्डीज लैब्स, एल्डर फार्मा, एफ डी सी, फुलफोर्ड इण्ड्या, ग्लैनमार्क फार्मा, ग्यूफिक बायो साईन्सज, इंड स्विफ्ट लैब, इंड स्विफ्ट, इप्का लैब, जे बी कैप एड्रड फार्मा, ल्यूपिन, मार्कसेन फार्मा, मैट्रिक्स लैब्स, मर्क, नाटको फार्मा में तेजी चलेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, में गिरावट रहेगी। 02 जुलाई : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शेयर साधारण रहेंगे।

भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को के शेयर्स तथा इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्वपमेन्टस एण्ड् गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम. टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स तेजी में रहेंगे। बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा, इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड्को खेतान, भारती शिपयार्ड टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स में गिरावट आयेगी।

- जुलाई -

09 जुलाई : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शेयर साधारण रहेंगे। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड्, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड्या, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड्या ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में तेजी चलेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड्को खेतान, भारती शिपयार्ड, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मेक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी, जय श्री टी में गिरावट रहेगी। 16 जुलाई : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 08.33 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगें। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड्या ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली में तेजी चलेगी। आलोक इण्डस्ट्रीज, बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, बैंक आफ बरोड़ा, बैंक आफ इण्डिया, इण्डियन होटल्स, रेड्को खेतान, भारती शिपयार्ड में गिरावट रहेगी। 23 जुलाई : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शेयर साधारण रहेंगे। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड्या ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में तेजी रहेगी। प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मेक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, केड्लिा हैल्थ केयर, सिप्ला, ड़ाबर फार्मा, डिस्मैन फार्मा, डिव्सि लैबोरेट्रीज, ड़ा रैड्डीज लैब्स, एल्डर फार्मा, एफ डी सी, फुलफोर्ड इण्ड्या, ग्लैनमार्क फार्मा, कोलगेट पामोलिव, ड़ाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, हिन्दुस्तान लीवर, मेरिको, निरमा, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज में गिरावट रहेगी।

30 जुलाई : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड्या ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्वपमेन्टस एण्ड् गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम. टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। टोबेको, चाय काफी तथा

फार्मास्युटिकल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

- अगस्त -

06 अगस्त : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शेयर साधारण रहेंगे। चाय, टोबेको, फार्मास्युटिक्ल कपास, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी में गिरावट आयेगी।

13 अगस्त : 33.32 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 33.32 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.34 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। कोलगेट पामोलिव, ड़ाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, हिन्दुस्तान लीवर, मेरिको, निरमा, प्रोक्टर एण्ड गैम्बल. अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सन लैग आयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील में तेजी रहेगी। ए बी बी, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, रैन्बैक्सी लैबोरेट्रीज, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज में गिरावट चलेगी। 20 अगस्त : ओपनिंग समय पर 33.32 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.03 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेगे। 41.65 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन में तेजी रहेगी। नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में गिरावट आयेगी। 27 अगस्त : ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 50.00 शेयर साधारण रहेंगे। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास में तेजी चलेगी।

- सितम्बर-

03 सितम्बर : ओपनिंग समय पर 41.69 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 58.31 प्रतिशत शेयर साधारण ररहेंगे। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड़स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्वपमेन्टस एण्ड़ गुड़स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम. टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में गिरावट रहेगी।10 सितम्बर : 33.32 प्रतिशत शेयर तेजी में 08.37 गिरावट में तथा 58.31 प्रतिशत शेयर साधारण रहेगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन

फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा तथा चाय, काफी, टोबेको, फार्मास्युटिक्ल, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्रीज सैक्टर्स में तेजी रहेगी। पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर, इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड में गिरावट चलेगी। 17 सितम्बर : ओपनिंग समय पर 33.32 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.03 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 41.68 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगें। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, अलाहाबाद बैंक, आंध्रा बैंक, बैंक आफ बरोड़ा, बैंक आफ इण्डिया में तेजी रहेगी। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा तथा चाय, काफी, टोबेको, फार्मास्युटिक्ल में गिरावट चलेगी। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स के शेयर्स में कोई विशेष परिवर्तन नही होगा। 24 सितम्बर : 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में, 25.03 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़ में तेजी चलेगी। टोबेको, फार्मास्युटिक्ल सैक्टर की कम्पनीज- ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में गिरावट रहेगी। 01 अक्तूबर : ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.03 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.02 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

- अक्तूबर -

08 अक्तूबर : ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़ में तेजी चलेगी। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज में गिरावट रहेगी। 15 अक्तूबर : ओपनिंग समय पर 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन,

वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी जय श्री टी, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज में गिरावट रहेगी। 22 अक्तूबर : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.00 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई डी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर तथा फार्मास्युटिकल सैक्टर में तेजी रहेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स की कम्पनीज -ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में गिरावट रहेगी। 29 अक्तूबर : ओपनिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी में 08.36 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर साधारण रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्परिशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर तथा टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

- नवम्बर -

05 नवम्बर : 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16.69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, कोलगेट पामोलिव, ड़ाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, हिन्दुस्तान लीवर, मेरिको, निरमा, प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज में तेजी रहेगी। बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़ में गिरावट आयेगी। 12 नवम्बर : ओपनिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 08.36 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगें। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्परिशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे में सुधार होकर तेजी आयेगी। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी। 19 नवम्बर : ओपनिंग समय पर 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16. 69 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25.00 शशेयर अपरिवर्तित रहेंगे। क्लोजिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी में 08.36 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25. 00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण

इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिंक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, कोलगेट पामोलिव, ड़ाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, हिन्दुस्तान लीवर, मेरिको, निरमा, प्रोक्टर एण्ड गैम्बल में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स,यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, मद्रास सीमेंट, प्रिज्म सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस के शेयर्स गिरावट में रहेंगे। 26 नवम्बर : ओपनिंग समय पर 66.64 प्रतिशत शेयर तेजी में तथा 33.36 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज,इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयाड के शेयर्स में तेजी रहेगी। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, चाय, टी, टोबेको तथा फर्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

- दिसम्बर -

03 दिसम्बर : ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 41.65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। क्लोजिंग समय पर 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में तथा 41.65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, ओ एन जी सी तथा पेट्रोलियम कम्पनीज के शेयर्स में तेजी रहेगी। अशोका लैलेण्ड, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा. मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स, इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्वपमेन्टस एण्ड् गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम. टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे। 10 दिसम्बर : ओपनिंग समय पर 58.31 प्रतिशत शेयर तेजी में तथा 41.69 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। बाम्बे डाईग, सैन्चुरी एन्का, फार्बेस गोकाक, गार्डन सिल्क, हिम्मत सिंगका शैदे के शेयर तेजी में रहेंगे। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज सैक्टर्स में गिरावट चलेगी। हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड़, जी एम डी सी, सेसा गोआ. गैमन इण्डिया, हिन्दुस्तान कापर, अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी में काई विशेष परिवर्तन नही होगा। , 17 दिसम्बर : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेगे। 41.65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज में तेजी रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास में गिरावट चलेगी। इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड्स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्वपमेन्टस एण्ड् गुड्स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम. टेलीस्पैक्टर्म सैक्टर्स कमजोर रहेंगे।24 दिसम्बर : 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 41.65

प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, टोबेको, फार्मास्युटिक्ल ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में तेजी चलेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास में गिरावट चलेगी। 31 दिसम्बर : 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में, 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 50.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास में तेजी चलेगी। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में गिरावट रहेगी।

- जनवरी 2020 -

07 जनवरी 2020: 33.32 प्रतिशत शेयर तेजी में, 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 50.00 शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टोबेको, फार्मास्युटिक्ल ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में तेजी रहेगी। एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सनलैग आयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील ए सी सी सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, बिरला कारपोरेशन, डालमिया सीमेंट (भारत) गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट में गिरावट रहेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड्ड सिक्योरिटीज हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन, ओ एन जी सी, एग्रोटैक फूड़, जी एम डी सी, सेसा गोआ. गैमन इण्डिया में कोई परिवर्तन नही होगा। 14 जनवरी 2020: ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 58.35 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट, सीमेन्स, तेजी में रहेंगें ।एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सनलैगआयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील ए सी सी सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, बिरला कारपोरेशन, डालमिया सीमेंट (भारत) गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट में गिरावट चलेगी। 21 जनवरी 2020: 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। एस्सार स्टील, जिन्दल स्टेनलैस, जे एस डब्ल्यू, लायडस स्टील इण्डस्ट्रीज, मुकुन्द, सेल, सनलैगआयरन एण्ड स्टील, टाटा स्टील, उत्तम स्टील ए सी सी सीमेंट, अम्बुजा सीमेन्ट ईस्टर्न, बिरला कारपोरेशन, डालमिया सीमेंट (भारत) गुजरात अम्बुजा सीमेंट, जे के लक्ष्मी सीमेंट में गिरावट रहेगी। इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास तथा टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में तेजी रहेगी। 28 जनवरी 2020: ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16.68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी जय श्री टी, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान में तेजी रहेगी। कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती

शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर तथा चाय, काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स में गिरावट रहेगी।

- फरवरी -

04 फरवरी 2020: ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16. 68 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 33.32 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट, सीमेन्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में तेजी रहेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, एशियन होटल्स, ई आई एच, होटल लीला वैन्चर, इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास में गिरावट रहेगी। 11 फरवरी 2020: ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16.70 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 41. 65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। टोबेको, चाय काफी तथा फार्मास्युटिक्ल सैक्टर्स तथा इण्डियन होटल्स, ओरियेन्टल होटल्स, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, शिपिंग कार्पोरेशन, वरुण शिपिंग, कन्टेनर कारपोरेशन, असाई इण्ड़िया ग्लास में तेजी रहेगी। प्रीसीयश स्टोन्स, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, गवर्नमेन्ट सिक्योरिटीज, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में गिरावट चलेगी।

18 फरवरी 2020: ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16. 70 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 41.65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट, सीमेन्स, इल्केट्रिकोनिक व्हाईट गुड़स, ऐयरोस्पेश, सर्जिकल इक्वपमेन्टस एण्ड़ गुड़स, लोजिस्टिक एवं ट्रान्सपोर्ट शेयर्स, फिल्म इण्डस्ट्री, ऐयरेटड वाटर, एल्यूमीनियम. टेलीस्पैक्टर्म में तेजी चलेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में साधारण गिरावट रहेगी। 25 फरवरी 2020: ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 41.65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज टोबेको, फार्मास्युटिक्ल ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, क्राम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स अशोका लैलेण्ड, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा. मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स में तेजी रहेगी।

- मार्च -

03 मार्च 2020: ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 16.70 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेगे। 41.65 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, अशोका लैलेण्ड, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड

महिन्द्रा. मारुती उद्योग, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स, प्रीसीयस स्टोन] गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज टोबेको, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा, हैवेल्स इण्डिया में तेजी रहेगी। असाई इण्ड़िया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड टोबेको, फार्मास्युटिक्ल ल्यूपिन, मर्क, नाटको फार्मा, नोवार्टिस, सन फार्मा, सुवैन लाईफ साईन्सेज, टौरेन्ट फार्मा में गिरावट आयेगी। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फ़िलिप्स, आई टी सी, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस में कोई विशेष परिवर्तन नही होगा। 10 मार्च 2020: ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 08.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेगे। 50.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे।इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, जी एम डी सी, सेसा गोआ. गैमन इण्डिया, एच सी सी, आई वी आर सी एल इन्फ्रास्ट्रक्चर, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स में कोई विशेष परिवर्तन नही होगा। 17 मार्च 2020: ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 50.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा. मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स में तेजी रहेगी।

हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी जय श्री टी जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग में कोई विशेष परिवर्तन नही होगा। 24 मार्च 2020: ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.03 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेगे। 33.32 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में तेजी चलेगीं ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में साधारण तेजी बनेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, :ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में गिरावट रहेगी। 31 मार्च 2020: 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में, 23.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर,

रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, ए बी बी, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, में तेजी रहेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, असाई इण्ड़िया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, यूनीटैक, मिर्जा इन्टरनेशनल, बाटा इण्ड़िया, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स में गिरावट रहेगी।

प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, :ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, आप्टो सर्किट में तेजी रहेगी। अपोलो टायर्स, बालकृष्ण इण्डस्ट्रीज, जे के इण्डस्ट्रीज, एम आर एफ. टिन प्लेट इण्डस्ट्रीज, हिन्दुस्तान जिक, गोडफ्रे फिलिप्स, आई टी सी, जी एम डी सी, सेसा गोआ. गैमन इण्डिया, एच सी सी, आई वी आर सी एल इन्फ्रास्ट्रक्चर, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स में कोई विशेष परिवर्तन नही होगा। 17 मार्च 2020: ओपनिंग समय पर 50.00 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 50.00 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, बजाज आटो, आईशर मोटर्स, फोर्स मोटर्स, हीरो मोटर्स कार्प, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा. मारुती उद्योग, पंजाब ट्रेक्टर्स, स्वराज माजदा, टाटा मोटर्स, टी वी एस मोटर्स में तेजी रहेगी। हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स, टैक्समेको, एल एम डब्ल्यू, एल जी बालाकृष्णण, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, विलियमसन टी जय श्री टी जे पी होटल्स, यू बी, मोहन मीकिन्स, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग में कोई विशेष परिवर्तन नही होगा। 24 मार्च 2020: ओपनिंग समय पर 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में रहेगे। 25.03 प्रतिशत शेयर गिरावट में खुलेगे। 33.32 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर में तेजी चलेगीं ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में साधारण तेजी बनेगी। प्रीसीयस स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एज्ड सिक्योरिटीज, रेड़िको खेतान, भारती शिपयार्ड, एस्सार शिपिंग, जी ई शिपिंग, मर्केटर लाईन्स, :ए बी बी, हैवेल्स इण्डिया, भारती टेलीवेन्चर्स, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, भारत इलैक्ट्रोनिक्स में गिरावट रहेगी। 31 मार्च 2020: 41.65 प्रतिशत शेयर तेजी में, 23.35 प्रतिशत शेयर गिरावट में तथा 25 प्रतिशत शेयर अपरिवर्तित रहेंगे। हिम्मत सिंगका शैदे, इण्डो रामा सिंन्थैटिक, महावीर स्पिनिंग मिल्स, नाहर एक्सपोर्ट, नाहर स्पिनिंग, राजस्थान स्पिनिंग, रेमण्ड़, एस आर एफ, वैलस्पन इण्ड़िया, बजाज हिन्दुस्तान, बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, मवाना शुगर, रेणुका शुगर, ई आई ड़ी कन्फैक्शनरी, असाई इण्ड़िया ग्लास, हिन्दुस्तान कापर, ए बी बी, भारत बिजली, बी एच ई एल, काम्पटन, एम्को, हैवेल्स इण्डिया, भारत इलैक्ट्रोनिक्स, में तेजी रहेगी। प्रीसीयस

स्टोन, गवर्नमेन्ट पेपर्स, गिल्ट एन्ड सिक्योरिटीज, असाई इण्ड़िया ग्लास, ताज जी वी के होटल्स, जे पी होटल्स, भारत अर्थ मूवर्स, आल्सटम प्रोजेक्टस, इन्जीनियर्स इण्डिया, लार्सन एण्ड टूब्रो, प्रज इण्डिया, शान्ति गियर्स, थर्मैक्स, सी सी आई प्रोडक्टस, टाटा काफी, टाटा टी, यूनीटैक, मिर्जा इन्टरनेशनल, बाटा इण्ड़िया, हिन्दुस्तान जिंक, स्टरलाईट इण्डस्ट्रीज, टिन प्लेट, हिन्दुस्तान कापर, निटको टाईल्स में गिरावट रहेगी।

शेयर बाजार का उपरोक्त संभावित रुख ग्रह गोचर पर आधारित है तथा बिना किसी पूर्वाग्रह के दिया जा रहा है। बाजार स्थानीय परिस्थितियों के अतिरिक्त वैश्विक एवं स्थानिक राजनैतिक वातावरण, केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की नीतियों आदि पर निर्भर करता है। बाजार में काम करने व्यापार करने से पूर्व बाजार का आकलन कर लेना हितावह है। ज्योतिषीय आधार पर किये गये व्यापार से होने वाले लाभ अथवा हानि के लिये लेखक किसी भी रुप में जिम्मेदार नही होगे। बाजार की वार्षिक, अर्घवार्षिक रिर्पोट के लिये लेखक से उनके स्थायी आवास सी- 82 वल्लभ नगर, उमा नगर के सामने, नोविनो तरसाली रोड़, वड़ोदरा (गुजरात), पिन -390009 मो09574337962 पर अथवा pmummy@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सामूहिक व्यापार भविष्य 2019--20

गणितकर्ता:- विश्वबन्धु शर्मा एम काम 'एल एल बी एवं जयवर्धन शर्मा बी टैक

चैत्र शुदि सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

चैत्र शुदि पक्ष में प्रथम दिन शनिवार का विशेष प्रभाव होगा। इस पक्ष में एकादशी तिथि की घटना को बल देने वाली सिद्ध होगी। इंफिरियर लाइन के प्रभाव में मार्केट के रहने से तेल तिलहनों में विशेषकर तेजी का रूख रहेगा। ता. 6 से पक्ष प्रारम्भ होकर ता. 10 अप्रैल तक चलेगा। ता. 7 अप्रैल को रविवारी चन्द्रदर्शन के प्रभाव सेलाल व सफेद रंग की वस्तुओं के भाव में तेजी का रूख रहने की धारणा है। ता. 10 अप्रैल की रात्रि में वक्री गुरू का प्रभाव सोना, चांदी, पीतल, इल्दी मुलहठी, रूई, कपास व पीले रंग की वस्तुओं की भाव में नरमी का रूख बनेगा। ता. 12 अप्रैल को सूर्योदय में पूर्व मीन राशि में बुध के प्रभाव से लौंग, रूई, अलसी, मेथीदाना के भावों में अचानक तेजी का प्रभाव पंद्रह दिन में होगा। ता. 14 अप्रैल को दोपहर में मेष संक्रान्ती के प्रभाव से लोहा, मशीनरी, सोना, गेहू, मसूर, तांबा, लाल मिर्च, पेट्रोल के भाव में तेजी होगी। सोना, चांदी, तांबा, गैस, जीरा, धनिया, ग्वार, चना, के वायदा भावों में जिस वस्तु में ता. 10 अप्रैल को ता.9 के बनें नीचे भाव से मार्केट टूट जाए और नीचे ही बन्द हो जावे तब उसी वस्तु में तीन दिन में ही जोरदार मंदी का चांस संपन्न होगा।

वैशाख सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

वैशाख माह में 5 शनिवारो का होना तेजी कारक सिद्ध होगा। साथ ही ता. 20 अप्रैल से इफीरियर लाईन चालू रहेगी। जो विशेष रूप से सरसों, तिल, तेल, सोयाबीन मूंगफली, अलसी, अरंडा, के भावों में जोरदार तेजी की चाल आगे चलेगी। ता. 7 मई को सोमवार चन्द्रदर्शन घटबड साथ ही नरमी कारक है। ता. 22 अप्रैल की रात्रि में वृश्चिक राशि में गुरूदेव के प्रवेश के प्रभाव से बारिश की कमी के कारण फसल की वस्तुओं के भाव में तेजी का रूख देखने को मिलेगा। ता. 30 अप्रैल मंगलवार की प्रात: शनिदव की के वक्री होने के प्रभाव से जोरदार तेजी का चांस धान्यों के भावों में बनेगा। ता. 3 मई को 4 बजकर 59 मिनट पर मेष राशि में बुध के

प्रभाव से हीरा, मोती, मूंगा, जवाहरात के भाव में जोरदार तेजी होगी। ता. 7 मई की प्रात: मिथुन राशि में मंगल के प्रवेश के प्रभाव से पशुओं के भाव में तेजी होगी। ता. 10 मई को प्रात: 10 बजकर 24 मिनट पर पूर्व दिशा में बुधदेव के अस्त होने के प्रभाव से जोरदार तेजी की चाल 20 दिन चलेगी। जो भयंकर भी हो सकती है। यहां मंगल राहु का अंशात्मक योग है जिसे लाल रंग की वस्तुए खरीदकर ता. 14 मई तक ही जोरदार तेजी आने पर लाभ उठा लेना चाहिए। ता.

15 मई को 11 बजे वृष राशि में सूर्य के प्रवेश के प्रभाव से जोरदार तेजी, शेयर मार्केट, गेंहू, गुड, शक्कर, इलायची, कपूर, काजू, बिनौला, के भाव में तेजी होगी। वायदा माकेर्टो में विशेश चाल: - ता. 1 मई को जिस भी वायदा वस्तु में ता. 30 अप्रैल के बने उंचे भाव से मार्केट बढ़ जाएगा तब उसी वस्तु के भाव में तूफानी तेजी का चांस ता. 3 मई तक ही सम्पन्न होगा।

ज्येष्ठ सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

ज्येष्ठ माह का प्रारम्भ ता. 19 मई से होकर 17 जून तक के समाप्ती काल में पांच रविवारोंका होना व्यापारिक वस्तुओं के भाव में उतार-चढ़ाव के साथ तेजी की पकड़ मजबूत बनाएगा। सुपीरियर लाइन का प्रभाव ता. 20 मई से दृष्टिगोचर होगा। ता. 4 जून को भौमवारी चन्द्रदर्शन तेजी का प्रभाव लाल रंग की वस्तुओं पर रखेगा। ता. 20 जून से शनिदेव केतु से आगे परिभ्रमण करने लगेंगे। तब से लोहा, जिंक, लेड, सीमेन्ट, कालीमिर्च, तिल, काले पिपल, लोंग के भाव में तेजी का बिगुल बजेगा यह चाल 2 जुलाई तक चलेगी। अत: स्टाकिस्ट स्टाक करके मोटा लाभ उठा सकते है। ज्येष्ठ बडी त्रयोदशी ता. 1 जून की शाम को बुध पश्चिम में उदय होकर बाद में मिथुन में प्रवेश करेगे। यही से जोरदार व धमाकेदार मंदी की चाल, जीरा, धनिया, सौंफ, अजवायन व हरे रंग की वस्तुओं के भाव में होगी। ता. 4 जून को 11 बजकर 20 मिनट पर वृष राशि पर शुक्र के प्रवेश के प्रभाव से जोरदा नशीले पदार्थ व रूई कपास सूत के भावों में एक माह में ही विवेश में तेजी होगी। ता. 15 जून की शाम को मिथुन संक्रान्ति के प्रभाव से गेंहू, चना, मटर, जौ, बाजरा, सूत, शक्कर, रूई, कपास, तांबा के भावों में मंदी का रूझान रहेगा।
तेजी होगी। ता. 15 जून की शाम को मिथुन संक्रान्ति के प्रभाव से गेंहू, चना, मटर, जौ, बाजरा, सूत, शक्कर, रूई, कपास, तांबा के भावों में मंदी का रूझान रहेगा।

आषाढ़ सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

आषाढ माह में पांच मंगलवारों का होना विशेष कर जोरदार तेजी का रूख मार्केटों में बनाएगे। प्रतिपदा में नवमी वृद्धि होकर त्रयोदशी क्षय का होना हाजिर मार्केटों मंदी का सूचक होने से बहुत ही सावधानी से व्यापार करने की आवश्यकता है। ता. 4 जुलाई को गुरूवारी चन्द्रदर्शन से जोरदार मंदी का रूख माह में रहेगा। ता. 20 जून को रात्रि में कर्क में बुध का प्रवेश हरे रंग की वस्तुओं के भाव में तेजी कारक होगा। साथ ही ता. 22 जून की रात्रि में कर्क राशि में मंगल का प्रवेश करना धान्य, गन्ना, गुड, खांड, धान के भाव में विशेष नरमी कारक होगा। आगे ता. 28 जून को रात्रि में मिथुन में शुक्रदेव का प्रवेश रूई के भाव में मंदीकारक होगा। यहां पर विशेष चांस वायदा वस्तुओं में यह है कि ता. 1 जुलाई को ता. 28 जून को बने नीच भाव से जिस नीचे लिखी वस्तुओं के भावों से भाव टूट जाए तब उसी वस्तु में तूफानी मंदी का चांस सम्पन्न होगा। वस्तुए लाल मिर्च, जीरा, धनयिा, दवा कम्पनियों के शेयर रूई कपास है। ता. 7 जुलाई की रात्रि में बुध वक्री होकर गुड, खांड, चीनी, सोना, चांदी, एल्युमिनियम, तांबा, निकिल, लेड के भाव में जोरदार तेजी की चाल चलाऐगे। सरसो, सोयाबीन, तेलो, के भाव में हर उछाले में बेचना लाभप्रद होगा। ता. 13 जुलाई को प्रात: 10 बजकर 57 मिनट पर बुधास्त का होना भी गेहूं, चना, मटर, सोना, चांदी, रूई, कपास, में तूफानी तेजी को प्रोत्साहन देने वाला ही सिद्ध होगा।।

श्रावण सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य।

श्रावण माह का आरम्भ ता. 17 जुलाई को होकर 15 अगस्त को समाप्त होगा। इस माह में विशेषतया पांच गुरूवार व पांच ही शुक्रवार होने से मंदी का प्रभाव नरमी की प्रधानता करेगा। ता. 17 जुलाई से सूर्य मंगल का योग ता. 8 अगस्त तक ही लाल मिर्च, छुआरा, बादाम, गुड, मसूर, रोली, लालचन्दन, नारियल गोला, मूंगफली, मोठ व लाल रंग कीवस्तुओं मे से जो भी नीचे स्तर पर मिले उनको स्टोर करके ता. 8 अगस्त तक ही मोटा लाभ कमाया जा सकता है। ता. 2 अगस्त शुक्रवार को चन्द्रदर्शन के प्रभाव से सफेद वस्तुओं के भाव माह में मंदी में रहेंगे। वायदा मार्केटों में ता. 17 जुलाई को ता.16 जुलाई के बने ऊंचे व नीचे भाव महत्तवपूर्ण सिद्ध होगे। खास तौर से नेचुरल गैस.

जिंक, लैड, सोना, चांदी, क्रूड आयल, सोया तेल के भाव में अगर ता. 17 जुलाई को ता. 16 जुलाई के बने नीच भाव से मार्केट टूट तब मंदी की चाल 23 जुलाई तक रहेगी। ता. 21 जुलाई की दोपहर पर कर्क में शुक्र के प्रभाव से धान्य व अनाजों के भाव में छह माह में ही विशेष तेजी का चांस मिलेगा। रूई, खल, बिनौला के भाव में 25 दिन में ही विशेष तेजी होगी। ता. 30 जुलाई की प्रात: पूर्व दिशा में बुधदेव के उदय के प्रभाव से जिन वस्तुओं में तेजी चली आ रही होगी उनमें मंदी का या नरमी का रूख बन जाएगा। ता. 8 अगस्त की रात्रि में सिंह राशि में मंगल के प्रभाव से चावल जई के भाव में चालीस दिन में ही जोरदार तेजी होगी। ता. 11 अगस्त की शाम को गुरूदेव के मार्गी होने से जिन पीली व लाल रंग की वस्तुओं के भाव में पहले मंदी चली आ रही होगी उन वस्तुओं के भावों में तेजी की चाल चलने लगेगी।

चन्द्रदर्शन के प्रभाव से सफेद वस्तुओं के भाव माह में मंदी में रहेंगे। वायदा मार्केटों में ता. 17 जुलाई को ता.16 जुलाई के बने ऊंचे व नीचे भाव महत्तवपूर्ण सिद्ध होगे। खास तौर से नेचुरल गैस, जिंक, लैड, सोना, चांदी, क्रूड आयल, सोया तेल के भाव में अगर ता. 17 जुलाई को ता. 16 जुलाई के बने नीच भाव से मार्केट टूट तब मंदी की चाल 23 जुलाई तक रहेगी। ता. 21 जुलाई की दोपहर पर कर्क में शुक्र के प्रभाव से धान्य व अनाजों के भाव में छह माह में ही विशेष तेजी का चांस मिलेगा। रूई, खल, बिनौला के भाव में 25 दिन में ही विशेष तेजी होगी। ता. 30 जुलाई की प्रात: पूर्व दिशा में बुधदेव के उदय के प्रभाव से जिन वस्तुओं में तेजी चली आ रही होगी उनमें मंदी का या नरमी का रूख बन जाएगा। ता. 8 अगस्त की रात्रि में सिंह राशि में मंगल के प्रभाव से चावल जई के भाव में चालीस दिन में ही जोरदार तेजी होगी। ता. 11 अगस्त की शाम को गुरूदेव के मार्गी होने से जिन पीली व लाल रंग की वस्तुओं के भाव में पहले मंदी चली आ रही होगी उन वस्तुओं के भावों में तेजी की चाल चलने लगेगी।

भाद्रपद सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य।

इस मास का प्रारंम्भ ता. 16 अगस्त शुक्रवार से आरम्भ होकर ता. 14 सितम्बर तक रहेगा। माह में पांच शुक्रवार का होना दुर्तफा चालदायक होगा। प्रथम पक्ष में छट वृद्धि होकर बाद एकादशी तिथि का क्षय होना नरमी को बल देने वाला सिद्ध होगा। इन्फीरियर लाइन ता. 04 सित. तक चलकर बाद सुपीरियर लाइन चलेगी। और इस पीरियड में धुआंदार तेजी का चांस तिलहनों में सम्पन्न होने की धारणा है। ता. 31 अगस्त को शनिवारी चन्द्र दर्शन से हल्की तेजी का रूख माह में रहने की धारणा है। ता. 16 अगस्त को सिंह राशि में शुक्र के प्रभाव से 17 अगस्त से धान्यो के भावों में तेजी होगी।सोने के भाव में विशेष तेजी होगी। ता. 17 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 1 मिनट पर सिंह संक्रान्ति के प्रवेश के प्रभाव से शहद, पीतल, गिलट, चावल, तिल धान्य में जोरदार तेजी एक ही माह में बन जायेगी। रूई, सोना, चांदी, लाल रंग की वस्तुएं घटबढ़ के साथ जोरदार तेजी पर आती है। ता 22 जून को एक बजकर सत्ताइस मिनट पर बुधास्त का होना विशेष यथा वायदा मार्केटों में मंदी का चाल चलाएगा। यहां पर जीरा, धनिया, ग्वार, चना, गेंहू, गुड, चीनी में विशेष मंदी की चाल 30 दिन तक चल सकती है। ता. 26 अगस्त को दोपहर में सिंह राशि में बुध प्रवेश के प्रभाव से सूती वस्त्र, आंवला, नीबू व सिरका के भाव में तेजी की चाल 25 दिन की होगी। ता. 09 सित. की रात्रि में कन्या राशि में शुक्र प्रवेश के प्रभाव से जीरा, ऊनी शाल के भाव में जोरदार तेजी होगी। रूई, कपास के भावों में 27 दिन में ही भारी गिरावट आयेगी।

आती-है। ता 22 जून को एक बजकर सत्ताइस मिनट पर बुधास्त का होना विशेष यथा वायदा मार्केटों में मंदी का चाल चलाएगा। यहां पर जीरा, धनिया, ग्वार, चना, गेंहू, गुड, चीनी में विशेष मंदी की चाल 30 दिन तक चल सकती है। ता. 26 अगस्त को दोपहर में सिंह राशि में बुध प्रवेश के प्रभाव से सूती वस्त्र, आंवला, नीबू व सिरका के भाव में तेजी की चाल 25 दिन की होगी। ता.

09 सित. की रात्रि में कन्या राशि में शुक्र प्रवेश के प्रभाव से जीरा, ऊनी शाल के भाव में जोरदार तेजी होगी। रूई, कपास के भावों में 27 दिन में ही भारी गिरावट आयेगी।

अश्विन सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

इस संवत् का प्रारम्भ ता. 15 सितम्बर रविवार होकर ता. 13 अक्तूबर रविवार तक के माह के पांच रविवरों का होना भयंकर तेजी की चाल देने वाला होगा। माह के आरम्भ से अन्त तक सुपीरियन लाईन रहेगी। ता. 30 सित. को सोमवार चन्द्र दर्शन से नरमी का रूख माह में रहने की धारणा है। बदि 30 ता.17 सितम्बर को दोपहर में कन्या राशि में सूर्य के प्रवेश के प्रभाव से सूत, शक्कर, रूई, तांबा, इलैक्ट्रिक उपकरण, गेहूं, चना बाजरा, तथा शेयरों के भाव में मंदी होगी। सरसों, तिल, तेल, सोयाबीन, अरन्डी, मूंगफली के भाव में नरमी का रूख रहेगा। ता. 18 सित. को 2 बजकर 20 मिनट पर मार्गी शनि के प्रभाव से स्अील, तिल, तेल, वनस्पति घी, गुग्गल, अदरक, हल्दी के भाव में विशेष चाल चलेगी। ता. 20 सित. को शाम 4 बजकर 3 मिनट पर बुधोदय के प्रभाव से घटबढ के साथ नरमी रह सकती है तथापि आज के बनें ऊंचे व नीचे भाव आगे के लिए महत्वपूर्ण हो जाएगे। आगे ता. 25 सित. को प्रात: कन्या राशि में मंगल का प्रवेश लाल मिर्च, रेशम, लाल पदार्थ, गुड, रूई, कपास के भाव 15 दिनों में अच्छी तेजी पकड़ेगे। अश्विन शुदि प्रतिपदा ता. 29 सित. को चन्द्रदर्शन के प्रभाव से तथा 12 बजकर 57 मिनट पर तुला राशि में बुध के प्रवेश के प्रभाव से धान्यादि के भाव में तेजी का रूख बना रहने की धारणा है।बाद ता. 3 अक्त. की रात्रि में तुला राशि में शुक्रदेव के प्रवेश के प्रभाव से जीरा, धनियां, सौंफ, अजवायन, मेंथा, आयल के भावों में विशेष नरमी की चाल चलेगी। आज से पूर्व अगर तेजी चली आ रही हो तब उंचे भाव में बेचकर आगे मोटा लाभ उठाया जा सकता है।
सकता है।

कार्तिक सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

कार्तिक माह का प्रारम्भ ता 14 अक्टूबर सोमवार से लेकर ता 12 नवम्बर मंगलवार को समाप्त होगा। यह माह 5 सोमवार से युक्त होन से व तीज वृद्धि तथा अष्टमी का क्षय होने तथा सुपीरियर लाईन के ता. 10 नवम्बर तक रहने के प्रभाव से प्रभाव से तिलहनों के भाव में नरमी की चाल चलेगी। ता. 29 अक्तूबर को भौमवरी चन्द्रदर्शन से अच्छी तेजी का रूख माह में रहने की धारणा है। ता. 17 अक्टूबर को रात्रि में तुला संक्रन्ति के प्रभाव से अरहर, गेंहू, चना, चावल, रूई, रेशम, साबूदाना, गोला, नारियल, पोस्तदाना में साधारण तेजी का रूख बनने की धारणा है। ता. 23 अक्टूबर को वृश्चिक राशि में बुध के प्रभाव से ता. 24 नव. से जीरा, धनिया, आदि हरे रंग की वस्तुओं के रूप मं धमाके के रूप में गिरेगी। ता. 22 अक्टूबर से रात्रि में मंगलदेव के पूर्व दिशा में उदय होने के प्रभाव से लाल मिर्च, सिन्दूर, मनसिल दवाओं, लाल चन्दन, लाल वस्त्र, रोली पूजा का सामान के भाव में तेजी की चाल बनेगी। जिस हाजिर या वायदा स्वतु के भाव पलटकर चलेगें उनमें पलट आगे माह के अन्त तक जारी रहेगी। ता 18 अक्तू. की प्रात: वृश्चिक राशि में शुक्र के प्रवेश के प्रभाव से धान्यादि के भाव में विशेष तेजी की चाल देखने को आयेगी। आगे ता. 31 अक्तू. की रात्रि में वक्री बुध के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, जिंक, लेड धातुओं के भावों में विशेष तेजी का उछाला 20 दिन में ही आयेगा बाद ता. 5 नवम्बर को बुधास्त होने के बाद तेजी की चाल तूफानी चलने की धारणा है यह तेजी गुड, खांड, चीनी, सोना, चांदी, निकिल, रूई, कपास, चना, अरहर, उरद, मोठ के भाव में होगी। ता. 10 नव. रविवार को तुलाराशि में मंगलदेव के प्रवेश से 45 दिन में ही उरद, मूग, मोठ, रूई, सूत, कपास के भावों में तेजी की चाल चलेगी। लाल व हरें रंग की वस्तुओं में खरीद न करें क्योंकि मंगल बुध का अंशात्मक योग जोरदार मंदी कारक ता. 7 दिसम्बर तक है।

मार्गशीर्ष सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष माह का प्रारम्भ ता. 13 नव. बुधवार से होकर ता. 12 दिस. गुरूवार को समाप्त होगा। माह में पांच बुधव र तथा पांच ही गुरूवार होना घटा-बढी के साथ मंदी कारक है। तमाम माह में इंफीरियर लाइन चलेगी जोकि तेजी जोरदार

तेलवाना की वस्तुओं में करेगी। ता. 28 नव. को गुरूवारी चन्द्रदर्शन से हल्की नरमी का रूख माह में रहने की धारणा है। माह के प्रारम्भ में ता. 16 नव. को वृश्चिक संक्रान्ति के प्रभाव से 18 नव. से सोना, चांदी, तावा, जस्ता, आदि धातु चावल, मशीनरी, लोहा, चाय, कॉफी, रवर, टीन, के भाव में तेजी का रूख बनने की धारणा है। दृष्ट प्रवृत्ति के लोगों में रोग होगे। ता. 18 नव. को बुधोदय होने से बुधास्त वाली वस्तुए नरमी पकड़गी। ता. 25 नव. की शाम को पूर्वाषाढा नक्षत्र के चतुर्थ चरण पर शनिदेव के प्रभाव से ता. 26 नवम्बर से तेजी का प्रभाव सेना, चांदी, गुड, खांड, चीनी, सूत, जूट, बारदाना, कपास, रूई, सूत, गेंहू, जौ, चना के भावों में होगा।

नोट – जिस वस्तु के भावों में ता. 25 नव. को ता. 22 के बने नीचे भाव से मार्केट टूटेगा तब उसी वस्तु में जोरदार मंदी होगी। आगे ता. 28 नव. को चन्द्रदर्शन नरमी का रूझान आगे के लिए बनाएगा। ता. 5 दिस. का वृश्चिक राशि में बुध के प्रवेश के प्रभाव से सरसों तिल, तेल के भावों में तेजी की चाल चलेगी।

पौष सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

यह माह ता. 13 दिस. शुक्रवार से प्रारम्भ होकर ता. 10 जनवरी 2020 को समाप्त होगा। पांच शुक्रवार होने से यह माह साधारण मंदी के दौर में रहेगा। इंफीरियर लाइन का प्रभाव तमाम माह रहेगा। अत: कुल मिलाकर तेजी के झटकों के साथ नरमी को बल मिलता रहेगा।ता. 27 दिस. को शुक्रवारी चन्द्रदर्शन से हल्की तेजी के बाद मंदी का रूख माह में रहने की धारणा है। यदि तीज की शाम को मकर राशि में शुक्र के प्रवेश के प्रभाव से चांदी, जस्ता, जूट, कपास, रूई, कपूर, सूत के भावों में विशेषत तेजी की चाल चलेगी। बाद ता. 17 दिस. की रात्रि में बुधास्त होने से गेहू, जौ, चना, मटर, गुड, खांड, शक्कर, सोना, चांदी, के भाव में मंदी का बिगुल बजेगा। यह मंदी कम से कम एक सप्ताह यह अधिक चल सकती है। ता. 25 दिसम्बर की शाम 3 बजकर 45 मिनट पर धनु राशि में बुध के प्रवेश के प्रभाव से व बाद रात्रि में वृश्चिक राशि में मंगल के प्रवेश के प्रभाव से जोरदार तेजी का चांस जूस पेय पदार्थो तेल द्रव्यों के भावों में विशेश तेजी 20 दिन में चलेगी। ता. 27 दिस. रात्रि में शनिदेव पश्चिम दिशा में अस्त हो रहें है। यहां पर विशेष तेजी अनाजों के भाव में होगी। शेष दलहनों के भाव भी समर्थन में तेजी पकडेगे।आगे ता. 08 जनवरी को रात्रि में कुम्भ राशि में शुक्र के प्रवेश के प्रभाव से जोरदार नरमी की चाल तीन दिन की सफेद रंग की वस्तुओं के भाव में बनेगी। वायदा मार्केटो मे ता. 18 दिस. को ता. 17 के बने नीचे भाव से जिस भी वायदा वस्तु के भाव टूट जाएं तब उसी वस्तु के भाव में जोरदार मंदी का चांस दो सम्ताह का अवश्य संपन्न होने की धारणा है।

माघ सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

इस माह का प्रारम्भ ता. 11 जनवरी शनिवार से होकर ता 09 फरवरी तक होगा। इस माह में पांच शनिवार व पांच ही रविवार होने से तेजी का रूख प्रदान होगा। ता. 11 जनवरी तक इंफीरियर लाईन के बाद सुपीरियर लाईन के प्रारम्भ होने से अरन्डी सरसों, तेलवाना की जिन्सों में नरमी का रूख बन जाएगा। ता. 26 जनवरी का रविवारी चन्द्रदर्शन से तेजी का रूख माह में रहने की धारणा है। ता. 13 जनवरी को 11 बजकर 32 मिनट पर मकर राशि में बुध के प्रभाव से अन्नादि के भावों में समता रहेगी। ता. 14 जनवरी को मकर संक्रान्ति के प्रभाव से घी तेल लकडी सोना चांदी, तांबा, कोयला, शीशा, जस्ता, टीन, गन्ना, तिल कालीमिर्च, लौंग, चीनी, किसमीस, कलात्मक व शेयरों के भाव में तेजी जोरदार रहेगी। सोना, चांदी, निकिल, जीरा, धनिया, लालमिर्च, जीरा, धनिया, ग्वार, चना, वायदा मार्केटो में ता 20 जनवरी को ता 17 के बने ऊंचे भाव से जिस भी वस्तु के भाव नीचे खुलकर बढ जायेगे उसी वस्तु के भावों में तूफानी तेजी का चांस दो सप्ताह में ही सम्पन्न होगा। विपरीत दिशा के भाव कटने पर मंदी की तूफानी चाल भी चलेगी। अत: व्यापार करते समय पूर्ण सावधानी अवश्य बरते। ता. 24 जनवरी की प्रात: मकर राशि में शनि के प्रवेश के प्रभाव से लोहा, कांसा, तिल, गोल जीरा, कोयला, क्रूडआयल, जायफल, हल्दी, अदरक, आलू, आदि जड

पदार्थो व खनिजो के भावों में विशेष मंदी का चांस 22 दिन में ही संपन्न होने की धारणा है। सावधानी हेतू विशेष नोट है कि जिस उपर लिखि वस्तु में ता. 27 जनवरी को ता. 24 जन. के बने ऊंचे भाव से मार्केट बढ. जाएगा तब उसी में तेजी का चांस संपन्न होगा। बाद ता. 7 फरवरी की रात्रि में धनु राशि में मंगल के प्रवेश के प्रभाव से अगर चावल जडीबूटी धान्य के भावों में तेजी होगी।

भावों में विशेष मंदी का चांस 22 दिन में ही संपन्न होने की धारणा है। सावधानी हेतू विशेष नोट है कि जिस उपर लिखि वस्तु में ता. 27 जनवरी को ता. 24 जन. के बने ऊंचे भाव से मार्केट बढ. जाएगा तब उसी में तेजी का चांस संपन्न होगा। बाद ता. 7 फरवरी की रात्रि में धनु राशि में मंगल के प्रवेश के प्रभाव से अगर चावल जडीबूटी धान्य के भावों में तेजी होगी।

फाल्गुन सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

फाल्गुन माह का प्रारम्भ ता. 10 फरवरी सोमवार से होकर ता. 9 मार्च 2020 तक रहेगा। माह में पांच सोमवार व ता. 25 फरवरी तक सुपीरियर लाईन के प्रभाव से जोरदार नरमी औसत रूप में चलने की धारणा है। किसी किसी वस्तु के भावों में तूफानी मंदी की चाल भी देखने को आयेगी। ता. 25 फरवरी को भौमवारी चन्द्रदर्शन से तेजी का रूख माह में रहने की धारणा है। ता. 13 फरवरी को 3 बजकर 4 मिनट पर कुम्भ संक्राति के प्रभाव से भूकम्प की संभावना होगी। कोयला, अलसी, तांबा, तिलहन, मूंगफली, लोहा, जूट, पाट, जौ, संगमरमर, मिट्टी की वस्तुएं, कागज, शेयर, एल्यूमीनियम के भावों में तेजी का चांस संपन्न होगा। ता. 17 फरवरी को प्रातः वक्री बुध के प्रभाव से जोरदार तेजी का आकर बाद में गुड, खांड, चीनी, व रस पदार्थो में मंदी चलेगी। बाद ता. 19 फरवरी के बलें नीचे भाव से मार्केट टूट जाये तब मंदी जानना। ता. 28 फरवरी को मेष राशि में शुक्र के प्रभाव से मंदी का प्रभाव हाजिर मार्केट टूट जाए तब मंदी जानना। ता. 28 फरवरी को मेष राशि में शुक्र के प्रभाव से मंदी का प्रभाव हाजिर मार्केटो पर रहने की धारणा है। ता. 3 मार्च को बुधोदय 2 बजकर 33 मिनट पर होने के बाद मंदी का जोरदार झटका सोना, चांदी, गुड, खांड, चीनी, गेहू, चना, रूई के भाव में लगेगा। अन्य वस्तुओं के भाव में कुल मिलाकर ता. 24 फरवरी से 9 मार्च तक का पीरियड मंदी का रहने की धारणा है। वायदा मार्केटो में ग्वार, चना, जौ, जीरा, धनिया, हल्दी, सोया, तेल में ता. 26 फरवरी को ता. 25 के बने ऊंचे भाव से जिस वस्तु में भाव बढ जाये उसी में डबल खरीद करके ता. 9 मार्च तक मोटा लाभ उठाया जा सकता है। विपरीत दिशा के भाव कटने पर मंदी का व्यापार करना चाहिए।

चैत्र बदि सम्वत् 2076 का सामूहिक व्यापार भविष्य

चैत्र बदि पक्ष पंचमी तिथि का क्षय होकर बारहवीं तिथि की वृद्धि का होना तेजी की चाल को बल देने वाला होगा। ता. 10 मार्च को मार्गी बुध का प्रभाव ता. 11 मार्च से तेजी की चाल गुड, खांड, चीनी, पाट, बारदाना, सोना, चांदी, तांबा, आदि धातुओं के भावों में चलाएगा। ता. 11 मार्च को ता. 9 के बने नीचे भाव से जिस वस्तु के भी भाव ऊंचे खुलकर टूट जांएगे उसी वस्तु के भाव में 12 दिनों में ही धमाकेदार मंदी होगी। धारणी अधिकाशं वस्तुओं में तेजी का ही है। ता. 14 मार्च को 11 बजकर 54 मिनट पर मीन संक्राति के प्रभाव से मोमबत्ती, जवाहरात, हीरा, सुगन्धित पदार्थो, दवाइयों, सोना, चांदी, गेहू, चना, उरद, घी, रूई, रेशम, गूगल, अदि के भाव में विशेष तेजी की चाल चलने की धारणा है। ता. 22 मार्च को 2 बजकर 40 मिनट पर मकर राशि में मंगल के प्रवेश से घी, तेल, के भावों में जोरदार तेजी होगी। धान्य, रूई, के भावों में 30 दिन मे जोरदार चलने की धारणा है।

स्पेशल हस्तलिखित चांस प्राप्त करें-

ग्रहचालीय स्थिति की विवेचना व दृष्टि सम्बन्धों के आधार पर स्टाक करने व बेचने हेतू आप स्पेशल चांस हमारे यहां से प्राप्त कर सकते है।

पता- विश्‍बन्धु शर्मा एवं जयवर्द्धन शर्मा ज्योतिषी

21-22 ब्रहम्मान निकट क्षरी कुआ पोस्ट व जिला हापुड उ.प्र.

मो. न. 9837279823 व 9412573895

सक्रांति फल 2019–20

मेष संक्राति : मेष संक्राति की कुंड़ली का लग्नेश नवम त्रिकोण भाव में अपनी उच्च राशि में विराजमान है। पंचमेश गुरु की पंचम दृष्टि से दृष्ट है। लग्न भाव पर शुभ ग्रह गुरु की नवम तथा शुक्र की पूर्ण सप्तम दृष्टि है। **विश्व में धन-धान्य की वृद्धि होगी। सभी प्रकार के शुभ फल प्राप्त होंगे।** सुवृष्टि, सुभिक्ष रहेगा। क्षेम कल्याण, आरोग्य आदि से सुख रहेगा। पंचम स्थान पर शनि के विराजमान होने से श्रावण मास में तेज हवाओ तथा आंधियो का प्रकोप रहेगा। वर्षा की कमी से दुर्भिक्ष की स्थिति बनेगी। धान्यादि में तेजी आयेगी। रविवारी मेष संक्राति से संवत् 12 विश्वा है। शूल योग से विश्व में भयकारक उपद्रवो तथा आतंकवाद का जोर रहेगा। किन्ही देशों के मध्य युद्ध जैसी परिस्थितियां बनेगी। आंधियो तथा अग्नि कांडो से धन सम्पत्ति की हानि होगी। संक्राति पुण्य काल 07:38 से सांय 19:38 तक ।

राजनैतिक वाद विवाद तथा विग्रह बढ़ेगे। परस्पर आरोपो प्रत्यारोपो का बाजार गरम रहेगा। मध्यभारत में राजनैतिक असंतोष रहेगा। कतिपय तथाकथित सन्यासियो - बाबाओं की प्रतिष्ठा धूमिल होगी। अनावृष्टि तथा प्रशासकीय कारणो से जनसाधारण त्रस्त रहेगा। उच्च पदसीन व्यक्तियों, रुपजीवियों, एन्टरटेन्मेन्ट के क्षेत्र में कार्यरत् व्यक्तियों तथा शिशुओं में किसी रोग का प्रकोप होगा। युवा महिलाओं के प्रति अपराध, चौरी-भ्रष्टाचार तथा तस्करी की घटनायें बढ़ेगी। मनोरजन के क्षेत्र में कुछ हास्य सीरीयल्स के कलाकार आरोपित होगे तथा उनके सीरीयल्स बंद होंगे।

दिन में लगी मेष संक्राति से वैश्विक स्थिति तनाव ग्रस्त रहेगी। विश्व के कई देशों में क्लेश होगा। गत् संक्राति से तीसरे दिन चौथे नक्षत्र, दशमी पूर्णा तिथि की 15 मुहूर्ति बैठी संक्राति में कीटो के उपद्रव से कृषि की हानि होगी। भूमि से आजीविका कमाने वाले, बिल्ड़र, प्रॉपर्टी ड़ीलर, कुम्हार- पाटरी उद्योग में कार्यरत् व्यक्ति, कृष्क- खेतीहर वर्ग हानि उठायेंगे। खाद्यान्नों की उपलब्धता में कमी आयेगी। घी, गुड़, खांड़ आदि रसकसो, कसुंभा, मजीठ तथा अन्य लाल रंगो की वस्तुओ, श्वेत मिश्रित पीत रंग के वस्त्रों की हानि होगी। जौ, गेहूँ, चना, हाथी दांत, मोम, मजीठ, केशर, सिन्दूर, कम्बल आदि ऊनी वस्त्रो में तेजी बनेगी। कपड़ा तथा हीरा व्यापारियो को विपरीत परिस्थितयो से कष्ट होगा। धातुओं का व्यापार बढ़ेगा परन्तु धातुओं की कमी से इनके भावो में कभी तेजी तो कभी मंदा चलेगा।

वृष संक्राति : गत् संक्राति से चौथे दिन, पांचवे नक्षत्र की बुधवारी 30 मुहूर्ति बैठी, द्वादशी तिथि संक्राति से संक्राति के अन्य अशुभ फलो में न्यूनता आयेगी। जलाशयो में पानी की कमी रहेगी। पूर्वोत्तर प्रदेशों में शासको तथा शासितो में मतभेद रहेंगे। आदिवासी क्षेत्रों में आतंकवाद की स्थिति बनी रहेगी। दक्षिण भारत एवं पूर्व दिशा के राज्यों में राजनैतिक विग्रह विवाद होंगे। परस्पर आरोपो प्रत्यारोपो का बाजार गरम रहेगा। मध्यभारत में राजनैतिक असंतोष रहेगा। एन. आर. आई तथा कोर्ट -कचहरी में कार्यरत वर्ग के हित प्रभावित होंगें। गौ आदि दुधारु तथा भारवाहक पशुओं की हानि होगी। मार्ग दुर्घटनायें बढ़ेंगी। बुद्धिजीवी वर्ग, कम उमर की महिलायें, सैनिक तथा अर्ध सैनिक बल कष्ट में रहेंगे। विश्व में उपद्रव होगें। कम सैन्य बल वाले देश आतंकवाद को बढ़ावा देंगे। आतंकवाद पर नियन्त्रण के लिये सार्थक प्रयास होंगे। उच्च तथा अन्त्यज वर्ग कष्ट में रहेगा। किसी रोग का प्रकोप होगा। तेज हवाओं यथा आंधी आदि का प्रकोप होगा। मध्यम वर्षा से कृषि उत्पादन साधारण रहेगा। दो मास तक महगांई से छुटकारा नही मिलेगा। पशु आहारों,

रसों तथा धान्यों आदि का भाव अनुमान के अनुसार रहेगा अर्थात न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक गिरावट बनेगी। चावल उत्पादक क्षेत्रो कोंकण आदि चावल उत्पादकों तथा चावल के व्यापारियो को कष्ट रहेगा। कपास की हानि से मलमल, जगन्नाथी आदि सफेद वस्त्रो में तेजी आयेगी। तैल, सरसों, सोना, गुड़, खांड़, शक्कर, कपास, रुई, सूत, कपड़ा, चावल तथा धान्यो में तेजी रहेगी। सभी प्रकार के लौह तथा अन्य धातुओं में तेजी आयेगी। मूंगा आदि बहुमूल्य जवाहरात एवं स्वर्ण के आयात में कमी आने से इनके मूल्यों में कभी तेजी तो कभी मंदे का चक्र चलेगा। गेहूँ, जौ, चना, घी में मंदा आयेगा। कथीर आदि श्वेत धातुओ के मूल्य बढ़ेगे तथा इनके एवं सुगन्धित वस्तुओं के व्यापारियो को कष्ट रहेगा। चांदी में घटाबढ़ी चलेगी। संक्राति पुण्य काल रात्रि 28:08 से प्रात: 10:32 तक ।

मिथुन संक्राति : गत् संक्राति से चौथे दिन पांचवे नक्षत्र चतुर्दशी तिथि की 30 मुहूर्ति शनिवारी बैठी संक्राति में सभी प्रकार की वस्तुओं का नाश होगा। लोगो में पापबुद्धि बढ़ेगी। किसी रोग का उपद्रव होगा। अग्निकांडो से हानि का योग बनेगा। केन्द्र एवं राज्य सरकारो में परस्पर मतभेद बढ़ेगे। दक्षिणी प्रदेशों में उपद्रव की स्थिति बनेगी। छलकपट की वृद्धि होगी। किसी स्थान पर चुनाव होंगे। **सिद्ध योग से** संक्राति जन्य अशुभ फलो में न्यूनता तथा मध्यम वर्षा से गेहूँ, जौ, चना, भूसा, ज्वार, बाजरा, मकई, ग्वार की पैदावार अच्छी होगी। कपास, रुई, सूत, कपड़ा, सन, रेशम, तिलहन- तिल, तैल, सरसों, अलसी, आलू, अरवी, अदरक, सोंठ, मूंगफली, हल्दी, प्याज, जूट, दूध, घी, गुड़ तथा नमक में तेजी चलेगी। घी के भावो में गिरावट आयेगी। पशु आहारो तथा चारा भूसा में स्थिरता रहेगी। कपास की हानि होगी। कपड़े की मांग में वृद्धि होगी। पशु प्रजनन में कमी आयेगी। कसुंभा, मजीठ, पंतग आदि लाल रंग तथा लाल वस्त्रो के व्यापारियो, दुधारु पशुओ - गाय, भैंस, बकरी आदि को पालने वालो, भूमि से आजीविका कमाने वाले, कृष्क, बिल्ड़र, इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियो के लिये समय कष्टकारी रहेगा। आयरन तथा स्टील की कमी रहेगी तथा उसके भावो में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा। संक्राति पुण्य काल सांय 17:13 से रात्रि 23:37 तक ।

कर्क संक्राति : गत् संक्राति से पांचवे दिन, पांचवे नक्षत्र की 45 मुहूर्ति बैठी बुधवारी प्रतिपदा तिथि की संक्राति में संवत् 12 विश्वा रहेगा। शासक तथा शसितो का समय सामान्य रहेगा। मध्य तथा दक्षिण प्रदेशों एवं पूर्व दिशा के राज्यों में राजनैतिक विवाद विग्रह रहेगा। पूर्वोत्तर दिशा के प्रदेशों में भयजनक वातावरण बनेगा। राजनेताओ में परस्पर वैर रहेगा। आरोप प्रत्यारोप चलेंगे। उच्च तथ अन्त्यज वर्ग में कष्ट व्याप्त होगा। दक्षिणी तथा पूर्वी प्रदेशो में उपद्रव होंगे। सैन्य बलों में कष्ट तथा असंतोष व्याप्त होगा। मुस्लिम बहुल देशो में आनन्द रहेगा। तेज हवाओं के प्रकोप से वृक्षो तथा पक्षियों की हानि होगी। प्राय: ही सर्वत्र वर्षा होगी। उत्तम वर्षा से कृषि उत्पादन उत्तम रहेगा। व्यापार बढ़ेगा। सूर्य संक्राति से सप्तम राशि के चन्द्रमा से छ: मास के अन्दर अन्दर धान्यों के भावो में तेजी आयेगी। कर्क संक्राति के समय जल राशि मकर के चन्द्रमा से **तन्दुल नामक** योग बना है जिससे वर्षा काल के चारो ही मास में वर्षा होगी तथापि कर्क संक्राति के समय के उ. षाढ़ नक्षत्र से अनावृष्टि का योग होने से धान्यो के भावो में तेजी आयेगी। गेहूँ आदि सभी धान्य, घी, तैल आदि सभी रसो, कसुंभा, कपास आदि सभी वस्तुओ के भावो में गिरावट आयेगी। कृष्कं वर्ग कष्ट में रहेगा। चौपाये पशुओ की हानि होगी। सवारी तथा भारवाहक

साधनों की दुर्घटनायें अधिक होगी। संक्राति पुण्य काल सांय 16:10 से रात्रि 28:10 तक।

सिंह संक्राति फल : गत् संक्राति से चौथे दिन चौथे नक्षत्र की 15 मुहूर्ति बैठी द्वितीया तिथि की संक्राति - संक्राति के अन्य अशुभ फलो में न्यूनता करेगी। राजनीतिज्ञो में विग्रह- विवाद बनेंगे। कम सैन्य बल वाले देश आतंकवाद को बढ़ावा देंगे। सामान्यजन पीड़ित रहेगा। सूर्य संक्राति से सप्तम राशि के चन्द्रमा से छः मास के अन्दर अन्दर धान्यों के भावों में तेजी आयेगी। चांदी, रुई, कपास, गेहूँ, ज्वार, बाजरा, अरण्ड़ा, सरसों, अलसी, तिल, तैल, सरसों मसूर, हल्दी, द्राक्ष, मिर्च, गुड़, खांड़, घी आदि रसो के भावो में तेजी रहेगी। मूंग, उड़द, चना, चावल, तथा भूसे वाले धान्यों की हानि होने से पहले भाव तेज होंगे तथा फिर पीछे से मंदा होगा। तेज हवायें चलेगी। आंधियो, अग्नि कांडो, अनावृष्टि तथा चूहे आदि से फसलों को हानि होगी। छलकपट की वृद्धि होगी। आतंकवाद बढ़ेगा, युद्ध जैसी परिस्थितियां बनेगी। संक्राति पुण्य काल प्रातः 06:40 से मध्यान्ह 12:40 तक।।

क्न्या संक्राति: गत् संक्राति से चौथे दिन, पांचवे नक्षत्र की 30 मुहूर्ति मंगलवारी बैठी संक्राति में भ्रष्टाचार के नये मामले प्रकाश में आयेंगे। आतंकवाद जनित युद्ध होगा। तूफानी हवाओं तथा अग्निकांड़ो से हानि होगी। मध्यम वर्षा से अनावृष्टि योग रहेगा। खाद्यान्नों की कमी दृष्टि गोचर होगी। उच्च वर्ग पीड़ित होगा। राजनैतिक अनीतियों के चलते विग्रह विवाद बढ़ेंगे। शासक तथा शासित दोनो पीड़ित होंगे। दक्षिणी प्रदेशों में भय बनेगा। चावल, मूंग, नमक, सज्जी, तिल, तैल, सरसों, एरण्ड़, घी, गुड़ आदि रस, गेहूँ, अलसी, कपूर कस्तूरी, चन्दन, नारियल, मजीठ, कसुंभा तथा तौल से बिकने वाली वस्तुओ के भावो में तेजी बनेगी। पशु आहारों में न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक गिरावट बनेगी। भूमि से आजीविका प्राप्त करने वालो - कृष्क, बिल्ड़र, इन्फ्रास्ट्रक्चर में कार्यरत वर्ग का समय कठिन रहेगा। व्यापारियो के हित-लाभ के लिये कतिपय निर्णय होंगे। दलहन के व्यापारी हानि में रहेंगे। किसी लब्ध प्रतिष्ठित व्यक्ति का असामयिक निधन होगा। संक्राति पुण्य काल मध्यान्ह 12:40 से सांय 19:04 तक।

तुला संक्राति फल : जल राशि के लग्न से मास में वर्षा की अधिकता रहेगी। गत् संक्राति से चौथे दिन, चौथे नक्षत्र की 45 मुहूर्ति शुक्रवारी चतुर्थी तिथि की बैठी संक्राति में मध्य, दक्षिण तथा पूर्वी प्रदेशों में राजनैतिक विवाद विग्रह रहेगे। आरोप प्रत्यारोपो का बाजार गरम रहेगा। बुद्धिजीवी वर्ग पीड़ित रहेगा। पूर्वोत्तर दिशा के प्रदेशों में आतंकजनित भय व्याप्त होगा। सैन्य बलों में असंतोष पनपेगा। युवा महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ेगे। आतंकवाद पर नियन्त्रण के वैश्विक प्रयास होंगे। हाथी दुर्घटना ग्रस्त होंगे। चौपाये पशुओ की हानि होगी। वाहन दुर्घटनाओं में वृद्धि होगी। सवारी तथा भारवाहक साधनों में दुर्घटनायें अधिक होगी। रोगो का उपद्रव होगा। कृष्क वर्ग कष्ट में रहेगा। देश का व्यापार बढ़ेगा। हाथी दांत के व्यापारी लाभान्वित होंगे। गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा के उपादन में वृद्धि के उपरान्त भी सभी प्रकार के धान्यो में दो मास तक तेजी रहेगी। दूध, दही, घी, केसर, केसुला, केसरा हल्दी आदि पीली वस्तुओ, स्वर्ण, नमक, खार, तिल, तैल, सरसों में तेजी बनेगी। सभी प्रकार के वस्त्रों तथा घी के भावो में मंदा रहेगा। गुड़ के भावो में कुछ फेरफार होगा। चांदी में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा। संक्राति पुण्य काल सांय 18:38 से प्रातः 30:38 तक।

वृश्चिक संक्राति : गत् संक्राति से तीसरे दिन, चौथे नक्षत्र की 45 मुहूर्ति खड़ी रात्रि कालीन पंचमी तिथि की रविवारी संक्राति से अधर्मी तथा भ्रष्टाचारी मनुष्य सुख में रहेंगे। राजनैतिक वाद विवाद तथा विग्रह बढ़ेगे। परस्पर आरोपो प्रत्यारोपो का बाजार गरम रहेगा। तेज धूप तथा आंधियो आदि से जन धन की हानि होगी। उत्तम वर्षा से कृषि की वृद्धि होगी। घी, तैल, गुड़, खांड़ आदि रसकसो में, कसुंभा, कपास, मजीठ तथा अन्य लाल रंगो की वस्तुओ घटबढ़ रहेगी। गेहूँ आदि सभी धान्यो के साधारण रहेंगे। ऊन एवं ऊनी वस्त्रो में तेजी के रुख के बाद भावो में स्थिरता आयेगी। अलसी, सरसों मसूर, गुड़, घी तथा सफेद वस्तुओं में तेजी बनेगी। चांदी, तांबा में साधारण तेजी होगी। चौरो तथा अनावृष्टि से कृषि नष्ट होगी। दुधारु पशुओ तथा अन्य चौपायो की हानि होगी। जनसाधारण विभिन्न उपद्रवो से कष्ट में रहेगा। भ्रष्टाचारी कानूनी दाव पेंचों से बचें रहेंगे। संक्राति पुण्य काल सांय 18:00 से रात्रि 24:24 तक ।

धनु संक्राति : गत संक्राति से दूसरे दिन तीसरे नक्षत्र की 15 मुहूर्ति खड़ी सोमवारी संक्राति में ठंड़ बढ़ेगी। किसी नई औषधी का आविष्कार होगा। रोगो पर नियन्त्रण होगा। विश्व में उपद्रव बढ़ेंगे। सैन्य बलों में असंतोष व्याप्त होगा। आतंकवाद पर नियन्त्रण के प्रयास होंगे। राजनेताओ में परस्पर आरोप प्रत्यारोपो का सिलसिला जारी रहेगा। किन्ही राजनेताओ को अपना पद त्यागना पड़ सकता है। बुद्धिजीवी वर्ग पीड़ित होगा। अनावृष्टि, कीट तथा फसलों में किसी रोग से कृषि उत्पान प्रभावित होगा। चौपाये पशुओं की हानि होगी। कृष्क वर्ग कष्ट में रहेगा। सवारी तथा भारवाहक साधनों में दुर्घटनायें का प्रतिशत बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। दूध, दही, घी तिल, तैल, घी, सरसों, अलसी आदि तिलहनो, गुड़, खांड़ आदि रसकसो में, कसुंभा, मजीठ तथा अन्य लाल रंगो की वस्तुओ, केसर, केसुला, केसरा हल्दी तथा किराना की अन्य वस्तुओं, रुई, कपास, सूत, सन, पाट, बारदाना, रेशम, ऊन एवं वस्त्रो में तेजी चलेगी। धान्यो में गिरावट आयेगी। पीली वस्तुओ के व्यापारियो को कष्ट रहेगा। चांदी के भावो में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा। सोना में लाभ होगा। युवा महिलाओं के प्रति अपराधों में वृद्धि होगी। भूमि से आजीविका कमाने वाले पीड़ित होंगे। संक्राति पुण्य काल मध्यान्ह 14:58 से रात्रि 21:22 तक ।

मकर संक्राति : गत संक्राति से तीसरे दिन तीसरे नक्षत्र पंचमी तिथि की 30 मुहूर्ति बुधवारी सूती संक्राति में शीत में कुछ वृद्धि के उपरान्त भी मौसम अपेक्षाकृत गर्म रहेगा। अन्त्यज तथा उच्च वर्ग कष्ट अनुभव करेगा। आतंकवाद पर नियन्त्रण होगा। राजनेताओ विशेषकर मध्यभारत के प्रदेशों के राजनेताओं में असंतोष रहेगा। मध्यम वर्षा होगी। किसी स्थान पर अग्निकांड़ से हानि होगी। अन्य वस्तुओं के भाव साधारण रहेगे। मसूर, घी, तैल, गुड़, खांड़ आदि रसकसो में, कसुंभा, मजीठ तथा अन्य लाल रंगो की वस्तुओ, ऊन तथा ऊनी वस्त्रों में तेजी रहेगी। इनके व्यापारियो को हानि होगी। धान्यो के भावो में गिरावट आयेगी। घास आदि का भाव अनुमान के अनुसार रहेगा अर्थात न तो अधिक तेजी आयेगी और न ही अधिक गिरावट बनेगी। कांसा की कमी रहेगी तथा उसके भावो में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा, अन्य धातुओं का व्यापार अधिक होगा। हीरा व्यापारियों को हानि होगी। राजनेताओ में असंतोष बढ़ेगा। कुछ तथाकथित महात्मा एवं सन्यासी स्वयं अपनी प्रतिष्ठा की हानि करेंगे। दुग्ध उत्पादक वर्ग को हानि होगी। रेती, मिट्टी आदि के खनन में नगे व्यक्ति हानि उठायेंगे। विदेशी भारतीयों तथा लम्बी दूरी की यात्रा करने वाला को कटु अनुभव होंगे। संक्राति पुण्य काल रात्रि 25:38 से सांय 17:38 तक ।

कुंभ संक्राति : गत संक्राति से दूसरे दिन, चौथे नक्षत्र, पंचमी

तिथि की 30 मुहूर्ति गुरुवारी सूती संक्राति में मध्यम वर्षा से समय साधारण रहेगा। मांगलिक तथा शुभ कार्य अधिक होंगे। राजनीति में विरोधी स्वर प्रबल रहेगे। बुद्धिजीवियों का सम्मान बढ़ेगा। कपड़े की मांग में वृद्धि, कपास की हानि होगी। दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा। धान्यो तथा रसादि के उत्तम उत्पादन से इनके भावो में गिरावट आयेगी। दो मास तक ज्वार, मसूर तथा अन्य धान्यो के नाश का योग बन रहा है। विश्व में सुवृष्टि, सुभिक्ष, क्षेम, कल्याण, आरोग्य आदि से सुख रहेगा। आतंकवाद पर नियन्त्रण होगा। शांति रहेगी। धर्म का प्रचार होगा। धान्यादि की वृद्धि होगी। अधर्मी मनुष्य कष्ट में रहेंगे। चन्द्रमा का वायुमंडल के नक्षत्र चित्रा से गोचर अनावृष्टि दुर्भिक्ष चौरो तस्करो तथा वायु के प्रकोप से हानि करेगा। लोगो में किसी प्रकार का भय व्याप्त होगा। धान्यो, कुलत्थ, उड़द मूंग, तुअर, नमक, सरसों, मूंगफली, अलसी, तैल, घी, राई, कपूर गुड़, खांड़, कसुंभा, मजीठ तथा अन्य लाल रंगो की वस्तुओ में तेजी बनेगी। भूसा, घास आदि पशु आहारों का भाव प्राय: ही स्थिर रहेगा। संक्राति पुण्य काल 08:08 से मध्यान्ह 14:32 तक।

मीन संक्राति : गत संक्राति से तीसरे दिन तीसरे नक्षत्र की 45 मुहूर्ति बैठी षष्ठी तिथि की शनिवारी संक्राति में समुद्री व्यापार में हानि होगी। छलकपट की वृद्धि होगी। अनावृष्टि दुर्भिक्ष, युद्ध महामारी आदि से मनुष्यों की मृत्यु होगी। जगत में वायु पित्त तथा कफ आदि रोगो से कष्ट रहेगा। अनावृष्टि का भय रहेगा। राजनैतिक विग्रह विवाद बढ़ेंगे। धर्म की हानि होगी। धान्यादि में तेजी आयेगी। अधर्मी मनुष्य सुख में रहेंगे। सभी प्रकार की वस्तुओं का नाश होगा। मनुष्यों को कष्ट रहेगा। सोना, चांदी तथा कपड़ो में तेजी चलेगी। नमक, तिल तैल, घी, गुड़, खांड़ आदि रसकसो में, कसुंभा, मजीठ तथा अन्य लाल रंगो की वस्तुओ का नाश कर इन में तेजी बनायेगी। गेहूँ आदि धान्यो के भावो में गिरावट आयेगी। गाय भैंस, घोड़ा, हाथी आदि पशुओ का व्यापार अधिक होगा। लोहा तथा स्टील के भावो में कभी तेजी तो कभी मंदा आयेगा। संक्राति पुण्य काल मध्यान्ह 11:20 से सांय 17:44 तक।

दिव्योषधि मंत्रानुष्ठान प्रयोग

आचार्य पं. पराक्रम जैमिनी
आचार्य फलितज्योतिष/एम संस्तकृत साहित्य/एम.लिब । एम.एस.सी/एम.ए शिक्षा
श्री शारदा ज्योतिष संस्थान महल कॉलोनी राजेश्वरी रोड, शिवपुरी म.प्र.
मोबाइल–09425487982,7000652814

ठस वर्ष दिव्योषधि मंत्रानुष्ठान प्रयोग श्रृंखला में वर्ष कमानुसार इस वर्ष आप सभी अनुष्ठान प्रेमीजनों के समक्ष विशिष्ट प्रयोग प्रस्तुत कर रहे हैं। आशा है आप सभी इन प्रयोगों का लाभ उठायेंगे एवं जनकल्याणार्थ अन्य लोगों को भी लाभ पहुंचाने कृतसंकल्प होंगे।

शत्रु निवारण श्री बगलाशतनाम स्त्रोत प्रयोग

।।श्री नारद उवाच।।

भगवन् देवदेवेष सृष्टिस्थितिलयात्मकम्। शतमष्टोत्तरं नाम्नां बगलाया वदाऽधुना।।1।।

।।श्री भगवानुवाच।।

श्रृणु वत्स प्रवक्ष्यामि नाम्नामष्टोत्तरं शतम्। पीताम्बर्याः महादेव्याः स्तोत्रं पापप्रणाशनम्।।2।।

यस्य प्रपठनात् सद्यो वादी मूको भवेत् क्षणात्। रिपूणां स्तम्भनं याति सत्यं सत्यं वदाम्यहम्।।3।।

विनियोगः – ं अस्य नीमाम्बर्य्यशटोत्तर शतनामस्तोत्रस्य सदाशिव ऋषिः, अनुष्टप छन्दः, श्रीपीताम्बरी देवता, श्रीपीताम्बरीप्रीतये जपे विनियोगः।

ह्रीं बगला विष्णुवनिता विष्णुशंकरभामिनी। बहुला वेदमाता च महाविष्णुप्रसूरपि।।1।।

महामत्स्या महाकूर्म्मा महावाराहरूपिणी। नरसिंहप्रिया रम्या वामना वटुरूपिणी।।2।।

जामदग्न्यस्वरूपा च रामा रामप्रपूजिता। कृष्णा कपर्दिनी कृत्या कलहा कलविकारिणी।।3।।

बुद्धिरूपा बुद्धिभार्या बौद्धपाखण्डखण्डिनी। कल्किरूपा कलिहरा कलिदुर्गतिनाशिनी।।4।।

कोटिसूर्यप्रतीकाशा कोटिकन्दर्पमोहिनी। केवला कठिना काली कला कैवल्यदायिनी।।5।।

केशवी केशवाराध्या किशोरी केशवस्तुता। रुद्ररूपा रुद्रमूर्ती रुद्राणी रुद्रदेवता।।6।।
नक्षत्ररूपा नक्षत्रा नक्षत्रेशप्रपूजिता। नक्षत्रेशप्रिया नित्या नक्षत्रपतिवन्दिता।।7।।
नागिनी नागजननी नागराजप्रवन्दिता। नागेश्वरी नागकन्या नागरी च नगात्मजा।।8।।
नगाधिराजतनया नगराजप्रपूजिता। नवीना नीरदा पीता श्यामा सौन्दर्यकारिणी।।9।।
रक्ता नीला घना शुभ्रा श्वेता सौभाग्यदायिनी। सुन्दरी सौभगा सौम्या स्वर्णभा स्वर्गतिप्रदा।।10।।
रिपुत्रासकरी रेखा शत्रुसंहारकारिणी। भामिनी च तथा माया स्तम्भिनी मोहिनी शुभा।।11।।
रागद्वेशकरी रात्री रौरवध्वंसकारिणी। यक्षिणी सिद्धनिवहा सिद्धेशा सिद्धिरूपिणी।।12।।
लड्.कापतिध्वंसकरी लडेकशरिपुवन्दिता। लड्.कानाथकुलहरा महारावणहारिणी।।13।।
देवदानव सिद्धौघपूजिता परमेश्वरी। पराऽणुरूपा परमा परतन्त्र – विनाशिनी।।14।।
वरदा वरदा राध्या वरदानपरायाणा। वरदेशप्रिया वीरा वीरभूशणभूशिता।।15।।
वसुदा बहुदा वाणी ब्रह्मरूपा वरानना। बलदा पीतवसना पीतभूषण – भूषिता।।16।।
पीतपुष्पप्रिया पीतहरा पीतस्वरूपिणी। इति ते कथितं विप्र नाम्नामष्टोत्तरं शतम्।।17।।
यः पठेत् पाठयेद् वापि श्रृणुयाद् वा समाहितः। तस्य शत्रः क्षयं सद्यो याति वै नात्र संशय।।18।।
प्रभातकाले प्रयतो मनुष्यः पठेत् सुभक्तया परिचिन्त्य पीताम्।
द्रुतं भवेत् तस्य समस्तवृद्धिर्विनाशमायाति च तस्य शत्रुः।।19।।
।। इति श्रीविष्णुयामले नारदविष्णुसंवादे श्रीबगलाऽष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् सम्पूर्णम्।।

विधि– शत्रुओं से संबंधित कोई भी समस्या हो तो मां भगवती बगला देवी की शरणाश्रय ग्रहण कर बगलाशतनाम स्त्रोत का प्रयोग करें। प्रयोग विधि में सर्वप्रथम पीले वस्त्र धारण कर उन का पीला आसन बगलामुखी देवी के चित्र, मूर्ति या यन्त्र के सान्धिय में सर्वप्रथम देवी का षोडषोपचार पूजा करें। इसके उपरान्त पूर्वाभिमुख होकर प्रत्येक दिन बगलाशतनाम का स्त्रोत का 108 अष्टोत्तर शत पाठ नित्यप्रति 41 दिन तक करें। पूजा में विशेष रूप से पीली सरसों के तेल का दीपक और दीपक पीतल धातु का हो तथा उसे पीली सरसों के त्रिकोण के उपर स्थापित किया जाये और दीपक में जो बत्ती लगाई जाए उसे हल्दी से पीली की जाये और धूप में गूगल का प्रयोग करें। दीपक देवी के दाएं हाथ में और धूप को बाएं हाथ में स्थापित करे। स्त्रोत पाठ की गिनती के लिए हल्दी की माला का प्रयोग फूल का प्रयोग करें। इस विधि के अतिरिक्त साधना की जो अन्य विधियां हैं वो अपने गुरू की आज्ञा से तथा सान्धिय में करें। पूर्ण होने पर हवन, तर्पण, मार्जन, ब्राह्मण भोजन और अभिषेक इत्यादि सम्पूर्ण विधि इस विषय के किसी विशिष्ट विद्यमान व्यक्ति से सम्पर्क में सम्पन्न करें।

विशेष– मां भगवती पर पूर्ण श्रद्धा के साथ रखकर स्त्रोत का शुद्धि से पाठ करें। अतः स्पष्ट उच्चारण का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। अशुद्धिया होने से लाभ के स्थान पर हानियां भी हो सकती हैं। अतः केवल मात्र पुस्तक में पठकर इस अनुष्ठान का प्रयोग न करें। इस विषय के विज्ञ आचार्य या गुरू की संरक्षण में ही करें।

मां भगवती पराम्बा बगलामुखी देवी की कृपा से कैसी भी शत्रु की जटिल से जटिल समस्या का निराकरण अनुष्ठान करने से हो जाता है।

।। पति प्राप्ति व विवाह के मंत्र।

ओम मातंग्यै विद्मने उच्छिश्ट चाण्डालिन्यै धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात्।

107 बार मंत्र 6 महीने तक जपे। जवा पुष्प या चंपा के पुष्प से होम करे, तो अच्छा पति मिले।

गमले में केले का पौधा लगायें। पौधा बड़ा होने पर उसका पूजन करें। कच्चे सूत से 11 बार लपेटे। पौधे के पास बैठें तथा शिव पार्वती के चित्र के सामने 3–3 माला रोज 3 महीने करें। लाजा से (चांवल की फूली) होम करे तो अच्छा पति मिले।

ओम शं शंकराय सकलजन्माजित पापविध्वंसनाय। पुरुषार्थ चतुष्टय लाभाय च पति सुखं मे देहि देहि कुरु कुरु स्वाहा।

।। मनोवाञ्छित पति प्राप्ति हेतु मंत्र।।

मंत्रः– ओम गौरीपति महादेवाय मन इच्छित वर शीघ्रातिशीघ्र प्राप्त्यर्थे गौर्ये नमः।

इस मंत्र का जप सोमवार से करे। एक पात्र में स्फटिक शिवलिंग को स्थापित करे एवं लघु नारियल पर कलावा चढ़ाकर उसे गौरी का स्वरूप मानते हुए शिवलिंग के बॉयी तरफ स्थापित कर देवें। फिर उसकी विधि पूर्वक पूजा कर जप प्रारम्भ करे। जप रुद्राक्ष या स्फटिक की माला से करे अपना मुख पूर्व की तरफ रखे और आसन सूती होवे। जप संख्या सवा लक्ष है। जब मंत्र संख्या पूर्ण हो जाये तो ग्यारह कन्याओं को भोजन करावे तत्पश्चात् शिवलिंग एवं गौरी (नारियल) को अपने पूजा स्थान में स्थापित कर देवें। इस मंत्र के प्रभाव से कन्या को मनोवाञ्छित पति मिलता है।

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भारतीय स्टै. टा)

नक्षत्र चरण	2019 ई. →	1	2	3	4
ता. अप्रैल	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
6/7	अश्वि.	07 22	13 45	20 06	02 16
7/8	भरणी	08 44	15 01	21 16	03 30
8/9	कृत्ति.	09 43	15 54	22 04	04 12
9/10	रोहि.	10 19	16 25	22 29	04 12
10/11	मृग.	10 33	16 33	22 32	04 29
11/12	आर्द्रा	10 25	16 19	22 12	04 04
12/13	पुन.	09 54	15 42	21 29	03 14
13/14	पुष्य	08 58	14 41	20 22	02 01
14/15	आश्ले.	07 40	13 16	18 52	00 26
15	मघा	05 59	11 31	17 02	22 32
16	पू.फा.	04 01	09 29	14 57	20 24
17	उ.फा.	01 50	07 17	12 43	18 09
17/18	हस्त	23 35	05 02	10 29	15 57
18/19	चित्रा	21 25	02 54	08 25	13 56
19/20	स्वाति	19 29	01 04	06 40	12 18
20/21	विशा.	17 58	23 40	05 25	11 11
21/22	अनु.	17 01	22 53	04 47	10 45
22/23	ज्येष्ठा	16 45	22 48	04 55	11 04
23/24	मूल	17 16	23 31	05 50	12 11
24/25	पू.षा.	18 35	01 02	07 31	14 03
25/26	उ.षा.	20 37	03 13	09 52	16 32
26/27	श्रवण	23 14	05 57	12 41	19 26
28	धनि.	02 12	08 59	15 45	22 31
29/30	शत.	05 17	12 03	18 48	01 32
30/01	पू.भा.	08 14	14 56	21 36	04 15

नक्षत्र चरण	2019 ई. →	1	2	3	4
ता. मई	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	उ.भा.	10 52	17 27	00 00	06 32
02/03	रेवती	13 02	19 29	01 55	08 18
03/04	अश्वि.	14 40	20 59	03 17	09 33
04/05	भरणी	15 47	21 59	04 09	10 17
05/06	कृत्ति.	16 24	22 29	04 33	10 35
06/07	रोहि.	16 36	22 36	04 34	10 31
07/08	मृग.	16 27	22 22	04 15	10 08
08/09	आर्द्रा	15 59	21 50	03 40	09 29
09/10	पुन.	15 17	21 04	02 50	08 36
10/11	पुष्य	14 21	20 05	01 48	07 31
11/12	आश्ले.	13 13	18 54	00 35	06 15
12/13	मघा	11 55	17 33	23 12	04 50
13/14	पू.फा.	10 27	16 04	21 40	03 17
14/15	उ.फा.	08 53	14 29	20 04	01 40
15/16	हस्त	07 16	12 52	18 28	00 05
16	चित्रा	05 42	11 19	16 57	22 36
17	स्वाति	04 16	09 57	15 39	21 22
18	विशा.	03 07	08 53	14 41	20 30
19	अनु.	02 22	08 15	14 10	20 07
20	ज्येष्ठा	02 07	08 09	14 13	20 20
21	मूल	02 29	08 41	14 55	21 12
22	पू.षा.	03 31	09 53	16 17	22 44
23/24	उ.षा.	05 13	11 44	18 17	00 53
24/25	श्रवण	07 30	14 09	20 50	03 32
25/26	धनि.	10 15	16 58	23 43	06 28
26/27	शत.	13 13	13 59	02 44	09 29
27/28	पू.भा.	16 13	22 56	05 38	12 19
28/29	उ.भा.	18 58	01 36	08 12	14 46
29/30	रेवती	21 18	03 47	10 15	16 40
31/31	अश्वि.	23 03	05 24	11 42	17 58

नक्षत्र चरण	2019 ई. →	1	2	3	4
ता. जून	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01	भरणी	00 12	06 23	12 31	18 38
02	कृत्ति.	00 42	06 44	12 44	18 42
03	रोहि.	00 38	06 33	12 25	18 16
04	मृग.	00 05	05 53	11 39	17 24
04/05	आर्द्रा	23 08	04 51	10 33	16 14
05/06	पुन.	21 54	03 33	09 12	14 50
06/07	पुष्य	20 28	02 06	07 43	13 19
07/08	आश्ले.	18 56	00 32	06 09	11 45
08/09	मघा	17 22	22 58	04 35	10 12
09/10	पू.फा.	15 49	21 26	03 04	08 42
10/11	उ.फा.	14 21	20 00	01 39	07 20
11/12	हस्त	13 00	18 42	00 24	06 07
12/13	चित्रा	11 51	17 35	23 21	05 07
13/14	स्वाति	10 55	16 43	22 33	04 24
14/15	विशा.	10 16	16 10	22 05	04 01
15/16	अनु.	09 59	15 58	21 59	04 02
16/17	ज्येष्ठा	10 07	16 13	22 21	04 31
17/18	मूल	10 43	16 57	23 12	05 30
18/19	पू.षा.	11 50	18 12	00 36	07 02
19/20	उ.षा.	13 29	19 59	02 31	09 04
20/21	श्रवण	15 39	22 16	04 54	11 33
21/22	धनि.	18 14	00 56	07 39	14 23
22/23	शत.	21 07	03 52	10 37	17 22
24	पू.भा.	00 07	06 52	13 36	20 19
25	उ.भा.	03 02	09 43	16 22	23 01
26/27	रेवती	05 37	12 12	18 45	01 15
27/28	अश्वि.	07 43	14 09	20 32	02 53
28/29	भरणी	09 11	15 27	21 40	03 50
29/30	कृत्ति.	09 57	16 02	22 04	04 04
30/01	रोहि.	10 01	15 55	21 47	03 37

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भारतीय स्टै. टा)

नक्षत्र चरण	2019 ई.	1	2	3	4
ता.जुला.	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	मृग.	09 25	15 10	20 53	02 35
02/03	आर्द्रा	08 14	13 52	19 28	01 03
03	पुन.	06 36	12 08	17 39	23 09
04	पुष्य	04 39	10 07	15 35	21 03
05	आश्ले.	02 30	07 57	13 24	18 51
06	मघा	00 18	05 45	11 13	16 41
06/07	पू.फा.	22 10	03 40	09 10	14 41
07/08	उ.फा.	20 13	01 47	07 21	12 57
08/09	हस्त	18 33	00 12	05 51	11 51
09/10	चित्रा	17 15	22 59	04 45	10 32
10/11	स्वाति	16 22	22 12	04 05	09 59
11/12	विशा.	15 55	21 53	03 52	09 54
12/13	अनु.	15 57	21 23	03 52	09 54
13/14	ज्येष्ठा	16 17	22 39	04 53	11 08
14/15	मूल	17 26	23 45	06 05	12 27
15/16	पू.षा.	18 51	01 17	07 44	14 13
16/17	उ.षा.	20 43	03 15	09 48	16 22
17/18	श्रवण	22 58	05 35	12 14	18 53
19	धनि.	01 34	08 15	14 58	21 41
20/21	शत.	04 25	11 09	17 54	00 39
21/22	पू.भा.	07 25	14 10	20 55	03 40
22/23	उ.भा.	10 24	17 08	23 51	06 33
23/24	रेवती	13 14	19 53	02 31	09 07
24/25	अश्वि.	15 42	22 14	04 45	11 13
25/26	भरणी	17 39	00 02	06 23	12 41
26/27	कृत्ति.	18 56	01 09	07 19	13 26
27/28	रोहि.	19 30	01 31	07 29	13 25
28/29	मृग.	19 18	10 08	06 55	12 40
29/30	आर्द्रा	18 22	00 01	05 39	11 14
30/31	पुन	16 47	22 18	03 47	09 15
31/01	पुष्य	14 41	20 05	01 28	06 50

नक्षत्र चरण	2019 ई.	1	2	3	4
ता.अग.	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	आश्ले.	12 11	17 32	22 51	04 10
02/03	मघा	09 29	14 48	20 06	01 25
03	पू.फा.	06 44	12 03	17 23	22 44
04	उ.फा.	04 05	09 28	14 52	20 17
05	हस्त	01 44	07 12	12 42	18 14
06	चित्रा	23 47	05 23	11 01	16 41
06/07	स्वाति	22 23	04 07	09 24	15 44
07/08	विशा.	21 35	03 30	09 26	15 26
08/09	अनु.	21 27	03 31	09 38	15 47
09/10	ज्येष्ठा	21 58	04 12	10 27	16 45
10/11	मूल	23 05	05 27	11 51	18 17
12	पू.षा.	00 45	07 14	13 45	20 17
13	उ.षा.	02 51	09 26	16 03	22 40
14/15	श्रवण	05 19	11 58	18 39	01 20
15/16	धनि.	08 02	14 44	21 28	04 11
16/17	शत.	10 56	17 40	00 25	07 10
17/18	पू.भा.	13 55	20 40	03 25	10 10
18/19	उ.भा.	16 55	23 39	06 22	13 06
19/20	रेवती	19 48	02 30	09 10	15 50
20/21	अश्वि.	22 28	05 05	11 41	18 15
22	भरणी	00 47	07 17	13 46	20 12
23	कृत्ति.	02 36	08 57	15 17	21 33
24	रोहि.	03 47	09 59	16 07	22 13
25	मृग.	04 16	10 16	16 13	22 07
26	आर्द्रा	03 59	09 57	15 33	21 16
27	पुन.	02 56	08 34	14 09	19 42
28	पुष्य	01 13	06 41	12 08	17 32
28/29	आश्ले.	22 55	04 16	09 35	14 54
29/30	मघा	20 11	01 27	06 42	11 57
30/31	पू.फा.	17 11	22 25	03 39	08 53
31/01	उ.फा.	14 07	19 22	00 37	05 53

नक्षत्र चरण	2019 ई.	1	2	3	4
ता.सित.	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	हस्त	11 10	16 29	21 48	03 10
02/03	चित्रा	08 33	13 57	19 24	00 53
03	स्वाति	06 24	11 57	17 33	23 12
04	विशा.	04 53	10 37	16 24	22 14
05	अनु.	04 07	10 03	16 02	22 04
06	ज्येष्ठा	04 09	10 17	16 27	22 41
07/08	मूल	04 57	11 16	17 38	00 02
08/09	पू.षा.	06 29	12 58	19 28	02 01
09/10	उ.षा.	08 36	15 12	21 50	04 29
10/11	श्रवण	11 09	17 50	00 33	07 16
11/12	धनि.	13 59	20 43	03 28	10 13
12/13	शत.	16 58	23 43	06 28	13 13
13/14	पू.भा.	19 58	02 43	09 28	16 12
14/15	उ.भा.	22 55	05 38	12 21	16 03
16	रेवती	01 44	08 25	15 05	21 44
17/18	अश्वि.	04 22	10 59	17 35	00 10
18/19	भरणी	06 44	13 16	19 47	02 17
19/20	कृत्ति.	08 45	15 11	21 36	03 59
20/21	रोहि.	10 19	16 38	22 55	05 09
21/22	मृग.	11 22	17 31	23 39	05 44
22/23	आर्द्रा	11 46	17 46	23 43	05 37
23/24	पुन.	11 29	17 29	23 05	04 49
24/25	पुष्य	10 31	16 10	21 46	03 21
25/26	आश्ले.	08 53	14 22	19 50	01 16
26	मघा	06 40	12 02	17 23	22 42
27	पू.फा.	04 01	09 18	14 34	19 49
28	उ.फा.	01 04	06 19	11 33	16 48
28/29	हस्त	22 02	03 17	08 33	13 49
29/30	चित्रा	19 06	00 25	05 45	11 06
30/01	स्वाति	16 29	21 53	03 20	08 49

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भारतीय स्टै. टा)

नक्षत्र चरण	2019 ई.	1	2	3	4
ता.अक्टू.	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	विशा.	14 21	19 54	01 31	07 10
02/03	अनु.	12 52	18 37	00 25	06 16
03/04	ज्येष्ठा	12 10	18 07	00 08	06 12
04/05	मूल	12 19	18 29	00 42	06 59
05/06	पू.षा.	13 18	19 40	02 05	08 33
06/07	उ.षा.	15 03	21 36	04 10	10 47
07/08	श्रवण	17 25	00 05	06 46	13 28
08/09	धनि.	20 12	02 56	09 41	16 26
09/10	शत.	23 12	05 57	12 43	19 29
11	पू.भा.	02 14	08 59	15 43	22 26
12/13	उ.भा.	05 09	11 51	18 33	01 13
13/14	रेवती	07 53	14 31	21 08	03 45
14/15	अश्वि.	10 20	16 54	23 27	05 59
15/16	भरणी	12 30	19 00	01 28	07 55
16/17	कृत्ति.	14 21	20 46	03 09	09 31
17/18	रोहि.	15 51	22 11	04 28	10 44
18/19	मृग.	16 59	23 12	05 23	11 32
19/20	आर्द्रा	17 40	23 46	05 50	11 42
20/21	पुन	17 52	23 50	05 46	11 40
21/22	पुष्य	17 32	23 22	05 09	10 55
22/23	आश्ले.	16 38	22 20	03 59	09 37
23/24	मघा	15 13	20 46	02 18	07 49
24/25	पू.फा.	13 18	18 45	00 11	05 36
25/26	उ.फा.	11 00	16 23	21 45	03 06
26/27	हस्त	08 27	13 48	19 08	00 29
27	चित्रा	05 49	11 10	16 31	21 53
28	स्वाति	03 16	08 40	14 05	19 32
29	विशा.	01 00	06 30	12 02	17 35
29/30	अनु.	23 11	04 49	10 30	16 13
30/31	ज्येष्ठा	21 59	03 48	09 39	15 33
31/01	मूल	21 31	03 32	09 35	15 42

नक्षत्र चरण	2019 ई.	1	2	3	4
ता.नव.	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	पू.षा.	21 52	04 05	10 20	16 39
02/03	उ.षा.	23 01	05 26	11 53	18 22
04	श्रवण	00 55	07 29	14 05	20 43
05	धनि.	03 23	10 04	16 47	23 30
06/07	शत.	06 14	12 59	19 44	02 30
07/08	पू.भा.	09 15	16 00	22 45	05 29
08/09	उ.भा.	12 12	18 55	01 36	08 16
09/10	रेवती	14 55	21 33	04 10	10 45
10/11	अश्वि.	17 18	23 50	06 21	12 50
11/12	भरणी	19 17	01 43	08 07	14 30
12/13	कृत्ति.	20 51	03 11	09 29	15 45
13/14	रोहि.	22 00	04 14	10 27	16 37
14/15	मृग.	22 47	04 55	11 02	17 08
15/16	आर्द्रा	23 12	05 15	11 16	17 17
16/17	पुन.	23 16	05 13	11 10	17 05
17/18	पुष्य	22 59	04 51	10 42	16 32
18/19	आश्ले.	22 21	04 08	09 54	15 39
19/20	मघा	21 22	03 05	08 46	14 26
20/21	पू.फा.	20 04	01 42	07 19	12 54
21/22	उ.फा.	18 29	00 03	05 36	10 09
22/23	हस्त	16 41	22 12	03 43	09 14
23/24	चित्रा	14 44	20 15	01 45	07 16
24/25	स्वाति	12 47	18 19	23 51	05 23
25/26	विशा.	10 57	16 32	22 07	03 44
26/27	अनु.	09 22	15 02	20 44	02 27
27/28	ज्येष्ठा	08 12	13 59	19 48	01 40
28/29	मूल	07 34	13 30	19 28	01 30
29/30	पू.षा.	07 33	13 40	19 49	02 01
30/01	उ.षा.	08 15	14 33	20 52	03 15

नक्षत्र चरण	2019 ई.	1	2	3	4
त.दिस.	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	श्रवण	09 40	16 07	22 37	05 09
02/03	धनि.	11 43	18 19	00 56	07 36
03/04	शत.	14 16	20 58	03 41	10 25
04/05	पू.भा.	17 09	23 54	06 38	13 23
05/06	उ.भा.	20 07	02 51	09 34	16 16
06/07	रेवती	22 57	05 37	12 15	18 52
08	अश्वि.	01 27	08 01	14 33	21 02
09	भरणी	03 30	09 56	16 19	22 41
10	कृत्ति.	05 00	11 18	17 33	23 46
11/12	रोहि.	05 57	12 06	18 13	00 18
12/13	मृग.	06 22	12 23	18 23	00 21
13	आर्द्रा	06 18	12 13	18 07	23 59
14	पुन.	05 50	11 40	17 29	23 16
15	पुष्य	05 03	10 49	16 33	22 17
16	आश्ले.	04 00	09 43	15 25	21 06
17	मघा	02 47	08 27	14 07	19 47
18	पू.फा.	01 26	07 05	12 43	18 22
19	उ.फा.	00 00	05 39	11 17	16 55
19/20	हस्त	22 34	04 12	09 51	15 30
20/21	चित्रा	21 09	02 48	08 28	14 08
21/22	स्वाति	19 49	01 30	07 12	12 54
22/23	विशा.	18 38	00 22	06 07	11 52
23/24	अनु.	17 39	23 27	05 17	11 07
24/25	ज्येष्ठा	16 59	22 52	04 47	10 43
25/26	मूल	16 41	22 40	04 42	10 45
26/27	पू.षा.	16 50	22 57	05 06	11 17
27/28	उ.षा.	17 30	23 45	06 02	12 21
28/29	श्रवण	18 43	01 06	07 32	14 00
29/30	धनि.	20 23	03 01	09 34	16 10
30/31	शत.	22 46	05 25	12 05	18 45

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भारतीय स्टै. टा)

नक्षत्र चरण	2020 ई.	1	2	3	4
ता.जन.	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01	पू.भा.	01 27	08 10	14 54	21 38
02	उ.भा.	04 23	11 07	17 52	00 36
03/04	रेवती	07 20	14 03	20 45	03 26
04/05	अश्वि.	10 05	16 43	23 20	05 54
05/06	भरणी	12 27	18 57	01 26	07 52
06/07	कृत्ति.	14 15	20 36	02 55	09 11
07/08	रोहि.	15 24	21 34	03 42	09 48
08/09	मृग.	15 51	21 51	03 49	09 44
09/10	आर्द्रा	15 38	21 28	03 17	09 04
10/11	पुन.	14 48	20 31	02 12	07 52
11/12	पुष्य	13 30	19 07	00 42	06 16
12/13	आश्ले.	11 49	17 22	22 54	04 25
13/14	मघा	09 55	15 25	20 55	02 25
14/15	पू.फा.	07 55	13 25	18 55	00 26
15	उ.फा.	05 57	11 28	17 00	22 33
16	हस्त	04 07	09 41	15 16	20 53
17	चित्रा	02 30	08 09	13 39	19 30
18	स्वाति	01 12	06 56	12 41	18 28
19	विशा.	00 15	06 05	11 55	17 47
19/20	अनु.	23 41	05 36	11 33	17 31
20/21	ज्येष्ठा	23 30	05 31	11 34	17 37
21/22	मूल	23 43	05 50	11 58	18 08
23	पू.षा.	00 20	06 33	12 47	19 03
24	उ.षा.	01 20	07 39	14 00	20 22
25	श्रवण	02 46	09 11	15 37	22 06
26/27	धनि.	04 35	11 06	17 39	00 13
27/28	शत.	06 48	13 25	20 03	02 42
28/29	पू.भा.	09 23	16 04	22 46	05 29
29/30	उ.भा.	12 13	18 57	01 42	08 27
30/31	रेवती	15 12	21 57	04 42	11 26
31/01	अश्वि.	18 10	00 52	07 34	14 14

नक्षत्र चरण	2020 ई.	1	2	3	4
ता.फर.	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	भरणी	20 53	03 31	10 06	16 40
02/03	कृत्ति.	23 11	05 40	12 07	18 31
04	रोहि.	00 52	07 11	13 26	19 39
05	मृग.	01 49	07 56	14 00	20 01
06	आर्द्रा	01 58	07 53	13 45	19 34
07	पुन.	01 21	07 04	12 46	18 24
08	पुष्य	00 01	05 35	11 07	16 37
08/09	आश्ले.	22 05	30 32	08 57	14 20
09/10	मघा	19 43	01 05	06 26	11 46
10/11	पू.फा.	17 06	22 25	03 44	09 03
11/12	उ.फा.	14 23	19 43	01 03	06 24
12/13	हस्त	11 46	17 09	22 33	03 58
13/14	चित्रा	09 25	14 53	20 23	01 54
14/15	स्वाति	07 27	13 03	18 40	00 19
15	विशा.	06 01	11 44	17 30	23 18
16	अनु.	05 09	11 02	16 57	22 54
17	ज्येष्ठा	04 53	10 55	16 59	23 05
18	मूल	05 14	11 24	17 36	23 50
19/20	पू.षा.	06 06	12 24	18 44	01 05
20/21	उ.षा.	07 28	13 52	20 18	02 45
21/22	श्रवण	09 13	15 43	22 14	04 46
22/23	धनि.	11 19	17 54	00 29	07 05
23/24	शत.	13 43	20 21	03 00	09 40
24/25	पू.भा.	16 21	23 02	05 44	12 27
25/26	उ.भा.	19 10	01 54	08 38	15 23
26/27	रेवती	22 08	04 53	11 38	18 23
28	अश्वि.	01 08	07 52	14 37	21 20
29/01	भरणी	04 03	10 44	17 25	00 04

नक्षत्र चरण	2020 ई.	1	2	3	4
ता.मार्च	नक्षत्र	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.	घ.मि.
01/02	कृत्ति.	06 42	13 28	19 52	02 25
02/03	रोहि.	08 55	15 23	21 48	04 11
03/04	मृग.	10 31	16 49	32 03	05 15
04/05	आर्द्रा	11 23	17 29	23 31	05 30
05/06	पुन.	11 26	17 18	23 08	04 55
06/07	पुष्य	10 38	16 19	21 57	03 32
07/08	आश्ले.	09 05	14 35	20 03	01 28
08	मघा	06 52	12 14	17 34	22 52
09	पू.फा.	04 10	09 26	14 41	19 55
10	उ.फा.	01 09	06 22	11 35	16 48
10/11	हस्त	22 01	03 55	08 29	13 44
11/12	चित्रा	19 00	00 16	05 35	10 54
12/13	स्वाति	16 15	21 38	03 03	08 30
13/14	विशा.	13 59	19 31	01 04	06 41
14/15	अनु.	12 20	18 01	23 46	05 33
15/16	ज्येष्ठा	11 23	17 16	23 12	05 11
16/17	मूल	11 12	17 17	23 24	05 33
17/18	पू.षा.	11 46	18 01	00 19	06 38
18/19	उ.षा.	13 01	19 25	01 51	08 19
19/20	श्रवण	14 49	21 21	03 54	10 29
20/21	धनि.	17 05	23 42	06 20	12 59
21/22	शत.	19 39	02 20	09 02	15 44
22/23	पू.भा.	22 26	05 10	11 53	18 37
24	उ.भा.	01 21	08 05	14 50	21 34
25/26	रेवती	04 19	11 03	17 48	00 32
26/27	अश्वि.	07 16	14 00	20 43	03 27
27/28	भरणी	10 09	16 51	23 32	06 12
28/29	कृत्ति.	12 52	19 30	02 07	08 43
29/30	रोहि.	15 17	21 50	04 21	10 50
30/31	मृग.	17 17	23 43	06 05	12 56
31/01	आर्द्रा	18 44	00 59	07 12	13 22

ग्रहों के परस्पर अंशात्मक योग

संकेत चिन्हः- सू.-सूर्य, चं-चन्द्र, मं-मंगल, बु.-बुध, शु.-शुक्र, श.-शनि, र.-राहु, ह.-हर्षल, ने-नेपच्यून, 30-द्विर्दादश, दूसरा-बारहवां, 45-अर्द्धकेन्द्र, अष्टमांश, 60-त्रैकादश, तीसरा-ग्यारहवां, षष्टांश, 90-केन्द्र, चौथा-दसवां, 120-नवम-पंचम, तृतीयांश, 135-अष्टमांश रहित प्रतियोग, 150-षडष्टक, द्वादशांक रहित प्रयोग, 180-प्रतियोग या समसप्तक योग-अंशात्मक योग ग्रहों के परस्पर विभिन्न योगों का समय भा. स्टै. टा. में घं. मि. में दिया गया है।

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
मार्च 2019	5 च 60 ह 13:10	9 च 120 गु 22:19	14 सू 90 गु 6:34	17 शु 30 श 21:14	21 शु 150 रा 12:16	25 च 45 ृI 19:20	30 च 40 गु 15:16
1 च 120 मं 7:31	5 च 45 श 19:36	10 च 90 रा 0:36	14 च 30 मं 6:39	18 सू 135 च 1:41	21 शु 90 मं 13:12	25 सू 120 च 19:35	30 च 30 शु 15:41
1 सू 60 च 8:14	5 च 30 शु 22:59	10 च 40 ने 5:03	14 च 150 श 7:2	18 बु 60 मं 8:28	21 शु 60 गु 19:21	26 च 135 रा 1:56	30 च 40 बु 19:36
1 शु 90 ह 17:37	6 सू 45 ह 1:43	10 च 30 बु 8:51	14 बु 40 शु 11:28	18 च 150 ने 9:11	21 च 135 मं 20:22	26 च 40 श 4:31	30 च 40 ने 21:9
1 च 60 ने 19:44	6 सू 40 शु 7:13	10 सू 40 च 11:2	14 च 180 गु 14:55	18 च 150 श 13:13	21 च 135 शु 20:39	26 शु 40 श 15:57	31 शु 45 श 0:7
1 च 0 श 23:28	6 च 135 रा 7:49	10 च 0 ह 12:35	14 मं 120 श 15:7	18 च 180 शु 14:32	21 सू 30 ह 20:52	26 च 135 ह 16:30	31 च 45 गु 1:28
2 च 30 गु 7:57	6 च 60 मं 16:31	10 च 45 ने 14:43	14 सू 90 च 15:32	18 च 150 बु 16:19	22 मं 150 गु 0:48	26 च 90 बु 17:6	31 सू 60 च 2:58
2 च 180 रा 12:45	6 च 45 ह 19:35	10 मं 60 ने 21:25	14 च 30 रा 15:51	18 गु 150 रा 16:41	22 च 150 ने 9:30	26 च 90 ने 18:12	31 च 30 बु 16:22
2 सू 45 च 17:19	6 सू 0 च 21:9	10 सू 45 च 21:28	14 च 90 बु 17:35	18 च 90 मं 17:11	22 च 150 बु 11:40	26 च 30 श 23:15	31 च 30 ने 17:34
2 शु 45 ने 17:55	6 च 40 शु 21:23	11 च 40 बु 3:05	14 सू 120 रा 19:40	18 च 30 रा 20:22	22 च 90 श 13:44	27 च 150 रा 5:53	31 च 30 श 23:11
2 च 60 बु 21:59	6 च 0 ने 21:52	11 च 135 गु 3:24	15 च 40 मं 1:18	18 च 120 गु 20:24	22 च 90 रा 20:15	27 च 0 गु 7:42	**अप्रैल 2019**
3 च 90 ह 23:52	7 च 60 श 2:03	11 सू 40 ह 7:22	15 च 60 ह 3:36	19 बु 40 ह 2:58	22 च 60 गु 21:3	27 च 150 मं 14:15	1 च 150 रा 5:15
3 च 45 ने 2:14	7 शु 40 ने 2:22	11 च 90 शु 9:50	15 च 135 शु 4:17	19 सू 150 च 3:38	22 च 150 मं 21:56	27 च 60 शु 21:11	1 च 60 गु 8:6
3 च 0 शु 3:8	7 च 40 ह 5:39	11 च 45 बु 12:4	15 सू 0 बु 6:52	19 बु 30 शु 4:1	22 च 120 शु 23:15	27 च 120 ह 21:15	1 सू 45 च 12:19
3 सू 40 च 4:25	7 सू 0 ने 6:05	11 च 60 ने 19:22	15 च 45 मं 10:28	19 च 120 ह 7:44	23 च 180 ह 8:43	27 शु 60 ह 21:50	1 च 40 श 19:36
3 च 40 गु 4:27	7 च 45 शु 8:31	11 च 0 मं 20:31	15 शु 30 ने 18:16	19 च 40 रा 12:19	23 च 135 ने 10:19	28 सू 90 च 9:15	1 च 90 मं 21:49
3 च 40 ने 12:27	7 च 90 गु 10:42	12 च 120 श 23:39	15 बु 120 रा 19:55	19 च 135 श 13:22	23 सू 150 च 11:14	28 बु 45 ह 16:43	1 च 60 ह 22:34
3 च 45 गु 14:44	7 च 120 रा 13:48	12 बु 45 शु 1:15	16 बु 90 गु 4:21	19 च 45 रा 20:15	23 च 135 बु 11:31	28 च 135 मं 21:17	1 सू 40 च 23:24
3 शु 40 गु 17:33	7 बु 45 मं 23:23	12 सू 60 च 4:18	16 च 120 ने 7:23	20 च 135 ह 7:43	23 च 45 गु 22:15	29 च 60 बु 2:53	2 च 45 श 5:47
4 च 90 मं 23:59	8 च 0 बु 0:13	12 च 150 गु 7:54	16 च 150 शु 8:33	20 च 180 ने 9:18	24 च 40 गु 6:50	29 च 60 ने 4:38	2 श 135 रा 11:0
4 सू 30 च 2:42	8 च 45 मं 0:17	12 च 60 रा 9:28	16 च 180 श 11:29	20 च 120 श 13:20	24 च 120 ने 11:55	29 च 45 श 6:0	2 च 135 रा 11:32
4 च 45 बु 5:33	8 च 30 ह 1:40	12 च 60 बु 14:36	16 च 60 मं 13:27	20 च 180 बु 13:40	24 च 120 बु 12:15	29 च 0 श 10:5	2 च 0 शु 11:36
4 च 30 ने 8:53	8 शु 45 गु 8:20	12 च 30 ह 21:25	16 च 120 बु 17:59	20 च 150 शु 18:34	24 सू 135 च 14:47	29 च 180 रा 16:35	2 मं 30 ह 12:34
4 च 30 श 12:54	8 च 40 मं 10:47	13 च 135 श 3:41	16 च 150 गु 18:59	20 च 120 मं 19:15	24 च 60 श 16:30	29 च 40 शु 17:10	2 बु 0 ने 14:41
4 च 40 बु 15:57	8 च 60 शु 17:34	13 च 45 रा 13:0	16 च 0 रा 19:23	20 बु 60 श 19:32	24 बु 0 ने 22:32	29 च 30 गु 18:58	2 सू 30 च 21:25
4 च 60 गु 21:35	9 च 30 मं 7:36	13 च 40 ह 15:48	16 सू 120 च 23:8	20 च 60 रा 20:2	24 च 120 रा 23:4	30 बु 45 ह 0:55	3 च 45 ह 4:58
5 च 150 रा 1:34	9 च 30 ने 9:33	13 च 40 रा 22:2	17 च 90 ह 6:52	20 च 90 गु 20:27	25 च 30 गु 0:20	30 च 120 मं 5:10	3 च 0 ने 6:30
5 च 40 श 9:23	9 सू 60 श 12:15	13 च 120 शु 23:3	17 च 135 ने 8:35	21 सू 180 च 6:48	25 च 180 मं 3:42	30 च 90 ह 9:15	3 च 0 बु 7:3
5 च 30 बु 12:31	9 च 90 श 13:49	14 च 45 ह 0:52	17 च 135 बु 17:21	21 च 150 ह 7:41	25 च 90 शु 7:29	30 च 45 बु 9:18	3 च 60 श 12:3
	9 सू 30 च 13:56	14 च 90 ने 2:48	17 च 135 गु 19:58	21 मं 60 रा 11:34	25 च 150 ह 12:51	30 च 45 ने 10:57	3 च 40 ह 15:0

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
3 च 120 रा 17:29
3 च 90 गु 20:41
4 च 30 ह 10:55
4 च 60 मं 13:21
5 च 30 शु 5:46
5 सू 0 च 13:55
5 च 30 ने 17:43
5 च 45 मं 20:14
5 च 30 बु 20:53
5 च 90 श 23:6
6 च 40 शु 3:12
6 च 90 रा 3:55
6 च 40 मं 6:24
6 च 120 गु 7:20
6 च 40 ने 12:59
6 च 45 शु 13:48
6 च 40 बु 17:9
6 च 0 ह 21:14
6 च 45 ने 22:32
7 च 30 मं 2:31
7 च 45 बु 3:13
7 च 135 गु 11:51
7 बु 60 श 14:22
7 सू 30 ने 15:15
7 च 60 शु 21:9
8 च 60 ने 2:51
8 सू 30 च 3:46
8 मं 135 श 5:23
8 च 120 श 8:4
8 च 60 बु 9:9
8 च 60 रा 12:19
8 च 150 गु 15:53
9 सू 40 च 23:50
9 च 30 ह 5:31
9 सू 45 च 9:46
9 च 135 श 11:49

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
9 च 0 मं 13:20
9 बु 40 ह 15:9
9 च 45 रा 15:49
9 शु 45 ह 22:43
10 च 40 ह 23:51
10 च 40 रा 0:52
10 बु 120 रा 6:30
10 च 45 ह 8:57
10 च 90 शु 9:55
10 च 90 ने 10:3
10 शु 0 ने 11:18
10 सू 90 श 13:52
10 च 150 श 15:5
10 सू 60 च 15:11
10 च 30 रा 18:51
10 च 90 बु 19:48
10 च 180 गु 22:32
11 मं 45 रा 11:8
11 च 60 ह 11:54
11 च 30 मं 21:58
12 बु 90 गु 9:23
12 सू 90 रा 14:38
12 च 120 ने 15:19
12 च 40 मं 16:20
12 च 180 श 20:10
12 च 120 शु 20:10
12 शु 60 श 20:13
12 च 0 रा 23:28
13 सू 90 च 0:11
13 च 45 मं 1:25
13 च 150 गु 3:12
13 च 120 बु 4:38
13 च 90 ह 16:18
13 च 135 ने 17:12
14 च 135 शु 0:18
14 च 60 मं 4:18

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
14 च 135 गु 4:47
14 शु 40 ह 6:55
14 च 135 बु 8:16
14 शु 120 रा 8:38
14 च 150 ने 18:36
14 सू 120 गु 18:45
14 च 150 श 23:15
15 च 30 रा 2:9
15 सू 45 मं 3:12
15 च 150 शु 3:49
15 च 120 गु 5:54
15 सू 120 च 6:43
15 च 150 बु 11:26
15 च 40 रा 18:40
15 च 120 ह 18:47
16 च 135 श 0:8
16 च 45 रा 2:52
16 शु 90 गु 4:20
16 च 90 मं 8:33
16 सू 135 च 9:15
16 च 135 ह 19:30
16 च 180 ने 20:14
17 च 120 श 0:45
17 च 60 रा 3:20
17 च 90 गु 7:8
17 च 180 शु 9:34
17 सू 150 च 11:30
17 च 180 बु 16:56
17 च 150 ह 20:4
18 सू 40 ने 4:20
18 च 120 मं 11:51
18 मं 40 रा 12:11
18 च 150 ने 21:22
19 च 90 श 1:53
19 मं 40 ह 3:14
19 च 90 रा 4:14

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
19 बु 30 ह 7:21
19 च 60 गु 8:11
19 च 135 मं 13:44
19 च 150 शु 15:14
19 सू 180 च 16:17
19 च 180 ह 21:40
19 च 135 ने 22:16
19 च 150 बु 23:1
20 च 45 गु 9:13
20 च 150 मं 16:9
20 च 40 गु 17:41
20 च 135 शु 18:50
21 च 120 ने 23:44
21 च 135 बु 3:7
21 च 60 श 4:25
21 च 120 रा 6:38
21 च 30 गु 10:52
21 च 120 शु 23:24
21 सू 150 च 23:28
22 च 150 ह 1:26
22 सू 30 शु 3:24
22 च 45 श 6:46
22 च 120 बु 8:23
22 च 135 रा 8:56
22 च 40 श 15:46
22 शु 30 ह 23:8
23 च 180 मं 23:39
23 सू 0 ह 4:12
23 च 135 ह 4:38
23 सू 135 च 4:40
23 च 90 ने 5:8
23 च 30 श 10:5
23 सू 45 ने 11:9
23 च 150 रा 12:12
23 च 0 गु 16:48
24 च 120 ह 8:51

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
24 सू 120 च 11:7
24 च 90 शु 12:17
24 च 90 बु 23:19
25 च 150 मं 11:39
25 च 60 ने 14:27
25 च 0 श 19:38
25 च 180 रा 21:36
26 च 30 गु 2:33
26 च 135 मं 19:10
26 च 90 ह 20:2
26 च 45 ने 20:22
26 च 40 गु 22:28
27 सू 90 च 3:23
27 च 60 शु 6:3
27 च 40 ने 6:28
27 च 45 गु 8:31
27 मं 45 ह 12:28
27 मं 90 ने 18:8
27 च 60 बु 19:40
28 च 30 ने 2:46
28 च 120 मं 3:15
28 च 30 श 8:0
28 च 150 रा 9:43
28 च 60 गु 14:49
28 च 45 शु 15:57
29 च 40 शु 3:16
29 च 40 श 4:19
29 च 45 बु 6:50
29 च 60 ह 9:7
29 च 45 श 14:28
29 सू 135 गु 15:4
29 च 135 रा 16:2
29 च 40 बु 18:33
29 सू 60 च 21:39
30 बु 30 ने 1:13
30 च 30 शु 1:49

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
30 च 45 ह 15:31
30 च 0 ने 15:38
30 सू 40 मं 16:42
30 च 30 बु 17:52
30 च 90 मं 19:27
30 च 60 श 20:39
30 च 120 रा 22:4
मई 2019
1 च 40 ह 1:33
1 च 90 गु 3:2
1 सू 45 च 6:22
1 बु 60 मं 11:42
1 बु 90 श 13:55
1 सू 40 च 17:8
1 मं 150 श 17:22
1 च 30 ह 21:27
1 बु 90 रा 23:16
2 ह 45 ने 7:54
2 सू 30 च 14:22
2 मं 30 रा 16:10
2 च 0 शु 19:44
3 च 30 ने 2:41
3 च 90 श 7:21
3 च 90 रा 8:29
3 बु 120 गु 9:4
3 च 60 मं 9:27
3 च 120 गु 13:11
3 च 0 बु 13:52
3 च 40 ने 21:47
4 च 45 ने 7:13
4 च 0 ह 7:20
4 च 45 मं 15:17
4 च 135 गु 17:17
5 च 40 मं 1:4
5 सू 0 च 3:50
5 च 30 शु 10:11

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
5 च 60 ने 11:7
5 च 120 श 15:27
5 च 60 रा 16:20
5 शु 30 ने 20:23
5 च 30 मं 20:24
5 च 150 गु 20:45
5 बु 40 ने 23:3
6 मं 180 गु 3:2
6 च 40 शु 6:17
6 च 30 बु 6:23
6 च 30 ह 14:42
6 च 45 शु 16:14
6 च 135 श 18:38
6 च 45 रा 19:25
7 च 40 बु 3:15
7 च 40 रा 4:21
7 च 40 ह 8:42
7 च 45 बु 13:36
7 सू 30 च 14:25
7 च 90 ने 17:19
7 च 45 ह 17:38
7 शु 90 श 18:31
7 च 150 श 21:23
7 च 60 शु 21:40
7 च 30 रा 22:4
8 शु 90 रा 1:57
8 च 180 गु 2:15
8 च 0 मं 4:54
8 सू 40 च 9:28
8 बु 45 ने 16:46
8 सू 45 च 18:55
8 बु 0 ह 19:27
8 च 60 ह 20:11
8 च 60 बु 20:18
9 सू 60 ने 7:57
9 च 120 ने 22:0

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
9 शु 120 गु 22:1
9 सू 60 च 23:2
10 च 180 श 1:49
10 च 0 रा 2:21
10 च 150 गु 6:20
10 च 90 शु 7:11
10 च 30 मं 11:47
11 च 135 ने 23:54
11 च 90 ह 0:24
11 बु 135 गु 4:1
11 च 40 मं 5:48
11 च 135 गु 7:57
11 च 90 बु 8:38
11 सू 120 श 14:24
11 च 45 मं 14:46
11 सू 60 रा 20:15
12 च 150 ने 1:34
12 च 150 श 5:11
12 च 30 रा 5:34
12 सू 90 च 6:17
12 च 120 गु 9:21
12 च 120 शु 15:19
12 च 60 मं 17:29
12 च 40 रा 22:27
13 च 120 ह 3:38
13 च 135 श 6:32
13 च 45 रा 6:51
13 च 135 शु 19:0
13 च 120 बु 19:53
13 बु 45 मं 21:4
13 सू 150 गु 23:32
14 च 180 ने 4:19
14 च 135 ह 4:59
14 शु 40 ने 5:45
14 च 120 श 7:44
14 च 60 रा 8:0

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
14 च 90 गु 11:37	19 च 150 शु 15:5	24 च 40 ने 15:51	30 च 90 रा 14:5	3 च 30 मं 13:39	8 च 45 बु 11:59	13 च 45 गु 16:18	17 च 135 ह 3:21
14 सू 120 च 12:34	19 च 45 श 15:42	24 च 90 शु 21:22	30 च 90 श 14:21	3 सू 0 च 15:7	8 च 40 मं 18:32	13 च 180 ह 18:16	17 च 150 मं 3:24
14 शु 60 मं 19:3	19 च 135 रा 15:44	25 च 30 ने 11:59	30 च 120 गु 16:26	3 च 40 ह 19:1	9 च 40 रा 1:25	13 च 150 शु 18:41	17 ने 120 रा 7:33
14 च 90 मं 22:24	20 च 40 श 0:39	25 च 150 रा 14:48	30 बु 45 ह 18:5	4 च 90 ने 1:44	9 च 90 शु 2:28	13 सू 135 च 22:3	17 सू 180 च 13:36
14 च 150 शु 22:32	20 श 180 रा 12:12	25 च 30 श 14:59	30 बु 30 रा 18:45	4 च 30 रा 3:5	9 च 45 मं 3:20	14 च 40 गु 0:58	18 च 120 ह 7:34
15 च 135 बु 1:19	20 च 90 ने 15:37	25 च 135 मं 17:4	30 बु 150 श 20:24	4 च 150 श 3:22	9 च 45 रा 9:48	14 मं 120 ने 11:16	18 शु 40 मं 13:42
15 च 150 ह 6:16	20 च 135 ह 16:45	25 च 60 गु 17:56	30 शु 60 ने 21:55	4 च 45 ह 3:45	9 च 135 श 10:4	14 च 120 बु 12:37	18 श 60 ने 16:52
15 सू 135 च 15:35	20 च 150 रा 18:47	26 सू 30 ह 1:45	30 सू 45 च 22:26	4 च 180 गु 4:39	9 च 120 ह 11:21	14 मं 0 रा 16:49	18 च 150 शु 19:22
16 बु 60 ने 6:25	20 च 30 श 18:48	26 बु 40 रा 4:25	31 च 40 ने 7:9	4 च 30 शु 11:16	9 च 60 बु 16:38	14 च 120 ने 17:58	18 बु 0 मं 21:9
16 च 150 ने 6:49	20 च 135 शु 21:1	26 च 40 श 11:10	31 बु 180 गु 8:16	4 च 0 बु 20:47	9 शु 45 मं 22:53	14 च 120 रा 18:13	19 च 30 गु 8:27
16 च 150 बु 6:53	20 च 0 गु 22:10	26 सू 45 रा 14:37	31 सू 40 च 8:43	5 च 60 ह 5:41	10 सू 90 ने 0:38	14 च 120 मं 18:18	19 च 180 रा 8:50
16 च 90 श 10:5	21 शु 135 गु 8:25	26 सू 135 श 17:5	31 सू 40 रा 13:7	5 च 40 शु 6:6	10 च 60 मं 5:50	14 च 60 श 18:26	19 च 0 श 8:58
16 च 90 रा 10:15	21 च 150 बु 12:25	26 च 60 ह 20:6	31 च 45 ने 16:35	5 च 45 शु 15:27	10 च 180 ने 10:22	14 च 30 गु 18:27	19 च 60 ने 9:4
16 च 60 गु 13:44	21 सू 150 च 13:1	26 च 135 रा 21:3	31 शु 60 रा 17:41	5 च 0 मं 19:53	10 सू 30 रा 10:35	14 मं 180 श 20:55	19 च 180 मं 15:27
16 सू 150 च 18:43	21 सू 0 बु 18:12	26 च 45 श 21:15	31 च 0 ह 18:31	5 सू 30 च 22:36	10 च 60 रा 11:2	14 मं 150 गु 20:58	19 च 180 बु 16:24
17 च 120 मं 3:23	21 च 180 मं 19:40	26 सू 90 च 21:38	31 शु 120 श 20:31	6 सू 40 ह 1:33	10 सू 90 च 11:4	14 गु 30 श 21:33	20 च 135 शु 3:40
17 बु 120 श 4:14	21 च 120 ह 20:48	27 च 120 मं 1:11	31 च 135 गु 20:34	6 च 120 ने 5:11	10 च 120 श 11:17	15 सू 150 च 2:34	20 च 40 गु 3:45
17 बु 60 रा 5:6	22 च 120 शु 4:3	27 च 90 बु 13:12	31 च 45 बु 23:1	6 च 0 रा 6:16	10 च 90 गु 11:47	15 च 135 बु 18:33	20 सू 150 च 3:53
17 च 180 शु 5:52	22 मं 60 ह 19:51	27 च 60 शु 16:56	जून 2019	6 च 180 श 6:33	10 च 135 ह 12:46	15 च 135 रा 20:59	20 च 45 गु 13:31
17 च 135 ने 8:17	22 सू 135 च 19:57	28 च 0 ने 0:44	1 सू 30 मं 3:7	6 च 150 गु 7:33	10 सू 150 श 14:9	15 च 45 श 21:10	20 च 45 ने 14:26
17 बु 40 मं 8:17	22 च 135 बु 23:4	28 च 45 ह 2:32	1 च 60 मं 4:54	6 सू 40 च 16:45	10 सू 180 गु 20:33	15 च 135 मं 22:31	20 च 90 ह 18:1
17 च 180 ह 9:8	23 च 60 ने 0:19	28 च 120 रा 3:12	1 सू 30 च 4:56	6 च 60 शु 19:15	11 च 120 शु 10:0	16 च 150 ह 23:46	21 च 40 ने 0:22
17 च 45 गु 15:4	23 च 180 रा 3:21	28 च 60 श 3:26	1 च 40 बु 9:59	7 सू 45 च 1:48	11 सू 45 ह 13:16	16 च 180 शु 5:28	21 सू 135 च 12:12
18 च 40 गु 23:35	23 च 0 श 3:27	28 च 90 गु 5:59	1 शु 150 गु 14:25	7 गु 135 ह 4:24	11 च 150 ह 14:20	16 च 40 श 6:12	21 च 120 शु 12:47
18 बु 150 गु 2:54	23 च 30 गु 6:40	28 बु 40 ह 7:28	1 च 60 ने 20:20	7 च 135 ने 6:31	12 च 90 बु 2:8	16 शु 40 रा 11:14	21 च 60 गु 19:7
18 च 135 मं 6:22	23 बु 30 ह 14:10	28 च 40 ह 12:36	1 च 60 रा 22:0	7 च 30 बु 7:14	12 च 90 मं 11:23	16 गु 150 रा 12:2	21 च 150 रा 19:52
18 च 120 ने 10:7	23 बु 30 मं 21:9	29 च 45 शु 2:22	1 च 120 श 22:17	7 च 135 गु 8:39	12 शु 45 रा 12:55	16 बु 120 ने 16:48	21 च 30 श 19:56
18 शु 45 ने 10:9	23 बु 45 रा 22:45	29 च 30 ह 8:33	2 च 150 गु 23:56	7 च 90 ह 8:42	12 च 150 ने 13:34	16 बु 150 गु 17:7	21 च 30 ने 20:22
18 च 60 श 13:19	23 बु 135 श 23:27	29 बु 30 शु 9:6	2 च 0 शु 1:0	7 बु 60 ह 19:21	12 च 90 रा 14:2	16 बु 0 रा 17:23	22 शु 40 ह 1:19
18 च 120 रा 13:24	24 च 40 गु 2:11	29 च 40 शु 13:20	2 च 30 बु 7:27	8 च 30 मं 0:55	12 च 135 शु 14:9	16 बु 180 श 19:5	22 च 150 मं 6:21
18 च 30 गु 16:48	24 सू 120 च 3:54	29 सू 60 च 14:56	2 च 45 मं 9:40	8 च 40 बु 2:25	12 च 90 श 14:16	16 गु 90 ने 20:27	22 च 150 बु 10:11
18 च 180 बु 19:31	24 च 45 ने 5:51	29 च 90 मं 16:35	2 च 40 मं 19:5	8 सू 60 च 4:52	12 च 60 गु 14:32	17 च 0 गु 0:13	22 च 40 श 15:59
18 शु 0 ह 21:22	24 च 90 ह 7:22	30 बु 90 ने 6:27	3 च 45 रा 0:51	8 च 150 ने 7:47	12 शु 135 शु 15:30	17 च 90 ने 0:16	22 सू 120 च 21:2
19 सू 180 च 2:16	24 च 150 मं 9:12	30 च 30 शु 10:57	3 च 135 श 1:8	8 च 30 रा 8:39	12 सू 120 च 18:2	17 च 50 रा 0:17	23 च 135 रा 2:1
19 च 150 मं 9:57	24 च 120 बु 11:6	30 च 30 ने 12:1	3 च 30 ह 1:20	8 च 150 श 8:55	13 शु 30 ह 13:46	17 च 30 श 0:28	23 च 45 श 2:2
19 च 150 ह 13:33	24 च 45 गु 12:3	30 च 60 बु 13:7	3 च 40 रा 9:39	8 च 120 गु 9:39	13 च 135 ने 15:35	17 च 50 बु 1:7	23 च 60 ह 6:30

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
23 च 135 मं 14:25
23 च 135 बु 19:23
23 शु 180 गु 21:50
24 श 180 रा 0:42
24 च 90 गु 7:8
24 शु 150 श 7:37
24 शु 30 रा 7:42
24 च 60 श 8:14
24 च 120 रा 8:15
24 च 90 शु 8:19
24 च 0 ने 9:0
24 च 45 ह 12:57
24 शु 90 ने 15:3
24 च 120 मं 22:26
24 च 40 ह 23:3
25 च 120 बु 4:15
25 सू 90 च 14:51
25 च 30 ह 19:8
26 शु 45 ह 6:39
26 च 120 गु 18:25
26 च 90 श 19:43
26 च 90 रा 19:48
26 च 30 ने 20:47
27 च 60 शु 2:43
27 च 90 मं 12:56
27 च 40 ने 16:9
27 च 90 बु 19:28
27 सू 60 ह 22:50
27 च 135 गु 23:8
28 च 45 ने 1:41
28 च 0 ह 5:39
28 सू 60 च 6:11
28 च 45 शु 10:30
28 च 40 शु 20:50
29 च 150 गु 3:0
29 च 120 श 4:25

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
29 च 60 रा 4:35
29 च 60 ने 5:43
29 सू 45 च 12:16
29 च 30 शु 17:6
29 सू 40 च 22:3
30 च 60 मं 23:43
30 च 60 बु 5:56
30 बु 135 गु 7:11
30 च 135 श 7:27
30 च 45 रा 7:39
30 च 30 ह 12:43
30 च 40 रा 16:29
30 सू 30 च 17:14
जुलाई 2019
1 च 45 मं 3:35
1 च 40 ह 6:18
1 च 180 गु 8:11
1 च 45 बु 9:25
1 च 150 श 9:39
1 च 30 रा 9:53
1 च 90 ने 11:8
1 च 40 मं 12:40
1 च 45 ह 14:58
1 च 40 बु 18:21
2 च 0 शु 2:53
2 च 30 मं 6:34
2 च 30 बु 11:55
2 च 60 ह 16:31
3 सू 0 च 0:21
3 च 150 गु 10:34
3 च 180 श 12:6
3 च 0 रा 12:23
3 च 120 ने 13:45
3 बु 135 ने 16:51
4 च 30 शु 9:30

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
4 च 0 मं 10:46
4 च 135 गु 11:7
4 च 135 ने 14:26
4 च 0 बु 14:55
4 मं 135 गु 17:37
4 च 90 ह 18:16
5 च 40 शु 3:22
5 सू 30 च 5:15
5 च 120 गु 11:29
5 च 45 शु 12:17
5 च 150 श 13:7
5 च 30 रा 13:28
5 च 150 ने 14:58
5 शु 30 मं 15:37
5 सू 40 च 22:44
6 च 40 रा 5:46
6 सू 45 च 7:29
6 च 135 श 13:33
6 च 45 रा 13:56
6 च 30 मं 14:6
6 च 60 शु 15:5
6 च 30 बु 16:41
6 च 120 ह 19:29
7 च 40 मं 7:19
7 च 40 बु 9:16
7 सू 60 च 9:54
7 बु 30 शु 11:31
7 च 90 गु 12:25
7 च 120 श 14:9
7 च 60 रा 14:35
7 च 45 मं 15:59
7 च 180 ने 16:15
7 च 45 बु 17:35
7 च 135 ह 20:20
7 मं 135 ने 22:19
8 च 60 मं 18:14

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
8 च 60 बु 18:41
8 शु 60 ह 20:37
8 सू 150 गु 20:53
8 च 150 ह 21:32
8 च 90 शु 21:38
9 बु 0 मं 3:32
9 च 60 गु 14:34
9 सू 90 च 16:0
9 च 90 श 16:27
9 च 90 रा 16:58
9 च 150 ने 18:52
9 सू 180 श 22:12
10 सू 0 रा 5:29
10 च 45 गु 16:23
10 च 135 ने 20:55
10 च 90 बु 21:52
11 च 90 मं 0:25
11 च 40 गु 1:6
11 च 180 ह 1:26
11 च 120 शु 6:34
11 सू 120 ने 9:36
11 च 30 गु 18:45
11 च 60 श 20:46
11 च 120 रा 21:23
11 मं 90 ह 23:6
11 च 120 ने 23:32
12 सू 120 च 0:38
12 च 135 शु 12:10
12 बु 135 ने 21:24
13 च 45 श 23:48
13 च 135 रा 0:29
13 च 120 बु 2:37
13 सू 135 च 6:3
13 च 150 ह 7:38
13 च 40 श 8:57
13 च 120 मं 9:14

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
13 च 150 शु 18:35
14 च 0 गु 1:16
14 च 30 श 3:26
14 च 150 रा 4:10
14 च 135 बु 5:36
14 च 90 ने 6:35
14 च 135 ह 11:38
14 सू 150 च 12:13
14 च 135 मं 14:42
15 च 150 बु 8:58
15 च 120 ह 16:13
15 च 150 मं 20:49
16 च 180 शु 9:47
16 च 30 गु 10:6
16 च 0 श 12:23
16 शु 150 गु 12:49
16 च 180 रा 13:14
16 च 60 ने 15:57
17 सू 180 च 2:43
17 च 40 गु 5:31
17 शु 180 श 10:39
17 च 45 गु 15:19
17 च 180 बु 16:43
17 शु 0 रा 19:15
17 च 45 ने 21:24
18 च 90 ह 2:59
18 च 40 ने 7:19
18 च 180 मं 10:54
18 च 60 गु 20:58
18 बु 135 गु 22:56
18 शु 120 ने 23:8
18 च 30 श 23:20
19 च 150 रा 0:19
19 च 30 ने 3:18
19 च 150 शु 3:47
19 च 40 श 19:19

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
19 सू 150 च 19:38
20 च 150 बु 1:38
20 च 45 श 5:21
20 च 135 रा 6:23
20 च 135 शु 13:31
20 च 60 ह 15:21
21 च 150 मं 2:44
21 सू 135 च 4:38
21 च 135 बु 6:20
21 च 90 गु 9:11
21 च 60 श 11:33
21 च 120 रा 12:38
21 च 0 ने 15:50
21 सू 0 बु 17:39
21 च 45 ह 21:47
21 च 120 शु 23:25
22 च 40 ह 7:55
22 च 135 मं 10:50
22 च 120 बु 11:3
22 सू 120 च 3:39
23 च 30 ह 4:6
23 सू 135 गु 9:57
23 च 120 मं 18:39
23 च 120 गु 21:19
24 च 90 श 23:35
24 च 90 रा 0:44
24 च 30 ने 4:4
24 च 90 शु 18:17
24 च 90 बु 19:53
25 च 40 ने 23:44
25 च 135 गु 2:45
25 बु 0 शु 5:31
25 सू 90 च 6:2[illegible]
25 च 45 ने 9:2[illegible]
25 च 0 ह 1[illegible]:21
25 मं 120 गु 17:27

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
26 च 150 गु 7:29
26 च 90 मं 8:16
26 च 120 श 9:34
26 च 60 रा 10:44
26 च 60 ने 14:4
26 सू 135 ने 21:32
27 च 60 बु 2:48
27 मं 150 श 7:46
27 च 60 शु 9:33
27 च 135 श 13:18
27 च 45 रा 14:28
27 सू 60 च 19:21
27 च 30 ह 23:25
27 च 40 रा 23:30
28 शु 135 गु 3:46
28 च 45 बु 5:16
28 मं 30 रा 5:55
28 च 40 बु 13:55
28 च 180 गु 14:13
28 च 45 शु 15:18
28 च 150 श 16:5
28 च 30 रा 17:14
28 च 40 ह 17:14
28 च 60 मं 17:50
28 च 90 ने 20:29
29 सू 45 च 0:4
29 च 40 शु 0:56
29 च 45 ह 2:0
29 च 30 बु 7:0
29 सू 40 च 9:22
29 च 30 शु 19:49
29 च 45 मं 21:0
30 सू 30 च 3:39
30 च 60 ह 3:41
30 सू 90 ह 4:19
30 च 40 मं 5:50

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
30 च 150 गु 17:22
30 च 180 श 19:2
30 च 0 रा 20:9
30 च 30 मं 23:14
30 च 120 ने 23:20
31 शु 135 ने 23:54
31 मं 150 ने 1:14
31 च 0 बु 8:37
31 च 135 गु 17:53
अगस्त 2019
1 च 135 ने 23:45
1 च 0 शु 1:56
1 च 90 ह 4:59
1 सू 0 च 8:17
1 च 120 गु 17:58
1 च 150 श 19:28
1 च 30 रा 20:36
2 च 150 ने 23:46
2 च 0 मं 1:53
2 च 30 बु 8:52
2 च 40 रा 12:29
2 शु 90 ह 15:5
2 च 135 श 19:17
2 च 45 रा 20:25
3 च 40 बु 0:56
3 च 120 ह 4:55
3 च 30 शु 6:8
3 च 45 बु 9:1
3 सू 30 च 11:25
3 च 90 गु 17:44
3 च 120 श 19:8
3 च 60 रा 20:18
3 च 40 शु 23:34
4 च 180 ने 23:35
4 च 30 मं 3:55
4 सू 40 च 4:33

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
4 च 135 ह 4:57	10 च 135 बु 1:37	15 च 150 रा 3:53	21 शु 135 श 5:19	26 च 60 शु 12:49	31 च 60 रा 4:13	4 च 120 रा 5:11	9 च 120 शु 13:35
4 च 45 J 8:21	10 शु 30 रा 3:48	15 च 30 ने 8:42	21 च 40 ने 5:27	26 च 60 ह 13:32	31 च 90 गु 4:44	4 च 30 गु 6:33	9 बु 135 ह 15:4
4 च 60 बु 9:32	10 च 0 गु 4:30	15 सू 180 च 17:34	21 च 135 गु 9:0	26 च 45 बु 18:42	31 च 180 ने 8:40	4 सू 0 बु 6:45	9 च 40 गु 18:3
4 सू 45 च 13:11	10 च 30 श 5:35	15 च 180 J 18:21	21 च 120 शु 9:11	26 शु 120 ह 20:43	31 च 135 ह 14:45	4 च 60 शु 9:36	9 मं 60 रा 19:20
4 च 40 मं 20:50	10 च 150 रा 7:2	15 च 40 श 22:23	21 बु 150 श 13:31	27 बु 40 रा 0:1	सितम्बर 2019	4 च 120 ने 10:14	10 च 135 मं 1:17
5 च 150 ह 5:22	10 च 120 शु 7:23	16 च 180 मं 6:7	21 च 120 मं 13:38	27 च 180 श 2:50	1 च 30 बु 13:44	4 शु 180 ने 16:31	10 च 45 गु 4:5
5 च 45 मं 5:24	10 सू 120 च 9:44	16 च 45 श 8:26	21 बु 120 गु 15:9	27 च 150 गु 3:47	1 च 150 ह 14:27	5 च 45 श 6:32	10 सू 135 च 6:37
5 च 60 शु 11:5	10 च 90 ने 11:16	16 च 135 रा 9:59	21 च 45 ने 15:18	27 च 0 रा 3:57	1 सू 30 च 18:14	5 च 135 रा 7:18	10 च 45 ने 7:6
5 सू 60 च 15:30	10 च 135 ह 17:54	16 बु 90 ह 22:12	21 शु 45 रा 19:4	27 च 40 बु 4:36	1 च 30 मं 18:43	5 च 40 श 15:28	10 सू 180 ने 12:29
5 च 60 गु 18:32	11 च 120 मं 0:55	16 च 60 ह 22:16	21 च 0 ह 22:38	27 च 120 ने 8:33	1 बु 120 ह 19:16	5 बु 120 श 17:42	10 च 90 ह 15:2
5 च 90 श 19:51	11 सू 150 ने 5:49	16 च 150 बु 22:17	21 बु 30 रा 22:49	27 सू 45 च 10:10	2 शु 120 श 23:54	5 च 150 ह 19:40	10 च 40 ने 17:7
5 च 90 रा 21:5	11 च 150 बु 8:29	17 च 90 गु 14:22	22 च 120 श 14:2	27 च 45 मं 13:46	2 च 90 श 2:45	5 बु 60 रा 22:50	10 च 135 बु 19:23
6 च 150 ने 0:38	11 बु 135 गु 14:6	17 च 60 श 14:40	22 च 150 गु 14:25	27 च 45 शु 16:41	2 च 30 शु 3:1	6 च 90 मं 5:54	10 च 135 शु 23:2
6 च 60 मं 7:31	11 च 135 शु 15:5	17 च 120 रा 16:13	22 च 60 रा 5:26	27 सू 40 च 19:7	2 च 90 रा 3:35	6 सू 90 च 8:15	11 च 30 श 6:30
6 च 90 बु 12:40	11 सू 135 च 16:43	17 च 0 ने 21:13	22 च 90 बु 18:27	27 च 40 मं 22:28	2 च 60 गु 4:29	6 च 30 श 9:41	11 च 150 रा 6:55
6 च 45 गु 19:49	11 मं 40 रा 18:56	17 शु 40 रा 22:3	22 च 60 ने 20:28	28 च 30 बु 23:57	2 च 40 बु 8:11	6 च 150 रा 10:24	11 च 150 मं 9:6
7 च 135 ने 2:5	11 च 120 ह 22:42	17 मं 135 श 22:44	23 सू 135 श 1:47	28 च 40 शु 1:44	2 च 150 ने 8:15	6 बु 90 गु 12:16	11 च 60 गु 10:27
7 च 40 गु 4:25	11 शु 150 ने 22:48	18 च 45 ह 4:38	23 बु 150 ने 7:31	28 गु 150 रा 3:43	2 शु 60 रा 9:41	6 च 0 गु 12:25	11 च 30 ने 13:13
7 च 180 ह 8:0	12 च 135 मं 7:26	18 च 135 बु 9:26	23 च 135 श 18:35	28 च 135 गु 4:50	2 सू 40 च 11:27	6 च 90 बु 12:26	11 सू 150 च 15:29
7 सू 120 गु 12:36	12 च 30 गु 14:5	18 सू 150 च 11:37	23 सू 45 रा 18:45	28 च 30 शु 19:31	2 च 40 मं 11:33	6 च 90 ने 15:57	12 च 40 श 2:41
7 च 90 शु 19:6	12 च 0 श 14:58	18 च 150 शु 14:7	23 च 45 रा 19:55	29 बु 135 श 3:43	2 सू 0 मं 15:47	6 च 90 शु 21:8	12 च 150 बु 7:3
7 च 30 गु 21:53	12 च 180 रा 16:29	18 च 40 ह 14:45	23 सू 90 च 20:1	29 च 150 श 4:2	2 च 45 बु 17:34	6 च 135 ह 23:19	12 च 150 शु 8:52
7 सू 90 च 22:36	12 च 60 ने 21:3	18 सू 40 रा 20:35	24 च 90 शु 1:22	29 च 30 रा 5:1	2 च 45 मं 20:5	7 सू 120 श 3:1	12 च 45 श 12:48
7 च 60 श 23:7	13 च 150 शु 23:36	18 च 150 मं 22:16	24 च 90 मं 2:23	29 च 120 गु 5:12	2 सू 45 च 20:11	7 सू 60 रा 11:43	12 च 135 रा 13:7
8 च 120 रा 0:27	13 सू 150 च 0:29	19 मं 45 रा 1:22	24 च 40 रा 5:13	29 च 150 ने 9:28	2 च 40 शु 20:45	7 बु 180 ने 12:23	12 मं 90 गु 14:11
8 च 120 ने 4:20	13 च 40 गु 9:47	19 च 30 ह 10:56	24 च 30 ह 7:53	29 बु 45 रा 11:1	2 शु 90 गु 21:31	7 शु 135 ह 19:14	13 च 60 ह 3:32
8 सू 150 श 5:29	13 च 150 मं 14:35	19 गु 30 श 19:52	24 शु 0 मं 22:9	29 च 40 रा 20:52	3 च 45 गु 5:7	8 च 120 ह 3:52	13 च 60 श 19:9
8 च 90 मं 14:20	13 च 45 गु 19:42	19 सू 135 च 20:32	24 च 150 श 22:17	30 च 135 श 3:48	3 च 45 शु 5:47	8 च 120 मं 17:58	13 च 120 रा 19:22
8 च 120 बु 20:3	14 च 180 बु 1:38	19 च 120 बु 20:46	24 च 180 गु 22:58	30 च 45 रा 4:44	3 च 135 ने 8:50	8 च 0 श 18:47	13 बु 0 शु 20:15
9 सू 30 रा 23:35	14 च 45 ने 2:42	20 च 135 शु 23:52	24 च 30 रा 23:32	30 च 0 बु 7:27	3 च 40 गु 13:29	8 च 180 रा 19:23	14 च 90 गु 23:40
9 शु 120 गु 1:32	14 च 90 ह 9:52	20 च 90 श 3:1	25 च 40 ह 2:12	30 सू 120 ह 8:19	3 च 180 ह 15:22	8 सू 90 गु 20:31	14 च 180 मं 1:17
9 च 45 श 1:57	14 बु 135 ने 11:11	20 च 120 गु 3:3	25 च 90 ने 4:22	30 च 120 ह 15:14	3 बु 0 मं 20:45	8 च 30 गु 22:8	14 च 0 ने 1:48
9 च 135 रा 3:20	14 सू 0 शु 11:12	20 च 90 रा 4:30	25 च 45 ह 11:11	30 सू 0 च 15:42	3 च 60 मं 22:16	8 सू 120 च 22:16	14 सू 180 च 9:38
9 च 40 श 11:4	14 च 40 ने 12:40	20 च 135 मं 6:9	25 च 60 बु 12:3	30 च 0 मं 17:20	3 च 60 बु 22:26	9 च 60 ने 1:23	14 च 45 ह 9:49
9 शु 150 श 13:28	15 च 60 गु 1:42	20 च 30 ने 9:35	26 सू 60 च 6:38	30 च 0 शु 23:18	3 सू 60 च 23:3	9 च 120 बु 8:7	14 मं 180 ने 10:30
9 च 150 ह 13:48	15 च 30 श 2:20	21 सू 120 च 5:6	26 च 60 मं 11:4	31 च 120 श 3:19	4 च 60 श 4:23	9 मं 120 श 9:19	14 सू 135 ह 11:58

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
14	च	40	ह	19:54
15	च	180	शु	4:39
15	च	180	बु	6:13
15	च	30	ह	16:0
16	श	180	रा	0:38
16	च	90	रा	7:33
16	च	90	श	7:34
16	च	120	गु	12:34
16	च	30	ने	14:2
16	च	150	मं	17:3
17	सू	150	च	3:11
17	च	40	ने	9:53
17	च	135	गु	18:38
17	च	45	ने	19:46
17	च	150	शु	23:26
18	च	135	मं	0:28
18	बु	150	ह	2:1
18	च	0	ह	3:36
18	च	150	बु	3:51
18	सू	135	च	11:24
18	च	60	रा	18:40
18	च	120	श	18:57
19	च	150	गु	0:20
19	च	60	ने	1:7
19	च	120	मं	7:24
19	च	135	शु	8:3
19	च	135	बु	13:39
19	शु	150	ह	15:32
19	सू	120	च	19:2
19	च	45	रा	23:34
20	च	135	श	23:58
20	च	40	रा	9:4
20	मं	135	ह	9:41
20	च	30	ह	13:29
20	च	120	शु	15:55
20	च	120	बु	22:29

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
21	च	30	रा	3:50
21	च	150	श	4:21
21	च	40	ह	8:13
21	च	180	गु	9:59
21	च	90	ने	10:7
21	च	45	ह	17:27
21	च	90	मं	19:10
21	गु	90	ने	21:49
22	सू	90	च	7:46
22	बु	90	रा	15:57
22	च	60	ह	20:36
22	बु	90	श	21:24
23	च	90	शु	4:35
23	च	0	रा	10:1
23	च	180	श	10:43
23	च	90	बु	12:28
23	च	120	ने	16:0
23	च	150	गु	16:27
24	च	60	मं	3:10
24	सू	60	च	16:17
24	च	135	ने	17:39
24	च	135	गु	18:21
24	बु	150	ने	19:2
25	च	90	ह	0:17
25	बु	60	गु	2:5
25	च	45	मं	5:41
25	च	60	शु	12:40
25	च	30	रा	12:47
25	च	150	श	13:40
25	शु	90	रा	13:52
25	च	40	मं	14:19
25	च	150	ने	18:30
25	सू	45	च	19:0
25	च	120	गु	19:26
25	च	60	बु	21:19
26	शु	90	श	0:25

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
26	सू	40	च	3:43
26	च	40	रा	5:2
26	च	30	मं	7:20
26	च	45	रा	13:4
26	च	135	श	14:2
26	च	45	शु	15:15
26	सू	30	च	20:55
27	च	40	शु	23:57
27	च	45	बु	0:14
27	च	120	ह	0:58
27	च	40	बु	9:3
27	च	60	रा	12:51
27	च	120	श	13:54
27	च	30	शु	17:13
27	च	180	ने	18:26
27	च	90	गु	19:50
28	च	135	ह	0:38
28	च	30	बु	2:34
28	शु	150	ने	7:55
28	च	0	मं	9:3
28	सू	0	च	23:31
29	च	150	ह	0:10
29	शु	60	गु	4:45
29	सू	150	ह	9:19
29	च	90	रा	11:56
29	च	90	श	13:13
29	च	150	ने	17:38
29	च	60	गु	19:32
29	च	0	शु	20:43
30	च	0	बु	7:10
30	च	30	मं	10:41
30	च	135	ने	17:38
30	च	45	गु	19:51
अक्टूबर 2019				
1	च	180	ह	0:0
1	सू	30	च	2:53

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
1	च	40	मं	3:40
1	च	40	गु	4:6
1	च	120	रा	12:13
1	च	45	मं	12:18
1	च	60	श	13:48
1	च	120	ने	18:17
1	सू	40	च	20:40
1	च	30	गु	20:51
2	च	30	शु	2:18
2	सू	45	च	5:45
2	च	135	रा	13:26
2	च	30	बु	14:28
2	च	60	मं	14:51
2	च	45	श	15:13
2	बु	30	मं	20:50
2	च	40	शु	21:8
3	च	40	श	23:55
3	च	150	ह	2:35
3	च	45	शु	6:46
3	सू	60	च	9:47
3	च	40	बु	9:59
3	च	150	रा	15:39
3	च	30	श	17:39
3	च	45	बु	19:59
3	च	90	ने	22:19
4	च	0	गु	1:45
4	च	135	ह	5:22
4	च	60	शु	12:39
4	बु	135	ने	17:38
4	च	90	मं	23:30
5	च	60	बु	2:57
5	च	120	ह	9:12
5	सू	90	च	21:52
5	च	180	रा	23:14
6	च	0	श	1:44
6	च	60	ने	6:31

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
6	बु	45	गु	8:29
6	च	30	गु	11:0
6	सू	90	रा	14:16
7	च	90	शु	4:30
7	च	40	गु	6:55
7	बु	180	ह	11:22
7	च	45	ने	11:58
7	च	120	मं	12:48
7	च	45	गु	16:59
7	च	90	ह	19:36
7	च	90	बु	20:41
7	च	40	ने	21:55
8	सू	90	श	0:12
8	च	150	रा	10:14
8	च	30	श	13:17
8	सू	120	च	14:25
8	च	30	ने	17:59
8	च	135	मं	20:37
8	च	60	गु	23:31
9	च	40	श	9:33
9	च	135	रा	16:26
9	च	45	श	19:42
9	सू	135	च	23:32
10	च	120	शु	23:52
10	शु	135	ने	3:54
10	च	150	मं	4:45
10	च	60	ह	8:0
10	सू	150	ने	8:29
10	बु	40	गु	13:52
10	च	120	बु	16:53
10	च	120	रा	22:42
11	च	60	श	2:13
11	च	0	ने	6:38
11	सू	150	च	8:42
11	च	135	शु	9:50
11	च	90	गु	13:7

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
11	च	45	ह	14:17
12	च	40	ह	0:20
12	च	135	बु	2:52
12	मं	150	ह	13:5
12	च	150	शु	19:33
12	च	30	ह	20:22
12	च	180	मं	20:48
12	बु	120	रा	21:20
12	शु	45	गु	21:21
13	शु	180	ह	3:12
13	च	90	रा	10:47
13	च	150	बु	12:23
13	च	90	शु	14:41
13	च	30	ने	18:44
13	शु	30	मं	19:22
13	सू	60	गु	23:7
14	च	120	गु	2:0
14	सू	180	च	2:13
14	गु	135	ह	10:31
14	बु	60	श	12:1
14	च	40	ने	14:29
15	च	45	ने	0:17
15	च	0	ह	7:34
15	च	135	गु	7:55
15	च	150	मं	11:28
15	च	180	शु	13:38
15	च	60	रा	21:34
16	च	120	श	1:49
16	बु	120	ने	3:49
16	च	60	ने	5:28
16	च	180	बु	5:38
16	च	150	गु	13:2[illegible]
16	सू	150	च	17:[illegible]4
16	च	135	मं	[illegible]8:8
17	च	45	रा	2:22
17	च	135	श	6:47

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
17	च	40	रा	11:52
17	शु	40	गु	12:42
17	च	30	ह	17:11
18	च	120	मं	0:16
18	सू	135	च	0:56
18	च	150	शु	5:30
18	च	30	रा	6:43
18	च	150	श	11:17
18	च	40	ह	11:59
18	च	90	ने	14:30
18	श	120	रा	17:26
18	बु	40	मं	17:45
18	च	150	बु	20:7
18	च	45	ह	21:18
18	च	180	गु	23:3
19	सू	120	च	7:19
19	च	135	शु	12:25
20	च	60	ह	0:52
20	च	135	बु	2:7
20	च	90	मं	10:40
20	च	0	रा	13:47
20	बु	30	गु	16:28
20	च	120	शु	18:31
20	च	180	श	18:34
20	शु	60	श	19:3
20	च	120	ने	21:22
21	च	150	गु	6:19
21	च	120	बु	7:11
21	सू	90	च	17:44
22	च	135	ने	23:48
22	शु	120	ने	0:45
22	च	90	ह	6:1
22	च	135	गु	8:54
22	च	60	मं	18:3
22	च	30	रा	18:14
22	मं	90	रा	21:50

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
22	च	150	श	23:10
23	च	150	ने	1:33
23	च	90	शु	3:59
23	च	120	गु	10:46
23	च	40	रा	11:7
23	च	90	बु	14:19
23	च	45	रा	19:27
23	च	45	मं	20:33
24	च	135	श	0:27
24	सू	60	च	0:44
24	च	40	मं	5:14
24	च	120	ह	8:28
24	च	60	रा	20:4
24	च	30	मं	22:23
25	च	120	श	1:10
25	सू	45	च	3:8
25	च	180	ने	3:12
25	सू	135	ने	4:7
25	च	135	ह	8:53
25	च	60	शु	10:7
25	सू	40	च	11:48
25	च	90	गु	12:42
25	च	60	बु	18:4
26	सू	30	च	5:3
26	च	150	ह	8:57
26	च	45	शु	12:26
26	च	45	बु	19:11
26	च	90	रा	20:15
26	च	40	शु	21:10
26	शु	30	गु	21:51
27	च	0	मं	0:53
27	च	90	श	1:37
27	च	150	ने	3:23
27	च	40	बु	3:30
27	च	60	गु	13:27
27	च	30	शु	14:39

ता.	ग.	योग.	ग्रह.	घ.मि
27	मं	90	श	19:36
27	च	30	बु	20:8
27	बु	135	रा	23:32
28	च	135	ने	3:29
28	सू	0	च	8:43
28	च	180	ह	9:3
28	सू	180	ह	13:20
28	च	45	गु	14:0
28	च	120	रा	20:31
28	च	40	गु	22:17
29	च	60	श	2:24
29	च	30	मं	3:42
29	च	120	ने	3:56
29	मं	150	ने	9:2
29	च	30	गु	15:3
29	च	0	शु	20:19
29	च	40	मं	21:8
29	च	135	रा	21:18
29	च	0	बु	22:39
30	च	45	श	3:33
30	च	45	मं	6:0
30	शु	135	रा	7:15
30	च	150	ह	10:46
30	च	40	श	12:7
30	सू	30	च	14:24
30	शु	40	मं	15:13
30	च	150	रा	22:51
31	बु	0	शु	3:10
31	च	30	श	5:33
31	च	90	ने	6:54
31	सू	40	च	9:11
31	च	60	मं	9:15
31	च	135	ह	12:49
31	बु	40	मं	15:14
31	सू	45	च	18:47
31	च	0	गु	19:34

ता.	ग.	योग.	ग्रह.	घ.मि
नवम्बर 2019				
1	च	30	बु	3:25
1	च	30	शु	5:52
1	सू	45	गु	7:45
1	च	120	ह	15:51
1	च	40	बु	21:38
2	सू	60	च	0:26
2	च	40	शु	2:15
2	च	180	रा	4:49
2	च	45	बु	6:51
2	शु	45	श	11:31
2	च	0	श	12:33
2	च	45	शु	12:40
2	च	60	ने	13:39
2	च	90	मं	19:15
3	च	30	गु	4:15
3	च	60	बु	10:51
3	च	45	ने	18:32
3	च	60	शु	20:47
4	च	40	गु	0:2
4	च	90	ह	0:55
4	च	40	ने	4:20
4	सू	120	रा	6:6
4	च	45	गु	10:4
4	च	150	रा	14:39
4	सू	90	च	15:28
4	च	30	श	23:26
5	च	30	ने	0:11
5	बु	135	रा	3:36
5	च	120	मं	9:33
5	शु	150	ह	12:14
5	च	60	गु	16:33
5	च	40	श	19:39
5	च	90	बु	19:42
5	च	135	रा	20:35
6	च	45	श	5:49

ता.	ग.	योग.	ग्रह.	घ.मि
6	च	60	ह	12:48
6	च	90	शु	15:46
6	च	135	मं	17:36
6	शु	40	श	18:2
7	च	120	रा	2:49
7	बु	30	गु	5:53
7	सू	120	च	9:30
7	च	60	श	12:23
7	च	0	ने	12:42
7	सू	40	गु	12:42
7	च	45	ह	19:5
8	च	150	मं	1:45
8	शु	45	मं	2:37
8	च	120	बु	3:57
8	च	40	ह	5:9
8	च	90	गु	6:17
8	बु	30	मं	17:43
8	सू	135	च	18:35
8	सू	60	श	22:11
8	सू	120	ने	23:1
9	च	30	ह	1:12
9	च	135	बु	7:24
9	श	60	ने	7:50
9	च	120	शु	11:20
9	च	90	रा	14:58
10	च	30	ने	0:53
10	च	90	श	1:0
10	सू	150	च	3:14
10	च	150	बु	10:22
10	च	180	मं	17:3
10	च	120	गु	19:5
10	च	135	शु	20:23
10	च	40	ने	20:34
10	शु	150	रा	21:12
11	च	45	ने	6:20
11	च	0	ह	12:15

ता.	ग.	योग.	ग्रह.	घ.मि
11	सू	0	बु	20:27
12	च	135	गु	0:44
12	च	60	रा	1:29
12	च	150	शु	4:45
12	च	60	ने	11:16
12	च	120	श	11:49
12	च	180	बु	14:56
12	सू	180	च	18:39
12	मं	60	गु	23:26
13	च	150	गु	5:50
13	च	45	रा	5:59
13	च	150	मं	6:4
13	च	40	रा	15:22
13	च	135	श	16:25
13	बु	60	श	19:40
13	च	30	ह	21:15
14	बु	120	ने	3:39
14	बु	40	गु	4:19
14	च	30	रा	9:59
14	च	135	मं	11:41
14	बु	30	शु	13:14
14	च	40	ह	15:49
14	च	150	बु	18:19
14	च	180	शु	19:21
14	च	90	ने	19:37
14	च	150	श	20:32
14	शु	90	ने	22:11
15	च	45	ह	1:2
15	सू	150	च	7:28
15	शु	30	श	8:36
15	च	180	गु	14:29
15	च	120	मं	16:45
15	च	135	बु	19:48
16	च	60	ह	4:21
16	सू	135	च	13:0
16	च	0	रा	16:36

ता.	ग.	योग.	ग्रह.	घ.मि
16	च	120	बु	21:13
17	च	120	ने	2:7
17	च	180	श	3:23
17	शु	135	ह	5:19
17	च	150	शु	7:26
17	सू	120	च	17:58
17	च	150	गु	21:15
18	च	90	मं	1:19
18	च	135	ने	4:42
18	च	90	ह	9:40
18	सू	135	रा	10:25
18	च	135	शु	12:35
18	च	30	रा	21:28
19	च	135	गु	23:57
19	च	90	बु	23:58
19	बु	45	गु	0:33
19	च	150	ने	6:52
19	च	150	श	8:26
19	बु	40	शु	14:23
19	च	40	रा	14:43
19	च	120	शु	17:9
19	च	45	रा	23:16
20	सू	30	गु	0:59
20	च	120	गु	2:11
20	सू	90	च	2:16
20	च	60	मं	7:53
20	च	135	श	10:19
20	च	120	ह	13:17
20	मं	135	ने	23:2
21	च	60	रा	0:39
21	च	60	बु	2:37
21	च	180	ने	9:56
21	च	45	मं	10:28
21	च	120	श	11:48
21	च	135	ह	14:30
21	च	40	मं	19:14

ता.	ग.	योग.	ग्रह.	घ.मि
22	च	90	शु	0:44
22	च	45	बु	3:56
22	च	90	गु	5:30
22	सू	60	च	8:36
22	च	40	बु	12:23
22	च	30	मं	12:41
22	च	150	ह	15:25
23	च	90	रा	2:30
23	च	30	बु	5:19
23	सू	45	च	11:19
23	च	150	ने	11:48
23	च	90	श	13:58
23	सू	40	च	20:12
24	बु	45	शु	3:56
24	च	60	शु	7:5
24	च	60	गु	7:54
24	च	135	ने	12:35
24	सू	30	च	13:59
24	च	0	मं	16:41
24	च	180	ह	16:56
24	शु	0	गु	18:38
24	मं	180	ह	21:56
25	च	120	रा	3:59
25	सू	45	श	4:58
25	च	0	बु	8:55
25	च	45	गु	9:12
25	च	45	शु	10:20
25	च	120	ने	13:32
25	च	60	श	16:4
25	बु	45	गु	17:17
25	च	40	गु	17:41
25	च	40	शु	19:30
26	च	135	रा	5:2
26	सू	150	ह	7:4
26	च	30	गु	10:49
26	च	30	शु	14:0

ता.	ग.	योग.	ग्रह.	घ.मि
26	च	45	श	17:36
26	च	150	ह	19:12
26	सू	0	च	20:10
26	च	30	मं	21:33
27	च	40	श	2:14
27	च	150	रा	6:34
27	च	30	बु	15:2
27	च	40	मं	15:42
27	च	90	ने	16:42
27	च	30	श	19:43
27	च	135	ह	21:7
28	च	45	मं	0:55
28	च	40	बु	9:58
28	बु	120	ने	14:56
28	च	0	गु	15:55
28	च	45	बु	19:39
28	शु	120	ह	23:32
29	च	120	ह	23:46
29	च	0	शु	23:48
29	सू	30	मं	0:26
29	च	60	मं	5:10
29	सू	30	च	5:19
29	च	180	रा	11:44
29	च	60	ने	22:44
30	सू	40	च	1:18
30	च	60	बु	1:35
30	च	0	श	2:22
30	बु	60	श	11:17
30	सू	45	च	11:29
30	सू	40	श	16:4
दिसम्बर 2019				
1	च	30	गु	0:28
1	च	45	ने	3:5
1	च	90	ह	7:43
1	च	40	ने	12:44
1	च	30	शु	14:6

ता.	ग.	योग.	ग्रह.	घ.मि
1	च	90	मं	16:48
1	सू	60	च	18:48
1	च	40	गु	20:9
1	च	150	रा	20:21
2	बु	40	गु	1:42
2	च	45	गु	6:7
2	च	30	ने	8:16
2	च	40	शु	11:53
2	च	30	श	12:35
2	सू	150	रा	12:38
2	च	90	बु	17:32
2	च	45	शु	22:56
3	च	135	रा	1:49
3	च	40	श	8:39
3	च	60	गु	12:30
3	च	45	श	18:46
3	च	60	ह	18:48
3	शु	60	मं	20:52
4	शु	180	रा	1:58
4	मं	120	रा	6:4
4	च	120	रा	7:49
4	च	120	मं	7:55
4	च	60	शु	8:31
4	सू	90	च	12:3
4	च	0	ने	20:24
5	च	45	ह	1:1
5	च	60	श	1:19
5	च	40	ह	11:6
5	च	120	बु	13:19
5	च	135	मं	16:3
5	बु	135	रा	19:8
6	च	90	गु	2:14
6	च	30	ह	7:15
6	च	90	रा	20:6
6	च	135	बु	23:28
7	च	150	मं	0:1

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
7 च 90 शु 4:2	12 च 45 ह 6:58	17 च 120 ह 17:17	23 च 45 गु 3:36	27 सू 40 मं 12:57	1 च 45 ह 8:13	7 सू 135 च 9:44	12 च 30 रा 6:10
7 सू 120 च 6:9	12 च 150 श 9:0	17 च 120 गु 18:1	23 बु 30 श 4:28	27 च 0 श 17:13	1 च 60 श 15:48	7 सू 60 ने 11:26	12 च 150 गु 8:48
7 च 30 ने 8:50	12 सू 180 च 10:17	17 च 135 श 20:25	23 च 60 श 4:56	27 सू 0 गु 23:30	1 च 40 ह 18:18	7 च 180 मं 12:10	12 बु 0 श 14:56
7 च 90 श 14:10	12 च 150 शु 10:40	18 च 60 रा 3:35	23 च 30 बु 4:59	28 च 60 मं 2:7	2 च 40 शु 23:42	7 च 30 ह 12:14	12 च 150 ने 20:55
8 च 40 ने 4:38	12 बु 45 श 11:12	18 च 135 शु 9:24	23 सू 40 च 5:49	28 च 30 बु 7:7	2 च 120 मं 7:18	7 शु 30 श 12:43	12 च 40 रा 22:44
8 च 150 बु 9:6	13 च 135 मं 5:41	18 च 90 बु 10:34	23 च 0 मं 8:32	28 मं 40 गु 7:50	2 च 45 शु 10:59	7 मं 150 ह 13:18	13 सू 150 च 6:28
8 सू 90 ने 14:5	13 च 180 गु 8:38	18 च 180 ने 15:34	23 च 135 रा 10:43	28 च 45 ने 12:42	2 च 30 ह 14:31	7 च 135 श 20:38	13 च 45 रा 6:58
8 च 45 ने 14:27	13 च 60 ह 9:48	18 च 135 ह 18:40	23 च 40 गु 12:23	28 च 90 ह 15:37	2 शु 30 ने 18:1	7 च 30 रा 21:56	13 च 150 श 7:20
8 सू 135 च 14:29	13 च 150 बु 14:52	18 च 60 मं 21:19	24 सू 30 च 0:33	28 च 30 गु 21:42	2 बु 0 गु 21:46	7 च 150 गु 22:33	13 च 150 बु 9:17
8 च 120 गु 15:3	13 मं 120 ने 16:59	18 च 120 श 22:1	24 च 150 ह 2:31	28 च 40 ने 22:16	2 च 90 गु 23:24	8 शु 135 रा 3:10	13 च 135 गु 10:4
8 च 0 ह 18:39	13 च 0 रा 20:47	19 सू 90 च 10:2	24 च 60 शु 5:42	28 सू 30 च 23:14	3 च 90 बु 23:37	8 च 40 ह 6:41	13 च 180 शु 18:46
9 शु 60 ने 2:53	14 च 120 ने 8:42	19 च 120 शु 13:12	24 च 30 गु 6:6	29 च 150 रा 2:30	3 च 90 रा 1:33	8 शु 45 गु 12:36	13 सू 0 श 20:21
9 च 60 रा 6:55	14 च 120 मं 9:30	19 मं 60 श 15:5	24 च 45 श 7:13	29 च 40 बु 4:57	3 सू 90 च 9:50	8 च 150 बु 12:54	13 च 120 ह 23:34
9 च 180 मं 14:15	14 च 180 श 14:37	19 च 150 ह 20:0	24 शु 30 गु 10:56	29 च 0 शु 7:12	3 शु 40 गु 11:38	8 च 90 ने 13:32	14 च 90 मं 7:5
9 च 60 ने 19:25	14 सू 150 च 19:40	19 च 90 गु 21:39	24 च 150 रा 12:47	29 च 45 बु 16:2	3 बु 180 रा 13:43	8 सू 150 च 15:40	14 च 60 रा 7:38
9 च 135 गु 20:31	14 च 135 बु 20:22	20 च 45 मं 23:57	24 च 40 श 16:5	29 च 40 गु 17:24	3 च 135 मं 15:25	8 च 45 ह 15:46	14 च 135 श 8:17
9 च 120 शु 21:12	14 च 180 शु 21:1	20 च 90 रा 6:10	25 च 90 ने 2:1	29 च 30 ने 17:38	3 च 30 ने 18:1	8 बु 60 ने 18:8	14 सू 135 च 9:5
9 सू 150 च 21:58	15 च 135 ने 10:46	20 च 40 मं 8:50	25 मं 135 रा 2:35	29 सू 40 च 20:20	3 च 60 शु 20:43	9 च 150 श 0:9	14 च 120 गु 11:12
10 च 120 श 0:59	15 च 150 गु 13:56	20 बु 90 ने 9:24	25 सू 120 ह 2:49	30 च 30 श 3:18	4 च 90 श 4:54	9 च 120 शु 3:21	14 च 135 बु 13:13
10 च 45 रा 11:22	15 च 90 ह 14:6	20 च 150 ने 18:23	25 च 135 ह 4:55	30 च 45 गु 3:23	4 च 40 ने 14:3	9 च 60 ह 18:28	14 मं 150 रा 18:7
10 सू 135 ह 15:55	15 बु 150 रा 18:59	20 च 60 बु 19:27	25 च 30 श 9:58	30 सू 45 च 7:2	4 च 150 मं 23:8	9 च 150 मं 21:13	14 च 180 ने 22:32
10 बु 30 गु 20:2	16 सू 135 च 23:37	21 च 90 श 1:13	25 च 45 शु 10:51	30 च 135 रा 7:36	5 च 45 ने 23:59	10 च 0 रा 3:23	15 च 135 ह 0:20
10 च 40 रा 20:41	16 गु 120 ह 0:6	21 च 30 मं 2:37	25 बु 30 मं 10:58	30 सू 180 रा 13:28	5 च 0 ह 2:36	10 च 180 गु 5:5	15 च 120 श 9:17
11 च 150 गु 1:14	16 च 30 रा 0:40	21 शु 45 ने 8:56	25 शु 40 ने 11:35	30 च 90 मं 15:29	5 च 120 गु 12:25	10 च 135 शु 8:15	15 सू 120 च 11:46
11 च 180 बु 1:48	16 च 120 बु 1:23	21 बु 135 ह 13:4	25 च 30 मं 16:1	30 च 40 श 23:15	5 च 60 रा 13:6	10 च 120 ने 18:24	15 मं 45 श 14:22
11 च 30 ह 3:33	16 बु 40 श 2:6	21 सू 60 च 16:50	25 च 0 बु 16:23	31 च 60 बु 1:57	5 बु 40 मं 14:12	10 सू 0 बु 20:24	15 च 120 बु 17:17
11 च 135 शु 4:23	16 बु 45 शु 3:34	21 च 135 ने 19:54	25 च 40 शु 20:44	31 च 60 ह 2:9	5 च 120 बु 20:23	10 बु 45 मं 21:37	16 च 150 शु 0:57
11 च 135 श 5:20	16 च 150 ने 12:33	21 च 90 शु 20:56	26 च 120 ह 7:50	31 बु 120 ह 3:27	6 सू 120 च 2:42	11 सू 45 मं 23:48	16 च 150 ह 1:14
11 सू 30 शु 13:30	16 च 90 मं 15:51	21 च 180 ह 22:51	26 सू 0 च 10:18	31 च 45 श 9:19	6 च 60 ने 5:20	11 च 135 मं 0:25	16 शु 60 ह 4:23
11 च 30 रा 15:7	16 च 135 गु 16:4	22 च 45 बु 0:4	26 च 40 मं 11:3	31 च 60 गु 9:42	6 च 90 शु 14:12	11 सू 180 च 0:26	16 च 90 रा 9:13
11 शु 0 श 15:10	16 च 40 रा 17:43	22 च 60 गु 1:25	26 च 0 गु 12:34	31 च 120 रा 13:17	6 च 120 श 16:12	11 च 180 बु 0:38	16 च 60 मं 11:19
11 सू 30 श 15:34	16 च 150 श 18:42	22 च 120 रा 9:0	26 च 30 शु 16:44	31 सू 60 च 15:37	6 च 45 रा 17:56	11 च 180 श 4:48	16 च 90 गु 13:50
11 बु 150 ह 16:59	16 मं 45 गु 22:43	22 च 40 बु 9:40	26 च 180 रा 18:22	जनवरी 2020	6 च 135 गु 17:56	11 च 150 शु 12:17	16 शु 40 श 15:25
11 च 40 ह 21:54	17 च 45 रा 2:13	22 शु 90 ह 18:35	26 च 45 मं 20:41	1 च 30 शु 1:12	6 गु 180 रा 18:6	11 च 135 ने 19:52	17 च 150 ने 0:41
12 च 150 मं 1:17	17 सू 120 च 3:15	22 सू 45 च 20:31	27 च 60 ने 8:28	1 च 0 ने 5:20	7 च 40 रा 3:22	11 च 90 ह 21:48	17 च 135 शु 4:29
12 च 90 ने 3:16	17 च 150 शु 5:31	22 च 120 ने 21:36	27 शु 150 रा 9:25	1 बु 40 शु 6:53	7 च 135 बु 5:17	12 च 120 मं 2:58	17 च 90 श 12:1

ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि	ता.ग.योग.ग्रह.घ.मि
17 च 45 मं 13:55	21 च 30 श 22:46	27 च 45 गु 23:55	31 च 90 श 19:29	6 सू 135 च 2:54	11 च 120 गु 6:0	16 च 150 ह 14:53	22 च 60 शु 9:13
17 सू 90 च 18:3	22 च 40 बु 8:29	27 शु 90 मं 6:42	31 च 60 बु 20:14	6 च 60 ह 5:22	11 च 180 ने 8:34	16 च 150 रा 19:27	22 सू 45 गु 11:12
17 च 40 मं 22:53	22 सू 30 च 13:19	27 च 60 ह 10:17	**फरवरी 2020**	6 च 120 बु 7:5	11 च 135 ह 9:36	16 च 40 गु 21:35	22 च 30 ने 11:36
17 बु 45 ने 23:10	22 सू 45 ने 14:3	27 सू 150 रा 13:24	1 च 40 ने 23:40	6 च 0 रा 11:19	11 सू 150 च 16:10	17 च 120 शु 4:10	22 च 30 गु 12:7
18 च 135 ने 2:16	22 च 120 ह 15:5	27 च 40 श 13:45	1 च 45 ने 9:43	6 सू 30 ने 19:44	11 च 120 श 22:42	17 च 45 श 6:21	22 च 45 मं 14:2
18 च 90 बु 2:41	22 च 180 रा 23:12	27 सू 40 ने 15:33	1 च 40 शु 9:52	7 च 180 गु 2:19	11 च 90 मं 23:30	17 च 90 बु 8:15	22 च 135 रा 16:48
18 च 180 ह 4:0	23 च 30 बु 5:52	27 च 120 रा 18:23	1 च 0 ह 11:15	7 च 120 ने 6:20	12 च 150 ह 9:41	17 च 40 श 15:30	22 सू 60 ह 19:18
18 च 120 शु 8:31	23 च 60 शु 6:57	27 सू 30 च 18:51	1 च 135 मं 14:54	7 सू 150 च 7:8	12 च 180 शु 13:11	17 च 30 गु 15:56	23 च 30 श 6:41
18 च 120 रा 12:1	23 च 0 गु 7:50	28 च 45 श 23:48	1 च 60 रा 18:41	7 च 135 बु 11:58	12 च 90 रा 14:21	17 च 90 ने 16:54	23 च 40 गु 8:13
18 बु 90 ह 13:37	23 च 30 मं 11:3	28 शु 0 ने 1:5	1 च 45 शु 20:56	7 बु 40 श 15:35	12 सू 135 च 18:1	17 च 135 ह 18:0	23 शु 30 ने 11:32
18 च 30 मं 17:0	23 सू 90 ह 11:59	28 च 60 गु 6:18	2 शु 40 ह 0:1	7 च 150 मं 17:31	12 च 150 बु 22:59	18 च 30 श 10:2	23 च 45 शु 18:0
18 च 60 गु 17:50	23 च 60 ने 17:25	28 च 90 मं 14:35	2 सू 90 च 6:47	7 च 180 श 20:48	13 बु 45 श 0:38	18 सू 60 च 14:8	23 च 45 गु 18:19
19 च 120 ने 4:18	23 शु 60 गु 18:12	28 च 0 ने 14:39	2 च 120 गु 9:16	8 बु 120 रा 0:1	13 शु 90 रा 3:31	18 च 0 मं 18:21	23 च 60 ह 18:34
19 च 135 रा 14:5	23 बु 30 गु 22:22	28 मं 90 ने 15:39	2 च 60 ने 15:34	8 च 120 शु 4:4	13 च 90 गु 6:58	18 च 120 ह 21:50	23 सू 0 च 20:37
19 च 60 श 16:24	24 बु 30 शु 6:12	28 च 0 शु 16:7	2 च 150 मं 22:19	8 च 135 ने 7:41	13 च 150 ने 9:2	18 बु 30 शु 22:7	23 च 60 मं 21:35
19 मं 30 गु 17:51	24 च 40 मं 6:59	28 च 45 ह 16:17	3 च 45 रा 0:8	8 च 90 ह 8:48	13 सू 120 च 20:21	19 च 180 रा 2:16	23 शु 90 गु 22:4
19 च 45 गु 20:33	24 च 0 श 7:13	28 सू 40 च 16:44	3 बु 45 गु 2:47	8 च 30 रा 14:7	14 च 90 श 23:51	19 च 60 बु 15:1	23 च 120 रा 22:27
19 श 120 रा 23:23	24 मं 40 श 12:18	28 शु 45 ह 17:51	3 च 60 शु 5:37	8 च 150 बु 15:31	14 च 135 बु 0:43	19 च 90 शु 17:13	24 च 40 श 2:45
20 सू 60 च 2:26	24 च 45 शु 14:14	28 च 30 बु 21:32	3 च 120 श 7:29	8 च 135 मं 19:42	14 च 60 मं 2:45	19 सू 45 च 20:49	24 च 40 शु 5:1
20 च 40 गु 5:34	24 च 45 मं 17:3	29 च 40 ह 2:22	3 च 40 रा 9:48	9 च 150 गु 5:8	14 च 135 ने 9:56	20 च 0 गु 0:55	24 च 0 बु 5:44
20 च 150 ह 8:33	24 च 45 ने 21:58	29 सू 45 च 3:44	3 च 135 गु 15:1	9 च 40 रा 6:25	14 च 180 ह 10:59	20 च 60 ने 1:10	24 बु 40 शु 9:25
20 च 60 बु 14:44	25 च 90 ह 23:39	29 च 60 श 6:13	3 च 90 बु 16:33	9 च 135 शु 6:53	14 च 120 रा 15:35	20 बु 45 श 4:36	24 मं 180 रा 11:38
20 च 150 रा 16:38	25 च 40 शु 0:49	29 बु 135 रा 16:24	3 सू 30 गु 20:5	9 च 150 ने 8:20	14 च 150 शु 18:56	20 सू 40 च 7:13	24 च 45 श 12:51
20 च 90 शु 18:25	25 सू 0 च 2:47	29 मं 135 ह 21:0	3 च 30 ह 22:5	9 सू 180 च 12:38	15 च 120 बु 2:48	20 च 45 बु 18:39	24 सू 120 रा 17:29
20 च 45 श 19:20	25 च 40 ने 7:36	29 च 40 बु 21:6	4 शु 60 श 3:6	9 च 45 रा 14:30	15 च 45 मं 5:21	20 च 0 श 19:23	24 च 0 ने 23:31
20 बु 40 ने 22:57	25 च 150 रा 7:48	29 च 30 ह 22:35	4 च 30 रा 4:49	9 च 120 मं 21:13	15 च 60 गु 9:57	20 गु 60 ने 21:1	25 च 45 ह 0:41
21 च 30 गु 23:47	25 च 30 गु 18:1	30 सू 40 शु 5:56	4 च 135 श 12:19	9 च 150 श 22:22	15 च 120 ने 11:30	21 च 40 बु 3:52	25 च 60 गु 0:50
21 च 0 मं 0:51	25 बु 60 मं 18:14	30 च 90 रा 6:29	4 च 40 ह 16:58	10 च 135 गु 5:41	15 च 40 मं 14:24	21 सू 30 च 4:13	25 च 30 शु 3:10
21 च 40 श 4:25	25 च 30 शु 22:13	30 च 45 बु 8:55	4 च 150 गु 19:49	10 च 150 शु 9:7	15 च 135 रा 17:8	21 च 45 ने 6:10	25 सू 60 मं 7:11
21 बु 150 रा 5:10	26 च 60 मं 23:39	30 सू 60 च 12:55	4 सू 120 च 21:25	10 च 120 ह 9:36	15 च 135 शु 23:4	21 च 30 मं 6:55	25 च 40 ह 10:46
21 शु 45 श 5:29	26 च 0 बु 0:11	30 बु 40 गु 14:55	5 च 90 ने 0:55	10 च 60 रा 14:30	16 सू 90 च 3:22	21 च 90 ह 7:18	25 बु 40 श 13:14
21 सू 45 च 7:34	26 च 30 ने 3:3	30 च 90 गु 19:59	5 च 45 ह 2:14	10 सू 135 रा 14:39	16 च 60 श 3:25	21 च 150 रा 11:31	25 च 60 श 19:17
21 च 90 ने 9:51	26 च 135 रा 12:51	31 च 30 ने 3:26	5 च 180 मं 10:12	10 शु 30 ह 15:28	16 सू 30 श 4:2	21 मं 120 ह 14:15	26 सू 0 बु 6:50
21 च 135 ह 11:33	26 च 40 गु 13:54	31 च 120 मं 6:54	5 बु 60 ह 14:48	10 च 180 बु 19:56	16 सू 40 गु 7:1	21 च 40 ने 15:56	26 च 30 ह 7:1
21 सू 40 च 17:24	26 च 30 श 17:47	31 च 30 शु 11:31	5 च 150 श 16:9	10 च 135 श 22:33	16 च 30 मं 8:48	21 च 30 बु 22:20	26 च 90 रा 10:30
21 च 45 बु 21:55	26 बु 30 ने 20:55	31 बु 30 श 14:30	5 च 90 शु 19:24	11 मं 30 श 2:35	16 च 45 गु 12:33	22 च 40 मं 3:37	26 बु 60 मं 11:3

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
26	च	30	बु	13:16
26	च	90	मं	13:37
26	सू	30	च	14:31
26	बु	45	शु	16:28
27	सू	40	श	5:32
27	च	40	बु	7:49
27	च	30	ने	12:19
27	सू	40	च	12:38
27	च	90	गु	14:27
27	च	45	बु	17:6
27	बु	120	रा	21:18
27	च	0	शु	22:10
28	सू	45	च	23:42
28	च	90	श	8:30
28	च	40	ने	8:37
28	बु	45	गु	17:55
28	च	45	ने	18:45
28	च	0	ह	19:55
28	च	60	बु	20:56
28	च	60	रा	22:55
29	च	120	मं	06:01
29	बु	60	ह	08:18
29	सू	60	च	08:45
मार्च 2020				
1	च	60	ने	0:55
1	च	120	गु	3:46
1	च	45	रा	4:49
1	च	135	मं	13:44
1	च	40	रा	14:40
1	च	30	शु	16:30
1	च	120	श	20:57
2	च	90	बु	4:10
2	च	30	ह	7:43
2	च	135	गु	9:43
2	च	30	रा	10:11
2	च	40	शु	13:59

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
2	च	150	मं	20:44
3	च	45	शु	0:32
3	सू	90	च	1:2
3	च	135	श	2:16
3	च	40	ह	3:4
3	च	90	ने	11:29
3	च	45	ह	12:36
3	च	150	गु	14:52
3	शु	40	ने	17:3
3	सू	45	श	17:54
3	शु	90	श	21:49
4	च	150	श	6:40
4	च	60	शु	7:25
4	च	120	बु	9:49
4	बु	40	गु	11:9
4	च	60	ह	16:30
4	च	0	रा	18:24
5	बु	60	शु	2:29
5	च	180	मं	7:29
5	सू	45	शु	10:0
5	च	135	बु	11:42
5	सू	120	च	12:54
5	च	120	ने	18:19
5	च	180	गु	22:1
6	च	180	श	12:16
6	च	150	बु	12:52
6	सू	135	च	16:52
6	च	90	शु	17:5
6	च	135	ने	20:10
6	च	90	ह	21:11
6	च	30	रा	22:35
7	बु	30	श	6:13
7	बु	45	मं	11:48
7	च	150	मं	13:28
7	च	40	रा	15:8
7	सू	150	च	19:40

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
7	च	150	ने	21:5
7	च	45	रा	23:17
8	च	150	गु	1:0
8	शु	45	ने	10:41
8	च	180	बु	13:17
8	च	150	श	14:2
8	च	135	मं	14:59
8	सू	0	ने	17:28
8	च	120	शु	22:5
8	च	120	ह	22:16
8	च	60	रा	23:17
9	शु	0	ह	0:43
9	च	135	गु	1:20
9	सू	45	ह	8:45
9	च	135	श	13:58
9	शु	60	रा	14:5
9	च	120	मं	15:53
9	च	180	ने	21:1
9	च	135	ह	22:0
9	सू	180	च	22:53
9	च	135	शु	23:32
10	च	120	गु	1:13
10	च	150	बु	12:20
10	च	120	श	13:37
10	च	150	ह	21:33
10	च	90	रा	22:15
11	च	150	शु	0:48
11	च	135	बु	11:58
11	च	90	मं	17:11
11	सू	60	गु	17:32
11	च	150	ने	20:14
12	च	90	गु	0:53
12	सू	150	च	1:19
12	च	120	बु	12:3
12	च	90	रा	13:17
12	च	135	ने	20:17

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
12	च	180	ह	21:19
12	च	120	रा	21:43
13	सू	135	च	3:10
13	च	180	शु	4:15
13	च	60	मं	20:4
13	च	120	ने	20:58
13	च	135	रा	22:18
14	च	60	गु	2:18
14	सू	120	च	5:52
14	च	90	बु	14:41
14	सू	40	ह	14:46
14	च	60	श	15:11
14	मं	60	ने	15:37
14	च	45	मं	22:49
15	च	150	ह	23:37
15	च	150	रा	23:41
15	च	45	गु	4:15
15	च	40	मं	7:58
15	ह	60	रा	10:7
15	बु	30	श	10:55
15	च	150	शु	11:5
15	च	40	गु	13:7
15	च	45	श	17:27
16	च	90	ने	0:56
16	च	135	ह	2:8
16	च	40	श	2:26
16	च	30	मं	2:40
16	च	30	गु	7:10
16	सू	90	च	14:39
16	च	135	शु	16:15
16	च	30	श	20:43
16	च	60	बु	21:54
17	बु	40	मं	3:7
17	च	180	रा	5:17
17	च	120	ह	5:38
17	च	120	शु	22:36

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
18	च	45	बु	3:23
18	च	60	ने	8:41
18	च	40	बु	13:28
18	च	0	मं	13:37
18	च	0	गु	15:52
19	सू	60	च	4:2
19	च	0	श	5:53
19	च	30	बु	9:59
19	च	45	ने	13:46
19	च	150	रा	14:19
19	च	90	ह	15:9
20	च	40	ने	23:35
20	सू	60	श	4:55
20	बु	40	मं	6:8
20	सू	45	च	12:2
20	च	90	शु	14:5
20	बु	40	गु	14:56
20	मं	0	गु	16:40
20	च	30	ने	19:25
20	च	135	रा	19:45
20	सू	40	च	22:50
21	च	30	गु	3:25
21	च	30	मं	3:57
21	च	30	श	17:32
21	सू	30	च	20:36
22	बु	120	रा	23:38
22	च	40	गु	23:40
22	च	40	मं	1:10
22	च	120	रा	1:34
22	च	0	बु	1:44
22	च	60	ह	2:56
22	च	45	गु	9:49
22	च	45	मं	11:49
22	च	40	श	13:44
22	बु	60	ह	18:24
23	च	45	श	23:52

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
23	शु	45	रा	6:57
23	च	60	शु	7:41
23	च	0	ने	7:43
23	शु	60	ने	8:13
23	च	45	ह	9:15
23	च	60	गु	16:25
23	च	40	ह	19:23
23	च	60	मं	19:56
24	सू	90	रा	5:47
24	च	60	श	6:20
24	च	90	रा	13:47
24	सू	24	च	15:41
24	च	45	शु	16:45
24	च	30	बु	19:31
25	च	40	शु	3:47
25	सू	30	ह	4:49
25	च	40	बु	17:42
25	च	30	ने	20:33
26	च	30	शु	1:50
26	च	45	बु	4:48
26	च	90	गु	5:48
26	च	90	मं	12:21
26	च	40	ने	16:49
26	बु	45	गु	17:6
26	च	90	श	19:20
27	च	60	रा	2:8
27	च	45	ने	2:56
27	च	0	ह	4:34
27	सू	30	च	8:40
27	च	60	बु	14:8
28	शु	40	रा	2:48
28	बु	40	श	6:3
28	सू	40	च	6:31
28	च	45	रा	8:6
28	च	60	ने	9:7
28	शु	120	गु	9:29

ता.	ग.	योग	ग्रह	घ.मि
28	सू	45	च	17:23
28	च	40	रा	18:2
28	च	120	गु	18:44
28	च	0	शु	19:25
29	च	120	मं	4:10
29	च	120	श	7:41
29	च	30	रा	13:44
29	च	30	ह	16:38
30	च	135	गु	0:39
30	सू	60	च	1:37
30	च	90	बु	8:3
30	च	135	मं	11:21
30	च	40	ह	12:14
30	च	135	श	13:12
30	च	90	ने	20:15
30	च	45	ह	21:56
31	च	150	गु	5:57
31	च	30	शु	10:45
31	च	150	मं	17:44
31	च	150	श	18:1
31	च	0	रा	23:15

अप्रैल 2019

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	-5.494	- 0.235	21.149	+ 0.918	-10.066	- 0.907	-21.564	+ 0.410	-22.676	+ 0.632	11.459	-0.491	-59.903	- 0.968	-21.715	- 0.245
2	-5.559	- 0.452	21.293	+ 0.925	-9.659	- 0.949	-21.558	+ 0.409	-22.678	+ 0.632	11.478	- 0.491	-59.769	- 0.968	-21.715	- 0.247
3	-5.584	- 0.660	21.434	+ 0.931	-9.246	- 0.991	-21.552	+ 0.409	-22.678	+ 0.633	11.497	- 0.491	-59.636	- 0.968	-21.715	- 0.248
4	-5.571	- 0.857	21.572	+ 0.938	-8.829	-1.031	-21.546	+ 0.408	-22.679	+ 0.633	11.516	- 0.490	-59.504	- 0.969	-21.714	- 0.250
5	-5.521	-1.045	21.708	+ 0.944	-8.408	-1.070	-21.541	+ 0.408	-22.680	+ 0.633	11.536	- 0.490	-59.372	- 0.969	-21.714	- 0.252
6	-5.434	-1.223	21.840	+ 0.950	-7.983	-1.108	-21.536	+ 0.407	-22.680	+ 0.633	11.555	- 0.490	-59.242	- 0.969	-21.714	- 0.253
7	-5.313	-1.391	21.969	+ 0.956	-7.554	-1.145	-21.531	+ 0.406	-22.681	+ 0.633	11.575	- 0.490	-59.113	- 0.970	-21.715	- 0.255
8	-5.158	-1.549	22.096	+ 0.962	-7.122	-1.180	-21.526	+ 0.406	-22.681	+ 0.633	11.594	- 0.489	-58.984	- 0.970	-21.715	- 0.257
9	-4.971	-1.697	22.219	+ 0.968	-6.685	-1.215	-21.521	+ 0.405	-22.681	+ 0.634	11.614	- 0.489	-58.857	- 0.971	-21.715	- 0.258
10	-4.752	-1.834	22.340	+ 0.974	-6.246	-1.248	-21.517	+ 0.405	-22.681	+ 0.634	11.634	- 0.489	-58.731	- 0.971	-21.716	- 0.260
11	-4.503	-1.962	22.457	+ 0.980	-5.804	-1.280	-21.513	+ 0.404	-22.681	+ 0.634	11.653	- 0.489	-58.605	- 0.972	-21.716	- 0.262
12	-4.225	-2.079	22.571	+ 0.985	-5.358	-1.310	-21.509	+ 0.403	-22.681	+ 0.634	11.673	- 0.489	-58.481	- 0.972	-21.717	- 0.263
13	-3.919	-2.187	22.682	+ 0.991	-4.910	-1.340	-21.506	+ 0.403	-22.681	+ 0.634	11.693	- 0.488	-58.359	- 0.972	-21.717	- 0.265
14	-3.585	-2.284	22.790	+ 0.996	-4.459	-1.368	-21.502	+ 0.402	-22.680	+ 0.634	11.713	- 0.488	-58.237	- 0.973	-21.718	- 0.267
15	-3.226	-2.372	22.895	1.001	-4.006	-1.395	-21.499	+ 0.401	-22.680	+ 0.634	11.733	- 0.488	-58.117	- 0.973	-21.719	- 0.268
16	-2.840	-2.450	22.997	1.006	-3.550	-1.421	-21.496	+ 0.401	-22.679	+ 0.634	11.752	- 0.488	-57.998	- 0.974	-21.720	- 0.270
17	-2.431	-2.518	23.096	1.012	-3.093	-1.445	-21.494	+ 0.400	-22.678	+ 0.634	11.772	- 0.488	-57.880	- 0.974	-21.721	- 0.272
18	-1.997	-2.576	23.192	1.017	-2.634	-1.468	-21.491	+ 0.399	-22.677	+ 0.634	11.792	- 0.488	-57.764	- 0.975	-21.722	- 0.273
19	-1.541	-2.626	23.284	1.021	-2.173	-1.490	-21.489	+ 0.399	-22.676	+ 0.634	11.812	- 0.488	-57.649	- 0.975	-21.723	- 0.275
20	-1.062	-2.665	23.373	1.026	-1.711	-1.511	-21.487	+ 0.398	-22.675	+ 0.634	11.832	- 0.487	-57.536	- 0.976	-21.724	- 0.277
21	- 0.561	-2.695	23.459	1.031	-1.247	-1.530	-21.485	+ 0.398	-22.674	+ 0.634	11.851	- 0.487	-57.423	- 0.976	-21.725	- 0.279
22	- 0.040	-2.716	23.542	1.036	- 0.782	-1.548	-21.484	+ 0.397	-22.673	+ 0.634	11.871	- 0.487	-57.312	- 0.977	-21.727	- 0.280
23	+ 0.500	-2.728	23.622	1.040	- 0.316	-1.565	-21.483	+ 0.396	-22.671	+ 0.633	11.891	- 0.487	-57.203	- 0.977	-21.728	- 0.282
24	1.061	-2.730	23.698	1.045	+ 0.149	-1.581	-21.482	+ 0.396	-22.670	+ 0.633	11.911	- 0.487	-57.095	- 0.978	-21.730	- 0.284
25	1.640	-2.723	23.772	1.049	+ 0.616	-1.595	-21.481	+ 0.395	-22.668	+ 0.633	11.930	- 0.487	-56.988	- 0.978	-21.732	- 0.285
26	2.237	-2.707	23.842	1.053	1.084	-1.608	-21.481	+ 0.394	-22.666	+ 0.633	11.950	- 0.487	-56.883	- 0.979	-21.733	- 0.287
27	2.852	-2.682	23.908	1.057	1.551	-1.619	-21.480	+ 0.393	-22.664	+ 0.632	11.970	- 0.487	-56.780	- 0.980	-21.735	- 0.289
28	3.484	-2.648	23.972	1.061	2.019	-1.630	-21.480	+ 0.393	-22.662	+ 0.632	11.990	- 0.487	-56.678	- 0.980	-21.737	- 0.291
29	4.132	-2.605	24.032	1.065	2.486	-1.639	-21.481	+ 0.392	-22.660	+ 0.632	12.009	- 0.486	-56.577	- 0.981	-21.739	- 0.292
30	4.795	-2.553	24.089	1.069	2.953	-1.646	-21.481	+ 0.391	-22.658	+ 0.632	12.029	- 0.486	-56.479	- 0.981	-21.741	- 0.294

मई 2019

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	5.472	-2.492	24.143	1.073	3.420	-1.653	-21.482	+ 0.391	-22.655	+ 0.631	12.048	- 0.486	-56.382	- 0.982	-21.743	- 0.296
2	6.163	-2.423	24.194	1.077	3.886	-1.658	-21.483	+ 0.390	-22.653	+ 0.631	12.068	- 0.486	-56.286	- 0.982	-21.745	- 0.297
3	6.867	-2.344	24.241	1.081	4.350	-1.662	-21.485	+ 0.389	-22.650	+ 0.630	12.087	- 0.486	-56.193	- 0.983	-21.748	- 0.299
4	7.584	-2.258	24.285	1.084	4.814	-1.665	-21.486	+ 0.389	-22.647	+ 0.630	12.107	- 0.486	-56.100	- 0.984	-21.750	- 0.301
5	8.311	-2.163	24.326	1.088	5.277	-1.666	-21.488	+ 0.388	-22.644	+ 0.629	12.126	- 0.486	-56.010	- 0.984	-21.753	- 0.302
6	9.048	-2.059	24.363	1.091	5.737	-1.667	-21.490	+ 0.387	-22.641	+ 0.629	12.145	- 0.486	-55.921	- 0.985	-21.755	- 0.304
7	9.794	-1.948	24.397	1.095	6.197	-1.665	-21.492	+ 0.386	-22.638	+ 0.628	12.165	- 0.486	-55.834	- 0.985	-21.758	- 0.306
8	10.548	-1.829	24.428	1.098	6.654	-1.663	-21.495	+ 0.386	-22.634	+ 0.628	12.184	- 0.486	-55.749	- 0.986	-21.761	- 0.308
9	11.308	-1.702	24.456	1.101	7.109	-1.660	-21.498	+ 0.385	-22.631	+ 0.627	12.203	- 0.486	-55.666	- 0.987	-21.763	- 0.309
10	12.073	-1.568	24.480	1.104	7.562	-1.655	-21.501	+ 0.384	-22.627	+ 0.626	12.222	- 0.486	-55.584	- 0.987	-21.766	- 0.311
11	12.840	-1.427	24.501	1.108	8.012	-1.649	-21.504	+ 0.383	-22.623	+ 0.625	12.241	- 0.486	-55.504	- 0.988	-21.769	- 0.313
12	13.609	-1.279	24.519	1.111	8.460	-1.642	-21.507	+ 0.382	-22.619	+ 0.625	12.260	- 0.486	-55.426	- 0.988	-21.772	- 0.314
13	14.377	-1.126	24.534	1.114	8.905	-1.634	-21.511	+ 0.382	-22.615	+ 0.624	12.278	- 0.486	-55.350	- 0.989	-21.775	- 0.316
14	15.141	- 0.966	24.545	1.116	9.346	-1.624	-21.515	+ 0.381	-22.611	+ 0.623	12.297	- 0.486	-55.276	- 0.990	-21.778	- 0.318
15	15.900	- 0.802	24.553	1.119	9.785	-1.614	-21.519	+ 0.380	-22.607	+ 0.622	12.316	- 0.486	-55.204	- 0.990	-21.782	- 0.320
16	16.650	- 0.634	24.558	1.122	10.220	-1.602	-21.524	+ 0.379	-22.602	+ 0.621	12.334	- 0.486	-55.134	- 0.991	-21.785	- 0.321
17	17.389	- 0.462	24.559	1.125	10.651	-1.589	-21.529	+ 0.378	-22.598	+ 0.620	12.352	- 0.486	-55.066	- 0.992	-21.788	- 0.323
18	18.114	- 0.288	24.557	1.127	11.079	-1.576	-21.534	+ 0.378	-22.593	+ 0.619	12.371	- 0.486	-54.999	- 0.992	-21.792	- 0.325
19	18.820	- 0.113	24.552	1.130	11.502	-1.561	-21.539	+ 0.377	-22.588	+ 0.618	12.389	- 0.486	-54.935	- 0.993	-21.795	- 0.326
20	19.506	+ 0.062	24.544	1.132	11.922	-1.545	-21.544	+ 0.376	-22.583	+ 0.617	12.407	- 0.486	-54.872	- 0.994	-21.799	- 0.328
21	20.167	+ 0.238	24.533	1.134	12.337	-1.528	-21.550	+ 0.375	-22.577	+ 0.616	12.425	- 0.486	-54.811	- 0.994	-21.803	- 0.330
22	20.800	+ 0.411	24.518	1.137	12.747	-1.509	-21.555	+ 0.374	-22.572	+ 0.615	12.442	- 0.486	-54.753	- 0.995	-21.806	- 0.332
23	21.401	+ 0.582	24.500	1.139	13.153	-1.490	-21.561	+ 0.373	-22.566	+ 0.613	12.460	- 0.486	-54.696	- 0.996	-21.810	- 0.333
24	21.969	+ 0.748	24.479	1.141	13.553	-1.470	-21.568	+ 0.372	-22.561	+ 0.612	12.478	- 0.487	-54.641	- 0.996	-21.814	- 0.335
25	22.499	+ 0.908	24.454	1.143	13.949	-1.449	-21.574	+ 0.371	-22.555	+ 0.611	12.495	- 0.487	-54.589	- 0.997	-21.818	- 0.337
26	22.990	1.062	24.427	1.145	14.339	-1.427	-21.581	+ 0.370	-22.549	+ 0.609	12.512	- 0.487	-54.538	- 0.998	-21.822	- 0.338
27	23.438	1.209	24.396	1.147	14.723	-1.404	-21.588	+ 0.370	-22.543	+ 0.608	12.529	- 0.487	-54.490	- 0.998	-21.826	- 0.340
28	23.844	1.346	24.362	1.149	15.102	-1.380	-21.595	+ 0.369	-22.536	+ 0.607	12.546	- 0.487	-54.443	- 0.999	-21.830	- 0.342
29	24.205	1.474	24.325	1.151	15.475	-1.355	-21.602	+ 0.368	-22.530	+ 0.605	12.563	- 0.487	-54.399	-1.000	-21.834	- 0.344
30	24.520	1.591	24.285	1.153	15.841	-1.329	-21.609	+ 0.367	-22.523	+ 0.604	12.580	- 0.487	-54.357	-1.001	-21.839	- 0.345
31	24.791	1.697	24.242	1.154	16.201	-1.303	-21.617	+ 0.366	-22.516	+ 0.602	12.597	- 0.487	-54.316	-1.001	-21.843	- 0.347

जून 2019

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	25.016	1.792	24.195	1.156	16.555	-1.275	-21.625	+ 0.365	-22.510	+ 0.600	12.613	- 0.487	-54.278	-1.002	-21.847	- 0.349
2	25.196	1.874	24.146	1.158	16.902	-1.247	-21.633	+ 0.364	-22.503	+ 0.599	12.629	- 0.487	-54.242	-1.003	-21.852	- 0.350
3	25.333	1.944	24.093	1.159	17.242	-1.218	-21.641	+ 0.363	-22.495	+ 0.597	12.645	- 0.488	-54.208	-1.003	-21.856	- 0.352
4	25.428	2.002	24.037	1.161	17.574	-1.188	-21.649	+ 0.362	-22.488	+ 0.595	12.661	- 0.488	-54.176	-1.004	-21.861	- 0.354
5	25.482	2.046	23.978	1.162	17.900	-1.158	-21.657	+ 0.361	-22.481	+ 0.593	12.677	- 0.488	-54.146	-1.005	-21.865	- 0.356
6	25.496	2.078	23.916	1.163	18.218	-1.126	-21.666	+ 0.360	-22.473	+ 0.592	12.693	- 0.488	-54.118	-1.006	-21.870	- 0.357
7	25.473	2.097	23.851	1.165	18.528	-1.094	-21.675	+ 0.359	-22.466	+ 0.590	12.708	- 0.488	-54.093	-1.006	-21.874	- 0.359
8	25.415	2.103	23.784	1.166	18.830	-1.062	-21.684	+ 0.358	-22.458	+ 0.588	12.724	- 0.488	-54.069	-1.007	-21.879	- 0.361
9	25.323	2.096	23.713	1.167	19.124	-1.028	-21.693	+ 0.356	-22.450	+ 0.586	12.739	- 0.488	-54.048	-1.008	-21.884	- 0.362
10	25.199	2.077	23.639	1.168	19.410	- 0.995	-21.702	+ 0.355	-22.442	+ 0.584	12.754	- 0.489	-54.029	-1.008	-21.889	- 0.364
11	25.046	2.045	23.562	1.169	19.687	- 0.960	-21.711	+ 0.354	-22.434	+ 0.582	12.769	- 0.489	-54.012	-1.009	-21.894	- 0.366
12	24.865	2.000	23.482	1.170	19.955	- 0.925	-21.721	+ 0.353	-22.426	+ 0.580	12.783	- 0.489	-53.998	-1.010	-21.899	- 0.367
13	24.659	1.944	23.399	1.171	20.215	- 0.889	-21.730	+ 0.352	-22.418	+ 0.577	12.797	- 0.489	-53.985	-1.011	-21.903	- 0.369
14	24.429	1.875	23.313	1.172	20.466	- 0.853	-21.740	+ 0.351	-22.410	+ 0.575	12.812	- 0.489	-53.974	-1.011	-21.908	- 0.371
15	24.177	1.795	23.225	1.173	20.708	- 0.817	-21.750	+ 0.350	-22.402	+ 0.573	12.826	- 0.490	-53.966	-1.012	-21.913	- 0.372
16	23.905	1.702	23.133	1.174	20.940	- 0.779	-21.760	+ 0.349	-22.394	+ 0.571	12.840	- 0.490	-53.960	-1.013	-21.918	- 0.374
17	23.616	1.599	23.039	1.175	21.163	- 0.742	-21.770	+ 0.347	-22.385	+ 0.568	12.853	- 0.490	-53.955	-1.013	-21.924	- 0.376
18	23.310	1.484	22.942	1.175	21.376	- 0.704	-21.780	+ 0.346	-22.377	+ 0.566	12.867	- 0.490	-53.953	-1.014	-21.929	- 0.377
19	22.990	1.358	22.842	1.176	21.579	- 0.666	-21.790	+ 0.345	-22.369	+ 0.564	12.880	- 0.490	-53.953	-1.015	-21.934	- 0.379
20	22.658	1.221	22.739	1.176	21.773	- 0.627	-21.800	+ 0.344	-22.360	+ 0.561	12.893	- 0.491	-53.955	-1.016	-21.939	- 0.381
21	22.316	1.074	22.634	1.177	21.956	- 0.588	-21.811	+ 0.343	-22.352	+ 0.559	12.906	- 0.491	-53.960	-1.016	-21.944	- 0.383
22	21.964	+ 0.916	22.525	1.177	22.130	- 0.548	-21.821	+ 0.341	-22.344	+ 0.556	12.918	- 0.491	-53.966	-1.017	-21.949	- 0.384
23	21.605	+ 0.748	22.414	1.178	22.293	- 0.509	-21.831	+ 0.340	-22.335	+ 0.554	12.931	- 0.491	-53.974	-1.018	-21.955	- 0.386
24	21.241	+ 0.571	22.301	1.178	22.445	- 0.469	-21.842	+ 0.339	-22.327	+ 0.551	12.943	- 0.491	-53.985	-1.019	-21.960	- 0.387
25	20.873	+ 0.384	22.184	1.178	22.587	- 0.429	-21.853	+ 0.338	-22.319	+ 0.549	12.955	- 0.492	-53.998	-1.019	-21.965	- 0.389
26	20.503	+ 0.188	22.065	1.178	22.718	- 0.389	-21.863	+ 0.336	-22.310	+ 0.546	12.967	- 0.492	-54.013	-1.020	-21.971	- 0.391
27	20.133	- 0.016	21.943	1.179	22.839	- 0.348	-21.874	+ 0.335	-22.302	+ 0.543	12.978	- 0.492	-54.030	-1.021	-21.976	- 0.392
28	19.765	- 0.229	21.819	1.179	22.948	- 0.307	-21.885	+ 0.334	-22.294	+ 0.541	12.990	- 0.492	-54.049	-1.021	-21.981	- 0.394
29	19.399	- 0.450	21.692	1.179	23.047	- 0.267	-21.896	+ 0.332	-22.286	+ 0.538	13.001	- 0.493	-54.070	-1.022	-21.987	- 0.396
30	19.039	- 0.678	21.562	1.179	23.134	- 0.226	-21.906	+ 0.331	-22.278	+ 0.535	13.012	- 0.493	-54.093	-1.023	-21.992	- 0.397

जुलाई 2019

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	18.686	- 0.912	21.430	1.179	23.210	- 0.185	-21.917	+ 0.330	-22.270	+ 0.532	13.022	- 0.493	-54.118	-1.024	-21.998	- 0.399
2	18.341	-1.153	21.295	1.179	23.275	- 0.144	-21.928	+ 0.328	-22.262	+ 0.530	13.033	- 0.493	-54.145	-1.024	-22.003	- 0.401
3	18.006	-1.398	21.158	1.179	23.329	- 0.103	-21.939	+ 0.327	-22.254	+ 0.527	13.043	- 0.494	-54.174	-1.025	-22.008	- 0.402
4	17.684	-1.648	21.018	1.178	23.372	- 0.062	-21.950	+ 0.326	-22.247	+ 0.524	13.053	- 0.494	-54.205	-1.026	-22.014	- 0.404
5	17.375	-1.901	20.876	1.178	23.403	- 0.022	-21.961	+ 0.324	-22.239	+ 0.521	13.063	- 0.494	-54.239	-1.026	-22.019	- 0.406
6	17.083	-2.155	20.732	1.178	23.422	+ 0.018	-21.972	+ 0.323	-22.232	+ 0.518	13.072	- 0.494	-54.274	-1.027	-22.025	- 0.407
7	16.808	-2.410	20.585	1.178	23.431	+ 0.059	-21.982	+ 0.321	-22.225	+ 0.515	13.081	- 0.495	-54.311	-1.028	-22.030	- 0.409
8	16.552	-2.664	20.435	1.177	23.427	+ 0.099	-21.993	+ 0.320	-22.218	+ 0.512	13.090	- 0.495	-54.351	-1.028	-22.036	- 0.410
9	16.318	-2.916	20.284	1.177	23.412	+ 0.139	-22.004	+ 0.319	-22.211	+ 0.509	13.099	- 0.495	-54.392	-1.029	-22.041	- 0.412
10	16.106	-3.163	20.130	1.176	23.386	+ 0.180	-22.015	+ 0.317	-22.204	+ 0.506	13.108	- 0.495	-54.435	-1.030	-22.047	- 0.414
11	15.918	-3.403	19.973	1.176	23.348	+ 0.219	-22.026	+ 0.316	-22.198	+ 0.503	13.116	- 0.496	-54.480	-1.030	-22.052	- 0.415
12	15.755	-3.634	19.815	1.175	23.299	+ 0.259	-22.036	+ 0.314	-22.192	+ 0.500	13.124	- 0.496	-54.527	-1.031	-22.058	- 0.417
13	15.620	-3.855	19.654	1.175	23.238	+ 0.298	-22.047	+ 0.313	-22.186	+ 0.497	13.132	- 0.496	-54.576	-1.032	-22.063	- 0.418
14	15.511	-4.062	19.491	1.174	23.166	+ 0.337	-22.058	+ 0.311	-22.180	+ 0.494	13.139	- 0.497	-54.627	-1.032	-22.069	- 0.420
15	15.431	-4.253	19.325	1.173	23.082	+ 0.376	-22.068	+ 0.310	-22.174	+ 0.491	13.146	- 0.497	-54.679	-1.033	-22.074	- 0.422
16	15.380	-4.427	19.158	1.173	22.987	+ 0.414	-22.079	+ 0.308	-22.169	+ 0.488	13.153	- 0.497	-54.733	-1.034	-22.080	- 0.423
17	15.358	-4.579	18.988	1.172	22.881	+ 0.452	-22.089	+ 0.307	-22.164	+ 0.485	13.160	- 0.497	-54.789	-1.034	-22.085	- 0.425
18	15.364	-4.709	18.816	1.171	22.763	+ 0.490	-22.100	+ 0.305	-22.159	+ 0.482	13.167	- 0.498	-54.847	-1.035	-22.091	- 0.426
19	15.398	-4.814	18.642	1.170	22.634	+ 0.527	-22.110	+ 0.304	-22.154	+ 0.478	13.173	- 0.498	-54.907	-1.036	-22.096	- 0.428
20	15.459	-4.893	18.466	1.169	22.494	+ 0.564	-22.121	+ 0.302	-22.150	+ 0.475	13.179	- 0.498	-54.968	-1.036	-22.101	- 0.430
21	15.546	-4.944	18.288	1.168	22.343	+ 0.600	-22.131	+ 0.300	-22.146	+ 0.472	13.185	- 0.499	-55.031	-1.037	-22.107	- 0.431
22	15.658	-4.967	18.108	1.167	22.182	+ 0.635	-22.141	+ 0.299	-22.142	+ 0.469	13.190	- 0.499	-55.096	-1.037	-22.112	- 0.433
23	15.792	-4.961	17.926	1.166	22.009	+ 0.670	-22.151	+ 0.297	-22.139	+ 0.466	13.195	- 0.499	-55.163	-1.038	-22.118	- 0.434
24	15.947	-4.926	17.742	1.165	21.825	+ 0.705	-22.161	+ 0.296	-22.135	+ 0.463	13.200	- 0.500	-55.231	-1.039	-22.123	- 0.436
25	16.121	-4.862	17.556	1.163	21.631	+ 0.739	-22.171	+ 0.294	-22.133	+ 0.459	13.205	- 0.500	-55.300	-1.039	-22.128	- 0.437
26	16.310	-4.771	17.368	1.162	21.427	+ 0.772	-22.181	+ 0.293	-22.130	+ 0.456	13.210	- 0.500	-55.372	-1.040	-22.134	- 0.439
27	16.512	-4.654	17.178	1.161	21.212	+ 0.805	-22.190	+ 0.291	-22.128	+ 0.453	13.214	- 0.501	-55.445	-1.040	-22.139	- 0.441
28	16.726	-4.512	16.986	1.160	20.986	+ 0.837	-22.200	+ 0.289	-22.126	+ 0.450	13.218	- 0.501	-55.519	-1.041	-22.144	- 0.442
29	16.947	-4.348	16.792	1.158	20.751	+ 0.869	-22.210	+ 0.288	-22.124	+ 0.447	13.221	- 0.501	-55.595	-1.042	-22.149	- 0.444
30	17.173	-4.163	16.597	1.157	20.506	+ 0.900	-22.219	+ 0.286	-22.122	+ 0.444	13.225	- 0.501	-55.672	-1.042	-22.154	- 0.445
31	17.401	-3.959	16.400	1.156	20.250	+ 0.930	-22.228	+ 0.285	-22.121	+ 0.440	13.228	- 0.502	-55.751	-1.043	-22.160	- 0.447

अगस्त 2019

बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
17.629	-3.740	16.201	1.154	19.985	+ 0.959	-22.237	+ 0.283	-22.121	+ 0.437	13.231	- 0.502	-55.831	-1.043	-22.165	- 0.448
17.853	-3.506	16.000	1.153	19.711	+ 0.988	-22.247	+ 0.281	-22.120	+ 0.434	13.233	- 0.502	-55.913	-1.044	-22.170	- 0.450
18.071	-3.261	15.797	1.151	19.427	1.015	-22.256	+ 0.280	-22.120	+ 0.431	13.236	- 0.503	-55.996	-1.044	-22.175	- 0.451
18.280	-3.007	15.593	1.149	19.134	1.042	-22.264	+ 0.278	-22.121	+ 0.428	13.238	- 0.503	-56.081	-1.045	-22.180	- 0.453
18.476	-2.745	15.387	1.148	18.832	1.069	-22.273	+ 0.276	-22.121	+ 0.424	13.239	- 0.503	-56.167	-1.045	-22.185	- 0.454
18.657	-2.478	15.179	1.146	18.521	1.094	-22.282	+ 0.275	-22.122	+ 0.421	13.241	- 0.504	-56.254	-1.046	-22.190	- 0.456
18.819	-2.208	14.970	1.144	18.201	1.119	-22.290	+ 0.273	-22.124	+ 0.418	13.242	- 0.504	-56.342	-1.046	-22.195	- 0.457
18.960	-1.937	14.759	1.142	17.873	1.142	-22.298	+ 0.271	-22.125	+ 0.415	13.243	- 0.504	-56.432	-1.047	-22.200	- 0.459
19.077	-1.666	14.547	1.141	17.536	1.165	-22.307	+ 0.270	-22.128	+ 0.412	13.244	- 0.505	-56.523	-1.047	-22.205	- 0.460
19.167	-1.397	14.333	1.139	17.191	1.187	-22.315	+ 0.268	-22.130	+ 0.409	13.244	- 0.505	-56.614	-1.048	-22.209	- 0.462
19.226	-1.132	14.118	1.137	16.838	1.208	-22.323	+ 0.266	-22.133	+ 0.405	13.244	- 0.505	-56.707	-1.048	-22.214	- 0.463
19.252	- 0.872	13.901	1.135	16.478	1.228	-22.330	+ 0.265	-22.136	+ 0.402	13.244	- 0.506	-56.801	-1.049	-22.219	- 0.465
19.242	- 0.619	13.683	1.133	16.109	1.247	-22.338	+ 0.263	-22.139	+ 0.399	13.244	- 0.506	-56.896	-1.049	-22.224	- 0.466
19.193	- 0.374	13.463	1.131	15.734	1.265	-22.346	+ 0.261	-22.143	+ 0.396	13.243	- 0.506	-56.992	-1.050	-22.228	- 0.468
19.104	- 0.139	13.242	1.129	15.351	1.282	-22.353	+ 0.259	-22.147	+ 0.393	13.242	- 0.506	-57.089	-1.050	-22.233	- 0.469
18.972	+ 0.086	13.019	1.126	14.961	1.298	-22.360	+ 0.258	-22.152	+ 0.390	13.241	- 0.507	-57.187	-1.050	-22.237	- 0.470
18.795	+ 0.299	12.795	1.124	14.564	1.314	-22.367	+ 0.256	-22.157	+ 0.387	13.239	- 0.507	-57.286	-1.051	-22.242	- 0.472
18.574	+ 0.500	12.570	1.122	14.161	1.328	-22.374	+ 0.254	-22.162	+ 0.384	13.238	- 0.507	-57.386	-1.051	-22.246	- 0.473
18.306	+ 0.687	12.343	1.120	13.751	1.341	-22.381	+ 0.253	-22.167	+ 0.380	13.236	- 0.508	-57.487	-1.052	-22.251	- 0.475
17.992	+ 0.860	12.116	1.117	13.335	1.353	-22.388	+ 0.251	-22.173	+ 0.377	13.233	- 0.508	-57.588	-1.052	-22.255	- 0.476
17.632	1.018	11.886	1.115	12.913	1.364	-22.394	+ 0.249	-22.179	+ 0.374	13.231	- 0.508	-57.691	-1.052	-22.259	- 0.478
17.228	1.161	11.656	1.113	12.485	1.374	-22.400	+ 0.247	-22.186	+ 0.371	13.228	- 0.509	-57.793	-1.053	-22.263	- 0.479
16.781	1.288	11.424	1.110	12.051	1.384	-22.406	+ 0.246	-22.192	+ 0.368	13.225	- 0.509	-57.897	-1.053	-22.268	- 0.481
16.292	1.400	11.192	1.108	11.612	1.392	-22.412	+ 0.244	-22.200	+ 0.365	13.222	- 0.509	-58.001	-1.053	-22.272	- 0.482
15.764	1.497	10.958	1.105	11.167	1.399	-22.418	+ 0.242	-22.207	+ 0.362	13.218	- 0.509	-58.106	-1.054	-22.276	- 0.483
15.201	1.578	10.723	1.103	10.718	1.404	-22.424	+ 0.241	-22.215	+ 0.359	13.214	- 0.510	-58.211	-1.054	-22.280	- 0.485
14.604	1.645	10.486	1.100	10.263	1.409	-22.429	+ 0.239	-22.223	+ 0.356	13.210	- 0.510	-58.317	-1.054	-22.284	- 0.486
13.976	1.697	10.249	1.097	9.804	1.413	-22.435	+ 0.237	-22.231	+ 0.353	13.206	- 0.510	-58.423	-1.055	-22.288	- 0.488
13.321	1.735	10.011	1.095	9.341	1.416	-22.440	+ 0.235	-22.240	+ 0.350	13.201	- 0.510	-58.530	-1.055	-22.291	- 0.489
12.641	1.760	9.771	1.092	8.873	1.417	-22.445	+ 0.234	-22.249	+ 0.347	13.196	- 0.511	-58.637	-1.055	-22.295	- 0.490
11.940	1.772	9.531	1.089	8.401	1.418	-22.450	+ 0.232	-22.258	+ 0.344	13.191	- 0.511	-58.745	-1.055	-22.299	- 0.492

सितम्बर 2019

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	11.220	1.772	9.289	1.086	7.926	1.417	-22.455	+ 0.230	-22.268	+ 0.342	13.186	- 0.511	-58.853	-1.056	-22.303	- 0.493
2	10.484	1.762	9.047	1.083	7.446	1.416	-22.459	+ 0.229	-22.278	+ 0.339	13.180	- 0.512	-58.961	-1.056	-22.306	- 0.495
3	9.735	1.740	8.804	1.080	6.964	1.413	-22.463	+ 0.227	-22.288	+ 0.336	13.174	- 0.512	-59.070	-1.056	-22.310	- 0.496
4	8.973	1.709	8.560	1.077	6.478	1.409	-22.468	+ 0.225	-22.298	+ 0.333	13.168	- 0.512	-59.179	-1.056	-22.313	- 0.497
5	8.203	1.669	8.314	1.074	5.989	1.404	-22.472	+ 0.223	-22.309	+ 0.330	13.162	- 0.512	-59.287	-1.057	-22.316	- 0.499
6	7.425	1.620	8.068	1.071	5.497	1.398	-22.476	+ 0.222	-22.319	+ 0.327	13.155	- 0.513	-59.396	-1.057	-22.320	- 0.500
7	6.642	1.563	7.822	1.068	5.003	1.391	-22.479	+ 0.220	-22.331	+ 0.324	13.149	- 0.513	-59.505	-1.057	-22.323	- 0.501
8	5.854	1.500	7.574	1.065	4.506	1.383	-22.483	+ 0.218	-22.342	+ 0.322	13.142	- 0.513	-59.614	-1.057	-22.326	- 0.503
9	5.065	1.429	7.326	1.062	4.007	1.374	-22.486	+ 0.217	-22.353	+ 0.319	13.134	- 0.513	-59.723	-1.057	-22.329	- 0.504
10	4.273	1.352	7.077	1.059	3.506	1.363	-22.489	+ 0.215	-22.365	+ 0.316	13.127	- 0.513	-59.832	-1.057	-22.332	- 0.506
11	3.482	1.270	6.827	1.055	3.003	1.352	-22.492	+ 0.213	-22.377	+ 0.313	13.119	- 0.514	-59.941	-1.058	-22.335	- 0.507
12	2.692	1.182	6.576	1.052	2.498	1.340	-22.495	+ 0.211	-22.389	+ 0.310	13.111	- 0.514	-60.049	-1.058	-22.338	- 0.508
13	1.904	1.089	6.325	1.049	1.993	1.326	-22.498	+ 0.210	-22.402	+ 0.308	13.103	- 0.514	-60.158	-1.058	-22.341	- 0.510
14	1.119	+ 0.993	6.073	1.045	1.486	1.312	-22.500	+ 0.208	-22.414	+ 0.305	13.095	- 0.514	-60.266	-1.058	-22.344	- 0.511
15	+ 0.338	+ 0.892	5.821	1.042	+ 0.978	1.296	-22.503	+ 0.206	-22.427	+ 0.302	13.086	- 0.515	-60.374	-1.058	-22.346	- 0.512
16	- 0.438	+ 0.788	5.568	1.038	+ 0.469	1.280	-22.505	+ 0.205	-22.440	+ 0.300	13.077	- 0.515	-60.482	-1.058	-22.349	- 0.514
17	-1.210	+ 0.680	5.314	1.035	- 0.040	1.262	-22.507	+ 0.203	-22.453	+ 0.297	13.068	- 0.515	-60.590	-1.058	-22.352	- 0.515
18	-1.976	+ 0.570	5.060	1.031	- 0.550	1.243	-22.509	+ 0.201	-22.467	+ 0.294	13.059	- 0.515	-60.697	-1.058	-22.354	- 0.516
19	-2.735	+ 0.457	4.805	1.028	-1.060	1.224	-22.510	+ 0.200	-22.480	+ 0.292	13.050	- 0.515	-60.803	-1.058	-22.356	- 0.518
20	-3.488	+ 0.342	4.550	1.024	-1.570	1.203	-22.512	+ 0.198	-22.493	+ 0.289	13.040	- 0.515	-60.909	-1.058	-22.359	- 0.519
21	-4.234	+ 0.225	4.294	1.020	-2.080	1.182	-22.513	+ 0.196	-22.507	+ 0.287	13.030	- 0.516	-61.015	-1.059	-22.361	- 0.520
22	-4.971	+ 0.107	4.037	1.017	-2.589	1.160	-22.514	+ 0.195	-22.521	+ 0.284	13.020	- 0.516	-61.120	-1.059	-22.363	- 0.522
23	-5.701	- 0.012	3.781	1.013	-3.098	1.136	-22.515	+ 0.193	-22.535	+ 0.281	13.010	- 0.516	-61.224	-1.059	-22.365	- 0.523
24	-6.422	- 0.133	3.524	1.009	-3.606	1.112	-22.516	+ 0.191	-22.549	+ 0.279	13.000	- 0.516	-61.328	-1.059	-22.367	- 0.524
25	-7.133	- 0.255	3.266	1.005	-4.113	1.087	-22.517	+ 0.190	-22.563	+ 0.276	12.989	- 0.516	-61.431	-1.059	-22.369	- 0.525
26	-7.836	- 0.378	3.008	1.001	-4.619	1.061	-22.517	+ 0.188	-22.577	+ 0.274	12.979	- 0.516	-61.534	-1.059	-22.371	- 0.527
27	-8.528	- 0.501	2.750	+ 0.997	-5.124	1.034	-22.517	+ 0.186	-22.592	+ 0.271	12.968	- 0.516	-61.636	-1.059	-22.373	- 0.528
28	-9.210	- 0.625	2.491	+ 0.993	-5.626	1.006	-22.517	+ 0.185	-22.606	+ 0.269	12.957	- 0.517	-61.737	-1.058	-22.375	- 0.529
29	-9.882	- 0.748	2.232	+ 0.989	-6.127	+ 0.977	-22.517	+ 0.183	-22.620	+ 0.266	12.946	- 0.517	-61.837	-1.058	-22.376	- 0.531
30	-10.543	- 0.871	1.973	+ 0.985	-6.626	+ 0.948	-22.517	+ 0.181	-22.635	+ 0.264	12.934	- 0.517	-61.936	-1.058	-22.378	- 0.532

अक्टूबर 2019

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	-11.192	- 0.994	1.714	+ 0.981	-7.123	+ 0.917	-22.517	+ 0.180	-22.649	+ 0.261	12.923	- 0.517	-62.035	-1.058	-22.379	- 0.533
2	-11.830	-1.116	1.454	+ 0.977	-7.617	+ 0.886	-22.516	+ 0.178	-22.664	+ 0.259	12.911	- 0.517	-62.132	-1.058	-22.381	- 0.534
3	-12.455	-1.237	1.195	+ 0.972	-8.108	+ 0.854	-22.515	+ 0.176	-22.679	+ 0.257	12.899	- 0.517	-62.229	-1.058	-22.382	- 0.536
4	-13.068	-1.357	+ 0.935	+ 0.968	-8.597	+ 0.821	-22.514	+ 0.175	-22.693	+ 0.254	12.887	- 0.517	-62.324	-1.058	-22.383	- 0.537
5	-13.668	-1.475	+ 0.675	+ 0.964	-9.082	+ 0.788	-22.513	+ 0.173	-22.708	+ 0.252	12.875	- 0.517	-62.418	-1.058	-22.384	- 0.538
6	-14.254	-1.593	+ 0.415	+ 0.959	-9.564	+ 0.754	-22.512	+ 0.172	-22.723	+ 0.250	12.863	- 0.517	-62.511	-1.058	-22.385	- 0.540
7	-14.826	-1.708	+ 0.154	+ 0.955	-10.043	+ 0.719	-22.510	+ 0.170	-22.737	+ 0.247	12.851	- 0.517	-62.603	-1.058	-22.386	- 0.541
8	-15.385	-1.821	- 0.105	+ 0.950	-10.518	+ 0.684	-22.508	+ 0.168	-22.752	+ 0.245	12.838	- 0.517	-62.694	-1.058	-22.387	- 0.542
9	-15.928	-1.932	- 0.365	+ 0.946	-10.988	+ 0.648	-22.506	+ 0.167	-22.766	+ 0.243	12.826	- 0.517	-62.784	-1.057	-22.388	- 0.543
10	-16.455	-2.040	- 0.625	+ 0.941	-11.455	+ 0.611	-22.504	+ 0.165	-22.781	+ 0.240	12.813	- 0.517	-62.873	-1.057	-22.389	- 0.545
11	-16.967	-2.145	- 0.885	+ 0.937	-11.917	+ 0.574	-22.502	+ 0.164	-22.795	+ 0.238	12.800	- 0.517	-62.960	-1.057	-22.390	- 0.546
12	-17.462	-2.247	-1.145	+ 0.932	-12.374	+ 0.536	-22.500	+ 0.162	-22.810	+ 0.236	12.787	- 0.517	-63.046	-1.057	-22.390	- 0.547
13	-17.940	-2.345	-1.405	+ 0.927	-12.827	+ 0.497	-22.497	+ 0.160	-22.824	+ 0.233	12.774	- 0.517	-63.130	-1.057	-22.391	- 0.548
14	-18.400	-2.440	-1.665	+ 0.922	-13.274	+ 0.459	-22.494	+ 0.159	-22.839	+ 0.231	12.761	- 0.517	-63.214	-1.057	-22.391	- 0.550
15	-18.841	-2.529	-1.925	+ 0.918	-13.716	+ 0.419	-22.491	+ 0.157	-22.853	+ 0.229	12.748	- 0.517	-63.295	-1.056	-22.392	- 0.551
16	-19.263	-2.614	-2.185	+ 0.913	-14.153	+ 0.379	-22.488	+ 0.156	-22.867	+ 0.227	12.735	- 0.517	-63.376	-1.056	-22.392	- 0.552
17	-19.664	-2.694	-2.444	+ 0.908	-14.584	+ 0.339	-22.485	+ 0.154	-22.881	+ 0.225	12.722	- 0.517	-63.454	-1.056	-22.392	- 0.554
18	-20.044	-2.768	-2.704	+ 0.903	-15.009	+ 0.298	-22.481	+ 0.153	-22.895	+ 0.222	12.708	- 0.517	-63.532	-1.056	-22.393	- 0.555
19	-20.401	-2.835	-2.963	+ 0.898	-15.428	+ 0.257	-22.477	+ 0.151	-22.909	+ 0.220	12.695	- 0.517	-63.607	-1.055	-22.393	- 0.556
20	-20.735	-2.895	-3.221	+ 0.893	-15.840	+ 0.216	-22.474	+ 0.150	-22.923	+ 0.218	12.682	- 0.517	-63.682	-1.055	-22.393	- 0.557
21	-21.044	-2.948	-3.480	+ 0.888	-16.246	+ 0.174	-22.469	+ 0.148	-22.936	+ 0.216	12.668	- 0.517	-63.754	-1.055	-22.393	- 0.559
22	-21.326	-2.991	-3.738	+ 0.883	-16.645	+ 0.132	-22.465	+ 0.147	-22.950	+ 0.214	12.655	- 0.517	-63.825	-1.055	-22.393	- 0.560
23	-21.581	-3.026	-3.996	+ 0.877	-17.037	+ 0.089	-22.461	+ 0.145	-22.963	+ 0.212	12.641	- 0.517	-63.894	-1.054	-22.392	- 0.561
24	-21.807	-3.049	-4.254	+ 0.872	-17.422	+ 0.047	-22.456	+ 0.144	-22.976	+ 0.210	12.627	- 0.517	-63.962	-1.054	-22.392	- 0.562
25	-22.000	-3.061	-4.511	+ 0.867	-17.799	+ 0.004	-22.451	+ 0.142	-22.989	+ 0.208	12.614	- 0.517	-64.028	-1.054	-22.392	- 0.564
26	-22.160	-3.060	-4.767	+ 0.861	-18.169	- 0.038	-22.446	+ 0.141	-23.002	+ 0.205	12.600	- 0.517	-64.093	-1.054	-22.391	- 0.565
27	-22.284	-3.045	-5.024	+ 0.856	-18.530	- 0.081	-22.441	+ 0.139	-23.015	+ 0.203	12.587	- 0.517	-64.155	-1.053	-22.391	- 0.566
28	-22.370	-3.014	-5.279	+ 0.850	-18.884	- 0.125	-22.436	+ 0.138	-23.027	+ 0.201	12.573	- 0.517	-64.216	-1.053	-22.390	- 0.567
29	-22.413	-2.966	-5.535	+ 0.845	-19.229	- 0.168	-22.430	+ 0.136	-23.040	+ 0.199	12.559	- 0.516	-64.275	-1.053	-22.390	- 0.569
30	-22.411	-2.899	-5.789	+ 0.839	-19.566	- 0.212	-22.424	+ 0.135	-23.052	+ 0.197	12.546	- 0.516	-64.332	-1.052	-22.389	- 0.570
31	-22.361	-2.811	-6.044	+ 0.834	-19.893	- 0.255	-22.418	+ 0.133	-23.064	+ 0.195	12.532	- 0.516	-64.387	-1.052	-22.388	- 0.571

नवम्बर 2019

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	-22.259	-2.701	-6.297	+ 0.828	-20.212	- 0.299	-22.412	+ 0.132	-23.075	+ 0.193	12.518	- 0.516	-64.440	-1.052	-22.387	- 0.572
2	-22.100	-2.566	-6.550	+ 0.822	-20.522	- 0.342	-22.406	+ 0.130	-23.087	+ 0.191	12.505	- 0.516	-64.491	-1.051	-22.386	- 0.574
3	-21.881	-2.406	-6.802	+ 0.816	-20.822	- 0.386	-22.399	+ 0.129	-23.098	+ 0.189	12.491	- 0.516	-64.540	-1.051	-22.385	- 0.575
4	-21.598	-2.218	-7.054	+ 0.810	-21.113	- 0.430	-22.392	+ 0.127	-23.109	+ 0.187	12.478	- 0.516	-64.588	-1.051	-22.384	- 0.576
5	-21.249	-2.002	-7.305	+ 0.805	-21.394	- 0.473	-22.385	+ 0.126	-23.120	+ 0.185	12.464	- 0.515	-64.633	-1.050	-22.383	- 0.577
6	-20.833	-1.758	-7.555	+ 0.799	-21.664	- 0.516	-22.378	+ 0.124	-23.130	+ 0.183	12.451	- 0.515	-64.677	-1.050	-22.382	- 0.579
7	-20.351	-1.487	-7.804	+ 0.793	-21.925	- 0.559	-22.371	+ 0.123	-23.141	+ 0.182	12.437	- 0.515	-64.718	-1.050	-22.380	- 0.580
8	-19.805	-1.191	-8.053	+ 0.786	-22.175	- 0.602	-22.363	+ 0.122	-23.151	+ 0.180	12.424	- 0.515	-64.758	-1.049	-22.379	- 0.581
9	-19.202	- 0.874	-8.300	+ 0.780	-22.415	- 0.645	-22.356	+ 0.120	-23.161	+ 0.178	12.411	- 0.514	-64.795	-1.049	-22.377	- 0.582
10	-18.553	- 0.541	-8.547	+ 0.774	-22.644	- 0.687	-22.348	+ 0.119	-23.170	+ 0.176	12.397	- 0.514	-64.830	-1.048	-22.376	- 0.584
11	-17.872	- 0.199	-8.793	+ 0.768	-22.862	- 0.729	-22.340	+ 0.117	-23.179	+ 0.174	12.384	- 0.514	-64.864	-1.048	-22.374	- 0.585
12	-17.177	+ 0.144	-9.038	+ 0.762	-23.070	- 0.771	-22.331	+ 0.116	-23.188	+ 0.172	12.371	- 0.514	-64.895	-1.048	-22.373	- 0.586
13	-16.487	+ 0.483	-9.282	+ 0.755	-23.266	- 0.812	-22.323	+ 0.115	-23.197	+ 0.170	12.358	- 0.514	-64.924	-1.047	-22.371	- 0.587
14	-15.823	+ 0.808	-9.525	+ 0.749	-23.450	- 0.853	-22.314	+ 0.113	-23.205	+ 0.168	12.345	- 0.513	-64.951	-1.047	-22.369	- 0.589
15	-15.204	1.113	-9.768	+ 0.742	-23.624	- 0.894	-22.305	+ 0.112	-23.213	+ 0.167	12.333	- 0.513	-64.975	-1.046	-22.367	- 0.590
16	-14.647	1.392	-10.009	+ 0.736	-23.785	- 0.934	-22.296	+ 0.110	-23.221	+ 0.165	12.320	- 0.513	-64.998	-1.046	-22.365	- 0.591
17	-14.165	1.640	-10.249	+ 0.729	-23.935	- 0.974	-22.287	+ 0.109	-23.228	+ 0.163	12.308	- 0.512	-65.018	-1.046	-22.363	- 0.592
18	-13.768	1.856	-10.488	+ 0.723	-24.073	-1.013	-22.278	+ 0.108	-23.235	+ 0.161	12.295	- 0.512	-65.036	-1.045	-22.361	- 0.594
19	-13.460	2.037	-10.726	+ 0.716	-24.199	-1.051	-22.268	+ 0.106	-23.242	+ 0.159	12.283	- 0.512	-65.052	-1.045	-22.359	- 0.595
20	-13.244	2.186	-10.962	+ 0.709	-24.314	-1.090	-22.258	+ 0.105	-23.248	+ 0.157	12.271	- 0.512	-65.066	-1.044	-22.357	- 0.596
21	-13.117	2.302	-11.198	+ 0.702	-24.416	-1.127	-22.248	+ 0.104	-23.255	+ 0.156	12.259	- 0.511	-65.078	-1.044	-22.355	- 0.598
22	-13.073	2.387	-11.432	+ 0.695	-24.505	-1.164	-22.238	+ 0.102	-23.260	+ 0.154	12.247	- 0.511	-65.088	-1.043	-22.353	- 0.599
23	-13.108	2.445	-11.665	+ 0.688	-24.583	-1.200	-22.228	+ 0.101	-23.266	+ 0.152	12.235	- 0.511	-65.095	-1.043	-22.350	- 0.600
24	-13.214	2.477	-11.897	+ 0.681	-24.648	-1.236	-22.217	+ 0.100	-23.271	+ 0.150	12.224	- 0.510	-65.100	-1.043	-22.348	- 0.601
25	-13.382	2.486	-12.128	+ 0.674	-24.701	-1.271	-22.206	+ 0.098	-23.276	+ 0.149	12.212	- 0.510	-65.103	-1.042	-22.345	- 0.603
26	-13.605	2.475	-12.357	+ 0.667	-24.741	-1.305	-22.195	+ 0.097	-23.280	+ 0.147	12.201	- 0.510	-65.103	-1.042	-22.343	- 0.604
27	-13.875	2.446	-12.585	+ 0.660	-24.769	-1.338	-22.184	+ 0.096	-23.284	+ 0.145	12.190	- 0.509	-65.102	-1.041	-22.340	- 0.605
28	-14.186	2.402	-12.811	+ 0.652	-24.784	-1.371	-22.173	+ 0.094	-23.288	+ 0.143	12.179	- 0.509	-65.098	-1.041	-22.338	- 0.606
29	-14.529	2.344	-13.036	+ 0.645	-24.786	-1.402	-22.161	+ 0.093	-23.291	+ 0.142	12.168	- 0.508	-65.091	-1.040	-22.335	- 0.608
30	-14.900	2.274	-13.260	+ 0.638	-24.776	-1.433	-22.150	+ 0.092	-23.294	+ 0.140	12.158	- 0.508	-65.083	-1.040	-22.332	- 0.609

दिसम्बर 2019

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	-15.292	2.194	-13.482	+ 0.630	-24.754	-1.463	-22.138	+ 0.090	-23.296	+ 0.138	12.147	- 0.508	-65.072	-1.039	-22.329	- 0.610
2	-15.701	2.105	-13.702	+ 0.622	-24.719	-1.493	-22.126	+ 0.089	-23.299	+ 0.137	12.137	- 0.507	-65.059	-1.039	-22.326	- 0.612
3	-16.122	2.009	-13.921	+ 0.615	-24.671	-1.521	-22.114	+ 0.088	-23.300	+ 0.135	12.127	- 0.507	-65.044	-1.039	-22.324	- 0.613
4	-16.552	1.907	-14.138	+ 0.607	-24.611	-1.548	-22.101	+ 0.086	-23.302	+ 0.133	12.117	- 0.506	-65.026	-1.038	-22.321	- 0.614
5	-16.986	1.800	-14.354	+ 0.599	-24.539	-1.574	-22.089	+ 0.085	-23.303	+ 0.131	12.108	- 0.506	-65.007	-1.038	-22.318	- 0.616
6	-17.423	1.688	-14.568	+ 0.591	-24.454	-1.600	-22.076	+ 0.084	-23.303	+ 0.130	12.098	- 0.506	-64.985	-1.037	-22.315	- 0.617
7	-17.859	1.573	-14.780	+ 0.584	-24.357	-1.624	-22.063	+ 0.082	-23.304	+ 0.128	12.089	- 0.505	-64.961	-1.037	-22.311	- 0.618
8	-18.292	1.455	-14.991	+ 0.576	-24.247	-1.647	-22.050	+ 0.081	-23.304	+ 0.126	12.080	- 0.505	-64.934	-1.036	-22.308	- 0.620
9	-18.719	1.335	-15.199	+ 0.567	-24.126	-1.669	-22.036	+ 0.080	-23.303	+ 0.125	12.072	- 0.504	-64.906	-1.036	-22.305	- 0.621
10	-19.140	1.213	-15.406	+ 0.559	-23.992	-1.690	-22.023	+ 0.079	-23.302	+ 0.123	12.063	- 0.504	-64.875	-1.035	-22.302	- 0.622
11	-19.553	1.089	-15.612	+ 0.551	-23.846	-1.710	-22.009	+ 0.077	-23.301	+ 0.122	12.055	- 0.503	-64.841	-1.035	-22.298	- 0.624
12	-19.955	+ 0.965	-15.815	+ 0.543	-23.689	-1.729	-21.995	+ 0.076	-23.299	+ 0.120	12.047	- 0.503	-64.806	-1.034	-22.295	- 0.625
13	-20.347	+ 0.841	-16.016	+ 0.535	-23.519	-1.747	-21.981	+ 0.075	-23.297	+ 0.118	12.039	- 0.503	-64.768	-1.034	-22.292	- 0.626
14	-20.726	+ 0.716	-16.216	+ 0.526	-23.338	-1.763	-21.967	+ 0.074	-23.294	+ 0.117	12.032	- 0.502	-64.728	-1.034	-22.288	- 0.628
15	-21.092	+ 0.592	-16.413	+ 0.518	-23.146	-1.779	-21.952	+ 0.072	-23.291	+ 0.115	12.024	- 0.502	-64.686	-1.033	-22.285	- 0.629
16	-21.444	+ 0.468	-16.609	+ 0.509	-22.942	-1.793	-21.938	+ 0.071	-23.288	+ 0.113	12.017	- 0.501	-64.642	-1.033	-22.281	- 0.630
17	-21.781	+ 0.345	-16.803	+ 0.500	-22.726	-1.805	-21.923	+ 0.070	-23.284	+ 0.112	12.011	- 0.501	-64.596	-1.032	-22.278	- 0.632
18	-22.102	+ 0.224	-16.994	+ 0.492	-22.500	-1.817	-21.908	+ 0.069	-23.280	+ 0.110	12.004	- 0.500	-64.547	-1.032	-22.274	- 0.633
19	-22.407	+ 0.103	-17.184	+ 0.483	-22.263	-1.827	-21.893	+ 0.067	-23.275	+ 0.109	11.998	- 0.500	-64.497	-1.031	-22.271	- 0.634
20	-22.695	- 0.015	-17.371	+ 0.474	-22.015	-1.836	-21.878	+ 0.066	-23.271	+ 0.107	11.992	- 0.499	-64.444	-1.031	-22.267	- 0.636
21	-22.965	- 0.133	-17.557	+ 0.465	-21.756	-1.844	-21.863	+ 0.065	-23.265	+ 0.105	11.986	- 0.499	-64.389	-1.031	-22.263	- 0.637
22	-23.217	- 0.249	-17.740	+ 0.456	-21.487	-1.850	-21.847	+ 0.064	-23.259	+ 0.104	11.981	- 0.498	-64.332	-1.030	-22.260	- 0.638
23	-23.450	- 0.363	-17.921	+ 0.447	-21.208	-1.855	-21.832	+ 0.062	-23.253	+ 0.102	11.975	- 0.498	-64.273	-1.030	-22.256	- 0.640
24	-23.664	- 0.474	-18.099	+ 0.438	-20.919	-1.859	-21.816	+ 0.061	-23.247	+ 0.101	11.971	- 0.497	-64.212	-1.029	-22.252	- 0.641
25	-23.858	℞ - 0.584	-18.276	℞ + 0.428	-20.620	-1.861	-21.800	℞ + 0.060	-23.240	℞ + 0.099	11.966	℞ - 0.497	-64.148	-1.029	-22.248	℞ - 0.643
26	-24.033	℞ - 0.691	-18.450	℞ + 0.419	-20.311	-1.862	-21.784	℞ + 0.059	-23.232	℞ + 0.098	11.962	℞ - 0.496	-64.083	-1.028	-22.244	℞ - 0.644
27	-24.186	℞ - 0.795	-18.622	℞ + 0.410	-19.992	-1.862	-21.767	℞ + 0.057	-23.224	℞ + 0.096	11.957	℞ - 0.496	-64.015	-1.028	-22.240	℞ - 0.645
28	-24.319	℞ - 0.897	-18.791	℞ + 0.400	-19.664	-1.860	-21.751	℞ + 0.056	-23.216	℞ + 0.095	11.954	℞ - 0.495	-63.946	-1.028	-22.237	℞ - 0.647
29	-24.431	℞ - 0.995	-18.958	℞ + 0.390	-19.328	-1.857	-21.734	℞ + 0.055	-23.207	℞ + 0.093	11.950	℞ - 0.495	-63.874	-1.027	-22.233	℞ - 0.648
30	-24.521	-1.091	-19.123	℞ + 0.381	-18.982	-1.852	-21.718	℞ + 0.054	-23.198	℞ + 0.091	11.947	℞ - 0.494	-63.800	-1.027	-22.229	℞ - 0.650
31	-24.589	-1.183	-19.285	℞ + 0.371	-18.628	-1.846	-21.701	℞ + 0.053	-23.189	℞ + 0.090	11.944	℞ - 0.494	-63.725	-1.026	-22.225	℞ - 0.651

जनवरी 2020

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	-24.635	-1.272	-19.445	+0.361	-18.265	-1.839	-21.684	+0.051	-23.179	+0.088	11.941	-0.493	-63.647	-1.026	-22.221	-0.652
2	-24.658	-1.358	-19.602	+0.351	-17.894	-1.830	-21.667	+0.050	-23.169	+0.087	11.939	-0.493	-63.568	-1.026	-22.217	-0.654
3	-24.659	-1.440	-19.756	+0.341	-17.515	-1.819	-21.649	+0.049	-23.158	+0.085	11.937	-0.492	-63.487	-1.025	-22.213	-0.655
4	-24.636	-1.518	-19.908	+0.331	-17.128	-1.807	-21.632	+0.048	-23.147	+0.083	11.935	-0.492	-63.404	-1.025	-22.209	-0.657
5	-24.590	-1.592	-20.057	+0.321	-16.733	-1.794	-21.614	+0.046	-23.136	+0.082	11.934	-0.491	-63.318	-1.024	-22.205	-0.658
6	-24.519	-1.662	-20.204	+0.310	-16.331	-1.779	-21.597	+0.045	-23.124	+0.080	11.933	-0.491	-63.231	-1.024	-22.201	-0.660
7	-24.425	-1.727	-20.348	+0.300	-15.922	-1.762	-21.579	+0.044	-23.112	+0.079	11.932	-0.490	-63.142	-1.024	-22.197	-0.661
8	-24.307	-1.788	-20.489	+0.290	-15.506	-1.745	-21.561	+0.043	-23.099	+0.077	11.931	-0.490	-63.052	-1.023	-22.193	-0.662
9	-24.164	-1.844	-20.628	+0.279	-15.084	-1.725	-21.543	+0.042	-23.087	+0.076	11.931	-0.489	-62.959	-1.023	-22.188	-0.664
10	-23.996	-1.896	-20.764	+0.268	-14.655	-1.704	-21.525	+0.040	-23.073	+0.074	11.931	-0.488	-62.865	-1.023	-22.184	-0.665
11	-23.803	-1.942	-20.897	+0.258	-14.219	-1.682	-21.507	+0.039	-23.060	+0.073	11.931	-0.488	-62.769	-1.022	-22.180	-0.667
12	-23.586	-1.983	-21.027	+0.247	-13.778	-1.658	-21.489	+0.038	-23.045	+0.071	11.932	-0.487	-62.671	-1.022	-22.176	-0.668
13	-23.343	-2.018	-21.154	+0.236	-13.331	-1.633	-21.470	+0.037	-23.031	+0.070	11.933	-0.487	-62.571	-1.022	-22.172	-0.670
14	-23.074	-2.047	-21.279	+0.225	-12.878	-1.606	-21.452	+0.036	-23.016	+0.068	11.934	-0.486	-62.470	-1.021	-22.168	-0.671
15	-22.780	-2.070	-21.401	+0.214	-12.419	-1.578	-21.433	+0.034	-23.001	+0.067	11.936	-0.486	-62.368	-1.021	-22.164	-0.673
16	-22.460	-2.087	-21.519	+0.203	-11.956	-1.548	-21.414	+0.033	-22.986	+0.065	11.937	-0.485	-62.263	-1.021	-22.160	-0.674
17	-22.114	-2.097	-21.635	+0.191	-11.488	-1.517	-21.396	+0.032	-22.970	+0.063	11.940	-0.485	-62.158	-1.020	-22.156	-0.676
18	-21.742	-2.100	-21.748	+0.180	-11.014	-1.484	-21.377	+0.031	-22.954	+0.062	11.942	-0.484	-62.050	-1.020	-22.152	-0.677
19	-21.345	-2.096	-21.858	+0.168	-10.537	-1.450	-21.358	+0.030	-22.937	+0.060	11.945	-0.484	-61.941	-1.020	-22.147	-0.679
20	-20.922	-2.084	-21.965	+0.157	-10.055	-1.414	-21.339	+0.029	-22.920	+0.059	11.948	-0.483	-61.830	-1.020	-22.143	-0.680
21	-20.473	-2.065	-22.068	+0.145	-9.569	-1.377	-21.320	+0.027	-22.903	+0.057	11.951	-0.482	-61.718	-1.019	-22.139	-0.682
22	-19.998	-2.036	-22.169	+0.133	-9.079	-1.338	-21.300	+0.026	-22.886	+0.056	11.955	-0.482	-61.604	-1.019	-22.135	-0.683
23	-19.499	-1.999	-22.267	+0.121	-8.585	-1.299	-21.281	+0.025	-22.868	+0.054	11.959	-0.481	-61.489	-1.019	-22.131	-0.685
24	-18.975	-1.953	-22.361	+0.109	-8.088	-1.257	-21.262	+0.024	-22.850	+0.053	11.963	-0.481	-61.372	-1.018	-22.127	-0.686
25	-18.426	-1.898	-22.453	+0.097	-7.587	-1.214	-21.243	+0.023	-22.831	+0.051	11.967	-0.480	-61.254	-1.018	-22.123	-0.688
26	-17.854	-1.832	-22.541	+0.085	-7.084	-1.170	-21.223	+0.021	-22.812	+0.049	11.972	-0.480	-61.135	-1.018	-22.119	-0.690
27	-17.259	-1.756	-22.626	+0.073	-6.577	-1.125	-21.204	+0.020	-22.793	+0.048	11.977	-0.479	-61.015	-1.018	-22.115	-0.691
28	-16.643	-1.669	-22.708	+0.060	-6.069	-1.078	-21.184	+0.019	-22.774	+0.046	11.98[illegible]	-0.479	-60.893	-1.018	-22.111	-0.693
29	-16.006	-1.570	-22.786	+0.048	-5.557	-1.029	-21.165	+0.018	-22.754	+0.045	11.9[illegible]8	-0.478	-60.770	-1.017	-22.107	-0.694
30	-15.349	-1.460	-22.862	+0.035	-5.044	-0.980	-21.145	+0.017	-22.735	+0.043	11.994	-0.478	-60.645	-1.017	-22.103	-0.696
31	-14.676	-1.338	-22.934	+0.022	-4.528	-0.928	-21.126	+0.015	-22.714	+0.042	17.000	-0.477	-60.520	-1.017	-22.099	-0.697

फरवरी 2020

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	-13.988	-1.203	-23.002	+ 0.009	-4.011	- 0.876	-21.106	+ 0.014	-22.694	+ 0.040	12.007	- 0.477	-60.393	-1.017	-22.095	- 0.699
2	-13.287	-1.055	-23.068	- 0.003	-3.492	- 0.822	-21.086	+ 0.013	-22.673	+ 0.039	12.014	- 0.476	-60.265	-1.017	-22.091	- 0.701
3	-12.577	- 0.895	-23.130	- 0.016	-2.972	- 0.767	-21.067	+ 0.012	-22.652	+ 0.037	12.021	- 0.476	-60.136	-1.016	-22.087	- 0.702
4	-11.861	- 0.721	-23.189	- 0.029	-2.451	- 0.711	-21.047	+ 0.011	-22.631	+ 0.035	12.028	- 0.475	-60.006	-1.016	-22.083	- 0.704
5	-11.143	- 0.534	-23.244	- 0.042	-1.928	- 0.654	-21.027	+ 0.009	-22.609	+ 0.034	12.036	- 0.475	-59.875	-1.016	-22.080	- 0.706
6	-10.428	- 0.334	-23.297	- 0.055	-1.405	- 0.595	-21.008	+ 0.008	-22.588	+ 0.032	12.044	- 0.474	-59.742	-1.016	-22.076	- 0.707
7	-9.720	- 0.121	-23.345	- 0.069	- 0.882	- 0.535	-20.988	+ 0.007	-22.566	+ 0.031	12.052	- 0.474	-59.609	-1.016	-22.072	- 0.709
8	-9.026	+ 0.103	-23.391	- 0.082	- 0.358	- 0.474	-20.968	+ 0.006	-22.544	+ 0.029	12.060	- 0.473	-59.475	-1.016	-22.068	- 0.710
9	-8.351	+ 0.339	-23.433	- 0.096	+ 0.165	- 0.412	-20.949	+ 0.005	-22.521	+ 0.028	12.069	- 0.473	-59.340	-1.015	-22.065	- 0.712
10	-7.702	+ 0.585	-23.471	- 0.110	+ 0.689	- 0.348	-20.929	+ 0.003	-22.499	+ 0.026	12.078	- 0.472	-59.204	-1.015	-22.061	- 0.714
11	-7.086	+ 0.840	-23.507	- 0.124	1.213	- 0.284	-20.909	+ 0.002	-22.476	+ 0.024	12.087	- 0.472	-59.067	-1.015	-22.057	- 0.715
12	-6.510	1.103	-23.538	- 0.138	1.736	- 0.218	-20.890	+ 0.001	-22.453	+ 0.023	12.097	- 0.471	-58.930	-1.015	-22.054	- 0.717
13	-5.981	1.370	-23.567	- 0.152	2.259	- 0.152	-20.870	+ 0.000	-22.430	+ 0.021	12.107	- 0.471	-58.791	-1.015	-22.050	- 0.719
14	-5.506	1.639	-23.592	- 0.166	2.781	- 0.084	-20.851	- 0.000	-22.407	+ 0.020	12.117	- 0.470	-58.652	-1.015	-22.047	- 0.720
15	-5.093	1.908	-23.613	- 0.181	3.302	- 0.016	-20.831	- 0.002	-22.384	+ 0.018	12.127	- 0.470	-58.512	-1.015	-22.043	- 0.722
16	-4.747	2.172	-23.631	- 0.195	3.821	+ 0.053	-20.812	- 0.003	-22.360	+ 0.016	12.137	- 0.469	-58.372	-1.015	-22.040	- 0.724
17	-4.474	2.429	-23.646	- 0.210	4.340	+ 0.123	-20.792	- 0.004	-22.336	+ 0.015	12.148	- 0.469	-58.230	-1.015	-22.036	- 0.725
18	-4.279	2.674	-23.657	- 0.224	4.856	+ 0.195	-20.773	- 0.005	-22.312	+ 0.013	12.159	- 0.468	-58.088	-1.015	-22.033	- 0.727
19	-4.164	2.902	-23.664	- 0.239	5.372	+ 0.267	-20.753	- 0.007	-22.288	+ 0.011	12.170	- 0.468	-57.946	-1.015	-22.030	- 0.729
20	-4.130	3.110	-23.669	- 0.254	5.885	+ 0.340	-20.734	- 0.008	-22.264	+ 0.010	12.182	- 0.467	-57.803	-1.015	-22.026	- 0.730
21	-4.178	3.293	-23.669	- 0.269	6.396	+ 0.414	-20.715	- 0.009	-22.240	+ 0.008	12.194	- 0.467	-57.659	-1.015	-22.023	- 0.732
22	-4.305	3.448	-23.666	- 0.285	6.904	+ 0.489	-20.696	- 0.010	-22.216	+ 0.006	12.206	- 0.466	-57.515	-1.015	-22.020	- 0.734
23	-4.506	3.570	-23.660	- 0.300	7.411	+ 0.564	-20.677	- 0.011	-22.191	+ 0.005	12.218	- 0.466	-57.370	-1.015	-22.017	- 0.736
24	-4.775	3.657	-23.650	- 0.315	7.914	+ 0.641	-20.658	- 0.013	-22.167	+ 0.003	12.230	- 0.465	-57.225	-1.015	-22.014	- 0.737
25	-5.104	3.708	-23.637	- 0.331	8.415	+ 0.718	-20.639	- 0.014	-22.142	+ 0.001	12.243	- 0.465	-57.080	-1.015	-22.011	- 0.739
26	-5.483	3.720	-23.620	- 0.346	8.913	+ 0.795	-20.620	- 0.015	-22.118	+ 0.000	12.256	- 0.464	-56.934	-1.015	-22.008	- 0.741
27	-5.901	3.696	-23.600	- 0.362	9.407	+ 0.873	-20.602	- 0.016	-22.093	- 0.001	12.269	- 0.464	-56.788	-1.015	-22.005	- 0.743
28	-6.349	3.635	-23.576	- 0.378	9.898	+ 0.952	-20.583	- 0.018	-22.068	- 0.003	12.282	- 0.464	-56.642	-1.015	-22.003	- 0.744
29	-6.813	3.541	-23.549	- 0.394	10.386	1.031	-20.565	- 0.019	-22.044	- 0.004	12.296	- 0.463	-56.495	-1.015	-22.000	- 0.746

मार्च 2020

	बुध		मंगल		शुक्र		शनि		गुरु		हर्षल		नेपच्यून		प्लूटो	
	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर	क्रान्ति	शर
1	-7.285	3.416	-23.518	-0.410	10.870	1.111	-20.546	-0.020	-22.019	-0.006	12.309	-0.463	-56.348	-1.015	-21.997	-0.748
2	-7.753	3.264	-23.484	-0.426	11.349	1.192	-20.528	-0.021	-21.994	-0.008	12.323	-0.462	-56.201	-1.015	-21.994	-0.750
3	-8.211	3.090	-23.447	-0.443	11.825	1.272	-20.510	-0.023	-21.969	-0.010	12.337	-0.462	-56.054	-1.015	-21.992	-0.751
4	-8.651	2.895	-23.406	-0.459	12.296	1.353	-20.492	-0.024	-21.945	-0.011	12.352	-0.461	-55.907	-1.015	-21.989	-0.753
5	-9.066	2.686	-23.361	-0.476	12.763	1.435	-20.474	-0.025	-21.920	-0.013	12.366	-0.461	-55.759	-1.015	-21.987	-0.755
6	-9.453	2.465	-23.314	-0.493	13.225	1.517	-20.456	-0.026	-21.895	-0.015	12.381	-0.461	-55.612	-1.015	-21.985	-0.757
7	-9.808	2.236	-23.262	-0.509	13.683	1.599	-20.439	-0.028	-21.871	-0.017	12.396	-0.460	-55.464	-1.015	-21.982	-0.759
8	-10.129	2.001	-23.208	-0.526	14.135	1.681	-20.421	-0.029	-21.846	-0.018	12.411	-0.460	-55.317	-1.016	-21.980	-0.760
9	-10.413	1.764	-23.150	-0.544	14.582	1.763	-20.404	-0.030	-21.822	-0.020	12.426	-0.459	-55.171	-1.016	-21.978	-0.762
10	-10.661	1.526	-23.088	-0.561	15.024	1.846	-20.387	-0.031	-21.797	-0.022	12.441	-0.459	-55.023	-1.016	-21.976	-0.764
11	-10.871	1.289	-23.024	-0.578	15.460	1.928	-20.370	-0.033	-21.773	-0.024	12.457	-0.459	-54.876	-1.016	-21.974	-0.766
12	-11.043	1.055	-22.956	-0.596	15.890	2.011	-20.354	-0.034	-21.748	-0.025	12.472	-0.458	-54.729	-1.016	-21.972	-0.768
13	-11.179	+0.826	-22.884	-0.613	16.315	2.093	-20.337	-0.035	-21.724	-0.027	12.488	-0.458	-54.582	-1.016	-21.970	-0.769
14	-11.278	+0.601	-22.809	-0.631	16.734	2.176	-20.321	-0.037	-21.700	-0.029	12.504	-0.457	-54.435	-1.016	-21.968	-0.771
15	-11.342	+0.382	-22.731	-0.649	17.146	2.258	-20.304	-0.038	-21.676	-0.031	12.520	-0.457	-54.289	-1.017	-21.966	-0.773
16	-11.371	+0.170	-22.650	-0.667	17.553	2.340	-20.288	-0.039	-21.652	-0.033	12.537	-0.457	-54.142	-1.017	-21.965	-0.775
17	-11.365	-0.034	-22.565	-0.685	17.953	2.422	-20.273	-0.040	-21.629	-0.035	12.553	-0.456	-53.996	-1.017	-21.963	-0.777
18	-11.327	-0.231	-22.477	-0.703	18.346	2.504	-20.257	-0.042	-21.605	-0.036	12.570	-0.456	-53.851	-1.017	-21.962	-0.779
19	-11.256	-0.421	-22.386	-0.721	18.733	2.585	-20.242	-0.043	-21.582	-0.038	12.58[illegible]	-0.456	-53.706	-1.017	-21.960	-0.781
20	-11.154	-0.603	-22.292	-0.740	19.113	2.666	-20.226	-0.044	-21.559	-0.040	12.FJ3	-0.455	-53.561	-1.018	-21.959	-0.782
21	-11.022	-0.777	-22.195	-0.758	19.486	2.747	-20.212	-0.046	-21.536	-0.042	12.620	-0.455	-53.417	-1.018	-21.958	-0.784

मार्च 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	3:16	14:06	3:14	14:08	3:16	13:48	2:28	14:08	3:10	13:51	3:12	14:00	3:32	14:20	3:29	13:51	3:23	14:12	2:11	13:17	2:51	13:39	2:48	13:33	3:09	14:28	2:31	13:24	3:16
2	4:05	14:56	4:03	14:58	4:05	14:38	3:17	14:57	3:59	14:41	4:01	14:50	4:21	15:11	4:18	14:42	4:12	15:03	3:00	14:07	3:40	14:29	3:37	14:23	3:58	15:18	3:20	14:14	4:04
3	4:50	15:47	4:48	15:50	4:50	15:30	4:04	15:47	4:44	15:33	4:46	15:42	5:06	16:02	5:02	15:34	4:57	15:54	3:46	14:58	4:25	15:21	4:22	15:15	4:44	16:08	4:05	15:05	4:49
4	5:32	16:39	5:30	16:41	5:31	16:24	4:48	16:36	5:25	16:25	5:28	16:34	5:48	16:54	5:42	16:28	5:39	16:46	4:29	15:49	5:07	16:13	5:03	16:07	5:28	16:58	4:47	15:57	5:30
5	6:11	17:31	6:09	17:33	6:08	17:17	5:31	17:24	6:03	17:18	6:07	17:26	6:27	17:47	6:19	17:22	6:17	17:38	5:09	16:40	5:46	17:05	5:42	16:59	6:08	17:48	5:26	16:49	6:07
6	6:47	18:23	6:46	18:24	6:43	18:10	6:11	18:11	6:39	18:11	6:43	18:18	7:03	18:38	6:53	18:16	6:54	18:30	5:47	17:30	6:22	17:57	6:18	17:52	6:47	18:37	6:03	17:40	6:42
7	7:21	19:15	7:21	19:15	7:16	19:04	6:50	18:58	7:12	19:03	7:17	19:10	7:37	19:30	7:25	19:11	7:28	19:22	6:23	18:20	6:56	18:49	6:52	18:44	7:24	19:26	6:38	18:32	7:14
8	7:54	20:07	7:54	20:07	7:47	19:57	7:28	19:44	7:45	19:56	7:50	20:02	8:10	20:22	7:56	20:05	8:01	20:13	6:57	19:10	7:29	19:41	7:25	19:36	8:00	20:15	7:11	19:23	7:46
9	8:28	20:59	8:28	20:59	8:18	20:52	8:06	20:32	8:17	20:49	8:23	20:54	8:43	21:15	8:26	21:00	8:34	21:06	7:32	20:01	8:02	20:33	7:57	20:29	8:36	21:04	7:45	20:15	8:17
10	9:01	21:52	9:02	21:52	8:50	21:47	8:45	21:20	8:50	21:43	8:56	21:48	9:17	22:08	8:57	21:57	9:08	21:59	8:07	20:53	8:36	21:27	8:30	21:22	9:13	21:55	8:19	21:08	8:49
11	9:37	22:47	9:38	22:46	9:24	22:44	9:25	22:10	9:24	22:39	9:32	22:43	9:52	23:03	9:30	22:54	9:44	22:54	8:44	21:46	9:11	22:22	9:06	22:18	9:51	22:47	8:55	22:03	9:23
12	10:15	23:44	10:17	23:43	10:01	23:42	10:09	23:02	10:02	23:37	10:10	23:40	10:30		10:06	23:54	10:22	23:51	9:24	22:42	9:49	23:19	9:44	23:15	10:32	23:41	9:33	22:59	9:59
13	10:58		11:00		10:42		10:55	23:57	10:44		10:52		11:13	0:01	10:46		11:05		10:08	23:39	10:32		10:26		11:17		10:16	23:58	10:40
14	11:46	0:43	11:48	0:41	11:28	0:42	11:46		11:31	0:36	11:40	0:39	12:00	0:59	11:32	0:54	11:52	0:50	10:56		11:19	0:18	11:13	0:14	12:07	0:38	11:04		11:27
15	12:39	1:43	12:41	1:41	12:21	1:43	12:41	0:55	12:24	1:37	12:33	1:39	12:54	1:59	12:24	1:55	12:46	1:49	11:50	0:38	12:12	1:17	12:06	1:14	13:02	1:36	11:57	0:57	12:19
16	13:38	2:42	13:41	2:40	13:20	2:43	13:40	1:53	13:23	2:36	13:33	2:38	13:53	2:58	13:24	2:55	13:45	2:49	12:49	1:37	13:12	2:17	13:05	2:14	14:01	2:35	12:56	1:56	13:19
17	14:42	3:39	14:44	3:37	14:25	3:39	14:42	2:52	14:27	3:33	14:37	3:35	14:57	3:56	14:29	3:52	14:49	3:46	13:52	2:35	14:16	3:14	14:09	3:11	15:03	3:33	14:00	2:54	14:23
18	15:49	4:33	15:51	4:32	15:33	4:32	15:45	3:49	15:35	4:27	15:44	4:29	16:04	4:50	15:38	4:44	15:56	4:40	14:58	3:30	15:22	4:08	15:16	4:05	16:08	4:29	15:06	3:48	15:32
19	16:57	5:23	16:58	5:22	16:43	5:21	16:47	4:44	16:44	5:16	16:51	5:19	17:12	5:39	16:48	5:31	17:04	5:30	16:04	4:22	16:30	4:58	16:24	4:54	17:13	5:22	16:14	4:39	16:41
20	18:04	6:10	18:05	6:09	17:52	6:05	17:48	5:36	17:52	6:01	17:59	6:05	18:19	6:25	17:59	6:15	18:11	6:16	17:09	5:10	17:38	5:44	17:32	5:40	18:16	6:11	17:20	5:25	17:51
21	19:10	6:53	19:10	6:53	19:00	6:46	18:48	6:25	18:59	6:43	19:05	6:48	19:25	7:09	19:08	6:55	19:17	7:00	18:13	5:55	18:44	6:28	18:39	6:23	19:18	6:58	18:26	6:09	18:59
22	20:14	7:35	20:14	7:35	20:07	7:25	19:46	7:13	20:04	7:24	20:09	7:30	20:30	7:50	20:16	7:33	20:21	7:41	19:15	6:39	19:48	7:09	19:44	7:04	20:19	7:43	19:30	6:51	20:06
23	21:17	8:15	21:16	8:16	21:12	8:04	20:43	8:00	21:08	8:04	21:12	8:10	21:33	8:31	21:22	8:11	21:24	8:22	20:16	7:21	20:51	7:50	20:47	7:44	21:18	8:28	20:32	7:33	21:11
24	22:18	8:57	22:17	8:58	22:15	8:43	21:39	8:47	22:11	8:44	22:14	8:52	22:35	9:12	22:26	8:49	22:25	9:04	21:16	8:04	21:53	8:31	21:49	8:25	22:17	9:12	21:33	8:14	22:14
25	23:18	9:39	23:16	9:41	23:17	9:24	22:34	9:34	23:11	9:26	23:14	9:34	23:34	9:54	23:28	9:29	23:25	9:46	22:15	8:48	22:53	9:13	22:49	9:07	23:14	9:57	22:33	8:57	23:16
26		10:24		10:26		10:07	23:29	10:23		10:09		10:18		10:39		10:11		10:31	23:11	9:34	23:50	9:57	23:47	9:51		10:44	23:30	9:42	
27	0:15	11:11	0:13	11:13	0:15	10:53		11:12	0:09	10:56	0:11	11:05	0:32	11:25	0:28	10:56	0:22	11:17		10:22		10:44		10:38	0:09	11:32		10:29	0:14
28	1:10	11:59	1:08	12:02	1:10	11:41	0:21	12:02	1:04	11:44	1:06	11:54	1:26	12:14	1:23	11:44	1:17	12:06	0:05	11:11	0:45	11:33	0:41	11:26	1:03	12:22	0:24	11:18	1:09
29	2:01	12:50	1:58	12:52	2:01	12:32	1:12	12:52	1:55	12:35	1:57	12:44	2:17	13:05	2:14	12:35	2:07	12:57	0:56	12:01	1:36	12:23	1:32	12:17	1:53	13:12	1:15	12:08	2:00
30	2:48	13:41	2:46	13:44	2:48	13:24	2:00	13:42	2:42	13:27	2:44	13:36	3:04	13:56	3:00	13:28	2:54	13:48	1:44	12:52	2:23	13:15	2:19	13:09	2:41	14:03	2:02	13:00	2:47
31	3:31	14:34	3:29	14:35	3:30	14:17	2:46	14:31	3:24	14:19	3:27	14:28	3:47	14:48	3:42	14:21	3:37	14:40	2:28	13:43	3:06	14:07	3:02	14:01	3:26	14:53	2:46	13:51	3:29

अप्रैल 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	4:10	15:26	4:09	15:27	4:09	15:11	3:29	15:19	4:03	15:12	4:06	15:20	4:26	15:41	4:20	15:16	4:17	15:32	3:08	14:34	3:45	14:59	3:42	14:53	4:07	15:43	3:26	14:43	4:08
2	4:47	16:18	4:46	16:19	4:44	16:04	4:10	16:07	4:40	16:05	4:43	16:12	5:03	16:33	4:54	16:10	4:54	16:24	3:47	15:25	4:22	15:51	4:18	15:46	4:46	16:32	4:03	15:35	4:43
3	5:22	17:09	5:21	17:10	5:17	16:58	4:49	16:54	5:13	16:57	5:18	17:04	5:38	17:25	5:27	17:04	5:29	17:16	4:23	16:15	4:57	16:43	4:53	16:38	5:24	17:21	4:38	16:26	5:16
4	5:56	18:01	5:55	18:02	5:49	17:52	5:27	17:41	5:46	17:50	5:51	17:56	6:11	18:17	5:58	17:59	6:02	18:08	4:58	17:05	5:30	17:35	5:26	17:30	6:00	18:11	5:12	17:18	5:48
5	6:29	18:54	6:29	18:54	6:20	18:46	6:06	18:28	6:18	18:44	6:24	18:49	6:44	19:10	6:28	18:54	6:35	19:01	5:33	17:56	6:03	18:28	5:58	18:23	6:36	19:00	5:46	18:10	6:19
6	7:02	19:48	7:03	19:47	6:52	19:42	6:44	19:17	6:51	19:38	6:57	19:43	7:18	20:03	6:59	19:51	7:09	19:54	6:08	18:48	6:37	19:22	6:32	19:18	7:13	19:51	6:20	19:03	6:51
7	7:38	20:43	7:39	20:42	7:25	20:39	7:25	20:07	7:25	20:35	7:32	20:38	7:53	20:59	7:31	20:49	7:44	20:50	6:44	19:42	7:12	20:17	7:06	20:13	7:51	20:43	6:55	19:58	7:24
8	8:15	21:40	8:17	21:38	8:01	21:37	8:07	20:59	8:02	21:32	8:10	21:36	8:30	21:56	8:06	21:49	8:22	21:47	7:24	20:37	7:49	21:14	7:44	21:11	8:32	21:37	7:33	20:55	8:00
9	8:57	22:38	8:58	22:36	8:41	22:37	8:53	21:53	8:43	22:32	8:51	22:34	9:11	22:55	8:45	22:49	9:03	22:45	8:06	21:35	8:30	22:13	8:24	22:09	9:16	22:33	8:15	21:53	8:39
10	9:43	23:38	9:45	23:35	9:25	23:38	9:42	22:50	9:28	23:31	9:37	23:34	9:57	23:54	9:29	23:50	9:49	23:44	8:53	22:33	9:16	23:12	9:10	23:09	10:04	23:31	9:01	22:52	9:24
11	10:34		10:36		10:16		10:36	23:47	10:19		10:28		10:48		10:19		10:41		9:45	23:31	10:07		10:01		10:56		9:52	23:51	10:14
12	11:30	0:36	11:32	0:34	11:12	0:37	11:33		11:15	0:30	11:24	0:32	11:45	0:53	11:15	0:50	11:37	0:43	10:41		11:03	0:11	10:57	0:08	11:53	0:29	10:48		11:10
13	12:31	1:33	12:33	1:31	12:13	1:33	12:32	0:45	12:16	1:27	12:25	1:29	12:46	1:49	12:17	1:46	12:38	1:40	11:41	0:28	12:04	1:08	11:58	1:05	12:53	1:26	11:49	0:48	12:11
14	13:35	2:27	13:37	2:25	13:18	2:26	13:32	1:41	13:20	2:20	13:29	2:22	13:50	2:43	13:22	2:38	13:41	2:33	12:44	1:23	13:08	2:01	13:02	1:58	13:55	2:21	12:52	1:41	13:16
15	14:40	3:16	14:41	3:15	14:25	3:14	14:33	2:34	14:26	3:09	14:34	3:12	14:55	3:32	14:30	3:25	14:47	3:23	13:48	2:14	14:13	2:51	14:07	2:47	14:57	3:13	13:57	2:31	14:23
16	15:45	4:02	15:46	4:01	15:32	3:58	15:32	3:25	15:32	3:54	15:40	3:58	16:00	4:18	15:38	4:08	15:52	4:09	14:51	3:01	15:19	3:37	15:13	3:33	15:59	4:02	15:02	3:18	15:31
17	16:50	4:45	16:50	4:44	16:39	4:39	16:31	4:14	16:38	4:36	16:45	4:40	17:05	5:01	16:46	4:48	16:56	4:52	15:54	3:46	16:23	4:20	16:18	4:15	17:00	4:48	16:06	4:01	16:38
18	17:54	5:26	17:54	5:26	17:45	5:18	17:29	5:02	17:43	5:16	17:49	5:21	18:09	5:42	17:54	5:26	18:00	5:33	16:56	4:29	17:28	5:01	17:23	4:56	18:00	5:33	17:10	4:43	17:44
19	18:57	6:06	18:56	6:07	18:51	5:56	18:26	5:48	18:48	5:55	18:52	6:02	19:13	6:22	19:00	6:03	19:04	6:13	17:57	5:12	18:31	5:41	18:27	5:36	19:00	6:17	18:12	5:23	18:50
20	20:00	6:47	19:59	6:48	19:56	6:35	19:23	6:35	19:52	6:35	19:55	6:42	20:16	7:02	20:06	6:41	20:06	6:54	18:58	5:54	19:34	6:21	19:30	6:16	19:59	7:01	19:15	6:05	19:55
21	21:01	7:29	21:00	7:31	20:59	7:15	20:19	7:22	20:54	7:16	20:57	7:24	21:18	7:44	21:11	7:20	21:08	7:36	19:59	6:38	20:36	7:03	20:32	6:57	20:58	7:46	20:16	6:47	20:58
22	22:01	8:14	21:59	8:16	22:01	7:57	21:16	8:11	21:55	7:59	21:57	8:08	22:18	8:28	22:13	8:02	22:08	8:20	20:57	7:23	21:36	7:47	21:33	7:41	21:56	8:33	21:16	7:32	22:00
23	22:59	9:00	22:57	9:03	22:59	8:43	22:11	9:01	22:53	8:46	22:55	8:55	23:15	9:15	23:12	8:47	23:06	9:07	21:54	8:11	22:34	8:34	22:30	8:28	22:52	9:22	22:13	8:18	22:58
24	23:53	9:50	23:50	9:52	23:53	9:31	23:03	9:52	23:47	9:34	23:49	9:44		10:04		9:35	23:59	9:56	22:48	9:01	23:28	9:23	23:24	9:16	23:45	10:12	23:07	9:08	23:53
25		10:41		10:43		10:22	23:54	10:43		10:25		10:35	0:09	10:55	0:06	10:25		10:47	23:38	9:52		10:14		10:07		11:03	23:57	9:59	
26	0:42	11:33	0:40	11:35	0:43	11:15		11:34	0:36	11:18	0:38	11:27	0:59	11:48	0:55	11:18	0:49	11:40		10:44	0:17	11:06	0:14	11:00	0:35	11:55		10:51	0:42
27	1:28	12:25	1:26	12:27	1:27	12:08	0:41	12:24	1:21	12:11	1:24	12:20	1:44	12:40	1:40	12:12	1:34	12:32	0:24	11:36	1:03	11:59	0:59	11:53	1:22	12:46	0:43	11:43	1:26
28	2:09	13:18	2:07	13:20	2:07	13:02	1:25	13:13	2:02	13:04	2:05	13:12	2:25	13:33	2:19	13:07	2:15	13:25	1:06	12:27	1:44	12:51	1:40	12:45	2:05	13:36	1:24	12:36	2:06
29	2:47	14:10	2:45	14:11	2:44	13:56	2:07	14:01	2:39	13:57	2:42	14:05	3:03	14:25	2:55	14:01	2:53	14:17	1:45	13:18	2:22	13:44	2:18	13:38	2:45	14:26	2:02	13:27	2:43
30	3:22	15:02	3:21	15:03	3:18	14:49	2:47	14:48	3:14	14:49	3:18	14:57	3:38	15:17	3:28	14:56	3:29	15:08	2:22	14:08	2:57	14:36	2:53	14:30	3:23	15:15	2:38	14:19	3:16

मई 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	3:56	15:54	3:55	15:54	3:50	15:43	3:25	15:35	3:47	15:42	3:51	15:49	4:11	16:09	3:59	15:50	4:02	16:00	2:57	14:58	3:30	15:28	3:26	15:22	3:59	16:04	3:12	15:10	3:48
2	4:29	16:46	4:28	16:46	4:21	16:37	4:03	16:22	4:19	16:35	4:24	16:41	4:44	17:02	4:29	16:45	4:35	16:53	3:32	15:49	4:03	16:20	3:59	16:15	4:35	16:53	3:45	16:02	4:19
3	5:02	17:40	5:02	17:39	4:52	17:33	4:42	17:11	4:51	17:30	4:57	17:35	5:17	17:55	5:00	17:42	5:09	17:46	4:07	16:41	4:36	17:14	4:31	17:09	5:11	17:44	4:19	16:55	4:51
4	5:37	18:35	5:37	18:34	5:25	18:30	5:22	18:01	5:25	18:26	5:32	18:30	5:52	18:51	5:31	18:40	5:43	18:42	4:43	17:35	5:11	18:09	5:06	18:05	5:49	18:36	4:54	17:50	5:24
5	6:14	19:32	6:15	19:31	6:00	19:29	6:04	18:53	6:01	19:24	6:08	19:28	6:29	19:48	6:06	19:40	6:20	19:39	5:21	18:30	5:48	19:07	5:42	19:03	6:29	19:30	5:31	18:47	5:59
6	6:54	20:31	6:56	20:30	6:39	20:30	6:49	19:48	6:40	20:24	6:49	20:27	7:09	20:48	6:44	20:42	7:01	20:38	6:03	19:28	6:28	20:06	6:22	20:02	7:12	20:27	6:12	19:46	6:37
7	7:39	21:32	7:41	21:30	7:22	21:32	7:38	20:44	7:25	21:25	7:34	21:28	7:54	21:48	7:26	21:44	7:46	21:38	6:49	20:27	7:13	21:06	7:07	21:03	8:00	21:25	6:57	20:46	7:21
8	8:29	22:32	8:32	22:30	8:11	22:32	8:31	21:43	8:14	22:26	8:24	22:28	8:44	22:48	8:15	22:45	8:36	22:39	7:40	21:27	8:03	22:07	7:56	22:03	8:52	22:24	7:47	21:46	8:10
9	9:25	23:30	9:27	23:28	9:06	23:31	9:28	22:41	9:10	23:24	9:19	23:26	9:40	23:46	9:10	23:43	9:32	23:37	8:36	22:25	8:58	23:05	8:52	23:01	9:48	23:22	8:43	22:44	9:05
10	10:25		10:27		10:06		10:27	23:37	10:09		10:19		10:39		10:10		10:31		9:35	23:20	9:58	23:59	9:51	23:56	10:47		9:42	23:39	10:05
11	11:27	0:24	11:29	0:22	11:10	0:24	11:27		11:13	0:18	11:22	0:20	11:42	0:41	11:14	0:37	11:34	0:31	10:37		11:01		10:54		11:48	0:18	10:45		11:08
12	12:31	1:14	12:33	1:13	12:15	1:13	12:26	0:31	12:17	1:08	12:26	1:10	12:46	1:31	12:20	1:25	12:38	1:21	11:40	0:11	12:04	0:49	11:58	0:46	12:49	1:10	11:48	0:30	12:14
13	13:35	2:00	13:36	1:59	13:21	1:57	13:25	1:22	13:22	1:53	13:29	1:56	13:50	2:16	13:27	2:08	13:42	2:07	12:42	0:59	13:08	1:35	13:03	1:31	13:50	1:59	12:52	1:16	13:20
14	14:38	2:43	14:38	2:42	14:26	2:38	14:22	2:10	14:26	2:34	14:33	2:38	14:53	2:59	14:33	2:48	14:45	2:50	13:43	1:43	14:12	2:18	14:06	2:13	14:50	2:45	13:54	1:59	14:25
15	15:40	3:23	15:40	3:23	15:31	3:16	15:18	2:56	15:29	3:13	15:35	3:18	15:56	3:39	15:39	3:24	15:47	3:30	14:43	2:26	15:14	2:58	15:09	2:53	15:48	3:28	14:56	2:40	15:29
16	16:42	4:02	16:42	4:02	16:35	3:53	16:14	3:41	16:32	3:51	16:37	3:57	16:58	4:18	16:44	4:00	16:49	4:09	15:43	3:06	16:16	3:37	16:11	3:32	16:47	4:11	15:58	3:19	16:34
17	17:44	4:41	17:43	4:42	17:39	4:30	17:09	4:26	17:35	4:30	17:39	4:36	18:00	4:57	17:49	4:36	17:50	4:48	16:43	3:48	17:18	4:16	17:14	4:10	17:45	4:54	16:59	3:59	17:38
18	18:45	5:22	18:44	5:23	18:42	5:08	18:05	5:12	18:37	5:09	18:41	5:17	19:01	5:37	18:53	5:14	18:52	5:29	17:43	4:30	18:20	4:56	18:16	4:50	18:43	5:37	18:00	4:40	18:41
19	19:46	6:05	19:44	6:06	19:45	5:49	19:02	6:00	19:39	5:51	19:42	5:59	20:02	6:19	19:57	5:54	19:53	6:11	18:42	5:14	19:21	5:38	19:17	5:32	19:41	6:23	19:01	5:22	19:44
20	20:45	6:50	20:43	6:52	20:45	6:33	19:58	6:49	20:39	6:35	20:41	6:44	21:01	7:05	20:58	6:37	20:52	6:57	19:41	6:00	20:20	6:24	20:17	6:17	20:39	7:11	20:00	6:08	20:44
21	21:41	7:38	21:39	7:41	21:42	7:20	20:52	7:40	21:36	7:23	21:38	7:33	21:58	7:53	21:55	7:24	21:48	7:45	20:36	6:50	21:16	7:12	21:13	7:05	21:34	8:01	20:56	6:57	21:41
22	22:34	8:29	22:32	8:32	22:35	8:11	21:45	8:32	22:28	8:14	22:30	8:24	22:50	8:44	22:47	8:14	22:41	8:36	21:29	7:41	22:09	8:03	22:06	7:56	22:26	8:52	21:48	7:48	22:34
23	23:22	9:22	23:20	9:24	23:22	9:04	22:34	9:24	23:16	9:07	23:18	9:16	23:38	9:37	23:35	9:07	23:29	9:29	22:18	8:33	22:57	8:55	22:54	8:49	23:15	9:45	22:37	8:40	23:21
24		10:15		10:17		9:58	23:20	10:16	23:59	10:00		10:10		10:30		10:01		10:22	23:02	9:26	23:40	9:49	23:37	9:42		10:37	23:20	9:33	
25	0:05	11:08	0:03	11:10	0:05	10:52		11:06		10:54	0:01	11:03	0:21	11:23	0:16	10:56	0:12	11:15	23:43	10:18		10:42		10:36	0:00	11:28		10:26	0:04
26	0:45	12:01	0:43	12:03	0:43	11:46	0:03	11:54	0:37	11:47	0:40	11:56	1:01	12:16	0:54	11:51	0:51	12:08		11:09	0:20	11:35	0:16	11:29	0:42	12:18	0:00	11:18	0:42
27	1:21	12:53	1:20	12:54	1:17	12:40	0:44	12:42	1:13	12:40	1:17	12:48	1:37	13:08	1:28	12:45	1:28	13:00	0:20	12:00	0:56	12:27	0:52	12:21	1:20	13:07	0:37	12:10	1:16
28	1:55	13:44	1:54	13:45	1:50	13:33	1:23	13:28	1:46	13:33	1:50	13:39	2:11	14:00	1:59	13:40	2:02	13:51	0:56	12:50	1:30	13:18	1:25	13:13	1:57	13:56	1:11	13:01	1:49
29	2:28	14:36	2:27	14:36	2:21	14:27	2:00	14:15	2:18	14:25	2:23	14:31	2:43	14:52	2:29	14:34	2:34	14:43	1:30	13:40	2:02	14:10	1:58	14:05	2:33	14:45	1:44	13:53	2:20
30	3:01	15:29	3:01	15:29	2:52	15:21	2:38	15:02	2:50	15:19	2:56	15:24	3:16	15:44	2:59	15:30	3:07	15:36	2:05	14:31	2:35	15:03	2:30	14:58	3:08	15:34	2:17	14:45	2:50
31	3:34	16:23	3:35	16:22	3:23	16:18	3:17	15:51	3:23	16:14	3:29	16:19	3:49	16:39	3:30	16:27	3:41	16:30	2:40	15:24	3:08	15:58	3:03	15:53	3:45	16:26	2:51	15:39	3:22

जून 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू	
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	4:10	17:20	4:11	17:19	3:57	17:16	3:58	16:43	3:58	17:12	4:05	17:15	4:25	17:36	4:03	17:27
2	4:49	18:19	4:50	18:17	4:34	18:17	4:42	17:37	4:36	18:12	4:44	18:15	5:04	18:35	4:39	18:28
3	5:32	19:20	5:34	19:18	5:16	19:20	5:30	18:34	5:18	19:14	5:27	19:16	5:47	19:36	5:20	19:32
4	6:21	20:22	6:24	20:20	6:04	20:22	6:22	19:33	6:07	20:16	6:16	20:18	6:36	20:38	6:07	20:35
5	7:16	21:23	7:19	21:20	6:58	21:23	7:19	20:33	7:01	21:17	7:11	21:19	7:31	21:39	7:01	21:36
6	8:16	22:20	8:19	22:18	7:58	22:20	8:19	21:32	8:01	22:14	8:10	22:16	8:31	22:36	8:01	22:33
7	9:19	23:13	9:22	23:11	9:02	23:12	9:20	22:28	9:05	23:06	9:14	23:09	9:34	23:29	9:05	23:24
8	10:24	—	10:26	23:59	10:08	23:58	10:21	23:20	10:10	23:53	10:19	23:56	10:39	—	10:12	—
9	11:28	0:00	11:30	—	11:14	—	11:20	—	11:15	—	11:23	—	11:44	0:16	11:19	0:09
10	12:31	0:44	12:32	0:43	12:19	0:39	12:17	0:09	12:19	0:36	12:26	0:39	12:47	1:00	12:26	0:49
11	13:33	1:24	13:33	1:24	13:23	1:18	13:13	0:55	13:22	1:15	13:28	1:20	13:49	1:40	13:31	1:27
12	14:34	2:03	14:34	2:03	14:26	1:54	14:08	1:40	14:24	1:52	14:29	1:58	14:50	2:18	14:35	2:02
13	15:34	2:41	15:33	2:41	15:28	2:30	15:02	2:24	15:25	2:29	15:29	2:36	15:50	2:56	15:38	2:37
14	16:34	3:20	16:33	3:21	16:31	3:07	15:56	3:08	16:26	3:07	16:30	3:14	16:50	3:35	16:41	3:13
15	17:34	4:00	17:32	4:02	17:32	3:46	16:52	3:54	17:27	3:47	17:30	3:55	17:50	4:15	17:44	3:50
16	18:33	4:44	18:31	4:46	18:33	4:27	17:47	4:41	18:27	4:29	18:29	4:38	18:50	4:58	18:45	4:31
17	19:31	5:30	19:28	5:32	19:31	5:12	18:42	5:31	19:25	5:15	19:27	5:24	19:47	5:45	19:44	5:16
18	20:25	6:20	20:22	6:22	20:26	6:01	19:35	6:23	20:19	6:04	20:21	6:14	20:41	6:34	20:38	6:05
19	21:15	7:12	21:13	7:14	21:15	6:53	20:26	7:15	21:09	6:56	21:11	7:06	21:31	7:26	21:28	6:56
20	22:00	8:05	21:58	8:07	22:00	7:47	21:14	8:07	21:54	7:50	21:56	8:00	22:17	8:20	22:12	7:51
21	22:42	8:59	22:40	9:01	22:40	8:42	21:59	8:58	22:35	8:44	22:38	8:53	22:58	9:14	22:52	8:46
22	23:19	9:52	23:18	9:54	23:16	9:36	22:40	9:47	23:12	9:38	23:15	9:47	23:35	10:07	23:27	9:41
23	23:54	10:44	23:53	10:46	23:50	10:30	23:20	10:35	23:46	10:31	23:50	10:39	—	10:59	23:59	10:36
24	—	11:36	—	11:37	—	11:24	23:57	11:22	—	11:23	—	11:31	0:10	11:51	—	11:30
25	0:27	12:27	0:27	12:27	0:21	12:16	—	12:08	0:18	12:16	0:22	12:22	0:43	12:42	0:30	12:24
26	0:59	13:18	0:59	13:18	0:51	13:10	0:35	12:54	0:49	13:08	0:55	13:14	1:15	13:34	0:59	13:18
27	1:32	14:11	1:32	14:11	1:22	14:05	1:12	13:42	1:21	14:02	1:27	14:06	1:47	14:27	1:29	14:14
28	2:06	15:06	2:07	15:05	1:54	15:01	1:52	14:31	1:54	14:57	2:01	15:01	2:21	15:22	2:00	15:11
29	2:43	16:03	2:44	16:02	2:29	16:00	2:34	15:23	2:30	15:56	2:38	15:59	2:58	16:19	2:35	16:11
30	3:24	17:03	3:26	17:01	3:08	17:02	3:19	16:19	3:10	16:57	3:18	16:59	3:39	17:20	3:13	17:14

	जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन		उदयपुर	
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	4:17	17:27	3:17	16:19	3:44	16:54	3:39	16:50	4:24	17:19	3:27	16:35	3:56	17:15	4:14	17:21
2	4:56	18:26	3:58	17:16	4:23	17:53	4:17	17:50	5:06	18:16	4:07	17:34	4:33	18:16	4:54	18:19
3	5:39	19:27	4:42	18:16	5:06	18:55	5:00	18:51	5:52	19:14	4:50	18:34	5:15	19:19	5:38	19:20
4	6:28	20:29	5:32	19:17	5:55	19:57	5:49	19:53	6:43	20:15	5:40	19:36	6:02	20:22	6:27	20:22
5	7:23	21:29	6:27	20:17	6:50	20:57	6:43	20:54	7:39	21:15	6:34	20:37	6:56	21:23	7:22	21:22
6	8:23	22:27	7:27	21:15	7:49	21:55	7:43	21:52	8:39	22:13	7:34	21:34	7:56	22:19	8:22	22:20
7	9:26	23:19	8:30	22:09	8:53	22:47	8:46	22:44	9:41	23:08	8:37	22:27	9:00	23:11	9:25	23:13
8	10:31	—	9:33	22:58	9:57	23:35	9:51	23:31	10:43	23:58	9:42	23:16	10:06	23:57	10:30	—
9	11:35	0:07	10:36	23:44	11:02	—	10:56	—	11:45	—	10:45	—	11:13	—	11:33	0:01
10	12:38	0:51	11:37	—	12:05	0:19	12:00	0:14	12:44	0:45	11:48	—	12:18	0:38	12:35	0:45
11	13:40	1:31	12:37	0:26	13:07	0:59	13:02	0:54	13:43	1:28	12:49	0:40	13:22	1:16	13:36	1:26
12	14:41	2:09	13:36	1:06	14:08	1:37	14:03	1:32	14:40	2:10	13:50	1:19	14:25	1:53	14:36	2:06
13	15:41	2:48	14:34	1:46	15:08	2:15	15:04	2:10	15:36	2:52	14:49	1:58	15:27	2:29	15:36	2:44
14	16:41	3:26	15:33	2:27	16:09	2:54	16:05	2:48	16:33	3:34	15:49	2:37	16:29	3:05	16:35	3:24
15	17:41	4:07	16:31	3:09	17:09	3:34	17:05	3:28	17:30	4:17	16:49	3:18	17:31	3:44	17:35	4:05
16	18:40	4:50	17:29	3:54	18:08	4:17	18:05	4:11	18:27	5:03	17:48	4:02	18:32	4:26	18:33	4:49
17	19:37	5:37	18:26	4:41	19:05	5:04	19:02	4:57	19:23	5:52	18:45	4:48	19:30	5:11	19:30	5:36
18	20:31	6:27	19:20	5:31	20:00	5:53	19:56	5:47	20:17	6:43	19:39	5:38	20:25	6:00	20:24	6:26
19	21:22	7:19	20:10	6:23	20:50	6:45	20:47	6:39	21:08	7:35	20:29	6:30	21:15	6:52	21:15	7:18
20	22:07	8:12	20:57	7:16	21:35	7:39	21:32	7:32	21:54	8:27	21:15	7:23	21:59	7:46	22:00	8:11
21	22:48	9:06	21:39	8:09	22:17	8:32	22:13	8:26	22:38	9:19	21:57	8:17	22:39	8:40	22:42	9:04
22	23:26	9:59	22:18	9:01	22:54	9:26	22:50	9:20	23:18	10:10	22:35	9:10	23:15	9:35	23:20	9:57
23	—	10:51	22:54	9:52	23:29	10:18	23:25	10:12	23:55	11:00	23:10	10:02	23:48	10:29	23:56	10:49
24	0:01	11:42	23:29	10:42	—	11:10	23:57	11:04	—	11:49	23:43	10:53	—	11:22	—	11:40
25	0:34	12:34	—	11:31	0:02	12:01	—	11:56	0:31	12:37	—	11:43	0:20	12:15	0:29	12:30
26	1:06	13:25	0:03	12:21	0:34	12:53	0:29	12:48	1:06	13:25	0:16	12:35	0:50	13:09	1:02	13:21
27	1:39	14:18	0:37	13:12	1:06	13:45	1:01	13:41	1:42	14:15	0:49	13:27	1:21	14:03	1:35	14:13
28	2:13	15:13	1:13	14:05	1:40	14:40	1:35	14:36	2:19	15:07	1:23	14:21	1:53	15:00	2:10	15:07
29	2:50	16:10	1:51	15:01	2:17	15:38	2:11	15:34	2:58	16:01	2:01	15:18	2:28	15:59	2:47	16:04
30	3:31	17:10	2:33	16:00	2:58	16:38	2:52	16:34	3:42	16:59	2:42	16:18	3:07	17:01	3:29	17:04

जुलाई 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	4:10	18:05	4:12	18:03	3:53	18:06	4:10	17:18	3:56	17:59	4:05	18:01	4:25	18:22	3:57	18:18	4:17	18:12	3:20	17:01	3:44	17:40	3:37	17:37	4:31	17:59	3:28	17:20	3:51
2	5:03	19:08	5:05	19:06	4:45	19:09	5:05	18:18	4:48	19:02	4:57	19:04	5:17	19:24	4:48	19:21	5:09	19:15	4:14	18:03	4:36	18:43	4:30	18:39	5:25	19:00	4:21	18:22	4:43
3	6:01	20:08	6:04	20:06	5:43	20:09	6:05	19:19	5:46	20:02	5:56	20:04	6:16	20:25	5:46	20:22	6:08	20:15	5:13	19:03	5:35	19:43	5:28	19:40	6:25	20:01	5:19	19:23	5:41
4	7:05	21:05	7:08	21:03	6:47	21:04	7:07	20:18	6:50	20:58	7:00	21:01	7:20	21:21	6:51	21:17	7:12	21:11	6:16	20:01	6:38	20:40	6:32	20:36	7:28	20:59	6:23	20:19	6:45
5	8:12	21:56	8:14	21:54	7:55	21:54	8:10	21:14	7:57	21:49	8:06	21:52	8:27	22:12	7:59	22:06	8:19	22:03	7:21	20:53	7:45	21:31	7:39	21:27	8:32	21:52	7:29	21:11	7:53
6	9:18	22:42	9:20	22:41	9:03	22:39	9:12	22:05	9:05	22:34	9:13	22:38	9:33	22:58	9:08	22:49	9:25	22:49	8:26	21:41	8:52	22:17	8:46	22:13	9:36	22:42	8:35	21:58	9:02
7	10:24	23:24	10:25	23:24	10:11	23:19	10:11	22:53	10:11	23:15	10:18	23:20	10:39	23:40	10:17	23:28	10:30	23:31	9:30	22:26	9:57	22:59	9:52	22:55	10:38	23:27	9:40	22:41	10:09
8	11:27		11:27		11:16	23:56	11:09	23:39	11:15	23:54	11:22	23:59	11:42		11:23		11:34		10:31	23:07	11:01	23:38	10:55	23:34	11:37		10:43	23:21	11:15
9	12:28	0:04	12:28	0:04	12:20		12:04		12:18		12:23		12:44	0:19	12:28	0:04	12:35	0:11	11:31	23:47	12:02		11:58		12:35	0:10	11:44	23:59	12:19
10	13:29	0:42	13:28	0:43	13:22	0:32	12:58	0:23	13:19	0:31	13:24	0:37	13:44	0:58	13:32	0:39	13:35	0:49	12:29		13:03	0:17	12:58	0:11	13:32	0:52	12:44		13:21
11	14:28	1:20	14:27	1:21	14:24	1:08	13:52	1:07	14:20	1:08	14:24	1:15	14:44	1:36	14:34	1:14	14:35	1:27	13:27	0:27	14:03	0:55	13:58	0:49	14:28	1:34	13:43	0:38	14:23
12	15:27	2:00	15:26	2:01	15:25	1:46	14:46	1:52	15:20	1:47	15:23	1:55	15:43	2:15	15:36	1:51	15:34	2:07	14:25	1:08	15:02	1:34	14:58	1:28	15:25	2:16	14:42	1:18	15:24
13	16:26	2:42	16:24	2:43	16:25	2:26	15:41	2:38	16:19	2:28	16:22	2:36	16:42	2:56	16:37	2:30	16:33	2:48	15:22	1:51	16:00	2:15	15:57	2:09	16:21	3:01	15:40	2:00	16:24
14	17:23	3:26	17:21	3:28	17:23	3:09	16:35	3:26	17:17	3:12	17:19	3:21	17:39	3:41	17:36	3:13	17:30	3:33	16:18	2:37	16:58	3:00	16:54	2:54	17:16	3:47	16:37	2:44	17:22
15	18:18	4:14	18:15	4:16	18:18	3:56	17:28	4:16	18:12	3:59	18:14	4:08	18:34	4:29	18:31	3:59	18:24	4:21	17:13	3:25	17:53	3:47	17:49	3:41	18:10	4:37	17:32	3:32	18:18
16	19:09	5:05	19:07	5:07	19:10	4:46	18:20	5:08	19:03	4:49	19:05	4:59	19:25	5:19	19:22	4:49	19:16	5:11	18:04	4:16	18:44	4:38	18:41	4:32	19:01	5:28	18:23	4:23	19:09
17	19:56	5:57	19:54	6:00	19:56	5:39	19:09	6:00	19:50	5:42	19:52	5:52	20:12	6:12	20:09	5:42	20:03	6:04	18:52	5:08	19:31	5:31	19:28	5:24	19:49	6:20	19:11	5:15	19:55
18	20:39	6:51	20:37	6:53	20:38	6:34	19:54	6:51	20:32	6:36	20:35	6:45	20:55	7:06	20:50	6:37	20:46	6:58	19:36	6:01	20:14	6:24	20:10	6:18	20:34	7:12	19:54	6:09	20:37
19	21:18	7:44	21:16	7:46	21:15	7:28	20:37	7:41	21:10	7:30	21:14	7:39	21:34	7:59	21:27	7:32	21:24	7:51	20:16	6:54	20:53	7:18	20:49	7:12	21:15	8:03	20:33	7:02	21:14
20	21:54	8:37	21:52	8:38	21:50	8:22	21:17	8:29	21:45	8:24	21:49	8:32	22:09	8:52	22:00	8:27	22:00	8:44	20:53	7:45	21:28	8:11	21:24	8:05	21:53	8:54	21:09	7:54	21:49
21	22:27	9:29	22:26	9:30	22:21	9:16	21:56	9:17	22:18	9:16	22:23	9:23	22:43	9:44	22:31	9:22	22:34	9:35	21:28	8:35	22:02	9:02	21:58	8:57	22:30	9:43	21:43	8:46	22:20
22	22:59	10:20	22:59	10:20	22:52	10:09	22:33	10:03	22:49	10:08	22:55	10:15	23:15	10:35	23:00	10:15	23:06	10:26	22:02	9:25	22:34	9:54	22:29	9:48	23:05	10:31	22:16	9:36	22:51
23	23:31	11:10	23:31	11:11	23:22	11:01	23:10	10:48	23:20	11:00	23:26	11:06	23:46	11:26	23:29	11:09	23:38	11:17	22:35	10:14	23:06	10:45	23:01	10:40	23:40	11:19	22:48	10:27	23:21
24		12:02		12:02	23:53	11:55	23:47	11:35	23:52	11:52	23:59	11:57		12:18	23:59	12:03		12:09	23:10	11:04	23:38	11:36	23:33	11:32		12:07	23:21	11:18	23:51
25	0:04	12:55	0:04	12:54		12:49		12:22		12:46		12:50	0:19	13:10		12:59	0:11	13:01	23:46	11:55		12:29		12:25	0:15	12:57	23:56	12:10	
26	0:39	13:50	0:40	13:48	0:26	13:46	0:27	13:12	0:26	13:42	0:33	13:45	0:54	14:06	0:31	13:57	0:45	13:56		12:48	0:13	13:24	0:07	13:20	0:53	13:49		13:05	0:24
27	1:17	14:47	1:18	14:45	1:02	14:45	1:10	14:05	1:03	14:40	1:11	14:43	1:31	15:03	1:07	14:57	1:23	14:54	0:25	13:44	0:50	14:22	0:45	14:18	1:34	14:44	0:34	14:02	1:00
28	1:59	15:47	2:01	15:45	1:43	15:47	1:57	15:01	1:45	15:41	1:54	15:43	2:14	16:03	1:47	15:59	2:06	15:54	1:09	14:43	1:33	15:22	1:27	15:18	2:19	15:41	1:17	15:02	1:41
29	2:48	16:49	2:50	16:47	2:30	16:49	2:49	16:00	2:33	16:43	2:42	16:45	3:03	17:05	2:34	17:02	2:55	16:56	1:59	15:44	2:21	16:24	2:15	16:20	3:10	16:42	2:06	16:03	2:29
30	3:43	17:50	3:46	17:48	3:25	17:51	3:46	17:01	3:28	17:45	3:38	17:46	3:58	18:07	3:28	18:04	3:50	17:57	2:54	16:45	3:17	17:25	3:10	17:22	4:06	17:43	3:01	17:05	3:23
31	4:45	18:50	4:47	18:47	4:27	18:50	4:48	18:01	4:30	18:43	4:39	18:46	5:00	19:06	4:30	19:02	4:52	18:56	3:56	17:45	4:18	18:24	4:12	18:21	5:08	18:43	4:03	18:04	4:25

अगस्त 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	5:51	19:44	5:54	19:43	5:34	19:43	5:52	19:00	5:36	19:38	5:46	19:40	6:06	20:01	5:38	19:55	5:58	19:51	5:01	18:41	5:25	19:19	5:18	19:16	6:13	19:40	5:09	18:59	5:32
2	7:00	20:34	7:02	20:33	6:44	20:31	6:56	19:55	6:46	20:27	6:54	20:30	7:15	20:50	6:48	20:42	7:07	20:41	6:08	19:32	6:33	20:09	6:27	20:05	7:19	20:32	6:17	19:50	6:42
3	8:08	21:20	8:09	21:19	7:54	21:15	7:58	20:46	7:55	21:11	8:03	21:15	8:23	21:35	8:00	21:24	8:15	21:26	7:15	20:20	7:41	20:54	7:36	20:50	8:24	21:21	7:25	20:35	7:53
4	9:14	22:01	9:15	22:01	9:03	21:54	8:59	21:34	9:02	21:52	9:09	21:57	9:30	22:17	9:09	22:03	9:21	22:08	8:19	21:04	8:48	21:36	8:43	21:31	9:26	22:07	8:31	21:18	9:01
5	10:19	22:41	10:19	22:41	10:09	22:32	9:56	22:20	10:08	22:30	10:14	22:36	10:34	22:57	10:17	22:39	10:25	22:48	9:22	21:45	9:53	22:16	9:48	22:11	10:27	22:50	9:35	21:58	10:08
6	11:21	23:20	11:21	23:21	11:14	23:09	10:53	23:05	11:11	23:08	11:16	23:15	11:37	23:35	11:23	23:15	11:28	23:27	10:22	22:26	10:55	22:54	10:51	22:49	11:26	23:33	10:37	22:38	11:13
7	12:22	#####	12:21		12:17	23:46	11:48	23:50	12:13	23:47	12:18	23:55	12:38		12:27	23:52	12:29	.	11:22	23:08	11:56	23:34	11:52	23:28	12:23		11:37	23:18	12:16
8	13:22		13:21	0:01	13:19		12:42		13:14		13:18		13:38	0:15	13:30		13:29	0:07	12:20	23:50	12:56		12:53		13:20	0:15	12:37	23:59	13:18
9	14:21	0:41	14:19	0:43	14:20	0:26	13:37	0:36	14:14	0:27	14:17	0:36	14:37	0:56	14:31	0:30	14:28	0:48	13:17		13:56	0:15	13:52	0:09	14:16	0:59	13:36		14:19
10	15:18	1:25	15:16	1:27	15:18	1:08	14:31	1:24	15:12	1:10	15:14	1:19	15:35	1:40	15:31	1:12	15:25	1:32	14:14	0:35	14:53	0:58	14:50	0:52	15:12	1:45	14:33	0:43	15:17
11	16:13	2:11	16:11	2:14	16:14	1:53	15:24	2:13	16:07	1:56	16:09	2:06	16:30	2:26	16:27	1:57	16:20	2:18	15:08	1:22	15:48	1:45	15:45	1:38	16:06	2:34	15:28	1:30	16:13
12	17:05	3:01	17:03	3:03	17:06	2:42	16:16	3:04	16:59	2:45	17:01	2:55	17:22	3:15	17:19	2:45	17:12	3:07	16:00	2:12	16:40	2:34	16:37	2:28	16:58	3:24	16:20	2:19	17:05
13	17:53	3:52	17:51	3:55	17:54	3:34	17:05	3:55	17:47	3:37	17:49	3:47	18:09	4:07	18:06	3:37	18:00	3:59	16:49	3:04	17:28	3:26	17:25	3:19	17:46	4:15	17:08	3:10	17:53
14	18:37	4:45	18:35	4:47	18:37	4:28	17:52	4:46	18:31	4:30	18:33	4:40	18:53	5:00	18:49	4:31	18:44	4:52	17:34	3:56	18:12	4:19	18:09	4:12	18:32	5:07	17:52	4:03	18:36
15	19:17	5:38	19:15	5:40	19:15	5:22	18:35	5:36	19:10	5:24	19:13	5:33	19:33	5:53	19:27	5:26	19:24	5:45	18:15	4:48	18:52	5:12	18:48	5:06	19:14	5:58	18:33	4:56	19:14
16	19:54	6:31	19:53	6:33	19:50	6:16	19:16	6:25	19:46	6:18	19:49	6:26	20:10	6:46	20:01	6:21	20:00	6:38	18:53	5:40	19:29	6:05	19:25	5:59	19:53	6:49	19:10	5:49	19:49
17	20:28	7:23	20:27	7:25	20:23	7:10	19:55	7:13	20:19	7:11	20:23	7:18	20:44	7:38	20:33	7:16	20:35	7:30	19:29	6:31	20:03	6:57	19:59	6:52	20:30	7:38	19:44	6:41	20:22
18	21:00	8:15	21:00	8:15	20:54	8:03	20:32	7:59	20:51	8:03	20:56	8:09	21:16	8:30	21:02	8:09	21:07	8:21	20:03	7:20	20:35	7:49	20:31	7:43	21:05	8:27	20:17	7:31	20:52
19	21:32	9:05	21:32	9:06	21:23	8:56	21:09	8:45	21:22	8:54	21:27	9:00	21:47	9:21	21:31	9:03	21:39	9:12	20:36	8:09	21:07	8:39	21:02	8:34	21:39	9:15	20:49	8:22	21:22
20	22:04	9:56	22:05	9:56	21:54	9:48	21:46	9:31	21:53	9:46	21:59	9:51	22:19	10:12	22:01	9:57	22:11	10:03	21:09	8:59	21:38	9:30	21:33	9:26	22:14	10:02	21:21	9:12	21:52
21	22:37	10:48	22:38	10:47	22:25	10:42	22:24	10:17	22:25	10:39	22:32	10:43	22:52	11:04	22:31	10:51	22:44	10:55	21:44	9:49	22:11	10:22	22:06	10:18	22:51	10:51	21:55	10:04	22:24
22	23:13	11:41	23:14	11:40	22:59	11:37	23:05	11:05	23:00	11:33	23:08	11:36	23:28	11:57	23:04	11:47	23:20	11:48	22:21	10:40	22:47	11:15	22:41	11:11	23:29	11:41	22:31	10:56	22:58
23	23:53	12:36	23:54	12:34	23:37	12:33	23:49	11:55	23:39	12:29	23:47	12:32		12:52	23:41	12:45	23:59	12:43	23:02	11:34	23:26	12:11	23:20	12:07		12:33	23:11	11:51	23:35
24		13:33		13:31		13:32		12:48		13:27		13:29	0:07	13:50		13:44		13:40	23:48	12:30		13:08		13:05	0:11	13:28	23:55	12:48	
25	0:37	14:33	0:39	14:31	0:20	14:33	0:37	13:45	0:23	14:27	0:32	14:29	0:52	14:49	0:24	14:45	0:44	14:39		13:28	0:11	14:07	0:05	14:04	0:58	14:26		13:47	0:18
26	1:28	15:33	1:30	15:31	1:10	15:34	1:30	14:43	1:13	15:27	1:22	15:29	1:43	15:49	1:13	15:46	1:35	15:40	0:39	14:27	1:01	15:08	0:55	15:04	1:51	15:25	0:46	14:47	1:08
27	2:25	16:32	2:28	16:30	2:07	16:33	2:28	15:43	2:10	16:26	2:19	16:28	2:40	16:48	2:10	16:45	2:32	16:39	1:36	15:27	1:58	16:07	1:52	16:04	2:48	16:25	1:43	15:46	2:05
28	3:28	17:28	3:31	17:26	3:10	17:28	3:30	16:42	3:13	17:22	3:23	17:24	3:43	17:45	3:14	17:40	3:35	17:35	2:39	16:24	3:02	17:03	2:55	17:00	3:51	17:22	2:46	16:43	3:09
29	4:36	18:21	4:38	18:19	4:19	18:19	4:34	17:38	4:21	18:13	4:30	18:16	4:51	18:37	4:23	18:30	4:43	18:27	3:45	17:18	4:09	17:55	4:03	17:52	4:56	18:17	3:53	17:36	4:17
30	5:45	19:09	5:46	19:07	5:30	19:05	5:38	18:32	5:31	19:01	5:39	19:04	6:00	19:24	5:35	19:15	5:52	19:15	4:53	18:08	5:18	18:43	5:12	18:39	6:02	19:08	5:02	18:24	5:28
31	6:53	19:53	6:54	19:52	6:41	19:47	6:41	19:23	6:41	19:44	6:48	19:48	7:09	20:09	6:47	19:56	7:00	20:00	5:59	18:54	6:27	19:28	6:21	19:23	7:07	19:56	6:10	19:09	6:39

सितम्बर 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	8:01	20:35	8:01	20:35	7:50	20:26	7:41	20:11	7:49	20:25	7:56	20:30	8:16	20:50	7:58	20:34	8:07	20:42	7:05	19:38	7:34	20:09	7:29	20:04	8:11	20:42	7:17	19:51	7:49
2	9:06	21:15	9:06	21:16	8:58	21:05	8:40	20:58	8:56	21:04	9:01	21:10	9:22	21:31	9:07	21:12	9:13	21:22	8:08	20:21	8:40	20:50	8:35	20:45	9:12	21:26	8:22	20:33	8:57
3	10:10	21:56	10:09	21:57	10:04	21:43	9:38	21:45	10:01	21:44	10:05	21:51	10:26	22:11	10:14	21:49	10:17	22:03	9:10	21:03	9:44	21:30	9:40	21:25	10:12	22:10	9:25	21:14	10:03
4	11:12	22:38	11:11	22:40	11:09	22:23	10:34	22:32	11:04	22:24	11:08	22:33	11:29	22:53	11:20	22:28	11:19	22:45	10:11	21:47	10:47	22:12	10:43	22:06	11:12	22:55	10:27	21:56	11:08
5	12:13	23:22	12:12	23:24	12:12	23:05	11:31	23:20	12:06	23:07	12:09	23:16	12:30	23:37	12:23	23:09	12:20	23:29	11:10	22:32	11:48	22:55	11:44	22:49	12:10	23:42	11:28	22:40	12:11
6	13:13		13:11		13:12	23:50	12:26		13:06	23:53	13:09		13:29		13:25	23:54	13:19		12:08	23:19	12:47	23:42	12:44	23:35	13:07		12:27	23:26	13:11
7	14:09	0:08	14:07	0:10	14:10		13:20	0:10	14:03		14:05	0:03	14:26	0:23	14:23		14:16	0:15	13:04		13:44		13:41		14:02	0:30	13:24		14:09
8	15:02	0:57	15:00	1:00	15:03	0:39	14:13	1:00	14:57	0:42	14:58	0:51	15:19	1:12	15:16	0:42	15:09	1:04	13:57	0:09	14:37	0:31	14:34	0:24	14:55	1:20	14:17	0:15	15:02
9	15:52	1:48	15:49	1:51	15:52	1:30	15:03	1:51	15:46	1:33	15:48	1:43	16:08	2:03	16:05	1:33	15:58	1:55	14:47	1:00	15:27	1:22	15:23	1:15	15:44	2:11	15:06	1:06	15:51
10	16:36	2:41	16:34	2:43	16:36	2:23	15:50	2:43	16:30	2:26	16:32	2:35	16:53	2:56	16:49	2:26	16:43	2:48	15:33	1:52	16:11	2:14	16:08	2:08	16:30	3:03	15:51	1:59	16:35
11	17:17	3:34	17:16	3:36	17:16	3:17	16:34	3:33	17:10	3:19	17:13	3:28	17:33	3:49	17:28	3:21	17:24	3:41	16:15	2:44	16:52	3:07	16:49	3:01	17:13	3:54	16:33	2:52	17:15
12	17:55	4:27	17:53	4:28	17:52	4:11	17:16	4:22	17:47	4:13	17:50	4:21	18:11	4:42	18:03	4:16	18:01	4:34	16:53	3:36	17:30	4:00	17:26	3:54	17:53	4:45	17:10	3:44	17:51
13	18:29	5:19	18:28	5:20	18:25	5:05	17:55	5:10	18:21	5:06	18:25	5:14	18:45	5:34	18:35	5:10	18:36	5:26	17:30	4:27	18:04	4:53	18:00	4:47	18:30	5:35	17:45	4:36	18:24
14	19:02	6:10	19:02	6:11	18:56	5:58	18:32	5:57	18:53	5:58	18:58	6:05	19:18	6:26	19:05	6:05	19:09	6:17	18:04	5:17	18:37	5:44	18:33	5:39	19:06	6:24	18:19	5:28	18:55
15	19:34	7:01	19:34	7:02	19:26	6:51	19:09	6:43	19:24	6:50	19:29	6:56	19:49	7:17	19:34	6:58	19:41	7:08	18:37	6:06	19:09	6:36	19:04	6:30	19:41	7:12	18:51	6:18	19:25
16	20:06	7:52	20:06	7:52	19:56	7:44	19:46	7:28	19:55	7:42	20:01	7:48	20:21	8:08	20:03	7:52	20:12	7:59	19:11	6:55	19:40	7:27	19:35	7:22	20:15	7:59	19:23	7:09	19:55
17	20:38	8:44	20:39	8:43	20:27	8:37	20:24	8:15	20:26	8:34	20:33	8:39	20:53	9:00	20:33	8:46	20:45	8:51	19:45	7:45	20:13	8:18	20:07	8:14	20:51	8:48	19:56	8:00	20:25
18	21:13	9:36	21:14	9:35	20:59	9:32	21:03	9:02	21:00	9:28	21:08	9:32	21:28	9:52	21:05	9:42	21:20	9:43	20:21	8:36	20:47	9:11	20:41	9:07	21:28	9:37	20:31	8:52	20:58
19	21:51	10:30	21:52	10:29	21:35	10:27	21:46	9:51	21:37	10:23	21:45	10:26	22:05	10:46	21:40	10:38	21:57	10:37	21:00	9:28	21:24	10:05	21:18	10:01	22:09	10:28	21:09	9:45	21:34
20	22:32	11:26	22:34	11:24	22:16	11:25	22:31	10:42	22:18	11:19	22:27	11:22	22:47	11:42	22:19	11:36	22:39	11:33	21:43	10:23	22:06	11:01	22:00	10:57	22:53	11:22	21:50	10:41	22:14
21	23:19	12:23	23:22	12:21	23:01	12:23	23:21	11:36	23:04	12:17	23:14	12:19	23:34	12:40	23:05	12:36	23:26	12:30	22:30	11:19	22:53	11:58	22:46	11:55	23:42	12:17	22:38	11:38	23:00
22		13:22		13:19	23:54	13:22		12:32	23:57	13:16		13:18		13:38	23:57	13:35		13:28	23:24	12:16	23:46	12:56	23:39	12:53		13:14	23:30	12:36	23:52
23	0:12	14:19	0:15	14:17		14:20	0:16	13:29		14:14	0:07	14:15	0:27	14:36		14:33	0:19	14:26		13:14		13:54		13:51	0:35	14:11		13:34	
24	1:11	15:15	1:13	15:13	0:53	15:15	1:14	14:27	0:56	15:09	1:05	15:11	1:26	15:31	0:56	15:28	1:18	15:22	0:22	14:10	0:44	14:50	0:38	14:47	1:34	15:08	0:29	14:30	0:51
25	2:15	16:07	2:17	16:06	1:57	16:07	2:15	15:23	2:00	16:01	2:09	16:03	2:30	16:24	2:01	16:18	2:21	16:14	1:25	15:04	1:48	15:42	1:41	15:39	2:36	16:03	1:32	15:22	1:55
26	3:21	16:56	3:23	16:55	3:05	16:54	3:17	16:16	3:07	16:49	3:16	16:52	3:36	17:12	3:10	17:04	3:28	17:03	2:30	15:54	2:55	16:31	2:48	16:27	3:40	16:54	2:39	16:12	3:04
27	4:29	17:42	4:30	17:41	4:15	17:37	4:20	17:08	4:16	17:33	4:24	17:37	4:44	17:57	4:21	17:47	4:36	17:48	3:36	16:42	4:03	17:16	3:57	17:12	4:45	17:43	3:46	16:57	4:14
28	5:37	18:25	5:38	18:24	5:25	18:17	5:21	17:57	5:25	18:15	5:32	18:20	5:52	18:40	5:32	18:26	5:44	18:31	4:42	17:27	5:10	17:59	5:05	17:54	5:49	18:30	4:53	17:41	5:24
29	6:44	19:06	6:44	19:06	6:35	18:56	6:21	18:45	6:33	18:55	6:39	19:01	6:59	19:21	6:43	19:04	6:51	19:13	5:47	18:10	6:18	18:40	6:13	18:35	6:52	19:15	6:00	18:23	6:33
30	7:50	19:47	7:49	19:48	7:43	19:36	7:21	19:33	7:40	19:35	7:45	19:42	8:06	20:03	7:52	19:42	7:57	19:54	6:51	18:54	7:24	19:22	7:19	19:16	7:54	20:00	7:05	19:05	7:42

अक्टूबर 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	8:55	20:30	8:54	20:31	8:51	20:16	8:19	20:21	8:47	20:17	8:51	20:25	9:11	20:45	9:01	20:21	9:02	20:37	7:54	19:38	8:29	20:04	8:25	19:58	8:56	20:46	8:10	19:47	8:50
2	9:59	21:14	9:57	21:16	9:57	20:58	9:18	21:11	9:52	21:00	9:55	21:09	10:15	21:29	10:08	21:02	10:06	21:21	8:56	20:24	9:34	20:48	9:30	20:42	9:56	21:33	9:14	20:32	9:56
3	11:01	22:01	10:59	22:03	11:01	21:44	10:16	22:02	10:55	21:46	10:57	21:55	11:18	22:16	11:13	21:47	11:08	22:08	9:57	21:12	10:36	21:35	10:33	21:28	10:56	22:22	10:16	21:19	11:00
4	12:01	22:50	11:59	22:53	12:01	22:32	11:12	22:53	11:55	22:35	11:57	22:45	12:17	23:05	12:14	22:35	12:08	22:57	10:56	22:02	11:36	22:24	11:32	22:17	11:54	23:13	11:15	22:09	12:01
5	12:57	23:42	12:55	23:44	12:58	23:23	12:07	23:46	12:51	23:27	12:53	23:36	13:13	23:57	13:11	23:26	13:04	23:49	11:52	22:54	12:32	23:15	12:29	23:09	12:49		12:11	23:00	12:57
6	13:48		13:46		13:49		12:59		13:43		13:44		14:05		14:02		13:55		12:43	23:46	13:23		13:20		13:41	0:05	13:03	23:53	13:48
7	14:35	0:35	14:33	0:37	14:35	0:17	13:47	0:38	14:29	0:20	14:31	0:29	14:51	0:50	14:48	0:20	14:42	0:42	13:31		14:10	0:08	14:07	0:02	14:28	0:58	13:50		14:34
8	15:17	1:28	15:15	1:31	15:16	1:11	14:33	1:29	15:11	1:14	15:13	1:23	15:33	1:43	15:28	1:15	15:24	1:35	14:14	0:39	14:52	1:02	14:49	0:56	15:12	1:50	14:32	0:46	15:16
9	15:56	2:22	15:54	2:23	15:53	2:05	15:15	2:19	15:48	2:07	15:51	2:16	16:12	2:36	16:04	2:10	16:02	2:28	14:54	1:31	15:31	1:55	15:27	1:49	15:53	2:41	15:11	1:39	15:52
10	16:31	3:14	16:30	3:16	16:27	2:59	15:55	3:07	16:23	3:01	16:27	3:09	16:47	3:29	16:37	3:05	16:38	3:21	15:31	2:22	16:06	2:48	16:02	2:42	16:31	3:31	15:47	2:32	16:26
11	17:04	4:06	17:03	4:07	16:58	3:53	16:33	3:54	16:55	3:53	17:00	4:01	17:20	4:21	17:08	3:59	17:11	4:13	16:05	3:13	16:39	3:40	16:35	3:34	17:07	4:20	16:20	3:23	16:57
12	17:36	4:57	17:36	4:58	17:29	4:46	17:10	4:40	17:26	4:45	17:31	4:52	17:51	5:12	17:37	4:53	17:43	5:04	16:39	4:02	17:11	4:31	17:06	4:26	17:42	5:08	16:53	4:14	17:27
13	18:08	5:48	18:08	5:48	17:58	5:39	17:47	5:26	17:57	5:37	18:03	5:43	18:23	6:04	18:06	5:47	18:14	5:55	17:12	4:52	17:42	5:22	17:37	5:17	18:16	5:56	17:25	5:04	17:57
14	18:40	6:40	18:41	6:39	18:29	6:32	18:24	6:12	18:28	6:30	18:35	6:35	18:55	6:55	18:35	6:41	18:47	6:46	17:46	5:42	18:14	6:14	18:09	6:09	18:52	6:45	17:57	5:56	18:27
15	19:14	7:32	19:15	7:31	19:01	7:27	19:03	6:59	19:01	7:23	19:09	7:28	19:29	7:48	19:07	7:37	19:21	7:39	18:22	6:32	18:48	7:07	18:43	7:02	19:29	7:34	18:32	6:48	19:00
16	19:51	8:26	19:52	8:25	19:36	8:23	19:45	7:48	19:37	8:18	19:45	8:22	20:06	8:42	19:41	8:33	19:57	8:33	19:00	7:25	19:25	8:01	19:19	7:57	20:08	8:25	19:09	7:41	19:34
17	20:31	9:22	20:33	9:20	20:15	9:20	20:29	8:39	20:17	9:15	20:26	9:17	20:46	9:38	20:19	9:32	20:38	9:28	19:41	8:19	20:05	8:56	19:59	8:53	20:51	9:18	19:49	8:37	20:13
18	21:16	10:19	21:18	10:17	20:58	10:18	21:18	9:32	21:01	10:12	21:10	10:15	21:31	10:35	21:02	10:31	21:23	10:25	20:27	9:14	20:50	9:53	20:43	9:50	21:38	10:13	20:34	9:33	20:57
19	22:06	11:16	22:09	11:14	21:48	11:17	22:10	10:27	21:51	11:10	22:01	11:12	22:21	11:33	21:51	11:30	22:13	11:23	21:18	10:11	21:40	10:51	21:33	10:48	22:30	11:09	21:25	10:31	21:46
20	23:02	12:13	23:05	12:11	22:43	12:15	23:06	11:23	22:47	12:08	22:56	12:09	23:17	12:30	22:46	12:27	23:09	12:20	22:13	11:08	22:35	11:48	22:29	11:45	23:25	12:05	22:20	11:28	22:42
21		13:08		13:06	23:44	13:09		12:19	23:47	13:03	23:57	13:05		13:25	23:47	13:22		13:15	23:13	12:03	23:35	12:43	23:29	12:40		13:01	23:20	12:23	23:42
22	0:02	14:00	0:05	13:58		14:00	0:04	13:14		13:54		13:56	0:17	14:17		14:12	0:09	14:07		12:56		13:35		13:32	0:25	13:54		13:15	
23	1:06	14:49	1:08	14:47	0:49	14:47	1:04	14:06	0:51	14:42	1:00	14:45	1:21	15:05	0:53	14:58	1:12	14:55	0:15	13:46	0:39	14:23	0:33	14:20	1:26	14:45	0:23	14:04	0:47
24	2:11	15:34	2:12	15:32	1:56	15:30	2:04	14:57	1:57	15:26	2:05	15:29	2:26	15:49	2:01	15:40	2:17	15:40	1:19	14:33	1:44	15:08	1:38	15:04	2:28	15:33	1:28	14:49	1:54
25	3:16	16:16	3:17	16:15	3:03	16:10	3:04	15:45	3:04	16:07	3:11	16:11	3:32	16:32	3:09	16:19	3:23	16:23	2:22	15:17	2:50	15:50	2:44	15:46	3:30	16:19	2:33	15:32	3:02
26	4:22	16:57	4:22	16:57	4:11	16:48	4:03	16:33	4:10	16:46	4:17	16:52	4:37	17:12	4:19	16:56	4:29	17:03	3:26	16:00	3:56	16:31	3:50	16:26	4:32	17:04	3:38	16:13	4:10
27	5:27	17:37	5:27	17:38	5:19	17:27	5:02	17:20	5:17	17:26	5:23	17:32	5:43	17:53	5:28	17:34	5:34	17:44	4:29	16:43	5:01	17:12	4:57	17:06	5:34	17:48	4:43	16:54	5:18
28	6:33	18:19	6:32	18:20	6:27	18:06	6:00	18:08	6:24	18:06	6:28	18:14	6:49	18:34	6:37	18:12	6:40	18:26	5:33	17:26	6:07	17:53	6:03	17:47	6:35	18:34	5:48	17:36	6:26
29	7:38	19:03	7:37	19:04	7:35	18:48	7:00	18:57	7:30	18:49	7:34	18:57	7:54	19:18	7:46	18:52	7:45	19:09	6:36	18:12	7:13	18:36	7:09	18:31	7:37	19:21	6:53	18:20	7:34
30	8:43	19:49	8:41	19:51	8:41	19:32	7:59	19:48	8:36	19:35	8:39	19:44	8:59	20:04	8:53	19:36	8:50	19:56	7:39	18:59	8:17	19:23	8:14	19:17	8:39	20:10	7:57	19:07	8:40
31	9:46	20:39	9:44	20:41	9:46	20:21	8:58	20:41	9:40	20:24	9:42	20:33	10:02	20:53	9:58	20:24	9:52	20:46	8:41	19:50	9:20	20:12	9:17	20:06	9:39	21:01	9:00	19:57	9:45

नवम्बर 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	10:45	21:31	10:43	21:34	10:46	21:12	9:55	21:35	10:40	21:16	10:41	21:25	11:02	21:46	10:59	21:15	10:52	21:38	9:40	20:43	10:20	21:04	10:17	20:58	10:37	21:54	10:00	20:49	10:45
2	11:40	22:25	11:38	22:28	11:42	22:06	10:50	22:29	11:35	22:10	11:37	22:19	11:57	22:40	11:55	22:09	11:47	22:32	10:35	21:37	11:15	21:58	11:12	21:52	11:32	22:48	10:55	21:43	11:41
3	12:30	23:20	12:28	23:22	12:31	23:02	11:41	23:21	12:25	23:05	12:26	23:14	12:47	23:34	12:44	23:05	12:37	23:26	11:26	22:31	12:05	22:53	12:02	22:47	12:23	23:42	11:45	22:38	12:30
4	13:15		13:13		13:15	23:57	12:29		13:09	23:59	13:11		13:31		13:27		13:22		12:11	23:24	12:50	23:47	12:47	23:41	13:09		12:30	23:32	13:14
5	13:55	0:14	13:53	0:16	13:53		13:12	0:12	13:48		13:51	0:08	14:11	0:29	14:05	0:01	14:02	0:21	12:53		13:30		13:26		13:51	0:34	13:10		13:53
6	14:31	1:07	14:30	1:09	14:28	0:52	13:53	1:02	14:24	0:53	14:27	1:02	14:47	1:22	14:39	0:56	14:38	1:14	13:31	0:16	14:06	0:41	14:03	0:35	14:30	1:25	13:47	0:25	14:27
7	15:05	1:59	15:04	2:00	15:00	1:46	14:32	1:49	14:57	1:46	15:01	1:54	15:21	2:14	15:10	1:51	15:12	2:06	14:06	1:07	14:40	1:33	14:36	1:27	15:07	2:14	14:21	1:16	14:59
8	15:37	2:51	15:37	2:51	15:31	2:39	15:09	2:36	15:28	2:39	15:33	2:45	15:53	3:06	15:39	2:45	15:44	2:57	14:40	1:56	15:12	2:24	15:07	2:19	15:42	3:03	14:54	2:07	15:29
9	16:09	3:42	16:09	3:42	16:00	3:32	15:46	3:21	15:58	3:31	16:04	3:37	16:24	3:57	16:08	3:39	16:15	3:48	15:13	2:46	15:43	3:16	15:39	3:11	16:16	3:51	15:26	2:58	15:59
10	16:41	4:33	16:41	4:33	16:30	4:25	16:23	4:07	16:29	4:23	16:36	4:28	16:56	4:49	16:37	4:33	16:47	4:40	15:46	3:35	16:15	4:07	16:10	4:03	16:51	4:39	15:58	3:49	16:29
11	17:14	5:25	17:15	5:25	17:02	5:19	17:01	4:54	17:02	5:16	17:09	5:21	17:29	5:41	17:08	5:29	17:21	5:32	16:21	4:26	16:48	5:00	16:43	4:55	17:28	5:28	16:32	4:41	17:00
12	17:50	6:19	17:51	6:18	17:36	6:15	17:42	5:43	17:37	6:11	17:45	6:15	18:05	6:35	17:41	6:26	17:57	6:26	16:58	5:18	17:24	5:54	17:18	5:50	18:06	6:19	17:08	5:35	17:34
13	18:29	7:15	18:31	7:14	18:13	7:13	18:26	6:34	18:15	7:08	18:24	7:11	18:44	7:31	18:18	7:24	18:36	7:22	17:39	6:13	18:03	6:50	17:57	6:46	18:49	7:12	17:47	6:30	18:12
14	19:13	8:13	19:16	8:11	18:56	8:12	19:14	7:27	18:59	8:06	19:08	8:09	19:28	8:29	19:00	8:24	19:20	8:20	18:24	7:09	18:47	7:48	18:41	7:44	19:35	8:07	18:32	7:27	18:54
15	20:03	9:11	20:05	9:09	19:44	9:12	20:06	8:23	19:47	9:05	19:57	9:07	20:17	9:28	19:47	9:25	20:09	9:18	19:14	8:06	19:36	8:46	19:30	8:43	20:26	9:04	19:21	8:26	19:42
16	20:57	10:10	21:00	10:07	20:38	10:11	21:01	9:19	20:42	10:04	20:51	10:06	21:12	10:26	20:41	10:24	21:04	10:16	20:09	9:04	20:30	9:44	20:24	9:41	21:21	10:01	20:15	9:24	20:37
17	21:56	11:06	21:58	11:03	21:38	11:07	21:59	10:15	21:41	11:00	21:50	11:02	22:11	11:22	21:41	11:20	22:03	11:12	21:07	10:00	21:29	10:41	21:23	10:37	22:19	10:58	21:14	10:20	21:36
18	22:58	11:58	23:00	11:56	22:41	11:59	22:58	11:10	22:43	11:52	22:52	11:54	23:13	12:15	22:44	12:11	23:05	12:05	22:08	10:54	22:31	11:33	22:25	11:30	23:19	11:52	22:16	11:13	22:39
19		12:47		12:45	23:45	12:46	23:57	12:03	23:47	12:40	23:56	12:43		13:03	23:50	12:57		12:54	23:10	11:44	23:35	12:22	23:29	12:18		12:42	23:18	12:02	23:44
20	0:01	13:32	0:03	13:30		13:29		12:53		13:24		13:27	0:16	13:47		13:39	0:08	13:38		12:30		13:06		13:02	0:20	13:30		12:47	
21	1:05	14:13	1:06	14:12	0:51	14:08	0:55	13:40	0:52	14:04	0:59	14:09	1:20	14:29	0:57	14:18	1:12	14:20	0:12	13:14	0:38	13:48	0:33	13:44	1:20	14:15	0:22	13:29	0:49
22	2:08	14:53	2:09	14:52	1:57	14:45	1:52	14:26	1:56	14:43	2:03	14:48	2:23	15:08	2:03	14:54	2:15	14:59	1:13	13:55	1:42	14:27	1:36	14:23	2:20	14:58	1:24	14:09	1:55
23	3:11	15:32	3:11	15:32	3:02	15:22	2:48	15:11	3:00	15:21	3:06	15:27	3:27	15:47	3:10	15:29	3:18	15:38	2:14	14:36	2:45	15:06	2:40	15:01	3:19	15:41	2:27	14:49	3:01
24	4:14	16:11	4:14	16:12	4:08	15:59	3:45	15:57	4:05	15:59	4:10	16:06	4:30	16:26	4:17	16:06	4:21	16:18	3:15	15:18	3:49	15:45	3:44	15:40	4:19	16:24	3:30	15:29	4:07
25	5:18	16:53	5:17	16:54	5:14	16:39	4:43	16:45	5:10	16:40	5:14	16:47	5:34	17:08	5:24	16:44	5:25	17:00	4:17	16:01	4:53	16:27	4:49	16:21	5:19	17:09	4:33	16:10	5:13
26	6:23	17:37	6:21	17:39	6:20	17:21	5:41	17:34	6:15	17:23	6:18	17:32	6:39	17:52	6:32	17:25	6:29	17:44	5:20	16:47	5:57	17:11	5:53	17:05	6:20	17:57	5:37	16:55	6:19
27	7:26	18:25	7:25	18:28	7:26	18:08	6:40	18:26	7:20	18:10	7:22	18:20	7:43	18:40	7:38	18:11	7:33	18:32	6:22	17:36	7:01	17:59	6:58	17:52	7:21	18:47	6:41	17:43	7:25
28	8:29	19:17	8:26	19:19	8:29	18:58	7:39	19:20	8:23	19:01	8:25	19:11	8:45	19:32	8:42	19:01	8:35	19:24	7:23	18:28	8:03	18:50	8:00	18:44	8:21	19:40	7:43	18:35	8:28
29	9:27	20:11	9:25	20:14	9:28	19:52	8:36	20:15	9:22	19:56	9:23	20:05	9:44	20:26	9:41	19:55	9:34	20:18	8:22	19:23	9:02	19:44	8:59	19:38	9:19	20:35	8:41	19:29	9:28
30	10:21	21:07	10:18	21:09	10:22	20:48	9:31	21:10	10:15	20:52	10:17	21:01	10:37	21:22	10:35	20:52	10:27	21:14	9:16	20:18	9:56	20:40	9:53	20:34	10:13	21:30	9:35	20:25	10:21

दिसम्बर 2019 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर	
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	11:09	22:02	11:07	22:05	11:09	21:45	10:21	22:03	11:03	21:48	11:05	21:57	11:25	22:17
2	11:52	22:57	11:50	22:59	11:51	22:41	11:07	22:54	11:45	22:43	11:47	22:52	12:08	23:12
3	12:30	23:50	12:28	23:52	12:27	23:36	11:50	23:42	12:22	23:37	12:26	23:45	12:46	
4	13:05		13:04		13:01		12:29		12:57		13:00		13:20	0:05
5	13:37	0:42	13:37	0:43	13:31	0:30	13:07	0:29	13:28	0:30	13:33	0:37	13:53	0:57
6	14:09	1:33	14:09	1:34	14:01	1:22	13:43	1:15	13:59	1:22	14:04	1:28	14:24	1:48
7	14:40	2:24	14:40	2:24	14:30	2:15	14:20	2:01	14:29	2:13	14:35	2:19	14:55	2:40
8	15:12	3:16	15:13	3:15	15:01	3:09	14:57	2:47	15:01	3:06	15:07	3:11	15:28	3:31
9	15:47	4:09	15:48	4:08	15:34	4:04	15:37	3:35	15:34	4:00	15:42	4:04	16:02	4:25
10	16:25	5:04	16:27	5:03	16:10	5:01	16:20	4:25	16:11	4:56	16:20	5:00	16:40	5:20
11	17:07	6:01	17:10	6:00	16:51	6:00	17:07	5:18	16:53	5:55	17:02	5:57	17:22	6:18
12	17:56	7:01	17:58	6:59	17:37	7:01	17:58	6:13	17:40	6:55	17:50	6:57	18:10	7:17
13	18:49	8:01	18:52	7:58	18:30	8:02	18:53	7:10	18:34	7:55	18:44	7:57	19:04	8:17
14	19:48	8:59	19:51	8:57	19:29	9:01	19:52	8:09	19:33	8:54	19:42	8:55	20:03	9:16
15	20:51	9:55	20:53	9:52	20:33	9:55	20:52	9:06	20:36	9:49	20:45	9:51	21:06	10:11
16	21:55	10:45	21:56	10:44	21:38	10:45	21:52	10:00	21:40	10:39	21:49	10:41	22:10	11:02
17	22:58	11:32	23:00	11:30	22:44	11:29	22:50	10:51	22:45	11:24	22:53	11:27	23:14	11:48
18		12:14		12:13	23:49	12:10	23:47	11:39	23:49	12:06	23:56	12:10		12:30
19	0:01	12:53	0:02	12:53		12:47		12:25		12:44		12:49	0:17	13:09
20	1:03	13:32	1:04	13:32	0:53	13:23	0:43	13:09	0:52	13:21	0:58	13:27	1:19	13:47
21	2:05	14:10	2:05	14:10	1:57	13:59	1:38	13:53	1:55	13:58	2:00	14:05	2:21	14:25
22	3:06	14:49	3:06	14:50	3:01	14:36	2:33	14:38	2:58	14:36	3:02	14:44	3:22	15:04
23	4:09	15:31	4:07	15:32	4:06	15:15	3:30	15:26	4:01	15:17	4:04	15:25	4:25	15:46
24	5:11	16:16	5:09	16:18	5:10	15:59	4:27	16:15	5:04	16:01	5:07	16:10	5:27	16:31
25	6:13	17:05	6:11	17:07	6:13	16:47	5:25	17:08	6:07	16:50	6:09	16:59	6:29	17:20
26	7:13	17:58	7:10	18:00	7:14	17:39	6:22	18:02	7:07	17:42	7:09	17:52	7:29	18:13
27	8:09	18:53	8:06	18:56	8:10	18:34	7:18	18:57	8:03	18:38	8:05	18:47	8:25	19:08
28	9:00	19:49	8:58	19:52	9:01	19:31	8:11	19:51	8:54	19:34	8:56	19:44	9:16	20:04
29	9:45	20:45	9:43	20:47	9:45	20:29	8:59	20:44	9:39	20:31	9:41	20:40	10:02	21:00
30	10:26	21:40	10:24	21:41	10:24	21:25	9:44	21:34	10:19	21:26	10:22	21:34	10:42	21:55
31	11:03	22:33	11:01	22:34	10:59	22:19	10:25	22:22	10:55	22:20	10:58	22:27	11:18	22:48

	जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	11:22	21:49	11:16	22:09	10:04	21:13	10:44	21:36	10:41	21:30	11:02	22:24	10:24	21:20	11:08
2	12:02	22:45	11:58	23:04	10:49	22:06	11:27	22:31	11:23	22:25	11:47	23:16	11:07	22:15	11:50
3	12:38	23:41	12:37	23:57	11:28	22:58	12:05	23:24	12:01	23:18	12:27		11:45	23:08	12:26
4	13:11		13:11		12:05	23:49	12:40		12:36		13:05	0:07	12:21	23:59	12:59
5	13:41	0:36	13:44	0:49	12:39		13:12	0:16	13:08	0:10	13:40	0:56	12:54		13:30
6	14:09	1:29	14:15	1:40	13:12	0:38	13:43	1:07	13:39	1:02	14:15	1:44	13:25	0:50	14:00
7	14:38	2:23	14:47	2:31	13:45	1:27	14:14	1:58	14:10	1:53	14:49	2:32	13:57	1:40	14:29
8	15:07	3:18	15:19	3:22	14:19	2:17	14:47	2:50	14:41	2:45	15:25	3:20	14:30	2:32	14:59
9	15:39	4:14	15:54	4:16	14:55	3:09	15:21	3:43	15:15	3:39	16:02	4:10	15:05	3:24	15:32
10	16:14	5:12	16:32	5:11	15:34	4:02	15:59	4:39	15:53	4:35	16:43	5:02	15:43	4:19	16:08
11	16:54	6:12	17:14	6:08	16:18	4:58	16:41	5:36	16:35	5:33	17:28	5:57	16:26	5:16	16:49
12	17:41	7:13	18:02	7:08	17:07	5:56	17:29	6:36	17:22	6:32	18:18	6:54	17:14	6:15	17:36
13	18:33	8:15	18:56	8:07	18:01	6:55	18:23	7:36	18:16	7:32	19:13	7:53	18:07	7:15	18:29
14	19:33	9:14	19:55	9:06	19:00	7:54	19:21	8:34	19:15	8:31	20:12	8:51	19:06	8:14	19:28
15	20:36	10:08	20:57	10:01	20:01	8:50	20:24	9:30	20:17	9:26	21:13	9:47	20:08	9:09	20:31
16	21:43	10:57	22:01	10:52	21:04	9:42	21:28	10:20	21:22	10:17	22:14	10:40	21:12	10:00	21:37
17	22:49	11:40	23:05	11:38	22:06	10:30	22:32	11:07	22:26	11:03	23:15	11:29	22:15	10:47	22:42
18	23:56	12:20		12:21	23:07	11:14	23:35	11:49	23:30	11:45		12:15	23:18	11:30	23:48
19		12:56	0:08	13:00		11:55		12:28		12:24	0:14	12:58		12:10	
20	1:01	13:31	1:10	13:38	0:07	12:35	0:37	13:06	0:32	13:01	1:13	13:39	0:20	12:48	0:52
21	2:06	14:05	2:12	14:16	1:07	13:15	1:39	13:44	1:34	13:39	2:10	14:21	1:21	13:27	1:56
22	3:11	14:41	3:13	14:56	2:06	13:56	2:41	14:23	2:37	14:17	3:08	15:04	2:22	14:06	3:00
23	4:16	15:20	4:15	15:37	3:07	14:40	3:43	15:04	3:39	14:58	4:07	15:49	3:24	14:48	4:04
24	5:22	16:03	5:18	16:23	4:07	15:26	4:46	15:49	4:42	15:43	5:07	16:37	4:26	15:34	5:09
25	6:26	16:50	6:20	17:12	5:08	16:16	5:48	16:38	5:44	16:32	6:06	17:28	5:27	16:23	6:12
26	7:27	17:42	7:20	18:05	6:07	17:10	6:48	17:31	6:45	17:25	7:05	18:21	6:27	17:16	7:13
27	8:23	18:37	8:16	19:00	7:03	18:05	7:44	18:26	7:41	18:20	8:00	19:17	7:23	18:11	8:09
28	9:13	19:35	9:07	19:56	7:55	19:00	8:35	19:23	8:32	19:16	8:52	20:12	8:14	19:07	9:00
29	9:57	20:33	9:52	20:52	8:42	19:55	9:20	20:19	9:17	20:13	9:40	21:05	9:00	20:03	9:44
30	10:36	21:29	10:33	21:47	9:24	20:48	10:01	21:13	9:57	21:07	10:22	21:57	9:41	20:57	10:23
31	11:10	22:25	11:09	22:39	10:02	21:40	10:38	22:06	10:34	22:01	11:02	22:47	10:18	21:50	10:58

जनवरी 2020 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर	
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	11:36	23:24	11:35	23:25	11:31	23:12	11:03	23:08	11:28	23:12	11:32	23:19	11:52	23:39
2	12:08		12:08		12:01		11:40	23:54	11:58		12:03		12:23	
3	12:39	0:15	12:39	0:15	12:30	0:05	12:16		12:29	0:04	12:34	0:10	12:54	0:30
4	13:10	1:05	13:11	1:05	13:00	0:58	12:53	0:39	12:59	0:55	13:05	1:01	13:26	1:21
5	13:43	1:57	13:44	1:56	13:31	1:51	13:31	1:26	13:31	1:48	13:38	1:53	13:58	2:13
6	14:19	2:51	14:21	2:49	14:05	2:47	14:12	2:14	14:06	2:42	14:14	2:46	14:34	3:07
7	14:59	3:46	15:01	3:45	14:43	3:44	14:56	3:05	14:45	3:39	14:54	3:42	15:14	4:03
8	15:44	4:45	15:47	4:43	15:27	4:44	15:45	3:59	15:29	4:38	15:39	4:41	15:59	5:01
9	16:36	5:45	16:38	5:42	16:17	5:45	16:39	4:55	16:20	5:39	16:30	5:41	16:50	6:01
10	17:33	6:45	17:36	6:43	17:15	6:46	17:38	5:54	17:18	6:39	17:28	6:41	17:48	7:01
11	18:36	7:43	18:39	7:41	18:18	7:44	18:39	6:53	18:21	7:38	18:31	7:39	18:51	8:00
12	19:42	8:38	19:44	8:36	19:25	8:38	19:41	7:50	19:27	8:31	19:36	8:34	19:57	8:54
13	20:48	9:27	20:50	9:26	20:33	9:26	20:42	8:45	20:34	9:20	20:43	9:23	21:03	9:43
14	21:53	10:12	21:54	10:11	21:40	10:09	21:41	9:35	21:41	10:04	21:48	10:08	22:09	10:28
15	22:57	10:54	22:57	10:53	22:46	10:48	22:38	10:23	22:45	10:45	22:52	10:49	23:12	11:09
16	23:59	11:33	23:59	11:33	23:51	11:25	23:34	11:08	23:49	11:23	23:54	11:28		11:48
17		12:11		12:11		12:00		11:52		12:00		12:06	0:15	12:26
18	1:01	12:49	1:00	12:50	0:55	12:37	0:29	12:37	0:52	12:37	0:56	12:44	1:17	13:04
19	2:02	13:30	2:01	13:31	1:58	13:15	1:25	13:23	1:54	13:16	1:58	13:24	2:18	13:44
20	3:03	14:13	3:02	14:15	3:01	13:56	2:21	14:11	2:56	13:58	2:59	14:07	3:19	14:27
21	4:04	14:59	4:02	15:02	4:04	14:41	3:17	15:01	3:58	14:44	4:00	14:54	4:20	15:14
22	5:03	15:50	5:01	15:52	5:04	15:31	4:14	15:54	4:57	15:34	4:59	15:44	5:20	16:04
23	6:00	16:43	5:57	16:46	6:01	16:24	5:09	16:47	5:54	16:28	5:56	16:38	6:16	16:58
24	6:52	17:39	6:50	17:41	6:53	17:20	6:02	17:42	6:46	17:23	6:48	17:33	7:08	17:54
25	7:39	18:35	7:37	18:37	7:40	18:17	6:52	18:35	7:33	18:20	7:35	18:29	7:56	18:50
26	8:22	19:30	8:20	19:32	8:21	19:14	7:38	19:26	8:15	19:16	8:18	19:24	8:38	19:45
27	9:00	20:23	8:59	20:25	8:57	20:09	8:21	20:15	8:53	20:10	8:56	20:18	9:16	20:39
28	9:35	21:16	9:34	21:17	9:30	21:03	9:00	21:02	9:27	21:03	9:31	21:10	9:51	21:31
29	10:07	22:07	10:07	22:07	10:01	21:56	9:38	21:48	9:58	21:55	10:03	22:02	10:23	22:22
30	10:38	22:57	10:38	22:57	10:30	22:49	10:14	22:33	10:28	22:47	10:34	22:52	10:54	23:13
31	11:09	23:48	11:10	23:47	10:59	23:41	10:50	23:18	10:58	23:38	11:04	23:43	11:25	

	जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	11:41	23:19	11:43	23:31	10:37	22:30	11:11	22:58	11:07	22:53	11:38	23:36	10:52	22:41	11:30
2	12:10		12:15		11:10	23:19	11:43	23:49	11:38	23:44	12:13		11:25	23:31	12:00
3	12:38	0:13	12:46	0:21	11:43		12:13		12:09		12:47	0:24	11:56		12:29
4	13:07	1:06	13:17	1:12	12:16	0:08	12:45	0:40	12:40	0:35	13:21	1:11	12:28	0:22	12:58
5	13:37	2:01	13:50	2:04	12:51	0:58	13:18	1:32	13:12	1:27	13:57	2:00	13:01	1:13	13:29
6	14:10	2:57	14:26	2:57	13:28	1:50	13:53	2:25	13:47	2:21	14:36	2:50	13:37	2:06	14:03
7	14:47	3:56	15:06	3:53	14:09	2:44	14:33	3:21	14:27	3:17	15:19	3:43	14:17	3:01	14:41
8	15:30	4:56	15:51	4:51	14:55	3:41	15:18	4:19	15:11	4:16	16:06	4:39	15:02	3:59	15:25
9	16:20	5:58	16:43	5:52	15:47	4:40	16:09	5:20	16:03	5:16	16:59	5:37	15:54	4:59	16:15
10	17:18	6:59	17:40	6:52	16:45	5:39	17:07	6:20	17:00	6:17	17:57	6:37	16:52	5:59	17:13
11	18:21	7:57	18:43	7:50	17:47	6:38	18:09	7:18	18:03	7:15	18:59	7:35	17:54	6:58	18:16
12	19:29	8:50	19:49	8:44	18:52	7:33	19:15	8:13	19:09	8:09	20:03	8:31	18:59	7:52	19:23
13	20:38	9:37	20:55	9:34	19:56	8:25	20:22	9:02	20:16	8:59	21:06	9:24	20:05	8:42	20:31
14	21:46	10:19	22:00	10:19	21:00	9:11	21:27	9:47	21:21	9:43	22:07	10:12	21:10	9:28	21:39
15	22:53	10:57	23:04	11:00	22:01	9:55	22:31	10:28	22:26	10:24	23:07	10:57	22:13	10:10	22:45
16	23:59	11:33		11:39	23:02	10:36	23:33	11:07	23:28	11:02		11:39	23:15	10:49	23:50
17		12:07	0:06	12:17		11:16		11:45		11:40	0:06	12:21		11:28	
18	1:04	12:43	1:07	12:56	0:01	11:56	0:35	12:23	0:31	12:18	1:04	13:03	0:16	12:07	0:54
19	2:09	13:20	2:09	13:36	1:01	12:38	1:36	13:03	1:32	12:58	2:01	13:47	1:17	12:47	1:57
20	3:13	14:00	3:10	14:19	2:00	13:23	2:38	13:46	2:34	13:40	3:00	14:33	2:18	13:31	3:00
21	4:16	14:45	4:11	15:06	3:00	14:10	3:39	14:33	3:35	14:26	3:58	15:21	3:18	14:18	4:03
22	5:17	15:34	5:10	15:57	3:58	15:01	4:38	15:23	4:35	15:17	4:56	16:13	4:18	15:08	5:03
23	6:14	16:27	6:06	16:50	4:54	15:55	5:35	16:17	5:32	16:10	5:51	17:07	5:14	16:01	6:00
24	7:06	17:24	6:59	17:46	5:47	16:50	6:27	17:12	6:24	17:06	6:44	18:02	6:07	16:57	6:52
25	7:52	18:21	7:46	18:41	6:35	17:45	7:14	18:08	7:11	18:02	7:33	18:56	6:54	17:53	7:39
26	8:33	19:18	8:29	19:37	7:19	18:39	7:57	19:03	7:53	18:57	8:17	19:49	7:37	18:47	8:20
27	9:08	20:15	9:07	20:30	7:59	19:31	8:35	19:57	8:31	19:51	8:58	20:40	8:16	19:41	8:56
28	9:40	21:10	9:42	21:22	8:35	20:22	9:10	20:50	9:06	20:44	9:36	21:29	8:51	20:33	9:29
29	10:10	22:03	10:14	22:13	9:09	21:11	9:42	21:41	9:38	21:36	10:11	22:17	9:24	21:23	10:00
30	10:38	22:57	10:45	23:04	9:42	22:00	10:13	22:31	10:08	22:27	10:45	23:04	9:55	22:13	10:29
31	11:07	23:50	11:16	23:55	10:14	22:49	10:44	23:22	10:39	23:18	11:19	23:52	10:27	23:04	10:58

फरवरी 2020 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर	
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	11:41		11:42		11:29		11:27		11:29		11:36		11:56	0:04
2	12:15	0:40	12:16	0:39	12:01	0:35	12:06	0:05	12:02	0:31	12:10	0:35	12:30	0:56
3	12:52	1:33	12:54	1:32	12:36	1:30	12:47	0:54	12:38	1:26	12:46	1:29	13:07	1:49
4	13:33	2:29	13:36	2:27	13:16	2:28	13:33	1:45	13:19	2:22	13:28	2:25	13:48	2:45
5	14:21	3:27	14:23	3:25	14:03	3:27	14:24	2:39	14:06	3:21	14:15	3:23	14:36	3:44
6	15:15	4:27	15:17	4:24	14:56	4:28	15:19	3:36	14:59	4:21	15:09	4:23	15:30	4:43
7	16:15	5:26	16:18	5:23	15:57	5:27	16:19	4:35	16:00	5:20	16:09	5:22	16:30	5:42
8	17:20	6:22	17:23	6:20	17:03	6:23	17:21	5:33	17:05	6:16	17:15	6:18	17:35	6:39
9	18:28	7:15	18:30	7:13	18:12	7:14	18:24	6:30	18:14	7:08	18:23	7:11	18:43	7:31
10	19:36	8:03	19:37	8:02	19:22	8:01	19:27	7:24	19:23	7:56	19:31	7:59	19:51	8:19
11	20:43	8:48	20:44	8:47	20:31	8:43	20:27	8:14	20:31	8:39	20:38	8:43	20:58	9:04
12	21:48	9:29	21:48	9:29	21:39	9:22	21:25	9:02	21:37	9:19	21:43	9:25	22:04	9:45
13	22:52	10:09	22:52	10:09	22:45	9:59	22:23	9:48	22:43	9:58	22:47	10:04	23:08	10:24
14	23:55	10:48	23:54	10:49	23:51	10:36	23:20	10:34	23:47	10:36	23:51	10:43		11:04
15		11:29		11:30		11:15		11:21	·	11:16		11:24	0:11	11:44
16	0:57	12:12	0:56	12:13	0:55	11:56	0:16	12:08	0:50	11:57	0:53	12:06	1:14	12:26
17	1:59	12:57	1:57	12:59	1:58	12:40	1:13	12:58	1:52	12:42	1:55	12:52	2:15	13:12
18	2:58	13:46	2:56	13:49	2:59	13:28	2:09	13:50	2:53	13:31	2:54	13:40	3:15	14:01
19	3:55	14:38	3:53	14:41	3:57	14:19	3:05	14:43	3:50	14:23	3:51	14:33	4:12	14:53
20	4:48	15:33	4:46	15:35	4:49	15:14	3:58	15:36	4:43	15:17	4:44	15:27	5:05	15:47
21	5:36	16:28	5:34	16:30	5:37	16:10	4:48	16:29	5:31	16:13	5:32	16:22	5:53	16:43
22	6:20	17:23	6:18	17:25	6:19	17:06	5:35	17:20	6:13	17:08	6:16	17:17	6:36	17:38
23	6:59	18:17	6:58	18:18	6:57	18:02	6:18	18:10	6:52	18:03	6:55	18:11	7:15	18:32
24	7:35	19:09	7:34	19:10	7:31	18:56	6:58	18:57	7:27	18:57	7:30	19:04	7:51	19:24
25	8:08	20:01	8:07	20:01	8:02	19:50	7:36	19:43	7:59	19:49	8:03	19:56	8:23	20:16
26	8:39	20:51	8:39	20:51	8:32	20:42	8:13	20:29	8:29	20:41	8:34	20:46	8:55	21:07
27	9:10	21:42	9:10	21:41	9:01	21:35	8:49	21:14	8:59	21:32	9:05	21:37	9:25	21:57
28	9:41	22:33	9:42	22:32	9:30	22:28	9:25	22:00	9:29	22:24	9:36	22:28	9:56	22:49
29	10:13	23:25	10:15	23:24	10:00	23:22	10:03	22:47	10:01	23:17	10:08	23:21	10:28	23:41

	जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	11:35		11:48		10:48	23:39	11:15		11:10		11:54		10:59	23:55	11:28
2	12:06	0:45	12:21	0:46	11:23		11:49	0:14	11:43	0:10	12:30	0:41	11:33		12:00
3	12:41	1:41	12:59	1:40	12:01	0:31	12:26	1:08	12:20	1:04	13:10	1:31	12:10	0:48	12:35
4	13:20	2:40	13:40	2:36	12:44	1:26	13:07	2:04	13:01	2:00	13:54	2:25	12:52	1:44	13:15
5	14:06	3:40	14:28	3:34	13:32	2:22	13:54	3:02	13:48	2:59	14:44	3:20	13:39	2:42	14:01
6	14:59	4:41	15:22	4:33	14:27	3:21	14:48	4:01	14:42	3:58	15:39	4:18	14:33	3:41	14:54
7	16:00	5:40	16:22	5:32	15:27	4:20	15:48	5:00	15:42	4:57	16:39	5:17	15:33	4:40	15:55
8	17:06	6:35	17:27	6:29	16:31	5:17	16:54	5:57	16:47	5:54	17:42	6:15	16:38	5:37	17:01
9	18:16	7:26	18:35	7:22	17:37	6:12	18:01	6:50	17:55	6:46	18:47	7:10	17:45	6:30	18:10
10	19:28	8:12	19:43	8:10	18:43	7:02	19:10	7:38	19:04	7:34	19:52	8:01	18:53	7:19	19:21
11	20:38	8:53	20:50	8:55	19:48	7:48	20:17	8:22	20:11	8:18	20:55	8:49	19:59	8:04	20:30
12	21:47	9:30	21:55	9:36	20:51	8:32	21:22	9:04	21:17	8:59	21:56	9:35	21:04	8:46	21:38
13	22:55	10:07	22:59	10:16	21:53	9:13	22:26	9:43	22:22	9:38	22:56	10:18	22:08	9:26	22:44
14		10:43		10:55	22:54	9:55	23:29	10:23	23:25	10:17	23:56	11:01	23:10	10:06	23:50
15	0:01	11:20	0:02	11:36	23:55	10:37		11:03		10:57		11:45		10:47	
16	1:06	12:00	1:04	12:18		11:21	0:32	11:45	0:28	11:39	0:55	12:31	0:12	11:30	0:54
17	2:10	12:43	2:06	13:04	0:55	12:08	1:33	12:31	1:30	12:24	1:53	13:19	1:13	12:15	1:57
18	3:12	13:31	3:05	13:53	1:53	12:58	2:33	13:20	2:30	13:13	2:51	14:09	2:13	13:04	2:58
19	4:10	14:22	4:02	14:45	2:50	13:50	3:30	14:12	3:27	14:05	3:47	15:02	3:10	13:57	3:56
20	5:02	15:17	4:55	15:39	3:43	14:44	4:23	15:06	4:20	14:59	4:40	15:56	4:03	14:51	4:49
21	5:50	16:14	5:43	16:35	4:32	15:38	5:11	16:01	5:08	15:55	5:29	16:50	4:51	15:46	5:36
22	6:31	17:11	6:27	17:29	5:17	16:32	5:55	16:56	5:52	16:50	6:15	17:42	5:35	16:40	6:18
23	7:08	18:07	7:06	18:23	5:57	17:25	6:34	17:50	6:30	17:44	6:56	18:34	6:15	17:34	6:56
24	7:41	19:02	7:41	19:16	6:34	18:16	7:10	18:43	7:06	18:38	7:34	19:23	6:51	18:26	7:30
25	8:11	19:57	8:14	20:07	7:09	19:06	7:43	19:35	7:38	19:29	8:10	20:12	7:24	19:17	8:01
26	8:40	20:50	8:46	20:58	7:42	19:55	8:14	20:25	8:09	20:21	8:45	20:59	7:56	20:08	8:30
27	9:08	21:43	9:17	21:49	8:14	20:44	8:44	21:16	8:39	21:12	9:19	21:47	8:27	20:58	8:59
28	9:36	22:37	9:48	22:40	8:47	21:33	9:15	22:07	9:10	22:03	9:53	22:35	8:58	21:48	9:28
29	10:06	23:32	10:20	23:32	9:21	22:24	9:48	23:00	9:42	22:56	10:28	23:24	9:31	22:40	9:59

मार्च 2020 दैनिक चन्द्र उदय/अस्त

	अजमेर		भिलवाड़ा		चण्डीगढ़		चेन्नई		नई दिल्ली		जयपुर		जैसलमेर		जम्मू		जोधपुर		कोलकाता		लखनऊ		मथुरा		मुम्बई		पटना		सोलन
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय
	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.	घंटे मि.
1	10:48		10:50		10:34		10:42	23:36	10:35		10:43		11:03		10:38		10:55		9:57	23:16	10:22	23:54	10:17	23:50	11:06		10:06	23:34	10:32
2	11:27	0:19	11:29	0:17	11:11	0:17	11:25		11:13	0:12	11:22	0:15	11:42	0:35	11:15	0:29	11:34	0:26	10:37		11:01		10:55		11:47	0:15	10:45		11:09
3	12:11	1:15	12:13	1:13	11:53	1:15	12:12	0:28	11:56	1:08	12:05	1:11	12:25	1:31	11:56	1:27	12:17	1:22	11:22	0:10	11:44	0:50	11:38	0:46	12:33	1:09	11:29	0:29	11:51
4	13:00	2:12	13:03	2:10	12:42	2:13	13:04	1:22	12:45	2:06	12:54	2:08	13:15	2:28	12:44	2:26	13:07	2:19	12:12	1:07	12:34	1:47	12:27	1:44	13:24	2:04	12:18	1:26	12:40
5	13:56	3:10	13:59	3:07	13:37	3:11	14:00	2:19	13:40	3:04	13:50	3:06	14:11	3:26	13:40	3:24	14:03	3:16	13:08	2:04	13:29	2:44	13:23	2:41	14:20	3:01	13:14	2:24	13:35
6	14:58	4:06	15:00	4:04	14:39	4:07	15:00	3:16	14:42	4:00	14:52	4:02	15:12	4:22	14:42	4:20	15:04	4:13	14:09	3:01	14:31	3:41	14:24	3:38	15:20	3:58	14:15	3:20	14:37
7	16:03	5:00	16:05	4:58	15:46	5:00	16:02	4:12	15:49	4:54	15:58	4:56	16:18	5:16	15:50	5:12	16:10	5:06	15:13	3:55	15:37	4:35	15:30	4:31	16:24	4:53	15:21	4:14	15:44
8	17:11	5:50	17:13	5:48	16:56	5:48	17:05	5:07	16:57	5:43	17:06	5:46	17:26	6:06	17:01	6:00	17:18	5:57	16:19	4:47	16:45	5:25	16:39	5:21	17:29	5:46	16:28	5:05	16:54
9	18:19	6:36	18:21	6:35	18:07	6:32	18:07	5:59	18:07	6:28	18:14	6:32	18:35	6:52	18:13	6:43	18:26	6:43	17:26	5:35	17:53	6:11	17:48	6:07	18:34	6:36	17:36	5:52	18:05
10	19:27	7:20	19:28	7:19	19:17	7:13	19:08	6:49	19:16	7:10	19:22	7:15	19:43	7:35	19:24	7:23	19:34	7:26	18:31	6:21	19:01	6:54	18:56	6:50	19:37	7:23	18:43	6:36	19:16
11	20:34	8:01	20:34	8:01	20:26	7:52	20:08	7:37	20:24	7:51	20:29	7:56	20:50	8:16	20:35	8:00	20:41	8:08	19:36	7:04	20:08	7:35	20:03	7:31	20:40	8:08	19:50	7:18	20:25
12	21:40	8:42	21:39	8:42	21:35	8:31	21:07	8:25	21:31	8:30	21:36	8:37	21:56	8:57	21:45	8:38	21:47	8:49	20:40	7:47	21:14	8:16	21:10	8:11	21:42	8:53	20:56	7:59	21:34
13	22:46	9:23	22:44	9:25	22:43	9:10	22:06	9:13	22:38	9:11	22:41	9:18	23:02	9:38	22:54	9:16	22:52	9:30	21:43	8:31	22:20	8:57	22:16	8:52	22:44	9:38	22:00	8:41	22:42
14	23:50	10:07	23:48	10:08	23:49	9:51	23:05	10:02	23:43	9:53	23:46	10:01		10:22		9:56	23:57	10:13	22:46	9:16	23:24	9:40	23:21	9:34	23:45	10:25	23:04	9:25	23:48
15		10:53		10:55		10:36		10:53		10:38		10:47	0:06	11:07	0:01	10:39		10:59	23:47	10:03		10:26		10:20		11:14		10:11	
16	0:52	11:42	0:50	11:44	0:52	11:23	0:03	11:45	0:46	11:27	0:48	11:36	1:08	11:57	1:05	11:27	0:59	11:49		10:53	0:27	11:15	0:23	11:09	0:45	12:05	0:06	11:00	0:52
17	1:51	12:34	1:49	12:37	1:52	12:15	1:00	12:39	1:45	12:18	1:47	12:28	2:08	12:49	2:05	12:18	1:58	12:41	0:45	11:46	1:26	12:07	1:23	12:01	1:43	12:58	1:05	11:52	1:52
18	2:46	13:28	2:43	13:31	2:47	13:09	1:55	13:32	2:40	13:13	2:42	13:22	3:02	13:43	3:00	13:12	2:52	13:35	1:40	12:40	2:21	13:01	2:18	12:55	2:37	13:52	2:00	12:46	2:46
19	3:35	14:23	3:33	14:25	3:36	14:05	2:46	14:25	3:30	14:08	3:31	14:17	3:52	14:38	3:49	14:08	3:42	14:30	2:31	13:34	3:10	13:56	3:07	13:50	3:28	14:46	2:50	13:41	3:35
20	4:20	15:18	4:18	15:20	4:20	15:01	3:33	15:17	4:14	15:03	4:16	15:12	4:36	15:33	4:32	15:05	4:27	15:25	3:16	14:28	3:55	14:52	3:52	14:45	4:14	15:38	3:35	14:36	4:19
21	5:00	16:12	4:58	16:14	4:58	15:57	4:17	16:07	4:53	15:58	4:56	16:07	5:16	16:27	5:10	16:01	5:07	16:19	3:58	15:21	4:35	15:46	4:31	15:40	4:56	16:30	4:15	15:30	4:57
22	5:36	17:05	5:35	17:06	5:33	16:51	4:58	16:54	5:29	16:52	5:32	16:59	5:52	17:20	5:44	16:57	5:43	17:11	4:35	16:12	5:11	16:38	5:07	16:33	5:35	17:20	4:52	16:22	5:32
23	6:10	17:56	6:09	17:57	6:05	17:45	5:37	17:41	6:01	17:44	6:05	17:51	6:25	18:12	6:14	17:51	6:16	18:03	5:10	17:02	5:44	17:30	5:40	17:25	6:11	18:08	5:26	17:13	6:03
24	6:41	18:47	6:41	18:47	6:34	18:37	6:13	18:26	6:32	18:36	6:37	18:42	6:57	19:02	6:43	18:45	6:48	18:54	5:44	17:51	6:16	18:21	6:11	18:16	6:46	18:56	5:58	18:04	6:33
25	7:12	19:38	7:12	19:37	7:03	19:30	6:49	19:11	7:01	19:28	7:07	19:33	7:27	19:53	7:11	19:38	7:19	19:44	6:16	18:40	6:46	19:12	6:42	19:07	7:20	19:43	6:29	18:54	7:02
26	7:43	20:29	7:43	20:28	7:32	20:23	7:25	19:57	7:31	20:19	7:38	20:24	7:58	20:44	7:39	20:32	7:49	20:35	6:48	19:29	7:17	20:03	7:12	19:59	7:53	20:31	7:00	19:44	7:31
27	8:14	21:20	8:15	21:19	8:02	21:16	8:02	20:44	8:02	21:12	8:09	21:16	8:29	21:36	8:08	21:27	8:21	21:27	7:22	20:19	7:49	20:55	7:43	20:51	8:28	21:20	7:32	20:36	8:00
28	8:48	22:14	8:50	22:12	8:34	22:11	8:41	21:32	8:35	22:06	8:43	22:09	9:03	22:30	8:39	22:23	8:55	22:20	7:57	21:11	8:22	21:48	8:17	21:45	9:05	22:11	8:06	21:29	8:32
29	9:25	23:08	9:27	23:06	9:09	23:08	9:22	22:22	9:11	23:02	9:20	23:04	9:40	23:25	9:13	23:20	9:32	23:15	8:35	22:04	8:59	22:43	8:53	22:40	9:45	23:03	8:43	22:23	9:08
30	10:06		10:09		9:49		10:07	23:15	9:52	23:58	10:01		10:21		9:52		10:13		9:17	22:59	9:40	23:39	9:34	23:36	10:28	23:57	9:25	23:19	9:47
31	10:53	0:04	10:55	0:02	10:34	0:05	10:56		10:37		10:47	0:00	11:07	0:21	10:37	0:18	10:59	0:11	10:04	23:55	10:26		10:20		11:16		10:11		10:32

ग्रहों की दैनिक गति के अनुसार सर्वतो भद्र चक्र में वेद दिशा संवत् २०७६ दिशा संकेत चिन्ह वा-वाम, द-दक्षिण, स-सम्मुख

ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि		ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि	
मास. दि व	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	मास. दि व	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध
04-01-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स	शीघ्र	वा	05-01-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	स्तम्भी	स
04-02-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स	शीघ्र	वा	05-02-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	स्तम्भी	स
04-03-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स	शीघ्र	वा	05-03-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-04-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स	शीघ्र	वा	05-04-19	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-05-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स	शीघ्र	वा	05-05-19	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-06-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स	शीघ्र	वा	05-06-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-07-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स	शीघ्र	वा	05-07-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-08-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स	शीघ्र	वा	05-08-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-09-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स	शीघ्र	वा	05-09-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-10-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स	सम	स	05-10-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-11-19	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स	सम	स	05-11-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-12-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स	सम	स	05-12-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-13-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-13-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-14-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-14-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-15-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-15-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-16-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-16-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-17-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-17-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-18-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-18-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-19-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-19-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-20-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-20-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-21-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-21-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-22-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-22-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	अनुवक्र	द
04-23-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-23-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
04-24-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-24-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
04-25-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-25-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
04-26-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-26-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
04-27-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	सम	स	05-27-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
04-28-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	स्तम्भी	स	05-28-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
04-29-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	स्तम्भी	स	05-29-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
04-30-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अनुवक्र	द	स्तम्भी	स	05-30-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
											05-31-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द

ग्रहों की दैनिक गति के अनुसार सर्वतो भद्र चक्र में वेद दिशा संवत् २०७६ दिशा संकेत चिन्ह वा-वाम, द-दक्षिण, स-सम्मुख

ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि		ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि	
मास. दि	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	मास. दि	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध
06-01-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-01-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-02-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-02-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-03-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-03-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-04-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-04-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-05-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-05-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-06-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-06-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-07-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-07-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-08-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-08-19	स्तम्भी	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-09-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-09-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-10-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-10-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-11-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-11-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-12-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-12-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-13-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-13-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-14-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-14-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-15-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-15-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-16-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-16-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-17-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-17-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-18-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-18-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-19-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-19-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-20-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-20-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-21-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-21-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-22-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-22-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-23-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-23-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	वक्र	द	वक्र	द
06-24-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-24-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द
06-25-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-25-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द
06-26-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-26-19	वक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द
06-27-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-27-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द
06-28-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-28-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द
06-29-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-29-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द
06-30-19	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द	वक्र	द	07-30-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द
											07-31-19	अनुवक्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द

ग्रहों की दैनिक गति के अनुसार सर्वतो भद्र चक्र में वेद दिशा संवत् २०७६ दिशा संकेत चिन्ह वा-वाम, द-दक्षिण, स-सम्मुख

ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि		ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि	
मास. दि व	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	मास. दि व	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध
08-01-19	स्तम्भी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-01-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द
08-02-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-02-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द
08-03-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-03-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द
08-04-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-04-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द
08-05-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-05-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द
08/06/2019	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-06-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द
08-07-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-07-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द
08-08-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-08-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द
08-09-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अनुवक्र	द	वक्र	द	09-09-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द
08-10-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	स्तम्भी	द	वक्र	द	09-10-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द
08-11-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	स्तम्भी	द	वक्र	द	09-11-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द
08-12-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	स्तम्भी	द	वक्र	द	09-12-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द
08-13-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	स्तम्भी	द	वक्र	द	09-13-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द
08-14-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-14-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द
08-15-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-15-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द
08-16-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-16-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	वक्र	द
08-17-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-17-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स
08-18-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-18-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स
08-19-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-19-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स
08-20-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-20-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स
08-21-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-21-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	स्तम्भी	स
08-22-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-22-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-23-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-23-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-24-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-24-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-25-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-25-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-26-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-26-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-27-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-27-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-28-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-28-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-29-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-29-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-30-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द	09-30-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
08-31-19	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	वक्र	द											

ग्रहों की दैनिक गति के अनुसार सर्वतो भद्र चक्र में वेद दिशा संवत् २०७६ दिशा संकेत चिन्ह वा-वाम, द-दक्षिण, स-सम्मुख

ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि	
मास. दि	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध
10-01-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
10-02-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
10-03-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
10-04-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
10-05-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
10-06-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
10-07-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
10-08-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	सम	स
10-09-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-10-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-11-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-12-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-13-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-14-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-15-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-16-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-17-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-18-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-19-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-20-19	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-21-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-22-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-23-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-24-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-25-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-26-19	सम	स	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-27-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-28-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-29-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-30-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
10-31-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा

ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि	
मास. दि	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध
11-01-19	स्तम्भी	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-02-19	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-03-19	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-04-19	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-05-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-06-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-07-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-08-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-09-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-10-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
11-11-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-12-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-13-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-14-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-15-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-16-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-17-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-18-19	वक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-19-19	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-20-19	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-21-19	स्तम्भी	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-22-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-23-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-24-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-25-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-26-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-27-19	सम	स	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-28-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-29-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
11-30-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा

ग्रहों की दैनिक गति के अनुसार सर्वतो भद्र चक्र में वेद दिशा संवत् २०७६ दिशा संकेत चिन्ह वा-वाम, द-दक्षिण, स-सम्मुख

ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि		ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि	
मास. दिन	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	मास. दिन	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध
12-01-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-01-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-02-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-02-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-03-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-03-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-04-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-04-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-05-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-05-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-06-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-06-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-07-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-07-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-08-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-08-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-09-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-09-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-10-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-10-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-11-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-11-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-12-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-12-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-13-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-13-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-14-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-14-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-15-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-15-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-16-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-16-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-17-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-17-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-18-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-18-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-19-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-19-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-20-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-20-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-21-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-21-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-22-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-22-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-23-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-23-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-24-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-24-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-25-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-25-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-26-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-26-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-27-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-27-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-28-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-28-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-29-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-29-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-30-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-30-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
12-31-19	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	01-31-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा

ग्रहों की दैनिक गति के अनुसार सर्वतो भद्र चक्र मे वेद दिशा संवत् २०७६ दिशा संकेत चिन्ह वा-वाम, द-दक्षिण, स-सम्मुख

ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि	
मास. दि	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध
02-01-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-02-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-03-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-04-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-05-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-06-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-07-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-08-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-09-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-10-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-11-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-12-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-13-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-14-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-15-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा
02-16-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-17-20	स्तम्भी	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-18-20	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-19-20	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-20-20	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-21-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-22-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-23-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-24-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-25-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-26-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-27-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-28-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
02-29-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा

ता	बुध		मंगल		शुक्र		गुरु		शनि	
मास. दि	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध	गति	वेध
03-01-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-02-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-03-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-04-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-05-20	वक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-06-20	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-07-20	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-08-20	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-09-20	अनुवक्र	द	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-10-20	स्तम्भी	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-11-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-12-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-13-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-14-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-15-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-16-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-17-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-18-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-19-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-20-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-21-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-22-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-23-20	सम	स	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-24-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-25-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-26-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-27-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-28-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-29-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-30-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा
03-31-20	शीघ्र	वा	अतिचारी	वा	सम	स	शीघ्र	वा	शीघ्र	वा

सूर्योदयास्त स्थानीय मध्यमकाल (बिम्बशीर्ष) घण्टा-मिनटो म

स्टैण्डर्ड टाइम में किसी स्थान का सूर्योदयास्त ज्ञात करने के लिए 4 मिनट प्रति अंश की दर से समयावधि का जोड़ करें, जितने रेखांश अभीष्ट स्थल स्टैण्डर्ड रेखांश से पश्चिम है। 4 मिनट प्रति अंश की दर से समयावधि घटा दें, जितने रेखांश अभीष्ट स्थान स्टैण्डर्ड रेखांश से पूर्व में हैं।

भारत में भा० स्टै० टा० ज्ञात करने के लिए—यदि स्थान 82½° रेखांश से पश्चिम में हो, तो जोड़ें + 4 × (82½° − अभीष्ट स्थल का रेखांश) मिनट और यदि स्थान 82½° रेखांश से पूर्व में हो, तो घटाएं 4 × (अभीष्ट स्थल का रेखांश −82½°) मिनट

अक्षांश / ता०	0°		+10°		+20°		+30°		+35°		+40°		+45°		+50°		+52°		+54°		+56°		+58°		+60°		अक्षांश / ता०
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	
जन. 1	5 59	18 07	6 17	17 50	6 35	17 32	6 56	17 11	7 08	16 59	7 22	16 45	7 38	16 28	7 59	16 08	8 08	15 58	8 19	15 47	8 32	15 35	8 46	15 21	9 03	15 04	जन. 1
4	6 01	18 09	6 18	17 52	6 36	17 34	6 57	17 14	7 09	17 02	7 22	16 48	7 39	16 32	7 59	16 12	8 08	16 03	8 19	15 52	8 30	15 40	8 44	15 26	9 01	15 10	4
8	6 03	18 11	6 20	17 54	6 37	17 37	6 57	17 17	7 09	17 05	7 22	16 52	7 38	16 36	7 57	16 17	8 06	16 08	8 17	15 57	8 28	15 46	8 42	15 33	8 57	15 17	8
12	6 05	18 12	6 21	17 56	6 38	17 39	6 57	17 20	7 09	17 09	7 22	16 56	7 37	16 41	7 55	16 22	8 04	16 13	8 14	16 04	8 25	15 53	8 38	15 40	8 53	15 25	12
16	6 06	18 14	6 22	17 58	6 38	17 42	6 57	17 23	7 08	17 12	7 20	17 00	7 34	16 46	7 53	16 28	8 01	16 20	8 10	16 10	8 21	16 00	8 33	15 48	8 47	15 34	16
20	6 08	18 15	6 22	18 00	6 38	17 45	6 56	17 27	7 06	17 16	7 18	17 05	7 32	16 51	7 49	16 34	7 57	16 26	8 06	16 17	8 16	16 07	8 27	15 56	8 40	15 43	20
24	6 09	18 16	6 23	18 02	6 38	17 47	6 55	17 30	7 04	17 20	7 16	17 10	7 29	16 56	7 45	16 41	7 52	16 33	8 00	16 25	8 10	16 16	8 20	16 05	8 32	15 53	24
28	6 10	18 17	6 23	18 04	6 37	17 50	6 53	17 34	7 02	17 24	7 13	17 14	7 25	17 02	7 40	16 47	7 47	16 40	7 54	16 32	8 03	16 24	8 13	16 14	8 24	16 03	28
फर. 1	6 10	18 17	6 23	18 05	6 36	17 52	6 51	17 37	7 00	17 28	7 09	17 19	7 20	17 08	7 34	16 54	7 41	16 48	7 48	16 40	7 56	16 33	8 05	16 24	8 15	16 14	फर. 1
5	6 11	18 18	6 22	18 06	6 34	17 54	6 48	17 41	6 56	17 32	7 05	17 24	7 16	17 13	7 28	17 01	7 34	16 55	7 41	16 48	7 48	16 41	7 56	16 33	8 05	16 24	5
9	6 11	18 18	6 22	18 08	6 33	17 56	6 46	17 44	6 53	17 36	7 01	17 29	7 10	17 19	7 22	17 08	7 27	17 02	7 33	16 56	7 40	16 50	7 47	16 43	7 55	16 35	9
13	6 11	18 18	6 21	18 09	6 31	17 58	6 42	17 47	6 49	17 40	6 56	17 33	7 05	17 25	7 15	17 15	7 20	17 10	7 25	17 04	7 31	16 59	7 37	16 52	7 45	16 45	13
17	6 11	18 18	6 20	18 10	6 28	18 00	6 39	17 50	6 44	17 44	6 51	17 38	6 59	17 30	7 08	17 22	7 12	17 17	7 17	17 13	7 22	17 08	7 27	17 02	7 34	16 56	17
21	6 11	18 17	6 18	18 10	6 26	18 02	6 35	17 54	6 40	17 48	6 46	17 43	6 52	17 36	7 00	17 28	7 04	17 25	7 08	17 21	7 12	17 17	7 17	17 12	7 23	17 06	21
25	6 10	18 17	6 16	18 11	6 23	18 04	6 31	17 56	6 35	17 52	6 40	17 47	6 46	17 41	6 52	17 35	6 56	17 32	6 59	17 29	7 02	17 25	6 07	17 21	6 11	17 16	25
मार्च 1	6 09	18 16	6 15	18 11	6 21	18 05	6 27	17 59	6 30	17 56	6 34	17 52	6 39	91747	6 44	17 42	6 47	17 39	6 50	17 36	6 52	17 34	6 56	17 30	6 00	17 26	मार्च 1
5	6 09	18 15	6 13	18 11	6 17	18 07	6 22	18 02	6 25	17 59	6 28	17 56	6 32	17 52	6 36	17 48	6 38	17 47	6 40	17 44	6 42	17 42	6 45	17 40	6 48	17 37	5
9	6 08	18 14	6 11	18 11	6 14	18 08	6 18	18 05	6 20	18 03	6 22	18 00	6 24	17 58	6 28	17 55	6 29	17 54	6 31	17 52	6 32	17 50	6 34	17 49	6 36	17 47	9
13	6 07	18 13	6 08	18 11	6 11	18 09	6 13	18 07	6 14	18 06	6 16	18 04	6 17	18 03	6 19	18 01	6 20	18 01	6 21	18 00	6 22	17 59	6 23	17 58	6 24	17 56	13
17	6 06	18 12	6 06	18 11	6 07	18 11	6 08	18 10	6 09	18 09	6 09	18 09	6 10	18 08	6 11	18 08	6 11	18 06	6 11	18 07	6 11	18 07	6 12	18 07	6 12	18 06	17
21	6 04	18 11	6 04	18 11	6 04	18 12	6 04	18 12	6 03	18 13	6 03	18 13	6 02	18 14	6 02	18 14	6 02	18 15	6 01	18 15	6 01	18 15	6 01	18 16	6 00	18 16	21
25	6 03	18 10	6 02	18 11	6 00	18 13	5 59	18 14	5 58	18 16	5 56	18 17	5 55	18 18	5 53	18 20	5 52	18 22	5 51	18 22	5 50	18 23	5 49	18 25	5 48	18 26	25
29	6 02	18 09	5 59	18 11	5 57	18 14	5 54	18 17	5 52	18 19	5 50	18 21	5 47	18 23	5 45	18 27	5 43	18 28	5 41	18 30	5 40	18 31	5 38	18 34	5 36	18 36	29

अक्षांश / ता०	0°		+10°		+20°		+30°		+35°		+40°		+45°		+50°		+52°		+54°		+56°		+58°		+60°		अक्षांश / ता०
	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	उदय	अस्त	
अप्रैल 2	6 101	18 107	5 157	18 111	5 153	18 115	5 149	18 119	5 146	18 122	5 148	18 125	5 140	18 129	5 136	18 133	5 134	18 135	5 132	18 137	5 129	18 140	5 127	18 143	5 124	18 145	अप्रैल 2
6	6 100	18 106	5 156	18 110	5 150	18 116	5 144	18 122	5 141	18 125	5 137	18 129	5 133	18 134	5 127	18 139	5 125	18 142	5 122	18 145	5 119	18 148	5 116	18 152	5 111	18 155	6
10	5 159	18 108	5 153	18 110	5 147	18 117	5 140	18 124	5 136	18 129	5 131	18 133	5 126	18 139	5 119	18 145	5 116	18 149	5 112	18 152	5 108	18 156	5 105	19 101	5 100	19 106	10
14	5 158	18 104	5 150	18 110	5 144	18 118	5 135	18 127	5 130	18 132	5 124	18 137	5 118	18 144	5 110	18 152	5 107	18 156	5 103	19 100	4 158	19 104	4 154	19 109	4 148	19 113	14
18	5 157	18 103	5 148	18 111	5 141	18 119	5 131	18 129	5 125	18 135	5 119	18 141	5 112	18 149	5 102	18 158	4 158	19 103	4 154	19 107	4 148	19 112	4 143	19 118	4 136	19 125	18
22	5 156	18 102	5 147	18 111	5 138	18 121	5 126	18 132	5 120	18 138	5 113	18 145	5 104	18 154	4 154	19 104	4 149	19 109	4 145	19 115	4 138	19 120	4 132	19 127	4 125	19 136	22
26	5 155	18 102	5 145	18 111	5 135	18 122	5 122	18 134	5 116	18 141	5 107	18 149	4 158	18 159	4 147	19 110	4 141	19 116	4 136	19 122	4 129	19 129	4 121	19 136	4 113	19 145	26
30	5 154	18 101	5 143	18 112	5 132	18 123	5 119	18 137	5 111	18 145	5 102	18 153	4 152	18 104	4 139	19 117	4 133	19 123	4 127	19 129	4 120	19 137	4 111	19 145	4 102	19 154	30
मई 4	5 154	18 100	5 142	18 112	5 129	18 125	5 115	18 139	5 107	18 148	4 157	18 157	4 146	19 110	4 132	19 123	4 126	19 130	4 118	19 137	4 111	19 145	4 102	19 154	3 151	20 104	मई 4
8	5 153	18 100	5 141	18 113	5 127	18 126	5 112	18 142	5 103	18 151	4 153	19 101	4 140	19 114	4 126	19 129	4 119	19 136	4 111	19 144	4 102	19 153	3 152	19 103	3 141	20 114	8
12	5 153	18 100	5 140	18 114	5 125	18 128	5 109	18 144	5 100	18 154	4 148	19 105	4 135	19 119	4 119	19 135	4 112	19 142	4 104	19 151	3 154	20 100	3 143	22 111	3 131	20 124	12
16	5 153	18 100	5 139	18 114	5 124	18 129	5 106	18 147	4 157	18 158	4 144	19 109	4 131	19 123	4 114	19 140	4 105	19 148	3 157	19 158	3 146	20 108	3 135	20 120	3 121	20 134	16
20	5 153	18 100	5 138	18 115	5 123	18 131	5 104	18 149	4 154	19 101	4 141	19 113	4 126	19 127	4 109	19 146	4 100	19 154	3 150	20 104	3 139	20 115	3 127	20 128	3 112	20 143	20
24	5 153	18 101	5 138	18 116	5 122	18 133	5 102	18 152	4 151	19 103	4 138	19 116	4 122	19 132	4 101	19 151	3 155	20 100	3 145	20 110	3 133	20 122	3 120	20 136	3 104	20 151	24
28	5 154	18 101	5 138	18 117	5 121	18 134	5 101	18 154	4 149	19 106	4 136	19 120	4 119	19 136	4 100	19 156	3 150	20 106	3 140	20 116	3 128	20 128	3 113	20 143	2 157	20 159	28
जून 1	5 154	18 102	5 138	18 118	5 120	18 136	5 100	18 156	4 148	19 109	4 134	19 123	4 117	19 139	3 157	20 100	3 147	20 110	3 135	20 121	3 123	20 134	3 108	20 149	2 150	21 107	जून 1
5	5 155	18 102	5 138	18 119	5 120	18 137	4 159	18 158	4 147	19 111	4 132	19 125	4 115	19 143	3 154	20 104	3 144	20 114	3 132	20 126	3 119	20 139	3 103	20 155	2 145	21 113	5
9	5 156	18 103	5 139	18 120	5 120	18 139	4 158	19 100	4 146	19 113	4 131	19 128	4 114	19 145	3 152	20 107	3 141	20 118	3 129	20 130	3 116	20 143	3 100	20 159	2 140	21 119	9
13	5 157	18 104	5 139	18 122	5 120	18 140	4 158	19 102	4 145	19 115	4 131	19 130	4 113	19 147	3 151	20 110	3 140	20 121	3 128	20 133	3 114	20 147	2 157	21 103	2 137	21 123	13
17	5 158	18 105	5 140	18 122	5 121	18 141	4 159	19 103	4 146	19 116	4 131	19 131	4 113	19 149	3 150	20 112	3 139	20 123	3 127	20 135	3 113	20 149	2 156	21 106	2 136	21 126	17
21	5 158	18 106	5 141	18 123	5 122	18 142	5 100	19 104	4 147	19 117	4 132	19 133	4 113	19 151	3 151	20 113	3 140	20 124	3 128	20 136	3 113	20 151	2 157	21 107	2 136	21 128	21
25	5 159	18 107	5 142	18 124	5 123	18 143	5 101	19 105	4 148	19 118	4 133	19 133	4 114	19 151	3 152	20 113	3 141	20 124	3 129	20 136	3 114	20 151	2 158	21 107	2 137	21 128	25
29	6 100	18 107	5 143	18 125	5 124	18 143	5 102	19 105	4 149	19 118	4 134	19 133	4 116	19 151	3 154	20 113	3 143	20 124	3 131	20 136	3 117	20 150	2 100	21 106	2 140	21 126	29
जुलाई 3	6 101	18 108	5 144	18 125	5 125	18 144	5 103	19 105	4 150	19 118	4 136	19 133	4 118	19 150	3 156	20 112	3 146	20 122	3 134	20 134	3 120	20 148	3 104	21 104	2 144	21 124	जुलाई 3
7	6 101	18 109	5 145	18 125	5 126	18 144	5 105	19 105	4 152	19 118	4 138	19 132	4 121	19 149	3 159	20 110	3 149	20 120	3 137	20 132	3 124	20 145	3 109	21 101	2 149	21 120	7
11	6 102	18 109	5 146	18 126	5 128	18 143	5 107	19 104	4 155	19 116	4 141	19 130	4 124	19 147	4 103	20 108	3 153	20 118	3 142	20 129	3 129	20 141	3 114	20 157	2 156	29 114	11
15	6 102	18 110	5 147	18 126	5 129	18 143	5 109	19 103	4 157	19 115	4 144	19 128	4 127	19 144	4 107	20 104	3 158	20 114	3 147	20 125	3 134	20 137	3 120	20 151	3 103	21 108	15
19	6 103	18 110	5 148	18 125	5 131	18 142	5 111	19 101	5 100	19 113	4 147	19 126	4 131	19 141	4 112	20 100	4 103	20 110	3 152	20 120	3 141	20 131	4 127	20 145	3 111	21 100	19
23	6 103	18 110	5 148	18 125	5 132	18 141	5 113	18 159	5 103	19 110	4 150	19 123	4 135	19 138	4 117	19 156	4 108	20 104	3 158	20 114	3 147	20 125	4 134	20 138	3 120	20 152	23
27	6 103	18 110	5 149	18 124	5 134	18 140	5 116	18 157	5 106	19 108	4 154	19 119	4 139	19 133	4 122	19 151	4 114	19 158	4 105	20 108	3 154	20 118	4 142	20 130	3 129	20 144	27
31	6 103	18 110	5 150	18 124	5 135	18 138	5 118	18 155	5 109	19 104	4 157	19 115	4 144	19 129	4 127	19 145	4 120	19 152	4 111	20 101	4 101	20 110	4 150	20 121	3 138	20 134	31
अग. 4	6 103	18 110	5 150	18 122	5 137	18 136	5 121	18 152	5 112	19 100	5 101	19 111	4 148	19 123	4 133	19 139	4 126	19 146	4 118	19 153	4 109	20 102	4 159	20 113	3 147	20 124	अग. 4
8	6 102	18 109	5 151	18 121	5 138	18 134	5 123	18 148	5 115	18 156	5 105	19 107	4 153	19 118	4 139	19 132	4 132	19 138	4 125	19 145	4 116	19 154	4 107	19 103	3 156	20 114	8
12	6 102	18 109	5 151	18 119	5 139	18 131	5 125	18 144	5 118	18 152	5 108	19 102	4 158	19 112	4 145	19 125	4 139	19 131	4 152	19 137	4 124	19 145	4 116	19 153	4 106	20 103	12
16	6 101	18 108	5 151	18 118	5 140	18 129	5 128	18 141	5 121	18 148	5 112	18 156	5 103	19 106	4 150	19 117	4 145	19 123	4 139	19 129	4 132	19 136	4 125	19 143	4 116	19 152	16
20	6 100	18 107	5 151	18 116	5 142	18 126	5 130	18 137	5 124	18 143	5 116	18 150	5 107	18 159	4 156	19 109	4 152	19 114	4 146	19 120	4 140	18 126	4 133	18 133	4 125	19 140	20
24	6 100	18 106	5 151	18 114	5 143	18 123	5 132	18 132	5 127	18 138	5 120	18 144	5 112	18 152	5 102	19 101	4 158	19 106	4 153	19 111	4 148	18 116	4 142	18 122	4 135	19 129	24
28	5 158	18 105	5 151	18 112	5 144	18 119	5 135	18 128	5 130	18 133	5 124	18 138	5 117	18 145	5 108	18 153	5 105	18 157	5 101	19 101	5 156	19 106	4 151	18 111	5 145	19 117	28

अक्षांश / ता०	0° उदय	0° अस्त	+10° उदय	+10° अस्त	+20° उदय	+20° अस्त	+30° उदय	+30° अस्त	+35° उदय	+35° अस्त	+40° उदय	+40° अस्त	+45° उदय	+45° अस्त	+50° उदय	+50° अस्त	+52° उदय	+52° अस्त	+54° उदय	+54° अस्त	+56° उदय	+56° अस्त	+58° उदय	+58° अस्त	+60° उदय	+60° अस्त	अक्षांश / ता०
सित. 1	5 57	18 04	5 51	18 09	5 45	18 16	5 37	18 23	5 33	18 28	5 27	18 32	5 22	18 38	5 14	18 45	5 11	18 49	5 08	18 52	5 03	18 56	4 59	18 00	5 54	19 05	सित. 1
5	5 56	18 02	5 51	18 07	5 46	18 12	5 39	18 19	5 36	18 22	5 31	18 26	5 26	18 31	5 20	18 37	5 18	18 39	5 15	18 42	5 11	18 45	5 08	18 49	5 04	18 53	5
9	5 54	18 01	5 50	18 05	5 46	18 09	5 41	18 14	5 39	18 16	5 35	18 20	5 31	18 23	5 26	18 28	5 24	18 30	5 22	18 32	5 19	18 35	5 16	18 38	5 13	18 41	9
13	5 53	18 00	5 50	18 02	5 47	18 05	5 43	18 09	5 41	18 11	5 39	18 13	5 36	18 16	5 32	18 19	5 31	18 21	5 29	18 22	5 27	18 24	5 25	18 26	5 22	18 29	13
17	5 52	17 58	5 50	18 00	5 48	18 01	5 46	18 04	5 44	18 05	5 42	18 06	5 41	18 08	5 38	18 10	5 37	18 11	5 36	18 12	5 35	18 14	5 33	18 15	5 32	18 16	17
21	5 50	17 57	5 49	17 57	5 49	17 58	5 48	17 59	5 47	17 59	5 46	18 00	5 46	18 00	5 44	18 02	5 44	18 02	5 43	18 02	5 42	18 03	5 42	18 04	5 41	18 04	21
25	5 49	17 55	5 49	17 55	5 50	17 54	5 50	17 54	5 50	17 53	5 50	17 53	5 50	17 53	5 50	17 53	5 50	17 53	5 51	17 52	5 50	17 52	5 51	17 52	5 51	17 52	25
29	5 47	17 54	5 49	17 52	5 51	17 50	5 52	17 49	5 53	17 48	5 54	17 47	5 55	17 45	5 56	17 44	5 58	17 43	5 58	17 42	5 58	17 42	5 59	17 41	6 00	17 40	29
अक्टू. 3	5 46	17 53	5 49	17 50	5 52	17 47	5 54	17 44	5 56	17 42	5 58	17 40	6 00	17 38	6 02	17 35	6 04	17 34	6 05	17 33	6 06	17 31	6 08	17 30	6 09	17 28	अक्टू. 3
7	5 46	17 52	5 48	17 47	5 53	17 44	5 57	17 39	5 59	17 37	6 02	17 34	6 05	17 30	6 09	17 27	6 11	17 25	6 12	17 23	6 14	17 21	6 17	17 19	6 19	17 16	7
11	5 54	17 51	5 48	17 45	5 54	17 40	5 59	17 34	6 03	17 21	6 06	17 27	6 10	17 23	6 15	17 18	6 17	17 16	6 20	17 13	6 22	17 11	6 26	17 08	6 29	17 04	11
15	5 48	17 50	5 49	17 43	5 55	17 37	6 02	17 30	6 06	17 26	6 10	17 21	6 15	17 16	6 21	17 10	6 24	17 07	6 27	17 04	6 31	17 00	6 35	17 57	6 38	16 52	15
19	5 42	17 49	5 49	17 41	5 56	17 34	6 05	17 26	6 09	17 21	6 14	17 15	6 20	17 09	6 28	17 02	6 31	16 59	6 35	17 55	6 39	16 51	6 44	16 46	6 48	16 41	19
23	5 41	17 48	5 49	17 40	5 58	17 31	6 07	17 21	6 13	17 16	6 19	17 10	6 26	17 03	6 34	16 54	6 38	16 50	6 42	17 46	6 47	16 41	6 53	16 36	6 58	16 30	23
27	5 41	17 48	5 50	17 39	5 59	17 29	6 10	17 18	6 16	17 12	6 23	17 05	6 31	16 56	6 41	16 47	6 46	16 42	6 50	17 37	6 56	16 32	6 02	16 25	7 09	16 19	27
31	5 40	17 47	5 51	17 37	6 01	17 26	6 13	17 15	6 20	17 07	6 28	17 00	6 37	16 50	6 48	16 40	6 53	16 34	6 58	16 29	7 04	16 23	6 11	16 16	7 19	16 08	31
नव. 4	5 40	17 47	5 52	17 36	6 03	17 24	6 16	17 12	6 24	17 04	6 32	16 55	6 43	16 45	6 54	16 33	7 00	16 27	7 06	16 21	7 13	16 14	6 21	16 07	7 29	15 57	नव. 4
8	5 40	17 47	5 53	17 36	6 05	17 23	6 19	17 09	6 27	16 00	6 37	16 51	6 48	16 40	7 01	16 26	7 07	16 20	7 14	16 14	7 21	16 06	6 30	15 58	7 39	15 48	8
12	5 41	17 48	5 54	17 35	6 07	17 22	6 23	17 06	6 31	16 57	6 42	16 47	6 53	16 35	7 08	16 21	7 14	16 14	7 21	16 07	7 30	15 58	6 39	15 49	7 50	15 39	12
16	5 42	17 49	5 55	17 35	6 09	17 21	6 26	17 04	6 35	16 54	6 46	16 44	6 58	16 31	7 14	16 16	7 21	16 08	7 29	16 00	7 38	15 51	6 48	15 41	8 00	15 30	16
20	5 42	17 50	5 57	17 35	6 12	17 20	6 29	17 02	6 39	16 52	6 51	16 41	7 04	16 27	7 20	16 11	7 28	16 03	6 37	15 55	7 46	15 45	6 57	15 34	8 10	15 21	20
24	5 43	17 51	5 58	17 35	6 14	17 19	6 33	17 01	6 43	16 51	6 55	16 38	7 09	16 24	7 26	16 07	7 35	15 59	7 44	15 50	7 54	15 40	7 05	15 27	8 19	15 14	24
28	5 45	17 52	6 00	17 36	6 17	17 19	6 36	17 00	6 47	16 50	6 59	16 37	7 14	16 22	7 32	16 04	7 41	15 55	7 50	15 45	8 01	15 35	8 13	15 22	8 28	15 08	28
दिस. 2	5 46	17 53	6 02	17 37	6 19	17 20	6 39	17 00	6 50	16 49	7 03	16 36	7 19	16 20	7 38	16 01	7 47	15 52	7 56	15 42	8 08	15 31	8 21	15 17	8 36	14 03	दिस. 2
6	5 47	17 55	6 04	17 38	6 22	17 21	6 42	17 00	6 54	16 48	7 07	16 35	7 23	16 19	7 43	16 00	7 52	15 50	8 02	15 39	8 14	15 28	8 28	15 14	8 44	14 58	6
10	5 49	17 57	6 06	17 40	6 24	17 22	6 45	17 01	6 57	16 49	7 11	16 35	7 27	16 19	7 47	15 59	7 57	15 49	8 08	15 38	8 20	15 26	8 34	15 12	8 50	14 55	10
14	5 51	17 58	6 08	17 41	6 27	17 23	6 48	17 02	7 00	16 50	7 14	16 36	7 30	16 19	7 51	15 58	8 01	15 49	8 12	15 38	8 24	15 25	8 39	15 11	8 56	14 54	14
18	5 53	18 00	6 10	17 43	6 29	17 24	6 50	17 03	7 02	16 51	7 17	16 37	7 33	16 20	7 54	15 59	8 04	15 50	8 15	15 39	8 28	15 26	8 43	15 11	9 00	14 54	18
22	5 55	18 02	6 12	17 45	6 31	17 26	6 52	17 05	7 04	16 53	7 19	16 38	7 36	16 22	7 56	16 01	8 06	15 51	8 17	15 40	8 30	15 27	8 46	15 12	9 02	14 55	22
26	5 57	18 04	6 14	17 47	6 33	17 28	6 54	17 07	7 06	16 55	7 21	16 41	7 37	16 24	7 58	16 04	8 08	15 54	8 19	15 43	8 32	15 30	8 46	15 15	9 04	15 58	26
30	5 59	18 06	6 16	17 49	6 35	17 31	6 56	17 10	7 08	16 58	7 22	16 44	7 38	16 27	7 59	16 07	8 08	15 57	8 19	15 43	8 32	15 34	8 46	15 19	9 04	15 02	30

कुंभ महापर्व का ऐतिहासिक, समाजिक महत्व और यात्रियों के कर्तव्य

(स्वर्गी हरदेव शर्मा त्रिवेदी जी)

श्रीविश्वविजय पंचांग के प्रवर्तक

भारत विश्व की संक्षिप्त प्रतिकृति होते हुए भी सर्वथा अलौकिक है। संसार भरत के जितने भी देश है- उन सबकी सम्पूर्ण विशेषताएं भारत में एक लक्षित है जिसके कारण सारा संसार इसे आदर्श और श्रद्धा की दृष्टि से देखता है। इसके अनेक दिव्य कार्य अत्यन्त प्राचीन-इतने पुराने है कि आज का वैज्ञानिक ऐतिहासिक उनका तिथि कम भी निश्चित नहीं कर पाता और उन्हें प्रागैतिहासिक कहकर छोड देते है। ऐसा होते हुए भी वे नित्य नवीन है। उनका महत्व आज भी उतना ही है, जितना कि लाखों वर्ष पूर्व था। कुंभ महापर्व भी भारत के ऐसे अत्यंत उनयोगी और महत्वपूर्ण अलौकिक आयोजनों में से एक है।

कुंभ का सामजिक महत्व

कुंभ पर्व हमारे सामाजिक संगवठन के साथ भौगोलिक ऐक्य का प्रतीक है। धर्म, समाज आदि राजनैतिक दृष्टियों से तो यह महान् राष्ट सदा से ही रहा ही है। साथ भौगोलिक भेदभाव को भी इसने कभी स्वीकार नहीं किया। इसलिए काश्मीर सरीखें उत्तरीय प्रान्तों के निवासि गोदावरी तक दक्षिण में सहर्ष पहुचता है। उधर कन्याकुमारी उन्तरीप के समीप रामेश्रश्वर में रहने वाला भारतीय उत्तर में अवस्थित राष्ट रक्षक प्रहरी हिमालय के पावन पाद कदमों को छूकर तथा पतित पावनी गंगा माता का पय:पान कर उसकी गोद में बैठकर अपने दोनो लोक बना लेता है। इस प्रकार कुंभ पर्व सामाजिक एकता के साथ ही साथ भारत की भौगोलिक एकता का भी इस प्रकार प्रतीक प्रमाणित होता है। हमारे पूर्वजो ने किसी भी कार्य में संकीर्ण दृष्टि से विचार नहीं किया, वे प्रत्येक परिस्थिति और व्यापक विचार करते है। उनके जीवन में प्रत्येक क्षण में धार्मिक सामाजिक और सांस्कृतिक भावनाओं का समन्वय रहता है। धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष, चारों ही उनके जीवन के लक्ष्य रहें है। कुंभ पर्व भी इन चारों के पूरक प्रयत्न है। धर्म और मोक्ष के यो तो स्पष्ट साधन है ही। वेद(गायत्री) के समान ही गंगा भी हमारे जीवन की सर्वतोन्मुखी उन्नति की प्रतीक है। इसीलिए हम पृथ्वी माता और गौ माता के साथ गंगा माता का उल्लेख करते हैं राष्ट का कल्याण करने वाली वस्तुओं को माता से बढ़कर और कोई पवित्र और पूज्य उपाधि नहीं दी जा सकती । शास्त्रों ने गंगा की महिमा खूब गायी है। कहीं-कहीं तो उसमें अतिश्योक्ति की झलक दिखाई देती है, किन्तु-

''जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरति तिन तैर्सी''

के अनुसार भावुक भक्तजनों श्रद्धालुओं का तो वह सचमुच नाम लेने मात्र से भी कल्याण कर देती है। इसके विपरीत जो लोग सात्विक श्रद्धा से हीन होकर अपने और राष्ट की कल्याण कामना से नहीं, परन्तु वैयक्तिक भौतिक स्वार्थो की पूर्ति के लिए गंगा स्नान के लिए जाते है, उन्हें केवल स्नान का ही फल मिल सकता है तीर्थयात्रा का नहीं जैसे कि 'शंखस्मृति' में स्पष्ट कहता है।

तीर्थ प्राप्तयानुषडगेन स्नान तीर्थे समाचरन्। स्नानजं फलमाप्नोति तीर्थयात्रा फलं न तु।।

अर्थात् तीर्थयात्रा के प्रसंग से श्रद्धा के बिना व्यक्ति किसी तीर्थ पर स्नान करते है, उन्हें फल तो अवश्य मिलता है, पर उसके महात्म्य में वर्णित यात्रा का फल नहीं।

प्राचीन शास्त्र और आधुनिक विज्ञान

रोहिताश्व त्रिवेदी 9871956320

पृथ्वी प्राचीन महार्शियोंने पृथिवीका आकार सूर्यचन्द्रादिकोंका सम्बन्ध बताते हुए पृथ्वी को चारों ओर से गोल माना है। जैसे नारंगो, अंडा, गेंदका आकार गोल है। उसी प्रकार पृथिवीका आकार भी गोल है। यदि नारंगी की फांकों को अलग–अलग कर दिया जाय तो वे सीधी प्रतीत होंगी। परन्तु उन्हें मिलाने पर गोल ही दिखाई देगी। यदि हम किसी गोलाकार वृहत मृतपिण्ड पर चढ़ कर देखें तो वह पिंड चिमटा ही दिखाई देगा। इसी प्रकार पृथ्वीका आकार बहुत बड़ा है और मनुश्य छोटा है। अतएव पृथ्वीका आकार चिपटा दिखाई देता है सिद्धान्त शिरोमणिमें लिखा है।

समौ यतः स्यात् परिधेः शतांशः।
पृथिवीच पृथ्वी नितरां तनीयान्।।
नरश्च तत्पृश्ठगतस्य कृत्स्नाम्।
समेव तस्य प्रतिभात्यतः सा।।

पृथ्वी का आकार बहुत विस्तृत है, इस वास्ते मनुश्य को उसका सौंवा भाग

समान दिखाई देता है और मनुष्य उस पृथ्वी स्थित सारी वस्तुओं को समान ही देखता है। अतः चपटी प्रतीत होती है। परन्तु वास्तव में उसका आकार गोल है।

ग्रहलाघवके चतुर्थधिकार में लिखा है कि ''छादयत्यर्क मिन्दुर्विधुं भूमिमा'' अर्थात् ग्रहण के समय पृथिवीकी गोल छाया चन्द्रमा पर गिरती है, सो वह स्थान गोल छायाका प्रतिबिम्ब गोल दिखाई देता है, और शेश चन्द्रमा तिरछा प्रतीत होता है, क्योंकि जब किसी गोल वस्तुको गोल वस्तु से काटा जाता है तो वह उस पदार्थ से गोलाई ले लेती है। और अवशिश्ट भाग तिरछा रह जाता है। क्योंकि जो वस्तु जिस आकार की होती है उसका प्रतिबिम्ब भी वैसा ही होता है।

श्री कमलाकर भट्टने लिखा है यदि पृथिवी चिपटी होती तो–

''उदग्दिशं याति यथा नरः तथा तथा पश्यत्युन्नतं ध्रुवम्''।

मनुश्य ज्यों–ज्यों उत्तर दिशाकी ओर जाता है त्यों–त्यों ध्रुव नामक तारा अधिक ऊंचा दिखाई देता है। और यह तब हो सकता है कि जब भूभाग एक ओर ऊंचा और दूसरी ओर नीचा हो, इससे स्पश्ट होता है कि हम किसी गोलाकार वाली चीज पर चल रहें है। इससे सिद्ध होता है कि पाश्चात्य विद्वानोंने भी इस सिद्धान्तका अध्ययन भारतवर्शसे ही किया था।

आश्चर्य है कि हम लोग अपने सिद्धातोंको न जानते हुए, पश्चात्य विद्वानों का ही अविश्कार बता रहें है। यह हमारी सरासर भूल है। अब प्रश्न यह है कि सूर्य पृथ्वी के चारों ओर घूमता है अथवा पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है। हमारे आधुनिक भारतवासियों का मन्तव्य है कि प्राचीन शास्त्र के कथन में पृथ्वीके चारों ओर सूर्य और तारागण घूमते है। उनका कहना है कि हमारे ऊपर एक ''शिशुमार चक्र'' है जो चाककी भांति भ्रमण कर रहा है। और ज्यों–ज्यों वह चक घूमता हुआ हमारे सामने आता है, त्यों–त्यों सूर्यादि तारागण दिखाई देते हैं। वास्तव में यह युक्ति और प्रमाण से बिल्कुल असंगत है, वेद इसका स्पश्टीकरण करता हुआ बता रहा है–

या गौः वर्तनी पर्यीति विवस्वते (ऋ० ८।२।१०।१)

यह पृथ्वी अपनी सीमा में सूर्य के चारो ओर घूमती है।

आर्यभट्ट ने लिखा है–

भपंजरः स्थिरो भूरेवावृत्यावृत्य प्रतिदैवसिकम्।
उदयास्तमयं सम्पादयति ग्रहनक्षत्राणामं।।

सूर्यादि सब नक्षत्र स्थिर हैं, पृथ्वी ही अपनी धुरी पर बार–बार घूम कर प्रतिदिन इन नक्षत्रों के उदय और अस्त का सम्पादन करती है।

श्री भास्कराचार्य्यने सिद्धान्त शिरोमणि में लिखा है–

अनुलोमगतिनौंस्थः पश्यत्यचलं विलोमगं यद्वत्।
अचलानि भान्ति तद्वत् सपश्चिमगानि लंकायाम्।।

जैसे नौकामें बैठा हुआ मनुश्य किनारेकी स्थिर वस्तुओं को उलटी चलता हुआ देखता है, इसी प्रकार मनुश्योंको सूर्यादि नक्षत्र अस्थिर और पश्चिमकी ओर चलते हुए दिखाई देते हैं परन्तु वास्तव में पृथिवी ही अपनी सीमा में घूमती है।

इन प्रमाणों को देखते हुए स्पश्ट जाना जाता है कि पृथ्वी ही नक्षत्रोंके चारो ओर घूमती है।

पाश्चात्य विद्वानोंका भी यही सिद्धात है कि पृथ्वी गोलाकार है। किंतु आज यह सिद्धात नूतन प्रतीत होता है, यह हमारी सरासर भूल है, परन्तु ''अंधा मनुश्य किसी वृक्ष से टकराकर गिर पड़े तो उसमें वृक्ष का कोई अपराध नहीं'' इसी प्रकार शास्त्रोंको न जानने वाला व्यक्ति यदि इस आविश्कारको यूरोपीय पण्डितोंकी विद्वता कहे तो यह केवल उनकी अविद्याका ही दोश है। जिन सिद्धातो को उन्होंने भारतवर्श में सीखा था, जो वास्तव में हमारी संपत्ति थी वह आज अविद्या के प्रबल अन्धकारमें छिप ही नहीं गई अपितु उन शास्त्रोंकी सत्ता ही संसारसे उठ गई और भी पृथ्वी के पक्ष में 'सूर्य सिद्धान्त' ब्रह्मसिद्धात आदि अनेक ग्रन्थोंमें इन विशयों का विशद वर्णन है।

अथ यदेनं प्रातरूदेतीति मन्यन्ते रात्रेरेव तदन्त
मित्वाऽथात्मानं विपर्यस्यते अहरेवास्तात् कुरूते रात्रिः
परस्तात् स वा एव कदाचन निहोति स वै कदाचन निम्लोचति।
(ऐतरेय ब्राह्मण)

इसका अर्थ है कि सूर्य न कभी अस्त होता है और न कभी उदय होता है। केवल पृथिवीके घूमने के कारण पूर्व और पश्चिम भागों में उदय और अस्त होता है। जब पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने आता है तो वहां पर दिन होता है और जब पृथ्वी का पृश्ठ भाग सूर्य के सामने आता है तो रात्रि हो जाती है अर्थात् सूर्य के प्रकाश का दिन और सूर्यके न दीखने का नाम रात है। जब वेद भगवान् स्वयं कहते हैं कि पृथ्वी घूमती है तो फिर इससे अधिक और कौन सिद्धात प्रमाण माना

श्रीविश्वविजय-पञ्चांगम